झारखंड

वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल

वर्षा जल प्रणालियों की योजना, डिजाइन, निर्माण,
प्रचालन और रखरखाव के लिए मानक

संरक्षण | प्रतिधारण | अस्थायी भंडारण | वहन | रखरखाव

प्रारूप संस्करण 1.0

नवंबर 2026

तैयार करने वाली संस्था

Neer.

इस प्रारूप के बारे में

स्थिति. यह *झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल* का प्रारूप संस्करण 1.0 है। इसे Neer ने झारखंड के लिए एक प्रस्तावित वर्षा जल डिजाइन मानक के रूप में तैयार किया है।

अंगीकृत नहीं. यह मैनुअल झारखंड सरकार या उसके किसी विभाग, स्थानीय निकाय या एजेंसी द्वारा अंगीकृत, अधिसूचित या समर्थित नहीं किया गया है। विशेष रूप से, यह नगर विकास एवं आवास विभाग (UD&HD), झारखंड शहरी बुनियादी संरचना विकास कंपनी (JUIDCO), जल संसाधन विभाग (WRD), रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार (RRDA), खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (MADA), दामोदर घाटी निगम (DVC), किसी नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत, अधिसूचित क्षेत्र समिति या अन्य स्थानीय निकाय, या किसी अन्य एजेंसी द्वारा अंगीकृत, अधिसूचित या समर्थित नहीं किया गया है। जहाँ यह किसी निकाय का नाम लेता है, जैसे राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA), पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (JSPCB), झारखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (JSDMA), कोई औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार, रांची नगर निगम (RMC), जमशेदपुर की औद्योगिक नगर समिति या Tata Steel UISL, कोई कोयला कंपनी, जैसे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (CCL) या भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (BCCL), कोई जिला प्रशासन, या संघ का कोई निकाय, जैसे केंद्रीय जल आयोग (CWC), खान सुरक्षा महानिदेशालय (DGMS) या दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति (DVRRC), वहाँ यह केवल उस भूमिका का वर्णन करता है जो यह मैनुअल अंगीकृत होने पर उस निकाय की होगी। यह नहीं कहता कि उस निकाय ने वह भूमिका स्वीकार कर ली है या उसके लिए सहमति दी है।

कोई विधिक बल नहीं. जब तक कोई सक्षम प्राधिकारी इसे परिवर्तनों सहित या बिना परिवर्तन के अंगीकार नहीं करता, तब तक इस मैनुअल का कोई विधिक बल नहीं है। यथासंशोधित झारखंड भवन उपविधि, 2016, मास्टर प्लान और उनके अनुमोदन की शर्तें, जल निकासी योजनाएँ, पर्यावरण स्वीकृतियों और खनन योजनाओं की शर्तें, कोयला खान विनियम, 2017, न्यायालयों और अधिकरणों के आदेश और प्रवृत्त अनुमोदन-शर्तें लागू रहेंगी।

नाम. कुछ स्थानों, नदियों और गेजों के अधिनियमों में, स्रोतों में और IMD और CWC के केंद्रों पर एक से अधिक नाम या वर्तनी हैं:

- झारखंड नवंबर 2000 तक बिहार का भाग था, और पुराने स्रोत, जिनमें CWC की बाढ़ आकलन रिपोर्टें और IMD की पुरानी तालिकाएँ सम्मिलित हैं, उसके जिलों को "बिहार" के जिलों के रूप में लिखते हैं। जिलों का नक्शा भी बदला है: 1983 से पहले रांची जिले में आज के गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा और खूंटी सम्मिलित थे; पुराने हजारीबाग जिले में आज के चतरा, कोडरमा (Kodarma), बोकारो, रामगढ़ और गिरिडीह का कुछ भाग; पलामू (Palamau) में लातेहार और गढ़वा; सिंहभूम अब पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां है; और संथाल परगना अब दुमका, देवघर, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़ और जामताड़ा हैं। IMD और CWC के स्रोत, और इस मैनुअल के वर्षा आँकड़े, अपने समय के जिले लेते हैं, और जिस खंड में किसी जिले का नाम है उसे वर्तमान सूची से जाँचना होगा;
- **मेदिनीनगर** (Medininagar) वह नगर है जिसे IMD की वेधशाला और पुराने स्रोत **डालटनगंज** (Daltonganj) कहते हैं, और **पलामू** (Palamu) जिला Palamau लिखा जाता है। **साहिबगंज** (Sahebganj) को CWC गेज पर **Sahibganj** लिखा जाता है, **स्वर्णरेखा** (Subarnarekha) को Subernarekha या Swarnrekha, **हजारीबाग** (Hazaribagh) को Hazaribag और IMD के वर्षामापी पर **कांके** (Kanke) को Kankey;
- जहाँ कोई साझा खंड राज्य के मुख्य शहर या उसके नगर निगम का नाम लेता है, वहाँ यह मैनुअल राजधानी **रांची** और **रांची नगर निगम (RMC)** का नाम लेता है। रांची क्षेत्र का विकास प्राधिकार RRDA, RMC की सीमाओं के बाहर भवनों की योजना बनाता और उनका अनुमोदन करता है; नगरपालिका अधिनियम के अंतर्गत उन सीमाओं के भीतर उसका संचालन समाप्त हो जाता है (धारा 615(3))। प्रकाशित खबरों के अनुसार, नवंबर 2025 में उच्च न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि पंचायत क्षेत्रों में पंचायत राज अधिनियम क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम पर अभिभावी है;

- **जमशेदपुर** में IMD की दो वेधशालाएँ हैं: नगर में **जमशेदपुर** (42799) और हवाई अड्डे पर **जमशेदपुर (A)** (42798)। 18 जून 2008 के 338.1 mm और 5 अगस्त 1977 के तीन घंटों में 184 mm जमशेदपुर (A) के अभिलेख हैं; यह मैनुअल प्रत्येक आँकड़े के साथ उस केंद्र का नाम देता है जहाँ से वह आता है;
- **जमशेदपुर** में नदी के निशानों की भी दो प्रणालियाँ हैं, जिन्हें आपस में मिलाया नहीं जाना है। जमशेदपुर पर स्वर्णरेखा के CWC बाढ़ पूर्वानुमान स्थल का चेतावनी स्तर 122.5 m, खतरे का स्तर 123.5 m और उच्चतम बाढ़ स्तर 129.82 m (12 अक्तूबर 1973) है, जैसा CWC की सूचियों से प्रतिलिपि किया गया है। जिला प्रशासन नदियों की स्थिति अपने खतरे के निशानों के सापेक्ष बताता है: स्वर्णरेखा पर **मानगो पुल पर 121.50 m** और खरकई पर **आदित्यपुर पुल पर 129 m**। दोनों का मिलान नहीं किया गया है; यह मैनुअल डिजाइन के लिए CWC के स्तर लेता है और जिले के निशानों को केवल सतर्कता स्तर मानता है। पढ़े गए किसी भी स्रोत में दोनों में से किसी समूह का डेटम नहीं बताया गया है, और स्तर प्रकाशित खबरों के अनुसार उद्धृत किए गए हैं [TBC];
- **खरकई** ओडिशा के मयूरभंज जिले से निकलती है और जमशेदपुर में स्वर्णरेखा से मिलती है। प्रकाशित खबरों के अनुसार, ओडिशा में उस पर बने डैम, और स्वर्णरेखा पर चांडिल डैम, ऐसा पानी छोड़ते हैं जिससे जमशेदपुर में नदियाँ ऊपर उठती हैं। **गेतलसूद** रांची से ऊपर स्वर्णरेखा पर स्थित जलाशय है, जिसे रांची मास्टर प्लान 2037 में रुक्का डैम कहा गया है; **धुर्वा** डैम को हटिया डैम भी कहा जाता है; और रांची के **बड़ा तालाब** को रांची झील (Ranchi Lake) भी कहा जाता है;
- **हरमू नदी** (*Harmu nadi*) रांची में स्वर्णरेखा की एक सहायक नदी है, 17.8 km लंबी, जिसका 10.4 km का शहरी नदी-भाग 2014 और 2018 के बीच एक चैनल के रूप में फिर से बनाया गया और जो वर्षा के साथ सीवेज भी ले जाती है। जुमार की तरह इसे नदी कहा जाता है, यद्यपि शहर में यह ट्रंक ड्रेन का काम करती है। जहाँ यह मैनुअल उसका नाम लेता है, वहाँ उसका अर्थ नदी है, नगरपालिका ड्रेन नहीं;
- **DVC** तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत के डैम संचालित करता है; मैथन और पंचेत से पानी छोड़ने की सलाह DVRRC देती है, जिसमें CWC, झारखंड, पश्चिम बंगाल और DVC का प्रतिनिधित्व है, और दामोदर पर **तेनुघाट** का राज्य का अपना डैम उससे बाहर है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। उसके द्वारा छोड़ा गया पानी, झारखंड के स्रोतों में अधिकांश नदी प्रवाहों की तरह, **क्यूसेक** (घन फुट प्रति सेकंड; 1 क्यूसेक = 0.0283 m^3/s) और **लाख क्यूसेक** (100,000 क्यूसेक) में दिया जाता है। यह मैनुअल उन्हें बताए गए रूप में उद्धृत करता है और जहाँ डिजाइन के लिए आवश्यक हो वहाँ मीट्रिक मान जोड़ता है;
- **छोटानागपुर पठार** राज्य के अधिकांश भाग पर फैला है। **कोल्हान** जमशेदपुर और चाईबासा के आसपास सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां का क्षेत्र है, **संथाल परगना** गंगा की ओर उत्तर-पूर्व का क्षेत्र, और **पलामू** उत्तरी कोयल पर उत्तर-पश्चिम का क्षेत्र। **दामोदर के कोयला क्षेत्र**, झरिया, बोकारो, रामगढ़ और कर्णपुरा (Karanpura), धनबाद से पश्चिम की ओर ऊपरी दामोदर के साथ फैले हैं। ये नाम क्षेत्रों के हैं, प्रशासनिक इकाइयों के नहीं, सिवाय जहाँ किसी जिले का वही नाम हो; और
- कोयला क्षेत्रों में **खदान का गड्ढा** (mine void) खुली खदान के खनन से छूटा गड्ढा है, **खदान झील** (pit lake) पानी से भर चुका खदान का गड्ढा, और **ओवरबर्डन डंप** (OB डंप) कोयले तक पहुँचने के लिए हटाई गई चट्टान और मिट्टी का सीढ़ीदार ढेर। **CCL** और **BCCL** कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियाँ हैं, जिनके पास राज्य की अधिकांश कोयला खदानें हैं; **DGMS** कोयला खान विनियम, 2017 के अंतर्गत खान सुरक्षा का विनियमन करता है, जलमग्नता के खतरे सहित।

यह मैनुअल पहला रूप लिखता है और अन्य रूप वहीं रखता है जहाँ कोई शीर्षक, स्रोत या केंद्र उनका प्रयोग करता है। निकायों के कुछ नामों को थोड़ी व्याख्या की आवश्यकता है:

- **नगर निगम** (Municipal Corporation), **नगर परिषद** (Nagar Parishad; Municipal Council) और **नगर पंचायत** (Nagar Panchayat) झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 के अंतर्गत शहरी स्थानीय निकाय (ULB) हैं, जो अधिनियम वर्षा जल ड्रेनों को नगरपालिका का कार्य बनाता है (धारा 70), नगरपालिका से वर्षा जल और सीवेज के लिए "एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल" ("a safe and efficient outfall") उपलब्ध कराने की अपेक्षा करता है (धारा 219), और सार्वजनिक ड्रेनों (धारा 221) और सार्वजनिक तालाबों को, उनसे संलग्न उस भूमि सहित जो निजी संपत्ति नहीं है (धारा 203), नगरपालिका में निहित करता है। राज्य के नगर निगम रांची, धनबाद, देवघर, चास, हजारीबाग, गिरिडीह, आदित्यपुर, मानगो और मेदिनीनगर हैं। जमशेदपुर के पट्टा क्षेत्र का शासन एक **अधिसूचित क्षेत्र समिति** (Notified Area Committee) करती थी: **जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (JNAC)**;

- **जमशेदपुर** के पट्टा क्षेत्र को लंबे समय से टाटा स्टील **Tata Steel UISL** (Tata Steel Utilities and Infrastructure Services Limited, पहले JUSCO) के माध्यम से सेवाएँ देती रही है। प्रकाशित खबरों के अनुसार, 23 दिसंबर 2023 को राज्य ने नगरपालिका अधिनियम की धारा 481 के अंतर्गत एक औद्योगिक नगर अधिसूचित किया, जिसमें JNAC को टाटा स्टील की सुविधाओं के साथ मिला दिया गया; अधिसूचना को उच्च न्यायालय में PIL 2636/2024 में चुनौती दी गई, जिसका परिणाम नहीं मिला, और अधिसूचना स्वयं पढ़ी नहीं गई। राज्य और टाटा स्टील के बीच 2005 का पट्टा कंपनी को नगरपालिका सेवाओं का स्तर बनाए रखने के लिए बाध्य करता है, किंतु ड्रेनों या वर्षा जल का उल्लेख नहीं करता। मानगो, जुगसलाई और आदित्यपुर, जो शहर की नदियों को साझा करते हैं, अलग स्थानीय निकाय हैं;
- **UD&HD** भवन उपविधि जारी करता है और मास्टर प्लान अनुमोदित करता है। **JUIDCO** वह राज्य कंपनी है जो उसके लिए वर्षा जल निकासी और AMRUT परियोजनाएँ बनाती है, जैसे रांची में हरमू नदी के कार्य और धनबाद की विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित जल निकासी, और **SUDA** शहरी स्थानीय निकायों को सहयोग देता है;
- **MADA** धनबाद का खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार है, जिस पर भवन उपविधि 2016 भी लागू होती है। आधिकारिक पाठ इसकी विधि का नाम अलग-अलग देते हैं (1986, 2000 या 2001 का कोई अधिनियम), और नगरपालिका अधिनियम उपबंध करता है कि उसके कार्य "जिस सीमा तक अधिसूचित हो" ("to the extent notified") धनबाद नगर निगम को अंतरित हो जाते हैं (धारा 615(4)); ऐसी कोई अधिसूचना नहीं मिली। औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार, जैसे आदित्यपुर का, औद्योगिक संपदाओं का शासन करते हैं;
- **WRD** राज्य की नदियों, डैमों और बाढ़ कार्यों का धारक है, जिनमें रांची के कांके, धुर्वा और गेतलसूद डैम सम्मिलित हैं; भवन उपविधि 2016 नदी की सीमा "जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो" ("as prescribed by the Irrigation Department") लेती है। इस मैनुअल में **पेयजल एवं स्वच्छता विभाग** को राज्य की भूजल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है; 2024 में राज्य ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) को बताया कि भूजल निकालने की अनुमतियाँ किसी राज्य निकाय द्वारा नहीं, केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (CGWB) द्वारा जारी की जा रही थीं;
- **झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण**, जो आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के अंतर्गत 2017 में गठित और 2018 में पुनर्गठित हुआ, ने उन नियमों के अंतर्गत कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं की है; और
- **अंचल** (anchal) एक circle है, जिले का राजस्व उप-भाग, जो अंचल अधिकारी के अधीन है, जिसे लोक भूमि, तालाबों और नदी-तटों पर अतिक्रमण की सूचना दी जाती है। छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 और संथाल परगना काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949 राज्य के अधिकांश भाग में रैयती भूमि के हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगाते हैं, जिससे यह सीमित होता है कि जल निकासी आरक्षित पट्टियों और अस्थायी भंडारण के लिए भूमि कैसे प्राप्त की जा सकती है।

कुछ संक्षिप्त रूपों के एक से अधिक अर्थ हैं:

- अध्याय 2 और 3 में AMC पूर्ववर्ती नमी स्थिति (antecedent moisture condition) है; यह मैनुअल इसका प्रयोग किसी नगर निकाय के लिए नहीं करता;
- RMC रांची नगर निगम है, रेडी-मिक्स्ड कंक्रीट नहीं;
- इस मैनुअल में MC पूरा लिखा जाता है, क्योंकि झारखंड में इसका अर्थ नगर निगम या नगर परिषद हो सकता है;
- HFL किसी गेज पर दर्ज उच्चतम बाढ़ स्तर है, जैसा CWC इसका प्रयोग करता है। यह डिजाइन स्तर नहीं है, और स्रोत कभी-कभी एक ही गेज के लिए अलग-अलग मान देते हैं। जमशेदपुर के जिला प्रशासन के खतरे के निशान CWC के स्तर नहीं हैं;
- FTL (तालाब का पूर्ण जल स्तर) रांची मास्टर प्लान 2037 का अपने जलाशयों के लिए शब्द है; FRL (जलाशय का पूर्ण जल स्तर) CWC का। मैथन और पंचेत के लिए CWC जिसे FRL के रूप में सूचीबद्ध करता है वह DVC का अधिकतम बाढ़ स्तर है, संरक्षण स्तर नहीं, और प्रत्येक खंड उस स्तर का नाम देता है जिसका वह उपयोग करता है;
- OB कोयला क्षेत्रों में ओवरबर्डन है; और
- SWD वर्षा जल ड्रेन (storm water drain) है।

संदर्भ से अर्थ स्पष्ट हो जाता है। पाठ में प्रयुक्त हिन्दी शब्द, जैसे *तालाब* (talab; तालाब या पोखर, जैसे रांची का बड़ा तालाब), *बाँध* (bandh; मिट्टी या चिनाई का तटबंध जो पानी रोकता है, और उससे बना तालाब या डैम), *डोभा* (dobha; खेत में खोदा गया छोटा तालाब, लगभग 3 m वर्गाकार और गहरा, राज्य के डोभा कार्यक्रम का; इस शब्द का कोई शब्दकोश-स्रोत नहीं मिला), *आहर* (ahar; सिंचाई के लिए वर्षा और बाढ़ का पानी रोकने वाला जलाशय), *चुआँ* (chuan; झरना, या वह गड्ढा जिससे रिसता पानी लिया जाता है), *दोन* (don; पहाड़ियों के बीच की निचली भूमि), *नाला* (nala; प्राकृतिक ड्रेन या बड़ी वर्षा जल ड्रेन) और *नाली* (nali; गली की छोटी ड्रेन), वहीं समझाए गए हैं जहाँ वे पहली बार आते हैं।

सावधानी से उपयोग करें. समीक्षा के बाद खंडों और मानों में परिवर्तन हो सकता है। डिजाइनकर्ता अपने डिजाइन के लिए और अपने द्वारा प्रयुक्त आँकड़ों की जाँच के लिए उत्तरदायी बने रहेंगे। इस प्रारूप के आधार पर लिए गए निर्णयों के लिए Neer कोई दायित्व स्वीकार नहीं करता।

हित-प्रकटन. Neer इंडिया फ्लड एटलस (India Flood Atlas) प्रकाशित करता है, जो मॉडल की गई 1% AEP बाढ़ गहराई का एक राष्ट्रीय मानचित्र है। खंड 6.11.3 में इसका नाम ऐसे क्षेत्रीय मानचित्र के एक उदाहरण के रूप में लिया गया है जिसे कोई अनुमोदन प्राधिकारी फर्श स्तरों के लिए अंगीकार कर सकता है। यह मैनुअल इस एटलस को अनिवार्य नहीं करता; खंड 7.3.4 के अंतर्गत अंगीकृत किसी भी मानचित्र का उपयोग किया जा सकता है।

सुझाव. सुझावों और सुधारों का info@neer.ai पर स्वागत है।

प्रस्तावना

झारखंड के शहरों में बाढ़ के तीन कारण हैं। रांची ने पहला कारण जून 2025 में दिखाया, जब, प्रकाशित खबरों के अनुसार, जिले में 125.7 mm के सामान्य के मुकाबले तीन सप्ताहों में 459 mm वर्षा हुई, उस शहर पर जिसकी ड्रेनों के लिए कोई डिजाइन वर्षा घटना प्रकाशित नहीं हुई है; जमशेदपुर ने दूसरा कारण जून 2008 में दिखाया, जब स्वर्णरेखा और खरकई अपने खतरे के निशानों से ऊपर चढ़ गईं और, प्रकाशित खबरों के अनुसार, 500 से अधिक घर जलमग्न हुए; और धनबाद तीसरा कारण दिखाता है, जहाँ एक कोयला नगर की जल निकासी की योजना खदान के गड्ढों, ओवरबर्डन डंपों, धंसती भूमि और आग के इर्द-गिर्द बनानी पड़ती है, और जहाँ, जमशेदपुर की तरह, नगर के नीचे के जलभृतों का जल स्तर नीचे चला गया है।

1. **चट्टानी पठार पर तीव्र वर्षा, जिसकी निकासी छोटी वर्षा घटनाओं के लिए बने कार्यों से होती है।** राज्य का लगभग 85% भाग कठोर चट्टान पर है, जहाँ ग्रेनाइट और नीस के ऊपर की पतली मिट्टी जल्दी भर जाती है और अपवाह तेजी से आता है। उप-क्षेत्र 1(g) की CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट के हल किए गए उदाहरण में, रामगढ़ जिले में बरकाकाना के पास सफी पर 390 km^2 के एक जलग्रहण क्षेत्र में, छह घंटे की डिजाइन वर्षा घटना का 57% उसके पहले घंटे में गिरता है और 50-वर्ष का चरम 1,771 m^3/s है, प्रत्येक वर्ग किलोमीटर से लगभग 4.5 m^3/s। छोटी अवधि की बौछारें CWC के अनुपातों की अनुमति से बड़ी हैं: 6 अगस्त 1971 को रांची के पास मांडर में एक घंटे में 99 mm और तीन घंटों में 171 mm दर्ज हुई, और 5 अगस्त 1977 को जमशेदपुर (A) में तीन घंटों में 184 mm, जबकि CWC के मानचित्रों और अनुपातों से पढ़ने पर रांची या जमशेदपुर में 50-वर्ष की वर्षा घटना के लिए लगभग 84 mm और 124 mm मिलते हैं। ऐसी वर्षा घटनाओं के विरुद्ध बनाए गए कार्यों का आकार इससे कहीं कम के लिए निर्धारित किया गया था। धनबाद की विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित जल निकासी परियोजना, 154 km नई ड्रेनें, वर्ष में एक बार अपेक्षित वर्षा घटना के लिए डिजाइन की गई, क्योंकि, 2017 के JUIDCO के प्रारूप पर्यावरणीय आकलन के शब्दों में, 2 या 5 वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि से "उपलब्ध RoW से परे भूमि में वृद्धि हो रही थी" ("was resulting in increase in land beyond the available RoW")। रांची की हरमू नदी को 25-वर्ष की बाढ़ के लिए डिजाइन किए गए चैनल के रूप में फिर से बनाया गया, जबकि नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (CAG) द्वारा लागू किया गया मानक, IS 12094, नगरों की रक्षा करने वाले कार्यों के लिए 100 वर्ष की माँग करता है; जुलाई 2016 और जुलाई 2017 में उसके क्षतिग्रस्त होने के बाद नदी-भागों का डिजाइन 50 वर्ष के लिए फिर से किया गया, और उसके जलग्रहण क्षेत्र के लिए प्रयुक्त अपवाह गुणांक 0.95 से घटाकर 0.29 कर दिया गया था (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। रांची के सीवरेज और जल निकासी अनुबंध की 207 km वर्षा जल ड्रेनों में से अक्तूबर 2019 में अनुबंध समाप्त किए जाने से पहले 1.49 km बनीं, जो किसी ड्रेन नेटवर्क से नहीं जुड़ी थीं। किसी भी डिजाइन वर्षा घटना से कहीं बड़े दिन अभिलेख में हैं: 18 जून 2008 को जमशेदपुर (A) में 338.1 mm, 5 जुलाई 1998 को कांके में 332.6 mm, 11 जुलाई 1990 को मांडर में 382.0 mm, 27 अगस्त 1980 को गिरिडीह में 403.0 mm, और राज्य की सबसे अधिक, 25 सितंबर 1999 को साहिबगंज जिले के तालझारी में 601.4 mm। प्रकाशित खबरों के अनुसार, जून 2025 में जमशेदपुर में एक दिन में 247.2 mm वर्षा हुई। छतें, सड़कें, पक्के फर्श और बेसमेंट अब ड्रेनों में अधिक पानी, और अधिक तेजी से, भेजते हैं।
2. **नदियाँ और डैमों से छोड़ा गया पानी, जो आउटफॉलों को अवरुद्ध करते हैं।** जमशेदपुर वहाँ स्थित है जहाँ खरकई स्वर्णरेखा से मिलती है, और दोनों नदियाँ ऊपर के डैमों से ऊँची उठती हैं, जिनमें से कुछ ओडिशा में हैं। जून 2008 में, 18 जून को जमशेदपुर (A) में 338.1 mm वर्षा के बाद, ओडिशा में खरकई पर एक डैम के गेट खोले जाने पर दोनों नदियाँ अपने खतरे के निशानों से ऊपर चढ़ गईं; प्रकाशित खबरों के अनुसार, 500 से अधिक घर जलमग्न हुए और सेना बुलाई गई, और आदित्यपुर पर खरकई के लिए CWC द्वारा सूचीबद्ध उच्चतम स्तर, 137.8 m, उसी दिन का है (प्रतिलिपि के अनुसार)। मई 2021 में चक्रवात यास में स्वर्णरेखा ने नहीं, खरकई ने अपना खतरे का निशान पार किया: वह आदित्यपुर पर 129 m के जिले के निशान के मुकाबले 132.40–132.87 m पर थी, जबकि मानगो पर स्वर्णरेखा 121.50 m के अपने निशान से नीचे 119.20 m पर थी, और प्रकाशित खबरों के अनुसार, कोल्हान में लगभग 14,000 लोगों को निकाला गया। 26 जुलाई 2025 को दोनों नदियाँ 134.90 m और 123.36 m पर बताई गईं, उन निशानों से 5.90 m और 1.86 m ऊपर। दामोदर घाटी में, प्रकाशित खबरों के अनुसार, 17 सितंबर 2024 को DVC के मैथन और पंचेत डैमों से संयुक्त चरम निकास 2.5 लाख क्यूसेक (लगभग 7,080 m^3/s) तक पहुँचा, और तेनुघाट से 85,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया; उस दिन CWC की दैनिक रिपोर्ट ने राज्य में दामोदर, बराकर, उत्तरी कोयल

और सोन पर छह स्थलों को उनके खतरे के स्तर पर या उससे ऊपर सूचीबद्ध किया। गंगा पर नदी का पश्चजल (backwater) साहिबगंज और राजमहल को नियंत्रित करता है: साहिबगंज पर उसका उच्चतम स्तर, अगस्त 1998 में 30.91 m, खतरे के स्तर से 3.66 m ऊपर है, और 11 सितंबर 2026 को वह 28.72 m पर बताई गई, जो चार वर्षों में उसका सबसे ऊँचा स्तर था।

3. **खनन से बदला हुआ भूदृश्य, औद्योगिक नगरों में नीचे गए जलभृतों के ऊपर।** दामोदर के कोयला क्षेत्र, झरिया और धनबाद से बोकारो और बेरमो होते हुए रामगढ़–पतरातू और कर्णपुरा तक, खदान के गड्ढों और खदान झीलों, ओवरबर्डन डंपों और धंसती और जलती भूमि का प्रदेश हैं। धनबाद की जल निकासी परियोजना ने कोयला-धारी क्षेत्र और अग्नि क्षेत्र को पूरी तरह छोड़ दिया, और शेष भाग में 243 km सड़कों में से केवल 40 km के साथ सड़क-किनारे की ड्रेनें पाईं। झरिया के अग्नि क्षेत्र के अनुमान मेल नहीं खाते: 2014 में संसद को बताए गए एक सुदूर संवेदन सर्वेक्षण में 2.18 km^2, समाचार माध्यमों में लगभग 1.8 km^2 और कोयला मंत्रालय की 2025-26 की रिपोर्ट में 1.53 km^2; उपग्रह अध्ययनों ने भू-धंसान कुछ सेंटीमीटर से लेकर कुछ स्थानों पर 50 cm प्रति वर्ष से अधिक तक मापा है; और 15,080 परिवारों के पुनर्वास के लिए 25 जून 2025 को एक संशोधित झरिया मास्टर प्लान अनुमोदित किया गया। ओवरबर्डन डंप तलछट छोड़ते हैं: CAG ने CCL की चार खदानों के बहिःस्राव में 100 mg/l की सीमा के मुकाबले 104 से 12,628 mg/l निलंबित ठोस पाए, और खुदिया नदी के किनारे डाला गया ओवरबर्डन पाया, जहाँ पर्यावरण स्वीकृति में जलाशयों से कम से कम 60 m का अवरोधक (barrier) अपेक्षित था (2019 की रिपोर्ट संख्या 12)। खदान के गड्ढे पानी का भंडारण भी करते हैं: झरिया के ओलीडीह (Olidih) जलसंभर के एक मॉडल ने पाया कि उसके परित्यक्त गड्ढे सतही अपवाह को लगभग आधा कम करते हैं (सारांश के अनुसार)। भूमिगत, राज्य समग्र रूप से अपने दोहन योग्य भूजल का केवल लगभग एक-तिहाई निकालता है (2025 में 32.89%), किंतु औद्योगिक नगरों पर दबाव है। 2023 में जमशेदपुर शहरी, गोलमुरी-सह-जुगसलाई, बलियापुर और बेरमो अति-दोहित थे, धनबाद शहरी और तोपचांची गंभीर, और रांची जिले का 501.6 km^2 क्षेत्र गंभीर था, जहाँ 2022 के मानसून से पहले पानी 33 m नीचे था। कठोर चट्टान में पानी लगभग 10–25 m मोटे अपक्षयित क्षेत्र से प्रवेश करता है, जो लैटेराइट के नीचे अधिक गहरा है, और फ्लोराइड, और साहिबगंज में आर्सेनिक, यह सीमित करते हैं कि किसका पुनर्भरण किया जा सकता है।

इन तीनों के पीछे खोया हुआ भंडारण है। प्रकाशित खबरों के अनुसार, 2024 में झारखंड उच्च न्यायालय को बताया गया कि रांची में कभी 71 तालाब थे और अब केवल चार-पाँच दिखते हैं। प्रकाशित खबरों के अनुसार, 31 जुलाई 2025 को उसने, कांके और धुर्वा डैमों के पास "कई एकड़" ("several acres") अतिक्रमित पाए जाने के बाद, निर्देश दिया कि रांची के जलाशयों से अतिक्रमण हटाए जाएँ और उनके आसपास के क्षेत्र को कँटीले तार से घेरकर "प्रवेश-निषिद्ध" ("no-entry") जोन बनाया जाए; उसका 7 जनवरी 2026 का आदेश पढ़ा नहीं गया। रांची मास्टर प्लान 2037 कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के पूर्ण जल स्तर से 20 m के भीतर निर्माण का निषेध करता है, किंतु जमशेदपुर और धनबाद के मास्टर प्लान के अनुमोदनों में ऐसा कोई निषेध नहीं मिला, और नगरपालिका अधिनियम अब भी नगरपालिका को किसी निजी तालाब को भरवाने की अपेक्षा करने देता है (धारा 341)। धनबाद की जल निकासी परियोजना अपने 94 आउटफॉलों में से 19 को तालाबों में भेजती है और दस बड़े तालाबों को भंडारण के रूप में रखती है; जमशेदपुर का 2027 का मास्टर प्लान विद्यमान (1,280 ha) से कम प्रस्तावित जल क्षेत्र (1,186.31 ha) दिखाता है। प्रकाशित खबरों के अनुसार, सितंबर 2017 तक खेतों पर 1.7 लाख से अधिक *डोभे* (*dobhas*) खोदे गए। उधवा झील, साहिबगंज जिले में 935.5 ha की गंगा के डूब क्षेत्र की आर्द्रभूमि, राज्य का एकमात्र रामसर स्थल है, उसके रामसर सूचना पत्रक पर नामांकन की तिथि 8 जनवरी 2024 (इसकी घोषणा फरवरी 2025 में हुई); राज्य में कोई आर्द्रभूमि आर्द्रभूमि नियम, 2017 के अंतर्गत अधिसूचित नहीं की गई है।

इसलिए झारखंड के लिए डिजाइन को ऐसे मानसून को सम्मिलित करना होगा जो जून के मध्य में आता है और अक्तूबर तक टिका रहता है, पतली मिट्टी, लैटेराइट और चट्टान के पठार पर, ऐसे शहरों में जिनका पानी डैमों से छोड़े गए पानी से ऊँची उठी नदियों में, उन्हें जल आपूर्ति करने वाले जलाशयों में, और कुछ स्थानों पर खदान के गड्ढों में जाता है। जैसा IMD का रांची केंद्र बताता है, मानसून सामान्यतः लगभग 12 जून को राज्य पर आता है, लगभग 13 जून को जमशेदपुर और बोकारो, 14 जून को रांची और 17 जून को डालटनगंज पहुँचता है, और डालटनगंज में 8 अक्तूबर और जमशेदपुर में 12 अक्तूबर के बीच वापस जाता है। वर्ष की लगभग 84% वर्षा जून से सितंबर तक होती है; वार्षिक सामान्य वर्षा गढ़वा में 1,084.5 mm और पलामू (Palamau) में 1,089.0 mm से लेकर रांची में 1,307.7 mm, पूर्वी सिंहभूम में 1,336.7 mm और पाकुड़ में 1,500.3 mm तक है। 1891 से 2010 तक राज्य को प्रभावित करने वाले 450 चक्रवाती तूफानों और अवदाबों में से आधे से अधिक अगस्त और सितंबर में आए, और 29 अक्तूबर में, और बड़ी वर्षा घटनाएँ मौसम के बाहर भी होती हैं: 26–27 मई 2021 को चक्रवात यास में IMD ने एक दिन में चाईबासा में 21 cm, मांडर में 18 cm और रांची में 15 cm वर्षा दर्ज की; 7 अक्तूबर 2004 को चाईबासा में 241.0 mm, और 12 अक्तूबर 1973 को रांची (A) में 175.8 mm दर्ज हुई।

राष्ट्रीय मार्गदर्शन सार्वजनिक ड्रेनों का आकार तो तय करता है, किंतु नए निर्माण से बढ़ने वाले अपवाह को नियंत्रित नहीं करता। यह मैनुअल वर्षा जल को **विकास अनुमोदन की एक शर्त** बनाता है। एक साधारण आकार से बड़े प्रत्येक विकास को:

- बार-बार होने वाली वर्षा को साइट पर ही रोकना होगा;
- बड़ी वर्षा घटनाओं का पानी अविकसित भूमि की तुलना में अधिक तेजी से नहीं छोड़ना होगा, या जहाँ जलग्रहण क्षेत्रों में पहले से बाढ़ आती है वहाँ उससे भी धीमे छोड़ना होगा; और
- यह दिखाना होगा कि उसका आउटफॉल तब भी काम करता है जब प्राप्तकर्ता नाला, नदी या जलाशय ऊँचा हो, जब ऊपर का कोई डैम पानी छोड़ रहा हो, या जब उसके आउटफॉल का गेट बंद हो।

यह मैनुअल यह भी निर्धारित करता है कि सार्वजनिक ड्रेनों, सड़कों, नालों, तालाबों (talab), बाँधों (bandh), डैमों के जलाशयों और अन्य जलाशयों, गेटयुक्त आउटफॉलों और बेसिन-स्तरीय मास्टर प्लानों का डिजाइन कैसे किया जाए, और जहाँ अपवाह किसी खदान के गड्ढे या ओवरबर्डन डंप से मिलता है वहाँ उसका प्रबंधन कैसे किया जाए, ताकि निजी साइटें और लोक निर्माण कार्य एक ही मानक को लक्ष्य करें।

यह मैनुअल भारत और विदेश के प्रमुख वर्षा जल मानकों पर आधारित है। प्रत्येक को झारखंड की परिस्थितियों के अनुसार ढाला गया है: जून के मध्य से अक्तूबर के आरंभ तक का दक्षिण-पश्चिम मानसून, पठार पर बादल फटने की घटनाओं और बंगाल की खाड़ी के अवदाबों और चक्रवातों के अवशेषों के साथ, जिनसे उसकी नदियों के अधिकांश रिकॉर्ड बने हैं; स्वर्णरेखा और खरकई, DVC के डैमों के नीचे दामोदर और बराकर, उत्तरी कोयल, ब्राह्मणी का उद्गम क्षेत्र और साहिबगंज पर गंगा; ग्रेनाइट और नीस पर पतली मिट्टी, लैटेराइट आवरण, ऊपरी भूमि की लाल दोमट और घाटी-तलों की धान भूमि, कोयला संस्तर और उनकी खनन से विक्षुब्ध भूमि, और गंगा का जलोढ़, ऐसे कठोर चट्टानी जलभृतों के ऊपर जिनका जल स्तर औद्योगिक नगरों में नीचे गया है; तालाब (talab), बाँध (bandh), डोभे (dobha) और शहरी जलाशय; और ऐसे शहर जिनकी नई कॉलोनियाँ, बेसमेंट और सड़कें जल निकासी की प्राकृतिक रेखाओं के आर-पार हैं।

1. **राष्ट्रीय आधार.** CPHEEO का *Manual on Storm Water Drainage Systems* (2019)। यह मैनुअल उस पर आधारित है और जहाँ वह किसी राज्य को अनुमति देता है वहाँ उच्चतर मानक निर्धारित करता है। IRC की सड़क जल निकासी संहिताओं और NDMA के शहरी बाढ़ दिशानिर्देशों का भी उपयोग किया गया है।
2. **समग्र संरचना.** Kansas City Metro APWA Section 5600 (Version 2025.01), सबसे नवीनतम व्यापक क्षेत्रीय मानक। इससे संरक्षण, प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, वहन और रखरखाव का क्रम और आवश्यक प्रतिधारण आयतन लिया गया है।
3. **डिजाइन वर्षा.** अंतरिम स्रोत के रूप में, उन तीन उप-क्षेत्रों की CWC *Flood Estimation Reports* जो राज्य को बेसिन के अनुसार बाँटते हैं: उप-क्षेत्र 1(g) निचला गंगा मैदान, जिसका "पहाड़ी क्षेत्र" ("hilly region") रांची और जमशेदपुर से धनबाद, गिरिडीह, देवघर और साहिबगंज तक छोटानागपुर पठार को सम्मिलित करता है; पलामू, लातेहार, गढ़वा और चतरा के लिए उप-क्षेत्र 1(d) सोन; और लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा के लिए उप-क्षेत्र 3(d) महानदी। जहाँ उनके अनुपात छोटी अवधि की वर्षा घटनाओं को कम आँकते हैं, वहाँ उनके लिए न्यूनतम सीमाएँ मांडर और जमशेदपुर (A) पर दर्ज बौछारों से निर्धारित की गई हैं। IMD के वर्षा तीव्रता वक्रों के राष्ट्रीय संग्रह (Das et al., 2022) में झारखंड के किसी केंद्र का कोई पैनल नहीं है और उसका उपयोग नहीं किया गया है; झारखंड के किसी शहर के लिए एकमात्र प्रकाशित तीव्रता–अवधि–आवृत्ति (IDF) अध्ययन, रांची के लिए (Upadhyaya et al., 2022), पूरा प्राप्त नहीं हो सका और उसके स्थिरांकों का उपयोग नहीं किया गया है; और राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (NIH), रुड़की द्वारा ग्रिड वर्षा का आवृत्ति विश्लेषण केवल तुलना के लिए प्रयुक्त है।
4. **मानसून पद्धति.** छोटी साइटों के लिए नियत-गुणांक मार्ग और जल निकासी आरक्षित पट्टियों के लिए PUB सिंगापुर का *Code of Practice on Surface Water Drainage* (7th ed., 2025)। मानसूनी डिजाइन वर्षा घटनाओं और सरलीकृत साइट पर अस्थायी भंडारण के लिए मलेशिया का MSMA 2 (2012)।
5. **अपवाह में कमी और उपचार.** अपवाह में कमी और अनुप्रवाह विश्लेषण के लिए Georgia Stormwater Management Manual (2016)। उपचार शृंखला के लिए CIRIA C753 *The SuDS Manual* (2015)। आउटलेट और भंडारण डिजाइन के लिए Mile High Flood District का मानदंड मैनुअल।
6. **स्थानीय नियम.** झारखंड भवन उपविधि, 2016, जिसे झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 434 के अंतर्गत UD&HD ने अधिसूचित किया है और जिसे प्रत्येक क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, शहरी स्थानीय निकाय, MADA और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार लागू करता है; झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011; रांची मास्टर प्लान 2037, जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027 और धनबाद मास्टर प्लान

2041 के अनुमोदन; आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017; कोयला खान विनियम, 2017 और कोयला खदानों की पर्यावरण स्वीकृतियों की शर्तें; जहाँ जल निकासी आरक्षित पट्टियों के लिए भूमि का प्रश्न हो, वहाँ छोटानागपुर और संथाल परगना के काश्तकारी अधिनियम; और जलाशयों, नदियों और सीवेज पर झारखंड उच्च न्यायालय और NGT के आदेश। यह मैनुअल उनका पालन करता है या, जहाँ प्रकट किया गया है, उन्हें अधिक कठोर बनाता है। भवन उपविधि 2016 के 15 मई 2017, 17 अगस्त 2017 (दूसरा), 6 जून 2019 (पाँचवाँ) और 2019 (छठा) के संशोधन पढ़े गए; दसवाँ (मार्च 2024) और ग्यारहवाँ (27 अप्रैल 2026) संशोधन केवल सारांशों में देखे गए, और पढ़े गए या सारांशित इनमें से कोई भी नदियों, बेसमेंट या वर्षा जल संचयन संबंधी प्रावधानों को नहीं छूता। क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम और नगर निवेशन एवं उन्नयन न्यास अधिनियम, जिनके अंतर्गत मास्टर प्लान अनुमोदित हुए, MADA की विधि, काश्तकारी अधिनियम, जमशेदपुर के लिए औद्योगिक नगर अधिसूचना और रांची और राज्य के लिए बताए गए वर्षा जल संचयन विनियमन पढ़े नहीं गए; मास्टर प्लान केवल उनकी अनुमोदन अधिसूचनाओं से उद्धृत हैं। उद्धृत प्रत्येक नियम की वर्तमान पाठ से जाँच करनी होगी।

यह मैनुअल क्यों आवश्यक है

भारत में वर्षा जल डिजाइन का कोई एकसमान मानक नहीं है. CPHEEO का *Manual on Storm Water Drainage Systems* (2019) वर्षा जल निकासी को समर्पित देश का पहला मैनुअल है, किंतु वह परामर्शी है। आवास और शहरी कार्य मंत्रालय उसे परामर्शी दिशानिर्देशों में सूचीबद्ध करता है और शहरी बाढ़ को राज्य सरकारों और शहरी स्थानीय निकायों का विषय मानता है। इस मैनुअल के लिए समीक्षा किए गए राष्ट्रीय नियमों या राज्य भवन नियमों में से कोई भी अपवाह नियंत्रण को भवन अनुमोदन की शर्त नहीं बनाता, और न ही आदर्श भवन उपविधियाँ, 2016 ऐसा करती हैं।

राष्ट्रीय दस्तावेज प्रमुख मानों को खुला छोड़ देते हैं, या अलग-अलग उत्तर देते हैं.

- **पुनरावृत्ति अवधि.** CPHEEO श्रेणी I शहरों में ड्रेनों के लिए 5 वर्ष और अन्यत्र 2 वर्ष की सिफारिश करता है, और राज्य की समिति को उच्चतर मान अंगीकार करने देता है। CPHEEO की 2023 की एक प्रस्तुति एक अलग तालिका दिखाती है। IRC:SP:50-2013 शहरी सड़क ड्रेनों के लिए 1–2 वर्ष सुझाता है; IRC:SP:42-2014 25 वर्ष सुझाता है। झारखंड में ड्रेन का डिजाइन करने वाला अभियंता चुनी गई संहिता के अनुसार 1, 2, 5 या 25 वर्ष का हवाला दे सकता है।
- **अस्थायी भंडारण.** CPHEEO चरम बहिर्वाह को विकास-पूर्व दरों तक सीमित करने को सामान्य पद्धति के रूप में वर्णित करता है। वह "shall" (अनिवार्य) का प्रयोग नहीं करता और किसी वर्षा घटना की आवृत्ति का नाम नहीं लेता।
- **जलवायु.** NDMA के शहरी बाढ़ दिशानिर्देश (2010) अस्थायी भंडारण और प्रतिधारण सुविधाओं की तथा जलवायु परिवर्तन के लिए समायोजित वर्षा वक्रों की माँग करते हैं, किंतु कोई आकार-निर्धारण नियम या पुनरावृत्ति अवधि नहीं देते।
- **डिजाइन वर्षा.** कोई भी राष्ट्रीय दस्तावेज ऐसी डिजाइन वर्षा नहीं देता जिसे डिजाइनकर्ता किसी दिए गए नगर पर सीधे लागू कर सके। प्रत्येक परियोजना अपना स्रोत स्वयं चुनती है। IMD के 2022 के वर्षा तीव्रता वक्रों के राष्ट्रीय संग्रह में झारखंड के किसी केंद्र का कोई पैनल नहीं है। राज्य को सम्मिलित करने वाली CWC रिपोर्टें 1987 (उप-क्षेत्र 1(d)), 1994 (1(g)) और 1997 (3(d)) की हैं; वे 1-घंटे की वर्षा को 24-घंटे की वर्षा का 0.37, 0.35 और 0.39 मानती हैं, और 1(g) की रिपोर्ट 2.7 mm/h की हानि मानकर चलती है। राज्य के लंबे अभिलेख वाले अनेक वर्षामापियों पर उनके मानचित्रों से अधिक वर्षा दर्ज हुई है: 25 सितंबर 1999 को तालझारी में 601.4 mm दर्ज हुई, जहाँ मानचित्र 50-वर्ष का दैनिक मान लगभग 240–280 mm देता है, 18 जून 2008 को जमशेदपुर (A) में 338.1 mm, जबकि 100-वर्ष का दैनिक मान लगभग 240–280 mm है, और 27 अगस्त 1980 को गिरिडीह में 403.0 mm, जबकि लगभग 280–320 mm है। NIH-DHAARA के पुनर्विश्लेषण ग्रिड दोनों ओर गलती करते हैं: वे हजारीबाग पर 50-वर्ष के दिन के लिए 148 mm और रांची पर 196 mm देते हैं, जबकि मानचित्रों पर लगभग 240–280 mm और 240 mm है, किंतु साहिबगंज पर 368 mm और जमशेदपुर पर 306 mm।

झारखंड का जल निकासी डिजाइन का अपना कोई मानक नहीं है। इस मैनुअल के लिए किए गए अनुसंधान में UD&HD, JUIDCO, WRD, RMC, किसी अन्य नगर निगम या Tata Steel UISL का ऐसा कोई मानक, IDF संबंध या परिपत्र नहीं मिला जो शहर की वर्षा जल ड्रेनों के लिए पुनरावृत्ति अवधि या डिजाइन वर्षा निर्धारित करता हो। जो उपलब्ध है वह परियोजनाओं के विकल्प हैं, जो समस्याओं के रूप में अभिलिखित हुए:

धनबाद की जल निकासी परियोजना के लिए वर्ष में एक बार अपेक्षित वर्षा घटना, जिसे ड्रेनों को सड़क के भीतर रखने के लिए चुना गया (JUIDCO, 2017); रांची में हरमू नदी के चैनल के लिए 25 वर्ष, बाद में 50 वर्ष, जबकि CAG ने 100 वर्ष की अपेक्षा की, और चेनेज 10.4 km पर 64.11 m^3/s का 25-वर्ष का डिजाइन प्रवाह, जबकि JUIDCO के अपने आँकड़ों से 177 m^3/s (CAG, 2023); और कोयला खदानों में "चरम आकस्मिक वर्षा और अधिकतम प्रवाह से ऊपर कम से कम 50% सुरक्षा मार्जिन" ("at least 50% safety margin over and above the peak sudden rainfall and maximum discharge") के साथ डिजाइन की गई गारलैंड ड्रेनें, जो पर्यावरण स्वीकृति की एक मानक शर्त है जो किसी पुनरावृत्ति अवधि का नाम नहीं लेती। यह मैनुअल भवन उपविधि, नगरपालिका अधिनियम और मास्टर प्लान के तकनीकी सहायक के रूप में प्रस्तुत किया गया है: यह वे डिजाइन वर्षा घटना, अस्थायी भंडारण, जल स्तर और बफर मान देता है जिन्हें वे खुला छोड़ देते हैं। इसे UD&HD या किसी अन्य निकाय द्वारा अंगीकृत नहीं किया गया है। विशेष रूप से:

- **भवन नियम वर्षा जल संचयन की अपेक्षा करते हैं, पर अस्थायी भंडारण की नहीं।** भवन उपविधि 2016 300 m^2 और उससे बड़े भूखंडों पर वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाती है, छत के प्रत्येक 100 m^2 के लिए कम से कम 6 m^3 के पुनर्भरण गड्ढों या खाइयों के साथ (उपविधि 51.1), जो छत के अपवाह का लगभग 60 mm है; छत के पानी को छानकर संप में ले जाना वैकल्पिक है। बहुमंजिला भवनों को "NBC के मानदंडों के अनुसार" ("as per NBC norms") पुनर्भरण कुआँ (58.6.6) और अपने चारों ओर के फर्श के कम से कम आधे भाग के लिए नरम, पारगम्य फर्श (58.6.15) चाहिए, जिसे 2017 के संशोधन द्वारा घटाकर 40% कर दिया गया। RMC के एक वर्षा जल संचयन विनियमन (2016) और एक राज्य विनियमन (2017) की खबर है, उसी 300 m^2 के सीमा-मान के साथ और, रांची में, वार्षिक होल्डिंग टैक्स के 1.5 गुना दंड के साथ, किंतु उनके पाठ नहीं मिले। नगरपालिका अधिनियम अपेक्षा करता है कि प्रत्येक भवन में आयुक्त की अपेक्षा के अनुसार "ऐसे आकार ... की ... और ऐसी ढाल के साथ" ("of such size ... and with such fall") ड्रेन हो, जो 30 m के भीतर किसी नगरपालिका ड्रेन में निस्सरण करे (धारा 227)। कोई नियम साइट पर अस्थायी भंडारण की अपेक्षा नहीं करता, चरम अपवाह को सीमित नहीं करता या "शून्य अपवाह" ("zero runoff") निर्धारित नहीं करता;
- **नदी रेखा को कभी उपयोग योग्य नहीं बनाया गया।** भवन उपविधि 2016 गंगा के अतिरिक्त किसी भी नदी की बाहरी सीमा से, जैसा सिंचाई विभाग उसे विहित करे, 10–15 m के भीतर निर्माण का निषेध करती है, और जोड़ती है कि "राज्य सरकार ऐसी नदियों की सूची अधिसूचित करेगी" ("The State Government shall notify a list of such rivers") (उपविधि 23.2); ऐसी कोई सूची नहीं मिली। गंगा पर रेखा नदी की सीमा या राज्य द्वारा विहित कोई अधिक दूरी है (23.1), और सरकार के अनुमोदन से पुनः प्राप्त भूमि पर नदी-तट विकास की अनुमति है (23.4)। रांची मास्टर प्लान 2037 कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के पूर्ण जल स्तर से 20 m के भीतर और नदियों और प्राकृतिक नालों से कम से कम 10 m के भीतर निर्माण का निषेध करता है (शर्त 2.9), किंतु इस मैनुअल के लिए पढ़े गए जमशेदपुर और धनबाद के मास्टर प्लान के अनुमोदनों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। जमशेदपुर में, 2024 में, NGT की एक संयुक्त समिति ने भवन उपविधि 2016 की 10–15 m की रेखा का सहारा लिया, क्योंकि "स्वर्णरेखा नदी का डूब क्षेत्र जोनिंग निर्धारित नहीं किया गया है" ("the flood plain zoning of the Subarnarekha River has not been designated") (उद्धृत रूप में);
- **बेसमेंट उन बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में वर्जित हैं जिन्हें कोई नियम परिभाषित नहीं करता।** "निचले क्षेत्र में और पर्याप्त जल निकासी सुविधाओं के बिना बेसमेंट/तलघर की अनुमति नहीं दी जाएगी ... बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में बेसमेंट की अनुमति नहीं दी जाएगी" ("Basements/cellars shall not be permitted in low lying area and without adequate drainage facilities ... Basement shall not be allowed in flood prone areas") (उपविधि 48.1), और "सतही जल निकासी का पानी बेसमेंट में प्रवेश न करे" ("surface drainage does not enter the basement") (48.6.4)। न "निचला" ("low lying") परिभाषित है और न "बाढ़-प्रवण" ("flood prone"), बेसमेंट रैंप के शिखर के लिए कोई स्तर निर्धारित नहीं है, और प्लिंथ आसपास की भूमि से कम से कम 450 mm ऊपर होना चाहिए (42.1.1), कोई अधिकतम सीमा नहीं;
- **किसी डूब क्षेत्र का जोनिंग नहीं हुआ है।** झारखंड में डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं है। WRD ने साहिबगंज जिले में लगभग 83 km लंबे गंगा के डूब क्षेत्र का सीमांकन करने के लिए एक परामर्शदाता नियुक्त किया है, जो 2020 में मार्च 2024 तक अपेक्षित नदी जलविज्ञान आँकड़ों की प्रतीक्षा में था; स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर या किसी शहरी नदी का कोई सीमांकन नहीं मिला। हरमू के 25 और 50 वर्ष के अतिरिक्त, राज्य में किसी नदी या नाला कॉरिडोर के लिए कोई डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि नहीं मिली। यह मैनुअल डिजाइन बाढ़ रेखा और कॉरिडोर खींचने के लिए एक तकनीकी विधि प्रस्तुत करता है (अध्याय 7); यह राज्य द्वारा अधिसूचित या किसी न्यायालय द्वारा खींची गई किसी रेखा का स्थान नहीं लेता, और जहाँ ऐसी रेखा बाध्यकारी हो और अधिक चौड़ी हो, वहाँ वही लागू होगी; और

- **कोई दस्तावेज वह नदी या जलाशय स्तर निर्धारित नहीं करता जिसके लिए आउटफॉल डिजाइन किया जाता है।** जमशेदपुर में CWC के स्तर और जिले के खतरे के निशान मेल नहीं खाते और उनका मिलान नहीं किया गया है; नदियाँ चांडिल डैम से और ओडिशा के डैमों से छोड़े गए पानी से ऊँची उठती हैं, और दामोदर DVC के डैमों और तेनुघाट से छोड़े गए पानी से; CWC के खतरे के स्तर और उच्चतम बाढ़ स्तर बाढ़ चेतावनी के स्तर और रिकॉर्ड हैं, डिजाइन स्तर नहीं; और रांची के जलाशयों के स्तर किसी घोषित डेटम पर नहीं मिले।

इसलिए प्रत्येक एजेंसी और प्रत्येक स्थानीय निकाय केंद्रीय मैनुअल की अपने ढंग से व्याख्या करता है। RMC और अन्य नगर निगम, नगर परिषदें और नगर पंचायतें, RRDA, MADA, औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार, JUIDCO, Tata Steel UISL, WRD, DVC, कोयला कंपनियाँ, सड़क एजेंसियाँ, उनके परामर्शदाता और वित्तपोषक एजेंसियाँ इन कमियों को अलग-अलग ढंग से भरते हैं। एक ही सड़क पर अलग-अलग एजेंसियों द्वारा बनाई गई दो ड्रेनों का आकार अलग-अलग वर्षा स्रोतों से अलग-अलग वर्षा घटनाओं के लिए निर्धारित हो सकता है। रांची में कोई नाला नगरपालिका ड्रेन हो सकता है, WRD के अधीन कोई नदी, जैसे हरमू या जुमार, या JUIDCO की किसी परियोजना की परिसंपत्ति, और प्राकृतिक नालों को नगरपालिका ड्रेनों से अलग करने वाला कोई नियम नहीं है; जमशेदपुर में पट्टा क्षेत्र, मानगो और आदित्यपुर प्रत्येक अपनी ड्रेनों के लिए उत्तरदायी हैं, जो उन्हीं दो नदियों में खाली होती हैं। ड्रेनें सीवेज भी ले जाती हैं: हरमू के 14 प्रमुख इनलेटों में से नौ सीवरों से जुड़े थे पर शुष्क मौसम में भी नदी में उफनते थे, पाँच सीधे नदी में गिरते थे और 56 छोटे इनलेट सीवेज ले जाते थे (CAG, 2023), और नौ शहरी स्थानीय निकायों में CAG ने 60% ड्रेनें खुली (बिना ढकी) पाईं, उन ड्रेनों में बहते घरेलू अपशिष्ट जल के साथ जो वर्षा जल ड्रेनों का काम भी करती थीं (CAG, 2017)। और समीक्षक के पास कोई साझा आधार नहीं है जिसके सापेक्ष वह किसी डिजाइन की जाँच कर सके।

यह मैनुअल इसके लिए क्या करता है. यह उन खुले विकल्पों को राज्य के एक मानक में बदलता है:

- डिजाइन वर्षा के लिए पूरे राज्य में, तीन वर्षा जोनों और सात जलवैज्ञानिक उप-भागों में, एक स्रोत और विधि, जहाँ जाँचा हुआ केंद्र विश्लेषण उपलब्ध हो वहाँ वही मान्य, और जहाँ CWC के अनुपात छोटी अवधि की वर्षा घटनाओं को कम आँकते हैं वहाँ न्यूनतम सीमाएँ, जो मांडर और जमशेदपुर (A) पर दर्ज बौछारों से निर्धारित हैं (अध्याय 2);
- प्रत्येक जल निकासी अवयव के लिए निर्धारित पुनरावृत्ति अवधि (अध्याय 2 और 6);
- निजी साइटों के लिए विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात का एक अनिवार्य नियम (अध्याय 4);
- नालों, नदियों और जलाशयों में गिरने वाले गेटयुक्त, फ्लैप-गेटयुक्त या मुक्त आउटफॉलों के लिए डिजाइन नदी या जलाशय स्तर के सापेक्ष अनिवार्य टेलवाटर जाँच, जिसमें जिले के निशानों के बजाय CWC के स्तर लिए जाएँ और ऊपर के डैमों से छोड़े जाने वाले पानी का प्रावधान किया जाए (अध्याय 5);
- एक डिजाइन बाढ़ रेखा, और नदियों और नालों के साथ और तालाबों (talab), बाँधों (bandh) और जलाशयों के चारों ओर कॉरिडोर और सेटबैक, जिनका आकार अभी कोई नियम निर्धारित नहीं करता, जो इस मैनुअल द्वारा भवन उपविधि 2016 की नदी रेखा और रांची मास्टर प्लान के बफरों के साथ, जहाँ भी वे अधिक चौड़े हों, उपयोग के लिए प्रस्तावित हैं (अध्याय 7);
- जहाँ भूजल स्तर नीचे गया है, जैसे जमशेदपुर, धनबाद और रांची में, वहाँ लैटेराइट के नीचे की अपक्षयित चट्टान के माध्यम से पहले पुनर्भरण, किंतु डूब क्षेत्रों पर या खनन से विक्षुब्ध भूमि में कोई पुनर्भरण नहीं, और जहाँ ड्रेनें सीवेज ले जाती हैं वहाँ उपचार (अध्याय 8);
- खदान के गड्ढे या ओवरबर्डन डंप से मिलने वाले अपवाह के लिए नियम: खदान का गड्ढा तब तक डिजाइन आउटफॉल नहीं है जब तक खदान का पट्टाधारी और DGMS सम्मति न दें और उसके स्तर और अतिप्रवाह का सर्वेक्षण न हो जाए, और डंप को ऐसी भूमि माना जाता है जो पानी और तलछट तेजी से छोड़ती है (अध्याय 3, 5 और 8); और
- बेसिन-स्तरीय मास्टर प्लान, ताकि एक बेसिन साझा करने वाली एजेंसियाँ मिलकर योजना बनाएँ (अध्याय 11)।

यह वही मार्ग अपनाता है जो CPHEEO का मैनुअल स्वयं प्रदान करता है: कोई राज्य राष्ट्रीय मानों से उच्चतर मानक अंगीकार कर सकता है (CPHEEO 2019, तालिका 4.1, टिप्पणी 2)। कोई नगर निगम, कोई विकास प्राधिकार या UD&HD फिर भी इससे अधिक कठोर मानक अंगीकार कर सकता है (अध्याय 1)।

स्रोत: CPHEEO (2019) Part A §4.4–4.5 और Table 4.1; CPHEEO presentation to CSE (August 2023); IRC:SP:50-2013 §6; IRC:SP:42-2014 §6; NDMA (2010) Urban Flooding Guidelines, para 6.6.2; MoHUA Model Building Bye-Laws (2016); Government of Jharkhand, Urban Development and Housing Department, Jharkhand Building Bye Laws, 2016, notification No. 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006 dated 5 April 2016 (राजपत्र संख्या देखी नहीं गई [TBC]), उपविधि 1.2, 23,

30, 31, 41.12, 42.1, 48, 51 और 58.6; Jharkhand Building (Amendment) Bye-laws, 2017, No. 7/.../102/2013-3141 of 15 May 2017, Annexure 'A' item 44, और दूसरा (No. ...-5326 of 17 August 2017), पाँचवाँ (No. ...-2269 of 6 June 2019) और छठा (2019) संशोधन; दसवाँ (2024) और ग्यारहवाँ (27 अप्रैल 2026) संशोधन (केवल सारांश; पढ़े नहीं गए); Jharkhand Municipal Act, 2011 (Jharkhand Act 07 of 2012), ss.2(41), 70, 203, 219, 221, 224, 227, 235, 341, 434, 481 और 615; UD&HD notification No. 02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008-4371 of 30 November 2015 (रांची मास्टर प्लान 2037 का अनुमोदन), शर्त 2.9; UD&HD notifications No. 02/न0वि0/मास्टर प्लान-102/2008-6622 of 23 October 2017 (जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027) और No. 06/न0वि0(TCPO)/मा0 प्लान-22/2016-6648 of 24 October 2017 (धनबाद मास्टर प्लान 2041), केवल पहले पृष्ठ; Indenture of lease between the Government of Jharkhand and Tata Steel, 20 August 2005 (तृतीय-पक्ष प्रति); Forest, Environment and Climate Change Department, झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण का पुनर्गठन करने वाली 22 मई 2018 की अधिसूचना; Ramsar Information Sheet, site 2559, Udhwa Lake Bird Sanctuary; अधिसूचित आर्द्रभूमियों पर 13 फरवरी 2025 का राज्य सभा का उत्तर; JUIDCO, Jharkhand Municipal Development Project, Draft ESIA, Storm Water Drainage, Dhanbad, Vol. I (November 2017); CAG, Report No. 1 of 2023, Government of Jharkhand, Chapters 3 (रांची में सीवरेज और जल निकासी) और 4 (हरमू नदी); CAG, Annual Technical Inspection Report on Local Bodies for the year ended 31 March 2016 (2017), Chapter 4; CAG, Report No. 12 of 2019 (कोल इंडिया में खनन का पर्यावरणीय प्रभाव), paras 5.7.2–5.7.3; Ministry of Environment, Forest and Climate Change, कोयला खदानों के लिए मानक पर्यावरण स्वीकृति शर्तें, जैसी वे 13 अगस्त 2024 की EC संख्या J-11015/72/2016-IA.II(M) (राज्य के बाहर की एक खदान) में हैं; Coal Mines Regulations, 2017, reg. 149 (उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में); Ministry of Coal, Annual Report 2025-26, Chapter 3, और झरिया के लिए संशोधित झारखंड मास्टर प्लान पर PIB की विज्ञप्ति (जून 2025); Jharkhand High Court, W.P.(PIL) 1325/2011, 16 अप्रैल 2013 का आदेश, और W.P.(PIL) 1463/2020 (2022–2025; 7 जनवरी 2026 का आदेश पढ़ा नहीं गया) और PIL 2636/2024 में आदेशों की रिपोर्टें; NGT (Eastern Zone), O.A. 145/2023 में राज्य का शपथ-पत्र और I.A. 56/2024 (14 मार्च 2024 की संयुक्त समिति रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए); NGT O.A. 200/2014 (गंगा) में झारखंड राज्य की तिमाही प्रगति रिपोर्टें; NGT O.A. 694/2023 में झारखंड राज्य की स्थिति रिपोर्ट (सितंबर 2024; भूजल); CWC, Flood Estimation Reports for Lower Ganga Plains subzone 1(g) (LG-1(g)/R-1/23/94, November 1994), Sone subzone 1(d) (S/15/1987) और Mahanadi subzone 3(d) (M-3(d)/R-3/25/1996), प्लेटें आँख से पढ़ी गईं; CWC, Daily Flood Situation Report of 17 September 2024; CWC की बाढ़ पूर्वानुमान स्थल सूचियाँ (SANDRP द्वारा लिखित रूप में, 2018 और 2022); IMD, Climate of Jharkhand (Climatological Summaries of States Series No. 17, 2011); IMD, Extremes of Temperature and Rainfall for Indian Stations (up to 2012); IMD, Pai et al. (2020), दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन और वापसी की नई सामान्य तिथियाँ, Table 2; IMD Meteorological Centre Ranchi, 2023, 2025 और 2026 की मानसून रिपोर्टें; IMD RSMC New Delhi, चक्रवात यास पर प्रेस विज्ञप्ति (27 मई 2021); Das et al. (2022), MAUSAM 73(4); Upadhyaya et al. (2022), Indian Journal of Environmental Protection 42(2) (केवल सार); NIH-DHAARA (7 नवंबर 2026 को देखा गया); Shinde et al. (2017), Environmental Processes 4(3) (सारांश के अनुसार); CGWB और राज्य, Dynamic Ground Water Resources of Jharkhand, 2023, और 2025 के आकलन पर PIB (दिसंबर 2025); CGWB, Ground Water Year Book, Jharkhand, 2019-20; Government of Jharkhand, Jharkhand Action Plan on Climate Change (2014); जमशेदपुर (2008, 2021, 2025), रांची (2025) और साहिबगंज (2026) की बाढ़ों की, सितंबर 2024 में DVC द्वारा छोड़े गए पानी की, रांची के वर्षा जल संचयन विनियमन की और डोभा कार्यक्रम की रिपोर्टें (समाचार माध्यम और द्वितीयक स्रोत)।

इस मैनुअल का उपयोग कैसे करें

खंड और भाष्य. क्रमांकित खंड (उदाहरण के लिए 4.5.2) इस मैनुअल की अपेक्षाएँ हैं और उनमें "shall" (...किया जाएगा, अनिवार्य) का प्रयोग होता है। **भाष्य** शीर्ष वाले पैराग्राफ किसी खंड का कारण समझाते हैं और उसके पूर्व-उदाहरण का हवाला देते हैं। ये मार्गदर्शन हैं, अपेक्षाएँ नहीं। जहाँ किसी मान का अन्यत्र कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है, वहाँ भाष्य यह बताता है और समझाता है कि यह मैनुअल उसे क्यों निर्धारित करता है।

पुनरावृत्ति अवधि. वर्षा घटनाओं का वर्णन वार्षिक अतिक्रमण प्रायिकता (AEP) और पुनरावृत्ति अवधि, दोनों से किया गया है। उदाहरण के लिए, "1% AEP (100-वर्ष)" का अर्थ ऐसी वर्षा घटना है जिसके किसी भी वर्ष में बराबर होने या उससे अधिक होने की 100 में 1 की संभावना है।

उदाहरणार्थ मान. "केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं" चिह्नित हल किए गए उदाहरण और चित्र केवल विधि और परिमाण दिखाते हैं। डिजाइन मान अध्याय 2 में निर्धारित स्रोतों से लिए जाते हैं।

परिशिष्ट और प्रपत्र. प्रत्येक अध्याय उन परिशिष्टों और प्रपत्रों को सूचीबद्ध करता है जिन पर वह निर्भर है। वे अध्यायों के बाद, अध्यायवार समूहित, आते हैं, और उनमें प्रस्तुत किए जाने वाले प्रपत्र, हल किए गए उदाहरण, टेम्पलेट, आदर्श पाठ और मानक ड्रॉइंग हैं। जिन परिशिष्टों के लिए ऐसे आँकड़े चाहिए जो अभी एकत्र नहीं हुए, वे *तैयार किया जाना है* चिह्नित हैं। वे बताते हैं कि उनमें क्या होगा, और उन पर निर्भर खंड वह नियम बताता है जो इस बीच लागू होता है।

चित्र. सभी चित्र इस मैनुअल के लिए तैयार की गई मूल ड्रॉइंग हैं। जहाँ कोई चित्र किसी प्रकाशित अवधारणा पर आधारित है, वहाँ उसका कैप्शन स्रोत का श्रेय देता है।

कहाँ से शुरू करें.

यदि आप...	पहले पढ़ें
विकासकर्ता या वास्तुकार हैं	अध्याय 1 (क्या यह लागू होता है?), अध्याय 4 (क्या प्रदान करना है), अध्याय 10 (क्या प्रस्तुत करना है)
डिजाइन अभियंता हैं	अध्याय 2–6, फिर 8 और 9
स्थानीय निकाय या अनुमोदन प्राधिकारी हैं	अध्याय 1, 10 और 11
योजनाकार या जलाशय प्रबंधक हैं	अध्याय 7 और 11

विषय-सूची

अध्याय	शीर्षक	परिशिष्ट और प्रपत्र
1	नीति, प्रयोज्यता और अंगीकरण	परिशिष्ट 1
2	डिजाइन वर्षा और डिजाइन वर्षा घटनाएँ	परिशिष्ट 2
3	जलवैज्ञानिक विधियाँ	परिशिष्ट 3
4	साइट अपवाह नियंत्रण: प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण	परिशिष्ट 4
5	अनुप्रवाह और टेलवाटर विश्लेषण	परिशिष्ट 5
6	लघु और प्रमुख जल निकासी प्रणालियाँ	परिशिष्ट 6
7	जलाशय, तालाब (पोखर) और सेटबैक	परिशिष्ट 7
8	जल गुणवत्ता और पुनर्भरण	परिशिष्ट 8
9	संरचनाओं का हाइड्रोलिक डिजाइन	परिशिष्ट 9
10	प्रस्तुतियाँ, समीक्षा, प्रचालन और रखरखाव तथा प्रवर्तन	परिशिष्ट 10
11	बेसिन और शहर वर्षा जल मास्टर प्लान	परिशिष्ट 11

तालिकाओं की सूची

तालिका	शीर्षक
1.1	टियर A और टियर B प्राधिकारियों के बीच अंतर
1.2	नीति अनुपूरक: अंगीकरणीय विकल्प S-1 से S-5
1.3	अन्य लिखतों के साथ संबंध
1.4	इस मैनुअल के अंतर्गत भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व
1.5	इस मैनुअल के अंतर्गत जल निकासी तत्वों का कार्यकारी आवंटन
2.1	डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि (सारांश)
2.2	अंतरिम जलवायु गुणक
2.3	मिश्रित-आवृत्ति नियम का उदाहरणार्थ परिमाण (डिजाइन मान नहीं)
3.1	अनुमत जलवैज्ञानिक विधियाँ
3.2	अपवाह गुणांक C (10% या उससे अधिक बार होने वाले AEP के लिए)
3.3	आवृत्ति गुणक Cf
3.4	परत प्रवाह के लिए मैनिंग का n (USDA SCS TR-55, 1986, Table 3-1)
3.5	अपवाह कर्व नंबर, AMC II, Ia = 0.2S (USDA SCS TR-55, 1986, Tables 2-2a और 2-2c)
4.1	अस्थायी भंडारण के आकार-निर्धारण के लिए रूट की जाने वाली डिजाइन वर्षा घटनाएँ
4.2	उदाहरण: अवधि के अनुसार चरम प्रवाह दरें और प्रयुक्त भंडारण (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4.3	टियर B साइट की अनुमेय प्रवाह दर और साइट पर आवश्यक भंडारण (टेम्पलेट)
4.3A	नियत निकास गुणांक (अनंतिम)
5.1	ज्वारीय आउटफॉलों के लिए डिजाइन टेलवाटर स्तर
5.2	ज्वारीय और नदी आउटफॉलों के लिए संयुक्त प्रायिकता की स्थितियाँ
6.1	वहन के लिए डिजाइन AEP (खंड 2.4 के अनुरूप)
6.2	सड़क पर प्रवाह की सीमाएँ
6.3	सडकों और सतही प्रवाह मार्गों के लिए प्रवाह जोखिम की सीमाएँ
6.4	संयुक्त बाढ़ जोखिम संवेदनशीलता वर्ग (संदर्भ के लिए पुनःप्रस्तुत)
6.5	इनलेट अवरोध गुणक (स्वच्छ क्षमता का नष्ट माना गया अंश)
6.6	डिजाइन के लिए मैनिंग n (CPHEEO 2019 से)
6.7	खुली और ढकी ड्रेन में न्यूनतम फ्रीबोर्ड
6.8	सीधे पाइप खंडों पर मैनहोल की अधिकतम दूरी

तालिका	शीर्षक
6.9	जल निकासी आरक्षित पट्टी की न्यूनतम चौड़ाई (PUB Singapore से ली गई)
7.1	जहाँ 1% AEP विस्तार उपलब्ध नहीं है वहाँ नियत-चौड़ाई सेटबैक
8.1	चिंता के प्रदूषक, स्रोत और प्राथमिक नियंत्रण
8.2	पुनर्विकास से भिन्न साइटों के लिए आवश्यक सेवा स्तर
8.3	BMP की मूल्य श्रेणियाँ और झारखंड में उपयुक्तता
9.1	प्रवेश हानि गुणांक ke (आउटलेट नियंत्रण, पूर्ण या आंशिक रूप से भरा)
9.2	चैनलों में अधिकतम अनुमेय माध्य वेग
9.3	रिपरैप वर्ग और एप्रन के आयाम (HEC-14)
9.4	मैनहोलों का न्यूनतम आंतरिक आकार
9.5	झारखंड के स्थानों के लिए न्यूनतम IS 456 अनावरण वर्ग
10.1	प्रस्तुति के चरण और उनसे जुड़े अनुमोदन
10.2	प्रस्तुतियों में प्रयुक्त प्रपत्र
10.3	स्वामी द्वारा निरीक्षण की न्यूनतम आवृत्तियाँ
10.4	प्रवर्तन की क्रमिक कार्रवाई
11.1	BSMP के लिए न्यूनतम आँकड़े और सर्वेक्षण
11.2	न्यूनतम सेवा स्तर
1A.1	खंड 1.6.1 में परिभाषित टियर A प्राधिकारी
1A.2	टियर A प्राधिकारियों का रजिस्टर (ढाँचा)
1B.1	खंड 4.5.3.2 में सूचीबद्ध बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र
1B.2	बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र परत के गुण (ढाँचा)
1C.1	इस संकल्प द्वारा अंगीकृत विकल्प
1D.1	अनुसूची: अंगीकृत विकल्प (ढाँचा)
2A.1	डिजाइन गहराइयों की बेंचमार्क तुलना (ढाँचा)
2A.2	वर्षा जोन (ढाँचा)
2B.1	जोनवार अनुपात P(t)/P(24h) (ढाँचा)
2B.2	नियत-अंतराल समायोजन गुणक (खंड 2.6.3)
2C.1	ग्रिड-से-बिंदु गुणक (ढाँचा)
2D.1	वर्षा घटना के समय के संचयी अंश के सापेक्ष वर्षा गहराई का संचयी अंश (ढाँचा, प्रत्येक जोन, अवधि वर्ग और चतुर्थक के लिए एक तालिका)
2E.1	जोनवार प्रतिधारण गहराई P_R (ढाँचा)
3A.1	मृदा शृंखला से HSG की मिलान-सूची (रूपरेखा)

तालिका	शीर्षक
3A.2	मानचित्रण इकाईवार मौसमी उच्चतम भूजल स्तर (रूपरेखा)
3B.1	पूरक भू-आवरण, AMC II (रूपरेखा)
3B.2	CN अंशांकन जलग्रहण क्षेत्र (रूपरेखा)
3C.1	समस्या 3C-1 का हल
3C.2	समस्या 3C-2 का हल
3C.3	समस्या 3C-3 का हल
3C.4	समस्या 3C-4 का हल
3C.5	समस्या 3C-5 का जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर संबंध
3C.6	समस्या 3C-5 का रूट किया गया बहिर्वाह
3C.7	आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले बेंचमार्क परिणाम
3D.1	अंशांकित चरम दर गुणक (रूपरेखा)
3E.1	उप-क्षेत्रवार SUH संबंध (रूपरेखा)
3E.2	हल किए गए उदाहरण की रूपरेखा (रूपरेखा)
4A.1	उथले भूजल जोन परत के गुण (रूपरेखा)
4B.1	परिशिष्ट 4B की विषय-वस्तु और उसकी स्थिति
4B.2	टियर B PSD और SSR (तालिका 4.3 की रूपरेखा)
4B.3	प्रतिधारण क्रेडिट गुणक C_R (रूपरेखा)
4B.4	दिए गए हेड पर अनुमेय प्रवाह दर के लिए ऑरिफिस का सबसे बड़ा व्यास (mm) (Cd = 0.60, मुक्त निस्सरण)
4B.5	नियत निकास गुणांक C_10 और C_2 (अनंतिम, तालिका 4.3A)
4C.1	इनपुट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.2	डिजाइन वर्षा की गहराइयाँ, mm (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.3	कर्व नंबर और हानियाँ (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.4	वर्षा घटना के अपवाह की गहराई Q, mm (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.5	इकाई हाइड्रोग्राफ के प्राचल (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.6	जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर, परीक्षण आउटलेट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.7	परीक्षण आउटलेट से होकर 100-वर्ष 72-घंटे की वर्षा घटना की रूटिंग, चरम के आसपास (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.8	परीक्षण आउटलेट से होकर 100-वर्ष 72-घंटे की वर्षा घटना की रूटिंग, प्रति घंटा (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.9	परीक्षण आउटलेट (120 mm और 470 mm ऑरिफिस) के परिणाम (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.10	जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर, संशोधित आउटलेट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.11	संशोधित आउटलेट (170 mm और 460 mm ऑरिफिस) के परिणाम (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

तालिका	शीर्षक
4C.12	रूटिंग द्वारा प्रतिधारण क्रेडिट, संशोधित आउटलेट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.13	आउटलेट की जाँचें, संशोधित आउटलेट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
4C.14	संशोधित डिजाइन का सारांश (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
5A.1	डिजाइन टेलवाटर (तालिका 5.1) में परिशिष्ट 5A के मानों का उपयोग
5A.2	तटीय खंडवार ज्वारीय डेटम, महोर्मि और स्थिर जल स्तर (रूपरेखा)
5B.1	अध्याय 5 में नामित जलाशय
5B.2	परिशिष्ट 5B की परतों के गुण (रूपरेखा)
5C.1	इनपुट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
5C.2	आउटफॉल-बंद जाँच के परिणाम (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
5C.3	आयतन संतुलन, 1% AEP 48 घंटे की वर्षा घटना, रन B (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
5C.4	जल स्तर–समय आलेख, 1% AEP 48 घंटे की वर्षा घटना, रन B (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
5C.5	सारांश (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
6A.1	परिशिष्ट 6A के प्रकाशित होने तक इनलेट के लिए अंतरिम अपेक्षाएँ (अध्याय 6 और 9 से)
6A.2	मानक इनलेट प्रकारों का रजिस्टर (ढाँचा)
6A.3	ढलान पर क्षमता (ढाँचा; प्रत्येक इनलेट प्रकार के लिए एक तालिका)
6A.4	निचले बिंदु पर क्षमता (ढाँचा; प्रत्येक इनलेट प्रकार के लिए एक तालिका)
6B.1	अध्याय 6 द्वारा पहले से निर्धारित तलछट प्रावधान (अनंतिम, अंशांकन किया जाना है)
6B.2	भूमि उपयोग और ड्रेन के प्रकार के अनुसार तलछट उत्पादन (ढाँचा)
6B.3	तलछट प्रावधान का अंशांकन (ढाँचा)
6C.1	मानक ड्रॉइंग पर आयाम और उनके स्रोत खंड
7A.1	जलाशय सूची के गुण क्षेत्र (WB_POLY)
7A.2	कोड सूचियाँ
7A.3	संरचनाओं के गुण क्षेत्र (WB_STRUCT)
7B.1	जलाशय वर्ग के अनुसार नियत-चौड़ाई सेटबैक (विकल्प S-3)
7B.2	खंड 7.4.6 में उद्धृत स्रोत बफर (KC APWA 5600, 2006, §5605.3)
7C.1	अवधि के अनुसार नियम स्तर (प्रत्येक तालाब के लिए पूरी की जानी है)
7C.2	स्तर के अनुसार आउटलेट की सेटिंग (प्रत्येक तालाब के लिए पूरी की जानी है)
7C.3	प्रारंभक और कार्रवाइयाँ (प्रत्येक तालाब के लिए पूरी की जानी है)
7D.1	गाद निकालने और पुनर्स्थापन कार्यों के लिए रोक बिंदु
7E.1	जलाशय

तालिका	शीर्षक
7E.2	चैनल, तटबंध, भूमि और प्रणाली के भाग
7E.3	सांविधिक और आधिकारिक शब्द
7E.4	अभी असत्यापित शब्द
8A.1	जोन के अनुसार जल गुणवत्ता के लिए वर्षा की गहराइयाँ (ढाँचा)
8A.2	अवधि के अनुसार 3-माह ARI तीव्रता (ढाँचा)
8B.1	पुनर्विकास के लिए आवश्यक LoS (ढाँचा)
8B.2	हल किया गया उदाहरण: संयुक्त VR (उदाहरणार्थ)
8B.3	उपचार शृंखलाओं की संयुक्त VR (ढाँचा)
8C.1	निगरानी स्थल रजिस्टर (ढाँचा)
8C.2	घटना अभिलेख (ढाँचा; खंड 8.13.2 के प्राचल)
8C.3	प्रदर्शन सारांश और प्रस्तावित VR (ढाँचा)
8D.1	पूर्व-उपचार (सभी BMP)
8D.2	बायोरिटेंशन और वर्षा उद्यान (चित्र 8.2)
8D.3	वनस्पति स्वेल
8D.4	वनस्पति फिल्टर पट्टियाँ
8D.5	पारगम्य पेवमेंट
8D.6	अंतःस्यंदन खाइयाँ और बेसिन (चित्र 8.3)
8D.7	वेट पॉन्ड (विस्तारित आर्द्र अस्थायी भंडारण)
8D.8	निर्मित आर्द्रभूमियाँ
8D.9	स्थूल प्रदूषक जाल और आउटफॉल की जालियाँ
8D.10	तेल-ग्रिट पृथक्कारी
8D.11	अंतःस्यंदन और भूजल पुनर्भरण के मानदंड (सभी अंतःस्यंदन BMP)
8D.12	बायोरिटेंशन फिल्टर माध्यम और परतें
8D.13	बायोरिटेंशन, स्वेल और फिल्टर पट्टियों के लिए सांकेतिक पौधे
8D.14	निर्मित आर्द्रभूमियों और वेट पॉन्ड के लिए सांकेतिक पौधे
8D.15	न लगाई जाने वाली प्रजातियाँ
8E.1	उपायों का चयन (खंड 8.12.3)
8E.2	ESC का समय और निरीक्षण (खंड 8.12.2 और 8.12.5)
9A.1	सामान्य इनलेटों के लिए HDS-5 इनलेट-नियंत्रण गुणांक
9A.2	हल किए गए उदाहरण के इनपुट

तालिका	शीर्षक
9A.3	क्रांतिक गहराई और विशिष्ट हेड (D = 1.2 m)
9A.4	इनलेट-नियंत्रण हेडवाटर
9A.5	आउटलेट-नियंत्रण हेडवाटर
9A.6	निर्णायक हेडवाटर और जाँचें
9A.7	रिप्रैप एप्रन का आकार निर्धारण
9A.8	हल किए गए उदाहरण का सारांश (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)
9B.1	मानक ड्रॉइंग पर आयाम और नियम तथा उनके स्रोत खंड
9C.1	पंपिंग स्टेशन डिजाइन जाँच-सूची
9C.2	नियंत्रण स्तर (मान डिजाइन में निर्धारित किए जाने हैं)
10A.1	कैलकुलेटर के इनपुट
10A.2	कैलकुलेटर द्वारा की जाने वाली गणनाएँ
10B.1	परतें
10B.2	SW_FAC (सुविधाएँ) के गुण
10B.3	SW_OUTF (आउटफॉल) के गुण
10B.4	SW_CATCH (जलग्रहण क्षेत्र) के गुण
10B.5	SW_FLOW और SW_CONV (प्रवाह मार्ग और वहन) के गुण
10B.6	मेटाडेटा (SW_META)
10B.7	सुविधा के प्रकार के कोड (FAC_TYPE)
10B.8	स्थिति के कोड (STATUS)
10B.9	निरीक्षण परिणाम के कोड (INSP_RES)
10C.1	मैनुअल द्वारा निर्धारित पहुँच आयाम
10C.2	मैनुअल द्वारा निर्धारित न किए गए पहुँच आयाम (डिजाइन में पुष्टि की जानी है)
10D.1	O&M योजना की विषय-वस्तु
10D.2	प्रतिधारण और अंतःस्यंदन (सोख गड्ढे, खाइयाँ, बायोरिटेंशन, पारगम्य पेवमेंट)
10D.3	सतही अस्थायी भंडारण बेसिन या बहु-उपयोगी खुला स्थान
10D.4	भूमिगत या पोडियम अस्थायी भंडारण टैंक, गुरुत्व आउटलेट
10D.5	पंप द्वारा संचालित अस्थायी भंडारण, पंप और नियंत्रण
10D.6	फ्लैप गेट या ज्वार-रोधी गेट, नॉन-रिटर्न वाल्व
10D.7	स्थूल प्रदूषक जाल या प्रथम प्रवाह युक्ति
10D.8	निजी ड्रेन और इनलेट

तालिका	शीर्षक
11A.1	सुपुर्दगी योग्य सामग्री
11B.1	खंड 11.3.3 में नामित बेसिन (अनंतिम)
11B.2	बेसिन सीमा परत के गुण (रूपरेखा)
11C.1	गहराई–क्षति वक्र (रूपरेखा, प्रत्येक भवन प्रकार के लिए एक तालिका)
11D.1	प्रकाशित की जाने वाली मदें

चित्रों की सूची

चित्र	शीर्षक
1.1	वर्षा जल प्रबंधन का पदानुक्रम
1.2	प्रयोज्यता निर्णय फ्लोचार्ट
2.1	डिजाइन वर्षा के स्रोतों का पदानुक्रम और समायोजन
2.2	डिजाइन हायटोग्राफ
2.3	डिजाइन वर्षा के स्रोत से डिजाइन वर्षा घटना तक
3.1	जलवैज्ञानिक विधि का चयन
3.2	सांद्रण समय: सबसे लंबे प्रवाह मार्ग के साथ प्रवाह खंड (योजनाबद्ध)
3.3	SCS-CN अपवाह की गहराई बनाम वर्षा की गहराई
3.4	दो-पदीय सतत सिमुलेशन: तालाब का प्रारंभिक स्तर (योजनाबद्ध)
3.5	विकास-पूर्व और विकास-पश्चात हाइड्रोग्राफ
4.1	विकास-पूर्व 10-वर्ष, विकास-पश्चात 100-वर्ष अनियंत्रित, और भंडारण सहित हाइड्रोग्राफ (उदाहरणार्थ)
4.2	अस्थायी भंडारण के स्तर-क्रम और बहु-चरणीय आउटलेट (योजनाबद्ध)
4.3	नियत-गुणांक मार्ग: निकास सीमाएँ, मास-वक्र विधि द्वारा भंडारण और दो-चरणीय आउटलेट (योजनाबद्ध)
5.1	अनुप्रवाह विश्लेषण का विस्तार
5.2	फ्लैप गेट और डिजाइन टेलवाटर स्तरों सहित ज्वारीय आउटफॉल का खंड-चित्र
5.3	ज्वार से अवरुद्ध आउटफॉल की समय-रेखा (उदाहरणार्थ)
6.1	कर्बयुक्त सड़क में लघु और प्रमुख जल निकासी
6.2	कर्ब चैनल फैलाव, इनलेट द्वारा प्रवाह ग्रहण और अवरोध
6.3	ड्रेन के खंड: फ्रीबोर्ड, तलछट प्रावधान और पहुँच
6.4	जल निकासी आरक्षित पट्टी: अनुप्रस्थ काट (योजनाबद्ध)

चित्र	शीर्षक
6.5	तटीय पट्टी: फर्श स्तर की परतें और पट्टी का विस्तार (योजनाबद्ध)
7.1	जलाशय के सेटबैक जोन
7.2	ऊँचाई पट्टी के अनुसार प्रतिपूरक भंडारण (योजनाबद्ध)
7.3	डोभा श्रृंखला और खदान झील सहित पठार का तालाब या शहरी जलाशय: लैटेराइट ढलान पर सीढ़ीनुमा नीचे उतरते डोभे, जो अपने FTL, MWL और स्लूइस वाले किसी तालाब या जलाशय तक पहुँचते हैं, और उसके बगल में बाड़ से घिरी एक खदान झील और तलछट बेसिन सहित एक ओवरबर्डन डंप
8.1	उपचार श्रृंखला
8.2	बायोरिटेंशन सेल
8.3	अंत:स्यंदन खाई
9.1	पुलिया की हाइड्रोलिक्स: इनलेट नियंत्रण और आउटलेट नियंत्रण
9.2	पाइप या पुलिया के आउटलेट पर रिपरैप एप्रन (योजनाबद्ध)
9.3	वर्षा जल पंपिंग स्टेशन: वेट वेल, जालियाँ, स्तर और आउटफॉल
10.1	प्रस्तुति, समीक्षा और अनुमोदन का कार्यप्रवाह
10.2	अनुमोदन से हस्तांतरण तक निर्माण के रोक बिंदु
10.3	रखरखाव चक्र और उत्तरदायित्व
11.1	बेसिन मास्टर प्लान की प्रक्रिया
11.2	BSMP मॉडल का योजनाबद्ध चित्र
6C.1	हटाने योग्य ढक्कनों वाली ढकी सड़क किनारे की ड्रेन
6C.2	ढकी ड्रेन पर निरीक्षण और संगम कक्ष
6C.3	गाद संप सहित कर्ब इनलेट
8E.1	गाद बाड़: काट और योजना (योजनाबद्ध)
8E.2	सतही जल-निष्कासन आउटलेट वाला तलछट बेसिन: काट (योजनाबद्ध)
8E.3	स्थिरीकृत निर्माण निकास: प्लान और काट (योजनाबद्ध)
8E.4	ड्रेन इनलेट सुरक्षा (योजनाबद्ध)
9B.1	पुलिया के हेडवॉल, विंगवॉल और कट-ऑफ दीवारें
9B.2	सीधी ऊर्ध्वाधर ड्रॉप संरचना
9B.3	वाहिका के प्रवेश पर कचरा-रोधी जाली
9B.4	अस्थायी भंडारण आउटलेट राइजर और आपातकालीन स्पिलवे

संक्षिप्त रूप

संक्षिप्त रूप	पूर्ण रूप
AEP	वार्षिक अतिक्रमण प्रायिकता
AMC	पूर्ववर्ती नमी स्थिति
AMRUT	अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन
APWA	American Public Works Association
ARF	क्षेत्रीय न्यूनीकरण गुणक
AWS	स्वचालित मौसम केंद्र
BAU	बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके (रांची)
BCCL	भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कोल इंडिया की एक अनुषंगी कंपनी
BOD	जैव रासायनिक ऑक्सीजन माँग
BSMP	बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान
CAG	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
CCL	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, कोल इंडिया की एक अनुषंगी कंपनी
CGWA	केंद्रीय भूमि जल प्राधिकरण
CGWB	केंद्रीय भूमि जल बोर्ड
CN	कर्व नंबर (SCS/NRCS विधि)
CNT Act	छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908
CPCB	केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
CPHEEO	केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी संगठन
CSE	विज्ञान और पर्यावरण केंद्र (Centre for Science and Environment)
CWC	केंद्रीय जल आयोग
DGMS	खान सुरक्षा महानिदेशालय
DPR	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
DVC	दामोदर घाटी निगम
DVRRC	दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति
DWF	शुष्क मौसम प्रवाह
EC	पर्यावरण स्वीकृति (किसी खदान या परियोजना की)
EIA	पर्यावरण प्रभाव आकलन

संक्षिप्त रूप	पूर्ण रूप
ESC	अपरदन और तलछट नियंत्रण
ESIA	पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव आकलन
FAR	तल क्षेत्र अनुपात
FER	बाढ़ आकलन रिपोर्ट (CWC)
FRL / FTL / MWL	जलाशय का पूर्ण जल स्तर / तालाब का पूर्ण जल स्तर / अधिकतम जल स्तर
HAT / MHWS	उच्चतम खगोलीय ज्वार / वृहत् ज्वार का औसत उच्च जल स्तर (तटीय शब्द; झारखंड में लागू नहीं)
HFL	उच्चतम बाढ़ स्तर (किसी गेज पर दर्ज सबसे ऊँचा स्तर)
HGL	हाइड्रोलिक ग्रेड लाइन
HSG	जलवैज्ञानिक मृदा समूह
IDF	तीव्रता–अवधि–आवृत्ति
IMD	भारत मौसम विज्ञान विभाग
IRC	इंडियन रोड्स कांग्रेस
JBBL 2016	झारखंड भवन उपविधि, 2016, यथासंशोधित
JNAC	जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति
JSDMA	झारखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
JSPCB	झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद
JUIDCO	झारखंड शहरी बुनियादी संरचना विकास कंपनी
JUSCO	Jamshedpur Utilities and Services Company (अब Tata Steel UISL)
MADA	खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार, धनबाद
MLD	मिलियन लीटर प्रतिदिन
MoEF&CC	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
MoHUA	आवास और शहरी कार्य मंत्रालय
NDMA	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
NGT	राष्ट्रीय हरित अधिकरण
NIH	राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
NOC	अनापत्ति प्रमाण-पत्र
OB	ओवरबर्डन (कोयले तक पहुँचने के लिए हटाई गई चट्टान और मिट्टी)
PSD	साइट की अनुमेय प्रवाह दर
RMC	रांची नगर निगम
RRDA	रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार

संक्षिप्त रूप	पूर्ण रूप
RRV	आवश्यक प्रतिधारण आयतन
RWH	वर्षा जल संचयन
SANDRP	South Asia Network on Dams, Rivers and People
SLA	समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई (तटीय शब्द; झारखंड में लागू नहीं)
SoI	भारतीय सर्वेक्षण विभाग
SPT Act	संथाल परगना काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949
SRRG	स्व-अभिलेखी वर्षामापी
STP	सीवेज शोधन संयंत्र
SUDA	राज्य शहरी विकास अभिकरण, झारखंड
SUH	संश्लिष्ट इकाई हाइड्रोग्राफ (CWC)
SW monsoon / JJAS	दक्षिण-पश्चिम मानसून, जून–सितंबर
SWD	वर्षा जल ड्रेन
Tata Steel UISL	Tata Steel Utilities and Infrastructure Services Limited, जमशेदपुर
UD&HD	नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड
ULB	शहरी स्थानीय निकाय (नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत)
UTM	Universal Transverse Mercator
WQv	जल गुणवत्ता आयतन
WRD	जल संसाधन विभाग, झारखंड
WSUD	जल-संवेदी शहरी डिजाइन

अध्याय 1

नीति, प्रयोज्यता और अंगीकरण

1.1 उद्देश्य और लक्ष्य

1.1.1 यह मैनुअल झारखंड में वर्षा जल प्रणालियों की योजना, डिजाइन, निर्माण, प्रचालन और रखरखाव के लिए न्यूनतम मानक निर्धारित करता है। यह खंड 1.5 में निर्धारित रूप में निजी विकास और लोक निर्माण कार्यों पर लागू होता है।

1.1.2 इस मैनुअल के निम्नलिखित लक्ष्य हैं:

- (a) वर्षा जल प्रबंधन को **विकास अनुमोदन की शर्त** बनाना, ताकि नया विकास और पुनर्विकास अनुप्रवाह (downstream) में बाढ़ के चरम प्रवाह या अपवाह के आयतन को न बढ़ाए;
- (b) बार-बार होने वाली वर्षा को साइट पर ही रोके रखना, ताकि भूजल पुनर्भरण बना रहे और प्रदूषक भार कम हों;
- (c) भंडारण का आकार अल्प अवधि की तीव्रताओं के साथ-साथ जुलाई–सितंबर की दीर्घ अवधि वाली दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा घटनाओं (storm events) के लिए भी निर्धारित करना, जो बंगाल की खाड़ी से आने वाले अवदाबों (depressions) से आती हैं, ग्रेनाइट-नीस (granite-gneiss) के ऊपर की उन पतली मिट्टियों पर गिरती हैं जिन्हें हफ्तों की वर्षा संतृप्त कर चुकी होती है, संथाल परगना के वर्षामापियों पर एक दिन में 500 mm से अधिक वर्षा दे चुकी हैं (25 सितंबर 1999 को तालझारी (Taljhari) में 601.4 mm, राज्य का रिकॉर्ड), और प्रायः ऐसी नदियों तक पहुँचती हैं जो ऊपर के डैमों से छोड़े गए पानी से पहले ही चढ़ी हुई होती हैं;
- (d) आउटफॉल (outfall) को उन नदियों के जल स्तर (river stage) के लिए डिजाइन करना जिनमें नगरों का पानी जाता है: जमशेदपुर में स्वर्णरेखा और खरकई, जो चांडिल डैम से और ओडिशा में खरकई के डैमों से छोड़े गए पानी से चढ़ती हैं; तेनुघाट और दामोदर घाटी निगम (DVC) के जलाशयों के नीचे दामोदर और बराकर; साहिबगंज और राजमहल में गंगा; और मेदिनीनगर में उत्तरी कोयल; उन जलाशयों और तालाबों (talab) के जल स्तर के लिए जिनमें रांची के नाले (nala) गिरते हैं, अर्थात् कांके, हटिया (धुर्वा) और गेतलसूद और बड़ा तालाब; और कोयला क्षेत्रों में खदान के गड्ढों और भू-धंसान गर्तों के जल स्तर के लिए, जिसमें वह स्थिति भी सम्मिलित है जब आउटफॉल बंद हो;
- (e) तालाबों (talab), दलदलों, नदियों, आपूर्ति चैनलों और अतिरिक्त जल मार्गों की जल निकासी प्रणाली के अंग के रूप में रक्षा करना;
- (f) जल निकासी नेटवर्क के प्रत्येक तत्व को 1% AEP (100-वर्ष) वर्षा घटना के लिए सुरक्षित सतही प्रवाह मार्ग देना;
- (g) डिजाइन इनपुट, अनुमोदन और सुविधा अभिलेख सार्वजनिक करना, ताकि डिजाइनों की जाँच की जा सके और उन्हें दोहराया जा सके; और
- (h) यह सुनिश्चित करना कि सुविधाओं का निर्माण हो जाने के बाद उनका रखरखाव हो और वे प्रभावी बनी रहें।

1.1.3 यह मैनुअल वर्षा जल संचयन (RWH) की अनिवार्यता, राज्य के शहरी स्थानीय निकायों और विकास प्राधिकारों के लिए झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 434 के अंतर्गत नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा अधिसूचित भवन उपविधियों (झारखंड भवन उपविधि, 2016) या जलाशयों से संबंधित कानूनों का स्थान नहीं लेता। यह उनमें अपवाह नियंत्रण की अपेक्षाएँ जोड़ता है (खंड 1.8)।

भाष्य. झारखंड में बाढ़ तीन स्रोतों से आती है, और प्रायः एक साथ। पहला स्रोत बंगाल की खाड़ी से आने वाली वर्षा घटना है: 1891–2010 में राज्य के मौसम को प्रभावित करने वाले 450 चक्रवाती तूफानों और अवदाबों में से 143 अगस्त में, 89 सितंबर में, 29 अक्तूबर में और 4 नवंबर में आए (IMD), और सितंबर के अंत की वर्षा घटनाओं ने एक साथ कई वर्षामापियों पर अभिलिखित सबसे बड़ी वर्षा दी। 25 सितंबर 1999 को साहिबगंज जिले के तालझारी (Taljhari) में 601.4 mm दर्ज हुई, जो राज्य में एक दिन की सबसे अधिक वर्षा है, और साथ में

एक दिन पहले बोआरीजोर (Boarijor) में 450.0 mm, और साहिबगंज में 366.5 mm (IMD); 26–28 सितंबर 1978 और 20–21 सितंबर 2000 की वर्षा घटनाओं ने रामगढ़ पर दामोदर और महारो (Maharo) पर मयूराक्षी के उच्चतम बाढ़ स्तर बनाए (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार)। दूसरा स्रोत नदी है, जो ऊपर के डैमों से छोड़े गए पानी से चढ़ती है। जून 2008 में जमशेदपुर (A) में 18 तारीख को 338.1 mm दर्ज हुई (IMD), आदित्यपुर पर खरकई ने अपना उच्चतम बाढ़ स्तर, 137.8 m, बनाया (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार), और ओडिशा में खरकई के डैम के गेट खोले जाने के बाद जुगसलाई, बागबेड़ा, सोनारी और आसपास के क्षेत्रों में 500 से अधिक घर जलमग्न हुए; सेना बुलाई गई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। 27 मई 2021 को जब चक्रवात यास (Cyclone Yaas) ने राज्य को पार किया, तब 24 घंटों में चाईबासा में 21 cm, मांडर में 18 cm, रांची में 15 cm और जमशेदपुर में 11 cm वर्षा हुई (IMD), खरकई 129 m के खतरे के निशान के मुकाबले 132.40–132.87 m तक चढ़ी, और कोल्हान में लगभग 14,000 लोगों को निकाला गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। 17 सितंबर 2024 को DVC के मैथन और पंचेत डैमों से संयुक्त निकास लगभग 2.5 लाख क्यूसेक तक पहुँचा (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और राज्य में CWC के छह स्थलों पर दामोदर, बराकर, उत्तरी कोयल और सोन अपने खतरे के स्तर से ऊपर थीं (CWC)। तीसरा स्रोत नगर की वह ड्रेन है जो ऐसी वर्षा में भी विफल हो जाती है जो असाधारण नहीं है। रांची में 25-वर्ष की बाढ़ के लिए बना हरमू नदी का चैनल जुलाई 2016 में और फिर जुलाई 2017 में क्षतिग्रस्त हुआ (CAG); अगस्त 2022 के एक दिन, जब नगर में 54.2 mm वर्षा दर्ज हुई, कांके रोड पर घुटनों तक पानी भरा रहा; और जून 2025 में रांची जिले में 1–23 जून के दौरान 125.7 mm के सामान्य के मुकाबले 459 mm वर्षा हुई, ऐसी आकस्मिक बाढ़ों (flash floods) में जिनके बाद राज्य की आपदा प्रबंधन योजना को अद्यतन करने की माँग उठी (सभी प्रकाशित खबरों के अनुसार)। साहिबगंज में गंगा अगस्त 2025 और सितंबर 2026 में 27.25 m के खतरे के स्तर के मुकाबले 28.61–28.72 m तक पहुँची (प्रकाशित खबरों के अनुसार)।

डिजाइन का अभाव तीनों को और बदतर बनाता है। राज्य में किसी नगर की ड्रेनों के लिए जो एकमात्र डिजाइन वर्षा घटना मिली, वह धनबाद की जल निकासी परियोजना की 1-वर्ष की वर्षा घटना है, जिसे इसलिए चुना गया कि 2- और 5-वर्ष की ड्रेनों के लिए सड़क से बाहर की भूमि चाहिए थी (JUIDCO, 2017); हरमू चैनल नगरों की सुरक्षा के लिए IS 12094 की 100-वर्ष की आवृत्ति के मुकाबले 25 वर्ष के लिए, फिर 50 के लिए, डिजाइन किया गया (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); और CAG द्वारा नमूना-जाँच किए गए नौ नगरों में 939.55 km ड्रेनों में से 60% खुली (बिना ढकी) थीं, और घरेलू अपशिष्ट जल उन्हीं ड्रेनों में बहता था जिनमें वर्षा जल (CAG, 2017)। भवन उपविधि 2016 वर्षा जल संचयन के गड्ढों का नियंत्रण करती है, अपवाह का नहीं। लक्ष्य (b) से (e) भंडारण, आउटफॉल और भवन-स्तर की उन विफलताओं को संबोधित करते हैं, जिन्हें केवल ड्रेन का आकार तय करने वाला मैनुअल ठीक नहीं कर सकता।

कोई राष्ट्रीय लिखत (instrument) साइट पर अस्थायी भंडारण (on-site detention) को अनिवार्य नहीं करता। CPHEEO (2019) परामर्शी है और चरम प्रवाह नियंत्रण को केवल सामान्य पद्धति के रूप में वर्णित करता है। NDMA (2010) कहता है कि अस्थायी भंडारण और प्रतिधारण को सम्मिलित "किया जाएगा" ("will"), किंतु आकार निर्धारण का कोई नियम नहीं देता। MBBL 2016 और भवन उपविधि 2016 केवल RWH को अनिवार्य करती हैं। इसलिए लक्ष्य (a) वह मुख्य नया कदम है जो यह मैनुअल उठाता है।

1.2 वर्षा जल प्रबंधन का पदानुक्रम

1.2.1 प्रत्येक विकास, जिस पर अध्याय 4 लागू होता है, वर्षा जल उपायों पर निम्नलिखित क्रम में विचार करेगा। डिजाइनकर्ता किसी ऐसे उच्चतर उपाय के स्थान पर, जो साइट पर व्यवहार्य हो, किसी निचले उपाय का उपयोग नहीं करेगा।

1. **संरक्षण** — प्राकृतिक जल निकासी स्वरूपों, तालाबों, आर्द्रभूमियों, पारगम्य मिट्टी, वृक्षों और सतही प्रवाह मार्गों को बनाए रखना या पुनर्स्थापित करना (अध्याय 7)।
2. **प्रतिधारण** — परिशिष्ट 2E की प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई (retention depth) से उत्पन्न अपवाह को अंतःस्यंदन, पुनः उपयोग या वाष्पोत्सर्जन द्वारा साइट पर रोके रखना (अध्याय 4 और 8)।
3. **अस्थायी भंडारण** — बड़ी वर्षा घटनाओं के पानी का अस्थायी भंडारण करना और उसे अध्याय 4 की दरों पर या उनसे कम दर पर छोड़ना, जिसकी जाँच अनुप्रवाह और टेलवाटर (tailwater) स्थितियों के विरुद्ध की गई हो (अध्याय 4 और 5)।

4. **वहन** — शेष प्रवाह को लघु प्रणाली में, और 1% AEP प्रवाह को प्रमुख प्रणाली में, सुरक्षित रूप से ले जाना (अध्याय 6 और 9)।

1.2.2 **रखरखाव** चारों उपायों का आधार है। जिस उपाय का रखरखाव उसका स्वामी अध्याय 10 के अंतर्गत नहीं कर सकता, उसे क्रेडिट नहीं दिया जाएगा।

1.2.3 उच्चतर उपायों से मिलने वाले क्रेडिट निचले उपायों की अपेक्षाओं को घटाते हैं। संरक्षित क्षेत्र और प्रतिधारित आयतन, अध्याय 4 में निर्धारित रूप में, अस्थायी भंडारण की आवश्यकता को घटाते हैं।

चित्र 1.1 — वर्षा जल प्रबंधन का पदानुक्रम: संरक्षण, प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, वहन, और प्रत्येक उपाय के आधार में रखरखाव। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, Mid-America Regional Council / Kansas City Metro Chapter APWA, "Layers of Stormwater Management", APWA 5600 Manual Factsheet, 2025 (अवधारणा) से रूपांतरित।

भाष्य. यह क्रम Kansas City Metro APWA Section 5600, Version 2025.01 की "परतों" ("layers") का अनुसरण करता है: संरक्षण या पुनर्स्थापन, प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, वहन, रखरखाव (MARC factsheet, 2025)। यही तर्क जॉर्जिया के अपवाह-न्यूनीकरण मानक और CSE के "पहले क्षीण करो और अंतःस्यंदित करो" ("attenuate and infiltrate first") सिद्धांत के पीछे भी है (CSE, 2023)। झारखंड के लिए सबसे ऊपरी परत का विशेष अर्थ है। राज्य के बाढ़ भंडारण का बड़ा भाग उसके तालाबों (talab) में, बाँधों (bandh; तटबंध से घिरे तालाब), उत्तर-पश्चिम के आहरों (ahar) और गाँवों के डोभों (dobha; खेत के तालाब) में, घाटियों के तल की दोन (don; सीढ़ीदार धान की निचली भूमि) में, और उन जलाशयों में है जिनके चारों ओर उसके नगर बसे: बड़ा तालाब, जो 1842 में रांची के केंद्र में बनाया गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार), नगर के ऊपर कांके, हटिया (धुर्वा) और गेतलसूद के डैम, और जमशेदपुर के ऊपर डिमना झील। इस भंडारण की हानि का अभिलेख मौजूद है: कहा गया कि रांची में लगभग 71 तालाब थे, जिनमें से, जैसा 2024 में उच्च न्यायालय को बताया गया, अब केवल चार या पाँच दिखते हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और जमशेदपुर मास्टर प्लान 2027 में 2016–17 में विद्यमान 1,280.00 ha के मुकाबले 1,186.31 ha जल क्षेत्र दर्शाया गया है (23 अक्तूबर 2017 की UD&HD की अधिसूचना)। कानून इसके कुछ भाग की रक्षा करता है। रांची मास्टर प्लान 2037 कांके, धुर्वा और रुक्का (गेतलसूद) डैम के पूर्ण जल स्तर (full tank level) से 20 m के भीतर, और हर नदी और प्राकृतिक नाले से कम से कम 10 m के भीतर, निर्माण पर रोक लगाता है (शर्त 2.9); भवन उपविधि 2016 नदियों से 10–15 m के भीतर भवन निर्माण पर रोक लगाती है (उपविधि 23.2); सार्वजनिक तालाब और उनसे संबद्ध भूमि नगरपालिका में निहित होती है

(झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011, धारा 203); और उच्च न्यायालय ने रांची के जलाशयों के आसपास के क्षेत्रों को प्रवेश-निषिद्ध जोन (no-entry zones) बनाने का आदेश दिया है (2025, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। वही अधिनियम अब भी नगरपालिका को किसी निजी तालाब या पोखर को भरवाने का आदेश देने देता है (धारा 341)। कोयला क्षेत्र अपना अलग भंडारण जोड़ते हैं, अर्थात् दामोदर घाटी के खदान के गड्ढे और खदान झीलें, जो पानी रख सकते हैं किंतु न स्थिर हैं और न मुक्त रूप से उपलब्ध (अध्याय 7)। बड़ी आर्द्रभूमियाँ एक अलग परत हैं: राज्य ने आर्द्रभूमि नियम 2017 के अंतर्गत कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं की है, और उधवा झील, 935.5 ha की गंगा के डूब क्षेत्र की आर्द्रभूमि, जो उधवा नाले से नदी से जुड़ी है, उसका एकमात्र रामसर स्थल है (Ramsar Information Sheet)। इस भंडारण की हानि की भरपाई पाइपों और पंपों से किफायती रूप से नहीं की जा सकती।

1.3 विधिक आधार और स्थिति

1.3.1 **अधिसूचना.** इस मैनुअल को झारखंड सरकार द्वारा निम्नलिखित के माध्यम से सांविधिक प्रभाव दिया जाएगा:

- (a) भवन उपविधि 2016 में ऐसा संशोधन जो, उस विकास के लिए जिस पर खंड 1.5 लागू होता है, इस मैनुअल के अनुपालन को योजना अनुमति, भवन अनुमति, लेआउट अनुमोदन और समापन प्रमाण-पत्र की शर्त बनाए; और
- (b) प्रत्येक शहरी स्थानीय निकाय (ULB) की उपविधियाँ या स्थायी आदेश, जो उस ULB द्वारा निष्पादित या अनुमोदित कार्यों के लिए, जिनमें ULB की अपनी ड्रेनें और सड़कें सम्मिलित हैं, इस मैनुअल को अंगीकार करें।

1.3.2 **राज्य के उच्चतर मानक.** इस मैनुअल की डिजाइन पुनरावृत्ति अवधियाँ और निष्पादन मानदंड CPHEEO के Manual on Storm Water Drainage Systems (2019) के राष्ट्रीय परामर्शी न्यूनतम मानों से अधिक हैं। इन उच्चतर मानकों को अंगीकार करने के लिए राज्य अधिसूचना द्वारा एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति (**राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति**, खंड 1.9) का गठन करेगा। उच्चतर पुनरावृत्ति अवधियों के लिए CPHEEO (2019) यही मार्ग प्रदान करता है।

1.3.3 **पूर्वता.** अपने दायरे में, जहाँ यह मैनुअल CPHEEO (2019), IRC:SP:42-2014, IRC:SP:50-2013 या किसी विभागीय मानक से अधिक कठोर है, वहाँ यह मैनुअल अभिभावी होगा। जहाँ कोई कानून या सांविधिक नियम अधिक कठोर अपेक्षा निर्धारित करता है (उदाहरण के लिए जलाशय सेटबैक), वहाँ वह कानून अभिभावी होगा।

1.3.4 **लोक निर्माण कार्यों के लिए डिजाइन-पद्धति मानक.** जल निकासी, सड़क या जलाशय कार्यों का प्रापण करने वाले विभाग और ULB, खंड 1.11 की तिथियों से, विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (DPR) और संविदाओं में इस मैनुअल के अनुपालन की अपेक्षा करेंगे।

भाष्य. झारखंड में भवन नियम झारखंड भवन उपविधि, 2016 में हैं, जिसे नगर विकास एवं आवास विभाग (UD&HD) ने 5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006 द्वारा "झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा-434 के अंतर्गत और इस विषय के सभी विद्यमान नियमों का अधिक्रमण और उपांतरण करते हुए" ("under Section-434 of the Jharkhand Municipal Act 2011 and in supersession and modification of all the existing rules on the subject") अधिसूचित किया, और जो सभी क्षेत्रीय विकास प्राधिकारों, शहरी स्थानीय निकायों, खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार और सभी औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों पर प्रवर्तनीय है; अधिसूचना राजकीय मुद्रणालय से उसे असाधारण राजपत्र में प्रकाशित करने को कहती है, जिसकी संख्या देखी नहीं गई [TBC]। इस मैनुअल के लिए पढ़े गए संशोधन, अर्थात् 15 मई 2017 का (पहला, भवन उपविधि समीक्षा समिति की अनुशंसा पर किया गया), 17 अगस्त 2017 का (दूसरा), 6 जून 2019 का (पाँचवाँ) और 2019 का (छठा), अनुमोदन की समय-सीमाओं, निरीक्षणों, हस्तांतरणीय विकास अधिकारों और लिफ्टों में परिवर्तन करते हैं, और 2017 के संशोधन ने बहुमंजिला भवनों के चारों ओर नरम फर्श (soft paving) का अंश 50% से घटाकर 40% किया; दसवाँ (मार्च 2024) और ग्यारहवाँ (27 अप्रैल 2026) संशोधन केवल सारांशों में देखे गए, जिनमें से ग्यारहवाँ वाणिज्यिक और औद्योगिक भूखंडों के लिए अनुमेय भू-आच्छादन बढ़ाकर 65% करता है (प्रकाशित खबरों के अनुसार) [TBC]। इनमें से कोई भी नदी-तट, बेसमेंट या वर्षा जल संचयन संबंधी उपविधियों को नहीं छूता। भवन उपविधि 2016 कोई डिजाइन वर्षा घटना, पुनरावृत्ति अवधि, निकास दर या अस्थायी भंडारण आयतन निर्धारित नहीं करती, न कोई "शून्य अपवाह" ("zero runoff") नियम। वह 300 m^2 और उससे बड़े

भूखंडों पर वर्षा जल संचयन को अनिवार्य करती है, छत के प्रत्येक 100 m^2 के लिए कम से कम 6 m^3 के पुनर्भरण गड्ढों या खाइयों के साथ (उपविधि 51.1); किसी नदी की सीमा के भीतर, गंगा के अतिरिक्त अन्य नदियों की बाहरी सीमा से 10–15 m की पट्टी के भीतर, और गंगा पर उसकी सीमा के भीतर या राज्य द्वारा विहित अधिक दूरी के भीतर निर्माण पर रोक लगाती है (उपविधि 23.1 से 23.3), यद्यपि उन नदियों की सूची, जिन पर उपविधि 23.2 लागू होती है और जिसे राज्य "अधिसूचित करेगा" ("shall notify"), नहीं मिली [TBC]; विकास योजना और जल निकासी योजना में दर्शाए गए प्राकृतिक जलमार्गों और ड्रेनों में अनुमति देने से इनकार करती है (30.1); और निचले और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में बेसमेंट पर रोक लगाती है (48.1), किंतु इन दोनों में से किसी शब्द को परिभाषित नहीं करती। इसलिए झारखंड में खंड 1.3.1(a) का मार्ग UD&HD से होकर जाता है, जो धारा 434 के अंतर्गत भवन उपविधि 2016 में संशोधन करेगा, जैसा उसने प्रत्येक पिछले संशोधन के लिए किया है। यह मैनुअल एक प्रारूप है; इसे न सरकार ने अंगीकार किया है, न किसी प्राधिकरण ने। MoHUA ने जुलाई 2026 में संसद को बताया कि शहरी बाढ़ "राज्य सरकारों और ULB के अधिकार क्षेत्र में आती है" ("falls under the purview of the State Governments and the ULBs") और CPHEEO मैनुअल को "परामर्शी दिशानिर्देशों" ("advisory guidelines") में सूचीबद्ध किया (Lok Sabha AU1847)। इसलिए उच्चतर मानक अंगीकार करने के लिए राज्य को किसी केंद्रीय अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है। CPHEEO की तालिका 4.1 की टिप्पणी 2 (§4.4.1.4) "राज्य/संघ राज्यक्षेत्र सरकार द्वारा अधिसूचना के माध्यम से गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति" ("a high powered committee constituted by State/UT Government through a notification") को उच्चतर पुनरावृत्ति अवधियाँ अंगीकार करने की अनुमति देती है। खंड 1.3.2 इसी मार्ग का उपयोग करता है, ताकि केंद्र द्वारा वित्तपोषित योजनाओं के लिए उच्चतर मानक अभिलेख पर रहें।

1.4 परिभाषाएँ

1.4.1 निम्नलिखित शब्द इस पूरे मैनुअल में लागू होते हैं। अध्याय-विशिष्ट शब्द प्रत्येक अध्याय में परिभाषित किए गए हैं (उदाहरण के लिए खंड 2.2)।

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
अनुमोदन प्राधिकारी (प्राधिकारी)	वह निकाय जो किसी विकास के लिए योजना अनुमति, भवन अनुमति या लेआउट अनुमोदन देता है, या जो किसी लोक निर्माण कार्य को संस्वीकृति देता है: वह प्राधिकारी जो भवन उपविधि 2016 के अंतर्गत साइट के भवन नक्शे या लेआउट का अनुमोदन करता है, जो प्रत्येक शहरी स्थानीय निकाय, क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (MADA) और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों पर लागू होती है (उपविधि 1.2): नगरपालिका सीमाओं के भीतर, नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत; रांची नगर निगम की सीमाओं के बाहर, रांची क्षेत्रीय विकास क्षेत्र में RRDA (झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011, धारा 615(3)); अपने क्षेत्र में MADA; अपने औद्योगिक क्षेत्रों में कोई औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार; और जमशेदपुर में, 23 दिसंबर 2023 को अधिसूचित औद्योगिक नगर का प्रशासन करने वाला निकाय, या जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (JNAC), जब तक वह कार्यरत है (इन शक्तियों के विभाजन की, रांची के आसपास के पंचायत क्षेत्रों सहित, पुष्टि की जानी है [TBC]); या अपने कार्यों के लिए कोई विभाग।
आवेदक	वह स्वामी, विकासकर्ता या विभाग जो अनुमोदन चाहता है, और उसके हक-उत्तराधिकारी (successors in title)।
विकास	कोई भी भवन, लेआउट, उप-विभाजन, सड़क, पक्की सतह या भूमि उपयोग परिवर्तन, जिसके लिए भवन उपविधि 2016 के अंतर्गत अनुमोदन अपेक्षित हो या जो लोक निर्माण कार्य के रूप में निष्पादित किया जाए।
पुनर्विकास	ऐसी साइट पर विकास जहाँ अपारगम्य आवरण पहले से विद्यमान है।
भूमि विक्षोभ	भूमि की सफाई, समतलन, खुदाई, भराई या उसे पक्का करना, जिसे विकास की संपूर्ण साझा योजना पर प्लान क्षेत्रफल (plan area) में मापा जाए (खंड 1.5.5)।
अपारगम्य क्षेत्र	छतें, पक्की सतहें, संघनित बजरी, डेक और अन्य सतहें जो अंतःस्यंदन को रोकती हैं। अध्याय 8 के अनुसार डिजाइन किए गए पारगम्य पेवमेंट को केवल उस क्षेत्र के लिए पारगम्य गिना जाता है जिसका वह उपचार करता है।

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
नया या प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र	विकास द्वारा बनाया गया, या सबग्रेड तक हटाकर पुनः बनाया गया, अपारगम्य क्षेत्र। आधार परत को यथावत छोड़ने वाला पुनः सतह बिछाना (resurfacing) "प्रतिस्थापित" नहीं है।
प्रतिधारण	साइट पर अंतःस्यंदन, पुनः उपयोग या वाष्पोत्सर्जन द्वारा अपवाह को जल निकासी प्रणाली से स्थायी रूप से हटाना (अध्याय 4)।
अस्थायी भंडारण	नियंत्रित आउटलेट के साथ अपवाह का अस्थायी भंडारण, जिसे वर्षा घटना के बाद खाली किया जाता है (अध्याय 4)।
वर्षा जल संचयन (RWH)	RWH की अनिवार्यता के अंतर्गत आपूर्ति या पुनर्भरण के लिए वर्षा का संग्रह। RWH भंडारण अस्थायी भंडारण नहीं है, जब तक अध्याय 4 इसकी अनुमति न दे।
लघु प्रणाली	अध्याय 6 के लघु-प्रणाली AEP के लिए डिजाइन की गई ड्रेनें, पाइप और इनलेट।
प्रमुख प्रणाली	वह सतही और बाढ़ मार्ग जो 1% AEP (100-वर्ष) प्रवाह को ले जाता है (अध्याय 6)।
विकास-पूर्व स्थिति	अविकसित खुली भूमि (greenfield): मानचित्रित जलवैज्ञानिक मृदा समूह के लिए अच्छी दशा वाली खुली भूमि। विद्यमान अपारगम्य आवरण की गणना नहीं की जाती (अध्याय 3)।
बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र	रांची में हरमू नदी का स्वर्णरेखा से उसके संगम तक का जलग्रहण क्षेत्र, उसमें मिलने वाले अरगोड़ा नाले और अन्य नालों और ड्रेनों सहित, और रांची की वे निचली कॉलोनियाँ जो हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto) और हिनू में जाती हैं और भारी वर्षा में जलमग्न होती हैं; जमशेदपुर, आदित्यपुर, मानगो, जुगसलाई और बागबेड़ा की वह भूमि जो स्वर्णरेखा और खरकई में जाती है, जिसके आउटफॉल नदियों के ऊँची होने पर रुक जाते हैं; धनबाद–झरिया भू-धंसान पट्टी, अर्थात् झरिया कोयला क्षेत्र में धनबाद, झरिया, कतरास और सिंदरी की वह भूमि जो भू-धंसान गर्तों, खदान के गड्ढों या कतरी, जमुनिया और खुदिया में जाती है, धनबाद के निचले वार्ड 25, 26, 28 और 29 सहित; साहिबगंज और राजमहल की वह भूमि जो गंगा में जाती है, दियारा (diara) सहित, जिसके आउटफॉल गंगा के ऊँची होने पर रुक जाते हैं; और देवघर नगर निगम क्षेत्र की ड्रेनों के जलग्रहण क्षेत्र, और कोई भी जलग्रहण क्षेत्र जिसे प्राधिकारी अधिसूचित करे (अध्याय 4; परिशिष्ट 1B)।
जलाशय	नदी, धारा, नहर, तालाब (talab), झील, पोखर, दलदल, आपूर्ति चैनल या अतिरिक्त जल मार्ग, चाहे बारहमासी हो या मौसमी (अध्याय 7)।
क्षेत्रीय सुविधा	एक से अधिक विकासों को सेवा देने वाली अस्थायी भंडारण, प्रतिधारण या तालाब भंडारण सुविधा, जो बेसिन प्लान के अंतर्गत निर्मित या पुनर्स्थापित की गई हो (अध्याय 4)।
टियर A / टियर B प्राधिकारी	खंड 1.6 के अंतर्गत वर्गीकृत अनुमोदन प्राधिकारी।
नीति अनुपूरक	खंड 1.7 और परिशिष्ट 1C के अंगीकरणीय वैकल्पिक खंडों का समूह।
जल निकासी रिपोर्ट	अध्याय 10 द्वारा अपेक्षित प्रारंभिक या अंतिम रिपोर्ट।
पंजीकृत पेशेवर	भवन उपविधि 2016 के अंतर्गत संबंधित नक्शे तैयार करने और उन पर हस्ताक्षर करने के लिए पंजीकृत व्यक्ति, जिसके पास खंड 10.6 द्वारा अपेक्षित कोई अतिरिक्त योग्यता भी हो।
अनुपालन कैलकुलेटर	अनुपालन की गणना और रिपोर्टिंग के लिए राज्य द्वारा जारी उपकरण (खंड 10.5)।
रखरखाव घोषणा-पत्र	किसी वर्षा जल सुविधा के रखरखाव के लिए स्वामी द्वारा दिया गया पंजीकृत वचन-पत्र (खंड 10.10)।
विचलन	किसी संख्यात्मक अपेक्षा से हटने का अनुमोदन, जिसके साथ समतुल्य निष्पादन दर्शाया गया हो (खंड 1.10)।
अधित्याग	यह अनुमोदन कि खंड 1.10 के आधारों पर कोई अपेक्षा किसी साइट पर लागू नहीं होती।

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
अधिसूचित	सरकार या राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति द्वारा झारखंड राजपत्र में प्रकाशित।

> **भाष्य.** "प्रतिस्थापित" अपारगम्य क्षेत्र की परिभाषा सबग्रेड तक इसलिए दी गई है कि पूरी तरह पक्की साइट का पुनर्विकास इसके दायरे में आए, जबकि नियमित रूप से पुनः सतह बिछाना न आए। यह APWA 5600 (2025.01) के पुनर्विकास संबंधी प्रारंभक मानों (triggers) की पद्धति का अनुसरण करता है (MARC Supplement, 2025)।

1.5 प्रयोज्यता

1.5.1 **किन पर लागू.** यह मैनुअल निम्नलिखित पर लागू होता है:

- (a) भवन उपविधि 2016 के अंतर्गत योजना अनुमति, भवन अनुमति या लेआउट अनुमोदन की अपेक्षा वाला सभी विकास;
- (b) किसी ULB, राज्य विभाग, बोर्ड या राज्य उपक्रम द्वारा निष्पादित सभी जल निकासी, सड़क, पुल, पुलिया, जलाशय और बाढ़-शमन कार्य; और
- (c) झारखंड के भीतर केंद्रीय एजेंसियों या उनके ठेकेदारों द्वारा निष्पादित कार्य, उस सीमा तक जहाँ तक प्राधिकारी का अनुमोदन या अनापत्ति अपेक्षित है।

1.5.2 **प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण का सीमा-मान.** अध्याय 4 और 5 (प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, अनुप्रवाह और टेलवाटर विश्लेषण) ऐसे किसी भी विकास पर लागू होते हैं जिसमें, विकास की साझा योजना पर, निम्नलिखित सम्मिलित हो:

- (a) **0.1 ha या अधिक** का भूमि विक्षोभ; **या**
- (b) **500 m² या अधिक** का नया या प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र।

1.5.3 **RWH.** RWH की विद्यमान अनिवार्यता भवन उपविधि 2016 की उपविधि 51.1 के अंतर्गत **300 m²** और उससे बड़े भूखंडों पर, छत के प्रत्येक 100 m² क्षेत्र के लिए कम से कम 6 m³ के पुनर्भरण गड्ढों या खाइयों के साथ; उपविधि 58.6.6 के अंतर्गत बहुमंजिला भवनों पर, जिनके लिए NBC के मानदंडों के अनुसार पुनर्भरण कुआँ आवश्यक है; और रांची में, नगर निगम के 2016 के वर्षा जल संचयन विनियमन के अंतर्गत, जिसके बारे में बताया जाता है कि वह वही 300 m² का सीमा-मान और वार्षिक होल्डिंग टैक्स के 1.5 गुना का दंड रखता है (पाठ पढ़ा नहीं गया [TBC]), पहले की भाँति लागू रहती है। यह मैनुअल इसमें परिवर्तन नहीं करता।

1.5.4 **हर आकार पर लागू प्रावधान.** खंड 1.5.1 के अंतर्गत सभी विकास पर, उसका आकार चाहे जो हो, निम्नलिखित लागू होते हैं, जब तक खंड 1.5.8 द्वारा छूट न दी गई हो:

- (a) वर्षा जल ड्रेन में कोई सीवेज कनेक्शन नहीं (अध्याय 8);
- (b) जहाँ 1% AEP स्तर मानचित्रित या निर्धारण योग्य है, वहाँ सबसे निचला आवास योग्य तल और खुले भाग (openings) 1% AEP स्तर से 0.5 m अधिक पर या उससे ऊपर (अध्याय 6);
- (c) जलाशय सेटबैक और भराई-निषिद्ध जोन (no-fill zone) (अध्याय 7); और
- (d) किसी प्राकृतिक जल निकासी मार्ग या प्रमुख-प्रणाली प्रवाह मार्ग में कोई अवरोध नहीं (अध्याय 6)।

1.5.5 **विकास की साझा योजना.** खंड 1.5.2 के सीमा-मान किसी विकास के कुल क्षेत्र पर लागू होते हैं, जिसमें आवेदन की तिथि पर एक लेआउट अनुमोदन या एक स्वामित्व के अंतर्गत आने वाले सभी चरण, भूखंड और उप-विभाजन सम्मिलित हैं। सीमा-मानों से बचने के लिए किसी विकास को विभाजित नहीं किया जाएगा।

1.5.6 **पुनर्विकास.** पुनर्विकास के लिए सीमा-मान नए और प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र के योग पर लागू होते हैं। प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण संपूर्ण नए और प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र पर लागू होते हैं, और विकास-पूर्व स्थिति अविकसित खुली भूमि (greenfield) है (खंड 1.4)। जहाँ किसी सीमित पुनर्विकास साइट पर अविकसित खुली भूमि के स्तर का नियंत्रण प्राप्त नहीं किया जा सकता, वहाँ खंड 4.5.6 का राहत मार्ग लागू होता है: विद्यमान चरम प्रवाह से साइट पर न्यूनतम 50% की कमी, और शेष कमी के लिए बेसिन भंडारण में एवज शुल्क (fee-in-lieu) का भुगतान।

1.5.7 **रैखिक लोक निर्माण कार्य.** सड़कों, चौड़ीकरण और अन्य रैखिक कार्यों के लिए, अपारगम्य क्षेत्र का सीमा-मान पार किए गए प्रत्येक जल निकासी जलग्रहण क्षेत्र के भीतर जोड़े गए अपारगम्य क्षेत्र पर लागू होता है। प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण मार्गाधिकार (right of way) के भीतर उपलब्ध कराए जाएँगे, या, जहाँ मार्गाधिकार में उनके लिए स्थान न हो, अध्याय 4 के अंतर्गत किसी क्षेत्रीय सुविधा में।

1.5.8 **छूट.** निम्नलिखित को अध्याय 4 और 5 से छूट प्राप्त है:

- (a) अपने ही भूखंड पर एकल आवास, जहाँ खंड 1.5.2 के सीमा-मान पूरे नहीं होते; और
- (b) सड़क का रैखिक पुनः सतह बिछाना, जिससे कोई अपारगम्य क्षेत्र नहीं जुड़ता।

छूट प्राप्त विकास RWH अनिवार्यता और खंड 1.5.4 के अधीन बना रहता है।

1.5.9 **प्रयोज्यता निर्धारण.** आवेदक अध्याय 10 के अंतर्गत पहली प्रस्तुति के साथ प्रयोज्यता संबंधी निर्णय **प्रपत्र 1-1** (प्रयोज्यता निर्धारण) पर दर्ज करेगा। प्राधिकारी आवेदन-पूर्व चरण में इसकी पुष्टि या इसमें सुधार कर सकता है।

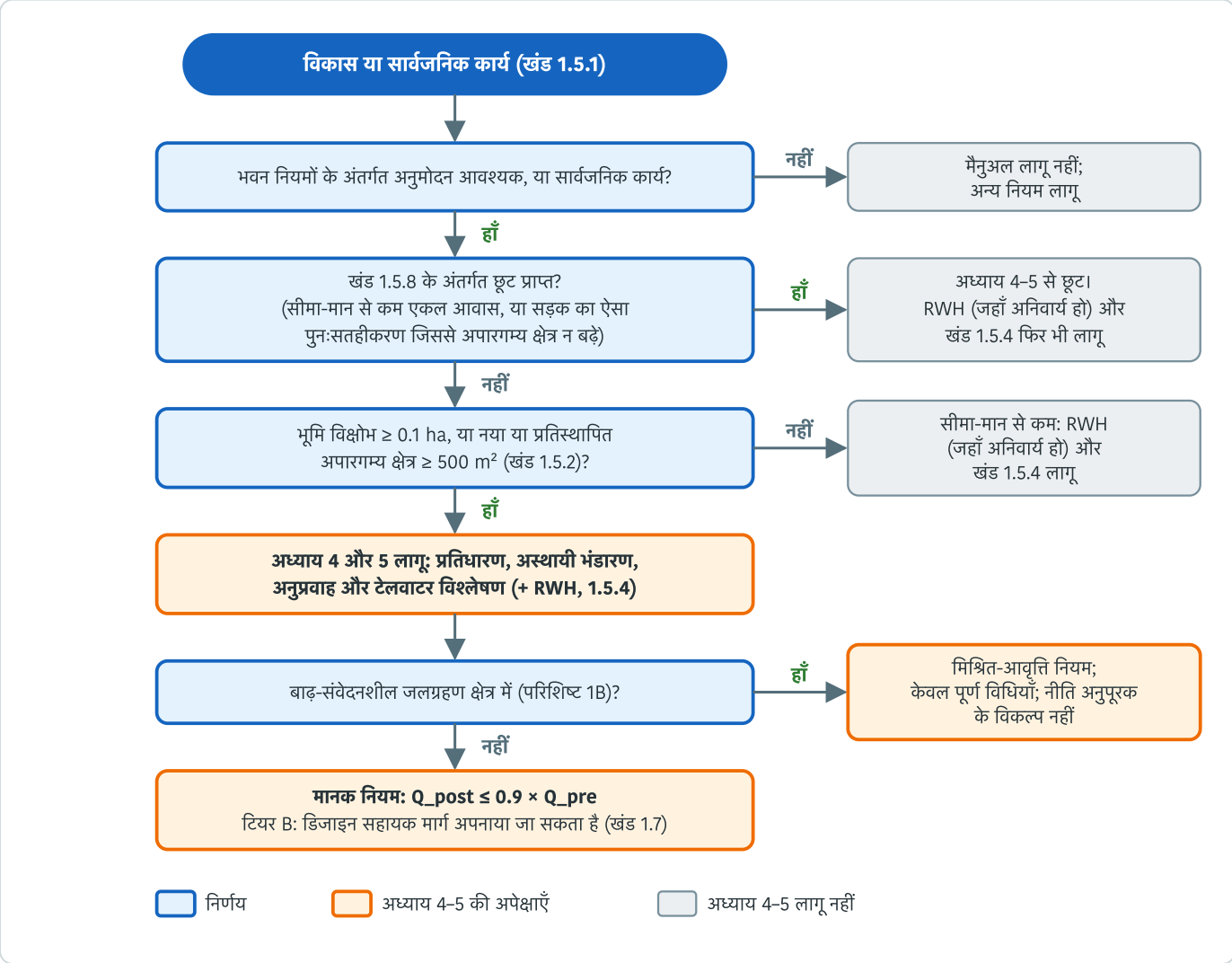

चित्र 1.2 — खंड 1.5 के लिए प्रयोज्यता निर्णय फ्लोचार्ट। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग।

भाष्य. सीमा-मानों का कोई एकल प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। पूर्व-उदाहरण व्यापक दायरे में फैले हैं:

- सिंगापुर 0.2 ha या अधिक के विकासों से चरम अपवाह को नियंत्रित करता है (PUB Code of Practice on Surface Water Drainage, 7th ed., cl. 7.1.5)।
- मलेशिया की 2008 की DID जाँच-सूची में 0.1 ha तक की साइटों के लिए साइट पर अस्थायी भंडारण और उससे बड़ी साइटों के लिए सामुदायिक तालाबों का उपयोग किया गया।
- APWA 5600 (2025.01) का Policy Supplement ¼ एकड़ (लगभग 0.1 ha) विक्षोभ, या 10,000 वर्ग फुट (लगभग 930 m^2) अपारगम्य क्षेत्र के साथ 1 एकड़ (लगभग 0.4 ha), के वैकल्पिक प्रारंभक मान प्रस्तुत करता है, और एजेंसियों को 1 एकड़ के प्रारंभक मान से आगे न जाने की चेतावनी देता है।
- MBBL 2016 500 m^2 से बड़े भवनों के लिए पुनर्भरण को अनिवार्य करती हैं।

0.1 ha / 500 m^2 का प्रारंभक मान इनमें सबसे कठोर सिरे पर है, क्योंकि झारखंड के सामान्य भूखंड छोटे हैं और अनेक छोटे भूखंडों का संचयी प्रभाव ही रांची की ड्रेनों को भरता है। झारखंड में छोटे भवनों के लिए भवन उपविधि 2016 की उपविधि 51.1 वर्षा जल संचयन की अपेक्षा केवल 300 m^2 और उससे बड़े भूखंडों पर करती है, छत के प्रत्येक 100 m^2 के लिए 6 m^3 के पुनर्भरण गड्ढों के साथ, जो छत के लगभग 60 mm अपवाह के बराबर है; यह गड्ढे का आयतन है, इस पर कोई नियम नहीं कि भूखंड से क्या बाहर जाता है, और पठार की लैटेराइट और चट्टान के ऊपर की पतली मिट्टियों पर कठोर परत (hardpan) पर समाप्त होने वाला गड्ढा भरा रह सकता है। प्लिंथ (plinth) आसपास की भूमि से कम से कम 450 mm ऊपर होगा, "इस प्रकार स्थित ... कि साइट की पर्याप्त जल निकासी सुनिश्चित हो" ("so located ... that adequate drainage of the site is assured") (उपविधि 42.1.1), किसी बाढ़ स्तर के किसी संदर्भ के बिना, और बेसमेंट उन निचले और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में वर्जित हैं (48.1) जिन्हें कोई लिखत परिभाषित नहीं करता। इसी कारण खंड 1.5.4(b) प्रत्येक भवन पर लागू होता है, उसका आकार चाहे जो हो।

खंड 1.5.4(b) का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे इसलिए निर्धारित करता है कि फर्श स्तर किसी भवन की सबसे सस्ती सुरक्षा है, और केवल बड़े विकासों की रक्षा करना विसंगत होगा। जहाँ कोई 1% AEP स्तर मानचित्रित नहीं है, वहाँ अध्याय 6 छोटी साइटों के लिए विधि देता है।

1.6 टियर-आधारित अंगीकरण

1.6.1 **टियर A प्राधिकारी.** निम्नलिखित टियर A हैं:

- (a) रांची नगर निगम (RMC), और 30 नवंबर 2015 की अधिसूचना द्वारा यथा अनुमोदित और समय-समय पर यथासंशोधित रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र के भीतर RRDA और प्रत्येक अन्य अनुमोदन प्राधिकारी;
- (b) झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के अंतर्गत गठित प्रत्येक अन्य नगर निगम, जैसा समय-समय पर गठित हो, जिनमें धनबाद, देवघर, चास, हजारीबाग, गिरिडीह, आदित्यपुर, मानगो और मेदिनीनगर के नगर निगम सम्मिलित हैं, अपनी सीमाओं के भीतर के प्रत्येक अन्य अनुमोदन प्राधिकारी सहित; और
- (c) अपने क्षेत्र में MADA, और जमशेदपुर में भवन अनुमति देने वाला निकाय: जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (JNAC), या 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना के अंतर्गत उसका उत्तराधिकारी निकाय, जिस अधिसूचना को चुनौती दी गई है [TBC]।

1.6.2 **टियर B प्राधिकारी.** अन्य सभी नगर परिषदें और नगर पंचायतें टियर B हैं।

1.6.3 **टियरों के बीच क्या भिन्न है.** इस मैनुअल के सभी मानदंड दोनों टियरों में लागू होते हैं। टियर केवल विधि और समीक्षा में भिन्न हैं:

तालिका 1.1 — टियर A और टियर B प्राधिकारियों के बीच अंतर

मद	टियर A	टियर B
निष्पादन मानदंड (अध्याय 2–9)	पूर्ण रूप से लागू	पूर्ण रूप से लागू
भंडारण के लिए जलवैज्ञानिक विधि	हाइड्रोग्राफ विधि (अध्याय 3)	हाइड्रोग्राफ विधि, या पात्र होने पर खंड 1.7 का डिजाइन-सहायिका मार्ग
अनुपालन कैलकुलेटर (खंड 10.5)	सारांश के रूप में अपेक्षित	अपेक्षित; डिजाइन-सहायिका मार्ग पर एकमात्र गणना हो सकता है
नीति अनुपूरक के विकल्प (खंड 1.7)	केवल राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति की सहमति से	परिषद संकल्प द्वारा अंगीकार किए जा सकते हैं
तकनीकी समीक्षा	प्राधिकारी द्वारा	प्राधिकारी द्वारा, UD&HD के क्षेत्रीय सहयोग या किसी सूचीबद्ध समीक्षक के साथ (खंड 10.7)
बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र का नियम	लागू	लागू

1.6.4 **टियरों के बीच परिवर्तन.** कोई टियर B प्राधिकारी परिषद संकल्प द्वारा टियर A का विकल्प चुन सकता है। सरकार किसी टियर B प्राधिकारी को टियर A के रूप में अधिसूचित कर सकती है, जब वह नगर निगम बन जाए, रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र में सम्मिलित हो जाए, या किसी घटना-पश्चात समीक्षा (खंड 10.16) में यह पाया जाए कि उसे पूर्ण विधियों की आवश्यकता है।

1.6.5 **बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र टियर पर अभिभावी हैं.** किसी बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में, टियर चाहे जो हो, खंड 1.7 के विकल्प केवल उतने ही उपलब्ध हैं जितनी तालिका 1.2 अनुमति देती है: 0.5 ha या उससे छोटी साइटों के लिए S-1 (डिजाइन-सहायिका मार्ग) (खंड 4.14.1), और जहाँ बेसिन प्लान अधिसूचित किया गया हो वहाँ S-5 एवज शुल्क (खंड 1.10.3(d))। S-2, S-3 और S-4 उपलब्ध नहीं हैं।

> **भाष्य.** रांची नगर निगम से, जिसके पास अपना अभियंत्रण स्कंध और लगभग 1,400 km ड्रेनें हैं, जिनमें से आधी से अधिक खुली (बिना ढकी) हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और जिसके साथ ट्रंक कार्य बनाने वाली JUIDCO है, और एक सहायक अभियंता वाली किसी छोटी नगर पंचायत से, एक ही हाइड्रोग्राफ मॉडलों की समीक्षा की अपेक्षा नहीं की जा सकती। कैनसस सिटी का समाधान यह था कि एक क्षेत्रीय मानक रखा जाए और सबसे विवादित मानदंडों के लिए अंगीकरणीय विकल्प प्रकाशित किए जाएँ, ताकि छोटी एजेंसियाँ मानक को छोड़े बिना "निचला विकल्प चुन" ("opt down") सकें (MARC Supplement, Nov 2025)। यहाँ के टियर दोनों टियरों में निष्पादन मानदंड एक समान रखते हैं और केवल विधि बदलते हैं, ताकि टियर B के किसी कस्बे में बना भवन उसी स्तर तक सुरक्षित रहे जितना रांची में बना भवन।

1.7 नीति अनुपूरक: अंगीकरणीय विकल्प

1.7.1 सरकार इस मैनुअल के साथ वैकल्पिक खंडों का एक **नीति अनुपूरक** (परिशिष्ट 1C) प्रकाशित करेगी। कोई अनुमोदन प्राधिकारी खंड 1.7.3 की शर्तों के अंतर्गत एक या अधिक विकल्प अंगीकार कर सकता है।

1.7.2 विकल्प निम्नलिखित हैं:

तालिका 1.2 — नीति अनुपूरक: अंगीकरणीय विकल्प S-1 से S-5

क्र.	मुख्य पाठ की अपेक्षा	अंगीकरणीय विकल्प	पात्रता
S-1	हाइड्रोग्राफ विधि द्वारा भंडारण का आकार निर्धारण (अध्याय 3)	**डिजाइन-सहायिका मार्ग:** प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण आयतन परिशिष्ट 4 की इकाई-भंडारण तालिकाओं (m^3 प्रति ha, वर्षा जोन, मृदा समूह और अपारगम्य अंश के अनुसार) और अनुपालन कैलकुलेटर से लिए जाते हैं	बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के बाहर ≤ 2 ha की साइटें; उनके भीतर ≤ 0.5 ha (खंड 4.14.1 के अनुसार)
S-2	निकास दर Q_post(T) ≤ 0.9 × Q_pre(T), साइट के लिए गणना की गई	**साइट की अनुमेय प्रवाह दर (PSD):** जोन और AEP के अनुसार तालिकाबद्ध इकाई-क्षेत्र निकास दर ($m^3/s/ha$), जो 0.9 × Q_pre नियम से व्युत्पन्न है	बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के बाहर कोई भी साइट
S-3	मानचित्रित 1% AEP बाढ़ विस्तार और अतिरिक्त मार्जिन तक बढ़ाया गया जलाशय सेटबैक (अध्याय 7)	जहाँ कोई 1% AEP विस्तार मानचित्रित नहीं है, वहाँ जलाशय वर्ग के अनुसार **नियत-चौड़ाई सेटबैक तालिका**। खंड 7.4.7 के जोन 1 न्यूनतम से कभी कम नहीं	ऐसे जलाशय जिनका कोई मानचित्रित 1% AEP विस्तार नहीं है
S-4	हाइड्रोलिक मॉडल द्वारा अनुप्रवाह विश्लेषण (अध्याय 5)	अनुप्रवाह क्षमता और ज्ञात बाढ़ की **स्क्रीनिंग जाँच-सूची**, और मॉडल केवल वहाँ जहाँ स्क्रीनिंग विफल हो	< 1 ha की साइटें, बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के बाहर, जो ज्वारीय आउटफॉल में पानी न छोड़ती हों
S-5	साइट पर अस्थायी भंडारण	मास्टर प्लान वाले बेसिन में किसी क्षेत्रीय सुविधा या पुनर्स्थापित तालाब भंडारण के लिए **एवज शुल्क** (अध्याय 4)	जहाँ बेसिन प्लान अधिसूचित किया गया हो

1.7.3 अंगीकरण की शर्तें.

- (a) कोई विकल्प किसी मानदंड को इस मैनुअल के मानों से नीचे नहीं करेगा। S-1 और S-2 उसी मानदंड को पूरा करने की सरलीकृत विधियाँ हैं। वे निचले मानदंड नहीं हैं।
- (b) कोई टियर B प्राधिकारी परिषद संकल्प द्वारा विकल्प अंगीकार करता है, जिसे 30 दिनों के भीतर राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति को भेजा जाता है। किसी टियर A प्राधिकारी को अंगीकरण से पहले समिति की सहमति आवश्यक है।
- (c) अंगीकृत विकल्प प्राधिकारी की वेबसाइट पर और खंड 10.17 के रजिस्टर में प्रकाशित किए जाएँगे।
- (d) प्रतिधारण (परिशिष्ट 2E की गहराई) को किसी विकल्प द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता, सिवाय वहाँ के जहाँ S-5 के अंतर्गत एवज शुल्क उसी बेसिन में समतुल्य प्रतिधारण का वित्तपोषण करता है।
- (e) S-1, S-2 और S-3 की तालिकाएँ राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति द्वारा जारी की जाएँगी, और अध्याय 2 के साथ उनकी समीक्षा की जाएगी (खंड 2.14)।

> **भाष्य.** यह अनुपूरक APWA 5600 (2025.01) Policy Supplement के मॉडल का अनुसरण करता है, जो चार सबसे विवादित मानदंडों (प्रयोज्यता, रेशनल विधि की सीमाएँ, धारा (stream) सेटबैक का प्रारंभक मान, और जोन 2 सेटबैक की चौड़ाई) के लिए विकल्प देता है। उनमें से दो S-3 और खंड 1.5.2 के प्रयोज्यता सीमा-मान से मेल खाते हैं। विकल्प S-3 उसी समस्या के लिए APWA का उत्तर अपनाता है: छोटे जल निकासी क्षेत्रों के लिए 1% AEP विस्तार मानचित्रित नहीं है, इसलिए एक नियत-चौड़ाई तालिका प्रस्तुत की गई है। S-2 कैनसस सिटी के 2011 के उस बदलाव का अनुसरण करता है जिसमें "विद्यमान स्थिति के बराबर" ("match existing") के स्थान पर नियत इकाई-क्षेत्र निकास दरें अपनाई गईं। स्थानीय एजेंसियों ने नियत दर को प्राथमिकता दी, क्योंकि विद्यमान स्थितियों को एकरूपता से निर्धारित करना कठिन था (MARC Evolution deck)। यह सिडनी वॉटर (Sydney Water) की साइट की अनुमेय प्रवाह दर (PSD) विधि को भी दर्शाता है। S-1 के लिए 2 ha / 0.5 ha की सीमाओं (खंड 4.14.1 के अनुरूप) और S-4 के लिए 1 ha की सीमा का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

1.8 अन्य लिखतों के साथ संबंध

1.8.1 यह मैनुअल नीचे दिए गए लिखतों (instruments) के साथ लागू किया जाएगा। जहाँ वे परस्पर व्याप्त हों, वहाँ खंड 1.3.3 अभिभावी होगा।

तालिका 1.3 — अन्य लिखतों के साथ संबंध

लिखत	संबंध
झारखंड भवन उपविधि, 2016 (UD&HD; झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 434 के अंतर्गत 5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006), 15 मई 2017, 17 अगस्त 2017 (दूसरा), 6 जून 2019 (पाँचवाँ) और 2019 (छठा) के संशोधनों सहित, और दसवाँ (मार्च 2024) और ग्यारहवाँ (27 अप्रैल 2026) संशोधन, जो केवल सारांशों में देखे गए [TBC]	जारी है। वह प्रत्येक शहरी स्थानीय निकाय, क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, MADA और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार पर लागू होती है (उपविधि 1.2)। वह किसी नदी की सीमा के भीतर किसी भी भवन पर रोक लगाती है (23.3); गंगा पर, नदी सीमा के भीतर या राज्य द्वारा विहित ऐसी अधिक दूरी के भीतर (23.1); और अन्य नदियों पर, बाहरी सीमा से "10-15 मीटर (जहाँ क्षेत्र खुला है और विकसित नहीं, वहाँ 15 मी. तक)" ("10-15 metres (where area is open and not develop 15m. up to)") की पट्टी के भीतर, "जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो" ("as prescribed by the Irrigation Department"), नदियों की उस सूची के लिए जिसे राज्य "अधिसूचित करेगा" ("shall notify") (23.2) और जो नहीं मिली [TBC]; किंतु वह किसी योजना प्राधिकरण या सरकारी निकाय को सरकार के अनुमोदन से "पुनः प्राप्त भूमि पर" ("on reclaimed lands") नदी-तट विकास करने देती है (23.4)। वह विकास योजना और जल निकासी योजना में दर्शाए गए प्राकृतिक जलमार्गों और ड्रेनों में (30.1), किसी नगरपालिका ड्रेन के ऊपर या नीचे (30.3), और जहाँ बाढ़ से प्रभावित होने वाले किसी क्षेत्र में संरचनात्मक नक्शे बाढ़ को ध्यान में न रखते हों (30.5), अनुमति देने से इनकार करती है; जहाँ प्राधिकारी ऐसी अपेक्षा करे वहाँ अहाते (curtilage) के भीतर की भूमि की सतही जल ड्रेनों द्वारा जल निकासी की, और किसी सतही जल ड्रेन को सीवर से जोड़ने के लिए उसके लिखित अनुमोदन की अपेक्षा करती है (31.3–31.4); कम से कम 450 mm का प्लिंथ निर्धारित करती है (42.1.1); और पर्याप्त जल निकासी रहित निचले क्षेत्रों में और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में बेसमेंट पर रोक लगाती है, और अपेक्षा करती है कि सतही जल निकासी का पानी बेसमेंट में प्रवेश न करे (48.1, 48.6.4)। वह कोई डिजाइन वर्षा घटना, निकास दर या अस्थायी भंडारण आयतन निर्धारित नहीं करती। 10–15 m की पट्टी ही वह एकमात्र मीटर मान है जो वह निर्धारित करती है; अध्याय 2–6 के डिजाइन मानदंड और अध्याय 7 का हाइड्रोलिक कॉरिडोर और सेटबैक, जिनका जोन 1 कम से कम 15 m है, इस मैनुअल के प्रस्ताव हैं; वे सांविधिक मान नहीं हैं, और किसी प्राधिकरण ने उन्हें अंगीकार नहीं किया है। जहाँ भवन उपविधि 2016, कोई मास्टर प्लान या कोई कानून अधिक कठोर हो, वहाँ वही शासित करता है (खंड 1.3.3)।
वर्षा जल संचयन और नरम फर्श: भवन उपविधि 2016, उपविधि 51.1, 58.6.6 और 58.6.15; रांची नगर निगम का वर्षा जल संचयन विनियमन (2016) और झारखंड का 2017 का एक विनियमन (दोनों प्रकाशित खबरों के अनुसार)	बिना परिवर्तन के जारी हैं। उपविधि 51.1 वर्षा जल संचयन को "300 वर्ग मी. और उससे बड़े भूखंडों के लिए" ("for 300 sqm. and above size of plots") अनिवार्य करती है, छत के प्रत्येक 100 m^2 क्षेत्र के लिए कम से कम 6 m^3 के पुनर्भरण गड्ढों या खाइयों के साथ, जो कंकड़ों, ईंट की जाली (brick jali) या नदी की रेत से भरे हों; फिल्टर और फर्स्ट-फ्लश वाल्व से होकर संप (sump) तक छत पर जल संग्रह, और ऊपरी मिट्टी के स्थान पर नदी की रेत भरना, वैकल्पिक हैं। बहुमंजिला भवनों के लिए "NBC के मानदंडों के अनुसार" ("as per NBC norms") पुनर्भरण कुआँ आवश्यक है (58.6.6), और उनके चारों ओर के फर्श के कम से कम 40% पर नरम फर्श (58.6.15, 2017 में यथासंशोधित)। बताया जाता है कि रांची का विनियमन 300 m^2 और उससे बड़े भूखंडों पर, वार्षिक होल्डिंग टैक्स के 1.5 गुना दंड के साथ, लागू होता है (प्रकाशित खबरों के अनुसार); किसी भी विनियमन का पाठ पढ़ा नहीं गया [TBC]। इनमें से कोई भी आउटलेट नियम या ऐसा भंडारण नहीं देता जो वर्षा घटना आने पर खाली हो। RWH भंडारण अस्थायी भंडारण नहीं है, जब तक वह आउटलेट सहित ऐसा समर्पित आयतन न हो जो वर्षा आने पर खाली रहता है, और दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा घटनाओं के आरंभ में टैंकों को भरा हुआ माना जाता है (अध्याय 4)। पुनर्भरण संरचनाएँ प्रतिधारण में केवल वहाँ गिनी जा सकती हैं जहाँ वे अध्याय 4 और 8 की अपेक्षाएँ पूरी करें, जो खनन से विक्षुब्ध भूमि में, डूब क्षेत्रों पर या उथले भूजल स्तर वाले स्थानों पर किसी की भी अनुमति नहीं देते।

लिखत	संबंध
झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 (झारखंड अधिनियम संख्या 07, 2012), धारा 70, 203, 219, 221, 222, 224, 227, 235, 341, 358, 434, 481 और 615	जारी है। "वर्षा जल ड्रेनें" ("Storm water drains") नगरपालिका का कार्य हैं (धारा 70); नगरपालिका "ड्रेनों का निर्माण और रखरखाव करेगी ... और ... प्रभावी जल निकासी और वर्षा जल और सीवेज के उचित निस्सरण के लिए एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल उपलब्ध कराएगी ... इस प्रकार कि कोई उपद्रव न हो, चाहे बाढ़ से" ("construct and maintain drains ... and provide a safe and efficient outfall ... for effectual drainage and proper discharge of storm-water and sewage ... in such manner as may not cause any nuisance, whether by flooding") (धारा 219); सभी सार्वजनिक ड्रेनें और सड़कों के साथ-साथ की ड्रेनें उसमें निहित होती हैं (धारा 221), और वह राज्य के अनुमोदन से उन्हें किसी अन्य प्राधिकारी को सौंप सकती है (धारा 222); नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी "वर्षा जल के लिए एक बिल्कुल अलग ड्रेन" ("an entirely separate drain for rain water") की अपेक्षा कर सकता है (धारा 224); कोई परिसर उसके द्वारा अपेक्षित आकार, स्तर और ढाल वाली, और 30 m से अधिक दूर न स्थित किसी नगरपालिका ड्रेन में गिरने वाली ड्रेन के बिना निर्मित या अधिभोग नहीं किया जा सकता (धारा 227); अनुमति के बिना किसी नगरपालिका ड्रेन पर कोई संरचना नहीं बनाई जा सकती (धारा 235); और जिस भूमि की उसके संतोष के अनुसार जल निकासी न हुई हो, उसकी जल निकासी का आदेश दिया जा सकता है (धारा 358)। सार्वजनिक तालाब और उनसे संबद्ध भूमि नगरपालिका में निहित होती है (धारा 203), किंतु वह किसी निजी तालाब या पोखर को भरवाने का आदेश दे सकती है (धारा 341)। रांची नगर निगम की सीमाओं के भीतर RRDA का संचालन समाप्त हो जाता है (धारा 615(3)), और MADA का संचालन "जिस सीमा तक अधिसूचित हो" ("to the extent notified") उस सीमा तक धनबाद नगर निगम में निहित होता है (धारा 615(4)); ऐसी कोई अधिसूचना नहीं मिली [TBC]। धारा 481 औद्योगिक नगरों (industrial townships) का प्रावधान करती है (खंड 1.9)। यह मैनुअल इन शक्तियों में परिवर्तन नहीं करता; अध्याय 7 तालाबों को जल निकासी परिसंपत्तियों के रूप में मानता है।
रांची मास्टर प्लान 2037 (झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम, 1981 (अंगीकृत) की धारा 24(1) के अंतर्गत 30 नवंबर 2015 की UD&HD की अधिसूचना संख्या 02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008-4371); झारखंड नगर निवेशन एवं उन्नयन न्यास अधिनियम, 2002 (अंगीकृत) की धारा 33 के अंतर्गत जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027 (23 अक्तूबर 2017) और धनबाद मास्टर प्लान 2041 (24 अक्तूबर 2017)	जारी हैं। रांची अनुमोदन की शर्त 2.9 कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के चारों ओर पूर्ण जल स्तर (full tank level) से 20 m के भीतर किसी भी निर्माण पर रोक लगाती है, जो दूरी सेटबैक में नहीं गिनी जाती, और नदियों और प्राकृतिक नालों से, स्थान के अनुसार, कम से कम 10–15 m के भीतर भी, और हर स्थिति में कम से कम 10 m चौड़ी पट्टी में निर्माण वर्जित रखती है; योजना 652.02 km^2 को आच्छादित करती है (शर्त 3.1)। जमशेदपुर और धनबाद के अनुमोदन, जो केवल आंशिक रूप से पढ़े गए, 1,280.00 ha और 2,283.53 ha विद्यमान जल क्षेत्र दर्ज करते हैं, और जमशेदपुर योजना 1,186.31 ha प्रस्तावित करती है। जहाँ कोई मास्टर प्लान रेखा अध्याय 7 के सेटबैक से अधिक चौड़ी हो, वहाँ वही शासित करती है (खंड 1.3.3)।
जमशेदपुर: सरकार और टाटा स्टील के बीच 20 अगस्त 2005 का पट्टा, और झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 481 के अंतर्गत एक औद्योगिक नगर की 23 दिसंबर 2023 की अधिसूचना	पट्टा टाटा स्टील को पट्टा क्षेत्र में "नगरपालिका सेवाओं और नागरिक सुविधाओं के स्तर को बनाए रखना जारी रखने" ("continue to maintain the standard of municipal services and civic amenities") के लिए बाध्य करता है, किंतु किसी ड्रेन या वर्षा जल का नाम नहीं लेता (तृतीय-पक्ष प्रति)। 2023 की अधिसूचना के बारे में बताया जाता है कि वह JNAC को टाटा स्टील की सुविधाओं के साथ मिलाकर एक औद्योगिक नगर बनाती है; उसे उच्च न्यायालय में PIL 2636/2024 में चुनौती दी गई है, और उसका पाठ और मामले का परिणाम पढ़े नहीं गए [TBC]। यह मैनुअल साइट के अनुमोदन प्राधिकारी पर लागू होता है, वह निकाय चाहे जो हो (खंड 1.4)।
छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 और संथाल परगना काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949; झारखंड (बिहार) लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956	जारी हैं। काश्तकारी अधिनियम किसी रैयत की जोत के हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगाते हैं (छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46; संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम की धारा 20, सारांश के अनुसार; पाठ पढ़े नहीं गए [TBC]), इसलिए किसी क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण स्थल, जल निकासी आरक्षित पट्टी या आउटफॉल के लिए भूमि पहले लोक भूमि, सड़क आरक्षित पट्टियों, विद्यमान तालाबों और नाला बफरों पर, या अर्जन द्वारा, और झारखंड हस्तांतरणीय विकास अधिकार नियमावली, 2017 (Jharkhand Transferable Development Rights Rules, 2017) के अंतर्गत हस्तांतरणीय विकास अधिकारों द्वारा खोजी जाती है, जो नियमावली जल निकासी के लिए समर्पित भूमि की गणना करती है। 1956 के अधिनियम के अंतर्गत जमशेदपुर और मानगो के अंचल अधिकारियों ने मई 2025 में स्वर्णरेखा से 15 m के भीतर की 56 संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)।

लिखत	संबंध
डूब क्षेत्र: डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून नहीं और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं	झारखंड में डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून नहीं है। WRD ने गंगा के, जिसका लगभग 83 km भाग साहिबगंज जिले से होकर बहता है, डूब क्षेत्र के सीमांकन के लिए एक परामर्शदाता नियुक्त किया है, और वह राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना से "मार्च 2024 तक" ("by march 2024") जलविज्ञान आँकड़ों की प्रतीक्षा कर रहा था (O.A. 200/2014 में NGT को राज्य की रिपोर्ट); स्वर्णरेखा का कोई डूब क्षेत्र निर्धारित नहीं किया गया है, इसलिए O.A. 145/2023 (EZ) में NGT की संयुक्त समिति ने जमशेदपुर में उपविधि 23.2 के 10–15 m लागू किए (14 मार्च 2024 की रिपोर्ट, उद्धृत रूप में)। जब तक कोई 1% AEP विस्तार मानचित्रित नहीं होता, तब तक अध्याय 7 का हाइड्रोलिक कॉरिडोर और सेटबैक इस मैनुअल का प्रस्ताव है, जिसे इसी रूप में प्रकट किया गया है; मास्टर प्लान और उपविधि की रेखाएँ वहाँ लागू होती हैं जहाँ वे बाध्यकारी और अधिक चौड़ी हों।
आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017; झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण (10 मार्च 2017 की अधिसूचना संख्या 1079, 22 मई 2018 को पुनर्गठित); उधवा झील पक्षी अभयारण्य (रामसर स्थल)	जारी हैं। नियम किसी अधिसूचित आर्द्रभूमि के औसत उच्च बाढ़ स्तर से 50 m के भीतर, नाव घाटों (boat jetties) को छोड़कर, स्थायी प्रकृति के निर्माण पर रोक लगाते हैं, किंतु 13 फरवरी 2025 तक झारखंड में कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं हुई थी (राज्य सभा का उत्तर), और 2023 में 44 आर्द्रभूमियों की एक प्रारूप अधिसूचना की खबर आई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। साहिबगंज जिले में 935.5 ha की उधवा झील राज्य का एकमात्र रामसर स्थल है, जिसके रामसर सूचना पत्रक में नामांकन की तिथि 8 जनवरी 2024 है; उसके नामांकन की घोषणा 2 फरवरी 2025 को हुई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। जहाँ कोई अधिसूचना अध्याय 7 के सेटबैक से अधिक व्यापक हो, वहाँ वह शासित करती है (खंड 1.3.3)।
झारखंड उच्च न्यायालय, W.P.(PIL) 1325 of 2011 (नदियाँ) और W.P. (PIL) 1463 of 2020 (रांची के जलाशय)	बाध्यकारी बने रहते हैं। 2013 में न्यायालय ने पाया कि स्वर्णरेखा और खरकई पर "कुछ कागजी आदेशों के सिवाय ... कुछ नहीं किया गया है" ("nothing has been done ... except some paper orders"), और मुख्य सचिव को अतिक्रमण और नदियों को वापस प्राप्त करने (reclamation) पर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया (आदेश संख्या 33, 16 अप्रैल 2013)। 31 जुलाई 2025 को उसने रांची के जलाशयों और उनके जलग्रहण क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने और उनके आसपास के क्षेत्रों को घेरकर प्रवेश-निषिद्ध जोन (no-entry zones) बनाने का आदेश दिया, और अगस्त 2025 में अतिक्रमण की निगरानी के लिए एक समिति गठित की (प्रकाशित खबरों के अनुसार); उसके बाद के आदेश, 7 जनवरी 2026 के आदेश सहित, पढ़े नहीं गए [TBC]। जहाँ ये आदेश अधिक कठोर हैं, वहाँ अध्याय 7 इन्हें लागू करता है।
खनन: कोयला खदानों की पर्यावरण स्वीकृति की शर्तें; कोयला खान विनियम, 2017, विनियम 149; खनन योजनाओं और खदान बंद करने की योजनाओं के लिए कोयला मंत्रालय के दिशानिर्देश (29 मई 2020); झरिया मास्टर प्लान (2009, 25 जून 2025 को संशोधित)	जारी हैं; वे पट्टे की भूमि (leasehold) को शासित करते हैं, नगर को नहीं। स्वीकृति की शर्तें "चरम आकस्मिक वर्षा और अधिकतम प्रवाह से ऊपर कम से कम 50% सुरक्षा मार्जिन रखते हुए" ("keeping at least 50% safety margin over and above the peak sudden rainfall and maximum discharge") गारलैंड ड्रेनों, अवसादन तालाबों, और प्रमुख जल चैनलों में कोई परिवर्तन न करने की अपेक्षा करती हैं (कोयला क्षेत्र का मानक पाठ, जैसा राज्य के बाहर की एक खदान की 13 अगस्त 2024 की स्वीकृति में है)। बताया जाता है कि विनियम 149 यह अपेक्षा करता है कि वह सबसे निचला बिंदु जिस पर सतही जल किसी खदान में प्रवेश कर सकता है, वहाँ के उच्चतम बाढ़ स्तर से कम से कम 1.5 m ऊपर हो (प्रकाशित खबरों के अनुसार; राजपत्र का पाठ पढ़ा नहीं गया [TBC])। बंद करने के दिशानिर्देश बंद होने के बाद के भूमि उपयोगों में "उत्खनित रिक्ति" ("Excavated Void") और "जलाशय" ("Water Body") को सूचीबद्ध करते हैं। झरिया की दोनों में से किसी भी योजना में जल निकासी या जलभराव संबंधी कोई सामग्री नहीं मिली। अध्याय 5 और 7 के अंतर्गत कोई विकास किसी चालू खदान में जल निकासी नहीं करता, और पट्टाधारी और DGMS की सम्मति और उसके स्तर और अतिप्रवाह (spill) के सर्वेक्षण के बिना कोई खदान का गड्ढा डिजाइन आउटफॉल या भंडारण नहीं है।
झारखंड शहरी जल संरक्षण एवं पेयजल नियामक प्राधिकार अधिनियम, 2016 (झारखंड अधिनियम संख्या 04, 2017)	इसके उद्देश्यों में वर्षा जल संचयन और सतही जल का पुनर्भरण और संरक्षण सम्मिलित हैं; प्राधिकार गठित हुआ है या नहीं, यह जानकारी नहीं मिली [TBC]।
आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005; JSDMA	जारी हैं। राज्य आपदा प्रबंधन योजना का कोई पाठ, या JSDMA की कोई शहरी बाढ़ योजना या SOP नहीं मिली [TBC], और मानसून-पूर्व गाद-सफाई के लिए तिथि निर्धारित करने वाला कोई राज्य आदेश नहीं मिला; बताया जाता है कि रांची की ड्रेनों की सफाई "जून के आरंभ तक" ("by early June") की जाती है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। अध्याय 10 मानसून-पूर्व तिथियाँ निर्धारित करता है।
CPHEEO Manual on Storm Water Drainage Systems (2019)	अभियांत्रिकी संदर्भ। यह मैनुअल खंड 1.3.2 के अंतर्गत उच्चतर पुनरावृत्ति अवधियाँ निर्धारित करता है।
शहरी बाढ़ प्रबंधन पर NDMA के दिशानिर्देश (2010) और MoHUA SOP (2017)	यह मैनुअल जलग्रहण-आधारित डिजाइन, अस्थायी भंडारण और प्रतिधारण, जलाशय संरक्षण और जलवायु-समायोजित IDF पर NDMA के निर्देशों को व्यावहारिक रूप देता है।

लिखत	संबंध
NDMA का शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम (UFRMP) और AMRUT 2.0	इन कार्यक्रमों के अंतर्गत वित्तपोषित कार्य इस मैनुअल का अनुपालन करेंगे। अध्याय 4–5 के विकास नियंत्रण उन कार्यों द्वारा सृजित क्षमता की रक्षा करते हैं।
IRC:SP:42-2014 और IRC:SP:50-2013	सड़क जल निकासी पर केवल वहीं लागू होते हैं जहाँ वे अध्याय 6 के विरोध में न हों।
MBBL 2016, अध्याय 9	RWH और अध्याय 10 की निरीक्षण व्यवस्था के लिए आदर्श।

भाष्य. झारखंड में RWH को जल आपूर्ति और पुनर्भरण के उपाय के रूप में देखा गया है। उस उद्देश्य के लिए यह अच्छी तरह काम करता है। किंतु दक्षिण-पश्चिम मानसून में बाढ़ नियंत्रण के लिए इस पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, क्योंकि जब तक हफ्तों की वर्षा के बाद जुलाई से सितंबर का कोई मानसून अवदाब या बंगाल की खाड़ी के किसी चक्रवात का अवशेष आता है, तब तक RWH संप प्रायः भरे होते हैं या भूमि संतृप्त हो चुकी होती है। इसलिए यह मैनुअल संचयन आयतन और प्रवाह-क्षीणन (attenuation) आयतन को अलग रखता है, और पुनर्भरण को वहाँ प्रतिधारण के रूप में गिनने देता है जहाँ वह वास्तव में प्रणाली से पानी हटाता है।

झारखंड ने डिजाइन मानक के बिना जल निकासी पर व्यय किया है। रांची में हरमू नदी परियोजना पर ₹92.78 करोड़ व्यय हुए और वह अक्तूबर 2018 में पूरी हुई, और 2019 में एक समिति ने पाया कि उसके "कोई दृश्य परिणाम नहीं" ("no visible results") निकले; 2005 में आरंभ हुई रांची की सीवरेज और जल निकासी परियोजना ने ₹129.10 करोड़ में 207 km वर्षा जल ड्रेनों का अनुबंध किया और 1.49 km बनाई, और मंत्रिमंडल ने उसकी योजना को संशोधित करने के लिए ₹31.17 करोड़ की संस्वीकृति दी है (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); और धनबाद और सिंदरी की विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित जल निकासी की योजना 94 आउटफॉलों सहित, जिनमें से 19 तालाबों में हैं, 153.95 km नई ड्रेनों के रूप में बनाई गई, जो 1-वर्ष की वर्षा घटना के लिए डिजाइन की गईं (JUIDCO, 2017)। इनमें से किसी भी कार्य का ऐसा प्रकाशित डिजाइन आधार नहीं है जो तालिका 2.1 की पुनरावृत्ति अवधियों को पूरा करे, और विकास नियंत्रण की कोई शर्त उन्हीं जलग्रहण क्षेत्रों के नए भूखंडों को ऐसे कार्यों द्वारा सृजित क्षमता को समाप्त करने से नहीं रोकती। अध्याय 4–5 को अनुमोदनों से जोड़ना इस कमी को दूर करता है।

राज्य के कानून में कई उपकरण पहले से हैं। वह किसी नदी की सीमा के भीतर और उससे 10–15 m के भीतर भवन निर्माण पर, और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में बेसमेंट पर रोक लगाता है (भवन उपविधि 2016); रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र में रांची के तीन डैमों के पूर्ण जल स्तर से 20 m के भीतर और हर नदी और प्राकृतिक नाले से 10 m के भीतर निर्माण पर रोक लगाता है; वर्षा जल ड्रेनों को नगरपालिका का स्पष्ट कर्तव्य बनाता है, सार्वजनिक ड्रेनों और तालाबों को नगरपालिका में निहित करता है, और उसे किसी भवन के अधिभोग से पहले वर्षा जल के लिए अलग ड्रेनों की और किसी नगरपालिका ड्रेन तक एक ड्रेन की अपेक्षा करने देता है (झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011, धारा 70, 219, 221, 203, 224 और 227); और लोक भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराता है (लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956)। उच्च न्यायालय और NGT ने मामला-दर-मामला कुछ कमियाँ भरी हैं। कानून में जिसकी कमी है, वह है डिजाइन मानक। इनमें से कोई भी लिखत यह नहीं बताता कि कोई ड्रेन कितनी बड़ी हो, उसे कौन-सी वर्षा घटना वहन करनी है, किसी नदी की बाढ़ रेखा कहाँ है, बेसमेंट नियम के लिए कौन-सी भूमि "बाढ़-प्रवण" ("flood prone") है, या भरा गया कोई तालाब (talab), पक्का किया गया कोई भूखंड या खदान का कोई डंप कितना भंडारण हटाता या जोड़ता है। यह मैनुअल इन लिखतों के, और JUIDCO और नगर निगमों के जल निकासी कार्यों के तकनीकी सहायक के रूप में प्रस्तुत किया गया है: यह वे डिजाइन वर्षा घटना, अस्थायी भंडारण और बफर संख्याएँ देता है जो वे निर्धारित नहीं करते, सरकार और प्राधिकारियों के विचार के लिए एक प्रस्ताव के रूप में। इसे न तो UD&HD ने अंगीकार किया है, न किसी अन्य निकाय ने।

1.9 भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

1.9.1 नीचे दिए गए उत्तरदायित्व इस मैनुअल के अंतर्गत लागू होते हैं। ये किसी एजेंसी की सांविधिक शक्तियों में कोई परिवर्तन नहीं करते।

तालिका 1.4 — इस मैनुअल के अंतर्गत भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

एजेंसी	इस मैनुअल के अंतर्गत भूमिका
नगर विकास एवं आवास विभाग (UD&HD)	झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 434 के अंतर्गत भवन उपविधियाँ अधिसूचित करता है, जैसे उसने भवन उपविधि 2016 और उसके संशोधन अधिसूचित किए, और भवन उपविधि समीक्षा समिति का गठन करता है; रांची, जमशेदपुर और धनबाद के मास्टर प्लान अनुमोदित करता है; नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों, JUIDCO, राज्य शहरी विकास अभिकरण और RRDA का पर्यवेक्षण करता है; जल निकासी योजनाओं को संस्वीकृति देता है। खंड 1.3.1(a) का संशोधन करेगा, खंड 1.3.1(b) की आदर्श ULB उपविधि जारी करेगा, टियर B प्राधिकारियों को क्षेत्रीय सहयोग देगा (तालिका 1.1) और सूचीबद्ध समीक्षकों की सूची रखेगा (खंड 10.7)।
राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति (खंड 1.3.2)	उच्चतर मानक अंगीकार करेगी, परिशिष्ट, तालिकाएँ और अनुपालन कैलकुलेटर जारी करेगी, टियर A के विकल्पों पर सहमति देगी, उसे भेजे गए विचलनों पर निर्णय करेगी और मैनुअल की समीक्षा करेगी (खंड 1.12)।
रांची नगर निगम (RMC) और अन्य नगर निगम (धनबाद, देवघर, चास, हजारीबाग, गिरिडीह, आदित्यपुर, मानगो और मेदिनीनगर); नगर परिषदें और नगर पंचायतें	कानून के अंतर्गत अपने क्षेत्रों की सार्वजनिक ड्रेनें और सार्वजनिक तालाब इनके पास हैं (झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011, धारा 221 और 203), वर्षा जल ड्रेनें इनका स्पष्ट कार्य हैं (धारा 70) और सुरक्षित आउटफॉल उपलब्ध कराना इनका कर्तव्य है (धारा 219); उनकी सफाई और रखरखाव करते हैं; और भवन उपविधि 2016 के अंतर्गत भवन अनुमति देते हैं। CAG ने रांची के जिस वर्षा जल ड्रेन अनुबंध की जाँच की, उसे RMC ने निष्पादित किया। अपने कार्यों पर इस मैनुअल को लागू करेंगे, हस्तांतरित परिसंपत्तियाँ प्राप्त करेंगे (खंड 10.14), और निरीक्षण और प्रवर्तन करेंगे (खंड 10.12–10.15)।
झारखंड शहरी बुनियादी संरचना विकास कंपनी (JUIDCO)	UD&HD की एक कंपनी; ट्रंक जल निकासी और नदी योजनाएँ निष्पादित करती है, जिनमें रांची की हरमू नदी परियोजना, जिसका प्रचालन और रखरखाव 2022 में भी उसी के पास था, धनबाद और सिंदरी की जल निकासी, और AMRUT कार्य सम्मिलित हैं। अपनी DPR और डिजाइनों में इस मैनुअल को लागू करेगी, और पूरी हुई परिसंपत्तियों को उनके अभिलेखों सहित हस्तांतरित करेगी (खंड 10.14)।
रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार (RRDA)	झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम (अंगीकृत) के अंतर्गत रांची मास्टर प्लान 2037 तैयार किया है, और RMC की सीमाओं के बाहर रांची क्षेत्रीय विकास क्षेत्र में अनुमति देता है, जिन सीमाओं के भीतर उसका संचालन समाप्त हो गया है (झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011, धारा 615(3)); 2025 में उच्च न्यायालय ने माना कि पंचायत क्षेत्रों में पंचायत राज अधिनियम उसके अधिनियम पर अभिभावी है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। अपनी योजनाओं में बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र, नाला आरक्षित पट्टियाँ और क्षेत्रीय सुविधाओं के स्थल दर्शाएगा।
जमशेदपुर का नागरिक निकाय (JNAC, या 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना के अंतर्गत उसका उत्तराधिकारी निकाय, जिस अधिसूचना को चुनौती दी गई है) और Tata Steel Utilities and Infrastructure Services (Tata Steel UISL)	JNAC अधिसूचित क्षेत्र का सांविधिक नागरिक निकाय है; Tata Steel UISL टाटा स्टील की ओर से पट्टा क्षेत्र की नागरिक सेवाएँ, मानसून-पूर्व गाद-सफाई सहित (प्रकाशित खबरों के अनुसार), एक ऐसे पट्टे के अंतर्गत उपलब्ध कराती है जो किसी ड्रेन का नाम नहीं लेता (2005)। पट्टा क्षेत्र की वर्षा जल ड्रेनों के लिए विधिक रूप से कौन उत्तरदायी है, इसकी पुष्टि की जानी है [TBC]। पट्टा क्षेत्र की ड्रेनों और आउटफॉलों पर इस मैनुअल को लागू करेंगे और यह दर्ज करेंगे कि प्रत्येक किस निकाय के पास है।
खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (MADA)	धनबाद कोयला क्षेत्र के अपने क्षेत्र में भवन उपविधि 2016 लागू करता है; उसका संचालन अधिसूचित सीमा तक धनबाद नगर निगम में निहित होना है (धारा 615(4)), किंतु कोई अधिसूचना नहीं मिली [TBC]। अपने क्षेत्र के अनुमोदनों और कार्यों पर इस मैनुअल को लागू करेगा।
जल संसाधन विभाग (WRD)	नदियाँ, डैम, जलाशय और बाढ़ नियंत्रण कार्य इसके पास हैं, जिनमें कांके, हटिया (धुर्वा), गेतलसूद और चांडिल डैम सम्मिलित हैं; वह नदी सीमा विहित करता है जिससे उपविधि 23 की माप होती है; उसने गंगा के डूब क्षेत्र के सीमांकन के लिए एक परामर्शदाता नियुक्त किया है। अध्याय 5 के लिए डिजाइन नदी और जलाशय स्तर और गेट-प्रचालन नियम उपलब्ध कराएगा, अपनी नदियों और जलाशयों में आउटफॉलों के लिए सम्मति देगा, और अध्याय 7 के लिए डूब क्षेत्रों का सीमांकन करेगा।

एजेंसी	इस मैनुअल के अंतर्गत भूमिका
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग	पेयजल और ग्रामीण स्वच्छता उपलब्ध कराता है, और इस मैनुअल के लिए राज्य की भूजल एजेंसी माना गया है; राज्य ने 2024 में NGT को बताया कि रांची स्थित भूगर्भ जल निदेशालय कोई अनुमति जारी नहीं करता और NOC CGWB जारी करता है। CGWB के साथ अध्याय 4 और 8 की अंतःस्यंदन और पुनर्भरण जाँचों के लिए भूजल स्तर और गुणवत्ता की जानकारी उपलब्ध कराएगा, और किसी भी ऐसे जलाशय पर कार्यों के लिए सम्मति देगा जिससे वह पानी लेता है [TBC]।
दामोदर घाटी निगम (DVC), संघ का एक निकाय	राज्य में तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत के डैम संचालित करता है; मैथन और पंचेत से पानी छोड़ने की सलाह दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति देती है, जिसमें राज्य और CWC का प्रतिनिधित्व है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। दामोदर और बराकर पर अध्याय 5 की टेलवाटर जाँचों के लिए जलाशय स्तर, छोड़े गए पानी के अभिलेख और निकास परिदृश्य उपलब्ध कराएगा।
JSDMA और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण	राज्य और जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं का अनुमोदन करते हैं। बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों की अनुशंसा करेंगे, उपायुक्तों के साथ बाढ़-प्रवण स्थानों का अभिलेख रखेंगे, और घटना-पश्चात समीक्षा का नेतृत्व करेंगे (खंड 10.16)। JSDMA की कोई शहरी बाढ़ योजना या SOP नहीं मिली [TBC]।
झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (JSPCB)	नदियों और ड्रेनों की निगरानी करती है, उसने उच्च न्यायालय के निर्देश पर स्वर्णरेखा, खरकई और दामोदर के प्रदूषण की जाँच की (2013), और एक कोयला कंपनी को वे गारलैंड ड्रेनें और प्रतिधारक दीवारें बनाने का निर्देश दिया है जिनकी उसकी स्वीकृति अपेक्षा करती थी (NGT O.A. 38/2020 (EZ) में प्रति-शपथपत्र)। वर्षा जल ड्रेनों से सीवेज हटाने (अध्याय 8) और खदान के अपवाह के नियंत्रण (अध्याय 8) में सहयोग करती है।
कोयला कंपनियाँ (CCL, BCCL और अन्य पट्टाधारी) और खान सुरक्षा महानिदेशालय (DGMS), संघ का एक निकाय	पट्टाधारी वे गारलैंड ड्रेनें, अवसादन तालाब, टो दीवारें (toe walls) और तटबंध बनाते और बनाए रखते हैं जिनकी उनकी पर्यावरण स्वीकृतियाँ अपेक्षा करती हैं, और खदान के गड्ढे, खदान झीलें और ओवरबर्डन डंप उनके पास हैं; DGMS खदानों की जलमग्नता के खतरे का विनियमन करता है (कोयला खान विनियम 2017, विनियम 149, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। किसी खदान के गड्ढे का आउटफॉल या भंडारण के रूप में उपयोग करने से पहले उनकी सम्मति आवश्यक है (अध्याय 5 और 7)।
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण	आर्द्रभूमि प्राधिकरण, जिसकी अध्यक्षता वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री करते हैं और जिसके सदस्यों में UD&HD, WRD और राजस्व विभाग के सचिव हैं, आर्द्रभूमि नियम 2017 को लागू करता है और आर्द्रभूमियों को अधिसूचना के लिए प्रस्तावित करता है। अधिसूचित आर्द्रभूमियों की सूची रखेगा और उनके जोनों में विनियमित गतिविधियों की अनुमति देगा (अध्याय 7)।
राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग: उपायुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी और प्रत्येक अंचल (anchal; circle) के अंचल अधिकारी	वे भू-अभिलेख (खतियान; khatiyan) रखते हैं जिनमें तालाब, नाले और नदियाँ दर्ज होती हैं; 1956 के अधिनियम के अंतर्गत लोक भूमि से अतिक्रमण हटाते हैं; छोटानागपुर और संथाल परगना के काश्तकारी कानूनों के प्रतिबंध लागू करते हैं; बाढ़ राहत का नेतृत्व करते हैं। अध्याय 7 के लिए किसी तालाब (talab) या नाले का अभिलिखित विस्तार प्रमाणित करेंगे।
केंद्रीय जल आयोग (CWC), संघ का एक निकाय	अध्याय 2 और 3 में प्रयुक्त उप-क्षेत्र 1(d), 1(g) और 3(d) की बाढ़ आकलन रिपोर्टें (Flood Estimation Reports), और अपने बाढ़ पूर्वानुमान और निगरानी स्थलों पर नदी स्तर प्रकाशित करता है, जैसे स्वर्णरेखा पर जमशेदपुर, गंगा पर साहिबगंज (Sahibganj), उत्तरी कोयल पर डालटनगंज और दामोदर पर रामगढ़ और पुपुनकी (Pupunki)। अध्याय 5 के लिए नदी जल स्तर के अभिलेख और पूर्वानुमान उपलब्ध कराएगा।
केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (CGWB), संघ का एक निकाय	राज्य की भूजल इकाइयों और उनकी श्रेणियों का, जिनमें अति-दोहित जमशेदपुर शहरी, गोलमुरी-सह-जुगसलाई, बलियापुर और बेरमो इकाइयाँ और गंभीर धनबाद शहरी और तोपचांची इकाइयाँ हैं (2023), और भूजल में फ्लोराइड और आर्सेनिक का आकलन करता है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के साथ भूजल स्तर और गुणवत्ता की जानकारी उपलब्ध कराएगा।
IMD (मौसम विज्ञान केंद्र, रांची), और सड़क और रेल के स्वामी (पथ निर्माण विभाग, NHAI, भारतीय रेल)	IMD के केंद्र अध्याय 2 के वर्षा अभिलेख उपलब्ध कराते हैं। सड़क और रेल के स्वामी सड़क जल निकासी (अध्याय 6), पुलियों और रैखिक कार्यों (खंड 1.5.7) पर इस मैनुअल को लागू करेंगे।

भाष्य. झारखंड में वर्षा जल का दायित्व स्थान और स्तर के अनुसार बँटा हुआ है: भवन उपविधियों, मास्टर प्लानों और JUIDCO की योजनाओं के माध्यम से UD&HD का; उनमें निहित ड्रेनों और तालाबों के माध्यम से नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों का; नगरपालिका सीमाओं के बाहर RRDA, MADA और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों का; जमशेदपुर के पट्टा क्षेत्र में टाटा स्टील और उसकी उपयोगिता कंपनी का; नदियों और डैमों के माध्यम से WRD का; दामोदर घाटी के जलाशयों के माध्यम से DVC का; और अपने पट्टों की ड्रेनों, खदान के गड्ढों और डंपों के माध्यम से कोयला कंपनियों का, जबकि स्वर्णरेखा के साथ और रांची के जलाशयों के चारों ओर की रेखाएँ उच्च न्यायालय और NGT निर्धारित करते हैं। रांची दिखाता है कि यह बँटवारा क्यों मायने रखता है। हरमू एक नदी है, जिसकी सीमा WRD उपविधि 23 के लिए विहित करता है; उसका चैनल JUIDCO ने पुनर्निर्मित किया, जिसके पास 2022 में भी उसका रखरखाव था; उसमें मिलने वाली ड्रेनें और नाले RMC में निहित हैं; और उसके 14 प्रमुख इनलेटों में से सीवरों से जुड़े नौ इनलेट शुष्क मौसम में भी उसमें उफनते थे (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। प्राकृतिक नालों और शहरी नदियों को नगरपालिका ड्रेनों से, या जमशेदपुर के पट्टा क्षेत्र की ड्रेनों को JNAC और मानगो और आदित्यपुर के नगर निगमों की ड्रेनों से, अलग करने वाला कोई नियम या आदेश नहीं मिला [TBC]; बताया जाता है कि Tata Steel UISL ने मानगो में ड्रेनों की सफाई को नगर निगम का कर्तव्य बताकर उससे मना कर दिया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। जब तक ऐसा कोई नियम नहीं बनता, यह मैनुअल जल निकासी तत्वों का आवंटन तालिका 1.5 के अनुसार करता है। यह आवंटन इस मैनुअल के खंडों को लागू करने के लिए उसका कार्यकारी विभाजन है; यह किसी एजेंसी की शक्तियों में परिवर्तन नहीं करता।

तालिका 1.5 — इस मैनुअल के अंतर्गत जल निकासी तत्वों का कार्यकारी आवंटन

तत्व	किसको आवंटित
नदियाँ और उनके डूब क्षेत्र, जिनमें रांची की शहरी नदियाँ (हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto) और हिनू) उस बिंदु के नीचे सम्मिलित हैं जहाँ कोई प्राकृतिक नाला नदी बन जाता है, और राज्य के डैम, जलाशय और बाढ़ नियंत्रण कार्य	WRD
दामोदर घाटी निगम के जलाशय और उनसे छोड़ा गया पानी	DVC
JUIDCO द्वारा बनाई गई ट्रंक ड्रेनें और नदी योजनाएँ, जब तक वे स्थानीय निकाय को हस्तांतरित न हो जाएँ	JUIDCO
किसी स्थानीय निकाय की सीमा के भीतर प्राकृतिक नाले, गली और सार्वजनिक ड्रेनें और सार्वजनिक तालाब	संबंधित नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत
जमशेदपुर के पट्टा क्षेत्र की ड्रेनें, नाले और तालाब	2023 की अधिसूचना के अंतर्गत क्षेत्र का प्रशासन करने वाला निकाय, या JNAC, सेवा प्रदाता के रूप में Tata Steel UISL के साथ, जब तक विधिक धारक की पुष्टि न हो जाए [TBC]
किसी औद्योगिक क्षेत्र के भीतर की ड्रेनें	औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार
रांची क्षेत्रीय विकास क्षेत्र में या MADA के क्षेत्र में नगरपालिका सीमाओं के बाहर की ड्रेनें, नाले और तालाब	RRDA या MADA, जहाँ पंचायत राज अधिनियम लागू होता है वहाँ ग्राम पंचायत के साथ [TBC]
किसी खनन पट्टे के भीतर गारलैंड ड्रेनें, अवसादन तालाब, टो ड्रेनें, तटबंध, खदान के गड्ढे और खदान झीलें	पट्टाधारी, अपनी पर्यावरण स्वीकृति और DGMS के अधीन
सीवर, इंटरसेप्टर और सीवेज शोधन संयंत्र	स्थानीय निकाय, या जहाँ कार्य JUIDCO निष्पादित करती है वहाँ JUIDCO
राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों की ड्रेनें	पथ निर्माण विभाग या NHAI
अधिसूचित आर्द्रभूमियाँ और उधवा रामसर स्थल	झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण, भूमि के स्वामी के साथ

यह मैनुअल विभागों और प्राधिकरणों का नाम उसी रूप में लेता है जैसे कानून, आदेश और अभिलेख उनका नाम लेते हैं। प्रत्येक कार्य के लिए एक स्वामी का नाम देने वाला मैनुअल अपने आप संस्थाओं को ठीक नहीं करता, किंतु यह इस बारे में अस्पष्टता दूर करता है कि कौन किस पर हस्ताक्षर करेगा।

1.10 विचलन और अधित्याग

1.10.1 **विचलन.** प्राधिकारी किसी संख्यात्मक अपेक्षा से विचलन प्रदान कर सकता है, जहाँ आवेदक खंड 10.6 के अंतर्गत प्रमाणित रिपोर्ट के माध्यम से यह दर्शाए कि:

- (a) उच्च भूजल स्तर, दूषित मिट्टी, चट्टान, या अपेक्षित सुविधा के लिए बहुत छोटे साइट क्षेत्र जैसी साइट स्थितियों के कारण अनुपालन अव्यवहार्य है; और
- (b) प्रस्तावित विकल्प अध्याय 5 के अनुप्रवाह बिंदु पर समान या बेहतर निष्पादन देता है, या कमी की पूर्ति उसी जलग्रहण क्षेत्र में एवज शुल्क या साइट से बाहर के कार्यों द्वारा की जाती है।

1.10.2 **अधित्याग.** प्राधिकारी अध्याय 4 की अस्थायी भंडारण अपेक्षाओं (प्रतिधारण नहीं) का अधित्याग कर सकता है, जहाँ खंड 10.6 के अंतर्गत प्रमाणित हाइड्रोलिक विश्लेषण यह दर्शाए कि साइट सीधे समुद्र में, या ऐसे ज्वारीय नदी-भाग (tidal reach) में जिसके अनुप्रवाह में कोई बाढ़-प्रवण संपत्ति नहीं है, पानी छोड़ती है, और बिना अस्थायी भंडारण वाला प्रवाह अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद स्थिति को बदतर नहीं बनाता। झारखंड का कोई तट और कोई ज्वारीय नदी-भाग नहीं है, इसलिए राज्य की कोई साइट इस अधित्याग के लिए पात्र नहीं है। जिस साइट का आउटफॉल बाढ़ में चल रही किसी नदी से, जैसे जमशेदपुर में स्वर्णरेखा और खरकई और साहिबगंज में गंगा, किसी जलाशय या तालाब (talab) के स्तर से, या किसी फ्लैप गेट या पंप से रुक जाता है, वह साइट जब भी प्राप्तकर्ता जलाशय (receiving water) ऊँचा हो, अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद स्थिति में होती है, और उसके लिए अस्थायी भंडारण का अधित्याग नहीं किया जाता।

1.10.3 **कोई विचलन या अधित्याग नहीं.** निम्नलिखित के लिए कोई विचलन या अधित्याग प्रदान नहीं किया जाएगा:

- (a) वर्षा जल ड्रेन में सीवेज कनेक्शन;
- (b) अध्याय 6 का सबसे निचला आवास योग्य तल स्तर;
- (c) खंड 7.4.7 के जोन 1 न्यूनतम से नीचे जलाशय सेटबैक में कोई कमी, या अध्याय 7 के भराई-निषिद्ध जोन में कोई भराई या निर्माण; या
- (d) बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में प्रतिधारण की अपेक्षा, सिवाय खंड 1.7 के अंतर्गत एवज शुल्क द्वारा।

1.10.4 **प्रक्रिया.**

- (a) अनुरोध प्रारंभिक जल निकासी रिपोर्ट के साथ **प्रपत्र 1-2** (विचलन / अधित्याग अनुरोध) पर किया जाएगा।
- (b) कोई टियर B प्राधिकारी 1 ha या उससे बड़ी साइट पर किसी भी विचलन को राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति को भेजेगा।
- (c) निर्णय में उसके कारण और कोई शर्तें बताई जाएँगी, और उसे खंड 10.17 के सार्वजनिक रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।
- (d) विचलन अनुमोदन के साथ जुड़ा रहता है। अनुमोदन व्यपगत होने पर यह भी व्यपगत हो जाता है।

> **भाष्य.** 2006 के APWA 5600 में अधित्याग का एक भाग (5601.6) था, और जॉर्जिया अधित्याग की अनुमति देता है जहाँ अनुप्रवाह विश्लेषण दर्शाए कि चरम प्रवाह नियंत्रण अनावश्यक है। खंड 1.10.2 का अधित्याग सीमित है: ज्वारीय तट पर बिना अस्थायी भंडारण वाला प्रवाह, ज्वार द्वारा आउटफॉल बंद होने से पहले निकलकर, सहायक हो सकता है, किंतु यह केवल विश्लेषण से ही दर्शाया जा सकता है। यह मैनुअल हर निर्णय के प्रकाशन की अपेक्षा करता है, क्योंकि प्रकाशन मामला-दर-मामला मानक के क्षरण को रोकता है; झारखंड में, 2024 में उच्च न्यायालय को बताया गया कि रांची में जिन लगभग 71 तालाबों के होने की बात कही गई थी, उनमें से अब केवल चार या पाँच दिखते हैं,

> और जुलाई 2025 में उसने नगर के जलाशयों पर से अतिक्रमण हटाने और उनके आसपास के क्षेत्रों को "प्रवेश-निषिद्ध जोन" ("no-entry zones") बनाने का आदेश दिया (W.P.(PIL) 1463 of 2020, प्रकाशित खबरों के अनुसार), जबकि CAG ने पाया कि 2009 और 2021 के बीच करमा चौक पुल (Karma Chowk bridge) पर हरमू नदी 18.70 m संकरी हो गई (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)।

1.11 संक्रमणकालीन प्रावधान

1.11.1 **प्रभावी तिथि.** यह मैनुअल नए आवेदनों के लिए अधिसूचना के **6 महीने** बाद प्रभावी होगा (प्रभावी तिथि)।

1.11.2 **प्रक्रियाधीन आवेदन.** प्रभावी तिथि से पहले पूर्ण रूप से दाखिल किए गए आवेदन का निर्णय, दाखिल करने के समय प्रवृत्त नियमों के अंतर्गत किया जा सकता है, यदि निर्णय प्रभावी तिथि के 12 महीनों के भीतर जारी किया जाए। अन्यथा यह मैनुअल लागू होगा।

1.11.3 **टियर B के लिए चरणबद्ध आरंभ.** टियर B प्राधिकारियों में अध्याय 4 और 5 अधिसूचना के **24 महीने** बाद से लागू होंगे, सिवाय बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के, जहाँ वे प्रभावी तिथि से लागू होंगे।

1.11.4 **लोक निर्माण कार्य.** प्रभावी तिथि से पहले संस्वीकृत DPR संस्वीकृति के अनुसार आगे बढ़ सकती हैं। प्रभावी तिथि के बाद संशोधित या पुनः निविदा की गई कोई भी DPR इस मैनुअल का अनुपालन करेगी। विभाग प्रगतिरत गैर-अनुपालक कार्यों की रिपोर्ट 12 महीनों के भीतर राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति को देंगे।

1.11.5 **परिशिष्ट जारी होने से पहले.** जब तक इस मैनुअल में उल्लिखित कोई परिशिष्ट जारी नहीं होता, तब तक आवेदक खंड में बताई गई विधि का उपयोग करेगा, ऐसे मानों के साथ जिन पर प्राधिकारी के साथ सहमति हुई हो और जो जल निकासी रिपोर्ट में दर्ज हों।

> **भाष्य.** 6 महीने का अग्रिम समय खंड 2.14.2 में NIH-DHAARA अद्यतनों के अग्रिम समय के अनुरूप है। सिंगापुर ने अपने 2025 के अस्थायी भंडारण ऐडेंडम (addendum) के लिए समान अंतराल दिया (16 अप्रैल 2025 को जारी, 1 अक्तूबर 2025 से लागू)। 12 और 24 महीने की अवधियाँ इस मैनुअल द्वारा इसलिए निर्धारित की गई हैं कि टियर B प्राधिकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर सकें और राज्य डिजाइन-सहायिका तालिकाएँ जारी कर सके (खंड 1.7)।

1.12 समीक्षा और संशोधन

1.12.1 राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति इस मैनुअल की समीक्षा प्रत्येक **10 वर्ष** में, और खंड 2.14.1 में निर्धारित रूप में 1% AEP डिजाइन गहराई से अधिक वर्षा वाली किसी भी घटना के बाद, करेगी।

1.12.2 संशोधन राजपत्र में अधिसूचित किए जाएँगे, परिवर्तन-अभिलेख (change log) के साथ प्रकाशित किए जाएँगे, और अधिसूचना के 6 महीने बाद प्रभावी होंगे, जब तक अधिसूचना में अन्यथा न कहा गया हो।

1.12.3 कोई भी व्यक्ति समिति को संशोधन का प्रस्ताव दे सकता है। प्रस्ताव और समिति के निर्णय प्रकाशित किए जाएँगे।

संदर्भ (अध्याय)

- Urban Development and Housing Department, Government of Jharkhand (2016). Jharkhand Building Byelaws, 2016 (झारखंड भवन उपविधि, 2016), 5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006, उपविधि 1, 2.2, 23, 30, 31, 41.12, 42.1, 48, 51, 58.6, 59 और 72–76 (स्कैन, UD&HD की वेबसाइट की Wayback Machine प्रति; राजपत्र संख्या देखी नहीं गई [TBC])। http://web.archive.org/web/20190426093550id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL06042016060406PM.pdf
- Urban Development and Housing Department. Jharkhand Building (Amendment) Bye-laws, 2017 (संख्या 3141, 15 May 2017); (IInd Amendment) Bye-laws, 2017 (संख्या 5326, 17 Aug 2017); (Vth Amendment) Bye-laws, 2019 (संख्या 2269, 6 Jun 2019); (VIth Amendment) Bye-laws, 2019 (स्कैन से तिथि 26 Feb 2019 पढ़ी गई [TBC]) (UD&HD की वेबसाइट की Wayback Machine प्रतियाँ)। http://web.archive.org/web/20171220065834id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL03102017031020PM.pdf ; http://web.archive.org/web/20171220070511id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL03102017041042PM.pdf ; http://web.archive.org/web/20220718120253id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL07062019100639AM.pdf
- Jharkhand Building (Xth Amendment) Bye-laws, 2024 और (XIth Amendment) Bye-laws, 2026 के सारांश (TeamLease RegTech; द्वितीयक स्रोत; पाठ पढ़े नहीं गए [TBC])। https://teamleaseregtech.com/updates/article/30836/jharkhand-building-xth-amendment-bye-laws-2024/ ; https://teamleaseregtech.com/updates/article/55742/jharkhand-building-xith-amendment-bye-laws-2026/
- Jharkhand Municipal Act, 2011 (Jharkhand Act 07 of 2012; झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011), ss.2(41), 70, 126, 203, 219–228, 235, 340, 341, 358, 378, 434, 441, 481 और 615 (अंग्रेजी पाठ, UD&HD की वेबसाइट की Wayback Machine प्रति)। http://web.archive.org/web/20171223160748id_/http://udhd.jharkhand.gov.in:80/Handlers/Acts.ashx?id=AT01042016100433AM.pdf
- Urban Development and Housing Department (2015). Approval of the Ranchi Master Plan 2037, 30 नवंबर 2015 की अधिसूचना संख्या 02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008-4371, शर्त 2.1–2.12 और 3.1 (हिन्दी में)। http://web.archive.org/web/20220527111932id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/MP_Notification_4371%20dt-30-11-15.pdf
- Urban Development and Housing Department (2017). Approval of the Jamshedpur (UA) Master Plan (GIS based)-2027, संख्या 6622, 23 Oct 2017, और Dhanbad GIS-based Master Plan-2041 का अनुमोदन, संख्या 6648, 24 Oct 2017 (क्रमशः पृ. 1–3 और 1–2 पढ़े गए)। http://web.archive.org/web/20220806111123id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/Jamshedpur%20Notification.pdf ; http://web.archive.org/web/20220527111934id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/Dhanbad%20Notification.pdf
- Urban Development and Housing Department (2017). Jharkhand Transferable Development Rights Rules, 2017 (झारखंड हस्तांतरणीय विकास अधिकार नियमावली, 2017; पहला पृष्ठ पढ़ा गया; UD&HD की वेबसाइट की Wayback Machine प्रति, फाइल RL03102017031008PM)।

- Jharkhand Urban Water Conservation and Drinking Water Regulatory Authority Act, 2016 (Jharkhand Act 04 of 2017), Jharkhand Gazette (Extraordinary) No. 132, 13 Feb 2017 (PRS प्रति)। https://prsindia.org/files/bills_acts/acts_states/jharkhand/2017/Jharkhand%20Act%20No.%204,%202017.pdf
- Indenture of Lease between the Government of Jharkhand and Tata Steel, 20 Aug 2005 (तृतीय-पक्ष प्रति)। https://saryuroy.in/hindi/pdf/facts/tata_lease_jhar_govt_20_08_2005.pdf
- Forest, Environment and Climate Change Department, Jharkhand (2018). Reconstitution of the Jharkhand State Wetlands Authority, संख्या 2138, 22 May 2018, जो 10 मार्च 2017 की अधिसूचना संख्या 1079 का संशोधन करती है। https://indianwetlands.in/wp-content/uploads/2022/02/Jharkhand.pdf
- Ramsar Convention. Ramsar Information Sheet, Udhwa Lake Bird Sanctuary (site 2559). https://rsis.ramsar.org/RISapp/files/RISrep/IN2559RIS_2502_en.pdf
- Rajya Sabha. Wetlands Rules 2017 के अंतर्गत अधिसूचित आर्द्रभूमियों पर 13 फरवरी 2025 को प्रश्न 267 का उत्तर (केवल एक खोज उद्धरण-अंश के माध्यम से देखा गया)। https://rsdebate.nic.in/bitstream/123456789/758759/1/PQ_267_13022025_U1007_p169_p175.pdf
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change (2017). Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2017, r.4(2)(vi).
- High Court of Jharkhand. W.P.(PIL) No. 1325 of 2011, *Court on its own motion v. State of Jharkhand*, 16 अप्रैल 2013 का आदेश संख्या 33 (तृतीय-पक्ष प्रति)। https://saryuroy.in/library/petition_judgement_old/hc_jdgmnt_16_04_2013.pdf
- State of Jharkhand. NGT O.A. 200/2014, *M.C. Mehta v. Union of India* में दूसरी और तीसरी तिमाही प्रगति रिपोर्ट (c. 2020; साहिबगंज जिले में गंगा और उसके डूब क्षेत्र का सीमांकन)। https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/Jharkhand%20Second%20Quarterly%20Progress%20Report%20in%20O.A.%20No.%20200%20of%202014.pdf
- National Green Tribunal (Eastern Zone), O.A. 145 of 2023 (EZ): झारखंड राज्य का शपथ-पत्र (मार्च 2024) और I.A. No. 56 of 2024 (14 मार्च 2024 की संयुक्त समिति रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए)। https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1713953563.pdf ; https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1724385258.pdf
- Jharkhand State Pollution Control Board. NGT O.A. 38/2020 (EZ), *Sanjay Chauhan v. Central Coalfields Ltd.* में प्रति-शपथपत्र। https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/Counter%20Affidavit%20by%20R-4%20JSPCB%20in%20OA%2038%20of%202020%20Sanjay%20Chauhan%20Vs.%20Central%20Coalfields%20Ltd.%20&%20Ors..pdf
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change (2024). पर्यावरण स्वीकृति, फाइल संख्या J-11015/72/2016-IA.II(M), 13 Aug 2024, शर्त 3.6–3.11 (कोयला क्षेत्र की मानक शर्तें; झारखंड के बाहर की एक खदान)। https://mahagenco.in/Content/File_pdf/EnvClearance/2.EC_Gare%20Palma%20Sector%20II%20Coal%20Mine%20Project_13.08.2024.pdf
- Coal Mines Regulations, 2017 (कोयला खान विनियम, 2017), reg. 149, Danger from surface water (केवल विधिक डेटाबेस के उद्धरण-अंशों के माध्यम से देखा गया; राजपत्र का पाठ पढ़ा नहीं गया [TBC])।
- Ministry of Coal (2020). Guidelines for preparation of Mining Plan and Mine Closure Plan, 29 मई 2020 का कार्यालय ज्ञापन संख्या 34011/28/2019-CPAM। https://www.fedmin.com/fedmin/GuidelinesforMP2020.pdf
- Ministry of Coal. Annual Report 2025-26, Chapter 3 (झरिया मास्टर प्लान और 25 जून 2025 का उसका संशोधन)। https://coal.nic.in/sites/default/files/2026-02/chap3AnnualReport2026en.pdf

- Comptroller and Auditor General of India. Report No. 12 of 2019, Assessment of Environmental Impact due to Mining Activities in Coal India Limited and its Subsidiaries, Chapter 5. https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2019/Chapter_5_Water_Pollution_and_Control_Measures_of_Report_No_12_of_2019_Assessment_of_Environmental_Impact_due_to_Mining_Activities_and_its_Mitigation_in_Coal_India_Limited_and_its_S.pdf
- रांची (2016) और राज्य (2017) के वर्षा जल संचयन विनियमनों, जमशेदपुर के औद्योगिक नगर और PIL 2636/2024, रांची के जलाशयों पर उच्च न्यायालय के आदेशों (2022–2025), RRDA और पंचायतों पर उसके निर्णय (2025), जमशेदपुर में स्वर्णरेखा के किनारे ध्वस्तीकरण (2025) और 44 आर्द्रभूमियों की प्रारूप अधिसूचना (2023) की समाचार और अन्य द्वितीयक रिपोर्टें (द्वितीयक स्रोत)। https://swarajyamag.com/infrastructure/what-ranchi-wants-its-residents-to-do-to-keep-dry-days-away ; https://www.downtoearth.org.in/water/an-urban-water-emergency-warrants-that-the-jharkhand-rain-water-harvesting-regulation-2017-must-now-become-a-civic-movement ; https://avenuemail.in/high-court-scrutinizes-industrial-town-notification-for-jamshedpur/ ; https://theprint.in/india/jharkhand-hc-orders-govt-officials-to-ensure-no-encroachment-around-water-bodies/2709482 ; https://www.newsdrum.in/national/jharkhand-hc-directs-jhalsa-to-monitor-waterbody-encroachments-9767194 ; https://reporterpost.in/article/jharkhand/35884/where-have-71-ponds-gone-hc-asks-ranchi-civic-body/ ; https://www.livelaw.in/high-court/jharkhand-high-court/jharkhand-high-court-rules-panchayati-raj-act-prevails-over-regional-development-authority-act-310378 ; https://avenuemail.in/tata-steel-uisl-refuses-drain-cleaning-responsibility-in-mango-blames-municipal-corporation/ ; https://www.drishtiias.com/state-pcs-current-affairs/draft-notification-issued-for-44-wetlands-in-the-state/print_manually
- MoHUA / CPHEEO (2019). Manual on Storm Water Drainage Systems, Part A, §4.4.1.4 (Table 4.1 और टिप्पणियाँ)।
- Kakkar, R. (CPHEEO) (2023). Understanding Urban Stormwater Management. CSE, Aug 2023.
- National Disaster Management Authority (2010). National Guidelines on Management of Urban Flooding.
- MoHUA (2016). Model Building Bye-Laws, Chapter 9.
- Lok Sabha Unstarred Question 1847, 30 Jul 2026 (MoHUA). https://sansad.in/getFile/lsapps/loksabhaquestions/annex/188/AU1847_x29brZ.pdf
- India Meteorological Department. Extremes of Temperature and Rainfall for Indian Stations (up to 2012), झारखंड के केंद्र (pp. M80–M85)। https://imdpune.gov.in/library/public/EXTREMES%20OF%20TEMPERATURE%20and%20RAINFALL%20upto%202012.pdf
- India Meteorological Department (2011). Climate of Jharkhand. Climatological Summaries of States Series No. 17, Aug 2011 (चक्रवाती तूफान और अवदाब 1891–2010; जिलेवार 24 घंटों में सबसे भारी वर्षा, 2006 तक)। https://imdpune.gov.in/library/public/Cimate%20of%20Jharkhand.pdf
- India Meteorological Department, Regional Specialised Meteorological Centre for tropical cyclones. चक्रवात यास पर 27 मई 2021 की प्रेस विज्ञप्ति, अनुलग्नक-1 (08:30 IST को समाप्त 24-घंटे की वर्षा)। https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/uploads/archive/21/21_da9893_PRESS%20RELEASE%20dated%2027TH%20%20May%202021.pdf
- Central Water Commission. Daily Flood Situation Report cum Advisories, 17 Sep 2024 (Wayback Machine प्रति)। https://web.archive.org/web/20240917151334/https://cwc.gov.in/sites/default/files/dfsitrepca-17.09.2024.pdf
- Central Water Commission. पूर्वी भारत में उसके बाढ़ पूर्वानुमान और निगरानी स्थलों की सूची, चेतावनी, खतरे और उच्चतम बाढ़ स्तरों सहित, सितंबर 2022 (SANDRP द्वारा प्रतिलिपि के अनुसार; द्वितीयक स्रोत; डेटम की पुष्टि की जानी है [TBC])। https://sandrp.in/2022/09/12/2022-cwc-flood-monitoring-sites-in-east-india/

- Comptroller and Auditor General of India. Annual Technical Inspection Report on Local Bodies for the year ended 31 March 2016, Government of Jharkhand (2017), Chapter 4. https://www.cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2017/Chapter_4_Performance_Audit_–_Urban_Local_Bodies_of_Annual_Technical_Inspection_Report_of_2017_-_Local_Bodies_Government_of_Jharkhand.pdf
- जून 2008 की जमशेदपुर बाढ़, मई 2021 में चक्रवात यास, अगस्त 2022 की रांची वर्षा, सितंबर 2024 में DVC द्वारा छोड़े गए पानी, जून 2025 की रांची की आकस्मिक बाढ़, जुलाई 2025 में जमशेदपुर में स्वर्णरेखा और खरकई और 2025 और 2026 में साहिबगंज में गंगा की समाचार रिपोर्टें (द्वितीयक स्रोत)। https://www.oneindia.com/2008/06/18/flood-like-situation-in-steel-city-zoo-crocodiles-missing-1213792786.html ; https://avenuemail.in/cyclone-yaas-rivers-flow-on-danger-mark-in-jamshedpur-ndrf-teams-carry-rescue-operation-city-records-108-mm-rainfall/ ; https://www.deccanherald.com/india/cyclone-yaas-8-lakh-impacted-in-jharkhand-rescue-operations-under-way-in-some-places-990647.html ; https://bsppd.business-standard.com/amp/article/current-affairs/3-die-as-heavy-rain-with-wind-lashes-jharkhand-effects-normal-life-122082000997_1.html ; https://www.deccanherald.com/india/west-bengal/amid-flood-like-situation-in-bengal-damodar-valley-corporation-releases-3-lakh-cusecs-of-water-from-dams-3193801 ; https://www.theweek.in/wire-updates/national/2025/06/24/ces1-jh-rain-damage.html ; https://newsarenaindia.com/nation/jharkhand-reviews-rain-damage-after-ranchi-flash-floods/48401 ; https://theprint.in/india/subarnarekha-kharkai-rivers-flowing-above-danger-level-in-jharkhands-east-singhbhum/2703460 ; https://www.uniindia.com/east-india/flood-jharkhand-sahibganj-ganga/176490
- Kansas City Metro Chapter APWA (2025). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities, Version 2025.01.
- Mid-America Regional Council (2025). APWA 5600 Manual Factsheet; APWA Stormwater Standards Supplement (7 Nov 2025). https://www.marc.org/document/apwa-stormwater-standards-supplement
- Mid-America Regional Council. The Evolution of Regional Stormwater Design Standards (प्रस्तुति)। https://www.marc2.org/Assets/Environment/WQEC/The_Evolution_of_Regional_Strormwater_Design_Standards.pdf
- Kansas City Metro Chapter APWA (2006). Section 5600, §5601.6 Waivers.
- PUB Singapore (2018, 16 Apr 2025 के Addendum No. 3 सहित). Code of Practice on Surface Water Drainage, 7th ed.
- Department of Irrigation and Drainage Malaysia (2008). Submission Checklist for Stormwater Management.
- Centre for Science and Environment (2023). Urban Stormwater Management (प्रस्तुति)।
- Comptroller and Auditor General of India (2023). Report No. 1 of 2023, Government of Jharkhand (Performance and Compliance Audit for the year ended 31 March 2021), Chapter 3, Audit on Management of the Sewerage and Drainage System in Ranchi city, and Chapter 4, Audit on Rejuvenation and Conservation of the Harmu River. https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/7-Chapter-3-064ccf54aaea3b2.74931941.pdf ; https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/8-Chapter-4-064ccf54ab201d9.52401481.pdf
- Jharkhand Urban Infrastructure Development Company (2017). Jharkhand Municipal Development Project, Draft Environment and Social Impact Assessment, Storm Water Drainage, Dhanbad, Volume I, Nov 2017, पैरा 72–74 (Wayback Machine प्रति)। https://web.archive.org/web/20180205012706id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/Home/cirfiles/ESIA%20Dhanbad%20Drainage_Volume1.pdf

- Jharkhand Urban Infrastructure Development Company. Harmu river progress sheet (c. 2017; Wayback Machine प्रति)। http://web.archive.org/web/20171026182839id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/home/newsfiles/32_Harmu%20river.pdf

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय-वस्तु
1A	टियर A प्राधिकारियों की सूची, नगर निगमों और रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र की सीमाओं सहित
1B	बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के मानचित्र
1C	नीति अनुपूरक: विकल्प S-1 से S-5 का पाठ और आदर्श परिषद संकल्प
1D	भवन उपविधि 2016 का आदर्श संशोधन और आदर्श ULB उपविधि
प्रपत्र 1-1	प्रयोज्यता निर्धारण
प्रपत्र 1-2	विचलन / अधित्याग अनुरोध

अध्याय 2

डिजाइन वर्षा और डिजाइन वर्षा घटनाएँ

2.1 प्रयोजन और विस्तार

2.1.1 यह अध्याय इस मैनुअल की प्रत्येक जलवैज्ञानिक गणना के लिए वर्षा संबंधी इनपुट निर्धारित करता है: ड्रेन और इनलेट का आकार निर्धारण (अध्याय 6), प्रतिधारण (retention) और अस्थायी भंडारण (detention) का आकार निर्धारण (अध्याय 4), अनुप्रवाह और टेलवाटर विश्लेषण (अध्याय 5), तथा जलाशय और तालाब संबंधी कार्य (अध्याय 7)।

2.1.2 यह अध्याय निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करता है:

- (a) डिजाइन वर्षा की गहराई और तीव्रता के अनुमोदित स्रोत;
- (b) गहराई को एक अवधि से दूसरी अवधि में, बिंदु से क्षेत्र में और वर्तमान जलवायु से भविष्य की जलवायु में कैसे परिवर्तित किया जाए;
- (c) डिजाइन वर्षा घटनाएँ (हायटोग्राफ) कैसे बनाई जाएँ; और
- (d) वे वर्षा घटनाएँ जिन्हें विकास-पूर्व और विकास-पश्चात स्थितियों पर लागू करना होगा।

2.1.3 यह अध्याय संपूर्ण झारखंड में लागू होता है। जहाँ किसी नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत, RRDA, MADA या किसी औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार ने अध्याय 1 के अंतर्गत वर्षा का कोई अधिक कठोर मानक अंगीकार किया है, वहाँ वह अधिक कठोर मानक लागू होगा।

भाष्य. झारखंड में जल निकासी की पिछली अधिकांश विफलताओं का कारण हाइड्रोलिक गणना नहीं, बल्कि वर्षा संबंधी इनपुट रहा है। झारखंड इसका उदाहरण है। राज्य में किसी नगर की ड्रेनों के लिए मिली एकमात्र डिजाइन वर्षा घटना धनबाद की जल निकासी परियोजना की 1-वर्ष की वर्षा घटना है, जिसे इसलिए चुना गया ताकि ड्रेनें सड़क के भीतर समा सकें (JUIDCO, 2017); रांची में हरमू नदी का चैनल 25 वर्ष के लिए डिजाइन किया गया, लगातार दो मानसूनों में विफल हुआ और 50 वर्ष के लिए फिर से डिजाइन किया गया, और अधिकांशतः शहरी जलग्रहण क्षेत्र पर क्षेत्र-भारित (area-weighted) 0.29 के अपवाह गुणांक से उसके प्रवाह घटकर लगभग एक-तिहाई रह गए (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); और रांची, जमशेदपुर, बोकारो या देवघर के लिए डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि वाली कोई वर्षा जल ड्रेन DPR नहीं मिली। जो आँकड़े उपलब्ध हैं, उन्हें प्रायः गलत पढ़ा जाता है: 1986–2018 के 1-दिवसीय अधिकतम मानों पर प्रसामान्य वितरण (normal distribution) का फिट रांची को 186.6 mm का 25-वर्ष का दैनिक मान देता है, जो उसी केंद्र पर 1994 में दर्ज 224.3 mm से कम है (Sharma & Kotal, 2022), और रांची वेधशाला स्वयं कांके और मांडर के जिला वर्षामापियों से कहीं कम वर्षा दर्ज करती है। जो दो प्रकाशित स्रोत इस कमी को पूरा करते प्रतीत होते हैं, वे वास्तव में इसे पूरा नहीं करते। IMD Das et al. (2022) में राज्य के किसी भी केंद्र का पैनल नहीं है, और NIH-DHAARA की पुनर्विश्लेषण (reanalysis) पर आधारित गहराइयाँ रांची–हजारीबाग पठार पर बहुत कम, निचले क्षेत्रों में बहुत अधिक, और 1 घंटे पर हर स्थान पर कम हैं (खंड 2.3.6)। CWC की बाढ़ आकलन रिपोर्टें उप-दैनिक (sub-daily) वर्षा का एकमात्र क्षेत्रीय स्रोत हैं, उनमें से तीन राज्य में मिलती हैं, और 1(g) की रिपोर्ट स्वयं मांडर और जमशेदपुर पर स्व-अभिलेखी वर्षामापियों की जिन तीव्र बौछारों (bursts) को सूचीबद्ध करती है, वे उसके अनुपातों से प्राप्त मानों से अधिक हैं। पूरे राज्य के लिए एक पारदर्शी स्रोत और एक विधि निर्धारित करना इस अध्याय का मुख्य प्रयोजन है।

2.2 परिभाषाएँ

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
वार्षिक अतिक्रमण प्रायिकता (AEP)	यह प्रायिकता कि किसी एक वर्ष में वर्षा की दी गई गहराई के बराबर या उससे अधिक वर्षा होगी। 1% AEP की वर्षा घटना "100-वर्ष" की वर्षा घटना है। यहाँ दोनों रूप प्रयुक्त हैं: T-वर्ष = 1/AEP।
IDF / DDF	किसी स्थान के लिए तीव्रता–अवधि–आवृत्ति और गहराई–अवधि–आवृत्ति संबंध।
बिंदु वर्षा (point rainfall)	किसी एक स्थान पर हुई वर्षा, जैसी वर्षामापी द्वारा मापी जाती है।
डिजाइन वर्षा घटना (design storm)	निर्दिष्ट AEP, अवधि और कालिक वितरण वाला हायटोग्राफ (वर्षा की गहराई बनाम समय)।
क्रांतिक अवधि (critical duration)	वर्षा घटना की वह अवधि जो डिजाइन किए जा रहे घटक के लिए सबसे बड़ा चरम प्रवाह, जल स्तर या भंडारण की आवश्यकता उत्पन्न करती है।
क्षेत्रीय न्यूनीकरण गुणक (ARF)	समान AEP और अवधि के लिए जलग्रहण क्षेत्र की औसत वर्षा और बिंदु वर्षा का अनुपात।
दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (JJAS)	जून–सितंबर, जब झारखंड को अपनी वार्षिक वर्षा का लगभग 84% प्राप्त होता है, और जुलाई (लगभग 26%) और अगस्त (लगभग 24%) सबसे अधिक वर्षा वाले महीने हैं। राज्य का वार्षिक सामान्य मान 1,281.9 mm (1951–2000) है, जो उत्तर-पश्चिम में गढ़वा में 1,084.5 mm और पलामू (Palamau) में 1,089.0 mm से लेकर सिमडेगा में 1,495.8 mm और पाकुड़ में 1,500.3 mm तक है; रांची में 1,307.7 mm, पूर्वी सिंहभूम में 1,336.7 mm, धनबाद में 1,300.5 mm, हजारीबाग में 1,225.6 mm और देवघर में 1,174.1 mm (IMD); जून–सितंबर का मौसमी सामान्य मान 1,022.9 mm (1971–2020, IMD) है। IMD का मौसम विज्ञान केंद्र, रांची, राज्य में मानसून के आगमन (onset) की सामान्य तिथि 12 जून बताता है; नई सामान्य तिथियाँ जमशेदपुर और बोकारो स्टील सिटी में 13 जून, रांची में 14 जून, ठेठईटांगर (Thethaitangar) (सिमडेगा) में 15 जून और डालटनगंज में 17 जून हैं, और वापसी (withdrawal) डालटनगंज में 8 अक्तूबर, रांची में 9 अक्तूबर, बोकारो स्टील सिटी में 10 अक्तूबर और जमशेदपुर में 12 अक्तूबर को होती है (IMD, 2020 की नई सामान्य तिथियाँ); 2023 में मानसून 13 अक्तूबर को पूरे राज्य से लौट गया (IMD)। खंड 2.11.4 का पूर्ववर्ती नमी नियम इसी ऋतु से संबंधित है; गाद-सफाई (desilting) और ड्रेन कार्यों के लिए 31 मई की मानसून-पूर्व समय-सीमा सबसे पहले आगमन से पहले रखी गई है, और पंप, गेट, स्लूइस और फ्लैप वाल्व 10 जून तक तैयार प्रमाणित किए जाते हैं और 20 अक्तूबर तक स्टैंडबाय पर रखे जाते हैं (अध्याय 10); गाद-सफाई की तिथि निर्धारित करने वाला राज्य का कोई आदेश नहीं मिला, और बताया जाता है कि रांची की ड्रेनें "जून के आरंभ तक" ("by early June") साफ की जाती हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार)।
ऋतु के बाहर की वर्षा घटनाएँ	बड़ी वर्षाएँ ऋतु से पहले और उसके बाद आती हैं, और दोनों संक्रमण कालों में बंगाल की खाड़ी के चक्रवात राज्य तक पहुँचते हैं। चक्रवात यास (Cyclone Yaas) 27 मई 2021 को राज्य से होकर गुजरा, जब 24 घंटों में चाईबासा में 21 cm, मांडर में 18 cm और रांची में 15 cm वर्षा हुई (IMD); 17 मई 1914 को दुमका में 106.2 mm और 1 मार्च 2001 को चाईबासा में 148.0 mm वर्षा दर्ज हुई (IMD)। सामान्य वापसी के बाद, 7 अक्तूबर 2004 को चाईबासा में 241.0 mm, जो उसका सर्वाधिक दैनिक मान है, 2 अक्तूबर 1961 को तिलैया में 190.6 mm, 2 अक्तूबर 1959 को दुमका में 184.4 mm, 10 अक्तूबर 1941 को धनबाद में 183.1 mm, 12 अक्तूबर 1973 को रांची (A) पर 175.8 mm और 4 अक्तूबर 2025 को भवनाथपुर (गढ़वा) में 185.0 mm वर्षा दर्ज हुई (IMD)। 1891–2010 में राज्य को प्रभावित करने वाले 450 चक्रवाती तूफानों (storms) और अवदाबों में से 29 अक्तूबर में और 4 नवंबर में आए (IMD)। डिजाइन सांख्यिकी में सभी महीनों के वार्षिक अधिकतम मान प्रयुक्त होते हैं, और कोई भी कार्य की समय-सीमा या प्रचालन नियम यह नहीं मानेगा कि भारी वर्षा जून–सितंबर तक सीमित है।

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
जलवायु गुणक (CF)	वह गुणक जिससे वर्तमान डिजाइन गहराइयों को गुणा करके डिजाइन आयु की जलवायु का प्रतिनिधित्व किया जाता है।
अनुमोदित स्रोत	खंड 2.3 में सूचीबद्ध वर्षा का कोई स्रोत।

2.3 डिजाइन वर्षा के अनुमोदित स्रोत

2.3.1 **प्राथमिक स्रोत.** डिजाइन वर्षा की गहराइयाँ और तीव्रताएँ राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (NIH), रुड़की के **NIH-DHAARA** प्लेटफॉर्म (Design Hydrology and Advanced Rainfall Analysis, nihdhaara.in) से ली जाएँगी। साइट के निर्देशांकों के लिए, खंड 2.4 द्वारा अपेक्षित प्रत्येक अवधि और AEP के लिए, इसके IDF / आवृत्ति उपकरणों का उपयोग करें। झारखंड में यह खंड परिशिष्ट 2A के प्रकाशित होने तक निलंबित है: अंतरिम स्रोत खंड 2.3.6 निर्धारित करता है।

2.3.2 **केंद्र IDF.** किसी केंद्र-विशिष्ट IDF संबंध का उपयोग 2.3.1 के स्थान पर केवल तभी किया जा सकता है जब निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी हों:

- (a) वह कम से कम 30 वर्ष के स्व-अभिलेखी वर्षामापी (recording gauge; प्रति घंटा या उससे सूक्ष्म) आँकड़ों से निकाला गया हो;
- (b) वह IMD, राज्य जलविज्ञान प्राधिकरण या अनुमोदन प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित या अनुमोदित किया गया हो; और
- (c) वर्षामापी साइट से 10 km के भीतर हो, और बीच में भू-भाग या तटीय अनावरण में कोई बड़ा परिवर्तन न हो।

जहाँ केंद्र IDF का उपयोग किया जाता है, वहाँ डिजाइन मान केंद्र मान और NIH-DHAARA मान में से **अधिक** मान होगा।

2.3.3 **प्रति-जाँच (अनिवार्य, विकल्प नहीं).** डिजाइनकर्ता तुलना के लिए निम्नलिखित मान प्रस्तुत करेगा, किंतु उन्हें लेना उसके लिए आवश्यक नहीं है:

- (a) 1–24 h की अवधियों के लिए Das et al. (2022), *MAUSAM* 73(4) के IMD समवर्षा (isopluvial) / IDF मान;
- (b) 25–5,000 km² के जलग्रहण क्षेत्रों के लिए, यथा लागू, उप-क्षेत्र 1(d) (Sone), 1(g) (Lower Ganga Plains, जो झारखंड में छोटानागपुर पठार और तलहटी का उसका पहाड़ी क्षेत्र है) या 3(d) (Mahanadi) की CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट से 24-घंटे की बिंदु वर्षा।

जहाँ डिजाइन मान समान AEP के लिए CWC 1(d), 1(g) या 3(d) मान से कम है, वहाँ CWC मान को न्यूनतम सीमा (floor) के रूप में लिया जाएगा।

2.3.4 **अनुमत नहीं.** निम्नलिखित में से किसी का भी डिजाइन वर्षा के स्रोत के रूप में उपयोग नहीं किया जाएगा:

- (a) सामान्यीकृत अखिल भारतीय IDF सूत्र (उदाहरण के लिए Kothyari & Garde, 1992);
- (b) वर्षा के ऐसे मान जिनका कोई स्रोत उद्धृत नहीं है, जिनमें विक्रेता या वेब-कैलकुलेटर की तालिकाएँ सम्मिलित हैं;
- (c) किसी एक घटना के अधिकतम मान; या
- (d) किसी पिछली परियोजना से बिना निर्दिष्ट AEP के आगे लाई गई डिजाइन तीव्रताएँ।

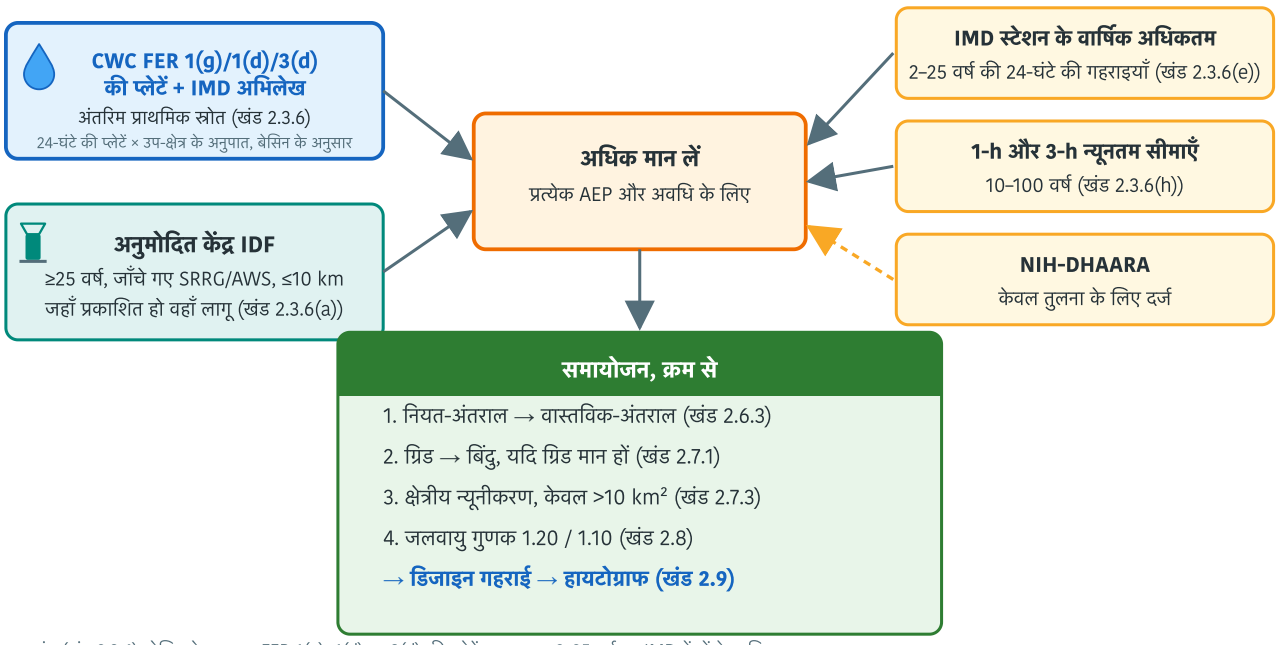

चित्र 2.1 — डिजाइन वर्षा के स्रोतों का पदानुक्रम और समायोजन का क्रम। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग।

2.3.5 **संस्करण नियंत्रण.** प्रत्येक प्रस्तुति (submittal) में स्रोत, उसका संस्करण या उपयोग की तिथि, जिन निर्देशांकों के लिए मान लिए गए, और निकाले गए मान दर्ज किए जाएँगे (खंड 2.13)।

2.3.6 **झारखंड में अंतरिम स्रोत.** जब तक परिशिष्ट 2A प्रकाशित होकर किसी जोन के लिए NIH-DHAARA की, या किसी अनुमोदित केंद्र IDF की, पुष्टि नहीं करता, तब तक झारखंड में खंड 2.3.1 लागू नहीं होगा, और डिजाइन वर्षा निम्नानुसार ली जाएगी:

- (a) **केंद्र IDF.** जहाँ IMD के किसी जाँचे गए स्व-अभिलेखी वर्षामापी (SRRG) या स्वचालित मौसम केंद्र के कम से कम 25 वर्ष के अभिलेख पर फिट किया गया केंद्र IDF परिशिष्ट 2B में प्रकाशित हो चुका है, वहाँ केंद्र से 10 km के भीतर, जिन अवधियों और AEP को वह सम्मिलित करता है उनके लिए, (g) और (h) के स्थान पर वही लागू होगा; तब खंड 2.3.2 की तुलना (d) से (f) की 24-घंटे और उससे अधिक अवधि की गहराइयों से की जाती है, और खंड 2.3.3 की CWC न्यूनतम सीमा फिर भी लागू होती है। कोई अभिलेख तब जाँचा गया माना जाता है जब उसके वार्षिक योगों और वार्षिक अधिकतम मानों की तुलना उस केंद्र के IMD सामान्य मानों और केंद्र के चरम मानों से की गई हो, और असंगत प्रत्येक वर्ष का स्पष्टीकरण दिया गया हो या उसे हटा दिया गया हो। एक-तिहाई नियम (खंड 2.6.4) या किसी अन्य नियत अनुपात द्वारा दैनिक आँकड़ों से निकाला गया IDF केंद्र IDF नहीं है। झारखंड में खंड 2.3.2(a) को 30 के स्थान पर 25 वर्ष के साथ पढ़ा जाता है (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित, ताकि विश्लेषण हो जाने पर राज्य के मुख्य नगरों के स्व-अभिलेखी वर्षामापी इसके योग्य हो सकें)। परिशिष्ट 2B में अभी तक कोई IDF प्रकाशित नहीं हुआ है, और राज्य के किसी भी नगर के लिए प्रकाशित स्थिरांकों (constants) वाला कोई केंद्र IDF नहीं मिला। आँकड़ों का पहला अनुरोध मुख्य नगरों के IMD केंद्रों के स्व-अभिलेखी वर्षामापी और स्वचालित मौसम केंद्र अभिलेखों के लिए है, जिनका फिट इस उप-खंड के अंतर्गत किया जाना है: Ranchi (A), 42701 (दैनिक अभिलेख 1956–2012), BAU कांके के स्वचालित मौसम केंद्र के साथ; Jamshedpur (A), 42798 (1945–2012), और Jamshedpur, 42799 (1923–2012); Dhanbad, 42703 (1934–2012); Hazaribagh, 42699 (1867–2012); Daltonganj, 42587 (1901–2012); Dumka, 42599 (1901–2012); और Chaibasa, 42795 (1879–2012) (IMD); प्रत्येक केंद्र पर उपलब्ध स्व-अभिलेखी वर्षामापी आँकड़ों के वर्षों की पुष्टि की जानी है [TBC]।
- (b) **रांची का IDF शोधपत्र.** इस मैनुअल के लिए किए गए शोध में राज्य के किसी नगर का जो एकमात्र IDF मिला, वह रांची शहर के वर्षा तीव्रता–अवधि–आवृत्ति वक्र पर एक शोधपत्र है (Upadhyaya et al., 2022), जिसके बारे में बताया जाता है कि वह 5 मिनट से 24 घंटे तक की अवधियों और 2 से 100 वर्ष की पुनरावृत्ति अवधियों के लिए गंबल वितरण फिट करता है; उसका पूरा पाठ खुले रूप में प्रकाशित

नहीं है, और उसके स्थिरांक, आँकड़ों का स्रोत और अभिलेख की अवधि प्राप्त नहीं हुए [TBC]। जब तक वह प्राप्त न हो जाए, उसके अभिलेख की जाँच (a) के अनुसार न हो जाए और उसके मान परिशिष्ट 2B में प्रकाशित न हो जाएँ, तब तक उसका उपयोग नहीं किया जाता। रांची, जमशेदपुर और डालटनगंज में 1986–2018 के वार्षिक 1-दिवसीय अधिकतम मानों पर प्रसामान्य वितरण का फिट (Sharma & Kotal, 2022) तीनों केंद्रों पर उसी अवधि के सबसे बड़े दैनिक मानों से कम 25-वर्ष के मान देता है, रांची में 224.3 mm के सामने 186.6 mm, और उसका उपयोग डिजाइन मान के रूप में नहीं किया जाता।

- (c) **उप-क्षेत्र.** साइट का CWC उप-क्षेत्र उस बाढ़ आकलन रिपोर्ट का उप-क्षेत्र है जिसके क्षेत्र में साइट स्थित है, रिपोर्टों की प्लेटों पर खींची गई सीमाओं के अनुसार, जो झारखंड में बेसिनों के जल-विभाजकों का अनुसरण करती हैं। 1(g) (Lower Ganga Plains, LG-1(g)/R-1/23/94, 1994), जिसकी रिपोर्ट छोटानागपुर पठार और तलहटी तथा दामोदर और स्वर्णरेखा के ऊपरी भागों को अपना "पहाड़ी क्षेत्र" ("hilly region") गिनती है, दामोदर–बराकर, स्वर्णरेखा–खरकई और अजय–मयूराक्षी बेसिनों और गंगा तटवर्ती क्षेत्र को सम्मिलित करता है, जिनमें **रांची**, जमशेदपुर, आदित्यपुर, धनबाद, झरिया, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, देवघर, मधुपुर, दुमका, जामताड़ा, चाईबासा, चक्रधरपुर, घाटशिला, सरायकेला, साहिबगंज, पाकुड़ और गोड्डा सम्मिलित हैं; 1(d) (Sone, S/15/1987, 1987) उत्तरी कोयल, पुनपुन और फल्गु के उद्गम क्षेत्रों और सोन के तटवर्ती क्षेत्र को सम्मिलित करता है, जिनमें डालटनगंज (मेदिनीनगर), गढ़वा, लातेहार और चतरा सम्मिलित हैं; और 3(d) (Mahanadi, M-3(d)/R-3/25/1996, 1997) दक्षिणी कोयल, शंख और ब्राह्मणी के उद्गम क्षेत्रों को सम्मिलित करता है, जिनमें लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा सम्मिलित हैं। 3(d) और 1(g) के बीच की रेखा रांची शहर से देशांतर में लगभग 0.15–0.3° पश्चिम में, स्वर्णरेखा और दक्षिणी कोयल के बीच के जल-विभाजक के साथ-साथ, उत्तर–दक्षिण चलती है, और 1(d) और 1(g) के बीच की रेखा हजारीबाग से लगभग 0.3° उत्तर-पश्चिम में। किसी उप-क्षेत्र की सीमा से 5 km के भीतर, और हटिया, धुर्वा और नगड़ी के आसपास रांची के दक्षिण-पश्चिमी वार्डों में प्रत्येक साइट पर, दोनों प्लेट मानों में से अधिक मान प्रयुक्त होता है, और प्रत्येक अवधि पर (g) के अंतर्गत दोनों गुणनफलों में से अधिक (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। नगरों की सूचियाँ केवल मार्गदर्शन के लिए हैं: प्लेटों की सीमाएँ लागू होती हैं, और उनकी पुष्टि रिपोर्टों के सूचकांक मानचित्रों (index maps) पर की जानी है [TBC]। साइट का वर्षा जोन और उप-भाग परिशिष्ट 2A के अनुसार हैं।

- (d) **24-घंटे की गहराई, 2% और 1% AEP (50- और 100-वर्ष).** साइट के उप-क्षेत्र की रिपोर्ट की 50- और 100-वर्ष की समवर्षा प्लेटों (1(g) की प्लेट 9 और 10; 1(d) की प्लेट 9 और 10, उनके शीर्षकों के अनुसार, यद्यपि उस रिपोर्ट का पाठ प्लेट 10 को 50-वर्ष का मानचित्र कहता है; और 3(d) की प्लेट 9 और 10) से पढ़ा गया साइट पर 24-घंटे का बिंदु मान, जलग्रहण क्षेत्र का क्षेत्रफल चाहे जो हो। जहाँ साइट दो समोच्च रेखाओं के बीच स्थित है, वहाँ अधिक समोच्च मान प्रयुक्त होता है; जहाँ वह किसी ऐसी बंद समोच्च रेखा के भीतर स्थित है जिसके भीतर कोई उच्चतर समोच्च रेखा नहीं है, वहाँ मान उस समोच्च रेखा का मान और एक समोच्च अंतराल है; और जहाँ वह "<" से चिह्नित किसी बंद निम्न कोष्ठ के भीतर स्थित है, वहाँ मान उसे घेरने वाली समोच्च रेखा का मान है (सभी इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। प्लेटें साइट के निर्देशांकों से पढ़ी जाती हैं, नगरों के नाम-चिह्नों (labels) से नहीं। केवल दिशा-बोध के लिए, आँख से लगभग एक समोच्च रेखा की परिशुद्धता तक पढ़ने पर, 50-वर्ष की प्लेटें रांची, जमशेदपुर, धनबाद, झरिया और बोकारो में लगभग 240 mm, हजारीबाग, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ में 240–280 mm, गिरिडीह, देवघर और मधुपुर में लगभग 280 mm (देवघर में कम विश्वसनीयता के साथ), चाईबासा और चक्रधरपुर में 200 mm से कम, डालटनगंज में 280–320 mm, लातेहार और चतरा में लगभग 320 mm, गढ़वा में 240–280 mm, लोहरदगा में 200 mm से कम, गुमला में 200–240 mm और सिमडेगा में लगभग 240 mm देती हैं; 100-वर्ष की प्लेटें लगभग एक समोच्च अंतराल (40 mm) अधिक हैं, और लातेहार और चतरा में लगभग 360 mm तक पहुँचती हैं। 1(g) की रिपोर्ट का हल किया गया उदाहरण (worked example) झारखंड का एक जलग्रहण क्षेत्र है: रामगढ़ के पास गढ़वा रोड–बरकाकाना (Garwa Road–Barkakana) रेल मार्ग पर पुल संख्या 110 पर सफी (389.76 km², ढाल 9.37 m/km), जो 50 वर्ष पर 24.0 cm पढ़ता है और 1,770.94 m³/s का 50-वर्ष का चरम प्रवाह देता है, अर्थात लगभग 4.5 m³/s प्रति km²। अधिकांश नगरों में राज्य के केंद्रों के अभिलेख प्लेटों से बहुत अधिक हैं: Taljhari (साहिबगंज) 601.4 mm (25 Sep 1999), जो राज्य का अभिलेख है, Giridih 403.0 mm (27 Aug 1980), Mandar (रांची) 382.0 mm (11 Jul 1990), Jamshedpur (A) 338.1 mm (18 Jun 2008) और Kanke (रांची) 332.6 mm (5 Jul 1998), जबकि प्लेट मान लगभग 240–280 mm हैं; चाईबासा में और हजारीबाग और झालदा (Jhalda) के बीच प्लेटों के निम्न कोष्ठों का खंडन उनके भीतर के वर्षामापी करते हैं, कुमारडुंगी (Kumardungi) 400.3 mm और मंझारी (Manjhari) 401.1 mm, और पचंबा (Pachamba) 300.7 mm और बरही 295.1 mm (IMD, *Climate of Jharkhand*)। जहाँ साइट के केंद्र के लिए (e) का गंबल अनुमान समान AEP के लिए अधिक है, वहाँ वही लागू होगा।

- (e) **24-घंटे की गहराई, 50%, 20%, 10% और 4% AEP (2-, 5-, 10- और 25-वर्ष).** 1(d) और 3(d) की रिपोर्टों में इनके लिए कोई प्लेट नहीं है, और 1(g) की रिपोर्ट में केवल 25-वर्ष की प्लेट (प्लेट 8) है। गहराई प्राधिकारी की सहमति से तय किए गए IMD केंद्र की, सभी महीनों की, वार्षिक अधिकतम दैनिक वर्षा श्रृंखला से प्राप्त गंबल (EV1) अनुमान है, जिसकी जाँच (a) के अनुसार की गई हो, और जिसे खंड 2.6.3 के नियत-अंतराल गुणक से गुणा किया जाता है; 1(g) में 4% AEP की गहराई (d) के अनुसार पढ़े गए प्लेट 8 के मान से कम नहीं होती (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। उदाहरण के लिए, केंद्र रांची के लिए Ranchi (A), 42701 है, और IMD द्वारा उपलब्ध कराए जाने पर कांके और मांडर के जिला वर्षामापियों की श्रृंखलाएँ, जो 2006 तक प्रत्येक 42 वर्षों की हैं, जहाँ वे अधिक हों वहाँ प्रयुक्त होती हैं [TBC]; जमशेदपुर, आदित्यपुर और मानगो के लिए Jamshedpur (A), 42798, और Jamshedpur, 42799, में से अधिक मान वाला केंद्र; धनबाद, झरिया और सिंदरी के लिए Dhanbad, 42703, और जाँच के रूप में Bokaro, 32599 (1951–1981), के साथ, बोकारो और चास के लिए भी; हजारीबाग और रामगढ़ के लिए Hazaribagh, 42699; कोडरमा और झुमरी तिलैया के लिए Tilaiya, 32355 (1956–2012); मेदिनीनगर, गढ़वा और लातेहार के लिए Daltonganj, 42587; दुमका, देवघर और जामताड़ा के लिए Dumka, 42599; और चाईबासा और चक्रधरपुर के लिए Chaibasa, 42795। Ramgarh, 32636, Maithon, 32609, और Panchet Hills, 32648, जिनके अभिलेख 1985 में समाप्त होते हैं, केवल जाँच के रूप में प्रयुक्त होते हैं। साहिबगंज, राजमहल, पाकुड़, गोड्डा, गिरिडीह, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में लंबे अभिलेख वाली कोई IMD वेधशाला नहीं है; उनके लिए, और अन्यत्र, केंद्र परिशिष्ट 2A के संभावित केंद्रों में से 30 या अधिक वर्षों के अभिलेख वाला निकटतम IMD केंद्र है, या IMD द्वारा उपलब्ध कराई गई किसी जिला वर्षामापी की श्रृंखला [TBC]। पूरा अभिलेख प्रयुक्त होता है, और किसी वर्ष को इस कारण बाहर नहीं रखा जाता कि वह असामान्य मान (outlier) है।

- (f) **48- और 72-घंटे की गहराइयाँ.** उसी केंद्र की वार्षिक अधिकतम 2-दिवसीय और 3-दिवसीय वर्षा श्रृंखला से प्राप्त गंबल अनुमान, खंड 2.6.3 के नियत-अंतराल गुणकों के साथ, और समान AEP के लिए 24-घंटे की गहराई से कम नहीं।

- (g) **1 से 24 घंटे की अवधियाँ.** (d) या (e) की 24-घंटे की गहराई को, प्रत्येक AEP पर, तालिका 2B.1 में साइट के उप-क्षेत्र की रिपोर्ट के अनुपातों से गुणा किया जाता है: 1(g) में अनुपात 1 घंटे पर 0.350, 3 घंटे पर 0.515, 6 घंटे पर 0.640, 9 घंटे पर 0.735, 12 घंटे पर 0.800, 15 घंटे पर 0.860 और 18 घंटे पर 0.915, जो 21 स्व-अभिलेखी वर्षामापियों की 10-वर्ष की गहराइयों से निकाले गए हैं और अधिक लंबी पुनरावृत्ति अवधियों के लिए तुलनीय पाए गए; 1(d) में 50-वर्ष के अनुपात 1 घंटे पर 0.37, 3 घंटे पर 0.58, 6 घंटे पर 0.70, 9 घंटे पर 0.80, 12 घंटे पर 0.89, 15 घंटे पर 0.94 और 18 घंटे पर 0.98 (18-घंटे का मान रिपोर्ट के OCR से है, पृष्ठ की छवि से जाँचा नहीं गया [TBC]); और 3(d) में अनुपात 1 घंटे पर 0.390, 3 घंटे पर 0.610, 6 घंटे पर 0.760, 9 घंटे पर 0.820, 12 घंटे पर 0.860, 15 घंटे पर 0.880 और 18 घंटे पर 0.920। सारणीबद्ध अवधियों के बीच अनुपात का लघुगणकीय अक्षों पर अंतर्वेशन (interpolation) किया जाता है। इसके बाद 1-, 2- और 3-घंटे की गहराइयों पर (h) लागू होता है।

- (h) **अल्पकालिक वर्षा घटनाओं के लिए न्यूनतम सीमा, 10-वर्ष और उससे दुर्लभ.** 1-घंटे और 3-घंटे की गहराइयाँ राज्य में सर्वत्र (i) समान AEP के लिए (d) या (e) की 24-घंटे की गहराई के 0.35 गुना (1 घंटा) और 0.57 गुना (3 घंटे) से कम नहीं होंगी; और परिशिष्ट 2A के जोन JH-Z1 छोटानागपुर पठार या JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र में स्थित साइट पर, या इनमें से किसी में प्रवेश करने वाले जलग्रहण क्षेत्र में, (ii) निम्नलिखित गहराइयों से भी, जहाँ वे अधिक हों, कम नहीं होंगी, जो सभी इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं; 2-घंटे की गहराई समान AEP के लिए 1- और 3-घंटे के मानों के बीच लघुगणकीय अक्षों पर अंतर्वेशित मान से कम नहीं होगी:

जोन	अवधि	10% (10)	4% (25)	2% (50)	1% (100)
JH-Z1 छोटानागपुर पठार; JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र	1-घंटे की गहराई इससे कम नहीं (mm)	80	95	105	115
JH-Z1 छोटानागपुर पठार; JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र	3-घंटे की गहराई इससे कम नहीं (mm)	130	155	175	195

इसका कारण यह है कि 1(g) रिपोर्ट के अनुपात पठार पर और स्वर्णरेखा के निचले क्षेत्र में दर्ज अल्पकालिक वर्षा घटनाओं को कम आँकते हैं। रांची और जमशेदपुर में लगभग 240 mm के प्लेट मानों के साथ वे 50-वर्ष की वर्षा घटना के लिए 1 घंटे में लगभग 84 mm और 3 घंटे में 124 mm देते हैं, और राज्य में रिपोर्ट के अपने स्व-अभिलेखी वर्षामापी अधिकतम मान दोनों से अधिक हैं: 6 अगस्त 1971 को रांची जिले के मांडर में 1 घंटे में 99 mm और 3 घंटे में 171 mm; 5 अगस्त 1977 को जमशेदपुर (A) पर 3 घंटे में 184 mm, अनुलग्नक की उस पंक्ति में जो 6-घंटे का एक छोटा योग भी छापती है और इसलिए उसमें मुद्रण की कोई त्रुटि है [TBC]; और 25 जुलाई 1979 को घाटशिला में और 18 सितंबर 1978 को पारसनाथ के ढलान पर पालगंज में 1 घंटे में 100 mm (CWC FER 1(g), अनुलग्नक 4.4)। राज्य के किसी भी केंद्र का कोई प्रकाशित अल्पकालिक आवृत्ति विश्लेषण नहीं है। (ii) की गहराइयाँ गंगा के मैदान के किसी केंद्र के लिए मिले ऐसे एकमात्र विश्लेषण के 10, 25, 50 और 100 वर्ष के मान हैं, जो 5 mm तक पूर्णांकित किए गए हैं: यह लखनऊ में लगभग 25 वर्षों के प्रति घंटा अभिलेखों पर किया गया एक फिट है, जो 50-वर्ष की वर्षा घटना के लिए 1 घंटे में 106.0 mm और 3 घंटे में 174.6 mm देता है (Kathuria, Kaur & Mehra, 1987)। इनकी जाँच राज्य की तीव्र बौछारों से की गई: मांडर, घाटशिला और पालगंज पर 1 घंटे में 99–100 mm की वर्षाएँ और मांडर पर 3 घंटे में 171 mm की वर्षा 25- और 50-वर्ष की न्यूनतम सीमाओं के बीच हैं, और जमशेदपुर (A) पर 3 घंटे में 184 mm की वर्षा 50- और 100-वर्ष की न्यूनतम सीमाओं के बीच, इसलिए प्रत्येक तीव्र बौछार प्लेटों और 1(g) के अनुपातों के 50-वर्ष के गुणनफल से अधिक है और कोई भी 100-वर्ष की न्यूनतम सीमा से अधिक नहीं है। इन्हें JH-Z1 और JH-Z2 में इसलिए लागू किया जाता है क्योंकि तीव्र बौछारें वहीं दर्ज हुईं, और क्योंकि JH-G में 3(d) के अनुपात, 0.390 और 0.610, 200 mm से कम से लेकर लगभग 240 mm तक के प्लेट मानों पर, 50 वर्ष पर 1 घंटे में केवल लगभग 78–94 mm देते हैं, जो अगले उप-भाग में मांडर की वर्षा से कम है। JH-Z3 में केवल (i) की अनुपात-आधारित न्यूनतम सीमा लागू होती है: 1(d) के अनुपात, 0.37 और 0.58, पहले से ही इससे अधिक हैं, और वहाँ के प्लेट मानों पर, जो 50 वर्ष पर लगभग 280–320 mm हैं, वे 1 घंटे में लगभग 104–118 mm और 3 घंटे में 162–186 mm देते हैं, जो (ii) की गहराइयों के निकट या उनसे अधिक हैं; वहाँ इन गुणनफलों से अधिक की कोई अल्पकालिक वर्षा दस्तावेजित नहीं है [TBC]। (i) की अनुपात-आधारित न्यूनतम सीमा गंगा के मैदान के तीन IMD स्व-अभिलेखी वर्षामापियों के लिए प्रकाशित 1-घंटे और 3-घंटे की गहराई और 24-घंटे की गहराई के 2-वर्ष के अनुपातों में से सबसे कम मान लेती है, अर्थात 1 घंटे पर 0.35–0.38 में से और 3 घंटे पर 0.57–0.61 में से (Kathuria, Kaur & Mehra, 1987); 1(g) में यह 1-घंटे के अनुपात के बराबर है और 3-घंटे के अनुपात को 0.515 से बढ़ाकर 0.57 कर देती है। न्यूनतम सीमाएँ वर्तमान, वास्तविक-अंतराल (true-interval) मान हैं: उन पर खंड 2.6.3 का नियत-अंतराल गुणक लागू नहीं किया जाता, और खंड 2.8 का जलवायु गुणक लागू किया जाता है। ये अंतरिम हैं: वे राज्य के बाहर के एक केंद्र फिट पर आधारित हैं, जो 1985 से पहले समाप्त होने वाले लगभग 25 वर्षों के आँकड़ों पर टिका है, और ऐसे स्व-अभिलेखी वर्षामापियों पर हुई एकल तीव्र बौछारों पर जिनके अभिलेख की अवधियाँ इस मैनुअल के लिए पढ़ी नहीं गईं [TBC]; राज्य की किसी हाल की वर्षा घटना का IMD प्रति घंटा अधिकतम मान नहीं मिला [TBC]; और परिशिष्ट 2B में इनके स्थान पर राज्य के IMD स्व-अभिलेखी वर्षामापी और स्वचालित मौसम केंद्र अभिलेखों का आवृत्ति विश्लेषण दिया जाना है, जिसका आरंभ (a) के केंद्रों से होगा।

- (i) **1 घंटे से कम की अवधियाँ.** इस मैनुअल के लिए किए गए शोध में राज्य के किसी भी केंद्र का 1 घंटे से कम अवधि का आवृत्ति विश्लेषण नहीं मिला। जब तक परिशिष्ट 2B ऐसा विश्लेषण नहीं देता, तब तक 1 घंटे से कम की किसी अवधि की गहराई और 1-घंटे की डिजाइन गहराई का अनुपात प्राधिकारी की सहमति से, किसी ऐसे प्रकाशित स्व-अभिलेखी वर्षामापी विश्लेषण से जिसका स्रोत बताया गया हो, तय किया जाता है और प्रपत्र 2-1 में दर्ज किया जाता है [TBC]; 1 घंटे से कम की किसी अवधि की औसत तीव्रता समान AEP की 1-घंटे की डिजाइन तीव्रता से कम नहीं होगी (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)।

- (j) **गहराइयों का क्रम.** समान AEP के लिए कोई भी गहराई किसी कम अवधि की गहराई से कम नहीं होगी।

- (k) **NIH-DHAARA.** साइट पर इसके वर्तमान मान प्रपत्र 2-1 में अंतरिम मानों के साथ, केवल तुलना के लिए, दर्ज किए जाते हैं: राज्य में वे 24 घंटे पर रांची–हजारीबाग–लोहरदगा पठार पर बहुत कम, साहिबगंज, बोकारो, जमशेदपुर और चाईबासा में बहुत अधिक, और 1 घंटे पर हर स्थान पर कम हैं (भाष्य)। t-घंटे और 24-घंटे की गहराई के इसके अनुपात तुलना के लिए परिशिष्ट 2B में सारणीबद्ध किए जाते हैं, और डिजाइन अनुपातों के रूप में प्रयुक्त नहीं होते। खंड 2.8.4 के अंतर्गत इसकी प्रक्षेपित गहराइयाँ प्रयुक्त नहीं होतीं; इसकी प्रक्षेपित और वर्तमान गहराइयों का अनुपात तालिका 2.2 के जलवायु गुणकों की जाँच के रूप में दर्ज किया जा सकता है, और वे गुणक ही लागू होते हैं।

- (l) **IMD Das et al. (2022).** उस शोधपत्र में झारखंड के किसी भी केंद्र का पैनल नहीं है, और उसकी क्षेत्रीय परासें, जैसे गंगा के मैदान के लिए 1 घंटे पर 4–16 cm और 24 घंटे पर 12–42 cm, यह नहीं बतातीं कि राज्य किस क्षेत्र में आता है; 24 घंटे पर ऊपरी सीमा राज्य के 601.4 mm के अभिलेख से कम है। खंड 2.3.3(a) की प्रति-जाँच प्रपत्र 2-1 में उपलब्ध नहीं के रूप में दर्ज की जाती है, और इस शोधपत्र का उपयोग मान, जाँच या न्यूनतम सीमा के रूप में नहीं किया जाता।

- (m) **पहले के डिजाइन मान.** राज्य के लिए मिले आँकड़े डिजाइन का स्रोत नहीं हैं। विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित धनबाद की वर्षा जल निकासी के लिए JUIDCO का प्रारूप पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव आकलन (नवंबर 2017) दर्ज करता है कि 5 और 2 वर्ष की पुनरावृत्ति अवधियों पर विचार किया गया था और यह कि "डिजाइन के लिए वर्ष में एक बार की बाढ़ आवृत्ति पर विचार किया गया है" ("a flood frequency of once in a year has been considered for the design"), क्योंकि बड़ी ड्रेनों के लिए उपलब्ध मार्गाधिकार (right of way) से बाहर भूमि की आवश्यकता थी, और वह CPHEEO की पुरानी आवृत्तियों "वर्ष में दो बार" ("twice a year") और "वर्ष में एक बार" ("once a year") का उल्लेख करता है। रांची में हरमू नदी का चैनल 25 वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि के लिए डिजाइन किया गया था और जुलाई 2016 और जुलाई 2017 में क्षति के बाद 50 वर्ष के लिए फिर से डिजाइन किया गया, जबकि नगरों की सुरक्षा के लिए IS 12094 की आवृत्ति 100-वर्ष है; उसके डिजाइन में ऐसा अपवाह गुणांक प्रयुक्त हुआ जिसे IIT बॉम्बे ने पहले विकसित क्षेत्र के लिए 0.95 बताया और फिर क्षेत्र-भारण (area-weighting) द्वारा घटाकर 0.29 कर दिया, जिससे चेनेज 10,400 m पर उसका 25-वर्ष का प्रवाह, 64.11 m^3/s, JUIDCO के अपने आँकड़ों से प्राप्त 177 m^3/s का लगभग एक-तिहाई है। रांची में ₹129.10 करोड़ में अनुबंधित 207 km की वर्षा जल ड्रेनों के लिए केवल 1.49 km के अनुदैर्ध्य काट (longitudinal sections) बनाए गए, जो अनुमोदित नहीं हुए, और ड्रेनों के ऐसे टुकड़े बने जो किसी ड्रेन नेटवर्क से नहीं जुड़े (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। कोयला खदानों की पर्यावरण स्वीकृति की शर्तें गारलैंड ड्रेनों का आकार "चरम आकस्मिक वर्षा और अधिकतम प्रवाह से ऊपर कम से कम 50% सुरक्षा मार्जिन" ("at least 50% safety margin over and above the peak sudden rainfall and maximum discharge") के साथ निर्धारित करती हैं, जो कोई पुनरावृत्ति अवधि नहीं है। इनके स्थान पर तालिका 2.1 की पुनरावृत्ति अवधियाँ और इस खंड की गहराइयाँ लागू होती हैं: इस मैनुअल के अंतर्गत कार्यों के लिए 1-वर्ष का आधार और CPHEEO की पुरानी आवृत्तियाँ अधिक्रमित (superseded) हैं, और अधिकांशतः शहरी जलग्रहण क्षेत्र को क्षेत्र-भारण द्वारा घटाकर ग्रामीण अपवाह गुणांक तक नहीं लाया जाता (अध्याय 3)। इन्हें व्यवहार के इतिहास के रूप में उद्धृत किया गया है।

- (n) **अन्य खंड.** जहाँ खंड 2.3.2, 2.6.1, 2.7.1 और 2.13, परिशिष्ट 2A से 2C और प्रपत्र 2-1 NIH-DHAARA मान का उल्लेख करते हैं, वहाँ इस खंड के अंतर्गत प्राप्त मान अभिप्रेत है।

भाष्य. NIH-DHAARA भारत सरकार की एक संस्था का राष्ट्रीय, सार्वजनिक रूप से सुलभ उत्पाद है, और राज्य के किसी भी बिंदु के लिए इससे मान प्राप्त किए जा सकते हैं। इससे यह एक ऐसा पुनरुत्पादनीय डिफॉल्ट बनता है जिसकी जाँच अनुमोदन प्राधिकारी कर सकता है। NIH-DHAARA के उप-दैनिक मान प्रति घंटा अभिलेखों से निकाले गए हैं, दैनिक योग से विभाजित नहीं किए गए। इससे यह ड्रेन के आकार निर्धारण के लिए उपयुक्त एकमात्र सार्वजनिक स्रोत बनता है, क्योंकि ड्रेन अल्पकालिक तीव्रता पर निर्भर करती हैं। फिर भी 24 घंटे और उससे अधिक की अवधि पर इसके मानों की जाँच IMD के लंबे दैनिक अभिलेख से की जानी चाहिए (परिशिष्ट 2A)। झारखंड में यह प्लेटफॉर्म अभी यह प्रयोजन पूरा नहीं करता। वहाँ इसके वर्तमान मान वर्षामापियों से नहीं, बल्कि IMDAA पुनर्विश्लेषण (लगभग 12 km) से आते हैं, और उनकी त्रुटि दोनों दिशाओं में है। रांची–हजारीबाग–लोहरदगा पठार पर इसकी 50-वर्ष की 24-घंटे की गहराइयाँ CWC प्लेटों और केंद्रों के अभिलेखों से बहुत कम हैं: हजारीबाग में 148 mm, जबकि प्लेट मान लगभग 240–280 mm है; लोहरदगा में 164 mm और गुमला में 172 mm; रांची में 196 mm, जबकि प्लेट मान लगभग 240 mm है और कांके में 332.6 mm और मांडर में 382.0 mm के अभिलेख हैं; और गिरिडीह में 205 mm, जबकि प्लेट मान लगभग 280 mm और अभिलेख 403.0 mm है। स्वर्णरेखा और दामोदर के निचले क्षेत्रों में और गंगा तटवर्ती क्षेत्र में वे प्लेटों से अधिक हैं: साहिबगंज में 368 mm, बोकारो में 317 mm, जमशेदपुर में 306 mm और चाईबासा में 298 mm, जबकि प्लेट मान लगभग 200–280 mm हैं। इसकी 50-वर्ष की 1-घंटे की गहराइयाँ इसकी 24-घंटे की गहराइयों की 0.20–0.32 हैं, जो राज्य के प्रत्येक CWC उप-क्षेत्र के अनुपात (0.35–0.39) से कम है; पठार पर रांची, हजारीबाग और लोहरदगा में वे 42–45 mm हैं, जो रांची में 1(g) की प्लेटों और अनुपातों से प्राप्त 84 mm का और 1971 में मांडर में 1 घंटे में हुई 99 mm वर्षा का लगभग आधा है (NIH-DHAARA, 7 नवंबर 2026 को देखा गया; IMD; CWC)। जो स्रोत इतने अंतर से त्रुटि करता हो, उसे अपनाया नहीं जा सकता, इसलिए खंड 2.3.6 परिशिष्ट 2A का कार्य पूरा होने तक CWC रिपोर्टों और IMD केंद्रों के लंबे अभिलेखों का उपयोग करता है, और NIH-DHAARA का

उपयोग केवल तुलना के लिए और जलवायु गुणकों की जाँच के रूप में करता है। झारखंड में, गंगा के मैदान के कुछ भागों की तरह, CWC के उप-दैनिक अनुपात मांडर, जमशेदपुर, घाटशिला और पालगंज में दर्ज अल्पकालिक वर्षाओं से कम मान देते हैं, और इसी कारण खंड 2.3.6(h) पूरे राज्य में 1 और 3 घंटे पर अनुपात-आधारित न्यूनतम सीमा, और JH-Z1 और JH-Z2 में वे निरपेक्ष न्यूनतम सीमाएँ निर्धारित करता है जिनका समर्थन वे वर्षाएँ करती हैं। मैदानों के विपरीत, राज्य में CWC के तीन उप-क्षेत्र मिलते हैं, जिन्हें कोई नदी नहीं, बल्कि बेसिनों के जल-विभाजक अलग करते हैं, और 3(d) और 1(g) के बीच की रेखा राजधानी के केंद्र से लगभग 15–30 km पश्चिम से गुजरती है, और इसी कारण खंड 2.3.6(c) रेखाओं के साथ-साथ और रांची के दक्षिण-पश्चिमी वार्डों में अधिक मान लागू करता है। राज्य के लिए मिले डिजाइन आँकड़े व्यवहार का इतिहास हैं, डिजाइन का आधार नहीं (खंड 2.3.6(m))। अधिक बार होने वाले AEP के अंतरिम नियम, 48- और 72-घंटे की गहराइयाँ, प्लेटों को पढ़ने की रीति, प्रत्येक नगर का उप-क्षेत्र, 1 घंटे से कम की अवधियाँ और (h) की न्यूनतम सीमाएँ इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। कई बिंदु अनसुलझे हैं। प्लेट के मान स्कैन पर आँख से, लगभग एक समोच्च रेखा की परिशुद्धता तक, पढ़े गए थे, और 1(g) की प्लेटें उलटी स्कैन की गई थीं; चाईबासा, लोहरदगा, और हजारीबाग और झालदा के बीच के निम्न कोष्ठों के लिए CWC और IMD से अंकीकृत (digitised) समवर्षा रेखाओं और वर्षामापियों की सूची की आवश्यकता है [TBC]। रांची के पश्चिमी वार्डों से होकर जाने वाली 3(d) की ठीक रेखा रिपोर्टों के सूचकांक मानचित्रों पर पढ़ी जानी है [TBC]। रांची वेधशाला का अभिलेख, 29 जून 1994 को 224.3 mm, 10–30 km दूर कांके और मांडर के जिला वर्षामापियों के 332.6 mm और 382.0 mm से बहुत कम है, इसलिए केवल वेधशाला पर आधारित डिजाइन वर्षा घटना पठार को कम आँकेगी [TBC]। 1986–2018 का जमशेदपुर का अधिकतम मान एक अध्ययन में 341.0 mm और IMD के केंद्र चरम मानों में 338.1 mm (18 जून 2008) दिया गया है [TBC]; मुसाबनी, गम्हरिया और प्रतापपुर (Pratappur) में मानसून-पूर्व तिथियों पर 400.0 और 500.0 mm के पूर्णांक मानों पर, और 10 अक्तूबर 1975 को गोपीकांदर (Gopikandar) में 500.0 mm पर, तब तक निर्भर नहीं रहा जाता जब तक IMD उनकी पुष्टि न करे [TBC]। इस मैनुअल के लिए धनबाद के प्रारूप आकलन के अतिरिक्त राज्य के किसी भी नगर की वर्षा जल ड्रेन की कोई DPR, उसकी डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि और वर्षा विश्लेषण सहित, नहीं मिली [TBC]।

2.4 डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि (सारांश)

2.4.1 डिजाइन AEP प्रत्येक घटक के लिए संबंधित अध्यायों में निर्धारित हैं। उनका सारांश यहाँ दिया गया है ताकि डिजाइन के आरंभ में ही सही वर्षा निकाली जा सके।

तालिका 2.1 — डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि (सारांश)

घटक	डिजाइन AEP (पुनरावृत्ति अवधि)	जाँच घटना	अध्याय
लघु ड्रेन: रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो और देवघर के केंद्रीय भाग और उच्च-घनत्व क्षेत्र	10% (10-वर्ष)	1% (100-वर्ष) सतही प्रवाह मार्ग	6
लघु ड्रेन: अन्य श्रेणी I शहरी क्षेत्र	20% (5-वर्ष)	1% सतही प्रवाह मार्ग	6
लघु ड्रेन: अन्य क्षेत्र	50% (2-वर्ष)	1% सतही प्रवाह मार्ग	6
धमनी सड़कें और क्रॉसिंग	2–4% (25–50-वर्ष)	अगला उच्चतर AEP	6
संग्राहक / स्थानीय सड़कें	4% / 10% (25 / 10-वर्ष)	2% / 4% (50 / 25-वर्ष), साथ में 1% सतही प्रवाह मार्ग	6
प्रमुख (सतही) प्रणाली	1% (100-वर्ष)	—	6
प्रतिधारण आयतन	दैनिक वर्षा का शततमक (खंड 2.10)	—	4

घटक	डिजाइन AEP (पुनरावृत्ति अवधि)	जाँच घटना	अध्याय
अस्थायी भंडारण: मानक जलग्रहण क्षेत्र	50%, 10%, 1% (2, 10, 100-वर्ष)	1% आपातकालीन स्पिलवे	4
अस्थायी भंडारण: बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र	मिश्रित-आवृत्ति नियम, खंड 2.11	1%	4
भवनों के फर्श स्तर	1% + 0.5 m फ्रीबोर्ड	—	6
अस्थायी भंडारण का आपातकालीन स्पिलवे	1%, आउटलेट अवरुद्ध मानकर	0.2% (500-वर्ष), जहाँ जोखिम अधिक हो	4

भाष्य. ये मान CPHEEO (2019) के राष्ट्रीय परामर्शी न्यूनतम मानों, 5-वर्ष (श्रेणी I शहर) और 2-वर्ष (अन्य क्षेत्र), से अधिक हैं। CPHEEO राज्य को उच्चतर मान निर्धारित करने की अनुमति देता है। ये मान अध्याय 4 और 6 में निर्धारित हैं, और सुविधा के लिए तालिका यहाँ दोहराई गई है।

2.5 डिजाइन अवधियाँ

2.5.1 **वहन घटकों** (पाइप, खुली ड्रेन, इनलेट, पुलिया) का डिजाइन योगदान देने वाले क्षेत्र के सांद्रण समय (Tc) के बराबर अवधि की तीव्रता से किया जाएगा (अध्याय 3)। न्यूनतम अवधि **10 मिनट** है।

2.5.2 **भंडारण घटकों** (अस्थायी भंडारण, प्रतिधारण, तालाब, पंप वाले संप) की जाँच समुच्चय {1, 2, 3, 6, 12, 24, 48, 72 h} की प्रत्येक अवधि के लिए की जाएगी। सबसे बड़ा आवश्यक भंडारण या जल स्तर लागू होगा। क्रांतिक अवधि का परिणाम जो भी हो, 24-, 48- और 72-घंटे की वर्षा घटनाएँ प्रत्येक साइट पर **अनिवार्य** जाँच हैं।

2.5.3 **ज्वार से प्रभावित आउटफॉल.** ज्वार से प्रभावित आउटफॉल (अध्याय 5) में खाली होने वाले भंडारण के लिए 48- और 72-घंटे की वर्षा घटनाओं को खंड 2.12 की टेलवाटर सीमा-स्थिति के साथ भी चलाया जाएगा।

भाष्य. झारखंड की सबसे बुरी बाढ़ें बहु-दिवसीय वर्षा घटनाओं से और पहले से भरी नदियों से आई हैं। 16–17 सितंबर 1976, 26–28 सितंबर 1978, 27–28 सितंबर 1995 और 20–21 सितंबर 2000 के बंगाल की खाड़ी के अवदाबों ने एक साथ कई वर्षामापियों पर 250 mm से अधिक वर्षा की और राज्य की नदियों के अधिकांश उच्चतम बाढ़ स्तर बनाए, जिनमें डालटनगंज पर उत्तरी कोयल (1976), रामगढ़ पर दामोदर (1978), नंदाडीह (Nandadih) पर बराकर (1995) और महारो (Maharo) पर मयूराक्षी (2000) सम्मिलित हैं (IMD; CWC, प्रतिलिपि के अनुसार); इनमें से पहले अवदाब में चंदवा के स्व-अभिलेखी वर्षामापी पर 24 घंटों में 389 mm दर्ज हुई (CWC FER 1(g))। मासिक अभिलेख दर्शाते हैं कि एक ही महीना कितनी वर्षा ला सकता है: जुलाई 1920 में डालटनगंज में 1,219.7 mm, जुलाई 1929 में चाईबासा में 974.1 mm, सितंबर 1995 में हजारीबाग में 963.2 mm और जून 1991 में जमशेदपुर में 821.6 mm (IMD); जून 2025 में रांची जिले में 125.7 mm के सामान्य के मुकाबले 23 दिनों में 459 mm वर्षा हुई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। नगरों की ड्रेनों का पानी लेने वाली नदियाँ अपने ऊपर के डैमों के कारण कई दिनों तक ऊँची रहती हैं, जैसे 17 सितंबर 2024 को, जब दामोदर घाटी पर कई दिनों की वर्षा के बाद मैथन और पंचेत से संयुक्त निकास लगभग 2.5 लाख क्यूसेक तक पहुँच गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। जहाँ आउटफॉल अवरुद्ध होता है, वहाँ भंडारण पूरी गीली अवधि से भरता है, केवल उसके चरम घंटे से नहीं। केवल क्रांतिक अवधि पर आधारित नियम, किसी छोटी साइट पर लागू करने पर, 1–2 घंटे की वर्षा घटना चुनता है और विफलता के इस रूप को चूक जाता है। इसी कारण लंबी अवधि की जाँचें अनिवार्य हैं।

2.6 उप-दैनिक वर्षा

2.6.1 जहाँ NIH-DHAARA या कोई अनुमोदित केंद्र IDF अपेक्षित अवधि के लिए सीधे मान देता है, वहाँ वही मान प्रयुक्त किए जाएँगे।

2.6.2 जहाँ 24 घंटे से कम की किसी अवधि के लिए केवल दैनिक (24-घंटे की) गहराइयाँ उपलब्ध हैं, वहाँ उप-दैनिक गहराई **परिशिष्ट 2B के अनुपात समुच्चय** से निकाली जाएगी। ये झारखंड के स्व-अभिलेखी वर्षामापियों से अंशांकित (calibrated) अवधि-से-24-घंटे के अनुपात हैं। ये उप-क्षेत्र (1(g), 1(d) या 3(d)) की CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट के अनुपातों से कम नहीं होंगे। IMD Das et al. (2022) में झारखंड के किसी केंद्र का पैनल नहीं है और झारखंड में इसे न्यूनतम सीमा के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जाता।

2.6.3 **नियत-अंतराल समायोजन.** नियत प्रेक्षण अवधियों से प्राप्त गहराइयों (उदाहरण के लिए 08:30–08:30 IST के दैनिक आँकड़े, या घड़ी के घंटे के आँकड़े) को खिसकती अवधि (sliding-window; "वास्तविक अंतराल", "true interval") की गहराइयों में परिवर्तित किया जाएगा:

- एक नियत प्रेक्षण अंतराल के लिए 1.13;
- 2 अंतरालों के लिए 1.04;
- 3–4 अंतरालों के लिए 1.02।

जहाँ अनुमोदित स्रोत पहले से ही वास्तविक-अंतराल मान देता है, वहाँ यह समायोजन लागू नहीं होता।

2.6.4 आनुभविक संबंध P(t) = P(24)·(t/24)^(1/3) का उपयोग डिजाइन के लिए तब तक नहीं किया जाएगा जब तक परिशिष्ट 2B संबंधित जोन के लिए उसकी पुष्टि न करे।

> **भाष्य.** एक-तिहाई घात का नियम भारतीय परियोजना रिपोर्टों में आम है, किंतु इस मैनुअल के लिए किए गए शोध में इसका कोई प्राथमिक IMD स्रोत नहीं मिला। यह हर स्थान पर वक्र का एक ही नियत आकार लागू करता है: P(1h)/P(24h) = 0.35, P(3h) = 0.50, P(6h) = 0.63 और P(12h) = 0.79। यह अल्पकालिक संवहनी (convective) तीव्र बौछार और दक्षिण-पश्चिम मानसून की लंबी झड़ी के अंतर को नहीं दर्शा सकता, और तटीय संवहनी वर्षा घटनाओं में अल्पकालिक गहराइयों को कम आँकने की प्रवृत्ति रखता है। परिशिष्ट 2B में जोनवार NIH-DHAARA अनुपात P(t)/P(24h) इन मानों के सामने सारणीबद्ध किए जाएँगे। उस तुलना से पता चलता है कि यह नियम राज्य में कहीं स्वीकार्य है या नहीं, और उससे पुराने दैनिक-आधारित विश्लेषण सुधरते हैं। नियत-अंतराल गुणक मानक WMO (हर्शफील्ड, Hershfield) मान हैं। IMD का 2022 का अध्ययन घड़ी के घंटे से किसी भी घंटे के लिए इसी प्रकार के संशोधन लागू करता है।

2.7 बिंदु, ग्रिड और क्षेत्रीय वर्षा

2.7.1 डिजाइन गहराइयाँ बिंदु मान हैं। जहाँ कोई अनुमोदित स्रोत ग्रिड-औसत मान (उदाहरण के लिए 0.25° के सेल) देता है, वहाँ उपयोग से पहले उन्हें परिशिष्ट 2C के ग्रिड-से-बिंदु गुणकों से बिंदु मानों में परिवर्तित किया जाएगा।

2.7.2 **≤ 10 km²** के जलग्रहण क्षेत्रों के लिए ARF = 1.0।

2.7.3 **> 10 km²** के जलग्रहण क्षेत्रों के लिए ARF निम्नानुसार लागू करें:

- उप-क्षेत्र 1(d), 1(g) या 3(d) में 25–5,000 km² के लिए: लागू CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट के ARF वक्रों का उपयोग करें;
- 10–25 km² के लिए: 10 km² पर ARF = 1.0 और 25 km² पर CWC मान के बीच रैखिक अंतर्वेशन करें।

2.7.4 किसी एकल विकास साइट के भंडारण डिजाइन पर ARF कभी लागू नहीं किया जाएगा।

भाष्य. ग्रिड-आधारित और जिला-औसत पुनरावृत्ति स्तर बिंदु मानों से बहुत कम होते हैं। उदाहरण के लिए, हजारीबाग में NIH-DHAARA का IMDAA सेल (लगभग 12 km) 148 mm की 50-वर्ष की 24-घंटे की गहराई देता है, जबकि हजारीबाग वेधशाला पर 24 जून 1911 को 249.2 mm दर्ज हुई, और रांची में उसका सेल 196 mm देता है, जबकि उसी जिले में कांके और मांडर के वर्षामापियों पर 332.6 mm (5 जुलाई 1998) और 382.0 mm (11 जुलाई 1990) दर्ज हुई (NIH-DHAARA, 7 नवंबर 2026 को देखा गया; IMD)। निचले क्षेत्रों में त्रुटि दूसरी दिशा में है: चाईबासा में सेल 298 mm देता है, जो चाईबासा के IMD केंद्र पर लगभग 130 वर्षों के अभिलेख के सबसे अधिक वर्षा वाले दिन, 241.0 mm, से अधिक है। एकल वर्षा घटनाएँ इतने छोटे पैमाने पर असमान होती हैं जिसे लगभग 12 km का कोई भी सेल नहीं दर्शा सकता: 27 मई 2021 को 08:30 बजे तक के 24 घंटों में, चक्रवात यास के दौरान, चाईबासा में 21 cm और लगभग 60 km दूर जमशेदपुर में 11 cm वर्षा हुई (IMD)। परिशिष्ट 2C के गुणकों के बिना इनमें से किसी भी त्रुटि को ठीक नहीं किया जा सकता। ग्रिड मानों को बिना संशोधन के बिंदु मानों के रूप में प्रयुक्त करने से साइट-स्तरीय डिजाइन असुरक्षित हो जाएगा।

2.8 जलवायु गुणक

2.8.1 जब तक भविष्य की जलवायु के लिए राज्यव्यापी वर्षा उत्पाद अंगीकार नहीं किया जाता, तब तक वर्तमान डिजाइन गहराइयों को निम्नलिखित अंतरिम जलवायु गुणकों से गुणा किया जाएगा:

तालिका 2.2 — अंतरिम जलवायु गुणक

अवधि	जलवायु गुणक (CF)
≤ 6 h	**1.20**
> 6 h से 72 h	**1.10**

2.8.2 CF 25 वर्ष से अधिक डिजाइन आयु वाले सभी घटकों पर लागू होता है। अस्थायी कार्यों (डिजाइन आयु ≤ 5 वर्ष) के लिए CF = 1.0।

2.8.3 जलवायु गुणक प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई (खंड 2.10) या जल गुणवत्ता आयतन की गहराई (अध्याय 8) पर लागू नहीं होता। वे गहराइयाँ रोजमर्रा की वर्षा के शततमक या बार-बार होने वाली घटनाओं की सांख्यिकी हैं, AEP डिजाइन मान नहीं।

2.8.4 जहाँ NIH-DHAARA, या खंड 2.14 के अंतर्गत समीक्षा पर अंगीकृत कोई उत्पाद, भविष्य की जलवायु की प्रक्षेपित गहराइयाँ देता है, वहाँ वे गहराइयाँ अंतरिम गुणकों का स्थान लेंगी।

भाष्य. CPHEEO (2019) राष्ट्रीय स्तर पर नियत जलवायु गुणक को "व्यवहार्य नहीं" ("not feasible") मानता है और उसके स्थान पर प्रवृत्ति परीक्षण की सिफारिश करता है। इससे डिजाइनकर्ताओं के पास कोई प्रयोग योग्य संख्या नहीं रहती। 1.20 का अल्पकालिक गुणक CPHEEO द्वारा स्वयं उद्धृत UK मान के अनुरूप है। यह भारत के लिए प्रकाशित प्रक्षेपणों के बराबर या उनसे कम है: Ali और Mishra (2018) 1.5 °C तापन पर 3-घंटे के 100-वर्ष के अधिकतम मानों में लगभग 20% और 2.0 °C पर 25% वृद्धि का प्रक्षेपण करते हैं। झारखंड में कोई डिजाइन वृद्धि गुणक अंगीकार नहीं किया गया है; जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्य योजना (2014) एक परिदृश्य में सदी के अंत तक लगभग 20% अधिक वर्षा का और दूसरे में कम से कम 10 अधिक वर्षा वाले दिनों का प्रक्षेपण करती है, और यह उल्लेख करती है कि राज्य के "शहरों के डिजाइनों में नियोजित जल निकासी प्रणालियों का कोई प्रावधान नहीं है" ("city designs have no provisions for planned water drainages systems"), किंतु कोई गुणक नहीं देती, और कोई संशोधित योजना नहीं मिली [TBC]। प्रवृत्तियों के प्रमाण अलग-अलग दिशाओं की ओर संकेत करते हैं। 1901–2018 का एक अध्ययन पाता है कि राज्य पर मानसून वर्षा में उल्लेखनीय कमी आई, लगभग 13 mm प्रति दशक, और यह कि भारी वर्षा वाले दिनों की संख्या रांची में घटी और जमशेदपुर में बढ़ी (Sharma & Kotal, 2022)। हाल के चरम मान कम नहीं हुए हैं: रांची (A) (1994), कांके (1998), तालझारी (1999), कैरो (Kairo) (2000) और जमशेदपुर (A) (2008)

ने पिछले तीन दशकों में अपने सर्वाधिक दैनिक मान दर्ज किए (IMD), 2025 की ऋतु सामान्य से 17% अधिक रही और उसमें भारी से अत्यंत भारी वर्षा के 68 दिन थे, और 14 अगस्त 2026 को बरवाडीह में 318.0 mm दर्ज हुई (IMD)। मैदानों की तरह, योग नहीं बढ़ रहे जबकि अल्पकालिक वर्षाएँ बढ़ रही हैं, इसलिए वृद्धि का सबसे अधिक महत्व अल्प अवधियों पर है, जहाँ 1(g) के अनुपात पहले से ही दर्ज तीव्र बौछारों को कम आँकते हैं (खंड 2.3.6(h))। NIH-DHAARA एक प्रक्षेपण देता है, किंतु उसी मॉडल का कोई ऐतिहासिक रन नहीं देता, इसलिए भविष्य और वर्तमान गहराइयों का कोई अनुपात नहीं बनाया जा सकता; खंड 2.3.6(k) के अंतर्गत यह केवल जाँच का काम करेगा। अतः तालिका 2.2 के गुणक अंतरिम मान हैं, झारखंड के अनुमान नहीं।

2.9 कालिक वितरण (डिजाइन हायटोग्राफ)

2.9.1 **24 घंटे तक की वर्षा घटनाएँ.** नेस्टेड **ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक** विधि (alternating block method) का उपयोग करें:

- वर्षा घटना को उसी IDF संबंध से (जलवायु गुणक लगाने के बाद) ऐसे समय पदों पर बनाएँ जो Tc/3 से अधिक न हों और 15 मिनट से अधिक न हों;
- चरम ब्लॉक को वर्षा घटना की अवधि के **50%** पर रखें।

2.9.2 **48- और 72-घंटे की वर्षा घटनाएँ (दक्षिण-पश्चिम मानसून पैटर्न).** निम्नानुसार बनाएँ:

- (a) वर्षा घटना की कुल गहराई पूरी अवधि (48 या 72 h) की डिजाइन गहराई के बराबर होती है।
- (b) **अंतिम 24 घंटों** में समान AEP की 24-घंटे की डिजाइन गहराई होती है, जो 2.9.1 की ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक विधि से वितरित की जाती है।
- (c) शेष गहराई (कुल में से 24-घंटे की गहराई घटाकर) पिछले 24 या 48 घंटों में समान रूप से फैलाई जाती है।

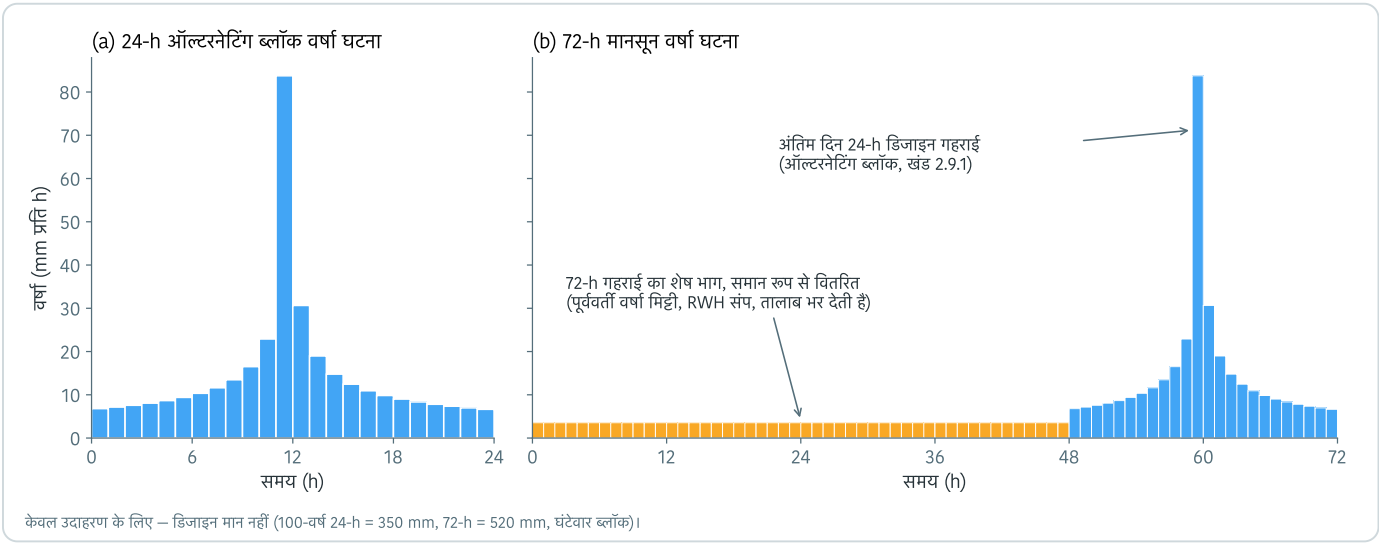

चित्र 2.2 — (a) 24-घंटे की ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक डिजाइन वर्षा घटना; (b) 72-घंटे की दक्षिण-पश्चिम मानसून डिजाइन वर्षा घटना, जिसमें 24-घंटे की डिजाइन गहराई अंतिम दिन पर है। गहराइयाँ केवल उदाहरण के लिए। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग। ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक विधि Chow, Maidment & Mays, Applied Hydrology (1988), §14.4 के अनुसार है।

2.9.3 **अन्य कालिक वितरण.** झारखंड की वर्षा घटनाओं से निकाले गए हफ (Huff) प्रकार या संचयी वक्र (mass-curve) पैटर्न का उपयोग 2.9.1 और 2.9.2 के स्थान पर केवल परिशिष्ट 2D में उनके प्रकाशित होने के बाद किया जा सकता है। SCS Type I, IA, II और III वितरणों का उपयोग नहीं किया जाएगा।

2.9.4 **बड़े जलग्रहण क्षेत्र.** 25–5,000 km² के जलग्रहण क्षेत्रों के लिए CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट के समय-वितरण वक्रों का उपयोग किया जा सकता है, और 2.9.1 के साथ एक संवेदनशीलता रन (sensitivity run) प्रस्तुत किया जाएगा।

> **भाष्य.** ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक वर्षा घटना प्रत्येक कम अवधि की डिजाइन तीव्रता को एक ही हायटोग्राफ में समाहित करती है। इससे यह सुरक्षित पक्ष की (conservative) और सभी अवधियों में सुसंगत बनती है। 72-घंटे का पैटर्न सबसे तीव्र दिन को अंत में रखता है। यह झारखंड के मानसून के क्रम को दोहराता है: जब तक अगस्त और सितंबर में सबसे बड़ी वर्षाएँ आती हैं, तब तक ग्रेनाइट-नीस के ऊपर की पतली मिट्टियाँ और दोन (don) की निचली भूमि संतृप्त हो चुकी होती हैं, अधिकांश कुओं में भूजल स्तर भूतल से कुछ मीटर के भीतर होता है (CGWB), तालाब (talab), डैम और खदान के गड्ढे भरे होते हैं, और पठार पर हुई वर्षा से और चांडिल, ओडिशा में खरकई पर बने डैमों और DVC के जलाशयों से छोड़े गए पानी से ऊँची हुई स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर और गंगा पहले ही आउटफॉलों को अवरुद्ध कर रही हो सकती हैं। SCS वितरण इसलिए बाहर रखे गए हैं क्योंकि वे अमेरिका की संवहनी और खाड़ी (Gulf) वर्षा घटनाओं के आँकड़ों से बने हैं और झारखंड के अभिलेखों में उनका कोई आधार नहीं है।

2.10 प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई

2.10.1 **प्रतिधारण डिजाइन गहराई** 24-घंटे की वर्षा की वह गहराई है जो दीर्घकालिक अभिलेख में वर्षा वाले (≥ 2.5 mm) **90%** दिनों में पार नहीं होती, और इसे परिशिष्ट 2E के जोन मान से पढ़ा जाता है।

2.10.2 साइट को इस गहराई से उत्पन्न अपवाह को साइट पर ही प्रतिधारित करना होगा (अध्याय 4)। प्रतिधारण से अस्थायी भंडारण क्रेडिट मिलता है, जो प्रतिधारण को यथास्थान रखकर रूटिंग करने पर आवश्यक अस्थायी भंडारण में पाई गई कमी के बराबर होता है (खंड 4.4.6)। यह क्रेडिट प्रतिधारित आयतन को एक-के-बदले-एक घटाना नहीं है।

> **भाष्य.** यह Kansas City Metro APWA 5600 (2025.01) की आवश्यक प्रतिधारण आयतन (Required Retention Volume) अवधारणा और जॉर्जिया के 1.0-इंच अपवाह कमी मानक के अनुसार है। दोनों शततमक वर्षा घटनाओं पर आधारित हैं। शततमक गहराई रोजमर्रा की वर्षा की सांख्यिकी है, AEP मान नहीं, इसलिए इसकी गणना आवृत्ति वक्रों से नहीं बल्कि दैनिक अभिलेख से की जाती है।

2.11 विकास-पूर्व और विकास-पश्चात तुलना के लिए डिजाइन वर्षा घटनाएँ

2.11.1 **दोनों परिदृश्यों के लिए एक ही वर्षा घटना.** विकास-पूर्व और विकास-पश्चात रन में एक ही डिजाइन वर्षा घटनाएँ प्रयुक्त की जाएँगी:

- वही AEP, अवधि, कालिक वितरण और जलवायु गुणक;
- वही पूर्ववर्ती नमी स्थिति (AMC) (खंड 2.11.4)।

दोनों रन केवल भू-सतह प्राचलों और Tc में भिन्न होते हैं।

2.11.2 **मानक जलग्रहण क्षेत्र.** 50%, 10% और 1% AEP की प्रत्येक वर्षा घटना और खंड 2.5.2 की प्रत्येक अवधि के लिए:

> $Q_{post}(T) \le 0.9 \times Q_{pre}(T)$

2.11.3 **बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र** (जैसा अध्याय 4 में सूचीबद्ध है: हरमू का जलग्रहण क्षेत्र और रांची की निचली कॉलोनियाँ, जमशेदपुर में स्वर्णरेखा–खरकई के तट, धनबाद–झरिया की भू-धंसान पट्टी, साहिबगंज और राजमहल में गंगा तटवर्ती क्षेत्र, देवघर की ड्रेनें, और प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित कोई भी जलग्रहण क्षेत्र)। **मिश्रित-आवृत्ति नियम** (mixed-frequency rule) लागू होता है:

> Q_post(1% AEP, 100-yr) ≤ Q_pre(10% AEP, 10-yr), और Q_post(50% AEP, 2-yr) ≤ Q_pre(50% AEP, 2-yr),

विकास-पश्चात चरम प्रवाह की जाँच खंड 2.5.2 की प्रत्येक अवधि के लिए की जाती है। सीमाएँ **विकास-पूर्व क्रांतिक अवधि** पर ली जाती हैं। 10-वर्ष की सीमा सभी अवधियों में विकास-पूर्व 10-वर्ष का सबसे बड़ा चरम प्रवाह है, और 2-वर्ष की सीमा सभी अवधियों में विकास-पूर्व 2-वर्ष का सबसे बड़ा चरम प्रवाह है। प्रत्येक सीमा विकास-पश्चात की प्रत्येक अवधि पर लागू होती है।

2.11.4 **पूर्ववर्ती नमी.** परिशिष्ट 2A के उप-भाग JH-C दामोदर कोयला क्षेत्र पट्टी, JH-D स्वर्णरेखा–खरकई निचला क्षेत्र और कोल्हान या JH-E संथाल परगना और गंगा तटवर्ती क्षेत्र में स्थित साइट पर, या राज्य में कहीं भी किसी नदी के डूब क्षेत्र पर, 1 जुलाई से 30 सितंबर तक, और उप-भाग JH-A रांची पठार (स्वर्णरेखा का उद्गम क्षेत्र), JH-B हजारीबाग–कोडरमा–गिरिडीह पठार और पारसनाथ, JH-G दक्षिण-पश्चिमी पठार (ब्राह्मणी का उद्गम क्षेत्र) या JH-F पलामू–लातेहार–गढ़वा (उत्तरी कोयल–सोन) में स्थित साइट पर जुलाई और अगस्त में, प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना के लिए, उसकी अवधि जो भी हो, **AMC III** (गीली स्थिति) का उपयोग करें। किसी अन्य साइट या समय पर ऐसी डिजाइन वर्षा घटना के लिए AMC III का उपयोग करें जो 53 mm से अधिक के 5-दिवसीय वर्षा योग के बाद आती हो या उसे अपने भीतर रखती हो। अन्य प्रत्येक वर्षा घटना के लिए AMC II (औसत स्थिति) का उपयोग करें। डिजाइन के लिए AMC I का उपयोग नहीं किया जाता।

2.11.5 **विकास-पूर्व स्थिति.** विकास-पूर्व स्थिति अध्याय 3 में परिभाषित है: अविकसित खुली भूमि (greenfield), अर्थात मानचित्रित जलवैज्ञानिक मृदा समूह के लिए अच्छी दशा वाली खुली भूमि। विद्यमान अपारगम्य आवरण को विकास-पूर्व स्थिति में नहीं गिना जाता।

> **भाष्य.** प्रत्येक साइट के विकास-पश्चात चरम प्रवाह को उसी साइट के विकास-पूर्व चरम प्रवाह के बराबर करने से जलग्रहण क्षेत्र की रक्षा नहीं होती। डेनवर के विश्लेषण में पाया गया कि प्रत्येक साइट पर 100% मिलान करने पर भी अनुप्रवाह में ऐतिहासिक चरम प्रवाह का 106% उत्पन्न हुआ, जिससे 90% का नियम बना। मिश्रित-आवृत्ति नियम इससे अधिक कठोर है। यह 100-वर्ष की विकास-पश्चात निकासी को उस प्रवाह तक सीमित करता है जो अविकसित साइट 10-वर्ष की वर्षा घटना में उत्पन्न करती थी। मलेशिया (DID 2008: सभी ARI ≤ विकास-पूर्व 2-वर्ष) इस प्रकार की सीमा का एक उष्णकटिबंधीय पूर्व-उदाहरण है। लंबी वर्षा घटनाओं के लिए AMC III इस तथ्य को दर्शाता है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की चरम वर्षाएँ हफ्तों की वर्षा के बाद आती हैं। झारखंड में भूमि की नमी भू-भाग और ऋतु का अनुसरण करती है। दामोदर कोयला क्षेत्र, स्वर्णरेखा और खरकई के निचले क्षेत्रों और संथाल परगना (JH-C, JH-D और JH-E) में सबसे भारी वर्षा घटनाएँ देर से आती हैं: 26–28 सितंबर 1978, 27–28 सितंबर 1995, 24–25 सितंबर 1999 और 20–21 सितंबर 2000 की अनेक वर्षामापियों पर फैली वर्षा घटनाओं ने वहाँ अभिलेख की सबसे बड़ी वर्षाएँ दीं, जिनमें तालझारी में 601.4 mm और कैरो (Kairo) में 520.0 mm सम्मिलित हैं, और उनकी नदियों के अधिकांश उच्चतम बाढ़ स्तर बनाए (IMD; CWC, प्रतिलिपि के अनुसार); भू-धंसान गर्त और खदान के गड्ढे पूरी ऋतु पानी रोके रखते हैं; और गंगा की दियारा (diara) भूमि प्रत्येक वर्ष डूबती है। पठार (JH-A, JH-B और JH-G) और पलामू (JH-F) में जुलाई और अगस्त सबसे अधिक वर्षा वाले महीने हैं, जिनमें राज्य की वार्षिक वर्षा का लगभग आधा भाग होता है (IMD), और ग्रेनाइट-नीस के ऊपर की पतली मिट्टियाँ जल्दी संतृप्त हो जाती हैं, और इसी कारण CWC रिपोर्ट में उसके पहाड़ी क्षेत्र की हानि दर (loss rate) केवल 2.7 mm/h है, जो रांची के एक जलसंभर की मिट्टियों पर मापी गई 28–62 mm/h का दसवाँ भाग या उससे कम है (Baxla et al., 2001); नवंबर 2022 में, मानसून के बाद, राज्य के अधिकांश प्रेक्षण कुओं में भूजल स्तर भूतल से 2–5 m के भीतर था (CGWB)। इसलिए यह मैनुअल JH-C, JH-D और JH-E में और कहीं भी नदियों के डूब क्षेत्रों पर 1 जुलाई से 30 सितंबर तक, JH-A, JH-B, JH-F और JH-G में जुलाई और अगस्त में, और किसी अन्य साइट या समय पर केवल 53 mm से अधिक के 5-दिवसीय योग के बाद, जो AMC III के लिए NRCS की वृद्धि-ऋतु (growing-season) सीमा है, AMC III लेता है; अन्यथा AMC II (खंड 2.11.4)। AMC I का उपयोग नहीं किया जाता, ऊपरी भूमि की गहरी मिट्टियों पर भी नहीं, क्योंकि निर्णायक वर्षा घटनाएँ हफ्तों की वर्षा के बाद आती हैं। ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित अंतरिम विकल्प हैं; राज्य के किसी भी अध्ययन ने अभी तक प्रेक्षित अपवाह से AMC वर्गों का वैधीकरण नहीं किया है।

> **मिश्रित-आवृत्ति नियम का उदाहरणार्थ परिमाण.** नीचे दिए गए मान डिजाइन मान नहीं हैं। इनमें रांची में हरमू नदी पर स्थित एक कॉलोनी में 2 ha की साइट मानी गई है, जिसमें 24-h गहराइयाँ 200 mm (10-वर्ष) और 350 mm (100-वर्ष), Ia = 0.2S के साथ SCS-CN अपवाह, और विकास-पूर्व CN 70 तथा विकास-पश्चात CN 92 हैं:

तालिका 2.3 — मिश्रित-आवृत्ति नियम का उदाहरणार्थ परिमाण (डिजाइन मान नहीं)

स्थिति	अपवाह की गहराई	अपवाह आयतन (2 ha)
विकास-पूर्व, 10-वर्ष 24 h	111 mm	2,210 m^3
विकास-पश्चात, 100-वर्ष 24 h	325 mm	6,500 m^3

विकास-पश्चात 100-वर्ष की वर्षा घटना विकास-पूर्व 10-वर्ष की वर्षा घटना से लगभग तीन गुना अपवाह आयतन उत्पन्न करती है। विकास-पूर्व 10-वर्ष के स्तर पर चरम दर की सीमा का अर्थ है कि अधिकांश अंतर को भंडारित करके धीरे-धीरे छोड़ना होगा, इसलिए साइट के प्रति m^2 लगभग 0.2 m^3 के क्रम का भंडारण आवश्यक हो सकता है। इसी कारण यह नियम केवल बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों में लागू होता है (खंड 2.11.3); अन्यत्र खंड 2.11.2 का 0.9 × Q_pre नियम लागू होता है।

2.12 टेलवाटर के साथ संयुक्त घटना

2.12.1 ज्वारीय या नदी के पश्चजल (backwater) प्रभाव वाले आउटफॉल के लिए इस अध्याय की डिजाइन वर्षा को अध्याय 5 की टेलवाटर स्थितियों के साथ निम्नानुसार संयोजित किया जाएगा। अधिक गंभीर स्थिति लागू होगी।

- (a) डिजाइन वर्षा (अपेक्षित AEP) के साथ वृहत् ज्वार का औसत उच्च जल स्तर (MHWS) टेलवाटर और समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई।
- (b) 10% AEP (10-वर्ष) की 48-घंटे की वर्षा घटना के साथ 1% AEP का स्थिर जल स्तर (ज्वार और तूफानी महोर्मि) और समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई।

झारखंड का कोई तट नहीं है, इसलिए राज्य का कोई आउटफॉल ज्वारीय नहीं है और स्थितियाँ (a) और (b) उत्पन्न नहीं होतीं। टेलवाटर वह नदी, जलाशय या तालाब (talab) है जिसमें कोई नगर अपना पानी छोड़ता है, और कोयला क्षेत्रों में कोई खदान का गड्ढा या भू-धंसान गर्त। नदी या जलाशय के पश्चजल वाले आउटफॉल के लिए साइट की वर्षा घटना को खंड 5.8.4 के अंतर्गत प्राप्तकर्ता जलाशय के स्तर के साथ संयोजित किया जाता है, जो स्थिति (b) की ही तरह एक ओर डिजाइन घटना को दूसरी ओर 10-वर्ष की घटना के साथ जोड़ता है। नदी का जल स्तर निकटतम CWC स्थल पर पढ़ा जाता है, CWC की सूची की प्रतिलिपि के अनुसार: जमशेदपुर पर स्वर्णरेखा के लिए चेतावनी स्तर 122.5 m, खतरे का स्तर 123.5 m और उच्चतम बाढ़ स्तर (HFL) 129.82 m (12 अक्तूबर 1973); आदित्यपुर पर खरकई के लिए HFL 137.8 m (18 जून 2008); रांची के नीचे मूरी पर स्वर्णरेखा के लिए HFL 238.12 m (9 जुलाई 2008); साहिबगंज (Sahibganj) पर गंगा के लिए 26.25 m, 27.25 m और 30.91 m (20 अगस्त 1998); डालटनगंज पर उत्तरी कोयल के लिए 208 m, 209 m और 210.91 m (17 सितंबर 1976); दामोदर के लिए रामगढ़ पर खतरे का स्तर 307.51 m और HFL 316.68 m (26 सितंबर 1978), और पुपुनकी (Pupunki) पर 153.5 m और 160.05 m (21 अगस्त 1976); और बरकीसुरैया (Barkisuriya) पर बराकर के लिए खतरे का स्तर 289.4 m और HFL 292.32 m (17 सितंबर 2004; एक पुरानी सूची 25 सितंबर 2007 को 291.54 m देती है [TBC])। पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन अपने खतरे के निशान प्रयुक्त करता है, मानगो पुल पर स्वर्णरेखा के लिए 121.50 m और आदित्यपुर पुल पर खरकई के लिए 129 m (प्रकाशित खबरों के अनुसार); इनका CWC के स्तरों से मिलान नहीं किया गया है, और दोनों समुच्चयों को कभी भी एक गणना में मिलाया नहीं जाएगा [TBC]। नदियाँ विनियमित हैं: स्वर्णरेखा रांची के ऊपर गेतलसूद डैम (CWC की सूची में जलाशय का पूर्ण जल स्तर 590.06 m) और जमशेदपुर के ऊपर चांडिल डैम से, खरकई ओडिशा के डैमों से, दामोदर तेनुघाट से और DVC के तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत से, जिनमें मैथन और पंचेत का संयुक्त निकास 17 सितंबर 2024 को लगभग 2.5 लाख क्यूसेक तक पहुँचा (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और गंगा फरक्का के पश्चजल से। मैथन (150.88 m) और पंचेत (132.59 m) के लिए CWC के "जलाशय के पूर्ण

जल स्तर" ("full reservoir levels") DVC के अधिकतम बाढ़ स्तर हैं, उसके संरक्षण स्तर नहीं, इसलिए प्रयुक्त प्रत्येक जलाशय स्तर के साथ यह बताया जाता है कि वह कौन-सा स्तर है। इस मैनुअल के लिए किए गए शोध में ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला जो राज्य के किसी नगर के आउटफॉलों के लिए प्राप्तकर्ता जलाशय का डिजाइन स्तर निर्धारित करता हो [TBC], और अंतरिम नियम अध्याय 5 निर्धारित करता है: नदी के लिए, निकटतम CWC स्थल पर दर्ज उच्चतम स्तर से संबंधित एक स्तर; जलाशय या तालाब के लिए, उसका अधिकतम जल स्तर, या उसका पूर्ण जल स्तर जमा डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज (surcharge), या, जहाँ दोनों में से कोई ज्ञात न हो, उसका पूर्ण जल स्तर जमा 0.5 m; और खदान का गड्ढा डिजाइन आउटफॉल नहीं है जब तक पट्टाधारी और DGMS सम्मति न दें और उसके स्तर और अतिप्रवाह (spill) का सर्वेक्षण न हो जाए। जैसा अध्याय 5 अपेक्षित करता है, प्रत्येक स्तर किसी नामित डेटम पर बताया जाता है; इस मैनुअल के लिए पढ़ा गया कोई भी स्रोत यहाँ उद्धृत CWC स्तरों का डेटम नहीं बताता [TBC]।

> **भाष्य.** झारखंड का कोई तट नहीं है, इसलिए कोई आउटफॉल ज्वारीय नहीं है और कोई तूफानी महोर्मि (storm surge) नहीं है; संयोगी (coincident) भार उन नदियों और जलाशयों का जल स्तर है जो नगरों की ड्रेनों का पानी लेते हैं। यह संयोग अभिलेख में दर्ज है। 18 जून 2008 को जमशेदपुर (A) पर 338.1 mm दर्ज हुई (IMD), ओडिशा में खरकई पर बने डैम के गेट खोले गए, और आदित्यपुर पर खरकई अपने दर्ज उच्चतम स्तर, 137.8 m, तक चढ़ गई (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार), जिससे जुगसलाई, बागबेड़ा और सोनारी में 500 से अधिक घर जलमग्न हुए (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। 27 मई 2021 को, जब चक्रवात यास राज्य से होकर गुजरा, खरकई अपने खतरे के निशान से ऊपर चढ़ गई जबकि मानगो पर स्वर्णरेखा नहीं चढ़ी (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। 17 सितंबर 2024 को राज्य के छह CWC स्थलों पर दामोदर, बराकर, उत्तरी कोयल और सोन अपने खतरे के स्तर से ऊपर थीं (CWC), जबकि DVC ने मैथन और पंचेत से लगभग 2.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। नदियाँ ऐसे डैमों से विनियमित हैं जिन्हें नगर संचालित नहीं करते, और उनसे छोड़ा गया पानी नगर के ऊपर की वर्षा घटना का नहीं, बल्कि जलग्रहण क्षेत्र पर हुई वर्षा का अनुसरण करता है। स्रोतों के स्तर अलग-अलग डेटम पर हैं, और जमशेदपुर पर जिले के खतरे के निशान CWC के स्तरों से भिन्न हैं, और इसी कारण अध्याय 5 अपेक्षित करता है कि प्रत्येक स्तर अपना डेटम और अपना स्रोत बताए। क्योंकि वर्षा और महोर्मि का मौसमी कारण एक ही होता है (झारखंड में, जिसका कोई तट नहीं है, महोर्मि का समकक्ष उन नदियों और जलाशयों का जल स्तर है जो नगरों की ड्रेनों का पानी लेते हैं, और जो बंगाल की खाड़ी की उन्हीं मौसम प्रणालियों से बढ़ता है जो नगरों में सबसे भारी वर्षा लाती हैं, और उन डैमों से छोड़े गए पानी से जिन्हें वे प्रणालियाँ ऊपर की ओर भरती हैं), इसलिए उन्हें स्वतंत्र नहीं माना जा सकता। जब तक कोई सांख्यिकीय संयुक्त विश्लेषण नहीं अपनाया जाता, तब तक स्थिति (b) संयुक्त प्रायिकता का एक सरल स्थानापन्न है।

2.13 प्रस्तुति संबंधी अपेक्षाएँ

प्रत्येक जलवैज्ञानिक प्रस्तुति में एक **डिजाइन वर्षा पत्रक** (प्रपत्र 2-1) सम्मिलित होगा, जिसमें निम्नलिखित बताया जाएगा:

1. साइट के निर्देशांक और जोन;
2. स्रोत (खंड 2.3), संस्करण या उपयोग की तिथि, और निकाले गए मानों का स्क्रीनशॉट या निर्यात (export);
3. प्रयुक्त प्रत्येक AEP और अवधि के लिए गहराई की तालिका, नियत-अंतराल गुणक, ग्रिड-से-बिंदु गुणक, ARF और जलवायु गुणक लगाने से पहले और बाद में;
4. खंड 2.3.3 के प्रति-जाँच मान और न्यूनतम सीमा की जाँच;
5. प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना के लिए प्रयुक्त हायटोग्राफ, तालिका और आलेख दोनों रूपों में; और
6. ली गई AMC और अपनाई गई विकास-पूर्व परिभाषा।

चित्र 2.3 में इस अध्याय के पद उसी क्रम में दर्शाए गए हैं जिस क्रम में पत्रक उन्हें दर्ज करता है।

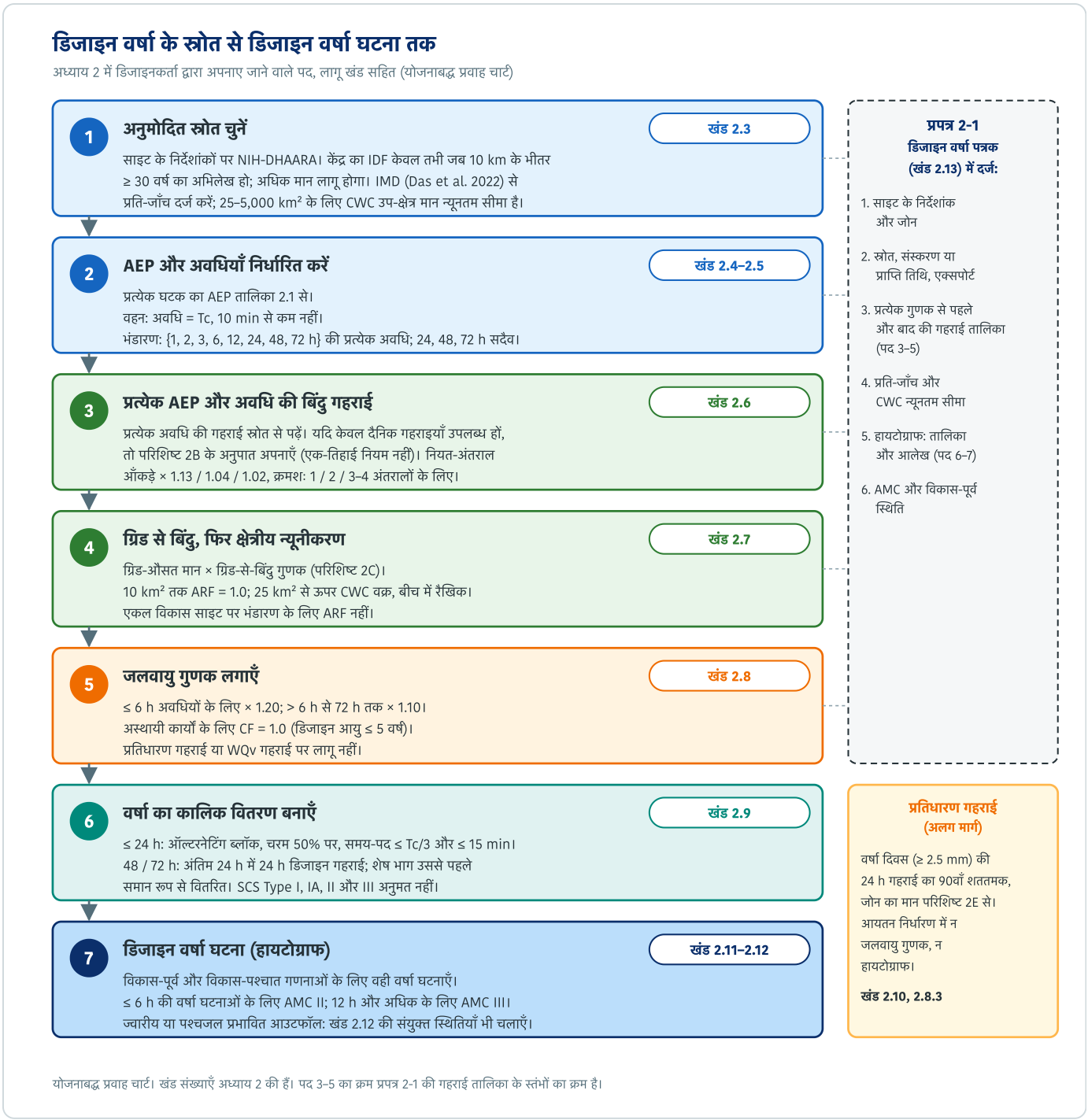

चित्र 2.3 — डिजाइन वर्षा के स्रोत से डिजाइन वर्षा घटना तक: डिजाइनकर्ता द्वारा अपनाए जाने वाले पद (स्रोत, AEP और अवधियाँ, बिंदु गहराई, ग्रिड-से-बिंदु और क्षेत्रीय न्यूनीकरण, जलवायु गुणक, कालिक वितरण, डिजाइन वर्षा घटना), प्रत्येक पद पर लागू खंड, प्रपत्र 2-1 में क्या दर्ज होता है, और प्रतिधारण गहराई का अलग मार्ग। योजनाबद्ध। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग।

2.14 समीक्षा और अद्यतन

2.14.1 अनुमोदन प्राधिकारी इस अध्याय की समीक्षा **प्रत्येक 10 वर्ष में** करेगा। वह ऐसी किसी भी घटना के 2 वर्ष के भीतर भी इसकी समीक्षा करेगा जिसमें राज्य के दो या अधिक अनुमोदित वर्षामापियों पर दर्ज वर्षा 1% AEP की 24-घंटे या 72-घंटे की डिजाइन गहराई से अधिक हो।

2.14.2 NIH-DHAARA के अद्यतन नई प्रस्तुतियों पर जारी होने के **6 महीने** बाद प्रभावी होंगे, जब तक कि प्राधिकारी अन्यथा अधिसूचित न करे।

संदर्भ (अध्याय)

- National Institute of Hydrology, Roorkee. NIH-DHAARA: Design Hydrology and Advanced Rainfall Analysis. http://www.nihdhaara.in/
- Das, S.K. et al. (2022). Isopluvial analysis and intensity–duration–frequency curves for different cities in India. *MAUSAM* 73(4), 887–898. https://metnet.imd.gov.in/docs/mausamdocs/173412_F.pdf
- Central Water Commission (1994). Flood Estimation Report for Lower Ganga Plains Subzone 1(g) (revised), Design Office Report No. LG-1(g)/R-1/23/94, Nov 1994 (पहाड़ी क्षेत्र, पृ. 9; अनुलग्नक 3.1; गढ़वा रोड–बरकाकाना रेल मार्ग पर सफी पर पुल संख्या 110 का हल किया गया उदाहरण, पृ. 25–28; अनुलग्नक 4.3 और 4.4, जिनमें मांडर, जमशेदपुर (A), घाटशिला और पालगंज के स्व-अभिलेखी वर्षामापी अधिकतम मान सम्मिलित हैं; प्लेट 8, 9 और 10, अर्थात 25-, 50- और 100-वर्ष के मानचित्र, 300 dpi पर पढ़े गए, प्लेट 8 और 9 उलटी स्कैन की गई; अल्पकालिक अनुपात तालिका; cwc.gov.in की प्रति का 12 Apr 2016 का Wayback Machine कैप्चर)। https://cwc.gov.in/regional-flood-estimation-report
- Central Water Commission (1987). Flood Estimation Report for Sone Subzone 1(d), Report No. S/15/1987, CWC Publication No. 33/88, Aug 1987 (प्लेट 9 और 10, जिनमें से प्लेट 9 का शीर्षक 50-वर्ष का और प्लेट 10 का 100-वर्ष का मानचित्र है, यद्यपि पाठ प्लेट 10 को 50-वर्ष का मानचित्र कहता है; अल्पकालिक अनुपात तालिका, जिसका 18-घंटे का मान OCR पाठ से पढ़ा गया [TBC]; cwc.gov.in की प्रति का Wayback Machine कैप्चर)। https://cwc.gov.in/regional-flood-estimation-report
- Central Water Commission (1997). Flood Estimation Report for Mahanadi Subzone 3(d) (revised), Report No. M-3(d)/R-3/25/1996, Feb 1997 (अनुलग्नक 4.3; प्लेट 8, 9 और 10, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा के आसपास 250 dpi पर पढ़ी गईं; अल्पकालिक अनुपात तालिका; cwc.gov.in की प्रति का Wayback Machine कैप्चर)। https://cwc.gov.in/regional-flood-estimation-report
- MoHUA / CPHEEO (2019). Manual on Storm Water Drainage Systems, Part A.
- India Meteorological Department. Extremes of Temperature and Rainfall for Indian Stations (up to 2012), झारखंड के केंद्र (पृ. M80–M85), मौसमी चरम मानों और आँकड़ा-अवधि तालिका सहित। https://imdpune.gov.in/library/public/EXTREMES%20OF%20TEMPERATURE%20and%20RAINFALL%20upto%202012.pdf
- India Meteorological Department (2011). Climate of Jharkhand. Climatological Summaries of States Series No. 17, Aug 2011 (जिलों के सामान्य मान 1951–2000, Table V; चक्रवाती तूफान और अवदाब 1891–2010; 2006 तक 230 वर्षामापियों पर 24 घंटों में सर्वाधिक वर्षा)। https://imdpune.gov.in/library/public/Cimate%20of%20Jharkhand.pdf
- India Meteorological Department (2020). New normal dates of onset/progress and withdrawal of the southwest monsoon over India (Pai et al.), 15 मई 2020 की प्रेस विज्ञप्ति, Table 2। https://internal.imd.gov.in/press_release/20200515_pr_804.pdf
- India Meteorological Department, Meteorological Centre Ranchi. Monsoon Report 2026 (Jharkhand), Jharkhand Weather Summary 2025, और 2023 और 2025 की मानसून रिपोर्टें (Wayback Machine प्रतियाँ)। https://mausam.imd.gov.in/ranchi/mcdata/SWR_Jharkhand.pdf ; https://mausam.imd.gov.in/ranchi/mcdata/YWR_Jharkhand.pdf ; https://web.archive.org/web/20251212230920id_/https://mausam.imd.gov.in/ranchi/mcdata/SWR_Jharkhand.pdf ; https://web.archive.org/web/20231227072045id_/https://mausam.imd.gov.in/ranchi/mcdata/SWR_Jharkhand.pdf

- India Meteorological Department, Regional Specialised Meteorological Centre for tropical cyclones. Press release on Cyclone Yaas, 27 May 2021, Annexure-1. https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/uploads/archive/21/21_da9893_PRESS%20RELEASE%20dated%2027TH%20%20May%202021.pdf
- ICAR-CRIDA and India Meteorological Department (2024). Rainfall report, 30 Sep 2024 (झारखंड उप-मंडल की मौसमी वर्षा)। https://icar-crida.res.in/season_C/Sep_2024/30-09-2024.pdf
- National Institute of Hydrology, Roorkee. NIH-DHAARA IDF Curve Tool (IMDAA reanalysis), झारखंड के 18 सेलों के लिए 7 Nov 2026 को देखा गया। http://117.252.14.251:8080/
- Sharma, R. & Kotal, S.D. (2022). Analysis of temporal trend of rainfall, temperature and extreme events over Jharkhand. *MAUSAM* 73(4), 795–808. https://metnet.imd.gov.in/docs/mausamdocs/17345_F.pdf
- Upadhyaya, Singh, Bharti & Nischal (2022). Development of rainfall-intensity-duration-frequency curve for urban flood management of Ranchi city. *Indian Journal of Environmental Protection* 42(2), 194–199 (केवल सार; पूरा पाठ प्राप्त नहीं हुआ [TBC])। https://www.e-ijep.co.in/42-2-194-199/
- Kathuria, S.N., Kaur, S. & Mehra, A.K. (1987). Rainfall intensity for local drainage design in Lucknow and its neighbouring area. *MAUSAM* 38(1), 85–88 (Tables 2–4; खंड 2.3.6(h) की न्यूनतम सीमाओं का आधार)। https://mausamjournal.imd.gov.in/index.php/MAUSAM/article/download/2654/2468
- Baxla, Kumar & Wadood (2001). Double-ring infiltration measurements on four soil series of the Jumar nala sub-watershed, Ranchi. *Annals of Arid Zone* 40(1), 29–33 (शीर्षक की पुष्टि नहीं हुई [TBC])।
- Central Ground Water Board. Ground Water Year Book, Jharkhand, 2019-20, और Dynamic Ground Water Resources of Jharkhand, 2023 (Wayback Machine प्रतियाँ; भूजल की गहराई, मई और नवंबर 2022)।
- Central Water Commission. Daily Flood Situation Report cum Advisories, 17 Sep 2024 (Wayback Machine प्रति)। https://web.archive.org/web/20240917151334/https://cwc.gov.in/sites/default/files/dfsitrepca-17.09.2024.pdf
- Central Water Commission. पूर्वी भारत में उसके बाढ़ पूर्वानुमान और निगरानी स्थलों की सूची, चेतावनी, खतरे और उच्चतम बाढ़ स्तरों सहित, सितंबर 2022 (SANDRP द्वारा प्रतिलिपि के अनुसार; द्वितीयक स्रोत; डेटम की पुष्टि की जानी है [TBC])। https://sandrp.in/2022/09/12/2022-cwc-flood-monitoring-sites-in-east-india/
- Jharkhand Urban Infrastructure Development Company (2017). Draft Environment and Social Impact Assessment, Storm Water Drainage, Dhanbad, Vol. I, पैरा 72–74 (Wayback Machine प्रति)। https://web.archive.org/web/20180205012706id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/Home/cirfiles/ESIA%20Dhanbad%20Drainage_Volume1.pdf
- Comptroller and Auditor General of India (2023). Report No. 1 of 2023, Government of Jharkhand, अध्याय 3 और 4 (रांची की वर्षा जल ड्रेनें; हरमू नदी, Table 4.5)। https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/8-Chapter-4-064ccf54ab201d9.52401481.pdf
- Government of Jharkhand (2014). Jharkhand Action Plan on Climate Change (MoEFCC की वेबसाइट पर प्रति)। https://moef.gov.in/uploads/2017/08/Jharkhand.pdf
- Ali, H. & Mishra, V. (2018). Increase in subdaily precipitation extremes in India under 1.5 and 2.0 °C warming worlds. *Geophysical Research Letters* 45. https://repository.ias.ac.in/142345
- जून 2025 की रांची की वर्षा, सितंबर 2024 में DVC द्वारा छोड़े गए पानी, और जून 2008 और मई 2021 में जमशेदपुर पर खरकई और स्वर्णरेखा संबंधी समाचार रिपोर्टें (द्वितीयक स्रोत)। https://www.theweek.in/wire-updates/national/2025/06/24/ces1-jh-rain-damage.html ; https://www.deccanherald.com/india/west-bengal/amid-flood-like-situation-in-bengal-damodar-valley-corporation-releases-3-lakh-cusecs-of-water-from-dams-3193801 ;

https://www.oneindia.com/2008/06/18/flood-like-situation-in-steel-city-zoo-crocodiles-missing-1213792786.html ; https://avenuemail.in/cyclone-yaas-rivers-flow-on-danger-mark-in-jamshedpur-ndrf-teams-carry-rescue-operation-city-records-108-mm-rainfall/

- Chow, V.T., Maidment, D.R. & Mays, L.W. (1988). *Applied Hydrology*. McGraw-Hill (ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक विधि, §14.4)।
- Kansas City Metro Chapter APWA (2025). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities, Version 2025.01.
- Mile High Flood District (Denver). Urban Storm Drainage Criteria Manual (90% निकासी का औचित्य)।
- Department of Irrigation and Drainage Malaysia (2008, 2012). Urban Stormwater Management Manual (MSMA).

परिशिष्ट

परिशिष्ट	विषय-वस्तु
2A	बेंचमार्क बिंदुओं पर NIH-DHAARA बनाम IMD केंद्र और IMD ग्रिड आँकड़ों की जाँच; जोन मानचित्र
2B	जोनवार उप-दैनिक अनुपात P(t)/P(24h): NIH-DHAARA (घंटेवार आँकड़ों पर आधारित) बनाम एक-तिहाई नियम
2C	ग्रिड-से-बिंदु गुणक
2D	झारखंड के वर्षा कालिक वितरण (हफ वक्र)
2E	जोनवार प्रतिधारण शततमक गहराइयाँ
प्रपत्र 2-1	डिजाइन वर्षा पत्रक

अध्याय 3

जलवैज्ञानिक विधियाँ

3.1 प्रयोजन और विस्तार

3.1.1 यह अध्याय बताता है कि अध्याय 2 की डिजाइन वर्षा को निम्नलिखित के लिए अपवाह (runoff) के चरम मानों, आयतनों और हाइड्रोग्राफ में कैसे परिवर्तित किया जाए:

- (a) ड्रेन, इनलेट और पुलिया का आकार निर्धारण (अध्याय 6);
- (b) प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण का आकार निर्धारण, और विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना (अध्याय 4);
- (c) अनुप्रवाह और टेलवाटर विश्लेषण (अध्याय 5); और
- (d) जलाशय, तालाब (talab) और क्षेत्रीय सुविधा संबंधी अध्ययन (अध्याय 7)।

3.1.2 यह अध्याय निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करता है:

- (a) किस प्रयोजन और जलग्रहण क्षेत्र के किस आकार के लिए कौन-सी विधि प्रयुक्त की जा सकती है (खंड 3.4);
- (b) विकास-पूर्व और विकास-पश्चात भू-सतह कैसे परिभाषित की जाती है (खंड 3.3);
- (c) प्रत्येक विधि के प्राचल: अपवाह गुणांक, सांद्रण समय, मृदा, कर्व नंबर, इकाई हाइड्रोग्राफ और रूटिंग (खंड 3.5–3.12);
- (d) सतत सिमुलेशन और मॉडल अंशांकन कब अपेक्षित हैं (खंड 3.13 और 3.15);
- (e) पद-दर-पद विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना (खंड 3.14); और
- (f) सॉफ्टवेयर स्वीकार्यता और प्रलेखन (खंड 3.16 और 3.17)।

3.1.3 वर्षा संबंधी इनपुट (गहराई, अवधि, क्षेत्रीय न्यूनीकरण, जलवायु गुणक, कालिक वितरण और पूर्ववर्ती नमी) अध्याय 2 द्वारा शासित हैं और इस अध्याय में उनमें कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

> **भाष्य.** CPHEEO (2019) का *Manual on Storm Water Drainage Systems* रेशनल विधि (Rational Method) की पूरी प्रक्रिया देता है और हाइड्रोग्राफ संबंधी कार्य के लिए SWMM का नाम लेता है, किंतु वह ड्रेन के आकार निर्धारण की मार्गदर्शिका है। वह यह नहीं बताता कि कोई विनियामक "विकास-पूर्व" स्थिति को कैसे परिभाषित करे या उसके सापेक्ष किसी विकास की जाँच के लिए कौन-सी विधि अवश्य प्रयुक्त की जाए (CPHEEO Part A §4.4, §8.5.1)। APWA Section 5600 दोनों काम करता है: वह रेशनल विधि को सीमित करता है, आधारभूत हाइड्रोग्राफ विधियों के नाम देता है, और विद्यमान तथा प्रस्तावित स्थितियों के लिए भूमि उपयोग संबंधी मान्यताएँ निर्धारित करता है (KC Metro APWA 5600, 2011, §5602.2–5602.3; Version 2025.01, §5603.4)। यह अध्याय उसी मॉडल का अनुसरण करता है।

3.2 परिभाषाएँ

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
विकास-पूर्व स्थिति	खंड 3.3.2 में परिभाषित संदर्भ भू-सतह, जिसके सापेक्ष विकास-पश्चात अपवाह की जाँच की जाती है। यह विद्यमान स्थिति नहीं है।
विकास-पश्चात स्थिति	प्रस्तावित कार्य पूरे होने के बाद की भू-सतह, जैसा खंड 3.3.3 में परिभाषित है।
तुलना बिंदु (POC)	वह स्थान जहाँ साइट का अपवाह साइट से बाहर निकलता है, और जिस पर विकास-पूर्व और विकास-पश्चात प्रवाहों की तुलना की जाती है (खंड 3.14)।
सांद्रण समय (Tc)	जलग्रहण क्षेत्र के हाइड्रोलिक दृष्टि से सबसे दूर के बिंदु से विचाराधीन बिंदु तक अपवाह के पहुँचने का समय।
पश्चता समय (tL)	अतिरिक्त वर्षा (rainfall excess) के केंद्रक से अपवाह हाइड्रोग्राफ के चरम तक का समय।
जलवैज्ञानिक मृदा समूह (HSG)	गीली अवस्था में न्यूनतम अंतःस्यंदन दर के आधार पर मृदा का NRCS वर्गीकरण (A, B, C, D) (USDA NRCS, NEH Part 630, Ch. 7)।
कर्व नंबर (CN)	NRCS का वह प्राचल जो मृदा समूह, भू-आवरण और पूर्ववर्ती नमी को अपवाह-क्षमता के एक सूचकांक में संयोजित करता है (USDA NRCS, NEH Part 630, Ch. 9–10)।
पूर्ववर्ती नमी स्थिति (AMC)	वर्षा घटना के आरंभ में मृदा का गीलापन: AMC I (सूखी), II (औसत), III (गीली)।
प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा अपारगम्य क्षेत्र (DCIA)	ऐसी अपारगम्य सतह जिसका पानी पहले किसी पारगम्य सतह पर बहे बिना किसी ड्रेन, पाइप या चैनल में जाता है।
असंबद्ध अपारगम्य क्षेत्र	ऐसी अपारगम्य सतह जिसका अपवाह जल निकासी प्रणाली तक पहुँचने से पहले परत प्रवाह (sheet flow) के रूप में किसी पारगम्य सतह पर बहता है, और जो खंड 3.9.3 की शर्तें पूरी करती है।
चरम दर गुणक (PRF)	इकाई हाइड्रोग्राफ के चरम समीकरण का स्थिरांक (US प्रचलित इकाइयों में 484; खंड 3.11.2 के SI रूप में 0.208)।
सतत सिमुलेशन	वर्षा के लंबे अभिलेख (वर्षों) पर चलाया गया मॉडल, जिसमें मृदा नमी, भंडारण और तालाब के जल स्तर एक वर्षा घटना से अगली तक आगे ले जाए जाते हैं।
तालाब शृंखला (tank cascade)	तालाबों (talabs) की ऐसी शृंखला जिसमें एक तालाब का अतिरिक्त जल अगले तालाब को मिलता है।

3.3 विकास-पूर्व और विकास-पश्चात भू-सतह

3.3.1 **वही साइट, वही वर्षा घटना.** विकास-पूर्व और विकास-पश्चात रन प्रत्येक POC की ओर बहने वाले उसी क्षेत्र को सम्मिलित करेंगे, और उन्हीं डिजाइन वर्षा घटनाओं का उपयोग करेंगे (खंड 2.11.1)। वे केवल इस खंड के भू-सतह प्राचलों, उनसे प्राप्त Tc और वर्षा जल नियंत्रणों में भिन्न होंगे।

3.3.2 **विकास-पूर्व स्थिति.** विकास-पूर्व भू-सतह **अविकसित खुली भूमि (greenfield), अर्थात मानचित्रित जलवैज्ञानिक मृदा समूह के लिए अच्छी दशा वाली खुली भूमि** होगी, निम्नानुसार:

- (a) साइट के भीतर की सारी भूमि, जिसमें वह भूमि भी सम्मिलित है जिस पर अभी निर्माण है, जो पक्की, संघनित या जोती गई है, अच्छी दशा वाली खुली भूमि (घास आवरण > 75%) मानी जाती है। **विद्यमान अपारगम्य आवरण नहीं गिना जाएगा।**
- (b) कर्व नंबर खंड 3.7 के HSG के लिए "खुला स्थान, अच्छी दशा" ("open space, good condition") का TR-55 मान है: AMC II पर **CN 39 (A), 61 (B), 74 (C), 80 (D)** (तालिका 3.5)।
- (c) HSG खंड 3.7 का प्राकृतिक HSG है, जिसमें उच्च भूजल स्तर के लिए द्वि-समूह नियम (खंड 3.10.1) सम्मिलित है। जल निकासी कार्यों के कारण HSG में किसी सुधार की अनुमति नहीं है।

- (d) Tc की गणना विकास-पूर्व भू-सतह पर केवल बिना चैनल वाले सतही प्रवाह, उथले संकेंद्रित प्रवाह और प्राकृतिक चैनलों के आधार पर की जाती है (खंड 3.6)। विद्यमान पाइप, पक्की ड्रेन और कर्ब की उपेक्षा की जाती है।
- (e) विद्यमान जलाशय, तालाब के पूर्ण जल स्तर (FTL) तक के जल-फैलाव क्षेत्र, प्राकृतिक चैनल और आपूर्ति या अतिरिक्त जल चैनल जैसे हैं वैसे ही रखे जाते हैं, और उन्हें खुली भूमि के रूप में नहीं, बल्कि जल सतह या चैनल के रूप में मॉडल किया जाता है।

3.3.3 **विकास-पश्चात स्थिति.** विकास-पश्चात भू-सतह पूर्ण निर्माण की स्थिति में प्रस्तावित कार्यों का प्रतिनिधित्व करेगी:

- (a) अपारगम्य क्षेत्र साइट नक्शे से मापे जाएँगे, छतों, पक्की सतहों, सड़कों और अन्य सीलबंद सतहों के लिए अलग-अलग, और उन्हें प्रत्यक्ष रूप से जुड़े या असंबद्ध के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा (खंड 3.9)। साइट के लिए TR-55 की भूखंड-आकार आधारित आवासीय पंक्तियों का उपयोग नहीं किया जाएगा।
- (b) निर्माण से विक्षुब्ध (समतल किए गए, भरे गए या वाहनों से रौंदे गए) पारगम्य क्षेत्रों को प्राकृतिक HSG से अंतःस्यंदन क्षमता में एक HSG नीचे (A से B, B से C, C से D) रखा जाएगा, जब तक कि निर्माण-पश्चात अंतःस्यंदन परीक्षण (खंड 3.7.3) अन्यथा न दर्शाएँ। निर्माण से विक्षुब्ध मृदा को कभी भी HSG A में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा।
- (c) 12 घंटे या अधिक की वर्षा घटनाओं के आरंभ में वर्षा जल संचयन (RWH) संपों को भरा हुआ माना जाएगा, और उन वर्षा घटनाओं के लिए उनमें पानी देने वाले छत क्षेत्र को प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा माना जाएगा (अध्याय 4)।
- (d) प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण सुविधाओं को CN घटाकर नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से भंडारण के रूप में दर्शाया जाएगा (खंड 3.12)।

3.3.4 **पुनर्विकास.** खंड 3.3.2 की विकास-पूर्व स्थिति पुनर्विकास पर भी लागू होती है। जो साइट पहले से पूरी तरह पक्की है, उसकी जाँच उसकी विद्यमान स्थिति के सापेक्ष नहीं, बल्कि अविकसित खुली भूमि के सापेक्ष की जाती है। खंड 4.5.6 के सीमित पुनर्विकास मार्ग के लिए विद्यमान स्थिति को भी, सर्वेक्षण के अनुसार विद्यमान अपारगम्य क्षेत्रों के साथ, मॉडल किया जाएगा, ताकि 50% की न्यूनतम सीमा की जाँच की जा सके।

3.3.5 **साइट के बाहर के क्षेत्र.**

- (a) वहन डिजाइन (अध्याय 6) के लिए साइट के प्रतिप्रवाह (upstream) के क्षेत्रों को अनुमोदित मास्टर प्लान या विकास योजना के अंतर्गत उनके अंतिम भूमि उपयोग पर लिया जाएगा। जहाँ कोई योजना नहीं है, वहाँ प्रतिप्रवाह की अविकसित भूमि को कम से कम 35% अपारगम्य माना जाएगा।
- (b) विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना के लिए साइट के बाहर से आने वाले अपवाह (run-on) को दोनों रन में उसकी विद्यमान स्थिति पर एक समान मॉडल किया जाएगा (खंड 3.14.2)।

> **भाष्य.** अविकसित खुली भूमि का संदर्भ प्रत्येक पुनर्विकास को पहले से बिगड़ी हुई आधार-रेखा के सापेक्ष आँके जाने से रोकता है। UK के गैर-सांविधिक मानक और KC APWA भिन्न रूपों में यही दृष्टिकोण अपनाते हैं: APWA, HSG C के लिए विद्यमान कृषि भूमि को अधिकतम "अच्छी दशा का चरागाह, घास का मैदान या रेंज (C = 0.30, CN = 74)" ("good condition pasture, grassland or range (C = 0.30, CN = 74)") तक सीमित करता है, और विक्षुब्ध मृदा को HSG A या B में वर्गीकृत करने से मना करता है (KC Metro APWA 5600, 2011, §5602.3A और E)। (b) में प्रयुक्त TR-55 के "खुला स्थान, अच्छी दशा" मान TR-55 के "चरागाह, घास का मैदान या रेंज, अच्छी" ("pasture, grassland or range, good") मानों के समान हैं (USDA SCS TR-55, 1986, Tables 2-2a और 2-2c), इसलिए इस मैनुअल का विकास-पूर्व CN, HSG C मृदा पर APWA की सीमा के बराबर है। 3.3.3(b) में विक्षुब्ध मृदा के लिए एक वर्ग की कमी इस मैनुअल द्वारा APWA नियम के एक सरल, कम कठोर रूप के रूप में निर्धारित की गई है, जो झारखंड की लाल और लैटेराइटी मिट्टियों, ग्रेनाइट-नीस पर पतली मिट्टियों, गोंडवाना कोयला संस्तरों और खनन से विक्षुब्ध भूमि, और गंगा के जलोढ़ के लिए उपयुक्त है, जहाँ HSG A से C की छलाँग अत्यधिक होगी। 3.3.5(a) में अनियोजित प्रतिप्रवाह भूमि के लिए 35% की न्यूनतम अपारगम्यता APWA का मान है (2011, §5602.3E.2)। वहन के लिए मास्टर प्लान का भूमि उपयोग लेना CPHEEO के अनुसार है, जो अपेक्षा करता है कि C "मास्टर प्लान के अनुसार जलग्रहण क्षेत्र के अंतिम विकास" ("ultimate development of the catchment as per the master plan") को दर्शाए (CPHEEO 2019, Part A §4.4.1.5)।

3.4 विधि का चयन

3.4.1 विधि का चयन तालिका 3.1 से प्रयोजन और जलग्रहण क्षेत्र के आकार के आधार पर किया जाएगा। चित्र 3.1 में यही नियम एक प्रवाह-चित्र (flowchart) के रूप में दर्शाए गए हैं।

तालिका 3.1 — अनुमत जलवैज्ञानिक विधियाँ

प्रयोजन	जलग्रहण क्षेत्र / स्थिति	अनुमत विधि	खंड
किसी एक वहन घटक (इनलेट, पाइप का भाग, ड्रेन का भाग (reach), पुलिया) के लिए चरम प्रवाह	≤ 16 ha योगदान देने वाला क्षेत्र, प्रतिप्रवाह में कोई भंडारण नहीं, कोई पश्चजल नहीं	रेशनल विधि	3.5
वहन के लिए चरम प्रवाह	> 16 ha, या प्रतिप्रवाह में कोई भी भंडारण, तालाब या पोखर	हाइड्रोग्राफ विधि (SCS इकाई हाइड्रोग्राफ के साथ SCS-CN, SWMM या HEC-HMS)	3.8–3.12
प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, कोई भी भंडारण; विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना	कोई भी आकार	हाइड्रोग्राफ विधि; **रेशनल विधि अनुमत नहीं**	3.8–3.12, 3.14
पश्चजल, ज्वारीय या तालाब टेलवाटर वाला पाइप या ड्रेन नेटवर्क	कोई भी आकार	डायनेमिक-वेव (dynamic-wave) हाइड्रोलिक रूटिंग के साथ हाइड्रोग्राफ विधि	3.12.4; अध्याय 5
जलग्रहण-स्तरीय प्रवाह	CWC उप-क्षेत्र 1(d), 1(g) या 3(d) में 25–5,000 km²	HEC-HMS या SWMM, CWC संश्लिष्ट इकाई हाइड्रोग्राफ (SUH) के सापेक्ष तुलना-मानक (benchmark) के साथ	3.11.4
क्षेत्रीय सुविधाएँ	> 25 km² की निकासी करने वाली	डिजाइन वर्षा घटना हाइड्रोग्राफ विधि **और साथ में** सतत सिमुलेशन	3.13
तालाब (talab) शृंखलाएँ	कोई भी आकार	डिजाइन वर्षा घटना हाइड्रोग्राफ विधि **और साथ में** सतत सिमुलेशन	3.13
टियर B: अध्याय 1 के अंतर्गत छोटी साइटें	डिजाइन सहायिका की सीमाओं के भीतर	अध्याय 4 के अंतर्गत जारी डिजाइन सहायिकाएँ, जो स्वयं इस अध्याय की विधियों से निकाली गई हैं	3.4.4
छोटी साइटें, कोई भी प्राधिकारी	≤ 1 ha, खंड 4.14.3 की सीमाओं के भीतर	अध्याय 4 का नियत-गुणांक मार्ग (नियत निकास गुणांक, वर्षा-द्रव्यमान आधारित भंडारण)	3.4.4; 4.14.3

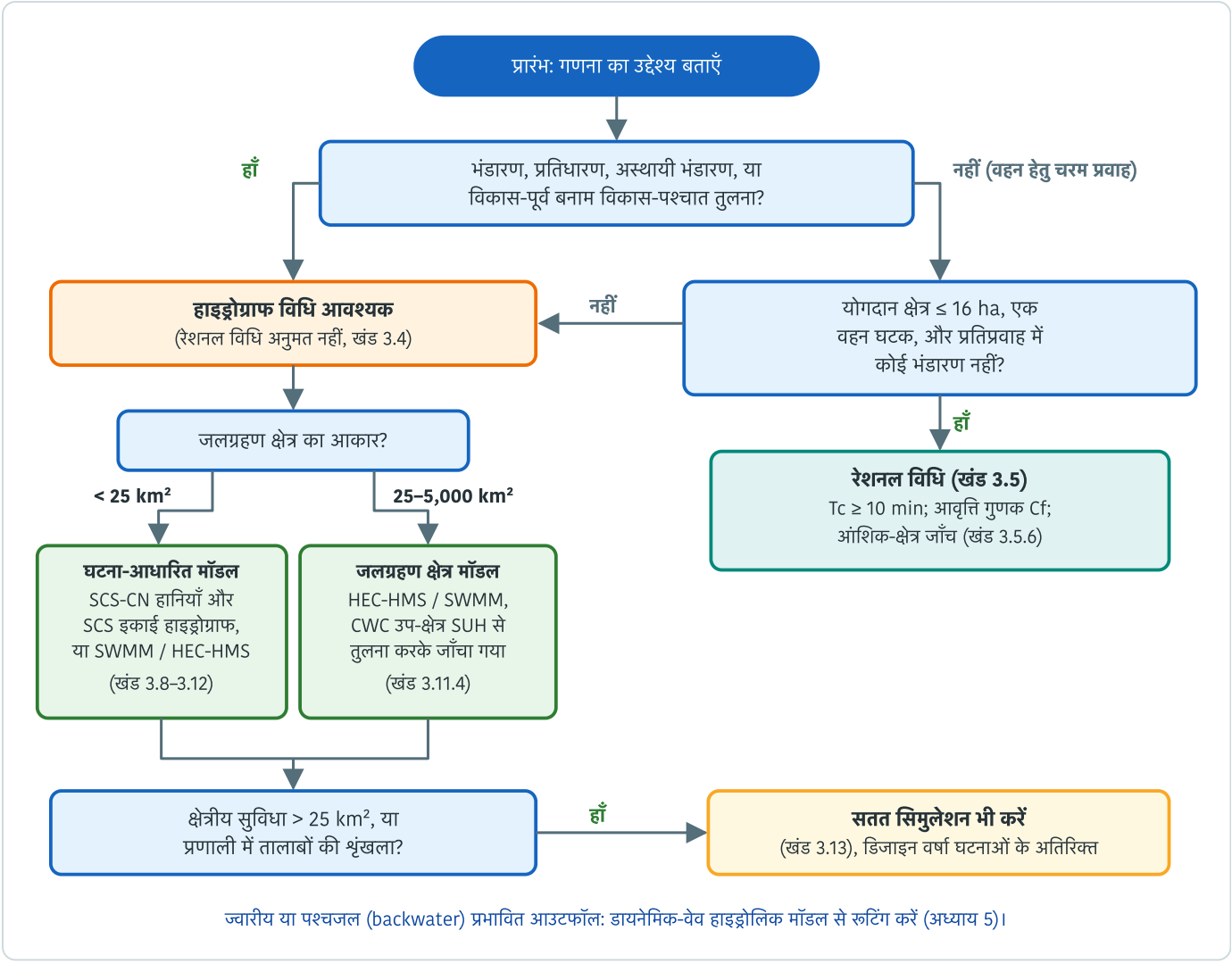

चित्र 3.1 — जलवैज्ञानिक विधि का चयन। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, KC Metro APWA, Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities, 2011 (§5602.2) और Version 2025.01 (§5603.4, Policy Supplement, 2025) से अनुकूलित।

3.4.2 **रेशनल विधि की सीमाएँ.** रेशनल विधि का उपयोग केवल **16 ha या उससे कम** के जलग्रहण क्षेत्रों के लिए और केवल **किसी एक वहन घटक** तक के चरम प्रवाह की गणना के लिए किया जाएगा। इसका उपयोग प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण या किसी अन्य भंडारण के आकार निर्धारण के लिए, या हाइड्रोग्राफ या अपवाह आयतन निकालने के लिए **कभी नहीं** किया जाएगा।

3.4.3 **हाइड्रोग्राफ विधियाँ.** 16 ha से ऊपर, और भंडारण की प्रत्येक गणना के लिए, हाइड्रोग्राफ विधि का उपयोग किया जाएगा: SCS (NRCS) इकाई हाइड्रोग्राफ के साथ SCS-CN हानियाँ, EPA SWMM, या HEC-HMS। 25–5,000 km² के लिए तुलना-मानक के रूप में CWC संश्लिष्ट इकाई हाइड्रोग्राफ की भी गणना की जाएगी (खंड 3.11.4)।

3.4.4 **सरलीकृत मार्ग.** टियर B क्षेत्रों (अध्याय 1) में, अध्याय 4 के अंतर्गत जारी किसी डिजाइन सहायिका पर बताई गई सीमाओं के भीतर की साइटें साइट-विशिष्ट हाइड्रोग्राफ मॉडल के स्थान पर उस डिजाइन सहायिका का उपयोग कर सकती हैं। किसी भी क्षेत्र में 1 ha या उससे कम की साइटें खंड 4.14.3 के नियत-गुणांक मार्ग का उपयोग कर सकती हैं; 3.4.2 के इस नियम का कि वर्षा-आधारित चरम विधियों का उपयोग भंडारण के लिए नहीं किया जाएगा, यही एकमात्र अपवाद है। 3.4.2 के अंतर्गत वहन के लिए रेशनल विधि उपलब्ध रहती है।

3.4.5 **5,000 km² से बड़े जलग्रहण क्षेत्र.** ये इस मैनुअल के विस्तार से बाहर हैं और इनके लिए जल संसाधन विभाग (WRD) द्वारा अनुमोदित बेसिन अध्ययन अपेक्षित है।

भाष्य. 16 ha की सीमा और एकल-घटक नियम APWA 5600 Version 2025.01 के अनुसार हैं, जिसने रेशनल विधि की सीमा 200 ac से घटाकर 40 ac कर दी और उसे "एकल पाइप खंड" ("a single pipe segment") तक सीमित कर दिया। MARC Policy Supplement जोड़ता है कि इसका "उपयोग अपवाह कमी उपायों के आकार निर्धारण या प्रतिधारण आयतन और अस्थायी भंडारण आयतन निर्धारित करने के लिए नहीं किया जा सकता" ("cannot be used to size runoff reduction practices or determine retention volumes and detention volumes") (MARC, APWA Stormwater Standards Supplement, 2025)। CPHEEO (2019, Part A §4.4.1.3) रेशनल विधि को 8–10 km² तक अनुमति देता है, जो ऐसी विधि के लिए बहुत बड़ा है जो पूरे Tc के दौरान पूरे जलग्रहण क्षेत्र पर वर्षा की एकसमान तीव्रता मानती है और कोई आयतन नहीं देती। रेशनल विधि को भंडारण डिजाइन से इसलिए बाहर रखा गया है क्योंकि यह हाइड्रोग्राफ नहीं, केवल चरम मान देती है, जबकि भंडारण आयतन और समय पर निर्भर करता है।

3.5 रेशनल विधि

3.5.1 **समीकरण.** चरम प्रवाह की गणना इस प्रकार की जाएगी:

$$Q = C \cdot Cf \cdot i \cdot A / 360$$

जहाँ Q चरम प्रवाह (m³/s) है; C अपवाह गुणांक (तालिका 3.2) है; Cf आवृत्ति गुणक (तालिका 3.3) है, और $C \cdot Cf \le 1.0$; i अध्याय 2 से (खंड 2.8 के जलवायु गुणक सहित) Tc के बराबर अवधि के लिए वर्षा की तीव्रता (mm/h) है; और A योगदान देने वाला क्षेत्र (ha) है।

भाष्य. यह CPHEEO का समीकरण Qp = 10 C I A है, जिसमें Qp m³/h में है (CPHEEO 2019, Part A §4.4.1.1–4.4.1.3), और जिसे m³/s में परिवर्तित किया गया है।

3.5.2 **अपवाह गुणांक.** C तालिका 3.2 से लिया जाएगा। किसी परास के भीतर डिजाइनकर्ता परास के ऊपरी आधे भाग का उपयोग करेगा, जब तक कि साइट के आँकड़े कम मान को उचित न ठहराएँ।

तालिका 3.2 — अपवाह गुणांक C (10% या उससे अधिक बार होने वाले AEP के लिए)

सतह या भूमि उपयोग	C	स्रोत
वाणिज्यिक	0.70–0.95	CPHEEO 2019, Table 4.2
औद्योगिक	0.60–0.90	CPHEEO 2019, Table 4.2
संस्थागत	0.70–0.95	CPHEEO 2019, Table 4.2
आवासीय, उच्च घनत्व	0.60–0.75	CPHEEO 2019, Table 4.2
आवासीय, निम्न घनत्व	0.40–0.60	CPHEEO 2019, Table 4.2
मनोरंजन संबंधी	0.10–0.25	CPHEEO 2019, Table 4.2
एस्फाल्ट	0.70–0.95	CPHEEO 2019, Table 4.2
कंक्रीट	0.80–0.95	CPHEEO 2019, Table 4.2

सतह या भूमि उपयोग	C	स्रोत
ईंट का फर्श	0.70–0.85	CPHEEO 2019, Table 4.2
छतें: टाइल	0.80–0.90	CPHEEO 2019, Table 4.2
छतें: धातु	0.70–0.90	CPHEEO 2019, Table 4.2
छतें: कंक्रीट	0.70–0.90	CPHEEO 2019, Table 4.2
लॉन, रेतीली मृदा, समतल (≤ 2%)	0.05–0.10	ASCE/WPCF 1969
लॉन, रेतीली मृदा, औसत (2–7%)	0.10–0.15	ASCE/WPCF 1969
लॉन, रेतीली मृदा, तीव्र ढलान (> 7%)	0.15–0.20	ASCE/WPCF 1969
लॉन, भारी (चिकनी) मृदा, समतल (≤ 2%)	0.13–0.17	ASCE/WPCF 1969
लॉन, भारी मृदा, औसत (2–7%)	0.18–0.22	ASCE/WPCF 1969
लॉन, भारी मृदा, तीव्र ढलान (> 7%)	0.25–0.35	ASCE/WPCF 1969
अविकसित भूमि (किसी भी दशा के लिए अधिकतम)	0.30	KC APWA 5600 (2011), §5602.3E

3.5.3 **आवृत्ति गुणक.** 10% से दुर्लभ डिजाइन AEP के लिए C को तालिका 3.3 के Cf से गुणा किया जाएगा। गुणनफल C · Cf, 1.0 से अधिक नहीं होगा।

तालिका 3.3 — आवृत्ति गुणक Cf

डिजाइन AEP (पुनरावृत्ति अवधि)	Cf
10% (10-वर्ष) और उससे अधिक बार	1.00
4% (25-वर्ष)	1.10
2% (50-वर्ष)	1.20
1% (100-वर्ष)	1.25

3.5.4 **संयुक्त C.** जहाँ किसी जलग्रहण क्षेत्र में एक से अधिक सतहें हैं, वहाँ C क्षेत्र-भारित मान C = Σ(Cj · Aj) / ΣAj होगा, जिसकी गणना प्रत्येक सतह के मापे गए क्षेत्रफल से की जाएगी। Cf संयुक्त C पर लगाया जाता है।

3.5.5 **सांद्रण समय और नेटवर्क.**

- (a) Tc की गणना खंड 3.6 के अनुसार की जाएगी और यह **10 मिनट** से कम नहीं होगा।
- (b) 16 ha की सीमा के भीतर नेटवर्क के प्रत्येक भाग (reach) के लिए चरम प्रवाह की गणना उस भाग के प्रतिप्रवाह के संचयी Σ(C · A) और उस भाग तक के सबसे लंबे Tc से की जाएगी। प्रतिप्रवाह भागों के चरम प्रवाह जोड़े नहीं जाएँगे।

3.5.6 **आंशिक-क्षेत्र जाँच.** जहाँ जलग्रहण क्षेत्र के किसी सघन, अत्यधिक अपारगम्य भाग का Tc पूरे क्षेत्र से बहुत कम है, वहाँ उस भाग के लिए भी, उसके अपने क्षेत्रफल, C और Tc से, अलग से चरम प्रवाह की गणना की जाएगी। बड़ा चरम प्रवाह लागू होगा।

भाष्य. तालिका 3.2 में विकसित सतहों के गुणांक CPHEEO की Table 4.2 के हैं, जिसे CPHEEO ने ASCE/WPCF (1969) से अनुकूलित किया था। CPHEEO सभी पुनरावृत्ति अवधियों के लिए C को स्थिर रखता है। इसके स्थान पर तालिका 3.3 में APWA के पूर्ववर्ती-वर्षा गुणक लिए गए हैं (KC Metro APWA 5600, 2011, §5602.2A: 4%, 2% और 1% की वर्षा घटनाओं के लिए K = 1.1, 1.2 और 1.25, और C·K ≤ 1.0)। ये गुणक यहाँ इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि झारखंड की दुर्लभ वर्षा घटनाएँ गीली भूमि पर आती हैं (खंड 2.11.4)। 10 मिनट का न्यूनतम Tc खंड 2.5.1 की न्यूनतम डिजाइन अवधि के अनुरूप है। APWA 2011 इनलेट समय को 5 और 15 मिनट के बीच सीमित करता है (§5602.7A)। आंशिक-क्षेत्र जाँच CPHEEO द्वारा "आंशिक क्षेत्र प्रभाव" ("partial area effect") के निरूपण के अनुसार है (CPHEEO 2019, Part A §4.4.1.7)। यह मैनुअल 3.5.2 में प्रत्येक परास के ऊपरी आधे भाग की अपेक्षा इसलिए करता है क्योंकि भारतीय शहरी भूखंड सामान्यतः ASCE परासों के पीछे के अमेरिकी भूमि उपयोगों की तुलना में अधिक सघन रूप से आच्छादित होते हैं।

3.6 सांद्रण समय

3.6.1 **सामान्य.** Tc की गणना विकास-पूर्व और विकास-पश्चात स्थितियों के लिए अलग-अलग, उस प्रवाह मार्ग के साथ की जाएगी जो विचाराधीन बिंदु तक सबसे लंबा यात्रा समय देता है, और यह प्रत्येक प्रवाह खंड के यात्रा समयों का योग होगा। किसी भी स्थिति के लिए Tc **10 मिनट** से कम नहीं होगा।

3.6.2 **NRCS वेग (खंड) विधि.** NRCS खंड विधि सभी जलग्रहण क्षेत्रों के लिए डिफॉल्ट विधि है। Tc = Tt(sheet) + Tt(shallow) + Tt(channel), जहाँ:

- (a) **परत प्रवाह (sheet flow):**

  > Tt = 0.091 (n · L)^0.8 / (P2^0.5 · S^0.4)

  जहाँ Tt घंटों में है; n तालिका 3.4 से परत प्रवाह की खुरदरापन है; L परत प्रवाह की लंबाई (m) है; P2 खंड 2.3 से, जलवायु गुणक के बिना, वर्तमान 50% AEP (2-वर्ष) की 24-घंटे की वर्षा (mm) है; और S भूमि का ढलान (m/m) है।

- (b) **परत प्रवाह की लंबाई.** शहरी क्षेत्रों में, और विकास-पश्चात की सभी स्थितियों के लिए, परत प्रवाह की लंबाई **30 m** से अधिक नहीं होगी। विकास-पूर्व अविकसित खुली भूमि की सतहों के लिए 90 m तक का उपयोग केवल वहीं किया जा सकता है जहाँ सर्वेक्षण बिना चैनल वाली समतल भूमि दर्शाता है; अन्यथा 30 m लागू होता है।

- (c) **उथला संकेंद्रित प्रवाह:** Tt = L / (3,600 V), जहाँ V = 4.918 S^0.5 (कच्ची सतह) या V = 6.196 S^0.5 (पक्की सतह), V m/s में, L m में और S m/m में।

- (d) **चैनल और पाइप प्रवाह:** Tt = L / (3,600 V), जहाँ V पूर्ण-तट (bank-full) या पूर्ण-पाइप प्रवाह पर मैनिंग समीकरण (Manning's equation) से प्राप्त होता है।

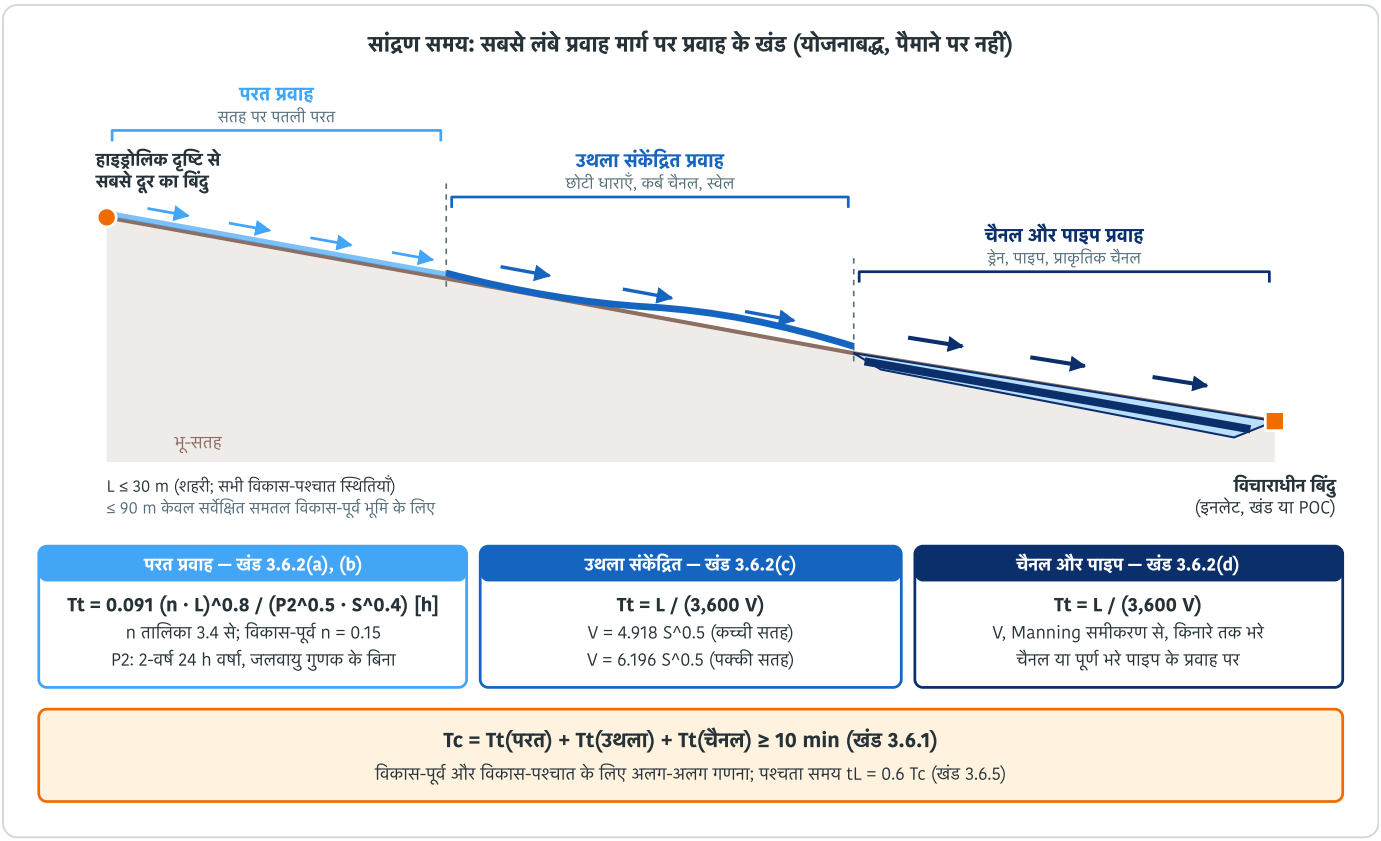

चित्र 3.2 — NRCS खंड विधि द्वारा सांद्रण समय: सबसे लंबे प्रवाह मार्ग के साथ परत प्रवाह, उथला संकेंद्रित प्रवाह और चैनल या पाइप प्रवाह, खंड 3.6 के यात्रा समय समीकरणों और सीमाओं के साथ। योजनाबद्ध, पैमाने पर नहीं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, USDA SCS TR-55 (1986), Ch. 3, और USDA NRCS, NEH Part 630, Ch. 15 (2010) से अनुकूलित।

तालिका 3.4 — परत प्रवाह के लिए मैनिंग का n (USDA SCS TR-55, 1986, Table 3-1)

सतह	n
चिकनी सतहें (कंक्रीट, एस्फाल्ट, बजरी, खुली मिट्टी)	0.011
परती (कोई अवशेष नहीं)	0.05
जोती गई, अवशेष आवरण ≤ 20%	0.06
जोती गई, अवशेष आवरण > 20%	0.17
घास: छोटी घास का मैदान (प्रेयरी)	0.15
घास: घनी घास	0.24
रेंज (प्राकृतिक)	0.13
वन: हल्की झाड़ी	0.40
वन: घनी झाड़ी	0.80

3.6.3 **विकास-पूर्व खुरदरापन.** खंड 3.3.2 की विकास-पूर्व अविकसित खुली भूमि की सतह के लिए परत प्रवाह का n **0.15** होगा, जब तक कि डिजाइनकर्ता क्षेत्र की प्राकृतिक वनस्पति के आधार पर तालिका 3.4 के किसी अन्य मान को उचित न ठहराए।

3.6.4 **किरपिच सूत्र.** किरपिच (Kirpich) सूत्र का उपयोग केवल प्रति-जाँच के रूप में, या परिभाषित मुख्य चैनल वाले विकास-पूर्व ग्रामीण जलग्रहण क्षेत्रों के लिए, किया जा सकता है:

> tc = 0.0195 L^0.77 S^−0.385

जहाँ tc मिनटों में है, L मुख्य प्रवाह मार्ग की लंबाई (m) है और S उसका औसत ढलान (m/m) है। इसका उपयोग शहरी या विकास-पश्चात जलग्रहण क्षेत्रों के लिए नहीं किया जाएगा।

3.6.5 **पश्चता समय.** जहाँ किसी इकाई हाइड्रोग्राफ विधि में पश्चता समय अपेक्षित है, वहाँ tL = 0.6 Tc।

3.6.6 **जाँच.** विकास-पश्चात Tc सामान्यतः विकास-पूर्व Tc से कम होगा। जहाँ यह अधिक है, वहाँ डिजाइनकर्ता प्रस्तुति में इसका कारण स्पष्ट करेगा।

> **भाष्य.** खंड विधि और उसके समीकरण TR-55 (USDA SCS, 1986, Ch. 3) और NEH Part 630, Ch. 15 (USDA NRCS, 2010) से लिए गए हैं। SI स्थिरांक अमेरिकी समीकरणों के सीधे रूपांतरण हैं: L को m में और P2 को mm में लेने पर 0.007, 0.091 हो जाता है, और 16.1345 और 20.3282 ft/s, 4.918 और 6.196 m/s हो जाते हैं। TR-55 (1986) ने परत प्रवाह को 300 ft (≈ 90 m) तक अनुमति दी थी। NEH 630 Ch. 15 बताता है कि परत प्रवाह सामान्यतः लगभग 100 ft (≈ 30 m) से अधिक नहीं रहता और फिर उथला संकेंद्रित प्रवाह बन जाता है (Merkel, 2001 का हवाला देते हुए), और अब अनेक अमेरिकी एजेंसियाँ इसे वहीं सीमित करती हैं। यह मैनुअल इसी आधार पर 3.6.2(b) में 30 m की शहरी सीमा निर्धारित करता है: भारतीय शहरी भूखंडों में प्रवाह कुछ ही मीटर के भीतर किसी ड्रेन, कर्ब या चारदीवारी के रिसाव छिद्र (weep hole) तक पहुँच जाता है। परत प्रवाह समीकरण में बिना समायोजन वाला P2 इसलिए प्रयुक्त होता है क्योंकि P2 यात्रा समय संबंध का एक प्राचल है, डिजाइन भार नहीं। अविकसित खुली भूमि के लिए डिफॉल्ट n = 0.15 TR-55 का छोटी घास वाला मान है; यह मैनुअल इसे इसलिए लेता है ताकि विकास-पूर्व Tc के ऐसे लंबे मानों से बचा जा सके जो Q_pre को कृत्रिम रूप से कम कर दें। किरपिच सूत्र Chow, Maidment और Mays (1988, Table 15.1.2) द्वारा दिया गया SI रूप है, जो टेनेसी के छोटे कृषि जलग्रहण क्षेत्रों से लिया गया है (Kirpich, 1940), इसलिए यह शहरी सतहों के लिए उपयुक्त नहीं है। पश्चता अनुपात 0.6 NRCS का मान है, जिसे APWA भी प्रयुक्त करता है (2011, §5602.7C)।

3.7 मृदा और जलवैज्ञानिक मृदा समूह

3.7.1 **मानचित्रण.** HSG, राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (NBSS&LUP) द्वारा, या झारखंड के कृषि विभाग (मृदा सर्वेक्षण) और बिरसा कृषि विश्वविद्यालय [TBC] द्वारा मानचित्रित मृदा शृंखला से, परिशिष्ट 3A की मृदा-शृंखला-से-HSG मिलान-सूची (lookup) का उपयोग करके, निर्धारित किया जाएगा। स्रोत मानचित्र और उसका पैमाना बताया जाएगा।

3.7.2 **निर्धारण नियम.** जहाँ किसी शृंखला के लिए परिशिष्ट 3A अभी उपलब्ध नहीं है, वहाँ HSG, NEH Part 630, Ch. 7 के मानदंडों का उपयोग करके, मापी गई संतृप्त हाइड्रोलिक चालकता और अपारगम्य परत या भूजल स्तर तक की गहराई से निर्धारित किया जाएगा। परिशिष्ट 3A के प्रकाशित होने तक यह मैनुअल झारखंड के लिए निम्नलिखित अंतरिम समूह निर्धारित करता है: छोटानागपुर पठार के ग्रेनाइट-नीस पर पतली मिट्टियाँ, जो राज्य के अधिकांश भाग पर हैं, HSG C, और जहाँ भी अपक्षयित चट्टान या चट्टान सतह से 50 cm के भीतर हो वहाँ HSG D; ऊपरी और मध्य भूमि की अधिक गहरी लाल और लाल-पीली दोमट, जैसे रांची पठार की बलुई दोमट और बलुई मृण्मय दोमट, बनावट और गहराई के अनुसार HSG B या C, और जहाँ 1 m के भीतर लैटेराइट, बजरी या चट्टान की परत हो वहाँ दोनों में से कम पारगम्य समूह; सतह पर या उसके निकट लैटेराइट परत (मुरम; murram) और कठोर लैटेराइट, जैसे रांची के पास रातू, बेड़ो, मांडर और नगड़ी में और लोहरदगा पठार पर, HSG D, यद्यपि परत के नीचे का अपक्षयित क्षेत्र बोर के माध्यम से पुनर्भरण ग्रहण कर सकता है (खंड 4.11 का भाष्य); कोयला क्षेत्रों के गोंडवाना बलुआ पत्थर और शेल की मिट्टियाँ,

HSG C; ओवरबर्डन डंप और खनन से विक्षुब्ध अन्य सभी भूमि, अर्थात पुनर्भरित या सुधारी गई खनन भूमि, संघनित खदान बेंच और हॉल रोड, भू-धंसान भूमि और झरिया कोयला क्षेत्र के अग्नि क्षेत्र, प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना के लिए, उनकी बनावट जो भी हो, HSG D, जिसके लिए अंतःस्यंदन का कोई क्रेडिट नहीं (खंड 4.4), क्योंकि वे पानी तेजी से बहा देते हैं और भारी तलछट ले जाते हैं; खुली चट्टान, दलमा ज्वालामुखीय चट्टानों और राजमहल ट्रैप के ढलान, और दलमा, पारसनाथ, नेतरहाट और राजमहल की पहाड़ियों के खड़े ढलान, HSG D; घाटी-तलों की निचली धान भूमि (दोन; don), HSG C, और जहाँ भी मौसमी उच्चतम भूजल स्तर सतह से 0.6 m के भीतर हो वहाँ HSG D (खंड 3.10.1); साहिबगंज और राजमहल का गंगा का जलोढ़, बनावट के अनुसार HSG B या C, किंतु गंगा के डूब क्षेत्र और दियारा (diara) पर जुलाई से सितंबर तक की प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना के लिए HSG D, जिसके लिए अंतःस्यंदन का कोई क्रेडिट नहीं; और भराव भूमि (made ground and fill), HSG C, जब तक कि क्षेत्रीय परीक्षण अन्यथा न दर्शाए। खंड 4.14.1 की सरलीकृत विधि की सीमाओं से बड़ी प्रत्येक साइट पर क्षेत्रीय अंतःस्यंदन परीक्षण अपेक्षित है; छोटी साइटों पर जिस मृदा का परीक्षण नहीं हुआ है, उसे उसके लिए सूचीबद्ध समूहों में से कम पारगम्य समूह दिया जाएगा। खंड 3.10.1 इन सभी समूहों पर लागू होता है।

3.7.3 **साइट पर सत्यापन.** अंतःस्यंदन द्वारा प्रतिधारण पर निर्भर प्रत्येक साइट (अध्याय 4) के लिए मानचित्रित HSG का सत्यापन प्रत्येक अंतःस्यंदन सुविधा के स्थान और गहराई पर साइट अंतःस्यंदन परीक्षणों द्वारा किया जाएगा। जहाँ परीक्षण मानचित्रित HSG से कम अंतःस्यंदन क्षमता दर्शाते हैं, वहाँ प्रतिधारण डिजाइन और विकास-पश्चात CN दोनों के लिए परीक्षण का परिणाम लागू होगा। जहाँ वे अधिक क्षमता दर्शाते हैं, वहाँ प्राधिकारी के अनुमोदन के बिना विकास-पूर्व HSG नहीं बदला जाएगा।

3.7.4 **विक्षुब्ध और भराई वाली भूमि.** खंड 3.3.3(b) लागू होता है।

> **भाष्य.** NBSS&LUP के मृदा मानचित्र सामान्यतः 1:250,000 से 1:50,000 पैमाने पर होते हैं और मृदाओं को HSG के आधार पर नहीं, बल्कि श्रृंखला और वर्गिकी (taxonomy) के आधार पर वर्गीकृत करते हैं। इसलिए एक मिलान-सूची (परिशिष्ट 3A) आवश्यक है। साइट परीक्षण सबसे अधिक महत्वपूर्ण पठार पर हैं, जहाँ अपक्षयित चट्टान या लैटेराइट पैन तक की गहराई एक ही साइट के भीतर कुछ सेंटीमीटर से कई मीटर तक बदल सकती है, और जहाँ सतह पर पानी जल्दी सोखने वाली मृदा अपनी पतली परिच्छेदिका के भर जाने पर पानी जमा करने लगती है; घाटी-तलों की निचली धान भूमि (दोन; don) में, जो पूरे मानसून गीली रहती है; लैटेराइट पर, जहाँ परत पानी बहा देती है किंतु उसके नीचे का अपक्षयित क्षेत्र पानी ग्रहण कर सकता है; और कोयला क्षेत्रों में, जहाँ भराव, ओवरबर्डन और धंसी हुई भूमि एक ही साइट पर साथ-साथ होती हैं और संघनन मृदा की निकासी धीमी कर देता है। इस मैनुअल के लिए शोध के दौरान झारखंड का कोई राज्यव्यापी HSG मानचित्र, और NBSS&LUP से मृदा बनावट के राज्यव्यापी क्षेत्रीय अंश, नहीं मिले [TBC]। राज्य का लगभग 85% भाग कठोर चट्टान पर है, जो अधिकांशतः छोटानागपुर ग्रेनाइट नीस संकुल (Chotanagpur Granite Gneissic Complex) है (CGWB, *Ground Water Year Book Jharkhand 2019-20*); NGT के समक्ष राज्य का अपना दाखिल दस्तावेज इसके क्षेत्रफल का लगभग 84% प्रीकैम्ब्रियन आग्नेय और कायांतरित चट्टानें, लगभग 7% राजमहल और दलमा ज्वालामुखीय चट्टानें, लगभग 6% गोंडवाना और विंध्य अवसाद, और केवल लगभग 2% जलोढ़ और तृतीयक अवसाद बताता है (झारखंड राज्य की 10 सितंबर 2024 की स्थिति रिपोर्ट, NGT O.A. 694/2023 में)। लैटेराइट "राज्य के कुछ भागों में आवरण के रूप में भी पाई जाती है" ("also occur[s] as cappings in some parts of the state") (वही वार्षिक पुस्तिका); रांची जिले में मृदाएँ लाल बजरीदार और रेतीली मिट्टी और लाल और पीली मिट्टी हैं, "हल्की बनावट, थोड़ी अम्लीय" ("Light textured, Slightly Acidic"), और रातू, बेड़ो और मांडर प्रखंड के भागों में लैटेराइटी मिट्टी है (CGWB, रांची जिला पुस्तिका, 2013)। मापी गई अंतःस्यंदन दरें केवल रांची के जुमार नाले के उप-जलसंभर से मिलीं, जो डबल-रिंग अंतःस्यंदनमापी (double-ring infiltrometer) से मापी गईं: ऊपरी भूमि की Kokdro और Nagri श्रृंखला (बलुई मृण्मय दोमट) पर 62 और 48 mm/h की स्थिर दरें, मध्य भूमि की Barhu श्रृंखला पर 40 mm/h और निचली भूमि की Bukru श्रृंखला (मृण्मय दोमट) पर 28 mm/h (Baxla, Kumar और Wadood, 2001)। ये खेती की मृदाओं पर बिंदु माप हैं, शहरी, संघनित या चट्टान के ऊपर की पतली मृदाओं पर नहीं। धनबाद–झरिया में दरें "धीमे से मध्यम वर्ग में थीं, जो मृदा के संघनन के कारण हो सकता है" ("slow to medium class which may be due to the soil compaction") (Sinha और Singh, 2016, एक खोज सारांश से; मान देखे नहीं गए [TBC])। संजय (Sanjai) नदी बेसिन का एक SCS-CN अध्ययन मिला, किंतु उसका अपवाह योग और उसके HSG क्षेत्र आपस में मेल नहीं खाते, और उसका उपयोग नहीं किया जाता (Chandra और Mondal, 2024)। कोयला क्षेत्रों के ओवरबर्डन डंपों से आने वाला अपवाह राज्य में सबसे अधिक प्रदूषित है: CCL की खदानों के बहिःस्राव में 100 की सीमा के सामने 104 से 12,628 mg/l तक निलंबित ठोस पाए गए (CAG, 2019 की रिपोर्ट संख्या 12)।

हानियों के एकमात्र क्षेत्रीय माप CWC उप-क्षेत्रों की डिजाइन हानि दरें हैं: 1(g) में 2.7 mm/h, 1(d) में 2.5 mm/h और 3(d) में एक वक्र, जो 3-घंटे की वर्षा घटना के लिए लगभग 3.5 mm/h से घटकर 13 घंटे या अधिक की वर्षा घटनाओं के लिए 1.5 mm/h हो जाता है (परिशिष्ट 3E)। ये मापी गई ऊपरी भूमि की दरों का लगभग दसवाँ भाग हैं, क्योंकि ये मानसून में, जब नीस के ऊपर की पतली मृदाएँ पहले से भरी होती हैं, पूरे ग्रामीण जलग्रहण क्षेत्रों की बाढ़ों पर फिट किए गए φ-सूचकांक हैं, और इनमें चट्टान, गीले घाटी-तल और चैनलों के पास की भूमि सम्मिलित है; ये किसी मृदा की अंतःस्यंदन क्षमता नहीं हैं, और इनका उपयोग HSG निर्धारित करने या किसी अंतःस्यंदन उपाय (infiltration practice) का आकार निर्धारित करने के लिए नहीं किया जाएगा। यह मैनुअल पूरे राज्य के लिए एक ही समूह नहीं लेता। एकल समूह D चरम प्रवाहों के लिए सुरक्षित पक्ष का होगा, और चट्टान के ऊपर की पतली मृदा पर और खनन भूमि पर सत्य के निकट है, किंतु यह ऊपरी भूमि की अधिक गहरी दोमट पर, जहाँ मापी गई दरें अधिक हैं और भूजल स्तर गहरा है, अंतःस्यंदन प्रतिधारण (खंड 4.4) से वंचित कर देगा। खंड 3.7.2 के अंतरिम समूह, चट्टान तक की गहराई के लिए 50 cm की सीमा, ओवरबर्डन डंपों और खनन से विक्षुब्ध भूमि के लिए समूह D, गंगा के डूब क्षेत्र और दियारा के लिए मौसमी समूह D, और छोटी साइटों पर बिना परीक्षण वाली मृदा का नियम, झारखंड के लिए मृदा-शृंखला मिलान-सूची बनने तक, इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। खड़ी ढलान वाली भूमि उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी मृदा। रांची के जुमार नाले के उप-जलसंभर का ढलान 2–3% है (Baxla, Kumar और Wadood, 2001), उप-क्षेत्र 1(g) के गेज किए गए 29 जलग्रहण क्षेत्रों में से 24 का ढलान 2.0–9.37 m/km है (CWC, 1994), और दलमा, पारसनाथ, नेतरहाट और राजमहल की पहाड़ियों के ढलानों पर खुली चट्टान से अपवाह कुछ ही मिनटों में चैनल तक पहुँच जाता है, इसलिए विकास-पश्चात सांद्रण समय प्रायः खंड 3.6.1 के 10 मिनट के न्यूनतम मान पर होंगे। उन ढलानों पर खुली चट्टान के ऊपर परत प्रवाह (sheet flow) खंड में तालिका 3.4 का चिकनी सतह वाला n प्रयुक्त होगा, और जो जलग्रहण क्षेत्र पहाड़ी ढलान से मैदान पर उतरता है उसे ढाल-परिवर्तन बिंदु (break of slope) पर विभाजित किया जाएगा, और पहाड़ी उप-भाग का मॉडल अलग से बनाया जाएगा, ताकि लंबा, समतल निचला भाग पहाड़ी की तीव्र प्रतिक्रिया को औसत में न दबा दे; ये दोनों नियम इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

3.8 SCS कर्व नंबर (SCS-CN) हानि विधि

3.8.1 **अपवाह समीकरण.** अपवाह की गहराई की गणना इस प्रकार की जाएगी:

$$Q = (P - I_a)^2 / (P - I_a + S), \text{ जब } P > I_a; \text{ अन्यथा } Q = 0 \quad S = 25{,}400 / CN - 254$$

जहाँ Q अपवाह की गहराई (mm) है, P संचयी वर्षा की गहराई (mm) है, S संभावित अधिकतम प्रतिधारण (mm) है और Ia प्रारंभिक हानि (initial abstraction) (mm) है। हाइड्रोग्राफ मॉडलों में यह समीकरण प्रत्येक समय पद पर संचयी वर्षा पर लगाया जाता है ताकि वृद्धिशील अतिरिक्त वर्षा प्राप्त हो।

3.8.2 **कर्व नंबर.** AMC II पर CN, खंड 3.7 के HSG के लिए, तालिका 3.5 से लिया जाएगा।

तालिका 3.5 — अपवाह कर्व नंबर, AMC II, Ia = 0.2S (USDA SCS TR-55, 1986, Tables 2-2a और 2-2c)

आवरण का प्रकार	HSG A	HSG B	HSG C	HSG D
विकास-पूर्व संदर्भ (खंड 3.3.2): खुला स्थान, अच्छी दशा (घास > 75%)	39	61	74	80
खुला स्थान, मध्यम दशा (घास 50–75%)	49	69	79	84
खुला स्थान, खराब दशा (घास < 50%)	68	79	86	89
अपारगम्य: छतें, पक्की पार्किंग, ड्राइववे, कर्ब और ड्रेन वाली पक्की सड़कें	98	98	98	98

आवरण का प्रकार	HSG A	HSG B	HSG C	HSG D
खुली खाइयों वाली पक्की सड़कें (मार्गाधिकार सहित)	83	89	92	93
बजरी की सड़कें (मार्गाधिकार सहित)	76	85	89	91
कच्ची सड़कें (मार्गाधिकार सहित)	72	82	87	89
नए समतल किए गए क्षेत्र (पारगम्य, कोई वनस्पति नहीं)	77	86	91	94
परती, खुली मिट्टी	77	86	91	94
घास का मैदान (निरंतर घास, चराई से सुरक्षित)	30	58	71	78
झाड़ी, अच्छी दशा	30	48	65	73
वन, अच्छी दशा	30	55	70	77
वन, मध्यम दशा	36	60	73	79
वन, खराब दशा	45	66	77	83
जल सतहें, तालाब के जल-फैलाव क्षेत्र, आर्द्र अस्थायी भंडारण बेसिन	अपवाह = वर्षा (कोई हानि नहीं)			

3.8.3 **तालिका 3.5 का उपयोग.**

- (a) विकास-पश्चात CN मापी गई सतहों से बनाया जाएगा (खंड 3.9)। साइट के लिए TR-55 की शहरी जिला और आवासीय भूखंड-आकार पंक्तियों का उपयोग नहीं किया जाएगा।
- (b) विकास-पश्चात स्थिति में पारगम्य क्षेत्रों के लिए "खुला स्थान" उस दशा में लिया जाएगा जो लैंडस्केप योजना से प्राप्त होगी। जहाँ कोई लैंडस्केप योजना प्रस्तुत नहीं की गई है, वहाँ मध्यम दशा लागू होती है।
- (c) TR-55 की जोती गई भूमि की पंक्तियों का उपयोग साइट के बाहर की विद्यमान स्थितियों के लिए किया जा सकता है, किंतु खंड 3.3.2 के विकास-पूर्व संदर्भ के लिए कभी नहीं।

3.8.4 **पूर्ववर्ती नमी.** AMC खंड 2.11.4 के अनुसार होगी: परिशिष्ट 2A के उप-भाग JH-C दामोदर कोयला क्षेत्र पट्टी, JH-D स्वर्णरेखा–खरकई निचला क्षेत्र और कोल्हान या JH-E संथाल परगना और गंगा तटवर्ती क्षेत्र में स्थित साइट पर, या राज्य में कहीं भी किसी नदी के डूब क्षेत्र पर, 1 जुलाई से 30 सितंबर तक, और उप-भाग JH-A रांची पठार (स्वर्णरेखा का उद्गम क्षेत्र), JH-B हजारीबाग–कोडरमा–गिरिडीह पठार और पारसनाथ, JH-G दक्षिण-पश्चिमी पठार (ब्राह्मणी का उद्गम क्षेत्र) या JH-F पलामू–लातेहार–गढ़वा (उत्तरी कोयल–सोन) में स्थित साइट पर जुलाई और अगस्त में, प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना के लिए, उसकी अवधि जो भी हो, AMC III; किसी अन्य साइट या समय पर ऐसी डिजाइन वर्षा घटना के लिए AMC III जो 53 mm से अधिक के 5-दिवसीय वर्षा योग के बाद आती हो या उसे अपने भीतर रखती हो; और अन्य प्रत्येक वर्षा घटना के लिए AMC II। AMC I और III के लिए CN, AMC II से इस प्रकार प्राप्त किया जाएगा:

> CN(I) = 4.2 CN(II) / (10 − 0.058 CN(II)) CN(III) = 23 CN(II) / (10 + 0.13 CN(II))

यह रूपांतरण **केवल पारगम्य घटक पर** लगाया जाएगा। अपारगम्य सतहें सभी AMC के लिए CN 98 पर रहती हैं। संयुक्त CN को सीधे परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं। AMC III पर विकास-पूर्व संदर्भ CN हैं: HSG A 59.5; HSG B 78.2; HSG C 86.7; HSG D 90.2।

3.8.5 **प्रारंभिक हानि.**

- (a) **डिफॉल्ट:** तालिका 3.5 के CN के साथ Ia = 0.2S।
- (b) **संवेदनशीलता रन (अनिवार्य):** प्रत्येक भंडारण डिजाइन को Ia = 0.05S के साथ भी चलाया जाएगा। इस रन के लिए S को S0.05 = 1.33 · S0.20^1.15 (S इंच में) के रूप में परिवर्तित किया जाएगा, जो SI में है:

  > S0.05 = 25.4 × 1.33 × (S0.20 / 25.4)^1.15 (mm)

- (c) डिजाइन डिफॉल्ट रन पर आधारित होगा। संवेदनशीलता के परिणाम प्रपत्र 3-2 में दर्ज किए जाएँगे। जहाँ संवेदनशीलता रन आवश्यक प्रतिधारण आयतन या जल गुणवत्ता आयतन को बढ़ाता है, वहाँ उस आयतन के लिए बड़ा मान लागू होगा।

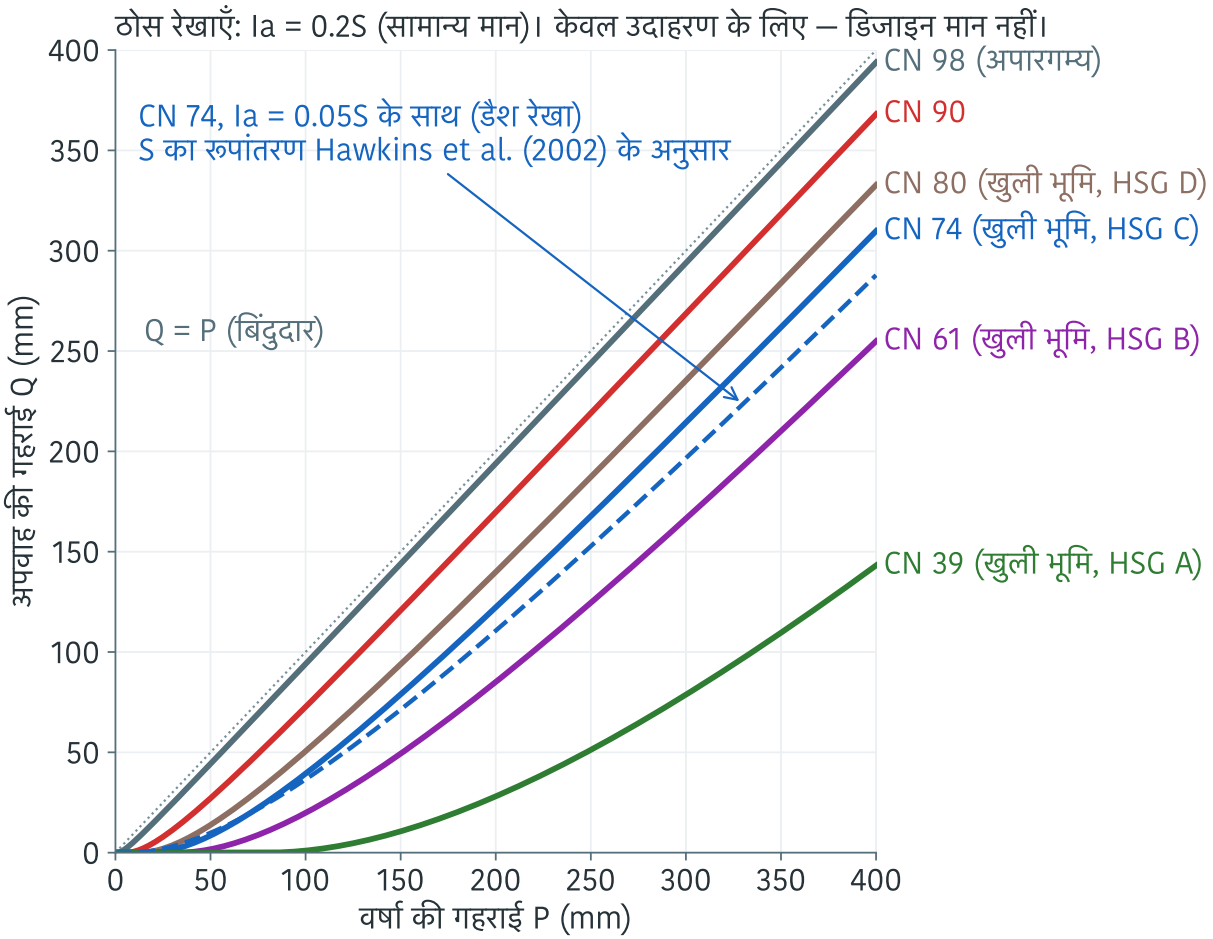

चित्र 3.3 — Ia = 0.2S पर चयनित कर्व नंबरों के लिए SCS-CN अपवाह की गहराई बनाम वर्षा की गहराई, CN 74 के लिए Ia = 0.05S संवेदनशीलता स्थिति के साथ। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, USDA NRCS, NEH Part 630, Ch. 10 (2004) और USDA SCS TR-55 (1986) के अपवाह समीकरण, और Hawkins et al. (2002) के S-रूपांतरण से परिकलित। केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं।

भाष्य. तालिका 3.5 मानक NRCS TR-55 (1986) मानों को दोहराती है। ये अमेरिकी जलग्रहण क्षेत्रों से निकाले गए थे और झारखंड में इनका अंशांकन नहीं हुआ है। AMC रूपांतरण समीकरण Chow, Maidment और Mays (1988, §5.5) द्वारा दिए गए मानक NEH-4 संबंध हैं। केवल पारगम्य घटक का रूपांतरण APWA के अनुसार है, जो कहता है कि "संयुक्त पूर्ववर्ती नमी स्थितियों का सीधा रूपांतरण

उचित नहीं है" ("direct conversion of composite antecedent moisture conditions is not appropriate") (KC Metro APWA 5600, 2011, §5602.2C)। संयुक्त CN को परिवर्तित करने से अपारगम्य भाग का CN गलत रूप से कम हो जाएगा।

Ia = 0.2S मूल NRCS अनुपात है। अमेरिकी वर्षा–अपवाह आँकड़ों के विश्लेषण में पाया गया कि औसतन 0.05S बेहतर बैठता है (Hawkins et al., 2002; Woodward et al., 2003), और उसी से 3.8.5(b) का रूपांतरण मिला। NRCS ने औपचारिक रूप से 0.2S को प्रतिस्थापित नहीं किया है, इसलिए यह मैनुअल इसे डिफॉल्ट के रूप में रखता है। चित्र 3.3 दर्शाता है कि संवेदनशीलता रन क्यों आवश्यक है: CN 74 के लिए 0.05S स्थिति छोटी वर्षा घटनाओं में **अधिक** अपवाह देती है (25 mm वर्षा से लगभग 2.0 mm बनाम 0.5 mm), किंतु बड़ी वर्षा घटनाओं में **कम** (350 mm से लगभग 242 mm बनाम 262 mm)। *केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं।* अतः यह अनुपात प्रतिधारण और जल गुणवत्ता आयतनों के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है, और चरम प्रवाह तथा अस्थायी भंडारण डिजाइन के लिए डिफॉल्ट 0.2S सुरक्षित पक्ष का विकल्प है। 3.8.5(c) के इस नियम का कि बड़ा प्रतिधारण या जल गुणवत्ता आयतन लागू होगा, कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे इसलिए निर्धारित करता है क्योंकि 0.05S स्थिति उन छोटी वर्षा घटनाओं से अधिक अपवाह देती है जिनसे ये आयतन निर्धारित होते हैं।

3.9 अपारगम्य क्षेत्रों की संबद्धता

3.9.1 **वर्गीकरण.** विकास-पश्चात स्थिति में प्रत्येक अपारगम्य सतह को प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी (DCIA) या असंबद्ध के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा, और जल निकासी नक्शे पर दर्शाया जाएगा।

3.9.2 **वरीय निरूपण.** हाइड्रोग्राफ मॉडलों में DCIA और पारगम्य क्षेत्रों को अलग-अलग उप-भागों के रूप में (या SWMM उप-जलग्रहण क्षेत्र के अलग अपारगम्य और पारगम्य अंशों के रूप में) मॉडल किया जाएगा, और प्रत्येक के अपने हानि प्राचल होंगे। असंबद्ध अपारगम्य क्षेत्रों के अपवाह को प्राप्तकर्ता पारगम्य क्षेत्र पर रूट किया जाएगा।

3.9.3 **असंबद्धता के मानदंड.** किसी अपारगम्य क्षेत्र को असंबद्ध के रूप में केवल तभी वर्गीकृत किया जा सकता है जब निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी हों:

- (a) उसका अपवाह बिना किसी पाइप, चैनल या कर्ब के, परत प्रवाह के रूप में किसी पारगम्य क्षेत्र पर गिरता है;
- (b) पारगम्य प्रवाह मार्ग कम से कम उतना लंबा है जितना उसमें पानी देने वाला अपारगम्य प्रवाह मार्ग;
- (c) पारगम्य क्षेत्र संघनित नहीं है, HSG D नहीं है, और अनुमोदित योजना द्वारा पक्का किए जाने से सुरक्षित है; और
- (d) 12 घंटे या अधिक की वर्षा घटनाओं के लिए, उसका पानी किसी RWH संप या टैंक में नहीं जाता (खंड 3.3.3(c))।

3.9.4 **संयुक्त CN.** जहाँ 3.9.2 के स्थान पर एक ही संयुक्त CN का उपयोग किया जाता है, वहाँ उसकी गणना इस प्रकार की जाएगी:

- प्रत्यक्ष रूप से जुड़े अपारगम्य क्षेत्र के लिए: CNc = CNp + (Pimp / 100)(98 − CNp);
- जहाँ कुल अपारगम्य क्षेत्र 30% से कम है और उसका कुछ भाग असंबद्ध है: CNc = CNp + (Pimp / 100)(98 − CNp)(1 − 0.5 R),

जहाँ CNp पारगम्य CN है, Pimp अपारगम्य क्षेत्र का प्रतिशत है और R असंबद्ध और कुल अपारगम्य क्षेत्र का अनुपात है। संयुक्त CN का उपयोग प्रतिधारण या जल गुणवत्ता आयतनों के लिए नहीं किया जाएगा।

भाष्य. संयुक्त समीकरण TR-55 (USDA SCS, 1986, Ch. 2, Figures 2-3 और 2-4) से लिए गए हैं। यह मैनुअल 3.9.2 में अलग निरूपण को इसलिए वरीयता देता है क्योंकि संयुक्त CN अपारगम्य प्रतिक्रिया को पूरे क्षेत्र पर फैला देता है, जिससे छोटी वर्षा घटनाओं का अपवाह दब जाता है। HSG B खुले स्थान (CNp 61) पर 50% प्रत्यक्ष रूप से जुड़े अपारगम्य क्षेत्र वाली साइट के लिए, 25 mm वर्षा से दोनों भागों को अलग-अलग मॉडल करने पर लगभग 9.9 mm अपवाह मिलता है, किंतु 79.5 के संयुक्त CN से केवल लगभग 1.8 mm। 200 mm पर दोनों विधियाँ मेल खाती हैं (139.5 mm बनाम 138.4 mm)। *केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं।* त्रुटि उन बार-बार होने वाली

वर्षा घटनाओं के लिए सबसे अधिक है जिनसे प्रतिधारण और जल गुणवत्ता आयतन निर्धारित होते हैं। 3.9.3 के असंबद्धता मानदंड इस मैनुअल द्वारा, अमेरिका के अपवाह-कमी मैनुअलों की सामान्य पद्धति के आधार पर, निर्धारित हैं। मानदंड (d) खंड 3.3.3(c) के इस नियम के अनुसार है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा घटनाओं के आरंभ में RWH संप भरे होते हैं।

3.10 भूजल, उच्च भूजल स्तर और तालाब का पश्चजल

3.10.1 **उच्च भूजल स्तर (द्वि-HSG).** जहाँ मौसमी उच्चतम भूजल स्तर भू-सतह से 0.6 m के भीतर है, वहाँ मृदा को, उसकी बनावट जो भी हो, विकास-पूर्व और विकास-पश्चात दोनों रन के लिए HSG D दिया जाएगा, जब तक कि उसकी निकासी अध्याय 10 के अंतर्गत अनुरक्षित कार्यों द्वारा स्थायी रूप से न की जाती हो। यह नियम 12 घंटे या अधिक की वर्षा घटनाओं पर, जो AMC III पर चलाई जाती हैं (खंड 2.11.4), प्रत्येक स्थिति में लागू होता है।

3.10.2 **भूजल स्तर के आँकड़े.** मौसमी उच्चतम भूजल स्तर दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (जून–सितंबर) में दर्ज उच्चतम स्तर के रूप में लिया जाएगा, जो साइट के पीजोमीटरों या परीक्षण गड्ढों से, या केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (CGWB) या पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के निकटतम प्रेक्षण कुएँ से, भूतल के स्तर के लिए समायोजित करके, प्राप्त हो।

3.10.3 **अंतःस्यंदन-आधारित हानियाँ.** जहाँ SCS-CN के स्थान पर ग्रीन–एम्प्ट (Green–Ampt), हॉर्टन (Horton) या मृदा-नमी लेखांकन (soil-moisture accounting) हानियों का उपयोग किया जाता है, वहाँ किसी भी वर्षा घटना में संचयी अंतःस्यंदन मौसमी उच्चतम भूजल स्तर के ऊपर मृदा में उपलब्ध भंडारण से अधिक नहीं होगा।

3.10.4 **तालाब और जलाशय का पश्चजल.** जहाँ कोई साइट या उप-जलग्रहण क्षेत्र किसी तालाब (tank), तालाब (talab), दलदल या अन्य जलाशय में पानी छोड़ता है:

- (a) प्राप्तकर्ता जलाशय का जल स्तर, अध्याय 5 और अध्याय 7 के अनुसार, मॉडल की अनुप्रवाह सीमा-स्थिति के रूप में लगाया जाएगा;
- (b) डिजाइन घटना में प्राप्तकर्ता जलाशय के स्तर से नीचे की भूमि (FTL से नीचे तालाब के अग्रतट सहित) को बिना किसी हानि के जल सतह या भंडारण के रूप में मॉडल किया जाएगा; और
- (c) जहाँ आउटफॉल जलाशय के स्तर से डूबा हुआ है, वहाँ रूटिंग में खंड 3.12.4 की डायनेमिक-वेव विधि का उपयोग किया जाएगा।

भाष्य. द्वि-समूह नियम NEH Part 630, Ch. 7 (USDA NRCS, 2009) के अनुसार है, जो सतह से 60 cm (24 in) के भीतर भूजल स्तर वाली गीली मृदाओं को उनकी बिना निकासी वाली अवस्था में समूह D में रखता है, और जहाँ निकासी व्यवहार्य हो वहाँ द्वि-समूह (A/D, B/D, C/D) देता है। यह मैनुअल लंबी वर्षा घटनाओं पर बिना निकासी वाला समूह इसलिए लागू करता है क्योंकि, यद्यपि झारखंड का अधिकांश भाग पठार है जहाँ मानसून से पहले भूजल स्तर कई मीटर नीचे होता है, वर्षा आरंभ होते ही भूजल स्तर जल्दी ऊपर आ जाता है, और चट्टान के ऊपर की पतली मृदाएँ ऋतु के आरंभ में ही भर जाती हैं। पूरे राज्य में मई 2022 में भूजल की गहराई भूतल से 0.45–33 m नीचे थी, जिसमें 63% कुएँ 5–10 m पर थे, और नवंबर 2022 में 0.4–16.10 m, जिसमें 62% कुएँ 2–5 m पर थे; सबसे उथले स्तर गुमला जिले में थे और मानसून से पहले सबसे गहरे रांची जिले में (झारखंड राज्य की 10 सितंबर 2024 की स्थिति रिपोर्ट, NGT O.A. 694/2023 में, CGWB के आँकड़े)। रांची जिले में 2012 के मानसून से पहले गहराई 2.21–12.20 m थी और उसके बाद 1.81–6.60 m (CGWB, रांची जिला पुस्तिका, 2013)। इस पानी को धारण करने वाला अपक्षयित क्षेत्र ग्रेनाइट और नीस के ऊपर 10–25 m और लैटेराइट के नीचे 30–60 m मोटा है, और "लैटेराइटी भूभाग में अनेक खुदे कुएँ गर्मी के महीनों में सूख जाते हैं" ("In lateritic terrain many dug wells dry up during summer months") (वही पुस्तिका), इसलिए एक ही साइट मई में सूखी और अगस्त में सतह के निकट तक गीली हो सकती है। गीली स्थितियाँ ये हैं: घाटी-तलों की निचली धान भूमि (दोन; don), जिसकी मृण्मय दोमट ने रांची के पास मापी गई सबसे कम अंतःस्यंदन दर, 28 mm/h, दी (Baxla, Kumar और Wadood, 2001); स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर और उत्तरी कोयल के डूब क्षेत्र; साहिबगंज और राजमहल में गंगा तटवर्ती क्षेत्र, जहाँ 2019 में 28 सितंबर से दियारा (diara) जलमग्न रहा (प्रकाशित खबरों के अनुसार) और 935.5 ha की उधवा आर्द्रभूमि को गंगा से उधवा नाले के माध्यम से पानी मिलता है (Ramsar Information Sheet, site 2559); और झरिया कोयला क्षेत्र में

भू-धंसान से बने गर्त, जहाँ भूमि औसतन लगभग 4 cm प्रति वर्ष और कुछ भूमिगत खदानों के ऊपर 12 cm प्रति वर्ष तक धंस रही है (EGU 2020 का सार, प्रकाशित खबरों के अनुसार), और जिन्हें यह मैनुअल जलभराव से ग्रस्त मानता है जब तक कि कोई सर्वेक्षण अन्यथा न दर्शाए, क्योंकि उनमें भरे पानी का कोई सर्वेक्षण नहीं मिला [TBC]। राज्य भर में भूजल दुर्लभ नहीं है, जहाँ 2025 के आकलन में दोहन का चरण (stage of extraction) 32.89% था (CGWB, 18 दिसंबर 2025 का लोक सभा का उत्तर), किंतु औद्योगिक नगरों में यह दुर्लभ है: 2023 के आकलन में जमशेदपुर शहरी, गोलमुरी-सह-जुगसलाई, बलियापुर और बेरमो अति-दोहित थे, धनबाद शहरी और तोपचांची गंभीर थे, और रांची जिले का 501.6 km² गंभीर था (NGT के समक्ष दाखिल दस्तावेज में पुनः प्रस्तुत CGWB के अनुलग्नक)। अलग-अलग साइटों के लिए मानसून में भूजल स्तर की कोई गहराई, और डूब क्षेत्रों, दोन भूमि या कोयला क्षेत्रों के मौसमी उच्चतम भूजल स्तर का कोई मानचित्र, प्राप्त नहीं हुआ [TBC]; परिशिष्ट 3A में ये दिए जाने हैं। खंड 3.10.4 राज्य के प्राप्तकर्ता जलाशयों को दर्शाता है, जो जलाशय और डैमों से रोकी गई नदियाँ हैं। रांची का पानी कांके, धुर्वा (हटिया) और गेतलसूद जलाशयों में और उनके नीचे स्वर्णरेखा में जाता है (SANDRP द्वारा लिखित रूप में CWC की सूची में गेतलसूद का जलाशय का पूर्ण जल स्तर 590.06 m; कांके और धुर्वा के स्तर किसी घोषित डेटम पर नहीं मिले [TBC])। जमशेदपुर का पानी स्वर्णरेखा और खरकई में जाता है, जो 26 जुलाई 2025 को मानगो पुल पर 123.36 m और आदित्यपुर पर 134.90 m पर थीं, जबकि जिले के खतरे के निशान 121.50 m और 129 m हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। साहिबगंज का पानी गंगा में जाता है, जिसका CWC गेज पर उच्चतम स्तर 27.25 m के खतरे के स्तर के सामने 30.91 m (20 अगस्त 1998) है (CWC)। मानगो और आदित्यपुर पर जिले के निशानों का जमशेदपुर के CWC स्थल से मिलान नहीं किया गया है, जहाँ खतरे का स्तर 123.5 m और उच्चतम स्तर 129.82 m (12 अक्तूबर 1973) है, और दोनों प्रणालियों को मिलाया नहीं जाएगा (अध्याय 5)।

3.11 इकाई हाइड्रोग्राफ और अपवाह रूपांतरण

3.11.1 **अनुमत रूपांतरण.**

- (a) 25 km² से छोटे जलग्रहण क्षेत्रों के लिए, और किसी बड़े मॉडल के किसी भी उप-भाग के लिए, SCS (NRCS) आयामहीन इकाई हाइड्रोग्राफ, वक्ररेखीय या त्रिभुजाकार;
- (b) काइनेमैटिक (kinematic) सतही प्रवाह के साथ SWMM का अरैखिक जलाशय (non-linear reservoir);
- (c) HEC-HMS में क्लार्क (Clark) या ModClark इकाई हाइड्रोग्राफ, जहाँ प्राचल खंड 3.15 के अंतर्गत अंशांकित हों; और
- (d) 25–5,000 km² के लिए CWC संश्लिष्ट इकाई हाइड्रोग्राफ (खंड 3.11.4)।

3.11.2 **SCS इकाई हाइड्रोग्राफ.** इकाई हाइड्रोग्राफ का चरम और चरम तक समय इस प्रकार होगा:

> qp = PRF′ · A · Q / tp, जहाँ PRF′ = 0.208 (मानक चरम दर गुणक 484 का SI रूप) tp = Δt / 2 + tL, tL = 0.6 Tc

जहाँ qp चरम प्रवाह (m³/s) है; A क्षेत्रफल (km²) है; Q अपवाह की गहराई (mm) है, जो इकाई हाइड्रोग्राफ के लिए 1 mm के बराबर है; tp चरम तक समय (h) है; और Δt गणना अंतराल (h) है।

3.11.3 **गणना अंतराल और उप-भाग.**

- (a) Δt सबसे छोटे उप-भाग के 0.133 Tc से अधिक नहीं होगा, और न ही खंड 2.9.1 के हायटोग्राफ समय पद से अधिक होगा।
- (b) उप-भाग HSG, भू-आवरण और ढलान में यथोचित रूप से एकसमान होंगे। पारगम्य और प्रत्यक्ष रूप से जुड़े अपारगम्य क्षेत्र, खंड 3.9.2 के अनुसार, अलग-अलग उप-भाग होंगे।

3.11.4 **CWC संश्लिष्ट इकाई हाइड्रोग्राफ.** CWC उप-क्षेत्र 1(d) (Sone), 1(g) (Lower Ganga Plains, जो झारखंड में छोटानागपुर पठार और तलहटी का उसका पहाड़ी क्षेत्र है) या 3(d) (Mahanadi) में 25–5,000 km² के जलग्रहण क्षेत्रों के लिए:

- (a) SUH प्राचल, डिजाइन वर्षा घटना की अवधि, हानि दर, आधार प्रवाह (base flow), क्षेत्रीय न्यूनीकरण और समय वितरण लागू CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट से, सर्वेक्षण या DEM से मापे गए जलग्रहण क्षेत्र के भू-आकृतिक प्राचलों का उपयोग करके, लिए जाएँगे;
- (b) 24-घंटे की डिजाइन वर्षा खंड 2.3.3(b) और खंड 2.7.3 के अनुसार होगी, और खंड 2.8 का जलवायु गुणक लगाया जाएगा;
- (c) SUH का परिणाम विद्यमान प्राकृतिक स्थिति के लिए HEC-HMS या SWMM के परिणाम के साथ प्रस्तुत किया जाएगा; और
- (d) जहाँ हाइड्रोग्राफ मॉडल CWC SUH से कम 1% AEP चरम प्रवाह देता है, वहाँ डिजाइनकर्ता या तो खंड 3.15 के अंतर्गत अंशांकन द्वारा मॉडल को उचित ठहराएगा या CWC SUH का चरम प्रवाह लेगा।

3.11.5 **समतल तटीय भूमि के लिए चरम दर गुणक.** मानक गुणक (484; PRF' = 0.208) डिफॉल्ट है। कम गुणक का उपयोग केवल तभी किया जा सकता है:

- (a) बिना पाइप या पक्की जल निकासी वाली, बिना चैनल की समतल तटीय मैदानी भूमि के लिए;
- (b) जो भूमि बिना चैनल के रहती है उसके लिए विकास-पूर्व और विकास-पश्चात दोनों रन में एक ही प्रकार से; और
- (c) प्राधिकारी द्वारा परिशिष्ट 3D में अंशांकित मान अंगीकार किए जाने के बाद।

विकास-पश्चात स्थिति में पाइप, पक्की ड्रेन या कर्ब द्वारा निकासी वाली भूमि के लिए मानक गुणक का उपयोग किया जाएगा।

> **भाष्य.** SCS इकाई हाइड्रोग्राफ, 0.6 का पश्चता अनुपात और 0.133 Tc का अंतराल NEH Part 630, Ch. 16 (USDA NRCS, 2007) से लिए गए हैं। अंतराल इकाई हाइड्रोग्राफ की ज्यामिति से निकलता है: tp = Δt/2 + 0.6 Tc और Tc + Δt = 1.7 tp होने पर Δt = 0.133 Tc। SI स्थिरांक 0.208, 484 (cfs, mi², in, h) का सीधा रूपांतरण है। APWA अपने आधार के रूप में SCS आयामहीन इकाई हाइड्रोग्राफ का उपयोग करता है (2011, §5602.5)। CWC की बाढ़ आकलन रिपोर्टें प्रत्येक उप-क्षेत्र के लिए SUH प्राचलों के समाश्रयण (regression) समीकरण, डिजाइन वर्षा घटना की अवधि, एक स्थिर हानि दर, और ARF तथा समय-वितरण वक्र देती हैं (CWC 1987, 1994 और 1997; अध्याय 2 देखें)। ये प्राकृतिक, अधिकांशतः ग्रामीण जलग्रहण क्षेत्रों से ऐसे आँकड़ों से निकाले गए थे जो 1987 से 1997 की रिपोर्टों से पहले के हैं (उप-क्षेत्र 1(g) के पहाड़ी क्षेत्र के जलग्रहण क्षेत्र मुख्यतः 1956–1967 में गेज किए गए थे), इसलिए ये शहरीकृत नहीं, बल्कि विकास-पूर्व स्थितियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसी कारण SUH को विकास-पश्चात मॉडल के रूप में नहीं, बल्कि तुलना-मानक के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। खंड 3.11.4(d) खंड 2.3.3 के न्यूनतम सीमा सिद्धांत को प्रतिबिंबित करता है। भारतीय अध्ययनों में HEC-HMS को CWC उप-क्षेत्र SUH प्रतिक्रियाओं के सापेक्ष अंशांकित किया गया है, जिससे पता चलता है कि दोनों को जोड़ा जा सकता है।

3.11.5 के कम-गुणक विकल्प का आधार NRCS का डेलमार्वा (Delmarva) इकाई हाइड्रोग्राफ है, जो डेलमार्वा प्रायद्वीप के समतल, कम चैनल वाले तटीय मैदानी जलग्रहण क्षेत्रों के लिए 284 (PRF' ≈ 0.122) के चरम दर गुणक का उपयोग करता है (Welle et al., 1980, जैसा NRCS ने अपनाया; New Jersey Department of Agriculture, Delmarva bulletin, जो 285 का उपयोग करता है)। कम गुणक कम और देर से आने वाला चरम प्रवाह देता है। केवल विकास-पूर्व रन में प्रयुक्त करने पर यह Q_pre को कम करेगा और निकास सीमा को अधिक कठोर बनाएगा; पाइप वाले विकास-पश्चात रन में प्रयुक्त करने पर यह Q_post को कम आँकेगा। खंड 3.11.5(b) दोनों पूर्वाग्रहों को रोकता है।

3.12 रूटिंग

3.12.1 **भंडारण रूटिंग.** अस्थायी भंडारण और प्रतिधारण सुविधाओं, तालाबों, पोखरों और तटबंधों के पीछे के किसी भी भंडारण से होकर रूटिंग में स्तर-ताल रूटिंग (level-pool; modified Puls, storage-indication) का उपयोग किया जाएगा, जिसमें:

- (a) डिजाइन समतलन या सर्वेक्षण से जल स्तर–भंडारण संबंध;

- (b) प्रत्येक आउटलेट (ऑरिफिस, वियर, सरप्लस वियर, पंप) के लिए जल स्तर–प्रवाह दर संबंध, जिसमें अध्याय 4 का न्यूनतम ऑरिफिस और कचरा-रोधी जाली सम्मिलित हैं; और
- (c) जहाँ टेलवाटर आउटलेट के हेड–प्रवाह दर संबंध को प्रभावित करता है, वहाँ अध्याय 5 की टेलवाटर सीमा-स्थिति।

3.12.2 **चैनल रूटिंग.** चैनलों और ड्रेन से होकर रूटिंग में मस्किंगम–कुंज (Muskingum–Cunge) विधि का, या चैनल ज्यामिति या अंशांकन से निकाले गए प्राचलों K और X के साथ मस्किंगम विधि का, उपयोग किया जाएगा। मस्किंगम विधि के लिए रूटिंग अंतराल Δt, 2KX ≤ Δt ≤ 2K(1 − X) को संतुष्ट करेगा।

3.12.3 **आनुषंगिक भंडारण.** सड़क तटबंधों, पुलियों या सीमा दीवारों के पीछे का ऐसा भंडारण जो किसी अनुमोदित सुविधा का भाग नहीं है, डिजाइन में तब तक नहीं गिना जाएगा जब तक प्राधिकारी संतुष्ट न हो कि उसका डिजाइन आयु तक रखरखाव किया जाएगा।

3.12.4 **डायनेमिक-वेव रूटिंग.** डायनेमिक-वेव (पूर्ण सेंट-वेनांट, Saint-Venant) रूटिंग का, SWMM में या HEC-RAS के अस्थिर प्रवाह (unsteady flow) में, उपयोग वहाँ किया जाएगा जहाँ:

- (a) आउटफॉल ज्वारीय, नदी या तालाब के पश्चजल के अधीन है (अध्याय 5, खंड 3.10.4);
- (b) प्रवाह उलट सकता है, या नेटवर्क में लूप या अतिप्रवाह कड़ियाँ हैं; या
- (c) डिजाइन घटना में नेटवर्क सरचार्ज होता है और हाइड्रोलिक ग्रेड लाइन डिजाइन को निर्धारित करती है।

3.12.5 **तालाब शृंखलाएँ.** शृंखला के प्रत्येक तालाब को खंड 3.12.1 के अनुसार, सरप्लस वियर और स्लूइस के हेड–प्रवाह दर संबंधों और अध्याय 7 के प्रलेखित प्रचालन नियम के साथ, रूट किया जाएगा। प्रत्येक तालाब का प्रारंभिक जल स्तर FTL होगा, जब तक कि सतत सिमुलेशन (खंड 3.13) कम स्तर का समर्थन न करे।

> **भाष्य.** भंडारण के लिए modified Puls रूटिंग और चैनलों के लिए मस्किंगम–कुंज APWA की अपेक्षाएँ हैं (KC Metro APWA 5600, 2011, §5602.8)। APWA तटबंधों के पीछे के "आनुषंगिक अस्थायी भंडारण" ("incidental detention") को भी बाहर रखता है, जब तक कि उसका रखरखाव न किया जाए, और 3.12.3 यही नियम अपनाता है। CPHEEO की अस्थायी भंडारण प्रक्रिया 3.12.1 वाले ही तीन इनपुट का उपयोग करती है: अंतर्वाह हाइड्रोग्राफ, जल स्तर–भंडारण वक्र और जल स्तर–प्रवाह दर वक्र (CPHEEO 2019, Part A §8.5.3)। मस्किंगम स्थिरता सीमाएँ मानक हैं (Chow, Maidment और Mays, 1988, §8.4)। यह मैनुअल 3.12.5 में तालाबों (talab), बाँधों (bandh) और जलाशयों को FTL से इसलिए आरंभ करता है क्योंकि झारखंड की सबसे भारी वर्षा मानसून के मध्य और अंतिम भाग में ऐसे जलाशयों पर होती है जिनमें पहले की वर्षा का पानी आ चुका होता है और जिन्हें जल निकासी के लिए खाली नहीं किया जाता। राज्य की वार्षिक वर्षा का लगभग 84% जून–सितंबर में होता है, और जुलाई और अगस्त में उसका लगभग 26% और 24% आता है (IMD, *Climate of Jharkhand*, 2011, सामान्य मान 1951–2000)। 1891–2010 में राज्य को प्रभावित करने वाले 450 चक्रवाती तूफानों (storms) और अवदाबों में से 143 अगस्त में, 89 सितंबर में और 29 अक्तूबर में आए (वही स्रोत)। केंद्रों की सबसे बड़ी 24-घंटे की वर्षाएँ मानसून के प्रत्येक महीने में और अक्तूबर के आरंभ में हुई हैं: 18 जून 2008 को जमशेदपुर (A) पर 338.1 mm, 11 जुलाई 1990 को मांडर में 382.0 mm और 5 जुलाई 1998 को कांके में 332.6 mm, दोनों रांची जिले में, 27 अगस्त 1980 को गिरिडीह में 403.0 mm, 25 सितंबर 1999 को साहिबगंज जिले के तालझारी में 601.4 mm, जो राज्य का अभिलेख है, और 7 अक्तूबर 2004 को चाईबासा में 241.0 mm (IMD)। शहरी जल निकासी के लिए सबसे महत्वपूर्ण जलाशय जल आपूर्ति के लिए भरे रखे जाते हैं: कांके, धुर्वा (हटिया) और गेतलसूद रांची को, और डिमना झील जमशेदपुर को जल आपूर्ति करते हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। राज्य के शहरों के किसी भी तालाब, बाँध या जलाशय का बाढ़ से पहले जल स्तर घटाने (flood drawdown) का कोई प्रकाशित प्रचालन नियम या जल स्तरों का कोई सार्वजनिक अभिलेख नहीं मिला [TBC], और डोभा कार्यक्रम पानी रोके रखने के लिए खेतों में तालाब खोदता है, वर्षा घटना से पहले खाली करने के लिए नहीं। इसलिए तालाबों, बाँधों और जलाशयों को जुलाई से भरा हुआ माना जाना चाहिए, गेतलसूद या चांडिल जैसे गेट वाले जलाशय का मॉडल WRD से प्राप्त उसके गेट नियम के साथ बनाया जाना चाहिए, और किसी जलाशय को FTL से नीचे केवल वहीं मॉडल किया जाना चाहिए जहाँ खंड 3.13 के अंतर्गत सतत सिमुलेशन या कोई अधिसूचित प्रचालन नियम इसका समर्थन करता हो। खंड 3.13.5(a) में 1 जुलाई से 15 अक्तूबर की अवधि इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। यह तब आरंभ होती है जब मानसून सामान्यतः लगभग 20 जून तक पूरे राज्य में फैल चुका होता है (आगमन की नई सामान्य तिथि जमशेदपुर और बोकारो में 13 जून, रांची में 14 जून और डालटनगंज में 17 जून; IMD, Pai et al., 2020),

> क्योंकि देर से आगमन या सूखा जून, जैसे 2023 में 19 जून का आगमन और 2026 में सामान्य से 56% कम जून की वर्षा (IMD, मौसम विज्ञान केंद्र, रांची), प्रारंभिक स्तर को कम कर देगा। यह 15 अक्तूबर को समाप्त होती है, क्योंकि मानसून की वापसी सामान्यतः 8–12 अक्तूबर को पूरी होती है (डालटनगंज में 8 अक्तूबर, रांची में 9 अक्तूबर और जमशेदपुर में 12 अक्तूबर; IMD, Pai et al., 2020), 2023 में यह 13 अक्तूबर को पूरी हुई (IMD, मौसम विज्ञान केंद्र, रांची), और अक्तूबर में भारी वर्षा घटनाएँ हुई हैं, जैसे 7 अक्तूबर 2004 को चाईबासा में 241.0 mm, 12 अक्तूबर 1973 को रांची (A) पर 175.8 mm और 4 अक्तूबर 2025 को गढ़वा जिले के भवनाथपुर में 185.0 mm (IMD)। पंप, गेट और स्लूइस 20 अक्तूबर तक स्टैंडबाय पर रहते हैं (अध्याय 10), जो इस अवधि से कुछ अधिक है, ताकि वापसी के बाद बंगाल की खाड़ी की मौसम प्रणालियों के अवशेषों को सम्मिलित किया जा सके।

3.13 सतत सिमुलेशन

3.13.1 **कब अपेक्षित है.** डिजाइन वर्षा घटना विश्लेषण के अतिरिक्त, निम्नलिखित के लिए सतत सिमुलेशन किया जाएगा:

- (a) 25 km^2 से अधिक की निकासी करने वाली क्षेत्रीय सुविधाएँ; और
- (b) ऐसी कोई भी प्रणाली जिसमें ऐसी तालाब श्रृंखला सम्मिलित है जिसका भंडारण डिजाइन में गिना जाता है (अध्याय 7)।

प्राधिकारी किसी भी ऐसी सुविधा के लिए भी इसकी अपेक्षा कर सकता है जहाँ प्रारंभिक भंडारण स्तर डिजाइन को निर्धारित करता है।

3.13.2 **वर्षा इनपुट.**

- (a) IMD या जलग्रहण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले किसी अन्य अनुमोदित स्व-अभिलेखी वर्षामापी का सबसे लंबा उपलब्ध प्रति घंटा अभिलेख प्रयुक्त किया जाएगा।
- (b) जहाँ प्रति घंटा आँकड़े 30 वर्ष से कम के हैं, वहाँ अभिलेख को IMD के 0.25° ग्रिड दैनिक आँकड़ों से बढ़ाया जाएगा। पूरे ग्रिड अभिलेख (1901 से वर्तमान तक) का उपयोग किया जाना चाहिए; कम से कम सबसे हाल के 30 वर्षों का उपयोग किया जाएगा। दैनिक आँकड़ों को प्रस्तुति में बताई गई किसी विधि से प्रति घंटा आँकड़ों में विभाजित किया जाएगा और अतिव्यापी वर्षों के लिए प्रति घंटा वर्षामापी से उनकी जाँच की जाएगी। जहाँ लागू हो, ग्रिड मानों को खंड 2.7.1 के अंतर्गत बिंदु मानों में परिवर्तित किया जाएगा।
- (c) भविष्य की जलवायु वाला रन अभिलेख को खंड 2.8 के जलवायु गुणकों से मापित करेगा।

3.13.3 **मॉडल की विषय-वस्तु.** मॉडल में वाष्पीकरण (IMD पैन वाष्पीकरण या समतुल्य) के साथ मृदा-नमी लेखांकन, भूजल या आधार प्रवाह, प्रचालन नियमों और सिंचाई के लिए निकासी के साथ तालाब भंडारण, और अध्याय 5 की टेलवाटर श्रृंखला (तटीय आउटफॉल के लिए पूर्वानुमानित ज्वार और महोर्मि के लिए अतिरिक्त प्रावधान) सम्मिलित होंगे।

3.13.4 **परिणामों का उपयोग.** जल स्तर, भंडारण और आयतन के वार्षिक अधिकतम मान, और आउटफॉल बंद रहने की अवधि, निकाले जाएँगे और उन पर आवृत्ति विश्लेषण फिट किया जाएगा। परिणामों की तुलना डिजाइन वर्षा घटना के परिणामों से की जाएगी। प्रत्येक AEP पर अधिक गंभीर परिणाम लागू होगा। जहाँ सतत अभिलेख दैनिक आँकड़ों से विभाजित किया गया था, वहाँ एक दिन से कम प्रतिक्रिया समय वाली ड्रेन और चैनलों के चरम प्रवाह डिजाइन वर्षा घटना विश्लेषण से लिए जाएँगे, क्योंकि विभाजित प्रति घंटा चरम मान कृत्रिम होते हैं।

3.13.5 **दो-पदीय पद्धति.** सतत सिमुलेशन में पूर्ण हाइड्रोलिक मॉडल का उपयोग आवश्यक नहीं है। इसमें दैनिक या प्रति घंटा समय पद पर एक सरलीकृत जलवैज्ञानिक और भंडारण मॉडल का उपयोग किया जा सकता है, जो 3.13.3 की मृदा नमी, भूजल, तालाब भंडारण, प्रचालन नियमों और टेलवाटर का प्रतिनिधित्व करता हो। इसके परिणाम पूर्ण हाइड्रोलिक मॉडल के डिजाइन वर्षा घटना रनों को निम्नलिखित रूप में दिए जाएँगे:

- (a) **प्रत्येक तालाब का प्रारंभिक स्तर**, जो अभिलेख की अवधि में 1 जुलाई से 15 अक्तूबर तक के 10% दिनों में पार होने वाला स्तर लिया जाएगा; और
- (b) **पूर्ववर्ती मृदा-नमी स्थिति**, जो उन्हीं दिनों से ली जाएगी और खंड 3.8 के AMC नियम से तुलना की जाएगी।

डिजाइनकर्ता यह दर्शाएगा कि सरलीकृत मॉडल कम से कम एक दर्ज घटना के लिए पूर्ण मॉडल के जल संतुलन को दोहराता है।

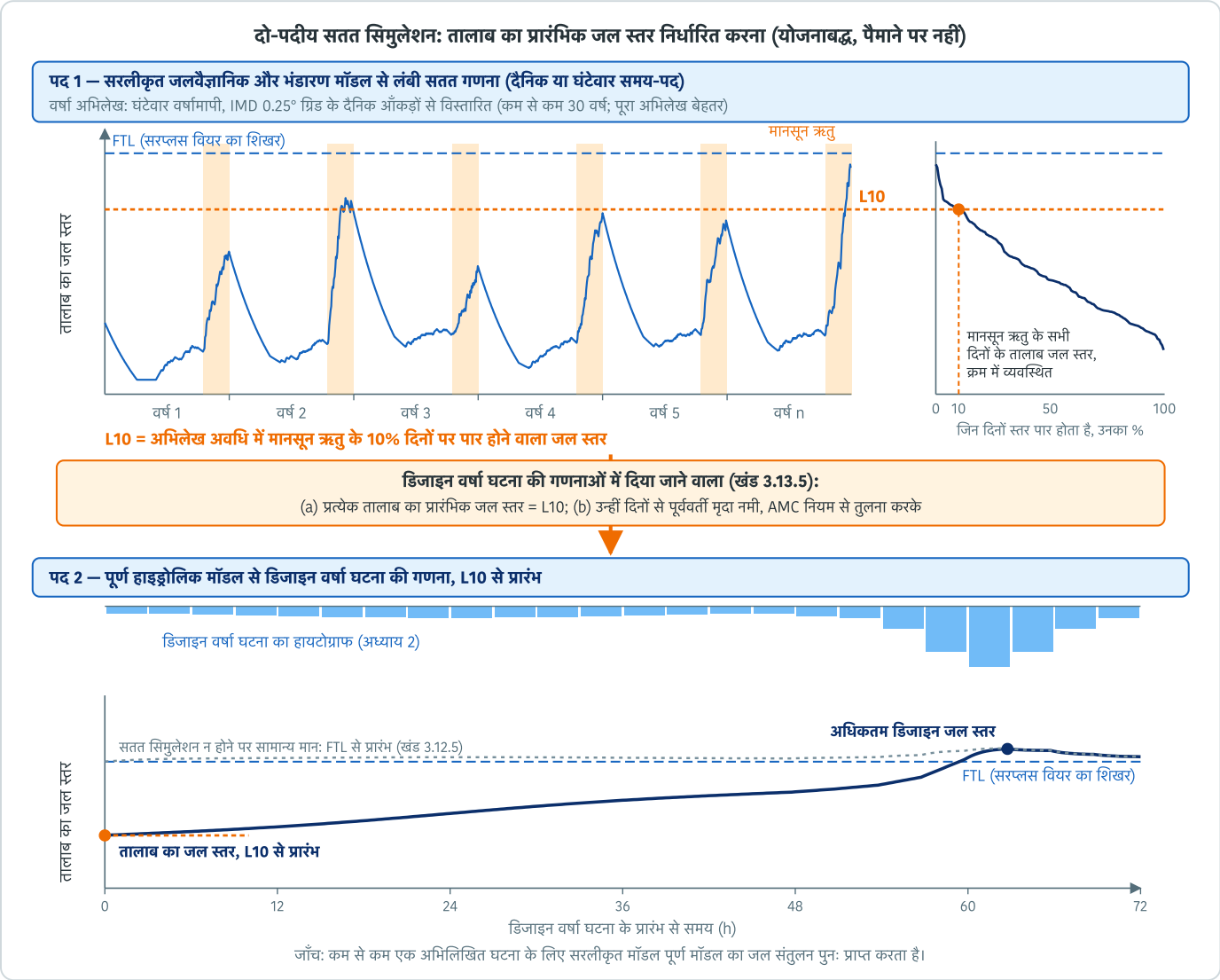

चित्र 3.4 — खंड 3.13.5 की दो-पदीय पद्धति। पद 1: सरलीकृत जलवैज्ञानिक और भंडारण मॉडल से एक लंबा सतत रन 1 जुलाई से 15 अक्तूबर तक के 10% दिनों में पार होने वाला तालाब का स्तर (L10) देता है। पद 2: डिजाइन वर्षा घटनाएँ पूर्ण हाइड्रोलिक मॉडल में खंड 3.12.5 के FTL वाले डिफॉल्ट प्रारंभ के स्थान पर उसी प्रारंभिक स्तर से चलाई जाती हैं। योजनाबद्ध, वास्तविक आँकड़े नहीं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, जो खंड 3.13.5 में इस मैनुअल द्वारा निर्धारित दो-पदीय पद्धति को दर्शाती है।

भाष्य. डिजाइन वर्षा घटनाएँ एक ही प्रारंभिक स्थिति मानती हैं, किंतु तालाब श्रृंखला में निर्णायक चर यह है कि वर्षा घटना आने पर तालाब कितने भरे हैं, जो उससे पहले के हफ्तों की वर्षा पर निर्भर करता है। 20 वास्तविक साइट-स्तरीय अस्थायी भंडारण प्रणालियों के एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में पाया गया कि एक कालिक वितरण, या दस के समूह, पर आधारित डिजाइन भी वास्तविक वर्षा में "विश्वसनीय रूप से ऐसा OSD प्रणाली डिजाइन नहीं दे सकते जो सदा प्रभावी रहे" ("cannot reliably produce an OSD system design that will always be effective"), और सतत सिमुलेशन ने दर्शाया कि बार-बार होने वाली घटनाओं के चरम प्रवाह विकास-पूर्व स्तरों से अधिक थे (Water Science and Engineering, 2019)। 3.13.2(b) में 30 वर्ष की न्यूनतम अवधि खंड 2.3.2 के केंद्र IDF नियम के अनुरूप है; लंबा अभिलेख बेहतर है, और 1901 से आरंभ होने वाला IMD का ग्रिड दैनिक अभिलेख झारखंड के लिए व्यावहारिक लंबी श्रृंखला है। अभिलेख की लंबाई इतनी महत्वपूर्ण नहीं जितना यह कि सिमुलेशन किसलिए है। यहाँ इसका मुख्य प्रयोजन यह पता लगाना है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा घटना आने पर तालाब और मृदा सामान्यतः कितने भरे होते हैं, और भारी वर्षा कितनी बार बंद आउटफॉल के साथ होती है। डिजाइन वर्षा घटना इनमें से किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकती, क्योंकि वह एक मानी गई स्थिति से आरंभ होती है। इसका

उद्देश्य शहरी ड्रेन में चरम प्रवाह के लिए डिजाइन वर्षा घटनाओं का स्थान लेना नहीं है। इसलिए खंड 3.13.5 लंबे रन को एक सरल भंडारण मॉडल से चलाने की अनुमति देता है, जिसमें कुछ ही मिनट लगते हैं, और तालाबों के प्रारंभिक स्तर विस्तृत हाइड्रोलिक मॉडल को देता है, जिसे फिर केवल डिजाइन वर्षा घटनाओं के लिए चलाया जाता है। शहर के विस्तृत 1D–2D मॉडल को दशकों तक लगातार चलाना शायद ही कभी व्यावहारिक होता है और यह अपेक्षित नहीं है। 3.13.5(a) में 10% अतिक्रमण स्तर इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है: यह गीले किंतु असाधारण नहीं मानसून का प्रतिनिधित्व करता है, ताकि डिजाइन वर्षा घटना ऐसे तालाबों पर आए जो पहले से अच्छी तरह भरे हों, जैसे वे सितंबर 1978 के अंत में थे, जब 27 सितंबर को मैथन में 310.8 mm और दुमका में 300.8 mm दर्ज हुई और 26 सितंबर को रामगढ़ पर दामोदर ने अपना उच्चतम स्तर बनाया (IMD; CWC, SANDRP द्वारा लिखित रूप में), और सितंबर 2024 में, जब 17 सितंबर को मैथन और पंचेत से लगभग 2.5 लाख क्यूसेक का संयुक्त चरम निकास हुआ (प्रकाशित खबरों के अनुसार)।

3.14 विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना की प्रक्रिया

3.14.1 खंड 2.11 और अध्याय 4 द्वारा अपेक्षित तुलना निम्नलिखित पदों द्वारा की जाएगी। परिणाम प्रपत्र 3-2 में दर्ज किए जाएँगे।

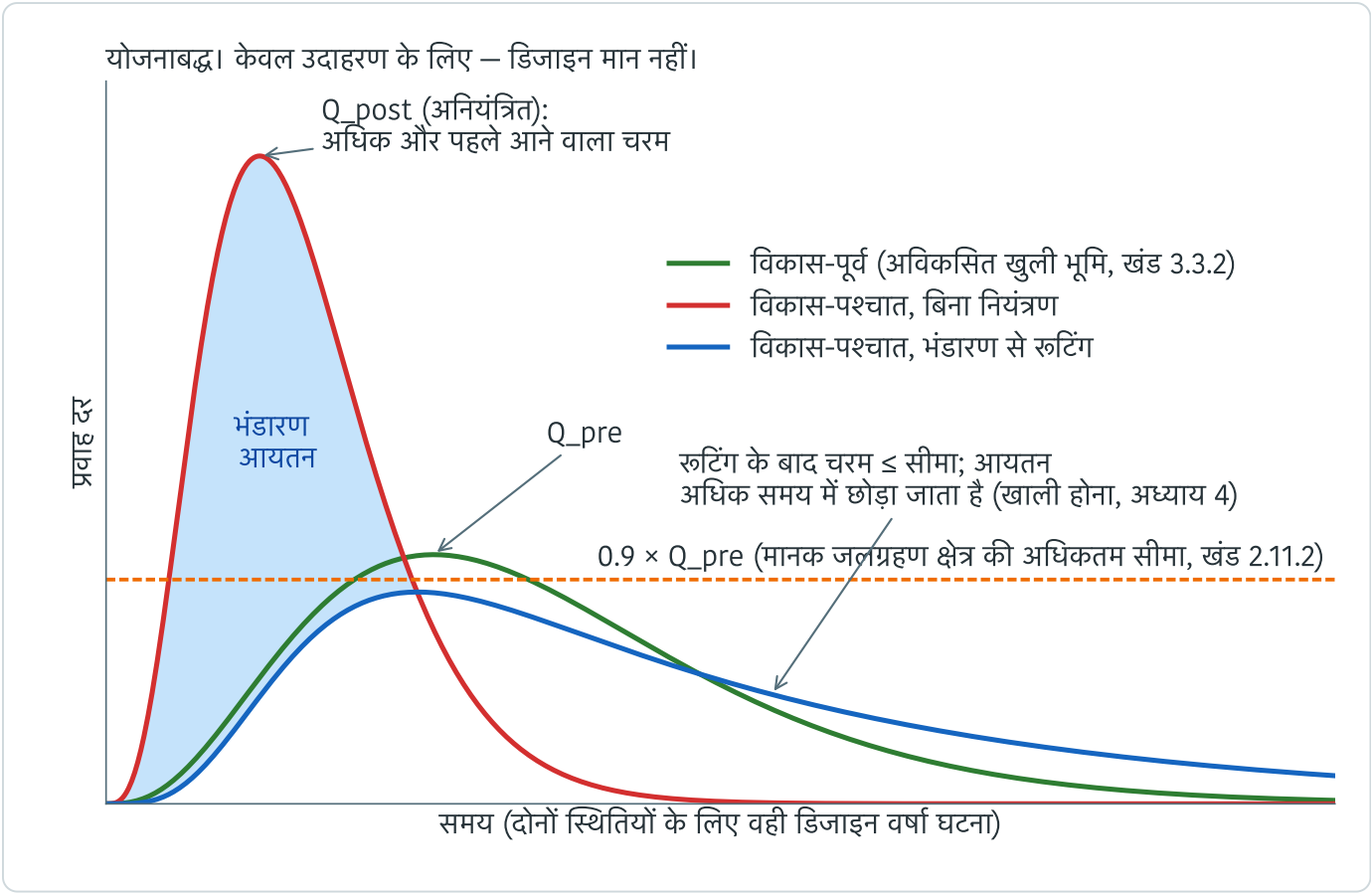

चित्र 3.5 — एक ही डिजाइन वर्षा घटना के लिए विकास-पूर्व, अनियंत्रित विकास-पश्चात और रूट किए गए विकास-पश्चात हाइड्रोग्राफ। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, CPHEEO, Manual on Storm Water Drainage Systems, Part A §8.5, 2019, और KC Metro APWA Section 5600, 2025.01 की विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात अस्थायी भंडारण अवधारणा से अनुकूलित। योजनाबद्ध। केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं।

3.14.2 **पद 1 — साइट, जलग्रहण क्षेत्र और तुलना बिंदु परिभाषित करें.**

- (a) सर्वेक्षण से साइट और उसकी ओर बहने वाले प्रत्येक क्षेत्र का सीमांकन करें।

- (b) प्रत्येक ऐसे POC की पहचान करें जहाँ अपवाह साइट से बाहर निकलता है। प्रत्येक POC की जाँच अलग से की जाएगी। मानदंड पूरा करने के लिए अपवाह को एक प्राकृतिक जलग्रहण क्षेत्र से दूसरे में नहीं मोड़ा जाएगा।
- (c) साइट के बाहर से आने वाले अपवाह को दोनों रन में उसकी विद्यमान स्थिति पर एक समान मॉडल करें (खंड 3.3.5(b))। जहाँ यह साइट के भंडारण से होकर गुजरता है, वहाँ मानदंड POC पर कुल बहिर्वाह पर लागू होता है।

3.14.3 **पद 2 — मृदा.** HSG का मानचित्रण करें (खंड 3.7), उच्च भूजल स्तर नियम (खंड 3.10.1) लागू करें और अंतःस्यंदन परीक्षण दर्ज करें।

3.14.4 **पद 3 — विकास-पूर्व मॉडल.** खंड 3.3.2 के अनुसार विकास-पूर्व मॉडल बनाएँ: अविकसित खुली भूमि का CN (तालिका 3.5), Tc (खंड 3.6, n = 0.15 के साथ), और विद्यमान जलाशय तथा चैनल। AMC II और AMC III पर CN की गणना करें।

3.14.5 **पद 4 — विकास-पश्चात मॉडल.** खंड 3.3.3 के अनुसार विकास-पश्चात मॉडल बनाएँ: मापे गए अपारगम्य क्षेत्र, संबद्धता (खंड 3.9), विक्षुब्ध मृदा का HSG, CN, Tc, और प्रस्तावित प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण और आउटलेट भंडारण के रूप में (खंड 3.12.1)।

3.14.6 **पद 5 — डिजाइन वर्षा घटनाएँ.** अध्याय 2 से प्रत्येक अपेक्षित AEP (50%, 10% और 1%; 2-, 10- और 100-वर्ष) और {1, 2, 3, 6, 12, 24, 48, 72 h} की प्रत्येक अवधि के लिए तैयार करें:

- जलवायु गुणक (खंड 2.8) सहित गहराई, साइट के लिए ARF = 1.0 (खंड 2.7.4);
- हायटोग्राफ (खंड 2.9); और
- AMC (खंड 2.11.4)।

दोनों रन में वही वर्षा घटनाएँ प्रयुक्त की जाएँगी (खंड 2.11.1)।

3.14.7 **पद 6 — विकास-पूर्व मॉडल चलाएँ**, प्रत्येक वर्षा घटना के लिए, और Q_pre(T, d) को सारणीबद्ध करें। बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के लिए सभी अवधियों में 10% AEP का सबसे बड़ा विकास-पूर्व चरम प्रवाह पहचानें; वही मान खंड 2.11.3 की सीमा है।

3.14.8 **पद 7 — नियंत्रणों के बिना विकास-पश्चात मॉडल चलाएँ** और Q_post(T, d) तथा अपवाह आयतनों को सारणीबद्ध करें। इससे समस्या का आकार पता चलता है, और इसे प्रस्तुत किया जाता है, इसकी जाँच नहीं की जाती।

3.14.9 **पद 8 — प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण जोड़ें.**

- (a) अध्याय 4 के प्रतिधारण आयतन को ऐसे भंडारण के रूप में दर्शाएँ जो अध्याय 4 के अंतर्गत सत्यापित अवधि के भीतर अंतःस्यंदन या पुनः उपयोग में चला जाता है (POC की ओर नहीं छोड़ा जाता)।
- (b) शेष हाइड्रोग्राफ को अस्थायी भंडारण और आउटलेटों से होकर रूट करें (खंड 3.12.1)।
- (c) जहाँ आउटफॉल ज्वारीय है या पश्चजल के अधीन है, वहाँ अध्याय 5 का टेलवाटर, खंड 2.12 की संयुक्त स्थितियों सहित, लागू करें।
- (d) भंडारण और आउटलेटों को तब तक समायोजित करें जब तक पद 9 पूरा न हो।

3.14.10 **पद 9 — मानदंड की जाँच करें**, प्रत्येक POC पर, प्रत्येक AEP और प्रत्येक अवधि के लिए:

- (a) मानक जलग्रहण क्षेत्र: 50%, 10% और 1% AEP के लिए Q_post(T) ≤ 0.9 × Q_pre(T) (खंड 2.11.2);
- (b) बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र: Q_post(1% AEP) ≤ Q_pre(10% AEP), और Q_post(50% AEP) ≤ Q_pre(50% AEP) (खंड 2.11.3)।

भंडारण के लिए निर्णायक अवधि वह है जिसमें सबसे बड़े भंडारण की आवश्यकता होती है या जो सबसे ऊँचा जल स्तर देती है; 24, 48 और 72 h के रन सदा प्रस्तुत किए जाते हैं (खंड 2.5.2)।

3.14.11 **पद 10 — संवेदनशीलता रन.** निर्णायक वर्षा घटनाओं के लिए पद 6–9 को Ia = 0.05S (खंड 3.8.5) के साथ, और जहाँ कम चरम दर गुणक प्रयुक्त किया गया है वहाँ मानक गुणक (खंड 3.11.5) के साथ, दोहराएँ। चरम प्रवाहों और आवश्यक भंडारण में परिवर्तन प्रस्तुत करें।

3.14.12 **पद 11 — संबद्ध जाँचें.** अंतिम रूट किए गए मॉडल का उपयोग करके अध्याय 4 के खाली होने के समय, न्यूनतम ऑरिफिस और आपातकालीन स्पिलवे, अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद भंडारण जाँच, और अध्याय 5 के अनुप्रवाह विश्लेषण की जाँच करें।

3.14.13 **पद 12 — परिणामों का प्रलेखन** प्रपत्र 3-1 और 3-2 में करें (खंड 3.17)।

> **भाष्य.** पदों का क्रम मानक घटना-आधारित कार्यप्रवाह के अनुसार है: सीमांकन करें; विकास-पूर्व CN और Tc निर्धारित करें; विकास-पश्चात CN और कम Tc निर्धारित करें; एक जैसी वर्षा घटनाओं को इकाई हाइड्रोग्राफ या काइनेमैटिक मॉडल से चलाएँ; चरम प्रवाहों और आयतनों की तुलना करें; और modified Puls रूटिंग से भंडारण का आकार निर्धारित करें। इसमें झारखंड के तत्व जोड़े गए हैं: 48–72 h की वर्षा घटनाएँ, AMC III और टेलवाटर। चित्र 3.5 दर्शाता है कि लंबी अवधि के रन क्यों महत्वपूर्ण हैं: रूट किया गया चरम प्रवाह सीमा के भीतर हो सकता है, जबकि भंडारण विकास-पश्चात और विकास-पूर्व हाइड्रोग्राफ के बीच के आयतन के अंतर को रोके रखता है, जिसे फिर अध्याय 4 की सीमाओं के भीतर खाली होना होगा। 3.14.2(b) में जलग्रहण क्षेत्रों के बीच अपवाह मोड़ने पर रोक किसी साइट को प्रवाह को पड़ोसी की ड्रेन में भेजकर एक POC पर नियम पूरा करने से रोकती है।

3.15 मॉडल अंशांकन और वैधीकरण

3.15.1 **कब अपेक्षित है.** अंशांकन और वैधीकरण निम्नलिखित के लिए अपेक्षित हैं:

- (a) 25 km^2 या अधिक के जलग्रहण क्षेत्र मॉडल;
- (b) खंड 3.13 के अंतर्गत क्षेत्रीय सुविधाएँ और सतत सिमुलेशन;
- (c) शहर या बेसिन के जल निकासी मास्टर प्लान; और
- (d) ऐसा कोई भी मॉडल जिसके प्राचल इस अध्याय के डिफॉल्ट मानों से भिन्न हैं (उदाहरण के लिए क्लार्क रूपांतरण या कम चरम दर गुणक)।

3.15.2 **आँकड़े.** अंशांकन में प्रेक्षित वर्षा (वर्षामापी, और जहाँ उपलब्ध हो वहाँ रडार) और प्रेक्षित प्रवाह या जल स्तर (WRD के गेजिंग स्थल, RMC या JSDMA के स्तर संवेदक, तालाब गेज, या सर्वेक्षित बाढ़ चिह्न) का उपयोग किया जाएगा।

3.15.3 **घटनाएँ.** अंशांकन के लिए कम से कम तीन स्वतंत्र घटनाओं का और वैधीकरण के लिए कम से कम एक और घटना का उपयोग किया जाएगा। कम से कम एक घटना दक्षिण-पश्चिम मानसून या चक्रवात की लंबी अवधि की घटना होगी (उदाहरण के लिए, जहाँ आँकड़े उपलब्ध हों, 16–18 जून 2008 की जमशेदपुर की वर्षा घटना (18 जून को 24 घंटों में जमशेदपुर (A) पर 338.1 mm, IMD), 26–27 मई 2021 की चक्रवात यास की वर्षा (27 मई को 08:30 बजे तक के 24 घंटों में चाईबासा में 21 cm, मांडर में 18 cm और रांची में 15 cm, IMD), दामोदर और अजय पर 26–28 सितंबर 1978 की वर्षा घटना (27 सितंबर को मैथन में 310.8 mm और दुमका में 300.8 mm, IMD), या जून 2025 की रांची की वर्षा (1–23 जून में रांची जिले में लगभग 459 mm, प्रकाशित खबरों के अनुसार))।

3.15.4 **निष्पादन.** प्रस्तुति में प्रत्येक घटना के लिए प्रेक्षित और मॉडल किए गए चरम प्रवाह, आयतन और चरम तक समय, और सतत मॉडलों के लिए नैश–सटक्लिफ दक्षता (Nash–Sutcliffe efficiency, NSE) और प्रतिशत पूर्वाग्रह (percent bias) प्रस्तुत किए जाएँगे। मार्गदर्शन के रूप में, अंशांकित मॉडल को घटना के चरम प्रवाहों और आयतनों को ±25% के भीतर दोहराना चाहिए, और सतत मॉडल को NSE ≥ 0.5 और ±25% के भीतर प्रतिशत पूर्वाग्रह प्राप्त करना चाहिए।

3.15.5 **अंशांकन की सीमाएँ.** अंशांकन का उपयोग इस अध्याय की डिफॉल्ट विधियों द्वारा दिए गए डिजाइन प्रवाहों से कम डिजाइन प्रवाहों को उचित ठहराने के लिए नहीं किया जाएगा, जब तक कि साइट-विशिष्ट कारकों की पूरी तरह जाँच और प्रलेखन न किया गया हो और प्राधिकारी सहमत न हो।

3.15.6 **औचित्य जाँच.** डिजाइन चरम प्रवाहों को जलग्रहण क्षेत्रफल के सापेक्ष प्रति इकाई क्षेत्र प्रवाह दर के रूप में आलेखित किया जाएगा और CWC SUH परिणामों, क्षेत्रीय गेज-आधारित अनुमानों और ज्ञात ऐतिहासिक बाढ़ों से उनकी तुलना की जाएगी।

> **भाष्य.** खंड 3.15.5 और 3.15.6 APWA के अनुसार हैं, जो कहता है कि "मॉडल अंशांकन का उपयोग ऐसे प्रवाह दर अनुमानों को उचित ठहराने के लिए नहीं किया जाएगा जो आधारभूत इकाई हाइड्रोग्राफ विधि द्वारा दिए गए अनुमानों से कम हों" ("model calibration shall not be used to justify discharge estimates that are lower than those provided by the baseline unit hydrograph method") और अपेक्षा करता है कि इकाई प्रवाह दरों को सहायक क्षेत्रफल के सापेक्ष आलेखित किया जाए और समाश्रयण, गेज और ऐतिहासिक मानों से उनकी तुलना की जाए (KC Metro APWA 5600, 2011, §5602.9)। 3.15.3 और 3.15.4 में घटनाओं की संख्या और निष्पादन मान इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। NSE ≥ 0.5 और ±25% पूर्वाग्रह की सीमाएँ Moriasi et al. (2007) की "संतोषजनक" ("satisfactory") धारा-प्रवाह श्रेणियाँ हैं, जो मासिक सतत सिमुलेशन के लिए विकसित की गई थीं; यहाँ घटना के चरम प्रवाहों और आयतनों के लिए उनका उपयोग एक विस्तार है।

3.16 सॉफ्टवेयर स्वीकार्यता

3.16.1 **स्वीकार्य सॉफ्टवेयर.** निम्नलिखित, प्रस्तुति के समय प्रचलित संस्करण में, बिना किसी और प्रदर्शन के स्वीकार किए जाते हैं:

- (a) EPA Storm Water Management Model (SWMM 5.x);
- (b) USACE HEC-HMS और HEC-RAS;
- (c) USDA NRCS WinTR-55 और WinTR-20; और
- (d) रेशनल विधि और एकल-क्षेत्र SCS-CN गणनाओं के लिए स्प्रेडशीट, जहाँ प्रत्येक सूत्र और इनपुट दर्शाया गया हो।

3.16.2 **अन्य सॉफ्टवेयर.** SWMM या HEC इंजनों पर बने वाणिज्यिक पैकेज स्वीकार किए जाते हैं, यदि इंजन और संस्करण बताया गया हो। कोई अन्य विधि या सॉफ्टवेयर केवल तभी स्वीकार किया जाता है जब डिजाइनकर्ता प्रत्येक उप-भाग के लिए उस विधि और 3.16.1 की किसी आधारभूत विधि, दोनों से चरम प्रवाह, पश्चता समय, अपवाह आयतन और समतुल्य CN प्रस्तुत करे, 5% से अधिक के प्रत्येक अंतर की पहचान करे, और कम सुरक्षित परिणाम देने वाले प्रत्येक अंतर का औचित्य दे।

3.16.3 **बेंचमार्क समस्याएँ.** प्राधिकारी बेंचमार्क परीक्षण समस्याएँ प्रकाशित करेगा (परिशिष्ट 3C)। 3.16.1 में सूचीबद्ध न किया गया सॉफ्टवेयर उन्हें बताई गई सहनसीमा के भीतर दोहराएगा।

3.16.4 **मॉडल फाइलें.** हाइड्रोग्राफ-आधारित प्रत्येक डिजाइन के साथ मूल (native) मॉडल इनपुट और आउटपुट फाइलें प्रस्तुत की जाएँगी।

> **भाष्य.** 5% समतुल्यता परीक्षण वैकल्पिक विधियों के लिए APWA का नियम है (KC Metro APWA 5600, 2011, §5602.2D)। APWA आधारभूत विधियों के रूप में TR-55, TR-20, HEC-1 और HEC-HMS का नाम लेता है (§5602.2B)। CPHEEO हाइड्रोग्राफ और सतत मॉडलिंग के लिए SWMM का नाम लेता है (CPHEEO 2019, Part A §4.4.2)। मूल मॉडल फाइलें प्रस्तुत करने से प्राधिकारी मॉडल को फिर से चला सकता है, और यह समीक्षा न किए जा सकने वाले "ब्लैक-बॉक्स" परिणामों के विरुद्ध मुख्य सुरक्षा उपाय है।

3.17 प्रलेखन

प्रत्येक जलवैज्ञानिक प्रस्तुति में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

1. **प्रपत्र 3-1, जलवैज्ञानिक गणना सारांश**, जिसमें प्रयुक्त विधि और उसका कारण (तालिका 3.1), सॉफ्टवेयर और संस्करण, और गणना अंतराल बताया गया हो।
2. विकास-पूर्व और विकास-पश्चात स्थितियों के लिए **जलग्रहण क्षेत्र मानचित्र**, जिनमें उप-भाग, Tc के लिए प्रयुक्त प्रवाह मार्ग, POC, और साइट के बाहर से आने वाला अपवाह दर्शाया गया हो।
3. **मृदा:** HSG मानचित्र और उसका स्रोत तथा पैमाना (खंड 3.7), भूजल स्तर के आँकड़े (खंड 3.10), और अंतःस्यंदन परीक्षण के परिणाम।
4. प्रत्येक उप-भाग और स्थिति के लिए **प्राचल तालिकाएँ**: क्षेत्रफल, प्रकार और संबद्धता के अनुसार अपारगम्य क्षेत्र, HSG, AMC II और III पर CN (या C और Cf), Tc की कार्य-पत्रिकाएँ, और n के मान।
5. **वर्षा:** डिजाइन वर्षा पत्रक (प्रपत्र 2-1) और प्रयुक्त हायटोग्राफ।
6. **परिणाम:** प्रत्येक वर्षा घटना के लिए हाइड्रोग्राफ तालिकाएँ और आलेख; जल स्तर–भंडारण और जल स्तर–प्रवाह दर तालिकाएँ; रूट किए गए बहिर्वाह; और चरम जल स्तर।
7. **प्रपत्र 3-2, विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना**, जिसमें प्रत्येक POC, AEP और अवधि के लिए Q_pre, Q_post (अनियंत्रित और रूट किया गया) और मानदंड, तथा खंड 3.14.11 के संवेदनशीलता रन हों।
8. जहाँ खंड 3.15 लागू होता है, वहाँ **अंशांकन रिपोर्ट**।
9. **मॉडल फाइलें** (खंड 3.16.4)।
10. **उत्तरदायी अभियंता का एक कथन** कि इस अध्याय की विधियों और प्राचलों का उपयोग किया गया है, और किसी भी विचलन की सूची और उसका औचित्य दिया गया हो।

संदर्भ (अध्याय)

- MoHUA / CPHEEO (2019). Manual on Storm Water Drainage Systems, Volume I, Part A: Engineering Design. Ministry of Housing and Urban Affairs, New Delhi. §4.4 (Rational Method, Table 4.2 runoff coefficients, time of concentration, partial area effect), §8.5 (detention).
- Kansas City Metro Chapter APWA (2011). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities (Feb 16, 2011), §5602.2–5602.9.
- Kansas City Metro Chapter APWA (2025). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities, Version 2025.01, §5603.4. https://kcmetro.apwa.org/wp-content/uploads/sites/23/2026/01/APWA-Section-5600_Storm-Drainage-Systems-Facilities.pdf
- Mid-America Regional Council (2025). APWA Stormwater Standards Supplement (Policy Supplement). https://www.marc.org/document/apwa-stormwater-standards-supplement
- USDA Soil Conservation Service (1986). Urban Hydrology for Small Watersheds, Technical Release 55 (TR-55), 2nd ed. Tables 2-2a, 2-2c, 3-1; Figures 2-3, 2-4, 3-1.
- USDA NRCS. National Engineering Handbook, Part 630 Hydrology: Ch. 7 Hydrologic Soil Groups (2009); Ch. 9 Hydrologic Soil-Cover Complexes; Ch. 10 Estimation of Direct Runoff from Storm Rainfall (2004); Ch. 15 Time of Concentration (2010); Ch. 16 Hydrographs (2007). https://directives.nrcs.usda.gov/
- Hawkins, R.H., Jiang, R., Woodward, D.E., Hjelmfelt, A.T. and Van Mullem, J.A. (2002). Runoff curve number method: examination of the initial abstraction ratio. Proc. Second Federal Interagency Hydrologic Modeling Conference, Las Vegas.
- Woodward, D.E., Hawkins, R.H., Jiang, R., Hjelmfelt, A.T., Van Mullem, J.A. and Quan, Q.D. (2003). Runoff curve number method: examination of the initial abstraction ratio. World Water & Environmental Resources Congress, ASCE.
- Welle, P.I., Woodward, D.E. and Moody, H.F. (1980). A dimensionless unit hydrograph for the Delmarva Peninsula. American Society of Agricultural Engineers paper. New Jersey Department of Agriculture, Delmarva Unit Hydrograph bulletin भी देखें। https://nj.gov/agriculture/divisions/anr/pdf/DelmarvaBulletin.pdf
- Chow, V.T., Maidment, D.R. and Mays, L.W. (1988). Applied Hydrology. McGraw-Hill. §5.5 (SCS method, AMC), §8.4 (Muskingum), Table 15.1.2 (Kirpich).
- Kirpich, Z.P. (1940). Time of concentration of small agricultural watersheds. Civil Engineering 10(6), 362.
- Merkel, W.H. (2001), परत प्रवाह की लंबाई के संबंध में, जैसा USDA NRCS NEH Part 630, Ch. 15 (2010) में उद्धृत है।
- ASCE and WPCF (1969). Design and Construction of Sanitary and Storm Sewers. ASCE Manual of Practice No. 37.
- Texas Department of Transportation. Hydraulic Design Manual, Ch. 4, §12 Runoff Coefficients. https://www.txdot.gov/manuals/des/hyd/chapter-4--hydrology/section-12--rational-method/runoff-coefficients.html
- Central Water Commission (1987). Flood Estimation Report for Sone Subzone 1(d). Design Office Report No. S/15/1987, CWC Publication No. 33/88, August 1987, discussed and approved at the 46th meeting of the Planning and Co-ordination Committee, 27–28 August 1987, CWC (Sewa Bhawan), New Delhi. https://cwc.gov.in/regional-flood-estimation-report (12 April 2016 की Internet Archive प्रति से पढ़ा गया; संबंध तालिका, वर्षा-अनुपात तालिका और पलामू, लातेहार, चतरा और गढ़वा के आसपास प्लेट 9 और 10 पृष्ठ-छवियों से जाँची गईं, शेष प्रकाशीय अक्षर पहचान से)

- Central Water Commission (1994). Flood Estimation Report for Lower Ganga Plains Subzone 1(g) (revised). Design Office Report No. LG-1(g)/R-1/23/94, November 1994, approved at the 52nd meeting of the Committee, RDSO, Lucknow. https://cwc.gov.in/regional-flood-estimation-report (Internet Archive प्रति से पढ़ा गया; पहाड़ी क्षेत्र की परिभाषा (पृ. 9), पुल जलग्रहण क्षेत्रों की सूची (अनुलग्नक 3.1), गढ़वा रोड–बरकाकाना रेल मार्ग पर सफी पर रेलवे पुल संख्या 110 (Railway Bridge No. 110) का हल किया गया उदाहरण (पृ. 25–29), अब झारखंड में स्थित जिलों के लिए अनुलग्नक 4.3 और 4.4 की पंक्तियाँ (पृ. 52–53) और प्लेट 8, 9 और 10 पृष्ठ-छवियों से जाँचे गए; प्लेट 8 और 9 उलटी स्कैन की गई हैं)
- Central Water Commission (1997). Flood Estimation Report for Mahanadi Subzone 3(d) (revised). Design Office Report No. M-3(d)/R-3/25/1996, February 1997, approved at the 54th meeting of the Committee, 10 October 1996, RDSO, Lucknow; replaces the report of 1982. https://cwc.gov.in/regional-flood-estimation-report (12 April 2016 की Internet Archive प्रति से पढ़ा गया; लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा के आसपास प्लेट 8, 9 और 10 और अब झारखंड में स्थित जिलों के लिए अनुलग्नक 4.3 की पंक्तियाँ पृष्ठ-छवियों से जाँची गईं)
- Moriasi, D.N. et al. (2007). Model evaluation guidelines for systematic quantification of accuracy in watershed simulations. Trans. ASABE 50(3), 885–900.
- "OSD for Australian development projects: does it meet frequent flow management objectives?" Water Science and Engineering (2019). https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S1674237019300213
- India Meteorological Department (2011). *Climate of Jharkhand*. Climatological Summaries of States Series No. 17, August 2011 (जिलों के सामान्य मान 1951–2000, Table V; चक्रवाती तूफान और अवदाब; जिलेवार सर्वाधिक 24-घंटे की वर्षा, 2006 तक के आँकड़े)। https://imdpune.gov.in/library/public/Cimate%20of%20Jharkhand.pdf
- India Meteorological Department. Extremes of Temperature and Rainfall for Indian Stations (up to 2012) (झारखंड के केंद्र)। https://imdpune.gov.in/library/public/EXTREMES%20OF%20TEMPERATURE%20and%20RAINFALL%20upto%202012.pdf
- India Meteorological Department (2020). New normal dates of onset/progress and withdrawal of the southwest monsoon (Pai et al.), 15 मई 2020 की प्रेस विज्ञप्ति, Table 2। https://internal.imd.gov.in/press_release/20200515_pr_804.pdf
- India Meteorological Department, Meteorological Centre Ranchi. झारखंड के लिए 2023, 2025 और 2026 की मानसून रिपोर्टें (आगमन, वापसी और मासिक विचलन)। https://mausam.imd.gov.in/ranchi/mcdata/SWR_Jharkhand.pdf ; https://web.archive.org/web/20231227072045id_/https://mausam.imd.gov.in/ranchi/mcdata/SWR_Jharkhand.pdf
- India Meteorological Department, RSMC New Delhi (2021). चक्रवात यास पर 27 मई 2021 की प्रेस विज्ञप्ति (झारखंड में 24-घंटे की वर्षा)। https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/uploads/archive/21/21_da9893_PRESS%20RELEASE%20dated%2027TH%20%20May%202021.pdf
- Central Ground Water Board. Ground Water Year Book Jharkhand 2019-20 (Internet Archive प्रति से पढ़ा गया)। https://cgwb.gov.in/old_website/Regions/MER/Reports/Ground%20Water%20Year%20Book%202019-20-Jharkhand.pdf
- Central Ground Water Board (2013). Ground Water Information Booklet, Ranchi District, September 2013 (Internet Archive प्रति से पढ़ा गया)। https://www.cgwb.gov.in/old_website/District_Profile/Jharkhand/RANCHI.pdf
- Central Ground Water Board (2024). Dynamic Ground Water Resources of Jharkhand, 2023 (Internet Archive प्रति से पढ़ा गया)। https://cgwb.gov.in/cgwbpnm/public/uploads/documents/17056451648004513 00file.pdf

- State of Jharkhand (2024). NGT O.A. 694/2023 में 10 सितंबर 2024 की स्थिति रिपोर्ट (भूविज्ञान; 2022 में भूजल की गहराई; 2023 की CGWB आकलन इकाइयाँ)। https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/Status%20Report%20of%20State%20of%20Jharkhand%20in%20OA%20NO%20694%20of%202023%20(News%20item%20appearing%20in%20Hindustan%20Times%20dated%2026.10.2023%20titled%20UN%20predicts%20groundwater.pdf
- Ministry of Jal Shakti (2025). 2025 के गतिशील भूजल संसाधनों पर 18 दिसंबर 2025 का लोक सभा में उत्तर, Annexure I (Press Information Bureau)। https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2206073
- Baxla, A.K., Kumar, R. and Wadood, A. (2001). Infiltration characteristics of soils under different soil series of Jumar nala sub-watershed. *Annals of Arid Zone* 40(1), 29–33. https://epubs.icar.org.in/index.php/AAZ/article/download/65767/28003/165072
- Sinha and Singh (2016). Evaluation of infiltration behaviour and soil characteristics in Dhanbad–Jharia township area, Jharkhand. *Current World Environment* 11(2) (एक खोज सारांश से उद्धृत)। https://www.cwejournal.org/vol11no2/evaluation-of-infiltration-behaviour-and-soil-characteristics-in-dhanbad-jharia-township-area-jharkhand-india
- Chandra and Mondal (2024). Calculating surface runoff by SCS-CN model in the Sanjai river basin, Jharkhand. *Current World Environment* 19(2), 955–963 (प्राचलों के लिए प्रयुक्त नहीं)। https://mail.cwejournal.org/pdf/Vol19No2/CWE_Vol19_No2_p_955-963.pdf
- Comptroller and Auditor General of India (2019). Report No. 12 of 2019, Assessment of environmental impact due to mining activities and its mitigation in Coal India Limited and its subsidiaries, अध्याय 5। https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2019/Chapter_5_Water_Pollution_and_Control_Measures_of_Report_No_12_of_2019_Assessment_of_Environmental_Impact_due_to_Mining_Activities_and_its_Mitigation_in_Coal_India_Limited_and_its_S.pdf
- उपग्रह रडार व्यतिकरणमिति (satellite radar interferometry) द्वारा झरिया कोयला क्षेत्र के ऊपर भू-धंसान पर सार (EGU General Assembly 2020, प्रकाशित खबरों के अनुसार उद्धृत)। https://meetingorganizer.copernicus.org/EGU2020/EGU2020-21118.html
- Ramsar Convention. Ramsar Information Sheet, Udhwa Lake Bird Sanctuary (site 2559)। https://rsis.ramsar.org/RISapp/files/RISrep/IN2559RIS_2502_en.pdf
- SANDRP (2022). CWC flood monitoring sites in east India, 2022 (झारखंड के स्थलों के चेतावनी, खतरे और उच्चतम बाढ़ स्तर, CWC से लिखित रूप में)। https://sandrp.in/2022/09/12/2022-cwc-flood-monitoring-sites-in-east-india/
- Central Water Commission. 15 जुलाई 2024 का दैनिक बाढ़ बुलेटिन (साहिबगंज (Sahibganj) पर गंगा)। https://cwc.gov.in/sites/default/files/cfcrcwcdfb-15.07.2024.pdf
- 26 जुलाई 2025 को जमशेदपुर पर स्वर्णरेखा और खरकई (ThePrint, PTI), जून 2025 की रांची की वर्षा (The Week, PTI), 2019 की साहिबगंज की बाढ़, और सितंबर 2024 में DVC द्वारा छोड़े गए पानी संबंधी समाचार रिपोर्टें। https://theprint.in/india/subarnarekha-kharkai-rivers-flowing-above-danger-level-in-jharkhands-east-singhbhum/2703460 ; https://www.theweek.in/wire-updates/national/2025/06/24/ces1-jh-rain-damage.html ; https://www.devdiscourse.com/article/law-order/3092176-flood-management-efforts-intensify-as-dvc-and-tenughat-dam-release-contribute-to-widespread-flooding-in-damodar-valley
- US EPA. Storm Water Management Model (SWMM 5). US Army Corps of Engineers, Hydrologic Engineering Center. HEC-HMS and HEC-RAS.

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय-वस्तु
3A	झारखंड की मृदा श्रृंखला से HSG की मिलान-सूची; मौसमी उच्चतम भूजल स्तर का मानचित्र
3B	झारखंड का CN अंशांकन और पूरक भू-आवरण (ओवरबर्डन डंप और खनन से विक्षुब्ध भूमि, लैटेराइट परत और खुली चट्टान, दोन धान भूमि, पहाड़ी वन और झाड़ी, तालाबों, बाँधों और डोभों के तल, गंगा का दियारा)
3C	सॉफ्टवेयर स्वीकार्यता के लिए बेंचमार्क परीक्षण समस्याएँ
3D	समतल तटीय भूमि के लिए चरम दर गुणक का अध्ययन
3E	उप-क्षेत्र 1(d), 1(g) और 3(d) के लिए CWC SUH प्राचल, हल किए गए उदाहरण के साथ
प्रपत्र 3-1	जलवैज्ञानिक गणना सारांश
प्रपत्र 3-2	विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना

अध्याय 4

साइट अपवाह नियंत्रण: प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण

4.1 उद्देश्य और विस्तार

4.1.1 यह अध्याय वह कार्य-निष्पादन मानक निर्धारित करता है जिसे प्रत्येक विनियमित विकास साइट से बाहर जाने वाले अपवाह के लिए पूरा करेगा। इसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- (a) वह क्रम जिसमें अपवाह नियंत्रण के उपाय लागू किए जाने हैं (खंड 4.3);
- (b) बार-बार होने वाली वर्षा का प्रतिधारण, और प्रतिधारित आयतन को अस्थायी भंडारण के सापेक्ष क्रेडिट कैसे दिया जाता है (खंड 4.4);
- (c) सामान्य और बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के लिए निकास दर मानदंड (खंड 4.5);
- (d) अस्थायी भंडारण और आउटलेटों का आकार निर्धारित करने की प्रक्रिया (खंड 4.6 से 4.9);
- (e) सुविधाओं के प्रकार, वर्षा जल संचयन (RWH) का लेखा, और उच्च भूजल वाली साइटें (खंड 4.10 से 4.12);
- (f) क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण और एवज शुल्क (fee-in-lieu) (खंड 4.13);
- (g) छोटी साइटों के लिए सरलीकृत विधियाँ: टियर B तालिकाएँ और नियत-गुणांक मार्ग (खंड 4.14); और
- (h) सार्वजनिक सुरक्षा (खंड 4.15)।

4.1.2 यह अध्याय अध्याय 1 में निर्धारित अनुसार **0.1 ha या अधिक** के भूमि विक्षोभ पर, या **500 m² या अधिक** के नए या प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र पर लागू होता है। उस सीमा-मान से नीचे के एकल आवास, और ऐसा सड़क पुनः सतह बिछाना (resurfacing) जिससे कोई अपारगम्य क्षेत्र न बढ़े, छूट प्राप्त हैं। भवन नियमों की विद्यमान RWH अनिवार्यता (झारखंड भवन उपविधि, 2016 की उपविधि 51.1 के अंतर्गत 300 m² और उससे बड़े भूखंडों पर वर्षा जल संचयन, छत क्षेत्र के प्रत्येक 100 m² के लिए कम से कम 6 m³ के पुनर्भरण गड्ढों या खाइयों के साथ, और उपविधि 58.6.6 के अंतर्गत बहुमंजिला भवनों के लिए राष्ट्रीय भवन संहिता के अनुसार पुनर्भरण कुआँ; और वह वर्षा जल संचयन विनियमन जिसे प्रकाशित खबरों के अनुसार रांची नगर निगम ने 2016 में बनाया, और समाचार माध्यमों में बताया गया 2017 का राज्य विनियमन, जिनके पाठ नहीं मिले [TBC]; इन नियमों की चर्चा खंड 4.11 के भाष्य में की गई है) उन सभी भवनों पर लागू रहती है जिन पर वह लागू होती है, चाहे यह अध्याय लागू हो या नहीं।

4.1.3 वर्षा संबंधी इनपुट अध्याय 2 से आते हैं। जलवैज्ञानिक विधियाँ अध्याय 3 से आती हैं। टेलवाटर, अनुप्रवाह विश्लेषण और आउटफॉल-बंद जाँच अध्याय 5 से आते हैं। जल गुणवत्ता आयतन (WQv) का उपचार अध्याय 8 से आता है। जहाँ यह अध्याय और वे अध्याय एक-दूसरे पर व्याप्त होते हैं, वहाँ अधिक कठोर अपेक्षा लागू होगी।

> **भाष्य.** इस मैनुअल के लिए किए गए अनुसंधान में मिला कोई भी भारतीय राष्ट्रीय नियम या झारखंड का नियम किसी साइट से निकास की दर को सीमित नहीं करता, और कोई भी साइट पर अस्थायी भंडारण या "शून्य अपवाह" ("zero run-off") की अपेक्षा नहीं करता। भवन नियम झारखंड भवन उपविधि, 2016 (भवन उपविधि 2016) है, जिसे UD&HD ने झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 434 के अंतर्गत 5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006 द्वारा अधिसूचित किया, और जो "सभी क्षेत्रीय विकास प्राधिकारों, शहरी स्थानीय निकायों, खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार और सभी औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों पर प्रवर्तनीय" ("enforceable to all the Regional Development Authorities, Urban Local Bodies, Mineral Area Development Authority and all Industrial Area Development Authorities") है। इसका संशोधन 15 मई 2017 को, 17 अगस्त 2017 को (द्वितीय संशोधन), 6 जून 2019 को (पाँचवाँ संशोधन) और 2019 में (छठा संशोधन) हुआ, और ये सभी पढ़े गए; मार्च 2024 का दसवाँ

संशोधन और 27 अप्रैल 2026 का ग्यारहवाँ संशोधन केवल सारांशों में देखे गए [TBC]। इनमें से कोई भी संशोधन नदी, बेसमेंट या वर्षा जल संचयन संबंधी उपविधियों को नहीं छूता, और बाद के दोनों संशोधनों के सारांश इनमें से किसी का उल्लेख नहीं करते; 2017 के संशोधन ने उपविधि 58.6.15 का नरम फर्श 50% से घटाकर 40% कर दिया। भवन उपविधि 2016 के जल निकासी प्रावधान भवन, ड्रेन और नदी की रक्षा करते हैं, जलग्रहण क्षेत्र की नहीं। "प्राकृतिक जलमार्गों या ड्रेनों के क्षेत्रों में, जैसा विकास योजना और जल निकासी योजना में विस्तार से दिया गया है" ("In areas of natural waterways or drains, as detailed in the Development Plan, and drainage plan") (उपविधि 30.1), किसी नगरपालिका ड्रेन के ऊपर या नीचे (30.3), या बाढ़ आने वाले उन क्षेत्रों में जहाँ संरचनात्मक नक्शे इसे ध्यान में नहीं रखते (30.5), कोई अनुमति नहीं दी जाती; प्राधिकारी अपेक्षा करे तो अहाते (curtilage) के भीतर की भूमि की "सतही जल ड्रेनों या अन्य साधनों से प्रभावी रूप से जल निकासी हो" ("be effectively drained by surface water drains or other means"), और सतही जल ड्रेन को सीवर से जोड़ने के लिए उसका लिखित अनुमोदन आवश्यक है (31.3, 31.4); प्लिंथ "आसपास के भूमि स्तर के सापेक्ष इस प्रकार स्थित हो कि साइट की पर्याप्त जल निकासी सुनिश्चित हो" ("so located with respect to the surrounding ground level that adequate drainage of the site is assured"), और वह उस स्तर से कम से कम 450 mm ऊपर होगा, कोई ऊपरी सीमा नहीं (42.1.1); 300 m² और उससे बड़े भूखंडों पर वर्षा जल संचयन अनिवार्य है (51.1; खंड 4.11 का भाष्य); और बहुमंजिला भवनों में भवन के चारों ओर के फर्श का कम से कम 40% "सतही जल का अधोमृदा में रिसाव सुनिश्चित करने के लिए" ("to insure surface water percolation into the subsoil") नरम फर्श होगा (58.6.15, यथासंशोधित)। गंगा के अतिरिक्त अन्य नदियों के साथ, सिंचाई विभाग द्वारा विहित नदी की बाहरी सीमा से, "10-15 मीटर की भू-पट्टी के भीतर" ("within a strip of land of 10-15 metres") किसी भवन की अनुमति नहीं है, और "राज्य सरकार ऐसी नदियों की सूची अधिसूचित करेगी" ("The State Government shall notify a list of such rivers") (23.2), किंतु ऐसी कोई सूची नहीं मिली [TBC]; गंगा के साथ रेखा नदी की सीमा या राज्य द्वारा विहित कोई अधिक दूरी है (23.1); किसी भी नदी की सीमा के भीतर कुछ भी नहीं बनाया जा सकता (23.3); और कोई योजना प्राधिकरण सरकार के अनुमोदन से "पुनः प्राप्त भूमि पर" ("on reclaimed lands") फिर भी नदी-तट विकास कर सकता है (23.4), जिसे यह मैनुअल डूब क्षेत्र के भंडारण के लिए जोखिम मानता है। झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 वर्षा जल ड्रेनों को नगरपालिका का कार्य बनाता है (धारा 70) और नगरपालिका से अपेक्षा करता है कि वह "ड्रेनों और सीवरों का निर्माण और रखरखाव करे, और एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल उपलब्ध कराए ... इस प्रकार कि नगरपालिका क्षेत्र के किसी भाग में बाढ़ से कोई उपद्रव न हो" ("construct and maintain drains and sewers, and provide a safe and efficient outfall ... in such manner as may not cause any nuisance, whether by flooding any part of the municipal area") (धारा 219); सार्वजनिक ड्रेनें नगरपालिका में निहित हैं (धारा 221); कोई परिसर तब तक न बनाया जा सकता है और न उसका अधिभोग किया जा सकता है जब तक नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई "ऐसे आकार, सामग्री और विवरण की, ऐसे स्तर पर और ऐसी ढाल के साथ" ("of such size, materials and description, at such level, and with such fall") ड्रेन न बना दी जाए, जो तीस मीटर के भीतर किसी नगरपालिका ड्रेन में खाली हो (धारा 227); और अनुमति के बिना किसी नगरपालिका ड्रेन पर कुछ भी नहीं बनाया जा सकता (धारा 235)। इनमें से कोई भी डिजाइन वर्षा घटना, निकास दर, भंडारण आयतन या अतिप्रवाह मार्ग निर्धारित नहीं करता। जो रेखाएँ हैं, वे थोड़ी हैं। 30 नवंबर 2015 का रांची मास्टर प्लान 2037 का अनुमोदन कांके, धुर्वा और रुक्का (गेतलसूद) डैम के पूर्ण जल स्तर से 20 m के भीतर, जो दूरी सेटबैक के रूप में नहीं गिनी जाती, और नदियों और प्राकृतिक नालों से 10–15 m के भीतर, और हर स्थिति में कम से कम 10 m के भीतर, किसी भी भवन का निषेध करता है (शर्त 2.9; UD&HD की अधिसूचना संख्या 4371)। झारखंड में डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं है; जमशेदपुर में NGT की संयुक्त समिति ने उपविधि 23.2 की 10–15 m की रेखा का सहारा लिया, क्योंकि "स्वर्णरेखा नदी का डूब क्षेत्र जोनिंग निर्धारित नहीं किया गया है" ("the flood plain zoning of the Subarnarekha River has not been designated") (O.A. 145/2023 (EZ) में 14 मार्च 2024 की रिपोर्ट, एक हस्तक्षेप-आवेदन में उद्धृत रूप में)। अध्याय 7 का हाइड्रोलिक कॉरिडोर, कम से कम 15 m की अपनी जोन 1 की न्यूनतम सीमा के साथ, और उस अध्याय के सेटबैक जोन इस मैनुअल का प्रस्ताव हैं; रांची मास्टर प्लान 2037 और उपविधि 23 की रेखाएँ वहाँ लागू होती हैं जहाँ वे बाध्यकारी हों और अधिक चौड़ी हों। उपयोग में आ रहे डिजाइन मानदंड इतिहास हैं, जिन्हें बदला जाना है। धनबाद के लिए JUIDCO की विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित जल निकासी परियोजना का डिजाइन "वर्ष में एक बार की बाढ़ आवृत्ति" ("a flood frequency of once in a year") के लिए किया गया, क्योंकि "2 और 5 वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि से उपलब्ध RoW से परे भूमि में वृद्धि हो रही थी, जिससे भू-अर्जन की स्थिति बन रही थी" ("Return period of 2& 5 years was resulting in increase in land beyond the available RoW, which was leading to land acquisition") (प्रारूप ESIA, नवंबर 2017)। रांची में हरमू नदी के चैनल का डिजाइन 25 वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि के लिए किया गया, जबकि IS 12094 नगरों की सुरक्षा के लिए 100 वर्ष निर्धारित करता है,

और जुलाई 2016 और जुलाई 2017 की क्षति के बाद उसका डिजाइन 50 वर्ष के लिए फिर से किया गया; IIT मुंबई ने पहले "विकसित क्षेत्र में" ("in a developed area") 0.95 के अपवाह गुणांक की सलाह दी, फिर उसे "भारित औसत के आधार पर" ("based on the weighted average") घटाकर 0.29 कर दिया, जिससे चेनेज 10,400 m पर 25-वर्ष का प्रवाह 64.11 m^3/s निकला, जबकि JUIDCO द्वारा NIT जमशेदपुर को भेजे गए आँकड़ों से यह 177 m^3/s था, और परियोजना ने 22.59 km^2 के जलग्रहण क्षेत्र में से केवल 8.49 km^2 लिया (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1, अध्याय 4)। सीख वही है जो खंड 3.5.2, 3.5.4 और 3.9.2 लागू करते हैं: शहरी जलग्रहण क्षेत्र का औसत ग्रामीण भूमि के साथ मिलाकर कम नहीं किया जाएगा, और उसकी पक्की (sealed) सतहों को उसी रूप में मापा और मॉडल किया जाएगा। रांची की सीवरेज और जल निकासी परियोजना के अंतर्गत ₹129.10 करोड़ से 207 km वर्षा जल ड्रेनें बनाई जानी थीं; ठेकेदार ने केवल 1.49 km के अनुदैर्ध्य काट (longitudinal sections) प्रस्तुत किए, जो अनुमोदित नहीं हुए, और बनी हुई लंबाइयाँ "किसी बड़े ड्रेन नेटवर्क से नहीं जुड़ी थीं" ("were not connected to any bigger drain network") (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1, अध्याय 3)। कोयला खदानों की पर्यावरण स्वीकृतियाँ गारलैंड ड्रेनों का आकार "चरम आकस्मिक वर्षा और अधिकतम प्रवाह से ऊपर कम से कम 50% सुरक्षा मार्जिन" ("at least 50% safety margin over and above the peak sudden rainfall and maximum discharge") के साथ निर्धारित करती हैं, जो कोई पुनरावृत्ति अवधि नहीं है (कोयला क्षेत्र की मानक शर्तें, पढ़े गए रूप में)। यह मैनुअल इनमें से किसी का उपयोग नहीं करता। बेसमेंट पहले से प्रतिबंधित हैं। उपविधि 48.1 उपबंध करती है कि "निचले क्षेत्र में और पर्याप्त जल निकासी सुविधाओं के बिना बेसमेंट/तलघर की अनुमति नहीं दी जाएगी" ("Basements/cellars shall not be permitted in low lying area and without adequate drainage facilities") और कि "बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में बेसमेंट की अनुमति नहीं दी जाएगी" ("Basement shall not be allowed in flood prone areas"), और उपविधि 48.6.4 उपबंध करती है कि "पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी, ताकि सतही जल निकासी का पानी बेसमेंट में प्रवेश न करे" ("Adequate arrangement shall be made, so that surface drainage does not enter the basement"); न "निचला क्षेत्र" ("low lying area") परिभाषित है और न "बाढ़-प्रवण क्षेत्र" ("flood prone areas"), और रैंप या द्वार का कोई स्तर निर्धारित नहीं है। यह मैनुअल प्रस्ताव करता है कि उपविधि 48.1 के लिए खंड 4.5.3.2 के बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों, खंड 4.5.4 के अंतर्गत अधिसूचित किसी भी जलग्रहण क्षेत्र और अध्याय 7 के जोन 1 या जोन 2 की भूमि को बाढ़-प्रवण माना जाए, और उस भूमि को, जिसकी सतह निकटवर्ती नदी, नाले, तालाब, डैम या खदान के गड्ढे के 1% AEP स्तर से नीचे है, नदियों के डूब क्षेत्रों, गंगा के दियारा और कोयला क्षेत्रों के भू-धंसान गर्तों सहित, निचला माना जाए। यह अन्यत्र अनुमत प्रत्येक बेसमेंट के लिए अपनी अपेक्षाएँ जोड़ता है: आवास योग्य बेसमेंट में कोई अस्थायी भंडारण नहीं (खंड 4.10.1); प्रत्येक बेसमेंट रैंप का शिखर और प्रत्येक बेसमेंट द्वार की सिल 1% AEP बाढ़ जल स्तर से कम से कम 0.5 m ऊपर, और बेसमेंट की जल निकासी नॉन-रिटर्न वाल्व के माध्यम से सतही ड्रेन में पंप की जाए (खंड 6.11.1 और 6.11.4); और जोन 2 में कोई बेसमेंट नहीं (खंड 7.5.2)। ये परिभाषाएँ और अपेक्षाएँ इस मैनुअल के प्रस्ताव हैं, भवन उपविधि 2016 के नियम नहीं। खनन भूमि की जल निकासी की अपनी अलग व्यवस्था है। खदान की ड्रेनें प्रत्येक पर्यावरण स्वीकृति की शर्तों से और DGMS से शासित होती हैं, जिसके कोयला खान विनियम, 2017 के अंतर्गत वह सबसे निचला बिंदु जिस पर सतही जल किसी खदान में प्रवेश कर सकता है, उच्चतम बाढ़ स्तर से कम से कम 1.5 m ऊपर होना है (विनियम 149, प्रकाशित खबरों के अनुसार [TBC]); धनबाद की जल निकासी परियोजना ने कोयला-धारी क्षेत्र और अग्नि क्षेत्र को छोड़ दिया (प्रारूप ESIA, 2017); और CCL की खदानों के बहिःस्राव में 100 की सीमा के मुकाबले 104 से 12,628 mg/l निलंबित ठोस पाए गए हैं (CAG, 2019 की रिपोर्ट संख्या 12)। इसलिए खनन भूमि पर या उसके बगल में किसी भी विकास के लिए यह मैनुअल अपेक्षा करता है कि: विकास की कोई ड्रेन या अतिप्रवाह मार्ग किसी चालू खदान में निस्सरण न करे; ओवरबर्डन डंप या खनन से विक्षुब्ध अन्य भूमि का अपवाह किसी शहरी ड्रेन या आउटफॉल तक पहुँचने से पहले एक तलछट बेसिन (अध्याय 8) और डंप के आधार पर एक स्थिर टो ड्रेन से होकर जाए; ओवरबर्डन डंप और खनन से विक्षुब्ध भूमि HSG D मानी जाए, बिना किसी अंतःस्यंदन क्रेडिट के (खंड 3.7.2); और खदान के गड्ढे या खदान झील का उपयोग आउटफॉल या भंडारण के रूप में तब तक न किया जाए जब तक पट्टाधारी और DGMS लिखित रूप में सहमत न हों और उसके जल स्तर, अतिप्रवाह स्तर (spill level) और अतिप्रवाह मार्ग (spill path) का सर्वेक्षण न हो जाए (अध्याय 5)। ये इस मैनुअल की अपेक्षाएँ हैं, किसी पर्यावरण स्वीकृति की शर्तें नहीं। जमशेदपुर में राज्य और टाटा स्टील के बीच 20 अगस्त 2005 का पट्टा कंपनी को इसके लिए बाध्य करता है कि वह "नगरपालिका सेवाओं और नागरिक सुविधाओं के स्तर को बनाए रखना जारी रखेगी" ("continue to maintain the standard of municipal services and civic amenities"), किंतु ड्रेनों या वर्षा जल का उल्लेख नहीं करता, और औद्योगिक नगर बनाने वाली राज्य की 23 दिसंबर 2023 की अधिसूचना को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है (PIL 2636/2024, प्रकाशित खबरों के अनुसार); यह अध्याय उस निकाय के माध्यम से लागू होता है जो भवन अनुमति देता है। जहाँ किसी अस्थायी भंडारण स्थल, नाले के चौड़ीकरण या आउटफॉल के लिए निजी भूमि चाहिए, वहाँ छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 और संथाल परगना काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949 रैयती भूमि (raiyati land) के हस्तांतरण

पर प्रतिबंध लगाते हैं, इसलिए लोक भूमि, सड़क के आरक्षित क्षेत्र, विद्यमान तालाब (talab) और नाला बफर ही व्यावहारिक स्थल हैं। यह अध्याय इस प्रकार लिखा गया है कि यह भवन उपविधि 2016 और नगरपालिका अधिनियम के तकनीकी सहायक के रूप में वे डिजाइन वर्षा घटना, निकास दरें और भंडारण आयतन दे सके जिन्हें धारा 227 और भवन उपविधि 2016 खुला छोड़ देते हैं; इसे इनमें से किसी भी प्रयोजन के लिए अंगीकृत नहीं किया गया है। व्यवहार में झारखंड के शहरों के अनेक नाले सीवेज ले जाते हैं: नौ शहरी स्थानीय निकायों की CAG की लेखापरीक्षा में पाया गया कि उनकी 939.55 km ड्रेनों में से 567.12 km खुली (बिना ढकी) थीं, और कि "परिवारों (HHs) से उत्पन्न सारा अपशिष्ट जल खुली या ढकी ड्रेनों से बहता है जो वर्षा जल ड्रेनों के रूप में भी प्रयुक्त होती हैं" ("all waste water generated from the HHs flow through open or covered drains that are also used as storm water drains") (CAG, 2015-16 के लिए स्थानीय निकायों पर वार्षिक तकनीकी निरीक्षण रिपोर्ट), और हरमू में 14 प्रमुख और 56 छोटे इनलेटों से सीवेज आता है (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण प्रत्येक साइट पर पूर्ण रूप से लागू होते हैं, ड्रेन चाहे जो ले जाए: वर्षा घटना के चरम पर कोई साइट जो भी लीटर पानी छोड़ती है, वह उस ड्रेन की क्षमता घेरता है जो पहले से सीवेज से आंशिक रूप से भरी है। CPHEEO (2019) मैनुअल बहिर्वाह को विकास-पूर्व चरम तक सीमित करने को सामान्य पद्धति के रूप में वर्णित करता है, किंतु वह "shall" (अनिवार्य) का प्रयोग नहीं करता और किसी वर्षा घटना की आवृत्ति का नाम नहीं लेता (CPHEEO Part A §8.5.1)। यह अध्याय उस वर्णन को विकास-नियंत्रण की अपेक्षा में बदलता है।

4.2 परिभाषाएँ

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
प्रतिधारण (retention)	अंतःस्यंदन, वाष्पोत्सर्जन या पुनः उपयोग द्वारा सतही जल निकासी प्रणाली से अपवाह को स्थायी रूप से हटाना, ताकि पानी कभी आउटफॉल तक न पहुँचे।
प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई (retention depth)	साइट के जोन के लिए 90वें शततमक की आर्द्र-दिवस 24-घंटे वर्षा की गहराई (खंड 2.10, परिशिष्ट 2E)।
आवश्यक प्रतिधारण आयतन (RRV)	विकास-पश्चात साइट पर प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई से उत्पन्न अपवाह आयतन (खंड 4.4.2)।
अस्थायी भंडारण (detention)	अपवाह का अस्थायी भंडारण, जिसे नियंत्रित आउटलेट से खंड 4.5 द्वारा निर्धारित दर पर छोड़ा जाता है।
प्रतिधारण क्रेडिट (retention credit)	प्रतिधारण पद्धतियों के परिणामस्वरूप आवश्यक अस्थायी भंडारण में होने वाली कमी, जो खंड 4.4.6 के अंतर्गत रूटिंग द्वारा निर्धारित की जाती है। यह प्रतिधारित आयतन के समान **नहीं** है।
साइट की अनुमेय प्रवाह दर (PSD)	वह अधिकतम दर जिस पर कोई साइट किसी निर्दिष्ट AEP के लिए पानी छोड़ सकती है, L/s या L/s/ha में।
साइट पर आवश्यक भंडारण (SSR)	खंड 4.14 की सरलीकृत विधि के अंतर्गत साइट के प्रति हेक्टेयर आवश्यक अस्थायी भंडारण।
बहु-चरणीय आउटलेट (multi-stage outlet)	अलग-अलग स्तरों पर पृथक छिद्रों वाली आउटलेट संरचना, जिसमें प्रत्येक छिद्र एक अलग AEP को नियंत्रित करता है (चित्र 4.2)।
खाली होने का समय (drawdown time)	अधिकतम भंडारित आयतन से लेकर उस आयतन का निर्दिष्ट अंश छोड़े जाने तक का समय।

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
आपातकालीन स्पिलवे (emergency spillway)	एक द्वितीयक अतिप्रवाह, जो प्राथमिक आउटलेट की क्षमता से अधिक प्रवाह को, या प्राथमिक आउटलेट के अवरुद्ध होने पर संपूर्ण प्रवाह को, तटबंध के ऊपर से बहे बिना निकाल देता है।
फ्रीबोर्ड (freeboard)	अधिकतम डिजाइन जल स्तर और तटबंध के शिखर या अन्य क्रांतिक स्तर के बीच की ऊर्ध्वाधर दूरी।
बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र	खंड 4.5.3 में सूचीबद्ध या खंड 4.5.4 के अंतर्गत अधिसूचित जलग्रहण क्षेत्र।
प्राधिकारी	अध्याय 1 के अंतर्गत अनुमोदन प्राधिकारी (यथास्थिति: झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 और झारखंड भवन उपविधि, 2016 के अंतर्गत भवन या लेआउट अनुमति देने वाला नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत; नगरपालिका सीमाओं के बाहर RRDA या कोई अन्य क्षेत्रीय विकास प्राधिकार; अपने क्षेत्र में MADA; अपने औद्योगिक क्षेत्रों में कोई औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार; या जमशेदपुर में भवन अनुमति देने वाला निकाय, अर्थात जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति या 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना के अंतर्गत उसका उत्तराधिकारी निकाय [TBC])।
टियर A / टियर B	अध्याय 1 में परिभाषित अंगीकरण टियर। टियर A: रांची नगर निगम (RMC) और झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के अंतर्गत गठित प्रत्येक अन्य नगर निगम, जिनमें धनबाद, देवघर, चास, हजारीबाग, गिरिडीह, आदित्यपुर, मानगो और मेदिनीनगर के नगर निगम हैं, अपनी सीमाओं के भीतर प्रत्येक अन्य अनुमोदन प्राधिकारी सहित; रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र के भीतर RRDA; MADA; और जमशेदपुर में भवन अनुमति देने वाला निकाय (जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति या 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना के अंतर्गत उसका उत्तराधिकारी निकाय, जिस अधिसूचना को चुनौती दी गई है [TBC])। टियर B: नगर परिषदें और नगर पंचायतें।

4.3 उपायों का क्रम

4.3.1 साइट अपवाह नियंत्रण का प्रत्येक डिजाइन उपायों को निम्नलिखित क्रम में लागू करेगा, और प्रस्तुति में यह दस्तावेजित करेगा कि प्रत्येक पूर्ववर्ती पद इससे अधिक क्यों नहीं कर सका:

1. **संरक्षण.** विद्यमान जलाशयों, तालाबों (talab), प्राकृतिक जल निकासी रेखाओं, आर्द्रभूमियों, और पारगम्य मिट्टी और वनस्पति को बनाए रखें। बाढ़ भंडारण में भराई से बचें (अध्याय 7)।
2. **प्रतिधारण.** अंतःस्यंदन, पुनः उपयोग या वाष्पोत्सर्जन द्वारा साइट पर RRV का प्रतिधारण करें (खंड 4.4)।
3. **अस्थायी भंडारण.** शेष अपवाह का अस्थायी भंडारण करें ताकि प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना और अवधि के लिए खंड 4.5 के निकास दर मानदंड पूरे हों (खंड 4.6 से 4.9)।
4. **वहन.** 1% AEP (100-वर्ष) प्रवाह को एक निर्धारित सतही मार्ग पर साइट से होकर सुरक्षित रूप से प्राप्तकर्ता प्रणाली तक ले जाएँ (अध्याय 6), और अनुप्रवाह की ओर प्राप्तकर्ता प्रणाली की जाँच करें (अध्याय 5)।

4.3.2 संरक्षण और प्रतिधारण आवश्यक अस्थायी भंडारण को कम करते हैं (खंड 4.4.6 और 4.4.7)। वे साइट को खंड 4.5 के निकास दर मानदंडों से या अध्याय 5 के अनुप्रवाह विश्लेषण से मुक्त नहीं करते।

> **भाष्य.** यह क्रम Kansas City Metro APWA Section 5600 Version 2025.01 में अपनाई गई "वर्षा जल प्रबंधन की परतों" ("layers of stormwater management") का अनुसरण करता है: संरक्षण या पुनर्स्थापन, प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, वहन, रखरखाव (MARC factsheet; MARC Supplement, Nov 2025)। रखरखाव पाँचवीं परत है और अध्याय 10 में निर्धारित है। 2025.01 मैनुअल प्रतिधारण और प्राकृतिक क्षेत्र के संरक्षण को अस्थायी भंडारण के आकार के सापेक्ष क्रेडिट देता है (MARC Supplement, Nov 2025)। खंड 4.4.6 वह क्रेडिट लेता है, और उसे इस प्रकार परिभाषित करता है कि उसका दावा दो बार न किया जा सके।

4.4 प्रतिधारण

4.4.1 अपेक्षा

साइट RRV का प्रतिधारण करेगी। प्रतिधारण निम्नलिखित में से एक या अधिक द्वारा किया जाएगा:

- अंतःस्यंदन पद्धतियाँ (सोख गड्ढे, अंतःस्यंदन खाइयाँ, अंतःस्यंदन आधार वाला पारगम्य पेवमेंट, बायोरिटेंशन);
- वर्षा जल का ऐसा पुनः उपयोग जो किसी प्रदर्शित गैर-पेय माँग द्वारा खाली होता हो;
- हरित छतें और लैंडस्केप क्षेत्र जो प्रतिधारण-गहराई वाली वर्षा घटना में आउटफॉल की ओर नहीं बहते।

खंड 4.4.4 की सीमाएँ लागू होती हैं।

4.4.2 RRV की गणना

> $\text{RRV}\ (\text{m}^3) = 10 \times Q_R \times A$

जहाँ:

- Q_R (mm) प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई P_R (परिशिष्ट 2E) से उत्पन्न अपवाह की गहराई है। इसकी गणना प्रत्येक उप-भाग के विकास-पश्चात आवरण के लिए SCS-CN विधि से, AMC II पर, $I_a = 0.2S$ के साथ की जाती है (अध्याय 3); और
- A (ha) साइट का वह क्षेत्र है जो आउटफॉल की ओर बहता है।

Q_R की गणना प्रत्येक उप-भाग के लिए अलग-अलग की जाएगी और उनका योग किया जाएगा। जहाँ अपारगम्य और पारगम्य क्षेत्रों के CN में 20 अंकों से अधिक का अंतर हो, वहाँ क्षेत्र-भारित CN का उपयोग नहीं किया जाएगा।

आयतनात्मक विधि $\text{RRV} = 10 \times P_R \times R_v \times A$, जिसमें $R_v = 0.05 + 0.009 \times I$ (I = प्रतिशत अपारगम्यता), का उपयोग 0.5 ha से कम की साइटों के लिए और टियर B विधि के अंतर्गत किया जा सकता है।

> **भाष्य.** R_v सूत्र वही है जो KC जल गुणवत्ता आयतन में प्रयुक्त होता है (MARC BMP Manual 2012)। छोटी साइटों के लिए इसकी समीक्षा सरल है। बड़ी साइटों के लिए SCS-CN रूप अनिवार्य है ताकि प्रतिधारण की गणना में वही अपवाह मॉडल प्रयुक्त हो जो अस्थायी भंडारण की रूटिंग में होता है। इससे खंड 4.4.6 की क्रेडिट गणना सुसंगत रहती है।

4.4.3 सत्यापन

अंतःस्यंदन द्वारा प्रतिधारण के समर्थन में निम्नलिखित होंगे:

- (a) प्रत्येक पद्धति के स्थान और गहराई पर, अध्याय 8 में निर्धारित आवृत्ति पर, साइट पर अंतःस्यंदन परीक्षण;
- (b) मापी गई दर के **आधे** से अधिक नहीं की डिजाइन अंतःस्यंदन दर; और
- (c) भूजल संबंधी साक्ष्य, जो दर्शाए कि मौसमी उच्चतम भूजल स्तर पद्धति के आधार से कम से कम **1.0 m** नीचे है (अध्याय 8)।

पुनः उपयोग द्वारा प्रतिधारण के समर्थन में माँग की गणना होगी, जो दर्शाए कि RRV किसी सतत गैर-पेय उपयोग, जैसे शौचालय फ्लशिंग, शीतलन या सिंचाई, द्वारा 72 घंटों के भीतर खाली हो जाता है।

> **भाष्य.** मापी गई अंतःस्यंदन दर पर 2 के गुणक का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे अवरोध (clogging) के लिए और परीक्षण गड्ढे तथा पूर्ण आकार की पद्धति के बीच के अंतर के लिए निर्धारित करता है। अध्याय 8 कोई अलग गुणक निर्धारित कर सकता है; यदि वह ऐसा करता है, तो अध्याय 8 लागू होगा।

4.4.4 प्रतिधारण की सीमाएँ

4.4.4.1 अंतःस्यंदन पद्धतियों का उपयोग नहीं किया जाएगा:

- जहाँ मौसमी उच्चतम भूजल स्तर आधार से 1.0 m से कम नीचे है (अध्याय 8);
- दूषित भूमि पर;
- अध्याय 8 में निर्धारित नींवों, कुओं और सेप्टिक प्रणालियों से सेटबैक के भीतर; या
- भराई पर, जब तक कि भराई के बाद परीक्षण न किया गया हो।

4.4.4.2 जहाँ RRV का पूर्ण प्रतिधारण नहीं किया जा सकता, वहाँ कमी प्रस्तुति में बताई जाएगी। उस कमी को अध्याय 8 के अंतर्गत WQv माना जाएगा और उसे कोई प्रतिधारण क्रेडिट नहीं मिलेगा।

4.4.5 प्रतिधारण का खाली होना

प्रतिधारण भंडारण को प्रतिधारण-गहराई वाली वर्षा घटना की समाप्ति के **72 घंटों** के भीतर अंतःस्यंदन या पुनः उपयोग द्वारा खाली किया जाएगा, जिसका सत्यापन खंड 4.4.3 के परीक्षणों द्वारा किया जाएगा।

4.4.6 प्रतिधारण क्रेडिट: परिभाषा और गणना

4.4.6.1 **क्रेडिट क्या है.** प्रतिधारण क्रेडिट आवश्यक अस्थायी भंडारण में वह कमी है जो विकास-पश्चात रूटिंग में प्रतिधारण पद्धतियों को सम्मिलित करने पर होती है। इसकी गणना की जाती है। इसे RRV के बराबर नहीं माना जाता।

4.4.6.2 **टियर A विधि (रूटिंग).** खंड 4.6.3 की प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना और अवधि के लिए:

- (a) प्रत्येक प्रतिधारण पद्धति को स्पष्ट रूप से ऐसे भंडारण के रूप में मॉडल करें जो **वर्षा घटना के आरंभ में खाली** हो, जब तक कि खंड 4.11 अन्यथा न कहे;
- (b) पद्धति को वर्षा घटना के आरंभिक भाग से भरने दें, और वर्षा घटना के दौरान उसे केवल खंड 4.4.3 की डिजाइन अंतःस्यंदन या पुनः उपयोग दर पर पानी खोने दें;
- (c) भर जाने के बाद, उसके अतिप्रवाह को अस्थायी भंडारण सुविधा की ओर रूट करें; और
- (d) अवशिष्ट हाइड्रोग्राफ के लिए अस्थायी भंडारण का आकार निर्धारित करें।

आवश्यक अस्थायी भंडारण सभी वर्षा घटनाओं और अवधियों में सबसे बड़ा भंडारण है। क्रेडिट उस भंडारण और बिना प्रतिधारण के आवश्यक भंडारण के बीच का अंतर है। कोई और कटौती नहीं की जाएगी।

4.4.6.3 **टियर B विधि (सरलीकृत).** खंड 4.14 द्वारा अपेक्षित अस्थायी भंडारण को निम्नलिखित से कम किया जा सकता है:

> V_credit = C_R × RRV_provided

जहाँ C_R जोन, मृदा समूह और खाली होने की दर के लिए परिशिष्ट 4B से लिया गया प्रतिधारण क्रेडिट गुणक है। जब तक परिशिष्ट 4B प्रकाशित नहीं होता, **C_R = 0**।

4.4.6.4 जिस प्रतिधारण का सत्यापन खंड 4.4.3 के अंतर्गत नहीं किया गया है, उसे कोई क्रेडिट नहीं मिलता।

> **भाष्य.** "अस्थायी भंडारण के सापेक्ष क्रेडिट" ("Credited against detention") (APWA 5600 2025.01) के दो अर्थ लगाए जा सकते हैं। एक अर्थ प्रतिधारित आयतन को अस्थायी भंडारण आयतन में से घन मीटर-दर-घन मीटर घटाता है। दूसरा अर्थ प्रतिधारण को यथास्थान रखकर वर्षा घटनाओं की रूटिंग करता है और देखता है कि अब भी कितना अस्थायी भंडारण आवश्यक है। झारखंड में दोनों अर्थ बहुत भिन्न उत्तर देते हैं, क्योंकि अनिवार्य 48- और 72-घंटे की वर्षा घटनाएँ (खंड 2.5.2) किसी भी प्रतिधारण पद्धति को पहले ही दिन भर देती हैं, अंतिम दिन चरम आने से बहुत पहले (खंड 2.9.2)। जब तक पद्धति वर्षा घटना के दौरान अंतःस्यंदन करती न रहे, वह चरम पर भरी रहती है और चरम भंडारण को कम करने में कुछ नहीं करती।
>
> खंड 4.6.7 का उदाहरण इस प्रभाव का परिमाण दिखाता है। 552 m^3 प्रतिधारण (वर्षा घटना के दौरान कोई अंतःस्यंदन नहीं) वाली 2 ha की साइट को 24-घंटे की वर्षा घटना के लिए 138 m^3 कम अस्थायी भंडारण चाहिए। यह प्रतिधारित आयतन के लगभग एक-चौथाई का क्रेडिट है। 48- और 72-घंटे की वर्षा घटनाओं के लिए, जो निर्णायक होती हैं, क्रेडिट लगभग शून्य है। प्रतिधारित आयतन को सीधे घटाने से अस्थायी भंडारण का आकार लगभग 545 m^3 (लगभग 19%) कम रह जाता।
>
> इसलिए यह मैनुअल क्रेडिट को रूटिंग के परिणाम के रूप में परिभाषित करता है। तेजी से पानी सोखने वाली रेतीली मिट्टी पर प्रतिधारण, जो कई दिनों की वर्षा घटना में अंतःस्यंदन करता रहता है, वास्तविक क्रेडिट अर्जित करेगा। जो प्रतिधारण केवल भरता है, वह बहुत कम अर्जित करेगा। दोनों परिणाम भौतिक रूप से सही हैं। परिशिष्ट 4B के अस्तित्व में आने तक C_R = 0 रखना टियर B के लिए एक सुरक्षित डिफॉल्ट है, यह निर्णय नहीं कि प्रतिधारण का कोई मूल्य नहीं है: जल गुणवत्ता और पुनर्भरण के लिए प्रतिधारण अब भी अनिवार्य है (अध्याय 8)।

4.4.7 संरक्षण क्रेडिट

साइट के जो क्षेत्र प्राकृतिक आवरण में स्थायी रूप से संरक्षित हैं, उन्हें विकास-पश्चात स्थिति में उनके विकास-पूर्व CN पर मॉडल किया जा सकता है, बशर्ते कि:

- वे पंजीकृत प्रसंविदा (covenant) या समर्पण द्वारा संरक्षित हों; और
- उनका अपवाह अपारगम्य सतहों पर संकेंद्रित न हो।

इससे RRV और आवश्यक अस्थायी भंडारण, दोनों कम होते हैं। कोई अन्य संरक्षण क्रेडिट लागू नहीं होता।

4.5 निकास दर मानदंड

4.5.1 सामान्य

4.5.1.1 साइट से चरम प्रवाह दर की गणना विकास-पूर्व और विकास-पश्चात स्थितियों के लिए समान डिजाइन वर्षा घटनाओं के साथ (खंड 2.11.1) हाइड्रोग्राफ विधि (अध्याय 3) से की जाएगी। भंडारण के आकार-निर्धारण के किसी भी भाग के लिए रेशनल विधि का उपयोग नहीं किया जाएगा।

4.5.1.2 विकास-पूर्व स्थिति अविकसित खुली भूमि (greenfield) है: मानचित्रित HSG के लिए अच्छी दशा वाली खुली भूमि। विद्यमान अपारगम्य आवरण नहीं गिना जाता (खंड 2.11.5, अध्याय 3)। यह पुनर्विकास पर भी लागू होता है, केवल खंड 4.5.6 के सीमित पुनर्विकास मार्ग के अधीन।

4.5.1.3 मानदंड प्रत्येक उस बिंदु पर लागू होते हैं जहाँ अपवाह साइट से बाहर जाता है। जहाँ कोई साइट एक से अधिक आउटफॉल की ओर बहती है, वहाँ मानदंड प्रत्येक आउटफॉल पर उसकी ओर बहने वाले क्षेत्र के लिए लागू होते हैं। अपवाह को जलग्रहण क्षेत्रों के बीच मोड़ा नहीं जाएगा।

4.5.2 सामान्य जलग्रहण क्षेत्र

50%, 10% और 1% AEP (2-, 10- और 100-वर्ष) की प्रत्येक वर्षा घटना के लिए, और {1, 2, 3, 6, 12, 24, 48, 72 h} में से प्रत्येक अवधि के लिए:

> Q_post(T, d) ≤ 0.9 × Q_pre(T, d)

4.5.3 बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र

4.5.3.1 नीचे सूचीबद्ध जलग्रहण क्षेत्रों में, खंड 2.5.2 की प्रत्येक अवधि के लिए, खंड 2.11.3 का **मिश्रित-आवृत्ति नियम** लागू होता है:

> Q_post(1% AEP, 100-वर्ष) ≤ Q_pre(10% AEP, 10-वर्ष), और Q_post(50% AEP, 2-वर्ष) ≤ Q_pre(50% AEP, 2-वर्ष)।

प्रत्येक सीमा उस अवधि पर विकास-पूर्व चरम है जो उसे अधिकतम करती है: 100-वर्ष की जाँच के लिए 10-वर्ष का चरम, और 2-वर्ष की जाँच के लिए 2-वर्ष का चरम। यह सीमा विकास-पश्चात की प्रत्येक अवधि पर लागू होती है (खंड 2.11.3)।

4.5.3.2 बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र हैं:

- (a) **हरमू नदी पर रांची और उसकी निचली कॉलोनियाँ**: स्वर्णरेखा के साथ उसके संगम तक हरमू नदी का जलग्रहण क्षेत्र, उससे मिलने वाले अरगोड़ा नाले (Argora nala) और अन्य नालों और ड्रेनों सहित, और रांची की वे निचली कॉलोनियाँ जिनका पानी हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto) और हिनू (Hinoo) में जाता है और जिनमें भारी वर्षा में बाढ़ आती है;
- (b) **स्वर्णरेखा–खरकई के किनारों पर जमशेदपुर**: जमशेदपुर, आदित्यपुर, मानगो, जुगसलाई और बागबेड़ा की वह भूमि जिसका पानी स्वर्णरेखा और खरकई में जाता है, जिनके आउटफॉल नदियों के ऊँचा होने पर रुक जाते हैं;
- (c) **धनबाद–झरिया भू-धंसान पट्टी**: झरिया कोयला क्षेत्र के भीतर धनबाद, झरिया, कतरास और सिंदरी की वह भूमि जिसका पानी भू-धंसान गर्तों, खदान के गड्ढों या कतरी (Katri), जमुनिया (Jamunia) और खुदिया (Khudia) में जाता है, धनबाद जल निकासी परियोजना के निचले वार्ड 25, 26, 28 और 29 सहित;
- (d) **गंगा तटवर्ती क्षेत्र पर साहिबगंज**: साहिबगंज और राजमहल की वह भूमि जिसका पानी गंगा में जाता है, दियारा (diara) सहित, जिसके आउटफॉल गंगा के ऊँचा होने पर रुक जाते हैं;
- (e) **देवघर**: देवघर नगर निगम क्षेत्र की ड्रेनों के जलग्रहण क्षेत्र; और
- (f) खंड 4.5.4 के अंतर्गत अधिसूचित कोई भी जलग्रहण क्षेत्र।

सीमाएँ वही होंगी जो परिशिष्ट 4A में मानचित्रित हैं।

4.5.4 अतिरिक्त बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों की अधिसूचना

4.5.4.1 प्राधिकारी किसी जलग्रहण क्षेत्र को बाढ़-संवेदनशील के रूप में अधिसूचित करने का प्रस्ताव कर सकता है जहाँ निम्नलिखित में से एक या अधिक दस्तावेजित हो:

- (a) पिछले 20 वर्षों में कम से कम दो अवसरों पर 1% AEP या उससे अधिक बार होने वाली घटना में भवनों या धमनी सड़कों पर बाढ़;
- (b) विद्यमान स्थितियों में 10% AEP प्रवाह से कम क्षमता वाली प्राप्तकर्ता ड्रेनें या चैनल;
- (c) ऐसा आउटफॉल जो दक्षिण-पश्चिम मानसून के कुछ भाग में बाढ़ में चल रही किसी नदी से या अपने पूर्ण स्तर पर या उससे ऊपर भरे किसी जलाशय से अवरुद्ध रहता है, जैसे जमशेदपुर और आदित्यपुर में स्वर्णरेखा और खरकई, जब चांडिल से या खरकई पर ऊपर के डैमों से पानी छोड़ा जाता है, साहिबगंज और राजमहल में गंगा, तेनुघाट और DVC जलाशयों के नीचे दामोदर और बराकर, या रांची में कांके, धुर्वा और गेतलसूद जलाशय, या जो प्राप्तकर्ता जल ऊँचा होने पर किसी स्लूइस या फ्लैप गेट द्वारा बंद कर दिया जाता है (अध्याय 5);
- (d) प्राचीनतम उपलब्ध सर्वेक्षण के बाद से जलग्रहण क्षेत्र में मानचित्रित तालाब (tank) और तालाब (talab) भंडारण के एक-चौथाई से अधिक की हानि; या
- (e) ऐसा बेसिन मास्टर प्लान जो साइट से प्रवाह छोड़ने को सीमित करने पर निर्भर है।

4.5.4.2 प्रक्रिया निम्नलिखित होगी:

1. प्राधिकारी GIS रूप में जलग्रहण क्षेत्र की सीमा और 4.5.4.1 के साक्ष्य सहित एक तकनीकी टिप्पणी तैयार करता है।
2. अध्याय 1 के अंतर्गत गठित राज्य-स्तरीय तकनीकी समिति टिप्पणी की समीक्षा करती है।
3. प्रारूप अधिसूचना और मानचित्र कम से कम 60 दिनों के लिए जन टिप्पणी हेतु प्रकाशित किए जाते हैं।
4. सरकार जलग्रहण क्षेत्र को अधिसूचित करती है और मानचित्र परिशिष्ट 4A में जोड़ा जाता है।
5. यह नियम अधिसूचना के **6 माह** या अधिक बाद प्राप्त आवेदनों पर लागू होता है। पहले प्राप्त आवेदनों का आकलन खंड 4.5.2 के अंतर्गत किया जाता है।

4.5.4.3 किसी अधिसूचित जलग्रहण क्षेत्र को केवल उसी प्रक्रिया द्वारा, और केवल तब विअधिसूचित किया जा सकता है जब कोई बेसिन अध्ययन यह दर्शाए कि खंड 4.5.2 के अंतर्गत सभी विकास के साथ अनुप्रवाह प्रणाली अध्याय 5 की अपेक्षाएँ पूरी करती है।

> **भाष्य.** 0.9 गुणक डेनवर (MHFD) के विश्लेषण से व्युत्पन्न है। उस विश्लेषण में, ऐतिहासिक 100-वर्ष चरम का 100% छोड़ने वाले दस बेसिनों ने आउटलेट पर फिर भी ऐतिहासिक चरम का 106% उत्पन्न किया; प्रत्येक पर 90% छोड़ने से 97% मिला (UDFCD Full Spectrum Detention Release Rate Memorandum, 2012)। मिश्रित-आवृत्ति नियम का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; निकटतम मलेशियाई DID (2008) की जाँच-सूची है, जिसमें विकास-पश्चात 2-, 10-, 50- और 100-वर्ष के चरम विकास-पूर्व 2-वर्ष के चरम से कम होने अपेक्षित थे। विशिष्ट "100-वर्ष पश्चात ≤ 10-वर्ष पूर्व" रूप न्यू बर्लिन, विस्कॉन्सिन की एक योजना चर्चा में मिलता है (कोई अंगीकृत नियम नहीं)। रांची की प्रविष्टि हरमू और शहर के अभिलेख का अनुसरण करती है। हरमू स्वर्णरेखा की एक सहायक नदी है, जिसका जलग्रहण क्षेत्र लगभग 22.59 km² है और जिसका 10.4 km भाग शहरी है; उसका चैनल 25-वर्ष की बाढ़ के लिए फिर से बनाया गया, जुलाई 2016 और जुलाई 2017 में क्षतिग्रस्त हुआ, और 50-वर्ष की बाढ़ के लिए फिर से डिजाइन किया गया, जबकि IS 12094 नगरों की सुरक्षा के लिए 100-वर्ष की आवृत्ति निर्धारित करता है (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। 2009–2021 के उपग्रह चित्र करमा चौक पुल (Karma Chowk bridge) पर नदी को 18.70 m संकरी दिखाते हैं, और उसके 14 प्रमुख इनलेटों में से 9 शुष्क मौसम में भी सीवेज छोड़ते हैं और 5 उसे सीधे छोड़ते हैं, इनके अतिरिक्त 56 छोटे इनलेट हैं (वही रिपोर्ट)। उससे मिलने वाला अरगोड़ा नाला (Argora nala) 0.64 km² से 0.47 MLD सीवेज ले जाता है और मवेशियों के बाड़ों से अतिक्रमित है (वही रिपोर्ट)। शहर में बार-बार बाढ़ आई है: 26 जुलाई 2017 को 24 घंटों में लगभग 205 mm वर्षा हुई; जुलाई 2021 में लगभग 180 mm वर्षा हुई और कटहल मोड़ (Kathal More) और अरगोड़ा में बाढ़ आई; अगस्त 2022 में कांके रोड पर घुटनों तक पानी भरा रहा और बहुबाजार (Bahu Bazar) में घरों में बाढ़ आई; और 1–23 जून 2025 में जिले में लगभग 459 mm वर्षा हुई, जो उसके सामान्य के तीन गुना से अधिक थी, और बहुबाजार फिर पानी में डूबा (सभी प्रकाशित खबरों के अनुसार)। उच्च न्यायालय ने अभिलिखित किया है कि शहर में कभी रहे लगभग 71 तालाबों में से केवल चार या पाँच अब दिखाई देते

हैं, और कांके और धुर्वा डैमों के चारों ओर से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया है (W.P.(PIL) 1463/2020, 2024 और 31 जुलाई 2025 के आदेश, प्रकाशित खबरों के अनुसार; 2025–26 के आदेश पढ़े नहीं गए [TBC])। जमशेदपुर की प्रविष्टि दोनों नदियों का अनुसरण करती है। जून 2008 में, 18 जून को जमशेदपुर (A) में 24 घंटों में 338.1 mm (IMD) के बाद, ओडिशा में खरकई डैम के गेट खोले जाने पर खरकई और स्वर्णरेखा अपने खतरे के निशानों से ऊपर चढ़ गईं, और जुगसलाई, बागबेड़ा, शास्त्रीनगर, सोनारी और आदर्शनगर में 500 से अधिक घरों में बाढ़ आई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। चक्रवात यास में आदित्यपुर पर खरकई 129 m के अपने खतरे के निशान के मुकाबले 132.40–132.87 m तक पहुँची, जबकि मानगो पर स्वर्णरेखा अपने निशान से नीचे रही (27 मई 2021, प्रकाशित खबरों के अनुसार), और 26 जुलाई 2025 को स्वर्णरेखा मानगो पुल पर 123.36 m और खरकई आदित्यपुर पर 134.90 m पर थी, और बागबेड़ा में लगभग 159 घरों में बाढ़ आई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। स्वर्णरेखा का डूब क्षेत्र कभी निर्धारित नहीं किया गया, और NGT की संयुक्त समिति ने उपविधि 23.2 की 10–15 m की रेखा का सहारा लिया (O.A. 145/2023 (EZ) में 14 मार्च 2024 की रिपोर्ट, एक हस्तक्षेप-आवेदन में उद्धृत रूप में)। धनबाद–झरिया की प्रविष्टि कोयला क्षेत्र का अनुसरण करती है। वहाँ भूमि धंस रही है, औसतन लगभग 4 cm प्रति वर्ष और कुछ भूमिगत खदानों के ऊपर लगभग 12 cm प्रति वर्ष तक, लगभग 18 km² के उच्च-जोखिम जोन के साथ (EGU General Assembly 2020 और 2021 के सार, प्रकाशित खबरों के अनुसार), इसलिए डिजाइन आयु के दौरान ड्रेनों की ढाल बदल जाती है और गर्तों में पानी जमा होता है; JUIDCO की धनबाद जल निकासी परियोजना ने कोयला-धारी क्षेत्र और अग्नि क्षेत्र को छोड़ दिया, सड़कों की लंबाई के केवल लगभग 16.5% पर ड्रेनें पाईं, और वार्ड 25, 26, 28 और 29 को बाढ़-प्रवण और निचले क्षेत्रों के रूप में नामित किया (प्रारूप ESIA, नवंबर 2017)। उसने अपनी नई ड्रेनों का डिजाइन 1-वर्ष की वर्षा घटना के लिए किया, क्योंकि 2- और 5-वर्ष की ड्रेनों से "उपलब्ध RoW से परे भूमि में वृद्धि हो रही थी" ("was resulting in increase in land beyond the available RoW") (वही दस्तावेज)। अगस्त 2024 में लगभग 45 घंटों की वर्षा के बाद झिलिया (Jhilia) नदी से मैथन की कॉलोनियों में बाढ़ आई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। साहिबगंज की प्रविष्टि गंगा का अनुसरण करती है, जिसका CWC गेज पर उच्चतम स्तर 27.25 m के खतरे के स्तर के मुकाबले 30.91 m (20 अगस्त 1998) है (CWC); नदी 11 अगस्त 2025 को 28.61 m तक पहुँची, जब लगभग 1,500 घरों में और नगर के 28 में से 11 वार्डों में बाढ़ आई, और 11 सितंबर 2026 को 28.72 m तक (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और 2019 में दियारा क्षेत्रों में 28 सितंबर से बाढ़ आई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। WRD ने राज्य में गंगा के डूब क्षेत्र का सीमांकन करने के लिए एक परामर्शदाता नियुक्त किया है, जो राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना से जलविज्ञान आँकड़ों की प्रतीक्षा में है (झारखंड राज्य, NGT O.A. 200/2014 में तिमाही प्रगति रिपोर्ट)। देवघर की प्रविष्टि इस मैनुअल द्वारा एक अंतरिम विकल्प के रूप में निर्धारित है। देवघर राज्य की सबसे भारी अभिलिखित वर्षा की पट्टी में स्थित है, जहाँ 21 सितंबर 2000 को देवघर जिले के कैरो (Kairo) में 520.0 mm, सारवां (Sarawan) में 454.4 mm और मधुपुर में 350.0 mm वर्षा हुई (IMD, *Climate of Jharkhand*), और यह मधुपुर के ऊपर उप-क्षेत्र 1(g) की 50-वर्ष प्लेट के "280" कोष्ठ के निकट है (परिशिष्ट 3E), किंतु नगर में शहरी बाढ़ का कोई अभिलेख नहीं मिला [TBC]; इसे उस अभिलेख की प्रतीक्षा में सूचीबद्ध किया गया है, और बेसिन अध्ययन किए जाने पर इस सूचीकरण की समीक्षा की जानी चाहिए। गरगा और दामोदर पर बोकारो और चास, हजारीबाग, गिरिडीह, रामगढ़, उत्तरी कोयल पर मेदिनीनगर, दुमका और चाईबासा खंड 4.5.4 के अंतर्गत अधिसूचना के अभ्यर्थी हैं। 4.5.4.1 के अधिसूचना प्रारंभकों का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और वे इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। 6 माह की अग्रिम अवधि खंड 2.14.2 के अद्यतन नियम का अनुसरण करती है। खंड 4.16 बताता है कि विकास-पूर्व से कम निकास की आवश्यकता ही क्यों है।

4.5.5 न्यूनतम आउटलेट और अल्प-अवधि 2-वर्ष जाँच

4.5.5.1 जहाँ किसी AEP और अवधि के लिए PSD संगत जल स्तर पर **50 mm** ऑरिफिस (खंड 4.8.2) की प्रवाह दर से कम है, वहाँ उस AEP और अवधि के लिए 50 mm ऑरिफिस को अनुपालक माना जाएगा।

4.5.5.2 जहाँ 3 घंटे या उससे कम की अवधि पर 2-वर्ष मानदंड को पूरा करने के लिए इतने छोटे अल्प-प्रवाह ऑरिफिस की आवश्यकता हो कि खंड 4.7 की खाली होने संबंधी अपेक्षा पूरी न हो सके, वहाँ डिजाइनकर्ता:

- अल्प-प्रवाह ऑरिफिस का आकार उस सबसे छोटे छिद्र के रूप में निर्धारित करेगा जो खंड 4.7 को पूरा करता है; और
- उन अवधियों के लिए परिणामी 2-वर्ष अतिक्रमण की रिपोर्ट करेगा।

यदि अतिक्रमण 2-वर्ष जल स्तर पर 50 mm ऑरिफिस की प्रवाह दर से कम है, या यदि अध्याय 5 का अनुप्रवाह विश्लेषण कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं दर्शाता, तो प्राधिकारी डिजाइन स्वीकार कर सकता है।

> **भाष्य.** AMC II के अंतर्गत, अविकसित खुली भूमि वाली साइट 1- या 2-घंटे की 2-वर्ष वर्षा घटना में लगभग कोई अपवाह उत्पन्न नहीं करती, क्योंकि अधिकांश वर्षा प्रारंभिक हानि में चली जाती है। कुछ लीटर प्रति सेकंड का विकास-पूर्व चरम, अवधि-दर-अवधि तुलना करने पर, बहुत छोटे अल्प-प्रवाह ऑरिफिस को अनिवार्य बना देता है। वह ऑरिफिस 10-वर्ष के आयतन को 48 घंटों के भीतर नहीं छोड़ सकता। यदि खंड 4.6.7 के उदाहरण की जाँच ऐसे की जाए मानो वह बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र के बाहर हो, तो 1-घंटे, 2-वर्ष के विकास-पूर्व चरम से मेल खाने के लिए लगभग 75 mm के अल्प-प्रवाह ऑरिफिस की आवश्यकता होगी। तब 10-वर्ष के आयतन के 90% को खाली होने में, स्वच्छ ऑरिफिस के साथ भी, 48 घंटे की सीमा के विरुद्ध लगभग 84 घंटे लगेंगे। जो 170 mm ऑरिफिस 50% अवरोध के साथ खाली होने की अपेक्षा पूरी करता है, वह 1-घंटे, 2-वर्ष के विकास-पूर्व चरम से लगभग 11 L/s अधिक है। खंड 4.5.5.2 इस विरोध को खाली होने के पक्ष में हल करता है, क्योंकि जो बेसिन अगली दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा घटना आने पर भी आंशिक रूप से भरा हो, वह उस घटना में विफल होता है जो अधिक महत्वपूर्ण है। KC APWA 5600 (2006) में कचरा-रोधी जालियों के साथ 75 mm (3 in) का न्यूनतम ऑरिफिस प्रयुक्त था। यह मैनुअल 50 mm का न्यूनतम निर्धारित करता है (खंड 4.8.2)।

4.5.6 सीमित पुनर्विकास साइटें

4.5.6.1 **पात्रता.** इस खंड का राहत मार्ग केवल ऐसे **पुनर्विकास** के लिए उपलब्ध है जहाँ निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी होती हों:

- (a) ध्वस्तीकरण से पहले किए गए सर्वेक्षण के अनुसार विद्यमान साइट कम से कम **60% अपारगम्य** है;
- (b) साइट **1 ha या उससे कम** है; और
- (c) डिजाइनकर्ता प्रपत्र 4-1 के साथ प्रस्तुत बाधा विवरण (Constraint Statement) में यह दर्शाता है कि साइट पर खंड 4.5.2 या 4.5.3 के अविकसित भूमि मानदंड पूरे नहीं किए जा सकते। विवरण में यह दर्शाना होगा कि खंड 4.10 के भंडारण के प्रत्येक विकल्प का आकलन किया गया है: छत और पोडियम भंडारण, पार्किंग या लैंडस्केप के नीचे टैंक, उप-आधार भंडारण वाला पारगम्य पेवमेंट, और लैंडस्केप गड्ढे। इसमें यह भी बताना होगा कि प्रत्येक विकल्प कितना भंडारण प्रदान कर सकता है।

अविकसित भूमि पर नया विकास कभी पात्र नहीं है।

4.5.6.2 **साइट पर न्यूनतम कार्य-निष्पादन.** पात्र साइट साइट पर निम्नलिखित सभी प्रदान करेगी:

- (a) बिना किसी राहत के पूर्ण प्रतिधारण आयतन (खंड 4.4) और WQv उपचार (अध्याय 8);
- (b) 50%, 10% और 1% AEP की वर्षा घटनाओं के लिए, खंड 2.5.2 की प्रत्येक अवधि पर, विकास-पश्चात चरम प्रवाह दर **विद्यमान स्थिति के चरम के 50%** से अधिक नहीं। विद्यमान स्थिति को खंड 3.3.4 के अंतर्गत मॉडल किया जाता है; और
- (c) अनुप्रवाह की ओर किसी भवन या सड़क पर 1% AEP जल स्तर में कोई वृद्धि नहीं (अध्याय 5)।

4.5.6.3 **कमी.** कमी वह अस्थायी भंडारण है जो अविकसित भूमि मानदंडों (खंड 4.6) को पूरा करने के लिए आवश्यक है, उसमें से 4.5.6.2 के अंतर्गत साइट पर प्रदान किया गया भंडारण घटाकर। आवेदक कमी के लिए खंड 4.13.3 की इकाई दर पर एवज शुल्क का भुगतान करेगा। शुल्क:

- (a) उस बेसिन के पृथक रखे गए खाते (ring-fenced account) में जमा किया जाएगा जिसमें साइट स्थित है;
- (b) केवल क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण पर, या बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान (अध्याय 11) में चिह्नित तालाब (talab) या तालाब (tank) के बाढ़ भंडारण के पुनर्स्थापन पर खर्च किया जाएगा; और
- (c) खंड 4.13.4 की सार्वजनिक खाता-बही में दर्ज किया जाएगा, जो प्रत्येक बेसिन में देय आयतन और प्रदत्त आयतन दर्शाएगी।

जहाँ अभी तक कोई बेसिन मास्टर प्लान अनुमोदित नहीं हुआ है, वहाँ शुल्क **5 वर्ष** तक रखा जाएगा। यदि उस अवधि में कोई प्लान अनुमोदित नहीं होता, तो उसे WRD की सहमति से उसी बेसिन में तालाब के बाढ़ भंडारण के पुनर्स्थापन पर खर्च किया जाएगा।

4.5.6.4 **बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र.** खंड 4.5.3 के जलग्रहण क्षेत्रों में यह मार्ग उन्हीं शर्तों पर उपलब्ध है। तथापि, जहाँ अध्याय 5 का अनुप्रवाह विश्लेषण विश्लेषण के विस्तार के भीतर 10% AEP घटना में भवनों की विद्यमान बाढ़ दर्शाता है, वहाँ प्राधिकारी इसे अस्वीकार कर सकता है।

> **भाष्य.** सभी पुनर्विकास का लक्ष्य अविकसित भूमि की स्थिति है, क्योंकि घना शहर अपना अपवाह तभी कम करता है जब उसका पुनर्निर्माण होता है। झरिया के पुराने शहर, रांची के पुराने केंद्र, या धनबाद, हजारीबाग और देवघर के पुराने बाजारों जैसे क्षेत्रों में छोटे, पूरी तरह निर्मित भूखंडों पर प्रायः अविकसित भूमि के पूर्ण भंडारण के लिए स्थान नहीं होता। जो नियम पूरा न किया जा सके, वह विचलनों और अननुपालन को आमंत्रित करता है, जिससे अनुप्रवाह की ओर किसी को लाभ नहीं होता। यह खंड UK Non-statutory Technical Standards for Sustainable Drainage (Defra, 2015, S2–S3) की पद्धति का अनुसरण करता है। पहले से विकसित साइटों के लिए वे मानक चरम अपवाह को "अविकसित भूमि की अपवाह दर के जितना निकट युक्तियुक्त रूप से व्यवहार्य हो" ("as close as reasonably practicable to the greenfield runoff rate") रखने और कभी भी पुनर्विकास-पूर्व दर से अधिक न होने की अपेक्षा करते हैं। 50% की नियत न्यूनतम कमी का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे इसलिए निर्धारित करता है ताकि समीक्षकों को "युक्तियुक्त रूप से व्यवहार्य" के निर्णय के स्थान पर एक स्पष्ट संख्या मिले। एवज शुल्क कमी को उसी बेसिन में क्षेत्रीय भंडारण में बदल देता है, जिससे बेसिन को कुल मिलाकर अविकसित भूमि के समतुल्य नियंत्रण मिलता रहता है। प्रतिधारण और जल गुणवत्ता को कोई राहत नहीं मिलती, क्योंकि ये छोटे आयतन हैं जिन्हें लगभग प्रत्येक साइट रख सकती है।

4.6 अस्थायी भंडारण के आकार-निर्धारण की प्रक्रिया

4.6.1 विधि

अस्थायी भंडारण का आकार सुविधा के जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर संबंध के माध्यम से हाइड्रोग्राफ रूटिंग द्वारा, स्तर-ताल रूटिंग (Modified Puls) या किसी समतुल्य संख्यात्मक विधि (SWMM, HEC-HMS) से निर्धारित किया जाएगा। नियत-अनुपात और रेशनल-आधारित भंडारण सूत्रों का उपयोग नहीं किया जाएगा। खंड 4.14 की सरलीकृत विधियाँ (टियर B तालिकाएँ और नियत-गुणांक मार्ग) ही एकमात्र अपवाद हैं।

4.6.2 पद

1. साइट और उप-भागों का सीमांकन करें। HSG का मानचित्रण करें और परीक्षण द्वारा पुष्टि करें (अध्याय 3)।
2. 50%, 10% और 1% AEP तथा खंड 2.5.2 की प्रत्येक अवधि के लिए जलवायु गुणक सहित डिजाइन वर्षा निकालें (अध्याय 2, प्रपत्र 2-1)।
3. डिजाइन हायटोग्राफ बनाएँ: ≤ 24 h के लिए ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक; 48 और 72 h के लिए "चरम दिन अंत में" ("peak day last") पैटर्न (खंड 2.9)।
4. विकास-पूर्व हाइड्रोग्राफ की गणना करें (अविकसित भूमि का CN; उप-भाग JH-C, JH-D और JH-E में और नदियों के डूब क्षेत्रों पर 1 जुलाई से 30 सितंबर तक, और JH-A, JH-B, JH-F और JH-G में जुलाई–अगस्त में, प्रत्येक अवधि की वर्षा घटनाओं के लिए, और अन्य साइटों और समयों पर 53 mm से अधिक के 5-दिवसीय योग के बाद, AMC III; अन्यथा AMC II)।
5. खंड 4.5.2 या 4.5.3 के अंतर्गत प्रत्येक AEP और अवधि के लिए निकास सीमाओं की गणना करें।
6. उन्हीं वर्षा घटनाओं और AMC के साथ, प्रतिधारण पद्धतियों सहित (खंड 4.4.6), विकास-पश्चात हाइड्रोग्राफ की गणना करें।
7. सुविधा की एक परीक्षण ज्यामिति (जल स्तर–भंडारण) और एक बहु-चरणीय आउटलेट चुनें (खंड 4.6.5)।
8. प्रत्येक वर्षा घटना और अवधि की रूटिंग करें। **5 मिनट** से अधिक नहीं, और विकास-पश्चात जलग्रहण क्षेत्र के Tc/3 से अधिक नहीं, का समय पद प्रयोग करें।
9. प्रत्येक निकास की उसकी सीमा से जाँच करें, और खाली होने की जाँच करें (खंड 4.7)। आउटलेट और भंडारण को समायोजित करें और दोहराएँ।

10. खंड 4.6.6 की टेलवाटर स्थिति और अध्याय 5 के अनुप्रवाह विश्लेषण की जाँच करें।
11. आपातकालीन स्पिलवे का आकार निर्धारित करें और फ्रीबोर्ड तय करें (खंड 4.9)।
12. भंडारण के लिए, प्रत्येक आउटलेट चरण के लिए, और स्पिलवे के लिए निर्णायक वर्षा घटना की रिपोर्ट करें (खंड 4.17)।

4.6.3 रूट की जाने वाली वर्षा घटनाएँ

प्रत्येक सुविधा की रूटिंग पूर्ण मैट्रिक्स के लिए की जाएगी:

तालिका 4.1 — अस्थायी भंडारण के आकार-निर्धारण के लिए रूट की जाने वाली डिजाइन वर्षा घटनाएँ

AEP	अवधियाँ (h)	AMC
50% (2-वर्ष)	1, 2, 3, 6, 12, 24, 48, 72	≤ 6 h के लिए II; ≥ 12 h के लिए III
10% (10-वर्ष)	1, 2, 3, 6, 12, 24, 48, 72	≤ 6 h के लिए II; ≥ 12 h के लिए III
1% (100-वर्ष)	1, 2, 3, 6, 12, 24, 48, 72	≤ 6 h के लिए II; ≥ 12 h के लिए III

क्रांतिक अवधि का परिणाम जो भी हो, 24-, 48- और 72-घंटे के रन अनिवार्य हैं (खंड 2.5.2)। जहाँ अध्याय 3 द्वारा Ia = 0.05S संवेदनशीलता अपेक्षित है, वहाँ उसे निर्णायक भंडारण स्थिति के लिए चलाया जाएगा।

4.6.4 प्रारंभिक स्थितियाँ

प्रत्येक रन निम्नलिखित के साथ आरंभ होगा:

- अस्थायी भंडारण खाली, सबसे निचले आउटलेट के इनवर्ट तक;
- कोई भी स्थायी जल-भंडार भरा हुआ;
- प्रतिधारण पद्धतियाँ खाली, खंड 4.11 द्वारा सीमित स्थिति के अतिरिक्त; और
- RWH भंडारण भरा हुआ (खंड 4.11)।

48- और 72-घंटे की वर्षा घटनाओं में उनकी पूर्ववर्ती वर्षा पहले से सम्मिलित है, इसलिए कोई अतिरिक्त पूर्व-भराई लागू नहीं की जाती।

4.6.5 बहु-चरणीय आउटलेट का डिजाइन

4.6.5.1 आउटलेट में प्रत्येक मानदंड के लिए एक पृथक नियंत्रण होगा, जो सामान्यतः चित्र 4.2 के अनुसार एक के ऊपर एक रखे जाएँगे:

- **चरण 1**, इनवर्ट पर: अल्प-प्रवाह ऑरिफिस। यह WQv को 24–48 h में छोड़ता है (अध्याय 8) और 2-वर्ष निकास को नियंत्रित करता है।
- **चरण 2**: अधिकतम 2-वर्ष स्तर पर या उसके निकट रखा गया ऑरिफिस या स्लॉट। यह 10-वर्ष निकास को नियंत्रित करता है।
- **चरण 3**: अधिकतम 10-वर्ष स्तर पर या उसके निकट रखा गया वियर, राइजर शिखर या बड़ा ऑरिफिस। यह 100-वर्ष निकास को नियंत्रित करता है।
- **आपातकालीन स्पिलवे**: प्राथमिक आउटलेट से पृथक (खंड 4.9)।

जहाँ रूटिंग यह दर्शाए कि प्रत्येक सीमा पूरी होती है, वहाँ चरणों को संयुक्त किया जा सकता है।

4.6.5.2 ऑरिफिस की गणना 0.60 के प्रवाह गुणांक से की जाएगी, जब तक कि कोई अंशांकित (rated) युक्ति प्रयुक्त न हो। वियरों के लिए उनके आकार के अनुरूप गुणांक का प्रयोग किया जाएगा। जलमग्न आउटलेट और टेलवाटर के प्रभाव सम्मिलित किए जाएँगे (खंड 4.6.6)।

4.6.5.3 भँवर प्रवाह नियंत्रक (vortex flow controls) और अन्य स्वामित्वाधीन युक्तियों का उपयोग वहाँ किया जा सकता है जहाँ आपूर्तिकर्ता प्रमाणित हेड–प्रवाह दर वक्र प्रदान करे और न्यूनतम स्पष्ट छिद्र कम से कम 50 mm हो।

4.6.6 आउटलेट पर टेलवाटर

जहाँ भी प्राप्तकर्ता जल स्तर आउटलेट के इनवर्ट से ऊपर उठ सकता है, वहाँ आउटलेट की रूटिंग मुक्त आउटफॉल के बजाय प्राप्तकर्ता प्रणाली के टेलवाटर के सापेक्ष की जाएगी। टेलवाटर निम्नलिखित होगा:

- प्राप्तकर्ता ड्रेन के लिए: उसी वर्षा घटना में उसका जल स्तर, अध्याय 5 के विश्लेषण से या, टियर B के लिए, ड्रेन का ऑबवर्ट;
- ज्वारीय या पश्चजल प्रभावित आउटफॉलों के लिए: खंड 2.12 और अध्याय 5 के स्तर और संयुक्त स्थितियाँ, आउटफॉल-बंद जाँच (खंड 5.10) सहित।

जहाँ टेलवाटर निर्णायक है, वहाँ आउटलेट पर फ्लैप गेट लगाया जाएगा (खंड 5.11)। टेलवाटर स्तर से नीचे के भंडारण को तब तक उपलब्ध नहीं गिना जाएगा जब तक कि रूटिंग में गेट का बंद होना सम्मिलित न हो।

4.6.7 उदाहरण

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं. यह उदाहरण प्रक्रिया और उससे प्राप्त होने वाले आकार दिखाता है। इनपुट रांची में हरमू नदी पर स्थित किसी कॉलोनी के लिए संभाव्य होने के लिए कल्पित हैं। वे NIH-DHAARA मान नहीं हैं और उनका उपयोग डिजाइन के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

इनपुट:

- साइट: 2.0 ha, बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र (खंड 4.5.3)।
- भूमि आवरण: विकास-पूर्व पूर्णतः पारगम्य, CN 70। विकास-पश्चात दो उप-भागों के रूप में (खंड 3.9.2): CN 98 पर 1.57 ha प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी अपारगम्य सतह, जिसे AMC के लिए कभी परिवर्तित नहीं किया जाता, और CN 70 पर 0.43 ha पारगम्य खुला स्थान, विकास-पूर्व वाली मिट्टी पर ही; AMC II पर क्षेत्र-भारित CN 92 है। 12 h और उससे लंबी वर्षा घटनाओं के लिए केवल पारगम्य CN को AMC III में परिवर्तित किया जाता है: CN_III = 23·CN / (10 + 0.13·CN) = 84.3 (खंड 3.8.4)।
- सांद्रण समय (Tc): विकास-पूर्व 45 min, विकास-पश्चात 15 min (दोनों उप-भागों के लिए प्रयुक्त)। SCS त्रिकोणीय इकाई हाइड्रोग्राफ; 5-मिनट समय पद।
- 24-h गहराइयाँ: 2-, 10- और 100-वर्ष के लिए 110, 200 और 350 mm (10- और 100-वर्ष के मान वही हैं जो खंड 2.11 में हैं)।
- छोटी अवधियाँ: P(t) = P24·(t/24)^0.40, एक कल्पित अनुपात समूह, परिशिष्ट 2B नहीं।
- लंबी अवधियाँ: 48-h और 72-h गहराइयाँ 1.25 और 1.40 × P24 ली गईं, खंड 2.9.2 के अनुसार व्यवस्थित।
- भंडारण: ऊर्ध्वाधर दीवारों वाला, 2,500 m^2 प्लान क्षेत्रफल।
- आउटलेट, जिसका आकार इस प्रकार निर्धारित है कि अल्प-प्रवाह ऑरिफिस के 50% अवरुद्ध होने पर भी खाली होने की अपेक्षा पूरी हो (खंड 4.8.3)। परिशिष्ट 4C वह परीक्षण आउटलेट दिखाता है जो इस जाँच में विफल रहा।
    - चरण 1: इनवर्ट पर 170 mm ऑरिफिस।
    - चरण 2: 460 mm ऑरिफिस, जिसका इनवर्ट तल से 0.53 m ऊपर है।
    - चरण 3: आवश्यक नहीं, क्योंकि 100-वर्ष सीमा चरण 1 और 2 से पूरी हो जाती है।

परिणाम (प्रवाह दरें L/s में; भंडारण m^3 में):

तालिका 4.2 — उदाहरण: अवधि के अनुसार चरम प्रवाह दरें और प्रयुक्त भंडारण (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

अवधि (h)	2-वर्ष विकास-पूर्व	2-वर्ष विकास-पश्चात, भंडारण सहित	10-वर्ष विकास-पूर्व	10-वर्ष विकास-पश्चात, भंडारण सहित	100-वर्ष विकास-पश्चात, अनियंत्रित	100-वर्ष विकास-पश्चात, भंडारण सहित	प्रयुक्त 100-वर्ष भंडारण	10-वर्ष खाली होने का समय, 50% अवरुद्ध (h)
1	4	15	51	28	922	42	1,426	31.3
2	14	20	84	34	961	79	1,911	32.1
3	19	22	104	37	981	139	1,999	32.8
6	32	25	150	41	1,010	194	2,154	34.2
12	127	30	302	46	1,074	276	2,512	39.0
24	149	32	327	49	1,081	320	2,766	**45.3**
48	173	34	349	82	1,087	343	**2,913**	44.8
72	180	34	356	84	1,089	343	2,911	44.7

इसे कैसे पढ़ें:

- **100-वर्ष सीमा.** सीमा सबसे बड़ा विकास-पूर्व 10-वर्ष चरम है, 356 L/s (72 h)। भंडारण सहित प्रत्येक 100-वर्ष चरम इसके बराबर या इससे नीचे है; सबसे बड़ा 343 L/s है।
- **2-वर्ष सीमा.** साइट बाढ़-संवेदनशील है, इसलिए 2-वर्ष सीमा सबसे बड़ा विकास-पूर्व 2-वर्ष चरम है, 180 L/s (72 h; खंड 4.5.3.1)। भंडारण सहित सबसे बड़ा 2-वर्ष चरम 34 L/s है। 1, 2 और 3 घंटों पर भंडारण सहित 2-वर्ष चरम उसी अवधि के विकास-पूर्व चरम से ऊपर है (4 के विरुद्ध 15 L/s, 14 के विरुद्ध 20 L/s, और 19 के विरुद्ध 22 L/s)। यहाँ वह तुलना अपेक्षित नहीं है। खंड 4.5.2 के अंतर्गत आने वाली साइट के लिए वह अपेक्षित होती, और तब खंड 4.5.5.2 लागू होता।
- **निर्णायक भंडारण.** भंडारण **48- और 72-घंटे** की वर्षा घटनाओं से निर्धारित होता है: 2,913 m^3, जो साइट के प्रति m^2 0.146 m^3 है, 1.17 m की अधिकतम गहराई पर। जो डिजाइन केवल क्रांतिक अवधि की चरम वर्षा घटना (यहाँ 1–3 h) की जाँच करता, वह लगभग 2,000 m^3 प्रदान करता, जो आवश्यक का लगभग दो-तिहाई है।
- **खाली होना.** अल्प-प्रवाह ऑरिफिस के 50% अवरुद्ध होने पर (खंड 4.8.3), 10-वर्ष भंडारण का 90% अधिकतम 45.3 h (24-घंटे की वर्षा घटना) में खाली होता है, जो खंड 4.7 के 48 घंटों के भीतर है। 120 mm का ऑरिफिस स्वच्छ होने पर इसे लगभग 42 h में खाली करेगा किंतु आधा अवरुद्ध होने पर 54 से 75 h में, इसलिए वह विफल है। परिशिष्ट 4C वह परीक्षण और रूटिंग पद-दर-पद दिखाता है।
- **प्रतिधारण क्रेडिट.** प्रतिधारण के लिए वर्षा की 40 mm की उदाहरणार्थ गहराई के साथ, प्रत्येक उप-भाग के लिए गणना करने पर (खंड 3.9.4), RRV = 552 m^3। वर्षा घटना के आरंभ से भरने वाले और उसके दौरान कोई अंतःस्यंदन न करने वाले के रूप में मॉडल किए जाने पर, प्रतिधारण 24-घंटे के भंडारण को 138 m^3 से और 48- और 72-घंटे के भंडारण को 7 m^3 या उससे कम से घटाता है। इसलिए इस साइट के लिए खंड 4.4.6 के अंतर्गत क्रेडिट व्यावहारिक रूप से शून्य है।

परिमाण का क्रम, साइट के प्रति m^2 लगभग 0.15 m^3, खंड 2.11 के संकेत के अनुरूप है।

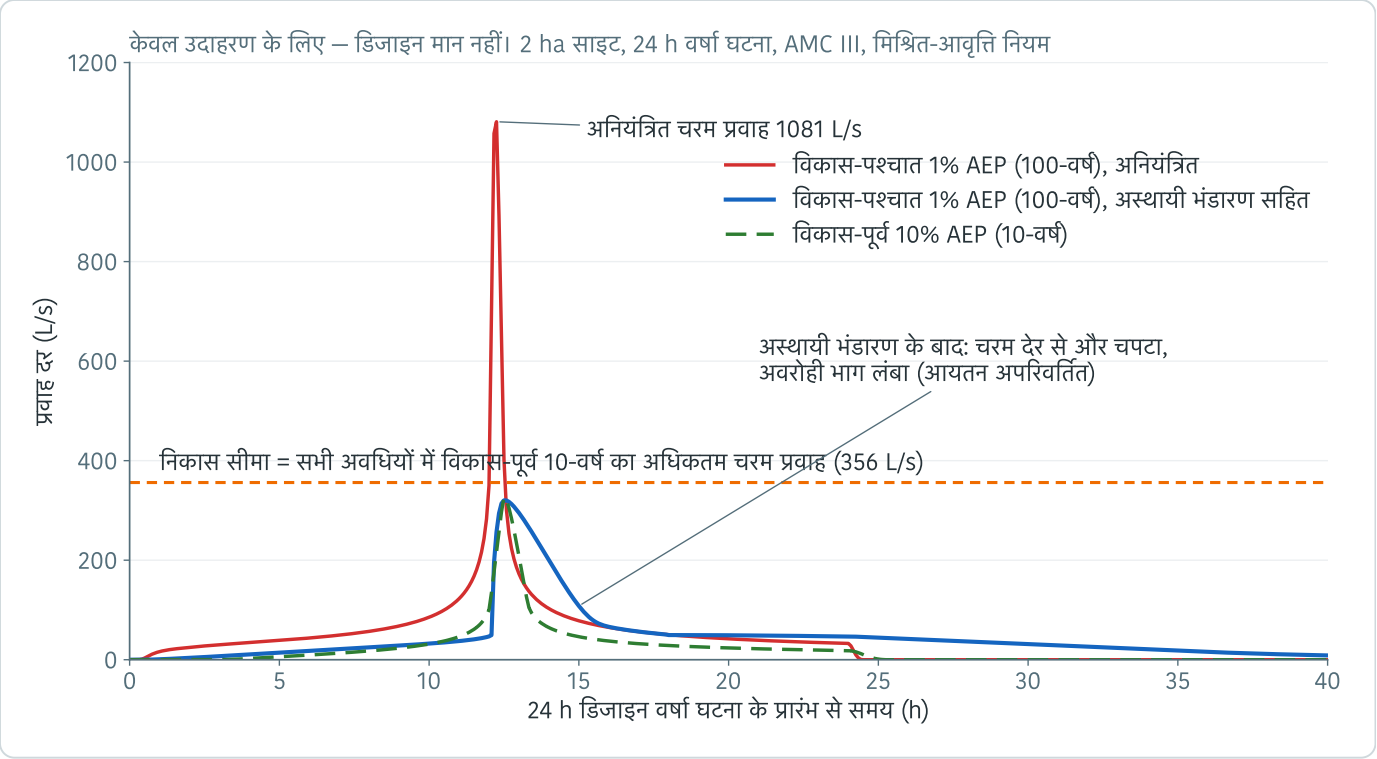

चित्र 4.1 — उदाहरण (खंड 4.6.7) की 24-घंटे की वर्षा घटना के लिए विकास-पूर्व 10-वर्ष, विकास-पश्चात 100-वर्ष अनियंत्रित और भंडारण सहित हाइड्रोग्राफ। केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, MARC/KC APWA Section 5600 और Georgia Stormwater Management Manual (2016) की विकास-पूर्व/विकास-पश्चात हाइड्रोग्राफ अवधारणा से रूपांतरित।

> **भाष्य.** चित्र 4.1 दिखाता है कि अस्थायी भंडारण क्या करता है और क्या नहीं करता। यह चरम को घटाता और विलंबित करता है। यह आयतन को कम नहीं करता: भंडारण सहित वक्र के नीचे का क्षेत्रफल अनियंत्रित वक्र के नीचे के क्षेत्रफल के बराबर है, जो विकास-पूर्व 10-वर्ष आयतन के दोगुने से अधिक है। अतिरिक्त आयतन वर्षा घटना के बाद अनेक घंटों में साइट से बाहर जाता है। यह लंबा निकास अनुप्रवाह की ओर बड़े जलग्रहण क्षेत्र के चरम के साथ मेल खा सकता है (खंड 4.16), और जब आउटफॉल ज्वार से अवरुद्ध हो तब भी इसे खाली होना ही होगा (अध्याय 5)।

4.7 खाली होना

4.7.1 **अस्थायी भंडारण.** प्रत्येक अवधि की 10% AEP (10-वर्ष) वर्षा घटना में भंडारित अधिकतम आयतन का कम से कम **90%** अधिकतम भंडारण के समय से **48 घंटों** के भीतर, खंड 4.6.6 के टेलवाटर के साथ, गुरुत्व द्वारा छोड़ा जाएगा।

4.7.2 **जल गुणवत्ता आयतन.** WQv को कम से कम 24 घंटों और अधिकतम 48 घंटों में छोड़ा जाएगा (अध्याय 8)।

4.7.3 **प्रतिधारण.** प्रतिधारण भंडारण को अंतःस्यंदन या पुनः उपयोग द्वारा 72 घंटों के भीतर खाली किया जाएगा (खंड 4.4.5)।

4.7.4 **ज्वारीय आउटफॉल.** जहाँ प्रत्येक चक्र के कुछ भाग में ज्वार के कारण गुरुत्व द्वारा खाली होना रुक जाता है, वहाँ ज्वारीय टेलवाटर को मॉडल करके 48 घंटे की सीमा लागू होती है। जहाँ इसे गुरुत्व द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता, वहाँ खंड 5.12 के अंतर्गत पंप द्वारा खाली करने का प्रावधान किया जाएगा।

> **भाष्य.** KC APWA 5600 (2006) में शुष्क बेसिनों से अंतर्वाह चरम के 24 घंटों के भीतर भंडारण का कम से कम 80% छोड़ने और 72 घंटों के भीतर खाली होने की अपेक्षा थी। सिंगापुर PUB अस्थायी भंडारण को 4 घंटों के भीतर पुनः उपलब्ध करने की अपेक्षा करता है। 48-घंटे, 90% का नियम PUB से लंबा है क्योंकि झारखंड के भंडारण को कई दिनों के आयतन रखने होते हैं। फिर भी यह इतना छोटा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के एक अवदाब से भरे बेसिन का अधिकांश आयतन अगले अवदाब से पहले वापस उपलब्ध हो जाएगा, जो जून 2025 में रांची में (1–23 जून में जिले में 125.7 mm के सामान्य के मुकाबले लगभग 459 mm, 18–19 जून को 24 घंटों में 150 mm से अधिक के साथ, प्रकाशित खबरों के अनुसार) कुछ ही दिनों में आया था।

4.8 आउटलेट संरचनाएँ

4.8.1 **सामान्य.** प्राथमिक आउटलेट:

- बिना निगरानी के चलने वाले होंगे, जिनमें कोई चलने वाला पुर्जा, वाल्व या पंप नहीं होगा, सिवाय वहाँ के जहाँ खंड 5.12 पंप द्वारा खाली करने की अनुमति देता है;
- जहाँ व्यवहार्य हो, सीमित स्थान (confined space) में प्रवेश किए बिना सतह से निरीक्षण और सफाई के लिए सुलभ होंगे; और
- टिकाऊ सामग्री से बने होंगे। तटीय क्षेत्रों में ये संक्षारण-रोधी होंगी (खंड 4.12.5)।

4.8.2 **न्यूनतम ऑरिफिस.** कोई भी नियंत्रण ऑरिफिस व्यास में **50 mm** से छोटा नहीं होगा, या स्लॉट के लिए न्यूनतम आयाम में 50 mm से छोटा नहीं होगा।

4.8.3 **कचरा-रोधी जालियाँ और जालियाँ.** प्रत्येक ऑरिफिस और वियर कचरा-रोधी जाली (trash rack) या जाली (screen) द्वारा सुरक्षित किया जाएगा। जाली:

- की छड़ों के बीच की स्पष्ट दूरी उसके द्वारा सुरक्षित सबसे छोटे छिद्र के आधे से अधिक नहीं, और 25 mm से कम नहीं होगी;
- का स्पष्ट खुला क्षेत्र उसके द्वारा सुरक्षित छिद्र के क्षेत्रफल का कम से कम **10 गुना** होगा;
- झुकी हुई होगी, या राइजर के चारों ओर पिंजरे के रूप में लगाई जाएगी, ताकि मलबा पानी के साथ ऊपर उठे और छड़ों से चिपके नहीं;
- सफाई के लिए हटाने योग्य या कब्जेदार होगी; और
- रूटिंग में, खाली होने की जाँच करते समय, अल्प-प्रवाह ऑरिफिस पर **50% अवरुद्ध** मानी जाएगी।

4.8.4 **भँवर-रोधी युक्तियाँ.** जिन राइजर शिखरों और ऑरिफिसों पर उनके व्यास के 1.5 गुना से अधिक हेड आ सकता है, उनमें भँवर-रोधी प्लेट या हुड होगा (चित्र 4.2)।

4.8.5 **आउटलेट बैरल.** तटबंधों से होकर जाने वाले आउटलेट बैरल:

- कम से कम 300 mm व्यास के होंगे (अध्याय 6);
- के जोड़ जलरोधी होंगे;
- में तटबंध के भीतर की लंबाई पर फिल्टर डायाफ्राम या रिसाव कॉलर होंगे; और
- का आउटफॉल ऊर्जा क्षयकारी होगा (अध्याय 9)।

4.8.6 **पृथक्करण.** 1 ha से अधिक क्षेत्र की सेवा करने वाली सुविधाओं में रखरखाव के लिए आउटलेट को पृथक करने का साधन होगा, जैसे स्टॉप-लॉग स्लॉट या पेनस्टॉक। सामान्य सेवा में इसे पूरा खुला रखा जाएगा।

भाष्य. 50 mm का न्यूनतम KC APWA 5600 (2006) के 75 mm (3 in) से छोटा है, इसलिए कचरा-रोधी जाली की अपेक्षाएँ उसी अनुपात में अधिक कठोर हैं। 4.8.3 के अनुपातों (छिद्र के आधे पर छड़ों की दूरी, छिद्र का 10 गुना खुला क्षेत्र, खाली होने की जाँच के लिए 50% अवरोध) का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और वे इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। अवरोध गुणक अध्याय 6 में निचले बिंदु (sag) के इनलेटों के लिए 50% जाली अवरोध गुणक से मेल खाता है। भारतीय शहरी ड्रेनें ठोस अपशिष्ट का भारी बोझ ले जाती हैं, इसलिए प्रभावी जाली के बिना अल्प-प्रवाह ऑरिफिस एक ही मौसम में अवरुद्ध हो जाएगा।

भंडारण की परतें और बहु-चरणीय आउटलेट — योजनाबद्ध काट, पैमाने पर नहीं

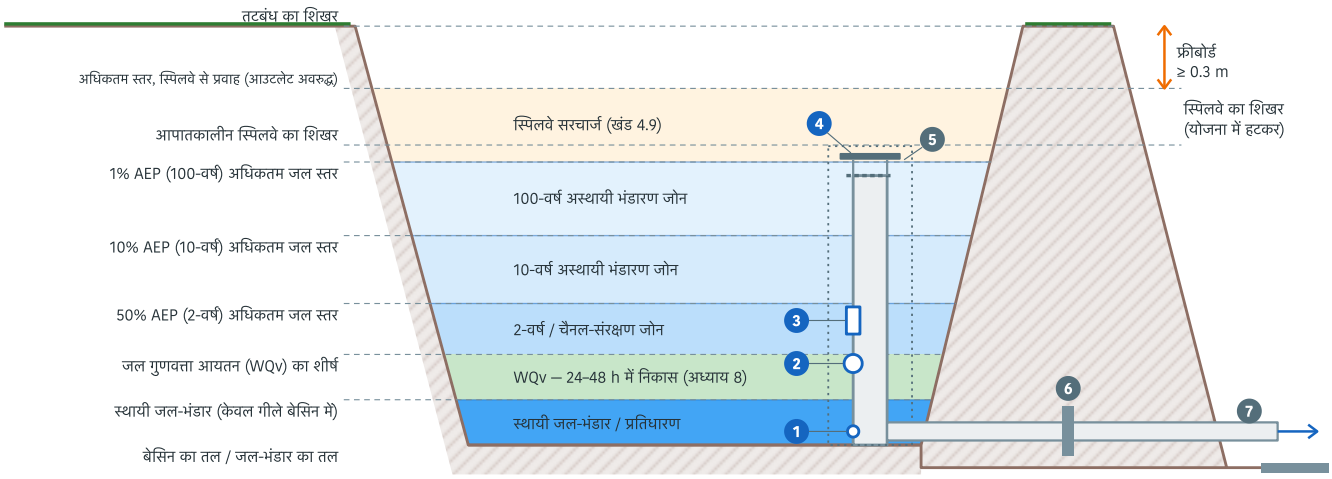

संकेत

1 चरण 1 अल्प-प्रवाह ऑरिफिस (≥ 50 mm, खंड 4.8.2) — WQv को 24–48 h में छोड़ता है
2 चरण 1 दूसरा ऑरिफिस — 1 के साथ 50% AEP (2-वर्ष) निकास नियंत्रित करता है
3 चरण 2 ऑरिफिस या वियर खाँचा — 10% AEP (10-वर्ष) निकास नियंत्रित करता है
4 चरण 3 राइजर शिखर / भँवर-रोधी प्लेट सहित ओवरफ्लो जाली — 1% AEP (100-वर्ष) निकास नियंत्रित करता है
5 सभी छिद्रों को घेरने वाली कचरा-रोधी जाली (खंड 4.8.3)
6 आउटलेट बैरल पर रिसाव कॉलर या फिल्टर डायाफ्राम
7 आउटलेट बैरल, ऊर्जा क्षय और आउटफॉल एप्रन
स्तर और जोन की मोटाई केवल सांकेतिक हैं।

चित्र 4.2 — अस्थायी भंडारण के स्तर-क्रम (स्थायी जल-भंडार, WQv, 2-वर्ष, 10-वर्ष और 100-वर्ष जोन, स्पिलवे सरचार्ज और फ्रीबोर्ड) और बहु-चरणीय राइजर आउटलेट। योजनाबद्ध, पैमाने पर नहीं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, MARC/KC APWA Section 5600 (2006, 2025.01) और Mile High Flood District Urban Storm Drainage Criteria Manual, Volume 2 (full-spectrum detention) की बहु-चरणीय आउटलेट और भंडारण-जोन अवधारणाओं से रूपांतरित।

4.9 आपातकालीन स्पिलवे, फ्रीबोर्ड और तटबंध सुरक्षा

4.9.1 **स्पिलवे की क्षमता.** पूर्णतः या आंशिक रूप से तटबंध द्वारा बनी प्रत्येक अस्थायी भंडारण सुविधा में, या जिसका अतिप्रवाह भवनों तक पहुँच सकता है, ऐसा आपातकालीन स्पिलवे होगा जो **1% AEP (100-वर्ष) चरम अंतर्वाह** को निकाले:

- प्राथमिक आउटलेट को पूर्णतः अवरुद्ध मानते हुए;
- वर्षा घटना के आरंभ में सुविधा को स्पिलवे शिखर तक भरा मानते हुए; और
- अधिकतम जल स्तर से तटबंध के शिखर तक कम से कम **0.3 m फ्रीबोर्ड** के साथ।

4.9.2 **उच्च-जोखिम सुविधाएँ.** कोई सुविधा उच्च-जोखिम है यदि उसकी विफलता या अतिप्रवाह से:

- जीवन को खतरा हो सकता है;
- किसी आवास योग्य भवन या महत्वपूर्ण सुविधा में बाढ़ आ सकती है; या
- कोई धमनी सड़क बंद हो सकती है।

उच्च-जोखिम सुविधाओं की 4.9.1 की स्थितियों में **0.2% AEP (500-वर्ष)** चरम अंतर्वाह के लिए भी जाँच की जाएगी, और तटबंध के ऊपर से पानी नहीं बहना चाहिए।

4.9.3 **स्पिलवे का शिखर.** स्पिलवे का शिखर प्राथमिक आउटलेट के कार्यरत रहते हुए की गई रूटिंग से प्राप्त 1% AEP अधिकतम जल स्तर पर या उससे ऊपर होगा। अनुशंसित अंतराल 0.15 m है।

4.9.4 **स्पिलवे का स्थान.** स्पिलवे:

- प्राकृतिक भूमि या प्रबलित खंड पर होगा, भराई पर नहीं, जब तक कि पूर्ण डिजाइन प्रवाह के लिए अपरदन से सुरक्षित न हो;
- अध्याय 6 के 1% AEP सतही प्रवाह मार्ग में पानी छोड़ेगा; और
- इस प्रकार रखा जाएगा कि उसका प्रवाह किसी भवन तक न पहुँचे।

4.9.5 **भूमिगत और बंद सुविधाएँ.** टैंकों, वॉल्टों और पोडियम भंडारण में ऐसा अतिप्रवाह मार्ग होगा जो आउटलेट अवरुद्ध होने पर काम करे। यह मार्ग 1% AEP अंतर्वाह को किसी भवन, बेसमेंट या लिफ्ट पिट में सरचार्ज किए बिना सतही मार्ग तक ले जाएगा।

4.9.6 **तटबंध.**

- (a) **2 m** से अधिक ऊँचे तटबंध (अनुप्रवाह की ओर के आधार से शिखर तक मापे गए) का डिजाइन योग्य भू-तकनीकी अभियंता द्वारा किया जाएगा। डिजाइन में स्थिरता, रिसाव और धँसाव का विश्लेषण सम्मिलित होगा।
- (b) किसी भी ऐसे फलक पर, जिस पर घास काटी जाती है या जो जनता के लिए सुलभ है, पार्श्व ढलान 3H:1V से अधिक तीव्र नहीं होंगे। जहाँ खंड 4.15 अपेक्षा करता है, वहाँ ढलान अधिक सपाट होंगे।
- (c) तटबंधों में:
  - शिखर की चौड़ाई कम से कम 3 m होगी;
  - संघनित, अभियांत्रिकी भराई होगी, जिसमें रिसाव विश्लेषण द्वारा अपेक्षित होने पर कोर या कट-ऑफ होगा; और
  - कोई पेड़ या बड़ी झाड़ियाँ नहीं होंगी।
- (d) जो तटबंध संरचना बाँध सुरक्षा अधिनियम, 2021 (Dam Safety Act, 2021) के अंतर्गत आती है, वह इस मैनुअल के अतिरिक्त उस अधिनियम के अधीन है।

4.9.7 **खोदकर बनाई गई सुविधाएँ.** जो सुविधाएँ पूर्णतः आसपास की भूमि से नीचे हैं और जिनमें कोई तटबंध नहीं है, उन्हें 4.9.6 पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें फिर भी 4.9.1 पूरा करना होगा, जिसमें अतिप्रवाह मार्ग को स्पिलवे माना जाएगा।

> **भाष्य.** स्पिलवे मानदंड (1% अंतर्वाह, आउटलेट अवरुद्ध, बेसिन भरा, 0.3 m फ्रीबोर्ड; उच्च-जोखिम के लिए 0.2%) KC APWA 5600 (2006) के नियम का अनुसरण करता है: स्पिलवे शून्य भंडारण और अवरुद्ध प्राथमिक आउटलेट मानते हुए 1% वर्षा घटना को डैम के शीर्ष तक 1 ft (0.3 m) फ्रीबोर्ड के साथ निकालता है, और उसका शिखर 1% अधिकतम जल सतह से कम से कम 0.5 ft (0.15 m) ऊपर होता है। KC ने 10 ft (3 m) से ऊँचे डैमों का डिजाइन SCS TR-60 Class C के अनुसार किया। 2 m का तटबंध प्रारंभक मान, 3H:1V ढलान (KC वेट पॉन्ड), और 3 m शिखर चौड़ाई का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

4.10 सुविधाओं के प्रकार

4.10.1 **सामान्य.** खंड 4.5 से 4.9 को पूरा करने वाले किसी भी भंडारण का उपयोग किया जा सकता है। ऐसे सतही भंडारण को वरीयता दी जाती है जो दिखाई दे और जिसका निरीक्षण सीमित स्थान में प्रवेश किए बिना किया जा सके। भंडारण किसी आवास योग्य बेसमेंट में या ऐसे किसी स्थान में नहीं रखा जाएगा जिसमें बाढ़ आने से जीवन को खतरा हो।

4.10.2 **भूमिगत टैंक और वॉल्ट.**

- (a) जहाँ प्राप्तकर्ता ड्रेन अनुमति देती है, वहाँ गुरुत्व आउटलेट अनिवार्य है। पंप द्वारा संचालित आउटलेट केवल खंड 5.12 के अंतर्गत, पंजीकृत रखरखाव घोषणा-पत्र (अध्याय 10) के साथ, अनुमत हैं।
- (b) आउटलेट कक्ष के ऊपर और प्रत्येक इनलेट के ऊपर प्रवेश द्वार प्रदान किए जाएँगे। 500 m² से बड़े टैंकों में वे 30 m से अधिक दूरी पर नहीं होंगे।
- (c) फर्श आउटलेट पर स्थित संप की ओर कम से कम 1% ढलान वाला होगा, और अल्प-प्रवाह ऑरिफिस के इनवर्ट के नीचे तलछट के लिए एक गड्ढा होगा।
- (d) टैंक संवातित होगा।
- (e) इनलेट गाद-जाल या स्थूल प्रदूषक जाल (अध्याय 8) से होकर जाएँगे।
- (f) उत्प्लावन और भूजल के प्रवेश की जाँच खंड 4.12 के अंतर्गत की जाएगी।

4.10.3 **छत पर अस्थायी भंडारण.**

- (a) यह उन सपाट छतों पर अनुमत है जिनका डिजाइन आउटलेट अवरुद्ध होने पर रुके पानी के पूर्ण भार के लिए किया गया हो। रुके पानी की गहराई **150 mm** से अधिक नहीं होगी, जब तक कि कोई संरचना अभियंता अधिक गहराई प्रमाणित न करे।
- (b) छत के प्रत्येक आउटलेट में प्रमाणित रेटिंग वाला प्रवाह-नियंत्रण रिंग या वियर होगा, और छत के प्रत्येक क्षेत्र में नियंत्रित आउटलेटों से स्वतंत्र कम से कम एक अतिप्रवाह निकास (scupper) होगा जो 1% AEP अंतर्वाह को निकाले।
- (c) RWH संग्रह के लिए प्रयुक्त छतें छत पर अस्थायी भंडारण भी प्रदान कर सकती हैं। अस्थायी रूप से भंडारित आयतन नियंत्रक के माध्यम से छोड़ा जाता है, RWH संप में नहीं।

4.10.4 **पोडियम और लैंडस्केप-डेक पर अस्थायी भंडारण.**

- (a) यह भूमि स्तर से ऊपर या बेसमेंट के कार पार्क के ऊपर अनुमत है, बशर्ते संरचना का डिजाइन पूर्ण संतृप्ति और रुके पानी के लिए किया गया हो, और उसे जलरोधी बनाया गया हो।
- (b) छत पर अस्थायी भंडारण (4.10.3) के निकास, अतिप्रवाह और सुरक्षा संबंधी नियम लागू होते हैं।

4.10.5 **पार्किंग स्थल पर अस्थायी भंडारण.**

- (a) यह केवल सतही पार्किंग पर अनुमत है। रुके पानी की गहराई निम्नलिखित से अधिक नहीं होगी:
  - किसी भी पार्किंग बे पर 10% AEP वर्षा घटना में **200 mm** और 1% AEP वर्षा घटना में **300 mm**;
  - सुगम्य मार्गों, रैंपों और पैदल पारपथों पर शून्य; और
  - अग्निशमन वाहन के पहुँच मार्गों पर 10% AEP वर्षा घटना में शून्य।
- (b) संकेत-पट चेतावनी देंगे कि क्षेत्र में पानी भरता है।
- (c) रुका पानी किसी भवन की दीवार तक नहीं पहुँचेगा, जब तक कि दीवार 1% स्तर और फ्रीबोर्ड से ऊपर तक जलरोधी न हो (अध्याय 6)।

4.10.6 **बहु-उपयोगी अस्थायी भंडारण (पार्क, खेल के मैदान, खुले स्थान के लिए आरक्षित भूमि).**

- (a) खुले स्थान की भूमि का उपयोग अस्थायी भंडारण के लिए किया जा सकता है, बशर्ते उसका प्राथमिक उपयोग कम से कम 50% AEP वर्षा घटना में उपलब्ध रहे।

- (b) भंडारण क्षेत्रों का समतलन इस प्रकार किया जाएगा कि वे खंड 4.7 के समय के भीतर पूरी तरह खाली हो जाएँ।
- (c) एक अल्प-प्रवाह चैनल या अंडरड्रेन शुष्क मौसम और बार-बार होने वाले प्रवाहों को ले जाएगा, ताकि पार्क में जलभराव न हो।
- (d) खंड 4.15 की गहराई और ढलान की सीमाएँ लागू होती हैं।
- (e) खेल उपकरण और बैठने की व्यवस्था 10% AEP स्तर से ऊपर रखी जाएगी।

4.10.7 **तालाब और आर्द्र बेसिन.**

- (a) खरपतवार की वृद्धि और मच्छरों के प्रजनन को हतोत्साहित करने के लिए स्थायी जल-भंडार अपने अधिकांश क्षेत्र में कम से कम 1.2 m गहरा होगा, और किनारे पर वनस्पति से ढकी सुरक्षा बेंच होगी (खंड 4.15)।
- (b) केवल स्थायी जल-भंडार के ऊपर का भंडारण अस्थायी भंडारण के रूप में गिना जाता है।

भाष्य.

- छत की गहराई (150 mm) और पार्किंग की गहराइयों (200 और 300 mm) का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है। यह मैनुअल इन्हें इसलिए निर्धारित करता है ताकि अवरुद्ध आउटलेट खतरनाक होने से पहले ही ध्यान में आ जाए।
- 1.2 m जल-भंडार की गहराई KC APWA 5600 (2006) के 4 ft न्यूनतम स्थायी जल-भंडार के बराबर है। यह मैनुअल इसे मुख्यतः खरपतवार और मच्छर नियंत्रण के लिए लेता है।
- सिंगापुर में पंप द्वारा संचालित अस्थायी भंडारण टैंकों के लिए रखरखाव घोषणा-पत्र आवश्यक हैं (PUB Addendum No. 3, April 2025)। यह मैनुअल अध्याय 10 के माध्यम से यही पद्धति अपनाता है।
- बहु-उपयोगी अस्थायी भंडारण के लिए खुले स्थान का उपयोग भवन उपविधि 2016 के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत किसी लेआउट की भूमि का कम से कम 10% पार्कों और खुले स्थानों के रूप में रखा जाता है और प्राधिकारी को सौंप दिया जाता है (उपविधि 72.1), यद्यपि 0.30 ha या उससे छोटे आवासीय लेआउटों पर नहीं (74.3), और बहुमंजिला भवन के चारों ओर के फर्श का कम से कम 40% "सतही जल का अधोमृदा में रिसाव सुनिश्चित करने के लिए" ("to insure surface water percolation into the subsoil") नरम फर्श होना है (58.6.15, 2017 में यथासंशोधित); नगरपालिका अधिनियम नगरपालिका को अपने पार्कों, उद्यानों और खुले स्थानों में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने देता है (झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011, धारा 378(3))। सड़क के स्तर से नीचे खुले स्थान में ढाला गया अस्थायी भंडारण क्षेत्र उसे पारगम्य और उपयोग योग्य रखता है, जिसकी अपेक्षा 4.10.6 करता है। चार प्रकार की भूमि इस प्रयोजन के लिए खुला स्थान नहीं है। भूमि पर स्थित कोई तालाब (talab), बाँध (bandh) या डोभा (dobha) खंड 4.3.1 के पद 1 के अंतर्गत संरक्षित रखा जाता है और ऐसी जल सतह के रूप में मॉडल किया जाता है (खंड 3.3.2(e)) जो अपने पूर्ण स्तर से आरंभ होती है (खंड 3.12.5), इसलिए उस स्तर से ऊपर का केवल उसका बाढ़ भंडारण ही गिना जा सकता है, और केवल उतना जितना अध्याय 7 अनुमति देता है; सार्वजनिक तालाब और उनसे संलग्न वह भूमि जो निजी संपत्ति नहीं है, नगरपालिका में निहित हैं (अधिनियम की धारा 203)। कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के पूर्ण जल स्तर के चारों ओर की 20 m की पट्टी और रांची में प्रत्येक नदी और प्राकृतिक नाले के साथ कम से कम 10 m की पट्टी (रांची मास्टर प्लान 2037 के अनुमोदन की शर्त 2.9), उपविधि 23.2 की नदियों के साथ 10–15 m की पट्टी, रांची के जलाशयों के आसपास के वे क्षेत्र जिन्हें उच्च न्यायालय ने "प्रवेश-निषिद्ध" ("no-entry") जोन के रूप में रखने का आदेश दिया है (W.P.(PIL) 1463/2020, 31 जुलाई 2025 का आदेश, प्रकाशित खबरों के अनुसार), उधवा झील रामसर स्थल, और अध्याय 7 के अंतर्गत किसी नदी, नाले या तालाब के हाइड्रोलिक कॉरिडोर की भूमि पहले से ही कॉरिडोर या बाढ़ भूमि है: पानी सबसे पहले उन तक पहुँचता है, इसलिए उन्हें उनके बगल के विकास के लिए अस्थायी भंडारण के रूप में नहीं गिना जाता (अध्याय 7)। और भूमि पर या उसके बगल में स्थित खदान का गड्ढा, खदान झील या भू-धंसान गर्त साइट के लिए खुला स्थान या भंडारण नहीं है, जब तक पट्टाधारी और DGMS सहमत न हों और उसके स्तरों का सर्वेक्षण न हो जाए (खंड 4.1 का भाष्य)।

4.11 वर्षा जल संचयन बनाम अस्थायी भंडारण का लेखा

4.11.1 **दोहरी गणना नहीं.** RWH भंडारण (RWH अनिवार्यता के अंतर्गत प्रदान किए गए संप, टैंक, पुनर्भरण गड्ढे और कुएँ) को अस्थायी भंडारण के रूप में **नहीं** गिना जाएगा।

4.11.2 **RWH संप भरे हुए माने जाएँगे.** इस अध्याय के अंतर्गत सभी रूटिंग के लिए, RWH संपों और टैंकों को प्रत्येक मौसम में **प्रत्येक वर्षा घटना के आरंभ में भरा हुआ** माना जाएगा। उनके अतिप्रवाह को अस्थायी भंडारण सुविधा की ओर, या यदि वह अस्थायी भंडारण को बायपास करता है तो सीधे आउटफॉल की ओर, रूट किया जाएगा। बाद वाली स्थिति में बायपास प्रवाह PSD में गिना जाता है।

4.11.3 **संयुक्त टैंक.** एक ही टैंक RWH और अस्थायी भंडारण, दोनों तभी प्रदान कर सकता है यदि:

- (a) अस्थायी भंडारण जोन पूर्णतः RWH अतिप्रवाह स्तर के **ऊपर** है;
- (b) अस्थायी भंडारण जोन RWH अतिप्रवाह स्तर पर रखे गए अपने स्वयं के गुरुत्व नियंत्रण ऑरिफिस द्वारा खाली होता है, जो खंड 4.7 और 4.8 को पूरा करता है;
- (c) कोई पंप, वाल्व या उपयोगकर्ता की कार्रवाई अस्थायी भंडारण जोन में पानी नहीं रोक सकती; और
- (d) दोनों जोन और ऑरिफिस का स्तर ड्रॉइंगों में और रखरखाव घोषणा-पत्र में दर्शाए गए हैं।

केवल RWH अतिप्रवाह स्तर और अस्थायी भंडारण अतिप्रवाह स्तर के बीच का आयतन अस्थायी भंडारण के रूप में गिना जाता है।

4.11.4 **पुनर्भरण संरचनाएँ.** पुनर्भरण गड्ढे, खाइयाँ, शाफ्ट और कुएँ **प्रतिधारण** (अस्थायी भंडारण नहीं) के रूप में गिने जा सकते हैं यदि वे खंड 4.4.3 से 4.4.5 को पूरा करते हैं। विशेष रूप से, मौसमी उच्चतम भूजल स्तर उनके आधार से कम से कम 1.0 m नीचे होगा। रूटिंग में उन्हें दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु के भूजल स्तर के साथ खंड 4.4.6 के अंतर्गत लिया जाता है।

4.11.5 **RWH अनिवार्य बना रहता है.** इस अध्याय की कोई भी बात झारखंड भवन उपविधि, 2016 की उपविधि 51 और 58.6.6 की RWH अपेक्षा को, रांची नगर निगम (2016) और राज्य (2017) के लिए बताए गए वर्षा जल संचयन विनियमनों को, उनके पाठों की पुष्टि होने पर [TBC], किसी भवन नक्शे, पूर्णता प्रमाण-पत्र या अधिभोग प्रमाण-पत्र की किसी शर्त को, या किसी अनुमोदन प्राधिकारी के किसी वर्षा जल संचयन नियम को कम नहीं करती।

> **भाष्य.** झारखंड में RWH भवन उपविधि 2016 की उपविधि 51 द्वारा अपेक्षित है, जो पुनर्भरण आयतन तो निर्धारित करती है पर कोई भंडारण आयतन नहीं। उपविधि 51.1 इस प्रकार है: "300 वर्ग मी. और उससे बड़े भूखंडों के लिए वर्षा जल संचयन का प्रावधान अनिवार्य होगा — पुनर्भरण गड्ढों/खाइयों का आयाम छत क्षेत्र के प्रत्येक 100 वर्ग मी. के लिए कम से कम 6 घन मीटर होगा" ("Provision of rainwater harvesting shall be mandatory for 300 sqm. and above size of plots-The dimension of recharging pits/trenches shall be at least 6 cubic meters for every 100 Sqm. of roof area.")। सीमा-मान भूखंड क्षेत्र पर है और आयतन छत क्षेत्र पर। गड्ढों को छिद्रित कंक्रीट स्लैबों के नीचे छोटे कंकड़ों, ईंट की जाली या नदी की रेत से भरा जाना है; फिल्टर टैंक के माध्यम से, पहली गंदी वर्षा को बाहर निकालने के वाल्व सहित, छत के पानी का किसी संप या कुएँ में संग्रहण, और खुली भूमि पर ऊपरी मिट्टी को नदी की रेत से बदलना वैकल्पिक हैं (51.1.1, 51.1.2)। बहुमंजिला भवन "NBC के मानदंडों के अनुसार" ("as per NBC norms") पुनर्भरण कुआँ भी प्रदान करेंगे (58.6.6) और अपने फर्श का कम से कम 40% नरम फर्श के रूप में प्रदान करेंगे (58.6.15, 2017 में यथासंशोधित)। छत के प्रति 100 m^2 पर 6 m^3 का गड्ढा छत पर लगभग 60 mm के बराबर है, जो खंड 4.4 की प्रतिधारण गहराई के समान कोटि का है; किंतु यह भरे हुए गड्ढे का आयतन है, अंतःस्यंदित होने वाले पानी का नहीं, और उपविधि कोई अंतःस्यंदन परीक्षण और भूजल स्तर तक कोई गहराई निर्धारित नहीं करती। प्रकाशित खबरों के अनुसार रांची नगर निगम ने 2016 में 300 m^2 और उससे बड़ी भू-जोतों के लिए, वार्षिक होल्डिंग टैक्स के 1.5 गुना दंड के साथ, एक वर्षा जल संचयन विनियमन बनाया, और उसी सीमा-मान वाले एक "झारखंड वर्षा जल संचयन विनियमन, 2017" ("Jharkhand Rain Water Harvesting Regulation, 2017") का उल्लेख समाचार माध्यमों में है; दोनों में से किसी का पाठ नहीं मिला [TBC]। झारखंड शहरी जल संरक्षण एवं पेयजल नियामक प्राधिकार अधिनियम, 2016 (झारखंड अधिनियम संख्या 04, 2017) अपने उद्देश्यों में वर्षा जल संचयन और पुनर्भरण का नाम लेता है, किंतु प्राधिकार का गठन हुआ है या नहीं, इसकी

जानकारी नहीं मिली [TBC], और एक अनौपचारिक प्रति में देखे गए 2019 के एक राज्य भूजल अधिनियम का पाठ केवल अधिसूचना पर प्रारंभ होता है, जिसकी पुष्टि नहीं हुई [TBC]। इनमें से कोई भी नियम यह अपेक्षा नहीं करता कि वर्षा घटना से पहले टैंक खाली हो, और कोई भी वहाँ पुनर्भरण पर प्रतिबंध नहीं लगाता जहाँ भूजल स्तर उथला है, भूमि खनन से प्रभावित है या जलभृत संदूषित है। यह मैनुअल इन संरचनाओं को अपनी प्रतिधारण अपेक्षा (खंड 4.4) के सापेक्ष इस प्रकार क्रेडिट देता है:

- RWH भंडारण टैंक या संप, जिसमें उपविधि 51.1.1 का छत-संप सम्मिलित है, RWH भंडारण है। यह अस्थायी भंडारण नहीं है (खंड 4.11.1), और इसे प्रत्येक वर्षा घटना के आरंभ में भरा हुआ माना जाता है (खंड 4.11.2), क्योंकि जुलाई की वर्षा के बाद वह भरा रहता है। कोई टैंक अस्थायी भंडारण भी तभी प्रदान कर सकता है यदि वह खंड 4.11.3 के अंतर्गत संयुक्त टैंक के रूप में बनाया गया हो, जिसमें उसके RWH अतिप्रवाह स्तर के ऊपर एक अस्थायी भंडारण जोन हो जो अपने स्वयं के ऑरिफिस से खाली होता हो; केवल वही जोन गिना जाता है।
- RWH टैंक खंड 4.4 की **प्रतिधारण** अपेक्षा में केवल उतना ही गिना जाता है जितना वह किसी सतत गैर-पेय उपयोग, जैसे शौचालय फ्लशिंग, द्वारा 72 घंटों के भीतर खाली होता है, जिसका प्रदर्शन खंड 4.4.3 के अंतर्गत किया गया हो; तब उसे किसी अन्य प्रतिधारण पद्धति की तरह खंड 4.4.6 के अंतर्गत मॉडल किया जाता है।
- उपविधि 51.1 के पुनर्भरण गड्ढे और खाइयाँ और उपविधि 58.6.6 के पुनर्भरण कुएँ केवल वहीं प्रतिधारण के रूप में गिने जाते हैं जहाँ वे खंड 4.11.4 को पूरा करते हैं: उन्हें केवल उतना क्रेडिट मिलता है जितना वे साइट परीक्षण में मापी गई दर के आधे पर 72 घंटों के भीतर खाली होते हैं (खंड 4.4.3 और 4.4.5), उनका आधार मौसमी उच्चतम भूजल स्तर से कम से कम 1.0 m ऊपर हो, और क्रेडिट खंड 4.4.6 के अंतर्गत रूटिंग द्वारा निकाला जाता है, उनका आयतन घटाकर नहीं।
- उपविधि 58.6.15 का नरम फर्श, उपविधि 51.1.2 की खुली भूमि और किसी लेआउट के पार्क और खुले स्थान पारगम्य क्षेत्र हैं। वे खंड 3.9.2 के अंतर्गत विकास-पश्चात गणना में पारगम्य भूमि के रूप में आते हैं और प्रतिधारण या अस्थायी भंडारण के रूप में कोई और क्रेडिट नहीं पाते, जब तक वे किसी अंतःस्यंदन पद्धति के रूप में न बनाए और परखे जाएँ, जैसे अंतःस्यंदन आधार पर पारगम्य फुटपाथ (permeable pavement)।
- **जहाँ जलभृत पर दबाव है, वहाँ पहले पुनर्भरण.** पूरे राज्य में भूजल का उपयोग कम है, 2025 में दोहन का चरण 32.89% था (CGWB, 18 दिसंबर 2025 का लोक सभा का उत्तर), किंतु औद्योगिक नगर अपने जलभृतों का जल स्तर नीचे ले जाते हैं: 2023 के आकलन में जमशेदपुर शहरी, गोलमुरी-सह-जुगसलाई, बलियापुर और बेरमो अति-दोहित थे, धनबाद शहरी और तोपचांची गंभीर, और रांची जिले का 501.6 km^2 क्षेत्र गंभीर था (NGT O.A. 694/2023 में राज्य की स्थिति रिपोर्ट में पुनः प्रस्तुत CGWB के अनुलग्नक), और मई 2022 में रांची जिले में मानसून से पहले भूजल स्तर की गहराई 33 m तक पहुँच गई (वही रिपोर्ट)। इन इकाइयों में, और रांची के आसपास के गंभीर क्षेत्र में, जहाँ भी साइट परीक्षण अनुमति दें, वहाँ प्रतिधारण पुनः उपयोग या अस्थायी भंडारण से पहले पुनर्भरण द्वारा प्रदान किया जाएगा। राज्य का लगभग 85% भाग कठोर चट्टान है, जो अपने अपक्षयित क्षेत्र से, जो ग्रेनाइट और नीस के ऊपर 10–25 m और लैटेराइट के नीचे 30–60 m मोटा है, और दरारों से पानी लेती है, जो रांची में पहली बार 50–70 m पर मिलती हैं (CGWB, रांची जिला पुस्तिका, 2013)। लैटेराइट परत या कठोर परत (hardpan) में समाप्त होने वाला गड्ढा बहुत कम पानी निकालता है; वहाँ पुनर्भरण परत के पार अपक्षयित क्षेत्र तक ले जाए गए किसी बोर या शाफ्ट द्वारा किया जाएगा, जिसके आगे एक गाद-जाल, एक फिल्टर और एक प्रथम प्रवाह डायवर्टर होगा, और उसे क्रेडिट केवल उसकी अपनी गहराई पर किए गए परीक्षण पर और लक्ष्य क्षेत्र की किसी जल-भूवैज्ञानिक द्वारा जाँच के बाद ही मिलता है।
- **गीली या विक्षुब्ध भूमि पर कोई पुनर्भरण क्रेडिट नहीं.** नदियों के डूब क्षेत्रों, गंगा के दियारा, निचली धान भूमि (दोन; don) और खंड 4.12.1 की अन्य भूमि पर, और जहाँ भी मौसमी उच्चतम भूजल स्तर खंड 4.4.3 की 1.0 m की दूरी के भीतर है, वहाँ कोई भी पुनर्भरण या अंतःस्यंदन पद्धति प्रतिधारण क्रेडिट अर्जित नहीं करती; वहाँ अस्थायी भंडारण, वहन और पुनः उपयोग निर्णायक हैं। खनन से विक्षुब्ध भूमि (ओवरबर्डन डंप, पुनर्भरित या सुधारी गई खनन भूमि, भू-धंसान भूमि और अग्नि क्षेत्र) में, या किसी चालू खदान के जल-निष्कासन क्षेत्र के भीतर, जहाँ पानी फिर से पंप करके निकाला जाएगा या अस्थिर भूमि को गीला करेगा, कोई पुनर्भरण या अंतःस्यंदन पद्धति नहीं बनाई जाएगी, और भू-तकनीकी जाँच के बिना किसी खदान के गड्ढे के किनारे से 50 m के भीतर भी कोई नहीं।
- **फ्लोराइड और आर्सेनिक.** पलामू, गढ़वा, कोडरमा और पाकुड़ जिलों के कुछ भागों के भूजल में फ्लोराइड, और साहिबगंज जिले के कुछ भागों में आर्सेनिक पाया जाता है (CGWB, *Ground Water Year Book Jharkhand 2019-20*); CGWB की एक अन्य सूची बोकारो, गिरिडीह, गोड्डा, गुमला, पलामू, रामगढ़ और रांची में 1.5 mg/l से अधिक फ्लोराइड बताती है, और दोनों सूचियाँ

परस्पर विरोधी हैं [TBC]; रांची जिले में फ्लोराइड 0.5–2.3 mg/l है, और "ओरमांझी, रांची सदर और सिल्ली प्रखंडों में छिटपुट फ्लोराइड संदूषण" ("Sporadic fluoride contamination in Ormanjhi, Ranchi sadar and Silli blocks") है (CGWB, 2013); और साहिबगंज, राजमहल और उधवा के नलकूप आर्सेनिक से बुरी तरह प्रभावित हैं (प्रकाशित सर्वेक्षण, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। इन जिलों में किसी पुनर्भरण बोर या शाफ्ट को क्रेडिट दिए जाने से पहले जल-भूवैज्ञानिक की जाँच लक्ष्य जलभृत का फ्लोराइड, या आर्सेनिक, बताएगी, और वहाँ अनुपचारित अपवाह किसी बोर या शाफ्ट में नहीं डाला जाएगा; तब प्रतिधारण मिट्टी या फिल्टर परत से होकर सतही अंतःस्यंदन द्वारा, या अस्थायी भंडारण और पुनः उपयोग द्वारा, प्रदान किया जाता है (अध्याय 8)।

- **सर्वत्र,** सड़क और पार्किंग के अपवाह का पुनर्भरण केवल फिल्टर वाली सतही अंतःस्यंदन पद्धति, जैसे वनस्पति-युक्त बेसिन या खाई, के माध्यम से किया जाएगा, कभी सीधे किसी बोर या कुएँ में नहीं, और सीवेज ले जाने वाली किसी ड्रेन, जैसे हरमू और उसके इनलेट, के अपवाह का पुनर्भरण बिल्कुल नहीं किया जाएगा।

डूब क्षेत्रों, दियारा और दोन भूमि पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पुनर्भरण गड्ढा धीरे-धीरे खाली होता है या बिल्कुल नहीं होता, और पठार पर पहली भारी वर्षा के बाद संप भर जाता है। इसलिए RWH को अस्थायी भंडारण मानने से उस भंडारण को क्रेडिट मिल जाएगा जो आवश्यकता के समय अस्तित्व में नहीं होता। इसी कारण यह मैनुअल मानता है कि RWH संप प्रत्येक वर्षा घटना के आरंभ में भरे होते हैं। इस धारणा को प्रत्येक मौसम पर लागू करने से एक सरल नियम बना रहता है। संयुक्त टैंक का प्रावधान (4.11.3) स्वामी को एक ही संरचना बनाने देता है, बशर्ते वर्षा घटना आने पर अस्थायी भंडारण वाला भाग खाली हो। दबावग्रस्त इकाइयों के लिए पहले-पुनर्भरण नियम, लैटेराइट के पार बोर, खनन से विक्षुब्ध भूमि और जल-निष्कासन क्षेत्रों में पुनर्भरण पर प्रतिबंध, खदान के गड्ढे से 50 m की दूरी, फ्लोराइड और आर्सेनिक की जाँचें, और पूर्व-उपचार और सड़क अपवाह के नियम इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं; पुनर्भरण को कहाँ क्रेडिट दिया जा सकता है या नहीं, इस पर झारखंड का कोई नियम नहीं मिला।

4.12 उच्च भूजल और रेतीली तटीय साइटें

4.12.1 **डिजाइन भूजल स्तर.** स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर, उत्तरी कोयल और अन्य नदियों के डूब क्षेत्रों, उधवा आर्द्रभूमि सहित साहिबगंज और राजमहल में गंगा तटवर्ती क्षेत्र और दियारा, घाटी-तलों की निचली धान भूमि (दोन; don), जहाँ मानसून में भूजल स्तर सतह के निकट तक उठ जाता है, कोयला क्षेत्रों के जलभराव से ग्रस्त भू-धंसान गर्तों, और तालाबों (talab), बाँधों (bandh) और डैमों के तलों और अग्रतटों में स्थित प्रत्येक साइट, या कोई भी ऐसा क्षेत्र जहाँ वर्ष के किसी भी समय भूजल स्तर सतह से 3 m के भीतर रहता है, सुविधा के लिए एक डिजाइन भूजल स्तर (DGWL) निर्धारित करेगी। DGWL दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान या उसके बाद का मौसमी उच्चतम स्तर है, जो निम्नलिखित से लिया जाएगा:

- (a) कम से कम एक पूर्ण जून–नवंबर ऋतु की साइट पीजोमीटर रीडिंग; या
- (b) जहाँ (a) उपलब्ध नहीं है, वहाँ निकटतम प्रेक्षण कुएँ के CGWB या पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अभिलेख में **0.5 m** जोड़कर, और किसी भी निकटवर्ती नदी, नाले, तालाब, डैम या खदान के गड्ढे का डिजाइन बाढ़ स्तर, इनमें से जो उच्चतर हो।

नदियों के डूब क्षेत्रों, साहिबगंज के गंगा तटवर्ती क्षेत्र और जलभराव से ग्रस्त भू-धंसान गर्तों की साइटों पर 4.12.3 की उत्प्लावन जाँच के लिए, जहाँ (a) उपलब्ध नहीं है, DGWL को विद्यमान भूमि स्तर लिया जाएगा।

4.12.2 **लाइनरयुक्त भंडारण.** जहाँ DGWL किसी भंडारण सुविधा के आधार से 1.0 m से कम नीचे है:

- (a) सुविधा जलरोधी होगी (लाइनरयुक्त या जलरोधी कंक्रीट की), और कोई अंतःस्यंदन क्रेडिट लागू नहीं होगा (खंड 4.4.4); या
- (b) यदि अस्तर नहीं है, तो DGWL से नीचे के आयतन को अस्थायी भंडारण के रूप में नहीं गिना जाएगा, और भूजल अंतर्वाह को रूट किए गए अंतर्वाह में जोड़ा जाएगा।

4.12.3 **उत्थान और उत्प्लावन.** भूमि के नीचे स्थित प्रत्येक टैंक, वॉल्ट, लाइनरयुक्त तालाब या कक्ष की उत्प्लावन के लिए जाँच की जाएगी:

- सुविधा खाली होने पर;

- भूजल DGWL पर होने पर; और
- तटीय साइटों के लिए, भूजल अध्याय 5 के प्रमुख प्रणाली टेलवाटर स्तर पर भी होने पर, जहाँ वह उच्चतर हो।

उत्थान के विरुद्ध सुरक्षा गुणक, केवल स्थायी मृत भारों को गिनते हुए और दीवार के घर्षण की उपेक्षा करते हुए जब तक कि भू-तकनीकी डिजाइन द्वारा समर्थित न हो, कम से कम **1.2** होगा। भार (ballast), आधार विस्तार या तनाव पाइलों द्वारा स्थिरीकरण का उपयोग किया जा सकता है।

4.12.4 **उथले और भूमि के ऊपर के भंडारण को वरीयता.** जिन साइटों पर DGWL भूमि से 1.5 m के भीतर है, वहाँ जहाँ संभव हो भंडारण भूमि के ऊपर प्रदान किया जाना चाहिए: छत, पोडियम, लैंडस्केप या सतही भंडारण। गहरे टैंकों से बचा जाना चाहिए।

4.12.5 **टिकाऊपन.** लवणीय या खारे भूजल या ज्वारीय जल के संपर्क में आने वाले कंक्रीट और धातु के भागों का डिजाइन IS 456:2000 के अंतर्गत तटीय स्थितियों के अनुरूप अनावरण वर्ग के लिए किया जाएगा। आउटलेट फिटिंग, कचरा-रोधी जालियाँ और गेट स्टेनलेस स्टील, HDPE, FRP या किसी अन्य संक्षारण-रोधी सामग्री के होंगे।

4.12.6 **गहरे भूजल वाली रेतीली मिट्टी.** जहाँ DGWL आधार से 1.0 m या अधिक नीचे है, वहाँ रेतीली मिट्टी में अंतःस्यंदन द्वारा प्रतिधारण को प्रोत्साहित किया जाता है। खंड 4.4.3 की डिजाइन अंतःस्यंदन दर लागू होती है, और उथले जलभृतों के प्रदूषण संबंधी अध्याय 8 की अपेक्षाएँ पूरी की जाएँगी।

> **भाष्य.** झारखंड भू-आबद्ध है, इसलिए इस खंड के तटीय प्रावधान, यानी 4.12.1 और 4.12.3 के ज्वारीय जल स्तर, राज्य में लागू नहीं होते, और लवणीय भूजल की सूचना नहीं मिली, इसलिए 4.12.5 के अनावरण संबंधी प्रावधान केवल वहीं लागू होते हैं जहाँ साइट पर किया गया परीक्षण उसे दिखाए, या जहाँ सुविधा ऐसे खदान के पानी के संपर्क में हो जिसके रसायन का परीक्षण नहीं हुआ है। राज्य का अधिकांश भाग कठोर चट्टान है, जहाँ मानसून से पहले भूजल स्तर कई मीटर नीचे होता है, किंतु वह तेजी से ऊपर उठता है: पूरे राज्य में मई 2022 में 63% कुएँ भूमि से 5–10 m नीचे थे और नवंबर 2022 में 62% कुएँ 2–5 m पर, और सबसे उथले स्तर, 0.45 m और 0.4 m, गुमला जिले में थे (NGT O.A. 694/2023 में राज्य की स्थिति रिपोर्ट में CGWB के आँकड़े)। स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर और उत्तरी कोयल के डूब क्षेत्र, साहिबगंज और राजमहल में गंगा तटवर्ती क्षेत्र और दियारा, निचली धान भूमि (दोन; don) और कोयला क्षेत्रों के भू-धंसान गर्त गीली स्थितियाँ हैं। वहाँ बिना लाइनर वाला टैंक वर्षा घटना से पहले ही भूजल से भर जाता है, और खाली लाइनरयुक्त टैंक तैर सकता है, विशेष रूप से जब बाढ़ में चल रही नदी, अपने पूर्ण स्तर पर भरा जलाशय या पानी से भरा खदान का गड्ढा उसके बगल में भूजल स्तर ऊपर उठा दे। लैटेराइट पर और चट्टान के ऊपर की पतली मिट्टी में भारी वर्षा के बाद पानी चट्टान के ऊपर टिका (perched) रह सकता है, किसी ऐसी साइट में भी जहाँ क्षेत्रीय भूजल स्तर गहरा है। इसलिए 4.12.1(b) का डिजाइन भूजल स्तर निकटवर्ती नदी, नाले, तालाब, डैम या खदान के गड्ढे का डिजाइन बाढ़ स्तर लेता है जहाँ वह कुएँ के अभिलेख से ऊँचा हो, और नदियों के डूब क्षेत्रों में, साहिबगंज के गंगा तटवर्ती क्षेत्र पर और जलभराव से ग्रस्त भू-धंसान गर्तों में उत्प्लावन जाँच के लिए, जब तक पीजोमीटर अन्यथा न दिखाएँ, उसे विद्यमान भूमि स्तर लिया जाता है। पूरे राज्य में भूजल प्रचुर है, किंतु जमशेदपुर, धनबाद, बेरमो और रांची के आसपास दबावग्रस्त है, जहाँ पुनर्भरण का मूल्य सबसे अधिक है (खंड 4.11 का भाष्य)। 4.12.1(a) की जून–नवंबर निगरानी ऋतु इस मैनुअल द्वारा इसलिए निर्धारित की गई है ताकि उसमें दक्षिण-पश्चिम मानसून और मानसून-पश्चात का वह उच्चतम स्तर आ जाए जिसे CGWB नवंबर में मापता है: मई या जून में लिया गया पाठ्यांक, जब अधिकांश कुएँ 5–10 m पर होते हैं, डिजाइन स्तर को कम आँकता है। रांची, जमशेदपुर, धनबाद या साहिबगंज में अलग-अलग नगर साइटों के लिए मानसून में भूजल स्तर की गहराइयाँ प्राप्त नहीं हुईं [TBC]। 1.2 के गुणक, 0.5 m के अतिरिक्त प्रावधान और डूब क्षेत्रों, गंगा तटवर्ती क्षेत्र और भू-धंसान गर्तों के लिए "भूमि स्तर" डिफॉल्ट का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इन्हें इसलिए निर्धारित करता है क्योंकि अनुसंधान के दौरान झारखंड के लिए साइट-स्तर की मौसमी भूजल गहराइयाँ प्रकाशित रूप में नहीं मिलीं।

4.13 क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण और एवज शुल्क

4.13.1 **कहाँ अनुमत है.** अध्याय 11 के अंतर्गत अनुमोदित बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान के अंतर्गत आने वाले बेसिन में, कोई विकास अपनी अस्थायी भंडारण अपेक्षा को पूर्णतः या आंशिक रूप से निम्नलिखित के माध्यम से पूरा कर सकता है:

- (a) प्लान में चिह्नित क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण सुविधा; या
- (b) प्लान में चिह्नित तालाब (talab) या तालाब (tank) भंडारण के पुनर्स्थापन के लिए भुगतान किया गया एवज शुल्क।

4.13.2 **शर्तें.** क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण या एवज शुल्क केवल वहीं स्वीकार किया जाएगा जहाँ:

- (a) क्षेत्रीय सुविधा या पुनर्स्थापित तालाब चालू है, या उसके लिए धन उपलब्ध है और उसे **3 वर्षों** के भीतर चालू करने का कार्यक्रम निर्धारित है। तब तक अंतरिम रूप से साइट पर अस्थायी भंडारण अपेक्षित है।
- (b) साइट से सुविधा तक का वहन मार्ग उनके बीच के भवनों या सड़कों पर जल स्तर बढ़ाए बिना 1% AEP विकास-पश्चात प्रवाह ले जाता है (अध्याय 5);
- (c) किसी तालाब पर क्रेडिट दिया गया भंडारण केवल **बाढ़ भंडारण** है। यह तालाब के पूर्ण जल स्तर (FTL) और उस अधिकतम जल स्तर के बीच का आयतन है जिसे बाँध और सरप्लस वियर सुरक्षित रूप से रोक सकते हैं, साथ में FTL से नीचे का कोई भी ऐसा आयतन जिसे कोई अधिसूचित प्रचालन नियम दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले खाली करने के लिए प्रतिबद्ध करता है। जून से सितंबर तक सिंचाई या आपूर्ति के लिए रखे गए FTL से नीचे के भंडारण को क्रेडिट नहीं दिया जाएगा।
- (d) तालाब अध्याय 7 की अपेक्षाएँ पूरी करता है: सर्वेक्षित FTL, दस्तावेजित प्रचालन नियम, और रखरखाव किया गया सरप्लस वियर;
- (e) साइट फिर भी साइट पर **प्रतिधारण** (खंड 4.4) और **WQv** उपचार (अध्याय 8) प्रदान करती है; और
- (f) बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों में, क्षेत्रीय सुविधा अपने संपूर्ण योगदान क्षेत्र के लिए मिश्रित-आवृत्ति नियम पूरा करती है।

4.13.3 **शुल्क.** एवज शुल्क की गणना इस प्रकार की जाएगी:

> शुल्क = (खंड 4.6 के अंतर्गत साइट पर आवश्यक अस्थायी भंडारण आयतन, m^3) × (प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित इकाई दर, ₹/m^3)

इकाई दर में भूमि, निर्माण और 10 वर्षों का रखरखाव सम्मिलित होगा। शुल्क पृथक रखे गए बेसिन खाते में रखे जाएँगे और केवल प्लान में नामित सुविधाओं पर खर्च किए जाएँगे।

4.13.4 **खाता-बही.** प्राधिकारी निम्नलिखित की सार्वजनिक खाता-बही रखेगा:

- प्रत्येक क्षेत्रीय सुविधा को क्रेडिट किया गया अस्थायी भंडारण आयतन;
- प्रदत्त आयतन; और
- प्राप्त और खर्च किए गए शुल्क।

> **भाष्य.** मलेशियाई DID (2008) की जाँच-सूची 0.1 ha से बड़ी साइटों के लिए साइट पर अस्थायी भंडारण की तुलना में सामुदायिक तालाबों को वरीयता देती थी। साइट पर अस्थायी भंडारण के अध्ययन दर्शाते हैं कि इसका लाभ स्थान पर निर्भर करता है और अनुप्रवाह की ओर दूरी के साथ घटता जाता है (Colorado State University thesis; McEnroe for Kansas City), और यह कि जलग्रहण क्षेत्र के निचले भाग में स्थित तालाब मुख्य धारा के चरम के साथ मेल खा सकता है (*Water* 2016)। इसलिए क्षेत्रीय भंडारण का स्थान बेसिन मॉडलिंग द्वारा तय किया जाना चाहिए, केवल जोड़कर नहीं।

झारखंड में तालाब या झील का कोई अधिनियम नहीं है, और उसके शहरों में कोई तालाब (talab), बाँध (bandh) या जलाशय किसी दस्तावेजित नियम के अंतर्गत बाढ़ नियंत्रण के लिए प्रचालित होता नहीं मिला [TBC]। सार्वजनिक तालाब, जलाशय और कुएँ, किसी भी संलग्न भूमि सहित जो निजी संपत्ति नहीं है, नगरपालिका में निहित हैं (झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011, धारा 203); किंतु वही अधिनियम आयुक्त को किसी निजी तालाब या पोखर के स्वामी से उसे "साफ करने, मरम्मत करने, ढकने, फिर से खोदने, भर देने या उसका पानी निकालने" ("cleanse, repair, cover, re-excavate, fill up or drain off") की अपेक्षा करने देता है (धारा 341), इसलिए कोई निजी तालाब आदेश से समाप्त हो सकता है, और यह मैनुअल भरने के बजाय गाद-सफाई और इनलेट पर जाली (screening) को प्राथमिकता देता है। उच्च न्यायालय 2020 से रांची के जलाशयों, कांके, धुर्वा और गेतलसूद डैमों, बड़ा तालाब और शहर के तालाबों की निगरानी कर रहा है, और उसने अभिलिखित किया है कि शहर में कभी रहे लगभग 71 तालाबों में से केवल चार या पाँच अब दिखाई देते हैं (W.P.(PIL) 1325/2011 के साथ W.P.(PIL) 1463/2020, प्रकाशित खबरों के अनुसार; 2025–26 के आदेश पढ़े नहीं गए [TBC])। धनबाद का जल निकासी डिजाइन अपने 94 आउटफॉलों में से 19 को तालाबों में ले जाता है और लोको तालाब (Loco talab) सहित 10 बड़े तालाबों को ऐसे भंडारण के रूप में सम्मिलित करता है जो "नदी प्रणाली में अपवाह के सीधे निस्सरण और अनुप्रवाह की ओर बाढ़ के जोखिम को कम करेगा" ("will reduce the direct discharge of runoff to the river system and the flood risk downstream") (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017)। आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम 2017 के अंतर्गत कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं की गई है; राज्य का एकमात्र रामसर स्थल उधवा झील है, 935.5 ha, साहिबगंज जिले में गंगा के डूब क्षेत्र पर, जिसका नामांकन रामसर सूचना पत्रक के अनुसार 8 जनवरी 2024 को हुआ और जिसकी घोषणा फरवरी 2025 में हुई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। राज्य का क्षेत्रीय भंडारण पाँच प्रकार का है: नगरों के तालाब और बाँध, जैसे रांची का बड़ा तालाब; WRD के जलाशय, जिनमें कांके, धुर्वा (हटिया), गेतलसूद और चांडिल हैं, दामोदर पर तेनुघाट, जिसका प्रचालन राज्य करता है, और तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत पर DVC के जलाशय; डोभे (dobha), आहर (ahar) और गाँवों के तालाब; कोयला क्षेत्रों के खदान के गड्ढे और खदान झीलें; और नदियों के डूब क्षेत्र। इससे चार बातें निकलती हैं:

- अभिलेख में दर्ज तालाब संभव है कि कार्यरत तालाब न हो। RMC या अन्य नगर निगमों की सीमाओं के भीतर के तालाबों की कोई सूची नहीं मिली [TBC]। किसी तालाब को क्रेडिट केवल तब दिया जाता है जब सर्वेक्षण उसका तल, बाँध और आउटलेट दिखाए, और केवल उसके पूर्ण स्तर से ऊपर के भंडारण के लिए।
- जलाशय किसी साइट के लिए अतिरिक्त क्षमता नहीं हैं। कांके, धुर्वा और गेतलसूद रांची की जल आपूर्ति रखते हैं, इसलिए पूर्ण स्तर से नीचे का उनका भंडारण पूरे मानसून भर रोके रखा जाता है और उसे क्रेडिट नहीं दिया जाता (खंड 4.13.2(c)); कांके और धुर्वा के पूर्ण स्तर किसी घोषित डेटम पर नहीं मिले [TBC]; और मैथन और पंचेत से पानी छोड़ने की सलाह पूरी दामोदर घाटी के लिए दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति देती है, जिसमें झारखंड और पश्चिम बंगाल की सरकारें, CWC और DVC सम्मिलित हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। किसी जलाशय में, या उसके नीचे की नदी में, छोड़ा गया वर्षा जल उस क्षमता का उपयोग करता है जिसका प्रचालन पूरे बेसिन के लिए होता है; उस पर केवल WRD की, या उसके डैमों के लिए DVC की, किसी घोषित प्रवाह और स्तर के लिए लिखित सहमति से ही भरोसा किया जा सकता है।
- खदान का गड्ढा या खदान झील क्षेत्रीय भंडारण नहीं है। कुछ परित्यक्त गड्ढे ग्रामीणों द्वारा जलाशय के रूप में और मछली के लिए प्रयुक्त होते हैं (BCCL की अनुपालन रिपोर्टें, प्रकाशित खबरों के अनुसार), और खदान का गड्ढा अपवाह को मंद कर सकता है, किंतु अस्थिर हाईवॉल के सामने या पुराने खनन कार्यों में उठाया गया पानी एक खतरा है, और उसका नियंत्रण पट्टाधारी और DGMS करते हैं। उसका उपयोग केवल पट्टाधारी और DGMS की लिखित सम्मति से, और उसके जल स्तर, अतिप्रवाह स्तर और अतिप्रवाह मार्ग के सर्वेक्षण के साथ ही किया जाता है, और कभी यह नहीं माना जाता कि उसमें मुक्त भंडारण उपलब्ध है।
- प्राकृतिक नालों को नगरपालिका ड्रेनों से अलग करने वाला कोई नियम नहीं मिला [TBC]। जब तक ऐसा नियम न बने, यह मैनुअल नदियों, जलाशयों, डैमों और उनके गेटों को WRD के, या उसके डैमों के लिए DVC के, मानता है; किसी शहरी स्थानीय निकाय की सीमाओं के भीतर के नालों, ड्रेनों और सार्वजनिक तालाबों को उस निकाय के (अधिनियम की धारा 203 और 221), जिनमें वे ट्रंक ड्रेनें और नदी कार्य सम्मिलित हैं जो JUIDCO उसके लिए बनाती है; जमशेदपुर के पट्टा क्षेत्र की ड्रेनों को Tata Steel UISL द्वारा सेवित, जिनका विधिक स्वामित्व पुष्ट किया जाना है [TBC]; खदान की ड्रेनों, गारलैंड ड्रेनों, खदान के गड्ढों और खदान झीलों को उसकी पर्यावरण स्वीकृति और DGMS के अधीन पट्टाधारी के; और उधवा झील और किसी भी अधिसूचित आर्द्रभूमि को राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण के कार्यक्षेत्र के भीतर। यह इस मैनुअल द्वारा कार्य के लिए किया गया आवंटन है, सांविधिक आवंटन नहीं।

> पहली बात झारखंड में शर्त 4.13.2(c) का आधार है। तालाब (talab) केवल अपने पूर्ण स्तर से ऊपर बाढ़ भंडारण देता है, जब तक कि कोई अधिसूचित प्रचालन नियम उसे दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध न करे। 3 वर्ष की चालू होने की सीमा और 10 वर्ष के रखरखाव प्रावधान का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

4.14 छोटी साइटों के लिए सरलीकृत विधियाँ

4.14.1 **प्रयोज्यता.** टियर B स्थानीय निकाय बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के बाहर **2 ha या उससे कम** की साइटों के लिए सरलीकृत विधि की अनुमति दे सकते हैं। बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों में इसका उपयोग **0.5 ha या उससे कम** की साइटों के लिए किया जा सकता है। अन्य सभी साइटें खंड 4.6 का उपयोग करेंगी। जब तक तालिका 4.3 (परिशिष्ट 4B) प्रकाशित नहीं होती, सभी टियर B साइटें भी खंड 4.6 का उपयोग करेंगी।

4.14.2 **विधि.**

1. साइट के जोन, HSG और विकास-पश्चात अपारगम्यता के लिए PSD (L/s/ha) और SSR (m^3/ha) **तालिका 4.3** (परिशिष्ट 4B) से पढ़ें।
2. आवश्यक भंडारण: V = SSR × A − V_credit (खंड 4.4.6.3)।
3. अनुमेय प्रवाह दरें: 2-वर्ष और 100-वर्ष चरणों के लिए Q_PSD,T = PSD_T × A।
4. 50 mm न्यूनतम के अधीन, परिशिष्ट 4B की मानक आउटलेट तालिका (निर्दिष्ट गहराइयों पर PSD के लिए ऑरिफिस आकार) से अल्प-प्रवाह ऑरिफिस और ऊपरी नियंत्रक चुनें।
5. खंड 4.9 के अंतर्गत स्पिलवे या अतिप्रवाह, खंड 4.11 का RWH लेखा, और खंड 4.15 के सुरक्षा प्रावधान प्रदान करें।
6. प्रपत्र 4-2 (टियर B साइट पत्रक) भरें।

तालिका 4.3 — टियर B साइट की अनुमेय प्रवाह दर और साइट पर आवश्यक भंडारण (टेम्पलेट)

जोन (परिशिष्ट 2A)	HSG	अपारगम्यता	PSD 2-वर्ष (L/s/ha)	PSD 100-वर्ष (L/s/ha), सामान्य	PSD 100-वर्ष (L/s/ha), बाढ़-संवेदनशील	SSR (m^3/ha), सामान्य	SSR (m^3/ha), बाढ़-संवेदनशील
JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-A रांची पठार (स्वर्णरेखा का उद्गम क्षेत्र)	B / C / D	50% / 70% / 90%	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]
JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-B हजारीबाग–कोडरमा–गिरिडीह पठार और पारसनाथ	B / C / D	50% / 70% / 90%	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]
JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-G दक्षिण-पश्चिमी पठार (ब्राह्मणी का उद्गम क्षेत्र)	B / C / D	50% / 70% / 90%	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र: JH-C दामोदर कोयला क्षेत्र पट्टी	B / C / D	50% / 70% / 90%	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र: JH-D स्वर्णरेखा–खरकई निचला क्षेत्र और कोल्हान	B / C / D	50% / 70% / 90%	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]

जोन (परिशिष्ट 2A)	HSG	अपारगम्यता	PSD 2-वर्ष (L/s/ha)	PSD 100-वर्ष (L/s/ha), सामान्य	PSD 100-वर्ष (L/s/ha), बाढ़-संवेदनशील	SSR (m^3/ha), सामान्य	SSR (m^3/ha), बाढ़-संवेदनशील
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र: JH-E संथाल परगना और गंगा तटवर्ती क्षेत्र	B / C / D	50% / 70% / 90%	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]
JH-Z3 पलामू-लातेहार–गढ़वा: JH-F पलामू-लातेहार–गढ़वा (उत्तरी कोयल–सोन)	B / C / D	50% / 70% / 90%	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]	[TBC]

हल किया गया उदाहरण (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं).

किसी टियर B नगरपालिका में, बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में, लगभग 80% प्रत्यक्ष रूप से जुड़े अपारगम्य क्षेत्र (क्षेत्र-भारित विकास-पश्चात CN लगभग 92) वाला 0.4 ha का आवासीय लेआउट। मान लीजिए तालिका 4.3 की गणना हो चुकी होती और वह खंड 4.6.7 के उदाहरण का प्रति हेक्टेयर समतुल्य देती:

- PSD 100-वर्ष = 356 / 2.0 = 178 L/s/ha
- SSR = 2,913 / 2.0 ≈ 1,460 m^3/ha
- PSD 2-वर्ष ≈ 17 L/s/ha

तब:

- भंडारण: V = 1,460 × 0.4 = **584 m^3**। C_R = 0, इसलिए कोई प्रतिधारण क्रेडिट नहीं है।
- 100-वर्ष निकास: 178 × 0.4 = **71 L/s**।
- 2-वर्ष निकास: 17 × 0.4 = **7 L/s**। लगभग 1 m हेड पर इसके लिए लगभग 60 mm के अल्प-प्रवाह ऑरिफिस की आवश्यकता है, जो 50 mm न्यूनतम (खंड 4.8.2) से ऊपर है।
- लेआउट के विकल्प:
  - 1.5 m गहरा 400 m^2 का भूमिगत टैंक; या
  - 0.3 m पर 250 m^2 पोडियम भंडारण (75 m^3) और 1.5 m गहरा 350 m^2 का टैंक (525 m^3)।
  - छत के 1,200 m^2 पर 150 mm की दर से छत भंडारण (180 m^3) टैंक के एक भाग का स्थान ले सकता है।
- RWH संप अतिरिक्त हैं, और उन्हें भरा हुआ माना जाता है (खंड 4.11)।

> **भाष्य.** ऑस्ट्रेलियाई परिषदें साइट की अनुमेय प्रवाह दर और साइट पर आवश्यक भंडारण की तालिकाओं का उपयोग इसी प्रकार करती हैं (Sydney Water OSD guide; Upper Parramatta River Catchment Trust handbook में लगभग 455 m^3/ha का SSR सूचीबद्ध था)। यहाँ उदाहरणार्थ SSR, लगभग 1,460 m^3/ha, बहुत बड़ा है। मिश्रित-आवृत्ति सीमा को AMC III पर अनिवार्य 48–72-घंटे की वर्षा घटनाओं के साथ जोड़ने का यही अपेक्षित प्रभाव है। मलेशिया में MSMA 2, 5 ha से कम की साइटों के लिए इसी प्रकार की सरलीकृत OSD विधि प्रदान करता है। MARC नीति अनुपूरक कैनसस सिटी की छोटी नगरपालिकाओं को क्षेत्रीय मानक के भीतर अंगीकरणीय विकल्प देता है; खंड 4.14 टियर B के लिए उसी मॉडल का अनुसरण करता है।

4.14.3 **नियत-गुणांक मार्ग.** खंड 4.6 और 4.14.2 के विकल्प के रूप में, किसी भी अनुमोदन प्राधिकारी के अंतर्गत और किसी भी जलग्रहण क्षेत्र में **1 ha या उससे कम** की किसी भी साइट का डिजाइनकर्ता खंड 4.14.4 से 4.14.7 द्वारा अस्थायी भंडारण का आकार निर्धारित कर सकता है। इस मार्ग का उपयोग वहाँ नहीं किया जाएगा जहाँ:

- (a) साइट अपने डिजाइन में तालाब या जलाशय भंडारण को गिनती है (अध्याय 7);

- (b) साइट का कोई भाग जलाशय सेटबैक के भीतर है (अध्याय 7); या
- (c) साइट ऐसी तालाब शृंखला की ओर बहती है जिसका भंडारण अनुप्रवाह की ओर किसी डिजाइन में गिना गया है।

यह मार्ग निकास सीमाएँ नियत गुणांकों द्वारा निर्धारित करता है और इसके लिए तालिका 4.3 की आवश्यकता नहीं है। इसलिए इसका उपयोग परिशिष्ट 4B के प्रकाशन से पहले किया जा सकता है। प्रतिधारण (खंड 4.4), खाली होना (खंड 4.7), आउटलेट (खंड 4.8), स्पिलवे (खंड 4.9), अनुप्रवाह और टेलवाटर जाँच (अध्याय 5) और जल गुणवत्ता (अध्याय 8) फिर भी लागू होते हैं।

4.14.4 **निकास सीमाएँ.** प्रत्येक उस बिंदु पर जहाँ अपवाह साइट से बाहर जाता है, दो सीमाएँ लागू होती हैं:

$Q_{cap,10} = 2.78 \times C_{10} \times i_{10} \times A$ और $Q_{cap,2} = 2.78 \times C_2 \times i_2 \times A$

जहाँ Q_{cap} L/s में है; A साइट का क्षेत्रफल (ha) है; i_{10} और i_2 साइट पर **15-मिनट** की अवधि के लिए 10% AEP (10-वर्ष) और 50% AEP (2-वर्ष) की वर्षा तीव्रताएँ (mm/h) हैं, जो अध्याय 2 के स्रोतों से, खंड 2.8 के जलवायु गुणक सहित, ली जाती हैं; और C_{10} तथा C_2 साइट के जलवैज्ञानिक मृदा समूह (खंड 3.7) के लिए तालिका 4.3A के नियत गुणांक हैं। एक से अधिक मृदा समूह वाली साइट के लिए गुणांक क्षेत्र-भारित होते हैं।

तालिका 4.3A — नियत निकास गुणांक (अनंतिम)

जलवैज्ञानिक मृदा समूह	C_{10}	C_2
A (रेतीली, अच्छी जल निकासी वाली)	0.05	0.02
B	0.08	0.03
C	0.15	0.08
D (चिकनी मिट्टी, खराब जल निकासी वाली)	0.25	0.15

$Q_{cap,10}$ प्रत्येक जलग्रहण क्षेत्र में **1% AEP (100-वर्ष) वर्षा घटना तक और उसे सम्मिलित करते हुए प्रत्येक वर्षा घटना** के लिए अधिकतम निकास है। $Q_{cap,2}$ 50% AEP (2-वर्ष) वर्षा घटना के लिए अधिकतम निकास है। जहाँ कोई सीमा संगत जल स्तर पर 50 mm ऑरिफिस की प्रवाह दर से कम है, वहाँ 50 mm ऑरिफिस को अनुपालक माना जाता है (खंड 4.5.5.1)।

4.14.5 **भंडारण.** अस्थायी भंडारण V (m^3) V_{100} और V_2 में से बड़ा है, जिनमें से प्रत्येक खंड 2.5.2 की अवधियों d (1 से 72 घंटे) में सबसे बड़ा है:

$V_{100} = \text{सभी d में अधिकतम } [\, 10 \times C_v \times P_{100}(d) \times A - 1.8 \times Q_{cap,10} \times d \,]$

$V_2 = \text{सभी d में अधिकतम } [\, 10 \times C_v \times P_2(d) \times A - 1.8 \times Q_{cap,2} \times d \,]$

जहाँ $P_{100}(d)$ और $P_2(d)$ अवधि d (घंटे) के लिए जलवायु गुणक सहित 1% और 50% AEP वर्षा की गहराइयाँ (mm) हैं; और C_v विकास-पश्चात आयतनात्मक गुणांक है: तालिका 3.2 का संयुक्त C (प्रत्येक परास का ऊपरी आधा), 1% AEP के लिए तालिका 3.3 के Cf से गुणा किया हुआ। 12 घंटे या उससे अधिक की अवधियों के लिए, प्रत्येक पारगम्य सतह का C **0.50** से कम नहीं लिया जाएगा। गुणक 1.8 यह मानता है कि वर्षा घटना के दौरान औसत निकास सीमा का आधा है (3.6 × 0.5)।

4.14.6 **आउटलेट.** आउटलेट दो-चरणीय नियंत्रक होगा: एक अल्प-प्रवाह ऑरिफिस जो V_2 रखने वाले भंडारण के भरे होने पर $Q_{cap,2}$ निकाले, और एक ऊपरी ऑरिफिस या वियर जो V के शीर्ष पर कुल निकास को $Q_{cap,10}$ तक सीमित करे। परिशिष्ट 4B की आउटलेट तालिका प्रकाशित होने के बाद उसका उपयोग किया जा सकता है।

4.14.7 **प्रतिधारण.** खंड 4.4 का प्रतिधारण आयतन V के अतिरिक्त प्रदान किया जाता है। इस मार्ग के अंतर्गत कोई प्रतिधारण क्रेडिट (खंड 4.4.6) नहीं लिया जाता।

1 ha या उससे छोटी साइटों के लिए नियत-गुणांक मार्ग (खंड 4.14.3–4.14.7) — योजनाबद्ध, पैमाने पर नहीं

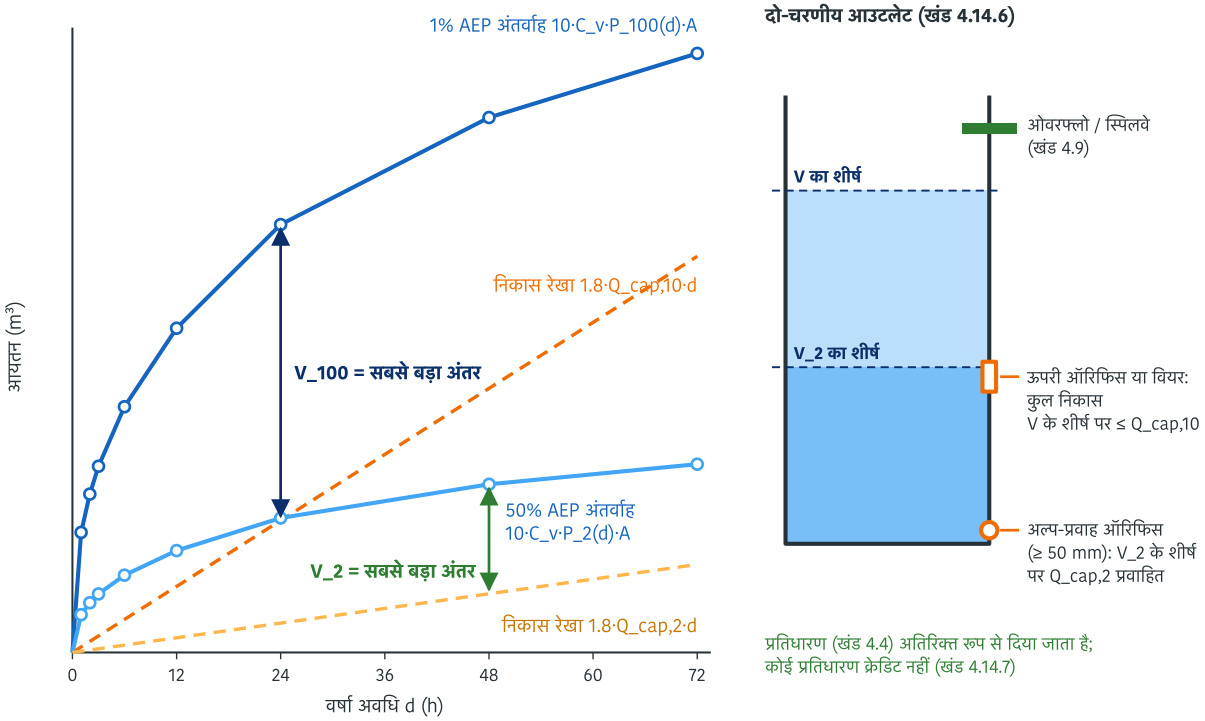

बिंदु: खंड 2.5.2 की अवधियाँ (1, 2, 3, 6, 12, 24, 48, 72 h)। d ≥ 12 h के लिए पारगम्य C ≥ 0.50।

$Q_{cap,10} = 2.78 \times C_{10} \times i_{10} \times A$; $Q_{cap,2} = 2.78 \times C_2 \times i_2 \times A$; (L/s; A, ha में; i, mm/h में)

C_{10}, C_2 मृदा समूह के अनुसार तालिका 4.3A से; i_{10}, i_2 जलवायु गुणक सहित 15 मिनट की अवधि के लिए (खंड 2.8)

$V = \max(V_{100}, V_2)$; V_T = सभी d पर $\max [10 \times C_v \times P_T(d) \times A - 1.8 \times Q_{cap} \times d]$ (m^3) ; 1.8 = 3.6 × 0.5 (औसत निकास = सीमा का आधा)

चित्र 4.3 — 1 ha या उससे कम की साइटों के लिए नियत-गुणांक मार्ग (खंड 4.14.3 से 4.14.7): तालिका 4.3A से निकास सीमाएँ $Q_{cap,10}$ और $Q_{cap,2}$; 1% और 50% AEP वर्षा घटनाओं के लिए, खंड 2.5.2 की अवधियों में, संचयी अंतर्वाह $10 \cdot C_v \cdot P(d) \cdot A$ और निकास रेखा $1.8 \cdot Q_{cap} \cdot d$ के बीच सबसे बड़े अंतर के रूप में भंडारण V; और दो-चरणीय आउटलेट जो V_2 के शीर्ष पर $Q_{cap,2}$ और V के शीर्ष पर $Q_{cap,10}$ निकालता है। योजनाबद्ध, पैमाने पर नहीं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, वर्षा मास-वक्र (अंतर्वाह घटा बहिर्वाह) भंडारण अवधारणा और PUB Code of Practice on Surface Water Drainage, 7th ed. (cl. 7.1.5) की एकल-गुणांक चरम सीमा से रूपांतरित।

भाष्य. नियत-गुणांक मार्ग सिंगापुर का अनुसरण करता है, जो 0.2 ha या उससे अधिक के प्रत्येक विकास से चरम अपवाह को 10-वर्ष वर्षा घटना पर लागू एक ही अपवाह गुणांक, C = 0.55, से सीमित करता है (PUB Code of Practice on Surface Water Drainage, 7th ed., cl. 7.1.5, Addendum No. 3, 2025)। इसे लागू करना और जाँचना शीघ्र होता है: सीमा के लिए केवल साइट का क्षेत्रफल, मृदा समूह और दो तीव्रताएँ चाहिए। PUB का 0.55 यहाँ प्रयुक्त नहीं है, क्योंकि सिंगापुर का आधार विद्यमान शहरी जल निकासी प्रणाली है, जबकि इस मैनुअल का आधार अविकसित खुली भूमि है (खंड 4.5.1.2)। तालिका 4.3A के गुणांक इस मैनुअल द्वारा खंड 3.3 के अविकसित भूमि कर्व नंबरों (मृदा समूह A से D के लिए CN 39, 61, 74 और 80) से निर्धारित किए गए हैं। वे अपवाह और वर्षा के वे अनुपात हैं जो ये कर्व नंबर रांची पठार की विशिष्ट 1-घंटे की गहराइयों के लिए देते हैं, नीचे की ओर पूर्णांकित। इसलिए वे **अनंतिम** हैं। राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति परिशिष्ट 4B जारी करते समय प्रत्येक जोन के लिए NIH-DHAARA मानों के सापेक्ष उनकी पुष्टि या संशोधन करेगी।

> यह मार्ग जानबूझकर पूर्ण विधि से **अधिक कठोर** है, ताकि सरलता की कीमत अनुप्रवाह की ओर के लोगों के बजाय विकासकर्ता भंडारण के रूप में चुकाए। 100-वर्ष निकास को हर जगह लगभग अविकसित भूमि के 10-वर्ष चरम पर रखा जाता है, जो खंड 4.5.3 का बाढ़-संवेदनशील नियम है; भंडारण यह मानता है कि आउटलेट औसतन सीमा का केवल आधा छोड़ता है; लंबी वर्षा घटनाओं में पारगम्य भूमि को गीला माना जाता है; और कोई प्रतिधारण क्रेडिट नहीं लिया जाता। जो डिजाइनकर्ता छोटा टैंक चाहता है, वह खंड 4.6 की पूर्ण विधि का उपयोग कर सकता है। भंडारण सूत्र वर्षा-मास (अंतर्वाह घटा बहिर्वाह) विधि है। खंड 3.4.2 अन्यथा भंडारण के लिए वर्षा-आधारित चरम विधियों को वर्जित करता है, क्योंकि वे हाइड्रोग्राफ के आकार की उपेक्षा करती हैं; यह मार्ग एक घोषित अपवाद है क्योंकि इसकी सुरक्षित पक्ष की धारणाएँ छोटी साइटों के लिए उस त्रुटि को ढक लेती हैं, और 24- से 72-घंटे की अवधियों की सदा जाँच की जाती है।

4.15 सुरक्षा, बाड़ और बहु-उपयोग

4.15.1 **जनता के लिए सुलभ भंडारण की गहराई सीमाएँ.** जहाँ जनता की पहुँच किसी भंडारण क्षेत्र तक है (पार्क, खेल के मैदान, खुला स्थान, विद्यालय परिसर):

- (a) 10% AEP वर्षा घटना में अधिकतम गहराई: **0.45 m**;
- (b) 1% AEP वर्षा घटना में अधिकतम गहराई: **1.2 m**, सिवाय 4.15.3 के अंतर्गत बाड़ से घिरे जोन के;
- (c) पार्श्व ढलान: **4H:1V** से अधिक तीव्र नहीं, और बाहर निकलने के लिए परिधि का कम से कम एक-चौथाई भाग **6H:1V** या उससे सपाट; और
- (d) भंडारण क्षेत्र के भीतर या उसके किनारे पर **0.3 m** से अधिक की कोई ऊर्ध्वाधर गिरावट नहीं।

4.15.2 **आर्द्र बेसिन.** स्थायी जल-भंडारों में होगी:

- कम से कम 3 m चौड़ी सुरक्षा बेंच, जो सामान्य जल स्तर से 0.3 m से अधिक नीचे न हो; और
- जल से ऊपर उभरने वाले पौधों की किनारी, जो प्रवेश को हतोत्साहित करे।

4.15.3 **बाड़.** कम से कम **1.2 m** ऊँची, न चढ़ी जा सकने वाली डिजाइन की, ताला लगने योग्य गेट वाली बाड़ भंडारण के ऐसे किसी भी भाग के चारों ओर अपेक्षित है जिसमें:

- **0.6 m** से अधिक की ऊर्ध्वाधर दीवार या हेडवॉल गिरावट हो;
- 4H:1V से अधिक तीव्र ढलानों के साथ 1% AEP वर्षा घटना में गहराई 1.2 m से अधिक हो; या
- 300 mm से बड़े छिद्र वाली आउटलेट संरचना हो जिस पर जाली न लगी हो।

4.15.4 **आउटलेट.** जनता के लिए सुलभ 300 mm से बड़े प्रत्येक इनलेट और आउटलेट छिद्र पर जाली या रैक लगाया जाएगा। जाली का डिजाइन ऐसा होगा कि उससे चिपका व्यक्ति बच निकल सके: कम पहुँच वेग, झुकी हुई, बड़े खुले क्षेत्र के साथ।

4.15.5 **संकेत-पट और गहराई चिह्न.** जनता के लिए सुलभ प्रत्येक भंडारण पर हिन्दी और अंग्रेजी में संकेत-पट होंगे, जिन पर लिखा हो कि वर्षा के दौरान क्षेत्र में पानी भरता है, और सबसे गहरे बिंदु पर गहराई चिह्न होगा।

4.15.6 **सीमित स्थान.** भूमिगत टैंकों के ढक्कन ताला लगने योग्य होंगे। उन्हें सीमित स्थान के रूप में चिह्नित किया जाएगा, और रखरखाव घोषणा-पत्र (अध्याय 10) में प्रवेश की प्रक्रिया बताई जाएगी।

4.15.7 **रोगवाहक नियंत्रण.** शुष्क भंडारण पूरी तरह खाली होगा (खंड 4.7) और उसमें ऐसे कोई निचले बिंदु नहीं होंगे जिनमें 72 घंटे से अधिक पानी रुके। आर्द्र बेसिन खंड 4.10.7 को पूरा करेंगे।

भाष्य. खंड 4.15 की संख्यात्मक सीमाओं का कोई एक प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है। वे सामान्य अंतरराष्ट्रीय पद्धति से ली गई हैं, उदाहरण के लिए KC APWA 5600 (2006), जिसमें शुष्क तालाब की परिधि का कम से कम एक-चौथाई भाग 5:1 या उससे सपाट, संपत्ति सीमाओं से 20 ft (6 m) की दूरी और 15 ft (4.6 m) की रखरखाव पट्टी अपेक्षित थी। यहाँ उन्हें कुछ अधिक कठोर बनाया गया है क्योंकि खुले स्थान की भूमि पर और विद्यालयों में बहु-उपयोगी भंडारण का उपयोग मानसून के दौरान बच्चे करेंगे। शुष्क बेसिनों में खड़ा पानी मच्छरों के प्रजनन का जोखिम है, इसलिए पूर्ण जल निकासी (खंड 4.15.7) जन स्वास्थ्य की अपेक्षा है, सुविधा मात्र नहीं।

4.16 आधार: केवल चरम मिलान क्यों विफल होता है

भाष्य. इस खंड में कोई अपेक्षा नहीं है। यह दर्ज करता है कि यह अध्याय केवल चरम मिलान के बजाय विकास-पूर्व दरों से **कम** निकास, प्रतिधारण, लंबी अवधि की जाँच और अनुप्रवाह विश्लेषण की अपेक्षा क्यों करता है।

1. **समय.** अस्थायी भंडारण साइट के चरम को घटाता है किंतु उसके हाइड्रोग्राफ को फैला देता है (चित्र 4.1)। अनुप्रवाह की ओर, अनेक साइटों से फैले हुए निकास एक-दूसरे के साथ और मुख्य धारा के चरम के साथ व्याप्त हो जाते हैं। डेनवर के अध्ययन में, ऐतिहासिक 100-वर्ष चरम का 100% छोड़ने वाले दस बेसिनों ने आउटलेट पर ऐतिहासिक चरम का 106% उत्पन्न किया। केवल प्रत्येक साइट पर 90% छोड़ने से यह 97% पर आया (UDFCD memo, 2012)। Colorado State University के एक शोध-प्रबंध में पाया गया कि स्थान की उपेक्षा करने वाला साइट पर अस्थायी भंडारण "वास्तव में चरम प्रवाहों को विकास-पश्चात चरमों से भी ऊपर बढ़ा सकता है" ("can actually increase peak flows above post-development peaks")। एक इष्टतमीकरण अध्ययन में पाया गया कि अनुप्रवाह की ओर स्थित तालाब ने प्रतिप्रवाह की ओर के तालाबों से खराब प्रदर्शन किया क्योंकि उसका बहिर्वाह मुख्य धारा के साथ मेल खा गया (Water 2016, 8(7):290)।
2. **आयतन.** अस्थायी भंडारण आयतन को नहीं हटाता। उदाहरण में, विकास-पश्चात 100-वर्ष वर्षा घटना विकास-पूर्व 10-वर्ष वर्षा घटना के लगभग तीन गुना अपवाह आयतन उत्पन्न करती है (खंड 2.11)। केवल प्रतिधारण, या ऐसा भंडारण जो प्राप्तकर्ता ड्रेन के अतिरिक्त कहीं और खाली होता हो, आयतन को कम करता है।
3. **पैमाना.** कैनसस सिटी की मॉडलिंग (McEnroe, 2005) में पाया गया कि एकसमान 3 cfs/ac नियंत्रण ने 200-ac जलविभाजक में Q100 को 36% कम किया। हर जगह उसी नियंत्रण के साथ भी, 14 sq mi पर Q100 40% बढ़ गया, और लगभग 1–2 sq mi से आगे लाभ समाप्त हो गया। KC समिति ने निष्कर्ष निकाला कि "'विद्यमान से मिलान' धाराओं को हानि पहुँचा सकता है" ("'match existing' can harm streams") (MARC Evolution deck)। जॉर्जिया इसी कारण दस-प्रतिशत अनुप्रवाह विश्लेषण अनिवार्य करता है: "चरम प्रवाह के समय और अपवाह आयतन के प्रभावों के कारण, कुछ संरचनात्मक पद्धतियाँ अनुप्रवाह की ओर चरम प्रवाह दरों को विकास-पूर्व स्तरों तक कम करने में विफल रहती हैं" ("Due to peak flow timing and runoff volume effects, some structural practices fail to reduce discharge peaks to pre-development levels downstream") (GSMM 2016)।
4. **डिजाइन वर्षा घटना पर निर्भरता.** साइट पर अस्थायी भंडारण की 20 वास्तविक प्रणालियों के एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में पाया गया कि दस कालिक वितरणों का उपयोग करने वाले डिजाइन भी वास्तविक वर्षा में "विश्वसनीय रूप से ऐसा OSD प्रणाली डिजाइन नहीं दे सकते जो सदा प्रभावी हो" ("cannot reliably produce an OSD system design that will always be effective") (Water Science and Engineering, 2019)। इसी कारण खंड 4.6.3 एक क्रांतिक वर्षा घटना के बजाय अवधियों के पूर्ण मैट्रिक्स की रूटिंग करता है।
5. **बंद आउटफॉल.** झारखंड में निर्णायक विफलता यह है कि अनुप्रवाह की ओर कोई नदी या जलाशय ऊँचा होने पर आयतन के निकलने का कोई मार्ग नहीं रहता, और पठार पर यह स्थिति तेजी से आती है। जमशेदपुर का पानी स्वर्णरेखा और खरकई में जाता है, जिनके स्तर ऊपर के डैमों से छोड़े गए पानी से निर्धारित होते हैं: जून 2008 में, जब जमशेदपुर (A) में 24 घंटों में 338.1 mm वर्षा हुई (IMD), ओडिशा में खरकई डैम के गेट खोले गए, दोनों नदियाँ अपने खतरे के निशानों से ऊपर चढ़ गईं और 500 से अधिक घरों में

> बाढ़ आई (प्रकाशित खबरों के अनुसार); चक्रवात यास में आदित्यपुर पर खरकई 129 m के अपने निशान के मुकाबले 132.40–132.87 m तक पहुँची, आंशिक रूप से मयूरभंज में छोड़े गए पानी से (27 मई 2021, प्रकाशित खबरों के अनुसार); और 26 जुलाई 2025 को स्वर्णरेखा मानगो पुल पर 123.36 m पर थी, अपने निशान से 1.86 m ऊपर, और खरकई आदित्यपुर पर 134.90 m पर, अपने निशान से 5.90 m ऊपर (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। ये निशान जिले के हैं; जमशेदपुर के CWC स्थल का खतरे का स्तर 123.5 m और उच्चतम स्तर 129.82 m (12 अक्तूबर 1973) है, और दोनों का मिलान नहीं किया गया है। साहिबगंज और राजमहल का पानी गंगा में जाता है, जो सप्ताहों तक ऊँची रह सकती है: साहिबगंज पर 9 और 31 अगस्त 2021 के बीच के दिनों में उसका स्तर 27.25 m के खतरे के स्तर से ऊपर 27.81–28.08 m पढ़ा गया (CWC बुलेटिन, खोज अंशों में देखे गए), जबकि उच्चतम स्तर 30.91 m (20 अगस्त 1998) है। दामोदर के नगरों का पानी ऐसी नदी में जाता है जो DVC के डैमों और तेनुघाट से विनियमित होती है: 17 सितंबर 2024 को मैथन और पंचेत से लगभग 2.5 लाख क्यूसेक का संयुक्त चरम निकास हुआ, और तेनुघाट से लगभग 85,000 क्यूसेक (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। रांची का पानी गेतलसूद के नीचे स्वर्णरेखा में और कांके और धुर्वा जलाशयों में जाता है, जिनके स्तर शहर के झील-जलग्रहण क्षेत्रों के आउटफॉलों को नियंत्रित करते हैं और जिनके प्रचालन नियम नहीं मिले [TBC]। पठार पर विफलता क्षमता की भी है: 25-वर्ष की बाढ़ के लिए बना हरमू चैनल लगातार दो मानसूनों, जुलाई 2016 और जुलाई 2017, में क्षतिग्रस्त हुआ (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। झारखंड में कोई नदी या जलाशय किसी शहर के आउटफॉलों से कितने समय तक ऊपर रहता है, इसका कोई घंटेवार अभिलेख प्राप्त नहीं हुआ [TBC], और ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला जो किसी आउटफॉल के लिए डिजाइन नदी स्तर निर्धारित करता हो; अध्याय 5 डिजाइन स्तर और माना जाने वाला बंद होना निर्धारित करता है। बंद आउटफॉल के पीछे पूर्णतः सही ऑरिफिस वाला बेसिन बस भर जाता है। कोई भी निकास दर नियम इसे ठीक नहीं कर सकता; इसका समाधान अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच द्वारा किया जाता है।

इस मैनुअल में उत्तर परतदार है:

- विकास-पूर्व से कम निकास (खंड 4.5);
- बार-बार होने वाली वर्षा घटनाओं का प्रतिधारण (खंड 4.4);
- दक्षिण-पश्चिम मानसून की लंबी वर्षा घटनाओं की रूटिंग (खंड 4.6.3);
- तालाब प्रणाली में क्षेत्रीय भंडारण को वरीयता (खंड 4.13); और
- अनुप्रवाह की ओर और आउटफॉल पर जाँच (अध्याय 5)।

कैनसस सिटी का अपना इतिहास इसकी कीमत दिखाता है। एक परीक्षण साइट पर चरम मिलान के लिए 3.0 ac-ft भंडारण की आवश्यकता थी और 2011 के व्यापक मानदंडों के लिए 4.9 ac-ft की (MARC Evolution deck)। अधिक अस्थायी भंडारण का अर्थ अधिक भंडारण की लागत है। यही केवल साइट की सीमा के बजाय जलग्रहण क्षेत्र की रक्षा करने की कीमत है।

4.17 प्रस्तुति संबंधी अपेक्षाएँ

साइट अपवाह नियंत्रण की प्रत्येक प्रस्तुति में एक **साइट अपवाह नियंत्रण रिपोर्ट** (प्रपत्र 4-1) सम्मिलित होगी, जिसमें निम्नलिखित होंगे:

1. डिजाइन वर्षा पत्रक (प्रपत्र 2-1) और जलवैज्ञानिक इनपुट (अध्याय 3);
2. खंड 4.3.1 के अंतर्गत उपायों के क्रम के साक्ष्य;
3. RRV की गणना, अंतःस्यंदन परीक्षण, भूजल संबंधी साक्ष्य और खाली होने की गणना (खंड 4.4);
4. प्रतिधारण क्रेडिट की गणना (खंड 4.4.6);
5. लागू किया गया निकास दर मानदंड, सामान्य या बाढ़-संवेदनशील, परिशिष्ट 4A के मानचित्र के उद्धरण सहित (खंड 4.5);
6. प्रत्येक AEP और अवधि के लिए खंड 4.6.7 के प्रारूप में परिणाम तालिका, निर्णायक स्थिति को रेखांकित करते हुए;
7. जल स्तर–भंडारण और जल स्तर–प्रवाह दर तालिकाएँ और आलेख, तथा निर्णायक स्थितियों के लिए अंतर्वाह/बहिर्वाह हाइड्रोग्राफ;
8. खाली होने की गणना (खंड 4.7);

9. आउटलेट का विवरण, जिसमें ऑरिफिस के आकार और स्तर, कचरा-रोधी जालियाँ और भँवर-रोधी युक्तियाँ सम्मिलित हैं (खंड 4.8);
10. स्पिलवे या अतिप्रवाह की गणना, फ्रीबोर्ड और जोखिम वर्गीकरण, और जहाँ अपेक्षित हो वहाँ भू-तकनीकी रिपोर्ट (खंड 4.9);
11. जोन स्तरों को दर्शाने वाले टैंक के खंडचित्रों सहित RWH और अस्थायी भंडारण का लेखा (खंड 4.11);
12. डिजाइन भूजल स्तर और उत्प्लावन जाँच (खंड 4.12);
13. अनुप्रवाह और टेलवाटर रिपोर्ट (अध्याय 5, प्रपत्र 5-1); और
14. सुरक्षा प्रावधान (खंड 4.15) और रखरखाव घोषणा-पत्र का प्रारूप (अध्याय 10)।

खंड 4.14.2 का उपयोग करने वाली टियर B साइटें मद 6 और 7 के स्थान पर प्रपत्र 4-2 प्रस्तुत करेंगी। नियत-गुणांक मार्ग (खंड 4.14.3) का उपयोग करने वाली साइटें मद 6 और 7 के स्थान पर प्रपत्र 4-3 प्रस्तुत करेंगी।

संदर्भ (अध्याय)

- Kansas City Metro Chapter APWA (2025). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities, Version 2025.01 (approved 10 Dec 2025). https://kcmetro.apwa.org/wp-content/uploads/sites/23/2026/01/APWA-Section-5600_Storm-Drainage-Systems-Facilities.pdf
- Mid-America Regional Council (2025). APWA 5600 Stormwater Standards Policy Supplement (7 Nov 2025); APWA 5600 Manual factsheet. https://www.marc.org/document/apwa-stormwater-standards-supplement ; https://www.marc.org/document/apwa-5600-manual-factsheet
- Kansas City Metro Chapter APWA (2006). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities (5601.8, 5608.4). https://www.kcwater.us/wp-content/uploads/2020/08/Design-Criteria-%E2%80%93-Section-5600-%E2%80%93-Storm-Drainage-Systems-and-Facilities.pdf
- MARC / APWA (2012). Manual of Best Management Practices for Stormwater Quality. https://www.marc.org/sites/default/files/2022-05/Best_Management_Practices_for_Stormwater_Quality.pdf
- MARC. The Evolution of Regional Stormwater Design Standards (प्रस्तुति; McEnroe 2005 के परिणाम)। https://www.marc2.org/Assets/Environment/WQEC/The_Evolution_of_Regional_Strormwater_Design_Standards.pdf
- Atlanta Regional Commission / Georgia EPD (2016). Georgia Stormwater Management Manual, Volume 1. https://documents.atlantaregional.com/gastormwater/GSMM_2016%20EDITION_FINAL_V1.pdf
- Urban Drainage and Flood Control District (अब MHFD) (2012). Full Spectrum Detention Release Rate Memorandum. https://mhfd.specialdistrict.org/files/23cb85ce8/UDFCD_Full_Spectrum_Detention_Release_Rate_Memorandum.pdf
- Mile High Flood District. Urban Storm Drainage Criteria Manual, Volume 2 (Storage).
- Department of Irrigation and Drainage Malaysia (2008). Submission Checklist for Stormwater Management. https://www.water.gov.my/jps/resources/auto%20download%20images/5844dfbba8fc1.pdf
- Department of Irrigation and Drainage Malaysia (2012). Urban Stormwater Management Manual for Malaysia (MSMA), 2nd ed.
- PUB Singapore (2024). On-site Detention Tank Technical Guide, Rev. 3; Code of Practice on Surface Water Drainage, 7th ed., Addendum No. 3 (16 Apr 2025). https://www.pub.gov.sg/-/media/PUB/PDF/detentionTank.pdf
- Sydney Water (2020). On-site Stormwater Detention Guide (SW201). https://www.sydneywater.com.au/content/dam/sydneywater/documents/on-site-stormwater-detention-guide.pdf
- Upper Parramatta River Catchment Trust (2005). On-site Stormwater Detention Handbook, 4th ed.
- "On-site stormwater detention for Australian development projects: does it meet frequent flow management objectives?" *Water Science and Engineering* (2019). https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S1674237019300213
- Optimisation of urban detention (2016). *Water* 8(7):290. https://doi.org/10.3390/w8070290
- Colorado State University. Spatially Dependent On-Site Detention Policies (शोध-प्रबंध)। https://mountainscholar.org/bitstreams/f4dbec4e-a44f-4933-8d54-a097e741f44a/download

- Jharkhand Municipal Act, 2011 (Jharkhand Act 07 of 2012), sections 2(41), 70, 203, 219, 221, 222, 224, 227, 235, 341, 378, 434, 481 और 615 (udhd.jharkhand.gov.in की Internet Archive प्रति से पढ़ा गया अंग्रेजी पाठ)। http://web.archive.org/web/20171223160748id_/http://udhd.jharkhand.gov.in:80/Handlers/Acts.ashx?id=AT01042016100433AM.pdf
- Jharkhand Urban Infrastructure Development Company (2017). Jharkhand Municipal Development Project, Draft Environmental and Social Impact Assessment, Storm Water Drainage, Dhanbad, Volume I, November 2017 (Internet Archive की प्रति से पढ़ा गया)। http://web.archive.org/web/20180205012706id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/Home/cirfiles/ESIA%20Dhanbad%20Drainage_Volume1.pdf
- Ramsar Convention. Ramsar Information Sheet, Udhwa Lake Bird Sanctuary (स्थल 2559)। https://rsis.ramsar.org/RISapp/files/RISrep/IN2559RIS_2502_en.pdf
- Forest, Environment and Climate Change Department, Government of Jharkhand (2018). Reconstitution of the Jharkhand State Wetlands Authority, 22 मई 2018 की अधिसूचना संख्या 2138, जो 10 मार्च 2017 की अधिसूचना संख्या 1079 का संशोधन करती है। https://indianwetlands.in/wp-content/uploads/2022/02/Jharkhand.pdf
- Rajya Sabha. 13 फरवरी 2025 के प्रश्न 267 का उत्तर (Wetlands (Conservation and Management) Rules 2017 के अंतर्गत अधिसूचित आर्द्रभूमियाँ; बहस के अभिलेख से उद्धृत)। https://rsdebate.nic.in/bitstream/123456789/758759/1/PQ_267_13022025_U1007_p169_p175.pdf
- W.P.(PIL) 1463/2020, *Khushboo Kataruka v. State of Jharkhand*, W.P.(PIL) 1325/2011 के साथ, में रांची के जलाशयों पर झारखंड उच्च न्यायालय के आदेशों पर रिपोर्टें (LiveLaw, फरवरी 2022; Reporter Post, जुलाई 2024; ThePrint और PTI, 31 जुलाई 2025; NewsDrum और PTI, अगस्त 2025)। https://www.livelaw.in/news-updates/jharkhand-high-court-waterbodies-ranchi-encroachment-pollution-191438 ; https://reporterpost.in/article/jharkhand/35884/where-have-71-ponds-gone-hc-asks-ranchi-civic-body/ ; https://theprint.in/india/jharkhand-hc-orders-govt-officials-to-ensure-no-encroachment-around-water-bodies/2709482 ; https://www.newsdrum.in/national/jharkhand-hc-directs-jhalsa-to-monitor-waterbody-encroachments-9767194
- Ministry of Water Resources (2018). दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति और मैथन और पंचेत से पानी छोड़ने पर कार्यवृत्त (खोज सारांश से उद्धृत)। https://mowr.nic.in/core/Circulars/2018/Pen.%20River_08-07-2018_16.pdf
- Bharat Coking Coal Limited. पर्यावरण स्वीकृति की अनुपालन रिपोर्टें (जलाशयों के रूप में और मत्स्य पालन के लिए प्रयुक्त खदान झीलें; खोज सारांशों से उद्धृत)। https://bcclweb.in/Environment%20Clearance/Oct%2020_%20Mar21/Cluster_III_October_2020_to_March_2021.pdf
- MoHUA / CPHEEO (2019). Manual on Storm Water Drainage Systems, Part A (§8.5).
- Urban Development and Housing Department, Government of Jharkhand (2016). Jharkhand Building Bye-laws, 2016, Jharkhand Municipal Act 2011 की धारा 434 के अंतर्गत 5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006: उपविधि 1.2, 2.2, 23, 30, 31, 41.12, 42.1, 48, 51, 58.6, 59, 72 और 74 (udhd.jharkhand.gov.in की Internet Archive प्रति से पढ़ी गई)। http://web.archive.org/web/20190426093550id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL06042016060406PM.pdf
- Urban Development and Housing Department, Government of Jharkhand. Jharkhand Building (Amendment) Bye-laws, 2017, 15 मई 2017 की संख्या 3141 (मद 44, उपविधि 58.6.15); (IInd Amendment) Bye-laws, 2017, 17 अगस्त 2017 की संख्या 5326; (Vth Amendment) Bye-laws, 2019, 6 जून 2019 की संख्या 2269; (VIth Amendment) Bye-laws, 2019 (Internet Archive की प्रतियों से पढ़े गए)। http://web.archive.org/web/20171220065834id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?

id=BL03102017031020PM.pdf ; http://web.archive.org/web/20171220070511id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL03102017041042PM.pdf ; http://web.archive.org/web/20220718120253id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL07062019100639AM.pdf

- Jharkhand Building (Xth Amendment) Bye-laws, 2024 और (XIth Amendment) Bye-laws, 2026 के सारांश (TeamLease RegTech; पाठ पढ़े नहीं गए)। https://teamleaseregtech.com/updates/article/30836/jharkhand-building-xth-amendment-bye-laws-2024/ ; https://teamleaseregtech.com/updates/article/55742/jharkhand-building-xith-amendment-bye-laws-2026/
- Urban Development and Housing Department, Government of Jharkhand (2015). Approval of the Ranchi Master Plan 2037, 30 नवंबर 2015 की अधिसूचना संख्या 02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008-4371, शर्त 2.9 (हिन्दी में)। http://web.archive.org/web/20220527111932id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/MP_Notification_4371%20dt-30-11-15.pdf
- Comptroller and Auditor General of India (2023). Report No. 1 of 2023, Government of Jharkhand (Performance and Compliance Audit for the year ended 31 March 2021), Chapter 3, Sewerage and Drainage System in Ranchi city, और Chapter 4, Rejuvenation and Conservation of the Harmu River। https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/7-Chapter-3-064ccf54aaea3b2.74931941.pdf ; https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/8-Chapter-4-064ccf54ab201d9.52401481.pdf
- Comptroller and Auditor General of India (2017). Annual Technical Inspection Report on Local Bodies for the year ended 31 March 2016, Government of Jharkhand, Chapter 4। https://www.cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2017/Chapter_4_Performance_Audit_-_Urban_Local_Bodies_of_Annual_Technical_Inspection_Report_of_2017_-_Local_Bodies_Government_of_Jharkhand.pdf
- Comptroller and Auditor General of India (2019). Report No. 12 of 2019, Assessment of environmental impact due to mining activities and its mitigation in Coal India Limited and its subsidiaries, Chapter 5। https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2019/Chapter_5_Water_Pollution_and_Control_Measures_of_Report_No_12_of_2019_Assessment_of_Environmental_Impact_due_to_Mining_Activities_and_its_Mitigation_in_Coal_India_Limited_and_its_S.pdf
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change. एक कोयला खदान के लिए 13 अगस्त 2024 की पर्यावरण स्वीकृति (फाइल संख्या J-11015/72/2016-IA.II(M)), गारलैंड ड्रेनों और अवसादन संपों पर कोयला क्षेत्र की शर्तों के मानक पाठ के रूप में प्रयुक्त; झारखंड की खदान नहीं। https://mahagenco.in/Content/File_pdf/EnvClearance/2.EC_Gare%20Palma%20Sector%20II%20Coal%20Mine%20Project_13.08.2024.pdf
- Coal Mines Regulations, 2017, regulation 149, Danger from surface water (खोज अंशों से उद्धृत; राजपत्र का पाठ पढ़ा नहीं गया) [TBC]।
- NGT O.A. 145/2023 (EZ), *Tribunal on its own motion v. State of Jharkhand* में अंतर्वर्ती आवेदन (Interlocutory Application) संख्या 56 of 2024 (जमशेदपुर में स्वर्णरेखा पर 14 मार्च 2024 की संयुक्त समिति रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए)। https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1724385258.pdf
- State of Jharkhand. NGT O.A. 200/2014, *M.C. Mehta v. Union of India* में तिमाही प्रगति रिपोर्ट (साहिबगंज जिले में गंगा के डूब क्षेत्र का सीमांकन)। https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/Jharkhand%20Second%20Quarterly%20Progress%20Report%20in%20O.A.%20No.%20200%20of%202014.pdf

- Indenture of lease between the Government of Jharkhand and Tata Steel, 20 अगस्त 2005 (तृतीय-पक्ष प्रति)। https://saryuroy.in/hindi/pdf/facts/tata_lease_jhar_govt_20_08_2005.pdf
- जमशेदपुर के लिए 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना और झारखंड उच्च न्यायालय में PIL 2636/2024 पर रिपोर्टें (Avenue Mail, 6 सितंबर 2024)। https://avenuemail.in/high-court-scrutinizes-industrial-town-notification-for-jamshedpur/
- Jharkhand Urban Water Conservation and Drinking Water Regulatory Authority Act, 2016 (Jharkhand Act 04 of 2017) (PRS प्रति)। https://prsindia.org/files/bills_acts/acts_states/jharkhand/2017/Jharkhand%20Act%20No.%204,%202017.pdf
- रांची नगर निगम (2016) और राज्य (2017) के वर्षा जल संचयन विनियमनों पर रिपोर्टें (Swarajya, 2019; Down To Earth, 4 मई 2026)। https://swarajyamag.com/infrastructure/what-ranchi-wants-its-residents-to-do-to-keep-dry-days-away ; https://www.downtoearth.org.in/water/an-urban-water-emergency-warrants-that-the-jharkhand-rain-water-harvesting-regulation-2017-must-now-become-a-civic-movement
- Central Ground Water Board. Ground Water Year Book Jharkhand 2019-20; Ground Water Information Booklet, Ranchi District (2013) (Internet Archive की प्रतियों से पढ़ी गई); Dynamic Ground Water Resources of Jharkhand, 2023, NGT O.A. 694/2023 में झारखंड राज्य की 10 सितंबर 2024 की स्थिति रिपोर्ट में पुनः प्रस्तुत अनुलग्नक। https://cgwb.gov.in/old_website/Regions/MER/Reports/Ground%20Water%20Year%20Book%202019-20-Jharkhand.pdf ; https://www.cgwb.gov.in/old_website/District_Profile/Jharkhand/RANCHI.pdf
- Ministry of Jal Shakti (2025). 2025 के गतिशील भूजल संसाधनों पर 18 दिसंबर 2025 का लोक सभा में उत्तर (Press Information Bureau)। https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2206073
- झरिया कोयला क्षेत्र के ऊपर भू-धंसान पर सार (EGU General Assembly 2020 और 2021, प्रकाशित खबरों के अनुसार उद्धृत)। https://meetingorganizer.copernicus.org/EGU2020/EGU2020-21118.html
- India Meteorological Department (2011). *Climate of Jharkhand* (जिलेवार 24 घंटों में सबसे भारी वर्षा)। https://imdpune.gov.in/library/public/Cimate%20of%20Jharkhand.pdf
- जुलाई 2017, जुलाई 2021, अगस्त 2022 और जून 2025 की रांची की बाढ़ों, जून 2008, मई 2021 (चक्रवात यास) और जुलाई 2025 की जमशेदपुर की बाढ़ों, 2019, 2025 और 2026 में साहिबगंज पर गंगा, अगस्त 2024 में मैथन, और सितंबर 2024 में DVC और तेनुघाट से छोड़े गए पानी पर रिपोर्टें। https://www.pressreader.com/india/hindustan-times-lucknow/20170727/282024737331467 ; https://obeta.ttef.in/jharkhand/rain-fury-ranchi-flooded-3-die-as-car-plunges-into-rivulet-in-jamtara/cid/1824692 ; https://bsppd.business-standard.com/amp/article/current-affairs/3-die-as-heavy-rain-with-wind-lashes-jharkhand-effects-normal-life-122082000997_1.html ; https://www.theweek.in/wire-updates/national/2025/06/24/ces1-jh-rain-damage.html ; https://www.oneindia.com/2008/06/18/flood-like-situation-in-steel-city-zoo-crocodiles-missing-1213792786.html ; https://avenuemail.in/cyclone-yaas-rivers-flow-on-danger-mark-in-jamshedpur-ndrf-teams-carry-rescue-operation-city-records-108-mm-rainfall/ ; https://theprint.in/india/subarnarekha-kharkai-rivers-flowing-above-danger-level-in-jharkhands-east-singhbhum/2703460 ; https://www.uniindia.com/east-india/flood-jharkhand-sahibganj-ganga/176490 ; https://www.devdiscourse.com/article/law-order/3092176-flood-management-efforts-intensify-as-dvc-and-tenughat-dam-release-contribute-to-widespread-flooding-in-damodar-valley
- Bureau of Indian Standards. IS 456:2000 Plain and Reinforced Concrete — Code of Practice.
- Government of India. Dam Safety Act, 2021.
- Chow, V.T., Maidment, D.R. and Mays, L.W. (1988). *Applied Hydrology*. McGraw-Hill (AMC रूपांतरण)।

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय-वस्तु
4A	बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों की सीमाएँ (GIS); उथले भूजल के जोन का मानचित्र
4B	टियर B तालिकाएँ: PSD और SSR (तालिका 4.3), प्रतिधारण क्रेडिट गुणक C_R, मानक आउटलेट आकार; पुष्ट नियत निकास गुणांक (तालिका 4.3A)
4C	पूर्ण रूटिंग तालिकाओं सहित हल किया गया उदाहरण (टियर A)
प्रपत्र 4-1	साइट अपवाह नियंत्रण रिपोर्ट
प्रपत्र 4-2	टियर B साइट पत्रक
प्रपत्र 4-3	नियत-गुणांक मार्ग पत्रक (खंड 4.14.3 से 4.14.7)

अध्याय 5

अनुप्रवाह और टेलवाटर विश्लेषण

5.1 प्रयोजन और विस्तार

5.1.1 यह अध्याय दो जाँचें निर्धारित करता है, जिन्हें प्रत्येक विनियमित विकास और प्रत्येक सार्वजनिक जल निकासी परियोजना को उत्तीर्ण करना होगा।

- **अनुप्रवाह विश्लेषण** (downstream analysis; खंड 5.3 से 5.5) यह पुष्टि करता है कि परियोजना अपने आउटफॉल के नीचे बाढ़ की स्थिति को और खराब नहीं करती।
- **टेलवाटर विश्लेषण** (tailwater analysis; खंड 5.6 से 5.13) वह जल स्तर निर्धारित करता है जिसमें प्रणाली पानी छोड़ती है, जिसमें ज्वार-भाटा, तूफानी महोर्मि, समुद्र स्तर वृद्धि, नदी का पश्चजल और रेत अवरोध से मुख का बंद होना सम्मिलित है। यह यह भी अपेक्षा करता है कि आउटफॉल बंद होने पर भी प्रणाली काम करती रहे।

5.1.2 यह अध्याय निम्नलिखित पर लागू होता है:

- (a) प्रत्येक साइट, जिस पर अध्याय 4 लागू होता है;
- (b) अध्याय 6 के अंतर्गत लघु प्रणाली और प्रमुख प्रणाली की प्रत्येक जल निकासी परियोजना; और
- (c) खंड 4.13 और अध्याय 7 के अंतर्गत प्रत्येक क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण या तालाब पुनर्स्थापन परियोजना।

5.1.3 वर्षा और संयुक्त घटना (joint occurrence) संबंधी इनपुट अध्याय 2 से, विशेष रूप से खंड 2.5.3 और 2.12 से, लिए जाते हैं। जलवैज्ञानिक विधियाँ अध्याय 3 से ली जाती हैं। साइट के निकास मानदंड अध्याय 4 से लिए जाते हैं। गेटों, पुलियों और पंपों का हाइड्रोलिक डिजाइन अध्याय 9 के अनुसार होता है।

5.1.4 **झारखंड में कोई ज्वारीय आउटफॉल नहीं.** झारखंड भू-आबद्ध (landlocked) है: यहाँ न कोई तट है, न ज्वार-भाटा और न कोई तटीय विनियमन क्षेत्र। बंगाल की खाड़ी का कोई चक्रवात राज्य में केवल वर्षा के रूप में पहुँचता है, जैसे मई 2021 में चक्रवात यास पहुँचा, और उस वर्षा पर अध्याय 2 में विचार किया जाता है, ज्वारीय या महोर्मि स्तर के रूप में नहीं। राज्य का कोई भी आउटफॉल समुद्र, किसी ज्वारीय खाड़ी (tidal creek) या ज्वारनदमुख (estuary) में पानी नहीं छोड़ता, इसलिए इस अध्याय के वे प्रावधान जो ज्वार-भाटा, तूफानी महोर्मि, समुद्र स्तर वृद्धि या नदी मुख पर निर्भर हैं, झारखंड में लागू नहीं होते: खंड 5.7 और परिशिष्ट 5A, तालिका 5.2 की स्थितियाँ J1 से J3, खंड 5.10.3 की ज्वारीय अवरोध अवधियाँ, खंड 5.11.3(a) की समुद्री जल संबंधी अपेक्षा (गेट और सीट फिर भी संक्षारण-रोधी सामग्री के बनाए जाएँगे), और खंड 5.13। इन्हें इसलिए रखा गया है कि इस मैनुअल की खंड संख्याएँ इसके अन्य राज्य संस्करणों से मेल खाएँ। झारखंड में प्राप्तकर्ता जलाशय (receiving water) तीन में से किसी एक प्रकार का होता है: कोई नदी, जिस तक सीधे, किसी किनारे या तटबंध में लगे गेट के माध्यम से, या किसी पंपिंग स्टेशन के माध्यम से पहुँचा जाता है, और जिसका स्तर प्रायः प्रतिप्रवाह की ओर के किसी डैम से छोड़े गए पानी से निर्धारित होता है, जैसे जमशेदपुर में स्वर्णरेखा और खरकई पर और तेनुघाट और DVC के डैमों के नीचे दामोदर और बराकर पर, या साहिबगंज में गंगा से; अपने पूर्ण स्तर पर रखा गया कोई जलाशय, डैम या तालाब (talab), जैसे रांची में गेतलसूद, कांके और हटिया (धुर्वा) जलाशय और बड़ा तालाब, जमशेदपुर में डिमना झील, DVC के जलाशय और धनबाद के तालाब; या, कोयला क्षेत्रों में, कोई खदान का गड्ढा या खदान झील, जो तब तक डिजाइन आउटफॉल है ही नहीं जब तक उसके पट्टाधारी और DGMS सहमत न हों और उसके स्तर और अतिप्रवाह (spill) का सर्वेक्षण न हुआ हो; और:

- (a) इसका टेलवाटर खंड 5.6 और 5.8 द्वारा, जिसमें खंड 5.8.5 सम्मिलित है, निर्धारित होता है;

- (b) जहाँ खंड 5.10 से 5.12, प्रपत्र 5-1 या अध्याय 6 में J1 टेलवाटर या J1 ज्वारीय वक्र का उल्लेख है, वहाँ खंड 5.6.2 या 5.8.5 का लघु प्रणाली टेलवाटर लागू होता है, और जहाँ प्राप्तकर्ता स्तर बदलता है वहाँ समय-शृंखला के रूप में; जहाँ J2 टेलवाटर या HAT + महोर्मि + SLA का उल्लेख है, वहाँ प्रमुख प्रणाली टेलवाटर लागू होता है: खंड 5.8.4(b) का डिजाइन-AEP नदी स्तर, या खंड 5.8.5 का प्रमुख प्रणाली टेलवाटर, इनमें से जो भी आउटफॉल पर अधिक हो; और
- (c) खंड 5.10 की आउटफॉल-बंद जाँच (outfall-closed check) वहाँ लागू होती है जहाँ कोई आउटफॉल किसी नदी, किसी जलाशय, डैम या तालाब, किसी खदान के गड्ढे या किसी प्राप्तकर्ता ड्रेन द्वारा बंद हो जाता है, और ज्वारीय अवरोध अवधियों के स्थान पर खंड 5.8.5(a) का नदी अवरोध (river lock) और खंड 5.8.5(b), (d) और (f) के अनुसार बंद होना लागू होता है।

भाष्य. झारखंड के नगरों की ड्रेनें ऐसे स्थानों पर विफल होती हैं जिन्हें साइट डिजाइन नहीं देखता, और तीन अलग-अलग तरीकों से। पहला है डैम के नीचे की नदी। जमशेदपुर स्वर्णरेखा और खरकई के संगम पर बसा है; स्वर्णरेखा रांची से गेतलसूद और चांडिल डैमों के पास से होकर नीचे आती है, और खरकई ओडिशा के मयूरभंज में ऐसे डैमों के नीचे से निकलती है जिनका प्रचालन राज्य नहीं करता; जून 2008 में खरकई डैम के गेट खोले जाने के बाद दोनों नदियाँ अपने खतरे के निशानों से ऊपर चढ़ गईं और 500 से अधिक घरों के जलमग्न होने की खबर थी (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। बोकारो, चास और बेरमो तेनुघाट और कोनार डैमों के नीचे दामोदर पर बसे हैं, और धनबाद DVC के मैथन और पंचेत जलाशयों के बीच, जिनका संयुक्त निकास 17 सितंबर 2024 को लगभग 2.5 लाख क्यूसेक के चरम पर पहुँचा (प्रकाशित खबरों के अनुसार); उस दिन दामोदर, बराकर और उत्तरी कोयल पर CWC के गेज अपने खतरे के स्तरों से ऊपर थे (CWC)। साहिबगंज और राजमहल की जल निकासी गंगा में होती है, जो 9 से 31 अगस्त 2021 के बीच बताए गए पाठ्यांकों के अनुसार साहिबगंज पर अपने खतरे के स्तर से ऊपर थी (CWC बुलेटिन, उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में)। दूसरा है जलाशय या तालाब (talab)। रांची के नाले गेतलसूद डैम के नीचे स्वर्णरेखा में, शहर को जल आपूर्ति करने वाले कांके और हटिया (धुर्वा) जलाशयों में, या बड़ा तालाब में समाप्त होते हैं, और धनबाद की जल निकासी परियोजना अपने 94 आउटफॉलों में से 19 तालाबों में भेजती है (JUIDCO, 2017); अपने पूर्ण स्तर पर कोई जलाशय या तालाब उसमें समाप्त होने वाली हर ड्रेन को रोक देता है। तीसरा इस मैनुअल के संस्करणों में केवल झारखंड का है: झरिया, बोकारो, रामगढ़ और कर्णपुरा (Karanpura) कोयला क्षेत्रों में कोई ड्रेन किसी ऐसे खदान के गड्ढे, खदान झील या भू-धंसान गर्त में समाप्त हो सकती है जिसके स्तर, अतिप्रवाह और स्थिरता का किसी ने सर्वेक्षण नहीं किया है, या किसी चालू खदान की ओर बह सकती है। आउटफॉल भी एक निकाय के होते हैं, जबकि उनके ऊपर की ड्रेनें अन्य निकायों की: नदियाँ और राज्य के डैम WRD के पास हैं, DVC के जलाशय DVC के पास, ड्रेनें नगरपालिका निकायों, JUIDCO, RRDA, जमशेदपुर के नागरिक निकाय या Tata Steel UISL के पास, और खदान के गड्ढे और खदान की ड्रेनें कोयला कंपनियों के पास, और कोई नियम उनका विभाजन नहीं करता (अध्याय 6, खंड 6.9)। शोध के दौरान मिला कोई भी दस्तावेज राज्य में किसी नदी, जलाशय या खदान के गड्ढे वाले आउटफॉल के लिए डिजाइन स्तर निर्धारित नहीं करता। अध्याय 4 की हर निकास दर पूरी करने वाला अस्थायी भंडारण बेसिन भी विफल हो जाता है यदि वह नदी, जिसमें उसकी निकासी होती है, कई दिनों तक उसके आउटफॉल से ऊपर रहे, यदि जलाशय या तालाब भरा हो, या यदि वह खदान का गड्ढा, जिसमें वह समाप्त होता है, बिना निकास का हो। यह अध्याय इन तीनों विफलता प्रकारों को डिजाइन का भाग बनाता है। झारखंड में कोई ज्वारीय आउटफॉल नहीं है, इसलिए खंड 5.1.4 बताता है कि अध्याय के कौन-से तटीय प्रावधान हट जाते हैं और उनका स्थान क्या लेता है।

5.2 परिभाषाएँ

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
विश्लेषण बिंदु (analysis point)	अनुप्रवाह प्रणाली पर वह स्थान जहाँ परियोजना-पूर्व और परियोजना-पश्चात स्थितियों की तुलना की जाती है (खंड 5.3.3)।

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
योगदान देने वाला जलग्रहण क्षेत्र (contributing catchment)	किसी विश्लेषण बिंदु की ओर जल निकासी करने वाला संपूर्ण क्षेत्र, साइट पर और साइट के बाहर।
प्रमुख ड्रेन (major drain)	बेसिन प्लान या परिशिष्ट 5B में प्रमुख ड्रेन के रूप में सूचीबद्ध कोई चैनल, या कोई नदी, WRD की नहर, रांची की हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto) और हिनू और अरगोड़ा नाला और उनसे मिलने वाले अन्य नाले, JUIDCO द्वारा पुनर्निर्मित हरमू चैनल, धनबाद की कतरी, जमुनिया और खुदिया और दामोदर की ओर बहने वाली अन्य प्राकृतिक ड्रेनें, बोकारो में गरगा, जमशेदपुर, आदित्यपुर, मानगो और जुगसलाई के वे नाले जो स्वर्णरेखा और खरकई की ओर बहते हैं, JUIDCO, किसी नगर निगम, किसी नगर परिषद, किसी नगर पंचायत, RRDA, MADA, किसी औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार, जमशेदपुर के नागरिक निकाय या Tata Steel UISL द्वारा निर्मित या धारित कोई ड्रेन जिसकी भीतरी चौड़ाई 1.0 m या अधिक हो, किसी खदान की गारलैंड ड्रेनें और मोड़ चैनल, या कोई ज्वारीय खाड़ी।
चार्ट डेटम (CD)	प्रकाशित ज्वार सारणियों और नौवहन चार्टों का डेटम, जिसके सापेक्ष ज्वारीय ऊँचाइयाँ दी जाती हैं।
माध्य समुद्र तल (MSL)	किसी ज्वार गेज पर लंबी अवधि का औसत समुद्र तल।
MHWS	वृहत् ज्वार का औसत उच्च जल स्तर: वृहत् ज्वारों के समय उच्च जल स्तरों का औसत।
HAT	उच्चतम खगोलीय ज्वार: पूर्ण ज्वारीय चक्र (18.6 वर्ष) में औसत मौसमी परिस्थितियों में पूर्वानुमानित उच्चतम स्तर।
तूफानी महोर्मि (storm surge)	मुख्यतः चक्रवातों के दौरान हवा और कम दबाव के कारण खगोलीय ज्वार से ऊपर समुद्र तल में होने वाली वृद्धि।
स्थिर जल स्तर (still-water level)	खगोलीय ज्वार और महोर्मि का योग, अलग-अलग लहरों को छोड़कर।
समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई (SLA)	डिजाइन आयु के दौरान समुद्र स्तर वृद्धि के लिए वर्तमान ज्वारीय स्तरों में जोड़ा जाने वाला अतिरिक्त प्रावधान (खंड 5.7.4)।
टेलवाटर (tailwater)	किसी ड्रेन, आउटलेट या भंडारण के अनुप्रवाह सिरे पर जल स्तर।
ज्वार-अवरोध (tide-lock)	वह स्थिति जिसमें टेलवाटर प्रतिप्रवाह जल स्तर के बराबर या उससे ऊपर होता है, जिससे गुरुत्व आउटफॉल पानी नहीं छोड़ सकता।
अवरोध अवधि (lock window)	वह अवधि जिसके दौरान खंड 5.10 की आउटफॉल-बंद जाँच गुरुत्व निकास को शून्य मानती है।
रेत अवरोध (sand bar)	समुद्र तट की रेत का अवरोध, जो किसी नदी मुख या खाड़ी के प्रवेश को आंशिक या पूर्ण रूप से बंद कर देता है।
परियोजना डेटम (project datum)	परियोजना के नक्शों में प्रयुक्त समतलन डेटम। इसे भारतीय सर्वेक्षण विभाग के किसी बेंचमार्क से जोड़ा जाना होगा (खंड 5.7.2)।

5.3 अनुप्रवाह विश्लेषण का विस्तार

5.3.1 अनुप्रवाह विश्लेषण प्रत्येक साइट या परियोजना के आउटफॉल से आरंभ किया जाएगा। यह अनुप्रवाह की ओर निम्नलिखित में से **पहले** बिंदु तक जारी रखा जाएगा:

- (a) वह बिंदु जहाँ परियोजना क्षेत्र योगदान देने वाले जलग्रहण क्षेत्र का **10% या उससे कम** हो;
- (b) सरप्लस वियर या नियंत्रित आउटलेट वाला अगला **तालाब (tank), तालाब (talab)** या अन्य जलाशय; या
- (c) अगली **प्रमुख ड्रेन**, या समुद्र।

अंतिम बिंदु का भी विश्लेषण किया जाएगा (चित्र 5.1)।

5.3.2 जहाँ विश्लेषण 5.3.1(b) के अंतर्गत किसी तालाब (tank) या तालाब (talab) पर समाप्त होता है, वहाँ उसमें खंड 5.4.3 की AEP और अवधियों के लिए निम्नलिखित की रिपोर्ट दी जाएगी:

- तालाब के अधिकतम जल स्तर में परिवर्तन; और
- सरप्लस वियर की प्रवाह दर में परिवर्तन।

यदि अधिकतम जल स्तर बढ़ता है, तो विश्लेषण सरप्लस वियर के नीचे अगले अंतिम बिंदु तक जारी रखा जाएगा।

5.3.3 विश्लेषण बिंदु कम से कम निम्नलिखित स्थानों पर रखे जाएँगे:

- (a) साइट का प्रत्येक आउटफॉल;
- (b) किसी ड्रेन या चैनल के साथ प्रत्येक संगम, जिसका योगदान देने वाला जलग्रहण क्षेत्र उस बिंदु पर प्राप्तकर्ता ड्रेन के जलग्रहण क्षेत्र का कम से कम आधा हो;
- (c) प्रत्येक पुलिया, पुल या सड़क क्रॉसिंग;
- (d) स्थानीय निकाय, RMC, JSDMA या WRD द्वारा बाढ़-प्रवण के रूप में दर्ज प्रत्येक स्थान; और
- (e) मार्ग के साथ 1% AEP बाढ़ के विस्तार के भीतर स्थित प्रत्येक भवन या सड़क खंड। जहाँ भवन पास-पास हों, वहाँ प्रतिनिधि बिंदु प्रयुक्त किए जा सकते हैं।

5.3.4 **छोटी साइटें. 0.5 ha** से कम क्षेत्र की साइटों के लिए, प्राधिकारी पूर्ण विश्लेषण के स्थान पर सरलीकृत अनुप्रवाह विवरण (प्रपत्र 5-2) स्वीकार कर सकता है, जहाँ निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी होती हों:

- प्राप्तकर्ता सार्वजनिक ड्रेन की अपने लघु प्रणाली डिजाइन प्रवाह के लिए दस्तावेजित क्षमता हो (अध्याय 6);
- अनुप्रवाह की ओर 500 m के भीतर कोई बाढ़-प्रवण स्थान दर्ज न हो; और
- साइट किसी ज्वारीय या पश्चजल-प्रभावित आउटफॉल में जल निकासी न करती हो।

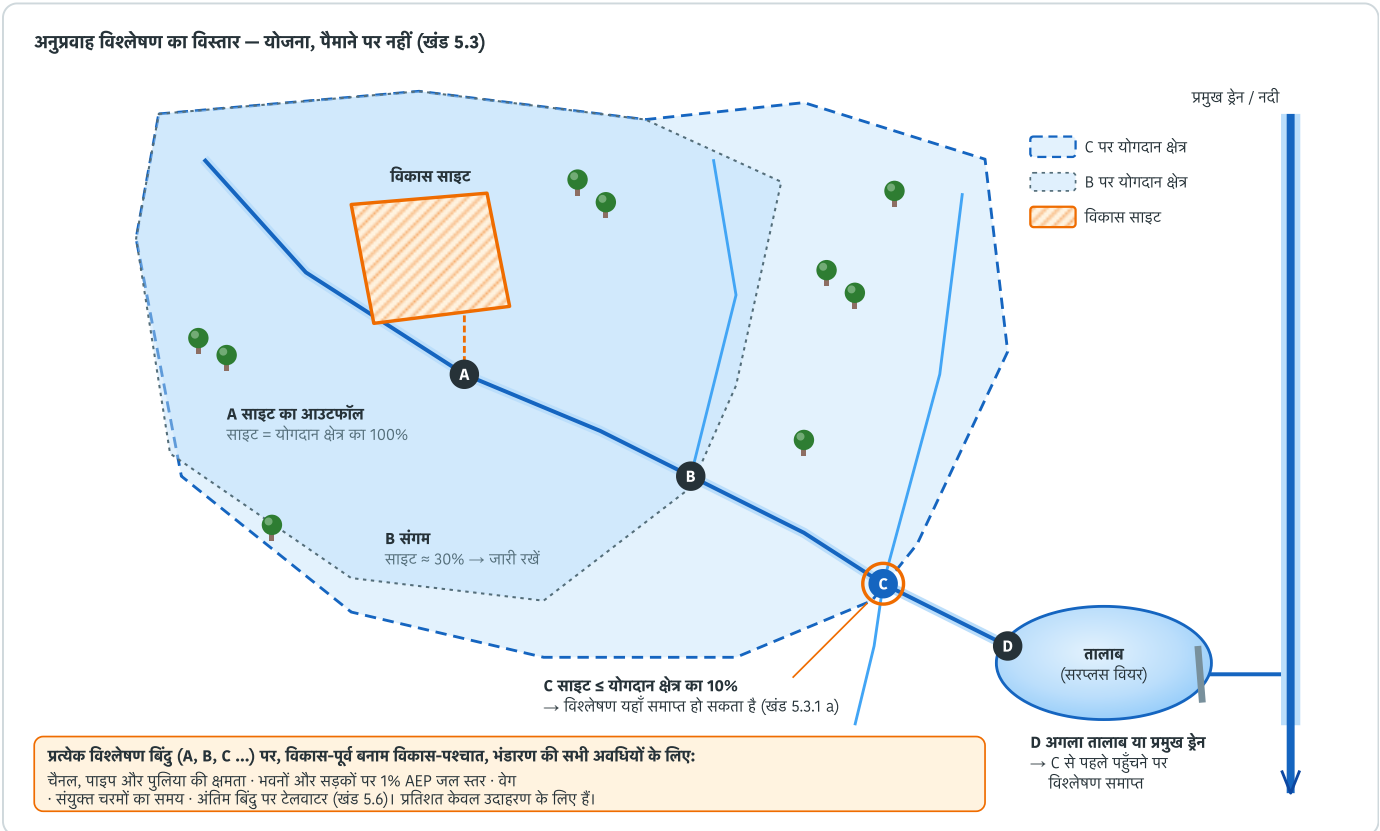

चित्र 5.1 — अनुप्रवाह विश्लेषण का विस्तार: विश्लेषण बिंदु A–D, प्रत्येक बिंदु पर योगदान देने वाला क्षेत्र, 10% बिंदु, और वैकल्पिक अंतिम बिंदु के रूप में अगला तालाब (talab) या प्रमुख ड्रेन। योजनाबद्ध; प्रतिशत केवल उदाहरण के लिए हैं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, Georgia Stormwater Management Manual (2016, Vol. 2 §3.1.9) और KC APWA Section 5600 (2006, 5601.5) के दस-प्रतिशत नियम पर आधारित।

> **भाष्य.** 10% नियम का स्थापित पूर्व-उदाहरण है। KC APWA 5600 (2006) में अपेक्षा थी कि अनुप्रवाह प्रणाली का विश्लेषण "उस बिंदु तक किया जाए जहाँ विकास का भूभाग कुल जलसंभर के 10% से कम हो" ("to the point the development's land mass is less than 10% of the total watershed")। जॉर्जिया मैनुअल दस-प्रतिशत विश्लेषण को एक अनिवार्य मानक बनाता है (GSMM 2016, Standard #8)। तालाब या प्रमुख ड्रेन वाले अंतिम बिंदु का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे झारखंड के लिए जोड़ता है। रांची में, जहाँ हरमू 22.59 km² के जलग्रहण क्षेत्र से लगभग 17.8 km बहकर, जिसमें से 10.4 km शहर से होकर, स्वर्णरेखा तक जाती है (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1), जहाँ जुमार, पोटपोटो (Potpoto) और हिनू भी स्वर्णरेखा तक जाती हैं, और कांके और हटिया (धुर्वा) जलाशयों के ऊपर के आउटफॉल जलाशय में समाप्त होते हैं, और धनबाद में, जहाँ शहर की वर्षा जल परियोजना की ड्रेनों के 94 आउटफॉल हैं, जिनमें से 19 तालाबों में, 40 पुलियों में और 26 नदियों या ड्रेनों में हैं, और छह प्रमुख प्राकृतिक ड्रेनें कोयला क्षेत्र से होकर दामोदर और खुदिया तक जाती हैं (JUIDCO, 2017), 10% बिंदु कई तालाबों को पार करते हुए अनुप्रवाह की ओर कई किलोमीटर दूर हो सकता है। कार्यशील सरप्लस वियर वाला तालाब हाइड्रोग्राफ को पूरी तरह बदल देता है, इसलिए विश्लेषण को वहीं समाप्त करना और तालाब का स्तर रिपोर्ट करना बेहतर है। खंड 5.3.2 यह सुनिश्चित करता है कि वह अंतिम बिंदु तालाब के स्तर में वृद्धि को छिपा न सके। छोटी साइट के विवरण (5.3.4) और उसकी 500 m की दूरी का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

5.4 विश्लेषण में क्या जाँचना होगा

5.4.1 **परिदृश्य.** प्रत्येक विश्लेषण में निम्नलिखित की तुलना की जाएगी:

- (a) **विद्यमान**: संपूर्ण योगदान देने वाले जलग्रहण क्षेत्र की वर्तमान अनुप्रवाह प्रणाली और वर्तमान भूमि उपयोग, और परियोजना साइट अपनी परियोजना-पूर्व स्थिति में; और
- (b) **परियोजना सहित**: वही स्थिति, जिसमें परियोजना और उसके सभी नियंत्रण (अध्याय 4) विद्यमान हों।

जहाँ प्राधिकारी का बेसिन प्लान भविष्य का भूमि उपयोग परिभाषित करता है, वहाँ प्राधिकारी निम्नलिखित की भी अपेक्षा कर सकता है:

- (c) **भविष्य**: प्लान के अनुसार पूर्णतः विकसित जलग्रहण क्षेत्र, सब कुछ अध्याय 4 के मानकों के अनुसार, परियोजना सहित और परियोजना के बिना।

5.4.2 **प्रत्येक विश्लेषण बिंदु पर जाँची जाने वाली मात्राएँ:**

- (a) **क्षमता**: प्रत्येक चैनल, पाइप, पुलिया और क्रॉसिंग की क्षमता की तुलना में चरम प्रवाह, उस तत्व की लघु प्रणाली AEP (अध्याय 6) के लिए और 1% AEP के लिए;
- (b) **बाढ़ जल स्तर**: भवनों पर (सबसे निचले खुले भाग पर) और सड़कों पर (शीर्ष पर और सबसे गहरे बिंदु पर) 1% AEP का अधिकतम जल स्तर;
- (c) **वेग**: 50%, 10% और 1% AEP के लिए चरम वेग;
- (d) **संयुक्त चरमों का समय**: प्रत्येक संगम पर हाइड्रोग्राफ, जिसमें परियोजना के बहिर्वाह और प्राप्तकर्ता ड्रेन के चरम तक समय दर्शाया गया हो; और
- (e) **जलमग्नता की अवधि**: सड़कों पर और भवनों पर, अध्याय 6 की गहराई सीमाओं से ऊपर पानी रहने का समय।

5.4.3 **वर्षा घटनाएँ.** विश्लेषण में निम्नलिखित का उपयोग किया जाएगा:

- 50%, 10% और 1% AEP;
- खंड 2.5.2 की अवधियों का समूह, कम से कम वे अवधियाँ जो प्रत्येक विश्लेषण बिंदु पर उच्चतम स्तर देती हैं (ये सामान्यतः साइट की तुलना में लंबी होंगी); और
- प्रत्येक स्थिति में 24, 48 और 72 घंटे की वर्षा घटनाएँ।

खंड 2.11.4 का AMC नियम लागू होता है। क्षेत्रीय न्यूनीकरण खंड 2.7 के अनुसार होता है, जो प्रत्येक विश्लेषण बिंदु पर योगदान देने वाले जलग्रहण क्षेत्र पर लागू किया जाता है और साइट भंडारण पर कभी नहीं।

5.4.4 **विधि.** विश्लेषण में:

- ऐसी हाइड्रोग्राफ विधि का उपयोग किया जाएगा जो संगमों पर हाइड्रोग्राफों को जोड़ती हो (SWMM, HEC-HMS, या समतुल्य);
- जहाँ भी टेलवाटर या पश्चजल किसी विश्लेषण बिंदु को प्रभावित करता है, वहाँ पश्चजल प्रभाव सहित हाइड्रोलिक मॉडल (SWMM dynamic wave, HEC-RAS, या समतुल्य) सम्मिलित किया जाएगा; और
- किसी भी विश्लेषण बिंदु पर रेशनल विधि का उपयोग नहीं किया जाएगा, क्योंकि यह समय को प्रदर्शित नहीं कर सकती।

साइट से बाहर के क्षेत्रों का मॉडल उनके वर्तमान भूमि उपयोग पर बनाया जाएगा। प्रतिप्रवाह का अस्थायी भंडारण केवल वहीं सम्मिलित किया जाएगा जहाँ वह निर्मित, अनुरक्षित और दस्तावेजित हो।

5.4.5 **टेलवाटर.** मॉडल के अनुप्रवाह सिरे पर खंड 5.6 से 5.9 का टेलवाटर और, जहाँ लागू हो, खंड 5.13 की रेत अवरोध स्थिति का उपयोग किया जाएगा।

> **भाष्य.** खंड 5.4.2(d) इसलिए है कि अस्थायी भंडारण केवल यह नहीं बदलता कि साइट का कितना पानी पहुँचता है, बल्कि यह भी बदलता है कि वह कब पहुँचता है (खंड 4.16)। कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध-प्रबंध और *Water* (2016) के एक इष्टतमीकरण अध्ययन, दोनों ने पाया कि साइट से विलंबित निकास मुख्य धारा के चरम (main-stem peak) के साथ मिलकर उसे बढ़ा सकता है। जॉर्जिया का मैनुअल यह परिणाम सीधे बताता है: कुछ संरचनात्मक पद्धतियाँ "अनुप्रवाह की ओर चरम प्रवाह दरों को विकास-पूर्व स्तर तक कम करने में विफल रहती हैं" ("fail to reduce discharge peaks to pre-development levels downstream") क्योंकि "चरम प्रवाह के समय और अपवाह आयतन के प्रभाव" ("peak flow timing and runoff volume effects") होते हैं (GSMM 2016)। जलमग्नता की अवधि की जाँच (5.4.2(e)) झारखंड के नदी-तटीय नगरों में महत्वपूर्ण है, जिनके आउटफॉल डैमों से छोड़े गए पानी या गंगा द्वारा ऊँची रखी गई नदियों के स्तरों से नीचे हैं: 17 सितंबर 2024 को, जब मैथन और पंचेत से DVC का संयुक्त निकास लगभग 2.5 लाख क्यूसेक के चरम पर था (प्रकाशित खबरों के अनुसार), पुपुनकी और हेंदेगीर पर दामोदर, बरकीसुरैया (Barkisuriya) और नंदाडीह पर बराकर, डालटनगंज पर उत्तरी कोयल और जपला पर सोन के CWC गेज, सभी अपने खतरे के स्तरों से ऊपर थे (CWC, दैनिक बाढ़ स्थिति रिपोर्ट); साहिबगंज पर 9 से 31 अगस्त 2021 के बीच गंगा के 27.25 m के खतरे के स्तर से ऊपर 27.81–28.08 m के पाठ्यांक बताए गए (CWC बुलेटिन, उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में), और अगस्त 2025 में वहाँ लगभग 1,500 घरों में बाढ़ की खबर थी (प्रकाशित खबरों के अनुसार); और जमशेदपुर में स्वर्णरेखा और खरकई के किनारों पर बागबेड़ा, मानगो, जुगसलाई और सोनारी की निचली कॉलोनियों में जून 2008 में और फिर जुलाई और अगस्त 2025 में बाढ़ आई, जब ऊपर के डैम पानी छोड़ रहे थे (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। निकास को लंबा खींचने वाला अस्थायी भंडारण चरम को कम करते हुए भी उस समय को बढ़ा सकता है।

5.5 स्वीकार्यता मानदंड

5.5.1 परियोजना स्वीकार्य है यदि प्रत्येक विश्लेषण बिंदु पर और खंड 5.4.3 की प्रत्येक AEP और अवधि के लिए, "परियोजना सहित" की "विद्यमान" से तुलना करने पर:

- (a) किसी आवास योग्य भवन पर, किसी भवन के सबसे निचले खुले भाग पर, या किसी सड़क के कैरिजवे पर 1% AEP का अधिकतम जल स्तर **10 mm** से अधिक नहीं बढ़ता;
- (b) कोई भवन जो विद्यमान स्थिति में जलमग्न नहीं होता, परियोजना के साथ जलमग्न नहीं होता, और कोई भवन या सड़क जो विद्यमान स्थिति में अध्याय 6 की फ्रीबोर्ड या गहराई सीमाओं को पूरा करती है, उन्हें पूरा करने में विफल नहीं होती;
- (c) चरम प्रवाह प्रत्येक तत्व की लघु प्रणाली AEP पर, या 1% AEP पर, विद्यमान चरम से अधिक नहीं होता;
- (d) पक्के चैनलों में चरम वेग अस्तर के लिए अनुमेय वेग के भीतर रहता है (अध्याय 6: अधिकतम 3.0 m/s); और
- (e) कच्चे या प्राकृतिक चैनलों में, 50% और 10% AEP के लिए चरम वेग **10%** से अधिक नहीं बढ़ता, जब तक कि अध्याय 9 के अंतर्गत सुरक्षा प्रदान न की गई हो।

5.5.2 5.4.2(e) के अंतर्गत जलमग्नता की अवधि की रिपोर्ट दी जाएगी। प्राधिकारी ऐसी परियोजना को अस्वीकार कर सकता है जो किसी धमनी सड़क या आपातकालीन मार्ग के बंद रहने की अवधि को बढ़ाती है।

5.5.3 **जहाँ मानदंड पूरे नहीं होते**, वहाँ परियोजना निम्नलिखित में से एक या अधिक उपाय करेगी:

- (a) निकास दरें घटाना या भंडारण बढ़ाना (अध्याय 4);
- (b) अनुप्रवाह प्रणाली के स्वामी की सम्मति से अनुप्रवाह सुधार कार्य बनाना। ये समस्या को और अनुप्रवाह की ओर स्थानांतरित नहीं करेंगे, और इस अध्याय के अंतर्गत इनका पुनः विश्लेषण किया जाएगा;
- (c) खंड 4.13 के अंतर्गत किसी क्षेत्रीय सुविधा में योगदान देना; या
- (d) खंड 5.5.4 के अंतर्गत निकास की रणनीति बदलना।

5.5.4 **समय संबंधी अपवाद.** जहाँ विश्लेषण दर्शाता है कि समय के कारण अस्थायी भंडारण अनुप्रवाह स्तरों को बढ़ाता है, वहाँ प्राधिकारी खंड 4.5 के साइट निकास दर मानदंडों में परिवर्तन कर सकता है। यह केवल वहीं लागू होता है जहाँ साइट योगदान देने वाले जलग्रहण क्षेत्र के निचले दसवें भाग के भीतर, सीधे किसी प्रमुख ड्रेन, ज्वारीय खाड़ी या समुद्र में पानी छोड़ती है, और केवल निम्नलिखित शर्तों पर:

- (a) परिवर्तित रणनीति 5.5.1 को पूरा करती है;
- (b) प्रतिधारण की अपेक्षा (खंड 4.4) और WQv उपचार (अध्याय 8) पूर्ण रूप से पूरे होते हैं; और
- (c) आउटफॉल-बंद जाँच (खंड 5.10) पूरी होती है।

> **भाष्य.** 10 mm की सहनसीमा (5.5.1(a)) का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है। इसका आशय यह है कि यह किसी सामान्य एक-आयामी मॉडल की संख्यात्मक परिशुद्धता के बराबर या उससे नीचे हो, ताकि "कोई वृद्धि नहीं" की जाँच पूर्णांकन पर विवाद के बिना की जा सके। वेग की 10% सहनसीमा भी इसी प्रकार इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। 5.5.4 का समय संबंधी अपवाद जॉर्जिया मैनुअल के अनुसार है, जहाँ अनुप्रवाह विश्लेषण यह दर्शा सकता है "कि चरम नियंत्रणों की आवश्यकता नहीं है" ("that peak controls are not needed") और उन्हें छोड़ने की अनुमति दे सकता है (GSMM 2016, Standard #8)। यहाँ इसे जलग्रहण क्षेत्र के निचले भाग की साइटों तक सीमित रखा गया है, क्योंकि मुख्य धारा के चरम के साथ समकालिकता वहीं सबसे अधिक संभावित है (*Water* 2016, 8(7):290)। इससे ऊपर यह उपलब्ध नहीं है, क्योंकि पैमाने संबंधी साक्ष्य (खंड 4.16) दर्शाते हैं कि प्रतिप्रवाह की अनेक साइटों से शीघ्र निकास चरमों को बढ़ाता है।

5.6 टेलवाटर: सामान्य और गैर-ज्वारीय आउटफॉल

5.6.1 प्रत्येक ड्रेन, आउटलेट और भंडारण का डिजाइन किसी निर्दिष्ट टेलवाटर के विरुद्ध किया जाएगा। मुक्त आउटफॉल (free outfall) केवल वहीं माना जाएगा जहाँ आउटलेट का इनवर्ट जाँची जा रही स्थिति के लिए प्राप्तकर्ता जलाशय के अधिकतम जल स्तर से ऊपर हो।

5.6.2 **लघु प्रणाली टेलवाटर, गैर-ज्वारीय.** टेलवाटर, अनुप्रवाह मॉडल से प्राप्त, लघु प्रणाली के चरम के समय प्राप्तकर्ता प्रणाली का जल स्तर है। जहाँ कोई मॉडल नहीं है, वहाँ निम्नलिखित का उपयोग करें:

- प्राप्तकर्ता पाइप के लिए, उसका ऑबवर्ट; या
- प्राप्तकर्ता खुली ड्रेन के लिए, उसका पूर्ण-किनारा स्तर (full-bank level) घटा फ्रीबोर्ड (अध्याय 6)।

5.6.3 **प्रमुख प्रणाली टेलवाटर, गैर-ज्वारीय.** टेलवाटर प्राप्तकर्ता प्रणाली का 1% AEP जल स्तर है, जब तक कि खंड 5.8 किसी संयोगी निचले स्तर की अनुमति न दे।

5.6.4 **ज्वारीय और पश्चजल आउटफॉल.** खंड 5.7 से 5.13 अतिरिक्त रूप से लागू होते हैं।

5.6.5 **भंडारण तत्व.** अस्थायी भंडारण, तालाबों और पंप द्वारा खाली किए जाने वाले संपों की रूटिंग, जहाँ भी टेलवाटर ज्वार-भाटे के साथ या प्राप्तकर्ता प्रणाली के हाइड्रोग्राफ के साथ बदलता है, स्थिर स्तर के बजाय समय के साथ बदलते टेलवाटर (खंड 4.6.6) के साथ की जाएगी।

5.7 ज्वारीय टेलवाटर: डेटम, महोर्मि और समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई

5.7.1 **डिजाइन टेलवाटर स्तर.** समुद्र, ज्वारीय खाड़ियों, ज्वारनदमुखों, पश्चजलों और नदियों और नहरों के ज्वारीय भागों (reaches) में गिरने वाले आउटफॉलों के लिए:

तालिका 5.1 — ज्वारीय आउटफॉलों के लिए डिजाइन टेलवाटर स्तर

डिजाइन स्थिति	टेलवाटर
लघु प्रणाली डिजाइन (अध्याय 6)	**MHWS + SLA**
प्रमुख प्रणाली डिजाइन और भंडारण डिजाइन	**HAT + महोर्मि + SLA**, महोर्मि पद खंड 5.7.3 में परिभाषित
संयुक्त स्थिति (खंड 2.12(b))	1% AEP स्थिर जल स्तर + SLA

SLA **न्यूनतम +0.3 m** है (खंड 5.7.4)। चलाई जाने वाली स्थितियाँ खंड 5.9 में सूचीबद्ध हैं।

5.7.2 **स्रोत और डेटम.**

- (a) **ज्वारीय स्तर.** MHWS, HAT और MSL निकटतम मानक या द्वितीयक बंदरगाह के लिए राष्ट्रीय जल सर्वेक्षण कार्यालय (NHO) या भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित भारतीय ज्वार सारणियों के वर्तमान संस्करण से, या बंदरगाह प्राधिकरण के प्रकाशित ज्वारीय स्तरों से लिए जाएँगे। संस्करण और बंदरगाह का उल्लेख किया जाएगा।
- (b) **डेटम रूपांतरण.** ज्वार सारणी की ऊँचाइयाँ चार्ट डेटम के सापेक्ष होती हैं। इन्हें चार्ट डेटम, ज्वार गेज के शून्य और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के किसी बेंचमार्क के बीच दस्तावेजित संबंध के माध्यम से परियोजना डेटम में बदला जाएगा। अंतर (offset) और उसका स्रोत प्रपत्र 5-1 में बताया जाएगा।

- (c) **ज्वारनदमुख, खाड़ियाँ और नहरें.** ज्वारनदमुखों, खाड़ियों, पश्चजलों या ज्वारीय नहरों के भीतर के आउटफॉलों के लिए (उदाहरण के लिए तटीय राज्यों के ज्वारनदमुख; झारखंड में ऐसा कोई नहीं है, खंड 5.1.4), ज्वारीय स्तर खुले तट से भिन्न हो सकते हैं। खुले तट के स्तरों का उपयोग किया जाएगा, जब तक कि कम से कम एक वृहत्–लघु ज्वार चक्र (spring–neap cycle) के मापे गए स्तर, या कोई अंशांकित हाइड्रोडायनामिक मॉडल, भिन्न मान को उचित न ठहराए। ऐसे साक्ष्य के बिना खुले तट के स्तरों से कम कोई कटौती नहीं ली जाएगी।
- (d) **अंतरिम.** जब तक परिशिष्ट 5A प्रकाशित नहीं होता, तब तक डिजाइनकर्ता (a) में दिए गए स्रोतों से मान सीधे प्राप्त करेगा और उन्हें अभिलिखित करेगा।

5.7.3 **तूफानी महोर्मि.**

- (a) **प्रमुख प्रणाली और भंडारण डिजाइन.** "HAT + महोर्मि" में महोर्मि पद तटीय खंड के लिए परिशिष्ट 5A में दी गई **10% AEP (10-वर्ष) तूफानी महोर्मि** है। 1% AEP महोर्मि का उपयोग केवल खंड 2.12(b) की संयुक्त स्थिति में, 10-वर्ष की 48 घंटे की वर्षा घटना के साथ, किया जाता है। इससे दोनों स्थितियाँ सममित रहती हैं, ताकि किसी दुर्लभ वर्षा को कभी किसी दुर्लभ महोर्मि के साथ न जोड़ा जाए।
- (b) **संयुक्त स्थिति.** खंड 2.12(b) के लिए 1% AEP स्थिर जल स्तर परिशिष्ट 5A से लिया जाता है।
- (c) जब तक परिशिष्ट 5A प्रकाशित नहीं होता, तब तक दोनों मान INCOIS, IMD या NCCR के महोर्मि पश्च-अनुमानों (hindcasts) या प्रत्यावर्तन-स्तर विश्लेषणों (return-level analyses) का उपयोग करने वाले साइट-विशिष्ट अध्ययन से लिए जाएँगे। अध्ययन में उसका स्रोत, विधि और अभिलेख की अवधि बताई जाएगी।
- (d) जहाँ आउटफॉल बिना संरक्षित प्रवेश के खुले समुद्र की ओर हो, वहाँ लहर उत्थान (wave set-up) जोड़ा जाएगा।

5.7.4 **समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई.** SLA:

- (a) प्रत्येक तत्व के लिए न्यूनतम **+0.3 m** होगी;
- (b) 0.3 m से अधिक होगी जहाँ राज्य, RRDA या प्राधिकारी निवेश क्षेत्र (planning area) के लिए कोई उच्चतर प्रक्षेपण अंगीकार करता है; और
- (c) तत्व की डिजाइन आयु के लिए आँकी जाएगी। 50 वर्ष से अधिक डिजाइन आयु वाले तत्वों के लिए, डिजाइनकर्ता SLA की दोगुनी समुद्र स्तर वृद्धि के प्रभाव की रिपोर्ट संवेदनशीलता रन के रूप में देगा।

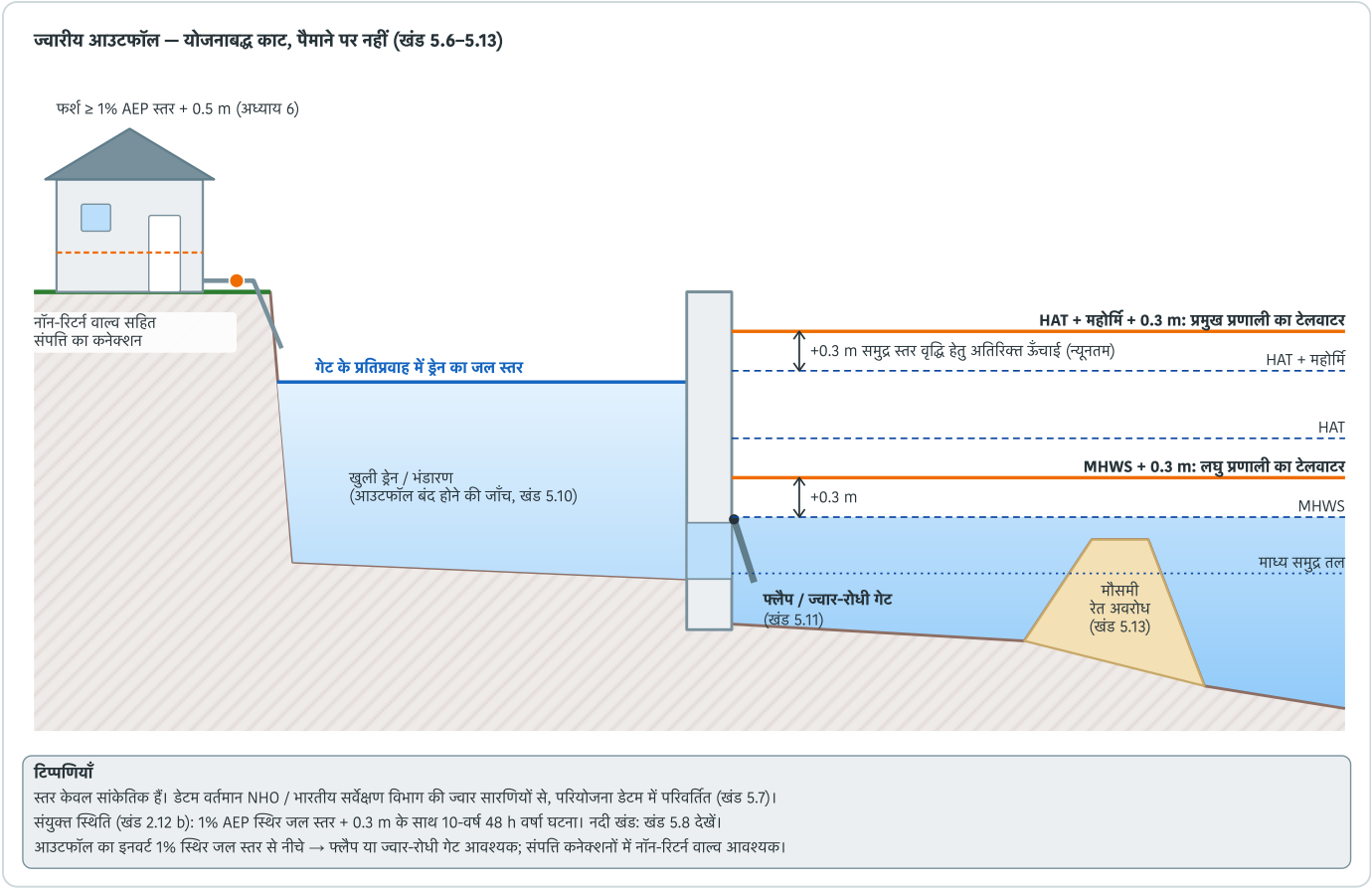

चित्र 5.2 — ज्वारीय आउटफॉल: फ्लैप गेट, संपत्ति का नॉन-रिटर्न वाल्व, और डिजाइन टेलवाटर स्तर (लघु प्रणाली के लिए MHWS + 0.3 m; प्रमुख प्रणाली के लिए HAT + महोर्मि + 0.3 m), मुख पर मौसमी रेत अवरोध के साथ। योजनाबद्ध, पैमाने पर नहीं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, MoHUA/CPHEEO Manual on Storm Water Drainage Systems (2019), Part A, Table 6.2 की ज्वारीय टेलवाटर तालिका पर आधारित।

भाष्य. CPHEEO (2019) की Table 6.2 तटीय आउटफॉलों के लिए डिजाइन टेलवाटर इस प्रकार निर्धारित करती है:

- लघु वर्षा घटना (5 वर्ष में 1 बार से अधिक बार होने वाली) के लिए MHWN से MHWS;
- प्रमुख वर्षा घटना के लिए MHWS से HAT; और
- "जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: अतिरिक्त 0.3 m" ("Effect of climate change: additional 0.3 m")।

CPHEEO यह भी कहता है कि वर्षा, ज्वार और महोर्मि की संयुक्त प्रायिकता पर, राज्य समुद्री बोर्ड से परामर्श करके, विचार किया "जाना चाहिए" ("should")। यह मैनुअल CPHEEO की प्रत्येक सीमा का ऊपरी छोर लेता है, प्रमुख प्रणाली के लिए महोर्मि जोड़ता है, और संयुक्त स्थिति को स्पष्ट बनाता है (खंड 2.12)। CPHEEO महोर्मि जोड़ने की अपेक्षा नहीं करता; यह मैनुअल इसे इसलिए जोड़ता है कि तटीय राज्यों के महोर्मि अभिलेखों ने दिखाया कि वहाँ इसकी आवश्यकता क्यों है; झारखंड का कोई तट नहीं है, और राज्य में, जहाँ बंगाल की खाड़ी का कोई चक्रवात केवल वर्षा के रूप में पहुँचता है (अध्याय 2), महोर्मि पद का प्रश्न ही नहीं उठता।

भारतीय ज्वार सारणियाँ उन्नीसवीं शताब्दी से भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित की जाती रही हैं (Survey of India, Tidal Predictions)। वर्तमान भारतीय ज्वारीय पूर्वानुमान NHO की ज्वार सारणियों में भी आते हैं। एक बंदरगाह दस्तावेज वर्तमान संस्करण को 95 भारतीय बंदरगाहों को समाविष्ट करने वाला बताता है, जो NHO के प्रेक्षणों और नागरिक बंदरगाहों, NIO तथा INCOIS के आँकड़ों पर

आधारित है (Adani Ports, Dahej tide table 2025, NHO INP-12 का हवाला देते हुए)। INCOIS तटीय ज्वार गेज चलाता है और तूफानी महोर्मि तथा स्वेल-महोर्मि (swell-surge) की चेतावनियाँ जारी करता है। इनमें से किसी का भी उपयोग झारखंड में डिजाइन के लिए नहीं होता, जिसका कोई तट नहीं है, और परिशिष्ट 5A राज्य के लिए तैयार नहीं किया गया है (खंड 5.1.4)।

5.8 नदी का पश्चजल

5.8.1 **यह कहाँ लागू होता है.** उन नदियों और नहरों में गिरने वाले आउटफॉलों का डिजाइन, जिनका जल स्तर किसी वर्षा घटना में आउटफॉल के इनवर्ट से ऊपर जा सकता है, नदी के पश्चजल (riverine backwater) को ध्यान में रखकर किया जाएगा। इसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- **जमशेदपुर** में **गेतलसूद** और **चांडिल** डैमों के नीचे **स्वर्णरेखा**, **मानगो**, **जुगसलाई**, **बागबेड़ा** और **सोनारी** सहित, और आगे **घाटशिला** तक, और शहर की वे ड्रेनें और नाले जो उसमें समाप्त होते हैं (खंड 5.8.3 और 5.8.5(a) और (c));
- **आदित्यपुर** और **सोनारी** पर **खरकई**, **दोमुहानी** पर स्वर्णरेखा के साथ उसके संगम तक, ओडिशा में **मयूरभंज** के डैमों के नीचे (खंड 5.8.3 और 5.8.5(a) और (c));
- **रांची** में **गेतलसूद** डैम के नीचे और **मूरी** पर **स्वर्णरेखा**, **हरमू**, **जुमार**, **पोटपोटो** (Potpoto), **हिनू** और रांची की उन अन्य नदियों और नालों सहित जो उससे मिलते हैं (खंड 5.8.5(a));
- **तेनुघाट** डैम और उसकी सहायक नदी पर **कोनार** डैम के नीचे **रामगढ़**, **बेरमो**, **बोकारो** और **चास** पर, और **धनबाद** के पास से होकर **पंचेत** जलाशय तक, **दामोदर**, और **तिलैया** डैम के नीचे **बरकीसुरैया** (Barkisuriya) और **नंदाडीह** पर **मैथन** जलाशय तक **बराकर** (खंड 5.8.3 और 5.8.5(a) से (c));
- **डालटनगंज** (**मेदिनीनगर**) और **मोहम्मदगंज** पर **उत्तरी कोयल**, और **जपला** पर **सोन** (खंड 5.8.5(a));
- **साहिबगंज** और **राजमहल** पर **गंगा**, **उधवा** झील और नदी की ओर जल निकासी करने वाली निचली भूमि सहित (खंड 5.8.5(a) और (b));
- **रांची** में **गेतलसूद**, **कांके** और **हटिया** (**धुर्वा**) जलाशय और **बड़ा तालाब**, **जमशेदपुर** में **डिमना** झील, **चांडिल** और **तेनुघाट** जलाशय, **तिलैया**, **कोनार**, **मैथन** और **पंचेत** पर DVC के जलाशय, और **धनबाद** के वे तालाब जो उसकी ड्रेनों का पानी प्राप्त करते हैं (खंड 5.8.5(b));
- **झरिया**, **बोकारो**, **रामगढ़** और **कर्णपुरा** कोयला क्षेत्रों के खदान के गड्ढे, खदान झीलें और भू-धंसान गर्त, और कोई भी चालू खदान (खंड 5.8.5(d));
- **WRD** की कोई सिंचाई नहर, और किसी अन्य निकाय की कोई ड्रेन या चैनल जो वर्षा जल प्राप्त करता हो, जिसमें JUIDCO का **हरमू** चैनल सम्मिलित है (खंड 5.8.5(f)); और
- अन्यत्र: परिशिष्ट 5B में सूचीबद्ध कोई नदी या WRD का चैनल।

5.8.2 **नदी का जल स्तर.** नदी का जल स्तर निम्नलिखित से लिया जाएगा:

- (a) उस नदी-भाग (reach) के लिए WRD के डिजाइन बाढ़ स्तर या अभिलिखित उच्चतम बाढ़ स्तर, जहाँ प्रकाशित हों; या
- (b) उस नदी-भाग का हाइड्रोलिक मॉडल (HEC-RAS या समतुल्य)। मॉडल में निम्नलिखित का उपयोग किया जाएगा:
    - हाइड्रोग्राफ विधि (अध्याय 3) से प्राप्त नदी की डिजाइन बाढ़, और जहाँ अध्याय 3 अपेक्षा करता है वहाँ सतत सिमुलेशन;
    - मुख पर खंड 5.7 की ज्वारीय सीमा-स्थिति; और
    - खंड 5.13 की रेत अवरोध स्थिति।

5.8.3 **जलाशय और तालाब से छोड़ा गया पानी.** जहाँ प्रतिप्रवाह की ओर कोई जलाशय या तालाब नदी में पानी छोड़ सकता है (उदाहरण के लिए स्वर्णरेखा पर गेतलसूद और चांडिल डैम, ओडिशा में खरकई के ऊपर खरकई डैम और मयूरभंज के अन्य डैम, दामोदर पर तेनुघाट डैम, कोनार, तिलैया, मैथन और पंचेत पर DVC के डैम, और रांची में कांके और हटिया (धुर्वा) डैम), वहाँ नदी के स्तर में जाँची जा रही वर्षा घटना के लिए जलाशय के प्रचालन नियम के अनुसार छोड़ा गया पानी सम्मिलित किया जाएगा। जहाँ कोई प्रकाशित नियम नहीं है, वहाँ उसमें अभिलिखित सबसे बड़ी मात्रा में छोड़ा गया पानी सम्मिलित किया जाएगा।

5.8.4 **साइट की वर्षा घटना और नदी की बाढ़ का संयोग.** जब तक प्राधिकारी द्वारा कोई संयुक्त प्रायिकता अध्ययन स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक निम्नलिखित में से अधिक गंभीर स्थिति निर्णायक होगी:

- (a) साइट की डिजाइन वर्षा घटना (अपेक्षित AEP), नदी अपने **10% AEP (10-वर्ष)** स्तर पर; और
- (b) साइट की **10% AEP** वर्षा घटना, नदी अपने डिजाइन-AEP स्तर पर (प्रमुख प्रणाली के लिए 1% AEP)।

प्रत्येक जोड़ी की दोनों वर्षा घटनाओं की अवधि और समय समान होगा, जहाँ वे एक ही वर्षा घटना से उत्पन्न होती हों।

5.8.5 **नदी से अवरुद्ध आउटफॉल, जलाशय, डैम और तालाब के आउटफॉल, डैमों के नीचे की नदियाँ और DVC द्वारा छोड़ा गया पानी, खदान के गड्ढे और खदान झीलें, WRD और DVC की सम्मति, और नहरों और अन्य निकायों की ड्रेनों में निकास.**

- (a) **नदी से अवरुद्ध आउटफॉल.** किसी नदी में सीधे, किसी किनारे (bank) या तटबंध में लगे गेट के माध्यम से या किसी पंपिंग स्टेशन के माध्यम से गिरने वाले आउटफॉल के लिए, या किसी ऐसी ड्रेन में गिरने वाले आउटफॉल के लिए जो स्वयं इनमें से किसी तरीके से पानी छोड़ती है, डिजाइनकर्ता प्रत्येक गेट और पंपिंग स्टेशन का प्रचालन करने वाले निकाय की पहचान करेगा, और प्रत्येक गेट की सिल, किनारे या तटबंध का शिखर, स्थापित पंपिंग क्षमता और प्रचालन स्तर, जिनमें वह नदी स्तर सम्मिलित है जिस पर प्रत्येक गेट बंद किया जाता है, प्राप्त करेगा। प्रत्येक स्तर के साथ उसका डेटम और निकटतम CWC या WRD गेज के गेज डेटम से उसका संबंध बताया जाएगा।
    - **डिजाइन नदी स्तर.** प्रमुख प्रणाली की स्थितियों (खंड 5.8.4(b)) के लिए आउटफॉल पर खंड 5.8.2 का नदी स्तर **आउटफॉल पर 1% AEP नदी स्तर** होगा: किसी ऐसे बाढ़-आवृत्ति अध्ययन या डूब क्षेत्र सीमांकन का 100-वर्ष का स्तर जो आउटफॉल पर कोई स्तर देता हो, या खंड 5.8.2(b) के अंतर्गत हाइड्रोलिक मॉडल से प्राप्त स्तर, मद (c) के अनुसार डैमों से छोड़े गए पानी के साथ। राज्य में किसी भी नदी का डूब क्षेत्र सीमांकित नहीं किया गया है: शोध के समय WRD द्वारा गंगा के डूब क्षेत्र का सीमांकन जलविज्ञान की प्रतीक्षा में था, और स्वर्णरेखा, खरकई या किसी अन्य नदी के लिए कोई सीमांकन नहीं मिला [TBC]। यह स्तर किसी भी स्थिति में उसी नदी पर निकटतम CWC गेज के **अभिलिखित उच्चतम स्तर** से, जिसे आउटफॉल तक अंतरित किया गया हो, कम नहीं होगा। शोध के दौरान मिले उच्चतम स्तर (तालिका 5B.1), जो SANDRP द्वारा प्रकाशित 2018 और 2022 की CWC स्थल-सूचियों की प्रतियों और CWC बुलेटिनों के उद्धरण-अंशों से लिए गए हैं और जिनमें से कोई भी CWC के स्थल-पत्रक (site sheet) में नहीं पढ़ा गया [TBC], ये हैं: जमशेदपुर पर स्वर्णरेखा **129.82 m** (12 अक्तूबर 1973), मूरी पर **238.12 m** (9 जुलाई 2008) और घाटशिला पर **86.835 m** (13 अक्तूबर 1973; 2022 में सूची से हटाया गया); आदित्यपुर पर खरकई **137.8 m** (18 जून 2008); साहिबगंज पर गंगा **30.91 m** (20 अगस्त 1998) और राजमहल पर **26.94 m** (19 सितंबर 2003); डालटनगंज पर उत्तरी कोयल **210.91 m** (17 सितंबर 1976) और मोहम्मदगंज पर **146.66 m** (19 अगस्त 2016); जपला पर सोन **128.04 m** (15 अगस्त 1975); हेंदेगीर पर दामोदर **368.858 m** और रामगढ़ पर **316.68 m** (दोनों 26 सितंबर 1978) और पुपुनकी पर **160.05 m** (21 अगस्त 1976); और बरकीसुरैया (Barkisuriya) पर बराकर **292.32 m** (17 सितंबर 2004; 2018 की सूची में 25 सितंबर 2007 का 291.54 m) और नंदाडीह पर **200.644 m** (2018 की सूची, बिना तिथि; 2022 की सूची में 27 सितंबर 1995 का 200.395 m)। जहाँ एक ही गेज के लिए दो मान बताए गए हों, या कोई स्तर सूची से हटा दिया गया हो, वहाँ CWC द्वारा स्तर की पुष्टि किए जाने तक उच्चतर मान, या हटाया गया स्तर, लागू होता है (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। जहाँ किसी बाद की बाढ़ ने सूचीबद्ध स्तर को पार किया हो, वहाँ बाद का स्तर निर्णायक होगा। अभिलिखित स्तर को CWC और WRD के गेज अभिलेखों से, या मॉडल से, उस बाढ़ की जल सतह ढलान के साथ, जिसने वह स्तर बनाया, नदी के अनुदिश अंतरित किया जाएगा। जब तक इनमें से कोई उपलब्ध नहीं होता, तब तक प्रतिप्रवाह की ओर के निकटतम गेज का अभिलिखित स्तर आउटफॉल पर बिना परिवर्तन के लागू होता है, सिवाय इसके कि जहाँ आउटफॉल एक ही नदी पर दो गेजों के बीच स्थित हो और उनके बीच कोई सहायक नदी न मिलती हो, वहाँ स्तर को दोनों गेजों के अभिलिखित उच्चतम स्तरों के बीच नदी की दूरी के अनुसार रैखिक रूप से अंतर्वेशित (interpolate) किया जा सकता है (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)।
    - **जमशेदपुर के जिला गेज.** पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन द्वारा प्रयुक्त खतरे के निशान, मानगो पुल पर स्वर्णरेखा के लिए **121.50 m** और आदित्यपुर पुल पर खरकई के लिए **129 m**, और उनके सापेक्ष बताए गए पाठ्यांक, जैसे 26 जुलाई 2025 को मानगो पर 123.36 m और आदित्यपुर पर 134.90 m (प्रकाशित खबरों के अनुसार), ऐसे गेजों के हैं जिनके स्थान, शून्य और डेटम का जमशेदपुर और आदित्यपुर के CWC गेजों के स्थान, शून्य और डेटम से मिलान नहीं किया गया है [TBC]। ये केवल प्रचालन के लिए सतर्कता स्तर हैं। इन्हें डिजाइन स्तर के रूप में उपयोग नहीं किया जाएगा, CWC के किसी स्तर से इनकी तुलना नहीं की जाएगी या

इन्हें किसी आउटफॉल तक अंतरित नहीं किया जाएगा, और गेजों के एक समूह से दूसरे समूह तक कोई स्तर तब तक नहीं ले जाया जाएगा जब तक दोनों के शून्य समतलन द्वारा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के किसी बेंचमार्क से न जोड़ दिए जाएँ और उस संबंध की पुष्टि CWC या WRD न कर दे (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)।

- **बिना गेज स्तर वाली नदियाँ.** रांची की हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto), हिनू या अन्य नदियों और नालों के लिए (2022 में जोड़े गए CWC निगरानी स्थलों, कांके रोड पुल पर जुमार, धुर्वा डैम पर गारा और परडीह (Paradih) पर कांची, का कोई प्रकाशित स्तर नहीं है), सरायकेला रोड पुल पर खरकई, बोकारो में गरगा या धनबाद की प्राकृतिक ड्रेनों के लिए CWC का कोई स्तर नहीं मिला [TBC]। ऐसे नदी-भाग पर, और अपने नदी-भाग के हर गेज के प्रतिप्रवाह की ओर स्थित किसी आउटफॉल के लिए, नदी स्तर निम्नलिखित में से अधिक होगा: खंड 5.8.2(b) के अंतर्गत मॉडल से प्राप्त स्तर, और आउटफॉल पर बाढ़ चिह्नों से, जिनमें जुलाई 2016 और जुलाई 2017 के हरमू के और जून 2008 और जुलाई 2025 के जमशेदपुर के चिह्न सम्मिलित हैं, और WRD, JUIDCO, स्थानीय निकाय या उपायुक्त के अभिलेखों से सर्वेक्षित उच्चतम बाढ़ स्तर, उसके स्रोत सहित। हरमू का मॉडल उसका पूरा 22.59 km^2 का जलग्रहण क्षेत्र लेगा, न कि वह 8.49 km^2 जिस पर उसका चैनल डिजाइन किया गया था (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1), और शहरी क्षेत्र का मॉडल अध्याय 3 के अंतर्गत बनाया जाएगा। जहाँ कोई स्तर केवल गेज पाठ्यांक के रूप में ज्ञात हो, वहाँ डिजाइनकर्ता समतलन द्वारा गेज शून्य को परियोजना डेटम और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के किसी बेंचमार्क से जोड़ेगा। ऐसे नदी-भाग पर इनमें से किसी एक स्तर के बिना कोई आउटफॉल डिजाइन नहीं किया जाएगा (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)।
- **10% AEP स्तर.** जिन स्थितियों में नदी अपने 10% AEP स्तर पर है (खंड 5.8.4(a)), उनके लिए स्तर उसी मॉडल से या गेज अभिलेख के आवृत्ति विश्लेषण से लिया जाएगा, और निकटतम CWC गेज पर **खतरे के स्तर** से, जिसे उसी प्रकार अंतरित किया गया हो, कम नहीं होगा: जमशेदपुर पर **123.5 m** (चेतावनी स्तर 122.5 m), साहिबगंज पर **27.25 m** (चेतावनी स्तर 26.25 m; एक समाचार रिपोर्ट में 26.50 m), राजमहल पर **25.99 m**, डालटनगंज पर **209 m**, मोहम्मदगंज पर **145.52 m**, जपला पर **125.09 m**, हेंदेगीर पर **365.3 m**, रामगढ़ पर **307.51 m**, पुपुनकी पर **153.5 m**, बरकीसुरैया (Barkisuriya) पर **289.4 m** और नंदाडीह पर **194.21 m** (CWC स्थल-सूची, SANDRP द्वारा प्रतिलिपित रूप में)। मानगो और आदित्यपुर के जिले के खतरे के निशान इस प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किए जाते। जहाँ CWC का कोई खतरे का स्तर नहीं मिला है, जैसे मूरी, घाटशिला और आदित्यपुर पर और रांची की नदियों पर, वहाँ किसी आवृत्ति विश्लेषण के स्वीकार किए जाने तक 10% AEP स्थिति में इस मद का डिजाइन नदी स्तर लिया जाएगा (सभी इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। प्रत्येक गेज के लिए हर स्तर के डेटम की पुष्टि की जानी है [TBC]।
- **टेलवाटर.** आउटफॉल पर टेलवाटर निम्नलिखित में से अधिक होगा: गेट, किनारे या तटबंध के उस पार का वह नदी स्तर, और उसके पीछे की ड्रेन का अधिकतम स्तर, जिसकी गणना ड्रेन को एक बंद भंडारण मानकर तब तक रूटिंग द्वारा की जाएगी जब तक नदी उसके पीछे के स्तर से ऊपर रहती है, जिसमें उसमें जल निकासी करने वाले संपूर्ण जलग्रहण क्षेत्र का अंतर्वाह, उसकी वर्तमान स्थिति में सर्वेक्षित भंडारण, गाद, अतिक्रमण, ठोस अपशिष्ट और वनस्पति को घटाकर, और बहिर्वाह के रूप में वह पंपिंग क्षमता ली जाएगी जिसके बारे में संचालक लिखित रूप में पुष्टि करे कि वह वर्षा घटना में उपलब्ध है, और जो किसी भी स्थिति में स्थायी पंपों की स्थापित क्षमता घटा सबसे बड़े पंप की क्षमता से अधिक नहीं होगी (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित), और गेट से गुरुत्व निकास केवल तब तक लिया जाएगा जब तक नदी उसके पीछे के स्तर से नीचे हो। पंप इस मद के डिजाइन नदी स्तर के विरुद्ध पानी देंगे, और प्रत्येक पंप, पैनल और नियंत्रण नदी के उस स्तर पर होने पर भी प्रचालन योग्य बना रहेगा (खंड 5.12.5)।
- **नदी अवरोध.** किसी घटना के लिए लाए गए पोर्टेबल जल-निष्कासन पंप, और वह क्षमता जो संस्वीकृत या प्रस्तावित है किंतु चालू नहीं की गई है, नहीं गिनी जाएगी। खंड 5.10 की आउटफॉल-बंद जाँच एक ही अवरोध के साथ लागू होती है, जो तब तक रहता है जब तक नदी आउटफॉल के इनवर्ट से, या यदि वह स्तर नीचा हो तो उस स्तर से जिस पर उसका गेट बंद किया जाता है, ऊपर रहती है, जिसे नदी मॉडल से, या उस बाढ़ में जिसने अभिलिखित उच्चतम स्तर बनाया या किसी तुलनीय बाढ़ में निकटतम CWC या WRD गेज के जल स्तर अभिलेख से, मद (c) के अनुसार डैमों से छोड़े गए पानी के साथ, लिया जाएगा, और जो इनसे कम नहीं होगा: साहिबगंज और राजमहल पर गंगा पर और उसकी ओर जल निकासी करने वाली निचली भूमि पर **7 दिन (168 घंटे)**; और अन्यत्र **72 घंटे**, या, किसी डैम के नीचे की नदी पर, यदि वह अधिक हो, तो संचालक के अभिलेखों के अनुसार वह समय जितने समय तक ऊपर के डैमों से अभिलिखित सबसे बड़ी मात्रा में छोड़ा गया पानी उस प्रवाह से ऊपर रहा जिस पर आउटफॉल बंद हो जाता है (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। इनमें से प्रत्येक अवरोध खंड 5.10.2 की 48 और 72 घंटे की वर्षा घटनाओं को पूरी तरह समाविष्ट करता है, ताकि भंडारण और पंपिंग वर्षा घटना का पूरा आयतन संभाल सकें (खंड 5.9.4) और अवरोध समाप्त होने तक पंपिंग द्वारा खंड 5.10.5 के

जल स्तर घटाने की अपेक्षा पूरी हो। कम अवधि का अवरोध केवल वहीं लिया जा सकता है जहाँ आउटफॉल का इनवर्ट इस मद के 1% AEP नदी स्तर से ऊपर हो, या जहाँ खंड 5.10.6 के अंतर्गत गेज विश्लेषण, जिसमें ऊपर के डैमों से छोड़ा गया पानी सम्मिलित हो, ऐसा दर्शाता हो और प्राधिकारी उसका अनुमोदन करे।

- **गेट का विफल होना और कटाव.** किसी गेट, किनारे या तटबंध के पीछे के फर्श स्तरों और पंप द्वारा संचालित आउटफॉलों की जाँच गेट के विफल होने और किनारे या तटबंध के टूटने (breach) की स्थिति के लिए भी की जाएगी, जिसमें उसके पीछे की भूमि और ड्रेनें उसके उस पार के नदी स्तर तक भरी मानी जाएँ। किसी डैम के नीचे उनकी जाँच किसी गेट के खुला रह जाने से होने वाले निकास के लिए भी की जाएगी।

- (b) **जलाशय, डैम और तालाब के आउटफॉल.** किसी जलाशय, डैम, झील, तालाब (talab) या पोखर में सीधे, या उसमें समाप्त होने वाले किसी नाले के माध्यम से गिरने वाले आउटफॉल के लिए, जैसे रांची में गेतलसूद, कांके और हटिया (धुर्वा) जलाशय और बड़ा तालाब, जमशेदपुर में डिमना झील, चांडिल और तेनुघाट जलाशय, तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत पर DVC के जलाशय, और धनबाद की ड्रेनों का पानी प्राप्त करने वाले तालाब:
  - **सम्मति.** किसी जलाशय, डैम, तालाब या पोखर में उसके अभिरक्षक (custodian), अर्थात उसे धारण करने और उसका प्रचालन करने वाले निकाय, की लिखित सम्मति के बिना वर्षा जल नहीं छोड़ा जाएगा: अपने जलाशयों के लिए WRD, अपने जलाशयों के लिए DVC, झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 203 के अंतर्गत नगरपालिका में निहित किसी सार्वजनिक तालाब के लिए नगरपालिका, डिमना झील के लिए टाटा स्टील या जमशेदपुर का नागरिक निकाय, या राज्य द्वारा नामित कोई अन्य अभिरक्षक (शोध के दौरान बड़ा तालाब और डिमना झील के अभिरक्षक की पुष्टि नहीं हुई [TBC])। जहाँ जलाशय कोई रामसर स्थल (उधवा झील) या आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के अंतर्गत अधिसूचित आर्द्रभूमि है, वहाँ झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण द्वारा अपेक्षित कोई भी अनुमति भी प्राप्त की जाएगी, और रांची के जलाशयों पर उच्च न्यायालय के आदेशों की जाँच की जाएगी (अध्याय 7)। शुष्क मौसम प्रवाह ले जाने वाले आउटफॉल का निपटारा खंड 8.9 के अंतर्गत किया जाता है।
  - **डिजाइन स्तर.** प्रमुख प्रणाली और भंडारण की स्थितियों के लिए टेलवाटर जलाशय का **अधिकतम जल स्तर (MWL)** होगा, जैसा WRD, DVC या अभिरक्षक उसे प्रकाशित करे, या, जहाँ केवल तालाब या जलाशय का पूर्ण जल स्तर (FTL) प्रकाशित हो, वहाँ **FTL जमा उसकी डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज (surcharge)**, जिसकी गणना उसके स्पिलवे, वियर और गेटों की रेटिंग से की जाएगी, और गेटों का प्रचालन केवल वैसा ही माना जाएगा जैसा अभिरक्षक का लिखित नियम प्रावधान करता है। जहाँ न MWL और न सरचार्ज प्रकाशित हुआ है, या जहाँ प्रकाशित MWL, FTL से ऊपर नहीं है, वहाँ टेलवाटर **FTL + 0.5 m** है (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित) [TBC]। बिना प्रकाशित स्तर वाले किसी तालाब या पोखर के लिए टेलवाटर वह स्तर है जिस पर वह अगली ड्रेन में या भूमि पर उफनता है, जो उसकी अतिप्रवाह सिल से, या जहाँ सिल न हो वहाँ उसके किनारे के सबसे निचले बिंदु से लिया जाएगा, और उसके साथ उस बिंदु के ऊपर का वह शीर्ष (head) जो 1% AEP अंतर्वाह को निकालने के लिए आवश्यक है (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। प्रत्येक स्थिति में यह जलाशय पर अभिलिखित उच्चतम स्तर से कम नहीं होगा। लघु प्रणाली का टेलवाटर FTL या अतिप्रवाह स्तर है, या, यदि अधिक हो, वह स्तर जिस पर अभिरक्षक का नियम गेट खोलता है। परियोजना का निकास स्तर में सम्मिलित किया जाएगा (खंड 5.3.2 और 5.12.3)।
  - **नामित जलाशय.** शोध के दौरान मिले स्तर, जो 2018 और 2022 की CWC अंतर्वाह-पूर्वानुमान स्थल-सूचियों (SANDRP द्वारा प्रतिलिपित रूप में) और DVC की अपनी तालिका के उद्धरण-अंशों से लिए गए हैं और जिनमें से कोई भी CWC या DVC के किसी दस्तावेज में नहीं पढ़ा गया [TBC], WRD या DVC द्वारा स्तरों और उनके डेटम की पुष्टि किए जाने तक निम्नलिखित टेलवाटर देते हैं (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित): **गेतलसूद**, FRL 590.06 m और कोई MWL नहीं, **590.56 m**; एक द्वितीयक स्रोत FRL को लगभग 1,954 ft (लगभग 595.6 m) बताता है, इसलिए 596.1 m से नीचे इनवर्ट वाला कोई आउटफॉल WRD से लिखित रूप में FRL लिए बिना डिजाइन नहीं किया जाएगा [TBC]; **चांडिल**, 2022 की सूची में FRL 189 m और 2018 की सूची में 192.0 m, MWL 192 m, **192 m**; **तेनुघाट**, FRL 268.834 m और MWL 268.83 m, जो FRL से ऊपर नहीं है, **269.33 m** (एक समाचार रिपोर्ट 854 ft का "खतरे का स्तर" ("danger level") बताती है [TBC]); और DVC के जलाशय, DVC के अधिकतम बाढ़ प्रबंधन स्तर और अभिलिखित उच्चतम स्तर में से अधिक पर: **तिलैया 372.47 m** (अभिलिखित उच्चतम 372.28 m, 6 जुलाई 1986), **कोनार 427.94 m** (427.91 m, 1 अक्तूबर 1961), **मैथन 151.79 m** (1 अक्तूबर 1959 का अभिलिखित उच्चतम स्तर और CWC का MWL; बाढ़ प्रबंधन स्तर 150.88 m) और **पंचेत 132.893 m** (2 अक्तूबर 1959 का अभिलिखित उच्चतम स्तर; बाढ़ प्रबंधन स्तर 132.59 m)। CWC जिस स्तर को मैथन और पंचेत का "FRL" सूचीबद्ध करता है, वह DVC का अधिकतम बाढ़ प्रबंधन स्तर है,

उसका संरक्षण स्तर नहीं; डिजाइनकर्ता बताएगा कि कौन-सा स्तर प्रयुक्त है। **कांके** और **हटिया (धुर्वा)** जलाशयों, बड़ा तालाब, डिमना झील या धनबाद के किसी तालाब के लिए किसी बताए गए डेटम पर कोई FTL नहीं मिला [TBC]; कांके या हटिया जलाशय में कोई आउटफॉल WRD से लिखित रूप में FTL और स्पिलवे रेटिंग लिए बिना, या, जब तक WRD उन्हें नहीं देता, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के किसी बेंचमार्क से जुड़े स्पिलवे शिखर के सर्वेक्षण के बिना, जिसे FTL माना जाएगा, डिजाइन नहीं किया जाएगा (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)।

- **बंद आउटफॉल.** जहाँ आउटफॉल का इनवर्ट इस मद के डिजाइन स्तर से नीचे है, वहाँ आउटफॉल को पूरी वर्षा घटना के लिए बंद माना जाएगा (खंड 5.9.4), और भंडारण और पंपिंग वर्षा घटना का पूरा आयतन संभालेंगे, जब तक कि अभिरक्षक का जल स्तर अभिलेख तुलनीय वर्षा घटनाओं के आरंभ में जलाशय को इनवर्ट से नीचे न दर्शाए और प्राधिकारी उसे स्वीकार न करे। प्रत्येक जलाशय, डैम, तालाब और पोखर प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना अपने FTL या अतिप्रवाह स्तर पर आरंभ करता है (खंड 7.7.3)। वर्षा घटना से पहले किसी जलाशय या पोखर को नीचा करना, और गेटों का जल्दी या अतिरिक्त खोला जाना, तब तक नहीं माना जाएगा जब तक अभिरक्षक का लिखित प्रचालन नियम और अभिलेख उसे न दर्शाएँ, और किसी जल निकासी योजना द्वारा भंडारण के रूप में प्रयुक्त किसी तालाब में, जैसे धनबाद की ड्रेनों में समेकित तालाब, उसके अतिप्रवाह स्तर से नीचे कोई भंडारण तब तक नहीं गिना जाएगा जब तक अभिरक्षक के अभिलेख तुलनीय वर्षा घटनाओं के आरंभ में वह भंडारण उपलब्ध न दर्शाएँ।

- (c) **डैमों के नीचे की नदियाँ, और DVC द्वारा छोड़ा गया पानी.** किसी डैम के नीचे की नदी में गिरने वाले आउटफॉल के लिए, जैसे गेतलसूद और चांडिल डैमों के नीचे स्वर्णरेखा, ओडिशा में मयूरभंज के डैमों के नीचे खरकई, तेनुघाट और कोनार डैमों के नीचे दामोदर और तिलैया डैम के नीचे बराकर, या किसी ऐसे जलाशय के तट पर गिरने वाले आउटफॉल के लिए जिसका स्तर डैम निर्धारित करता है, जैसे मैथन और पंचेत:
  - खंड 5.8.4 की स्थितियों के अतिरिक्त, साइट की डिजाइन वर्षा घटना (प्रत्येक अपेक्षित AEP) नदी को उस स्तर पर रखकर चलाई जाएगी जो ऊपर के डैमों से अभिलिखित सबसे बड़ी मात्रा में छोड़े गए पानी को आउटफॉल तक रूट करने से बनता है, उनके नीचे के जलग्रहण क्षेत्र के उसी घटना में घटित प्रवाह के साथ, और जलाशय-तट वाले आउटफॉल के लिए जलाशय को मद (b) के स्तर पर रखकर (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित), जब तक WRD या DVC छोड़े जाने वाले पानी की सीमा बाँधने वाला कोई प्रचालन नियम प्रकाशित नहीं करता [TBC]। प्रकाशित खबरों के अनुसार, 17 सितंबर 2024 को मैथन और पंचेत का संयुक्त निकास लगभग **2.5 लाख क्यूसेक** (लगभग 7,080 m^3/s) के चरम पर पहुँचा, जबकि चरम अंतर्वाह 4,23,163 क्यूसेक बताया गया, और समाचार माध्यमों ने 3 लाख क्यूसेक से अधिक बताया; उसी घटना में तेनुघाट से लगभग 85,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया; और चांडिल ने 17 अगस्त 2016 को अपने 18 में से 13 गेट खोले, और एक अन्य अवसर पर नौ गेटों से 708.3 m^3/s पानी निकालने की खबर है। प्रत्येक डैम से अभिलिखित सबसे बड़ी मात्रा में छोड़ा गया पानी और उसकी अवधि WRD या DVC से प्राप्त की जाएगी और बताई जाएगी [TBC];
  - केवल छोड़े गए पानी, या छोड़ने के किसी नियम, को नदी स्तर की सीमा नहीं माना जाएगा: स्तर की जाँच निकटतम गेज पर अभिलिखित सबसे बड़ी घटना के लिए भी, स्थानीय अंतर्वाहों को वैसा ही रखकर जैसे वे घटित हुए, की जाएगी;
  - नदी स्तर को इस आधार पर कम नहीं किया जाएगा कि बाढ़ नगर के बाहर या राज्य के बाहर होने वाली वर्षा से आती है, जैसे खरकई पर, जिसके डैम ओडिशा में हैं, या साइट की वर्षा घटना छोटी है, और छोड़े गए पानी को साइट की वर्षा घटना से पहले, उसके दौरान और उसके बाद रखा जाएगा;
  - किसी डैम के गेट को संचालक के अभिलेखों में दर्शाए गए समय से पहले या उससे अधिक खुला नहीं माना जाएगा; खरकई के ऊपर के डैमों के निकास नियम और अभिलेख WRD के माध्यम से ओडिशा सरकार से प्राप्त किए जाएँगे [TBC], और जब तक वे प्राप्त नहीं होते, खरकई में गिरने वाला आउटफॉल मद (a) का स्तर लेगा, जो आउटफॉल तक अंतरित आदित्यपुर पर 137.8 m से कम नहीं होगा; और
  - जमशेदपुर में स्वर्णरेखा या खरकई में, या इनमें से किसी में समाप्त होने वाले किसी नाले या ड्रेन में गिरने वाला आउटफॉल गेतलसूद और चांडिल से और खरकई के ऊपर के डैमों से छोड़े गए पानी को साइट की वर्षा घटना के साथ रखकर डिजाइन किया जाएगा।

- (d) **खदान के गड्ढे, खदान झीलें और चालू खदानें.** किसी कोयला क्षेत्र में या उसके पास स्थित किसी साइट के लिए, जैसे झरिया, बोकारो, रामगढ़ और कर्णपुरा कोयला क्षेत्र, जिसकी जल निकासी किसी खदान के गड्ढे, खदान झील, भू-धंसान गर्त या चालू खदान तक पहुँच सकती है:
    - **डिजाइन आउटफॉल नहीं.** कोई खदान का गड्ढा या खदान झील, चालू या परित्यक्त, तब तक डिजाइन आउटफॉल या भंडारण नहीं है जब तक पट्टाधारी और DGMS लिखित रूप में सम्मति न दें और उसके जल स्तर, अतिप्रवाह स्तर और अतिप्रवाह मार्ग का सर्वेक्षण करके उन्हें भारतीय सर्वेक्षण विभाग के किसी बेंचमार्क से न जोड़ दिया जाए; उसमें मुक्त भंडारण कभी नहीं माना जाता (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। जहाँ पट्टा समाप्त हो गया हो, वहाँ पट्टाधारी के स्थान पर भूमि धारण करने वाला निकाय सम्मति देगा [TBC]।
    - **चालू खदान में कोई जल निकासी नहीं.** कोई भी विकास सीधे, या किसी ड्रेन, नाले या सतही प्रवाह मार्ग के माध्यम से, किसी चालू खदान, उसके खनन कार्यों, उसके गड्ढे या उसकी गारलैंड ड्रेन के भीतर के क्षेत्र में जल निकासी नहीं करेगा। कोयला खान विनियम, 2017 अपेक्षा करते हैं कि वह सबसे निचला बिंदु जिस पर सतही जल किसी खदान में प्रवेश कर सकता है, उस बिंदु पर उच्चतम बाढ़ स्तर से कम से कम 1.5 m ऊपर हो (विनियम 149, प्रकाशित खबरों के अनुसार; राजपत्र का पाठ पढ़ा नहीं गया [TBC]), और किसी खदान के मुहाने पर बाढ़ स्तर बढ़ाने वाली ड्रेन इसके विरुद्ध काम करती है।
    - **जहाँ सम्मति दी गई है.** टेलवाटर सर्वेक्षित अतिप्रवाह स्तर और उसके साथ अतिप्रवाह बिंदु के ऊपर का वह शीर्ष है जो खदान के गड्ढे की ओर जल निकासी करने वाली समस्त भूमि से 1% AEP अंतर्वाह को निकालने के लिए आवश्यक है, और यह पट्टाधारी के अभिलेखों से उसमें अभिलिखित उच्चतम स्तर से कम नहीं होगा; खदान का गड्ढा प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना अपने अतिप्रवाह स्तर तक भरा हुआ आरंभ करता है; उस स्तर से नीचे का आउटफॉल पूरी वर्षा घटना के लिए बंद माना जाता है (खंड 5.9.4); और अनुप्रवाह विश्लेषण सर्वेक्षित अतिप्रवाह मार्ग के साथ खंड 5.3.1 के अगले अंतिम बिंदु तक जारी रहता है। सम्मति में डिजाइन अंतर्वाह के साथ खदान के गड्ढे की भुजाओं और बेंचों की स्थिरता, जैसी पट्टाधारी के लिए आकलित की गई हो, और जल गुणवत्ता की शर्तें (अध्याय 8) बताई जाएँगी।
    - **खनन से विक्षुब्ध भूमि.** खनन से विक्षुब्ध भूमि में ओवरबर्डन डंप, पुनर्भरित या सुधारी गई खनन भूमि, संघनित खदान बेंच और हॉल रोड, भू-धंसान भूमि और झरिया कोयला क्षेत्र के अग्नि क्षेत्र आते हैं। इससे होने वाले अपवाह को आयतन और तलछट दोनों में अधिक माना जाता है (अध्याय 3), और किसी ओवरबर्डन डंप से आने वाला अपवाह किसी नगर की ड्रेन या आउटफॉल तक पहुँचने से पहले किसी तलछट बेसिन और स्थिर टो (गारलैंड) ड्रेनों से होकर जाएगा (अध्याय 8)। किसी अग्नि क्षेत्र में या अस्थिर घोषित भूमि में कोई आउटफॉल, ड्रेन या भंडारण नहीं रखा जाएगा, और ड्रेनें उनके चारों ओर से ले जाई जाएँगी, जैसे धनबाद की जल निकासी परियोजना में ले जाई गईं (JUIDCO, 2017)। धंसती भूमि पर प्रत्येक आउटफॉल, ड्रेन और तल के स्तर डिजाइन के लिए किए गए स्तर सर्वेक्षण से लिए जाएँगे, और डिजाइन में कार्यों की आयु के दौरान के लिए माना गया भू-धंसान बताया जाएगा [TBC]।
- (e) **WRD और DVC की सम्मति; योजना और न्यायालय की रेखाएँ.** किसी नदी के तल, किनारे, सीमा या डूब क्षेत्र में, या WRD के किसी जलाशय, डैम, तटबंध या नहर में, WRD की सम्मति के बिना, या DVC के किसी जलाशय पर DVC की सम्मति के बिना, कोई आउटफॉल संरचना, गेट, पंपिंग स्टेशन या ड्रेन नहीं बनाई जाएगी; शोध के दौरान उस सम्मति की प्रक्रिया नहीं मिली [TBC]। डिजाइनकर्ता आउटफॉल की जाँच उन रेखाओं के सापेक्ष भी करेगा जो भवन उपविधि, योजनाओं और न्यायालयों ने निर्धारित की हैं, जैसी वे डिजाइन के समय हैं (अध्याय 7): झारखंड भवन उपविधि, 2016 की उपविधि 23 की नदी सीमा और नदी-तट पट्टियाँ (गंगा के साथ नदी सीमा या अधिक; अन्य नदियों के साथ 10–15 m, जिनकी उपविधि 23.2 के अंतर्गत सूची अधिसूचित नहीं की गई है [TBC]); रांची मास्टर प्लान 2037 के अनुसार कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के पूर्ण जल स्तर से 20 m और नदियों और प्राकृतिक नालों के साथ 10 m (शर्त 2.9); वे प्रवेश-निषिद्ध जोन जिनका निर्देश उच्च न्यायालय ने रांची के जलाशयों के आसपास दिया है (W.P.(PIL) 1463/2020, 31 जुलाई 2025 का आदेश, प्रकाशित खबरों के अनुसार; बाद के आदेश पढ़े नहीं गए [TBC]); NGT की कार्यवाही के बाद 2025 में जमशेदपुर में स्वर्णरेखा के साथ प्रयुक्त 15 m की रेखा (प्रकाशित खबरों के अनुसार); और उधवा झील, जो एक रामसर स्थल है। प्रत्येक रेखा के भीतर ड्रेन आउटफॉल अनुमत है या नहीं, इसकी पुष्टि डिजाइन से पहले संबंधित प्राधिकारी से की जानी है [TBC]।
- (f) **WRD के चैनल, सिंचाई नहरें और अन्य निकायों की ड्रेनें.** WRD की किसी ड्रेन या नहर में, या किसी अन्य सिंचाई नहर में, WRD या नहर के स्वामी की सम्मति के बिना, या किसी अन्य निकाय की ड्रेन में, जैसे JUIDCO की कोई ट्रंक ड्रेन या चैनल, किसी नगरपालिका निकाय, RRDA, MADA या किसी औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार की कोई ड्रेन, या जमशेदपुर के पट्टा क्षेत्र की कोई ड्रेन, उस निकाय की लिखित सम्मति के बिना वर्षा जल नहीं छोड़ा जाएगा। जहाँ सम्मति दी जाती है:
    - निकास सम्मति द्वारा अनुमत दर से अधिक नहीं होगा;

- टेलवाटर निम्नलिखित में से अधिक है: चैनल का डिजाइन जल स्तर, जैसा उसका स्वामी लिखित रूप में बताए, और खंड 5.8.4 की संयोगी स्थिति में उसका स्तर, जिसकी गणना उसके द्वारा प्राप्त समस्त वर्षा जल से, जिसमें अन्य निकायों की ड्रेनें सम्मिलित हैं, और मद (a) और (b) के नदी या जलाशय स्तर पर उसकी अनुप्रवाह सीमा रखकर की जाएगी; जब तक किसी चैनल के लिए डिजाइन जल स्तर प्रकाशित नहीं होता, तब तक परिकलित स्तर निर्णायक होगा [TBC];
- चैनल को उसकी वर्तमान स्थिति में, गाद, अतिक्रमण, ठोस अपशिष्ट और पार करने वाली सेवाओं और पुलियों द्वारा अवरोध को घटाकर, और सर्वेक्षण के अनुसार उसके सबसे संकरे अनुप्रस्थ काट के साथ लिया जाएगा, जैसे अतिक्रमण से संकरे हुए हरमू के भाग; कोई चौड़ीकरण, लाइनिंग, पुनर्निर्माण या मार्ग परिवर्तन जो प्रस्तावित है किंतु पूरा नहीं हुआ है, नहीं गिना जाएगा, और किसी बताई गई पुनरावृत्ति अवधि के लिए डिजाइन किए गए चैनल को उससे अधिक ले जाने वाला नहीं माना जाएगा जितना उसका सर्वेक्षित अनुप्रस्थ काट ले जाता है; और
- जहाँ डिजाइन जल स्तर या परिकलित स्तर आउटफॉल के इनवर्ट से ऊपर हो, वहाँ आउटफॉल पर फ्लैप गेट (खंड 5.11) होगा।

जल निकासी में सहायक किसी पंप, गेट, स्लूइस या डैम प्रचालन को, जैसे वर्षा घटना से पहले किसी ड्रेन को पंप करके खाली करना, वर्षा घटना से पहले किसी जलाशय या तालाब को नीचा करना, किसी गेट को देर से बंद करना या डैम के गेट जल्दी खोलना, तब तक नहीं माना जाएगा जब तक संचालक के लिखित अभिलेख उसे न दर्शाएँ। जहाँ आउटफॉल का इनवर्ट इस खंड के टेलवाटर से नीचे है, वहाँ आउटफॉल का अपना फ्लैप गेट (खंड 5.11) होगा और, जहाँ आउटफॉल-बंद जाँच अपेक्षा करती है, पंपिंग (खंड 5.12) होगी, और पंप किया गया आयतन ड्रेन, जलाशय या नदी की रूटिंग में सम्मिलित किया जाएगा (खंड 5.12.3)। पंपिंग का उपयोग किसी खदान के गड्ढे, किसी चालू खदान या किसी अन्य जलग्रहण क्षेत्र में पानी ले जाने के लिए नहीं किया जाएगा।

भाष्य. बड़े महाद्वीपीय नदी बेसिनों में, साइट की वर्षा घटना और नदी की बाढ़ को सामान्यतः लगभग स्वतंत्र माना जाता है। FHWA HEC-22 Table 7.3 जैसी संयोगी आवृत्तियों की तालिकाओं का यही आधार है। झारखंड की नदियाँ इस धारणा को तोड़ती हैं, क्योंकि उन्हें भरने वाले मानसून अवदाब और बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों के अवशेष उसी समय पठार के नगरों पर भी बरसते हैं। स्वर्णरेखा ने जमशेदपुर पर अपना अभिलिखित उच्चतम स्तर, 129.82 m, 12 अक्तूबर 1973 को, और घाटशिला पर 13 अक्तूबर 1973 को बनाया (CWC स्थल-सूची, SANDRP द्वारा प्रतिलिपित रूप में), जब रांची में एक दिन में 175.8 mm वर्षा दर्ज हुई, जो अक्तूबर–दिसंबर मौसम की उसकी सबसे अधिक दैनिक वर्षा है (IMD); खरकई ने आदित्यपुर पर अपना अभिलिखित उच्चतम स्तर 18 जून 2008 को बनाया (CWC स्थल-सूची, SANDRP द्वारा प्रतिलिपित रूप में), जिस दिन जमशेदपुर (A) में 338.1 mm वर्षा दर्ज हुई, जो उसकी सबसे अधिक दैनिक वर्षा है (IMD); और 17 सितंबर 2024 को, जब मैथन और पंचेत से DVC का संयुक्त निकास लगभग 2.5 लाख क्यूसेक के चरम पर था (प्रकाशित खबरों के अनुसार), दामोदर, बराकर, उत्तरी कोयल और सोन एक ही समय अपने खतरे के स्तरों से ऊपर थीं (CWC)। मई 2021 में चक्रवात यास की वर्षा जमशेदपुर पर और ओडिशा में खरकई के जलग्रहण क्षेत्र पर एक साथ हुई, जब वहाँ के डैम पानी छोड़ रहे थे (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। दोनों को स्वतंत्र नहीं माना जा सकता, और स्थानीय वर्षा घटना नदी के चरम से पहले, उसके दौरान या उसके बाद हो सकती है। इसलिए खंड 5.8.4 एक ओर की डिजाइन घटना को दूसरी ओर की 10-वर्ष की घटना के साथ जोड़ता है, उसी प्रकार जैसे खंड 2.12(b)। इस जोड़ी का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है। यह स्वतंत्रता की धारणा से प्राप्त परिणाम की तुलना में अधिक गंभीर है।

खंड 5.8.3 राज्य के नगरों के ऊपर के डैमों को दर्शाता है। दामोदर और बराकर पर DVC तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत जलाशयों का धारक है, जिनके अधिकतम बाढ़ प्रबंधन स्तर 372.47, 427.94, 150.88 और 132.59 m बताए गए हैं (DVC, उद्धरण-अंश के अनुसार [TBC]); मैथन और पंचेत से पानी छोड़ने की सलाह दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति देती है और कोनार और तिलैया से पानी छोड़ने के निर्देश DVC जारी करता है (जल संसाधन मंत्रालय, 2018, उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में), और राज्य का अपना तेनुघाट डैम समिति के विनियमन से बाहर बताया गया है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। सितंबर 2024 में 17 सितंबर को 04:30 पर चेतावनी जारी की गई कि मैथन और पंचेत से छोड़ा जाने वाला पानी 1.5 लाख क्यूसेक से अधिक हो सकता है, और 05:25 पर लाल बाढ़ चेतावनी; संयुक्त निकास उस दिन 08:00 और 18:00 के बीच लगभग 2.5 लाख क्यूसेक के चरम पर रहा और 19 सितंबर को 06:50 तक घटाकर 80,000 क्यूसेक कर दिया गया, और पंचेत RL 425.22 ft तक चढ़ा (PIB, प्रकाशित खबरों के अनुसार); उसी घटना में तेनुघाट से लगभग 85,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। स्वर्णरेखा पर रांची का गेतलसूद डैम और जमशेदपुर के ऊपर चांडिल डैम WRD के पास हैं; चांडिल ने 17 अगस्त 2016 को अपने 18 में से 13 गेट खोले, एक ऐसा निकास जिसे SANDRP ने टाला जा सकने वाला बताया, और CWC उसके

जलाशय का पूर्ण जल स्तर 2022 में 189 m और 2018 में 192.0 m सूचीबद्ध करता है (SANDRP द्वारा प्रतिलिपित रूप में)। खरकई ओडिशा के मयूरभंज से नीचे आती है, और बताया गया है कि जून 2008 में खरकई डैम से और मई 2021 में बांकाबल (Bankabal) और सिलाईपाथ (Silaipath) डैमों से छोड़े गए पानी ने जमशेदपुर पर उसे ऊँचा किया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। शोध के दौरान इनमें से किसी भी डैम का कोई प्रचालन नियम या निकास अभिलेख प्राप्त नहीं हुआ, और राज्य के किसी भी गेज का कोई घंटेवार जल स्तर अभिलेख प्राप्त नहीं हुआ [TBC]। जब तक वे प्राप्त नहीं होते, अभिलिखित सबसे बड़ी मात्रा में छोड़ा गया पानी लागू होता है, डैम के नीचे के जलग्रहण क्षेत्र के उसी घटना में घटित प्रवाह के साथ (खंड 5.8.5(c))। इस मैनुअल में प्रयुक्त स्तर CWC स्थल-सूचियों की प्रतियों, CWC बुलेटिनों के उद्धरण-अंशों और DVC की तालिका के उद्धरण-अंशों से लिए गए हैं, जिन्हें शोध के दौरान डाउनलोड नहीं किया जा सका, और उनके डेटम और गेज शून्य की पुष्टि CWC और DVC से की जानी है [TBC]।

खंड 5.8.5 इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। झारखंड में किसी नगर के आउटफॉल पर टेलवाटर ज्वार से नहीं, बल्कि ऊपर के डैमों से छोड़े गए पानी से ऊँची रखी गई नदी से, अपने पूर्ण स्तर पर किसी जलाशय, डैम या तालाब (talab) से, या, कोयला क्षेत्रों में, किसी ऐसे खदान के गड्ढे से निर्धारित होता है जिसके स्तर का किसी ने सर्वेक्षण नहीं किया है, और शोध के दौरान मिला कोई भी दस्तावेज इनमें से किसी के लिए डिजाइन स्तर नहीं देता। झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 अपेक्षा करता है कि नगरपालिका वर्षा जल के लिए "नगरपालिका क्षेत्र में या उसके बाहर एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल" ("a safe and efficient outfall, in or outside the municipal area") इस प्रकार उपलब्ध कराए कि "नगरपालिका क्षेत्र के किसी भाग में, या आउटफॉल के आसपास के क्षेत्रों में, बाढ़ से" ("by flooding any part of the municipal area, or of the areas surrounding the outfall") कोई उपद्रव न हो (धारा 219), और अपेक्षा करता है कि नए परिसर की ड्रेन तीस मीटर के भीतर किसी नगरपालिका ड्रेन में, या अन्यथा किसी मलकूप (cesspool) में, गिरे (धारा 227), किंतु यह नहीं कहता कि किस स्तर के सापेक्ष। राज्य में डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं है (अध्याय 7)।

पहली स्थिति नदी की है। पठार की नदियाँ तेजी से चढ़ती और उतरती हैं: उप-क्षेत्र 1(g) की CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट का हल किया गया उदाहरण, रामगढ़ जिले में बरकाकाना के पास सफी नदी, 390 km² के जलग्रहण क्षेत्र के लिए 5.5 घंटे का चरम तक का समय और 23 घंटे का आधार समय (time base) देता है, और अपनी 6 घंटे की वर्षा घटना का 57% पहले घंटे में रखता है (CWC, FER 1(g))। अपने आप में ये नदियाँ किसी आउटफॉल को दिनों नहीं, घंटों के लिए अवरुद्ध करेंगी। किंतु राज्य के अधिकांश नगर डैमों के नीचे बसे हैं, और कोई डैम भरा होने पर पानी छोड़ता है और जब तक अंतर्वाह रहता है तब तक छोड़ता रहता है। इसलिए कम से कम 72 घंटे का एकल अवरोध खंड 2.5.2 की सबसे लंबी डिजाइन वर्षा घटना को पूरी तरह समाविष्ट करता है, ताकि साइट वर्षा घटना के दौरान नदी के उतरने पर निर्भर न रहे, और किसी डैम के नीचे इसे अभिलिखित सबसे बड़े निकास की अवधि तक बढ़ाया जाता है, जिसे संचालक के अभिलेख दर्शाते हैं और जो शोध में नहीं मिली [TBC]। गंगा भिन्न है: वह सप्ताहों तक ऊँची रहती है, साहिबगंज पर 9 से 31 अगस्त 2021 के बीच उसके खतरे के स्तर से ऊपर के पाठ्यांक बताए गए और सितंबर 2019 के अंत और अक्तूबर 2019 के आरंभ में CWC ने वहाँ गंभीर बाढ़ स्थिति बताई (CWC, उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में), इसलिए वह कम से कम 7 दिन का वह अवरोध लेती है जो इस मैनुअल का बिहार संस्करण उसी नदी पर निर्धारित करता है। मद (a) में सूचीबद्ध CWC स्तर SANDRP की CWC स्थल-सूचियों की प्रतियों और CWC बुलेटिनों के उद्धरण-अंशों से लिए गए हैं, जिन्हें डाउनलोड नहीं किया जा सका; उनके डेटम और गेज शून्य की पुष्टि की जानी है [TBC]। जहाँ 2018 और 2022 की सूचियाँ मेल नहीं खातीं, जैसे बरकीसुरैया (Barkisuriya) और नंदाडीह पर, या कोई स्तर हटा दिया गया है, जैसे घाटशिला पर, वहाँ मद (a) तब तक उच्चतर मान रखता है जब तक CWC परिवर्तन की व्याख्या न करे, क्योंकि नदी जिस स्तर तक पहुँच चुकी है वह संशोधित किए जाने से नीचा नहीं हो जाता। खतरे के स्तर को 10% AEP स्तर की न्यूनतम सीमा के रूप में इसलिए लिया गया है कि हाल की बाढ़ों में नदियों ने उसे पार किया है: 17 सितंबर 2024 को दामोदर पर पुपुनकी और हेंदेगीर, बराकर पर बरकीसुरैया (Barkisuriya) और नंदाडीह, उत्तरी कोयल पर डालटनगंज और सोन पर जपला के गेज, सभी उस पर या उससे ऊपर थे (CWC), और साहिबगंज पर गंगा ने 2021, 2024 और 2025 में उसे पार किया (CWC; प्रकाशित खबरों के अनुसार), इसलिए लगभग दस वर्ष में एक बार पहुँचा जाने वाला स्तर उससे नीचे होने की संभावना नहीं है; इसे CWC अभिलेख के आवृत्ति विश्लेषण से बदला जाना है [TBC]। मद (a) केवल स्थायी पंपों को, सबसे बड़े पंप को घटाकर, गिनता है, उसी कारण से जिससे खंड 5.12.2(b) स्टैंडबाय पंप की अपेक्षा करता है।

जमशेदपुर में गेजों के दो समूह हैं। स्वर्णरेखा पर CWC के गेज का चेतावनी स्तर 122.5 m, खतरे का स्तर 123.5 m और उच्चतम स्तर 129.82 m है, जो 12 अक्तूबर 1973 को बना (CWC स्थल-सूची और बुलेटिन, प्रतिलिपि के अनुसार और उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में)। मानगो पुल पर स्वर्णरेखा के लिए जिला प्रशासन का खतरे का निशान 121.50 m है और आदित्यपुर पुल पर खरकई के लिए 129 m

(प्रकाशित खबरों के अनुसार, 2011 से 2025 तक एकरूप), जबकि आदित्यपुर पर खरकई के लिए CWC का उच्चतम स्तर 18 जून 2008 का 137.8 m है। मिले किसी भी स्रोत में दोनों समूहों का कभी मिलान नहीं किया गया है: उनके गेज के स्थान, शून्य और डेटम, सभी भिन्न हो सकते हैं। समाचार माध्यम जिले के पाठ्यांक ही बताते हैं, इसलिए मई 2021 में चक्रवात यास के दौरान खरकई 132.40–132.87 m पर "खतरे से ऊपर" ("above danger") थी, जबकि मानगो पर स्वर्णरेखा 119.20 m पर, अपने निशान से नीचे, थी (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। मद (a) दोनों समूहों को अलग रखता है, क्योंकि एक समूह से बना डिजाइन स्तर और दूसरे का पाठ्यांक किसी भी दिशा में कई मीटर गलत हो सकता है।

दूसरी स्थिति जलाशय और तालाब (talab) की है। रांची के जलाशय शहर को जल आपूर्ति करते हैं और मानसून जितना अनुमति दे उतने भरे रखे जाते हैं; अपने पूर्ण स्तर पर कोई जलाशय शेष मौसम में नहीं उतरता, बल्कि अपना अंतर्वाह अपने स्पिलवे के ऊपर से निकालता है, और उसका स्तर FTL से उतने शीर्ष तक ऊपर उठता है जितना बाढ़ को आवश्यक हो। इसलिए मद (b) MWL, या FTL जमा डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज, टेलवाटर के रूप में लेता है, और उससे नीचे के आउटफॉल को पूरी वर्षा घटना के लिए बंद मानता है, जो खंड 5.9.4 पहले से अपेक्षित करता है जब टेलवाटर आउटफॉल से ऊपर बना रहता है। गेतलसूद के लिए कोई MWL और कोई सरचार्ज नहीं मिला, और समाचार माध्यमों में बताए गए कांके और हटिया (धुर्वा) के किसी भी स्तर का कोई बताया गया डेटम नहीं है, इसलिए FTL + 0.5 m को अंतरिम मान के रूप में निर्धारित किया गया है: यह वह फ्रीबोर्ड है जिसे यह मैनुअल फर्श स्तरों के लिए उपयोग करता है (खंड 6.11.1), और यह एक न्यूनतम सीमा है, सरचार्ज का अनुमान नहीं, जो स्पिलवे और बाढ़ पर निर्भर करता है [TBC]। गेतलसूद का FRL स्वयं अनिश्चित है: CWC की सूची 590.06 m देती है, जबकि एक द्वितीयक स्रोत लगभग 1,954 ft देता है, जो 5 m से अधिक ऊँचा है, इसलिए मद (b) WRD के लिखित स्तर के बिना उस पट्टी में किसी आउटफॉल को डिजाइन नहीं करने देता। DVC के जलाशयों के टेलवाटर DVC के अधिकतम बाढ़ प्रबंधन स्तर और अभिलिखित उच्चतम स्तर में से अधिक लेते हैं, क्योंकि अभिलिखित बाढ़ों में दोनों को पार किया गया या उनके निकट पहुँचा गया: सितंबर 2024 में पंचेत RL 425.22 ft तक पहुँचा, जिसे उसके भू-अर्जन स्तर से ऊपर बताया गया (PIB, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। तालाबों और पोखरों का कोई प्रकाशित स्तर है ही नहीं, इसलिए मद (b) उनके अतिप्रवाह स्तर और उसके ऊपर के शीर्ष का उपयोग करता है। अभिरक्षक की सम्मति इसलिए अपेक्षित है कि किसी जलाशय में जोड़ी गई वर्षा जल ड्रेन हर अन्य आउटफॉल के लिए उसका स्तर बढ़ाती है, और इसलिए कि जलाशय और तालाब शहर का सीवेज भी ले जाते हैं, जो खंड 8.9 का विषय है: उच्च न्यायालय को बताया गया है कि रांची में कभी रहे 71 तालाबों में से अब केवल चार-पाँच दिखते हैं, और अतिक्रमण ने कांके और धुर्वा डैमों की क्षमता घटा दी है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)।

तीसरी स्थिति छोड़े गए पानी और वर्षा घटना के संयोग की है। मद (c) नगर पर डिजाइन वर्षा घटना को नदी के अभिलिखित सबसे बड़े निकास के साथ इसलिए चलाता है कि किसी जलाशय को भरने वाली वर्षा और नीचे के नगर पर होने वाली वर्षा मानसून के एक ही दौर या बंगाल की खाड़ी की एक ही मौसम प्रणाली से आती हैं (खंड 5.8.4 का भाष्य देखें)। मैथन और पंचेत से छोड़ा गया पानी पश्चिम बंगाल में जाता है, किंतु वही वर्षा घटनाएँ झारखंड में उनके ऊपर दामोदर और बराकर को ऊँचा करती हैं, और जिन जलाशय स्तरों को नियंत्रित करने के लिए पानी छोड़ा जाता है, वे उनके तटों पर हर आउटफॉल का टेलवाटर निर्धारित करते हैं। खरकई के डैम ओडिशा में हैं, इसलिए उनसे पानी छोड़ने का निर्णय राज्य के बाहर होता है, और बताया गया है कि जून 2008 और मई 2021 में उस छोड़े गए पानी ने जमशेदपुर पर खरकई को ऊँचा किया (प्रकाशित खबरों के अनुसार); मद (c) WRD से उनके नियम और अभिलेख प्राप्त करने को कहता है और तब तक नदी का अभिलिखित उच्चतम स्तर लेता है।

चौथी स्थिति खदान के गड्ढे की है। कोई खदान का गड्ढा या खदान झील मुक्त भंडारण जैसी दिखती है, और झरिया कोयला क्षेत्र के ओलीडीह (Olidih) जलसंभर में गर्तों (potholes) के रूप में मॉडल किए गए परित्यक्त गड्ढों ने सतही अपवाह को लगभग आधा कर दिया (Shinde et al., 2017, सारांश के अनुसार)। किंतु किसी खदान के गड्ढे के स्तर, अतिप्रवाह बिंदु और अतिप्रवाह मार्ग का जल निकासी के लिए सर्वेक्षण नहीं होता, उसकी भुजाएँ ढह सकती हैं, वह खनन कार्यों से जुड़ा हो सकता है, और उसका पानी अम्लीय या तलछट से भरा हो सकता है; कोयला कंपनियों की खदान की ड्रेनें "चरम आकस्मिक वर्षा से ऊपर कम से कम 50% सुरक्षा मार्जिन रखते हुए" ("keeping at least 50% safety margin over and above the peak sudden rainfall") आकार दी जाती हैं (कोयला खदानों की पर्यावरण स्वीकृतियों की मानक शर्त), जो कोई पुनरावृत्ति अवधि नहीं है, और कोयला खान विनियम, 2017 अपेक्षा करते हैं कि खदान के मुहाने उच्चतम बाढ़ स्तर से कम से कम 1.5 m ऊपर हों (विनियम 149, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। इसलिए मद (d) किसी खदान के गड्ढे को केवल पट्टाधारी और DGMS की लिखित सम्मति और सर्वेक्षण के साथ ही आउटफॉल मानता है, और किसी नगर की ड्रेन को कभी किसी चालू

खदान में जल निकासी नहीं करने देता। झरिया कोयला क्षेत्र में भू-धंसान उपग्रह द्वारा कुछ सेंटीमीटर से लेकर कई दसियों सेंटीमीटर प्रति वर्ष तक की दरों पर मापा गया है (Borah et al., 2017; Garg et al., 2021; सारांश के अनुसार), जो किसी ड्रेन की डिजाइन आयु के भीतर उसकी ढाल उलटने के लिए पर्याप्त है, इसीलिए मद (d) डिजाइन के लिए किए गए सर्वेक्षण से स्तरों की अपेक्षा करता है।

पाँचवीं स्थिति उस निकाय की है जो प्राप्तकर्ता जलाशय का स्वामी है। नदियाँ और राज्य के डैम WRD के हैं; DVC के जलाशय DVC के हैं, जिनमें मैथन और पंचेत से पानी छोड़ने की सलाह दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति देती है, जिसमें पश्चिम बंगाल, झारखंड, CWC और DVC के सदस्य हैं, और कोनार और तिलैया से स्वयं DVC (जल संसाधन मंत्रालय, 2018, उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में), जबकि राज्य द्वारा संचालित तेनुघाट समिति के विनियमन से बाहर बताया गया है (प्रकाशित खबरों के अनुसार); सार्वजनिक ड्रेनें और तालाब नगरपालिका में निहित हैं (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 203 और 221); और प्राकृतिक नालों को नगरपालिका ड्रेनों से अलग करने वाला कोई नियम नहीं मिला (अध्याय 6, खंड 6.9)। मद (b), (e) और (f) स्वामी की सम्मति और डिजाइन स्तर इसलिए माँगते हैं कि किसी चैनल, जलाशय या खदान के गड्ढे में पानी छोड़ने वाले डिजाइन की जाँच उनके बिना नहीं की जा सकती। मद (e) की रेखाएँ तय करती हैं कि आउटफॉल कहाँ बनाया जा सकता है, न कि उसका स्तर; उनकी स्थिति अध्याय 7 में दी गई है।

5.9 संयुक्त प्रायिकता की स्थितियाँ

5.9.1 किसी ज्वारीय या पश्चजल-प्रभावित आउटफॉल में जल निकासी करने वाले प्रत्येक तत्व की जाँच नीचे दी गई स्थितियों के लिए की जाएगी। प्रत्येक डिजाइन मात्रा के लिए सबसे गंभीर स्थिति निर्णायक होगी: भंडारण, जल स्तर, पाइप का आकार और पंप की क्षमता।

तालिका 5.2 — ज्वारीय और नदी आउटफॉलों के लिए संयुक्त प्रायिकता की स्थितियाँ

स्थिति	वर्षा	टेलवाटर	किस पर लागू	आधार
J1	लघु प्रणाली डिजाइन AEP, Tc से 24 h	MHWS + SLA (ज्वारीय वक्र)	लघु प्रणाली	खंड 2.12(a); खंड 5.7.1
J2	1% AEP, खंड 2.5.2 की सभी अवधियाँ	HAT + महोर्मि + SLA	प्रमुख प्रणाली, अस्थायी भंडारण, तालाब, पंप द्वारा संचालित प्रणालियाँ	खंड 5.7.1
J3	10% AEP, **48 h**	1% AEP स्थिर जल स्तर + SLA	प्रमुख प्रणाली, अस्थायी भंडारण, तालाब, पंप द्वारा संचालित प्रणालियाँ	खंड 2.12(b)
J4	डिजाइन AEP, **48 h** (72 h की रिपोर्ट)	J1 के अनुसार ज्वारीय वक्र, दो **6 h अवरोध अवधियों** के साथ (खंड 5.10)	सभी भंडारण और प्रत्येक गेटयुक्त या ज्वार-प्रभावित आउटफॉल	खंड 5.10
R1	साइट की डिजाइन AEP	नदी 10% AEP स्तर पर	नदी आउटफॉल	खंड 5.8.4(a)
R2	साइट की 10% AEP	नदी डिजाइन-AEP स्तर पर	नदी आउटफॉल	खंड 5.8.4(b)

5.9.2 भंडारण तत्वों के लिए, 48 और 72 घंटे की वर्षा घटनाएँ J2 और J3 टेलवाटर के साथ चलाई जाएँगी (खंड 2.5.3)।

5.9.3 ज्वार से प्रभावित नदी आउटफॉलों के लिए, R1 और R2 नदी मॉडल की अनुप्रवाह सीमा को J1 ज्वारीय वक्र पर रखकर चलाई जाएँगी। प्राधिकारी इन्हें J2 पर भी चलाने की अपेक्षा कर सकता है।

5.9.4 जहाँ टेलवाटर पूरी वर्षा घटना के दौरान आउटफॉल के इनवर्ट से ऊपर किसी स्तर पर स्थिर रहता है, वहाँ उस स्थिति को पूरी तरह बंद आउटफॉल माना जाता है। तब भंडारण और पंप वर्षा घटना का पूरा आयतन संभालेंगे।

भाष्य. खंड 2.12 दो संयुक्त स्थितियाँ निर्धारित करता है। स्थिति (a) MHWS और समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई के साथ डिजाइन वर्षा है। स्थिति (b) 1% स्थिर जल स्तर के साथ 10-वर्ष, 48 घंटे की वर्षा घटना है। यह मैनुअल प्रमुख प्रणाली डिजाइन के लिए HAT और महोर्मि जोड़ता है (खंड 5.7.1)। स्थिति J2 इन्हें संयुक्त करती है। J4 आउटफॉल-बंद जाँच है, जो किसी एकल स्तर के बजाय वर्षा घटना के सापेक्ष ज्वार के समय की जाँच करती है। वर्षा और महोर्मि का कारण एक ही चक्रवात होता है, इसलिए उन्हें स्वतंत्र नहीं माना जा सकता (खंड 2.12 का भाष्य)। ये स्थितियाँ सरल प्रतिनिधि (surrogates) हैं, जिन्हें IMD के वर्षा अभिलेखों और ज्वार गेज अभिलेखों का सांख्यिकीय संयुक्त विश्लेषण अपनाए जाने पर प्रतिस्थापित किया जाना है।

5.10 आउटफॉल-बंद (ज्वार से अवरुद्ध) भंडारण जाँच

5.10.1 **यह कहाँ लागू होती है.** यह जाँच निम्नलिखित पर लागू होती है:

- प्रत्येक भंडारण सुविधा;
- लघु और प्रमुख प्रणाली का प्रत्येक तत्व; और
- पंप द्वारा संचालित प्रत्येक प्रणाली

जिसके आउटफॉल का इनवर्ट HAT + महोर्मि + SLA से नीचे है, या जो ज्वार-अवरोध या रेत अवरोध से मुख बंद होने (खंड 5.13) के अधीन किसी नदी-भाग में जल निकासी करती है।

5.10.2 **वर्षा घटना.** खंड 2.9.2 के अनुसार बनाई गई 48 घंटे की डिजाइन वर्षा घटना (चरम दिन अंत में) का उपयोग करें, निम्नलिखित पर:

- तत्व की AEP: अस्थायी भंडारण, तालाबों और प्रमुख प्रणाली के लिए 1% AEP; लघु ड्रेन के लिए लघु प्रणाली AEP; और
- AMC III।

72 घंटे की वर्षा घटना भी चलाई जाएगी और उसकी रिपोर्ट दी जाएगी।

5.10.3 **अवरोध अवधियाँ.** जब तक 5.10.6 के अंतर्गत कोई साइट अध्ययन अन्यथा न दर्शाए:

- (a) आउटफॉल **6 घंटे की दो लगातार अवरोध अवधियों** के लिए बंद रहता है, जो स्थानीय ज्वारीय वक्र के दो लगातार ज्वारों पर केंद्रित होती हैं। अर्ध-दैनिक ज्वार के लिए, अवधियों के आरंभ लगभग 12.4 घंटे के अंतर पर होते हैं।
- (b) प्रत्येक अवरोध अवधि के दौरान, गुरुत्व निकास **शून्य** होता है।
- (c) अवरोध अवधियों के बीच, गुरुत्व निकास की गणना J1 ज्वारीय वक्र के विरुद्ध की जाती है, जिसमें फ्लैप गेट और किसी नॉन-रिटर्न वाल्व की हेड हानि सम्मिलित होती है।
- (d) पहली अवरोध अवधि इस प्रकार रखी जाएगी कि वह वर्षा घटना के अंतिम 24 घंटों के चरम 1-घंटे के ब्लॉक पर केंद्रित हो। पहली अवधि को उसी चरम ब्लॉक पर **आरंभ** करते हुए एक दूसरा रन भी किया जाएगा। अधिक गंभीर परिणाम निर्णायक होगा।

5.10.4 **अपेक्षा.** भंडारण और पंपिंग (जहाँ प्रदान की गई हो) मिलकर अंतर्वाह को इस प्रकार रोकेंगे कि पूरी जाँच के दौरान:

- (a) किसी भी अस्थायी भंडारण सुविधा में अधिकतम जल स्तर उसके आपातकालीन स्पिलवे के शिखर से नीचे रहे, ताकि स्पिलवे काम न करे। जहाँ आउटफॉल-बंद स्थिति का जल स्तर मुक्त-आउटफॉल डिजाइन के 1% AEP अधिकतम जल स्तर से अधिक हो, वहाँ वह खंड 4.9.3 के लिए सुविधा का 1% AEP अधिकतम जल स्तर बन जाता है, और स्पिलवे का शिखर, फ्रीबोर्ड और दीवार की ऊँचाई उसी से निर्धारित की जाती है;
- (b) लघु और प्रमुख प्रणालियों में अधिकतम जल स्तर अध्याय 6 की सीमाओं को पूरा करे: भवनों के फर्श स्तर, और सड़क पर गहराई शीर्ष पर 150 mm से अधिक नहीं और सबसे गहरे बिंदु पर 350 mm से अधिक नहीं; और

- (c) कोई भी संपत्ति कनेक्शन उसके द्वारा सेवित सबसे निचले खुले भाग से ऊपर सरचार्ज न हो, या खंड 5.11 के अंतर्गत नॉन-रिटर्न वाल्व लगाया जाए।

आयतन के रूप में, प्रत्येक अवरोध अवधि और पूरी वर्षा घटना के लिए:

> V_inflow ≤ V_storage available + V_pumped + V_gravity (अवरोधों के बीच)

यह रूटिंग द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा, किसी एकल आयतन संतुलन द्वारा नहीं। किसी अवरोध अवधि के समाप्त होने के बाद प्रत्येक सुविधा से निकास अध्याय 4 की निकास सीमाओं से अधिक हो सकता है, क्योंकि सुविधा ऐसी ड्रेन में खाली हो रही होती है जो अभी-अभी फिर खुली है। वह निकास अनुप्रवाह विश्लेषण (खंड 5.4 और 5.9) में सम्मिलित किया जाएगा।

5.10.5 **वर्षा घटना के बाद जल स्तर घटाना.** दूसरी अवरोध अवधि के बाद, भंडारण J1 ज्वारीय वक्र के अंतर्गत खाली होगा। खंड 4.7 की खाली होने के समय की अपेक्षा पूरी की जाएगी, और जहाँ गुरुत्व से यह पूरी नहीं हो सकती वहाँ पंपिंग द्वारा (खंड 5.12)।

5.10.6 **साइट अध्ययन.** लंबी या छोटी अवधि का अवरोध वहाँ लिया जा सकता है जहाँ कोई साइट अध्ययन डिजाइन स्थिति के लिए स्थिर जल स्तर की समय-शृंखला देता है। अध्ययन में अंशांकित हाइड्रोडायनामिक मॉडल, पिछली घटनाओं के गेज अभिलेख, या महोर्मि पश्च-अनुमान का उपयोग किया जा सकता है। डिफॉल्ट से छोटे अवरोधों के लिए प्राधिकारी का अनुमोदन आवश्यक है। लंबी अवधि का अवरोध वहाँ लिया जाएगा जहाँ:

- रेत अवरोध से मुख का बंद होना (खंड 5.13) या नदी का पश्चजल (खंड 5.8) आउटफॉल को अधिक समय तक बंद रखता है; या
- गेज अभिलेख तुलनीय पिछली घटनाओं में प्रति ज्वार 6 घंटे से अधिक समय तक टेलवाटर को आउटफॉल के इनवर्ट से ऊपर दर्शाता है।

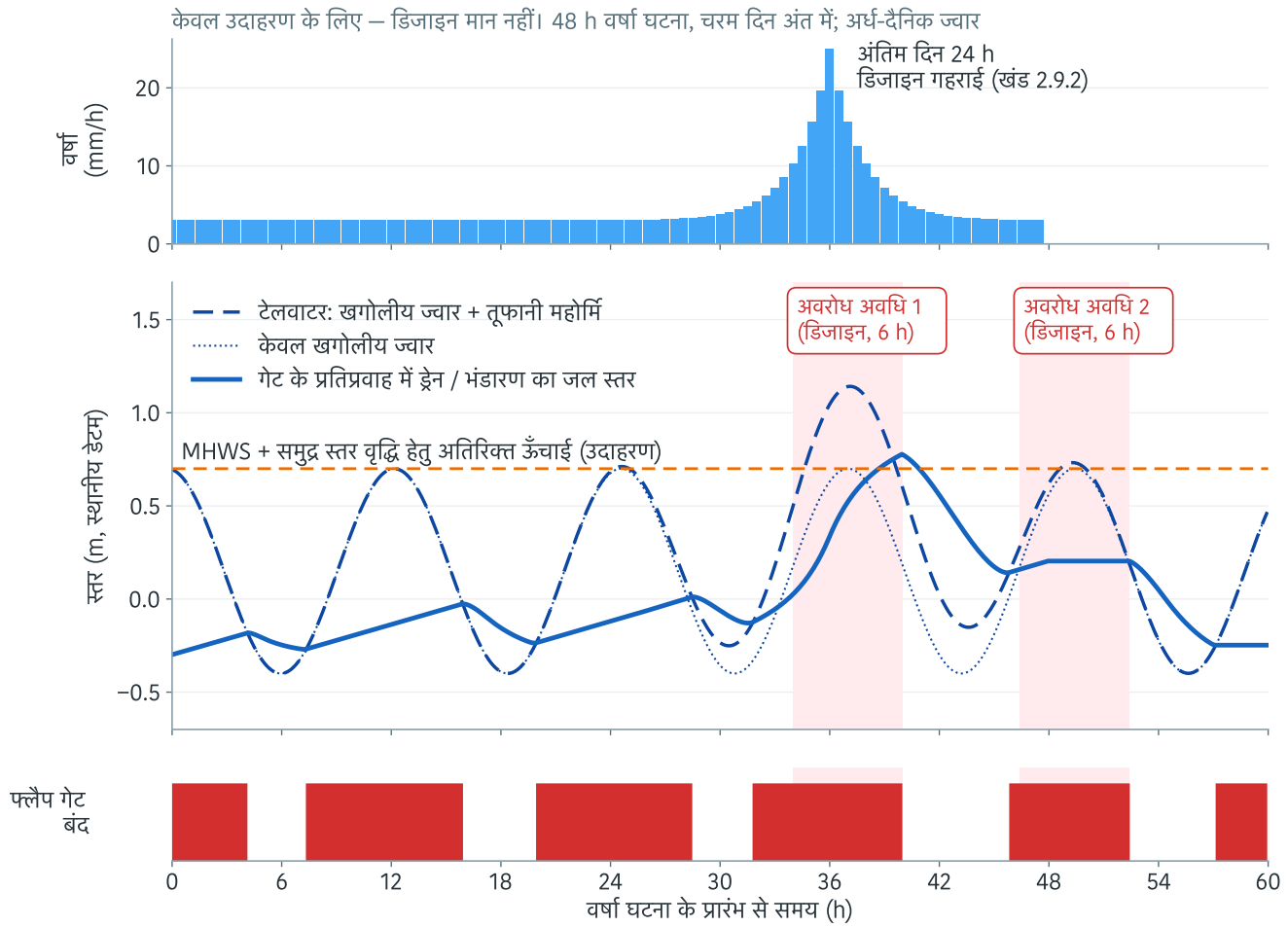

चित्र 5.3 — आउटफॉल-बंद जाँच: चरम दिन अंत में रखी गई 48 घंटे की वर्षा घटना (खंड 2.9.2), खगोलीय ज्वार और महोर्मि का टेलवाटर, 6 घंटे की दो डिजाइन अवरोध अवधियाँ, और फ्लैप गेट के प्रतिप्रवाह की ओर परिणामी जल स्तर। केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, MoHUA/CPHEEO Manual on Storm Water Drainage Systems (2019), Part A, §6.3.6 की ज्वारीय टेलवाटर और संयुक्त प्रायिकता की अवधारणाओं पर आधारित।

भाष्य. आउटफॉल-बंद जाँच इस मैनुअल में झारखंड की विशिष्ट अपेक्षा है। झारखंड में यह वहाँ लागू होती है जहाँ कोई आउटफॉल ज्वार द्वारा नहीं, बल्कि किसी डैम से छोड़े गए पानी या गंगा द्वारा ऊँची रखी गई किसी नदी द्वारा, अपने पूर्ण स्तर पर किसी जलाशय, डैम या तालाब (talab) द्वारा, या बिना निकास वाले किसी खदान के गड्ढे द्वारा बंद होता है। जून 2008 में खरकई डैम के गेट खोले जाने के बाद जमशेदपुर पर खरकई और स्वर्णरेखा अपने खतरे के निशानों से ऊपर चढ़ गईं, और जुगसलाई, बागबेड़ा, सोनारी और अन्य निचली कॉलोनियों के 500 से अधिक घरों के जलमग्न होने की खबर थी (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। सितंबर 2024 में मैथन और पंचेत से छोड़ा गया पानी 16 सितंबर की रात से 19 सितंबर की सुबह तक 80,000 क्यूसेक से ऊपर रहा (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और साहिबगंज पर 9 से 31 अगस्त 2021 के बीच गंगा के खतरे के स्तर से ऊपर के पाठ्यांक बताए गए (CWC बुलेटिन, उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में)। स्पिलवे से पानी छोड़ रहे डैम के नीचे की नदी तब तक ऊँची रहती है जब तक डैम पानी छोड़ता है, गंगा सप्ताहों तक ऊँची रहती है, अपने पूर्ण स्तर पर कोई जलाशय या तालाब शेष मानसून में वहीं रहता है, और बिना निकास वाला खदान का गड्ढा बिल्कुल खाली नहीं होता, इसीलिए खंड 5.8.5 नीचे वर्णित 6 घंटे की दो अवधियों के स्थान पर कम से कम 72 घंटे का, या गंगा पर 7 दिन का, एकल नदी अवरोध, और अपने डिजाइन स्तर से नीचे स्थित जलाशय, तालाब या खदान के गड्ढे वाले आउटफॉल के लिए पूरी वर्षा घटना के लिए बंद होना रखता है। जब कोई निकास ही नहीं है तब दर का नियम सहायता नहीं कर सकता: बंद गेट के पीछे ऑरिफिस वाला बेसिन बस भरता जाता है।

> 6 घंटे के दो लगातार अवरोधों के डिफॉल्ट का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है। यह दर्शाता है कि गुरुत्व आउटफॉल वर्षा के चरम के निकटतम दो ज्वारों के आसपास प्रत्येक ज्वारीय चक्र के लगभग आधे समय पानी नहीं छोड़ पाते। चित्र 5.3 दर्शाता है कि दोनों अवधियाँ क्यों महत्वपूर्ण हैं। पहला अवरोध वर्षा के चरम को पकड़ता है। दूसरा भंडारण के खाली होने से पहले आ जाता है, इसलिए जल स्तर फिर बढ़ता है।
>
> पहली अवधि को वर्षा के चरम पर रखना जानबूझकर प्रतिकूल है। चक्रवाती वर्षा और महोर्मि का कारण एक ही होता है, और खंड 2.12 उन्हें पहले से ही आश्रित मानता है। यह जाँच न तो J2 और J3 की स्तर जाँचों का स्थान लेती है और न ही अनुप्रवाह विश्लेषण का; यह समय और आयतन की एक जाँच जोड़ती है।

5.11 फ्लैप गेट, ज्वार-रोधी गेट और नॉन-रिटर्न वाल्व

5.11.1 **कहाँ आवश्यक.** प्रत्येक ऐसे आउटफॉल पर, जिसका इनवर्ट **1% AEP स्थिर जल स्तर** (खंड 5.7.3) से नीचे है, फ्लैप गेट, ज्वार-रोधी गेट या समतुल्य नॉन-रिटर्न युक्ति आवश्यक है। खंड 5.8.5 के अंतर्गत सिंचाई चैनलों में गिरने वाले आउटफॉलों पर भी यह आवश्यक है।

5.11.2 **हाइड्रोलिक्स.** डिजाइन में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

- निर्माता के प्रमाणित हेड–प्रवाह दर वक्र से गेट की हेड हानि और खुलाव हेड; और
- गेट के आंशिक रूप से खुले होने पर आउटफॉल की प्रभावी क्षमता में कमी।

आउटफॉल-बंद जाँच में गेटों को पूरी तरह सील होने वाला नहीं माना जाएगा, जब तक कि उनका परीक्षण न किया गया हो।

5.11.3 **निर्माण.**

- (a) गेट, कब्जे और सीटें समुद्री जल के लिए उपयुक्त संक्षारण-रोधी सामग्री की होंगी (खंड 4.12.5)।
- (b) गेट इस प्रकार लगाया जाएगा कि अनुप्रवाह की ओर की रेत, गाद या मलबा उसे बंद या खुला न रख सके। जहाँ तल गतिशील है, वहाँ गेट का इनवर्ट तल से ऊपर उठाया जाएगा, या पहुँच मार्ग को सुरक्षित किया जाएगा।
- (c) जहाँ गेट मलबे से जाम हो सकता है, वहाँ प्रतिप्रवाह की ओर कचरा-रोधी जाली प्रदान की जाएगी।
- (d) 600 mm से बड़े आउटफॉलों पर रखरखाव के लिए पृथक्करण हेतु प्रतिप्रवाह की ओर स्टॉप-लॉग खाँचा या पेनस्टॉक प्रदान किया जाएगा।
- (e) गेट कक्ष सभी ज्वारों पर पहुँच योग्य होगा, और उसका प्रवेश HAT + महोर्मि + SLA से ऊपर होगा।

5.11.4 **संपत्ति कनेक्शनों पर नॉन-रिटर्न वाल्व.** प्रत्येक ऐसे संपत्ति जल निकासी कनेक्शन पर, जहाँ सेवित सबसे निचला खुला भाग निम्नलिखित से नीचे है, नॉन-रिटर्न वाल्व, या पहुँच योग्य सफाई छिद्र (cleaning eye) वाला बैकवाटर वाल्व, आवश्यक है:

- कनेक्शन के बिंदु पर प्रमुख प्रणाली टेलवाटर (J2); या
- आउटफॉल-बंद जाँच में अधिकतम जल स्तर (खंड 5.10)।

बेसमेंट की जल निकासी को, इसके अतिरिक्त, अपने नॉन-रिटर्न वाल्व के साथ, दोनों से ऊपर के स्तर तक पंप किया जाएगा।

5.11.5 **निरीक्षण.** गेटों और वाल्वों का निरीक्षण और प्रचालन किया जाएगा:

- प्रत्येक वर्ष **10 जून** से पहले;
- प्रत्येक ऐसी घटना के बाद जिसमें वे वर्षा प्रवाह के विरुद्ध बंद हुए; और
- रखरखाव योजना (अध्याय 10) में निर्धारित अनुसार।

भाष्य. 1% स्थिर जल स्तर से नीचे गेटों की अपेक्षा इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। निर्माण संबंधी विवरण सामान्य तटीय जल निकासी पद्धति के अनुसार हैं। मलबे से खुला जाम हुआ गेट ज्वार को ड्रेन में आने देता है। रेत के ढेर से बंद रखा गया गेट गुरुत्व आउटफॉल को बंद सिरा बना देता है। झारखंड में आउटफॉल किसी समुद्र तट को पार नहीं करते, किंतु उनमें से कई किसी ऐसी नदी में समाप्त होते हैं जिसका स्तर प्रतिप्रवाह के किसी डैम के गेटों से निर्धारित होता है, या अपने पूर्ण स्तर पर रखे गए किसी जलाशय, डैम या तालाब (talab) में। जून 2008 में ओडिशा के मयूरभंज में खरकई डैम के गेट खोले जाने के बाद जमशेदपुर पर खरकई और स्वर्णरेखा अपने खतरे के निशानों से ऊपर चढ़ गईं, 500 से अधिक घरों के जलमग्न होने की खबर थी, और चांडिल जलाशय के प्रचालन पर भी प्रश्न उठाए गए (प्रकाशित खबरों के अनुसार; SANDRP, 2008); मई 2021 में, चक्रवात यास के दौरान, मयूरभंज में बांकाबल (Bankabal) और सिलाईपाथ (Silaipath) डैमों से पानी छोड़े जाने के बाद आदित्यपुर पर खरकई जिले के खतरे के निशान से ऊपर चढ़ गई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। जल्दबाजी में खोला गया गेट नीचे की नदी को ऊँचा करता है; बंद रखा गया गेट जलाशय को और उसमें पानी छोड़ने वाले हर आउटफॉल को ऊँचा करता है। डैम और उनके गेट WRD, DVC या, खरकई के ऊपर, ओडिशा सरकार के अधीन हैं [TBC], जबकि नदियों तक पहुँचने वाली ड्रेनें नगर निगमों, JUIDCO, जमशेदपुर के नागरिक निकाय या Tata Steel UISL की हैं, और शोध के दौरान इनमें से किसी भी गेट के प्रचालन को ड्रेनों के स्तरों से जोड़ने वाला कोई नियम नहीं मिला [TBC], इसलिए कोई गेट और उसके पीछे की ड्रेनें अलग-अलग निकायों की हो सकती हैं। 10 जून की निरीक्षण तिथि दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले रखी गई है।

5.12 पंप द्वारा संचालित आउटफॉल

5.12.1 **कब आवश्यक.** पंपिंग वहाँ प्रदान की जाएगी जहाँ गुरुत्व निकास निम्नलिखित को पूरा नहीं कर सकता:

- खंड 5.10 की आउटफॉल-बंद जाँच;
- खंड 4.7 की खाली होने के समय की अपेक्षा; या
- J2 और J3 स्थितियाँ।

जहाँ कोई गुरुत्व समाधान इन अपेक्षाओं को पूरा करता है, वहाँ पंपिंग का उपयोग नहीं किया जाएगा।

5.12.2 **क्षमता.**

- (a) कार्यरत पंप मिलकर, प्रदान किए गए भंडारण के साथ, खंड 5.9 की प्रत्येक स्थिति (J4 सहित) को पार करेंगे, जो रूटिंग द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा।
- (b) सबसे बड़े कार्यरत पंप के कम से कम बराबर **स्टैंडबाय** क्षमता स्थापित की जाएगी (न्यूनतम के रूप में कार्यरत + 1 स्टैंडबाय)।
- (c) पंप की क्षमता **J2** टेलवाटर के स्थैतिक हेड पर बताई जाएगी, माध्य ज्वार पर नहीं।

5.12.3 **प्राप्तकर्ता जलाशय पर प्रभाव.** किसी नदी, नहर या खाड़ी में पंप किया गया पानी खंड 5.8 के नदी या खाड़ी स्तर विश्लेषण में सम्मिलित किया जाएगा। ऐसी पंपिंग जो अन्यत्र प्राप्तकर्ता जलाशय के जल स्तर को खंड 5.5 के स्वीकार्यता मानदंडों से ऊपर बढ़ाती है, अनुमत नहीं है।

5.12.4 **विद्युत आपूर्ति.** पंपिंग स्टेशनों में निम्नलिखित में से एक होगा:

- दो स्वतंत्र विद्युत आपूर्तियाँ; या
- कार्यरत क्षमता के 100% के लिए स्टैंडबाय उत्पादन, कार्यरत प्रचालन के कम से कम **72 घंटे** के लिए साइट पर ईंधन के साथ।

परिवर्तन (changeover) स्वचालित होगा।

5.12.5 **बाढ़ से सुरक्षा.** विद्युत पैनल, नियंत्रण उपकरण, जनरेटर और ईंधन भंडारण निम्नलिखित में से अधिक स्तर से ऊपर रखे जाएँगे:

- 1% AEP बाढ़ जल स्तर + 0.5 m; और

- HAT + महोर्मि + SLA + 0.5 m।

स्टेशन तक पहुँच 1% AEP घटना में उपयोग योग्य बनी रहेगी।

5.12.6 **निकास व्यवस्था.** राइजिंग मेन निम्नलिखित के माध्यम से पानी छोड़ेंगे:

- J2 टेलवाटर से ऊपर के किसी स्तर के ऊपर से; या
- नॉन-रिटर्न वाल्व और फ्लैप गेट के माध्यम से।

व्यवस्था पश्च-साइफनन (back-siphoning) को रोकेगी।

5.12.7 **नियंत्रण और निगरानी.** प्रत्येक स्टेशन में निम्नलिखित होंगे:

- स्वचालित स्तर नियंत्रण;
- उच्च स्तर, पंप विफलता और विद्युत विफलता के लिए दूरस्थ अलार्म, जो संचालक को भेजे जाएँ; और
- स्तर और चलने के समय का लॉग, जो कम से कम 5 वर्ष तक रखा जाए।

वेट वेल का आकार ऐसा रखा जाएगा कि पंप के चालू होने की संख्या निर्माता की सीमाओं के भीतर रहे।

5.12.8 **जालियाँ.** इनलेट जालियाँ ऐसी सफाई विधि के साथ प्रदान की जाएँगी जो वर्षा घटना के दौरान काम करे (यांत्रिक रेक, या दोहरी जालियाँ)।

5.12.9 **परीक्षण.** पंप द्वारा संचालित प्रत्येक आउटफॉल को प्रत्येक वर्ष **10 जून** से पहले पूर्ण कार्यरत क्षमता पर, स्टैंडबाय विद्युत पर भी, परीक्षण के रूप में चलाया जाएगा। निजी पंप द्वारा संचालित प्रणालियाँ पंजीकृत रखरखाव घोषणा-पत्र (अध्याय 10) के अंतर्गत आएँगी।

> **भाष्य.** कार्यरत + स्टैंडबाय, 72 घंटे का ईंधन और बाढ़-सुरक्षित विद्युत व्यवस्था का कोई एकल प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। 72 घंटे के ईंधन का आँकड़ा सबसे लंबी अनिवार्य डिजाइन वर्षा घटना (खंड 2.5.2) से मेल खाता है। केवल ग्रिड बिजली पर निर्भर पंपिंग स्टेशन ठीक उसी समय रुक सकता है जब उसकी आवश्यकता हो, क्योंकि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की आपूर्ति प्रायः सुरक्षा के लिए बंद कर दी जाती है। सिंगापुर के अप्रैल 2025 के संशोधनों ने पंप द्वारा संचालित अस्थायी भंडारण टैंकों के लिए वार्षिक रखरखाव घोषणा-पत्र जोड़े (PUB Addendum No. 3)। खंड 5.12.9 और अध्याय 10 वही पद्धति अपनाते हैं। खंड 5.12.3 ऐसी पंपिंग को रोकता है जो केवल ज्वार से अवरुद्ध एक ड्रेन से पानी को ज्वार से अवरुद्ध नदी में डाल देती है।

5.13 रेत अवरोध से नदी मुखों का बंद होना

5.13.1 **यह कहाँ लागू होता है.** यह खंड किसी भी ऐसी नदी या खाड़ी में गिरने वाले आउटफॉलों पर लागू होता है जिसका मुख मौसमी रूप से रेत अवरोध से बंद होने के अधीन है। इसमें तटीय राज्यों के मुख (झारखंड में कोई नहीं: खंड 5.1.4), और परिशिष्ट 5B में सूचीबद्ध कोई अन्य मुख सम्मिलित हैं।

5.13.2 **दक्षिण-पश्चिम मानसून के आरंभ में धारणा.** जून–सितंबर ऋतु के आरंभ में मुख को रेत अवरोध द्वारा, सबसे हाल के मानसून-पूर्व सर्वेक्षण के शिखर स्तर पर, **बंद** माना जाएगा। यह तब तक लागू होता है जब तक WRD यह प्रमाणित नहीं करता कि:

- किसी मुख-रखरखाव कार्यक्रम (ड्रेजिंग, रेत अवरोध काटना या प्रशिक्षण दीवारें) ने पिछली तीन दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुओं में से प्रत्येक के आरंभ में मुख को खुला रखा है; और
- कार्यक्रम के लिए वर्तमान ऋतु हेतु धन उपलब्ध कराया गया है।

5.13.3 **बंद मुख के साथ टेलवाटर.** मुख बंद होने पर, आउटफॉल पर टेलवाटर निम्नलिखित में से अधिक होगा:

- (a) खंड 5.7 का ज्वारीय टेलवाटर; और
- (b) रेत अवरोध के पीछे नदी-भाग में स्तर, जिसकी गणना रेत अवरोध को उसके सर्वेक्षित शिखर स्तर पर एक वियर मानकर की जाएगी। उस स्तर में खंड 5.8 का नदी प्रवाह और प्रवाह को रेत अवरोध के ऊपर से या उसमें से पार कराने के लिए आवश्यक हेड सम्मिलित होगा।

5.13.4 **आपातकालीन कटाई का कोई क्रेडिट नहीं.** वर्षा घटना के दौरान रेत अवरोध को काटना या तोड़ना डिजाइन में नहीं माना जाएगा, जब तक कि WRD के पास इसके लिए तैनात उपकरणों के साथ कोई दस्तावेजित प्रचालन प्रक्रिया न हो। जहाँ ऐसी प्रक्रिया है, वहाँ रेत अवरोध को प्रक्रिया के लक्ष्य स्तर तक नीचा केवल प्रक्रिया में बताए गए समय के बाद माना जा सकता है।

5.13.5 **आउटफॉल-बंद जाँच.** जहाँ 5.13.3(b) का बंद-मुख स्तर डिफॉल्ट अवरोध अवधियों से अधिक समय तक आउटफॉल के इनवर्ट से ऊपर रहता है, वहाँ खंड 5.10 की अवरोध अवधि को उस समय तक बढ़ाया जाएगा।

> **भाष्य.** झारखंड का कोई तट और कोई नदी मुख नहीं है, इसलिए खंड 5.13 राज्य में लागू नहीं होता (खंड 5.1.4)। इसके निकटतम अंतर्देशीय समकक्ष वह तलछट और अपशिष्ट हैं जो इसकी नदियाँ और ड्रेनें किसी आउटफॉल पर छोड़ जाती हैं। कोयला क्षेत्र धाराओं में तलछट से भरा पानी भेजते हैं: CAG ने CCL की चार खदानों के बहिःस्राव में 100 mg/l की सीमा के मुकाबले 104 से 12,628 mg/l तक निलंबित ठोस पाए, और वाशरी का अपशिष्ट (rejects) दामोदर तक पहुँचता पाया (CAG, 2019 की रिपोर्ट संख्या 12); जमशेदपुर में WRD ने CWC से स्वर्णरेखा और खरकई के किनारों पर स्लैग फेंके जाने से उनकी जलविज्ञान में "व्यवधान" ("disturbance of hydrology") की जाँच करने को कहा (16 अप्रैल 2013 का उच्च न्यायालय का आदेश); और हरमू के साथ की वर्षा जल ड्रेनें "गाद, कीचड़ और ठोस जमाव से अवरुद्ध" ("blocked with silt, mud and solid deposits") पाई गईं (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। गाद से खुला या बंद रखा गया फ्लैप गेट, या ऐसा गेट जिसे हिलाया न जा सके, डिजाइन किए गए आउटफॉल को बंद सिरा या पीछे की ओर प्रवाह का मार्ग बना देता है। शोध के दौरान राज्य में किसी डैम, जलाशय या तालाब के आउटलेट के गेटों के लिए गेट प्रचालन का कोई लिखित नियम नहीं मिला [TBC]। खंड 5.8.5 इन दोनों से इस प्रकार निपटता है कि वह किसी ऐसे गेट प्रचालन या भंडारण का कोई क्रेडिट नहीं देता जिसे संचालक के अभिलेख नहीं दर्शाते। खंड 5.13.2 का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है। यह मुख के खुले होने को मान लेने के बजाय उसे सिद्ध करने का भार डालता है।

5.14 प्रलेखन

इस अध्याय के अधीन प्रत्येक परियोजना एक **अनुप्रवाह और टेलवाटर रिपोर्ट** (प्रपत्र 5-1) प्रस्तुत करेगी। इसमें निम्नलिखित होंगे:

1. विश्लेषण के विस्तार का एक नक्शा, जिसमें दर्शाया गया हो:
    - साइट;
    - प्रत्येक विश्लेषण बिंदु, उसके योगदान देने वाले जलग्रहण क्षेत्र के क्षेत्रफल और उसमें साइट के प्रतिशत के साथ; और
    - अंतिम बिंदु और उसे चुनने का कारण (खंड 5.3);
2. मॉडल का विवरण:
    - सॉफ्टवेयर और संस्करण;
    - नेटवर्क का योजनाबद्ध चित्र, ड्रेन और क्रॉसिंग के सर्वेक्षण स्रोतों के साथ;
    - साइट से बाहर के क्षेत्रों के लिए भूमि उपयोग और CN;
    - सम्मिलित किया गया कोई प्रतिप्रवाह अस्थायी भंडारण; और
    - जहाँ उपलब्ध हो, अंशांकन या वैधीकरण के साक्ष्य;
3. प्रत्येक विश्लेषण बिंदु, AEP और अवधि के लिए, विद्यमान और परियोजना सहित:
    - चरम प्रवाह;
    - चरम तक समय;

    - अधिकतम जल स्तर और वेग; और
    - जलमग्नता की अवधि (खंड 5.4);
4. खंड 5.5 के विरुद्ध तुलना, जिसमें प्रत्येक विफलता की पहचान और अपनाया गया उपाय हो;
5. टेलवाटर की व्युत्पत्ति:
    - ज्वार सारणी का संस्करण और बंदरगाह;
    - चार्ट डेटम के सापेक्ष MHWS, HAT और MSL;
    - भारतीय सर्वेक्षण विभाग के बेंचमार्क और परियोजना डेटम से डेटम संबंध;
    - महोर्मि का स्रोत और मान;
    - SLA; और
    - नदी के जल स्तर और उनके स्रोत (खंड 5.6 से 5.8);
6. परिणामों सहित खंड 5.9 की संयुक्त स्थिति की तालिका;
7. आउटफॉल-बंद जाँच (खंड 5.10):
    - वर्षा घटना और अवरोध का संरेखण;
    - जल स्तर–समय आलेख; और
    - प्रत्येक अवरोध अवधि के लिए आयतन संतुलन;
8. फ्लैप गेटों, ज्वार-रोधी गेटों और नॉन-रिटर्न वाल्वों की अनुसूची, प्रमाणित हेड–प्रवाह दर आँकड़ों के साथ (खंड 5.11);
9. जहाँ प्रदान किया गया हो, पंप द्वारा संचालित आउटफॉल का डिजाइन, विद्युत आपूर्ति, बाढ़ से सुरक्षा और नियंत्रण (खंड 5.12);
10. जहाँ प्रासंगिक हो, रेत अवरोध संबंधी धारणा और उसके समर्थन में WRD का प्रमाणन (खंड 5.13); और
11. अध्याय 10 के लिए निरीक्षण और रखरखाव की अपेक्षाएँ।

खंड 5.3.4 के अंतर्गत छोटी साइटें इसके स्थान पर प्रपत्र 5-2 (सरलीकृत अनुप्रवाह विवरण) प्रस्तुत करेंगी।

संदर्भ (अध्याय)

- MoHUA / CPHEEO (2019). Manual on Storm Water Drainage Systems, Part A, §6.3.6 और Table 6.2 (तटीय टेलवाटर; +0.3 m जलवायु प्रावधान)। https://web.archive.org/web/2024/https://mohua.gov.in/upload/uploadfiles/files/VolumeI-Part%20A-Engineering-Design.pdf
- MoHUA / CPHEEO (2013). Manual on Sewerage and Sewage Treatment Systems (पंपिंग स्टेशन)।
- Kansas City Metro Chapter APWA (2006). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities (5601.5, दस-प्रतिशत अनुप्रवाह विश्लेषण)। https://www.kcwater.us/wp-content/uploads/2020/08/Design-Criteria-%E2%80%93-Section-5600-%E2%80%93-Storm-Drainage-Systems-and-Facilities.pdf
- Kansas City Metro Chapter APWA (2025). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities, Version 2025.01.
- Atlanta Regional Commission / Georgia EPD (2016). Georgia Stormwater Management Manual, Vol. 1 (Standard #8) और Vol. 2 §3.1.9। https://documents.atlantaregional.com/gastormwater/GSMM_2016%20EDITION_FINAL_V1.pdf
- MARC. The Evolution of Regional Stormwater Design Standards. https://www.marc2.org/Assets/Environment/WQEC/The_Evolution_of_Regional_Strormwater_Design_Standards.pdf
- Optimisation of urban detention (2016). *Water* 8(7):290. https://doi.org/10.3390/w8070290
- Colorado State University. Spatially Dependent On-Site Detention Policies (शोध-प्रबंध)। https://mountainscholar.org/bitstreams/f4dbec4e-a44f-4933-8d54-a097e741f44a/download
- SANDRP (2022). 2022: CWC flood monitoring sites in East India (झारखंड के लिए CWC स्थल-सूची की एक प्रति: Jamshedpur, Muri, Ghatsila, Adityapur, Sahibganj, Rajmahal, Daltonganj, Mohammad Ganj, Japla, Hendegir, Ramgarh, Pupunki, Barkisuriya और Nandadih पर चेतावनी, खतरे और उच्चतम बाढ़ स्तर, और अंतर्वाह-पूर्वानुमान सूची के जलाशयों के स्तर), https://sandrp.in/2022/09/12/2022-cwc-flood-monitoring-sites-in-east-india/ , और उसकी 2018 की स्थल-सूची की प्रति; SANDRP (2017). Jharkhand rivers profile, https://sandrp.in/2017/05/16/jharkhand-rivers-profile/ । प्रत्येक गेज के डेटम और गेज शून्य की पुष्टि CWC से की जानी है।
- Central Water Commission. 17 सितंबर 2024 की दैनिक बाढ़ स्थिति रिपोर्ट (खतरे और चेतावनी स्तरों पर या उनसे ऊपर झारखंड के स्टेशन), एक संग्रहीत प्रति से पढ़ी गई, https://cwc.gov.in/sites/default/files/dfsitrepca-17.09.2024.pdf ; 21 सितंबर 2019 की दैनिक बाढ़ स्थिति रिपोर्ट (साहिबगंज), https://cwc.gov.in/sites/default/files/dfsrca21092019.pdf ; और 2021, 2022 और 2024 के बाढ़ बुलेटिन और अप्रैल 2025 की मानक प्रचालन प्रक्रिया (जमशेदपुर और साहिबगंज (Sahibganj) पर स्तर), केवल उद्धरण-अंशों के रूप में देखे गए, जैसे https://cwc.gov.in/sites/default/files/sopapril2025.pdf
- Central Water Commission. *Flood Estimation Report for Lower Ganga Plains Subzone 1(g)* (पहाड़ी क्षेत्र; गढ़वा रोड–बरकाकाना रेल मार्ग पर सफी नदी के पुल 110 का हल किया गया उदाहरण: जलग्रहण क्षेत्र 389.76 km², चरम तक का समय 5.5 h, आधार समय 23 h)।
- Damodar Valley Corporation. Reservoir overview and salient features (तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत के जलग्रहण क्षेत्र और संरक्षण, बाढ़ प्रबंधन और मृत भंडारण स्तर), केवल खोज उद्धरण-अंशों के रूप में देखे गए; स्तरों की पुष्टि की जानी है। https://www.dvc.gov.in/cms-web/details-pages/113
- Ministry of Water Resources (2018). दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति और मैथन, पंचेत, कोनार और तिलैया से पानी छोड़ने पर कार्यवृत्त, केवल एक उद्धरण-अंश के रूप में देखा गया। https://mowr.nic.in/core/Circulars/2018/Pen.%20River_08-07-2018_16.pdf

- Press Information Bureau (2024). सितंबर 2024 में मैथन और पंचेत से छोड़े गए पानी पर वक्तव्य (17 सितंबर की चेतावनियाँ; 2.5 लाख क्यूसेक का चरम; पंचेत RL 425.22 ft), प्रकाशित खबरों के अनुसार (पृष्ठ खोला नहीं जा सका), https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2056678 ; और उसी निकास और तेनुघाट पर समाचार रिपोर्टें (Devdiscourse), https://www.devdiscourse.com/article/law-order/3092176-flood-management-efforts-intensify-as-dvc-and-tenughat-dam-release-contribute-to-widespread-flooding-in-damodar-valley , और (Deccan Herald, PTI), https://www.deccanherald.com/india/west-bengal/amid-flood-like-situation-in-bengal-damodar-valley-corporation-releases-3-lakh-cusecs-of-water-from-dams-3193801
- SANDRP (2008). *Dams, Rivers & People*, August–October 2008 (जून 2008 की जमशेदपुर की बाढ़ और चांडिल जलाशय का प्रचालन), https://sandrp.in/wp-content/uploads/2018/03/drp_aug_oct-2008.pdf ; और SANDRP (2016). Was not sudden flood in Subarnrekha, Jharkhand avoidable? (चांडिल, 17 अगस्त 2016), https://sandrp.in/2016/08/20/was-not-sudden-flood-in-subarnrekha-jharkhand-avoidable/
- Jharkhand Urban Infrastructure Development Company (2017). *Jharkhand Municipal Development Project: Draft Environmental and Social Impact Assessment, Storm Water Drainage, Dhanbad*, Vol. I, नवंबर 2017 (1-वर्ष की डिजाइन वर्षा घटना; 94 आउटफॉल; भंडारण के रूप में समेकित तालाब; कोयला-धारी क्षेत्र और अग्नि क्षेत्र बाहर रखे गए)। http://web.archive.org/web/20180205012706id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/Home/cirfiles/ESIA%20Dhanbad%20Drainage_Volume1.pdf
- Comptroller and Auditor General of India. *Report No. 1 of 2023, Government of Jharkhand*, Chapter 3 (रांची में सीवरेज और जल निकासी), https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/7-Chapter-3-064ccf54aaea3b2.74931941.pdf , और Chapter 4 (हरमू नदी: जलग्रहण क्षेत्र, डिजाइन पुनरावृत्ति अवधियाँ, अपवाह गुणांक, 2016 और 2017 की क्षति, नदी की चौड़ाई), https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/8-Chapter-4-064ccf54ab201d9.52401481.pdf ; और *Report No. 12 of 2019* (कोल इंडिया और उसकी अनुषंगी कंपनियों में खनन का पर्यावरणीय प्रभाव), Chapter 5 (खदान के बहिःस्राव में निलंबित ठोस; कथारा (Kathara) वाशरी), https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2019/Chapter_5_Water_Pollution_and_Control_Measures_of_Report_No_12_of_2019_Assessment_of_Environmental_Impact_due_to_Mining_Activities_and_its_Mitigation_in_Coal_India_Limited_and_its_S.pdf
- *Jharkhand Municipal Act, 2011* (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011; झारखंड अधिनियम संख्या 07, 2012), धारा 203, 219, 221 और 227, UD&HD की वेबसाइट की एक संग्रहीत प्रति से पढ़ा गया। http://web.archive.org/web/20171223160748id_/http://udhd.jharkhand.gov.in:80/Handlers/Acts.ashx?id=AT01042016100433AM.pdf
- Urban Development and Housing Department, Government of Jharkhand. *Jharkhand Building Bye-laws, 2016* (झारखंड भवन उपविधि, 2016), 5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006, उपविधि 23, http://web.archive.org/web/20190426093550id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL06042016060406PM.pdf ; और रांची मास्टर प्लान 2037 का अनुमोदन, 30 नवंबर 2015 की संख्या 02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008-4371, शर्त 2.9 (हिन्दी में), http://web.archive.org/web/20220527111932id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/MP_Notification_4371%20dt-30-11-15.pdf
- High Court of Jharkhand. W.P.(PIL) No. 1325 of 2011, *Court on its own motion v. State of Jharkhand*, 16 अप्रैल 2013 का आदेश (स्वर्णरेखा और खरकई; स्लैग फेंकना), एक तृतीय-पक्ष प्रति से पढ़ा गया, https://saryuroy.in/library/petition_judgement_old/hc_jdgmnt_16_04_2013.pdf ; और W.P.(PIL) No. 1463 of 2020, *Khushboo Kataruka v. State of Jharkhand* (रांची के जलाशय), 31 जुलाई 2025 का आदेश, प्रकाशित खबरों के अनुसार (ThePrint/PTI), https://theprint.in/india/jharkhand-hc-orders-govt-officials-to-ensure-no-encroachment-around-water-bodies/2709482 ; बाद के आदेश पढ़े नहीं गए।

- National Green Tribunal, Eastern Zone. O.A. 145 of 2023 (EZ), *Tribunal on its own motion v. State of Jharkhand* (स्वर्णरेखा के तल पर निर्माण; 14 मार्च 2024 की संयुक्त समिति रिपोर्ट), राज्य के शपथ-पत्र और एक हस्तक्षेपकर्ता के आवेदन से पढ़ा गया; और O.A. 200 of 2014, *M.C. Mehta v. Union of India* में राज्य की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टें (साहिबगंज जिले में गंगा; WRD द्वारा डूब क्षेत्र का सीमांकन)। https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change. कोयला खदानों के लिए मानक पर्यावरण स्वीकृति शर्तें ("चरम आकस्मिक वर्षा से ऊपर कम से कम 50% सुरक्षा मार्जिन" ("at least 50% safety margin over and above the peak sudden rainfall") वाली गारलैंड ड्रेनें), जैसी 13 अगस्त 2024 की EC फाइल संख्या J-11015/72/2016-IA.II(M) में हैं (झारखंड के बाहर की एक खदान, मानक पाठ के लिए प्रयुक्त)। https://mahagenco.in/Content/File_pdf/EnvClearance/2.EC_Gare%20Palma%20Sector%20II%20Coal%20Mine%20Project_13.08.2024.pdf ; और *Coal Mines Regulations, 2017* (कोयला खान विनियम, 2017), विनियम 149 (सतही जल से खतरा), केवल उद्धरण-अंशों में देखा गया।
- Shinde, V. et al. (2017). Hydrological effects of abandoned opencast pits in the Olidih watershed, Jharia coalfield. *Environmental Processes* 4(3), 697–710, doi:10.1007/s40710-017-0258-3 (सारांश के अनुसार); Borah et al. (2017) और Garg et al. (2021), झरिया कोयला क्षेत्र में भू-धंसान के InSAR मापन (सारांश के अनुसार)।
- India Meteorological Department. *Extremes of Temperature and Rainfall for Indian Stations (up to 2012)*, झारखंड के पृष्ठ (Ranchi (A), 12 अक्तूबर 1973; Jamshedpur (A), 18 जून 2008)। https://imdpune.gov.in/library/public/EXTREMES%20OF%20TEMPERATURE%20and%20RAINFALL%20upto%202012.pdf
- जून 2008 की जमशेदपुर की बाढ़ पर समाचार रिपोर्टें (OneIndia; The Telegraph), https://obeta.ttef.in/jharkhand/two-days-of-heavy-rain-floods-low-lying-areas-of-steel-city/cid/1790210 ; मई 2021 में जमशेदपुर में चक्रवात यास पर (Avenue Mail), https://avenuemail.in/cyclone-yaas-rivers-flow-on-danger-mark-in-jamshedpur-ndrf-teams-carry-rescue-operation-city-records-108-mm-rainfall/ , और (The Telegraph), https://obeta.ttef.in/jharkhand/yaas-fury-leads-to-widespread-rain-floods-south-jharkhand-areas/cid/1816916 ; 26 जुलाई 2025 को स्वर्णरेखा और खरकई पर (ThePrint/PTI, जिला प्रशासन को उद्धृत करते हुए), https://theprint.in/india/subarnarekha-kharkai-rivers-flowing-above-danger-level-in-jharkhands-east-singhbhum/2703460 ; साहिबगंज में गंगा पर (UNI), https://www.uniindia.com/east-india/flood-jharkhand-sahibganj-ganga/176490 ; चांडिल पर (Avenue Mail); 2025 में स्वर्णरेखा से 15 m के भीतर ध्वस्तीकरण पर (Hindustan Times); और कांके, हटिया और गेतलसूद डैमों पर (The Telegraph), https://obeta.ttef.in/jharkhand/de-silt-cry-for-kanke-hatia-and-getalsud-dams/cid/1695827
- Survey of India. Tidal Predictions: Geodetic and Research Branch. https://www.geographyandyou.com/survey-of-india/tidal-predictions-geodetic-and-research-branch-survey-of-india
- GLOSS. India national report (ज्वार गेज नेटवर्क और डेटम)। https://gloss-sealevel.org/gloss/gloss/sites/gloss/files/publications/documents/india_ge9.pdf
- Adani Ports (2025). Tide Table 2025, Dahej (NHO INP-12 के कवरेज और आँकड़ों के स्रोतों पर टिप्पणियाँ)। https://www.adaniports.com/-/media/Project/Ports/PortsAndTerminals/Dahej-Port/Marine-Documents/Tide-Table-2025-Dahej.pdf
- INCOIS. Storm-surge and swell-surge warning services. https://incois.gov.in/
- FHWA. HEC-22 Urban Drainage Design Manual (वर्तमान संस्करण), Table 7.3 (संयोगी आवृत्तियाँ)।
- Purdue University JTRP (2023). Development of a Multiple Water Course Joint Probability Analysis Procedure for Indiana Watersheds, FHWA/IN/JTRP-2023/09. https://docs.lib.purdue.edu/jtrp/1820

- PUB Singapore (2025). Code of Practice on Surface Water Drainage, 7th ed., Addendum No. 3. https://info.corenet.gov.sg/docs/default-source/pub-circulars/pub-circular_cop-7th-ed-addendum-no-3_16-apr-2025.pdf?sfvrsn=5a2c1e1a_2

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय-वस्तु
5A	ज्वारीय डेटम (CD और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के डेटम के सापेक्ष MSL, MHWS, HAT), तटीय खंडवार महोर्मि प्रावधान और 1% स्थिर जल स्तर
5B	प्रमुख ड्रेन, नदी आउटफॉल वाले नदी-भाग, और रेत अवरोध से बंद होने के अधीन नदी मुख; मानचित्र
5C	हल किया गया उदाहरण: रांची में हरमू नदी पर स्थित एक साइट के लिए आउटफॉल-बंद जाँच
प्रपत्र 5-1	अनुप्रवाह और टेलवाटर रिपोर्ट
प्रपत्र 5-2	सरलीकृत अनुप्रवाह विवरण (छोटी साइटें)

अध्याय 6

लघु और प्रमुख जल निकासी प्रणालियाँ

6.1 उद्देश्य और विस्तार

6.1.1 यह अध्याय उस वहन प्रणाली (conveyance system) के लिए सेवा स्तर और हाइड्रोलिक मानदंड निर्धारित करता है जो किसी विकास, सड़क या सार्वजनिक जल निकासी योजना से अपवाह को किसी प्राप्तकर्ता जलमार्ग, तालाब या आउटफॉल तक ले जाती है। इसमें सम्मिलित हैं:

- (a) द्वैध जल निकासी अवधारणा (dual drainage concept): एक लघु प्रणाली (minor system) और एक प्रमुख प्रणाली (major system) (खंड 6.3);
- (b) भूमि उपयोग और सड़क वर्ग के अनुसार डिजाइन पुनरावृत्ति अवधियाँ (खंड 6.4);
- (c) सड़क हाइड्रोलिक्स: फैलाव, गहराई और प्रवाह जोखिम (खंड 6.5);
- (d) इनलेट, अवरोध (clogging) सहित (खंड 6.6);
- (e) पाइप तथा खुली और ढकी ड्रेन (खंड 6.7);
- (f) हाइड्रोलिक ग्रेड लाइन (HGL) विश्लेषण (खंड 6.8);
- (g) सतही प्रवाह मार्ग, निचले बिंदुओं (sag) पर जल का रुकना और भवनों के फर्श स्तर (खंड 6.9 से 6.11);
- (h) पुलिया और सड़क क्रॉसिंग (खंड 6.12); और
- (i) ढकी ड्रेन, गाद, ठोस अपशिष्ट, उपयोगिता सेवाओं और गाद निकासी के लिए पहुँच से संबंधित झारखंड की निर्माण-पद्धति की अपेक्षाएँ (खंड 6.13)।

6.1.2 अलग-अलग संरचनाओं (पुलिया, चैनल, ऊर्जा क्षयकारी, जाली, पंप, गेट, मैनहोल) का विस्तृत हाइड्रोलिक डिजाइन अध्याय 9 में है। वर्षा अध्याय 2 में, अपवाह की विधियाँ अध्याय 3 में, साइट पर भंडारण अध्याय 4 में, टेलवाटर अध्याय 5 में, जलाशय अध्याय 7 में और जल गुणवत्ता अध्याय 8 में है।

6.1.3 यह अध्याय सभी सार्वजनिक ड्रेन, कर्ब या सड़क किनारे की ड्रेन वाली सभी सड़कों, और उन विकासों की सभी निजी जल निकासी प्रणालियों पर लागू होता है जो अध्याय 1 के प्रयोज्यता सीमा-मानों को पूरा करते हैं। टियर B स्थानीय निकायों में ≤ 16 ha की सेवा करने वाले अवयवों के लिए अध्याय 1 में उल्लिखित सरलीकृत प्रक्रियाओं और डिजाइन सहायिकाओं का उपयोग किया जा सकता है, किंतु इस अध्याय के मानदंड फिर भी लागू होते हैं।

> **भाष्य.** झारखंड की ड्रेनें अपने किनारे उपलब्ध भूमि में समाने के अनुसार डिजाइन की गई हैं, और ड्रेन की क्षमता से बड़ी बाढ़ के लिए कोई योजना नहीं है। किसी शहर की ड्रेनों के लिए मिली एकमात्र डिजाइन वर्षा घटना धनबाद की 153.95 km नई ड्रेनों की 1-वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि है, जो इसलिए चुनी गई क्योंकि 2- और 5-वर्ष की ड्रेनों के लिए सड़क की चौड़ाई से बाहर की भूमि की आवश्यकता होती (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017); रांची में हरमू चैनल 25-वर्ष की बाढ़ के लिए डिजाइन किया गया था और जुलाई 2016 और जुलाई 2017 में हुई क्षति के बाद आंशिक रूप से 50 वर्ष के लिए पुनः डिजाइन किया गया, ऐसे अपवाह गुणांक के साथ जिसे IIT बॉम्बे ने पहले विकसित क्षेत्र के लिए 0.95 बताया था और अपनी पुनरीक्षित (vetted) रिपोर्ट में घटाकर 0.29 कर दिया (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); और जोन-I अनुबंध के अंतर्गत रांची के लिए सहमत 207 km वर्षा जल ड्रेनों में से 1.49 km बनाई गईं, सात स्थानों पर, "किसी ड्रेन नेटवर्क से नहीं जुड़ी" ("not connected to any drain network") (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। धनबाद में परियोजना क्षेत्र की 243 km सड़कों में से केवल

लगभग 40 km पर ड्रेनें थीं (JUIDCO, 2017), और लेखापरीक्षित नौ अन्य नगरों में 60% ड्रेनें खुली (बिना ढकी) थीं और सभी वर्षा के साथ घरेलू अपशिष्ट जल भी ले जाती थीं (CAG, 2015-16 के लिए स्थानीय निकायों पर वार्षिक तकनीकी निरीक्षण रिपोर्ट)। जहाँ ड्रेनें उफनती हैं, वहाँ पानी सड़कों के साथ बहता है और निचली कॉलोनियों में जमा होता है: रांची में, जुलाई 2021 में 24 घंटों में लगभग 180 mm वर्षा के बाद कटहल मोड़ (Kathal More) और अरगोड़ा में, अगस्त 2022 में कांके रोड और बहुबाजार में, और जून 2025 में फिर बहुबाजार में, जब रांची जिले में 1 से 23 जून के बीच 125.7 mm के सामान्य के मुकाबले 459 mm वर्षा हुई (प्रकाशित खबरों के अनुसार); जमशेदपुर में, जून 2008 में निचली कॉलोनियों के 500 से अधिक घरों में (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। पठार पर सड़कें तीव्र ढलान वाली हैं और वर्षा घटनाएँ छोटी और तीव्र होती हैं: रांची के पास मांडर में एक घंटे में 99 mm और तीन घंटों में 171 mm, और जमशेदपुर में तीन घंटों में 184 mm वर्षा दर्ज हुई है (CWC, FER 1(g)), इसलिए कोई सड़क तेज, उथला प्रवाह ले जा सकती है, जिसे खंड 6.7.3 की वेग सीमाएँ और तालिका 6.3 की जोखिम सीमाएँ उतना ही नियंत्रित करती हैं जितना गहराई सीमाएँ। जिन नालों को अतिप्रवाह ले जाना चाहिए, वे संकरे कर दिए गए हैं: 2009 और 2021 के बीच करमा चौक पुल (Karma Chowk bridge) पर हरमू की चौड़ाई 18.70 m घट गई (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1), और उच्च न्यायालय को बताया गया है कि रांची में कभी रहे 71 तालाबों में से अब केवल चार-पाँच दिखते हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। ड्रेनें स्वामियों में बँटी हुई भी हैं: नगरपालिका निकाय, JUIDCO, RRDA, जमशेदपुर का नागरिक निकाय और Tata Steel UISL, WRD और कोयला कंपनियाँ, सभी ड्रेनें और प्राप्तकर्ता जलाशय बनाते या धारण करते हैं, और कोई नियम उनका विभाजन नहीं करता (खंड 6.9 का भाष्य देखें)। वर्षा को ठीक करना (अध्याय 2) उत्तर का केवल आधा भाग है। दूसरा आधा भाग सतह के स्तर पर एक दूसरी प्रणाली है जो वह प्रवाह ले जाती है जो पाइप नहीं ले जा सकते, भवनों में बाढ़ लाए बिना। यही इस अध्याय की द्वैध जल निकासी अवधारणा है, जो Kansas City Metro APWA Section 5600 (5601.8, Levels of Service) से ली गई है, जिसमें प्रत्येक अवयव के लिए 1% AEP अतिप्रवाह मार्ग अनिवार्य है।

6.2 परिभाषाएँ

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
लघु प्रणाली	इनलेट, पाइप, ढकी ड्रेन और खुली ड्रेन जो तालिका 6.1 के लघु डिजाइन AEP तक का अपवाह खंड 6.8 की सीमाओं से ऊपर सरचार्ज के बिना ले जाती हैं।
प्रमुख प्रणाली	सतही प्रवाह मार्ग (सड़कें, सतही प्रवाह मार्ग, खुले चैनल, बाढ़ मार्ग और भंडारण) जो लघु प्रणाली की क्षमता से अधिक प्रवाह को 1% AEP (100-वर्ष) घटना तक ले जाते हैं।
सतही प्रवाह मार्ग	सार्वजनिक भूमि में या दर्ज सुखाधिकार (easement) में एक परिभाषित सतही मार्ग, जो प्रमुख प्रणाली के प्रवाह को किसी प्राप्तकर्ता जलमार्ग तक ले जाता है।
फैलाव (T)	कर्ब चैनल और कैरिजवे में प्रवाह की चौड़ाई, कर्ब के फलक से मापी गई।
निचला बिंदु	किसी सड़क या प्रवाह मार्ग पर एक निचला बिंदु जहाँ से पानी केवल किसी इनलेट के माध्यम से या अतिप्रवाह स्तर तक रुककर ही निकल सकता है। बंद निचले बिंदु (trapped sag) का कोई सतही अतिप्रवाह मार्ग नहीं होता।
अवरोध गुणक	किसी इनलेट की स्वच्छ हाइड्रोलिक क्षमता का वह अंश जो कचरे के कारण नष्ट माना जाता है (खंड 6.6.3)।
हाइड्रोलिक ग्रेड लाइन (HGL)	किसी वाहिका प्रणाली में मुक्त सतह के स्तरों को, या प्रणाली के दाब में होने पर पीजोमीट्रिक स्तरों को, जोड़ने वाली रेखा।
ढकी ड्रेन	एक आयताकार ड्रेन, सामान्यतः सड़क के किनारे, जो स्थल पर ढाली गई या पूर्वनिर्मित ढकने की स्लैबों से बंद होती है और जिनसे फुटपाथ बनता है।
तलछट प्रावधान	किसी ड्रेन या पाइप की वह गहराई या क्षेत्रफल जो उसकी डिजाइन क्षमता की गणना करते समय गाद से भरा माना जाता है (खंड 6.7.8)।
जाँच घटना	डिजाइन AEP से दुर्लभतर कोई AEP जिस पर संयुक्त लघु और प्रमुख प्रणाली को फिर भी तालिका 6.2 की सीमाएँ पूरी करनी होंगी।

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
उच्च-घनत्व क्षेत्र	खंड 6.4.4 के अंतर्गत अनुमोदन प्राधिकारी द्वारा इस रूप में अधिसूचित क्षेत्र।
श्रेणी I क्षेत्र	1 लाख या अधिक जनसंख्या वाला शहरी स्थानीय निकाय (CPHEEO की परिभाषा)।

6.3 द्वैध जल निकासी अवधारणा

6.3.1 प्रत्येक जल निकासी प्रणाली को एक साथ काम करने वाली दो प्रणालियों के रूप में डिजाइन किया जाएगा:

- (a) एक **लघु प्रणाली** जो तालिका 6.1 का लघु डिजाइन प्रवाह भूमि के नीचे या ड्रेन में ले जाती है, सड़कों को उपयोग योग्य और फैलाव को तालिका 6.2 के भीतर रखते हुए; और
- (b) एक **प्रमुख प्रणाली** जो लघु प्रणाली की क्षमता से अधिक का सारा प्रवाह, 1% AEP (100-वर्ष) प्रवाह तक, सतह पर, भवनों में प्रवेश किए बिना और खंड 6.5 की गहराई और जोखिम सीमाओं के भीतर ले जाती है।

6.3.2 **प्रत्येक अवयव का 1% मार्ग.** प्रत्येक इनलेट, निचले बिंदु, पाइप, ड्रेन, पुलिया और भंडारण अवयव का किसी प्राप्तकर्ता जलमार्ग, तालाब या आउटफॉल तक एक चिह्नित 1% AEP सतही प्रवाह मार्ग होगा। यह मार्ग जल निकासी नक्शे पर दर्शाया जाएगा (खंड 6.15)।

6.3.3 **प्रमुख प्रणाली का डिजाइन प्रवाह.** किसी भी बिंदु पर प्रमुख प्रणाली 1% AEP चरम प्रवाह में से उस बिंदु पर लघु प्रणाली की क्षमता घटाकर बचा प्रवाह ले जाएगी। इस घटाव में प्रयुक्त लघु प्रणाली की क्षमता खंड 6.6.3 के अवरोध गुणकों के बाद इनलेट की क्षमता, या पाइप की क्षमता, जो भी कम हो, होगी। निचले बिंदुओं पर और भवनों के फर्श स्तर निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त किसी भी स्थान पर प्रमुख प्रणाली की जाँच लघु प्रणाली को **पूर्ण रूप से अवरुद्ध** मानकर भी की जाएगी (खंड 6.10.3)।

6.3.4 **वर्षा और विधि.** डिजाइन प्रवाह में अध्याय 2 की वर्षा (खंड 2.8 के जलवायु गुणक सहित) और अध्याय 3 की विधियों का उपयोग किया जाएगा:

- (a) रेशनल विधि केवल ≤ 16 ha के जलग्रहण क्षेत्रों और एकल वहन अवयव के लिए। इसका उपयोग ऐसे नेटवर्क में नीचे की ओर प्रवाह जोड़ने के लिए नहीं किया जाएगा जिसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 16 ha से अधिक हो;
- (b) 16 ha से बड़े नेटवर्क के लिए और भंडारण, पंपिंग या ज्वारीय आउटफॉल वाले किसी भी नेटवर्क के लिए हाइड्रोलिक रूटिंग सहित हाइड्रोग्राफ विधि (उदाहरण के लिए SWMM, हाइड्रोलिक मॉडल के साथ HEC-HMS, या समतुल्य 1D/2D मॉडल);
- (c) न्यूनतम सांद्रण समय 10 मिनट।

6.3.5 **जलग्रहण क्षेत्रों के बीच कोई स्थानांतरण नहीं.** न लघु प्रणाली और न प्रमुख प्रणाली एक प्राकृतिक जलग्रहण क्षेत्र से दूसरे में प्रवाह मोड़ेगी, जब तक अनुमोदन प्राधिकारी कोई ऐसा जलग्रहण-व्यापी अध्ययन स्वीकार न करे जो कोई प्रतिकूल प्रभाव न दर्शाता हो।

> **भाष्य.** CPHEEO (2019) मैनुअल अपनी शब्दावली में प्रमुख और लघु प्रणालियों को परिभाषित करता है, किंतु प्रमुख प्रणाली के लिए कोई पुनरावृत्ति अवधि नहीं देता। APWA 5600 (2006, 5601.8) में प्रणाली द्वारा 1% चरम प्रवाह का वहन अनिवार्य है और, जहाँ प्रणाली के भीतर की क्षमता कम हो, वहाँ शेष प्रवाह ले जाने के लिए एक अतिप्रवाह प्रणाली। खंड 6.3.3 केवल *अवरोध के बाद* की इनलेट क्षमता घटाता है, पूरी पाइप क्षमता नहीं, क्योंकि व्यवहार में पाइप उससे अधिक पानी नहीं ले सकते जितना इनलेट प्रवेश करने देते हैं। निचले बिंदुओं पर पूर्ण-अवरुद्ध जाँच का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे रांची के इस अनुभव के कारण निर्धारित करता है कि सबसे भारी वर्षा आने के समय फुटपाथों के नीचे की ड्रेनें अक्सर गाद से भरी या ठोस अपशिष्ट से अवरुद्ध होती हैं (CPHEEO 2019 Part A, Ch 1 और 2, ड्रेन में ठोस अपशिष्ट फेंकने पर Figures 1.2 और 2.1)। जलग्रहण क्षेत्रों के बीच स्थानांतरण का निषेध DID Malaysia 2008 की प्रस्तुति जाँच-सूची के अनुसार है, जो जलग्रहण क्षेत्रों के बीच प्रवाह मोड़ने का निषेध करती है।

6.4 डिजाइन पुनरावृत्ति अवधियाँ

6.4.1 लघु प्रणाली, सड़कों और क्रॉसिंग को तालिका 6.1 के AEP के लिए डिजाइन किया जाएगा। जहाँ किसी अवयव पर भूमि-उपयोग की पंक्ति और सड़क-वर्ग की पंक्ति दोनों लागू हों, वहाँ **दुर्लभतर** AEP (लंबी पुनरावृत्ति अवधि) निर्णायक होगा।

तालिका 6.1 — वहन के लिए डिजाइन AEP (खंड 2.4 के अनुरूप)

अवयव	डिजाइन AEP (पुनरावृत्ति अवधि)	जाँच घटना	आधार
लघु प्रणाली: रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो और देवघर का केंद्रीय भाग और अन्य उच्च-घनत्व क्षेत्र	10% (10-वर्ष)	1% (100-वर्ष) सतही मार्ग	यह मैनुअल (भाष्य देखें)
लघु प्रणाली: अन्य श्रेणी I क्षेत्र	20% (5-वर्ष)	1% सतही मार्ग	यह मैनुअल; CPHEEO की तालिका 4.1
लघु प्रणाली: अन्य क्षेत्र	50% (2-वर्ष)	1% सतही मार्ग	यह मैनुअल; CPHEEO की तालिका 4.1
धमनी सड़क की जल निकासी और क्रॉसिंग	अधिसूचित निष्क्रमण या आपातकालीन मार्ग वाली धमनी सड़कों के लिए 2% (50-वर्ष); अन्य धमनी सड़कों के लिए 4% (25-वर्ष)	अगला उच्चतर AEP: 2% डिजाइन के लिए 1%; 4% डिजाइन के लिए 2%	यह मैनुअल (25–50-वर्ष); विभाजन इस मैनुअल द्वारा निर्धारित
संग्राहक सड़क की जल निकासी और क्रॉसिंग	4% (25-वर्ष)	2% (50-वर्ष)	यह मैनुअल
स्थानीय सड़क की जल निकासी और क्रॉसिंग	10% (10-वर्ष)	4% (25-वर्ष)	यह मैनुअल
सार्वजनिक सड़कों पर सड़क अंडरपास और अन्य बंद निचले बिंदु	2% (50-वर्ष)	1% (100-वर्ष)	यह मैनुअल (खंड 6.10.5)
हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, बिजलीघर और अन्य महत्वपूर्ण अवसंरचना	श्रेणी I क्षेत्रों में 1% (100-वर्ष); अन्यत्र 2% (50-वर्ष)	—	CPHEEO 2019 की तालिका 4.1
प्रमुख (सतही) प्रणाली, प्रत्येक अवयव	1% (100-वर्ष)	—	यह मैनुअल
भवनों के फर्श स्तर	1% स्तर + 0.5 m फ्रीबोर्ड	—	यह मैनुअल (खंड 6.11)

6.4.2 **जाँच घटनाएँ.** तालिका 6.1 की जाँच घटना पर संयुक्त लघु और प्रमुख प्रणाली जाँच-घटना का प्रवाह तालिका 6.2 की 1% AEP सीमाओं के भीतर और किसी भवन में पानी प्रवेश किए बिना ले जाएगी। खंड 6.3.2 की 1% सतही मार्ग की अपेक्षा जाँच घटना के अतिरिक्त लागू होती है।

6.4.3 **उच्चतर मानक.** कोई अनुमोदन प्राधिकारी किसी भी अवयव के लिए दुर्लभतर AEP अंगीकार कर सकता है, जिसमें CPHEEO की तालिका 4.1 की टिप्पणी 2 का उच्चाधिकार प्राप्त समिति वाला मार्ग भी सम्मिलित है। वह तालिका 6.1 से अधिक बारंबार AEP अंगीकार नहीं करेगा।

6.4.4 **उच्च-घनत्व क्षेत्र.** अनुमोदन प्राधिकारी मानचित्र द्वारा उन उच्च-घनत्व क्षेत्रों को अधिसूचित करेगा जिन पर 10% AEP लघु प्रणाली मानक लागू होता है। जब तक वह ऐसा नहीं करता, तब तक 10% AEP मानक इन पर लागू होता है:

- (a) रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो और देवघर के पुराने शहर (old towns): नगर निगम के क्षेत्र के भीतर का, या जमशेदपुर में औद्योगिक नगर के नागरिक निकाय और मानगो और जुगसलाई के नगरपालिका निकायों के क्षेत्र के भीतर का, पुराना, सघन रूप से निर्मित क्षेत्र, जिसे लागू मास्टर प्लान (रांची मास्टर प्लान 2037, जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027, धनबाद मास्टर प्लान 2041 या उस नगर का मास्टर प्लान) पुराने शहर, केंद्रीय भाग (core) या केंद्रीय व्यावसायिक क्षेत्र (central business district) के रूप में चिह्नित करता है, जिसमें अपर बाजार और रांची का पुराना शहर, जमशेदपुर की बस्तियाँ, धनबाद और झरिया के पुराने शहर, बोकारो स्टील सिटी के पास चास, और देवघर का मंदिर नगर सम्मिलित हैं, और प्रत्येक की सीमा की पुष्टि नगर निगम या नागरिक निकाय और UD&HD द्वारा की जानी है [TBC];
- (b) प्रत्येक अन्य नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत में, वह क्षेत्र जिसे लागू मास्टर प्लान पुराने शहर या केंद्रीय व्यावसायिक क्षेत्र के रूप में चिह्नित करता है, और गाँवों की वे पुरानी बस्तियाँ जो निर्मित क्षेत्र में सम्मिलित कर ली गई हैं; और
- (c) टियर A निकाय का कोई भी क्षेत्र जहाँ मास्टर प्लान जोन के आधार मान से अधिक तल स्थान सूचकांक (floor space index) की अनुमति देता है।

6.4.5 **रेट्रोफिट.** जहाँ किसी विद्यमान ड्रेन को व्यावहारिक रूप से तालिका 6.1 के AEP तक बड़ा नहीं किया जा सकता, वहाँ कमी की पूर्ति प्रतिप्रवाह भंडारण (अध्याय 4), क्षेत्रीय भंडारण (अध्याय 7) या उन्नत प्रमुख प्रणाली मार्ग द्वारा की जाएगी। अनुमोदन प्राधिकारी शेष सेवा स्तर दर्ज करेगा।

> **भाष्य.** तालिका 6.1 के मान खंड 2.4 के सारांश के अनुरूप हैं और इनमें अंडरपास और महत्वपूर्ण अवसंरचना की पंक्तियाँ जोड़ी गई हैं। ये CPHEEO (2019) के राष्ट्रीय परामर्शी न्यूनतम मानों, श्रेणी I शहरों के लिए 5-वर्ष और अन्यत्र 2-वर्ष, से अधिक हैं (CPHEEO Part A, तालिका 4.1)। उस तालिका की टिप्पणी 2 राज्य की समिति को उच्चतर मान अंगीकार करने की अनुमति देती है। उच्च-घनत्व क्षेत्रों के लिए 10-वर्ष का स्तर Gupta (IIT Bombay) के अनुसार है, जो "आवासीय-उच्च घनत्व के लिए 10 वर्ष में 1" ("1 in 10 year for residential-high density") की सिफारिश करते हैं, और मलेशिया के MSMA 2 के अनुसार, जो लिंक हाउस, अपार्टमेंट, वाणिज्यिक और औद्योगिक भूमि के लिए 10-वर्ष की लघु और 100-वर्ष की प्रमुख प्रणालियों का उपयोग करता है। सड़कों के मान भारतीय संहिताओं के एक अंतर्विरोध को सुलझाते हैं। IRC:SP:50-2013 शहरी सड़क ड्रेन के लिए 1–2 वर्ष की सिफारिश करता है। IRC:SP:42-2014 शहरी सड़क किनारे की ड्रेन के लिए 25 वर्ष और अगली उच्चतर पुनरावृत्ति अवधि पर जाँच बाढ़ का सुझाव देता है। APWA 5600 (2006) धमनी सड़कों के लिए 50-वर्ष, संग्राहक सड़कों के लिए 25-वर्ष और आवासीय सड़क क्रॉसिंग के लिए 10-वर्ष का उपयोग करता है। तालिका 6.1 में APWA के स्तर और IRC:SP:42 की जाँच-बाढ़ अवधारणा अपनाई गई है। धमनी सड़कों को 50-वर्ष के निष्क्रमण मार्गों और 25-वर्ष की अन्य सड़कों में विभाजित करने का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और यह इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। अंडरपास के लिए 50-वर्ष का मानक भी इसी प्रकार इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है, क्योंकि अंडरपास एक बंद निचला बिंदु है जहाँ विफलता का रूप चालू कैरिजवे पर गहरा पानी है। खंड 6.4.4 के डिफॉल्ट उच्च-घनत्व क्षेत्र इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं और तब तक लागू रहते हैं जब तक अनुमोदन प्राधिकारी कोई मानचित्र अधिसूचित नहीं करता।

6.5 सड़क हाइड्रोलिक्स: फैलाव, गहराई और प्रवाह जोखिम

6.5.1 **कर्ब चैनल प्रवाह.** त्रिकोणीय कर्ब और कर्ब चैनल खंड (kerb-and-gutter section) में प्रवाह की गणना संशोधित मैनिंग (इजाड) समीकरण से की जाएगी:

> Q = (Ku / n) · Sx^(5/3) · SL^(1/2) · T^(8/3)

जहाँ Q कर्ब चैनल प्रवाह (m^3/s) है, Ku = 0.376 (SI), n कर्ब चैनल का मैनिंग खुरदरापन (तालिका 6.6) है, Sx अनुप्रस्थ ढलान (cross slope, m/m) है, SL अनुदैर्ध्य ढलान (longitudinal slope, m/m) है और T फैलाव (m) है। संयुक्त और अवनमित कर्ब चैनल खंडों का विश्लेषण FHWA HEC-22 (4th edition, 2024) की विधियों से किया जाएगा।

6.5.2 **फैलाव और गहराई की सीमाएँ.** सड़क पर प्रवाह तालिका 6.2 की सीमाओं से अधिक नहीं होगा।

तालिका 6.2 — सड़क पर प्रवाह की सीमाएँ

सड़क वर्ग	लघु डिजाइन घटना (तालिका 6.1)	जाँच घटना और 1% AEP घटना
धमनी	फैलाव ऐसा होगा कि प्रत्येक दिशा में कम से कम एक सीधी लेन पानी से मुक्त रहे। सड़क के शीर्ष के आर-पार कोई प्रवाह नहीं।	सड़क के शीर्ष पर गहराई ≤ 150 mm और सबसे गहरे बिंदु पर ≤ 350 mm; खंड 6.5.3 की जोखिम सीमाएँ
संग्राहक	फैलाव T ≤ 3 m। निचले बिंदु वाले चौराहे के सिवाय सड़क के शीर्ष के आर-पार कोई प्रवाह नहीं।	उपर्युक्त के अनुसार
स्थानीय	फैलाव T ≤ 3 m। प्रवाह कर्ब के ऊपर से नहीं बहेगा।	उपर्युक्त के अनुसार
सभी वर्ग, चौराहों पर	निचले बिंदु वाले चौराहों और अधि-उन्नयन संक्रमणों पर सड़क के शीर्ष के ऊपर आड़ा प्रवाह (cross-flow) ≤ 0.03 m^3/s; ब्लॉक के बीच के निचले बिंदुओं पर कोई नहीं।	उपर्युक्त के अनुसार

6.5.3 **प्रवाह जोखिम की सीमाएँ.** जाँच घटना और 1% AEP घटना में सड़क और सतही प्रवाह की गहराई (D, m) और वेग (V, m/s) का गुणनफल तालिका 6.3 की सीमाओं से अधिक नहीं होगा।

तालिका 6.3 — सड़कों और सतही प्रवाह मार्गों के लिए प्रवाह जोखिम की सीमाएँ

स्थान	अपेक्षित जोखिम वर्ग (तालिका 6.4)	सीमाएँ
सभी सड़कों के कैरिजवे	H2 या बेहतर	D·V ≤ 0.6 m^2/s; D ≤ 0.35 m (तालिका 6.2); V ≤ 2.0 m/s
फुटपाथ, पैदल पारपथ, स्कूल, अस्पताल और परिवहन-स्टॉप के अग्रभाग	H1	D·V ≤ 0.3 m^2/s; D ≤ 0.3 m; V ≤ 2.0 m/s
अधिसूचित निष्क्रमण और आपातकालीन मार्ग	H1	D·V ≤ 0.3 m^2/s; D ≤ 0.3 m; V ≤ 2.0 m/s
सड़कों से दूर सार्वजनिक खुले स्थान या सुखाधिकार में सतही प्रवाह मार्ग	H3 या बेहतर, चेतावनी संकेतों सहित	D·V ≤ 0.6 m^2/s; D ≤ 1.2 m; V ≤ 2.0 m/s

तालिका 6.4 — संयुक्त बाढ़ जोखिम संवेदनशीलता वर्ग (संदर्भ के लिए पुनःप्रस्तुत)

वर्ग	विवरण	D·V सीमा (m^2/s)	गहराई सीमा D (m)	वेग सीमा V (m/s)
H1	वाहनों, लोगों और भवनों के लिए सामान्यतः सुरक्षित	≤ 0.3	0.3	2.0
H2	छोटे वाहनों के लिए असुरक्षित	≤ 0.6	0.5	2.0
H3	वाहनों, बच्चों और वृद्धों के लिए असुरक्षित	≤ 0.6	1.2	2.0
H4	वाहनों और लोगों के लिए असुरक्षित	≤ 1.0	2.0	2.0
H5	वाहनों और लोगों के लिए असुरक्षित; भवनों को संरचनात्मक क्षति का खतरा	≤ 4.0	4.0	4.0

वर्ग	विवरण	D·V सीमा (m²/s)	गहराई सीमा D (m)	वेग सीमा V (m/s)
H6	वाहनों और लोगों के लिए असुरक्षित; सभी भवनों के ढहने का खतरा	> 4.0	—	—

स्रोत: AIDR Guideline 7-3, *Technical flood risk management guideline: Flood hazard* (2014), Tables 1 and 2, जो Smith and Wasko (2012) के मॉडल पर आधारित हैं।

6.5.4 खंड 6.5.3 के लिए गहराई और वेग सरल खंडों के लिए कर्ब चैनल प्रवाह गणना से, या जहाँ प्रवाह कर्ब और कर्ब चैनल खंड से बाहर निकलता हो वहाँ 1D या 2D हाइड्रोलिक मॉडल से लिए जाएँगे।

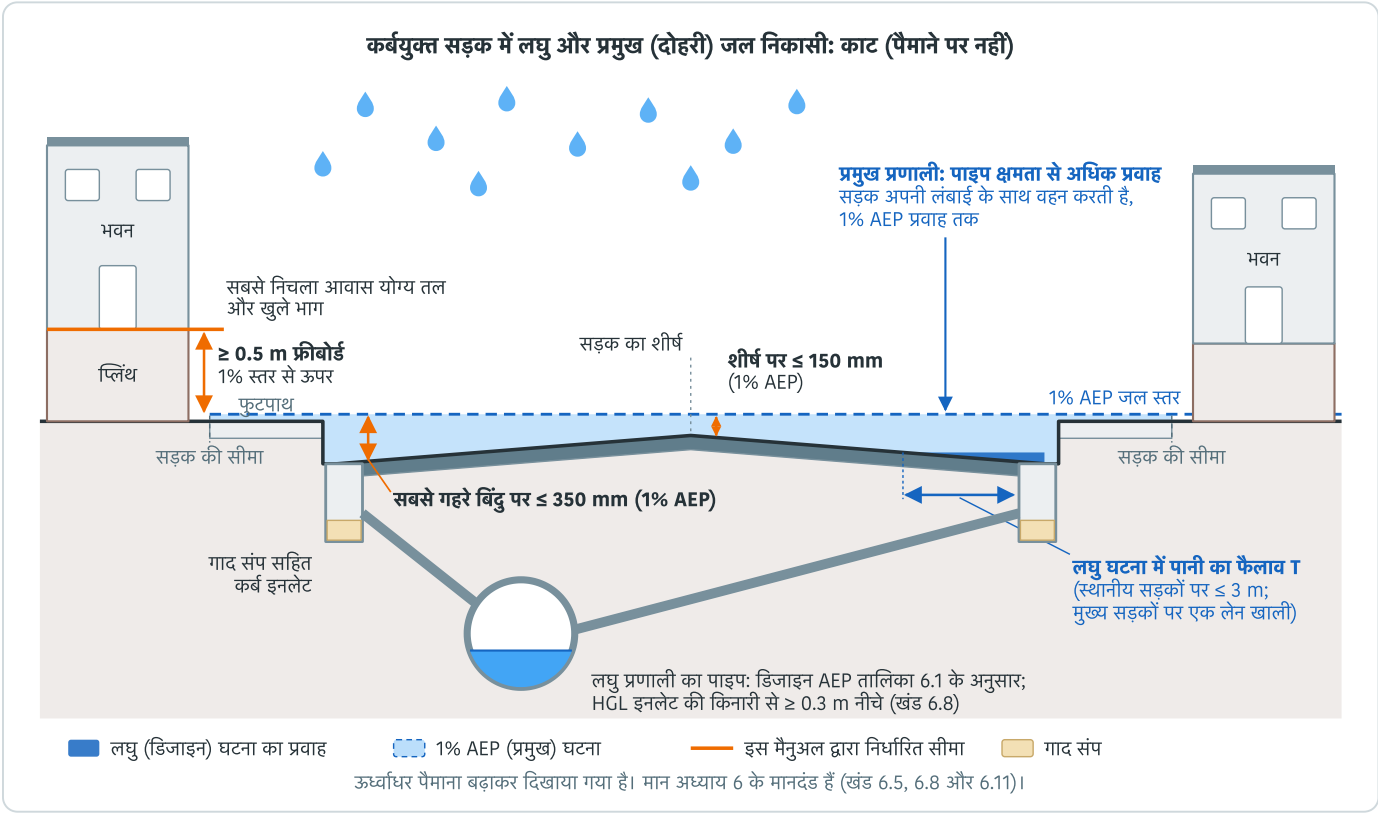

चित्र 6.1 — कर्बयुक्त सड़क में लघु और प्रमुख जल निकासी। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, Kansas City Metro APWA, Section 5600 (2006, 5601.8) और FHWA, HEC-22 Urban Drainage Design Manual (4th ed., 2024) से रूपांतरित।

भाष्य. Ku = 0.376 के साथ मैनिंग समीकरण का इजार्ड रूप FHWA HEC-22 और CPHEEO (2019) मैनुअल दोनों में प्रयुक्त है (Part A, Example 5.5, जहाँ स्थिरांक Kc = 0.376 लिखा गया है)। धमनी सड़क के फैलाव का नियम (एक लेन मुक्त) और स्थानीय तथा संग्राहक सड़कों के लिए 3 m का फैलाव APWA 5600 (2006, 5604.2) की प्रत्येक बाहरी लेन में कर्ब के पिछले भाग से 12 ft (3.66 m) की सीमा के निकट हैं। 0.03 m^3/s की आड़े प्रवाह की सीमा चौराहों के संपों और अधि-उन्नयन संक्रमणों पर APWA की 1.0 cfs की सीमा का SI समतुल्य है, और ब्लॉक के बीच के संपों पर कोई आड़ा प्रवाह नहीं। 150 mm और 350 mm की गहराई सीमाएँ सड़क क्रॉसिंग पर 1% अतिप्रवाह के लिए APWA 5600 की सीमाओं (सड़क के शीर्ष पर 7 in, लगभग 180 mm; सबसे गहरे बिंदु पर 14 in, लगभग 360 mm) के निकट हैं। 15 cm से ऊपर बाढ़ न होने का मुंबई का मानदंड (IRC:SP:50-2013, §6.4.1) सड़क के शीर्ष के 150 mm मान का एक स्थानीय पूर्व-उदाहरण है।

तालिका 6.4 के जोखिम वर्ग ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट फॉर डिजास्टर रेजिलिएंस (AIDR Guideline 7-3, 2014) द्वारा प्रकाशित संयुक्त जोखिम वक्र हैं, जो Smith और Wasko (2012) के मॉडल पर आधारित हैं। कैरिजवे पर H2 या बेहतर की अपेक्षा का अर्थ है कि 350 mm की 1% गहराई सीमा (तालिका 6.2) गहराई के लिए निर्णायक है, और D·V गुणनफल तीव्र ढलान वाली सड़कों पर तेज, उथले प्रवाह

को नियंत्रित करता है। H2 को "छोटे वाहनों के लिए असुरक्षित" ("unsafe for small vehicles") बताया गया है। झारखंड की सड़कों पर दोपहिया वाहन प्रमुख हैं, इसलिए अधिसूचित निष्क्रमण मार्गों को छोड़कर, जिन्हें H1 पूरा करना होगा, सभी सड़कों पर 1% घटना को सड़क बंद करने वाली घटना माना जाना होगा। तालिका 6.3 में स्थानों को जोखिम वर्ग देने का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और यह इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

6.6 इनलेट

6.6.1 **इनलेट के प्रकार.** इनलेट कर्ब ओपनिंग इनलेट (kerb-opening inlet), जाली इनलेट (grate inlet), संयुक्त इनलेट (combination inlet; कर्ब ओपनिंग सहित जाली) या स्लॉटेड और ट्रेंच ड्रेन (slotted and trench drains) हो सकते हैं। सार्वजनिक सड़कों पर:

- (a) कर्ब ओपनिंग या संयुक्त इनलेट उपयोग किए जाएँगे, जब तक अनुमोदन प्राधिकारी किसी विशिष्ट स्थान के लिए केवल-जाली इनलेट स्वीकार न करे;
- (b) इनलेट के ओपनिंग सड़क स्तर पर रखे जाएँगे, जहाँ व्यवहार्य हो वहाँ कर्ब चैनल अवनमन (gutter depression) के साथ, ताकि ऊँचे कर्ब या फुटपाथ के कारण पानी कैरिजवे पर न रुके;
- (c) कैरिजवे, साइकिल लेन और फुटपाथ में जालियाँ साइकिल और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित पैटर्न की होंगी (अध्याय 9, खंड 9.11)।

6.6.2 **इनलेट की क्षमता.** ढलान पर और निचले बिंदुओं पर इनलेट की स्वच्छ क्षमता की गणना FHWA HEC-22 (4th edition, 2024) की विधियों से, या उसी जाली और कर्ब ओपनिंग ज्यामिति के लिए निर्माता द्वारा प्रकाशित परीक्षित रेटिंग से की जाएगी। CPHEEO (2019) Part A §5.6.2 के अनुभवजन्य कर्ब इनलेट समीकरणों का उपयोग केवल प्रति-जाँच के लिए किया जा सकता है।

6.6.3 **अवरोध गुणक.** प्रत्येक इनलेट की डिजाइन क्षमता उसकी स्वच्छ क्षमता को तालिका 6.5 के अवरोध गुणकों से घटाकर प्राप्त क्षमता होगी:

तालिका 6.5 — इनलेट अवरोध गुणक (स्वच्छ क्षमता का नष्ट माना गया अंश)

इनलेट का प्रकार	ढलान पर	निचले बिंदु पर
जाली	50%	50%
कर्ब ओपनिंग	10%	20%
संयुक्त	प्रत्येक भाग पर जाली और कर्ब के गुणक अलग-अलग लगाएँ	प्रत्येक भाग पर जाली और कर्ब के गुणक अलग-अलग लगाएँ

डिजाइन क्षमता = (1 − अवरोध गुणक) × स्वच्छ क्षमता।

6.6.4 **इनलेट की दूरी.** इनलेट की स्थिति एक क्रमिक गणना द्वारा तय की जाएगी जो प्रत्येक कर्ब चैनल खंड (gutter run) के शीर्ष से आरंभ होती है। प्रत्येक इनलेट पर ग्रहीत प्रवाह (intercepted flow) की गणना की जाती है, और बाईपास प्रवाह (bypass flow) अगले इनलेट तक पहुँचने वाले कर्ब चैनल प्रवाह में जोड़ा जाता है। दूरी ऐसी होगी कि लघु डिजाइन घटना में तालिका 6.2 की फैलाव सीमाएँ हर स्थान पर पूरी हों। इसके अतिरिक्त:

- (a) कर्बयुक्त सड़कों पर इनलेट की दूरी 30 m से अधिक नहीं होगी, गणना चाहे जो दे;
- (b) प्रत्येक निचले बिंदु पर, पैदल पारपथों और चौराहों से ठीक प्रतिप्रवाह की ओर, पुल डेकों और अधि-उन्नयन संक्रमणों से प्रतिप्रवाह की ओर, और प्रत्येक कर्ब चैनल खंड के अंत में इनलेट लगाए जाएँगे;
- (c) किसी खंड के अंतिम इनलेट का बाईपास प्रवाह उच्चतर वर्ग की सड़क पर या निजी भूमि में नहीं छोड़ा जाएगा।

6.6.5 **निचले बिंदु के इनलेट.** कर्बयुक्त सड़क पर किसी निचले बिंदु पर:

- (a) निचले बिंदु के इनलेट की डिजाइन क्षमता (अवरोध के बाद) निचले बिंदु पर पहुँचने वाले कुल लघु डिजाइन प्रवाह से कम नहीं होगी;
- (b) किसी भी ऐसी सड़क पर जहाँ रुका पानी तालिका 6.2 की सीमाओं से आगे फैल सकता है, और प्रत्येक अंडरपास पर, निचले बिंदु के दोनों ओर पार्श्व इनलेट (flanking inlets) लगाए जाएँगे;
- (c) निचले बिंदु पर जल का रुकना खंड 6.10 का अनुपालन करेगा।

6.6.6 **इनलेट कनेक्शन.** इनलेट को मुख्य ड्रेन से जोड़ने वाले पाइप का व्यास कम से कम 300 mm होगा और वह ऐसी ढलान पर बिछाया जाएगा जिससे इनलेट के डिजाइन प्रवाह पर कम से कम 0.9 m/s वेग मिले।

6.6.7 **गाद संप.** सार्वजनिक सड़क पर प्रत्येक इनलेट कक्ष में उसके आउटलेट पाइप के इनवर्ट से कम से कम 300 mm गहरा गाद संप होगा, जो सतह से सफाई के लिए सुलभ हो।

कर्ब चैनल में फैलाव, इनलेट द्वारा प्रवाह ग्रहण और अवरोध: योजना (पैमाने पर नहीं)

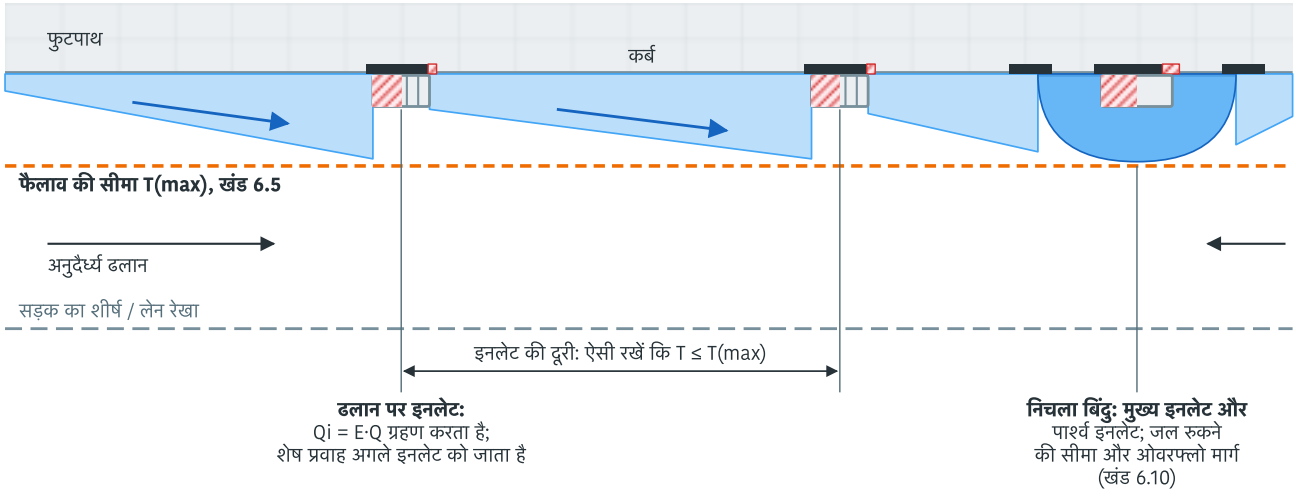

अवरोध गुणक (स्वच्छ क्षमता का घटा हुआ अंश), खंड 6.6

इनलेट का प्रकार	ढलान पर	निचला बिंदु
जाली	**50%**	**50%**
कर्ब में खुला भाग	10%	20%
संयुक्त	प्रत्येक भाग ऊपर के अनुसार	प्रत्येक भाग ऊपर के अनुसार

कर्ब चैनल में फैलाव (लघु घटना)
निचले बिंदु पर जल का रुकना
अवरुद्ध माना गया भाग
कर्ब में खुला भाग

चित्र 6.2 — कर्ब चैनल फैलाव, इनलेट द्वारा प्रवाह ग्रहण और अवरोध। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, FHWA, HEC-22 Urban Drainage Design Manual (3rd ed., 2009; 4th ed., 2024) और CPHEEO, Manual on Storm Water Drainage Systems (2019) से रूपांतरित।

> **भाष्य.** ये अवरोध गुणक APWA 5600 (2006, 5604.2) में संप इनलेट की सैद्धांतिक क्षमता के 80% की रेटिंग (20% कमी) से अधिक कठोर हैं, क्योंकि झारखंड की सड़कों की जालियाँ नियमित रूप से प्लास्टिक और पत्तियों से ढक जाती हैं। CPHEEO (2019) Part A में ड्रेन में फेंके गए ठोस अपशिष्ट को ड्रेन की विफलता का एक प्राथमिक कारण दर्शाया गया है (Figures 1.2 और 2.1)। APWA 5600 (2006) सार्वजनिक सड़कों पर केवल कर्ब ओपनिंग इनलेट की अनुमति देता है; खंड 6.6.1(a) कम कठोर है क्योंकि समतल सड़कों पर संयुक्त इनलेट उपयोगी हैं। 30 m की अधिकतम दूरी और तालिका 6.5 में संयुक्त इनलेट के प्रति व्यवहार का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस

मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। एक नियत अधिकतम सीमा किसी एक अवरुद्ध इनलेट के कारण कर्ब चैनल के लंबे भाग को बिना निकास के रहने से रोकती है। 300 mm का गाद संप इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। यह CPHEEO के कैच-बेसिन विवरण में दर्शाए गए 0.3 m के संप के अनुरूप है (CPHEEO 2019, Figure 5.9)।

6.7 पाइप तथा खुली और ढकी ड्रेन

6.7.1 **एकसमान प्रवाह.** पाइप और ड्रेन की क्षमता की गणना मैनिंग समीकरण से की जाएगी:

> $V = (1/n) \cdot R^{(2/3)} \cdot S^{(1/2)}$; $Q = A \cdot V$

जहाँ V औसत वेग (m/s) है, n मैनिंग खुरदरापन (तालिका 6.6) है, R हाइड्रोलिक त्रिज्या (m) है, S घर्षण ढलान (friction slope, m/m) है, A प्रवाह क्षेत्रफल (m^2) है और Q प्रवाह दर (m^3/s) है। जहाँ टेलवाटर, संगम या किसी संरचना से पश्चजल प्रभाव (backwater) जल स्तर को प्रभावित करता हो, वहाँ क्रमशः परिवर्तित प्रवाह (gradually varied flow; standard step) या हाइड्रोलिक नेटवर्क मॉडल का उपयोग किया जाएगा, और खंड 6.8 की HGL अपेक्षाएँ लागू होंगी।

6.7.2 **मैनिंग खुरदरापन.** n के डिजाइन मान तालिका 6.6 से लिए जाएँगे। कंक्रीट पाइपों और चिनाई या कंक्रीट की ड्रेन के लिए डिजाइन मान तलछट, जैविक परत (biofilm) और पुरानेपन को ध्यान में रखते हुए सूचीबद्ध "ठीक" (fair) या "खुरदरी" (rough) स्थिति के मान से कम नहीं होगा।

तालिका 6.6 — डिजाइन के लिए मैनिंग n (CPHEEO 2019 से)

सामग्री	स्थिति	n (CPHEEO)	इस मैनुअल में न्यूनतम डिजाइन n
सीमेंट कंक्रीट पाइप (कॉलर जोड़)	अच्छी / ठीक	0.013 / 0.015	0.015
S/S जोड़ों वाले स्पन कंक्रीट पाइप (RCC, PSC)	निर्माता का डिजाइन मान	0.011	0.013
HDPE / uPVC पाइप	—	0.010	0.011
प्लास्टिक (चिकना), एस्बेस्टस सीमेंट	—	0.011	0.011
कंक्रीट ड्रेन, स्टील से / लकड़ी से करणी की गई	—	0.014 / 0.015	0.015
रेत और सीमेंट का प्लास्टर	—	0.015	0.015
ईंट की चिनाई	अच्छी / खुरदरी	0.015 / 0.017	0.017
चिनाई	खराब स्थिति	0.020	0.020
सीमेंट में जुड़ी रोड़ी (rubble)	—	0.017	0.017
मिट्टी का चैनल	नियमित, अच्छा / सामान्य	0.020 / 0.025	0.025
मिट्टी का चैनल	पत्थरों और खरपतवार सहित / खराब	0.030 / 0.035	0.035
मिट्टी का चैनल	कचरे या खरपतवार से आंशिक रूप से अवरुद्ध	0.050	0.050
कर्ब चैनल: कंक्रीट	—	0.013	0.013

सामग्री	स्थिति	n (CPHEEO)	इस मैनुअल में न्यूनतम डिजाइन n
कर्ब चैनल: हॉट-मिक्स एस्फाल्ट	—	0.015	0.015
कर्ब चैनल: स्प्रे सील	—	0.018	0.018

CPHEEO स्तंभ का स्रोत: CPHEEO (2019) Part A, Table 5.1 (जो स्वयं CPHEEO Manual on Sewerage and Sewage Treatment Systems, 2013 से है) और Table 5.8 (कर्ब चैनल)।

6.7.3 **वेग की सीमाएँ.** लघु डिजाइन प्रवाह पर:

- (a) न्यूनतम (स्व-सफाई, self-cleansing) वेग: खुली और ढकी ड्रेन में **0.6 m/s** और पाइपों में **0.9 m/s**;
- (b) अधिकतम वेग: पक्की ड्रेन और पाइपों में **3.0 m/s**, जब तक ड्रेन या पाइप को अध्याय 9 के अंतर्गत ढलवाँ चैनल (chute) के रूप में डिजाइन न किया गया हो। CPHEEO पहाड़ी क्षेत्रों में प्लास्टिक या प्लास्टिक-परत वाले पाइपों में 6.0 m/s तक की अनुमति देता है; इसका उपयोग नेतरहाट में, दलमा श्रेणी के नीचे जमशेदपुर के और पारसनाथ के नीचे गिरिडीह के पहाड़ी ढलान वाले क्षेत्रों में, राजमहल की पहाड़ियों के नीचे के नगरों में और अन्य पहाड़ी नगरों में अनुमोदन प्राधिकारी की सहमति से किया जा सकता है;
- (c) कच्चे और वनस्पतियुक्त चैनलों में अधिकतम वेग: अध्याय 9, तालिका 9.2;
- (d) खुली और ढकी ड्रेन में प्रवाह की फ्रूड संख्या डिजाइन प्रवाह पर 0.8 से अधिक नहीं होगी, जब तक ड्रेन को अध्याय 9 के अंतर्गत अतिक्रांतिक प्रवाह के लिए डिजाइन न किया गया हो।

6.7.4 **ढलान.** प्रत्येक पाइप और ड्रेन ऐसी ढलान पर बिछाई जाएगी जिससे खंड 6.7.3(a) प्राप्त हो। जहाँ समतल भू-भाग या नियत आउटफॉल स्तर के कारण यह असंभव हो, वहाँ डिजाइनकर्ता:

- (a) प्राप्त वेग दर्ज करेगा;
- (b) खंड 6.7.8 का तलछट प्रावधान दोगुना करेगा; और
- (c) खंड 6.13.2 की दूरी पर यांत्रिक गाद निकासी के लिए पहुँच का प्रावधान करेगा।

6.7.5 **पाइप में प्रवाह की स्थिति.** पाइपों का आकार ऐसा रखा जाएगा कि लघु डिजाइन प्रवाह पूर्ण-भरे पाइप की क्षमता (pipe-full capacity) से अधिक न हो। वृत्ताकार पाइप अपनी गहराई के लगभग 0.95 पर जो अधिक प्रवाह ले जाता है, उस पर निर्भर नहीं किया जाएगा।

6.7.6 **न्यूनतम आकार.**

- (a) पाइप: 300 mm आंतरिक व्यास; सार्वजनिक मुख्य पाइपों के लिए **450 mm**।
- (b) खुली ड्रेन: तल की चौड़ाई 0.3 m।
- (c) ढकी सार्वजनिक ड्रेन (ढकने की स्लैबों से बंद ड्रेन): स्पष्ट आंतरिक चौड़ाई **0.6 m** और स्पष्ट आंतरिक गहराई **0.6 m**।

6.7.7 **पाइपों के ऊपर आवरण.** पाइपों के ऊपर तैयार स्तर तक कम से कम 0.6 m का आवरण होगा, और कैरिजवे के नीचे कम से कम 0.9 m, जब तक यातायात भार के लिए संरचनात्मक डिजाइन प्रस्तुत न किया जाए। जहाँ मौसमी उच्चतम भूजल स्तर पाइप के शीर्ष से 1 m के भीतर हो, वहाँ खाली पाइप के लिए उत्प्लावन (flotation) की जाँच की जाएगी (CPHEEO 2019, Table 11.2) और आवश्यक होने पर उसे स्थिर (anchor) किया जाएगा।

6.7.8 **तलछट प्रावधान.** खुली ड्रेन, ढकी ड्रेन और 600 mm या अधिक व्यास के पाइपों की डिजाइन क्षमता की गणना इनवर्ट पर तलछट की निम्नलिखित गहराई के साथ की जाएगी:

- (a) खुली और ढकी ड्रेन: **75 mm** और स्पष्ट आंतरिक गहराई के **10%** में से जो अधिक हो;
- (b) 600 mm या अधिक व्यास के पाइप: आंतरिक व्यास का **5%**;
- (c) 600 mm से कम के पाइप: कोई प्रावधान नहीं, किंतु खंड 6.7.3(a) पूरा किया जाएगा।

घटे हुए अनुप्रस्थ काट (section) के लिए मैनिंग n तालिका 6.6 में ड्रेन की सामग्री का मान होगा।

6.7.9 **खुली और ढकी ड्रेन में फ्रीबोर्ड.** लघु डिजाइन प्रवाह पर जल सतह (तलछट प्रावधान के साथ परिकलित) ड्रेन की दीवार के शीर्ष से, या ढकी ड्रेन में ढकने की स्लैब के सॉफिट से, कम से कम तालिका 6.7 के फ्रीबोर्ड जितनी नीचे होगी।

तालिका 6.7 — खुली और ढकी ड्रेन में न्यूनतम फ्रीबोर्ड

ड्रेन	न्यूनतम फ्रीबोर्ड	स्रोत
तल की चौड़ाई 300 mm तक	100 mm	CPHEEO 2019 Table 5.3 (IRC:SP:50-2013 से)
तल की चौड़ाई 300–900 mm	150 mm	CPHEEO 2019 Table 5.3
तल की चौड़ाई 900–1,500 mm	300 mm	CPHEEO 2019 Table 5.3
अधिक चौड़ी ड्रेन और अभियांत्रिक चैनल, Q < 3 m^3/s	450 mm	CPHEEO 2019 Table 5.12 (IS 7784 (Part 1): 1993 से)
Q 3 से < 30 m^3/s	600 mm	उपर्युक्त के अनुसार
Q 30 से < 300 m^3/s	900 mm	उपर्युक्त के अनुसार
Q 300 से < 3,000 m^3/s	1,200 mm	उपर्युक्त के अनुसार
Q ≥ 3,000 m^3/s	1,500 mm	उपर्युक्त के अनुसार
कोई भी सड़क किनारे की ड्रेन	150 mm से कम नहीं	IRC:SP:42-2014
तीव्र ढलान वाले (अतिक्रांतिक) चैनल	प्रवाह की गहराई के बराबर	CPHEEO 2019 §5.3.2

मोड़ों पर फ्रीबोर्ड मोड़ के बाहरी ओर के जल स्तर से मापा जाएगा, जिसमें अधि-उन्नयन $\Delta y = V^2 T / (2\,g\,r_c)$ सम्मिलित है, जहाँ T शीर्ष चौड़ाई है और r_c मध्य-रेखा की त्रिज्या है (CPHEEO 2019, Eq. 5.29)।

6.7.10 **मोड़ और संगम.**

- (a) किसी ड्रेन में मोड़ की मध्य-रेखा त्रिज्या ड्रेन की चौड़ाई की कम से कम 3 गुना होगी (CPHEEO 2019 §5.3.3)। अभियांत्रिक चैनलों में यह शीर्ष चौड़ाई की कम से कम 2 गुना और 30 m से कम नहीं होगी (CPHEEO 2019 Table 5.11)।
- (b) जहाँ ड्रेन मिलती हैं, वहाँ बाहर जाने वाली ड्रेन की चौड़ाई से कम से कम दोगुनी आंतरिक चौड़ाई वाला संगम संप बनाया जाएगा। आने वाली ड्रेन बाहर जाने वाले प्रवाह से समकोण से कम कोण पर प्रवेश करेंगी, और बाहर जाने वाला इनवर्ट संप के फर्श से नीचे होगा ताकि संप में पानी न रुके (CPHEEO 2019 §5.3.4)।

6.7.11 **पाइपों पर मैनहोल और निरीक्षण कक्ष.** प्रत्येक संगम, आकार, संरेखण या ढलान के परिवर्तन पर, और प्रत्येक पाइप के शीर्ष पर मैनहोल बनाए जाएँगे। सीधे खंडों पर दूरी तालिका 6.8 से अधिक नहीं होगी।

तालिका 6.8 — सीधे पाइप खंडों पर मैनहोल की अधिकतम दूरी

पाइप का व्यास	अधिकतम दूरी
300–600 mm	40 m
700–1,000 mm	100 m
1,050–1,400 mm	150 m
1,500 mm और अधिक	300 m

स्रोत: CPHEEO 2019 Table 11.5। मैनहोल के आकार, ड्रॉप और ढक्कन: अध्याय 9, खंड 9.12।

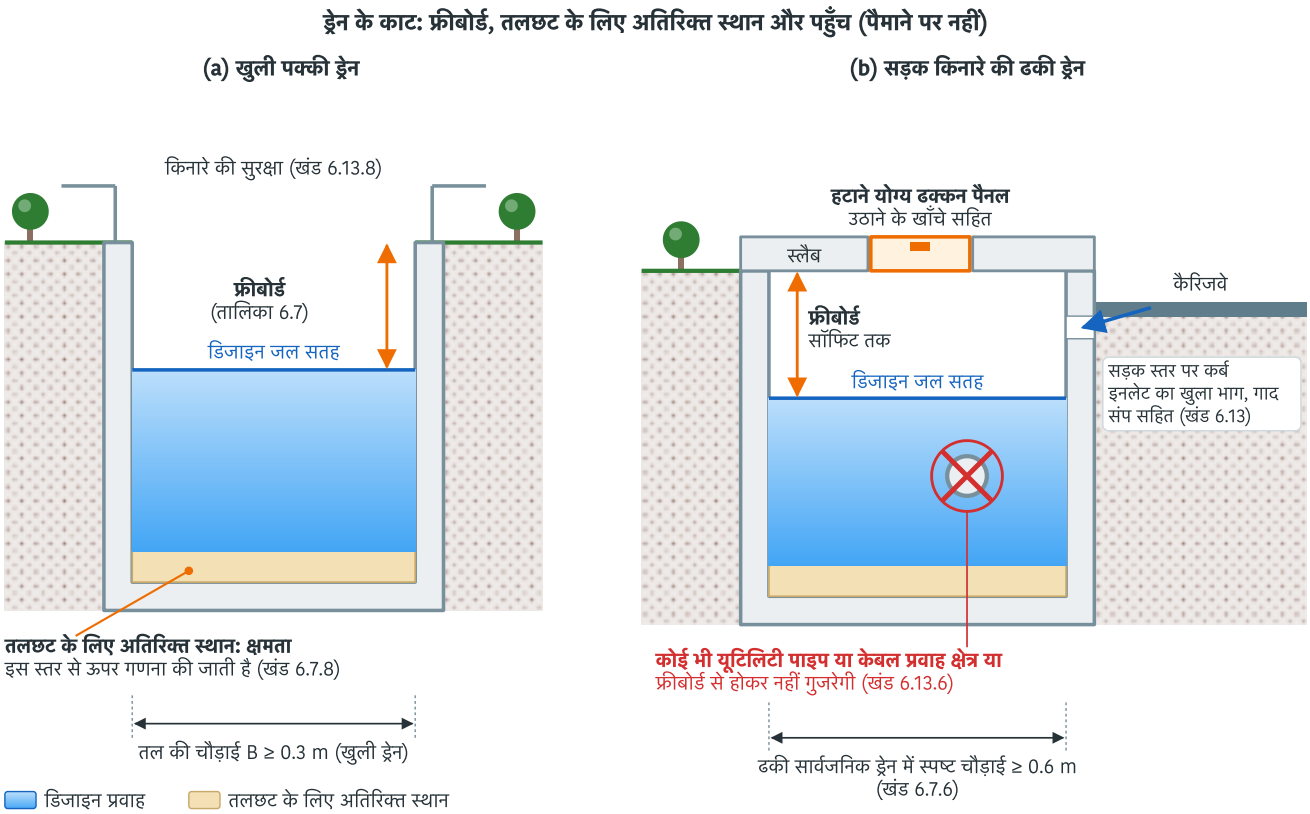

चित्र 6.3 — ड्रेन के खंड: फ्रीबोर्ड, तलछट प्रावधान और पहुँच। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, CPHEEO, Manual on Storm Water Drainage Systems (2019), Tables 5.3 और 5.12, और IRC:SP:50-2013 से रूपांतरित।

भाष्य. n के मान CPHEEO (2019) Table 5.1 के हैं। उच्चतर न्यूनतम डिजाइन मानों का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इन्हें इसलिए निर्धारित करता है क्योंकि CPHEEO के अनुसार स्पन पाइपों के लिए 0.011 का मान "निर्माता द्वारा दिए गए मान के अनुसार लिया जा सकता है" ("may be taken as given by the manufacturer")। वह स्वच्छ पाइप का मान है, और झारखंड की ड्रेनें भारी गाद और ठोस अपशिष्ट ले जाती हैं। 0.6 m/s का न्यूनतम वेग CPHEEO का है (Table 5.2), जो 0.09 mm रेत के वहन पर आधारित है (§5.3.1)। पाइपों के लिए 0.9 m/s का मान अधिक कठोर है, क्योंकि गाद से भरा पाइप खुली ड्रेन जितनी आसानी से साफ नहीं किया जा सकता। 3.0 m/s की अधिकतम सीमा CPHEEO Table 5.2 (WPCF/ASCE 1982) से है। 0.8 की फ्रूड सीमा CPHEEO §5.3 से है, जो क्रांतिक प्रवाह से बचने की सलाह देता है क्योंकि उसमें जल सतह अस्थिर हो जाती है।

ढकी ड्रेन के लिए 0.6 m × 0.6 m के न्यूनतम आकार का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और यह इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। इससे संकरी ढकी ड्रेन से ढक्कन के ओपनिंग के माध्यम से हाथ से या छोटी मशीनों से गाद नहीं निकाली जा सकती, और गाद से भरी, दुर्गम ड्रेनें लेखापरीक्षाओं में बार-बार सामने आने वाला निष्कर्ष थीं: रांची में हरमू नदी परियोजना की लेखापरीक्षा में पाया गया कि दोनों किनारों के साथ की वर्षा जल ड्रेनें "गाद, कीचड़ और ठोस जमाव से अवरुद्ध" ("blocked with silt, mud and solid deposits") थीं और सीवेज छोड़ रही थीं, और शहर के सीवरेज और जल निकासी अनुबंध के अंतर्गत बनी ड्रेनें "किसी ड्रेन नेटवर्क से नहीं जुड़ी" ("not connected to any drain network") थीं और सेप्टिक टैंकों के अपशिष्ट जल से भरी थीं (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1), और नौ शहरी स्थानीय निकायों की लेखापरीक्षा में उनकी 939.55 km ड्रेनों में से 567.12 km खुली (बिना ढकी) पाई गईं और ड्रेनें वर्षा जल के साथ घरेलू अपशिष्ट जल ले जाने के लिए भी प्रयुक्त पाई गईं (CAG, 2015-16 के लिए स्थानीय निकायों पर वार्षिक तकनीकी निरीक्षण रिपोर्ट)। 0.6 m का न्यूनतम आवरण वह मान है जो CPHEEO (2019) की पाइप डिजाइन गणना-पत्रक के हल किए गए उदाहरण में प्रयुक्त है (Part A, Chapter 5)। कैरिजवे के नीचे 0.9 m का आवरण इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

> तलछट प्रावधान के मान (ड्रेन के लिए 75 mm या 10%, बड़े पाइपों के लिए 5%) इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। कोई भी भारतीय मानक डिजाइन के लिए तलछट प्रावधान निर्धारित नहीं करता। रांची का अनुभव यह है कि ड्रेनें वर्ष के अधिकांश समय आंशिक रूप से गाद से भरी चलती हैं, इसलिए स्वच्छ अनुप्रस्थ काट (section) के लिए परिकलित क्षमता वास्तविक क्षमता को बढ़ा-चढ़ाकर बताती है।
>
> CPHEEO की फ्रीबोर्ड तालिका (Table 5.3) में पहली पंक्ति "Beyond 300 mm bed width" के रूप में छपी है। दूसरी पंक्ति ("Beyond 300 mm & up to 900 mm") के साथ पढ़ने पर पहली पंक्ति का अर्थ अवश्य ही "300 mm तक" होगा; तालिका 6.7 इसी प्रकार लिखी गई है। CPHEEO की मैनहोल दूरी तालिका (Table 11.5) में परस्पर व्यापी श्रेणियाँ (700–1,050 mm और 1,000–1,400 mm) दी गई हैं; तालिका 6.8 में 1,050 mm को 150 m वर्ग में रखकर यह व्यापन हटाया गया है।

6.8 हाइड्रोलिक ग्रेड लाइन

6.8.1 **HGL विश्लेषण.** प्रत्येक पाइप और ढकी ड्रेन नेटवर्क के लिए डिजाइनकर्ता लघु डिजाइन घटना और जाँच घटना के लिए HGL की गणना करेगा, आउटफॉल से आरंभ करके प्रतिप्रवाह की ओर बढ़ते हुए। विश्लेषण में घर्षण हानियाँ और संगमों, मैनहोलों, मोड़ों, इनलेट, आउटलेट और गेटों पर होने वाली हानियाँ सम्मिलित होंगी।

6.8.2 **प्रारंभिक जल स्तर.** आउटफॉल पर प्रारंभिक (टेलवाटर) स्तर निम्नलिखित में से जो अधिक हो, वह होगा:

- (a) अध्याय 5 का टेलवाटर स्तर: ज्वारीय आउटफॉल पर लघु प्रणाली के डिजाइन के लिए वृहत् ज्वार का औसत उच्च जल स्तर (MHWS) और +0.3 m की समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई, और अन्य आउटफॉल पर संयोगी घटना के लिए प्राप्तकर्ता ड्रेन, नदी या तालाब का स्तर; और
- (b) जहाँ प्राप्तकर्ता जल निचला हो, वहाँ आउटलेट पाइप पर क्रांतिक गहराई और पाइप के व्यास से परिकलित स्तर, (dc + D)/2।

6.8.3 **लघु घटना की सीमा.** लघु डिजाइन घटना में HGL प्रत्येक इनलेट के रिम और प्रत्येक मैनहोल तथा निरीक्षण कक्ष के ढक्कन स्तर से कम से कम **0.3 m नीचे** होगी।

6.8.4 **जाँच घटना और 1% की सीमा.** जाँच घटना और 1% AEP घटना में HGL इनलेट रिमों से ऊपर उठ सकती है। लघु प्रणाली से बाहर निकलने वाला पानी तब प्रमुख प्रणाली द्वारा तालिका 6.2 की सीमाओं के भीतर ले जाया जाएगा और किसी भवन में प्रवेश नहीं करेगा। इन घटनाओं में भूमि से ऊपर सरचार्ज हो सकने वाले मैनहोलों के ढक्कन बोल्ट से कसे या ताला-बंद होंगे (अध्याय 9, खंड 9.12)।

6.8.5 **संरचनाओं पर हानियाँ.** मैनहोलों और संगमों पर हानियों की गणना FHWA HEC-22 (2009 या 2024 edition) की ऊर्जा-आधारित एक्सेस-होल विधि (access-hole method) से, या किसी अनुमोदित हाइड्रोलिक मॉडल में समतुल्य विधि से की जाएगी। 16 ha से छोटे टियर B नेटवर्क के लिए HEC-22 के गुणांकों के साथ सरलीकृत हानि-गुणांक विधि ($h = K\,V^2/2g$) का उपयोग किया जा सकता है।

6.8.6 **इनवर्ट और सॉफिट स्तर.** जहाँ किसी मैनहोल पर पाइप का आकार बढ़ता है, वहाँ आने वाले और बाहर जाने वाले पाइपों के सॉफिट (शीर्ष) मिलाए जाएँगे, या बाहर जाने वाला सॉफिट नीचे रखा जाएगा। बाहर जाने वाला इनवर्ट सबसे निचले आने वाले इनवर्ट से ऊँचा नहीं होगा। मैनहोलों में ऊर्ध्वाधर ड्रॉप अध्याय 9, खंड 9.12 के अनुसार होंगे।

6.8.7 **गेट और वाल्व.** खुली स्थिति में फ्लैप गेटों और नॉन-रिटर्न वाल्वों से होने वाली हेड हानि HGL में सम्मिलित की जाएगी (अध्याय 9, खंड 9.10)।

6.8.8 **निजी कनेक्शन.** किसी ऐसी सार्वजनिक ड्रेन से जुड़ने वाली भवन जल निकासी में, जिसकी 1% HGL भवन की सबसे निचली जल निकासी फिटिंग से ऊपर हो, नॉन-रिटर्न वाल्व होगा।

भाष्य. लघु घटना की HGL और इनलेट रिम के बीच 0.3 m का अंतर इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। यह उन हानियों के लिए मार्जिन रखता है जिन्हें कोई मॉडल कम आँकता है, और उस घटना में, जिसके लिए प्रणाली डिजाइन की गई है, इनलेट से पानी को उबलकर बाहर आने से रोकता है। झारखंड में नगरों की कई ड्रेनें ऐसी नदी में समाप्त होती हैं जिसका स्तर किसी डैम से छोड़े गए पानी से निर्धारित होता है, या अपने पूर्ण स्तर पर किसी जलाशय या तालाब (talab) में (खंड 5.8.5)। जमशेदपुर में शहर के नाले स्वर्णरेखा और खरकई में समाप्त होते हैं, जो चांडिल या मयूरभंज के डैमों से पानी छोड़े जाने पर ऊँची रहती हैं; रांची में हरमू के 14 प्रमुख और 56 छोटे इनलेट ऐसे चैनल में समाप्त होते हैं जो स्वयं 25-वर्ष की बाढ़ के लिए डिजाइन किया गया था (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1), इसलिए उससे मिलने वाली हर ड्रेन का स्तर हरमू से उतना ही निर्धारित होता है जितना नीचे की स्वर्णरेखा से। रांची में ठेकेदार ने केवल अपनी बनाई 1.49 km ड्रेन के अनुदैर्ध्य काट (longitudinal sections) प्रस्तुत किए, जो अनुमोदित नहीं किए गए, और बनाए गए टुकड़े किसी नेटवर्क से नहीं जुड़े थे (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। जिस ड्रेन की HGL किसी मुक्त आउटफॉल से आरंभ की जाती है, या नदी या जलाशय के स्तर के बिना एक बार में एक लंबाई के लिए परिकलित की जाती है, वह ठीक इसी प्रकार विफल होती है। अध्याय 5 के ज्वारीय टेलवाटर के साथ आउटफॉल से परिकलित HGL इन त्रुटियों को डिजाइन के चरण में ही उजागर कर देती है। MHWS और 0.3 m का प्रारंभिक स्तर CPHEEO (2019) Table 6.2 से है। एक्सेस-होल विधि का वर्णन HEC-22 में 2009 के संस्करण से आगे किया गया है।

6.9 प्रमुख प्रणाली: सतही प्रवाह मार्ग, सुखाधिकार और जल निकासी आरक्षित पट्टियाँ

6.9.1 **प्राथमिक प्रमुख प्रणाली के रूप में सड़कें.** सड़कों की ढलान ऐसी रखी जाएगी कि 1% AEP प्रमुख प्रणाली का प्रवाह सड़क आरक्षित भूमि (road reserve) के साथ-साथ किसी प्राप्तकर्ता जलमार्ग तक बिना रुके ले जाया जाए, सिवाय खंड 6.10 के अंतर्गत डिजाइन किए गए निचले बिंदुओं के।

6.9.2 **सड़कों से बाहर सतही प्रवाह मार्ग.** जहाँ कोई प्रमुख प्रणाली मार्ग सड़क आरक्षित भूमि से बाहर निकलता है, वहाँ वह:

- (a) सार्वजनिक भूमि में, किसी लेआउट के खुले स्थान में, या लेआउट अनुमोदन और स्वत्व-पत्र (title) पर दर्ज सुखाधिकार में होगा;
- (b) कम से कम 1% AEP प्रवाह की शीर्ष चौड़ाई और प्रत्येक ओर 0.5 m जितना चौड़ा होगा, और 3.0 m से कम नहीं होगा;
- (c) भवनों, चारदीवारी, बाड़, भराई, संग्रहीत सामग्री और ऐसे पौधारोपण से मुक्त रखा जाएगा जो प्रवाह में बाधा डाले;
- (d) सतत ढलान पर होगा, जिसमें बिना निकास का कोई निचला बिंदु न हो; और
- (e) तालिका 6.3 की जोखिम सीमाओं के भीतर होगा।

6.9.3 **चारदीवारी.** किसी मानचित्रित सतही प्रवाह मार्ग के आर-पार चारदीवारी या बाड़ नहीं बनाई जाएगी। जहाँ किसी दीवार को उसे पार करना ही हो, वहाँ उसमें इतने कुल क्षेत्रफल के ओपनिंग होंगे जो 50% अवरोध के साथ 1% AEP प्रवाह पारित करें, प्रतिप्रवाह जल स्तर को इस अध्याय की सीमाओं से ऊपर उठाए बिना।

6.9.4 **खुली ड्रेन के साथ पहुँच.** 2 m या अधिक शीर्ष चौड़ाई वाली खुली ड्रेन के एक किनारे पर कम से कम 3.5 m चौड़ी रखरखाव पहुँच पट्टी (access strip) होगी, जो 500 m से अधिक नहीं के अंतराल पर किसी सार्वजनिक सड़क से जुड़ी हो।

6.9.5 **आपूर्ति चैनल, अतिरिक्त जल मार्ग और तालाब.** तालाबों के आपूर्ति चैनल और अतिरिक्त जल मार्ग प्रमुख प्रणाली के भाग हैं और अध्याय 7 के अंतर्गत संरक्षित किए जाएँगे।

6.9.6 **जल निकासी आरक्षित पट्टियाँ.** जल निकासी आरक्षित पट्टी (drainage reserve) भूमि की एक पट्टी है, ड्रेन सहित, जिसे भवनों से मुक्त रखा जाता है ताकि ड्रेन का रखरखाव किया जा सके, उसे चौड़ा किया जा सके और बाढ़ मार्ग के रूप में उसका उपयोग किया जा सके। जल निकासी आरक्षित पट्टी इनके साथ-साथ रखी जाएगी:

- (a) 1.0 m या अधिक आंतरिक चौड़ाई वाली प्रत्येक सार्वजनिक ड्रेन या चैनल, जो विकसित या पुनर्विकसित किए जा रहे किसी लेआउट या साइट से होकर या उसके साथ-साथ बहती हो;
- (b) किसी अंगीकृत बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान (अध्याय 11) में दर्शाई गई प्रत्येक ड्रेन या चैनल, उस प्लान की भावी ड्रेन की चौड़ाई पर; और
- (c) किसी सार्वजनिक निकाय द्वारा बनाई गई 1.0 m या अधिक आंतरिक चौड़ाई वाली प्रत्येक नई सार्वजनिक ड्रेन।

6.9.7 **चौड़ाई.** आरक्षित पट्टी ड्रेन की आंतरिक चौड़ाई W से मापी गई तालिका 6.9 की चौड़ाई से कम नहीं होगी। चौड़ाई **अपेक्षित** ड्रेन आकार (नियोजित ड्रेन के लिए, मास्टर प्लान का आकार) पर आधारित है, विद्यमान आकार पर नहीं। जहाँ खंड 6.9.4 की पहुँच पट्टी तालिका 6.9 के मार्जिन से अधिक चौड़ी हो, वहाँ अधिक चौड़ाई निर्णायक होगी।

तालिका 6.9 — जल निकासी आरक्षित पट्टी की न्यूनतम चौड़ाई (PUB Singapore से ली गई)

ड्रेन की आंतरिक चौड़ाई, W	खुली ड्रेन	बंद (ढकी) ड्रेन
1.0 m से 1.2 m	3.0 m	W + 0.6 m
1.2 m से अधिक, 3.0 m तक	W + 2.6 m	W + 1.6 m
3.0 m से अधिक, 4.5 m तक	W + 3.5 m	W + 1.6 m
4.5 m से अधिक, 6.0 m तक	W + 4.5 m	W + 3.0 m
6.0 m से अधिक, 9.0 m तक	W + 6.0 m	W + 3.0 m
9.0 m से अधिक, 25.0 m तक	W + 7.5 m	W + 3.0 m
25.0 m से अधिक	W + 12.0 m	W + 3.0 m

खुली ड्रेन के लिए मार्जिन का बड़ा भाग उस ओर होगा जिसका उपयोग रखरखाव पहुँच के लिए किया जाता है।

6.9.8 **उपयोग और संरक्षण.**

- (a) आरक्षित पट्टी को लेआउट योजना या साइट नक्शे पर एक अलग भूखंड के रूप में दर्शाया जाएगा और सड़कों और खुले स्थान के आरक्षणों की भाँति अनुमोदन प्राधिकारी को निःशुल्क हस्तांतरित किया जाएगा। जहाँ ड्रेन WRD का चैनल हो, वहाँ आरक्षित पट्टी WRD को हस्तांतरित की जाती है।
- (b) आरक्षित पट्टी में कोई भवन, चारदीवारी, बाड़, रैंप, सीढ़ी, भराई या अन्य संरचना नहीं बनाई जाएगी। चारदीवारी और सीमा बाड़ उसके बाहर होंगी।
- (c) आरक्षित पट्टी में पहुँच पट्टी समतल और सतत होगी, और किसी सार्वजनिक सड़क से जुड़ी होगी। रखरखाव वाहनों के सिवाय अन्य वाहनों को रोकने के लिए प्रवेश स्थानों पर बोलार्ड (bollards) या खंभों और जंजीरों का उपयोग किया जा सकता है।
- (d) जहाँ आरक्षित पट्टी पर बाड़ न लगी हो, वहाँ उसके किनारे को 50 m से अधिक नहीं की दूरी पर कंक्रीट के चिह्नकों से चिह्नित किया जाएगा।
- (e) सेवाएँ ड्रेन के नीचे से, इनवर्ट से कम से कम 1.0 m नीचे, या किसी अनुमोदित संरचना पर उसके ऊपर से पार होंगी। सेवाएँ ड्रेन के अनुप्रस्थ काट के भीतर आरक्षित पट्टी के साथ-साथ नहीं चलेंगी।
- (f) आरक्षित पट्टी के किनारे से 2 m के भीतर कोई संरचना ऐसी डिजाइन की जाएगी कि ड्रेन को उसके इनवर्ट से 1.0 m नीचे तक खोदे जाने पर भी वह स्थिर रहे। डिजाइन पर एक योग्य संरचनात्मक अभियंता के हस्ताक्षर होंगे।

- (g) आरक्षित पट्टी साइट की खुले स्थान की अपेक्षाओं में केवल वहीं गिनी जाती है जहाँ अनुमोदन प्राधिकारी के नियम इसकी अनुमति देते हैं; यह अध्याय 7 द्वारा अपेक्षित किसी सेटबैक को कम नहीं करती।

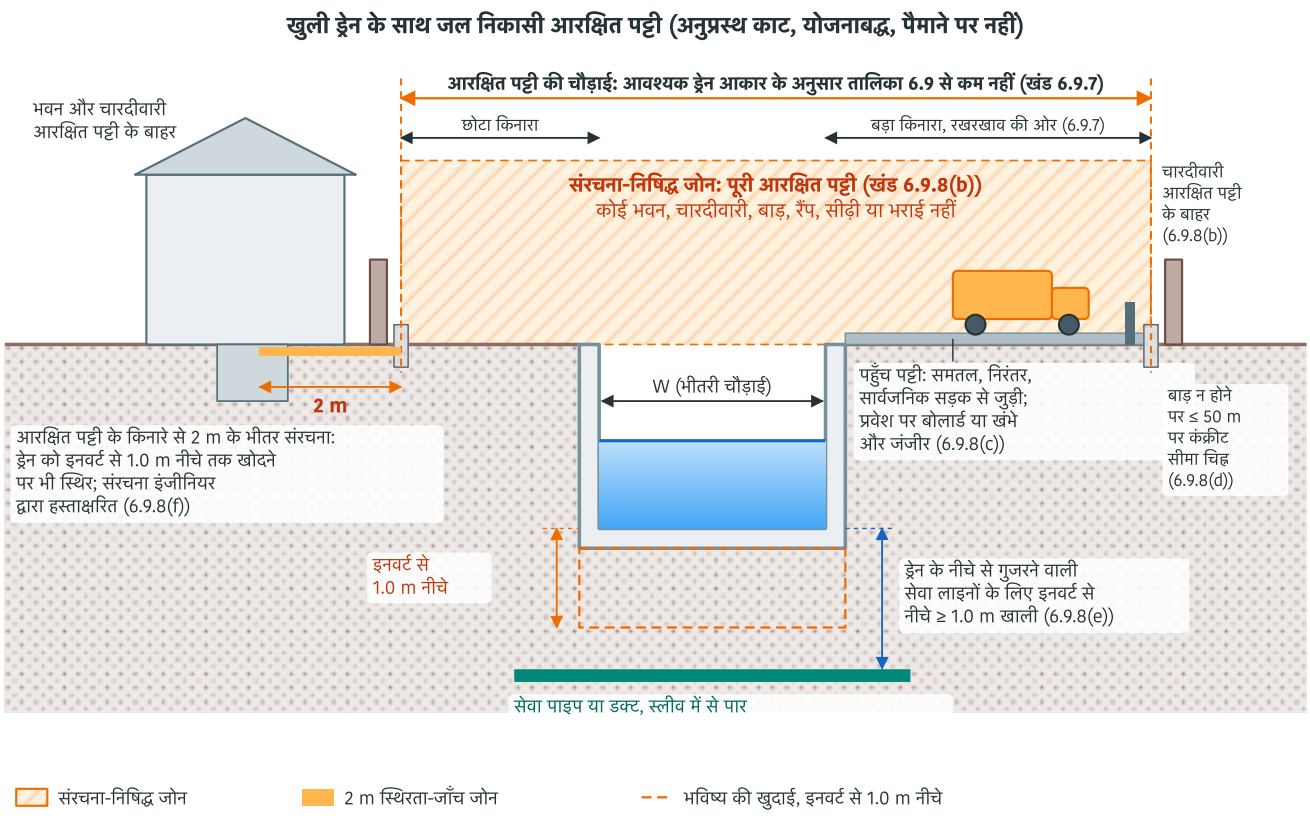

चित्र 6.4 — खुली ड्रेन के साथ जल निकासी आरक्षित पट्टी: तालिका 6.9 से आरक्षित पट्टी की चौड़ाई, संरचना-निषिद्ध क्षेत्र, रखरखाव की ओर पहुँच पट्टी, इनवर्ट के नीचे सेवाओं के लिए 1.0 m का अंतर और 2 m का स्थिरता-जाँच क्षेत्र (खंड 6.9.6 से 6.9.8)। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, PUB Singapore, Code of Practice on Surface Water Drainage (7th ed., with Addendum No. 3, 2025), clauses 5.1, 5.3, 9.6 और 9.7 तथा Appendix 1 से रूपांतरित।

भाष्य. जल निकासी आरक्षित पट्टियाँ सिंगापुर के अनुसार हैं, जहाँ "जल निकासी आरक्षित पट्टी की चौड़ाई अपेक्षित ड्रेन आकार पर आधारित होती है" ("the width of a drainage reserve is based on the required drain size") और आरक्षित पट्टी एक अलग भूखंड के रूप में रखी जाती है, "सभी भारों से मुक्त" ("kept free of all encumbrances") (PUB Code of Practice on Surface Water Drainage, 7th ed. with Addendum No. 3, 2025, cl. 1.1)। तालिका 6.9 में PUB के Appendix 1 की चौड़ाइयाँ पुनःप्रस्तुत की गई हैं। खंड 6.9.8(b) से (f) PUB के clauses 5.1 (ड्रेन या जल निकासी आरक्षित पट्टी के भीतर कोई संरचना नहीं), 5.3 और 5.3.1 (इनवर्ट से 1.0 m नीचे खुदाई के लिए स्थिरता; आरक्षित पट्टी से 2 m के भीतर अभियंता की गणनाएँ), 9.6 (बोलार्ड या खंभों और जंजीरों सहित समतल, सतत पहुँच) और 9.7 (अधिकतम 50 m पर चिह्नक) के अनुसार हैं। ड्रेन के नीचे से पार होने वाली सेवाओं के लिए 1.0 m का अंतर PUB के विकास-प्लान मार्गदर्शन से है। झारखंड में भवन और चारदीवारी अक्सर ड्रेन के किनारे तक बना दी जाती हैं, जिससे उसे न चौड़ा किया जा सकता है और न मशीन से उसकी गाद निकाली जा सकती है। किसी भूखंड के विकास या पुनर्विकास के समय भूमि आरक्षित करना उसे सुरक्षित करने का सबसे सस्ता समय है, क्योंकि बाद में चौड़ा करने के लिए भूमि अधिग्रहण आवश्यक होता है। चौड़ाई को मास्टर प्लान के ड्रेन आकार पर आधारित करना (6.9.6(b)) उस भूमि की रक्षा करता है जिसकी भावी ड्रेन को आवश्यकता होगी। झारखंड में नदियों के साथ, और रांची में प्राकृतिक नालों और डैमों के साथ, सांविधिक दूरियाँ हैं, किंतु किसी ड्रेन के साथ आरक्षित पट्टी की कोई चौड़ाई नहीं है। झारखंड भवन उपविधि, 2016 "नदी की सीमा के भीतर" ("within the boundary of the river") निर्माण वर्जित करती है (उपविधि 23.3); गंगा के साथ, नदी सीमा के भीतर या राज्य द्वारा विहित किसी अधिक दूरी के भीतर (23.1); और अन्य नदियों के साथ, नदी-तट की बाहरी सीमा से "10-15 मीटर (जहाँ क्षेत्र खुला है और विकसित नहीं, वहाँ 15 मी. तक) की भू-पट्टी के भीतर" ("a strip of land of 10-15

metres (where area is open and not develop 15m. up to)"), या राज्य द्वारा विहित दूरी के भीतर, और जोड़ती है कि "राज्य सरकार ऐसी नदियों की सूची अधिसूचित करेगी" ("The State Government shall notify a list of such rivers") (23.2)। शोध के दौरान उपविधि 23.2 के अंतर्गत नदियों की कोई सूची नहीं मिली [TBC], इसलिए जिन नदियों पर यह पट्टी लागू होती है उनके नाम कभी नहीं दिए गए। उपविधि 23.4 सरकार के अनुमोदन से "पुनः प्राप्त भूमि पर" ("on reclaimed lands") नदी-तट विकास और सौंदर्यीकरण की अनुमति देती है; यह मैनुअल इसे किसी कॉरिडोर को संकरा करने का कारण नहीं मानता। भवन उपविधि 2016 "प्राकृतिक जलमार्गों या ड्रेनों के क्षेत्रों में, जैसा विकास योजना और समय-समय पर यथासंशोधित जल निकासी योजना में विस्तार से दिया गया है" ("In areas of natural waterways or drains, as detailed in the Development Plan, and drainage plan as modified from time to time") (30.1) और किसी नगरपालिका ड्रेन के ऊपर या नीचे भवन के लिए (30.3) भी अनुमति अस्वीकार करती है। रांची मास्टर प्लान 2037, जिसे UD&HD ने 30 नवंबर 2015 को झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम, 1981 (अंगीकृत) की धारा 24(1) के अंतर्गत अनुमोदित किया, कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के चारों ओर पूर्ण जल स्तर से 20 m के भीतर निर्माण वर्जित करता है, एक ऐसी दूरी जो सेटबैक में नहीं गिनी जाती, और नदियों और प्राकृतिक नालों से 10–15 m (स्थान की उपलब्धता के अनुसार) के भीतर भी, जिसमें उनके किनारों के साथ कम से कम 10 m चौड़ी पट्टी हर स्थिति में वर्जित है (शर्त 2.9); जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027 या धनबाद मास्टर प्लान 2041 के अनुमोदनों में, जिनके केवल पहले पृष्ठ पढ़े गए, ऐसी कोई शर्त नहीं मिली [TBC]। झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 "सभी सार्वजनिक ड्रेनें, किसी सार्वजनिक सड़क के साथ-साथ या उसके नीचे की सभी ड्रेनें" ("all public drains, all drains alongside or under any public street") नगरपालिका में निहित करता है (धारा 221), सार्वजनिक तालाबों और "ऐसे किसी जल स्रोत से संबद्ध कोई संलग्न भूमि, जो निजी संपत्ति नहीं है" ("any adjacent land, not being private property, appertaining to any such water source") सहित (धारा 203); नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी की अनुमति के बिना किसी नगरपालिका ड्रेन पर किसी "भवन, दीवार, बाड़ या अन्य संरचना" ("building, wall, fence or other structure") पर रोक लगाता है (धारा 235); और किसी परिसर के निर्माण या अधिभोग पर तब तक रोक लगाता है जब तक उसकी "प्रभावी जल निकासी के लिए आवश्यक" ("necessary for the effectual drainage") "ऐसे आकार, सामग्री और विवरण की, ऐसे स्तर पर और ऐसी ढाल के साथ" ("of such size, materials and description, at such level, and with such fall") ड्रेन तीस मीटर के भीतर किसी नगरपालिका ड्रेन में, या अन्यथा किसी मलकूप (cesspool) में, न गिरती हो (धारा 227)। धारा 235 केवल ड्रेन की रक्षा करती है, उसके साथ की किसी पट्टी की नहीं। राज्य में डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं है: WRD ने गंगा के डूब क्षेत्र के सीमांकन के लिए एक परामर्शदाता लगाया है, जिसके लिए गंगा की जलविज्ञान राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना से प्रतीक्षित थी (NGT O.A. 200/2014 में राज्य की रिपोर्ट), और जमशेदपुर में स्वर्णरेखा के लिए NGT की संयुक्त समिति ने उपविधि 23.2 और 23.3 लागू कीं, क्योंकि नदी का डूब क्षेत्र निर्धारित नहीं किया गया था (14 मार्च 2024 की रिपोर्ट, NGT के समक्ष उद्धृत रूप में); स्वर्णरेखा के साथ 2025 के ध्वस्तीकरण आदेशों में 15 m की रेखा का उपयोग किया गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। रांची के जलाशयों पर झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश उनके आसपास प्रवेश-निषिद्ध जोन और बाड़ लगाने का निर्देश देते हैं (W.P.(PIL) 1463/2020, 31 जुलाई 2025 का आदेश, प्रकाशित खबरों के अनुसार), किंतु कोई दूरी नहीं मिली, और उसके बाद के आदेश पढ़े नहीं गए [TBC]। इनमें से कोई भी किसी ड्रेन के साथ आरक्षित पट्टी की चौड़ाई नहीं देता। इसलिए यह मैनुअल आरक्षित पट्टी को एक चौड़ाई देता है, अपने प्रस्ताव के रूप में, सांविधिक चौड़ाई के रूप में नहीं: एक **हाइड्रोलिक कॉरिडोर** (hydraulic corridor), जो तालिका 6.9 की आरक्षित पट्टी से बनता है, जो डिजाइन प्रवाह ले जाने के लिए आवश्यक ड्रेन आकार पर आधारित है (खंड 6.9.7), पहुँच वाले किनारे पर खंड 6.9.4 की पहुँच पट्टी से, और किसी नदी, किसी प्राकृतिक ड्रेन या 8 ha या अधिक क्षेत्र की निकासी करने वाली WRD की ड्रेन के साथ, उसके किनारे के शीर्ष से मापे गए खंड 7.4 के सेटबैक से, जिसमें जोन 1 कम से कम 15 m हो; जहाँ 1% AEP बाढ़ का विस्तार मानचित्रित किया गया हो, वहाँ वह जोन 2 के लिए निर्णायक है, और जहाँ उपविधि 23, रांची मास्टर प्लान 2037 की शर्त 2.9 या कोई न्यायालय कोई अधिक चौड़ी रेखा निर्धारित करता है, वहाँ वह रेखा तब तक लागू होती है जब तक वह बाध्यकारी है (अध्याय 7)। इस मैनुअल के लिए, 8 ha या अधिक क्षेत्र की निकासी करने वाला प्रत्येक नाला खंड 7.4.1(b) के अंतर्गत एक प्राकृतिक चैनल है, चाहे उसका अनुरक्षण कोई भी करता हो और चाहे वह पक्का, पाइपयुक्त या ढका हो या नहीं, और राजस्व अभिलेखों में नाला, तालाब (talab), आहर (ahar) या बाँध (bandh) के रूप में दर्ज भूमि, उसका वर्तमान उपयोग चाहे जो हो, चैनल या जलाशय का भाग है (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। यह कॉरिडोर इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। इसे झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम, 1981 और झारखंड नगर निवेशन एवं उन्नयन न्यास अधिनियम, 2002 (दोनों अंगीकृत) के अंतर्गत बनाए गए मास्टर प्लानों और जल निकासी योजनाओं में दर्शाया जाना चाहिए, ताकि उन योजनाओं में दर्शाए गए प्राकृतिक जलमार्गों और ड्रेनों में निर्माण पर उपविधि 30.1 की रोक उस पर लागू हो, न कि उसे एक नया NOC बनाया जाए। जहाँ किसी आरक्षित पट्टी की भूमि छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 या संथाल परगना

काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949 के क्षेत्रों में किसी रैयत की जोत है, वहाँ उसका हस्तांतरण प्रतिबंधित है (छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46; संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम की धारा 20; पाठ इस मैनुअल के लिए पढ़े नहीं गए), इसलिए आरक्षित पट्टी को खरीद से नहीं, बल्कि लोक भूमि पर, सड़क की आरक्षित भूमि में और पहले से नाला या तालाब के रूप में दर्ज भूमि पर, या उन हस्तांतरणीय विकास अधिकारों के बदले सुरक्षित करना सबसे अच्छा है जो झारखंड हस्तांतरणीय विकास अधिकार नियमावली, 2017 (Jharkhand Transferable Development Rights Rules, 2017) जल निकासी के लिए समर्पित भूमि के लिए देती है।

आरक्षित पट्टी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि झारखंड के नगरों की ड्रेनें स्वामियों में बँटी हैं, और कोई नियम उनका विभाजन नहीं करता। झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 वर्षा जल ड्रेनों को नगरपालिका का कार्य बनाता है (धारा 70) और अपेक्षा करता है कि नगरपालिका अपने क्षेत्र की "प्रभावी जल निकासी और वर्षा जल के उचित निस्सरण" ("effectual drainage and proper discharge of storm-water") के लिए, "बाढ़ से" ("by flooding") कोई उपद्रव किए बिना, "ड्रेनों और सीवरों का निर्माण और रखरखाव करे, और एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल उपलब्ध कराए" ("construct and maintain drains and sewers, and provide a safe and efficient outfall") (धारा 219); यह सार्वजनिक ड्रेनों को नगरपालिका में निहित करता है (धारा 221) और उसे राज्य के अनुमोदन से कोई ड्रेन किसी अन्य प्राधिकारी को सौंपने या उससे अपने अधिकार में लेने देता है (धारा 222)। उन्हीं नगरों में JUIDCO राज्य की जल निकासी परियोजनाएँ बनाती है, जिनमें रांची का हरमू चैनल सम्मिलित है, जो नवंबर 2022 में भी अपने संचालन और रखरखाव चरण में JUIDCO के पास था (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1), और धनबाद में झारखंड नगरपालिका विकास परियोजना की वर्षा जल ड्रेनें भी (JUIDCO, 2017)। RMC की सीमाओं के भीतर RRDA का संचालन समाप्त हो जाता है (धारा 615(3)), और शहर के आसपास के पंचायत क्षेत्रों में उच्च न्यायालय ने माना है कि पंचायत राज अधिनियम क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम पर अभिभावी है (नवंबर 2025, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। जमशेदपुर में पट्टा क्षेत्र को टाटा स्टील सेवाएँ देती रही है, अब Tata Steel UISL के माध्यम से, जिसका 2005 का पट्टा उसे ड्रेनों या वर्षा जल का नाम लिए बिना "नगरपालिका सेवाओं और नागरिक सुविधाओं के स्तर को बनाए रखना जारी रखने" ("continue to maintain the standard of municipal services and civic amenities") के लिए बाध्य करता है; राज्य ने 23 दिसंबर 2023 को JNAC को टाटा की सुविधाओं के साथ मिलाकर एक औद्योगिक नगर अधिसूचित किया, एक ऐसी अधिसूचना जिसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है (PIL 2636/2024, प्रकाशित खबरों के अनुसार); मानगो, जुगसलाई और आदित्यपुर के अपने नगरपालिका निकाय हैं, और Tata Steel UISL द्वारा मानगो में ड्रेनों की सफाई को नगर निगम का कार्य बताकर अस्वीकार करने की खबर है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। धनबाद क्षेत्र में खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (MADA) के संचालन धनबाद नगर निगम में केवल "जिस सीमा तक अधिसूचित हो" ("to the extent notified") निहित होते हैं (धारा 615(4)), और ऐसी कोई अधिसूचना नहीं मिली। WRD नदियों, नदी सीमाओं और रांची, चांडिल और तेनुघाट के डैमों का धारक है; DVC अपने जलाशयों का; और कोयला क्षेत्रों में कोयला कंपनियाँ अपनी पर्यावरण स्वीकृतियों और DGMS के नियमों के अंतर्गत अपने पट्टों की ड्रेनों, गारलैंड ड्रेनों, अवसादन तालाबों और खदान के गड्ढों की धारक हैं, और धनबाद की जल निकासी परियोजना ने कोयला-धारी क्षेत्र और अग्नि क्षेत्र को पूरी तरह छोड़ दिया (JUIDCO, 2017)। शोध के दौरान प्राकृतिक नालों को नगरपालिका ड्रेनों से विभाजित करने वाला कोई नियम नहीं मिला। इस मैनुअल के प्रयोजनों के लिए, और जब तक राज्य ऐसा कोई नियम जारी नहीं करता [TBC], ड्रेनें इस प्रकार सौंपी जाती हैं: नदियाँ, नदी सीमाएँ और डूब क्षेत्र, राज्य के डैम और जलाशय, जिनमें गेतलसूद, कांके, हटिया (धुर्वा), चांडिल और तेनुघाट सम्मिलित हैं, उनके गेटों और स्पिलवे सहित, बाढ़ तटबंध और सिंचाई नहरें, WRD को; तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत जलाशय और उनके गेट DVC को; किसी शहरी स्थानीय निकाय की सीमाओं के भीतर की सार्वजनिक ड्रेनें, सार्वजनिक सड़कों के साथ-साथ या उनके नीचे की ड्रेनें और नाले, WRD को सौंपे गए नालों के अतिरिक्त, और धारा 203 के अंतर्गत उसमें निहित सार्वजनिक तालाब, उसके नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत को; JUIDCO द्वारा बनाई गई ट्रंक ड्रेनें और चैनल, जिनमें हरमू चैनल और झारखंड नगरपालिका विकास परियोजना की धनबाद की ड्रेनें सम्मिलित हैं, JUIDCO को, जब तक वे लिखित रूप में स्थानीय निकाय को न सौंप दी जाएँ, और जहाँ लागू हो वहाँ धारा 222 के अंतर्गत राज्य के अनुमोदन से; RMC की सीमाओं के बाहर RRDA द्वारा अनुमोदित या निर्मित लेआउट और योजनाओं की ड्रेनें, सौंपे जाने तक, RRDA को, और पंचायत क्षेत्रों की ड्रेनें ग्राम पंचायत को; जमशेदपुर में, पट्टा क्षेत्र की ड्रेनें 23 दिसंबर 2023 को अधिसूचित औद्योगिक नगर के नागरिक निकाय को, या अधिसूचना निरस्त होने पर JNAC को, और Tata Steel UISL उन्हें चलाने वाले सेवा प्रदाता के रूप में [TBC], और मानगो, जुगसलाई और आदित्यपुर की ड्रेनें उनके अपने नगरपालिका निकायों को; किसी औद्योगिक क्षेत्र की ड्रेनें उसके औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार को; धनबाद नगर निगम के बाहर MADA द्वारा धारित ड्रेनें MADA को, जब तक धारा 615(4) के अंतर्गत कोई अधिसूचना उन्हें हस्तांतरित न करे; किसी खनन पट्टे के भीतर की ड्रेनें, गारलैंड ड्रेनें, मोड़ चैनल, अवसादन तालाब और खदान के गड्ढे पट्टाधारी को, जिनमें BCCL, CCL और ECL सम्मिलित हैं, उसकी पर्यावरण स्वीकृति और DGMS के नियमों के अंतर्गत; और राजमार्गों

की ड्रेनें RCD या NHAI को (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित)। खंड 6.9.8(a) के अंतर्गत, WRD की ड्रेन के साथ की आरक्षित पट्टी WRD को हस्तांतरित की जाती है। जहाँ किसी चैनल की स्थिति विवादित हो, वहाँ कॉरिडोर चैनल का अनुसरण करता है, उसके नाम का नहीं: हरमू एक नदी भी है, जिसका स्वामित्व WRD और RMC में से किसका है इसकी पुष्टि शोध के दौरान नहीं हुई [TBC], और JUIDCO द्वारा शहर की ट्रंक ड्रेन के रूप में पुनर्निर्मित चैनल भी, जिसकी करमा चौक पुल (Karma Chowk bridge) पर चौड़ाई 2009 और 2021 के बीच 18.70 m घट गई (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। राज्य के किसी भी नगर के लिए डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि वाला कोई अनुमोदित शहरी जल निकासी मास्टर प्लान नहीं मिला। किसी शहर की ड्रेनों के लिए मिली एकमात्र डिजाइन वर्षा घटना धनबाद की ड्रेनों की 1-वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि है, जो इसलिए चुनी गई क्योंकि 2- और 5-वर्ष की ड्रेनें "उपलब्ध RoW से बाहर भूमि में वृद्धि का कारण बन रही थीं" ("was resulting in increase in land beyond the available RoW") (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017); हरमू चैनल 25-वर्ष की बाढ़ के लिए डिजाइन किया गया था और जुलाई 2016 और जुलाई 2017 में हुई क्षति के बाद आंशिक रूप से 50 वर्ष के लिए पुनः डिजाइन किया गया, जबकि नगरों की सुरक्षा के लिए IS 12094 में 100 वर्ष हैं, और रांची के लिए जोन-I अनुबंध के अंतर्गत सहमत 207 km वर्षा जल ड्रेनों में से 1.49 km बनाई गईं (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। अपने किनारे बची भूमि में समाने के अनुसार आकार दी गई ड्रेन को बड़ा नहीं किया जा सकता, इसीलिए आरक्षित पट्टी अपेक्षित आकार पर आधारित है। जब तक कोई बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान अंगीकृत नहीं हो जाता (खंड 6.9.6(b)), तब तक खंड 6.9.7 का अपेक्षित ड्रेन आकार वह आकार है जो डिजाइनकर्ता इस अध्याय के अंतर्गत परिकलित करता है। यह मैनुअल पक्के या कच्चे अनुप्रस्थ काट (section) को निर्धारित नहीं करता। इसमें यह अनिवार्य है कि अनुप्रस्थ काट खंड 6.7.3 और अध्याय 9 की वेग सीमाएँ पूरी करे, और कच्चे या वनस्पतियुक्त अनुप्रस्थ काट के लिए पर्याप्त चौड़ी आरक्षित पट्टी ऐसी पट्टी है जो दोनों विकल्प खुले रखती है।

भाष्य. अपेक्षाओं 6.9.2(b)–(e), 6.9.3 और 6.9.4 का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। अलग-अलग भूखंडों के चारों ओर चारदीवारी झारखंड में लगभग सर्वत्र है और सतही प्रवाह मार्गों के अवरुद्ध होने के सबसे सामान्य कारणों में से एक है। दीवार के ओपनिंग के लिए 50% अवरोध की मान्यता खंड 6.6.3 के जाली अवरोध गुणक के अनुरूप रखी गई है। 3.5 m की पहुँच चौड़ाई इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है, जो एक छोटे खुदाई यंत्र या गाद निकालने वाले वाहन के लिए है। तुलना के लिए, APWA 5600 (2006, 5608.4) में अस्थायी भंडारण सुविधाओं के लिए 15 ft (लगभग 4.6 m) की रखरखाव पहुँच पट्टी अनिवार्य है।

6.10 निचले बिंदुओं और निम्न स्थानों पर जल का रुकना

6.10.1 **लघु घटना.** प्रत्येक निचले बिंदु पर लघु डिजाइन प्रवाह को इनलेट (अवरोध के बाद) द्वारा हटाया जाएगा, और रुके पानी का फैलाव तालिका 6.2 के भीतर रहेगा।

6.10.2 **1% AEP घटना.** प्रत्येक निचले बिंदु पर:

- (a) कैरिजवे के सबसे गहरे बिंदु पर रुके पानी की गहराई 350 mm से अधिक नहीं होगी;
- (b) एक सतही अतिप्रवाह मार्ग का प्रावधान किया जाएगा (उदाहरण के लिए नीचे किए गए कर्ब और फुटपाथ के ऊपर से किसी निर्दिष्ट सतही प्रवाह मार्ग में), ताकि रुके पानी का स्तर अतिप्रवाह स्तर से ऊपर न उठ सके; और
- (c) निचले बिंदु के आसपास भवनों के फर्श स्तर खंड 6.11 का अनुपालन करेंगे।

6.10.3 **पूर्ण-अवरुद्ध जाँच.** निचले बिंदुओं पर 1% AEP में रुके पानी के स्तर की गणना लघु प्रणाली को पूर्ण रूप से अवरुद्ध मानकर और सारे प्रवाह के सतही अतिप्रवाह मार्ग से निकलने की स्थिति में भी की जाएगी। निचले बिंदु के आसपास फर्श स्तर रुके पानी के दोनों स्तरों में से उच्चतर के आधार पर निर्धारित किए जाएँगे।

6.10.4 **बंद निचले बिंदु.** जहाँ किसी निचले बिंदु का कोई सतही अतिप्रवाह मार्ग न हो, वहाँ इनलेट और वाहिकाएँ (अवरोध के बाद) 1% AEP प्रवाह ले जाएँगी, और अनुमोदन प्राधिकारी इस व्यवस्था पर सहमति देगा।

6.10.5 **सड़क अंडरपास.** सार्वजनिक सड़कों पर अंडरपास और अन्य बंद निचले बिंदु:

- (a) 2% AEP (50-वर्ष) प्रवाह के लिए डिजाइन की गई और 1% AEP प्रवाह पर जाँची गई लघु प्रणाली द्वारा जल निकासी वाले होंगे (जहाँ गुरुत्व से जल निकासी संभव न हो वहाँ अध्याय 9, खंड 9.9 के अंतर्गत पंपिंग सहित);
- (b) निचले बिंदु तक पहुँचने से पहले प्रवाह को रोकने के लिए दोनों पहुँच मार्गों पर पार्श्व इनलेट वाले होंगे;
- (c) जहाँ व्यवहार्य हो, ऊँचे किए गए पहुँच शिखरों (approach crests) द्वारा आसपास की सड़कों से आने वाले प्रवाह से सुरक्षित होंगे; और
- (d) गहराई चिह्नक और स्वचालित चेतावनी या बंद करने वाले संकेत वाले होंगे जो कैरिजवे पर 150 mm गहराई पर सक्रिय हों।

> **भाष्य.** पूर्ण-अवरुद्ध जाँच, बंद निचले बिंदु का नियम और अंडरपास की अपेक्षाओं का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। शोध के दौरान झारखंड में किसी अंडरपास में बाढ़ का कोई अभिलेख नहीं मिला [TBC]। सड़कें पहले से ही प्रमुख प्रणाली का काम करती हैं: धनबाद में जल निकासी परियोजना क्षेत्र की 243 km सड़कों में से केवल लगभग 40 km पर सड़क किनारे की ड्रेनें थीं (JUIDCO, 2017), और रांची में जुलाई 2021 में 24 घंटों में लगभग 180 mm वर्षा के बाद कटहल मोड़ (Kathal More) और अरगोड़ा में बाढ़ आई, अगस्त 2022 में कांके रोड पर घुटनों तक पानी बहा और बहुबाजार के घर जलमग्न हुए, और जून 2025 में बहुबाजार में फिर बाढ़ आई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। खंड 6.10.5(d) तालिका 6.2 की सड़क के शीर्ष पर 150 mm की गहराई सीमा को उस बिंदु से जोड़ता है जिस पर यातायात रुक जाना चाहिए।

6.11 भवनों के फर्श स्तर

6.11.1 सबसे निचला आवास योग्य तल, और प्रत्येक ऐसा ओपनिंग जिससे पानी भवन में प्रवेश कर सकता है (दरवाजे, रोशनदान, बेसमेंट के रैंप, लिफ्ट पिट और सेवा प्रवेश), **1% AEP बाढ़ स्तर से कम से कम 0.5 m ऊपर** होगा।

6.11.2 1% AEP बाढ़ स्तर निम्नलिखित में से उच्चतम है:

- (a) भवन से लगी सड़क या सतही प्रवाह मार्ग में 1% AEP प्रमुख प्रणाली का जल स्तर (खंड 6.9 और 6.10, निचले बिंदुओं पर पूर्ण-अवरुद्ध जाँच सहित);
- (b) किसी नदी, चैनल, तालाब या जलाशय का 1% AEP बाढ़ स्तर (अध्याय 7); और
- (c) अध्याय 5 के टेलवाटर के साथ 1% AEP स्तर; और
- (d) जहाँ अनुमोदन प्राधिकारी ने खंड 7.3.4 के अंतर्गत 1% AEP बाढ़ गहराई मानचित्र अंगीकार किया हो, वहाँ भूखंड पर भूमि स्तर और मानचित्रित 1% AEP गहराई का योग।

6.11.3 **जहाँ कोई स्तर परिकलित न हो वहाँ डिफॉल्ट.** अध्याय 1 के सीमा-मानों से छोटे भूखंड के लिए, या जहाँ भूखंड के लिए कोई 1% AEP स्तर परिकलित न किया गया हो, सबसे निचला आवास योग्य तल और ओपनिंग कम से कम निम्नलिखित में से उच्चतर पर होंगे:

- (a) **उस सड़क के सबसे ऊँचे शीर्ष स्तर से 0.65 m ऊपर जिसकी ओर भूखंड का अग्रभाग है**; और
- (b) जहाँ कोई अंगीकृत 1% AEP बाढ़ गहराई मानचित्र भूखंड को आच्छादित करता हो, **भूमि स्तर, मानचित्रित 1% AEP गहराई और 0.5 m का योग**।

अनुमोदन प्राधिकारी कोई क्षेत्रीय मानचित्र, जैसे राज्य द्वारा अनुमोदित मानचित्र या मॉडल की गई 1% AEP बाढ़ गहराई का कोई प्रकाशित राष्ट्रीय मानचित्र (उदाहरण के लिए इंडिया फ्लड एटलस (India Flood Atlas)), तब तक के लिए अंगीकार कर सकता है जब तक कोई स्थानीय अध्ययन उसका स्थान न ले ले। जो मानचित्र तूफानी महोर्मि (storm surge) का मॉडल नहीं करता, उसका उपयोग खंड 6.11.6 के स्थान पर नहीं किया जाएगा।

6.11.4 **बेसमेंट.** प्रत्येक बेसमेंट के रैंप का शिखर और बेसमेंट के प्रत्येक ओपनिंग की देहली (sill) खंड 6.11.1 को पूरा करेगी। बेसमेंट की जल निकासी को नॉन-रिटर्न वाल्व के माध्यम से सतही ड्रेन तक पंप किया जाएगा।

6.11.5 **सेवाएँ.** किसी भवन की सेवा करने वाले विद्युत पैनल, ट्रांसफॉर्मर, स्टैंडबाय जनरेटर, लिफ्ट मशीनरी और पंप खंड 6.11.1 को पूरा करेंगे।

6.11.6 **तटीय पट्टी.** तटीय पट्टी समुद्र तट के साथ उच्च ज्वार रेखा (High Tide Line) से स्थल की ओर **500 m** के भीतर की भूमि है, जैसा CRZ अधिसूचना, 2019 द्वारा परिभाषित है, और उच्च ज्वार रेखा वही है जो अनुमोदित तटीय क्षेत्र प्रबंधन योजना में सीमांकित है। जहाँ भारतीय सर्वेक्षण विभाग की जोखिम रेखा (Hazard Line) 500 m से अधिक भीतर स्थित हो, वहाँ पट्टी जोखिम रेखा तक विस्तृत होती है। तटीय पट्टी के भीतर, खंड 6.11.1 से 6.11.5 के अतिरिक्त:

- (a) सबसे निचला आवास योग्य तल और प्रत्येक ओपनिंग **तटीय बाढ़ स्तर से कम से कम 0.5 m ऊपर** भी होगा, जो 1% AEP स्थिर जल स्तर (खंड 5.7.3(b), परिशिष्ट 5A) और खंड 5.7.4 की समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई के **दोगुने** (अर्थात कम से कम 0.6 m) का योग है, क्योंकि भवनों की डिजाइन आयु 50 वर्ष से अधिक होती है (खंड 5.7.4(c));
- (b) जहाँ भूखंड का अग्रभाग खुले समुद्र तट की ओर हो, वहाँ तटीय बाढ़ स्तर में साइट अध्ययन से लहर उत्थान (wave set-up) सम्मिलित होगा;
- (c) कोई आवास योग्य कक्ष, विद्युत सेवा कक्ष या खंड 6.11.5 में सूचीबद्ध संयंत्र बेसमेंट में नहीं रखा जाएगा; और
- (d) बेसमेंट का प्रत्येक ओपनिंग, रैंप का शिखर और वायु-संचार ओपनिंग खंड 6.11.6(a) को पूरा करेगा।

खंड 6.11.6 ऐसे किसी निर्माण को प्राधिकृत नहीं करता जिसे CRZ अधिसूचना प्रतिषिद्ध करती है। जहाँ दोनों लागू हों, वहाँ अधिक कठोर प्रावधान निर्णायक होगा।

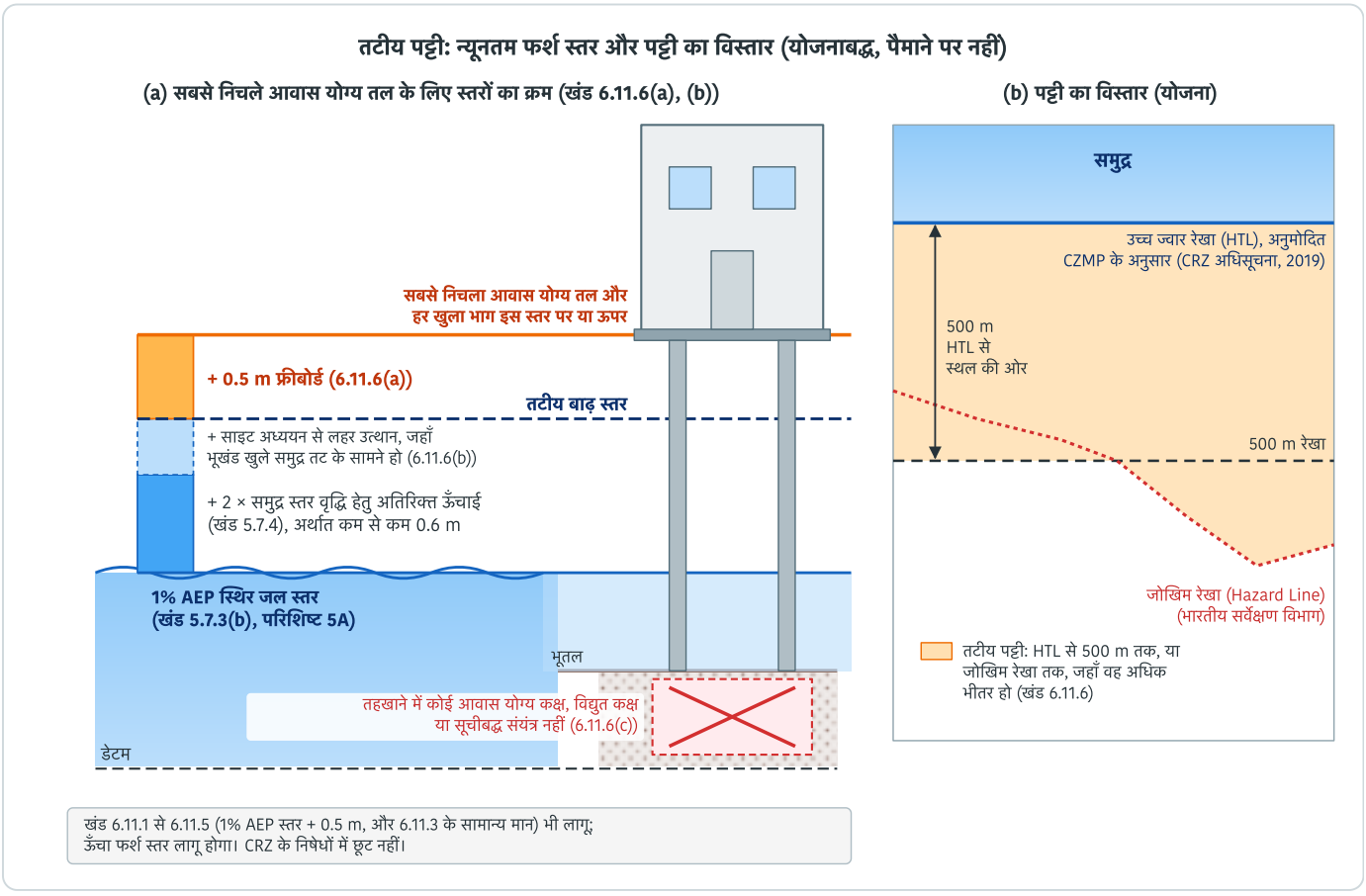

चित्र 6.5 — तटीय पट्टी: 1% AEP स्थिर जल स्तर, समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई के दोगुने, भूखंड के खुले समुद्र तट की ओर होने पर लहर उत्थान और 0.5 m फ्रीबोर्ड से बना न्यूनतम फर्श स्तर; और पट्टी का विस्तार, उच्च ज्वार रेखा से 500 m तक या जोखिम रेखा के अधिक भीतर होने पर उस तक (खंड 6.11.6)। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, CRZ अधिसूचना, 2019 (पैरा 1(i) और Annexure IV) और PUB Singapore,

Code of Practice on Surface Water Drainage (7th ed.), cl. 2.1.1 से रूपांतरित।

भाष्य. 1% AEP स्तर से ऊपर 0.5 m का फ्रीबोर्ड DID Malaysia 2008 की जाँच-सूची के अनुसार है (प्लेटफॉर्म और सबसे निचला तल 100-वर्ष ARI + 0.5 m पर)। यह 1% स्तर से 1 ft (लगभग 0.3 m) ऊपर की APWA 5600 (2006, 5601.8 A2) की अपेक्षा से अधिक है। खंड 6.11.3 का 0.65 m का डिफॉल्ट इस अध्याय की अन्य सीमाओं से व्युत्पन्न है, अलग से किसी स्रोत से नहीं लिया गया: सड़क के शीर्ष पर 1% जल स्तर 150 mm तक हो सकता है (तालिका 6.2), और उसमें 0.5 m का फ्रीबोर्ड जुड़ता है। इसका कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और यह उन भूखंडों पर लागू होता है जहाँ कोई बाढ़ स्तर उपलब्ध नहीं है। URDPFI (2015) भी अपने डूब क्षेत्र के जोनिंग (floodplain zoning) में न्यूनतम प्लिंथ स्तरों को बाढ़ की आवृत्ति से जोड़ते हैं, जिसका विवरण अध्याय 7 में है।

खंड 6.11.3(b) किसी छोटे भूखंड को, जहाँ कोई स्थानीय अध्ययन न हो, केवल सड़क के स्तर से अनुमान लगाने के बजाय मानचित्रित 1% AEP गहराई का उपयोग करने देता है। मॉडल किए गए राष्ट्रीय मानचित्र स्थूल (लगभग 30 m) होते हैं, और अधिकांश वर्षा और नदी की बाढ़ का मॉडल करते हैं किंतु तूफानी महोर्मि का नहीं, इसीलिए 6.11.3 में सड़क के शीर्ष की जाँच रखी गई है और खंड 6.11.6 एक अलग तटीय नियम निर्धारित करता है।

खंड 6.11.6 की तटीय पट्टी CRZ अधिसूचना, 2019 की 500 m रेखा का उपयोग करती है (G.S.R. 37(E), पैरा 1(i): "उच्च ज्वार रेखा से ... स्थल की ओर 500 मीटर तक का भूमि क्षेत्र" ("the land area from High Tide Line ... to 500 meters on the landward side")), क्योंकि प्रत्येक तटीय प्राधिकरण इसे पहले से मानचित्रित करता है और इसके लिए किसी नए सर्वेक्षण की आवश्यकता नहीं है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा बाढ़ और तटरेखा परिवर्तन का विस्तार दर्शाने के लिए सीमांकित जोखिम रेखा, जहाँ वह अधिक भीतर स्थित हो, पट्टी का विस्तार करती है (CRZ अधिसूचना, 2019, Annexure IV)। पट्टी तटीय स्तर को वर्षा मानचित्र से नहीं, बल्कि अध्याय 5 के संयुक्त-स्थिति वाले स्थिर जल स्तर से लेती है। उच्चतर मानक परिवेश को दर्शाता है: तटीय बाढ़ समुद्र के साथ उठती है, ज्वार के रहते उसकी निकासी नहीं की जा सकती, और समुद्र के साथ वह और ऊपर उठेगी। सिंगापुर भी यही दृष्टिकोण अपनाता है, अपने दक्षिणी तट पर डेटम से 4.0 m और उत्तरी तट पर 4.5 m के नियत न्यूनतम प्लेटफॉर्म स्तर के साथ, वर्षा बाढ़ स्तर चाहे जो हो (PUB Code of Practice on Surface Water Drainage, 7th ed., cl. 2.1.1)। प्रत्येक तटीय राज्य के ज्वार और महोर्मि स्तर उसके तट के साथ इतने अधिक बदलते हैं कि एक नियत स्तर उपयुक्त नहीं है, इसलिए यह मैनुअल इसके बजाय परिकलित स्थिर जल स्तर का उपयोग करता है। समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई के दोगुने का उपयोग खंड 5.7.4(c) की संवेदनशीलता स्थिति को डिजाइन स्थिति के रूप में लागू करता है, क्योंकि ड्रेन के विपरीत, भवन को बाद में आसानी से ऊँचा नहीं किया जा सकता। 6.11.6(c) का बेसमेंट प्रतिबंध इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है: तटीय पट्टी में बेसमेंट वर्षा के साथ-साथ समुद्र से भी भरता है, और ज्वार से अवरुद्ध आउटफॉल में उसे पंप करके खाली नहीं किया जा सकता। झारखंड का कोई तट नहीं है, कोई उच्च ज्वार रेखा नहीं और कोई तटीय विनियमन क्षेत्र नहीं, इसलिए राज्य में तटीय पट्टी रिक्त है और खंड 6.11.6 वहाँ लागू नहीं होता। इसके स्थान पर खंड 6.11.3 और 6.11.4 महत्वपूर्ण हैं। भवन उपविधि 2016 अपेक्षा करती है कि प्लिंथ "आसपास के भूमि स्तर के सापेक्ष इस प्रकार स्थित हो कि साइट की पर्याप्त जल निकासी सुनिश्चित हो" ("so located with respect to the surrounding ground level that adequate drainage of the site is assured") और आसपास की भूमि से 450 mm से कम ऊँचा न हो (उपविधि 42.1.1), कोई अधिकतम सीमा नहीं; "निचले क्षेत्र में और पर्याप्त जल निकासी सुविधाओं के बिना" ("in low lying area and without adequate drainage facilities") और "बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में" ("in flood prone areas") बेसमेंट वर्जित करती है (48.1); ऊपरी बेसमेंट की छत को आसपास की औसत भूमि से 0.90–1.5 m ऊपर रहने देती है (48.6.3); अपेक्षा करती है कि "सतही जल निकासी का पानी बेसमेंट में प्रवेश न करे" ("surface drainage does not enter the basement") (48.6.4); और बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्र में, जहाँ संरचनात्मक नक्शे इसका ध्यान नहीं रखते, अनुमति रोक देती है (30.5)। भवन उपविधि 2016 न निचले क्षेत्र को परिभाषित करती है, न बाढ़-प्रवण क्षेत्र को, और पढ़े गए संशोधनों में से कोई (2017, द्वितीय 2017, पाँचवाँ और छठा 2019) उपविधि 42.1 या 48 को नहीं छूता; दसवाँ (2024) और ग्यारहवाँ (2026) संशोधन केवल सारांशों में देखे गए, जिनमें दोनों में से किसी का उल्लेख नहीं है [TBC]। अध्याय 7 की बाढ़ रेखाएँ और खंड 6.11 के स्तर किसी प्राधिकारी को उन क्षेत्रों की पहचान का आधार देते हैं। खंड 6.11.3, जो जहाँ कोई बाढ़ स्तर परिकलित न किया गया हो वहाँ सबसे निचले आवास योग्य तल और प्रत्येक ओपनिंग को सड़क के शीर्ष से 0.65 m ऊपर रखता है, और खंड 6.11.4, जो वही स्तर, या 1% AEP बाढ़ स्तर से 0.5 m ऊपर का स्तर, बेसमेंट के प्रत्येक रैंप के शिखर और बेसमेंट के प्रत्येक ओपनिंग की सिल पर लागू करता है, इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं और भवन उपविधि 2016 के अतिरिक्त हैं; 0.65 m उपविधि के

450 mm के न्यूनतम मान से ऊपर है, इसलिए दोनों को एक साथ पूरा किया जा सकता है, और जहाँ उपविधि 48.1 बेसमेंट वर्जित करती है, वहाँ वह रोक निर्णायक है। कोयला क्षेत्रों में धंसती भूमि पर स्थित भूखंड अपने तल और रैंप के स्तर डिजाइन के लिए किए गए स्तर सर्वेक्षण से लेगा, पुराने सर्वेक्षण से नहीं (खंड 5.8.5(d))। उपविधि 23 की नदी-तट पट्टियों के भीतर, कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के पूर्ण जल स्तर से 20 m के भीतर और रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र में किसी नदी या प्राकृतिक नाले से 10 m के भीतर (शर्त 2.9), अध्याय 7 की रेखाएँ भी लागू होती हैं।

6.12 पुलिया और सड़क क्रॉसिंग

6.12.1 **डिजाइन AEP.** किसी ड्रेन या जलमार्ग के ऊपर सड़क ले जाने वाली पुलिया या पुल उस सड़क वर्ग के लिए तालिका 6.1 का डिजाइन AEP प्रवाह सड़क के ऊपर से बहे बिना, और अध्याय 9, खंड 9.4 की हेडवाटर सीमाओं के भीतर पारित करेगा। जहाँ जलमार्ग राज्य राजमार्ग या राष्ट्रीय राजमार्ग का क्रॉसिंग हो, वहाँ डिजाइन AEP उस स्पैन के लिए IRC:SP:42-2014 §7.1.4 के AEP से भी कम नहीं होगा। दुर्लभतर AEP निर्णायक होगा।

6.12.2 **जाँच घटना और 1% AEP.** जाँच घटना और 1% AEP घटना पर क्रॉसिंग और सड़क मिलकर प्रवाह पारित करेंगे:

- (a) सड़क के शीर्ष पर ऊपर से बहने की गहराई ≤ 150 mm और सड़क के सबसे गहरे बिंदु पर ≤ 350 mm के साथ;
- (b) तालिका 6.3 की जोखिम सीमाओं के भीतर;
- (c) अधिसूचित निष्क्रमण मार्ग वाली धमनी सड़कों के ऊपर से बिल्कुल भी बहे बिना; और
- (d) किसी प्रतिप्रवाह भवन या संपत्ति सीमा पर 1% AEP बाढ़ स्तर को विद्यमान स्थिति के स्तर से ऊपर उठाए बिना, जब तक प्रभावित स्वामी और अनुमोदन प्राधिकारी सहमत न हों।

6.12.3 **जहाँ ऊपर से बहने की अनुमति नहीं है.** 1% AEP घटना में ऊपर से बहने की अनुमति केवल वहीं है जहाँ संरचना का स्पैन 6 m से कम हो **और** 1% AEP चरम प्रवाह 7 m^3/s से अधिक न हो, जब तक ऊपर से बहने वाले खंड के अनुप्रवाह की ओर सुरक्षा रेलिंग (guard rail) न लगाई गई हो। अन्यथा क्रॉसिंग 1% AEP प्रवाह को ऊपर से बहे बिना पारित करेगी।

6.12.4 **अवरोध जाँच.** 1% AEP जाँच अवरुद्ध इनलेट के साथ दोहराई जाएगी:

- (a) 1.5 m से कम स्पैन या व्यास वाली पुलियों के लिए इनलेट क्षेत्रफल का 50% अवरुद्ध; और
- (b) बड़ी पुलियों के लिए 20% अवरुद्ध।

इस जाँच के परिणाम खंड 6.12.2(a) और (d) को पूरा करेंगे।

6.12.5 **न्यूनतम आकार.** सार्वजनिक सड़कों के नीचे पुलियों का व्यास कम से कम 900 mm होगा, या बॉक्स पुलियों के लिए 900 mm × 900 mm।

6.12.6 **हाइड्रोलिक डिजाइन.** पुलिया का हाइड्रोलिक्स, इनलेट और आउटलेट नियंत्रण, टेलवाटर, सड़क के ऊपर से बहना और आउटलेट सुरक्षा सहित, अध्याय 9, खंड 9.4 और 9.6 के अनुसार होगा।

भाष्य. डिजाइन AEP तालिका 6.1 के हैं। ऊपर से बहने की सीमाएँ तालिका 6.2 की सड़क-गहराई सीमाएँ हैं। खंड 6.12.3 में स्पैन और प्रवाह का सीमा-मान APWA 5600 (2006) का SI रूपांतरण है: ऊपर से बहने की अनुमति केवल वहीं जहाँ संरचना का स्पैन 20 ft से कम हो और 1% चरम प्रवाह 250 cfs या उससे कम हो, जब तक अनुप्रवाह की ओर सुरक्षा बाड़ न लगाई गई हो। IRC:SP:42-2014 (§7.1.4) 2 m तक

के स्पैन वाली NH/SH पुलियों के लिए 25-वर्ष और 2–6 m के स्पैन के लिए 50-वर्ष निर्धारित करता है। खंड 6.12.4 के अवरोध प्रतिशत और 900 mm के न्यूनतम आकार का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। 50% का मान जाली अवरोध गुणक के अनुरूप है।

6.13 झारखंड की निर्माण-पद्धति की अपेक्षाएँ

6.13.1 **ढकी सड़क किनारे की ड्रेन.** जहाँ कोई सड़क किनारे की ड्रेन फुटपाथ बनाने वाली स्लैबों से ढकी हो:

- (a) उसे ढकने की स्लैब के सॉफिट तक मापे गए तालिका 6.7 के फ्रीबोर्ड के साथ खुले चैनल के रूप में डिजाइन किया जाएगा, और उसकी HGL फुटपाथ और इनलेट स्तरों तक मापी जाकर खंड 6.8 को पूरा करेगी;
- (b) सड़क का अपवाह सड़क स्तर पर ड्रेन की दीवार में बने ओपनिंग से प्रवेश करेगा (खंड 6.6.1(b)), प्रत्येक में गाद संप होगा (खंड 6.6.7), और ये खंड 6.6.4 की दूरी पर होंगे;
- (c) फुटपाथ का अपवाह ढक्कन में बने स्लॉट या जालीदार ओपनिंग से प्रवेश करेगा, फुटपाथ पर रुककर नहीं; और
- (d) स्पष्ट अनुप्रस्थ काट (clear section) खंड 6.7.6(c) को पूरा करेगा।

6.13.2 **हटाने योग्य ढक्कन और प्रवेश द्वार.** ढकी ड्रेन में होंगे:

- (a) केंद्र से केंद्र **10 m** से अधिक नहीं की दूरी पर हटाने योग्य ढक्कन पैनल, प्रत्येक कम से कम 0.6 m लंबा और पूरी स्पष्ट चौड़ाई को ढकने वाला, धँसे हुए उठाने के बिंदुओं सहित, दो कर्मियों द्वारा या हाथ से चलने वाले उठाने के उपकरण से उठाया जा सकने वाला, और फुटपाथ के समतल;
- (b) प्रत्येक संगम, मोड़ और अनुप्रस्थ काट में परिवर्तन (change of section) के स्थान पर, और सीधे खंडों पर केंद्र से केंद्र **30 m** से अधिक नहीं की दूरी पर, कम से कम 0.6 m × 0.6 m के स्पष्ट प्रवेश द्वार वाले निरीक्षण कक्ष; और
- (c) अपने स्थान के यातायात या पैदल भार के लिए निर्धारित ढक्कन (अध्याय 9, खंड 9.11)।

6.13.3 **गाद-जाल.** खंड 6.6.7 के इनलेट संपों के अतिरिक्त, गाद-जाल कक्ष बनाए जाएँगे:

- (a) धमनी सड़क के नीचे की प्रत्येक पुलिया से प्रतिप्रवाह की ओर;
- (b) प्रत्येक पंपिंग स्टेशन और अस्थायी भंडारण सुविधा से प्रतिप्रवाह की ओर; और
- (c) किसी तालाब, नदी या अन्य जलाशय में प्रत्येक आउटफॉल पर (अध्याय 8 द्वारा अपेक्षित स्थूल प्रदूषक जाल सहित)।

प्रत्येक गाद-जाल का आकार परिशिष्ट 6B के तलछट उत्पादन का उपयोग करते हुए निर्धारित सफाइयों के बीच अपेक्षित तलछट रखने के लिए निर्धारित किया जाएगा, और वह गाद निकालने वाले वाहन की पहुँच में होगा।

6.13.4 **कचरा और स्थूल प्रदूषक जालियाँ.** जहाँ कोई खुली ड्रेन किसी ढकी ड्रेन, पाइप या पुलिया में प्रवेश करती है, वहाँ और अध्याय 8 के अंतर्गत आउटफॉल पर जालियाँ लगाई जाएँगी। प्रत्येक जाली:

- (a) अध्याय 9, खंड 9.8 के अंतर्गत डिजाइन की जाएगी;
- (b) में बाईपास या अतिप्रवाह होगा, ताकि पूर्ण रूप से ढकी जाली संपत्तियों या सड़क में इस अध्याय की सीमाओं से अधिक बाढ़ न लाए; और
- (c) की हाइड्रोलिक जाँच उसके 50% क्षेत्रफल को अवरुद्ध मानकर की जाएगी।

6.13.5 **ड्रेन के ऊपर कोई भवन नहीं.** किसी सार्वजनिक ड्रेन के ऊपर अनुमोदित क्रॉसिंग या हटाने योग्य ढक्कन के सिवाय कोई संरचना नहीं बनाई जाएगी। ड्रेन को पार करने वाले दुकानों के अग्रभाग, रैंप और सीढ़ियाँ हटाने योग्य होंगी या ऐसे प्रवेश द्वार छोड़ेंगी जो खंड 6.13.2 को पूरा करें।

6.13.6 **उपयोगिता सेवाएँ.** कोई जल मुख्य पाइप, सीवर, बिजली या दूरसंचार केबल, गैस पाइप या डक्ट किसी ड्रेन के प्रवाह क्षेत्र या फ्रीबोर्ड के साथ-साथ नहीं बिछाई जाएगी, न उससे होकर गुजरेगी। किसी ड्रेन को पार करने वाली उपयोगिता सेवा:

- (a) एक स्लीव के भीतर ढक्कन के सॉफिट से ऊपर या ड्रेन के इनवर्ट से नीचे पार होगी; और
- (b) जल निकासी नक्शे पर अपने स्तर सहित दर्शाई जाएगी।

जहाँ कोई विद्यमान उपयोगिता क्रॉसिंग किसी ड्रेन को अवरुद्ध करती हो, वहाँ उसका क्षेत्रफल, उसमें फँसने वाले कचरे के लिए 50% अवरोध प्रावधान के साथ, उपयोगिता के स्थानांतरित होने तक ड्रेन के अनुप्रस्थ काट (section) से घटाया जाएगा। ड्रेन के पुनर्निर्माण के समय उपयोगिता स्वामी उसे स्थानांतरित करेगा।

6.13.7 **सीवेज.** किसी वर्षा जल ड्रेन में कोई सीवेज कनेक्शन अनुमत नहीं है (अध्याय 8)। जहाँ ढकी ड्रेन सीवर के पास से गुजरती हैं, वहाँ उन्हें सीलबंद जोड़ों के साथ बनाया जाएगा।

6.13.8 **किनारा सुरक्षा.** फुटपाथ, कैरिजवे या सार्वजनिक खुले स्थान के पास 1.0 m से अधिक गहरी खुली ड्रेन पर रेलिंग या अवरोधक होंगे। किसी भी गहराई की खुली ड्रेन फुटपाथ के आर-पार बिना ढके नहीं छोड़ी जाएगी।

6.13.9 **यथा-निर्मित स्तर.** प्रत्येक सार्वजनिक ड्रेन, पाइप और मैनहोल के यथा-निर्मित इनवर्ट स्तरों का सर्वेक्षण करके उन्हें प्रस्तुत किया जाएगा (अध्याय 10)। इनवर्ट डिजाइन के ±15 mm के भीतर होंगे। जहाँ ऐसा न हो, वहाँ HGL की पुनः जाँच प्रस्तुत की जाएगी।

6.13.10 **गाद निकासी.** सार्वजनिक ड्रेन से प्रत्येक वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले गाद निकाली जाएगी, जैसा अध्याय 10 में निर्धारित है।

> **भाष्य.** खंड 6.13 का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे झारखंड की पद्धति के आधार पर निर्धारित करता है। राज्य की अधिकांश शहरी ड्रेनें फुटपाथों के नीचे ढकी सड़क किनारे की ड्रेनें हैं। इन्हें अक्सर स्थल पर ढाली गई सतत स्लैबों और बहुत कम ओपनिंग के साथ बनाया जाता है, इसलिए इन्हें साफ नहीं किया जा सकता और एक ही मौसम में ये गाद और ठोस अपशिष्ट से भर जाती हैं। CPHEEO (2019) के अनुसार खुले चैनलों में "कचरा फेंके जाने की प्रवृत्ति रहती है" ("are prone to the dumping of garbage") (Part A, Ch 2), इसीलिए ड्रेनें ढकी जाती हैं। प्रवेश द्वारों के बिना ढकना समस्या को केवल आँखों से ओझल कर देता है। NDMA (2010) सिफारिश करता है कि मानसून-पूर्व गाद निकासी 31 मार्च तक पूरी हो जाए। झारखंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्यतः राज्य में 12 जून को (IMD रांची), जमशेदपुर और बोकारो में 13 जून को, रांची में 14 जून को और डालटनगंज में 17 जून को पहुँचता है, और सामान्यतः डालटनगंज से 8 अक्तूबर को, रांची से 9 अक्तूबर को और जमशेदपुर से 12 अक्तूबर को वापस चला जाता है (IMD, नए सामान्य मान)। इसलिए खंड 6.13.10 दक्षिण-पश्चिम मानसून का उल्लेख करता है, और अध्याय 10 में यह अपेक्षा है कि गाद निकासी और ड्रेन कार्य 31 मई तक पूरे हों; गेट, स्लूइस, फ्लैप गेट, पंप और स्टैंडबाय जनरेटर राज्य में हर स्थान पर सामान्य आगमन से पहले, 10 जून तक, तैयार प्रमाणित किए जाते हैं और परीक्षण के रूप में चलाए जाते हैं (खंड 5.11.5 और 5.12.9); और पंप और गेट अंतिम सामान्य वापसी के बाद, 20 अक्तूबर तक, स्टैंडबाय पर रहते हैं, क्योंकि अक्तूबर में बड़ी वर्षा होती है और अक्तूबर और नवंबर में बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों के अवशेष आते हैं (अध्याय 10)। बड़ी वर्षा घटनाएँ जून में भी होती हैं: 18 जून 2008 को जमशेदपुर (A) में 338.1 mm और 29 जून 1994 को रांची (A) में 224.3 mm वर्षा दर्ज हुई (IMD), और चक्रवात यास मई 2021 के अंत में भारी वर्षा लाया। शोध के दौरान UD&HD का या किसी नगरपालिका निकाय का पूरा होने की तिथि वाला गाद निकासी का कोई आदेश नहीं मिला [TBC]: RMC की समय-सीमा 5 जून बताई गई है, किसी अनिर्दिष्ट वर्ष में, और 2020 के एक राज्य निर्देश में ड्रेनों को "जून के आरंभ तक" ("by early June") साफ करने को कहा गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। इसलिए ये तिथियाँ इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।
>
> भवन उपविधि 2016 "किसी नगरपालिका ड्रेन के ऊपर या नीचे" ("over or under a municipal drain") भवन के लिए (उपविधि 30.3) और विकास योजना और जल निकासी योजना में दर्शाए गए प्राकृतिक जलमार्गों और ड्रेनों में (30.1) अनुमति अस्वीकार करती है, और झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी की अनुमति के बिना किसी नगरपालिका ड्रेन पर किसी "भवन, दीवार, बाड़ या अन्य संरचना" ("building, wall, fence or other structure") पर रोक लगाता है और उसे हटाए जाने देता है (धारा 235)। प्राकृतिक ड्रेनें और WRD की ड्रेनें जल निकासी आरक्षित पट्टी (खंड 6.9) वाले खुले चैनल हैं, और उन्हें ढका, डेक किया या उन पर निर्माण नहीं किया जाना चाहिए। राज्य की अनेक ड्रेनें ढकी नहीं, खुली हैं: लेखापरीक्षित नौ नगरों में 939.55 km ड्रेनों में से 567.12 km

खुली (बिना ढकी) थीं (CAG, 2017), और रांची में ड्रेनों की आधी से अधिक लंबाई बिना ढक्कन के बताई गई है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। जहाँ कोई ड्रेन ढकी हो, वहाँ उस पर खंड 6.13.2 पूर्ण रूप से लागू होता है; जहाँ वह किसी फुटपाथ या कैरिजवे के साथ खुली हो, वहाँ खंड 6.13.8 लागू होता है।

खंड 6.13.7 अभी व्यवहार में नहीं है। पूरे राज्य में "परिवारों (HHs) से उत्पन्न सारा अपशिष्ट जल खुली या ढकी ड्रेनों से बहता है जो वर्षा जल ड्रेनों के रूप में भी प्रयुक्त होती हैं" ("all waste water generated from the HHs flow through open or covered drains that are also used as storm water drains") (CAG, 2017), और रांची में सीवरेज और जल निकासी अनुबंध के अंतर्गत बनी ड्रेनें सेप्टिक टैंकों के अपशिष्ट जल से भरी पाई गईं (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 पहले से ही नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी को सीवेज के लिए एक ड्रेन और वर्षा जल के लिए एक बिल्कुल अलग ड्रेन अपेक्षित करने देता है (धारा 224)। खंड 8.9 यह निर्धारित करता है कि कनेक्शन हटाए जाने तक वर्षा जल ड्रेन में शुष्क मौसम प्रवाह का सर्वेक्षण और अवरोधन कैसे किया जाए, जिसमें यह नियम भी सम्मिलित है कि अवरोधन ड्रेन की क्षमता को कम नहीं करेगा (खंड 8.9.5(b))।

10 m और 30 m की दूरियों और ±15 mm की सहनसीमा का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। खंड 6.13.6 ड्रेन से होकर गुजरते जल मुख्य पाइपों और केबलों के आम दृश्य का उत्तर है। प्रत्येक ऐसी सेवा कचरा फँसाती है और अनुप्रस्थ काट को कम करती है। पूरे अध्याय में हाथ से प्रवेश के बजाय ढक्कन के ओपनिंग से यांत्रिक सफाई मानी गई है, जो हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 (Prohibition of Employment as Manual Scavengers and their Rehabilitation Act, 2013) के अनुरूप है।

6.14 आउटफॉल

6.14.1 आउटफॉल अध्याय 5 की टेलवाटर स्थितियों के लिए डिजाइन किए जाएँगे। 1% AEP स्थिर जल स्तर से नीचे के आउटफॉल में फ्लैप गेट या ज्वार-रोधी गेट या नॉन-रिटर्न वाल्व होंगे (अध्याय 5 और अध्याय 9, खंड 9.10)।

6.14.2 आउटफॉल सुरक्षा और ऊर्जा क्षय अध्याय 9, खंड 9.6 के अंतर्गत डिजाइन किए जाएँगे। तालाबों और जलाशयों में आउटफॉल अध्याय 7 और 8 को भी पूरा करेंगे।

6.15 प्रस्तुति की अपेक्षाएँ

प्रत्येक वहन प्रस्तुति में एक **वहन डिजाइन रिपोर्ट** (प्रपत्र 6-1) सम्मिलित होगी, जिसमें होंगे:

1. उप-जलग्रहण क्षेत्रों, लघु प्रणाली, इनलेट के स्थानों और 1% AEP घटना के लिए प्रमुख प्रणाली के सतही प्रवाह मार्गों को दर्शाने वाला जलग्रहण क्षेत्र का नक्शा (खंड 6.3.2);
2. प्रत्येक अवयव के लिए लिया गया भूमि-उपयोग और सड़क-वर्ग AEP (तालिका 6.1), और उच्च-घनत्व क्षेत्र की स्थिति;
3. अध्याय 2 के वर्षा पत्रक और अध्याय 3 की विधि सहित डिजाइन प्रवाह;
4. लघु, जाँच और 1% घटनाओं के लिए कर्ब चैनल फैलाव, गहराई और D·V की जाँच (तालिका 6.2 और 6.3);
5. स्वच्छ क्षमता, अवरोध गुणक, डिजाइन क्षमता और बाईपास प्रवाह सहित इनलेट अनुसूची (खंड 6.6);
6. n, वेग, तलछट प्रावधान और फ्रीबोर्ड सहित पाइप और ड्रेन डिजाइन तालिकाएँ (खंड 6.7);
7. प्रयुक्त टेलवाटर सहित लघु और जाँच घटनाओं के लिए HGL प्रोफाइल (खंड 6.8);
8. पूर्ण-अवरुद्ध जाँच सहित निचले बिंदुओं पर जल रुकने के स्तर (खंड 6.10);
9. प्रत्येक भवन के लिए फर्श-स्तर अनुसूची (खंड 6.11);
10. पुलिया और क्रॉसिंग की गणनाएँ (खंड 6.12 और अध्याय 9); और

11. उपयोगिता-क्रॉसिंग अनुसूची और ढकी ड्रेन के लिए प्रवेश द्वारों का लेआउट (खंड 6.13)।

संदर्भ (अध्याय)

- MoHUA / CPHEEO (2019). *Manual on Storm Water Drainage Systems*, Volume I, Part A: Engineering Design. Tables 4.1, 5.1, 5.2, 5.3, 5.8, 5.11, 5.12, 6.2, 11.2, 11.5; §5.3, §5.6.2, Fig. 5.9. https://www.mohua.gov.in/static/uploads/2025/10/8a2456c722036d78c72a698898ef846d.pdf
- PUB Singapore (2018, with Addendum No. 3, April 2025). *Code of Practice on Surface Water Drainage*, 7th edition. Clauses 1.1, 2.1.1, 5.1, 5.3, 9.6, 9.7 and Appendix 1 (Drainage Reserve Requirements). https://www.pub.gov.sg/-/media/PUB/PDF/Code-of-Practices-and-Submission-Guidelines/Surface-Water-Drainage/Code-of-Practice-on-Surface-Water-Drainage.pdf
- Indian Roads Congress (2013). IRC:SP:50-2013, *Guidelines on Urban Drainage* (First Revision). https://law.resource.org/pub/in/bis/irc/irc.gov.in.sp.050.2013.pdf
- Indian Roads Congress (2014). IRC:SP:42-2014, *Guidelines on Road Drainage* (First Revision). https://law.resource.org/pub/in/bis/irc/irc.gov.in.sp.042.2014.pdf
- Bureau of Indian Standards. IS 7784 (Part 1): 1993, *Code of practice for design of cross drainage works, Part 1: General features* (CPHEEO 2019 Table 5.12 में उद्धृत रूप में)।
- Federal Highway Administration (2024). *Urban Drainage Design Manual*, Hydraulic Engineering Circular No. 22, 4th edition, FHWA-HIF-24-006. (3rd edition 2009, FHWA-NHI-10-009.)
- Kansas City Metro Chapter APWA (2006). *Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities* (5601.8, 5604.2, 5608.4). https://www.kcwater.us/wp-content/uploads/2020/08/Design-Criteria-%E2%80%93-Section-5600-%E2%80%93-Storm-Drainage-Systems-and-Facilities.pdf ; और Version 2025.01 (Dec 2025)।
- Australian Institute for Disaster Resilience (2014). *Australian Disaster Resilience Guideline 7-3: Technical flood risk management guideline: Flood hazard*. Tables 1 and 2. https://knowledge.aidr.org.au/media/1891/guideline-7-3-technical-flood-risk-management.pdf
- Smith, G.P. and Wasko, C.D. (2012). *Australian Rainfall and Runoff Revision Project 15: Two-dimensional modelling in urban and rural floodplains*. Engineers Australia.
- Ball, J. et al. (eds) (2019). *Australian Rainfall and Runoff: A Guide to Flood Estimation*, Book 6 (Chapters 6 and 7). Commonwealth of Australia (Geoscience Australia).
- Department of Irrigation and Drainage Malaysia (2008). *Submission Checklist for Stormwater Management*; और (2012) *Urban Stormwater Management Manual for Malaysia (MSMA)*, 2nd edition।
- Gupta, K. *Return Period and Rainfall Intensity for Drainage Design in India*. IIT Bombay. https://www.civil.iitb.ac.in/~kgupta/drainagedesign.pdf
- Jharkhand Urban Infrastructure Development Company (2017). *Jharkhand Municipal Development Project: Draft Environmental and Social Impact Assessment, Storm Water Drainage, Dhanbad*, Vol. I, नवंबर 2017 (153.95 km नई ड्रेनें; 1-वर्ष की डिजाइन वर्षा घटना; 243 km सड़कों में से 40 km पर ड्रेनें; कोयला-धारी क्षेत्र और अग्नि क्षेत्र बाहर रखे गए)। http://web.archive.org/web/20180205012706id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/Home/cirfiles/ESIA%20Dhanbad%20Drainage_Volume1.pdf
- Comptroller and Auditor General of India. *Report No. 1 of 2023, Government of Jharkhand*, Chapter 3 (रांची में सीवरेज और जल निकासी: जोन-I अनुबंध, 207 km वर्षा जल ड्रेनें सहमत और 1.49 km निर्मित), https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/7-Chapter-3-064ccf54aaea3b2.74931941.pdf , और Chapter 4 (हरमू नदी: डिजाइन पुनरावृत्ति अवधियाँ, अपवाह गुणांक, इनलेट, नदी की चौड़ाई), https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/8-Chapter-4-064ccf54ab201d9.52401481.pdf

- Comptroller and Auditor General of India (2017). *Annual Technical Inspection Report on Local Bodies for the year ended 31 March 2016*, Government of Jharkhand, Chapter 4 (नौ शहरी स्थानीय निकायों में खुली ड्रेनें; सीवर के रूप में प्रयुक्त ड्रेनें)। https://www.cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2017/Chapter_4_Performance_Audit_–_Urban_Local_Bodies_of_Annual_Technical_Inspection_Report_of_2017_-_Local_Bodies_Government_of_Jharkhand.pdf
- Central Water Commission. *Flood Estimation Report for Lower Ganga Plains Subzone 1(g)* (मांडर और जमशेदपुर पर अल्प-अवधि वर्षा के अधिकतम मान)।
- India Meteorological Department (2020). 15 मई 2020 की प्रेस विज्ञप्ति, *New normal dates of onset/progress and withdrawal of southwest monsoon* (Pai et al.), Table 2 (Ranchi, Jamshedpur, Bokaro Steel City और Daltonganj), https://internal.imd.gov.in/press_release/20200515_pr_804.pdf ; Meteorological Centre Ranchi, झारखंड के लिए मानसून रिपोर्टें (सामान्य आगमन 12 जून), https://mausam.imd.gov.in/ranchi/mcdata/SWR_Jharkhand.pdf ; और *Extremes of Temperature and Rainfall for Indian Stations (up to 2012)*, झारखंड के पृष्ठ, https://imdpune.gov.in/library/public/EXTREMES%20OF%20TEMPERATURE%20and%20RAINFALL%20upto%202012.pdf
- समाचार रिपोर्टें: रांची की जुलाई 2021 की बाढ़ पर (The Telegraph), https://obeta.ttef.in/jharkhand/rain-fury-ranchi-flooded-3-die-as-car-plunges-into-rivulet-in-jamtara/cid/1824692 , अगस्त 2022 की बाढ़ पर (Business Standard), https://bsppd.business-standard.com/amp/article/current-affairs/3-die-as-heavy-rain-with-wind-lashes-jharkhand-effects-normal-life-122082000997_1.html , और जून 2025 की बाढ़ पर (The Week, PTI), https://www.theweek.in/wire-updates/national/2025/06/24/ces1-jh-rain-damage.html ; रांची की खुली ड्रेनों पर (The Telegraph), https://obeta.ttef.in/jharkhand/over-half-of-ranchi-drains-have-no-cover/cid/1695705 ; उच्च न्यायालय के समक्ष रांची के तालाबों पर (Reporter Post, जुलाई 2024), https://reporterpost.in/article/jharkhand/35884/where-have-71-ponds-gone-hc-asks-ranchi-civic-body/ ; और मानसून से पहले ड्रेनों की सफाई पर (The Telegraph, 2020), https://obeta.ttef.in/jharkhand/drain-clean-fiat-before-rains-in-jharkhand/cid/1776081 , और रांची में (inkl), https://www.inkl.com/news/flooded-streets-likely-in-jharkhand-if-drains-remain-clogged-fear-residents
- National Disaster Management Authority (2010). *National Guidelines: Management of Urban Flooding*.
- MoHUA / TCPO (2015). *URDPFI Guidelines*, Volume I.
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change (2019). *Coastal Regulation Zone Notification, 2019*, G.S.R. 37(E), 18 January 2019. Para 1(i) and Annexure IV. https://crz.elaw.in/crz2019.html
- Urban Development and Housing Department, Government of Jharkhand. *Jharkhand Building Bye-laws, 2016* (झारखंड भवन उपविधि, 2016), 5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006, झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 434 के अंतर्गत जारी, उपविधि 23, 30, 42.1.1 और 48, UD&HD की वेबसाइट की एक संग्रहीत प्रति से पढ़ी गई, http://web.archive.org/web/20190426093550id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL06042016060406PM.pdf ; और 15 मई 2017, 17 अगस्त 2017 (द्वितीय) और 2019 (पाँचवाँ और छठा) के संशोधन, उसी साइट से पढ़े गए; दसवाँ (2024) और ग्यारहवाँ (2026) संशोधन केवल सारांशों में देखे गए।
- Urban Development and Housing Department, Government of Jharkhand. रांची मास्टर प्लान 2037 का अनुमोदन, 30 नवंबर 2015 की संख्या 02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008-4371, झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम, 1981 (अंगीकृत) की धारा 24(1) के अंतर्गत, शर्त 2.9 और 3.1 (हिन्दी में), http://web.archive.org/web/20220527111932id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/MP_Notifica

tion_4371%20dt-30-11-15.pdf ; और झारखंड नगर निवेशन एवं उन्नयन न्यास अधिनियम, 2002 (अंगीकृत) के अंतर्गत जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027 (23 अक्तूबर 2017 की संख्या 6622) और धनबाद मास्टर प्लान 2041 (24 अक्तूबर 2017 की संख्या 6648) के अनुमोदन, केवल पहले पृष्ठ पढ़े गए।

- *Jharkhand Municipal Act, 2011* (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011; झारखंड अधिनियम संख्या 07, 2012), धारा 70, 203, 219, 221, 222, 224, 227, 235 और 615, UD&HD की वेबसाइट की एक संग्रहीत प्रति से पढ़ा गया। http://web.archive.org/web/20171223160748id_/http://udhd.jharkhand.gov.in:80/Handlers/Acts.ashx?id=AT01042016100433AM.pdf
- *Jharkhand Transferable Development Rights Rules, 2017* (झारखंड हस्तांतरणीय विकास अधिकार नियमावली, 2017; जल निकासी, खुले स्थानों और पार्कों के लिए समर्पित भूमि), केवल पहला पृष्ठ पढ़ा गया।
- *Chota Nagpur Tenancy Act, 1908* (छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908), धारा 46, और *Santhal Parganas Tenancy (Supplementary Provisions) Act, 1949* (संथाल परगना काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949), धारा 20 (रैयती जोतों के हस्तांतरण पर प्रतिबंध), द्वितीयक स्रोतों में सारांश के अनुसार; पाठ पढ़े नहीं गए।
- झारखंड सरकार और टाटा स्टील के बीच पट्टा विलेख (Indenture of lease), 20 अगस्त 2005 (जमशेदपुर में नगरपालिका सेवाएँ), एक तृतीय-पक्ष प्रति से पढ़ा गया, https://saryuroy.in/hindi/pdf/facts/tata_lease_jhar_govt_20_08_2005.pdf ; और जमशेदपुर के लिए 23 दिसंबर 2023 को अधिसूचित औद्योगिक नगर और PIL 2636/2024 में उसे दी गई चुनौती पर समाचार रिपोर्टें (Avenue Mail), https://avenuemail.in/high-court-scrutinizes-industrial-town-notification-for-jamshedpur/ , और मानगो में ड्रेनों की सफाई पर (Avenue Mail), https://avenuemail.in/tata-steel-uisl-refuses-drain-cleaning-responsibility-in-mango-blames-municipal-corporation/
- High Court of Jharkhand. W.P.(PIL) No. 1463 of 2020, *Khushboo Kataruka v. State of Jharkhand* (रांची के जलाशय; प्रवेश-निषिद्ध जोन), 31 जुलाई 2025 का आदेश, प्रकाशित खबरों के अनुसार (ThePrint/PTI), https://theprint.in/india/jharkhand-hc-orders-govt-officials-to-ensure-no-encroachment-around-water-bodies/2709482 ; और पंचायत राज अधिनियम और क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम पर नवंबर 2025 का निर्णय, प्रकाशित खबरों के अनुसार (LiveLaw), https://www.livelaw.in/high-court/jharkhand-high-court/jharkhand-high-court-rules-panchayati-raj-act-prevails-over-regional-development-authority-act-310378
- National Green Tribunal, Eastern Zone. O.A. 145 of 2023 (EZ) (जमशेदपुर में स्वर्णरेखा; 14 मार्च 2024 की संयुक्त समिति रिपोर्ट), दाखिल दस्तावेजों से पढ़ा गया; और O.A. 200 of 2014 में राज्य की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टें (WRD द्वारा गंगा के डूब क्षेत्र का सीमांकन)। https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/
- Government of India. *The Prohibition of Employment as Manual Scavengers and their Rehabilitation Act, 2013*.

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय-वस्तु
6A	झारखंड के लिए मानक इनलेट प्रकार और उनके क्षमता वक्र (ढलान पर और निचले बिंदु पर)
6B	गाद-जाल के आकार निर्धारण और तलछट प्रावधान के अंशांकन के लिए तलछट उत्पादन
6C	मानक ड्रॉइंग: हटाने योग्य ढक्कनों वाली ढकी सड़क किनारे की ड्रेन, निरीक्षण कक्ष, गाद संप सहित इनलेट
प्रपत्र 6-1	वहन डिजाइन रिपोर्ट जाँच-सूची

अध्याय 7

जलाशय, तालाब (पोखर) और सेटबैक

7.1 प्रयोजन और विस्तार

7.1.1 यह अध्याय जलाशयों (waterbodies) को जल निकासी प्रणाली का भाग मानता है। यह निम्नलिखित के लिए नियम निर्धारित करता है:

- (a) प्रत्येक उस जलाशय की पहचान और मानचित्रण, जिस पर कोई विकास या लोक निर्माण कार्य प्रभाव डालता है;
- (b) जलाशयों के चारों ओर सेटबैक (छोड़ी जाने वाली दूरी) जोन, और प्रत्येक जोन में अनुमत उपयोग;
- (c) बाढ़-प्रवण भूमि में भराई (fill), और जहाँ भराई की अनुमति है वहाँ आवश्यक प्रतिपूरक भंडारण (compensatory storage);
- (d) तालाब शृंखला (tank cascade) सहित तालाब (talab) के भंडारण को डिजाइन भंडारण के रूप में गिनना;
- (e) तालाबों और पोखरों का पुनर्स्थापन और उनसे गाद निकालना;
- (f) आपूर्ति चैनलों (supply channels), अतिरिक्त जल मार्गों (surplus courses), इनलेट और आउटलेट का संरक्षण;
- (g) आर्द्रभूमियाँ, दलदल और ज्वारनदमुख, जिनका अर्थ झारखंड में, जहाँ न कोई तट है और न ज्वारीय जल, साहिबगंज जिले का उधवा झील पक्षी अभयारण्य (Udhwa Lake Bird Sanctuary) है, जो राज्य का एकमात्र रामसर स्थल है, 2017 के नियमों के अंतर्गत अधिसूचित कोई भी आर्द्रभूमि (फरवरी 2025 तक कोई अधिसूचित नहीं की गई थी), साहिबगंज और राजमहल में गंगा के डूब क्षेत्र की आर्द्रभूमियाँ और निचले गड्ढे, शहरों के जलाशय और झीलें, जैसे रांची में कांके, धुर्वा और गेतलसूद और जमशेदपुर में डिमना, खदान झीलें, और राजस्व अभिलेखों में अभिलिखित तालाब (talab), बाँध (bandh) और आहर (ahar);
- (h) अतिक्रमण और उसे हटाने से संबंध;
- (i) क्षेत्रीय तालाब भंडारण के लिए एवज शुल्क (fee-in-lieu) अंशदान (अध्याय 4 के साथ); और
- (j) तालाब के बाँधों (tank bunds) और अन्य तटबंधों की सुरक्षा।

7.1.2 यह अध्याय प्रत्येक उस विकास और लोक निर्माण कार्य पर लागू होता है जिस पर अध्याय 1 के अंतर्गत यह मैनुअल लागू होता है और जो:

- (a) किसी जलाशय से सटा है या पूर्णतः या अंशतः उसके सेटबैक (खंड 7.4) के भीतर स्थित है;
- (b) अध्याय 5 के अनुप्रवाह विश्लेषण के विस्तार के भीतर, सीधे या किसी ड्रेन के माध्यम से, किसी जलाशय में पानी छोड़ता है; या
- (c) किसी जलाशय, उसके बाँध, स्लूइस, सरप्लस वियर, आपूर्ति चैनल या अतिरिक्त जल मार्ग में परिवर्तन करता है।

7.1.3 जहाँ कोई कानून या सांविधिक नियम अधिक चौड़ा सेटबैक या अधिक कठोर प्रतिबंध निर्धारित करता है, वहाँ वह कानून लागू होगा (खंड 1.3.3)। इस अध्याय की कोई बात किसी ऐसे कार्य को प्राधिकृत नहीं करती जिसका निषेध झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 (धारा 203, 219, 221, 235, 340 और 341), झारखंड भवन उपविधि, 2016 (उपविधि 23, 30 और 48), रांची मास्टर प्लान 2037 (शर्त 2.9) और राज्य द्वारा अनुमोदित अन्य मास्टर प्लान, झारखंड में यथालागू लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956, कोयला खान विनियम, 2017, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (उधवा झील पक्षी अभयारण्य के लिए), आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017, या कोई अन्य विधि करती है।

> **भाष्य.** झारखंड में झीलों, तालाबों या पोखरों के संरक्षण के लिए अलग से कोई अधिनियम नहीं है। इसके तालाब (talab), बाँध (bandh), आहर (ahar) और जलाशय इसके बजाय नगरपालिका विधि, भवन उपविधि, मास्टर प्लान की एक शर्त, राजस्व विधि, खनन नियमों और न्यायालयों द्वारा संरक्षित होते हैं। नगरों में, "सभी सार्वजनिक तालाब, जलाशय, टंकियाँ, कुएँ, नलकूप ... और ऐसे किसी जल स्रोत से संबद्ध

कोई संलग्न भूमि, जो निजी संपत्ति नहीं है, और जो नगरपालिका क्षेत्र में स्थित हैं, नगरपालिका में निहित होंगे" ("All public tanks, reservoirs, cisterns, wells, tube-wells ... and any adjacent land, not being private property, appertaining to any such water source, which are situated within the municipal area, shall vest in the municipality") (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 203), और सभी सार्वजनिक ड्रेनें, और किसी सार्वजनिक सड़क के साथ-साथ या उसके नीचे की सभी ड्रेनें, नगरपालिका ड्रेनों के रूप में उसमें निहित होती हैं (धारा 221); वर्षा जल ड्रेनें नगरपालिका का एक स्पष्ट कार्य हैं (धारा 70), और नगरपालिका ड्रेनों का निर्माण और रखरखाव करेगी और "बाढ़ से" ("by flooding") कोई उपद्रव किए बिना "... प्रभावी जल निकासी और वर्षा जल और सीवेज के उचित निस्सरण के लिए एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल" ("a safe and efficient outfall ... for effectual drainage and proper discharge of storm-water and sewage") उपलब्ध कराएगी (धारा 219)। यही अधिनियम एक पुरानी स्वच्छता संबंधी ऐसी शक्ति भी बनाए रखता है जो उलटी दिशा में जाती है: किसी स्वामी से "किसी निजी कुएँ, तालाब, जलाशय, टंकी, पोखर, गड्ढे या उत्खनन को साफ करना, मरम्मत करना, ढकना, फिर से खोदना, भर देना या उसका पानी निकालना" ("cleanse, repair, cover, re-excavate, fill up or drain off a private well, tank, reservoir, cistern, pool, depression of excavation") अपेक्षित किया जा सकता है (धारा 341)। **यह मैनुअल प्रत्येक अभिलिखित तालाब को जल निकासी अवसंरचना मानता है।** तालाब जल निकासी प्रणाली में भंडारण और वहन है, और उसे भरना, चाहे धारा 341 के अंतर्गत हो या अन्यथा, वह भंडारण समाप्त कर देता है; इस मैनुअल के अंतर्गत कोई डिजाइन किसी अभिलिखित तालाब के भरे जाने को न मानेगा, न उस पर निर्भर करेगा, जब तक कि अध्याय 3 से 5 के अंतर्गत जल निकासी आकलन यह न दर्शाए कि उसका भंडारण कहाँ जाता है, और खोए भंडारण की प्रतिपूर्ति खंड 7.6.4 के अंतर्गत न की जाए (खंड 7.2 के बाद की परिभाषाओं में "अभिलिखित तालाब" देखें)। जो तालाब स्वास्थ्य के लिए जोखिम है, उसे फिर से खोदा जाना है और उसका उपचार किया जाना है (गाद निकालना, इनलेट पर जाली लगाना और सीवेज को बाहर रखना, खंड 7.9 और 8.9), उसे भरा नहीं जाना है। झारखंड भवन उपविधि, 2016, जो नगरपालिका अधिनियम की धारा 434 के अंतर्गत नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा अधिसूचित है और जिसे प्रत्येक क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, ULB, MADA और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार लागू करता है, किसी नदी की सीमा के भीतर और गंगा से भिन्न किसी नदी के नदी-तट से 10–15 m के भीतर भवन निर्माण पर रोक लगाती है (उपविधि 23.2, जिसकी नदियों की सूची कभी अधिसूचित नहीं की गई), और "प्राकृतिक जलमार्गों या ड्रेनों के क्षेत्रों में, जैसा विकास योजना और जल निकासी योजना में विस्तार से दिया गया है" ("In areas of natural waterways or drains, as detailed in the Development Plan, and drainage plan") अनुमति देने से इनकार करती है (उपविधि 30.1)। रांची में, मास्टर प्लान 2037 का अनुमोदन कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के FTL से 20 m के भीतर, और नदियों और प्राकृतिक नालों से कम से कम 10 m के भीतर, निर्माण पर रोक लगाता है (शर्त 2.9)। आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 को **झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण** लागू करता है, पर फरवरी 2025 तक उनके अंतर्गत झारखंड की कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं की गई थी; उधवा झील पक्षी अभयारण्य, जो 1991 से वन्यजीव अभयारण्य है, राज्य का एकमात्र रामसर स्थल है। डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं मिला, और झारखंड उच्च न्यायालय रांची के जलाशयों का व्यावहारिक नियामक बन गया है (खंड 7.4, प्रकटन)। दो विशेषताएँ झारखंड को अन्य पठारी राज्यों से अलग करती हैं। पहली कोयला क्षेत्र है: दामोदर पट्टी (धनबाद, झरिया, बोकारो, बेरमो, रामगढ़–पतरातू और कर्णपुरा (Karanpura) के क्षेत्र) में खदान के गड्ढे और खदान झीलें जलाशय हैं, जो खनन नियमों और पर्यावरण स्वीकृति के अंतर्गत किसी पट्टाधारी के पास हैं, और ओवरबर्डन डंप राज्य में अपवाह और तलछट के सबसे भारी स्रोतों में हैं; यह अध्याय उन्हें सूची में लाता है और वे शर्तें निर्धारित करता है जिन पर उन्हें प्राप्तकर्ता जल माना जा सकता है (खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ)। दूसरी डोभा (dobha) है: खेत में खोदे जाने वाले छोटे तालाबों के राज्य के कार्यक्रम ने, जिसके अंतर्गत सितंबर 2017 तक लगभग 1.75 लाख डोभे खोदे जाने की सूचना है (प्रकाशित खबरों के अनुसार), पठार के जलग्रहण क्षेत्रों में बहुत बड़ी संख्या में छोटे भंडारण जोड़ दिए हैं। यह अध्याय वे डिजाइन नियम देता है जो जलाशयों के भंडारण और वहन का संरक्षण करते हैं। यह नगरपालिका, नियोजन, राजस्व, खनन और आर्द्रभूमि से संबंधित उन प्रक्रियाओं का स्थान नहीं लेता जो विधि में जलाशयों को अभिलिखित और संरक्षित करती हैं, और न ही झारखंड उच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों का।

7.2 परिभाषाएँ

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
जलाशय (waterbody)	कोई नदी या मौसमी धारा (जैसे स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर, बराकर, उत्तरी कोयल, दक्षिणी कोयल, अजय, मयूराक्षी और साहिबगंज में गंगा, और रांची की शहरी नदियाँ, जैसे हरमू, जुमार और हिनू), प्राकृतिक ड्रेन या नाला (nala), नहर, जलाशय या डैम झील (जैसे रांची में कांके, धुर्वा (हटिया) और गेतलसूद (रुक्का), जमशेदपुर में डिमना, और DVC और राज्य के जलाशय, जैसे तिलैया, कोनार, मैथन, पंचेत, तेनुघाट और चांडिल), तालाब या पोखर (talab, pokhar, जैसे रांची में बड़ा तालाब), बाँध (bandh; मिट्टी के बाँध से रोका गया तालाब), आहर (ahar; सिंचाई के लिए वर्षा जल एकत्र करने वाला जलाशय), डोभा (dobha; खेत में खोदा गया छोटा तालाब), चुआँ (chuan; झरना या रिसाव गड्ढा), दलदल या निचली गीली भूमि, डूब क्षेत्र की आर्द्रभूमि या निचला गड्ढा (जैसे गंगा के डूब क्षेत्र पर उधवा झील), खदान का गड्ढा या खदान झील, परित्यक्त खदान या बोरो पिट (borrow pit), आपूर्ति चैनल या अतिरिक्त जल मार्ग, बारहमासी या मौसमी (जैसा अध्याय 1 में है)।
तालाब (talab)	मिट्टी के बाँध से रोका गया जलाशय, जिसे उसका अपना जलग्रहण क्षेत्र और/या कोई आपूर्ति चैनल पानी देता है, और जिसमें एक सरप्लस वियर और एक या अधिक स्लूइस होते हैं।
तालाब शृंखला (tank cascade)	तालाबों की ऐसी शृंखला जिसमें एक तालाब का अतिरिक्त जल या स्लूइस से निकला प्रवाह अगले तालाब में जाता है (जैसा अध्याय 3 में है)।
तालाब का पूर्ण जल स्तर (FTL)	किसी तालाब के सरप्लस वियर (स्पिलवे, अतिप्रवाह या आउटलेट) का शिखर स्तर, या उसकी नियंत्रक संरचना का स्थायी शिखर। तालाब FTL तक पानी बिना छलके रोके रखता है।
अधिकतम जल स्तर (MWL)	किसी तालाब में वह उच्चतम जल स्तर जब सरप्लस वियर तालाब की डिजाइन बाढ़ को पार कराता है। इस मैनुअल के लिए, यह WRD द्वारा अभिलिखित स्तर और खंड 2.8 के जलवायु गुणक के साथ 1% AEP (100-वर्ष) अंतर्वाह के लिए परिकलित स्तर में से जो अधिक हो, वह है (खंड 7.7.4)।
बाँध का शीर्ष स्तर (TBL)	तालाब के बाँध का शिखर स्तर।
जल-फैलाव क्षेत्र (waterspread)	FTL पर तालाब का जलमग्न क्षेत्र।
तालाब का अग्रतट (foreshore)	तालाब के चारों ओर FTL समोच्च रेखा और MWL समोच्च रेखा के बीच की भूमि। जब भी तालाब उफनता है, अग्रतट की भूमि जलमग्न होती है, और यह तालाब के बाढ़ भंडारण का भाग है।
आपूर्ति चैनल (supply channel; feeder channel, नाला या नहर)	वह चैनल जो किसी नदी, एनीकट या प्रतिप्रवाह के तालाब से पानी किसी तालाब में लाता है।
अतिरिक्त जल मार्ग (surplus course)	वह चैनल जो सरप्लस वियर के अतिप्रवाह को अगले तालाब, किसी नदी, किसी ड्रेन या समुद्र तक ले जाता है।
स्लूइस (sluice; स्लूइस, स्लूइस गेट या रेगुलेटर)	तालाब के बाँध से होकर नियंत्रित आउटलेट, जो सामान्यतः किसी सिंचाई चैनल में खुलता है।
किनारे का शीर्ष (top of bank)	किसी चैनल के लिए, चैनल के किनारे पर ढलान का टूटना। जहाँ इसकी पहचान न हो सके, वहाँ 50% AEP (2-वर्ष) प्रवाह पर जल सतह का किनारा।
1% AEP बाढ़ का विस्तार	वह भूमि जो खंड 2.8 के जलवायु गुणक के साथ 1% AEP (100-वर्ष) बाढ़ से जलमग्न होती है, जैसा अध्याय 3 और अध्याय 5 की अपेक्षाएँ पूरी करने वाले हाइड्रोलिक मॉडल से, या खंड 7.3.4 के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा अंगीकृत मानचित्र से ज्ञात हो।
बाढ़ मार्ग (floodway)	जलाशय और उससे सटी वह भूमि जिसे अवरोध से मुक्त रखना आवश्यक है ताकि 1% AEP बाढ़ किसी भी बिंदु पर 1% AEP जल स्तर को **0.1 m** से अधिक बढ़ाए बिना निकल सके (खंड 7.6.1)। तालाब के लिए, MWL से नीचे की समस्त भूमि।
बाढ़ सीमांत क्षेत्र (flood fringe)	1% AEP बाढ़ के विस्तार का वह भाग जो बाढ़ मार्ग के बाहर है।

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
जोन 1 (जलाशय संरक्षण जोन)	खंड 7.4.3 में परिभाषित भीतरी सेटबैक जोन।
जोन 2 (बाढ़ सीमांत सेटबैक)	खंड 7.4.4 में परिभाषित बाहरी सेटबैक जोन।
सेटबैक (setback)	जोन 1 और जोन 2 एक साथ।
प्रतिपूरक भंडारण (compensatory storage)	खुदाई से बनाया गया भंडारण जो खंड 7.6.4 के अंतर्गत भराई के कारण खोए बाढ़ भंडारण का स्थान लेता है।
बाढ़ कुशन (flood cushion)	FTL से नीचे का भंडारण, जिसे किसी दस्तावेजित प्रचालन नियम के अंतर्गत बाढ़ को समाने के लिए खाली रखा जाता है (खंड 7.8)।

झारखंड के शब्द. इस अध्याय में ऊपर के शब्दों के अतिरिक्त निम्नलिखित शब्द प्रयुक्त हैं (परिशिष्ट 7E भी देखें):

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
तालाब (talab; पोखर)	वर्षा के अपवाह को रोकने वाला प्राकृतिक या खोदा गया निचला गड्ढा: प्लैट्स में "Pond, pool, tank, reservoir of water" (परिशिष्ट 7E)। पोखर (pokhar) इसका पर्याय है, जो संथाल परगना में अधिक प्रयुक्त होता है। खंड 7.2 के अंतर्गत तालाब (talab) तालाब (tank या pond) है। अनेक तालाबों में कोई सरप्लस वियर या स्लूइस नहीं होता; जहाँ किसी तालाब में ये नहीं हैं, वहाँ उसका FTL वह स्तर है जिस पर वह किसी नाली (nali), नाले या निचली भूमि में छलकता है, जो सर्वेक्षण से ज्ञात किया जाए। झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 203 के अंतर्गत नगरपालिका में निहित कोई सार्वजनिक तालाब या जलाशय, जैसे रांची का बड़ा तालाब, इस अध्याय के लिए तालाब (talab) है।
अभिलिखित तालाब (recorded talab)	राजस्व अभिलेखों, नगरपालिका के अभिलेखों, किसी विकास योजना या मास्टर प्लान, झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल किसी सूची, या झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण की किसी सूची में दर्शाया गया तालाब, बाँध, आहर, जलाशय या झील। इस मैनुअल के लिए अभिलिखित तालाब जल निकासी प्रणाली का भाग है। जहाँ उसे पूर्णतः या अंशतः भरने का प्रस्ताव है, जिसमें झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 341 के अंतर्गत किसी नोटिस के अधीन भरना शामिल है, वहाँ भरने पर निर्भर किसी डिजाइन के अनुमोदन से पहले अध्याय 3 से 5 के अंतर्गत जल निकासी आकलन खोए गए भंडारण और प्रवाह मार्गों तथा प्रतिप्रवाह और अनुप्रवाह की ओर उनके प्रभाव को दर्शाएगा, और खोए भंडारण की प्रतिपूर्ति खंड 7.6.4 के अंतर्गत की जाएगी। यह परिभाषा और नियम इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।
मानसून जल रेखा (monsoon water line)	मानसून में किसी तालाब, जलाशय या आर्द्रभूमि के पानी का बाहरी किनारा: हाल के वर्षों के मानसून (जुलाई से सितंबर) के दिनांकित चित्रों या सर्वेक्षण से दर्शाया गया किनारा और राजस्व अभिलेखों में अभिलिखित किनारा, इनमें से जो बड़ा हो, और जहाँ दोनों में से कोई उपलब्ध न हो, वहाँ MWL समोच्च रेखा। खंड 7.3.3 और 7.13.1 के अंतर्गत किसी तालाब या जलाशय की सीमा उसकी राजस्व अभिलेख सीमा, उसके सर्वेक्षित FTL और उसकी मानसून जल रेखा में से सबसे बड़ी है, और सेटबैक उसी सीमा से मापे जाते हैं। यह परिभाषा इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।
बाँध; शहरी जलाशय (bandh; city reservoir)	बाँध (bandh) एक तटबंध या डैम है (परिशिष्ट 7E); इस मैनुअल में यह किसी ढलान या घाटी के आर-पार मिट्टी के बाँध से रोका गया तालाब भी है, जो झारखंड में प्रचलित बताया गया अर्थ है, पर शब्दकोश से पुष्ट नहीं। शहरी जलाशय किसी नगर के भीतर या उसके निकट का ऐसा जलाशय है जिसका स्तर स्पिलवे या स्लूइस गेटों वाले डैम से रोका जाता है, जैसे रांची के कांके, धुर्वा (हटिया) और गेतलसूद जलाशय और जमशेदपुर की डिमना झील। प्रत्येक खंड 7.2 के अंतर्गत तालाब है; किसी बाँध (bandh) का बाँध (bund) तालाब का बाँध (tank bund) है (खंड 7.14.2)। रांची मास्टर प्लान 2037 की शर्त 2.9 के "रुक्का डैम" ("Rukka dam") को इस मैनुअल में रुक्का पर गेतलसूद जलाशय माना गया है [TBC]।
जलाशय के स्तर से अवरुद्ध आउटफॉल (reservoir-locked outfall)	किसी शहरी जलाशय या तालाब में ड्रेन या नाले का ऐसा आउटफॉल जो पानी के उसके FTL पर या उससे ऊपर रहने तक स्वतंत्र रूप से पानी नहीं छोड़ सकता (चित्र 7.3)। उसका टेलवाटर जलाशय का स्तर है: उसका MWL, या उसका FTL जमा डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज (surcharge), जैसा अभिरक्षक उन्हें अभिलिखित करता है, या, जहाँ दोनों में से कोई अभिलिखित नहीं है, वहाँ FTL + 0.5 m, जो इस मैनुअल द्वारा निर्धारित मान है (अध्याय 5)। जलाशय के स्लूइस गेट खंड 7.8 के अंतर्गत नियंत्रणीय आउटलेट केवल तभी हैं जब उनका संचालन किसी लिखित नियम के अनुसार किया जाता हो।

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
डोभा; आहर; चुआँ (dobha; ahar; chuan)	डोभा (dobha) खेत में खोदा गया छोटा तालाब है, जो राज्य के डोभा कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 10 ft × 10 ft × 10 ft (लगभग 3 m प्रत्येक दिशा में) का बताया गया है (प्रकाशित खबरों के अनुसार); यह शब्द प्लैट्स या शब्दसागर में नहीं मिला (परिशिष्ट 7E)। डोभा खंड 7.3 के लिए जलाशय है और खंड 7.7.2 के लिए शृंखला में एक तालाब है, पर उसके भंडारण को कभी डिजाइन भंडारण के रूप में नहीं गिना जाता, क्योंकि उसका सर्वेक्षण नहीं होता, उसका कोई आउटलेट नहीं होता और चरम वर्षा घटना के समय तक वह सामान्यतः भरा होता है। आहर (ahar) वह जलाशय है जो सिंचाई के लिए वर्षा जल एकत्र करता है (परिशिष्ट 7E), जैसे पलामू और चतरा के मैदानों में; खंड 7.2 के अंतर्गत यह तालाब है। चुआँ (chuan; चुआँ, चुआन) झरना या रिसाव गड्ढा है, जो प्रायः किसी धारा के तल में खोदा जाता है; यह खंड 7.3 के लिए जलाशय है और भूजल के निकास के रूप में संरक्षित है।
नाला; नाली (nala; nali)	नाला (nala) प्राकृतिक या खोदा गया जलमार्ग या ड्रेन है (परिशिष्ट 7E), जैसे रांची में अरगोड़ा नाला या साहिबगंज में उधवा नाला; नाली (nali) छोटी गली या घर की ड्रेन है। 8 ha या अधिक क्षेत्र की निकासी करने वाला हर नाला खंड 7.4.1(b) के अंतर्गत प्राकृतिक चैनल है, उसका रखरखाव चाहे कोई भी करे और वह पक्का किया गया, पाइप में डाला गया या ढका गया हो या नहीं। रांची मास्टर प्लान 2037 की शर्त 2.9 के अंतर्गत "प्राकृतिक नाला" (natural nala) इस अध्याय के लिए नाला है। प्राकृतिक नालों को नगरपालिका ड्रेनों से अलग करने वाला कोई नियम नहीं मिला; कौन-से खंड लागू होते हैं, यह परिभाषा तय करती है, स्वामी या नाम नहीं।
नदी की बाहरी सीमा (outer boundary of a river; उपविधि 23)	भवन उपविधि 2016 अपनी दूरियाँ "किसी भी नदी के नदी-तट की बाहरी सीमा (जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो)" ("the outer boundary of the riverfront of any river [as prescribed by the Irrigation Department]") से मापती है (उपविधि 23.2), पर इस सीमा को परिभाषित नहीं करती। इस मैनुअल के लिए, नदी की बाहरी सीमा को उसके किनारे के शीर्ष से चैनल की ओर नहीं माना जाता, और, जहाँ WRD ने कोई सीमा विहित नहीं की है, वहाँ 50% AEP (2-वर्ष) प्रवाह पर पानी के किनारे से भी चैनल की ओर नहीं। यह व्याख्या इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है; यह कोई सांविधिक निर्वचन नहीं है, और कोई न्यायालय या राज्य सरकार उपविधि की अन्यथा व्याख्या कर सकती है।
खदान का गड्ढा; खदान झील (mine void; pit lake)	खदान का गड्ढा किसी कोयला या खनिज पट्टे में खुला छोड़ा गया खुली खदान का उत्खनन है, उसका खनन पूरा हो चुका हो या नहीं; खदान झील वह खदान का गड्ढा है जिसमें पानी भरा हो। खदान का गड्ढा या खदान झील खंड 7.3 के लिए जलाशय है और सूची में अपने पट्टाधारी को अभिरक्षक के रूप में दर्ज करके अभिलिखित की जाती है। यह डिजाइन आउटफॉल **नहीं** है, और इसके भंडारण को खंड 7.7 के अंतर्गत **कभी नहीं** गिना जाता, जब तक कि पट्टाधारी और DGMS लिखित में सम्मति न दें और इसके जल स्तर, अतिप्रवाह स्तर और अतिप्रवाह मार्ग का सर्वेक्षण न हो; तब भी इसे खंड 7.7, 7.8 और 7.14 के अंतर्गत तालाब माना जाता है, इसकी बेंचों और हाईवॉल की स्थिरता की जाँच और एक जल गुणवत्ता योजना के साथ। कोई विकास किसी चालू खदान या खनन कार्य में जल निकासी नहीं करेगा (कोयला खान विनियम, 2017, विनियम 149, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। बाढ़ से घिरी जिस खदान झील तक जनता की पहुँच नहीं है, उस पर खंड 7.9.4 लागू नहीं होता, पर उसकी बाढ़ और चेतावनी संकेतों का रखरखाव पट्टाधारी करता है। यह परिभाषा और नियम इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।
ओवरबर्डन डंप; खनन से विक्षुब्ध भूमि (overburden dump; mine-disturbed ground)	ओवरबर्डन डंप किसी खनिज तक पहुँचने के लिए हटाई गई चट्टान और मिट्टी का ढेर है। खनन से विक्षुब्ध भूमि में ओवरबर्डन डंप, पुनर्भरित या सुधारी गई खनन भूमि, संघनित खदान बेंच और हॉल रोड, भू-धंसान भूमि और झरिया कोयला क्षेत्र के अग्नि क्षेत्र आते हैं। इस मैनुअल के लिए यह प्रत्येक वर्षा घटना के लिए HSG D है, बिना किसी अंतःस्यंदन क्रेडिट के (अध्याय 3); इससे होने वाला अपवाह किसी शहरी ड्रेन, तालाब या आउटफॉल तक पहुँचने से पहले एक तलछट बेसिन और स्थिर टो ड्रेनों (गारलैंड ड्रेनों) से होकर गुजरता है (खंड 8.12); और किसी जलाशय के सेटबैक में कोई ओवरबर्डन, खनन मलबा (spoil) या गाद नहीं रखी जाती (खंड 7.5.1)।

7.3 जलाशयों की सूची और मानचित्रण

7.3.1 **राज्यव्यापी सूची.** प्राधिकारी, WRD और राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के साथ, अपने क्षेत्र के प्रत्येक जलाशय की एक GIS परत (परिशिष्ट 7A) रखेगा। प्रत्येक जलाशय के लिए वह निम्नलिखित अभिलिखित करेगा:

- (a) उसका प्रकार (खंड 7.2), नाम और सर्वे संख्याएँ;
- (b) उसका अभिरक्षक (नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत (जिनमें झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 203 के अंतर्गत सार्वजनिक तालाब और जलाशय, उनसे संबद्ध उस संलग्न भूमि सहित जो निजी संपत्ति नहीं है, और धारा 221 के अंतर्गत सार्वजनिक ड्रेनें और किसी सार्वजनिक सड़क के साथ-साथ या उसके नीचे की ड्रेनें निहित होती हैं), JUIDCO (उन जल निकासी और नदी कार्यों के लिए जिन्हें वह बनाता है, उनके हस्तांतरित होने तक, जैसे रांची में हरमू नदी के कार्य), RRDA या कोई अन्य क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, MADA या कोई

औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (नगरपालिका सीमाओं के बाहर उसके द्वारा अनुमोदित लेआउटों की ड्रेनों के लिए), 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना के अंतर्गत जमशेदपुर का नागरिक निकाय, Tata Steel UISL सेवा प्रदाता के रूप में (पट्टा क्षेत्र के लिए; अधिसूचना को चुनौती दी गई है), WRD (नदियों, नदी सीमाओं, डैमों और जलाशयों के लिए, जैसे कांके, धुर्वा, गेतलसूद और चांडिल), DVC (तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत के लिए), टाटा स्टील (डिमना झील के लिए), ग्राम पंचायत (गाँव के तालाबों के लिए), उपायुक्त और अंचल अधिकारी के माध्यम से राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग (तालाब, नाला या जल के रूप में अभिलिखित लोक भूमि के लिए), कोई कोयला कंपनी या अन्य खदान पट्टाधारी, जैसे BCCL या CCL (अपने पट्टे के भीतर किसी खदान के गड्ढे, खदान झील, अवसादन तालाब या गारलैंड ड्रेन के लिए), झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण (किसी अधिसूचित आर्द्रभूमि के लिए, जिसकी फरवरी 2025 तक कोई नहीं थी) और वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग (उधवा झील पक्षी अभयारण्य, राज्य के रामसर स्थल, के लिए), कोई निजी स्वामी, या कोई अन्य निकाय);

- (c) राजस्व अभिलेखों में अभिलिखित उसकी सीमा;
- (d) तालाबों के लिए: FTL, MWL, TBL, सरप्लस वियर के शिखर की लंबाई और प्रकार, स्लूइस, आपूर्ति चैनल और अतिरिक्त जल मार्ग, प्रत्येक अपने डेटम सहित;
- (e) किसी तालाब शृंखला में उसकी स्थिति, प्रतिप्रवाह और अनुप्रवाह के तालाबों सहित;
- (f) जहाँ मानचित्रित हो, 1% AEP बाढ़ का विस्तार; और
- (g) ज्ञात अतिक्रमण, अभिलिखित करने की तिथि सहित।

7.3.2 **परियोजना मानचित्रण.** प्रत्येक जल निकासी रिपोर्ट में एक जलाशय पत्रक (प्रपत्र 7-1) शामिल होगा जिसमें निम्नलिखित सभी जलाशय दर्शाए जाएँगे:

- (a) साइट के भीतर;
- (b) साइट की सीमा से 100 m के भीतर; और
- (c) अनुप्रवाह की ओर, अध्याय 5 के अनुप्रवाह विश्लेषण के विस्तार तक।

पत्रक में, (a) और (b) के लिए 1:1,000 या उससे बड़े पैमाने के नक्शे पर, निम्नलिखित दर्शाए जाएँगे:

- राजस्व अभिलेख की सीमा;
- सर्वेक्षित FTL या किनारे का शीर्ष;
- MWL समोच्च रेखा (तालाब) और 1% AEP बाढ़ का विस्तार;
- जोन 1 और जोन 2 (खंड 7.4); और
- प्रत्येक आपूर्ति चैनल, अतिरिक्त जल मार्ग, स्लूइस और सरप्लस वियर।

7.3.3 **स्रोत.** जलाशयों की पहचान निम्नलिखित सभी स्रोतों से की जाएगी। जहाँ वे परस्पर विरोधी हों, वहाँ जलाशय का बड़ा विस्तार लागू होगा:

- (a) राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के राजस्व अभिलेख (खतियान (khatiyan)) और गाँव के मानचित्र, जिनमें तालाब, बाँध, आहर, नाले और जल से ढकी भूमि अभिलिखित हैं, और लोक भूमि लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 (बिहार अधिनियम संख्या XV, 1956, झारखंड में यथालागू) के अंतर्गत संरक्षित है; झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 203 के अंतर्गत नगरपालिका में निहित सार्वजनिक तालाब और जलाशय, उनसे संलग्न उस भूमि सहित जो निजी संपत्ति नहीं है, और धारा 221 के अंतर्गत उसमें निहित सार्वजनिक ड्रेनें; किसी विकास योजना या जल निकासी योजना में दर्शाए गए प्राकृतिक जलमार्ग और ड्रेनें, जिन पर भवन उपविधि 2016 अनुमति पर रोक लगाती है (उपविधि 30.1), और सिंचाई विभाग द्वारा विहित नदी सीमाएँ (उपविधि 23); रांची मास्टर प्लान 2037 की कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के FTL से 20 m की रेखा और नदियों और प्राकृतिक नालों के साथ 10 m की पट्टी (शर्त 2.9), और जमशेदपुर और धनबाद के मास्टर प्लान के जलाशय; W.P.(PIL) No. 1463 of 2020 में झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल जलाशयों की सूचियाँ और विवरण; कोयला पट्टाधारियों की खनन योजनाएँ और खदान बंद करने की योजनाएँ, जो खदान के गड्ढे, जलाशय, अवसादन तालाब और गारलैंड ड्रेनें दर्शाती हैं; उधवा झील पक्षी अभयारण्य, रामसर स्थल, की और आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के अंतर्गत अधिसूचित किसी आर्द्रभूमि की सीमा (फरवरी 2025 तक कोई अधिसूचित नहीं की गई थी); और राज्य के कार्यक्रमों के अंतर्गत खोदे गए डोभों और खेत के अन्य तालाबों के अभिलेख;

- (b) FTL और MWL के अभिलेखों सहित WRD और ग्राम पंचायत के तालाब रजिस्टर (tank registers);
- (c) प्राधिकारी की सूची (खंड 7.3.1) और न्यायालय के निर्देशों के अंतर्गत प्रकाशित कोई सूची;
- (d) ऐतिहासिक स्थलाकृतिक मानचित्र और उपग्रह चित्र, जिनमें ISRO की राष्ट्रीय आर्द्रभूमि सूची और आकलन (National Wetland Inventory and Assessment) शामिल है; और
- (e) लाइसेंसधारी सर्वेक्षक द्वारा किया गया साइट सर्वेक्षण, जिसका स्तरांकन खंड 7.3.5 में बताए गए डेटम पर किया गया हो।

7.3.4 **बाढ़ विस्तार मानचित्र.** प्राधिकारी अपने क्षेत्र के लिए 1% AEP बाढ़ विस्तार या बाढ़ गहराई मानचित्र अंगीकार कर सकता है। इस खंड के अंतर्गत अंगीकृत गहराई मानचित्र खंड 6.11 के अंतर्गत फर्श स्तर भी निर्धारित करता है। जहाँ कोई मानचित्र अंगीकृत किया गया है, वहाँ उसका उपयोग किया जाएगा, जब तक कि अध्याय 3 और 5 के अंतर्गत साइट का हाइड्रोलिक अध्ययन बड़ा विस्तार न दर्शाए। जहाँ कोई मानचित्र अंगीकृत नहीं किया गया है, वहाँ आवेदक निम्नलिखित के लिए हाइड्रोलिक अध्ययन द्वारा 1% AEP विस्तार निर्धारित करेगा:

- (a) बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र (अध्याय 1) में स्थित कोई साइट;
- (b) किसी जलाशय से सटी 1 ha या अधिक की कोई साइट; और
- (c) कोई साइट जहाँ प्राधिकारी ऐसी अपेक्षा करे।

अन्य साइटों के लिए खंड 7.4.6 के नियत-चौड़ाई सेटबैक का उपयोग किया जा सकता है।

7.3.5 **डेटम.** इस अध्याय के सभी स्तर एक ही डेटम पर बताए जाएँगे, जिसका उल्लेख प्रत्येक ड्रॉइंग पर किया जाएगा। जहाँ WRD के अभिलेख किसी स्थानीय या पुराने डेटम का प्रयोग करते हैं, वहाँ परियोजना डेटम में रूपांतरण का सर्वेक्षण किया जाएगा और उसे बताया जाएगा।

> **भाष्य.** झारखंड के किसी शहर का कोई 1% AEP बाढ़ मानचित्र नहीं मिला, और **झारखंड में डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं है**। WRD ने साहिबगंज जिले में गंगा के डूब क्षेत्र के, लगभग 83 km नदी-भाग के, सीमांकन के लिए एक परामर्शदाता नियुक्त किया है, पर राज्य ने बताया कि इसके लिए आवश्यक जलविज्ञान राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना से "मार्च 2024 तक" ("by march 2024") आएगा (NGT O.A. 200 of 2014 में राज्य की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट, लगभग 2020); कोई सीमांकन नहीं मिला। जमशेदपुर में स्वर्णरेखा के लिए, नदी-तल पर ऊँचे भवनों के निर्माण के मामले O.A. 145 of 2023 (EZ) में राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा नियुक्त संयुक्त समिति ने भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23.2 का सहारा लिया, क्योंकि "स्वर्णरेखा नदी का डूब क्षेत्र जोनिंग निर्धारित नहीं किया गया है" ("the flood plain zoning of the Subarnarekha River has not been designated") (14 मार्च 2024 की रिपोर्ट, अधिकरण के समक्ष एक दाखिल दस्तावेज में उद्धृत रूप में)। भवन उपविधि 2016 "निचले क्षेत्र में" ("in low lying area") और "बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में" ("in flood prone areas") बेसमेंट पर रोक लगाती है (उपविधि 48.1) और जहाँ बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में संरचनात्मक नक्शे इसे ध्यान में नहीं रखते, वहाँ अनुमति देने से इनकार करती है (उपविधि 30.5), पर दोनों में से किसी शब्द को परिभाषित नहीं करती, और कोई एजेंसी उनका मानचित्रण नहीं करती। उपविधि 23 की नदी रेखाएँ "किसी भी नदी के नदी-तट की बाहरी सीमा (जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो)" ("the outer boundary of the riverfront of any river [as prescribed by the Irrigation Department]") से मापी जाती हैं, और कोई विहित सीमा या नदियों की सूची नहीं मिली। जलाशय अभिलिखित हैं, पर असमान रूप से: रांची मास्टर प्लान 2037 उन तीन डैमों के नाम देता है जिनके चारों ओर उसकी 20 m की रेखा लागू होती है; धनबाद मास्टर प्लान 2041 अपने आयोजना क्षेत्र में 2,283.53 ha जलाशय दर्ज करता है, और जमशेदपुर मास्टर प्लान 2027 विद्यमान 1,280 ha के मुकाबले प्रस्तावित 1,186.31 ha, अर्थात लगभग 94 ha कम (24 और 23 अक्तूबर 2017 की अनुमोदन अधिसूचनाएँ); और झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची नगर निगम से राजधानी के जलाशयों की संख्या और उनकी स्थिति, ऐतिहासिक आँकड़ों सहित, माँगी है (W.P.(PIL) No. 1463 of 2020, 2022 और अक्तूबर 2024 के आदेश, प्रकाशित खबरों के अनुसार), यह सुनने के बाद कि रांची में कभी विद्यमान बताए गए "71 तालाबों" ("71 ponds") में से "केवल चार या पाँच तालाब दिखाई देते हैं" ("only four or five ponds are visible") (जुलाई 2024, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। जलाशयों के स्तर भी तय नहीं हैं: CWC गेतलसूद का FRL 590.06 m (लगभग 1,935.9 ft) सूचीबद्ध करता है, जबकि एक द्वितीयक स्रोत लगभग 1,954 ft देता है; और कांके और धुर्वा के स्तर समाचार माध्यमों में फीट में, गेज गहराई के रूप में भी और ऊँचाई के रूप में भी, बिना किसी बताए गए डेटम के उद्धृत किए जाते हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। खंड 7.3.4 प्राधिकारी को बाढ़ मानचित्र जारी होने पर उन्हें अंगीकार करने देता है; तब तक आवेदक को बड़ी और बाढ़-संवेदनशील साइटों के लिए 1% AEP विस्तार प्रस्तुत करना होगा,

> और गंगा का डूब क्षेत्र जोन, सीमांकित होने पर, और मास्टर प्लान की रेखाएँ ऐसी न्यूनतम सीमाएँ हैं जिनसे जलवायु गुणक के साथ इस मैनुअल का 1% AEP विस्तार अधिक हो सकता है, पर कभी कम नहीं। स्तर एक ही डेटम पर बताए जाएँगे (खंड 7.3.5), क्योंकि झारखंड में जलाशयों के स्तर अब भी मीटर के साथ-साथ फीट में भी उद्धृत किए जाते हैं। खंड 7.3.3 अभिलिखित और सर्वेक्षित विस्तारों में से बड़े को लागू करता है, क्योंकि राजस्व सीमा और सर्वेक्षित जल-किनारा प्रायः भिन्न होते हैं, और दोनों में से कोई भी अतिक्रमण से घटा हुआ हो सकता है। खंड 7.3.2 में 100 m की खोज पट्टी इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

7.4 सेटबैक

7.4.1 **वे जलाशय जिन पर सेटबैक लागू होते हैं.** सेटबैक निम्नलिखित पर लागू होते हैं:

- (a) खंड 7.3.1 के अंतर्गत अभिलिखित या खंड 7.3.3 के अंतर्गत पाया गया प्रत्येक जलाशय, उसका आकार कुछ भी हो; और
- (b) प्रत्येक प्राकृतिक चैनल, अभिलिखित हो या नहीं, जो साइट पर **8 ha** या अधिक क्षेत्र की निकासी करता है।

7.4.2 **दो जोन.** सेटबैक के दो जोन हैं, जो चित्र 7.1 में दर्शाए गए हैं:

- **जोन 1 (जलाशय संरक्षण जोन)**, जलाशय के ठीक बगल में; और
- **जोन 2 (बाढ़ सीमांत सेटबैक)**, जोन 1 के बाहर।

7.4.3 **जोन 1 की चौड़ाई.** जोन 1 को FTL समोच्च रेखा (तालाब, झीलें और पोखर) से या किनारे के शीर्ष (चैनल) से बाहर की ओर मापा जाता है। जहाँ दोनों लागू हों, वहाँ जिससे अधिक चौड़ा जोन बने उसका उपयोग करें। जोन 1 निम्नलिखित में से **सबसे अधिक** तक विस्तृत होता है:

- (a) **15 m**, इस मैनुअल द्वारा निर्धारित न्यूनतम (इस मैनुअल के लिए पढ़ी गई एकमात्र राज्यव्यापी सांविधिक दूरी, भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23.2, गंगा से भिन्न किसी नदी की बाहरी सीमा से 10–15 m है, पर जिन नदियों पर यह लागू होती है उनकी सूची कभी अधिसूचित नहीं की गई; रांची मास्टर प्लान 2037 नदियों और प्राकृतिक नालों के साथ कम से कम 10 m और कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के FTL से 20 m निर्धारित करता है; यह मैनुअल प्रत्येक जलाशय पर 15 m लागू करता है; नीचे प्रकटन देखें);
- (b) बाढ़ मार्ग का बाहरी किनारा (खंड 7.6.1); और
- (c) तालाब के लिए, MWL समोच्च रेखा।

7.4.4 **जोन 2 की चौड़ाई.** जोन 2 जोन 1 के बाहरी किनारे से **1% AEP बाढ़ के विस्तार और उसके अतिरिक्त 10 m** तक विस्तृत होता है। जहाँ 1% AEP बाढ़ का विस्तार जोन 1 के भीतर है, वहाँ जोन 2 की चौड़ाई 10 m है।

7.4.5 **सांविधिक और अनुमोदन सेटबैक.** जहाँ कोई कानून, कोई सांविधिक नियम, योजना अनुमति की कोई शर्त, या WRD की किसी नदी, डैम, जलाशय या नहर पर या उसके निकट, या भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23 के अंतर्गत सिंचाई विभाग द्वारा विहित किसी नदी की सीमा के भीतर, किसी कार्य के लिए WRD का अनुमोदन, DVC के किसी जलाशय पर या उसके निकट किसी कार्य के लिए DVC का अनुमोदन, किसी खदान के गड्ढे, खदान झील या खनन कार्य में जल निकासी करने वाले या उसके निकट स्थित किसी कार्य के लिए खदान के पट्टाधारी और DGMS की सम्मति (कोयला खान विनियम, 2017, विनियम 149, प्रकाशित खबरों के अनुसार), किसी अधिसूचित आर्द्रभूमि में किसी विनियमित गतिविधि के लिए झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण की अनुमति, या झारखंड उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण का कोई निर्देश (जैसे खंड 7.4 के प्रकटन में सूचीबद्ध जलाशय संबंधी आदेश) जोन 1 या जोन 2 से अधिक चौड़ा सेटबैक निर्धारित करता है, वहाँ जिन उपयोगों को वह प्रतिबंधित करता है उनके लिए वही अधिक चौड़ा सेटबैक लागू होगा।

7.4.6 **जहाँ 1% AEP विस्तार उपलब्ध नहीं है वहाँ नियत-चौड़ाई सेटबैक.** जहाँ खंड 7.3.4 हाइड्रोलिक अध्ययन की अपेक्षा नहीं करता और कोई मानचित्र अंगीकृत नहीं किया गया है, वहाँ सेटबैक (जोन 1 और जोन 2), खंड 7.4.3 के अनुसार मापा जाकर, निम्नलिखित से कम नहीं होगा:

तालिका 7.1 — जहाँ 1% AEP विस्तार उपलब्ध नहीं है वहाँ नियत-चौड़ाई सेटबैक

जलाशय	कुल सेटबैक (जोन 1 + जोन 2)	जिसमें से जोन 1
8 ha से 65 ha क्षेत्र की निकासी करने वाला चैनल	25 m	15 m
65 ha से 20 km² क्षेत्र की निकासी करने वाला चैनल	40 m	15 m
20 km² से अधिक क्षेत्र की निकासी करने वाला चैनल, और नदियाँ	50 m	20 m
तालाब, झील या पोखर	MWL समोच्च रेखा + 25 m	MWL समोच्च रेखा तक, और FTL से 15 m से कम नहीं
दलदल, ज्वारनदमुख या पश्चजल	जैसा प्राधिकारी अधिसूचित करे, और 50 m से कम नहीं	15 m

यह तालिका नीति अनुपूरक (परिशिष्ट 1C) का विकल्प S-3 है और खंड 1.7 के अंतर्गत अंगीकार की जा सकती है।

7.4.7 **सभी स्थितियों में न्यूनतम.** इस अध्याय के अंतर्गत कोई सेटबैक, और खंड 1.10 के अंतर्गत कोई विचलन, जोन 1 को 15 m से कम नहीं करेगा (खंड 1.10.3(c))।

> **भाष्य.** 15 m का न्यूनतम इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। जल से झारखंड की सांविधिक दूरियाँ भवन उपविधि 2016 में और एक मास्टर प्लान में हैं। भवन उपविधि 2016 गंगा की सीमा के भीतर, या उसकी बाहरी सीमा से ("जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो" ("as prescribed by the Irrigation Department")) ऐसी अधिक दूरी के भीतर जो राज्य विहित करे, किसी भी भवन पर रोक लगाती है (उपविधि 23.1), और अन्य नदियों के लिए "किसी भी नदी के नदी-तट की बाहरी सीमा से 10-15 मीटर (जहाँ क्षेत्र खुला है और विकसित नहीं, वहाँ 15 मी. तक) की भू-पट्टी के भीतर, या राज्य सरकार द्वारा विहित दूरियों के भीतर" ("a strip of land of 10-15 metres [where area is open and not develop 15m. up to], or such distances as prescribed by the State Government, from the outer boundary of the riverfront of any river") किसी भी भवन पर रोक लगाती है, और साथ में जोड़ती है कि "राज्य सरकार ऐसी नदियों की सूची अधिसूचित करेगी" ("The State Government shall notify a list of such rivers") (उपविधि 23.2); ऐसी कोई सूची नहीं मिली। रांची में, मास्टर प्लान 2037 का अनुमोदन कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के पूर्ण जल स्तर से 20 m के भीतर निर्माण पर रोक लगाता है, जो दूरी सेटबैक के रूप में नहीं गिनी जाती, और नदियों और प्राकृतिक नालों से, स्थान के अनुसार, 10–15 m के भीतर भी, जिसमें हर स्थिति में उनके किनारों के साथ कम से कम 10 m चौड़ी पट्टी वर्जित है (30 नवंबर 2015 की UD&HD की अधिसूचना, शर्त 2.9)। किसी अधिसूचित आर्द्रभूमि के चारों ओर औसत उच्च बाढ़ स्तर से 50 m के भीतर कोई स्थायी निर्माण अनुमत नहीं है (आर्द्रभूमि नियम, 2017, नियम 4(2)(vi)), पर झारखंड की कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं की गई है। किसी तालाब, बाँध या आहर से, या रांची के बाहर किसी नाले से, कोई दूरी नहीं मिली, और झारखंड में डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून नहीं है। इस मैनुअल का 15 m, जो उपविधि 23.2 का ऊपरी मान है और प्रत्येक तालाब, नाले और जलमार्ग पर लागू किया गया है, प्रत्येक जलाशय को एक हाइड्रोलिक कॉरिडोर देता है, और यह इस मैनुअल का प्रस्ताव है, सांविधिक चौड़ाई नहीं (नीचे प्रकटन देखें)। सेटबैक को मानचित्रित 1% AEP विस्तार और एक अतिरिक्त पट्टी तक बढ़ाना कैनसस सिटी मेट्रो APWA Section 5600 (2025.01) की दो-जोन संरचना के अनुरूप है:
>
> - APWA का जोन 1 (धारा के किनारे का) किनारे के शीर्ष से मापा जाता है, और उसमें केवल उपयोगिता सेवाओं और सड़कों की क्रॉसिंग अनुमत हैं।
> - APWA का जोन 2, 20–40 एकड़ क्षेत्र की निकासी करने वाली धाराओं के लिए, 1% AEP बाढ़ का विस्तार और उसके अतिरिक्त 10 ft (लगभग 3 m) है।
> - APWA ने 2025.01 में धारा सेटबैक के प्रारंभक मान को 40 एकड़ से घटाकर 20 एकड़ (लगभग 8 ha) कर दिया।

(MARC, APWA 5600 Policy Supplement, नवंबर 2025.) खंड 7.4.1(b) में 8 ha का प्रारंभक मान लिया गया है। इस मैनुअल की 10 m की अतिरिक्त पट्टी APWA के 10 ft से अधिक चौड़ी है और इसका कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है। यह मैनुअल इसे इसलिए निर्धारित करता है क्योंकि झारखंड के बाढ़ मानचित्र अधिकतर अमेरिकी मानचित्रों से कम सूक्ष्म हैं, पठार के घाटी-तल (दोन (don) भूमि), शहरी जलाशयों और तालाबों के अग्रतट, और साहिबगंज में गंगा का डूब क्षेत्र, जहाँ नगर बढ़ रहे हैं, समतल हैं (इसलिए स्तर में छोटी-सी त्रुटि भी बाढ़ के किनारे को बहुत दूर तक खिसका देती है), और यह पट्टी जलाशय के किनारे रखरखाव के लिए पहुँच का स्थान देती है।

खंड 7.4.6 की नियत-चौड़ाई तालिका इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। इसकी चैनल चौड़ाइयाँ 2006 के APWA के डिफॉल्ट धारा बफरों से अनुपातित हैं, जो 40 एकड़ से कम, 40–160 एकड़, 160–5,000 एकड़ और 5,000 एकड़ से अधिक जल निकासी क्षेत्रों के लिए 40 ft, 60 ft, 100 ft और 120 ft (12, 18, 30 और 37 m) थे (KC APWA 5600, 2006, §5605.3)। इन्हें ऊपर की ओर पूर्णांकित किया गया है और 15 m के न्यूनतम पर सीमित किया गया है। APWA ने नियत-चौड़ाई तालिका इसी कारण दी थी: समुदायों ने आपत्ति की थी कि छोटे जल निकासी क्षेत्रों के लिए 1% विस्तार प्रायः मानचित्रित नहीं होता (MARC Supplement, 2025)। जैसे ही प्राधिकारी मानचित्रित विस्तार अंगीकार करे, इस तालिका को उनसे प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

URDPFI (2015) 10 वर्ष की आवृत्ति पर जलमग्न होने वाले क्षेत्र को पार्कों और खेल के मैदानों के लिए आरक्षित करता है, और 25 वर्ष के बाढ़ जोन में आवासीय उपयोग की अनुमति केवल स्टिल्ट पर, न्यूनतम प्लिंथ स्तर के साथ और बिना बेसमेंट के देता है। यह अध्याय अधिक कठोर है। यह आवास योग्य भवनों को संपूर्ण 1% AEP विस्तार और अतिरिक्त पट्टी से बाहर रखता है, क्योंकि 1% AEP (100-वर्ष) घटना इस मैनुअल की प्रमुख प्रणाली का मानक है (अध्याय 6)।

भवन उपविधि 2016 जल से मीटर में राज्य की एकमात्र सामान्य दूरी देती है। भवन उपविधि 2016 यह प्रावधान करती है कि कोई भवन "नदी सीमा के भीतर, या गंगा नदी की बाहरी सीमा से (जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो) ऐसी अन्य अधिक दूरी के भीतर, जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर विहित की जाए" ("within a river boundary, or such other higher distance as may be prescribed from time to time by the State Government, from the outer boundary of the river of Ganges [as prescribed by the Irrigation Department]") न बनाया जाएगा, न पुनः बनाया जाएगा (उपविधि 23.1); कि अन्य नदियों के लिए "किसी भी नदी के नदी-तट की बाहरी सीमा (जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो) से 10-15 मीटर (जहाँ क्षेत्र खुला है और विकसित नहीं, वहाँ 15 मी. तक) की भू-पट्टी के भीतर, या राज्य सरकार द्वारा विहित दूरियों के भीतर, किसी भवन के निर्माण या पुनर्निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। राज्य सरकार ऐसी नदियों की सूची अधिसूचित करेगी" ("no construction or re-construction of any building shall be allowed, within a strip of land of 10-15 metres [where area is open and not develop 15m. up to], or such distances as prescribed by the State Government, from the outer boundary of the riverfront of any river [as prescribed by the Irrigation Department]. The State Government shall notify a list of such rivers") (उपविधि 23.2); और कि "नदी की सीमा के भीतर किसी निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी" ("No construction shall be allowed within the boundary of the river") (उपविधि 23.3)। **उपविधि 23.2 के अंतर्गत नदियों की कोई सूची नहीं मिली**, इसलिए यह रेखा किसी नामित नदी पर बाध्यकारी नहीं है, और इसका 10 m या 15 m इस पर निर्भर करता है कि क्षेत्र "खुला" ("open") है या नहीं। उपविधि 23.4 किसी योजना प्राधिकरण या सरकारी निकाय को सरकार के अनुमोदन से "पुनः प्राप्त भूमि पर नदी-तट, घाटों का विकास और सौंदर्यीकरण कार्य या कोई अन्य नियोजित विकास" ("development and beautification work of riverfront, ghats or any other planned development on reclaimed lands") करने देती है, जिससे डूब क्षेत्र का भंडारण छिन सकता है। भवन उपविधि 2016 "प्राकृतिक जलमार्गों या ड्रेनों के क्षेत्रों में, जैसा विकास योजना और जल निकासी योजना में विस्तार से दिया गया है" ("In areas of natural waterways or drains, as detailed in the Development Plan, and drainage plan") (उपविधि 30.1) और किसी नगरपालिका ड्रेन के ऊपर (उपविधि 30.3) भी अनुमति देने से इनकार करती है, और नगरपालिका अधिनियम आयुक्त की अनुमति के बिना किसी नगरपालिका ड्रेन पर किसी भवन, दीवार, बाड़ या अन्य संरचना पर रोक लगाता है (धारा 235); इनमें से कोई भी चौड़ाई निर्धारित नहीं करता। अधिक चौड़ी रेखाएँ एक मास्टर प्लान में और व्यवहार में हैं: रांची में, कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के FTL से 20 m के भीतर कोई निर्माण नहीं, जो दूरी सेटबैक के रूप में नहीं गिनी जाती, और नदियों और प्राकृतिक नालों से 10–15 m (स्थान के अनुसार) के भीतर भी कोई निर्माण नहीं, जिसमें हर स्थिति में कम से कम 10 m चौड़ी पट्टी वर्जित है (रांची मास्टर प्लान 2037, 30 नवंबर 2015 की अनुमोदन अधिसूचना, शर्त 2.9); जमशेदपुर और धनबाद के मास्टर प्लान के अनुमोदनों में ऐसी कोई शर्त नहीं मिली (उनके केवल पहले पृष्ठ पढ़े गए)।

जमशेदपुर में बताया गया है कि जमशेदपुर और मानगो के अंचल अधिकारियों ने अधिकरण के निर्देशों के अनुसरण में मई 2025 में लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम के अंतर्गत स्वर्णरेखा से 15 m के भीतर 56 संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। किसी अधिसूचित आर्द्रभूमि के चारों ओर औसत उच्च बाढ़ स्तर से 50 m के भीतर कोई स्थायी निर्माण अनुमत नहीं है (आर्द्रभूमि नियम, 2017, नियम 4(2)(vi)), पर झारखंड की कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं की गई है। रांची के जलाशयों के चारों ओर उच्च न्यायालय ने आसपास के क्षेत्र को कँटीले तार से घेरकर "प्रवेश-निषिद्ध जोन" ("no-entry zone") बनाने और जलग्रहण क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया है (W.P.(PIL) No. 1463 of 2020, 31 जुलाई 2025 का आदेश, प्रकाशित खबरों के अनुसार), पर किसी दूरी की सूचना नहीं है। खनन पट्टों की अपनी रेखाएँ हैं: बताया गया है कि BCCL की एक पर्यावरण स्वीकृति अपेक्षा करती है कि जलाशयों और नदियों के निकट कोई ओवरबर्डन न डाला जाए, "कम से कम 60 मीटर का सुरक्षा अवरोधक (barrier)" ("a safety barrier of at least 60 metres") रखते हुए (CAG की 2019 की रिपोर्ट संख्या 12), और राज्य के बाहर की एक खदान के लिए 2024 की एक कोयला-खदान स्वीकृति का मूल्यांकन अभिलेख मूल्यांकन समिति द्वारा अपेक्षित 100 m के बफर के मुकाबले नदी तट से DGMS की 15 m की दूरी दर्ज करता है। खंड 7.4.7 15 m को सर्वत्र जोन 1 की न्यूनतम सीमा बनाता है।

प्रकटन. झारखंड में **जल से मीटर में एक राज्यव्यापी सांविधिक सेटबैक** है: भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23.2 के अंतर्गत **गंगा से भिन्न किसी नदी की बाहरी सीमा से 10–15 m**, जो उन नदियों पर लागू होता है जिनकी सूची **राज्य ने कभी अधिसूचित नहीं की**, और ऐसी सीमा से मापा जाता है जिसे सिंचाई विभाग को विहित करना है। रांची में **मास्टर प्लान की एक रेखा** है: **कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के FTL से 20 m, और नदियों और प्राकृतिक नालों के साथ कम से कम 10 m** (रांची मास्टर प्लान 2037, शर्त 2.9)। **डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं मिला**, और न किसी तालाब, बाँध या आहर से, या रांची के बाहर किसी नाले से, कोई दूरी मिली। खंड 7.4.3 और 7.4.7 का **15 m न्यूनतम** जोन 1, और तालिका 7.1 में उससे व्युत्पन्न प्रत्येक मान, प्रत्येक तालाब, नाले और जलमार्ग को वह ऊपरी चौड़ाई देने के लिए जो उपविधि 23.2 किसी नदी को देती है, हाइड्रोलिक कॉरिडोर के रूप में **इस मैनुअल द्वारा निर्धारित** है। इसी प्रकार खंड 7.4 के सेटबैक जोन, जोन 2 को नियंत्रित करने वाला 1% AEP विस्तार, किसी नदी की "बाहरी सीमा" ("outer boundary") और मानसून जल रेखा की इस मैनुअल की व्याख्याएँ, और खदान के गड्ढों और खदान झीलों पर शर्तें (खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ) भी इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। ये **इस मैनुअल का प्रस्ताव हैं, कोई सांविधिक चौड़ाई या नियम नहीं**, और किसी सरकारी निकाय ने न इन्हें अंगीकार किया है, न इनका समर्थन किया है। सेटबैक को **कॉरिडोर और किसी भी सांविधिक, मास्टर प्लान या न्यायालयी रेखा में से बड़े** के रूप में लागू किया जाता है, इसलिए यह मैनुअल तालाबों, नालों और जलमार्गों के किनारे **कानून से कठोर** है, और कहीं भी कम कठोर नहीं है। जो विद्यमान है, और जहाँ भी वह अधिक चौड़ा या अधिक कठोर है वहाँ लागू होता है (खंड 7.4.5), वह यह है:

- **नदियाँ (भवन उपविधि 2016, उपविधि 23).** किसी भी नदी की सीमा के भीतर कोई भवन नहीं (23.3); गंगा की सीमा के भीतर, या उसकी बाहरी सीमा से राज्य द्वारा विहित किसी अधिक दूरी के भीतर, कोई भवन नहीं (23.1); और अधिसूचित की जाने वाली सूची में शामिल किसी अन्य नदी की बाहरी सीमा से 10–15 m, या राज्य द्वारा विहित किसी दूरी, के भीतर कोई भवन नहीं (23.2)। जहाँ सूची अधिसूचित की जाती है, या WRD कोई सीमा या दूरी विहित करता है, वहाँ अधिक चौड़ी होने पर वही लागू होती है। जमशेदपुर में, अधिकरण की संयुक्त समिति ने स्वर्णरेखा पर उपविधि 23.2 और 23.3 लागू कीं, क्योंकि उसका डूब क्षेत्र निर्धारित नहीं किया गया था (NGT O.A. 145 of 2023 (EZ), 14 मार्च 2024 की रिपोर्ट, उद्धृत रूप में), और 2025 में ध्वस्तीकरण आदेशों में नदी से 15 m का प्रयोग किया गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)।
- **रांची (मास्टर प्लान 2037, शर्त 2.9).** कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के चारों ओर FTL से 20 m के भीतर कोई निर्माण नहीं, जो दूरी सेटबैक के रूप में नहीं गिनी जाती, और नदियों और प्राकृतिक नालों से, स्थान के अनुसार, 10–15 m के भीतर भी कोई निर्माण नहीं, जिसमें हर स्थिति में उनके किनारों के साथ कम से कम 10 m चौड़ी पट्टी वर्जित है। 20 m जोन 1 की न्यूनतम सीमा से अधिक चौड़ा है और तीनों डैमों के चारों ओर, जहाँ भी जोन 1 संकरा है, वहाँ लागू होता है; 10 m संकरा है और कभी अकेले लागू नहीं होता।
- **प्राकृतिक जलमार्ग और नगरपालिका ड्रेनें.** विकास योजना या जल निकासी योजना में दर्शाए गए प्राकृतिक जलमार्गों या ड्रेनों के क्षेत्रों में, या किसी नगरपालिका ड्रेन के ऊपर, कोई अनुमति नहीं (भवन उपविधि 2016, उपविधि 30.1 और 30.3); अनुमति के बिना किसी नगरपालिका ड्रेन पर कोई भवन, दीवार, बाड़ या अन्य संरचना नहीं (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 235); और सार्वजनिक तालाब और जलाशय, उनसे संलग्न उस भूमि सहित जो निजी संपत्ति नहीं है, नगरपालिका में निहित होते हैं (धारा 203)। ये जलाशय और ड्रेन का संरक्षण करते हैं, बाढ़ कॉरिडोर का नहीं; इस अध्याय के लिए संपूर्ण अभिलिखित और मानसून विस्तार जलाशय है।

- **आर्द्रभूमियाँ और उधवा.** किसी अधिसूचित आर्द्रभूमि के औसत उच्च बाढ़ स्तर से 50 m के भीतर कोई स्थायी निर्माण नहीं (आर्द्रभूमि नियम, 2017, नियम 4(2)(vi)); फरवरी 2025 तक झारखंड की कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं की गई थी, और 2023 में 44 आर्द्रभूमियों की एक प्रारूप अधिसूचना की सूचना मिली (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। उधवा झील पक्षी अभयारण्य (935.5 ha), राज्य का एकमात्र रामसर स्थल, अपनी अभयारण्य और रामसर सीमा तक संरक्षित है।
- **उच्च न्यायालय के जलाशय संबंधी आदेश.** बड़ा तालाब और कांके, धुर्वा और गेतलसूद डैम सहित रांची के जलाशयों के चारों ओर, झारखंड उच्च न्यायालय ने जलाशयों और उनके जलग्रहण क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने और आसपास के क्षेत्र को कँटीले तार से घेरकर "प्रवेश-निषिद्ध जोन" ("no-entry zone") बनाने का आदेश दिया है (W.P.(PIL) No. 1325 of 2011 के साथ W.P.(PIL) No. 1463 of 2020, 31 जुलाई 2025 का आदेश, प्रकाशित खबरों के अनुसार), और अतिक्रमण की निगरानी के लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है (अगस्त 2025, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। **न्यायालय के 2025 और 2026 के आदेश, 7 जनवरी 2026 के आदेश सहित, इस मैनुअल के लिए पढ़े नहीं गए**, और वे जो भी दूरी या FTL रेखा निर्धारित करते हैं, वह लागू होती है।
- **WRD, DVC और खदान की रेखाएँ.** WRD की नदियों, डैमों और जलाशयों, और DVC के जलाशयों, पर या उनके निकट के कार्यों के लिए अभिरक्षक का अनुमोदन आवश्यक है; किसी खदान के गड्ढे, खदान झील या खनन कार्य के निकट के कार्यों के लिए पट्टाधारी और DGMS की सम्मति आवश्यक है, और खदान के मुहाने उच्चतम बाढ़ स्तर से कम से कम 1.5 m ऊपर रखे जाते हैं (कोयला खान विनियम, 2017, विनियम 149, प्रकाशित खबरों के अनुसार)।

यह मैनुअल 15 m को न्यूनतम सीमा इसलिए निर्धारित करता है क्योंकि रांची के बाहर तालाबों और नालों के लिए कोई चौड़ाई है ही नहीं, और उपविधि 23.2 की नदी रेखा को कभी किसी सूची से नहीं जोड़ा गया; क्योंकि 15 m वह ऊपरी मान है जिसे राज्य पहले से नदियों पर लागू करता है; क्योंकि यह APWA के सबसे छोटे डिफॉल्ट धारा बफर (12 m) से ऊपर है जिससे तालिका 7.1 अनुपातित है; और क्योंकि यह उस रखरखाव मार्ग और गाद निकालने की मशीनरी के लिए स्थान छोड़ता है जिसकी नालों को आवश्यकता है। कॉरिडोर के कारण अभिलेख में दर्ज हैं: CAG ने पाया कि रांची में हरमू नदी 2009 और 2021 के बीच अतिक्रमण से करमा चौक पुल (Karma Chowk bridge) पर 18.70 m संकरी हो गई, और उसके पुनर्जीवन की परियोजना 25-वर्ष की बाढ़ के लिए डिजाइन की गई, जबकि नगरों की रक्षा करने वाले कार्यों के लिए IS 12094 की आवृत्ति 100 वर्ष है (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); उच्च न्यायालय को बताया गया कि रांची के 71 तालाबों में से केवल चार-पाँच ही दिखाई देते रह गए हैं, और कांके और धुर्वा डैम के पास कई एकड़ भूमि पर अतिक्रमण हुआ है (2024 और 2025, प्रकाशित खबरों के अनुसार); और जमशेदपुर मास्टर प्लान विद्यमान की तुलना में लगभग 94 ha कम जल क्षेत्र प्रस्तावित करता है। जब तक कोई कानून, नियम, अधिसूचना, मास्टर प्लान या न्यायालय इसे अंगीकार नहीं करता, तब तक 15 m का न्यूनतम इस मैनुअल का अनुशंसित मानक है, और ऊपर के सांविधिक, मास्टर प्लान और न्यायालयी नियंत्रण ही एकमात्र विधिक न्यूनतम बने रहते हैं। अनुमोदन प्राधिकारियों को प्रत्येक अनुमोदन में बताना चाहिए कि कौन-सा लागू किया गया।

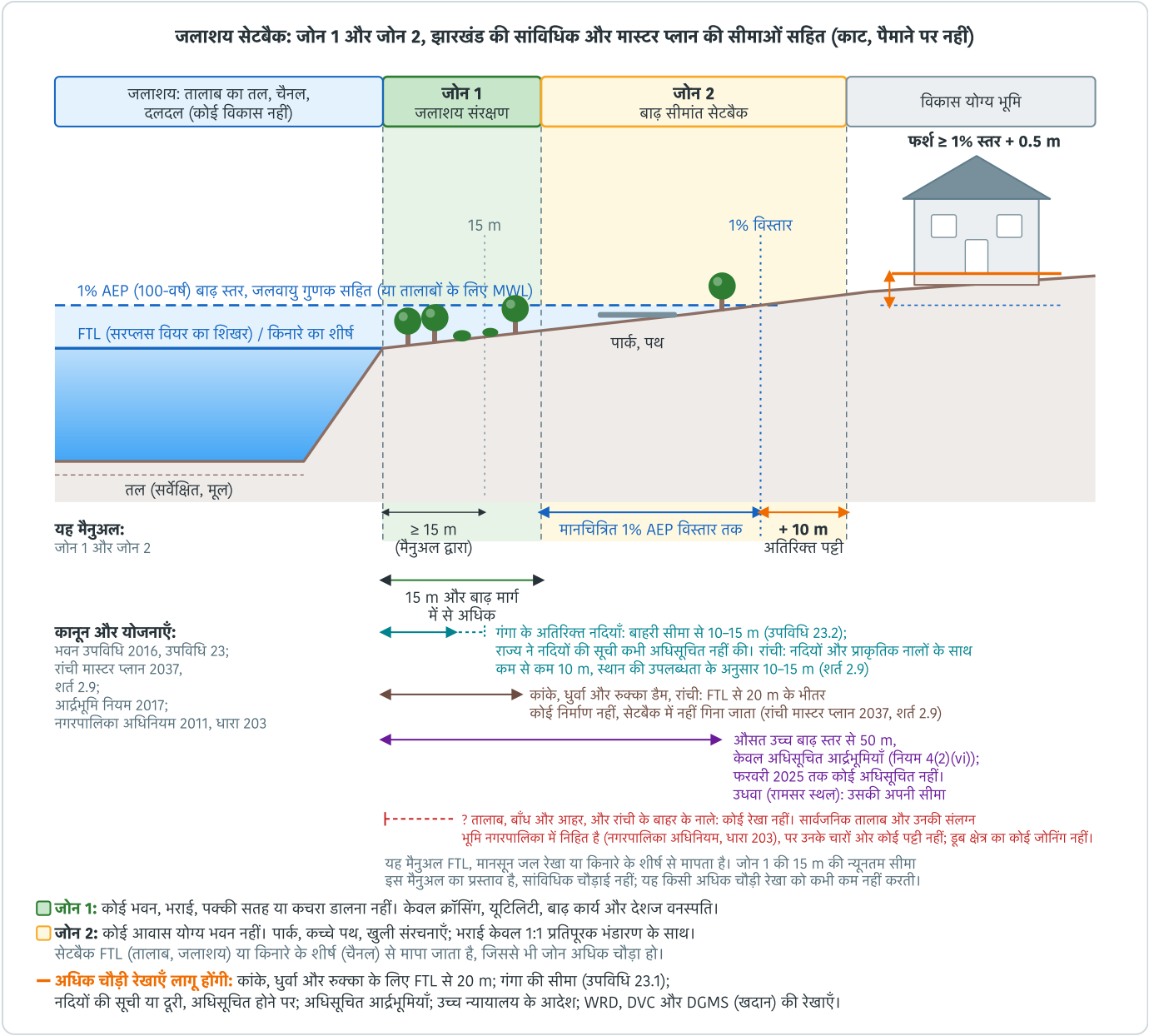

चित्र 7.1 — जलाशय के सेटबैक जोन: किसी तालाब या चैनल की अनुप्रस्थ काट जिसमें FTL, 1% AEP बाढ़ जल स्तर, 15 m न्यूनतम रेखा, जोन 1 और जोन 2 दर्शाए गए हैं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, Kansas City Metro APWA, Section 5600 Version 2025.01 और Policy Supplement (MARC, 2025) से अनुकूलित।

7.5 प्रत्येक जोन में अनुमत उपयोग

7.5.1 **जोन 1.** जोन 1 में कोई भवन, भराई, पक्की सतह, प्रतिधारक दीवार, सीमा दीवार, चारदीवारी, मिट्टी, मलबे या ठोस अपशिष्ट का ढेर, सामग्री का भंडारण, या निर्माण-चरण का ढेर नहीं रखा जाएगा। केवल निम्नलिखित अनुमत हैं, प्रत्येक अभिरक्षक के NOC के अधीन:

- (a) सड़क, रेल और उपयोगिता क्रॉसिंग जो खंड 7.10.3 की अपेक्षाएँ पूरी करती हों;
- (b) बाढ़ और जल निकासी कार्य: आउटफॉल, इनलेट संरचनाएँ, स्थूल प्रदूषक जाल, स्लूइस, सरप्लस वियर, बाँध का सुदृढ़ीकरण और किनारे का संरक्षण;
- (c) देशज वनस्पति, पौधारोपण और पर्यावास कार्य;
- (d) विद्यमान भूतल स्तर पर कच्चे या पारगम्य फुटपाथ और रखरखाव मार्ग; और

- (e) खंड 7.9 के अंतर्गत जलाशय का पुनर्स्थापन।

7.5.2 **जोन 2.** जोन 2 में कोई आवास योग्य भवन, बेसमेंट, विद्यालय, अस्पताल, ईंधन भंडार या खतरनाक सामग्री का भंडार नहीं रखा जाएगा। निम्नलिखित अनुमत हैं:

- (a) जोन 1 में अनुमत सभी उपयोग;
- (b) पार्क, खेल के मैदान, खुले खेल मैदान और शहरी कृषि;
- (c) खुले किनारों वाली संरचनाएँ (शेल्टर, मंडप) जिनमें प्रवाह को अवरुद्ध करने वाली कोई दीवार न हो;
- (d) विद्यमान भूतल स्तर पर पारगम्य सतह वाली सतही पार्किंग, जहाँ 1% AEP बाढ़ की गहराई 0.3 m से अधिक न हो;
- (e) अध्याय 4 और 8 के अंतर्गत प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण और जल गुणवत्ता सुविधाएँ, बशर्ते वे बाढ़ मार्ग के बाहर हों और उनके भंडारण को दो बार न गिना जाए (खंड 7.6.5); और
- (f) भराई, केवल (a) से (e) के लिए या आवश्यक सार्वजनिक अवसंरचना के लिए, और केवल खंड 7.6.4 के अंतर्गत प्रतिपूरक भंडारण के साथ।

7.5.3 **बाड़.** जोन 1 और जोन 2 में बाड़ खुली (चेन-लिंक या रेलिंग) होंगी, जिनमें विद्यमान भूतल स्तर से ऊपर कोई प्लिंथ दीवार नहीं होगी, ताकि वे प्रवाह को अवरुद्ध न करें या मलबा न रोकें।

7.5.4 **खुले स्थान का आरक्षण.** जहाँ प्राधिकारी सहमत हो, वहाँ जोन 2 की भूमि को भवन उपविधि 2016 द्वारा अपेक्षित खुले स्थान में गिना जा सकता है। जोन 1 की भूमि, जैसा प्राधिकारी निर्णय करे, अभिरक्षक को हस्तांतरित की जाएगी या निजी उपयोग से मुक्त रखी जाएगी।

> **भाष्य.** अनुमत उपयोग APWA 2025.01 के अनुरूप हैं: जोन 1 में केवल उपयोगिता सेवाओं और सड़कों की क्रॉसिंग; जोन 2 में रैखिक उपयोगिता सेवाएँ, पगडंडियाँ और खुले किनारों वाली संरचनाएँ; अनुमोदन के बिना किसी भी जोन में कोई सफाई, समतलन, भराई या पक्की सतह नहीं (MARC Supplement, 2025)। खंड 7.5.2 में पार्क और खेल के मैदान जोड़े गए हैं, जो वे उपयोग हैं जिनकी अनुमति URDPFI (2015) 10 वर्ष के बाढ़ जोन में देता है। खंड 7.5.1 और 7.5.3 में दीवारों पर रोक शहरी झारखंड की प्रथा को देखते हुए है: चैनलों और तालाबों के किनारे चारदीवारियाँ बाढ़ में डैम की तरह काम करती हैं, और प्रायः अतिक्रमण की ओर पहला कदम होती हैं। खंड 7.5.2(d) में पार्किंग के लिए 0.3 m की गहराई सीमा का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और यह इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

7.6 बाढ़ मार्ग, बाढ़ सीमांत क्षेत्र और प्रतिपूरक भंडारण

7.6.1 **बाढ़ मार्ग का निर्धारण.** बाढ़ मार्ग का निर्धारण 1% AEP बाढ़ (जलवायु गुणक के साथ) के हाइड्रोलिक मॉडल द्वारा, अतिक्रमण विधि (encroachment method) से किया जाएगा: बाढ़ सीमांत क्षेत्र की वहन क्षमता को दोनों किनारों से बराबर-बराबर तब तक हटाया जाता है जब तक 1% AEP जल स्तर 0.1 m न बढ़ जाए। जहाँ बाढ़ मार्ग का निर्धारण नहीं किया गया है, वहाँ संपूर्ण 1% AEP बाढ़ विस्तार को बाढ़ मार्ग माना जाएगा। तालाब के लिए, MWL से नीचे की समस्त भूमि बाढ़ मार्ग है।

7.6.2 **बाढ़ मार्ग में भराई नहीं.** बाढ़ मार्ग के भीतर 1% AEP बाढ़ जल स्तर से नीचे कोई भराई, भवन, तटबंध, ऊँची सड़क या अन्य अवरोध नहीं रखा जाएगा, सिवाय उन कार्यों के जो खंड 7.5.1(a) और (b) के अंतर्गत जोन 1 में अनुमत हैं। हाइड्रोलिक विश्लेषण द्वारा दर्शाया जाएगा कि वे कार्य आवेदक की भूमि के बाहर, प्रतिप्रवाह या अनुप्रवाह की ओर, 1% AEP जल स्तर को 0.01 m से अधिक नहीं बढ़ाते।

7.6.3 **बाढ़ सीमांत क्षेत्र में भराई.** बाढ़ सीमांत क्षेत्र में 1% AEP बाढ़ जल स्तर से नीचे भराई केवल निम्नलिखित स्थिति में अनुमत है:

- (a) खंड 7.5.2 के अंतर्गत अनुमत उपयोगों के लिए, या सेटबैक के बाहर जहाँ प्राधिकारी ने खंड 7.6.6 के अंतर्गत विकसित सीमांत क्षेत्र (developed-fringe area) अधिसूचित किया है; और
- (b) खंड 7.6.4 के अंतर्गत प्रतिपूरक भंडारण के साथ।

7.6.4 **प्रतिपूरक भंडारण.** जहाँ बाढ़ सीमांत क्षेत्र में भराई की जाती है, वहाँ ऐसा प्रतिपूरक भंडारण उपलब्ध कराया जाएगा जो (चित्र 7.2):

- (a) 1% AEP बाढ़ जल स्तर से नीचे की गई **प्रत्येक 1.0 m^3 भराई के लिए कम से कम 1.0 m^3 भंडारण** का प्रतिस्थापन करे;
- (b) **समतुल्य स्तरों** पर उपलब्ध कराया जाए: सामान्य जल स्तर (या, जहाँ अधिक हो, 50% AEP स्तर) से 1% AEP बाढ़ जल स्तर तक, **0.3 m** से अधिक मोटाई की न होने वाली प्रत्येक ऊँचाई पट्टी (elevation band) में खोए गए आयतन और प्रतिस्थापित आयतन को संतुलित किया जाएगा;
- (c) उसी जलाशय की उसी भाग (reach) में हो, उससे हाइड्रोलिक रूप से जुड़ा हो, और भराई से अधिक अनुप्रवाह की ओर न हो;
- (d) बाढ़ उतरने पर गुरुत्व से स्वतंत्र रूप से जलाशय में वापस खाली हो, बिना पंपिंग के और सामान्य जल स्तर से नीचे किसी स्थायी जल-भंडार के बिना;
- (e) भराई किए जाने से पहले या उसी समय बनाया जाए; और
- (f) प्रसंविदा (covenant) या हस्तांतरण द्वारा सुरक्षित किया जाए ताकि उसे बाद में कभी भरा न जाए।

7.6.5 **दोहरी गणना नहीं.** प्रतिपूरक भंडारण को अध्याय 4 के अंतर्गत अस्थायी भंडारण या प्रतिधारण भंडारण के रूप में नहीं गिना जाएगा। 1% AEP बाढ़ विस्तार के भीतर रखे गए अस्थायी भंडारण और प्रतिधारण भंडारण को केवल 1% AEP बाढ़ जल स्तर से ऊपर के आयतन के लिए गिना जाएगा, जब तक कि संयुक्त घटना का मॉडल (खंड 2.12) यह न दर्शाए कि वह उपलब्ध है।

7.6.6 **विकसित सीमांत क्षेत्र.** प्राधिकारी, मानचित्र द्वारा, 1% AEP बाढ़ विस्तार के भीतर पर बाढ़ मार्ग के बाहर विद्यमान निर्मित भूमि के ऐसे क्षेत्र अधिसूचित कर सकता है जहाँ पुनर्विकास पर जोन 2 लागू करना व्यावहारिक नहीं है। किसी अधिसूचित विकसित सीमांत क्षेत्र में:

- (a) पुनर्विकास का अनुमोदन जोन 2 के प्रतिबंध के बिना किया जा सकता है;
- (b) सबसे निचला आवास योग्य तल और सभी खुले भाग 1% AEP बाढ़ जल स्तर से कम से कम 0.5 m ऊपर होंगे (अध्याय 6);
- (c) बेसमेंट अनुमत नहीं हैं;
- (d) पुनर्विकास से 1% AEP बाढ़ जल स्तर से नीचे बाढ़ भंडारण की कोई शुद्ध हानि नहीं होगी (खंड 7.6.4), और इसके लिए स्टिल्ट निर्माण का उपयोग किया जा सकता है; और
- (e) जोन 1 पूर्ण रूप से लागू रहता है।

> **भाष्य.** समतुल्य स्तरों पर 1:1 प्रतिपूरक भंडारण इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। केवल आयतन का संतुलन पर्याप्त नहीं है: सामान्य जल स्तर से नीचे खोदा गया भंडारण बाढ़ आने से पहले ही भरा होता है और बाढ़ में कोई लाभ नहीं देता। ऊपर प्राप्त भंडारण नीचे खोए भंडारण का स्थान नहीं लेता, क्योंकि निचला भंडारण हर बाढ़ में उपयोग होता है और ऊपरी भंडारण केवल सबसे बड़ी बाढ़ में। प्रत्येक ऊँचाई पट्टी के भीतर आयतन का संतुलन दोनों समस्याओं से बचाता है। 0.3 m की पट्टी, क्रॉसिंग के लिए 0.01 m की छूट-सीमा, और खंड 7.6.1 में अतिक्रमण विधि का उपयोग इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं; अतिक्रमण विधि एक-आयामी हाइड्रोलिक मॉडल में बाढ़ मार्ग निर्धारित करने का मानक तरीका है। 1% AEP जल स्तर में वृद्धि पर 0.1 m की सीमा अमेरिका के National Flood Insurance Program द्वारा प्रयुक्त 1 ft (लगभग 0.3 m) से अधिक कठोर है। पठार के घाटी-तल और निचली (दोन) धान भूमि, झारखंड के शहरी जलाशयों और तालाबों के अग्रतट, और साहिबगंज और राजमहल में गंगा का डूब क्षेत्र समतल हैं, इसलिए स्तर में छोटी-सी वृद्धि भी बाढ़ को बड़े क्षेत्र पर फैला देती है, और एक ही चैनल के किनारे कई छोटे अतिक्रमण मिलकर बड़े हो जाते हैं।
>
> झारखंड में प्रवृत्त एकमात्र जलाशय रेखा किसी ऊँचे स्तर से मापी जाती है, शुष्क ऋतु की जल रेखा से नहीं: रांची मास्टर प्लान 2037 की शर्त 2.9 अपना 20 m कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के पूर्ण जल स्तर (Full Tank Level) से मापती है, और आर्द्रभूमि नियम, 2017 अपना 50 m औसत उच्च बाढ़ स्तर से मापते हैं। उपविधि 23.2 की रेखा "नदी-तट की बाहरी सीमा" ("the outer boundary of the riverfront") से मापी जाती है, जिसे सिंचाई विभाग को विहित करना है और जिसे उसने विहित नहीं किया है, इसलिए उसका कोई नियत आरंभ बिंदु नहीं है। पठार पर यह अंतर महत्वपूर्ण है, जहाँ उथली घाटी में बना जलाशय थोड़ी-सी वृद्धि पर दूर तक फैल जाता है: उच्च न्यायालय को बताया गया है कि कांके और धुर्वा डैम की क्षमता घट गई है और उनके पास कई एकड़ भूमि पर अतिक्रमण हुआ (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और शुष्क ऋतु के किनारे से खींची गई रेखा उस अग्रतट को भवन निर्माण के लिए खुला छोड़ देगी जिसे जलाशय हर भारी मानसून में जलमग्न करता है।

यह मैनुअल इसी नियम को प्रत्येक तालाब, बाँध और जलाशय के लिए एक स्तर देता है: उसकी मानसून जल रेखा और उसका FTL उसकी सीमा के भाग हैं (खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ), और MWL तक का अग्रतट उसका बाढ़ भंडारण है। MWL से नीचे की समस्त भूमि को बाढ़ मार्ग मानने (खंड 7.6.1) का अर्थ है कि किसी तालाब के अग्रतट में कोई नया भवन या भराई अनुमोदित नहीं की जाती।

खंड 7.6.6 की विकसित सीमांत क्षेत्र व्यवस्था इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। रांची के बड़े भाग, जैसे हरमू नदी के किनारे की कॉलोनियाँ, जिसके चैनल को CAG ने करमा चौक (Karma Chowk) पर अतिक्रमण से 18.70 m संकरा पाया, और बहुबाजार और कांके रोड की निचली कॉलोनियाँ, जो 2022 और 2025 में जलमग्न हुईं (प्रकाशित खबरों के अनुसार), स्वर्णरेखा और खरकई पर जमशेदपुर, मानगो, बागबेड़ा और जुगसलाई की नदी-किनारे की कॉलोनियाँ, जो जून 2008 में और फिर 2025 में जलमग्न हुईं (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और गंगा पर साहिबगंज के नदी-किनारे के वार्ड, पहले से ही 1% AEP विस्तार के भीतर हैं। वहाँ पुनर्विकास पर जोन 2 की सर्वव्यापी रोक पुराने, निचले भवनों के स्थान पर बाढ़ स्तर से ऊपर उठाए गए भवन बनाने को रोक देगी। यह व्यवस्था 25 वर्ष के बाढ़ जोन के लिए URDPFI (2015) की पद्धति (स्टिल्ट, न्यूनतम प्लिंथ, बेसमेंट नहीं) के अनुरूप है, जिसे यहाँ 1% AEP विस्तार पर लागू किया गया है।

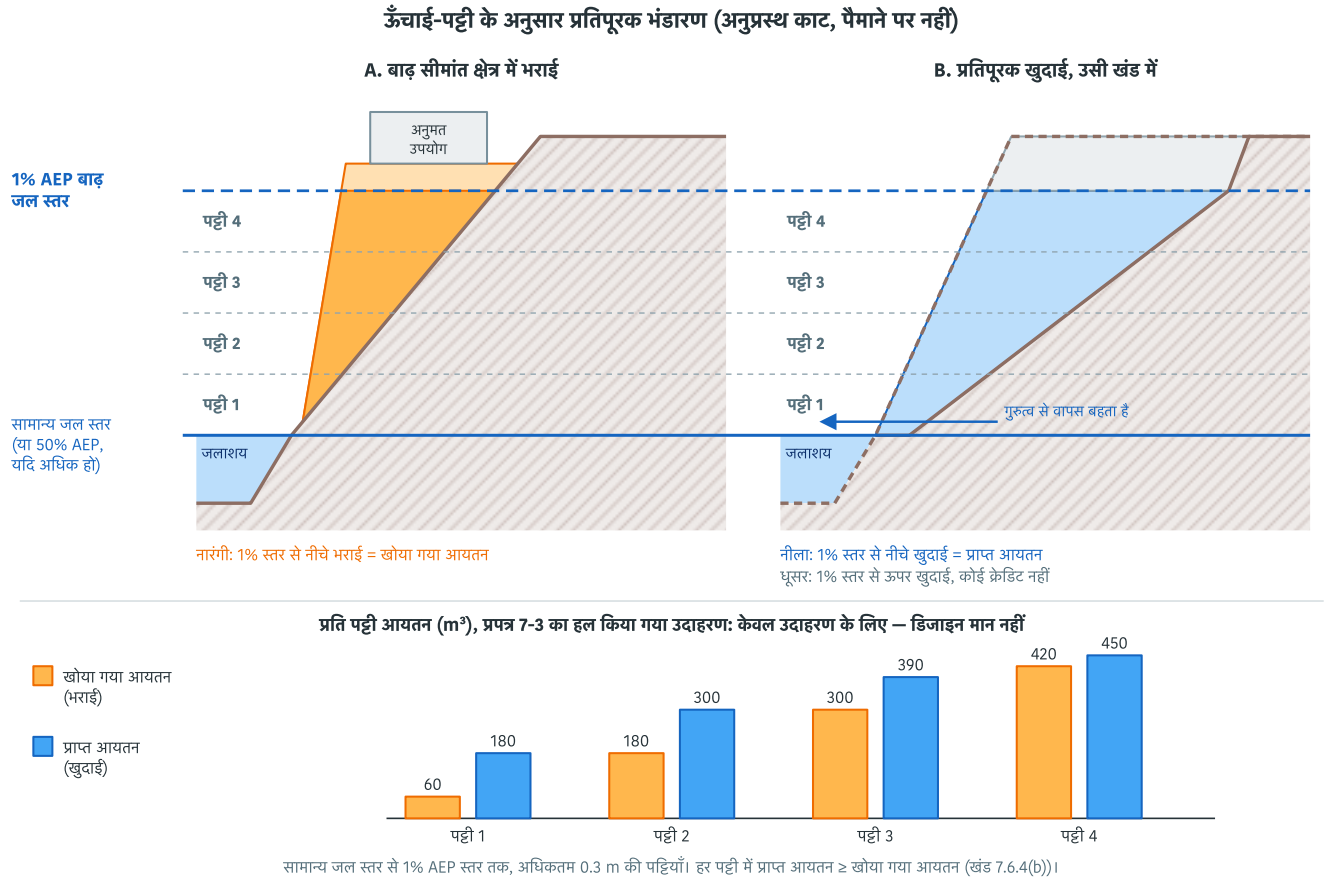

चित्र 7.2 — ऊँचाई पट्टी के अनुसार प्रतिपूरक भंडारण: बाढ़ सीमांत क्षेत्र की अनुप्रस्थ काट, जिसमें 1% AEP बाढ़ जल स्तर से नीचे की गई भराई और सामान्य जल स्तर (या 50% AEP स्तर) से 1% AEP स्तर तक, 0.3 m से अधिक मोटाई की न होने वाली प्रत्येक पट्टी के भीतर खोदा गया बराबर या अधिक आयतन दर्शाया गया है, और खुदाई गुरुत्व से जलाशय में वापस खाली होती है। पट्टी-दर-पट्टी गणना प्रपत्र 7-3 पर। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, जो खंड 7.6.4 की विधि को दर्शाती है, जो इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

7.7 डिजाइन भंडारण के रूप में तालाब शृंखलाएँ

झारखंड में तालाबों के लिए कोई अधिनियम नहीं है, और उसके भंडारण कुछ मीटर चौड़े खोदे गए डोभों (dobha) से लेकर गेटयुक्त डैमों से रोके गए नदी जलाशयों तक हैं। शहरी जल निकासी के लिए महत्वपूर्ण भंडारण छह प्रकार के हैं। पहला शहरी और ग्रामीण तालाब (talab) या पोखर (pokhar) है, जिसमें सामान्यतः कोई आउटलेट संरचना नहीं होती, जो राजस्व अभिलेखों में अभिलिखित होता है या, किसी नगरपालिका के भीतर, अपनी संलग्न भूमि सहित उसमें निहित होता है (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 203); रांची का बड़ा तालाब, जो 1842 में बना (प्रकाशित खबरों के अनुसार), बिना शोधन का सीवेज प्राप्त करता है, और उसके लिए एक शोधन संयंत्र के बारे में बताया गया कि वह "सितंबर, 2021 से स्थापना की प्रक्रिया में है" ("under process of its installation since September, 2021") (2022 में उच्च न्यायालय के समक्ष बताए गए अनुसार)। धनबाद की जल निकासी परियोजना ने दस प्रमुख तालाबों, जैसे पंपू तालाब (Pampu pond) और लोको तालाब (Loco talab), को अपनी वर्षा जल ड्रेनों से जोड़ने का प्रस्ताव किया, जिनमें अंतर्वाह गाद-जालों (silt traps) से होकर और अतिप्रवाह एक आउटलेट वियर के ऊपर से हो, ताकि उसके 94 आउटफॉलों में से 19 तालाबों में पानी छोड़ें (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017)। दूसरा बाँध (bandh) है, अर्थात किसी ढलान के आर-पार मिट्टी के बाँध से रोका गया तालाब, और पलामू और चतरा के मैदानों का आहर (ahar)। तीसरा गेटयुक्त डैम से रोका गया शहरी जलाशय है, जो शहर के नालों का पानी लेता है और उसे जलापूर्ति करता है: रांची में कांके (लगभग 1955), धुर्वा या हटिया (1962–63) और गेतलसूद (1971, स्वर्णरेखा पर, लगभग 717 km^2 के जलग्रहण क्षेत्र और CWC की सूची में 590.06 m के FRL के साथ), और जमशेदपुर में डिमना झील, जिसे टाटा स्टील ने 1940–44 में बनाया (CWC के स्तर को छोड़कर सभी प्रकाशित खबरों के अनुसार)। ये वे तालाब हैं जिनके लिए चित्र 7.3 और खंड 7.7 और 7.8 सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, और इनमें से किसी का भी कोई प्रचालन नियम प्रकाशित नहीं किया गया। चौथा DVC (तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत) और राज्य (तेनुघाट और चांडिल) के नदी जलाशय हैं, जिनसे छोड़ा गया पानी दामोदर और स्वर्णरेखा की बाढ़ों का मुख्य कारण बनता है; वे इन खंडों के लिए तालाब नहीं हैं, और उनसे छोड़ा गया पानी डिजाइन में अंतर्वाह और टेलवाटर के रूप में आता है (अध्याय 5)। पाँचवाँ डोभा है, राज्य के कार्यक्रम का खेत का छोटा तालाब, लगभग 3 m प्रत्येक दिशा में (प्रकाशित खबरों के अनुसार), जो कुछ ही वर्षों में गाद से भर जाता है और अपनी सीढ़ियाँ खो देता है (प्रकाशित खबरों के अनुसार); डोभों का मॉडल जलग्रहण क्षेत्र की विद्यमान संरचनाओं के रूप में बनाया जाता है, पर उनका भंडारण नहीं गिना जाता (खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ)। छठा कोयला क्षेत्रों का खदान का गड्ढा और खदान झील है: बंद करने के दिशानिर्देश रखे गए खदान के गड्ढे को "जलाशय" ("Water Body") या "गड्ढे के पास जल भंडार" ("Water Reservoir near pit") मानते हैं (कोयला मंत्रालय, 29 मई 2020 के दिशानिर्देश), कुछ परित्यक्त गड्ढों का उपयोग आसपास का समुदाय जलाशयों के रूप में और मछली के लिए करता है (BCCL की स्वीकृति-अनुपालन रिपोर्टें, खोज के उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में), और CCL ने लगभग 721 मिलियन गैलन पानी रखने वाले एक खदान-गड्ढे (quarry) की सूचना दी है (मूल्यांकन समिति के समक्ष अभिलिखित रूप में); खदान झील को खंड 7.2 के बाद की परिभाषाओं के अंतर्गत माना जाता है। खंड 7.7 और 7.8 इनमें से किसी पर भी लागू होते हैं जिसका भंडारण गिना जाता है; जिस भी शहरी जलाशय, बाँध या खदान झील का भंडारण गिना जाना है, उस पर WRD, नगरपालिका, पट्टाधारी या अन्य अभिरक्षक के साथ खंड 7.7.1 पूर्ण रूप से लागू होता है, और सूची (परिशिष्ट 7A) के लिए प्रत्येक जलाशय और तालाब के अभिरक्षक की पुष्टि की जाएगी।

7.7.1 **तालाब का भंडारण कब गिना जा सकता है.** किसी तालाब या तालाब शृंखला के भंडारण को डिजाइन भंडारण के रूप में (किसी बेसिन प्लान, क्षेत्रीय सुविधा या खंड 7.11 के अंतर्गत एवज शुल्क योजना में) **केवल** तभी गिना जा सकता है जब निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी हों:

- (a) **सर्वेक्षित स्तर.** FTL, MWL, TBL, सरप्लस वियर का शिखर और लंबाई, और स्लूइस के सिल स्तरों का सर्वेक्षण पिछले 5 वर्षों के भीतर खंड 7.3.5 के डेटम पर किया गया हो।
- (b) **जल स्तर–भंडारण वक्र.** पिछले 5 वर्षों के भीतर, या पिछली बार गाद निकालने के बाद, इनमें से जो बाद में हो, जल-फैलाव क्षेत्र और अग्रतट के जल-गहराई (bathymetric) और स्थलाकृतिक सर्वेक्षण से जल स्तर–भंडारण वक्र (stage–storage curve) व्युत्पन्न किया गया हो।
- (c) **प्रचालन नियम.** अभिरक्षक के साथ एक दस्तावेजित प्रचालन नियम पर सहमति हुई हो (खंड 7.8)।
- (d) **अनुरक्षित संरचनाएँ.** सरप्लस वियर, स्लूइस और बाँध का रखरखाव O&M योजना (अध्याय 10) के अंतर्गत किया जाता हो, और नवीनतम मानसून-पूर्व निरीक्षण में वे सेवा योग्य पाए गए हों।
- (e) **अभिरक्षक की सहमति.** WRD, या अन्य अभिरक्षक, लिखित में सहमति देता है।

जो तालाब (a) से (e) में से किसी शर्त को पूरा नहीं करता, उसका भंडारण नहीं गिना जाएगा, यद्यपि उस तालाब का मॉडल फिर भी एक विद्यमान संरचना के रूप में बनाया जाएगा (अध्याय 3)।

7.7.2 **मॉडलिंग.** तालाब शृंखलाओं का मॉडल खंड 3.12.5 (प्रत्येक तालाब की स्तर-ताल रूटिंग, सरप्लस वियर और स्लूइस के हेड–प्रवाह दर संबंधों के साथ) और खंड 3.13 (सतत सिमुलेशन) के अंतर्गत बनाया जाएगा। संपूर्ण शृंखला का, सबसे ऊपरी उस तालाब से जिसका अतिरिक्त जल साइट या सुविधा तक पहुँच सकता है, अगली नदी, प्रमुख ड्रेन या समुद्री आउटफॉल तक, एक साथ मॉडल बनाया जाएगा, जिसमें पठार पर साइट के ऊपर की ढलान का प्रत्येक डोभा और तालाब और वह तालाब या शहरी जलाशय जिसमें उसका पानी जाता है, अपने FTL, MWL और स्लूइस के साथ, जलाशय के स्तर को अंतर्वाही नालों का टेलवाटर मानते हुए, और कोयला क्षेत्र में जलग्रहण क्षेत्र की प्रत्येक खदान झील और ओवरबर्डन डंप, शामिल होंगे, और खदान झील का मॉडल विद्यमान संरचना के रूप में बनाया जाएगा पर खंड 7.2 के बाद की परिभाषाओं के अंतर्गत के सिवाय उसे भंडारण के रूप में नहीं गिना जाएगा या आउटफॉल के रूप में उपयोग नहीं किया जाएगा, जैसा चित्र 7.3 में दर्शाया गया है।

7.7.3 **प्रारंभिक स्तर.** डिजाइन वर्षा घटना के विश्लेषण के लिए प्रत्येक तालाब में प्रारंभिक स्तर **FTL** होगा। इससे निचले प्रारंभिक स्तर का उपयोग केवल ऐसे बाढ़ कुशन प्रचालन नियम के अंतर्गत किया जा सकता है जो खंड 7.8 की अपेक्षाएँ पूरी करता हो।

7.7.4 **डिजाइन अधिकतम स्तर.** जलवायु गुणक के साथ, शृंखला से होकर रूट किए गए 1% AEP अंतर्वाह के लिए:

- (a) परिकलित अधिकतम स्तर MWL (जैसा खंड 7.2 में परिभाषित है) से ऊँचा नहीं होगा; और
- (b) परिकलित अधिकतम स्तर से बाँध के सबसे निचले बिंदु (TBL) तक का फ्रीबोर्ड उस तालाब के लिए WRD के फ्रीबोर्ड मानक से कम नहीं होगा।

जहाँ (a) या (b) पूरा नहीं होता, वहाँ FTL से ऊपर का तालाब भंडारण तब तक नहीं गिना जाएगा जब तक खंड 7.7.6 के अंतर्गत सरप्लस वियर की क्षमता नहीं बढ़ाई जाती या बाँध ऊँचा नहीं किया जाता।

7.7.5 **क्रेडिट योग्य आयतन.** किसी तालाब का क्रेडिट योग्य डिजाइन भंडारण प्रारंभिक स्तर (खंड 7.7.3) और खंड 7.7.4 के परिकलित अधिकतम स्तर के बीच का आयतन है, जिसमें से किसी अन्य सुविधा या योजना के लिए पहले से प्रतिबद्ध आयतन घटा दिया जाता है।

7.7.6 **FTL, वियर और बाँधों में परिवर्तन.** कोई सरप्लस वियर का शिखर ऊँचा या नीचा नहीं किया जाएगा, कोई शटर या फॉलिंग बोर्ड नहीं जोड़े जाएँगे, और कोई बाँध ऊँचा नहीं किया जाएगा, काटा नहीं जाएगा या तोड़ा नहीं जाएगा, सिवाय अभिरक्षक द्वारा अनुमोदित ऐसे डिजाइन के अंतर्गत जो:

- (a) खंड 7.7.2 के अंतर्गत शृंखला की रूटिंग करता हो;
- (b) अग्रतट में और प्रतिप्रवाह की ओर बाढ़ स्तरों पर, और अतिरिक्त जल मार्ग में तथा अनुप्रवाह की ओर प्रवाहों पर प्रभाव दर्शाता हो; और
- (c) खंड 7.14 के अंतर्गत बाँध की जाँच करता हो।

> **भाष्य.** यह मैनुअल तीन मूल शर्तों (सर्वेक्षित FTL, दस्तावेजित प्रचालन नियम और अनुरक्षित सरप्लस वियर) के अधीन तालाब शृंखलाओं को डिजाइन भंडारण के रूप में उपयोग करने देता है। खंड 7.7.1 जल स्तर–भंडारण सर्वेक्षण और अभिरक्षक की सहमति जोड़ता है, क्योंकि कोई तालाब वास्तव में कितना भंडारण देता है यह उसके गाद स्तर पर और इस पर निर्भर करता है कि स्लूइस किसके नियंत्रण में हैं। 5 वर्ष का सर्वेक्षण अंतराल इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।
>
> FTL का प्रारंभिक स्तर खंड 3.12.5 के अनुरूप है। झारखंड की सबसे बुरी शहरी बाढ़ें तब आई हैं जब जलाशय भरे थे और पानी छोड़ रहे थे। जून 2008 में जमशेदपुर में 48 घंटों में 250 mm से अधिक वर्षा हुई, मौसम कार्यालय ने 338.1 mm दर्ज की (माप की अवधि स्पष्ट नहीं है), ओडिशा में खरकई के डैम के गेट खोले जाने के बाद खरकई और स्वर्णरेखा अपने खतरे के स्तर से ऊपर चढ़ गईं, और 500 से अधिक घर जलमग्न हुए; SANDRP इस बाढ़ का कारण आंशिक रूप से चांडिल जलाशय के संचालन को बताता है (सभी प्रकाशित खबरों के अनुसार)। 17 अगस्त 2016 को चांडिल ने अपने 18 में से 13 गेट खोले (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और अगस्त 2025 में वह 181.22 m के स्तर पर ग्यारह गेटों से पानी छोड़ रहा था (प्रकाशित खबरों के अनुसार), जबकि CWC ने उसका FRL 2022 में 189 m और 2018 में 192 m

सूचीबद्ध किया। दामोदर पर, 17 सितंबर 2024 को DVC के जलाशयों से लगभग 2.5 लाख क्यूसेक का संयुक्त चरम निकास हुआ, जब पंचेत 425.22 ft पर था, जबकि राज्य के तेनुघाट डैम से लगभग 85,000 क्यूसेक छोड़ा गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। इस मैनुअल के लिए ऐसा कोई जल स्तर–समय आलेख (hydrograph) प्राप्त नहीं हुआ जो दर्शाए कि वर्षा के किसी लंबे दौर में रांची के जलाशय कितने समय तक FTL पर या उससे ऊपर रहते हैं, और कांके और धुर्वा के FTL केवल समाचार माध्यमों में, फीट में और बिना किसी बताए गए डेटम के, मिले। जब कोई शहरी जलाशय या तालाब भरा होता है, तब वह FTL से नीचे और कुछ भंडारित नहीं करता, उसके अंतर्वाही नाले ऊँचे जल स्तर के विरुद्ध पानी छोड़ते हैं, और हर निकास डैम के नीचे के नाले या नदी के प्रवाह में जुड़ता है। तालाब शृंखला बाढ़ को एक तालाब से अगले तालाब तक पहुँचाती है, इसलिए जो डिजाइन एक तालाब में भंडारण गिनता है और उसके ऊपर के तालाब से आने वाले अतिरिक्त जल की उपेक्षा करता है, वह लाभ को बढ़ा-चढ़ाकर आँकेगा। इसीलिए खंड 7.7.2 संपूर्ण शृंखला का मॉडल बनाने की अपेक्षा करता है।

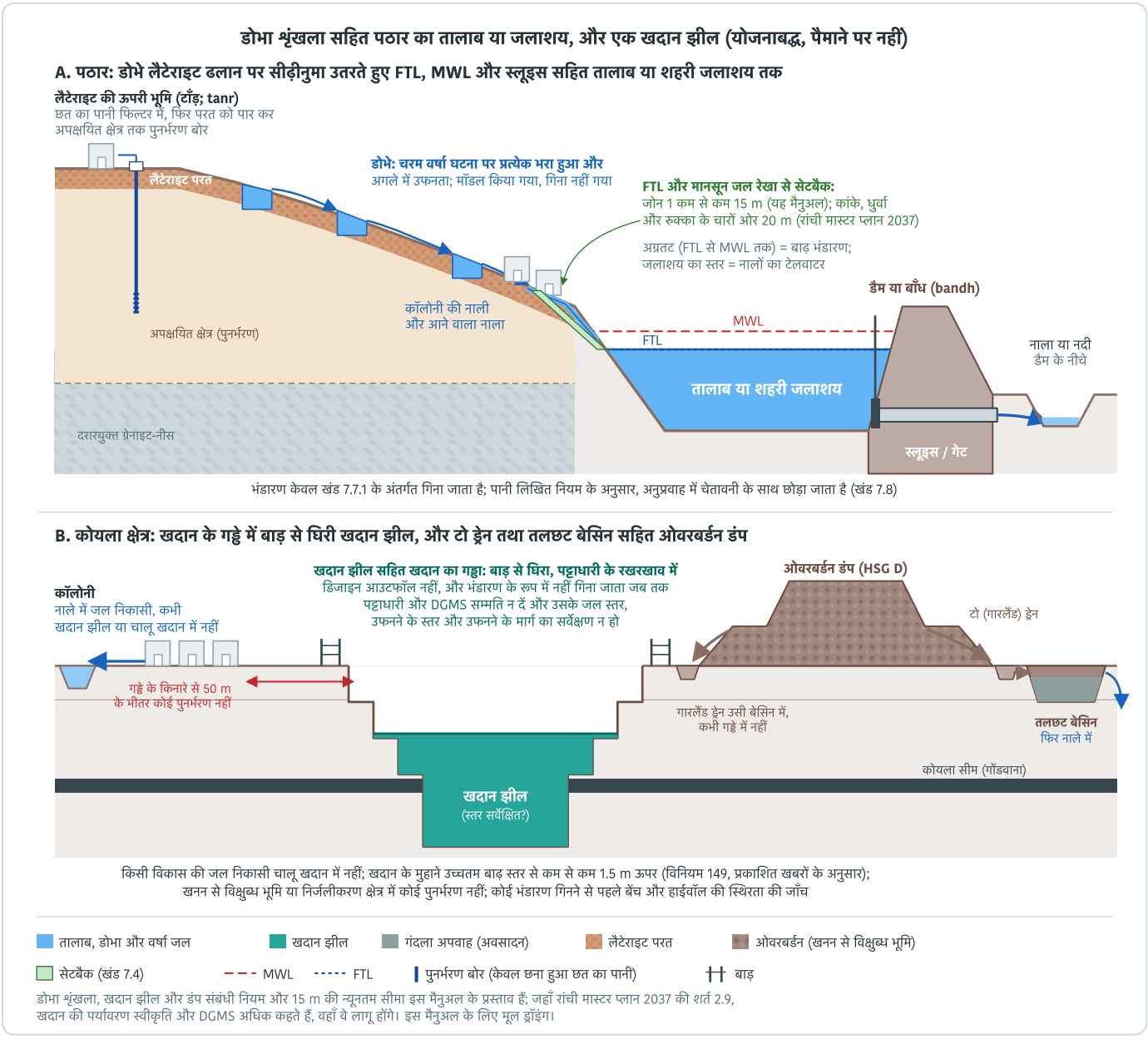

चित्र 7.3 — डोभा शृंखला और खदान झील सहित पठार का तालाब या शहरी जलाशय (योजनाबद्ध, पैमाने पर नहीं; कोई विशेष जलाशय नहीं दर्शाया गया है)। A: अनुप्रस्थ काट में, लैटेराइट की ऊपरी भूमि (टाँड़; tanr) पर हुई वर्षा ढलान से नीचे डोभों की एक शृंखला से होकर बहती है, जिनमें से प्रत्येक चरम वर्षा घटना के समय तक भरा होता है और अगले में छलकता है, और कॉलोनी की ड्रेनों (nali) और नालों से होकर किसी तालाब या शहरी जलाशय तक पहुँचती है, जो अपने FTL तक पानी रोकता है, MWL तक अपने अग्रतट को जलमग्न करता है, और किसी स्लूइस या गेटों से नीचे के नाले या नदी में पानी छोड़ता है; डोभों का मॉडल जलग्रहण क्षेत्र की विद्यमान संरचनाओं के रूप में बनाया जाता है पर उनका भंडारण

नहीं गिना जाता, जलाशय का भंडारण केवल खंड 7.7.1 के अंतर्गत गिना जाता है, और जलाशय का स्तर अंतर्वाही नालों का टेलवाटर है (अध्याय 5)। एक पुनर्भरण बोर लैटेराइट परत से होकर उसके नीचे के अपक्षयित क्षेत्र तक जाता है, केवल छने हुए छत के पानी के लिए (खंड 8.8.1)। B: कोयला क्षेत्र में, खदान के गड्ढे में बनी खदान झील बाड़ से घिरी होती है और उसका रखरखाव उसका पट्टाधारी करता है; वह डिजाइन आउटफॉल नहीं है और उसका भंडारण तब तक नहीं गिना जाता जब तक पट्टाधारी और DGMS सम्मति न दें और उसके जल स्तर, अतिप्रवाह स्तर और अतिप्रवाह मार्ग का सर्वेक्षण न हो, कोई विकास किसी चालू खनन कार्य में जल निकासी नहीं करता, और गड्ढे के किनारे से 50 m के भीतर या जल-निष्कासन क्षेत्र में कोई पुनर्भरण नहीं किया जाता; उसके बगल के ओवरबर्डन डंप से आने वाला अपवाह, जिसमें तलछट अधिक होती है, किसी शहरी ड्रेन या नाले तक पहुँचने से पहले उसकी टो (गारलैंड) ड्रेन और एक तलछट बेसिन से होकर गुजरता है (खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ; खंड 8.12)। शृंखला, खदान झील और डंप के नियम, मानसून जल रेखा और 15 m का न्यूनतम इस मैनुअल के प्रस्ताव हैं; कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के चारों ओर रांची मास्टर प्लान 2037 की शर्त 2.9 की 20 m की रेखा, किसी खदान की पर्यावरण स्वीकृति और DGMS की अपेक्षाएँ, जहाँ वे अधिक कहती हैं, वहाँ लागू होती हैं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग।

7.8 प्रचालन नियम और मानसून-पूर्व बाढ़ कुशन

7.8.1 **प्रचालन नियम की विषय-वस्तु.** जिस भी तालाब का भंडारण खंड 7.7 के अंतर्गत गिना जाता है, उसका एक लिखित प्रचालन नियम होगा, जिस पर अभिरक्षक की सहमति हो और जिसे O&M योजना (अध्याय 10) के साथ रखा जाए। उसमें निम्नलिखित बताया जाएगा:

- (a) वर्ष भर भरने, रोके रखने और जल स्तर घटाने के स्तर और तिथियाँ;
- (b) प्रत्येक स्तर पर स्लूइस और रेगुलेटर की सेटिंग;
- (c) स्लूइस और रेगुलेटर कौन संचालित करता है, और पानी छोड़ने का आदेश कौन दे सकता है;
- (d) अधिकतम निकास दर, जो इस प्रकार निर्धारित हो कि छोड़ा गया पानी, अनुप्रवाह के जलग्रहण क्षेत्र के प्रवाह के साथ मिलकर, अनुप्रवाह की ओर भवनों में बाढ़ न लाए;
- (e) पूर्वानुमान और चेतावनी के प्रारंभक (IMD की जिला चेतावनियाँ, JSDMA की चेतावनियाँ (alerts), और जहाँ उपलब्ध हों वहाँ शहर की पूर्वानुमान प्रणालियाँ) और प्रत्येक प्रारंभक पर की जाने वाली कार्रवाइयाँ;
- (f) पानी छोड़ने से पहले अनुप्रवाह के ULB और निवासियों से संवाद; और
- (g) रखे जाने वाले अभिलेख: दक्षिण-पश्चिम मानसून में दैनिक स्तर, छोड़ा गया पानी, और गेट की सेटिंग।

7.8.2 **बाढ़ कुशन.** किसी तालाब को बाढ़ कुशन (दक्षिण-पश्चिम मानसून के कुछ भाग के दौरान FTL से नीचे का स्तर) के साथ संचालित किया जा सकता है, और कुशन को खंड 7.7.3 के अंतर्गत गिना जा सकता है, केवल तभी जब:

- (a) तालाब में गेटयुक्त स्लूइस, रेगुलेटर या अन्य नियंत्रणीय आउटलेट हो जो नियम में बताए गए समय में तालाब को कुशन स्तर तक खाली कर सके;
- (b) प्रचालन नियम कुशन स्तर और उसके लागू होने की तिथियाँ नियत करता हो;
- (c) सतत सिमुलेशन (खंड 3.13) यह दर्शाए कि अभिलेख के कम से कम **90%** दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुओं में डिजाइन वर्षा घटना के आरंभ में कुशन उपलब्ध है, चरम वर्षा घटना से पहले सामान्यतः होने वाली वर्षा को ध्यान में रखते हुए;
- (d) अभिरक्षक सिंचाई या जल आपूर्ति की उपज की किसी हानि को स्वीकार करता हो, और कोई सहमत क्षतिपूर्ति अभिलिखित हो; और
- (e) कुशन बनाने या पुनः बनाने के लिए आवश्यक छोड़ा जाने वाला पानी खंड 7.8.1(d) की अपेक्षाएँ पूरी करता हो।

7.8.3 **नियंत्रण के बिना भंडारण क्रेडिट नहीं.** जहाँ किसी तालाब में कोई नियंत्रणीय आउटलेट नहीं है, वहाँ कोई बाढ़ कुशन नहीं माना जाएगा, पिछली प्रथा जो भी रही हो।

7.8.4 **समन्वय.** WRD के नियंत्रण वाले तालाबों के लिए, प्रचालन नियम WRD का नियम होगा। यह मैनुअल किसी अन्य निकाय को WRD के तालाब का संचालन करने के लिए प्राधिकृत नहीं करता।

भाष्य. झारखंड के किसी तालाब (talab) या शहरी जलाशय के लिए बाढ़ कुशन रखने वाला कोई प्रचालन नियम नहीं मिला, और अधिकांश तालाबों और सभी डोभों (dobha) में कोई नियंत्रणीय आउटलेट नहीं है, इसलिए खंड 7.8.3 उन पर लागू होता है। शहरों में महत्वपूर्ण नियंत्रित प्रवाह गेटयुक्त जलाशयों से छोड़ा गया पानी है। रांची के कांके, धुर्वा और गेतलसूद जलाशय शहर को जलापूर्ति करते हैं और मानसून जितना अनुमति दे उतने भरे रखे जाते हैं; इनमें से किसी के लिए भी कोई गेट नियम, MWL या डिजाइन निकास प्रकाशित नहीं किया गया, और उनके गेट खोलने का कोई अभिलेख नहीं मिला। स्वर्णरेखा पर, चांडिल से, और ओडिशा में खरकई के डैम और प्रतिप्रवाह के अन्य डैमों से, छोड़ा गया पानी जमशेदपुर में नदी का स्तर तय करता है (खंड 7.7, भाष्य), और SANDRP ने तर्क दिया कि अगस्त 2016 में चांडिल से पानी छोड़ना टाला जा सकता था (प्रकाशित खबरों के अनुसार); दामोदर पर, मैथन और पंचेत से पानी छोड़ने की सलाह दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति देती है, जिसमें झारखंड और पश्चिम बंगाल की सरकारों, CWC और DVC का प्रतिनिधित्व है, जबकि कोनार और तिलैया से पानी DVC छोड़ता है और तेनुघाट, जिसे राज्य संचालित करता है, समिति के दायरे से बाहर है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। तिथियों, स्तरों, निकास दरों और नामित संचालक वाले सहमत नियम के बिना किसी जलाशय के भंडारण पर भरोसा नहीं किया जा सकता, और अनुप्रवाह की कॉलोनियों को चेतावनी दिए बिना छोड़ा गया पानी स्वयं एक बाढ़ है। खंड 7.8.2 उस सिद्धांत को एक विश्वसनीयता परीक्षण के साथ जाँचे जा सकने वाले नियम में बदलता है, क्योंकि जो कुशन सामान्यतः मानसून की आरंभिक वर्षा से फिर भर जाता है वह जुलाई से सितंबर के किसी मानसून अवदाब (monsoon depression) में या बंगाल की खाड़ी के किसी चक्रवात के अवशेष में कोई सुरक्षा नहीं देता। खंड 7.8.2(c) में 90% विश्वसनीयता का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और यह इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

अनेक तालाबों, बाँधों और जलाशयों के अन्य उपयोगकर्ता भी हैं। रांची के जलाशय उसकी जलापूर्ति हैं, आहर और बाँध अपने नीचे के खेतों की सिंचाई करते हैं, तालाबों और खदान झीलों का उपयोग मछली के लिए होता है (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और डोभे किसानों के अपने हैं। वर्षा घटना से पहले किसी जलाशय या तालाब का जल स्तर घटाने की लागत उसके उपयोगकर्ताओं पर पड़ती है, इसीलिए खंड 7.8.2(d) अपेक्षा करता है कि अभिरक्षक उसे स्वीकार करे।

7.9 पुनर्स्थापन, गाद निकालना और गहरा करना

7.9.1 **कार्य-पूर्व सर्वेक्षण.** गाद निकालने या पुनर्स्थापन से पहले, प्रस्तावक:

- (a) जल-फैलाव क्षेत्र, अग्रतट, बाँध, वियर और स्लूइस का सर्वेक्षण करेगा (खंड 7.7.1(a) और (b));
- (b) ग्रिड पर परीक्षण गड्ढों (test pits) या ऑगरिंग (augering) से, और जहाँ उपलब्ध हों वहाँ ऐतिहासिक अभिलेखों से, मूल तल स्तर ज्ञात करेगा; और
- (c) जहाँ तालाब में शहरी अपवाह या सीवेज आता है, वहाँ निपटान की योजना बनाने से पहले गाद का भारी धातुओं और अन्य संदूषकों के लिए परीक्षण करेगा।

7.9.2 **गाद निकालने की सीमा.** गाद निकालने में जमा तलछट को मूल तल स्तर तक हटाया जाएगा। इससे तालाब को मूल तल से नीचे गहरा नहीं किया जाएगा, सिवाय खंड 7.9.3 के अंतर्गत।

7.9.3 **गहरा करना.** मूल तल से नीचे गहरा करना केवल तभी अनुमत है जब कोई जल-भूवैज्ञानिक रिपोर्ट यह दर्शाए कि:

- (a) इससे चिकनी मिट्टी या गाद की वह परत नहीं कटेगी जो तालाब में पानी रोके रखती है या किसी जलभृत को प्रदूषित पानी से बचाती है;
- (b) तटीय क्षेत्रों में, इससे खारा पानी तालाब या जलभृत में नहीं खिंचेगा; और
- (c) अतिरिक्त भंडारण फिर से भरेगा और उपयोग होगा, और स्लूइस सिल से नीचे स्थिर नहीं पड़ा रहेगा।

सबसे निचले स्लूइस सिल से नीचे बनाया गया भंडारण बाढ़ भंडारण के रूप में नहीं गिना जाएगा।

7.9.4 **सुरक्षित किनारे.** जहाँ जनता की पहुँच जलाशय के किनारे तक है:

- (a) FTL से 0.5 m ऊपर से FTL से 1.2 m नीचे तक किनारे के ढलान **1V:4H** से अधिक खड़े नहीं होंगे, या FTL से 0.3 m और 0.5 m नीचे के बीच कम से कम 3 m चौड़ी समतल सुरक्षा बेंच उपलब्ध कराई जाएगी; और
- (b) तल में कोई अलग-थलग गहरा गड्ढा या खड़ी कटान नहीं छोड़ी जाएगी।

7.9.5 **भंडारण कम नहीं किया जाएगा.** पुनर्स्थापन से MWL से नीचे का भंडारण कम नहीं होगा। जल-फैलाव क्षेत्र या अग्रतट के भीतर द्वीप, पैदल मार्ग, जल-फैलाव क्षेत्र में बाँध का चौड़ीकरण, रिंग रोड, पार्किंग, भवन और "झील-तट" ("lake-front") प्लेटफॉर्म खोया हुआ भंडारण गिने जाएँगे और खंड 7.6.4 के अंतर्गत उनकी प्रतिपूर्ति की जाएगी।

7.9.6 **गाद का निपटान.** निकाली गई गाद को सेटबैक के भीतर, बाँध पर (अनुमोदित बाँध सुदृढ़ीकरण के सिवाय), या किसी बाढ़ मार्ग पर नहीं रखा जाएगा। संदूषित पाई गई गाद का निपटान झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (JSPCB) के निर्देशानुसार किया जाएगा।

7.9.7 **इनलेट पर उपचार.** शहरी अपवाह प्राप्त करने वाले तालाब के प्रत्येक पुनर्स्थापन में प्रत्येक इनलेट पर तलछट और स्थूल प्रदूषक नियंत्रण शामिल होगा: तलछट फोरबे (forebay), निर्मित आर्द्रभूमि का इनलेट जोन, या स्थूल प्रदूषक जाल (अध्याय 8), ताकि पुनर्स्थापित भंडारण फिर से गाद से न भर जाए।

7.9.8 **समय.** गाद निकालने का कार्य, और जलाशय को सुरक्षित बनाने का कार्य, प्रत्येक वर्ष **31 मई** तक पूरा किया जाएगा (अध्याय 10)।

> **भाष्य.** ड्रेनों, नालों या तालाबों से मानसून-पूर्व गाद निकालने के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग का कोई राज्यव्यापी आदेश नहीं मिला। बताया गया है कि रांची की ड्रेनें "जून के आरंभ तक" ("by early June") साफ की जाती हैं, और एक वर्ष में "5 जून" ("June 5") की समय-सीमा तक (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और Tata Steel UISL जमशेदपुर के पट्टा क्षेत्र में मानसून-पूर्व गाद निकालने का कार्य करता है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची नगर निगम को शहर के डैमों की सफाई करने और उन्हें अतिक्रमण से मुक्त करने का निर्देश दिया है (जुलाई 2024, प्रकाशित खबरों के अनुसार), और कांके, हटिया और गेतलसूद डैमों से गाद निकालने की माँग लंबे समय से होती रही है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। डोभे खोदे जाने के कुछ ही वर्षों में गाद से भर जाते हैं और अपनी सीढ़ियाँ खो देते हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और उनकी गाद खेत की मिट्टी है जिसे किसी नाले में नहीं, खेतों में वापस जाना चाहिए। इस मैनुअल में 31 मई की तिथि इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है, जो राज्य में मानसून के सामान्य आगमन से पहले है (जमशेदपुर और बोकारो में 13 जून, रांची में 14 जून और डालटनगंज में 17 जून; IMD, नई सामान्य तिथियाँ, 2020; राज्य के लिए 12 जून, IMD मौसम विज्ञान केंद्र, रांची)। "क्षमता बढ़ाने" ("increase capacity") के लिए खुदाई पर खंड 7.9.3 लागू होता है, और कोयला क्षेत्र में कोई खुदाई किसी खदान के गड्ढे, भू-धंसान गर्त या अग्नि क्षेत्र को नहीं काटेगी। किसी खदान, वाशरी या ओवरबर्डन डंप का पानी ले जाने वाले तालाब या नाले की गाद का निपटान से पहले परीक्षण किया जाता है (खंड 7.9.1(c)), क्योंकि खदान के अपवाह में निलंबित ठोसों का भारी भार होता है (खंड 8.12, भाष्य)। 31 मई की समय-सीमा अध्याय 10 की मानसून-पूर्व निरीक्षण तिथि से मेल खाती है। गहरा करने की सीमाएँ इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। "क्षमता बढ़ाने" ("increase capacity") के लिए तालाबों को गहरा करना आम है, पर इससे गाद और चिकनी मिट्टी की वह परत टूट सकती है जो तालाब में पानी रोके रखती है, प्रदूषित शहरी पानी जलभृत तक पहुँच सकता है, तट की ओर खारा पानी खिंच सकता है, और स्लूइस सिल से नीचे ऐसा भंडारण बनता है जो कभी खाली नहीं होता और बाढ़ में कोई लाभ नहीं देता। खड़े किनारों वाले गहरे गड्ढे डूबने का खतरा भी हैं। खंड 7.9.4 के ढलान और बेंच के मान तालाब-सुरक्षा की सामान्य प्रथा से अनुकूलित हैं; झारखंड में इनका कोई पूर्व-उदाहरण नहीं है।

7.10 आपूर्ति चैनल, अतिरिक्त जल मार्ग, इनलेट और आउटलेट

7.10.1 **प्रमुख प्रणाली का भाग.** आपूर्ति चैनल और अतिरिक्त जल मार्ग प्रमुख जल निकासी प्रणाली (अध्याय 6) का भाग हैं। खंड 7.4 के अंतर्गत जोन 1 और जोन 2 सेटबैक के साथ उनका जलाशयों के रूप में संरक्षण किया जाएगा।

7.10.2 **बंद करना या ढकना नहीं.** कोई आपूर्ति चैनल या अतिरिक्त जल मार्ग बंद नहीं किया जाएगा, भरा नहीं जाएगा, मोड़ा नहीं जाएगा, ढका नहीं जाएगा, उसकी लंबाई में पुलिया में नहीं बदला जाएगा, या सड़क या बंद ड्रेन में नहीं बदला जाएगा, सिवाय अभिरक्षक द्वारा अनुमोदित ऐसे डिजाइन के अंतर्गत जो उसकी 1% AEP क्षमता और रखरखाव के लिए उसकी पहुँच को बनाए रखे या बढ़ाए।

7.10.3 **क्रॉसिंग.** किसी जलाशय, आपूर्ति चैनल या अतिरिक्त जल मार्ग की प्रत्येक सड़क, रेल, उपयोगिता या पहुँच क्रॉसिंग:

- (a) अध्याय 9 द्वारा अपेक्षित फ्रीबोर्ड के साथ, 1% AEP प्रवाह (जलवायु गुणक के साथ), या प्रतिप्रवाह के तालाब का उसके MWL पर अतिरिक्त जल, इनमें से जो अधिक हो, पार कराएगी;
- (b) क्रॉसिंग पर जलमार्ग की चौड़ाई को राजस्व अभिलेखों में अभिलिखित या सर्वेक्षित पूरी चैनल चौड़ाई, इनमें से जो अधिक हो, से कम नहीं करेगी;
- (c) चैनल का तल स्तर और ढाल बनाए रखेगी; और
- (d) 1% AEP जल स्तर को खंड 7.6.2 की सीमा से अधिक नहीं बढ़ाएगी।

7.10.4 **क्षमता.** किसी अतिरिक्त जल मार्ग की डिजाइन क्षमता, MWL पर सरप्लस वियर की प्रवाह दर और उसके अपने जलग्रहण क्षेत्र से 1% AEP प्रवाह, जिन्हें शृंखला मॉडल (खंड 7.7.2) के अनुसार संयोजित किया गया हो, में से अधिक होगी।

7.10.5 **संरचनाओं पर संरक्षण.** सरप्लस वियरों और स्लूइसों के आउटलेट, और जलाशयों में ड्रेनों के आउटफॉल, में अध्याय 9 के अंतर्गत डिजाइन किया गया ऊर्जा क्षय और कटाव से संरक्षण होगा, ताकि उनसे निकलने वाला प्रवाह बाँध, किनारे या चैनल के तल का अपरदन न करे।

7.10.6 **जलाशयों में ड्रेनों के आउटफॉल.** किसी तालाब, चैनल या आर्द्रभूमि में वर्षा जल ड्रेन का आउटफॉल:

- (a) का इनवर्ट प्राप्तकर्ता जलाशय के सामान्य जल स्तर पर या उससे ऊपर होगा, जब तक कि ड्रेन अध्याय 5 के अंतर्गत जलमग्न आउटफॉल के लिए डिजाइन न की गई हो;
- (b) इस प्रकार स्थित और संरेखित होगा कि वह तालाब के बाँध को न काटे या कमजोर न करे;
- (c) में स्थूल प्रदूषक जाल और प्रथम प्रवाह उपचार (अध्याय 8) होगा; और
- (d) सीवेज या शुष्क मौसम प्रवाह (DWF) नहीं ले जाएगा (अध्याय 8)।

> **भाष्य.** यह मैनुअल आपूर्ति चैनलों और अतिरिक्त जल मार्गों का प्रमुख प्रणाली के भाग के रूप में संरक्षण करता है। शहरी क्षेत्रों में ये प्रायः सबसे पहले खो जाते हैं। अतिरिक्त जल मार्ग पुलियों और चारदीवारियों से संकरे कर दिए जाते हैं, और आपूर्ति चैनलों को ढककर सड़कों में बदल दिया जाता है, जिससे तालाब अपने स्रोत से कट जाता है या उसके अतिरिक्त जल के लिए कोई रास्ता नहीं रहता। झारखंड में सार्वजनिक ड्रेनें नगरपालिका में निहित होती हैं, पर प्राकृतिक नालों और नगरपालिका ड्रेनों के बीच का विभाजन लिखित रूप में नहीं है। झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 नगरपालिका में "सभी सार्वजनिक ड्रेनें, किसी सार्वजनिक सड़क के साथ-साथ या उसके नीचे की सभी ड्रेनें, और नगरपालिका निधि से या अन्यथा निर्मित या अर्जित सभी सीवेज निपटान संकर्म ... नगरपालिका क्षेत्र के भीतर या उसके बाहर" ("all public drains, all drains alongside or under any public street, and all sewage disposal works, constructed or acquired out of the Municipal Fund or otherwise ... within or outside the municipal area") निहित करता है, जो "नगरपालिका ड्रेनें" ("municipal drains") हैं (धारा 221), उसे राज्य के पूर्व अनुमोदन से किसी अन्य प्राधिकारी को कोई ड्रेन सौंपने या उससे कोई ड्रेन ग्रहण करने देता है (धारा 222), और अनुमति के बिना किसी नगरपालिका ड्रेन पर किसी भवन, दीवार, बाड़ या अन्य संरचना पर रोक लगाता है (धारा 235); किसी सड़क में या उसके नीचे की सार्वजनिक ड्रेनें और जलमार्ग नगरपालिका की संपत्ति हैं (धारा 126)। इस मैनुअल के लिए प्राकृतिक नालों को नगरपालिका ड्रेनों से, या नगरपालिकाओं की ड्रेनों को WRD की नदियों से, अलग करने वाला कोई नियम या आदेश नहीं मिला। व्यवहार में नदियाँ, डैम और जलाशय WRD के पास हैं (रांची की शहरी नदियों, जैसे हरमू, जुमार और भुसुर (Bhusur), के स्वामित्व की पुष्टि नहीं हुई); किसी नगर के भीतर के नाले और ड्रेनें नगरपालिका के पास; राज्य की परियोजनाओं के अंतर्गत बनी ट्रंक ड्रेनें और नदी कार्य, जैसे हरमू नदी के कार्य और धनबाद की वर्षा जल ड्रेनें, हस्तांतरित होने तक JUIDCO के पास; नगरपालिका सीमाओं के बाहर किसी लेआउट की ड्रेनें उसे अनुमोदित करने वाले RRDA, MADA या औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार के पास; जमशेदपुर का पट्टा क्षेत्र 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना के अंतर्गत, जिसे चुनौती दी गई है, नागरिक निकाय के पास, और Tata

Steel UISL सेवा प्रदाता के रूप में (2005 का पट्टा ड्रेनों या वर्षा जल का उल्लेख नहीं करता); किसी खदान की गारलैंड ड्रेनें और अवसादन तालाब उसके पट्टाधारी के पास; और गाँव के तालाब और नाले राजस्व विभाग और ग्राम पंचायत के पास हैं। यह मैनुअल उस विभाजन को अपने कार्यकारी निर्धारण के रूप में अपनाता है, विधि के कथन के रूप में नहीं, और प्रत्येक शहर को अपनी ड्रेनों और नालों का एक रजिस्टर प्रकाशित करना चाहिए, जिसमें प्रत्येक भाग (reach) का स्वामी दर्ज हो। अभिलेख दर्शाता है कि क्या खोया जा रहा है। CAG ने पाया कि हरमू करमा चौक पुल (Karma Chowk bridge) पर 18.70 m संकरी हो गई है, उसके नदी-तट पर अतिक्रमण है, उससे मिलने वाले अरगोड़ा नाले पर पशु-शालाओं का अतिक्रमण है, और परियोजना का जलविज्ञान 22.59 km^2 के जलग्रहण क्षेत्र में से 8.49 km^2 पर आधारित था (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); रांची के 207 km के वर्षा जल ड्रेन अनुबंध में से 1.49 km ही बनी, जो "किसी ड्रेन नेटवर्क से जुड़ी नहीं" ("not connected to any drain network") थी और "सेप्टिक टैंकों के अपशिष्ट जल से भरी पाई गई" ("found filled with the wastewater of septic tanks") (वही रिपोर्ट, अध्याय 3); नमूना-जाँच किए गए नौ ULB में 939.55 km ड्रेनों में से 567.12 km खुली थीं (CAG, 2015-16 के लिए वार्षिक तकनीकी निरीक्षण रिपोर्ट); और धनबाद में ड्रेनें सड़क की लंबाई के केवल लगभग 16.5% (243 km में से 40 km) के साथ हैं, कोयला-धारी और अग्नि क्षेत्रों के बाहर, जिन्हें जल निकासी परियोजना ने छोड़ दिया (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017)। भवन उपविधि 2016 की उपविधि 30.1 किसी विकास योजना के प्राकृतिक जलमार्गों और ड्रेनों में अनुमति देने से इनकार करती है, पर कोई उपविधि किसी नाले को पाइप में डाले जाने, संकरा किए जाने या ढके जाने के बाद उसकी अभिलिखित चौड़ाई पर नहीं रखती, और यही वह विफलता है जिसे रोकने के लिए खंड 7.10.2 और 7.10.3 लिखे गए हैं। खंड 7.10.3(b) किसी क्रॉसिंग को चैनल को उसकी वर्तमान, अतिक्रमित चौड़ाई तक संकरा करने से रोकता है।

7.11 एवज शुल्क और क्षेत्रीय तालाब भंडारण

7.11.1 जहाँ कोई बेसिन प्लान अधिसूचित किया गया है, और प्राधिकारी ने नीति अनुपूरक का विकल्प S-5 (खंड 1.7) अंगीकार किया है, वहाँ कोई विकास अध्याय 4 के अंतर्गत साइट पर अस्थायी भंडारण के एवज में शुल्क दे सकता है। यह शुल्क उसी बेसिन में किसी तालाब, पोखर या क्षेत्रीय सुविधा में भंडारण के पुनर्स्थापन या सृजन पर लगाया जाएगा।

7.11.2 एवज शुल्क से वित्तपोषित तालाब भंडारण:

- (a) गिने जाने से पहले खंड 7.7.1 की अपेक्षाएँ पूर्ण रूप से पूरी करेगा;
- (b) योगदान देने वाले विकास के अनुप्रवाह की ओर और उस बाढ़-प्रवण क्षेत्र के प्रतिप्रवाह की ओर होगा जिसकी रक्षा के लिए वह है;
- (c) जिस विकास के लिए वह है उसके अधिभोग से पहले, या बेसिन प्लान द्वारा नियत अवधि के भीतर, बनाया जा चुका होगा या निर्माणाधीन होगा; और
- (d) खंड 10.17 के रजिस्टर में उन विकासों के साथ अभिलिखित किया जाएगा जिन्होंने उसका वित्तपोषण किया, ताकि वही आयतन दो बार न बेचा जाए।

7.11.3 एवज शुल्क निम्नलिखित का स्थान नहीं लेता:

- (a) अध्याय 4 की प्रतिधारण अपेक्षा, जो सदैव साइट पर पूरी की जाती है; या
- (b) अध्याय 8 की जल गुणवत्ता अपेक्षा, जो साइट पर या किसी ऐसी क्षेत्रीय सुविधा में पूरी की जाती है जो उसी अपवाह का तालाब तक पहुँचने से पहले उपचार करती है।

भाष्य. अध्याय 4 मास्टर प्लान वाले बेसिनों में पुनर्स्थापित तालाब (talab) या तालाब (tank) भंडारण के लिए एवज शुल्क का प्रावधान करता है। मलेशिया की 2008 की DID जाँच-सूची साइट पर अस्थायी भंडारण की अनुमति केवल छोटी साइटों के लिए देती थी और बड़े क्षेत्रों के लिए सामुदायिक तालाबों की अपेक्षा करती थी (DID, 2008)। झारखंड में भवन नियमों द्वारा भंडारण का कोई साझा रूप अपेक्षित नहीं है: भवन उपविधि 2016 का वर्षा जल संचयन भूखंड-स्तरीय है (उपविधि 51.1), और भवन उपविधि 2016 में कोई अस्थायी भंडारण, चरम प्रवाह या "शून्य अपवाह" ("zero runoff") नियम नहीं है। वे तालाब जिन्हें धनबाद की जल निकासी परियोजना ने "नदी प्रणाली में अपवाह

> के सीधे निस्सरण और अनुप्रवाह की ओर बाढ़ जोखिम को कम करने के लिए" ("to reduce the direct discharge of runoff to the river system and the flood risk downstream") अपनी वर्षा जल ड्रेनों से जोड़ने का प्रस्ताव किया (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017), और उच्च न्यायालय की निगरानी में रांची के तालाब, साझा भंडारण के निकटतम विद्यमान रूप हैं। इनमें से कोई भी भंडारण गिनने के लिए तकनीकी मानक निर्धारित नहीं करता। छोटानागपुर और संथाल परगना के काश्तकारी क्षेत्रों में किसी क्षेत्रीय तालाब के लिए भूमि रैयती (raiyati) भूमि के अंतरण पर लगे प्रतिबंधों के अधीन है (छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 और संथाल परगना काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949), जो नई भूमि खरीदने से पहले सार्वजनिक तालाबों के पुनर्स्थापन का एक और कारण है। खंड 7.11.2(b) इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बाढ़-प्रवण क्षेत्र के अनुप्रवाह की ओर का तालाब किसी की रक्षा नहीं करता। खंड 7.11.3 प्रतिधारण को साइट पर रखता है: यह इस मैनुअल की आयतन-नियंत्रण परत है, और कोई क्षेत्रीय तालाब विकसित साइट के नीचे के जलभृत का पुनर्भरण नहीं कर सकता।

7.12 आर्द्रभूमियाँ, दलदल और ज्वारनदमुख

7.12.1 **विस्तार.** यह खंड दलदलों, दलदली भूमियों, पश्चजल, ज्वारनदमुखों, और ज्वारीय खाड़ियों और लैगूनों पर लागू होता है, जिनमें शामिल हैं:

- (a) आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के अंतर्गत अधिसूचित या झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण द्वारा सूचीबद्ध आर्द्रभूमियाँ;
- (b) साहिबगंज जिले में उधवा झील पक्षी अभयारण्य, राज्य का एकमात्र रामसर स्थल (बरहेल और पतौड़ा झीलें और उन्हें गंगा से जोड़ने वाला उधवा नाला; 935.5 ha; रामसर सूचना पत्रक के अनुसार 8 जनवरी 2024 को नामित), अपनी अभयारण्य और रामसर सीमा तक, और 2017 के नियमों के अंतर्गत अधिसूचित कोई भी आर्द्रभूमि, या 2023 की प्रारूप अधिसूचना में प्रस्तावित कोई आर्द्रभूमि, जब तक यह न पाया जाए कि वह आर्द्रभूमि नहीं है;
- (c) साहिबगंज और राजमहल में गंगा के, और अन्य नदियों के, डूब क्षेत्र की दलदली निचली भूमि और निचले गड्ढे, जो खंड 7.3.4 के 1% AEP विस्तार या, WRD द्वारा सीमांकित किए जाने पर, गंगा के डूब क्षेत्र जोन, इनमें से जो बड़ा हो, के भीतर हों (नदी चैनल स्वयं इस अध्याय के शेष भाग के अंतर्गत जलाशय है); और
- (d) कोई अन्य दलदल, आर्द्रभूमि, जलाशय, तालाब या खदान झील जिसे प्राधिकारी अधिसूचित करे, जिसे आर्द्रभूमि प्राधिकरण सूचीबद्ध करे, या जिसके संरक्षण का निर्देश झारखंड उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण दे।

7.12.2 **आर्द्रभूमियों का जल निकास नहीं.** कोई ड्रेन, चैनल, कटान या पंप किसी आर्द्रभूमि का पानी निकालने, उसके सामान्य जल स्तर को घटाने, या उसके गीले रहने की अवधि को कम करने के लिए डिजाइन नहीं किया जाएगा, सिवाय आर्द्रभूमि प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित योजना के अंतर्गत।

7.12.3 **अंतर्वाह.** खंड 7.12.1 की किसी आर्द्रभूमि में पानी छोड़ने वाली प्रत्येक ड्रेन:

- (a) खंड 7.10.6 की अपेक्षाएँ पूरी करेगी;
- (b) आर्द्रभूमि में प्रवेश करने से पहले अपने जलग्रहण क्षेत्र के WQv के लिए जल गुणवत्ता उपचार (अध्याय 8) से होकर गुजरेगी; और
- (c) जहाँ व्यवहार्य हो, एक बिंदु पर पानी छोड़ने के बजाय अपने प्रवाह को वनस्पतियुक्त किनारे पर फैलाएगी।

7.12.4 **हाइड्रोलिक संयोजकता.** किसी आर्द्रभूमि के आर-पार या उसके किनारे की सड़कों, तटबंधों और उपयोगिता कॉरिडोरों में ऐसे खुले मार्ग होंगे जो:

- (a) 1% AEP जल स्तर को खंड 7.6.2 की सीमा से अधिक बढ़ाए बिना 1% AEP प्रवाह पार कराएँ; और
- (b) आर्द्रभूमि के सामान्य जल-विनिमय को, जिसमें ज्वारनदमुखों में ज्वारीय विनिमय शामिल है, बनाए रखें, और खुले मार्ग क्रॉसिंग की लंबाई में फैले हों ताकि आर्द्रभूमि का कोई भाग कट न जाए।

7.12.5 **भंडारण केवल बेसिन स्तर पर गिना जाएगा.** आर्द्रभूमि के भंडारण को बेसिन और क्षेत्रीय मॉडलों में शामिल किया जाएगा। इसे किसी व्यक्तिगत विकास के लिए अस्थायी भंडारण के रूप में नहीं गिना जाएगा।

7.12.6 **ज्वारीय आर्द्रभूमियाँ और ज्वारनदमुख.** ज्वारनदमुखों और ज्वारीय आर्द्रभूमियों के लिए:

- (a) टेलवाटर अध्याय 5 से लिया जाएगा (खंड 2.12 की संयुक्त स्थितियाँ);
- (b) कार्य प्रवृत्त तटीय विनियमन क्षेत्र (CRZ) अधिसूचना का भी अनुपालन करेंगे; और
- (c) मुहाना खोलने के कार्य, प्रशिक्षण दीवारें और ड्रेजिंग इस मैनुअल के विस्तार के बाहर हैं और इनके लिए अलग अध्ययन आवश्यक हैं।

7.12.7 **कचरा डालना नहीं.** किसी आर्द्रभूमि या उसके सेटबैक में कोई ठोस अपशिष्ट, निर्माण मलबा या ड्रेजिंग से निकली सामग्री नहीं डाली जाएगी।

> **भाष्य.** झारखंड की आर्द्रभूमियाँ झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण के दायित्व में हैं, जो 2017 के नियमों के अंतर्गत गठित है (10 मार्च 2017 की अधिसूचना संख्या 1079, 22 मई 2018 को पुनर्गठित) और जिसकी अध्यक्षता वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री करते हैं, मुख्य सचिव उपाध्यक्ष हैं, और नगर विकास एवं आवास, जल संसाधन, राजस्व और अन्य विभागों के सचिव और JSPCB के सदस्य सचिव सदस्य हैं। **2017 के नियमों के अंतर्गत झारखंड की कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं की गई थी** (13 फरवरी 2025 का राज्य सभा का उत्तर, एक उद्धरण-अंश में देखे गए रूप में); मार्च 2023 में 44 आर्द्रभूमियों की एक प्रारूप अधिसूचना की सूचना मिली (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और ऐसा प्रतीत नहीं होता कि उसे अंतिम रूप दिया गया। राज्य का एकमात्र रामसर स्थल साहिबगंज जिले में **उधवा झील पक्षी अभयारण्य** है (रामसर स्थल संख्या 2559; 935.5 ha), "झारखंड की सबसे बड़ी प्राकृतिक गंगा-डूब क्षेत्र आर्द्रभूमि" ("The largest natural Gangetic floodplain wetland of Jharkhand"), जिसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अंतर्गत 1991 में अभयारण्य घोषित किया गया, और जो दो जुड़ी हुई आर्द्रभूमियों, बरहेल झील (410 ha) और पतौड़ा झील (155 ha), से बना है, जिन्हें उधवा नाला पानी देता है, जो "आर्द्रभूमि को फरक्का बैराज के पास गंगा से जोड़ता है" ("connects the wetland to the Ganges near the Farakka Barrage") (रामसर सूचना पत्रक)। रामसर सूचना पत्रक में इसके नामांकन की तिथि **8 जनवरी 2024** है; नामांकन की घोषणा फरवरी 2025 में हुई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। इसके लिए कोई पर्यावरण-संवेदी जोन (eco-sensitive zone) नहीं मिला। इसलिए अभयारण्य में या उसके निकट उधवा नाले पर किसी ड्रेन आउटफॉल, गाद निकालने, मोड़ने या अन्य कार्य के लिए वन्यजीव प्राधिकारियों की अनुमति और इस अध्याय का अनुपालन आवश्यक है; जो शहरी जलाशय, तालाब और डूब क्षेत्र के निचले गड्ढे अधिसूचित नहीं हैं, वे केवल इस अध्याय, नगरपालिका और राजस्व विधि, मास्टर प्लान की रेखाओं और उच्च न्यायालय के आदेशों द्वारा संरक्षित हैं। खंड 7.12.2 एक विशिष्ट जोखिम को लक्षित करता है: किसी दलदल के पास बाढ़ से राहत के लिए बनाई गई ड्रेनें स्वयं दलदल का पानी निकाल सकती हैं, और एक बार सूख जाने पर उस पर अतिक्रमण हो जाता है। सीवेज नालों के माध्यम से झारखंड के तालाबों, जलाशयों और नदियों तक पहुँचता है (खंड 8.9, भाष्य)। रांची का बड़ा तालाब बिना शोधन का सीवेज प्राप्त करता है, और उसके शोधन संयंत्र के बारे में 2022 में उच्च न्यायालय को बताया गया कि वह अभी स्थापित किया जा रहा है (प्रकाशित खबरों के अनुसार); CAG ने हरमू नदी में सीवेज ले जाने वाले 14 प्रमुख और 56 छोटे इनलेट पाए (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); और आरोप है कि जमशेदपुर में स्वर्णरेखा नौ ड्रेनों से प्रदूषित पानी प्राप्त करती है (NGT O.A. 129 of 2026 (EZ), एक आवेदन)। कोयला क्षेत्र में खदान का पानी और अपवाह सीमा से बहुत अधिक निलंबित ठोस ले जाते हैं (खंड 8.12, भाष्य)। इसलिए खंड 7.10.6(d) और 7.12.3 अभी अनेक विद्यमान आउटफॉलों द्वारा पूरे नहीं किए जा सकते। झारखंड में वे प्रत्येक नए आउटफॉल पर पूर्ण रूप से लागू होते हैं, और किसी तालाब, जलाशय, आर्द्रभूमि या नदी में शुष्क मौसम प्रवाह ले जाने वाला प्रत्येक विद्यमान आउटफॉल, अपने स्रोतों के हटाए जाने तक, खंड 8.9.4 और 8.9.5 के वार्षिक सर्वेक्षण और अवरोधन के अंतर्गत आता है; किसी पेयजल जलाशय, जैसे कांके, धुर्वा या गेतलसूद, में आउटफॉल खंड 8.10.4 के कार्यक्रम में सबसे पहले आता है।

7.13 अतिक्रमण से संबंध

7.13.1 **सीमा.** इस मैनुअल के अंतर्गत डिजाइन के लिए, किसी जलाशय की सीमा उसकी राजस्व अभिलेख सीमा और उसके सर्वेक्षित FTL (या किनारे के शीर्ष) में से बड़ी है, जैसा खंड 7.3.3 में है। सेटबैक उसी सीमा से मापे जाते हैं।

7.13.2 **अतिक्रमित भूमि पर निर्भरता नहीं.** कोई डिजाइन:

- (a) जलाशय की सीमा के भीतर अतिक्रमण से घिरी भूमि को भंडारण या वहन के रूप में नहीं गिनेगा, जब तक कि उसे हटाने का आदेश न दिया गया हो और उसके लिए धन उपलब्ध न कराया गया हो; या
- (b) किसी चैनल की अतिक्रमित चौड़ाई को उसकी डिजाइन चौड़ाई नहीं मानेगा।

7.13.3 **अतिक्रमित भागों (reaches) में लोक निर्माण कार्य.** जहाँ कोई सार्वजनिक जल निकासी कार्य किसी अतिक्रमित भाग से होकर गुजरता है:

- (a) उसे जलाशय की पूरी चौड़ाई (खंड 7.13.1) के लिए डिजाइन किया जाएगा;
- (b) जहाँ कार्य बनाए जाने से पहले पूरी चौड़ाई खाली नहीं कराई जा सकती, वहाँ डिजाइन रिपोर्ट में अंतरिम क्षमता और उसके खाली होने तक के बाढ़ जोखिम का उल्लेख किया जाएगा; और
- (c) कार्य इस प्रकार बनाया जाएगा कि पूरी चौड़ाई बाद में उसे दोबारा बनाए बिना पुनर्स्थापित की जा सके।

7.13.4 **सीमा का चिह्नांकन.** किसी जलाशय से सटा प्रत्येक विकास, समापन प्रमाण-पत्र से पहले:

- (a) जोन 1 के बाहरी किनारे को जमीन पर 30 m से अधिक के अंतराल पर और दिशा के प्रत्येक परिवर्तन पर स्थायी सर्वेक्षण चिह्नों से चिह्नित करेगा; और
- (b) सेटबैक जोनों को अनुमोदित लेआउट योजना पर और सेटबैक भूमि वाले प्रत्येक भूखंड के विक्रय दस्तावेजों में दर्शाएगा।

7.13.5 **प्रतिधारक दीवारें.** भूमि की रक्षा या उसे पुनः प्राप्त करने के लिए किसी जलाशय के किनारे, जोन 1 के भीतर, कोई प्रतिधारक दीवार, बाँध या तटबंध नहीं बनाया जाएगा, सिवाय अभिरक्षक के अनुमोदन से विद्यमान सार्वजनिक अवसंरचना की रक्षा के लिए।

> **भाष्य.** तालाबों और नालों में भराई और निर्माण पर झारखंड के मुख्य नियंत्रण नगरपालिका विधि, लोक भूमि विधि और न्यायालय हैं। सार्वजनिक तालाब और जलाशय, अपनी संलग्न गैर-निजी भूमि सहित, नगरपालिका में निहित होते हैं (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 203), अनुमति के बिना किसी नगरपालिका ड्रेन पर कोई संरचना नहीं बनाई जा सकती और अनधिकृत संरचना हटाई जा सकती है (धारा 235), और कोई व्यक्ति किसी जलमार्ग में कचरा, सिंडर या खदान का अपशिष्ट इस प्रकार नहीं डाल सकता कि उसके प्रवाह में बाधा हो (धारा 340)। लोक भूमि पर अतिक्रमण लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 (बिहार अधिनियम संख्या XV, 1956, झारखंड में यथालागू) के अंतर्गत हटाए जाते हैं, जिसके अंतर्गत बताया गया है कि जमशेदपुर और मानगो के अंचल अधिकारियों ने मई 2025 में स्वर्णरेखा से 15 m के भीतर 56 संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। न्यायालय एजेंसियों से अधिक सक्रिय रहे हैं। 2013 में उच्च न्यायालय ने पाया कि स्वर्णरेखा और खरकई के अतिक्रमण और प्रदूषण पर "कुछ कागजी आदेशों के सिवाय ... कुछ नहीं किया गया है" ("nothing has been done ... except some paper orders"), और मुख्य सचिव को अतिक्रमण हटाने और "नदियों के उस क्षेत्र को वापस प्राप्त करना जो क्षतिग्रस्त हुआ हो" ("reclamation of the area of the rivers which may have been damaged") के बारे में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया (W.P.(PIL) No. 1325 of 2011, 16 अप्रैल 2013 का आदेश)। रांची के जलाशयों के बारे में W.P.(PIL) No. 1463 of 2020 में उसने जलाशयों की संख्या और स्थिति, भुसुर (Bhusur) नदी के अतिक्रमण पर एक रिपोर्ट, तीन डैमों की सफाई और उन्हें अतिक्रमण से मुक्त करना, और ऐतिहासिक आँकड़ों सहित सभी जलाशयों का विवरण माँगा है (2022 और 2024, प्रकाशित खबरों के अनुसार); 31 जुलाई 2025 को उसने, यह सुनने के बाद कि कांके और धुर्वा डैम के पास "कई एकड़" ("several acres") भूमि पर अतिक्रमण हुआ है, जलाशयों और उनके जलग्रहण क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने और आसपास के क्षेत्र को कँटीले तार से घेरकर "प्रवेश-निषिद्ध जोन" ("no-entry zone") बनाने का आदेश दिया (प्रकाशित खबरों के अनुसार); और बताया गया है कि रांची नगर निगम ने कांके डैम और बड़ा तालाब के पास 90 भवनों को नोटिस जारी किए (तिथि की पुष्टि नहीं हुई)। 2025–26 के आदेश, 7 जनवरी 2026 के आदेश सहित, इस मैनुअल के लिए पढ़े नहीं गए। जमशेदपुर में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने "निर्मल स्वर्णरेखा नदी के तल पर ऊँचे भवनों का अनियंत्रित और अंधाधुंध निर्माण" ("rampant and indiscriminate construction of high-rise building on the river-bed of pristine Subernarekha river") का स्वतः संज्ञान लिया (O.A. 145 of 2023 (EZ)), और उसके 8 जुलाई 2024 के आदेश के बाद नोटिस और ध्वस्तीकरण की कार्रवाइयाँ हुईं (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। इनके विपरीत, नगरपालिका अधिनियम की धारा 341 अब भी किसी स्वामी से किसी निजी तालाब को "भर देने" ("fill up") की अपेक्षा करने देती है; यह मैनुअल अभिलिखित तालाब को जल

निकासी अवसंरचना मानता है (खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ)। भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23.4, जो सरकार के अनुमोदन से "पुनः प्राप्त भूमि पर" ("on reclaimed lands") नदी-तट विकास की अनुमति देती है, और झारखंड अनधिकृत रूप से निर्मित भवनों का नियमितीकरण नियमावली, 2026 (Jharkhand Regularization of Unauthorizedly Constructed Buildings Rules, 2026), जिसकी इस बात के लिए जाँच नहीं की गई कि वह नदी सेटबैक या जलाशयों में स्थित भवनों को अपवर्जित करती है या नहीं, दोनों ही अतिक्रमण हो जाने पर किसी सेटबैक को निष्प्रभावी कर सकती हैं; इस मैनुअल के अंतर्गत कोई डिजाइन किसी जलाशय में पुनः प्राप्त या नियमित की गई भूमि को खोए भंडारण के सिवाय और कुछ नहीं गिनता (खंड 7.13.2)। यह मैनुअल किसी को बेदखल नहीं कर सकता। यह डिजाइनों को अतिक्रमण को स्थायी मानने से रोक सकता है (खंड 7.13.2), लोक निर्माण कार्यों को पूरी चौड़ाई तक पुनर्स्थापित किए जाने योग्य बना सकता है (खंड 7.13.3), और सेटबैक को जमीन पर और संपत्ति दस्तावेजों में दृश्य बना सकता है ताकि नए क्रेता जानें कि वह विद्यमान है (खंड 7.13.4)। 30 m का चिह्न-अंतराल इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

7.14 तालाब के बाँधों और तटबंधों की सुरक्षा

7.14.1 **बाँध सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जाँच.** प्रत्येक तालाब के लिए, और इस मैनुअल के अंतर्गत बनाए गए या परिवर्तित प्रत्येक तटबंध के लिए, डिजाइनकर्ता यह निर्धारित करेगा कि क्या वह बाँध सुरक्षा अधिनियम, 2021 (Dam Safety Act, 2021) के अंतर्गत "विनिर्दिष्ट डैम" ("specified dam") है। अधिनियम के अंतर्गत, विनिर्दिष्ट डैम वह डैम है जो:

- (a) सामान्य नींव क्षेत्र के सबसे निचले बिंदु से डैम के शीर्ष तक मापने पर 15 m से अधिक ऊँचा हो; या
- (b) 10 m और 15 m के बीच ऊँचा हो, जहाँ शिखर की लंबाई 500 m से कम न हो, या जलाशय की क्षमता दस लाख m^3 से कम न हो, या डैम द्वारा सँभाली जाने वाली अधिकतम बाढ़ प्रवाह दर 2,000 m^3/s से कम न हो, या डैम की नींव से संबंधित विशेष रूप से कठिन समस्याएँ हों, या डैम असामान्य डिजाइन का हो।

जहाँ वह विनिर्दिष्ट डैम है, वहाँ इस मैनुअल के अतिरिक्त अधिनियम और राज्य डैम सुरक्षा संगठन की अपेक्षाएँ लागू होंगी।

7.14.2 **जोखिम वर्ग.** प्रत्येक तालाब के बाँध और अस्थायी भंडारण तटबंध को, जो विनिर्दिष्ट डैम नहीं है, एक जोखिम वर्ग दिया जाएगा:

- **उच्च जोखिम:** तटबंध टूटने से कोई आवास योग्य भवन, विद्यालय, अस्पताल, धमनी सड़क या महत्वपूर्ण अवसंरचना जलमग्न हो सकती है।
- **निम्न जोखिम:** कोई अन्य स्थिति।

7.14.3 **उच्च जोखिम वाले तटबंध.** उच्च जोखिम वाले तालाब के बाँधों और तटबंधों के लिए:

- (a) सरप्लस वियर या स्पिलवे खंड 7.7.4(b) के फ्रीबोर्ड के साथ MWL पर 1% AEP अंतर्वाह पार कराएगा, और बाँध के ऊपर से बहे बिना 0.2% AEP (500-वर्ष) अंतर्वाह के लिए उसकी जाँच की जाएगी (जैसा अध्याय 4 में अस्थायी भंडारण बेसिनों के लिए है);
- (b) तटबंध टूटने का विश्लेषण (breach analysis) MWL पर तटबंध टूटने से जलमग्न होने वाले क्षेत्र का मानचित्र बनाएगा;
- (c) तटबंध टूटने से प्रभावित क्षेत्र के लिए चेतावनी और निष्क्रमण व्यवस्थाओं के साथ एक आपातकालीन कार्य योजना (emergency action plan) तैयार की जाएगी; और
- (d) खंड 10.6 के अंतर्गत डिजाइन प्रमाणित किया जाएगा और उसकी स्वतंत्र जाँच की जाएगी।

7.14.4 **निरीक्षण.** जिस भी तालाब का भंडारण खंड 7.7 के अंतर्गत गिना जाता है, और प्रत्येक उच्च जोखिम वाले तटबंध का, दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले (31 मई तक) और प्रत्येक भारी वर्षा की घटना के बाद (अध्याय 10) रिसाव, खिसकाव, दरारों, जानवरों के बिलों, बाँध पर पेड़ों, और वियर तथा स्लूइसों के अवरोध के लिए निरीक्षण किया जाएगा।

7.14.5 **अनधिकृत कटान नहीं.** कोई व्यक्ति बाढ़ के दौरान अभिरक्षक की आपातकालीन प्रक्रिया के सिवाय किसी तालाब के बाँध या सरप्लस वियर को नहीं काटेगा, नीचा नहीं करेगा या नहीं तोड़ेगा।

भाष्य. विनिर्दिष्ट डैम की परिभाषा बाँध सुरक्षा अधिनियम, 2021 (2021 का अधिनियम संख्या 41) से उद्धृत है। अधिनियम "डैम" ("dam") को नदियों या सहायक नदियों के आर-पार पानी रोकने या मोड़ने के लिए बनाई गई कृत्रिम बाधा के रूप में परिभाषित करता है। इसमें बाढ़ तटबंध, डाइक और गाइड बाँध शामिल नहीं हैं। अधिकांश तालाबों के किनारे और डोभों की दीवारें नीची हैं और उनसे इनके विनिर्दिष्ट डैम बनने की अपेक्षा नहीं है, पर प्रत्येक बाँध की खंड 7.14.1 के अंतर्गत जाँच की जाएगी। शहरी जलाशयों के डैम, जैसे रांची में कांके, धुर्वा और गेतलसूद और जमशेदपुर में डिमना, और बड़े बाँधों (bandh) के बाँध ऐसी ऊँचाइयों के हैं जो इस मैनुअल के लिए नहीं मिलीं; प्रत्येक की जाँच की जाएगी, और उनमें से बड़े विनिर्दिष्ट डैम हो सकते हैं। जहाँ किसी तालाब, बाँध, शहरी जलाशय या खदान झील का भंडारण खंड 7.7 के अंतर्गत गिना जाता है, वहाँ उसका बाँध, डैम या प्रतिधारक बेंच खंड 7.14.2 के लिए तालाब का बाँध है, जब तक कि अधिनियम लागू न हो; खदान झील की हाईवॉल और बेंचों की स्थिरता की भी जाँच की जाती है (खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ)। जो तालाब का बाँध किसी नदी या सहायक नदी के आर-पार नहीं है, वह अधिनियम के अंतर्गत "डैम" ("dam") है या नहीं, यह उसके पाठ से स्पष्ट नहीं है। झारखंड में शहरों के लिए महत्वपूर्ण डैम गेटयुक्त शहरी जलाशय और जमशेदपुर और दामोदर के नगरों के ऊपर के नदी जलाशय हैं। जून 2008 में, ओडिशा में खरकई के डैम के गेट खोले जाने के बाद, जमशेदपुर में खरकई और स्वर्णरेखा अपने खतरे के स्तर से ऊपर चढ़ गईं और सेना बुलाई गई (प्रकाशित खबरों के अनुसार); मई 2021 में, चक्रवात यास (Cyclone Yaas) के दौरान, आदित्यपुर में खरकई 129 m के खतरे के स्तर के मुकाबले लगभग 132.4–132.9 m तक पहुँची और कोल्हान में लगभग 14,000 लोगों को निकाला गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार); और सितंबर 2024 में DVC और तेनुघाट से छोड़े गए पानी ने दामोदर घाटी में बाढ़ ला दी (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। किसी शहरी जलाशय, तालाब के बाँध, बाँध (bandh) या खदान झील के लिए कोई तटबंध टूटने का मानचित्र या आपातकालीन कार्य योजना नहीं मिली, और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की शहरी बाढ़ योजना भी नहीं मिली। टूटा हुआ या ऊपर से बहा हुआ बाँध अपने नीचे की कॉलोनियों को जलमग्न कर देता है, किसी खनन कार्य या नाले में टूटने वाली खदान झील अपने पानी के साथ तलछट ले जाती है, और बिना घोषणा के छोड़ा गया पानी भी कॉलोनियों को जलमग्न करता है, इसीलिए खंड 7.14.3 उच्च जोखिम वाले तटबंधों के लिए तटबंध टूटने का मानचित्रण और आपातकालीन कार्य योजना माँगता है। उच्च जोखिम वाले तालाबों के लिए जोखिम वर्ग, तटबंध टूटने का विश्लेषण और आपातकालीन कार्य योजना इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। वे अस्थायी भंडारण बेसिनों के लिए अध्याय 4 की अपेक्षा (आउटलेट अवरुद्ध होने पर 1% AEP स्पिलवे, उच्च जोखिम वाले बेसिनों के लिए 0.2% AEP) को उन तालाबों तक विस्तारित करते हैं जिन्हें डिजाइन भंडारण के रूप में गिना जाता है।

7.15 प्रस्तुति की अपेक्षाएँ

खंड 7.1.2 के अंतर्गत किसी विकास या कार्य की प्रत्येक जल निकासी रिपोर्ट में निम्नलिखित शामिल होंगे:

1. खंड 7.3.2 के अंतर्गत **जलाशय पत्रक (प्रपत्र 7-1)**, सेटबैक जोनों और उनके आधार (मानचित्रित विस्तार, हाइड्रोलिक अध्ययन या नियत चौड़ाई) के साथ;
2. जहाँ खंड 7.3.4 अपेक्षा करता है, वहाँ 1% AEP विस्तार और बाढ़ मार्ग का हाइड्रोलिक अध्ययन;
3. जहाँ बाढ़ सीमांत क्षेत्र में भराई प्रस्तावित है, वहाँ ऊँचाई पट्टी के अनुसार **प्रतिपूरक भंडारण गणना (प्रपत्र 7-3)**;
4. गिने जाने वाले किसी भी तालाब भंडारण के लिए: **तालाब भंडारण क्रेडिट पत्रक (प्रपत्र 7-2)**, खंड 7.7.1 के सर्वेक्षण, जल स्तर–भंडारण वक्र, प्रचालन नियम, शृंखला मॉडल के परिणामों और अभिरक्षक की सहमति के साथ;
5. जोन 1 में किसी क्रॉसिंग, आउटफॉल या कार्य के लिए: अभिरक्षक का NOC और खंड 7.6.2 या 7.10.3 का हाइड्रोलिक विश्लेषण;
6. पुनर्स्थापन या गाद निकालने के लिए: खंड 7.9 का कार्य-पूर्व सर्वेक्षण, गाद परीक्षण और जल-भूवैज्ञानिक रिपोर्ट; और
7. किसी भी तटबंध के लिए: खंड 7.14 की बाँध सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जाँच और जोखिम वर्ग।

7.16 समीक्षा और अद्यतन

7.16.1 इस अध्याय की समीक्षा मैनुअल के शेष भाग के साथ की जाएगी (अध्याय 1)। खंड 7.4.6 की नियत-चौड़ाई तालिका की समीक्षा प्राधिकारी द्वारा अपने क्षेत्र के लिए 1% AEP बाढ़ मानचित्र अंगीकार किए जाने के 2 वर्ष के भीतर भी की जाएगी।

7.16.2 जहाँ प्राधिकारी नए 1% AEP बाढ़ मानचित्र अंगीकार करता है, वहाँ वे अंगीकरण के **6 माह** बाद की नई प्रस्तुतियों पर लागू होंगे, जब तक कि प्राधिकारी अन्यथा अधिसूचित न करे।

संदर्भ (अध्याय)

- Government of Jharkhand, Urban Development and Housing Department. Jharkhand Building Bye-laws, 2016 (झारखंड भवन उपविधि, 2016), झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 434 के अंतर्गत 5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006 (उपविधि 1, 2.2, 23, 30, 31, 42.1, 48, 51 और 58.6, स्कैन किए गए पाठ से पढ़ी गईं; राजपत्र संख्या देखी नहीं गई); Jharkhand Building (Amendment) Bye-laws, 2017 (झारखंड भवन (संशोधन) उपविधि, 2017) (15 मई 2017), IInd Amendment (द्वितीय संशोधन) (17 अगस्त 2017), Vth Amendment (पाँचवाँ संशोधन) (6 जून 2019) और VIth Amendment (छठा संशोधन) (2019); Xth (दसवाँ संशोधन; मार्च 2024) और XIth (ग्यारहवाँ संशोधन; 27 अप्रैल 2026) Amendments केवल सारांशों में देखे गए, और देखे गए संशोधनों में से कोई भी उपविधि 23, 48 या 51 को नहीं छूता। http://web.archive.org/web/20190426093550id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL06042016060406PM.pdf
- Government of Jharkhand. Jharkhand Municipal Act, 2011 (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011) (झारखंड अधिनियम संख्या 07, 2012) (धारा 2(41), 70, 126, 203, 204, 219–227, 235, 340, 341, 358, 434, 481 और 615)। http://web.archive.org/web/20171223160748id_/http://udhd.jharkhand.gov.in:80/Handlers/Acts.ashx?id=AT01042016100433AM.pdf
- Government of Jharkhand, Urban Development and Housing Department. Approval of the Ranchi Master Plan 2037 (रांची मास्टर प्लान 2037 का अनुमोदन), 30 नवंबर 2015 की अधिसूचना संख्या 02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008-4371 (शर्त 2.1–2.12 और 3.1; हिन्दी में)। http://web.archive.org/web/20220527111932id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/MP_Notification_4371%20dt-30-11-15.pdf ; Jamshedpur (UA) Master Plan (GIS based)-2027 (जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान (GIS आधारित)-2027) का अनुमोदन, 23 अक्तूबर 2017 की संख्या 02/न0वि0/मास्टर प्लान-102/2008-6622, और Dhanbad GIS-based Master Plan-2041 (धनबाद GIS आधारित मास्टर प्लान-2041) का अनुमोदन, 24 अक्तूबर 2017 की संख्या 06/न0वि0(TCPO)/मा0 प्लान-22/2016-6648 (पहले पृष्ठ पढ़े गए)। http://web.archive.org/web/20220806111123id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/Jamshedpur%20Notification.pdf ; http://web.archive.org/web/20220527111934id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/Dhanbad%20Notification.pdf
- Government of Jharkhand. Public Land Encroachment Act, 1956 (लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956) (बिहार अधिनियम संख्या XV, 1956, झारखंड में यथालागू); Chota Nagpur Tenancy Act, 1908 (छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908) और Santhal Pargana Tenancy (Supplementary Provisions) Act, 1949 (संथाल परगना काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949) (पाठ पढ़े नहीं गए); Jharkhand Regularization of Unauthorizedly Constructed Buildings Rules, 2026 (झारखंड अनधिकृत रूप से निर्मित भवनों का नियमितीकरण नियमावली, 2026) (केवल एक सारांश में देखी गई)।
- Government of Jharkhand, Forest, Environment and Climate Change Department. Reconstitution of the Jharkhand State Wetlands Authority (झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण का पुनर्गठन), 22 मई 2018 की फाइल संख्या 6/Vanprani (wetland)-08/2016-2138, जो 10 मार्च 2017 की अधिसूचना संख्या 1079 का संशोधन करती है। https://indianwetlands.in/wp-content/uploads/2022/02/Jharkhand.pdf ; Rajya Sabha, 2017 के नियमों के अंतर्गत अधिसूचित आर्द्रभूमियों पर 13 फरवरी 2025 के प्रश्न 267 का उत्तर (एक उद्धरण-अंश में देखा गया)। https://rsdebate.nic.in/bitstream/123456789/758759/1/PQ_267_13022025_U1007_p169_p175.pdf
- Ramsar Convention Secretariat. Ramsar Information Sheet, Site No. 2559, Udhwa Lake Bird Sanctuary (नामांकन 8 जनवरी 2024; 935.5 ha)। https://rsis.ramsar.org/RISapp/files/RISrep/IN2559RIS_2502_en.pdf

- Comptroller and Auditor General of India. 2023 की रिपोर्ट संख्या 1, Government of Jharkhand (31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष), अध्याय 3, Audit on Management of the Sewerage and Drainage System in Ranchi city, और अध्याय 4, Audit on Rejuvenation and Conservation of the Harmu River। https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/7-Chapter-3-064ccf54aaea3b2.74931941.pdf ; https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/8-Chapter-4-064ccf54ab201d9.52401481.pdf ; CAG, Annual Technical Inspection Report on Local Bodies for the year ended 31 March 2016, Government of Jharkhand (2017), अध्याय 4। https://www.cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2017/Chapter_4_Performance_Audit_-_Urban_Local_Bodies_of_Annual_Technical_Inspection_Report_of_2017_-_Local_Bodies_Government_of_Jharkhand.pdf ; CAG, 2019 की रिपोर्ट संख्या 12, Assessment of Environmental Impact due to Mining Activities and its Mitigation in Coal India Limited and its Subsidiaries, अध्याय 5 (पैरा 5.7.2 और 5.7.3)। https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2019/Chapter_5_Water_Pollution_and_Control_Measures_of_Report_No_12_of_2019_Assessment_of_Environmental_Impact_due_to_Mining_Activities_and_its_Mitigation_in_Coal_India_Limited_and_its_S.pdf
- JUIDCO. *Jharkhand Municipal Development Project: Draft Environmental and Social Impact Assessment, Storm Water Drainage, Dhanbad*, Vol. I, नवंबर 2017 (एक प्रारूप; अंतिम डिजाइन भिन्न हो सकता है)। http://web.archive.org/web/20180205012706id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/Home/cirfiles/ESIA%20Dhanbad%20Drainage_Volume1.pdf
- Jharkhand High Court. W.P.(PIL) No. 1325 of 2011 (*Court on its own motion v. State of Jharkhand*), 16 अप्रैल 2013 का आदेश संख्या 33 (तृतीय-पक्ष प्रति)। https://saryuroy.in/library/petition_judgement_old/hc_jdgmnt_16_04_2013.pdf ; W.P.(PIL) No. 1463 of 2020 (*Khushboo Kataruka v. State of Jharkhand*), 2022, जुलाई और अक्तूबर 2024, 31 जुलाई 2025 और अगस्त 2025 के आदेश (प्रकाशित खबरों के अनुसार); 7 जनवरी 2026 का आदेश और 2025–26 के अन्य आदेश पढ़े नहीं गए।
- National Green Tribunal (Eastern Zone). O.A. 145 of 2023 (EZ) (*Tribunal on its own motion v. State of Jharkhand*; स्वर्णरेखा का नदी-तल): राज्य का शपथ-पत्र (मार्च 2024) और 14 मार्च 2024 की संयुक्त समिति रिपोर्ट को उद्धृत करने वाला I.A. No. 56 of 2024; O.A. 129 of 2026 (EZ) (*Pratik Sharma v. State of Jharkhand*), आवेदन; और O.A. 200 of 2014 (*M.C. Mehta v. Union of India*, गंगा) में राज्य की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टें, लगभग 2020। https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1713953563.pdf ; https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1724385258.pdf ; https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1779163721.pdf
- Ministry of Coal. Guidelines for the preparation of Mining Plan and Mine Closure Plan, 29 मई 2020 का कार्यालय ज्ञापन (O.M.) F. No. 34011/28/2019-CPAM। https://www.fedmin.com/fedmin/GuidelinesforMP2020.pdf ; Coal Mines Regulations, 2017 (कोयला खान विनियम, 2017), विनियम 149 (केवल विधिक डेटाबेस के उद्धरण-अंशों में देखा गया); DGMS तकनीकी परिपत्र संख्या 2, 2024, Precautions against danger of inundation in mines (केवल शीर्षक)।
- Central Water Commission. List of flood forecasting and reservoir inflow forecasting sites (गेतलसूद और चांडिल के FRL, 2018 और 2022, SANDRP द्वारा संकलित रूप में)।
- Government of India. The Dam Safety Act, 2021 (Act 41 of 2021) (बाँध सुरक्षा अधिनियम, 2021)। https://www.casemine.com/act/in/626f9167714d58ef62b50d09 ; CWC, Specified Dam. https://rrssd.cwc.gov.in/specified-dam

- MoHUA (2015). Urban and Regional Development Plans Formulation and Implementation (URDPFI) Guidelines, Vol I. https://web.archive.org/web/2022/https://mohua.gov.in/upload/uploadfiles/files/URDPFI%20Guidelines%20Vol%20I(2).pdf
- Mid-America Regional Council (2025). APWA Stormwater Standards Supplement (Section 5600, Version 2025.01). https://www.marc.org/document/apwa-stormwater-standards-supplement
- Kansas City Metro Chapter APWA (2006). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities (§5605.3 stream buffers). https://www.kcwater.us/wp-content/uploads/2020/08/Design-Criteria-%E2%80%93-Section-5600-%E2%80%93-Storm-Drainage-Systems-and-Facilities.pdf
- Department of Irrigation and Drainage Malaysia (2008). Submission Checklist for Stormwater Management. https://www.water.gov.my/jps/resources/auto%20download%20images/5844dfbba8fc1.pdf
- जलाशयों, अतिक्रमण और न्यायालय के आदेशों की रिपोर्टें (द्वितीयक स्रोत): उच्च न्यायालय और रांची के जलाशयों पर LiveLaw (2022), https://www.livelaw.in/news-updates/jharkhand-high-court-waterbodies-ranchi-encroachment-pollution-191438 ; 71 तालाबों पर Reporter Post (जुलाई 2024), https://reporterpost.in/article/jharkhand/35884/where-have-71-ponds-gone-hc-asks-ranchi-civic-body/ ; रांची के सभी जलाशयों के विवरण पर The Telegraph (अक्तूबर 2024), https://obeta.ttef.in/jharkhand/high-court-seeks-status-details-of-all-ranchi-water-bodies/cid/1850563 ; 31 जुलाई 2025 के आदेश पर ThePrint (PTI), https://theprint.in/india/jharkhand-hc-orders-govt-officials-to-ensure-no-encroachment-around-water-bodies/2709482 ; निगरानी समिति पर NewsDrum (PTI) (अगस्त 2025), https://www.newsdrum.in/national/jharkhand-hc-directs-jhalsa-to-monitor-waterbody-encroachments-9767194 ; स्वर्णरेखा पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाइयों पर Hindustan Times (Magzter के माध्यम से) (मई 2025), https://www.magzter.com/en/stories/newspaper/Hindustan-Times-Ranchi/JAMSHEDPUR-ILLEGAL-RIVERFRONT-STRUCTURES-TO-BE-DEMOLISHED
- जलाशयों, बाढ़ों और छोड़े गए पानी की रिपोर्टें (द्वितीयक स्रोत): कांके, हटिया और गेतलसूद डैमों पर The Telegraph, https://obeta.ttef.in/jharkhand/de-silt-cry-for-kanke-hatia-and-getalsud-dams/cid/1695827 ; डिमना झील पर Avenue Mail, https://avenuemail.in/dimna-lake-catering-to-jamshedpurs-water-needs-since-april-17-1944/ ; जून 2008 की जमशेदपुर बाढ़ पर OneIndia, https://www.oneindia.com/2008/06/18/flood-like-situation-in-steel-city-zoo-crocodiles-missing-1213792786.html ; अगस्त 2016 में चांडिल से छोड़े गए पानी पर SANDRP, https://sandrp.in/2016/08/20/was-not-sudden-flood-in-subarnrekha-jharkhand-avoidable/ ; जमशेदपुर में चक्रवात यास पर Avenue Mail (2021), https://avenuemail.in/cyclone-yaas-rivers-flow-on-danger-mark-in-jamshedpur-ndrf-teams-carry-rescue-operation-city-records-108-mm-rainfall/ ; DVC और तेनुघाट से छोड़े गए पानी पर Devdiscourse (सितंबर 2024), https://www.devdiscourse.com/article/law-order/3092176-flood-management-efforts-intensify-as-dvc-and-tenughat-dam-release-contribute-to-widespread-flooding-in-damodar-valley ; दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति पर Ministry of Water Resources के 2018 के कार्यवृत्त, https://mowr.nic.in/core/Circulars/2018/Pen.%20River_08-07-2018_16.pdf
- डोभों, आर्द्रभूमियों और उधवा की रिपोर्टें (द्वितीयक स्रोत): डोभा पर Columbia University, State of the Planet (2017), https://blogs.ei.columbia.edu/2017/05/24/in-jharkhand-using-an-old-technique-for-sustainable-water/ ; सितंबर 2017 तक खोदे गए डोभों पर Business Standard (PTI), https://www.business-standard.com/amp/article/pti-stories/1600-lakh-man-days-created-in-jharkhand-117090401057_1.html ; Institute for Human Development, खेत के तालाबों (डोभों) का मूल्यांकन, https://www.ihdindia.org/research/growth-and-employment/evaluation-of-farm-ponds-dobhas-and-its-impact-on-livelihoods/ ; 44 आर्द्रभूमियों की प्रारूप अधिसूचना पर Drishti (2023), https://www.drishtiias.com/state-pcs-current-affairs/draft-notification-issued-for-44-wetlands-in-the-state/print_manually

- Platts, J. T. (1884). *A Dictionary of Urdu, Classical Hindi, and English*. London: W. H. Allen; और Dasa, Syamasundara (1965–1975). *Hindi Shabdasagara* (श्यामसुंदर दास, *हिंदी शब्दसागर*). Kashi: Nagari Pracarini Sabha; दोनों Digital South Asia Library, University of Chicago पर ऑनलाइन (देखा गया 7 नवंबर 2026)। https://dsal.uchicago.edu/dictionaries/platts/ ; https://dsal.uchicago.edu/dictionaries/dasa-hindi/
- India Meteorological Department (2020). New normal dates of onset and withdrawal of the southwest monsoon (तालिका 2)। https://internal.imd.gov.in/press_release/20200515_pr_804.pdf
- Government of India. Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2017 (आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017); Coastal Regulation Zone Notification, 2019।

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय
7A	राज्यव्यापी जलाशय GIS परत और सूची के क्षेत्र
7B	नियत-चौड़ाई सेटबैक तालिका (विकल्प S-3, परिशिष्ट 1C के साथ)
7C	तालाब प्रचालन नियम का टेम्पलेट, बाढ़ कुशन सहित
7D	गाद निकालने और पुनर्स्थापन का विनिर्देश
7E	जलाशयों के हिन्दी और उर्दू शब्दों तथा क्षेत्रीय रूपों की शब्दावली
प्रपत्र 7-1	जलाशय पत्रक
प्रपत्र 7-2	तालाब भंडारण क्रेडिट पत्रक
प्रपत्र 7-3	प्रतिपूरक भंडारण गणना (ऊँचाई पट्टी के अनुसार)

अध्याय 8

जल गुणवत्ता और पुनर्भरण

8.1 उद्देश्य और विस्तार

8.1.1 यह अध्याय किसी साइट या सार्वजनिक जल निकासी प्रणाली से निकलने वाले वर्षा जल (stormwater) की गुणवत्ता और भूजल पुनर्भरण (recharge) के लिए अपेक्षाएँ निर्धारित करता है। इसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- (a) जल गुणवत्ता आयतन (WQv) और जल गुणवत्ता के लिए डिजाइन प्रवाह;
- (b) उपचार शृंखला (treatment train), और सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धतियों (BMP) का चयन और डिजाइन;
- (c) अंतःस्यंदन (infiltration) और भूजल पुनर्भरण के मानदंड;
- (d) वर्षा जल ड्रेन से सीवेज (sewage) और शुष्क मौसम प्रवाह (DWF) को बाहर रखना;
- (e) जलाशयों में गिरने वाले आउटफॉल पर स्थूल प्रदूषक जाल (GPT), प्रथम प्रवाह (first flush) उपचार और जालियाँ;
- (f) वर्षा जल संचयन (RWH) का प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण के साथ तालमेल;
- (g) निर्माण के दौरान अपरदन और तलछट नियंत्रण; और
- (h) निगरानी (monitoring)।

8.1.2 यह अध्याय ऐसे प्रत्येक विकास और लोक निर्माण कार्य पर लागू होता है जिस पर अध्याय 4 लागू होता है (अध्याय 1)। खंड 8.9 (सीवेज) और 8.12 (निर्माण के दौरान अपरदन और तलछट नियंत्रण) ऐसे प्रत्येक विकास पर, जिसके लिए भवन अनुमति या लेआउट अनुमोदन आवश्यक है, और प्रत्येक सार्वजनिक जल निकासी कार्य पर, उसके आकार की परवाह किए बिना, लागू होते हैं।

8.1.3 अध्याय 4 के अंतर्गत प्रतिधारण (retention) जल गुणवत्ता नियंत्रण का पहला और पसंदीदा रूप है। साइट पर रोका गया अपवाह पूरी तरह उपचारित माना जाता है। इस अध्याय का शेष भाग WQv के उस अंश पर लागू होता है जो रोका नहीं गया है।

> **भाष्य.** CPHEEO (2019) एकमात्र भारतीय मैनुअल है जो वर्षा जल की गुणवत्ता को कुछ विस्तार से समझाता है। इसका अध्याय 9 अमेरिका की घटना माध्य सांद्रताएँ (event mean concentrations) उद्धृत करता है, परंतु सावधान करता है कि "भारतीय संदर्भ में ये मान कहीं अधिक होंगे" ("in an Indian context the values would be much higher"), क्योंकि ड्रेन में मानव मल (night soil), मूत्र और खाद्य अपशिष्ट आते हैं, और वह कोई भारतीय संख्यात्मक मानदंड निर्धारित नहीं करता (CPHEEO 2019, Part A §9.5)। इसका अध्याय 10 जल-संवेदी शहरी डिजाइन, LID और SuDS उपचार शृंखलाओं का वर्णन करता है (CPHEEO 2019, Part A Ch. 10)। यह अध्याय उस मार्गदर्शन को अपेक्षाओं में बदलता है। यह MARC/APWA BMP Manual (2012) की उपचार पद्धति का अनुसरण करता है, जो अब APWA 5600 (2025.01) में मिला दिया गया है, और उष्णकटिबंधीय और अमेरिकी तुलना-मानकों के रूप में मलेशिया की 3-माह ARI जल गुणवत्ता वर्षा घटना (MSMA 2, 2012) और जॉर्जिया के जल गुणवत्ता आयतन (GSMM, 2016) को लेता है।

8.2 परिभाषाएँ

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
जल गुणवत्ता आयतन (WQv)	अपवाह का वह आयतन जिसे रोकना या उपचारित करना आवश्यक है, जो जल गुणवत्ता के लिए वर्षा की गहराई से निकाला जाता है (खंड 8.4)।
जल गुणवत्ता के लिए वर्षा की गहराई (P_wq)	प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई (परिशिष्ट 2E, खंड 2.10) और 24-घंटे की 3-माह ARI गहराई (परिशिष्ट 8A) में से जो अधिक हो।
3-माह ARI गहराई	24-घंटे की वह वर्षा गहराई जो औसतन वर्ष में चार बार बराबर होती है या पार होती है, जो दीर्घकालिक दैनिक अभिलेख की आंशिक-अवधि श्रृंखला से निकाली जाती है।
जल गुणवत्ता के लिए डिजाइन प्रवाह (Q_wq)	3-माह ARI वर्षा घटना से चरम प्रवाह, जिसका उपयोग प्रवाही युक्तियों (flow-through devices) और विपथन संरचनाओं के आकार निर्धारण में किया जाता है (खंड 8.4.5)।
WQv के लिए अपवाह गुणांक (Rv)	छोटी वर्षा घटनाओं के लिए आयतनी अपवाह गुणांक, Rv = 0.05 + 0.009·I।
BMP	सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धति (best management practice): कोई संरचनात्मक या गैर-संरचनात्मक उपाय जो प्रदूषक भार या अपवाह आयतन घटाता है।
उपचार श्रृंखला	स्रोत से साइट और क्षेत्रीय स्तर तक, क्रम में लगी दो या अधिक BMP (खंड 8.5)।
पूर्व-उपचार (pretreatment)	ऐसी BMP जो अपवाह के किसी फिल्टर या अंतःस्यंदन BMP तक पहुँचने से पहले मोटी तलछट, कचरा और तेल हटाती है।
प्रथम प्रवाह	अपवाह घटना का आरंभिक भाग, जिसमें सामान्यतः तलछट, कचरे और तेल की सांद्रता सबसे अधिक होती है।
स्थूल प्रदूषक जाल (GPT)	ऐसी युक्ति जो कचरा, प्लास्टिक, वनस्पति और मोटी तलछट, सामान्यतः लगभग 5 mm से बड़ी, पकड़ती है।
शुष्क मौसम प्रवाह (DWF)	किसी वर्षा जल ड्रेन में वह प्रवाह जब कम से कम 72 घंटे से वर्षा न हुई हो। पृथक वर्षा जल प्रणाली में DWF सीवेज, सलेज, भूजल के रिसाव या अवैध निस्सरण का प्रमाण है।
अवैध जुड़ाव (cross-connection)	कोई भी पाइप, चैनल या छिद्र जिससे सीवेज या सलेज (रसोई, स्नानघर और कपड़े धोने के स्थान का गंदा पानी) किसी वर्षा जल ड्रेन में प्रवेश करे।
अंतःस्यंदन सुविधा	ऐसी सुविधा जो अपवाह को भूमि की सतह के नीचे, या किसी गड्ढे में, संचित करने और मिट्टी में सोखने देने के लिए डिजाइन की गई हो: अंतःस्यंदन खाइयाँ और बेसिन, बिना लाइनर वाला बायोरिटेंशन, खुले आधार वाला पारगम्य पेवमेंट, सोख गड्ढे (soakaways), पुनर्भरण गड्ढे और पुनर्भरण कुएँ।
मौसमी उच्चतम भूजल स्तर	खंड 3.10.2 में परिभाषित अनुसार: दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु में उच्चतम स्तर।
हॉटस्पॉट (hotspot)	ऐसा भूमि उपयोग जिसमें रिसाव या दूषित अपवाह का उच्च जोखिम हो (खंड 8.8.8)।
सेवा स्तर (LoS) / मूल्य श्रेणी (VR)	खंड 8.6 की अंक प्रणाली, जो MARC/APWA BMP Manual (2012) से ली गई है।

8.3 उद्देश्य और चिंता के प्रदूषक

8.3.1 इस मैनुअल के अंतर्गत वर्षा जल उपचार का लक्ष्य होगा:

- (a) कचरा, प्लास्टिक और अन्य स्थूल प्रदूषकों को किसी जलाशय तक पहुँचने से पहले हटाना;
- (b) निलंबित तलछट को, और उस पर लदी धातुओं, पोषक तत्वों और तेल को, हटाना;

- (c) सीवेज और सलेज को वर्षा जल ड्रेन और जलाशयों से बाहर रखना;
- (d) जहाँ मिट्टी और भूजल की गहराई अनुमति दें, भूजल को प्रदूषित किए बिना उसका पुनर्भरण करना; और
- (e) निर्माण के दौरान अपरदन और तलछट के निस्सरण को रोकना।

8.3.2 डिजाइन में प्रत्येक साइट के लिए निम्नलिखित प्रदूषकों का, और जहाँ लागू हों वहाँ खंड 8.8.8 के हॉटस्पॉट प्रदूषकों का, समाधान किया जाएगा:

तालिका 8.1 — चिंता के प्रदूषक, स्रोत और प्राथमिक नियंत्रण

प्रदूषक	झारखंड के नगरों में मुख्य स्रोत	प्राथमिक नियंत्रण
स्थूल प्रदूषक (प्लास्टिक, कचरा, वनस्पति)	सड़कें, बाजार, ड्रेन में खुले में कचरा फेंकना	स्रोत पर संग्रहण; GPT और जालियाँ (खंड 8.10)
निलंबित तलछट	निर्माण स्थल, कच्ची सड़कें और किनारे की पटरियाँ, सड़क की घिसाई, ड्रेन की गाद	अपरदन और तलछट नियंत्रण (खंड 8.12); पूर्व-उपचार; निस्यंदन
तेल, ग्रीस और ईंधन	सड़कें, पार्किंग, ईंधन स्टेशन, वर्कशॉप, बस डिपो	हॉटस्पॉट पर तेल-ग्रिट पृथक्कारी; बायोरिटेंशन
रोगाणु और कार्बनिक भार (BOD)	सीवेज और सलेज के अवैध जुड़ाव, पशु अपशिष्ट	बाहर रखना और DWF अवरोधन (खंड 8.9)
पोषक तत्व (N, P)	सीवेज, उर्वरक, खाद्य अपशिष्ट, डिटर्जेंट	बाहर रखना; बायोरिटेंशन; आर्द्रभूमि
भारी धातुएँ	सड़कें, छतें, औद्योगिक प्रांगण	निस्यंदन; अवसादन

> **भाष्य.** खंड 8.3 में स्थूल प्रदूषक और सीवेज सबसे पहले रखे गए हैं, क्योंकि झारखंड में शहरी जलाशयों के प्रदूषण में इन्हीं का प्रभुत्व है, और क्योंकि यदि इन्हें हटाया न जाए तो कोई भी उपचार BMP लंबे समय तक काम नहीं करती। CPHEEO (2019) बताता है कि भारतीय ड्रेन मानव मल, मूत्र और खाद्य अपशिष्ट ले जाती हैं (Part A §9.5)। अपनी WSUD प्रक्रिया में वह TSS, कुल नाइट्रोजन, कुल फॉस्फोरस और स्थूल प्रदूषकों को मुख्य प्रदूषकों के रूप में सूचीबद्ध करता है (Part A Ch. 10)। AMRUT 2.0 "वर्षा जल ड्रेन के माध्यम से ऐसे जलाशय में जिसमें सीवेज/बहिःस्राव नहीं आ रहा हो" ("through storm water drains into water body"; "which is not receiving sewage/effluent") वर्षा जल के संचयन का वित्तपोषण करता है (लोक सभा अतारांकित प्रश्न AU1419), जो तभी काम करता है जब पहले सीवेज को ड्रेन से बाहर रखा जाए।

8.4 जल गुणवत्ता आयतन और डिजाइन प्रवाह

8.4.1 **जल गुणवत्ता के लिए वर्षा की गहराई.** जल गुणवत्ता के लिए वर्षा की गहराई है:

$$P_{wq} = \max(P_{ret}, P_{3m})$$

जहाँ:

- P_{ret} = साइट के जोन के लिए प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई (परिशिष्ट 2E, खंड 2.10), mm; और
- P_{3m} = साइट के जोन के लिए 24-घंटे की 3-माह ARI गहराई (परिशिष्ट 8A), mm।

8.4.2 **जल गुणवत्ता आयतन.** WQv की गणना इस प्रकार की जाएगी:

> WQv = (P_wq / 1000) × Rv × A

जहाँ:

- WQv, m^3 में है;
- A = योगदान देने वाला क्षेत्र, m^2;
- Rv = 0.05 + 0.009·I; और
- I = खंड 3.9 के जुड़ाव नियमों के बाद, योगदान देने वाले क्षेत्र का अपारगम्य प्रतिशत (0–100)।

ऊपर दिए गए Rv रूप का उपयोग केवल 0.5 ha से कम की साइटों के लिए और टियर B सरलीकृत विधि (खंड 4.14) के अंतर्गत किया जा सकता है। यह वही सीमा है जो प्रतिधारण आयतन के लिए है (खंड 4.4.2)। अन्य सभी साइटों के लिए WQv की गणना SCS-CN विधि से की जाएगी, जैसे प्रतिधारण आयतन की की जाती है: WQv (m^3) = 10 × Q_wq × A, जहाँ Q_wq (mm) प्रत्येक उप-भाग के लिए P_wq से SCS-CN अपवाह है और A, ha में है।

8.4.3 **जलवायु गुणक.** खंड 2.8 का जलवायु गुणक P_wq पर लागू नहीं किया जाएगा। P_ret और P_3m सामान्य वर्षा के आवृत्ति सांख्यिकी मान हैं, AEP डिजाइन गहराइयाँ नहीं।

8.4.4 **प्रतिधारण द्वारा पूरा किया गया WQv.** अध्याय 4 के अंतर्गत साइट पर रोका गया आयतन WQv में पूरा गिना जाता है। जहाँ रोका गया आयतन WQv के बराबर या उससे अधिक है, वहाँ उस क्षेत्र के लिए किसी और उपचार की आवश्यकता नहीं है, सिवाय:

- (a) प्रत्येक प्रतिधारण सुविधा में आने वाले अंतर्वाह के पूर्व-उपचार के (खंड 8.5.3);
- (b) हॉटस्पॉट नियंत्रणों के (खंड 8.8.8); और
- (c) खंड 8.10 की आउटफॉल संबंधी अपेक्षाओं के, जहाँ साइट का पानी किसी जलाशय में गिरता है।

8.4.5 **जल गुणवत्ता के लिए डिजाइन प्रवाह.** प्रवाही युक्तियाँ (स्वेल, फिल्टर पट्टियाँ, तेल-ग्रिट पृथक्कारी, GPT) और ऑफ-लाइन BMP के लिए विपथन वियर, Q_wq के लिए आकारित किए जाएँगे। Q_wq की गणना योगदान देने वाले क्षेत्र के सांद्रण समय पर 3-माह ARI तीव्रता से की जाएगी:

- (a) रेशनल विधि से, जहाँ अध्याय 3 इसकी अनुमति देता है (कोई एकल तत्व जो 16 ha से अधिक की निकासी न करता हो); या
- (b) किसी हाइड्रोग्राफ विधि के चरम के रूप में, जिसमें खंड 2.9.1 के ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक कालिक वितरण के साथ 3-माह ARI 24-घंटे की गहराई ली जाती है।

8.4.6 **बाइपास.** Q_wq से अधिक प्रवाह, पहले से पकड़ी गई सामग्री को बहाए बिना, प्रवाही और ऑफ-लाइन उपचार युक्तियों को बाइपास करेंगे। बाइपास लघु या प्रमुख प्रणाली का भाग होगा (अध्याय 6)।

8.4.7 **खाली होने का समय.** जहाँ WQv को किसी विस्तारित अस्थायी भंडारण (extended detention) BMP (वेट पॉन्ड, निर्मित आर्द्रभूमि या शुष्क विस्तारित अस्थायी भंडारण बेसिन) में रोका जाता है, वहाँ उसे **24–48 घंटों** में छोड़ा जाएगा (अध्याय 4)।

> **भाष्य.** WQv की गहराई 3-माह ARI वर्षा घटना से अपवाह या प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई, इनमें से जो अधिक हो, है। 3-माह ARI मलेशिया की जल गुणवत्ता डिजाइन वर्षा घटना है (MSMA 2, 2012)। मलेशिया की 2008 की जाँच-सूची ने इसकी गहराई लगभग 40 mm बताई और कहा कि यह 24-घंटे की वर्षा घटनाओं के अपवाह आयतन का 90% या अधिक पकड़ती है (DID, 2008)। झारखंड के मान की गणना की जानी है (परिशिष्ट 8A)। जॉर्जिया अपना WQv 1.2 इंच (लगभग 30 mm) से अपवाह के रूप में निर्धारित करता है, जो औसत

वर्ष में 85% वर्षा घटनाओं को समेटने वाली गहराई है, और विकास-पश्चात औसत वार्षिक TSS भार के 80% को हटाने की अपेक्षा करता है (GSMM 2016, Vol 1, Standard #4)। कैनसस सिटी की जल गुणवत्ता वर्षा घटना 1.37-इंच (लगभग 35 mm) की वह घटना है जो वर्ष में सभी 24-घंटे की वर्षा घटनाओं के अपवाह का 90% तक उत्पन्न करती है (MARC BMP Manual, 2012)।

Rv सूत्र MARC/APWA BMP Manual (2012) से है, जो Rv = 0.05 + 0.009·I के साथ WQv = P × Rv की गणना करता है। SCS कर्व नंबर के स्थान पर Rv का उपयोग इसलिए किया जाता है कि CN विधि पारगम्य भूमि पर छोटी वर्षा घटनाओं से अपवाह को बहुत कम आँकती है। जलवायु गुणक लागू न करने (खंड 8.4.3) का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल ऐसा इसलिए करता है कि वह P_wq को प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई की तरह सामान्य वर्षा का एक सांख्यिकी मान मानता है। बड़े प्रवाहों का बाइपास और 24–48 घंटे में खाली होना अध्याय 4 के अनुसार है; MARC (2012) WQv के कम से कम 40 घंटे के विस्तारित अस्थायी भंडारण की अपेक्षा करता था।

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं. 80% अपारगम्य आवरण वाली 1.0 ha की साइट के लिए, 50 mm का P_wq मानते हुए:

- Rv = 0.05 + 0.009 × 80 = 0.77
- WQv = (50 / 1000) × 0.77 × 10,000 = 385 m^3

8.5 उपचार शृंखला और पूर्व-उपचार

8.5.1 **उपचार शृंखला.** जल गुणवत्ता नियंत्रण को चित्र 8.1 में दर्शाए गए क्रम में एक उपचार शृंखला के रूप में डिजाइन किया जाएगा:

- (a) भूखंड पर **स्रोत नियंत्रण**: छत के अपवाह को RWH में ले जाना, वर्षा उद्यान, पारगम्य पक्की सतह, अपारगम्य क्षेत्रों को असंबद्ध करना, और इनलेट पर गाद-जाल;
- (b) **साइट नियंत्रण**: बायोरिटेंशन, स्वेल, फिल्टर पट्टियाँ, अंतःस्यंदन, हॉटस्पॉट पर तेल-ग्रिट पृथक्कारी, वेट पॉन्ड और विस्तारित अस्थायी भंडारण; और
- (c) सार्वजनिक जल निकासी के लिए **क्षेत्रीय नियंत्रण**: आउटफॉल पर GPT और DWF इंटरसेप्टर, तालाबों के इनलेट पर निर्मित आर्द्रभूमि, और क्षेत्रीय तालाब।

8.5.2 कोई विकास (a) और (b) के माध्यम से साइट पर WQv पूरा करेगा। (c) के अंतर्गत क्षेत्रीय नियंत्रण किसी विकास के WQv में केवल तभी गिने जा सकते हैं जब उसी अपवाह का उपचार करने वाली क्षेत्रीय सुविधा किसी अधिसूचित बेसिन प्लान (खंड 7.11) के अंतर्गत बनाई जा चुकी हो।

8.5.3 **पूर्व-उपचार.** प्रत्येक बायोरिटेंशन सेल, अंतःस्यंदन सुविधा, बाहर से आने वाला अपवाह (run-on) प्राप्त करने वाले पारगम्य पेवमेंट, वेट पॉन्ड और निर्मित आर्द्रभूमि में प्रत्येक संकेंद्रित अंतर्वाह पर पूर्व-उपचार होगा। पूर्व-उपचार कोई तलछट फोरबे (forebay), घास फिल्टर पट्टी, गाद-जाल या स्वामित्वाधीन युक्ति होगी जो अपने योगदान देने वाले क्षेत्र के **WQv का कम से कम 10%** रोके, या प्रवाही युक्तियों के लिए Q_wq के लिए आकारित हो।

8.5.4 पूर्व-उपचार ऐसा होगा कि मुख्य BMP में प्रवेश किए या उसे छेड़े बिना उसकी सफाई की जा सके।

भाष्य. उपचार शृंखला CPHEEO (2019, Part A §10.2.3, SuDS उपचार शृंखला) और CIRIA C753 *The SuDS Manual* (2015) का अनुसरण करती है। यह इस मैनुअल की प्राथमिकताओं का क्रम भी है: संरक्षण, प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, वहन (अध्याय 1)। 10% फोरबे आयतन का कोई भारतीय पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह अमेरिकी मैनुअलों में फोरबे के आकार निर्धारण का एक सामान्य नियम है। झारखंड में कच्ची पटरियाँ, निर्माण स्थल और ड्रेन की गाद भारी तलछट भार लाते हैं। पूर्व-उपचार के बिना बायोरिटेंशन और अंतःस्यंदन सुविधाएँ अवरुद्ध हो जाती हैं, प्रायः एक या दो वर्ष के भीतर।

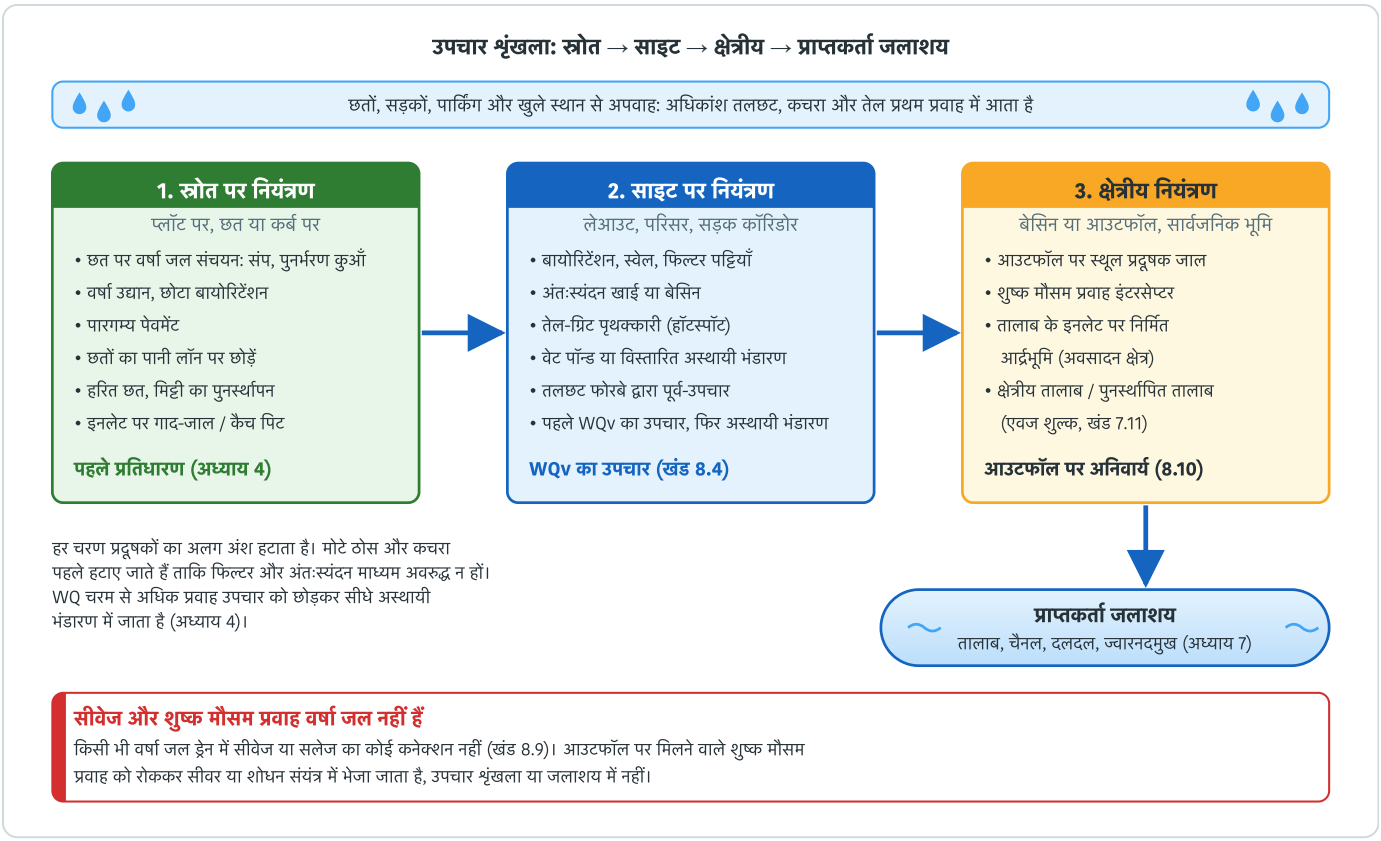

चित्र 8.1 — उपचार शृंखला: प्राप्तकर्ता जलाशय से पहले स्रोत, साइट और क्षेत्रीय नियंत्रण, सीवेज और शुष्क मौसम प्रवाह को प्रणाली से बाहर रखते हुए। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, CIRIA, The SuDS Manual (C753), 2015, और MARC/APWA, Manual of Best Management Practices for Stormwater Quality, 2012 से अनुकूलित।

8.6 BMP का चयन: सेवा स्तर और मूल्य श्रेणी

8.6.1 **विधि.** टियर A क्षेत्रों में प्रत्येक साइट के लिए BMP का चयन इस खंड की सेवा स्तर (LoS) विधि से किया जाएगा। टियर B क्षेत्रों में खंड 8.6.5 का सरलीकृत मार्ग अपनाया जा सकता है।

8.6.2 **आवश्यक सेवा स्तर.** ऐसी साइट के लिए जो पुनर्विकास नहीं है, आवश्यक LoS विकास-पूर्व से विकास-पश्चात स्थिति तक कर्व नंबर में परिवर्तन (ΔCN) पर निर्भर करता है (अध्याय 3):

तालिका 8.2 — पुनर्विकास से भिन्न साइटों के लिए आवश्यक सेवा स्तर

ΔCN	प्रभाव	आवश्यक LoS
17 या अधिक	उच्च	8
7 से 16	मध्यम	7
4 से 6	निम्न	6
1 से 3	न्यूनतम	5

पुनर्विकास (साइट के 20% या अधिक पर विद्यमान अपारगम्य आवरण) के लिए आवश्यक LoS परिशिष्ट 8B से लिया जाएगा।

8.6.3 **मूल्य श्रेणी.** WQv का उपचार करने वाली प्रत्येक BMP की तालिका 8.3 से एक मूल्य श्रेणी (VR) होती है। साइट की संयुक्त VR, साइट के प्रत्येक भाग की सेवा करने वाली BMP की VR का क्षेत्र-भारित औसत है। उपचार शृंखलाओं को परिशिष्ट 8B के अंतर्गत संयुक्त VR मिलती है। संयुक्त VR आवश्यक LoS के बराबर या उससे अधिक होगी।

8.6.4 **मूल्य श्रेणी की शर्तें.** कोई BMP अपनी VR केवल तभी अर्जित करती है जब:

- (a) वह उसे क्रेडिट किए गए क्षेत्र के WQv (या प्रवाही युक्तियों के लिए Q_wq) के लिए आकारित हो;
- (b) वह खंड 8.7 की और, अंतःस्यंदन के लिए, खंड 8.8 की डिजाइन अपेक्षाएँ पूरी करे; और
- (c) उसमें खंड 8.5.3 के अंतर्गत पूर्व-उपचार हो।

8.6.5 **टियर B सरलीकृत मार्ग.** टियर B क्षेत्रों में, खंड 8.6.3 की अपेक्षा पूरी हुई मानी जाती है जहाँ साइट का पूरा WQv या तो:

- (a) अध्याय 4 के अंतर्गत साइट पर रोका जाता है; या
- (b) खंड 8.7 और 8.8 के अंतर्गत डिजाइन किए गए, पूर्व-उपचार सहित, किसी बायोरिटेंशन सेल, वर्षा उद्यान या अंतःस्यंदन सुविधा द्वारा उपचारित किया जाता है।

तालिका 8.3 — BMP की मूल्य श्रेणियाँ और झारखंड में उपयुक्तता

BMP	VR (MARC 2012)	हटाए जाने वाले मुख्य प्रदूषक	आयतन में कमी / भूजल पुनर्भरण	जलोढ़ (गंगा तटवर्ती क्षेत्र, नदी की रेत)	लैटेराइट / कठोर चट्टान	निचली भूमि की चिकनी मिट्टी या खनन से विक्षुब्ध भूमि / ऊँचा भूजल स्तर	झारखंड संबंधी टिप्पणियाँ
देशज वनस्पति (संरक्षित)	9.25	सभी	उच्च	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	केवल संरक्षित, अछूते क्षेत्र के लिए गिनी जाती है
वर्षा उद्यान / अंतःस्यंदन	9.0	तलछट, धातुएँ, तेल, पोषक तत्व	उच्च	उपयुक्त, यदि 1.0 m की दूरी पूरी हो	सशर्त (परीक्षण)	अनुपयुक्त	मच्छर नियंत्रण: 48 h के भीतर खाली हो
बायोरिटेंशन	8.5	तलछट, धातुएँ, तेल, पोषक तत्व	मध्यम–उच्च (बिना लाइनर); निम्न (लाइनरयुक्त)	उपयुक्त	उपयुक्त, अंडरड्रेन सहित	लाइनरयुक्त, अंडरड्रेन सहित	माध्यम का स्रोत और फॉस्फोरस की मात्रा विनिर्दिष्ट की जानी है
पारगम्य पेवमेंट	7.5	तलछट, धातुएँ, तेल	मध्यम–उच्च	उपयुक्त	सशर्त	केवल लाइनरयुक्त	जहाँ बाहर से आने वाला अपवाह भारी गाद लाता हो वहाँ नहीं
विस्तारित अस्थायी भंडारण आर्द्रभूमि	7.0	तलछट, पोषक तत्व, धातुएँ	निम्न	सशर्त (जल संतुलन)	उपयुक्त	उपयुक्त	तालाबों के इनलेट पर उपयोगी (खंड 7.9.7)
माध्यम / रेत फिल्टर	6.0	तलछट, धातुएँ	निम्न	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त (लाइनरयुक्त)	बार-बार सफाई आवश्यक
विस्तारित आर्द्र अस्थायी भंडारण (वेट पॉन्ड)	5.0	तलछट, धातुएँ, कुछ पोषक तत्व	निम्न	सशर्त (जल संतुलन)	उपयुक्त	उपयुक्त	शुष्क ऋतु का जल संतुलन (खंड 8.7.8)
वनस्पति फिल्टर पट्टी	5.0	तलछट	निम्न–मध्यम	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	अधिकतर पूर्व-उपचार के रूप में

BMP	VR (MARC 2012)	हटाए जाने वाले मुख्य प्रदूषक	आयतन में कमी / भूजल पुनर्भरण	जलोढ़ (गंगा तटवर्ती क्षेत्र, नदी की रेत)	लैटेराइट / कठोर चट्टान	निचली भूमि की चिकनी मिट्टी या खनन से विक्षुब्ध भूमि / ऊँचा भूजल स्तर	झारखंड संबंधी टिप्पणियाँ
देशज वनस्पति स्वेल	4.0	तलछट, तेल	निम्न–मध्यम	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	जहाँ Q_wq पर वेग अधिक हो वहाँ नहीं
विस्तारित शुष्क अस्थायी भंडारण	4.0	मोटी तलछट	निम्न	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	अस्थायी भंडारण के साथ मिलाएँ (अध्याय 4)
स्वामित्वाधीन / हाइड्रोडायनामिक युक्तियाँ	3.0–5.0	मोटी तलछट, तेल, कचरा	कोई नहीं	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	VR केवल सत्यापित परीक्षण आँकड़ों से
संकेत-पट (जन शिक्षा)	+0.25	—	—	—	—	—	संयुक्त VR में जोड़ी जाती है

VR स्तंभ MARC/APWA BMP Manual (2012) की Table 4.4 से है। उपयुक्तता के स्तंभों और टिप्पणियों का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

> **भाष्य.** LoS और VR विधि MARC/APWA Manual of Best Management Practices for Stormwater Quality (2012), Tables 4.2 और 4.4 से है। VR में International Stormwater BMP Database की बहिःस्राव TSS सांद्रताओं पर आधारित जल गुणवत्ता अंक को आयतन में कमी, तापमान, और तेल तथा तैरती वस्तुओं के अंकों के साथ जोड़ा जाता है। यह विधि झारखंड के लिए दो कारणों से उपयुक्त है। यह आयतन में कमी और संरक्षण को पुरस्कृत करती है, जो भूजल पुनर्भरण में भी सहायक हैं। साथ ही, समीक्षक जल गुणवत्ता मॉडलिंग के बिना इसकी जाँच कर सकता है। इसकी कमजोरी यह है कि अंक अमेरिकी आँकड़ों से आते हैं। झारखंड का वर्षा जल उन अंकों के पीछे के अमेरिकी अपवाह से अधिक कचरा और अधिक सीवेज ले जाता है (CPHEEO 2019, §9.5), इसलिए यह मैनुअल GPT और DWF को बाहर रखने की अपेक्षा अलग से करता है (खंड 8.9 और 8.10) और किसी VR को उनका स्थान नहीं लेने देता।

8.7 BMP डिजाइन सारांश

8.7.1 **सामान्य.** प्रत्येक BMP को नीचे दी गई अपेक्षाओं और परिशिष्ट 8D (BMP डिजाइन पत्रक) के अनुसार डिजाइन किया जाएगा। जहाँ चिह्नित है, वहाँ दिए गए आयाम **अनुशंसित प्रारंभिक मान** हैं; डिजाइनकर्ता किसी भी विचलन का औचित्य बताएगा। प्रत्येक BMP को Q_wq से अधिक प्रवाहों के सुरक्षित निकास (खंड 8.4.6) के लिए डिजाइन किया जाएगा और उसमें रखरखाव के लिए पहुँच होगी (अध्याय 10)।

8.7.2 **बायोरिटेंशन और वर्षा उद्यान** (चित्र 8.2)।

- (a) मल्च (mulch) के ऊपर सतही जल रुकने की गहराई **300 mm** से अधिक नहीं, अधिकतम जल रुकने के स्तर पर अतिप्रवाह के साथ।
- (b) सतह पर रुका जल **48 घंटों** के भीतर निकल जाए।
- (c) 600–900 mm गहरा फिल्टर माध्यम: कम महीन कणों और कम फॉस्फोरस वाली इंजीनियर्ड बलुई दोमट (परिशिष्ट 8D), 50–75 mm की मल्च परत के साथ।
- (d) माध्यम के नीचे एक संक्रमण (चोकर, choker) परत और एक बजरी जल निकासी परत।
- (e) जहाँ मूल मिट्टी की डिजाइन अंतःस्यंदन दर (खंड 8.8.4), (b) को पूरा करने के लिए आवश्यक दर से कम हो, या जहाँ सेल लाइनरयुक्त हो, वहाँ एक छिद्रित अंडरड्रेन।

- (f) बिना लाइनर वाले सेल खंड 8.8 के अंतःस्यंदन मानदंड पूरे करेंगे। जो सेल उन्हें पूरा नहीं कर सकते, और हॉटस्पॉट पर स्थित सेल, लाइनरयुक्त होंगे।
- (g) पौधे: देशज या प्राकृतिकीकृत प्रजातियाँ जो जलभराव और लंबी शुष्क अवधि दोनों सह सकें।

8.7.3 **वनस्पति स्वेल.**

- (a) समलंबी या परवलयिक काट, जिसके पार्श्व ढलान 1V:3H से अधिक खड़े न हों।
- (b) अनुदैर्ध्य ढलान 0.5% से 4%, अधिक खड़े ढलान पर चेक डैम के साथ।
- (c) Q_wq पर प्रवाह की गहराई घास की ऊँचाई से अधिक नहीं, और Q_wq पर वेग 0.3 m/s से अधिक नहीं।
- (d) 1% AEP प्रवाह (या बाइपास) स्वेल का अपरदन नहीं करेगा (अध्याय 9 के अनुमेय वेग)।
- (e) जहाँ अनुदैर्ध्य ढलान 1% से कम हों या उप-मृदा में जल निकासी कमजोर हो, वहाँ फिल्टर माध्यम सहित अंडरड्रेनयुक्त ("शुष्क") स्वेल।

8.7.4 **वनस्पति फिल्टर पट्टियाँ.**

- (a) केवल परत प्रवाह प्राप्त करें, जहाँ प्रवाह संकेंद्रित होकर आता हो वहाँ समतल प्रसारक (level spreader) के साथ।
- (b) प्रवाह की दिशा में लंबाई कम से कम 5 m, और ढलान 1% से 8%।
- (c) मुख्यतः बायोरिटेंशन, अंतःस्यंदन और स्वेल के लिए पूर्व-उपचार के रूप में उपयोग।

8.7.5 **पारगम्य पेवमेंट.**

- (a) अपारगम्य क्षेत्रों से आने वाले अपवाह का क्षेत्र पारगम्य क्षेत्र के दोगुने से अधिक नहीं, और कच्चे या अपरदित हो रहे क्षेत्रों से कोई अपवाह नहीं।
- (b) स्वच्छ, खुले श्रेणीकरण वाले एग्रीगेट का आधार जलाशय (base reservoir), जो अपने रिक्त स्थानों में WQv का अपना हिस्सा रोक सके।
- (c) खुला (अंतःस्यंदन करने वाला) आधार केवल जहाँ खंड 8.8 पूरा हो; अन्यथा अंडरड्रेन के साथ लाइनरयुक्त, और तब केवल निस्यंदन के रूप में गिना जाए।
- (d) सड़क प्राधिकारी के मानकों के अनुसार यातायात भार के लिए संरचनात्मक डिजाइन।
- (e) हॉटस्पॉट पर नहीं, और जहाँ सतह को अपारगम्य सामग्री से पुनः बिछाया जाएगा वहाँ नहीं।

8.7.6 **अंतःस्यंदन खाइयाँ और बेसिन** (चित्र 8.3)।

- (a) हर स्थिति में खंड 8.5.3 के अंतर्गत पूर्व-उपचार।
- (b) खाइयाँ स्वच्छ धुले एग्रीगेट से भरी हों, जिसका रिक्तता अनुपात परीक्षण से पुष्ट हो, जो पार्श्वों और ऊपर जियोटेक्सटाइल में लिपटा हो और रेत के आधार पर हो।
- (c) प्रत्येक खाई के आधार तक एक प्रेक्षण कुआँ।
- (d) भंडारण आयतन = WQv (या अध्याय 4 का प्रतिधारण आयतन, जहाँ अधिक हो), जो रिक्त स्थानों में रोका जाए; डिजाइन अंतःस्यंदन दर पर 72 घंटों के भीतर खाली हो।
- (e) सतह के स्तर पर लघु या प्रमुख प्रणाली में अतिप्रवाह।
- (f) योगदान देने वाले क्षेत्र के स्थिर होने तक सेवा में न लाई जाए (अध्याय 10)।

8.7.7 **वेट पॉन्ड (विस्तारित आर्द्र अस्थायी भंडारण).**

- (a) कम से कम WQv का स्थायी जल-भंडार (permanent pool), और उसके ऊपर WQv का विस्तारित अस्थायी भंडारण, जो 24–48 घंटों में छोड़ा जाए।
- (b) प्रत्येक इनलेट पर एक तलछट फोरबे (खंड 8.5.3)।
- (c) प्रवाह मार्ग का लंबाई-चौड़ाई अनुपात कम से कम 3:1, बिना शॉर्ट-सर्किट प्रवाह के।

- (d) स्थायी जल-भंडार की गहराई 1.0–2.5 m, सुरक्षा बेंच के साथ (खंड 7.9.4)।
- (e) शुष्क ऋतु का जल संतुलन (खंड 8.7.8)।
- (f) अध्याय 4 का अस्थायी भंडारण विस्तारित अस्थायी भंडारण स्तर के ऊपर हो सकता है।

8.7.8 **स्थायी जल-भंडार के लिए जल संतुलन.** वेट पॉन्ड और आर्द्रभूमियों के लिए, IMD वर्षा और पैन वाष्पन का उपयोग करते हुए मासिक जल संतुलन द्वारा यह दर्शाया जाएगा कि वे 10 वर्षों में सबसे शुष्क वर्ष में भी स्थायी जल-भंडार के आयतन का कम से कम 50% (या आर्द्रभूमि की न्यूनतम गहराई) बनाए रखते हैं। उन्हें भूजल, पेयजल या सीवेज से नहीं भरा जाएगा। जहाँ संतुलन विफल हो, वहाँ उसके स्थान पर शुष्क विस्तारित अस्थायी भंडारण बेसिन या छोटे स्थायी जल-भंडार वाली निर्मित आर्द्रभूमि का उपयोग किया जाएगा।

8.7.9 **निर्मित आर्द्रभूमियाँ.**

- (a) इनलेट पर एक अवसादन तालाब (फोरबे), जिसके बाद एक उथला वनस्पतियुक्त वृहत्पादप क्षेत्र (macrophyte zone)।
- (b) सामान्य जल स्तर के ऊपर WQv का विस्तारित अस्थायी भंडारण, जो 24–48 घंटों में छोड़ा जाए, और विस्तारित अस्थायी भंडारण की गहराई 0.5 m से अधिक नहीं।
- (c) प्रवाह मार्ग का लंबाई-चौड़ाई अनुपात कम से कम 3:1, प्रवाह को फैलाने के लिए प्रवाह मार्ग के आर-पार गहरे क्षेत्रों के साथ।
- (d) उच्च-प्रवाह बाइपास, ताकि बाढ़ वृहत्पादप क्षेत्र को न खुरचे।
- (e) जहाँ किसी तालाब (tank) के इनलेट पर बनाई जाए, वहाँ आर्द्रभूमि तालाब के सेटबैक के भीतर किंतु उसके जल-फैलाव क्षेत्र के बाहर होगी, और उसके भंडारण को तालाब के भंडारण के रूप में नहीं गिना जाएगा।

8.7.10 **स्थूल प्रदूषक जाल.**

- (a) Q_wq के उपचार के लिए आकारित, और 1% AEP तक के सभी प्रवाह पकड़ी गई सामग्री को बहाए बिना निकल जाएँ।
- (b) लगभग 5 mm तक के स्थूल प्रदूषकों को पकड़ें।
- (c) हेड हानि ड्रेन की हाइड्रोलिक ग्रेड लाइन में सम्मिलित हो (अध्याय 9), जाली को **50% अवरुद्ध** मानते हुए।
- (d) पकड़ी गई सामग्री के लिए भंडारण O&M योजना के सफाई अंतराल के लिए आकारित हो, और अध्याय 10 की 3-मासिक सफाई से कम नहीं।
- (e) सक्शन या ग्रैब द्वारा सफाई के लिए वाहन की पहुँच।

8.7.11 **तेल-ग्रिट पृथक्कारी.**

- (a) खंड 8.8.8 के उन हॉटस्पॉट पर आवश्यक जिनमें ईंधन या तेल का संबंध है: ईंधन स्टेशन, वाहन वर्कशॉप और धुलाई स्थल, बस और ट्रक डिपो, और 50 से अधिक स्थानों वाले पार्किंग क्षेत्र।
- (b) उच्च-प्रवाह बाइपास के साथ, Q_wq के लिए आकारित।
- (c) एकमात्र उपचार के रूप में उपयोग नहीं किए जाएँगे: जहाँ साइट को 5 से अधिक VR की आवश्यकता हो वहाँ इनके बाद एक निस्यंदन BMP होगी।

8.7.12 **गाद-जाल और कैच पिट.**

- (a) कच्ची भूमि से अपवाह प्राप्त करने वाले प्रत्येक इनलेट पर, और किसी BMP या जलाशय में गिरने वाली प्रत्येक ड्रेन के इनलेट पर।
- (b) आउटलेट इनवर्ट से कम से कम 300 mm नीचे एक संप।
- (c) गाद-जाल केवल पूर्व-उपचार हैं और कोई VR अर्जित नहीं करते।

> **भाष्य.** डिजाइन सारांश MARC/APWA BMP Manual (2012), Georgia Stormwater Management Manual (2016, Vol 2), CIRIA C753 *The SuDS Manual* (2015) और PUB सिंगापुर के ABC Waters Design Guidelines पर आधारित हैं। आयाम उन

मैनुअलों के विशिष्ट मान हैं, परंतु झारखंड में इनका अंशांकन नहीं किया गया है। तीन स्थानीय मुद्दे स्रोत मैनुअलों से परिवर्तन के कारण हैं:

- **मच्छर.** झारखंड में डेंगू स्थानिक है। बायोरिटेंशन और वर्षा उद्यानों में सतह पर रुका जल 48 घंटों के भीतर निकल जाना चाहिए (खंड 8.7.2(b)), जो मच्छर के लार्वा के विकसित होने के समय से काफी कम है। यह खंड 8.4.7 के WQv के 24–48 घंटे में खाली होने के अनुरूप है।
- **शुष्क ऋतुएँ.** झारखंड की अधिकांश वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून में होती है: राज्य का सामान्य मान 1,281.9 mm प्रति वर्ष है, जिसमें से लगभग 84% वर्षा जून से सितंबर तक होती है और केवल जुलाई और अगस्त में ही लगभग आधी वर्षा होती है, और जिलों के सामान्य मान गढ़वा और पलामू में लगभग 1,085–1,090 mm से लेकर पाकुड़ और सिमडेगा में लगभग 1,500 mm तक हैं, जिनमें रांची में 1,307.7 mm, पूर्वी सिंहभूम में 1,336.7 mm और धनबाद में 1,300.5 mm है (IMD, *Climate of Jharkhand*, 2011, 1951–2000 के सामान्य मान)। मानसून अब जमशेदपुर और बोकारो में लगभग 13 जून को, रांची में लगभग 14 जून को और डालटनगंज में लगभग 17 जून को आता है, और डालटनगंज से लगभग 8 अक्तूबर तक, रांची से लगभग 9 अक्तूबर तक और जमशेदपुर से लगभग 12 अक्तूबर तक वापस चला जाता है (IMD, आगमन और वापसी की नई सामान्य तिथियाँ, 2020)। नवंबर से मानसून तक तालाबों (talab), डोभों (dobha) और अनेक शहरी जलाशयों का जल स्तर गिर जाता है, लैटेराइट में खुदे कुएँ सूख जाते हैं, और नगरों में किसी तालाब को मिलने वाला पानी प्रायः सीवेज होता है, क्योंकि नाले (nala) उसे ले जाते हैं (खंड 8.9, भाष्य)। जिस वेट पॉन्ड या निर्मित आर्द्रभूमि का जल संतुलन (खंड 8.7.8) अपने ही जलग्रहण क्षेत्र के अपवाह से शुष्क महीनों में उसका स्थायी जल-भंडार बनाए नहीं रख सकता, उसका उपयोग नहीं किया जाना है; अपेक्षाकृत शुष्क उत्तर-पश्चिम में (उप-भाग JH-F) और पठार की पतली मिट्टी पर खंड 8.7 के शुष्क रूप (बायोरिटेंशन, स्वेल, जहाँ खंड 8.8.1 अनुमति दे वहाँ पुनर्भरण, और विस्तारित शुष्क अस्थायी भंडारण) ही व्यावहारिक विकल्प हैं। खंड 8.7.8 BMP पर लागू होता है, जिन्हें सीवेज से या पंप से निकाले गए खदान के पानी से नहीं भरा जाएगा; तालाब, बाँध (bandh), आहर (ahar), जलाशय और खदान झीलें अध्याय 7 के अंतर्गत जलाशय हैं और किसी विकास के लिए उपचार के रूप में उपयोग नहीं किए जाने हैं। सूख जाने वाले वेट पॉन्ड ठहरे हुए गड्ढे बन जाते हैं या उनमें कचरा फेंका जाने लगता है। खंड 8.7.8 जल संतुलन की अपेक्षा करता है और सीवेज से भरने पर रोक लगाता है, जो शहरी तालाबों को "भरा" ("full") रखने की एक आम प्रथा है।
- **कचरा और गाद.** GPT और गाद-जाल वैकल्पिक नहीं, अनिवार्य माने गए हैं, क्योंकि झारखंड की ड्रेन भारी मात्रा में कचरा और गाद ले जाती हैं। जालियों के लिए 50% अवरोध गुणक अध्याय 6 के जाली इनलेट अवरोध गुणक से मेल खाता है।

तेल-ग्रिट पृथक्कारियों के लिए 50 स्थानों की सीमा-मान, GPT का 5 mm का पकड़ आकार, स्वेल का 0.3 m/s वेग और इस खंड के अन्य आयामों का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

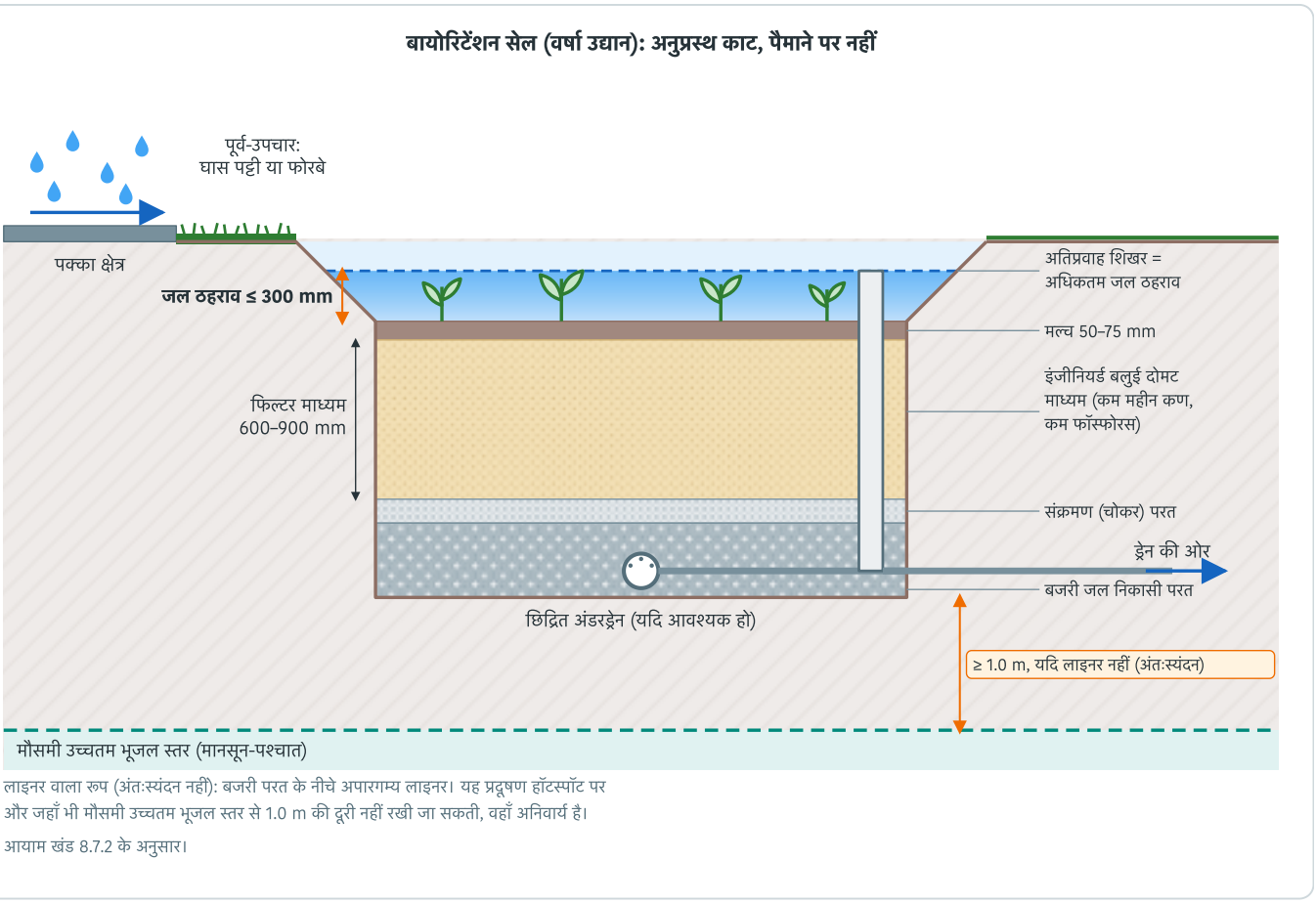

चित्र 8.2 — बायोरिटेंशन सेल (वर्षा उद्यान) की काट: पूर्व-उपचार, सतह पर रुका जल, फिल्टर माध्यम, संक्रमण और बजरी परतें, अंडरड्रेन, अतिप्रवाह, और बिना लाइनर वाले सेल के लिए मौसमी उच्चतम भूजल स्तर से 1.0 m की दूरी। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, MARC/APWA, Manual of Best Management Practices for Stormwater Quality, 2012, और CIRIA, The SuDS Manual (C753), 2015 से अनुकूलित।

8.8 अंतःस्यंदन और भूजल पुनर्भरण के मानदंड

8.8.1 **भूजल से दूरी.** अंतःस्यंदन सुविधा केवल वहीं अनुमत है जहाँ **मौसमी उच्चतम भूजल स्तर सुविधा के आधार से कम से कम 1.0 m नीचे** हो। झारखंड में इसका कोई अपवाद नहीं है, क्योंकि यहाँ कोई तटीय रेतीला क्षेत्र नहीं है (खंड 8.8.9)। **जहाँ जलभृत पर दबाव है, वहाँ पहले पुनर्भरण.** राज्य स्तर पर भूजल का दोहन 2023 के आकलन में दोहन योग्य संसाधन का 31.38% और 2025 के आकलन में 32.89% था (CGWB), परंतु दबाव औद्योगिक नगरों में है: 2023 में जमशेदपुर शहरी (Jamshedpur Urban), गोलमुरी-सह-जुगसलाई (Golmuri-cum-Jugsalai), बलियापुर और बेरमो, रामगढ़ जिले की एक इकाई सहित, अति-दोहित (over-exploited) थे, और धनबाद शहरी (Dhanbad Urban) और तोपचांची गंभीर (critical), तथा रांची जिले का 501.6 km² क्षेत्र गंभीर था (CGWB)। उन इकाइयों में, और सामान्यतः रांची, जमशेदपुर और धनबाद के शहरी क्षेत्रों में, जहाँ भी यह खंड पूरा होता है, वहाँ पूर्व-उपचार सहित पुनर्भरण प्रतिधारण पूरा करने का पहला साधन है। राज्य का लगभग 85% भाग कठोर चट्टान है, और उसका भूजल 10 से 25 m मोटे अपक्षयित क्षेत्र (weathered zone) में (लैटेराइट के नीचे 30 से 60 m) और उसके नीचे की दरारों में रहता है (CGWB); लैटेराइट परत (laterite crust) बहुत कम पानी सोखती है, और लैटेराइटी भूमि में खुदे कुएँ गर्मियों में सूख जाते हैं, इसलिए वहाँ पुनर्भरण किसी ऐसे पुनर्भरण कुएँ, बोर या शाफ्ट से होता है जो लैटेराइट या कठोर परत (hardpan) को पार करके अपक्षयित क्षेत्र तक पहुँचे, और केवल फिल्टर किए गए छत के पानी या किसी फिल्टर करने वाली BMP से गुजर चुके अपवाह के लिए (खंड 8.8.10(b)), किसी जल-भूवैज्ञानिक (hydrogeologist) की ऐसी रिपोर्ट के साथ जो भूजल स्तर की गहराई और प्राप्तकर्ता क्षेत्र की पुष्टि करे, और यह पुष्ट करे कि 30 m के भीतर पेयजल के किसी कुएँ को हानि नहीं होगी। **कोई पुनर्भरण नहीं.** निम्नलिखित में कोई अंतःस्यंदन सुविधा, पुनर्भरण गड्ढा, पुनर्भरण कुआँ या पुनर्भरण शाफ्ट किसी भी प्रकार का अपवाह प्राप्त नहीं करेगा, खंड 8.11.3(c) में छत के पानी के लिए दिया गया अपवाद

लागू नहीं होता, और प्रतिधारण या WQv के लिए किसी अंतःस्यंदन या पुनर्भरण का क्रेडिट नहीं दिया जाता; वहाँ प्रतिधारण उपयोग के लिए भंडारण, सतही उपायों और अध्याय 4 के अंतर्गत अस्थायी भंडारण से पूरा किया जाता है: (i) नदियों के डूब क्षेत्र, और तालाबों (talab), बाँधों (bandh), आहरों (ahar), डोभों (dobha) और जलाशयों के तल और अग्रतट (foreshore); (ii) निचली (दोन; don) धान भूमि और घाटी-तल, जहाँ मानसून-पश्चात भूजल स्तर, जो नवंबर 2022 में राज्य के अधिकांश निगरानी कुओं में भूमि से 2 से 5 m नीचे था (CGWB), आधार से इस दूरी के भीतर है; (iii) खनन से विक्षुब्ध भूमि (ओवरबर्डन डंप, पुनर्भरित या सुधारी गई खनन भूमि, संघनित खदान बेंच और हॉल रोड, भू-धंसान भूमि और झरिया कोयला क्षेत्र के अग्नि क्षेत्र), किसी चालू खदान का जल-निष्कासन क्षेत्र (dewatering zone), जैसा पट्टाधारी की खनन योजना या जल-भूवैज्ञानिक रिपोर्ट उसे दर्शाती है, और किसी खदान के गड्ढे के किनारे से 50 m के भीतर की भूमि, जब तक कोई भू-तकनीकी जाँच यह न दर्शाए कि वह स्थिर है; और (iv) कोई अन्य साइट जहाँ मौसमी उच्चतम भूजल स्तर आधार से इस दूरी के भीतर है। इस खंड के लिए मौसमी उच्चतम भूजल स्तर मानसून-पश्चात का स्तर (अक्तूबर और नवंबर) है। **गुणवत्ता.** पलामू, गढ़वा, कोडरमा और पाकुड़ जिलों के कुछ भागों में 1.5 mg/L से अधिक फ्लोराइड पाए जाने की सूचना है (CGWB, 2019-20), CGWB के एक अन्य स्रोत में जिलों की एक व्यापक सूची में, जिसमें रांची, बोकारो, गिरिडीह और रामगढ़ सम्मिलित हैं, और रांची जिले के ओरमांझी, रांची सदर और सिल्ली प्रखंडों में छिटपुट रूप से (CGWB); गंगा पर साहिबगंज, राजमहल और उधवा प्रखंडों में आर्सेनिक पाए जाने की सूचना है। फ्लोराइड वाले जिलों में पुनर्भरण कुएँ का उपयोग केवल साइट पर भूजल की गुणवत्ता की जाँच के बाद ही किया जाता है, और पुनर्भरित जलभृत से वापस निकाले गए पानी का पेयजल के रूप में किसी भी उपयोग से पहले परीक्षण किया जाता है; साहिबगंज और राजमहल में गंगा तटवर्ती क्षेत्र (उप-भाग JH-E) पर किसी भी प्रकार का अनुपचारित अपवाह, छत के पानी सहित, किसी पुनर्भरण कुएँ, बोरवेल, पुनर्भरण शाफ्ट या इंजेक्शन कुएँ (injection well) में तब तक नहीं ले जाया जाएगा जब तक किसी जल-भूवैज्ञानिक की रिपोर्ट यह पुष्ट न करे कि लक्षित जलभृत आर्सेनिक-प्रभावित नहीं है और उसे हानि नहीं होगी; और कोई भी खदान का पानी, औद्योगिक अपवाह या सीवेज-युक्त अपवाह किसी पुनर्भरण संरचना में नहीं ले जाया जाता। ये सीमाएँ इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। मौसमी उच्चतम भूजल स्तर खंड 3.10.2 के अंतर्गत निर्धारित किया जाएगा।

8.8.2 **अन्य दूरी.** अंतःस्यंदन सुविधा का आधार आधार-शैल (bedrock) या किसी अपारगम्य परत से भी कम से कम 1.0 m ऊपर होगा, जब तक कि सुविधा खंड 8.8.10 के अंतर्गत किसी विदरित या अपक्षयित चट्टानी जलभृत के पुनर्भरण के लिए डिजाइन न की गई हो।

8.8.3 **अंतःस्यंदन परीक्षण.** अंतःस्यंदन दर सुविधा के प्रस्तावित आधार स्तर पर मापी जाएगी:

- (a) बेसिन, बायोरिटेंशन और पारगम्य पेवमेंट के लिए डबल-रिंग इन्फिल्ट्रोमीटर परीक्षण (ASTM D3385) द्वारा;
- (b) खाइयों, सोख गड्ढों, पुनर्भरण गड्ढों और पुनर्भरण कुओं के लिए फॉलिंग-हेड बोरहोल या ट्रायल-पिट सोखन परीक्षण (उदाहरण के लिए BRE Digest 365) द्वारा;
- (c) **प्रति सुविधा कम से कम 2 परीक्षण**, और अंतःस्यंदन आधार क्षेत्र के प्रति 100 m^2 या खाई की लंबाई के प्रति 50 m पर कम से कम 1 परीक्षण; और
- (d) भू-तकनीकी परीक्षण में सक्षम व्यक्ति द्वारा, परिणाम अंतःस्यंदन परीक्षण अभिलेख (प्रपत्र 8-2) पर दर्ज करते हुए।

शुष्क ऋतु में किए गए परीक्षणों के साथ परीक्षण के समय का भूजल स्तर और खंड 8.8.1 का मौसमी उच्चतम स्तर बताया जाएगा।

8.8.4 **डिजाइन अंतःस्यंदन दर.** डिजाइन अंतःस्यंदन दर, मापी गई दर को सुरक्षा गुणक से भाग देने पर प्राप्त दर है:

- (a) **2.0**, जहाँ परीक्षण खंड 8.8.3(c) को पूरा करते हों और परिणामों में 2 गुने से अधिक का अंतर न हो; और
- (b) अन्यथा **3.0**।

8.8.5 **न्यूनतम दरें.**

- (a) पूर्ण अंतःस्यंदन (बिना अंडरड्रेन) केवल जहाँ डिजाइन दर कम से कम **13 mm/h** हो।
- (b) आंशिक अंतःस्यंदन, अंडरड्रेन सहित, जहाँ डिजाइन दर 3 mm/h से 13 mm/h हो। केवल 72 घंटों के भीतर अंतःस्यंदित होने वाला आयतन प्रतिधारण के रूप में क्रेडिट किया जाता है।
- (c) जहाँ डिजाइन दर 3 mm/h से कम हो वहाँ कोई अंतःस्यंदन क्रेडिट नहीं।

8.8.6 **अंतःस्यंदन सुविधाओं के लिए सेटबैक.** सड़कों, पार्किंग या अन्य पक्की सतहों से अपवाह प्राप्त करने वाली अंतःस्यंदन सुविधाएँ कम से कम निम्नलिखित दूरी पर होंगी:

- (a) भवन की नींव से **3 m**, और बेसमेंट से **5 m**;
- (b) संपत्ति की सीमा से **1.5 m**, जब तक कि पड़ोसी लिखित रूप में सहमत न हो;
- (c) पेयजल कुएँ या बोरवेल से **30 m**;
- (d) सेप्टिक टैंक या सोख गड्ढे (soak pit) से **15 m**; और
- (e) 1V:3H से अधिक खड़े ढलान के शिखर से **6 m**, जब तक कि कोई भू-तकनीकी रिपोर्ट यह न दर्शाए कि ढलान स्थिर रहता है।

पुनर्भरण संरचनाओं में जाने वाले केवल छत के अपवाह पर केवल (a) और (b), और खंड 8.11.3, लागू होते हैं।

8.8.7 **खाली होना और सत्यापन.** प्रत्येक अंतःस्यंदन सुविधा डिजाइन दर पर **72 घंटों** के भीतर खाली होगी (अध्याय 4), और निर्माण के बाद उसका परीक्षण किया जाएगा (खंड 10.9.3)।

8.8.8 **हॉटस्पॉट.** निम्नलिखित से अपवाह का उपचार के बिना अंतःस्यंदन नहीं किया जाएगा, और जहाँ (d) या (e) लागू हो वहाँ बिल्कुल भी अंतःस्यंदन नहीं किया जाएगा:

- (a) ईंधन स्टेशन;
- (b) वाहन वर्कशॉप, धुलाई स्थल, और बस तथा ट्रक डिपो;
- (c) औद्योगिक प्रांगण और लदान क्षेत्र जहाँ खतरनाक सामग्री संभाली या संग्रहीत की जाती है;
- (d) ठोस अपशिष्ट अंतरण स्टेशन और लैंडफिल क्षेत्र; और
- (e) ऐसी भूमि जो दूषित ज्ञात हो या जिसके दूषित होने का संदेह हो।

(a) से (c) के लिए उपचार में किसी भी अंतःस्यंदन से पहले एक तेल-ग्रिट पृथक्कारी और एक लाइनरयुक्त निस्यंदन BMP सम्मिलित होगी।

8.8.9 **रेतीले तटीय जलभृत.** यह खंड केवल तटीय रेतीले जलभृतों पर लागू होता है। झारखंड में ऐसा कोई जलभृत नहीं है, इसलिए राज्य में इस खंड का कोई प्रभाव नहीं है; इसे केवल इसलिए रखा गया है कि खंड संख्याएँ अपरिवर्तित रहें। साहिबगंज और राजमहल में गंगा के डूब क्षेत्र की रेत और नदी-तलों की रेत, जैसे स्वर्णरेखा, दामोदर और बराकर के तलों की, तटीय रेतीले क्षेत्र नहीं हैं: वहाँ खंड 8.8.1 पूरी तरह लागू होता है, और मद (d) की घटी हुई दूरी लागू नहीं होती। तटीय रेतीले क्षेत्रों में:

- (a) जहाँ कहीं खंड 8.8.1 पूरा होता है, वहाँ प्रतिधारण और WQv पूरा करने का पसंदीदा साधन अंतःस्यंदन है;
- (b) वर्षा जल ड्रेन भूजल स्तर को नीचे करने के लिए डिजाइन नहीं की जाएँगी: मौसमी उच्चतम भूजल स्तर से नीचे के इनवर्ट जलरोधी होंगे, ऐसे रिसाव छिद्रों या उप-मृदा ड्रेन के बिना जो भूजल को आउटफॉल में छोड़ें, जब तक कि कोई जल-भूवैज्ञानिक रिपोर्ट यह न दर्शाए कि मीठे पानी के जलभृत को कोई हानि नहीं है;
- (c) भूजल को वर्षा जल ड्रेन में दीर्घकालिक रूप से पंप करना (उदाहरण के लिए बेसमेंट का जल-निष्कासन) अनुमोदित नहीं किया जाएगा; और
- (d) अधिसूचित तटीय रेतीले क्षेत्रों में, **केवल छत के अपवाह** का अंतःस्यंदन मौसमी उच्चतम भूजल स्तर से कम से कम **0.5 m** की दूरी के साथ किया जा सकता है, बशर्ते भूजल उभार (mounding) की जाँच यह दर्शाए कि उभार सुविधा के आधार से कम से कम 0.3 m नीचे रहता है और आसपास की नींवों या बेसमेंटों तक नहीं पहुँचता। कोई अन्य अपवाह इस घटी हुई दूरी का उपयोग नहीं कर सकता;
- (e) जहाँ न तो 1.0 m की दूरी और न ही खंड (d) पूरा किया जा सके, वहाँ साइट ऐसे सतही प्रतिधारण का उपयोग करेगी जो भूमि के नीचे अंतःस्यंदन न करे (उदाहरण के लिए उथले वनस्पतियुक्त गड्ढे, छतों के पानी को लॉन पर छोड़ना, और पुनः उपयोग), और अध्याय 4 के अंतर्गत अस्थायी भंडारण का।

8.8.10 **लैटेराइट और कठोर चट्टान के क्षेत्र.** लैटेराइट और कठोर चट्टान वाले भूभाग में (उदाहरण के लिए छोटानागपुर पठार का ग्रेनाइट-नीस (granite-gneiss), जो राज्य के लगभग 85% भाग के नीचे है, जैसा रांची, हजारीबाग, गिरिडीह और गुमला के आसपास, लैटेराइट आवरणों (laterite cappings) सहित, जैसा रांची के पास रातू, बेड़ो और मांडर में, जमशेदपुर के आसपास दलमा ज्वालामुखीय चट्टानें (Dalma

volcanics) और सिंहभूम ग्रेनाइट, और साहिबगंज, पाकुड़ और दुमका का राजमहल ट्रैप (Rajmahal trap) बेसाल्ट, जहाँ भूजल मुख्यतः अपक्षयित और विदरित क्षेत्र में रहता है):

- (a) परीक्षण सुविधा के आधार पर, किसी सतही पपड़ी या कठोर परत (hardpan) के नीचे, किए जाएँगे;
- (b) अपक्षयित या विदरित चट्टान में पुनर्भरण केवल छत के अपवाह के लिए, या किसी निस्यंदन BMP से होकर आए अपवाह के लिए, अनुमत है, क्योंकि दरारें बहुत कम उपचार करती हैं; और
- (c) ढलानों पर या उनके ऊपर अंतःस्यंदन के लिए ढलान की स्थिरता की जाँच की जाएगी।

8.8.11 **डेल्टा की चिकनी मिट्टी और काली कपास मिट्टी.** पठार की निचली (दोन; don) धान भूमि और घाटी-भरावों (valley fills) में, तालाबों (talab), बाँधों (bandh), आहरों (ahar) और डोभों (dobha) के गाद भरे तलों में, साहिबगंज और राजमहल में गंगा के डूब क्षेत्र के मृण्मय पश्च-दलदलों (clayey back-swamps) में, और ओवरबर्डन डंपों, संघनित खदान बेंचों और खनन से विक्षुब्ध अन्य भूमि में, और फैलने वाली काली कपास मिट्टी (black cotton soil) में:

- (a) अंतःस्यंदन सुविधाएँ प्रायः खंड 8.8.5 में विफल होंगी, और जहाँ मृदा सर्वेक्षण (अध्याय 3) HSG D दर्शाए वहाँ उनका परीक्षण आवश्यक नहीं है; और
- (b) जहाँ फैलने वाली मिट्टी पर भवनों के निकट अंतःस्यंदन का उपयोग किया जाए, वहाँ खंड 8.8.6(a) का सेटबैक दोगुना किया जाएगा।

भाष्य. भूजल से 1.0 m की दूरी इस मैनुअल की एक मूल अपेक्षा है। इस खंड के अन्य मान (आधार-शैल से 1.0 m की दूरी, परीक्षणों की संख्या, सुरक्षा गुणक, न्यूनतम दरें और सेटबैक) अमेरिकी और ब्रिटिश व्यवहार के विशिष्ट मान हैं और इनका झारखंड में कोई पूर्व-उदाहरण नहीं है। खंड 8.8.6(c) में कुएँ का सेटबैक पक्की सतहों से अपवाह पर लागू होता है, छत के पानी पर नहीं। झारखंड में RWH का व्यवहार छत के पानी को खुले कुओं और पुनर्भरण कुओं में ले जाता है, और खंड 8.11 उस व्यवहार को बनाए रखता है।

झारखंड के लिए जलविज्ञानीय मृदा समूहों का कोई राज्यव्यापी मानचित्र नहीं मिला, और प्रत्येक अंतःस्यंदन डिजाइन के लिए खंड 8.8.3 के परीक्षण आवश्यक हैं; नीचे दिए गए भूविज्ञान, गहराइयाँ और श्रेणियाँ राज्य के लिए CGWB की वार्षिकी (yearbook) और आकलनों से, राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष राज्य द्वारा दाखिल दस्तावेज से और एक क्षेत्र अध्ययन से ली गई हैं। राज्य के लगभग 84–85% भाग के नीचे प्रीकैम्ब्रियन ग्रेनाइट-नीस और अन्य कठोर चट्टानें हैं, लगभग 7% के नीचे राजमहल और दलमा की ज्वालामुखीय चट्टानें, लगभग 6% के नीचे कोयला क्षेत्रों के गोंडवाना अवसाद और केवल लगभग 2% के नीचे जलोढ़, अधिकतर साहिबगंज में गंगा के साथ-साथ और अन्यत्र छोटे-छोटे भागों में (CGWB, 2019-20; अधिकरण के समक्ष राज्य द्वारा दाखिल दस्तावेज, 2024)। पठार की मिट्टियाँ लाल, बजरीदार और रेतीली, हल्की बनावट वाली और थोड़ी अम्लीय हैं, और रांची के पास रातू, बेड़ो और मांडर के कुछ भागों में लैटेराइटी मिट्टियाँ हैं (CGWB, रांची जिला पुस्तिका, 2013)। रांची में जुमार नाला (Jumar nala) उप-जलविभाजक पर डबल-रिंग परीक्षणों (double-ring tests) से ऊपरी भूमि की मिट्टियों पर 48 से 62 mm/h, मध्य भूमि पर 40 mm/h और निचली भूमि की मृण्मय दोमट (clay loam) पर 28 mm/h की स्थिर अंतःस्यंदन दरें मिलीं (Baxla, Kumar और Wadood, 2001), जो उप-क्षेत्र 1(g) की CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट की 2.7 mm/h की हानि दर से कहीं अधिक हैं, क्योंकि चट्टान के ऊपर की पतली मिट्टियाँ मानसून में भर जाती हैं और संतृप्त हो जाती हैं। भूजल मुख्यतः 10 से 25 m मोटे, कहीं-कहीं 35 m से अधिक मोटे, अपक्षयित क्षेत्र में और 150 m के भीतर दरारों के दो से पाँच समूहों में रहता है (CGWB, 2019-20); रांची में लैटेराइट के नीचे अपक्षयित क्षेत्र 30 से 60 m मोटा है, पहली दरारें 50 से 70 m पर और दूसरी 100 से 120 m पर हैं, और "लैटेराइटी भूभाग में अनेक खुदे कुएँ गर्मी के महीनों में सूख जाते हैं" ("In lateritic terrain many dug wells dry up during summer months") (CGWB, 2013)। नवंबर 2022 में राज्य के 62% निगरानी कुओं में पानी भूमि से 2 से 5 m नीचे था, और मानसून-पश्चात परास 0.4 m (गुमला) से 16.10 m (पूर्वी सिंहभूम) तक था; 2022 के मानसून से पहले परास 0.45 m से 33 m (रांची) तक था (CGWB)। राज्य कुल मिलाकर अपने भूजल का कम भाग निकालता है (2023 के आकलन में 31.38%), परंतु औद्योगिक नगरों पर दबाव है: 2023 में जमशेदपुर शहरी, गोलमुरी-सह-जुगसलाई, बलियापुर और बेरमो, रामगढ़ की एक इकाई सहित, अति-दोहित थे, धनबाद शहरी और तोपचांची गंभीर, और रांची जिले का 501.6 km^2 क्षेत्र गंभीर था (CGWB), और रांची का भूजल स्तर गिर रहा है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। इस मैनुअल के अंतरिम मृदा समूह इन्हीं से निकलते हैं: ग्रेनाइट-नीस पर पतली मिट्टियाँ C, और जहाँ चट्टान 50 cm के भीतर हो वहाँ D; गहरी लाल दोमट B या C; लैटेराइट परत D, यद्यपि उसके नीचे का अपक्षयित क्षेत्र किसी बोर के माध्यम से पुनर्भरण ग्रहण कर सकता

है; गोंडवाना बलुआ पत्थर और शेल की मिट्टियाँ C; निचली (दोन) भूमि की मृण्मय दोमट C या D, मौसमी रूप से संतृप्त; ओवरबर्डन डंप और खनन से विक्षुब्ध अन्य भूमि प्रत्येक वर्षा घटना के लिए D, अंतःस्यंदन के किसी क्रेडिट के बिना; गंगा का जलोढ़ B या C, और डूब क्षेत्र पर D; और भराव वाली भूमि C, जब तक परीक्षण न किया जाए। **इसलिए राज्य को अलग-अलग स्थानों पर विपरीत नियमों की आवश्यकता है।** जमशेदपुर, धनबाद और रांची की अति-दोहित और गंभीर इकाइयों में पुनर्भरण पहले आता है, ऐसे बोरों और शाफ्टों से जो लैटेराइट परत को पार करके अपक्षयित क्षेत्र तक पहुँचें, पूर्व-उपचार और जल-भूवैज्ञानिक की जाँच सहित (खंड 8.8.1)। कोयला क्षेत्र में खदान का जल-निष्कासन खनन कार्यों के आसपास भूजल स्तर को नीचे कर देता है और अनुमान है कि कोयला खदानों में प्रति वर्ष लगभग 1,060 लाख किलोलीटर पानी रहता है (प्रकाशित खबरों के अनुसार), परंतु खनन से विक्षुब्ध भूमि, भू-धंसान भूमि और अग्नि क्षेत्र अस्थिर हैं और उनका पानी संदूषित हो सकता है, इसलिए वहाँ, या किसी जल-निष्कासन क्षेत्र में, किसी अपवाह का अंतःस्यंदन या पुनर्भरण नहीं किया जाता (खंड 8.8.1)। डूब क्षेत्रों पर, तालाबों के तलों में और गीली निचली भूमि पर प्रतिधारण उपयोग के लिए भंडारण और सतही उपायों से, और अस्थायी भंडारण से पूरा किया जाता है। झारखंड का कोई भूजल विनियमन अधिनियम प्रवृत्त होने की पुष्टि नहीं हुई: 2019 के एक अधिनियम का अनौपचारिक पाठ विद्यमान है, और राज्य ने 2024 में अधिकरण को बताया कि भूजल निकालने की अनुमतियाँ CGWB जारी कर रहा था (दाखिल रूप में)। हर जगह, सड़कों और खुली भूमि का अपवाह सतही प्रणालियों में जाता है और कभी भी सीधे किसी पुनर्भरण कुएँ, बोरवेल या शाफ्ट में नहीं (खंड 8.11.3(b)), और जहाँ खंड 8.8.1 ऐसा कहता है वहाँ फ्लोराइड और आर्सेनिक की जाँच की जाती है। खंड 8.8.9 का झारखंड में, जहाँ कोई तट नहीं है, कोई प्रभाव नहीं है।

अंतःस्यंदन खाई: अनुप्रस्थ काट, पैमाने पर नहीं

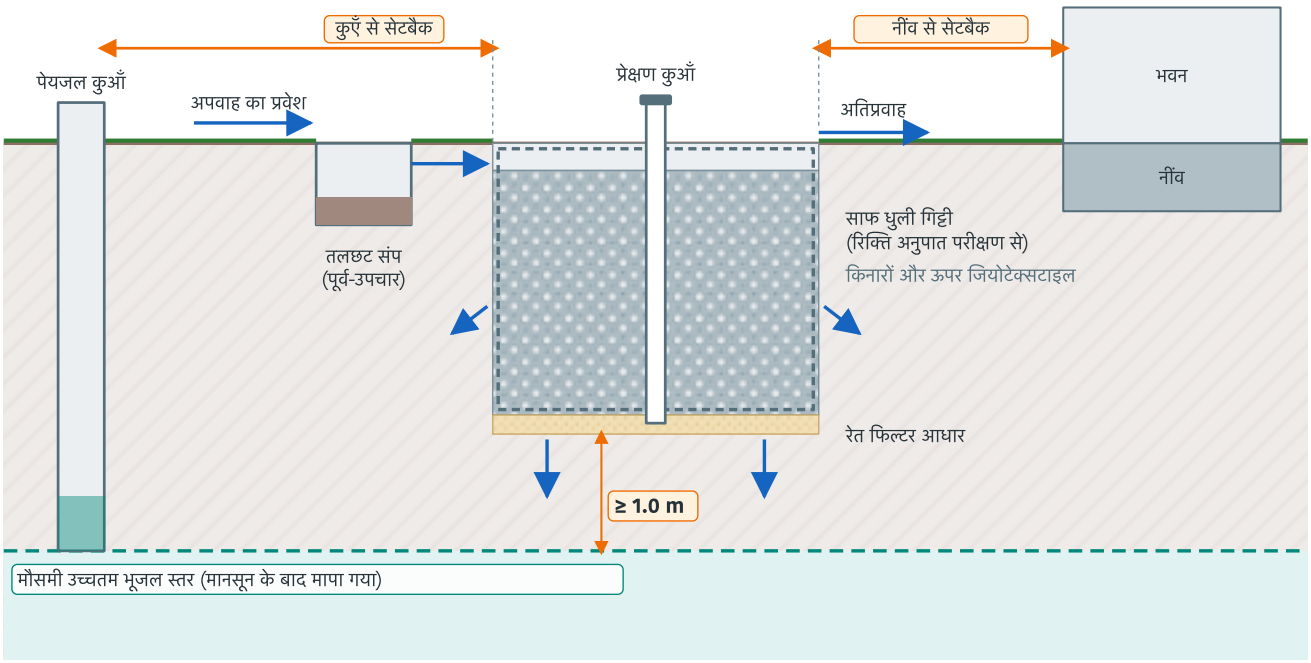

प्रस्तावित तल स्तर पर अंतःस्यंदन का परीक्षण करें। डिजाइन दर = मापी गई दर ÷ सुरक्षा गुणक। 72 h के भीतर खाली हो।
सेटबैक दूरियाँ और परीक्षण विधियाँ: खंड 8.8.3 से 8.8.6। सड़क और पार्किंग का अपवाह कभी भी पाइप से कुएँ में नहीं डाला जाता।
रेतीली तटीय मिट्टी: उच्च दर, उथला भूजल। लैटेराइट, कठोर चट्टान: कम दर। डेल्टा की चिकनी मिट्टी: प्रायः अनुपयुक्त।

चित्र 8.3 — अंतःस्यंदन खाई की काट: पूर्व-उपचार संप, जियोटेक्सटाइल में एग्रीगेट से भरी खाई, प्रेक्षण कुआँ, अतिप्रवाह, मौसमी उच्चतम भूजल स्तर से 1.0 m की न्यूनतम दूरी, और कुओं तथा नींवों से सेटबैक। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, Georgia Stormwater Management Manual, 2016 (Vol 2), और CIRIA, The SuDS Manual (C753), 2015 से अनुकूलित।

8.9 सीवेज के अवैध जुड़ाव और शुष्क मौसम प्रवाह

8.9.1 **वर्षा जल ड्रेन में सीवेज नहीं.** कोई भी सीवेज या सलेज (रसोई, स्नानघर और कपड़े धोने के स्थान का गंदा पानी), सेप्टिक टैंक का बहिःस्राव, या व्यापारिक बहिःस्राव (trade effluent) किसी भी पाइप, चैनल या छिद्र द्वारा किसी वर्षा जल ड्रेन से जोड़ा नहीं जाएगा या उसमें छोड़ा नहीं जाएगा।

8.9.2 **अनुमोदन की शर्त.** समापन प्रमाण-पत्र से पहले, आवेदक, प्राधिकारी या सीवरेज एजेंसी की उपस्थिति में किए गए डाई या धुआँ परीक्षण द्वारा, यह दर्शाएगा कि साइट पर सीवेज और सलेज का प्रत्येक निकास किसी सीवर में या किसी अनुमोदित साइट-स्थित प्रणाली में जाता है, और कोई भी निकास वर्षा जल ड्रेन में नहीं जाता। साइट पर कोई भी विद्यमान अवैध जुड़ाव अनुमोदन की शर्त के रूप में हटाया जाएगा, पुनर्विकास पर और विद्यमान भवनों में परिवर्धन पर भी।

8.9.3 **जहाँ सीवर नहीं है.** जहाँ कोई सीवर उपलब्ध नहीं है, वहाँ सीवेज और सलेज किसी अनुमोदित साइट-स्थित या विकेंद्रीकृत शोधन प्रणाली में जाएँगे। ऐसी प्रणाली का शोधित बहिःस्राव केवल झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (JSPCB) और ड्रेन के स्वामी की लिखित सम्मति से ही किसी वर्षा जल ड्रेन में छोड़ा जा सकता है।

8.9.4 **सार्वजनिक ड्रेन: DWF सर्वेक्षण.** टियर A क्षेत्र में प्रत्येक शहरी स्थानीय निकाय (ULB) जलाशयों में गिरने वाले अपने वर्षा जल ड्रेन आउटफॉल का शुष्क मौसम प्रवाह के लिए वर्ष में कम से कम एक बार, दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले, सर्वेक्षण करेगा, और निम्नलिखित दर्ज करेगा:

- (a) DWF वाले आउटफॉल;
- (b) DWF की अनुमानित दर; और
- (c) अनुरेखण, CCTV, डाई या धुआँ परीक्षण द्वारा पाए गए प्रतिप्रवाह स्रोत।

परिणाम खंड 10.17 के रजिस्टर में प्रकाशित किए जाएँगे।

8.9.5 **DWF अवरोधन.** जब तक स्रोत हटाए नहीं जाते, DWF ले जाने वाले जलाशय के प्रत्येक आउटफॉल पर एक DWF इंटरसेप्टर (DWF interceptor) होगा जो:

- (a) DWF को किसी सीवर या शोधन संयंत्र की ओर मोड़े;
- (b) लघु या प्रमुख घटना (अध्याय 6) के लिए वर्षा जल ड्रेन की क्षमता को कम न करे, और उसके वियर या विपथन की हेड हानियाँ हाइड्रोलिक डिजाइन में सम्मिलित हों (अध्याय 9);
- (c) विपथन से पहले उसमें एक जाली हो; और
- (d) स्रोत जुड़ावों को हटाने का विकल्प न हो।

8.9.6 **सीवेज अतिप्रवाह.** कोई नया सीवेज अतिप्रवाह, आपातकालीन बाइपास या पंपिंग स्टेशन अतिप्रवाह किसी वर्षा जल ड्रेन या जलाशय में छोड़ने के लिए डिजाइन नहीं किया जाएगा, सिवाय वहाँ जहाँ सीवरेज एजेंसी यह दर्शाए कि कोई विकल्प नहीं है, और तब भी केवल जाली लगाकर और अतिप्रवाह की आवृत्ति बताते हुए।

> **भाष्य.** सीवेज जुड़ावों का निषेध और अनुमोदन की शर्त के रूप में विद्यमान अवैध जुड़ावों को हटाना इस मैनुअल की मूल अपेक्षाएँ हैं, और खंड 1.10.3 उनसे किसी विचलन की अनुमति नहीं देता। वर्षा जल ड्रेन में सीवेज झारखंड में शहरी जल निकासी की सबसे बड़ी जल गुणवत्ता समस्या है। यह इस अध्याय के हर अन्य उपाय को निष्फल कर देता है: वर्षा जल के लिए डिजाइन की गई BMP पर अत्यधिक भार पड़ता है, GPT कीचड़ से भर जाते हैं, और प्राप्तकर्ता तालाब और चैनल सीवेज के लैगून बन जाते हैं। CPHEEO (2019) बताता है कि भारतीय ड्रेन मानव मल और मूत्र ले जाती हैं (Part A §9.5)। DWF अवरोधन (खंड 8.9.5) एक अंतरिम उपाय है। यह स्रोतों का पता लगाए जाने और उन्हें हटाए जाने तक जलाशय की रक्षा करता है, परंतु यदि स्रोत संबंधी काम न किया जाए तो यह स्थायी बन सकता है, इसीलिए खंड 8.9.4 का वार्षिक सर्वेक्षण और प्रकाशन आवश्यक है। वार्षिक सर्वेक्षण की आवृत्ति इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

झारखंड में कानून पहले से ही अलग ड्रेनों का प्रावधान करता है। नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी "सीवेज, घृणोत्पादक पदार्थ और प्रदूषित जल के लिए एक ड्रेन और वर्षा जल या अप्रदूषित अधोमृदा जल के लिए एक बिल्कुल अलग ड्रेन ... जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग नगरपालिका ड्रेनों या अन्य उपयुक्त स्थानों में गिरे" ("one drain for sewage, offensive matter and polluted water and an entirely separate drain for rain water or unpolluted sub-soil water ... each emptying into separate municipal drains or other suitable places") की अपेक्षा कर सकता है (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 224); नगरपालिका का कर्तव्य है कि वह "प्रभावी जल निकासी और वर्षा जल और सीवेज के उचित निस्सरण के लिए एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल" ("a safe and efficient outfall ... for effectual drainage and proper discharge of storm-water and sewage") ऐसी रीति से उपलब्ध कराए जिससे "बाढ़ से" ("by flooding") कोई उपद्रव न हो, और नियत की जाने वाली किसी तिथि से "कोई सीवेज किसी जलमार्ग में तब तक नहीं छोड़ा जाएगा जब तक उसका ऐसा शोधन न कर दिया जाए कि वह जल की शुद्धता और गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले" ("no sewage shall be discharged into any watercourse until it has been so treated as not to affect prejudicially the purity and the quality of the water") (धारा 219); और कोई भी व्यक्ति किसी जलमार्ग में सीवेज, बहिःस्राव, खदान का कचरा (quarry refuse) या कूड़ा इस प्रकार नहीं डाल सकता कि उसके प्रवाह में बाधा पड़े या वह प्रदूषित हो (धारा 340)। व्यवहार में ड्रेन सीवेज ले जाती हैं: नमूना-जाँच किए गए नौ ULB में CAG ने पाया कि "परिवारों (HHs) से उत्पन्न सारा अपशिष्ट जल खुली या ढकी ड्रेनों से बहता है जो वर्षा जल ड्रेनों के रूप में भी प्रयुक्त होती हैं" ("all waste water generated from the HHs flow through open or covered drains that are also used as storm water drains") (मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए स्थानीय निकायों पर वार्षिक तकनीकी निरीक्षण रिपोर्ट)। रांची में हरमू नदी पर, जिसे JUIDCO ने ₹92.78 करोड़ की लागत से पुनर्जीवित किया, CAG ने पाया कि 14 प्रमुख इनलेटों में से केवल नौ सीवर नेटवर्क से जुड़े थे, और कि "जुड़े हुए इनलेटों से सीवेज ले जाने वाला निस्सरण, दोषपूर्ण डिजाइन के कारण, शुष्क मौसम में भी नदी में गिरता पाया गया" ("Discharge from the connected inlets, carrying sewage, was found falling into the river even during the dry season, owing to defective design"); शेष पाँच, और 56 छोटे इनलेट, सीधे सीवेज छोड़ते थे; सीवर नेटवर्क ऑडिट द्वारा आकलित 47.12 MLD के विरुद्ध 22.15 MLD के लिए डिजाइन किया गया था; 10 MLD के सात शोधन संयंत्र 2.898 MLD का शोधन कर रहे थे; और दोनों तटों के साथ-साथ बनी नई वर्षा जल ड्रेनें गाद से भरी थीं और नदी में सीवेज छोड़ रही थीं (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1, अध्याय 4)। जमशेदपुर में आरोप है कि स्वर्णरेखा में नौ ड्रेनों से प्रदूषित पानी आता है, जबकि 31.5 MLD का एक शोधन संयंत्र रुका पड़ा है (NGT O.A. 129 of 2026 (EZ), एक आवेदन जिस पर निर्णय नहीं हुआ है), और साहिबगंज और राजमहल में गंगा में जाने वाली ड्रेनों का अवरोधन करके उन्हें नए शोधन संयंत्रों की ओर मोड़ा जा रहा है (O.A. 200 of 2014 में राज्य की रिपोर्टें)। हरमू के इनलेट खंड 8.9.5 के लिए चेतावनी देने वाला उदाहरण हैं: शुष्क मौसम प्रवाह से छोटे आकार का इंटरसेप्टर शुष्क मौसम में सीवेज को नदी में उफना देता है, इसलिए झारखंड में प्रत्येक DWF इंटरसेप्टर का आकार मापे गए शुष्क मौसम प्रवाह से निर्धारित किया जाता है, और खंड 8.9.5(b) उस पर पूरी तरह लागू होता है: वह लघु और प्रमुख घटनाओं के लिए नाले की क्षमता को कम नहीं करता, और उसकी क्षमता से अधिक वर्षा प्रवाह नाले में नीचे की ओर नदी तक जाता है, कभी भी शोधन संयंत्र में या वापस कॉलोनियों में नहीं।

8.10 जलाशयों में गिरने वाले आउटफॉल: प्रथम प्रवाह, स्थूल प्रदूषक जाल और जालियाँ

8.10.1 **अपेक्षा.** किसी जलाशय में गिरने वाले प्रत्येक नए वर्षा जल ड्रेन आउटफॉल में, और ऐसी ड्रेन पर, जिसे पुनर्निर्मित, चौड़ा या विस्तारित किया जाता है, प्रत्येक विद्यमान आउटफॉल में निम्नलिखित होंगे:

- (a) खंड 8.7.10 के अंतर्गत डिजाइन किया गया एक GPT; और
- (b) प्रथम प्रवाह उपचार: खंड 8.7 की BMP द्वारा योगदान देने वाले जलग्रहण क्षेत्र के WQv (या Q_wq) का उपचार, या तो योगदान देने वाली साइटों पर या आउटफॉल पर।

8.10.2 **जहाँ आउटफॉल पर उपचार व्यावहारिक नहीं है.** जहाँ किसी सार्वजनिक आउटफॉल पर भूमि उपलब्ध नहीं है, वहाँ प्रथम प्रवाह उपचार निम्नलिखित द्वारा किया जा सकता है:

- (a) Q_wq के लिए आकारित कोई स्वामित्वाधीन प्रथम प्रवाह या हाइड्रोडायनामिक युक्ति; या
- (b) जलाशय के सेटबैक (खंड 7.5.1(b)) के भीतर, जल-फैलाव क्षेत्र के बाहर, कोई उपचार आर्द्रभूमि या फोरबे।

8.10.3 **जालियाँ और कचरा-रोधी जालियाँ.** आउटफॉल, पुलिया के इनलेट और पंप संप पर लगी जालियाँ:

- (a) हाइड्रोलिक क्षमता के लिए **50% अवरोध** मानकर डिजाइन की जाएँगी;
- (b) उनमें अतिप्रवाह या बाइपास मार्ग होगा ताकि पूरी तरह अवरुद्ध जाली संपत्ति को जलमग्न न करे;
- (c) उनकी छड़ों के बीच की दूरी खतरे के अनुसार चुनी जाएगी: कचरा पकड़ने के लिए कम दूरी, और जहाँ अवरोध से बाढ़ आएगी वहाँ अधिक दूरी; और
- (d) वे किसी सुरक्षित प्लेटफॉर्म से साफ की जा सकेंगी, और वहाँ तक वाहन की पहुँच होगी।

8.10.4 **विद्यमान आउटफॉल.** प्रत्येक ULB जलाशयों में गिरने वाले अपने विद्यमान आउटफॉल पर GPT और DWF इंटरसेप्टर लगाने का एक कार्यक्रम तैयार करेगा, जिसकी शुरुआत पेयजल आपूर्ति के लिए उपयोग किए जाने वाले तालाबों और अधिसूचित आर्द्रभूमियों (खंड 7.12) में गिरने वाले आउटफॉल से होगी, और खंड 10.17 के रजिस्टर में प्रगति की रिपोर्ट देगा।

> **भाष्य.** यह मैनुअल जलाशयों में गिरने वाले आउटफॉल पर प्रथम प्रवाह उपचार और स्थूल प्रदूषक जाल की अपेक्षा करता है। स्थूल प्रदूषक झारखंड के जलाशयों में प्रदूषण का सबसे अधिक दिखाई देने वाला रूप हैं, और प्लास्टिक ड्रेन और पुलियों को भी अवरुद्ध करते हैं, जो जल गुणवत्ता को बाढ़ से जोड़ता है। जाली का 50% अवरोध अध्याय 6 के जाली इनलेट अवरोध गुणक से मेल खाता है। खंड 8.10.3(c) बड़ी ड्रेन पर महीन जालियों के विरुद्ध चेतावनी देता है, जो वर्षा घटना के पहले घंटे में ही अवरुद्ध हो जाती हैं और वही बाढ़ लाती हैं जिसे रोकने के लिए वे लगाई गई थीं।

8.11 वर्षा जल संचयन का एकीकरण

8.11.1 **RWH की अनिवार्यता जारी है.** झारखंड भवन उपविधि, 2016 द्वारा अपेक्षित वर्षा जल संचयन (उपविधि 51.1, जिसके अंतर्गत "300 वर्ग मी. और उससे बड़े भूखंडों के लिए वर्षा जल संचयन का प्रावधान अनिवार्य होगा" ("Provision of rainwater harvesting shall be mandatory for 300 sqm. and above size of plots"), और पुनर्भरण गड्ढे या खाइयाँ "छत क्षेत्र के प्रत्येक 100 वर्ग मी. के लिए कम से कम 6 घन मीटर" ("at least 6 cubic meters for every 100 Sqm. of roof area") की होंगी, जो छत के लगभग 60 mm अपवाह के बराबर है; उपविधि 58.6.6, जिसके अंतर्गत बहुमंजिला भवन में "NBC के मानदंडों के अनुसार" ("as per NBC norms") पुनर्भरण कुएँ के लिए जल संचयन प्रणाली होती है; और उपविधि 58.6.15, जिसके अंतर्गत बहुमंजिला भवन के चारों ओर के फर्श का कम से कम 40% भाग नरम फर्श (soft paving) होता है जो सतही जल को अधोमृदा में रिसने देता है (2016 में अधिसूचित रूप में 50%, 2017 में घटाकर 40%)), रांची नगर निगम के वर्षा जल संचयन विनियमन के साथ, जिसके बारे में खबर है कि वह 300 m^2 की वही सीमा-मान और वार्षिक होल्डिंग टैक्स के 1.5 गुना दंड के साथ लागू करता है (इस मैनुअल के लिए उसका पाठ पढ़ा नहीं गया), खंड 8.8.1 की सीमाओं के अधीन लागू रहता है (अध्याय 1)। यह खंड निर्धारित करता है कि इस मैनुअल के अंतर्गत RWH संरचनाओं को कैसे गिना जाए।

8.11.2 **तीन भिन्न कार्य.** डिजाइनकर्ता ड्रॉइंग और गणनाओं में निम्नलिखित को अलग-अलग रखेगा:

- (a) **संचयन**: उपयोग के लिए भंडारण (संप और टैंक);
- (b) **पुनर्भरण**: पुनर्भरण गड्ढे, खाइयाँ, शाफ्ट और कुएँ जो पानी को भूमि में पहुँचाते हैं; और
- (c) **अस्थायी भंडारण**: ऑरिफिस आउटलेट वाला ऐसा भंडारण जो वर्षा घटना के आरंभ में खाली हो (अध्याय 4)।

8.11.3 **पुनर्भरण संरचनाएँ.**

- (a) छत का अपवाह किसी फिल्टर या अवसादन कक्ष के बाद पुनर्भरण कुओं, खुले कुओं, पुनर्भरण गड्ढों और शाफ्टों में ले जाया जा सकता है।
- (b) सड़कों, पार्किंग और अन्य पक्के क्षेत्रों का अपवाह किसी कुएँ, बोरवेल या पुनर्भरण शाफ्ट में सीधे नहीं ले जाया जाएगा। उसका पुनर्भरण केवल ऐसी अंतःस्यंदन सुविधा के माध्यम से किया जा सकता है जो खंड 8.8 को पूरा करे, पूर्व-उपचार सहित।
- (c) पुनर्भरण संरचनाएँ खंड 8.8.1 की भूजल से दूरी पूरी करेंगी, जो गड्ढे के आधार या फिल्टर माध्यम के तल से मापी जाएगी, सिवाय उन पुनर्भरण कुओं के जो केवल छना हुआ छत का पानी प्राप्त करते हैं।

8.11.4 **प्रतिधारण और WQv के लिए क्रेडिट.** कोई पुनर्भरण संरचना अध्याय 4 के प्रतिधारण आयतन और WQv में केवल तभी गिनी जाती है जब:

- (a) उसकी अंतःस्यंदन दर का परीक्षण खंड 8.8.3 के अंतर्गत किया गया हो;
- (b) वह डिजाइन दर पर 72 घंटों के भीतर खाली हो जाए; और
- (c) उसमें पूर्व-उपचार हो।

संचयन संप प्रतिधारण में केवल तभी गिना जाता है जब उसकी सामग्री का उपयोग, जल निकासी रिपोर्ट में बताई गई माँग द्वारा, 72 घंटों के भीतर हो जाए (अध्याय 4)।

8.11.5 **अस्थायी भंडारण के रूप में कोई क्रेडिट नहीं.** RWH भंडारण अस्थायी भंडारण के रूप में नहीं गिना जाता, जब तक कि वह एक समर्पित आयतन न हो जो वर्षा घटना आने पर खाली हो और जिसमें आउटलेट हो। प्रत्येक दक्षिण-पश्चिम मानसून (JJAS) डिजाइन वर्षा घटना के आरंभ में RWH संप **भरे हुए** माने जाते हैं (अध्याय 4)।

8.11.6 **अतिप्रवाह.** प्रत्येक RWH संरचना में एक अतिप्रवाह होगा जो सतह के स्तर पर साइट की जल निकासी में पानी छोड़े, कभी भी पड़ोसी भूखंड पर या किसी सीवर में नहीं।

8.11.7 **सार्वजनिक स्थानों में सतही अपवाह का पुनर्भरण.** सड़कों, मध्य पट्टियों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों में पुनर्भरण खाइयाँ, शाफ्ट और अंतःस्रवण गड्ढे (percolation pits), भारी यातायात वाली सड़कों के लिए हॉटस्पॉट नियमों सहित, खंड 8.8 को पूरी तरह पूरा करेंगे, और प्रत्येक इनलेट पर उनमें एक GPT या गाद-जाल होगा।

> **भाष्य.** RWH भंडारण अस्थायी भंडारण के रूप में नहीं गिना जाता, यह नियम अध्याय 4 में निर्धारित है। झारखंड की भवन उपविधि वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाती है और उसका आयतन देती है, परंतु अस्थायी भंडारण का कोई नियम निर्धारित नहीं करती। भवन उपविधि 2016 उपबंध करती है कि "300 वर्ग मी. और उससे बड़े भूखंडों के लिए वर्षा जल संचयन का प्रावधान अनिवार्य होगा — पुनर्भरण गड्ढों/खाइयों का आयाम छत क्षेत्र के प्रत्येक 100 वर्ग मी. के लिए कम से कम 6 घन मीटर होगा" ("Provision of rainwater harvesting shall be mandatory for 300 sqm. and above size of plots-The dimension of recharging pits/trenches shall be at least 6 cubic meters for every 100 Sqm. of roof area"), और गड्ढे "छोटे कंकड़ों या ईंट की जाली या नदी की रेत से भरे और छिद्रित कंक्रीट स्लैब से ढके" ("filled with small pebbles or brick jali or river sand and covered with perforated concrete slabs") होंगे; छत का पानी 0.36 m^2 के एक फिल्टर टैंक के माध्यम से किसी संप या कुएँ तक ले जाया जा सकता है, जिसमें एक वाल्व हो जो पहली, गंदी वर्षा को बहा दे, और खुली भूमि में "वर्षा जल के धीमे रिसाव के लिए ऊपरी मिट्टी का एक भाग हटाकर नदी की रेत से बदला जाएगा" ("a portion of topsoil shall be removed and replaced with river sand to allow slow percolation of rain water"), ये दोनों वैकल्पिक हैं (उपविधि 51.1)। सीमा-मान भूखंड क्षेत्र पर है और आयतन छत क्षेत्र पर: छत के प्रति 100 m^2 पर 6 m^3 छत के लगभग 60 mm अपवाह के बराबर है। बहुमंजिला भवन "NBC के मानदंडों के अनुसार" ("as per NBC norms") पुनर्भरण कुआँ उपलब्ध कराते हैं (उपविधि 58.6.6), जहाँ वे प्रतिदिन 12,000 लीटर से अधिक पानी का उपयोग करते हैं या उनमें 24 या अधिक फ्लैट हैं वहाँ अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण करते हैं (58.6.12), और अपने फर्श का कम से कम 40% भाग नरम फर्श के रूप में बिछाते हैं (58.6.15, 2017 में यथासंशोधित)। नगरपालिका अधिनियम नगरपालिका को अपने पार्कों और खुले स्थानों में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने देता है (धारा 378(3)) और नगरपालिका भवन संहिता को उसका प्रावधान करने देता है (धारा 441(2))। खबर है कि रांची नगर निगम का वर्षा जल संचयन

विनियमन 300 m² या अधिक के भूखंडों पर सभी भवनों पर लागू होता है, वार्षिक होल्डिंग टैक्स के 1.5 गुना दंड के साथ, जिसे खबरों के अनुसार अनेक स्वामी बस चुका देते हैं, और समाचार माध्यमों में उसी सीमा-मान वाले एक "झारखंड वर्षा जल संचयन विनियमन, 2017" ("Jharkhand Rain Water Harvesting Regulation, 2017") का उल्लेख है (प्रकाशित खबरों के अनुसार); दोनों में से किसी का पाठ नहीं मिला, और खबरों के अनुसार निगम के निरीक्षणों में अनेक प्रणालियाँ काम करती नहीं पाई गईं (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। ये नियम पुनर्भरण गड्ढे का कोई परीक्षण, सड़क के अपवाह से जलभृत की कोई सुरक्षा और वर्षा घटना से पहले खाली रहने वाला कोई भंडारण निर्धारित नहीं करते। जमशेदपुर, धनबाद और रांची की अति-दोहित और गंभीर इकाइयों में, जहाँ भूजल स्तर गहरा है, RWH का मुख्य कार्य पुनर्भरण है (खंड 8.11.2(b)), और उपविधि 51.1 का पुनर्भरण गड्ढा केवल वहीं काम करता है जहाँ वह लैटेराइट परत के नीचे ऐसी भूमि तक पहुँचे जो पानी सोखती हो; अन्यत्र अपक्षयित क्षेत्र तक एक बोर आवश्यक है (खंड 8.8.1)। डूब क्षेत्रों और तालाबों के तलों पर, गीली निचली भूमि पर, और खनन से विक्षुब्ध भूमि या किसी जल-निष्कासन क्षेत्र में, उपयोग के लिए संचयन पहले आता है, और पुनर्भरण का उपयोग नहीं किया जाता (खंड 8.8.1)। RWH जल आपूर्ति और पुनर्भरण का काम करता है। हफ्तों की वर्षा के बाद जुलाई से सितंबर का कोई मानसून अवदाब या बंगाल की खाड़ी के किसी चक्रवात का अवशेष आने तक वह प्रायः भरा होता है, या उसकी मिट्टी संतृप्त होती है, इसीलिए उसे अस्थायी भंडारण के रूप में नहीं गिना जा सकता।

खंड 8.11.3(b) का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे इसलिए निर्धारित करता है कि सड़क का अपवाह तेल, धातुएँ और रोगाणु ले जाता है। पुनर्भरण शाफ्ट या बोरवेल उस मिट्टी को बाइपास कर देता है जो अन्यथा उसे छानती, और उसे सीधे उस जलभृत तक पहुँचा देता है जो आसपास के कुओं को पानी देता है। CGWB का *Manual on Artificial Recharge of Ground Water* (2007) पुनर्भरण संरचनाओं के प्रकार और फिल्टर डिजाइन देता है; यह मैनुअल स्रोत जल पर प्रतिबंध जोड़ता है।

8.12 निर्माण चरण में अपरदन और तलछट नियंत्रण

8.12.1 **ESC योजना. 0.1 ha** या अधिक भूमि विक्षोभ वाले प्रत्येक विकास के लिए, और प्रत्येक सार्वजनिक जल निकासी या सड़क कार्य के लिए, एक अपरदन और तलछट नियंत्रण (ESC) योजना होगी, जो जल निकासी रिपोर्ट के साथ अनुमोदित की जाएगी। उसमें दर्शाया जाएगा:

- (a) सफाई, मिट्टी के काम और स्थिरीकरण का क्रम;
- (b) प्रत्येक चरण में खुला क्षेत्र;
- (c) खंड 8.12.3 के उपाय, उनके स्थानों और आकारों के साथ;
- (d) अंतःस्यंदन और प्रतिधारण क्षेत्रों की सुरक्षा (अध्याय 10);
- (e) सामग्री के ढेर, कंक्रीट धुलाई और ईंधन भंडारण के स्थान; और
- (f) निरीक्षण और रखरखाव की अनुसूची।

8.12.2 **मानसून के अनुसार समय.** मिट्टी के काम की योजना इस प्रकार बनाई जाएगी कि:

- (a) दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितंबर) के दौरान खुला क्षेत्र यथासंभव छोटा हो;
- (b) सभी पूरे हो चुके मिट्टी के काम **31 मई** तक वनस्पति, मल्च, मैटिंग या पक्की सतह द्वारा स्थिर कर दिए जाएँ; और
- (c) 10 जून और 20 अक्तूबर के बीच खुले किसी भी क्षेत्र की सफाई से पहले वहाँ तलछट नियंत्रण लगा दिए जाएँ।

8.12.3 **उपाय.**

- (a) परत प्रवाह प्राप्त करने वाले विक्षुब्ध क्षेत्रों के निचले ढलान वाले किनारे पर **गाद बाड़ (silt fence)**, जिसमें प्रत्येक बाड़ तक बहने वाला क्षेत्र परिशिष्ट 8E में निर्धारित अनुसार सीमित हो।
- (b) 2 ha तक के विक्षुब्ध क्षेत्रों से संकेंद्रित प्रवाह के लिए **तलछट जाल (sediment traps)**।

- (c) 2 ha से अधिक के विक्षुब्ध क्षेत्रों के लिए **तलछट बेसिन (sediment basins)**। आउटलेट के नीचे भंडारण आयतन कम से कम 50% AEP (2-वर्ष) 24-घंटे की वर्षा घटना से अपवाह और जल निकासी क्षेत्र के **प्रति हेक्टेयर 250 m³**, इनमें से जो अधिक हो, होगा, और उसमें सतह से पानी निकालने वाला जल-निष्कासन आउटलेट होगा।
- (d) साइट से अपवाह प्राप्त करने वाले प्रत्येक विद्यमान ड्रेन इनलेट पर **इनलेट सुरक्षा**।
- (e) **स्थिरीकृत निर्माण निकास**, जहाँ वाहन सार्वजनिक सड़कों पर आते हैं वहाँ पहिया धुलाई के साथ।
- (f) **सामग्री के ढेर** किसी भी जलाशय सेटबैक के जोन 1 (अध्याय 7) के बाहर, किसी भी ड्रेन से कम से कम 10 m दूर, और दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान ढके हुए।
- (g) **जल-निष्कासन** का पानी किसी तलछट बेसिन, अवसादन टैंक या फिल्टर बैग से होकर जाए, कभी भी सीधे किसी ड्रेन या जलाशय में पंप न किया जाए।
- (h) **कंक्रीट धुलाई** लाइनरयुक्त गड्ढे में, कभी भी किसी ड्रेन में नहीं।

8.12.4 **अस्थायी कार्यों के लिए डिजाइन वर्षा घटना.** अस्थायी ESC उपाय 1.0 के जलवायु गुणक (खंड 2.8.2) के साथ अध्याय 2 की वर्षा का उपयोग करते हैं।

8.12.5 **निरीक्षण.** ESC उपायों का निरीक्षण साप्ताहिक और प्रत्येक भारी वर्षा घटना (अध्याय 10 में परिभाषित अनुसार) के 24 घंटों के भीतर किया जाएगा, 48 घंटों के भीतर मरम्मत की जाएगी, और तलछट से आधा भर जाने पर सफाई की जाएगी।

8.12.6 **हटाना.** अस्थायी उपाय केवल तभी हटाए जाएँगे जब उन तक बहने वाला क्षेत्र स्थिर हो जाए। तलछट नियंत्रण के लिए उपयोग की गई किसी भी स्थायी सुविधा से तलछट उसके यथा-निर्मित सर्वेक्षण से पहले हटाई जाएगी (अध्याय 10)।

> **भाष्य.** 0.1 ha की सीमा-मान अध्याय 1 की प्रयोज्यता सीमा-मान है। 250 m³/ha का तलछट बेसिन आयतन, US EPA Construction General Permit का, निकासी किए गए प्रति एकड़ 3,600 ft³ का न्यूनतम मान है, जिसे SI में बदला गया है (US EPA, 2022 CGP); CGP विकल्प के रूप में 2-वर्ष, 24-घंटे के अपवाह की अनुमति देता है। यह मैनुअल दोनों में से अधिक की अपेक्षा करता है, क्योंकि झारखंड की 2-वर्ष 24-घंटे की गहराइयाँ अधिक हैं और निर्माण स्थल प्रायः दक्षिण-पश्चिम मानसून भर खुले छोड़ दिए जाते हैं। जाल और बेसिन के बीच 2 ha का विभाजन, 31 मई की स्थिरीकरण तिथि, ढेर की 10 m की दूरी और निरीक्षण की आवृत्ति का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। 31 मई की तिथि अध्याय 10 की मानसून-पूर्व समय-सीमा से मेल खाती है। निर्माण की तलछट प्रदूषक होने के साथ-साथ बाढ़ का प्रत्यक्ष खतरा भी है: यह ड्रेन, पुलियों और तालाबों को भर देती है, और झारखंड में यह उन तालाबों (talab), डोभों (dobha) और शहरी जलाशयों में जम जाती है जिन्हें नाले (nala) पानी देते हैं (खंड 7.9, भाष्य)। कोयला क्षेत्र में यह भार कहीं अधिक है: CAG ने पाया कि "कोयला खदानों में जल प्रदूषण का प्रमुख स्रोत खदान के पानी और वर्षा जल की निकासी प्रणाली में निलंबित ठोस हैं" ("The major source of water pollution in coal mines is the suspended solids in the drainage system of mine water and storm water"), और CCL की चार खदानों के बहिःस्राव में 100 mg/l की सीमा के विरुद्ध 104 से 12,628 mg/l निलंबित ठोस थे, एक वाशरी का अपशिष्ट (rejects) दामोदर तक पहुँच रहा था, और पर्यावरण स्वीकृति की उस शर्त के विरुद्ध, जो कम से कम 60 m के अवरोध (barrier) की अपेक्षा करती थी, खुदिया नदी के तट पर ओवरबर्डन डाला गया था (CAG, 2019 की रिपोर्ट संख्या 12); पर्यावरण स्वीकृतियाँ किसी खदान की गारलैंड ड्रेनों का आकार "चरम आकस्मिक वर्षा और अधिकतम प्रवाह से ऊपर कम से कम 50% सुरक्षा मार्जिन" ("at least 50% safety margin over and above the peak sudden rainfall and maximum discharge") के साथ निर्धारित करती हैं, जो कोई पुनरावृत्ति अवधि नहीं है, और "गाद के उचित अवसादन के लिए पर्याप्त प्रतिधारण अवधि" ("adequate retention period to allow proper settling of silt material") वाले एक संप की अपेक्षा करती हैं (कोयला खदानों की पर्यावरण स्वीकृति की मानक शर्तें, 2024 की एक पर्यावरण स्वीकृति में पढ़े गए रूप में)। इस मैनुअल के लिए पढ़े गए किसी भी स्रोत में झारखंड की कोयला खदानों से अम्लीय जल निकासी (acid drainage) मापी नहीं गई थी, इसलिए न तो उसे मान लिया गया है और न ही उसकी संभावना से इनकार किया गया है; जहाँ किसी खदान, डंप या खदान झील से अपवाह या रिसाव अम्लीय पाया जाए, वहाँ उसका उपचार और निस्सरण JSPCB से प्राप्त सम्मति के अंतर्गत पट्टाधारी का दायित्व है, और उसे प्रत्येक वर्षा जल ड्रेन, BMP और पुनर्भरण संरचना से बाहर रखा जाता है।

8.13 निगरानी

8.13.1 **आउटफॉल की निगरानी.** प्रत्येक टियर A प्राधिकारी जलाशयों में गिरने वाले अपने आउटफॉल के एक प्रतिनिधि समूह पर जल गुणवत्ता की निगरानी करेगा, जिसमें पेयजल तालाब या अधिसूचित आर्द्रभूमि में गिरने वाला प्रत्येक आउटफॉल सम्मिलित होगा। निगरानी में सम्मिलित होगा:

- (a) शुष्क मौसम में नमूना संग्रह (खंड 8.9.4), वर्ष में कम से कम एक बार, दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले; और
- (b) सूचक आउटफॉल के एक समूह पर प्रत्येक दक्षिण-पश्चिम मानसून में कम से कम तीन घटनाओं का वर्षा के समय नमूना संग्रह।

8.13.2 **प्राचल.** कम से कम: TSS, BOD, COD, फीकल कोलीफॉर्म, कुल नाइट्रोजन, कुल फॉस्फोरस, तेल और ग्रीस, और औद्योगिक जलग्रहण क्षेत्रों के लिए भारी धातुएँ। परिणामों की तुलना प्राप्तकर्ता जलाशय के निर्धारित सर्वोत्तम उपयोग के लिए CPCB के जल गुणवत्ता मानदंडों से की जाएगी।

8.13.3 **स्थूल प्रदूषकों के अभिलेख.** प्रत्येक सफाई पर प्रत्येक GPT और जाली से हटाई गई सामग्री का द्रव्यमान या आयतन O&M अभिलेखों में दर्ज किया जाएगा (अध्याय 10)।

8.13.4 **BMP के प्रदर्शन की निगरानी.** राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति BMP के प्रदर्शन का अंशांकन कार्यक्रम चलाएगी और उसके परिणामों से तालिका 8.3 और परिशिष्ट 8C को संशोधित करेगी।

8.13.5 **प्रकाशन.** निगरानी के परिणाम खंड 10.17 के रजिस्टर में प्रकाशित किए जाएँगे।

> **भाष्य.** इस मैनुअल के लिए शोध के दौरान झारखंड में वर्षा जल की गुणवत्ता की निगरानी का कोई कार्यक्रम नहीं मिला, और CPHEEO (2019) कोई भारतीय लक्ष्य निर्धारित नहीं करता। खंड 8.13 की निगरानी तालिका 8.3 के अंशांकन और यह दर्शाने के लिए आवश्यक न्यूनतम है कि DWF अवरोधन और स्रोत हटाने का काम प्रभावी है या नहीं। प्राचलों की सूची CPHEEO की WSUD प्रक्रिया में बताए गए मुख्य प्रदूषकों (TSS, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और स्थूल प्रदूषक) का अनुसरण करती है, जिसमें सीवेज संदूषण के कारण BOD और फीकल कोलीफॉर्म जोड़े गए हैं। निगरानी की आवृत्तियाँ इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

8.14 प्रस्तुति संबंधी अपेक्षाएँ

इस अध्याय के अंतर्गत प्रत्येक जल निकासी रिपोर्ट में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

1. **जल गुणवत्ता पत्रक (प्रपत्र 8-1)**: P_ret, P_3m और P_wq; प्रत्येक जल निकासी क्षेत्र के लिए WQv और Q_wq; अध्याय 4 के अंतर्गत रोका गया आयतन; और प्रत्येक क्षेत्र की सेवा करने वाली BMP;
2. टियर A के लिए: LoS गणना (ΔCN, आवश्यक LoS) और संयुक्त VR (खंड 8.6);
3. पूर्व-उपचार सहित, खंड 8.7 और परिशिष्ट 8D के अनुसार प्रत्येक BMP का डिजाइन;
4. अंतःस्यंदन और पुनर्भरण के लिए: **अंतःस्यंदन परीक्षण अभिलेख (प्रपत्र 8-2)**, मौसमी उच्चतम भूजल स्तर और उसका स्रोत, डिजाइन दर, खाली होने का समय, और खंड 8.8.6 के सेटबैक;
5. सीवेज और सलेज जुड़ाव योजना और खंड 8.9.2 का डाई या धुआँ परीक्षण अभिलेख;
6. किसी जलाशय में गिरने वाले किसी भी आउटफॉल के लिए GPT और प्रथम प्रवाह डिजाइन (खंड 8.10);
7. संचयन, पुनर्भरण और अस्थायी भंडारण को अलग-अलग दर्शाता RWH लेआउट (खंड 8.11); और
8. ESC योजना (खंड 8.12)।

8.15 समीक्षा और अद्यतन

8.15.1 इस अध्याय की समीक्षा मैनुअल के शेष भाग के साथ की जाएगी (अध्याय 1)। तालिका 8.3 की समीक्षा तब भी की जाएगी जब खंड 8.13.4 का अंशांकन कार्यक्रम रिपोर्ट दे, और किसी भी स्थिति में अधिसूचना के 5 वर्षों के भीतर।

संदर्भ (अध्याय)

- MoHUA / CPHEEO (2019). Manual on Storm Water Drainage Systems, Part A: Engineering Design (§9.5, Ch. 10). https://web.archive.org/web/2024/https://mohua.gov.in/upload/uploadfiles/files/VolumeI-Part%20A-Engineering-Design.pdf
- Mid-America Regional Council and Kansas City Metro Chapter APWA (2012). Manual of Best Management Practices for Stormwater Quality (Tables 4.2–4.6). https://www.marc.org/sites/default/files/2022-05/Best_Management_Practices_for_Stormwater_Quality.pdf
- Kansas City Metro Chapter APWA (2025). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities, Version 2025.01; MARC factsheet and Supplement. https://www.marc.org/document/apwa-5600-manual-factsheet ; https://www.marc.org/document/apwa-stormwater-standards-supplement
- Atlanta Regional Commission / Georgia EPD (2016). Georgia Stormwater Management Manual, 2016 Edition, Vols 1–2. https://documents.atlantaregional.com/gastormwater/GSMM_2016%20EDITION_FINAL_V1.pdf
- Department of Irrigation and Drainage Malaysia (2012). Urban Stormwater Management Manual for Malaysia (MSMA), 2nd Edition. https://did.sarawak.gov.my/web/attachment/show/?docid=clRsMlRycU1lNnFRcnl3eDZnNkJMdz09OjpY0au0UPvQ9zUHVWRMbCKX
- Department of Irrigation and Drainage Malaysia (2008). Submission Checklist for Stormwater Management. https://www.water.gov.my/jps/resources/auto%20download%20images/5844dfbba8fc1.pdf
- CIRIA (2015). The SuDS Manual (C753). London: CIRIA.
- PUB, Singapore's National Water Agency. Active, Beautiful, Clean Waters Design Guidelines (वर्तमान संस्करण)।
- Central Ground Water Board (2007). Manual on Artificial Recharge of Ground Water. Ministry of Water Resources, Government of India.
- US Environmental Protection Agency (2022). NPDES Construction General Permit (तलछट बेसिन का आकार निर्धारण)।
- ASTM D3385. Standard Test Method for Infiltration Rate of Soils in Field Using Double-Ring Infiltrometer.
- BRE Digest 365. Soakaway Design. Building Research Establishment, UK.
- Government of Jharkhand, Urban Development and Housing Department. Jharkhand Building Bye-laws, 2016 (झारखंड भवन उपविधि, 2016; उपविधि 51 और 58.6) और Jharkhand Building (Amendment) Bye-laws, 2017 (झारखंड भवन (संशोधन) उपविधि, 2017; मद 44, उपविधि 58.6.15) (अध्याय 7 के संदर्भ)।
- Government of Jharkhand. Jharkhand Municipal Act, 2011 (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011; धारा 2(41), 219, 224, 340, 378 और 441) (अध्याय 7 के संदर्भ)।
- Comptroller and Auditor General of India. Report No. 1 of 2023, Government of Jharkhand, अध्याय 4 (हरमू नदी); Annual Technical Inspection Report on Local Bodies for the year ended 31 March 2016, अध्याय 4; और Report No. 12 of 2019 (कोल इंडिया लिमिटेड में खनन), अध्याय 5 (अध्याय 7 के संदर्भ)।
- National Green Tribunal (Eastern Zone). O.A. 129 of 2026 (EZ), आवेदन, और O.A. 200 of 2014 में राज्य की तिमाही प्रगति रिपोर्टें (अध्याय 7 के संदर्भ)।
- Central Ground Water Board. *Ground Water Year Book, Jharkhand, 2019-20*; Dynamic Ground Water Resources of Jharkhand, 2023 (अनुलग्नक 3F और 4A, 2024 में राज्य द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष दाखिल रूप में); रांची की जिला पुस्तिका (2013); PIB के सारांश के अनुसार 2025 का आकलन (18 दिसंबर 2025)। https://cgwb.gov.in/old_website/Regions/MER/Reports/Ground%20Water%20Year%20Book%202019-20-Jharkhand.pdf

- Baxla, A. K., Kumar, R. और Wadood, A. (2001). Infiltration characteristics of soils under different soil series of Jumar nala sub-watershed. *Annals of Arid Zone* 40(1): 29–33. https://epubs.icar.org.in/index.php/AAZ/article/download/65767/28003/165072
- India Meteorological Department (2011). *Climate of Jharkhand* (Climatological Summaries of States Series No. 17; 1951–2000 के सामान्य मान)। https://imdpune.gov.in/library/public/Cimate%20of%20Jharkhand.pdf ; IMD (2020), दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन और वापसी की नई सामान्य तिथियाँ (अध्याय 7 के संदर्भ)।
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change. 13 अगस्त 2024 की पर्यावरण स्वीकृति, फाइल संख्या J-11015/72/2016-IA.II(M), राज्य के बाहर की एक कोयला खदान के लिए (गारलैंड ड्रेनों, अवसादन संपों और जल चैनलों पर मानक शर्त 3.6–3.11)। https://mahagenco.in/Content/File_pdf/EnvClearance/2.EC_Gare%20Palma%20Sector%20II%20Coal%20Mine%20Project_13.08.2024.pdf ; झारखंड की कोयला खदानों में रखे खदान के पानी की खबरें (द्वितीयक स्रोत; प्राथमिक रिपोर्ट देखी नहीं गई)।
- वर्षा जल संचयन की खबरें (द्वितीयक स्रोत): रांची के RWH विनियमन और दंड पर Swarajya (2019), https://swarajyamag.com/infrastructure/what-ranchi-wants-its-residents-to-do-to-keep-dry-days-away ; Jharkhand Rain Water Harvesting Regulation, 2017 पर Down To Earth (4 मई 2026), https://www.downtoearth.org.in/water/an-urban-water-emergency-warrants-that-the-jharkhand-rain-water-harvesting-regulation-2017-must-now-become-a-civic-movement
- Platts, J. T. (1884). *A Dictionary of Urdu, Classical Hindi, and English* (परिशिष्ट 8D में पौधों के नाम, पृ. 39, 229, 267, 372, 489, 531, 569, 626, 712, 740, 801, 821, 828, 849, 926, 1101, 1132, 1152 और 1168)। https://dsal.uchicago.edu/dictionaries/platts/
- AMRUT 2.0 के स्वीकार्य घटकों पर संसद का उत्तर AU1419। https://eparlib.sansad.in/bitstream/123456789/2988692/1/AU1419_tzCIvw.pdf

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय-वस्तु
8A	जोन के अनुसार 3-माह ARI 24-घंटे की गहराई और IDF
8B	पुनर्विकास के लिए LoS तालिका और उपचार शृंखला की संयुक्त VR
8C	झारखंड में BMP के प्रदर्शन का अंशांकन
8D	BMP डिजाइन पत्रक, माध्यम विनिर्देश, पौधों की सूचियाँ
8E	अपरदन और तलछट नियंत्रण के मानक विवरण
प्रपत्र 8-1	जल गुणवत्ता पत्रक
प्रपत्र 8-2	अंतःस्यंदन परीक्षण अभिलेख

अध्याय 9

संरचनाओं का हाइड्रोलिक डिजाइन

9.1 उद्देश्य और विस्तार

9.1.1 यह अध्याय लघु और प्रमुख प्रणालियों (अध्याय 6) में, प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण सुविधाओं (अध्याय 4) में, आउटफॉलों (अध्याय 5) पर और जलाशयों (अध्याय 7) पर प्रयुक्त संरचनाओं के हाइड्रोलिक डिजाइन की विधियाँ निर्धारित करता है। इसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- (a) पाइप और बॉक्स ड्रेन (खंड 9.3);
- (b) पुलियाएँ (culverts) (खंड 9.4);
- (c) खुले चैनल (खंड 9.5);
- (d) ऊर्जा क्षयकारी (energy dissipators), आउटलेट संरक्षण और ड्रॉप संरचनाएँ (खंड 9.6);
- (e) अस्थायी भंडारण की आउटलेट संरचनाएँ (खंड 9.7);
- (f) कचरा-रोधी जालियाँ (trash racks) और जालियाँ (screens) (खंड 9.8);
- (g) पंप और संप (खंड 9.9);
- (h) ज्वार-रोधी गेट (tide gates), फ्लैप गेट और नॉन-रिटर्न वाल्व (खंड 9.10);
- (i) इनलेट और जालियाँ (gratings) (खंड 9.11);
- (j) मैनहोल, संगम कक्ष (junction chambers) और प्रवेश व्यवस्था (खंड 9.12); और
- (k) सामग्री और स्थायित्व (durability), जिसमें तटीय और लवणीय अनावरण सम्मिलित है (खंड 9.13)।

9.1.2 **संरचनात्मक डिजाइन इस मैनुअल के विस्तार से बाहर है।** संरचनाओं का संरचनात्मक डिजाइन लागू भारतीय मानकों और IRC संहिताओं के अनुसार किया जाएगा, उदाहरण के लिए IS 456 (सादा और प्रबलित कंक्रीट), IS 458 (कंक्रीट पाइप), IRC:SP:13 (छोटे पुल और पुलियाएँ) और IRC की पुल संहिताएँ। जहाँ यह अध्याय किसी संरचनात्मक मानक का उल्लेख करता है, वहाँ वह केवल स्थायित्व (खंड 9.13) या हाइड्रोलिक निष्पादन के लिए करता है।

9.1.3 डिजाइन प्रवाह, डिजाइन AEP और सेवा स्तर की सीमाएँ अध्याय 2 से 7 से ली जाती हैं। यह अध्याय उन्हें नहीं बदलता।

> **भाष्य.** APWA Section 5600 संरचनाओं की अधिकांश हाइड्रोलिक्स को इनलेट और मैनहोल (5604), बंद पाइप प्रणालियों (5606), अभियांत्रिक चैनलों (5607) और अस्थायी भंडारण (5608) संबंधी अपने खंडों में रखता है। CPHEEO (2019) इन्हें अध्याय 5, 6, 8 और 11 में फैलाता है। यह अध्याय इन्हें एक स्थान पर एकत्र करता है और उन विधियों के लिए, जिन्हें भारतीय संहिताएँ पर्याप्त विस्तार से नहीं समेटतीं, अमेरिकी संघीय राजमार्ग प्रशासन (US Federal Highway Administration, FHWA) के हाइड्रोलिक परिपत्रों का संदर्भ देता है: पुलियाओं के लिए HDS-5, ऊर्जा क्षयकारियों के लिए HEC-14, इनलेट और प्रवेश छिद्रों (access holes) के लिए HEC-22, और पंपिंग स्टेशनों के लिए HEC-24। उद्धृत FHWA संस्करण वे हैं जो अक्तूबर 2026 तक FHWA हाइड्रोलिक्स पुस्तकालय में सूचीबद्ध थे।

9.2 सामान्य अपेक्षाएँ

9.2.1 **टेलवाटर (tailwater).** जो भी संरचना किसी ऐसी नदी, नाले (nala), तालाब (talab), जलाशय या खदान के गड्ढे में पानी छोड़ती है जिसका जल स्तर आउटफॉल के इनवर्ट से ऊपर उठ सकता है, उसका विश्लेषण अध्याय 5 की इन टेलवाटर स्थितियों के साथ किया जाएगा: लघु और प्रमुख प्रणाली के डिजाइन के लिए खंड 5.6 का गैर-ज्वारीय टेलवाटर; खंड 5.8 का नदी का पश्चजल प्रभाव (riverine backwater), जिसमें प्रतिप्रवाह के किसी डैम या बैराज से छोड़े गए पानी से आने वाली बाढ़ सम्मिलित है, जैसे स्वर्णरेखा पर गेतलसूद और चांडिल, ओडिशा में खरकई के डैम, दामोदर पर तेनुघाट और DVC के तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत जलाशय, और साहिबगंज और राजमहल में गंगा का पश्चजल; जहाँ भी प्राप्तकर्ता जल आउटफॉल के इनवर्ट से ऊपर उठ सकता है वहाँ खंड 5.10 की आउटफॉल-बंद जाँच (outfall-closed check), जो जमशेदपुर, आदित्यपुर, मानगो और जुगसलाई की उन ड्रेनों के लिए, जो स्वर्णरेखा और खरकई में गिरती हैं, रांची की उन ड्रेनों और नालों के लिए, जो हरमू, जुमार और स्वर्णरेखा में या कांके, धुर्वा (हटिया) और गेतलसूद जलाशयों और बड़ा तालाब में गिरते हैं, दामोदर घाटी के उन नगरों के लिए, रामगढ़ से बोकारो, चास और धनबाद तक, जिनकी ड्रेनें दामोदर और बराकर में गिरती हैं, और साहिबगंज और राजमहल की उन ड्रेनों के लिए, जो गंगा में गिरती हैं, लागू स्थिति है; किसी जलाशय, झील या तालाब में आउटफॉल के लिए, उसका अधिकतम जल स्तर, या उसका पूर्ण जल स्तर जमा डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज (surcharge), जैसा अध्याय 5 निर्धारित करता है, या, जहाँ इनमें से कोई प्रकाशित नहीं है, पूर्ण जल स्तर और 0.5 m (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित); किसी खदान के गड्ढे या खदान झील में आउटफॉल के लिए, जिसकी अनुमति यह मैनुअल केवल पट्टाधारी और DGMS की सम्मति से देता है, उस गड्ढे का सर्वेक्षित अतिप्रवाह स्तर (spill level) और वह स्तर जिस तक वह 72-घंटे का डिजाइन आयतन धारण करने पर पहुँचता है, कभी भी खाली माना गया भंडारण नहीं; आउटफॉल के अनुप्रवाह में किसी स्लूइस, अवरोधन संरचना (interception structure), चेक डैम, तालाब के आउटलेट वियर या पंपिंग स्टेशन द्वारा ड्रेन में रोका गया जल स्तर, जिसे उसके गेट-बंद स्तर, उसके वियर के शिखर या उसके पंपों के प्रारंभ स्तर पर एक नियत नियंत्रण के रूप में लिया जाएगा; और खंड 2.12 की संयुक्त स्थिति। जमशेदपुर में स्तर स्वर्णरेखा पर CWC स्थल के हैं (खतरे का स्तर 123.5 m; उच्चतम बाढ़ स्तर 129.82 m, 12 अक्तूबर 1973; CWC स्थल-सूची, प्रकाशित खबरों के अनुसार); मानगो और आदित्यपुर पुलों पर जिले के निशान, जिनका CWC के गेजों से मिलान नहीं किया गया है, केवल सतर्कता स्तर के रूप में प्रयुक्त होते हैं और CWC के स्तरों के साथ कभी मिलाए नहीं जाते। ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला जो झारखंड में किसी भी आउटफॉल पर नदी, जलाशय या खदान के गड्ढे का डिजाइन जल स्तर निर्धारित करता हो; जब तक ऐसा स्तर प्रकाशित नहीं होता, अध्याय 5 के स्तर लागू होंगे।

9.2.2 **जलवायु गुणक.** डिजाइन प्रवाहों में खंड 2.8 का जलवायु गुणक सम्मिलित किया जाएगा।

9.2.3 **रखरखाव के लिए प्रवेश.** प्रत्येक संरचना खंड 9.12 और अध्याय 10 की विधियों द्वारा निरीक्षण और सफाई के लिए सुलभ होगी, और जहाँ भी व्यवहार्य हो, सीमित स्थानों (confined spaces) में मनुष्य के प्रवेश के बिना।

9.2.4 **डिजाइन आयु.** संरचनाओं का डिजाइन कंक्रीट और चिनाई कार्यों के लिए कम से कम 50 वर्ष की सेवा आयु के लिए, और यांत्रिक तथा विद्युत उपकरणों के लिए कम से कम 25 वर्ष की सेवा आयु के लिए किया जाएगा, जब तक कि अनुमोदन प्राधिकारी अन्यथा सहमत न हो।

9.2.5 **अवरोध.** जहाँ कोई संरचना मलबे से अवरुद्ध हो सकती है, वहाँ उसकी जाँच इस अध्याय में निर्धारित अवरुद्ध स्थिति में की जाएगी, और उस स्थिति के लिए एक सुरक्षित अतिप्रवाह मार्ग उपलब्ध होगा (अध्याय 6, खंड 6.3.2)।

> **भाष्य.** खंड 9.2.4 के डिजाइन आयु मानों का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल उन्हें इसलिए निर्धारित करता है क्योंकि यह तय करने के लिए उनकी आवश्यकता है कि जलवायु गुणक कब लागू होता है (खंड 2.8.2 इसे 25 वर्ष से अधिक डिजाइन आयु वाले घटकों पर लागू करता है)।

9.3 पाइप और बॉक्स ड्रेन

9.3.1 **क्षमता और खुरदरापन.** पाइप और बॉक्स ड्रेन की क्षमता की गणना मैनिंग समीकरण (Manning's equation) द्वारा अध्याय 6 की तालिका 6.6 के डिजाइन n के साथ की जाएगी। प्रीकास्ट या स्थल पर ढाली गई (cast-in-situ) RCC बॉक्स ड्रेनों के लिए डिजाइन n कम से कम 0.015 होगा।

9.3.2 **आंशिक रूप से भरा प्रवाह.** आंशिक रूप से भरे वृत्ताकार पाइपों में गहराई, वेग और प्रवाह दर की गणना वृत्ताकार अनुप्रस्थ काटों (circular sections) के हाइड्रोलिक-तत्व संबंधों (hydraulic-element relationships) से की जाएगी (उदाहरण के लिए CPHEEO 2019, तालिका 5.5)। डिजाइन प्रवाह पर खंड 6.7.3 का न्यूनतम वेग लागू होता है।

9.3.3 **दाब प्रवाह.** जहाँ कोई पाइप पूरा भरकर या सरचार्ज में चलता है, वहाँ HGL की गणना अध्याय 6 के खंड 6.8 के अंतर्गत घर्षण और संरचना हानियों के साथ की जाएगी।

9.3.4 **खड़ी ढलान वाले पाइप.** जहाँ किसी पाइप में डिजाइन प्रवाह अतिक्रांतिक (supercritical) है (फ्रूड संख्या 1 से अधिक), वहाँ डिजाइनकर्ता:

- (a) किसी भी हाइड्रोलिक जंप (hydraulic jump) का स्थान निर्धारित करेगा और दर्शाएगा कि वह पाइप की लंबाई में नहीं, बल्कि उसे समाहित करने के लिए डिजाइन की गई संरचना में होता है;
- (b) जहाँ जंप पाइप को बंद कर सकता है, वहाँ वायु निकास (air venting) का प्रावधान करेगा; और
- (c) खंड 6.7.3(b) के अधिकतम वेग का पालन करेगा।

9.3.5 **आकार और दिशा में परिवर्तन.**

- (a) पाइप का आकार अनुप्रवाह की ओर घटेगा नहीं।
- (b) पाइप केवल मैनहोल या संगम कक्षों पर ही जुड़ेंगे, सिवाय इसके कि इनलेट कनेक्शन 1,200 mm या उससे बड़े पाइपों से कारखाने में बने जंक्शन के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- (c) एक ही संरचना में 90° से अधिक के दिशा परिवर्तन की अनुमति नहीं है।

9.3.6 **उत्प्लावन.** उच्च भूजल वाले क्षेत्रों में पाइपों और बॉक्स ड्रेनों की उत्प्लावन (flotation) के लिए जाँच की जाएगी (अध्याय 6, खंड 6.7.7)।

> **भाष्य.** बॉक्स ड्रेनों के लिए 0.015 का डिजाइन n इस मैनुअल द्वारा तालिका 6.6 के "सामान्य" (fair) कंक्रीट मान के अनुरूप निर्धारित किया गया है। खंड 9.3.4 और 9.3.5 FHWA HEC-22 और अन्य मैनुअलों की सामान्य पद्धति का अनुसरण करते हैं। पाइप की लंबाई के भीतर जंप दाब के झटके (pressure surges) पैदा करता है और मैनहोल के ढक्कन उड़ा सकता है।

9.4 पुलियाएँ

9.4.1 **विधि.** पुलियाओं का डिजाइन FHWA *Hydraulic Design of Highway Culverts*, HDS-5, संस्करण 3 (2012) की विधियों द्वारा, या उन्हें लागू करने वाले सॉफ्टवेयर (उदाहरण के लिए FHWA HY-8) द्वारा किया जाएगा। डिजाइन हेडवाटर इनलेट नियंत्रण के अंतर्गत हेडवाटर (HWi) और आउटलेट नियंत्रण के अंतर्गत हेडवाटर (HWo) में से **अधिक** होता है।

9.4.2 **इनलेट नियंत्रण.** HWi की गणना वास्तव में निर्मित बैरल (barrel) के आकार, सामग्री और इनलेट किनारे की स्थिति के लिए HDS-5 के इनलेट-नियंत्रण समीकरणों या नोमोग्राफों से की जाएगी।

9.4.3 **आउटलेट नियंत्रण.** HWo की गणना इस प्रकार की जाएगी:

> HWo = ho + H − L·S

> H = [1 + ke + (19.63 n² L) / R^1.33] · V² / 2g (SI इकाइयाँ, पूर्ण बैरल)

> ho = TW और (dc + D)/2 में से जो अधिक हो

जहाँ ho नियंत्रण के लिए प्रयुक्त आउटलेट जल गहराई (m) है, H बैरल में कुल हेड हानि (m) है, L बैरल की लंबाई (m) है, S बैरल का ढलान (m/m) है, ke प्रवेश हानि गुणांक (तालिका 9.1) है, n बैरल का खुरदरापन है, R हाइड्रोलिक त्रिज्या (m) है, V बैरल में वेग (m/s) है, TW आउटलेट इनवर्ट के ऊपर टेलवाटर की गहराई (m) है, dc क्रांतिक गहराई (m) है और D बैरल की ऊँचाई (rise) (m) है। आउटलेट नियंत्रण के अंतर्गत आंशिक रूप से भरे बैरलों का विश्लेषण HDS-5 में निर्धारित पश्चजल गणना (backwater calculation) द्वारा किया जाएगा।

तालिका 9.1 — प्रवेश हानि गुणांक ke (आउटलेट नियंत्रण, पूर्ण या आंशिक रूप से भरा)

बैरल और इनलेट	ke
कंक्रीट पाइप, भराई से बाहर निकला हुआ, सॉकेट (ग्रूव) सिरा	0.2
कंक्रीट पाइप, भराई से बाहर निकला हुआ, सीधा कटा सिरा	0.5
कंक्रीट पाइप, हेडवॉल या विंगवॉल सहित हेडवॉल, सॉकेट सिरा	0.2
कंक्रीट पाइप, हेडवॉल या विंगवॉल सहित हेडवॉल, चौकोर किनारा	0.5
कंक्रीट पाइप, हेडवॉल, गोलाई वाला प्रवेश (त्रिज्या = D/12)	0.2
कंक्रीट पाइप, भराई के ढलान के अनुरूप तिरछा कटा (mitred)	0.7
कंक्रीट पाइप, बेवल किए गए किनारे	0.2
नालीदार धातु पाइप (corrugated metal pipe), भराई से बाहर निकला हुआ	0.9
RCC बॉक्स, तटबंध के समानांतर हेडवॉल, तीन ओर चौकोर किनारा	0.5
RCC बॉक्स, तटबंध के समानांतर हेडवॉल, तीन किनारे गोल या बेवल किए गए	0.2
RCC बॉक्स, बैरल से 30°–75° पर विंगवॉल, चौकोर किनारे वाला शीर्ष	0.4
RCC बॉक्स, बैरल से 10°–25° पर विंगवॉल, चौकोर किनारे वाला शीर्ष	0.5
RCC बॉक्स, समानांतर विंगवॉल (पार्श्वों का विस्तार), चौकोर किनारे वाला शीर्ष	0.7

स्रोत: FHWA HDS-5 (2012), प्रवेश हानि गुणांक तालिका (Appendix C)।

9.4.4 **टेलवाटर.** TW निम्नलिखित में से उच्चतर होगा:

- (a) डिजाइन प्रवाह पर अनुप्रवाह चैनल में सामान्य (normal) या पश्चजल गहराई; और
- (b) ज्वारीय या नदी के पश्चजल क्षेत्र के भीतर की पुलियाओं के लिए, खंड 9.2.1 का टेलवाटर स्तर।

9.4.5 **हेडवाटर की सीमाएँ.** अध्याय 6 की तालिका 6.1 के डिजाइन AEP पर:

- (a) HW/D 1.2 से अधिक नहीं होगा;
- (b) हेडवाटर, प्रतिप्रवाह फलक पर सड़क के शोल्डर (shoulder) के किनारे से कम से कम 0.3 m नीचे होगा; और
- (c) हेडवाटर किसी भी प्रतिप्रवाह भवन या संपत्ति की सीमा पर जल स्तर को अध्याय 6 के खंड 6.12.2(d) की सीमाओं से ऊपर नहीं उठाएगा।

9.4.6 **सड़क के ऊपर से बहना.** जाँच घटना और 1% AEP घटना में सड़क के ऊपर से होने वाले प्रवाह की गणना चौड़े शिखर वाले वियर (broad-crested weir) के समीकरण से की जाएगी:

> Qr = Cd · L · h^1.5

जहाँ Qr सड़क के ऊपर से होने वाला प्रवाह (m^3/s) है, L ऊपर से बहने वाले खंड की लंबाई (m) है और h सड़क के शिखर के ऊपर हेडवाटर की गहराई (m) है। Cd सड़क की सतह और h तथा सड़क की चौड़ाई के अनुपात के लिए HDS-5 से लिया जाएगा, और यह 1.66 (SI) से अधिक नहीं होगा। पुलिया के प्रवाह और ऊपर से होने वाले प्रवाह को एक साझा हेडवाटर पर संतुलित किया जाएगा। ऊपर से बहने की गहराइयाँ और जोखिम अध्याय 6 के खंड 6.12 का पालन करेंगे।

9.4.7 **आउटलेट वेग.** डिजाइन AEP पर और 1% AEP पर आउटलेट वेग की गणना की जाएगी और आउटलेट को खंड 9.6 के अंतर्गत संरक्षित किया जाएगा।

9.4.8 **बैरल और मलबा.**

- (a) मलबा-प्रवण शहरी ड्रेनों में बहु-बैरल पुलियाओं से बचा जाएगा। जहाँ उनका उपयोग किया जाता है, वहाँ एक बैरल शुष्क मौसम प्रवाह को वहन करेगा, और इनलेट पर मलबा-फिन (debris fin) या विक्षेपक (deflector) होगा।
- (b) पुलियाएँ अध्याय 6 के खंड 6.12.4 और 6.12.5 के न्यूनतम आकार और अवरोध जाँच का पालन करेंगी।
- (c) पुलिया के इनवर्ट ड्रेन के तल से मेल खाएँगे। उन्हें तल से ऊपर नहीं रखा जाएगा, क्योंकि इससे प्रतिप्रवाह की ओर गाद और पानी रुकता है।

9.4.9 **हेडवॉल और कट-ऑफ.** इनलेट और आउटलेट पर हेडवॉल, विंगवॉल और कट-ऑफ दीवारें होंगी, जिनका डिजाइन पाइपिंग (piping) और नींव के कटाव (undermining) को रोकने के लिए किया गया हो।

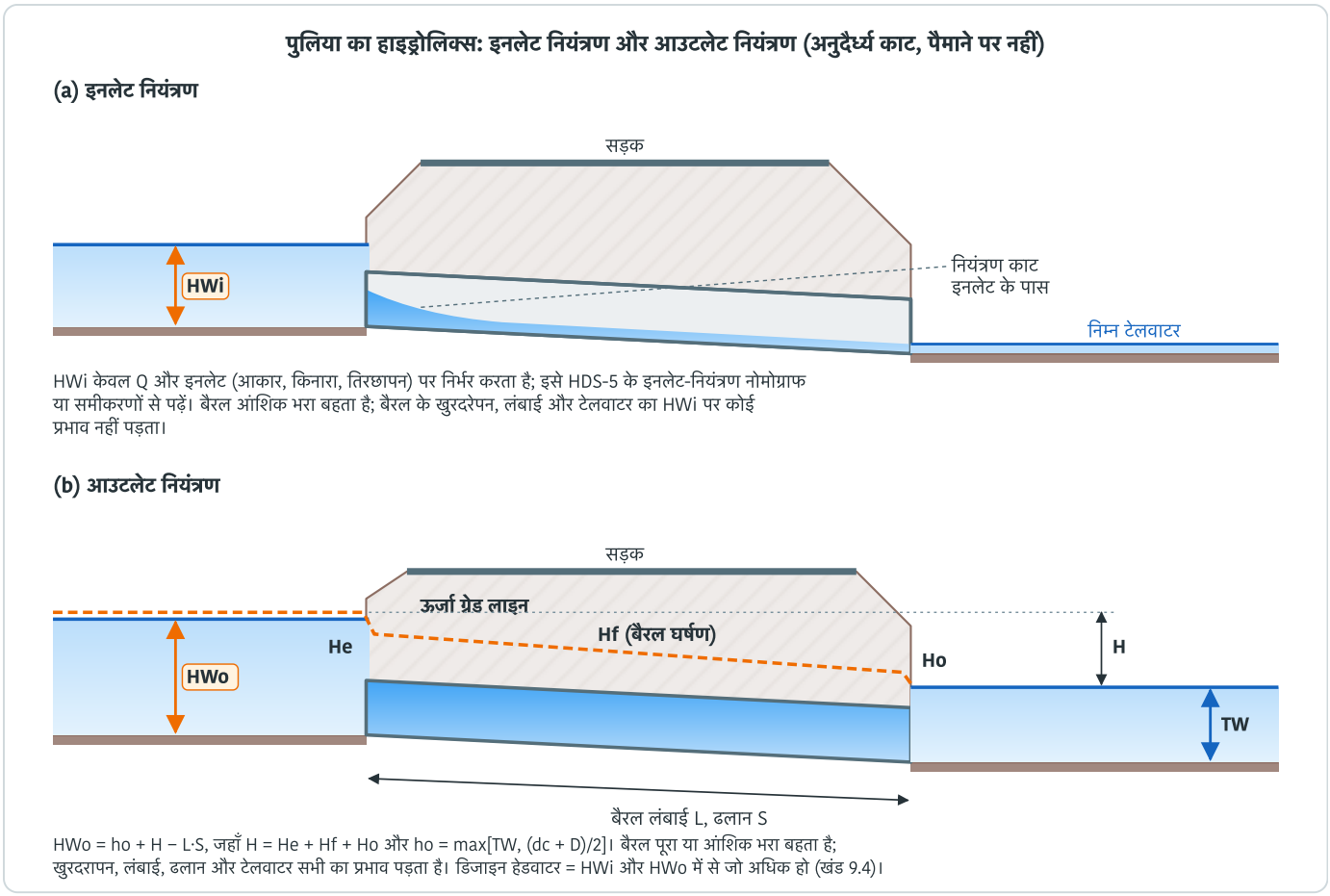

चित्र 9.1 — पुलिया की हाइड्रोलिक्स: इनलेट नियंत्रण और आउटलेट नियंत्रण। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, FHWA, Hydraulic Design of Highway Culverts, HDS-5 (3rd ed., 2012) से अनुकूलित।

भाष्य. HDS-5 (संस्करण 3, FHWA-HIF-12-026, अप्रैल 2012) ने HEC-5, HEC-10 और HEC-13 की पुलिया डिजाइन सामग्री को एक में मिलाया और यह FHWA का वर्तमान पुलिया मैनुअल है। खंड 9.4.3 का आउटलेट-नियंत्रण समीकरण SI इकाइयों में HDS-5 का ऊर्जा समीकरण है: घर्षण गुणांक 19.63, 2g के बराबर है। तालिका 9.1 के ke मान HDS-5 से लिए गए हैं। वियर गुणांक की 1.66 (SI) की सीमा, ऊपर से बहने की गणनाओं के लिए APWA 5600 (2006) की C ≤ 3.0 (US इकाइयाँ) की सीमा का रूपांतरण है। खंड 9.4.5 की हेडवाटर सीमाएँ इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं: HW/D ≤ 1.2 यह सुनिश्चित करता है कि डिजाइन घटना पर इनलेट जलमग्न-ऑरिफिस प्रवाह (submerged-orifice flow) में अधिक दूर तक न चले, जहाँ प्रवाह में छोटी वृद्धि से हेडवाटर में बड़ी वृद्धि होती है। खंड 9.4.8(c) का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; इसे इसलिए सम्मिलित किया गया है क्योंकि झारखंड में जहाँ किसी पुरानी पुलिया के ऊपर सड़क दोबारा बनाई जाती है, वहाँ ऊँचे किए गए पुलिया इनवर्ट आम हैं, और वे प्रतिप्रवाह की ओर पानी और गाद रोक कर रखते हैं।

9.5 खुले चैनल

9.5.1 **प्रवाह की गणना.** खुले चैनलों का डिजाइन एकसमान प्रवाह के लिए मैनिंग समीकरण द्वारा, तालिका 6.6 के n के साथ किया जाएगा। जहाँ टेलवाटर, पुल, पुलियाएँ, मोड़ या अनुप्रस्थ काट में परिवर्तन (changes of section) जल स्तरों को प्रभावित करते हैं, वहाँ जल स्तरों की गणना क्रमशः परिवर्ती प्रवाह (gradually varied flow; standard step) विश्लेषण द्वारा की जाएगी; जमशेदपुर और आदित्यपुर की उन ड्रेनों पर, जो स्वर्णरेखा और खरकई में गिरती हैं, जिन नदियों के जल स्तर चांडिल से और ओडिशा में खरकई के डैमों से छोड़ा गया पानी ऊँचा बनाए रख सकता है, रांची की उन ड्रेनों और नालों पर, जो कांके, धुर्वा और गेतलसूद जलाशयों में समाप्त होते हैं, जिनके जल स्तर उनके स्पिलवे और स्लूइस बनाए रखते

हैं, दामोदर घाटी के नगरों की उन ड्रेनों पर, जो तेनुघाट और DVC के डैमों के नीचे दामोदर और बराकर में गिरती हैं, साहिबगंज और राजमहल की उन ड्रेनों पर, जिनका पानी गंगा रोक देती है, और ड्रॉप संरचनाओं, चेक डैमों और वियरों से सीढ़ीदार बनाए गए पठार के खड़े ढलान वाले नालों पर, यही सामान्य स्थिति है।

9.5.2 **प्रवाह व्यवस्था.** डिजाइन प्रवाह पर फ्रूड संख्या 0.8 से अधिक नहीं होगी (CPHEEO 2019, §5.3), जब तक कि चैनल का डिजाइन अतिक्रांतिक ढलवाँ चैनल (supercritical chute) के रूप में न किया गया हो। किसी भी चैनल में डिजाइन प्रवाह पर 0.8 और 1.2 के बीच फ्रूड संख्या वाले प्रवाह की अनुमति नहीं है।

9.5.3 **अनुमेय वेग.** डिजाइन प्रवाह पर माध्य वेग तालिका 9.2 की सीमाओं से अधिक नहीं होगा।

तालिका 9.2 — चैनलों में अधिकतम अनुमेय माध्य वेग

अस्तर या मिट्टी	अधिकतम वेग (m/s)	स्रोत
कंक्रीट अस्तर	3.0	CPHEEO 2019 तालिका 5.11
रिपरैप अस्तर	1.8	CPHEEO 2019 तालिका 5.11
घास का अस्तर	1.2	CPHEEO 2019 तालिका 5.11
स्थिरीकृत मिट्टी का चैनल (संशोधित प्राकृतिक चैनल)	2.0, या क्रांतिक वेग यदि वह कम हो	CPHEEO 2019 §5.10.3
कच्चा, महीन रेत	0.46	Fortier और Scobey (1926), स्वच्छ जल
कच्चा, बलुई दोमट	0.53	उपर्युक्त के अनुसार
कच्चा, गादयुक्त दोमट (silt loam)	0.61	उपर्युक्त के अनुसार
कच्चा, सख्त दोमट (firm loam)	0.76	उपर्युक्त के अनुसार
कच्चा, कड़ी चिकनी मिट्टी (stiff clay)	1.14	उपर्युक्त के अनुसार
कच्चा, महीन बजरी	0.76	उपर्युक्त के अनुसार
कच्चा, मोटी बजरी	1.22	उपर्युक्त के अनुसार

लचीले अस्तरों (वनस्पति, रिपरैप, जियोसिंथेटिक) का डिजाइन इसके स्थान पर FHWA HEC-15, *Design of Roadside Channels with Flexible Linings*, संस्करण 3 (2005) की अनुमेय अपरूपण प्रतिबल विधि (permissible shear stress method) द्वारा किया जा सकता है।

9.5.4 **अनुदैर्ध्य ढलान.** अभियांत्रिक चैनलों में अनुदैर्ध्य ढलान प्राकृतिक अस्तरों के लिए 0.4% और कंक्रीट अस्तरों के लिए 0.2% से अधिक नहीं होगा, जब तक कि ड्रॉप संरचनाओं (खंड 9.6.6) या ढलवाँ चैनल का प्रावधान न किया गया हो (CPHEEO 2019, तालिका 5.11)।

9.5.5 **फ्रीबोर्ड और मोड़.** फ्रीबोर्ड अध्याय 6 की तालिका 6.7 का पालन करेगा, और उसे मोड़ों पर अधि-उन्नयन (superelevation) सहित जल स्तर के ऊपर मापा जाएगा। मोड़ की त्रिज्याएँ अध्याय 6 के खंड 6.7.10 का पालन करेंगी।

9.5.6 **पार्श्व ढलान.** जब तक कोई संरचनात्मक या भू-तकनीकी डिजाइन अधिक खड़े ढलान का समर्थन न करे:

- (a) कच्चे मिट्टी के चैनलों के पार्श्व ढलान 1V:2H से अधिक खड़े नहीं होंगे; और
- (b) घास वाले जिन चैनलों की घास काटी जाती है, उनके पार्श्व ढलान 1V:3H से अधिक खड़े नहीं होंगे।

9.5.7 **अल्प-प्रवाह चैनल.** 3 m या अधिक तल चौड़ाई वाले चैनलों में एक निर्धारित अल्प-प्रवाह चैनल (low-flow channel) होगा, जो खंड 6.7.3 के स्व-सफाई वेग पर शुष्क मौसम प्रवाह को वहन करे।

9.5.8 **संक्रमण.** अनुप्रस्थ काट में परिवर्तनों पर क्रमिक संक्रमणों (transitions) का उपयोग किया जाएगा। अतिक्रांतिक प्रवाह में अचानक विस्तार और संकुचन की अनुमति नहीं है।

9.5.9 **उच्च भूजल में अस्तर.** उच्च भूजल या ज्वारीय प्रभाव वाले क्षेत्रों में पक्के चैनलों में फिल्टर सहित रिसाव छिद्र होंगे, या उनका डिजाइन चैनल खाली होने की स्थिति में उत्थान का प्रतिरोध करने के लिए किया जाएगा।

9.5.10 **प्राकृतिक चैनल.** जहाँ संभव हो, प्राकृतिक चैनलों को संरक्षित किया जाएगा (CPHEEO 2019, §5.10.3 की टिप्पणी; अध्याय 7)। जहाँ किसी प्राकृतिक चैनल में परिवर्तन करना आवश्यक हो, वहाँ उसकी क्षमता अध्याय 6 के डिजाइन AEP का पालन करेगी और उसके वेग तालिका 9.2 का पालन करेंगे।

> **भाष्य.** पक्के चैनलों के वेग और ढलान CPHEEO (2019) तालिका 5.11 के मान हैं। कच्ची मिट्टी के मान स्वच्छ जल के लिए Fortier और Scobey (1926) के प्रचलित अनुमेय वेग हैं, जैसा कि Chow (1959) में दिए गए हैं। ये झारखंड में आम मिट्टियों के लिए दिए गए हैं (छोटानागपुर पठार की लाल और पीली मिट्टी और लैटेराइट परतें, ग्रेनाइट-नीस के ऊपर की पतली बजरीदार मिट्टी, घाटी-तलों की दोन भूमि (don lands) की मृण्मय दोमट, दामोदर घाटी के गोंडवाना कोयला क्षेत्रों की बलुआ पत्थर और शेल वाली मिट्टी, उन पर स्थित खनन से विक्षुब्ध भूमि और ओवरबर्डन डंपों सहित, और साहिबगंज–राजमहल तटवर्ती क्षेत्र का गंगा का जलोढ़)। 0.8 और 1.2 के बीच फ्रूड संख्याओं पर प्रतिबंध, क्रांतिक प्रवाह से बचने की CPHEEO की सलाह का विस्तार है, जहाँ जल सतह "अस्थिर और लहरदार हो जाती है" (becomes unstable and wavy) (§5.3)। यह विस्तार इस मैनुअल द्वारा किया गया है। पार्श्व ढलान और अल्प-प्रवाह चैनल भी इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं, क्योंकि झारखंड के अनेक शहरी चैनल तब तक सीवेज-मिश्रित शुष्क मौसम प्रवाह वहन करते हैं जब तक अध्याय 8 के अनुसार सीवेज के अवैध जुड़ाव (cross-connections) हटा नहीं दिए जाते। तब चौड़ा समतल तल अपनी पूरी चौड़ाई में कीचड़ (sludge) जमा करता है, और अल्प-प्रवाह चैनल शुष्क मौसम प्रवाह को संकेंद्रित रखता है।

9.6 ऊर्जा क्षयकारी, आउटलेट संरक्षण और ड्रॉप संरचनाएँ

9.6.1 **कब आवश्यक है.** प्रत्येक पाइप, पुलिया और चैनल के उस आउटलेट पर, जहाँ डिजाइन AEP या 1% AEP पर आउटलेट वेग तालिका 9.2 में प्राप्तकर्ता चैनल के अनुमेय वेग से अधिक है, और किसी कच्चे चैनल, तालाब या जलाशय में प्रत्येक आउटलेट पर, आउटलेट संरक्षण या ऊर्जा क्षयकारी का प्रावधान किया जाएगा।

9.6.2 **विधि.** ऊर्जा क्षयकारियों और आउटलेट संरक्षण का डिजाइन FHWA HEC-14, *Hydraulic Design of Energy Dissipators for Culverts and Channels*, संस्करण 3 (2006) की विधियों द्वारा किया जाएगा, और क्षयकारी का प्रकार उसकी प्रयोज्यता की सीमा के आधार पर चुना जाएगा।

9.6.3 **रिपरैप एप्रन.** समतल एप्रन पर पानी छोड़ने वाले वृत्ताकार आउटलेट के लिए, रिपरैप के माध्यिका आकार (median size) की गणना HEC-14 के एप्रन समीकरण से की जाएगी:

$$D_{50} = 0.2 \cdot D \cdot \left[Q / \left(g^{0.5} \cdot D^{2.5} \right) \right]^{(4/3)} \cdot (D / TW)$$

जहाँ D_{50} पत्थर का माध्यिका आकार (m) है, D पुलिया का व्यास या ऊँचाई (m) है, Q डिजाइन प्रवाह दर (m^3/s) है, $g = 9.81\ m/s^2$ है और TW टेलवाटर की गहराई (m) है। जहाँ TW ज्ञात न हो, वहाँ उसे $0.4D$ लिया जाएगा।

एप्रन की लंबाई और मोटाई HEC-14 की रिपरैप-वर्ग तालिका (तालिका 9.3) के अनुसार होगी। आउटलेट पर एप्रन की चौड़ाई कम से कम 3D होगी और वह अनुप्रवाह चैनल की ओर फैलती जाएगी।

तालिका 9.3 — रिपरैप वर्ग और एप्रन के आयाम (HEC-14)

वर्ग	D50 (mm)	एप्रन की लंबाई	एप्रन की मोटाई
1	125	4D	3.5 D50
2	150	4D	3.3 D50
3	250	5D	2.4 D50
4	350	6D	2.2 D50
5	500	7D	2.0 D50
6	550	8D	2.0 D50

स्रोत: FHWA HEC-14 (2006), §10.2 और Table 10.1, जैसा कि राज्य-एजेंसी डिजाइन वर्कशीटों में दिया गया है। जहाँ गणना किया गया D50 वर्ग 6 से अधिक हो, वहाँ रिपरैप बेसिन या संरचनात्मक स्टिलिंग बेसिन का उपयोग किया जाएगा।

9.6.4 **रिपरैप फिल्टर और श्रेणीकरण.** रिपरैप को दानेदार फिल्टर या जियोटेक्सटाइल पर रखा जाएगा। पत्थर कोणीय, टिकाऊ और इस प्रकार श्रेणीकृत होंगे कि खंड 9.6.3 का D50 पूरा हो।

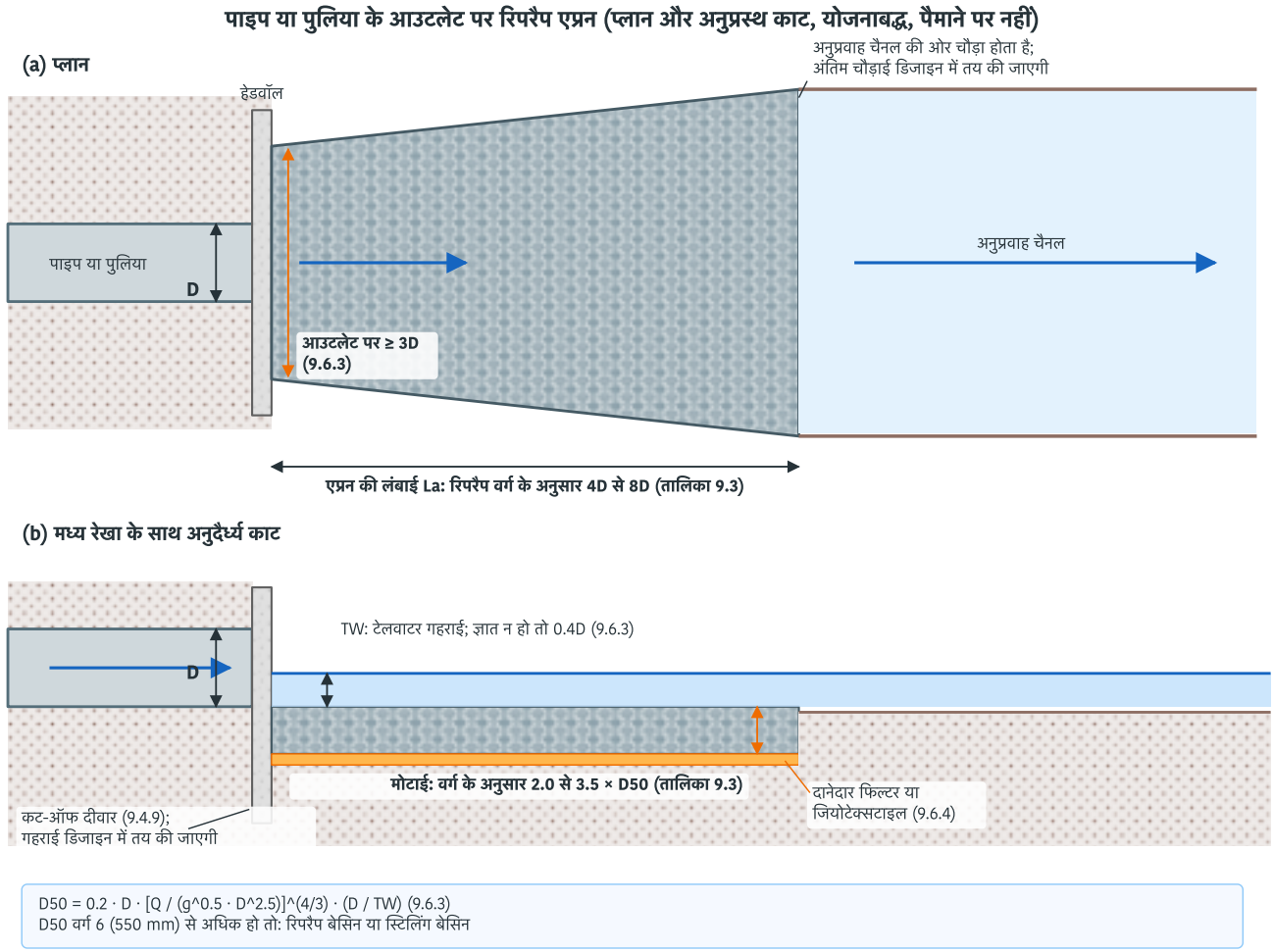

चित्र 9.2 — पाइप या पुलिया के आउटलेट पर रिपरैप एप्रन: आउटलेट पर एप्रन की चौड़ाई कम से कम 3D, अनुप्रवाह चैनल की ओर फैलती हुई; लंबाई और मोटाई तालिका 9.3 से; पत्थर दानेदार फिल्टर या जियोटेक्सटाइल पर (खंड 9.6.3 और 9.6.4)। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, FHWA, Hydraulic Design of Energy Dissipators for Culverts and Channels, HEC-14 (3rd ed., 2006), §10.2 से अनुकूलित।

9.6.5 **स्टिलिंग बेसिन.** जहाँ वेग या फ्रूड संख्याएँ रिपरैप एप्रनों और बेसिनों की सीमा से अधिक हों, वहाँ संरचनात्मक स्टिलिंग बेसिन या आघात बेसिन (impact basin) का डिजाइन HEC-14 से, या उसमें वर्णित US Bureau of Reclamation के बेसिन प्रकारों से किया जाएगा।

9.6.6 **ड्रॉप संरचनाएँ.** ड्रॉप संरचनाओं का उपयोग वहाँ किया जाएगा जहाँ अन्यथा चैनल का ढलान खंड 9.5.4 या तालिका 9.2 की वेग सीमा से अधिक हो जाएगा।

- (a) सीधे ऊर्ध्वाधर ड्रॉप के लिए ड्रॉप संख्या (drop number) $D = q^2 / (g\,h^3)$ की गणना की जाएगी, जहाँ q इकाई प्रवाह दर (m^2/s) है और h ड्रॉप की ऊँचाई (m) है। कुंड (pool) की ज्यामिति Rand (1955) संबंधों से निर्धारित की जाएगी: ड्रॉप लंबाई Ld/h = 4.30 D^0.27; कुंड की गहराई Yp/h = 1.00 D^0.22; अनुगामी गहराइयाँ (sequent depths) y1/h = 0.54 D^0.425 और y2/h = 1.66 D^0.27।
- (b) अवरोधक-युक्त ढलवाँ चैनलों (baffled chutes) और सीढ़ीदार ड्रॉप (stepped drops) का डिजाइन HEC-14 या US Bureau of Reclamation की विधियों द्वारा किया जाएगा।
- (c) किसी सार्वजनिक ड्रेन में एकल ऊर्ध्वाधर ड्रॉप की ऊँचाई 1.5 m से अधिक नहीं होगी। ड्रॉप पर अध्याय 6 के खंड 6.13.8 के अंतर्गत किनारे का सुरक्षा प्रावधान होगा।

9.6.7 **तटीय और समुद्र-तट आउटफॉल.** समुद्र-तटों पर या ज्वारनदमुखों (estuaries) में गिरने वाले आउटफॉलों को लहरों की क्रिया और कटाव (scour) से संरक्षित किया जाएगा। जहाँ तटीय रेत (littoral sand) आउटफॉल को बंद कर सकती है, वहाँ आउटफॉल का डिजाइन इस प्रकार किया जाएगा कि उसे मशीन द्वारा फिर से खोला जा सके, और जल निकासी प्रणाली की जाँच अध्याय 5 के अंतर्गत आउटफॉल बंद होने की स्थिति में की जाएगी।

> **भाष्य.** HEC-14 (संस्करण 3, FHWA-NHI-06-086, जुलाई 2006) FHWA का वर्तमान ऊर्जा-क्षयकारी मैनुअल है। एप्रन समीकरण और वर्ग तालिका HEC-14 §10.2 (Equation 10.4 और Table 10.1) से हैं। समीकरण और तालिका यहाँ उसी रूप में दी गई हैं जैसे वे द्वितीयक डिजाइन दस्तावेजों (टेनेसी की एक पुस्तिका और एक राज्य-एजेंसी की रिपरैप वर्कशीट) में दी गई हैं। 3D एप्रन चौड़ाई भी उन्हीं स्रोतों से है। Purdue के एक अध्ययन (JTRP) ने पाया कि HEC-14 की एप्रन विधि अपनी प्रयोज्यता की सीमा के भीतर कुछ हद तक सुरक्षित पक्ष की (conservative) है। Rand (1955) के ड्रॉप संबंध मानक हैं और Chow (1959) में दिए गए हैं। एकल ऊर्ध्वाधर ड्रॉप पर 1.5 m की सीमा का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे शहरी ड्रेनों में सार्वजनिक सुरक्षा के लिए निर्धारित करता है।

9.7 अस्थायी भंडारण की आउटलेट संरचनाएँ

9.7.1 **प्राथमिक आउटलेट.** अस्थायी भंडारण सुविधा का प्राथमिक आउटलेट:

- (a) अध्याय 4 की निकास दरें और खाली होने के समय उत्पन्न करेगा;
- (b) पंप वाली सुविधाओं (खंड 9.9) को छोड़कर, यांत्रिक पुर्जों या संचालक की कार्रवाई के बिना काम करेगा;
- (c) में **50 mm** से छोटा कोई ऑरिफिस नहीं होगा, और प्रत्येक ऑरिफिस कचरा जाली (trash screen) द्वारा संरक्षित होगा (खंड 9.8.5); और
- (d) सतह से सफाई के लिए सुलभ होगा।

9.7.2 **ऑरिफिस.** ऑरिफिस प्रवाह की गणना इस प्रकार की जाएगी:

> Q = Cd · A · (2 g h)^0.5

जहाँ A ऑरिफिस का क्षेत्रफल (m²) है और h ऑरिफिस के केंद्रक पर हेड (m) है, या जहाँ ऑरिफिस जलमग्न हो वहाँ प्रतिप्रवाह और अनुप्रवाह जल स्तरों का अंतर है। पतली प्लेट में तीक्ष्ण किनारे वाले ऑरिफिस के लिए Cd 0.60 होगा। किनारे की अन्य स्थितियों के लिए प्रकाशित परीक्षित मानों का उपयोग किया जाएगा।

9.7.3 **वियर.** वियर प्रवाह की गणना Q = Cw · L · H^1.5 के रूप में की जाएगी, जिसमें:

- (a) तीक्ष्ण शिखर वाले आयताकार वियर: Cw = 1.84 (SI), प्रत्येक सिरे के संकुचन के लिए प्रभावी लंबाई 0.1 H घटाई जाएगी;
- (b) V-नॉच वियर: Q = 1.38 · tan(θ/2) · H^2.5 (SI), जहाँ θ नॉच का कोण है; और
- (c) चौड़े शिखर वाले वियर और स्पिलवे शिखर: Cw = 1.44 से 1.70 (SI), शिखर के आकार और हेड के लिए प्रकाशित तालिकाओं से चुना गया।

जलमग्न वियरों को प्रकाशित संबंधों से जलमग्नता के लिए संशोधित किया जाएगा।

9.7.4 **जल स्तर–प्रवाह दर संबंध (stage–discharge rating).** बहु-चरणीय आउटलेटों (राइजर में ऑरिफिस और वियर, आउटलेट पाइप सहित) के लिए डिजाइनकर्ता प्रत्येक जल स्तर पर, प्रत्येक संभव नियंत्रण (प्रत्येक ऑरिफिस, प्रत्येक वियर, राइजर का शिखर, और इनलेट तथा आउटलेट नियंत्रण के अंतर्गत आउटलेट पाइप) के अंतर्गत प्रवाह दर की गणना करेगा और **सबसे छोटा** संयुक्त मान लेगा। यह संबंध आउटलेट इनवर्ट से लेकर आपातकालीन स्पिलवे के शिखर और डिजाइन हेड तक तालिकाबद्ध किया जाएगा।

9.7.5 **टेलवाटर.** संबंधों की गणना खंड 9.2.1 के टेलवाटर के साथ की जाएगी। जहाँ प्राप्तकर्ता जलाशय आउटलेट से ऊपर उठ सकता है, वहाँ आउटलेट पर खंड 9.10 के अंतर्गत फ्लैप गेट या नॉन-रिटर्न वाल्व होगा, और भंडारण अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच का पालन करेगा।

9.7.6 **आपातकालीन स्पिलवे.** आपातकालीन स्पिलवे, प्राथमिक आउटलेट को अवरुद्ध और प्रारंभ में बेसिन को भरा हुआ मानकर, 1% AEP अंतर्वाह को तटबंध के शिखर तक **0.3 m** फ्रीबोर्ड के साथ निकालेगा। उच्च-जोखिम बेसिनों की 0.2% AEP अंतर्वाह के लिए भी जाँच की जाएगी (अध्याय 4)।

9.7.7 **तटबंधों से होकर जाने वाले आउटलेट पाइप.** तटबंधों से होकर जाने वाले आउटलेट पाइपों में पाइप के साथ-साथ पाइपिंग को रोकने के लिए फिल्टर डायाफ्राम या रिसाव कॉलर, और फैला हुआ (flared) या हेडवॉल वाला इनलेट होगा।

9.7.8 **भँवर-रोधी.** जिन राइजर आउटलेटों में राइजर शिखर के ऊपर डिजाइन हेड राइजर के व्यास से अधिक है, उनमें भँवर-रोधी प्लेट (anti-vortex plate) होगी।

> **भाष्य.** कचरा जाली सहित 50 mm का न्यूनतम ऑरिफिस, आपातकालीन स्पिलवे का मानदंड और खाली होने के समय इस मैनुअल के मूल मानदंड हैं (अध्याय 4)। न्यूनतम ऑरिफिस APWA 5600 (2006, 5608.4) के 3 इंच (लगभग 75 mm) के न्यूनतम से छोटा है। यह छोटे स्थलों पर अध्याय 4 के मिश्रित-आवृत्ति नियम की कम निकास दरों को संभव बनाता है, और एक अच्छी जाली (खंड 9.8.5) पर निर्भर करता है। "कोई यांत्रिक पुर्जा नहीं" का नियम APWA 5600 (2006, 5608.4) का अनुसरण करता है, जो अपेक्षा करता है कि प्राथमिक आउटलेट बिना देखरेख के काम करे। ऑरिफिस और वियर गुणांक पाठ्यपुस्तकों के मानक मान हैं (उदाहरण के लिए Brater और King, *Handbook of Hydraulics*; Chow 1959)। 1.84 का तीक्ष्ण-शिखर गुणांक और 0.1H का सिरा-संकुचन संशोधन SI इकाइयों में फ्रांसिस सूत्र (Francis formula) है। चौड़े शिखर की 1.44–1.70 की सीमा, आमतौर पर तालिकाबद्ध की जाने वाली 2.6–3.1 की US सीमा का SI समतुल्य है। खंड 9.7.7 और 9.7.8 डैम और अस्थायी भंडारण की सामान्य पद्धति का अनुसरण करते हैं।

9.8 कचरा-रोधी जालियाँ और जालियाँ

9.8.1 **कहाँ आवश्यक है.** कचरा-रोधी जालियों या जालियों का प्रावधान किया जाएगा:

- (a) जहाँ कोई खुली ड्रेन 30 m से अधिक लंबे पाइप, ढकी ड्रेन या पुलिया में प्रवेश करती है (अध्याय 6, खंड 6.13.4);
- (b) अस्थायी भंडारण के प्रत्येक आउटलेट ऑरिफिस पर (खंड 9.7.1);
- (c) प्रत्येक पंप संप के इनलेट पर (खंड 9.9); और
- (d) जलाशयों में आउटफॉलों पर, अध्याय 8 के स्थूल प्रदूषक जाल के भाग के रूप में।

9.8.2 **वाहिका-प्रवेश जालियाँ.** वाहिकाओं (conduits) और पुलियाओं के प्रवेश पर जालियों में:

- (a) छड़ों के बीच की स्पष्ट दूरी (clear bar spacing) 75 mm से कम नहीं और वाहिका के सबसे छोटे आंतरिक आयाम के आधे से अधिक नहीं होगी;
- (b) सकल क्षेत्रफल वाहिका के अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल का कम से कम 4 गुना होगा;
- (c) डिजाइन प्रवाह पर, जाली के 50% अवरुद्ध होने की स्थिति में, जाली से होकर माध्य वेग 1.0 m/s से अधिक नहीं होगा; और
- (d) जहाँ जाली को हाथ से रेक (rake) किया जाना है, वहाँ उसका झुकाव 1V:2H से अधिक खड़ा नहीं होगा, और उसके साथ कार्य मंच (working platform) और रेलिंग होगी।

9.8.3 **हेड हानि.** स्वच्छ जाली से होकर हेड हानि की गणना किर्शमर समीकरण (Kirschmer equation) से की जाएगी:

> $h_r = \beta \cdot (t / b)^{(4/3)} \cdot (V^2 / 2g) \cdot \sin\theta$

जहाँ t छड़ की मोटाई है, b छड़ों के बीच की स्पष्ट दूरी है, V पहुँच वेग (approach velocity) है, θ क्षैतिज से जाली का कोण है, और β छड़ आकृति गुणक (bar shape factor) है (तीक्ष्ण किनारे वाली आयताकार छड़ों के लिए 2.42; वृत्ताकार छड़ों के लिए 1.79)। HGL और हेडवाटर की जाँच जाली को **50% अवरुद्ध** मानकर की जाएगी (हेड हानि आधे खुले क्षेत्रफल के साथ गणना की गई)।

9.8.4 **अवरुद्ध होने पर अतिप्रवाह.** प्रत्येक जाली के लिए एक अतिप्रवाह मार्ग होगा, ताकि पूरी तरह अवरुद्ध जाली भवनों को जलमग्न न करे या अध्याय 6 की सीमाओं से अधिक न हो।

9.8.5 **अस्थायी भंडारण आउटलेट की जालियाँ.** अस्थायी भंडारण ऑरिफिसों के ऊपर की जालियों के छिद्र उनके द्वारा संरक्षित ऑरिफिस से छोटे होंगे, और उनका खुला क्षेत्रफल ऑरिफिस के क्षेत्रफल का कम से कम 10 गुना होगा।

9.8.6 **पंप संप की जालियाँ.** पंपिंग स्टेशन के इनलेटों पर छड़ जालियों (bar screens) की स्पष्ट दूरी, पंप निर्माता द्वारा बताए गए उस सबसे बड़े ठोस से छोटी होगी जिसे पंप निकाल सकते हैं। जालियाँ हटाए जा सकने वाले मॉड्यूलों में बनाई जाएँगी, और जहाँ डिजाइन अंतर्वाह 1 m^3/s से अधिक हो, वहाँ यांत्रिक रूप से रेक की जाने वाली जाली का उपयोग किया जाएगा।

9.8.7 **सुरक्षा.** लंबी वाहिकाओं के प्रवेश पर जालियाँ लोगों को भीतर खिंच जाने से रोकेंगी। उनका डिजाइन पूरी तरह अवरुद्ध जाली के द्रवस्थैतिक भार (hydrostatic load) के लिए किया जाएगा।

> **भाष्य.** CPHEEO (2019, §8.3.1.3) पंपिंग स्टेशन की छड़ जालियों का वर्णन "लगभग 58 mm" (approximately 58 mm) की दूरी वाली, मॉड्यूलों में बनी, और अवरुद्ध होने की स्थिति के लिए आपातकालीन अतिप्रवाह वाली जालियों के रूप में करता है। खंड 9.8.6 उसी पद्धति का अनुसरण करता है, किंतु दूरी को पंप के ठोस-निकास आकार से जोड़ता है, जो पंप के अनुसार भिन्न होता है। 50% अवरोध की जाँच अध्याय 6 के जाली अवरोध गुणक से मेल खाती है। किर्शमर समीकरण और उसके आकृति गुणक मानक हैं (Kirschmer 1926, जैसा

> कि हाइड्रोलिक पुस्तिकाओं में दिया गया है)। जाली की दूरी, क्षेत्रफल अनुपात, जाली से होकर वेग, 30 m की वाहिका लंबाई का प्रारंभक मान, ऑरिफिसों के लिए जाली का 10× क्षेत्रफल और यांत्रिक रेकिंग के लिए 1 m^3/s का प्रारंभक मान — इनका कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

9.9 पंप और संप

9.9.1 **पंपिंग का उपयोग कब हो.** पंपिंग का उपयोग केवल वहीं किया जाएगा जहाँ गुरुत्व जल निकासी अध्याय 5 और 6 की अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकती, उदाहरण के लिए सड़क अंडरपास (अध्याय 6, खंड 6.10.5), बेसमेंट, निचले क्षेत्र और वे आउटफॉल जो अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच के अंतर्गत ज्वार से अवरुद्ध हैं।

9.9.2 **डिजाइन अंतर्वाह और भंडारण.** स्टेशन का डिजाइन जलग्रहण क्षेत्र और किसी भी प्रतिप्रवाह भंडारण से रूट किए गए अंतर्वाह हाइड्रोग्राफ के साथ किया जाएगा। पंप क्षमता और भंडारण एक साथ चुने जाएँगे:

- (a) स्टेशन उस घटक के डिजाइन AEP को पूरा करेगा जिसकी वह सेवा करता है (अंडरपासों के लिए, 1% AEP जाँच सहित 2% AEP);
- (b) जहाँ स्टेशन किसी ज्वारीय आउटफॉल की सेवा करता है, वहाँ भंडारण और पंप मिलकर, ज्वार-अवरोध की अवधि (डिफॉल्ट: 6 h प्रत्येक के दो लगातार उच्च ज्वार) तक आउटफॉल के सीमित रहने की स्थिति में, 48 h के डिजाइन आयतन को रोकेंगे, जैसा कि अध्याय 5 में अपेक्षित है; और
- (c) पंपों का चयन, निम्नतम टेलवाटर के सामने निम्नतम संप स्तर से लेकर उच्चतम टेलवाटर (HAT और महोर्मि और 0.3 m) तक स्थैतिक हेड की पूरी सीमा के लिए किया जाएगा।

9.9.3 **वेट वेल का आयतन.** वेट वेल का प्रभावी आयतन (पंप-बंद स्तर और सबसे निचले पंप-प्रारंभ स्तर के बीच) निम्नलिखित में से सबसे बड़ा होगा:

- (a) जहाँ परिवर्ती गति ड्राइव (variable-speed drives) और स्वचालित नियंत्रण लगे हों, वहाँ न्यूनतम अंतर्वाह के 5 मिनट (CPHEEO 2019, §8.3.3);
- (b) अन्यथा, चरम अंतर्वाह के 10 से 15 मिनट, या पंप निर्माता के न्यूनतम चक्र समय (cycle time) के लिए आवश्यक आयतन, $V = Q \cdot t$ से (CPHEEO 2019, Eq. 8.1); और
- (c) स्थिर-गति पंपों के लिए, प्रत्येक पंप के लिए आयतन $V = \Theta \cdot q / 4$, जहाँ Θ मोटर निर्माता द्वारा अनुशंसित न्यूनतम चक्र समय है और q पंप क्षमता है (FHWA HEC-24, 2001)।

9.9.4 **कार्यरत और स्टैंडबाय.**

- (a) जहाँ व्यवहार्य हो, कार्यरत पंप एक ही आकार के होंगे (CPHEEO 2019, §8.3.3)।
- (b) स्टैंडबाय क्षमता कम से कम सबसे बड़े कार्यरत पंप के बराबर होगी, और कार्यरत पंपों की संख्या के 50% से कम नहीं होगी।
- (c) कार्यरत और स्टैंडबाय भूमिकाएँ स्वचालित रूप से बारी-बारी से बदलेंगी।

9.9.5 **पंप का प्रकार.** पंप ठोस-वहन (solids-handling; नॉन-क्लॉग) प्रकार के होंगे, जो रेत और मलबे वाले वर्षा जल के लिए उपयुक्त हों। अक्षीय-प्रवाह (axial-flow) पंपों का उपयोग केवल खंड 9.8.6 का पालन करने वाली जाली के पीछे किया जाएगा, क्योंकि वे मलबे को नहीं संभाल सकते (CPHEEO 2019, §8.3.2)।

9.9.6 **संप और इनटेक का डिजाइन.** संप की ज्यामिति, पंपों के बीच की दूरी, न्यूनतम जलमग्नता और पहुँच प्रवाह की स्थितियाँ पंप निर्माता की अपेक्षाओं और ANSI/HI 9.8 (Rotodynamic Pumps for Pump Intake Design) के अनुसार होंगी। जहाँ कोई पंप 1 m^3/s से अधिक हो, या जहाँ संप ANSI/HI 9.8 की मानक ज्यामिति का पालन नहीं करता, वहाँ भौतिक हाइड्रोलिक मॉडल अध्ययन किया जाएगा। आसन्न पंपों या मोटरों के बीच न्यूनतम स्पष्ट स्थान छोटी और मध्यम इकाइयों के लिए 0.6 m और बड़ी इकाइयों के लिए 1.0 m है (CPHEEO 2019, §8.2.5)।

9.9.7 **गाद और जालियाँ.** वेट वेल के प्रतिप्रवाह में गाद-जाल और छड़ जाली का प्रावधान किया जाएगा (खंड 9.8.6; अध्याय 6, खंड 6.13.3)।

9.9.8 **नियंत्रण और निगरानी.**

- (a) पंपों का नियंत्रण एक प्राथमिक स्तर सेंसर (अल्ट्रासोनिक, रडार या दाब) द्वारा किया जाएगा, जिसके साथ एक स्वतंत्र फ्लोट-स्विच बैक-अप होगा।
- (b) उच्च-स्तर और पंप-खराबी के अलार्म टेलीमेट्री द्वारा स्थानीय निकाय के नियंत्रण कक्ष को भेजे जाएँगे।
- (c) संप के स्तर, पंपों के चलने के घंटे और विद्युत आपूर्ति की स्थिति दर्ज की जाएगी और कम से कम 5 वर्ष तक रखी जाएगी।

9.9.9 **विद्युत आपूर्ति.**

- (a) स्टेशन में दो स्वतंत्र विद्युत स्रोत होंगे: ग्रिड आपूर्ति और एक स्टैंडबाय जनरेटर (या दूसरा स्वतंत्र ग्रिड फीडर), जो सभी कार्यरत पंपों को एक साथ चला सके (CPHEEO 2019, §2.4.2.3(j))।
- (b) सभी कार्यरत पंपों के कम से कम **72 घंटे** के निरंतर संचालन के लिए ईंधन स्थल पर, खंड 9.9.10 के बाढ़ स्तर से ऊपर, संग्रहीत किया जाएगा।
- (c) स्टैंडबाय विद्युत पर परिवर्तन (changeover) स्वचालित होगा।

9.9.10 **स्टेशन का बाढ़ से संरक्षण.** विद्युत और नियंत्रण कक्ष का फर्श, जनरेटर और ट्रांसफॉर्मर स्टेशन पर 1% AEP बाढ़ जल स्तर से कम से कम 0.5 m ऊपर होंगे (अध्याय 6, खंड 6.11)। रखरखाव वाहनों के लिए स्टेशन तक पहुँच 1% AEP घटना में उपयोग योग्य बनी रहेगी।

9.9.11 **निस्सरण.** प्रत्येक पंप का अपना राइजिंग मेन होगा, या जहाँ मेन मिलते हैं वहाँ एक नॉन-रिटर्न वाल्व और एक पृथक्करण वाल्व (isolating valve) होगा। राइजिंग मेन खंड 9.10 के अंतर्गत फ्लैप गेट या नॉन-रिटर्न वाल्व लगे डिलीवरी कक्ष (delivery chamber) या आउटफॉल में पानी छोड़ेंगे। निस्सरण पाइपिंग का आकार किसी मान्यताप्राप्त घर्षण सूत्र द्वारा निर्धारित किया जाएगा (CPHEEO 2019, §8.3.9)।

9.9.12 **आपातकालीन कनेक्शन.** प्रत्येक स्टेशन में एक पक्का खड़ा होने का स्थान (hard-standing area) और मोबाइल पंपों के लिए डिलीवरी कक्ष में पानी छोड़ने हेतु त्वरित-युग्मन कनेक्शन (quick-coupling connection) होगा।

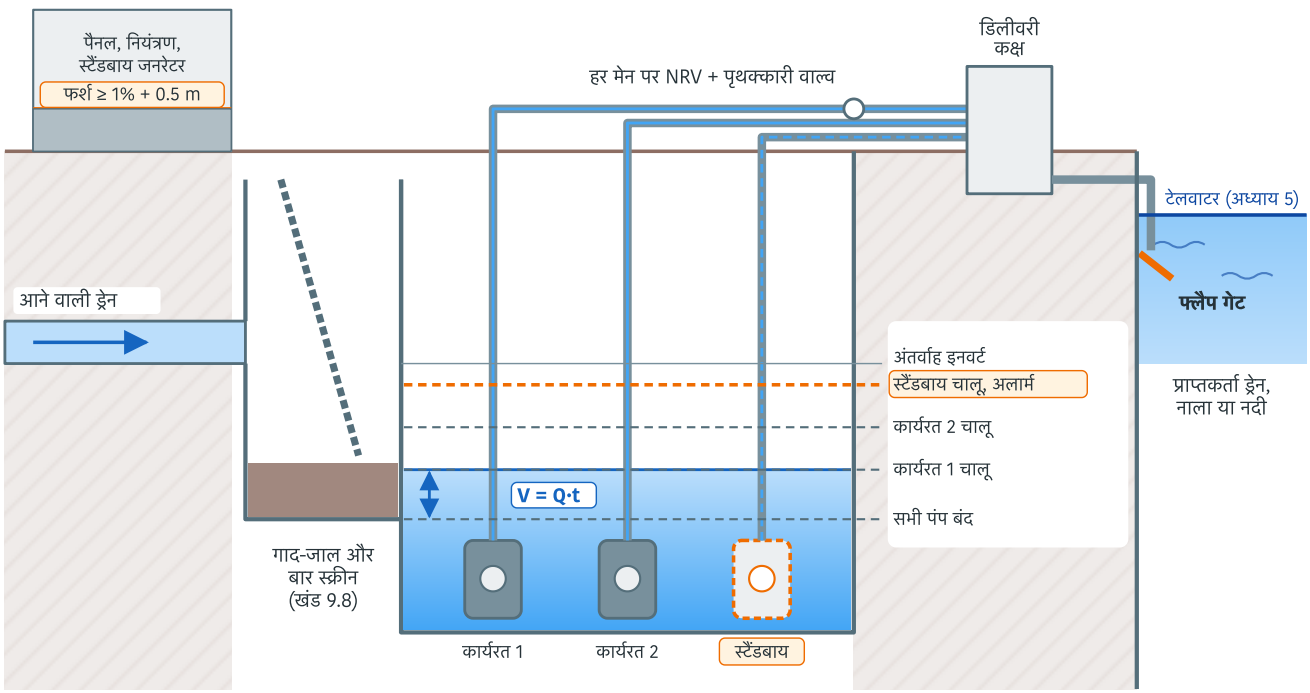

चित्र 9.3 — वर्षा जल पंपिंग स्टेशन: वेट वेल, जालियाँ, स्तर और आउटफॉल। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, CPHEEO, Manual on Storm Water Drainage Systems (2019), Chapter 8, और FHWA, Highway Stormwater Pump Station Design, HEC-24 (2001) से अनुकूलित।

> **भाष्य.** CPHEEO (2019) का अध्याय 8 वर्षा जल पंपिंग को समेटता है: वेट वेल का आकार निर्धारण (§8.3.3), पंपों के प्रकार (§8.3.2), कचरा जालियाँ (§8.3.1.3), स्थान की अपेक्षाएँ (§8.2.5) और "बिजली बंद होने के दौरान आपातकालीन संचालन के लिए स्टैंडबाय के रूप में" (as standby for emergency operation during failure of electricity) जनरेटर सेटों की आवश्यकता (§2.4.2.3)। यह "कार्यरत पंप इकाइयों के न्यूनतम 50%" (minimum 50% of the duty pump units) की स्टैंडबाय इकाइयों की अनुशंसा करता है। खंड 9.9.4(b) अधिक कठोर है: स्टैंडबाय कम से कम सबसे बड़े कार्यरत पंप के बराबर होगा, ताकि सबसे बड़ा पंप सेवा से बाहर होने पर भी स्टेशन अपनी डिजाइन क्षमता पूरी करे। यह अधिक कठोर नियम इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। FHWA HEC-24 (*Highway Stormwater Pump Station Design*, FHWA-NHI-01-007, 2001) FHWA का पंपिंग स्टेशन मैनुअल है। 72 h का ईंधन भंडारण इस मैनुअल द्वारा अध्याय 2 की 72 h की डिजाइन वर्षा घटना के अनुरूप निर्धारित किया गया है। मॉडल अध्ययन का प्रारंभक मान, टेलीमेट्री और आँकड़े रखने की अपेक्षाएँ, और आपातकालीन कनेक्शन — इनका कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

9.10 ज्वार-रोधी गेट, फ्लैप गेट और नॉन-रिटर्न वाल्व

9.10.1 **कहाँ आवश्यक है.** जिस भी आउटफॉल का इनवर्ट प्राप्तकर्ता जलाशय के 1% AEP स्थिर जल स्तर से नीचे है, उस पर फ्लैप गेट, ज्वार-रोधी गेट या नॉन-रिटर्न वाल्व का प्रावधान किया जाएगा (अध्याय 5)।

9.10.2 **प्रकार.** स्वीकार्य युक्तियाँ हैं:

- (a) कब्जेदार फ्लैप गेट (ढलवाँ लोहा, तन्य लोहा (ductile iron), स्टेनलेस स्टील, HDPE या कंपोजिट);
- (b) इलास्टोमेरिक इन-लाइन या पाइप-सिरे वाले चेक वाल्व (डकबिल प्रकार); और
- (c) द्वितीयक बंद-व्यवस्था के रूप में, हाथ से या मोटर से चलने वाले पेनस्टॉक या स्लूइस गेट।

9.10.3 **द्वितीयक बंद-व्यवस्था.** 900 mm या उससे बड़े आउटफॉलों पर, और पंप या भंडारण प्रणाली की सेवा करने वाले प्रत्येक आउटफॉल पर, फ्लैप गेट के प्रतिप्रवाह में पेनस्टॉक या स्टॉप-लॉग खाँचा होगा, ताकि गेट का रखरखाव किया जा सके, और गेट के खुला अटक जाने की स्थिति में बैक-अप के रूप में भी।

9.10.4 **हाइड्रोलिक्स.** खुली स्थिति में युक्ति से होकर हेड हानि निर्माता के परीक्षित आँकड़ों से ली जाएगी और HGL में सम्मिलित की जाएगी (अध्याय 6, खंड 6.8.7)। फ्लैप गेट छोटे हेड अंतर पर खुलेंगे (CPHEEO 2019, §6.3.10.1)।

9.10.5 **रेत और मलबा.** समुद्र-तट, ज्वारनदमुख और क्रीक (creek) के उन आउटफॉलों पर जहाँ रेत या मलबा गेट को खुला या बंद रख सकता है:

- (a) गेट को सतह से प्रवेश वाले कक्ष में रखा जाएगा, या इलास्टोमेरिक चेक वाल्वों का उपयोग किया जाएगा; और
- (b) मानसून ऋतु के दौरान प्रत्येक उच्च ज्वार या महोर्मि घटना के बाद गेट का निरीक्षण किया जाएगा (अध्याय 10)।

9.10.6 **सामग्री.** कब्जे, पिन, कड़ियाँ और फिक्सिंग संक्षारण-रोधी सामग्री की होंगी (CPHEEO 2019, §6.3.10.1)। तटीय और ज्वारीय स्थानों में इसका अर्थ ग्रेड 316 का स्टेनलेस स्टील, कांस्य या कोई अधात्विक सामग्री है (खंड 9.13)।

9.10.7 **गेटों के पीछे भंडारण.** जहाँ वर्षा घटना के दौरान गेट बंद होते हैं, वहाँ उनके पीछे का भंडारण या पंपिंग अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच का पालन करेगा।

> **भाष्य.** CPHEEO (2019, §6.3.10.1) ज्वारीय जल में गिरने वाले आउटफॉलों पर फ्लैप गेट और बाढ़ गेटों का वर्णन करता है। यह उल्लेख करता है कि "यदि गेट बंद रहने के दौरान पंपिंग से बचना हो तो पर्याप्त भंडारण आवश्यक हो सकता है" (adequate storage may be necessary if pumping is to be avoided during the closure of the gate) और कब्जे के पिन और कड़ियाँ "संक्षारण-रोधी सामग्री की होनी चाहिए" (should be of corrosion-resistant materials)। झारखंड का कोई तट नहीं है, इसलिए राज्य में कोई आउटफॉल ज्वार से अवरुद्ध नहीं होता, और खंड 9.6.7, 9.9.2(b), 9.10.5 और 9.13.6 के समुद्र-तट, ज्वारनदमुख, ज्वारीय और तटीय प्रावधान, तथा तालिका 9.5 की तटीय और ज्वारीय पंक्तियाँ, लागू नहीं होतीं; खंड 9.9.2(c) में उच्चतम टेलवाटर अध्याय 5 का नदी या जलाशय का उच्चतम जल स्तर है। खंड 9.13.3 के आक्रामक भूमि संबंधी परीक्षण (aggressive-ground tests) कोयला क्षेत्रों की संरचनाओं पर फिर भी किए जाने चाहिए, जहाँ खदान का पानी और ओवरबर्डन डंपों से आने वाला अपवाह सल्फेट ले जा सकता है या अम्लीय हो सकता है (इस मैनुअल का पाठ; झारखंड में खदान के पानी के रसायन का कोई सर्वेक्षण नहीं मिला)। 1% स्थिर जल स्तर से नीचे गेट फिर भी आवश्यक हैं, क्योंकि राज्य के शहरों के आउटफॉल ऐसी नदियों में समाप्त होते हैं जिन्हें डैमों से छोड़ा गया पानी ऊँचा बनाए रखता है, और ऐसे जलाशयों में जिनके जल स्तर उनके स्पिलवे और स्लूइस बनाए रखते हैं। जमशेदपुर में शहर, आदित्यपुर, मानगो और जुगसलाई की ड्रेनें स्वर्णरेखा और खरकई में गिरती हैं, जो सोनारी पर मिलती हैं। जमशेदपुर में स्वर्णरेखा पर CWC के स्थल का चेतावनी स्तर 122.5 m, खतरे का स्तर 123.5 m और उच्चतम बाढ़ स्तर 129.82 m (12 अक्तूबर 1973) है, और CWC आदित्यपुर पर खरकई के लिए 137.8 m का उच्चतम बाढ़ स्तर (18 जून 2008) सूचीबद्ध करता है (CWC स्थल-सूचियाँ, प्रकाशित खबरों के अनुसार); जिला प्रशासन के खतरे के निशान मानगो पुल पर 121.50 m और आदित्यपुर पुल पर 129 m हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार), ऐसे गेजों पर जिनके शून्य का CWC के गेजों से मिलान नहीं किया गया है, इसलिए दोनों शृंखलाओं को किसी डिजाइन में कभी मिलाया नहीं जाता। जून 2008 में, 18 जून को जमशेदपुर (A) में 338.1 mm वर्षा के साथ (IMD), ओडिशा में खरकई के डैम के गेट खोले जाने के बाद दोनों नदियाँ अपने खतरे के निशानों से ऊपर उठ गईं, 500 से अधिक घर जलमग्न हुए और सेना बुलाई गई (प्रकाशित खबरों के अनुसार); चक्रवात यास में 27 मई 2021 को आदित्यपुर पर खरकई 132.40–132.87 m पर थी, अपने जिले के निशान से ऊपर, जबकि मानगो पर स्वर्णरेखा 119.20 m पर अपने निशान से नीचे रही, और इस वृद्धि का एक कारण मयूरभंज में बांकाबल (Bankabal) और सिलाईपाथ (Silaipath) डैमों से छोड़ा गया पानी बताया गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार); और 26 जुलाई 2025 को पाठ्यांक मानगो पर 123.36 m और आदित्यपुर पर 134.90 m

थे (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। स्वर्णरेखा पर प्रतिप्रवाह की ओर चांडिल भी जल स्तर निर्धारित करता है: 17 अगस्त 2016 को उसके 13 गेट खोले जाने की खबर थी (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। इन स्तरों से नीचे किसी भी नदी में गिरने वाली ड्रेन छोड़े गए पानी की पूरी अवधि में बंद रहती है, इसलिए उसे एक फ्लैप गेट, एक पेनस्टॉक, और खंड 9.9 और अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच के अंतर्गत आकार दिए गए भंडारण या पंपिंग स्टेशन की आवश्यकता होती है; झारखंड में किसी शहरी ड्रेन पर कोई पंपिंग स्टेशन प्रलेखित नहीं मिला। रांची में ड्रेनें और नाले हरमू, जुमार और स्वर्णरेखा में समाप्त होते हैं, और अनेक शहर के जलाशयों में: कांके (लगभग 1955), गारा पर धुर्वा (हटिया) (1962–63) और स्वर्णरेखा पर गेतलसूद (1971) (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और नगर में बड़ा तालाब। गेतलसूद का जलाशय का पूर्ण जल स्तर CWC की सूची में 590.06 m है, जबकि एक अन्य स्रोत में लगभग 1,954 ft (लगभग 595.6 m) (प्रकाशित खबरों के अनुसार; यह विरोध अनसुलझा है), और कांके और धुर्वा के लिए केवल किसी अनिर्दिष्ट डेटम (datum) पर फुट में गेज पाठ्यांक प्रकाशित हुए हैं, इसलिए रांची में किसी भी जलाशय का स्तर अभी मीटर में नहीं बताया जा सकता [TBC]। किसी जलाशय में गिरने वाली ड्रेन तब बंद या सीमित रहती है जब जलाशय अपने पूर्ण जल स्तर पर होता है, और उसके भंडारण या पंपिंग की जाँच खंड 9.10.7 और अध्याय 5 के अंतर्गत की जाती है; किसी स्पिलवे या स्लूइस के नीचे की ड्रेन छोड़े गए प्रवाह को अंतर्वाह के रूप में प्राप्त करती है; और कांके, धुर्वा और रुक्का (गेतलसूद) डैम के पूर्ण जल स्तर से 20 m की रेखा के भीतर का आउटफॉल, जिसे रांची मास्टर प्लान 2037 भवन-निर्माण से मुक्त रखता है (शर्त 2.9), WRD के जलाशय पर एक कार्य है और उसके लिए उसकी अनुमति आवश्यक है। डैमों के स्पिलवे और स्लूइस WRD और DVC के कार्य हैं, जो बाँध सुरक्षा मानकों के अनुसार डिजाइन किए जाते हैं, इस अध्याय के अनुसार नहीं, परंतु उनके प्रचालन स्तर इस अध्याय की सीमा-स्थितियाँ (boundary conditions) हैं, और कांके, धुर्वा, गेतलसूद या चांडिल के लिए कोई प्रचालन नियम या स्पिलवे रेटिंग नहीं मिली। साहिबगंज और राजमहल में नगर ड्रेनें गंगा में गिरती हैं, जो 20 अगस्त 1998 को साहिबगंज पर 27.25 m के खतरे के स्तर के विरुद्ध 30.91 m पर थी (CWC, प्रकाशित खबरों के अनुसार), 9 से 31 अगस्त 2021 तक उस स्तर से ऊपर रही (CWC, प्रकाशित खबरों के अनुसार) और अगस्त 2025 में लगभग 28.6 m तक पहुँची (प्रकाशित खबरों के अनुसार); राज्य ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को बताया है कि झारखंड के भीतर गंगा पर प्रवाह को नियंत्रित करने वाली कोई संरचना नहीं है, और कि राजमहल की चार ड्रेनों में, जो केवल मानसून में बहती हैं, जालियाँ लगा दी गई हैं (लगभग 2020)। दामोदर घाटी में रामगढ़, बोकारो, चास और धनबाद की ड्रेनें दामोदर, बराकर और उनकी सहायक नदियों में गिरती हैं, जिनके जल स्तर तेनुघाट और DVC के तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत जलाशय निर्धारित करते हैं: 17 सितंबर 2024 को मैथन और पंचेत से संयुक्त निकास लगभग 2.5 लाख क्यूसेक (लगभग 7,080 m^3/s) के चरम पर पहुँचा (सरकारी वक्तव्य, प्रकाशित खबरों के अनुसार), तेनुघाट ने 85,000 क्यूसेक छोड़ा (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और दामोदर पर पुपुनकी (Pupunki) और बराकर पर बरकीसुरैया (Barkisuriya) और नंदाडीह (Nandadih) के CWC स्थल सभी अपने खतरे के स्तरों से ऊपर थे (CWC दैनिक रिपोर्ट)। धनबाद की विश्व बैंक जल निकासी परियोजना की 153.95 km नई ड्रेनों में 94 आउटफॉल संरचनाएँ हैं, जिनमें से 19 तालाबों में, 40 पुलियों में, 26 नदियों या ड्रेनों में और 9 सड़कों पर हैं, कैच बेसिनों पर गाद-जाल हैं, और 10 बड़े तालाबों को भंडारण के रूप में लिया गया है, जिनमें पानी गाद-जालों से होकर प्रवेश करता है और आउटलेट वियरों के ऊपर से निकलता है (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017); ऐसा प्रत्येक आउटलेट वियर खंड 9.2.1 में एक नियत नियंत्रण है, और प्रतिप्रवाह की ड्रेन पर उसके प्रभाव की जाँच अध्याय 6 की HGL में की जाती है। पठार पर ड्रेनें तीव्र ढलान से गिरती हैं: रांची टीलों के बीच लगभग 500–700 m की ऊँचाई पर स्थित है, जुमार नाला उप-जलविभाजक के ढलान 2–3% हैं (Baxla et al., 2001), और उप-क्षेत्र 1(g) के लिए CWC के हल किए गए उदाहरण, बरकाकाना पर सफी, का ढलान 9.37 m/km है और 50-वर्ष का चरम लगभग 4.5 m^3/s प्रति km^2 है (CWC, 1994)। ये ढलान अधिकांश नालों पर खंड 9.5.4 की सीमाओं से अधिक हैं, इसलिए ड्रॉप संरचनाएँ (खंड 9.6.6), सीढ़ीदार या अवरोधक-युक्त ढलवाँ चैनल (stepped or baffled chutes) और स्टिलिंग बेसिन (खंड 9.6.5) सामान्य स्थिति हैं, और प्रत्येक पुलिया और चैनल के आउटलेट की जाँच खंड 9.6.1 के अंतर्गत की जाती है; 25-वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि के लिए डिजाइन किया गया हरमू नदी का चैनल जुलाई 2016 और जुलाई 2017 में क्षतिग्रस्त हुआ और उसके भागों (reach) को 50 वर्ष के लिए फिर से डिजाइन किया गया (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। खड़ी पहाड़ी ढलानों के नीचे के क्रॉसिंगों की, जैसे जमशेदपुर के ऊपर दलमा, गिरिडीह के ऊपर पारसनाथ और साहिबगंज के ऊपर राजमहल की पहाड़ियाँ, खंड 9.4.8 के अंतर्गत गोलाश्मों और मलबे के लिए भी जाँच की जानी चाहिए (इस मैनुअल का पाठ)। जालियाँ उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितने गेट, क्योंकि ड्रेनें गाद, ठोस अपशिष्ट और सीवेज ले जाती हैं: हरमू के साथ-साथ की वर्षा जल ड्रेनें गाद, कीचड़ और ठोस जमाव से अवरुद्ध और सीवेज छोड़ती पाई गईं (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); नमूना-जाँच किए गए नौ नगरों में 939.55 km ड्रेनों में से 567.12 km खुली (बिना ढकी) थीं, और जमशेदपुर और साहिबगंज में कचरे से भरी ड्रेनों के फोटो लिए गए (CAG, 2017); और आरोप है कि नौ ड्रेनें जमशेदपुर में स्वर्णरेखा तक सीवेज ले जाती हैं (NGT OA 129/2026 में आवेदन), इसलिए झारखंड के किसी नाले पर लगी कचरा-रोधी जाली की जाँच खंड 9.8.4 की अवरुद्ध स्थिति में की जाती है। दामोदर घाटी के कोयला क्षेत्रों में खदान स्थल और ओवरबर्डन डंप तलछट के सबसे बड़े स्रोत हैं: रजरप्पा (Rajrappa), पिपरवार (Piparwar), कथारा

(Kathara) और AKK में CCL की खदानों के बहिःस्राव में 100 mg/l की सीमा के विरुद्ध 104 से 12,628 mg/l निलंबित ठोस थे, जिनका मुख्य स्रोत "खदान के पानी और वर्षा जल की निकासी प्रणाली में निलंबित ठोस" ("the suspended solids in the drainage system of mine water and storm water") था, और पर्यावरण स्वीकृति की एक शर्त का उल्लंघन करते हुए खुदिया नदी के तट पर ओवरबर्डन डाला गया (CAG, 2019 की रिपोर्ट संख्या 12); और CCL की डकरा (Dakra) खदान में एक अवसादन तालाब बनाया गया, पर प्रदूषित अपवाह उस तक नहीं पहुँचा (JSPCB, NGT OA 38/2020 में प्रति-शपथपत्र)। कोयला खदानों की पर्यावरण स्वीकृतियाँ गारलैंड ड्रेनों का आकार "चरम आकस्मिक वर्षा से ऊपर कम से कम 50% सुरक्षा मार्जिन" ("at least 50% safety margin over and above the peak sudden rainfall") के साथ निर्धारित करती हैं और ऐसे संपों की अपेक्षा करती हैं जो गाद का अवसादन करें (MoEFCC की मानक शर्त, 2024), जो कोई पुनरावृत्ति अवधि नहीं है। जहाँ इस मैनुअल की कोई ड्रेन किसी ओवरबर्डन डंप या खदान स्थल से अपवाह प्राप्त करती है, वहाँ पट्टाधारी की गारलैंड ड्रेन, स्थिर टो ड्रेन और तलछट बेसिन सार्वजनिक आउटफॉल से प्रतिप्रवाह की ओर होंगे, और बेसिन कम से कम खंड 8.12.3(c) का आयतन धारण करेगा, उसका आउटलेट खंड 9.7 के अंतर्गत और उसकी जाली खंड 9.8 के अंतर्गत होगी और उसका स्पिलवे 1% AEP अंतर्वाह को निकालेगा (खंड 9.7.6) (इस मैनुअल द्वारा निर्धारित); कोई भी सार्वजनिक ड्रेन किसी चालू खदान में पानी नहीं छोड़ेगी, जिसके मुहानों को कोयला खान विनियम, 2017 उच्चतम बाढ़ स्तर से कम से कम 1.5 m ऊपर रखने की अपेक्षा करते हैं (विनियम 149, प्रकाशित खबरों के अनुसार); और कोई खदान का गड्ढा या खदान झील किसी सार्वजनिक ड्रेन का पानी केवल पट्टाधारी और DGMS की सम्मति से और अपने स्तर, अतिप्रवाह और हाईवॉल की स्थिरता के सर्वेक्षण के साथ प्राप्त करता या करती है, कभी भी खाली माने गए भंडारण के रूप में नहीं। झरिया कोयला क्षेत्र के कुछ भागों में प्रति वर्ष कुछ सेंटीमीटर से लेकर कुछ डेसीमीटर तक का भू-धंसान मापा गया है (InSAR अध्ययन, प्रकाशित खबरों के अनुसार), इसलिए वहाँ की ड्रेनों का डिजाइन के समय सर्वेक्षण किया जाता है और निर्माण के बाद उनके ढाल की खंड 9.5.4 के विरुद्ध फिर से जाँच की जाती है। झारखंड के किसी भी शहर की ड्रेनों पर स्थित स्लूइस, फ्लैप गेट, अवरोधन संरचनाओं, चेक डैमों, तालाब के आउटलेट वियरों और पंपिंग स्टेशनों की, उनकी क्षमताओं और प्रचालन नियमों सहित, कोई सूची, और किसी भी आउटफॉल पर नदी, जलाशय या खदान के गड्ढे का कोई डिजाइन स्तर सार्वजनिक क्षेत्र में नहीं मिला। खंड 9.10.3 और 9.10.5 इस मैनुअल द्वारा इसलिए निर्धारित किए गए हैं कि जो फ्लैप गेट, स्लूइस या पेनस्टॉक विफल हो जाए, या गाद, ठोस अपशिष्ट या मलबे से खुला अटक जाए, वह बाढ़ में चल रही नदी या जलाशय को वापस ड्रेन नेटवर्क में आने देता है, और जो बंद अटक जाए वह उसे अवरुद्ध कर देता है। झारखंड की ड्रेनें और शहरी नदियाँ गाद, ठोस अपशिष्ट और सीवेज अपने आउटफॉलों तक ले जाती हैं: रांची में हरमू नदी के 14 प्रमुख इनलेटों में से केवल नौ सीवरों से जुड़े थे, और ये भी शुष्क मौसम में नदी में सीवेज छोड़ते थे, 56 छोटे इनलेट सीधे सीवेज छोड़ते थे, और उसके तटों के साथ-साथ की वर्षा जल ड्रेनें गाद, कीचड़ और ठोस जमाव से अवरुद्ध पाई गईं (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); नमूना-जाँच किए गए नौ नगरों में 939.55 km ड्रेनों में से 567.12 km खुली (बिना ढकी) थीं और ड्रेनें नगरों का अपशिष्ट जल भी ले जाती थीं (CAG, 2017); और CCL की खदानों के बहिःस्राव में 100 mg/l की सीमा के विरुद्ध 12,628 mg/l तक निलंबित ठोस थे (CAG, 2019 की रिपोर्ट संख्या 12), इसलिए गेट, उसकी जाली और उसके पास का अवरोधन वियर या तलछट बेसिन एक ही मलबे के संपर्क में रहते हैं और उन्हें एक साथ साफ रखा जाना होगा; और ये खंड इसलिए भी निर्धारित हैं कि जमशेदपुर में स्वर्णरेखा का दर्ज उच्चतम बाढ़ स्तर उसके खतरे के स्तर से लगभग 6.3 m ऊपर है (CWC स्थल-सूची, प्रकाशित खबरों के अनुसार), और चांडिल से, ओडिशा में खरकई के डैमों से और तेनुघाट और DVC के जलाशयों से छोड़ा गया पानी नदियों को कई दिनों तक ऊँचा बनाए रख सकता है, जिससे रिसने वाला या अटका हुआ गेट पूरी बाढ़ के दौरान उसके संपर्क में रह सकता है।

9.11 इनलेट और जालियाँ

9.11.1 **हाइड्रोलिक्स.** इनलेट की क्षमता, उनके बीच की दूरी और अवरोध अध्याय 6 के खंड 6.6 के अनुसार होंगे।

9.11.2 **भार वर्ग.** जालियाँ, ढक्कन और फ्रेम अपने स्थान के यातायात के लिए निर्धारित होंगे। भार वर्ग IS 1726 (ढलवाँ लोहे के मैनहोल ढक्कन और फ्रेम) या EN 124 (गली टॉप और मैनहोल टॉप) के होंगे, कम से कम:

- (a) कैरिजवे और मध्य पट्टियाँ (medians): EN 124 वर्ग D400 या समतुल्य भारी-शुल्क IS वर्ग;
- (b) कर्ब से 0.5 m के भीतर कर्ब-किनारे के चैनल इनलेट: वर्ग C250 या समतुल्य; और

- (c) फुटपाथ और साइकिल ट्रैक: वर्ग B125 या समतुल्य।

9.11.3 **जाली का पैटर्न.**

- (a) कैरिजवे, साइकिल ट्रैक और फुटपाथों में जालियों में यात्रा की दिशा के समानांतर 25 mm से अधिक चौड़े छिद्र नहीं होंगे।
- (b) परीक्षित क्षमता आँकड़ों के बिना जाली प्रकारों का मूल्यांकन FHWA HEC-22 (2024) की वियर और ऑरिफिस विधियों द्वारा, अध्याय 6 के अवरोध गुणकों के साथ किया जाएगा।

9.11.4 **कर्ब छिद्र.** कर्ब-छिद्र इनलेटों (kerb-opening inlets) में स्पष्ट छिद्र की ऊँचाई कम से कम 100 mm और लंबाई कम से कम 1.0 m होगी। जहाँ कोई कर्ब इनलेट किसी ढकी ड्रेन की दीवार से होकर पानी छोड़ता है (अध्याय 6, खंड 6.13.1), वहाँ छिद्र सड़क के स्तर पर होगा।

9.11.5 **सुरक्षा.** सार्वजनिक भूमि पर जालियाँ और ढक्कन अपने फ्रेम से कब्जेदार या तालाबंद होंगे, ताकि उन्हें किसी औजार के बिना हटाया न जा सके।

9.11.6 **इनलेट कक्ष.** इनलेट कक्षों में अध्याय 6 के खंड 6.6.7 का गाद संप होगा, और उनका आकार ऐसा होगा कि संप को सक्शन या ग्रैब मशीन से खाली किया जा सके।

> **भाष्य.** NDMA (2010, §4.13) जल निकासी इनलेटों के लिए ढलवाँ लोहे की जालियों हेतु IS 5961 का उल्लेख करता है। भार वर्ग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयुक्त EN 124 वर्गों पर आधारित हैं। समानांतर छिद्रों पर 25 mm की सीमा साइकिल चालकों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए निर्धारित है। APWA 5600 (2006, 5604.2) कर्ब छिद्रों के लिए कम से कम 4 फुट (लगभग 1.2 m) लंबाई और 6 इंच (लगभग 150 mm) स्पष्ट ऊँचाई की अपेक्षा करता है। खंड 9.11.4 झारखंड के नगरों में आम संकरी सड़कों और नीचे कर्बों के अनुरूप छोटे न्यूनतम मान निर्धारित करता है।

9.12 मैनहोल, संगम कक्ष और प्रवेश व्यवस्था

9.12.1 **स्थान और दूरी.** मैनहोल अध्याय 6 के खंड 6.7.11 और तालिका 6.8 के स्थानों और दूरियों पर बनाए जाएँगे। जहाँ पाइप मानक मैनहोल के लिए बहुत बड़े हों, वहाँ सतह तक राइजर वाले संगम कक्ष का उपयोग किया जाएगा (CPHEEO 2019, §11.3.7.3)।

9.12.2 **न्यूनतम आंतरिक आकार.** मैनहोलों के आंतरिक आयाम कम से कम तालिका 9.4 के अनुसार होंगे (CPHEEO 2019, §11.3.7.6):

तालिका 9.4 — मैनहोलों का न्यूनतम आंतरिक आकार

आकृति और गहराई	न्यूनतम आंतरिक आकार
आयताकार, गहराई 0.9 m से कम	900 mm × 800 mm
आयताकार, गहराई 0.9–2.5 m	1,200 mm × 900 mm
वृत्ताकार, गहराई 0.9 m से अधिक और 1.65 m तक	900 mm व्यास
वृत्ताकार, गहराई 1.65 m से अधिक और 2.30 m तक	1,200 mm व्यास
वृत्ताकार, गहराई 2.30 m से अधिक और 6.0 m तक	1,500 mm व्यास
वृत्ताकार, गहराई 6.0 m से अधिक और 9.0 m तक	1,800 mm व्यास

मैनहोल इतना बड़ा भी होगा कि उसमें जुड़ा सबसे बड़ा पाइप और उसके प्रत्येक ओर की बेंचिंग समा सके।

9.12.3 **प्रवेश द्वार.** सार्वजनिक ड्रेनों पर मैनहोलों और निरीक्षण कक्षों का स्पष्ट प्रवेश द्वार कम से कम 600 mm होगा, ताकि सफाई उपकरण नीचे उतारे जा सकें।

9.12.4 **ड्रॉप.** जहाँ आने वाले और जाने वाले इनवर्ट का अंतर 0.6 m से अधिक हो, वहाँ ड्रॉप कनेक्शन का प्रावधान किया जाएगा। 0.6 m से कम होने पर, अंतर को आने वाले पाइप के ढलान या बेंचिंग को समायोजित करके पूरा किया जाएगा (CPHEEO 2019, §11.3.7.5)। जहाँ पाइप का आकार बदलता है, वहाँ मैनहोल के आर-पार इनवर्ट ड्रॉप व्यासों के अंतर का कम से कम निम्नलिखित भाग होगा (CPHEEO 2019, तालिका 11.6):

- 400 mm से कम की वाहिकाएँ: आधा;
- 400 mm से 900 mm: दो-तिहाई;
- 900 mm से अधिक: चार-पाँचवाँ।

9.12.5 **बेंचिंग.** मैनहोल के फर्श की बेंचिंग कम से कम बाहर जाने वाले पाइप के शीर्ष (crown) तक की जाएगी, और प्रत्येक आने वाले पाइप से प्रवाह को दिशा देने के लिए चैनल बनाए जाएँगे।

9.12.6 **सरचार्ज.** उन मेन पर मैनहोल, जहाँ 1% AEP का HGL ढक्कन से ऊपर उठ सकता है (अध्याय 6, खंड 6.8.4), बोल्ट से कसे, तालाबंद या कब्जेदार ढक्कनों वाले होंगे, जिनका डिजाइन उस दाब के लिए किया गया हो।

9.12.7 **यांत्रिक सफाई.** मैनहोल, कक्ष और ढकी ड्रेनें सतह से मशीन (सक्शन, जेटिंग, ग्रैब या रोबोटिक उपकरण) द्वारा सफाई के लिए डिजाइन की जाएँगी। जहाँ स्थिर सीढ़ियाँ लगाई जाती हैं, वे संक्षारण-रोधी, आवरणयुक्त (encapsulated) सामग्री की होंगी।

> **भाष्य.** आकार और ड्रॉप की अपेक्षाएँ CPHEEO (2019) के अध्याय 11 से हैं। 600 mm का प्रवेश द्वार, बेंचिंग का नियम और बोल्ट से कसे ढक्कन इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। यांत्रिक सफाई के लिए डिजाइन करना *The Prohibition of Employment as Manual Scavengers and their Rehabilitation Act, 2013* (हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013) के अंतर्गत खतरनाक हाथ से सफाई पर प्रतिबंध का समर्थन करता है।

9.13 सामग्री और स्थायित्व

9.13.1 **अनावरण वर्ग.** कंक्रीट संरचनाओं का डिजाइन IS 456: 2000, तालिका 3 के अनावरण वर्ग (exposure class) के लिए किया जाएगा। झारखंड में तालिका 9.5 के न्यूनतम वर्ग लागू होते हैं, जब तक कि कोई स्थल अन्वेषण अधिक गंभीर स्थिति न दर्शाए:

तालिका 9.5 — झारखंड के स्थानों के लिए न्यूनतम IS 456 अनावरण वर्ग

स्थान	न्यूनतम IS 456 अनावरण वर्ग
अंतर्देशीय ड्रेनें और संरचनाएँ	मध्यम (Moderate)
तटीय वातावरण में ड्रेनें और संरचनाएँ, और कोई भी ड्रेन जो सीवेज-मिश्रित प्रवाह ले जाती है या ले जा सकती है	गंभीर (Severe)
समुद्री जल की फुहार के संपर्क में, या लवणीय या आक्रामक भूजल के संपर्क में संरचनाएँ	अति गंभीर (Very severe)
ज्वारीय क्षेत्र में संरचनाएँ	चरम (Extreme)

9.13.2 **कंक्रीट.** न्यूनतम कंक्रीट ग्रेड, अधिकतम जल–सीमेंट अनुपात, न्यूनतम सीमेंट मात्रा और प्रबलन पर नाममात्र आवरण (nominal cover) अनावरण वर्ग के लिए IS 456 के अनुसार होंगे। पाठक की सुविधा के लिए: IS 456 प्रबलित कंक्रीट के न्यूनतम ग्रेड M25 (मध्यम), M30 (गंभीर), M35 (अति गंभीर) और M40 (चरम), और नाममात्र आवरण क्रमशः 30, 45, 50 और 75 mm निर्धारित करता है।

9.13.3 **आक्रामक भूमि.** तटीय और डेल्टा क्षेत्रों में प्रत्येक संरचना पर भूजल और मिट्टी का क्लोराइड और सल्फेट के लिए परीक्षण किया जाएगा। सीमेंट का प्रकार और कंक्रीट मिश्रण IS 456 के अंतर्गत परिणामों के अनुरूप चुना जाएगा।

9.13.4 **सीवेज-मिश्रित प्रवाह.** जो पाइप और ढकी ड्रेनें सीवेज-मिश्रित प्रवाह ले जाती हैं या ले जा सकती हैं, उन्हें सल्फाइड (शीर्ष) संक्षारण (sulphide crown corrosion) से, त्याज्य कंक्रीट मोटाई (sacrificial concrete thickness), संक्षारण-रोधी अस्तर या गैर-कंक्रीट पाइप सामग्री द्वारा संरक्षित किया जाएगा।

9.13.5 **पाइप.** कंक्रीट पाइप IS 458 का पालन करेंगे, और उनका वर्ग संरचनात्मक डिजाइन द्वारा चुना जाएगा। अन्य पाइप सामग्री (उदाहरण के लिए तन्य लोहा, HDPE या संरचित-दीवार प्लास्टिक पाइप) लागू भारतीय मानक का पालन करेंगी और अनुमोदन प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होंगी।

9.13.6 **धातु कार्य.** तट से 5 km के भीतर, और सभी ज्वारीय और लवणीय स्थानों में:

- (a) फिक्सिंग, कब्जे, सीढ़ियाँ, रेलिंग और जाली के फ्रेम ग्रेड 316 के स्टेनलेस स्टील, या सुरक्षात्मक लेप सहित हॉट-डिप जस्तीकृत (hot-dip galvanised) स्टील, या किसी अधात्विक सामग्री के होंगे; और
- (b) असमान धातुओं को एक-दूसरे से पृथक रखा जाएगा।

9.13.7 **चिनाई.** टियर A निकायों में नई सार्वजनिक ड्रेनें प्रबलित या सादे कंक्रीट में होंगी। टियर B निकायों में ड्रेनों के लिए ईंट या पत्थर की चिनाई का उपयोग केवल तभी किया जा सकता है जब गीले फलक पर उसका पलस्तर किया गया हो और वह तालिका 6.6 के n मान का पालन करे।

> **भाष्य.** IS 456 के अनावरण वर्ग और ग्रेड तथा आवरण के मान सुविधा के लिए IS 456: 2000 (तालिकाएँ 3, 5 और 16) से उद्धृत हैं। मानक ही प्रभावी है, और डिजाइनकर्ता उसके वर्तमान संशोधन का उपयोग करेंगे। झारखंड के स्थानों को अनावरण वर्ग देना, सल्फाइड-संक्षारण की अपेक्षा और टियर A निकायों में नई चिनाई ड्रेनों पर प्रतिबंध — इनका कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। जिन ड्रेनों में सीवेज के अवैध जुड़ाव होते हैं (एक आम स्थिति, अध्याय 8), वे हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पन्न करती हैं, जो जल रेखा से ऊपर असंरक्षित कंक्रीट पर आक्रमण करती है।

9.14 प्रस्तुति की अपेक्षाएँ

प्रत्येक संरचना का डिजाइन एक **हाइड्रोलिक संरचना रिपोर्ट** (प्रपत्र 9-1) के साथ प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें यथा लागू निम्नलिखित होंगे:

1. पुलिया की गणनाएँ (HDS-5 या HY-8 आउटपुट), HWi, HWo, आउटलेट वेग, टेलवाटर, ऊपर से बहने और अवरोध जाँच सहित;
2. चैनल की जल-सतह प्रोफाइल, वेग, फ्रूड संख्याएँ और फ्रीबोर्ड;
3. आउटलेट संरक्षण और क्षयकारी का डिजाइन, रिपरैप के आकार निर्धारण सहित;
4. अस्थायी भंडारण आउटलेट की जल स्तर–प्रवाह दर तालिकाएँ और आपातकालीन स्पिलवे की जाँच;
5. 50% अवरुद्ध जाँच सहित जाली और कचरा-रोधी जाली का डिजाइन;
6. पंपिंग स्टेशन डिजाइन रिपोर्ट: अंतर्वाह हाइड्रोग्राफ, भंडारण, पंप वक्र और प्रणाली वक्र, वेट वेल का आयतन, नियंत्रण, विद्युत आपूर्ति और अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच;
7. हेड-हानि आँकड़ों सहित गेट और वाल्व का चयन;
8. इनलेट, जाली और ढक्कन के भार वर्ग; और
9. अनावरण वर्ग और सामग्री का विवरण (खंड 9.13)।

संदर्भ (अध्याय)

- Federal Highway Administration (2012). *Hydraulic Design of Highway Culverts*, Hydraulic Design Series No. 5, 3rd edition, FHWA-HIF-12-026.
- Federal Highway Administration (2006). *Hydraulic Design of Energy Dissipators for Culverts and Channels*, Hydraulic Engineering Circular No. 14, 3rd edition, FHWA-NHI-06-086.
- Federal Highway Administration (2005). *Design of Roadside Channels with Flexible Linings*, Hydraulic Engineering Circular No. 15, 3rd edition, FHWA-IF-05-114.
- Federal Highway Administration (2024). *Urban Drainage Design Manual*, Hydraulic Engineering Circular No. 22, 4th edition, FHWA-HIF-24-006.
- Federal Highway Administration (2001). *Highway Stormwater Pump Station Design*, Hydraulic Engineering Circular No. 24, FHWA-NHI-01-007.
- FHWA Hydraulics Engineering publications listing. https://www.fhwa.dot.gov/Engineering/hydraulics/library_listing.cfm
- MoHUA / CPHEEO (2019). *Manual on Storm Water Drainage Systems*, Volume I, Part A: Engineering Design. §2.4.2.3, §5.3, Tables 5.5, 5.11, 5.12, §6.3.10.1, Chapter 8, Chapter 11. https://www.mohua.gov.in/static/uploads/2025/10/8a2456c722036d78c72a698898ef846d.pdf
- Kansas City Metro Chapter APWA (2006). *Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities* (5604.2, 5608.4); और Version 2025.01 (Dec 2025)।
- Bureau of Indian Standards. IS 456: 2000, *Plain and Reinforced Concrete — Code of Practice* (Tables 3, 5 और 16)।
- Bureau of Indian Standards. IS 458, *Precast Concrete Pipes (with and without Reinforcement) — Specification* (वर्तमान संशोधन)।
- Bureau of Indian Standards. IS 1726, *Cast Iron Manhole Covers and Frames*; IS 5961, *Cast Iron Gratings for Drainage Purposes*; IS 12592, *Precast Concrete Manhole Covers and Frames* (वर्तमान संशोधन)।
- European Committee for Standardization. EN 124, *Gully tops and manhole tops for vehicular and pedestrian areas*.
- Hydraulic Institute. ANSI/HI 9.8, *Rotodynamic Pumps for Pump Intake Design* (वर्तमान संस्करण)।
- Indian Roads Congress. IRC:SP:13, *Guidelines for the Design of Small Bridges and Culverts* (वर्तमान संशोधन)।
- Chow, V.T. (1959). *Open-Channel Hydraulics*. McGraw-Hill. (Fortier और Scobey 1926 के अनुमेय वेग; Rand 1955 के ड्रॉप संबंध।)
- Fortier, S. and Scobey, F.C. (1926). Permissible canal velocities. *Transactions of the ASCE* 89.
- Rand, W. (1955). Flow geometry at straight drop spillways. *Proceedings of the ASCE* 81.
- Brater, E.F. and King, H.W. *Handbook of Hydraulics*. McGraw-Hill.
- Tennessee Department of Environment and Conservation (2026). *Erosion Prevention and Sediment Control Handbook*, §4.3.6 Riprap Apron (HEC-14 का एप्रन समीकरण और तालिका दी गई है)। https://www.tn.gov/content/dam/tn/environment/water/stormwater/epsc-handbook/dwr-npdes-sop-g-16-erosion-prevention-sediment-control-handbook-01092026-4.3.6%20-riprap-apron.pdf
- Purdue University Joint Transportation Research Program. Study of riprap apron design at culvert outlets. https://docs.lib.purdue.edu/jtrp/1704
- CIRIA (2019). *Culvert, screen and outfall manual*, C786. London: CIRIA.

- National Disaster Management Authority (2010). *National Guidelines: Management of Urban Flooding*, §4.13.
- Government of India. *The Prohibition of Employment as Manual Scavengers and their Rehabilitation Act, 2013* (हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013)।

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय-वस्तु
9A	SI इकाइयों में HDS-5 इनलेट-नियंत्रण गुणांक और पुलिया का हल किया गया उदाहरण
9B	मानक ड्रॉइंग: हेडवॉल, रिपरैप एप्रन, ड्रॉप संरचनाएँ, कचरा-रोधी जालियाँ, अस्थायी भंडारण राइजर
9C	पंपिंग स्टेशन डिजाइन जाँच-सूची और मानक नियंत्रण पद्धति
प्रपत्र 9-1	हाइड्रोलिक संरचना रिपोर्ट जाँच-सूची

अध्याय 10

प्रस्तुतियाँ, समीक्षा, प्रचालन और रखरखाव तथा प्रवर्तन

10.1 उद्देश्य और विस्तार

10.1.1 यह अध्याय बताता है कि इस मैनुअल का अनुपालन किस प्रकार दर्शाया, जाँचा, निर्मित, कार्यशील रखा और प्रवर्तित किया जाएगा। इसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- (a) प्रस्तुति (submittal) के चरण और उनकी विषय-वस्तु (खंड 10.3–10.4);
- (b) अनुपालन कैलकुलेटर (compliance calculator) (खंड 10.5);
- (c) पेशेवर प्रमाणन और समीक्षा (खंड 10.6–10.7);
- (d) निर्माण के दौरान निरीक्षण और यथा-निर्मित (as-built) प्रमाणन (खंड 10.8–10.9);
- (e) रखरखाव घोषणा-पत्र, O&M योजनाएँ, निरीक्षण और पहुँच (खंड 10.10–10.13);
- (f) सार्वजनिक परिसंपत्तियों का हस्तांतरण (खंड 10.14);
- (g) प्रवर्तन (खंड 10.15); और
- (h) निगरानी, घटना-पश्चात समीक्षा और आँकड़ों का प्रकाशन (खंड 10.16–10.17)।

10.1.2 यह अध्याय ऐसे प्रत्येक विकास और लोक निर्माण कार्य पर लागू होता है जिस पर खंड 1.5.2 के अंतर्गत अध्याय 4 और 5 लागू होते हैं। खंड 10.3.1 (चरण 0), 10.15 और 10.17 उस विकास पर भी लागू होते हैं जो केवल खंड 1.5.4 के अधीन है।

भाष्य. जिस मानदंड की अनुमोदन के समय जाँच न हो, जिसे अनुमोदन के अनुसार न बनाया जाए और जिसका बाद में रखरखाव न हो, उसका कोई प्रभाव नहीं होता। झारखंड में विफलता मानदंडों के अभाव की है, बिना अनुमोदित डिजाइन के बनी ड्रेनों की है, और उन शर्तों की जिनकी जाँच केवल वर्षा जल संचयन के लिए होती है। UD&HD, JUIDCO, किसी नगर निगम या RRDA का ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला जिसमें किसी शहर की वर्षा जल ड्रेनों के लिए डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि बताई गई हो, सिवाय धनबाद की विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजना के, जिसने भूमि अधिग्रहण से बचने के लिए 1-वर्ष की वर्षा घटना चुनी (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017)। रांची में 2005 में आरंभ हुई सीवरेज और जल निकासी परियोजना के जोन । अनुबंध में ₹129.10 करोड़ की लागत पर पुलियों सहित 207 km वर्षा जल ड्रेनों का प्रावधान था, किंतु ठेकेदार ने केवल 1.49 km के अनुदैर्ध्य काट (L-sections) प्रस्तुत किए, जो कभी अनुमोदित नहीं हुए, और सात स्थानों पर 1.49 km ड्रेनें बनाईं जो "किसी बड़े ड्रेन नेटवर्क से नहीं जुड़ी थीं" ("not connected to any bigger drain network") और सेप्टिक टैंकों के अपशिष्ट जल से भरी पाई गईं, जिसके बाद अक्तूबर 2019 में अनुबंध समाप्त कर दिया गया; और हरमू नदी चैनल को नगरों की सुरक्षा के लिए IS 12094 के 100-वर्ष के मानदंड के स्थान पर 25-वर्ष की बाढ़ के लिए डिजाइन किया गया, ऐसे अपवाह गुणांक के साथ जिसे IIT बॉम्बे ने पहले विकसित क्षेत्र के लिए 0.95 रखा और फिर अपनी पुनरीक्षित (vetted) रिपोर्ट में घटाकर 0.29 कर दिया, और 2016 और 2017 में क्षति के बाद उसे 50 वर्ष के लिए पुनः डिजाइन किया गया (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। अनुमोदन की प्रक्रिया ही इस अध्याय को आकार देती है। भवन अनुमति झारखंड भवन उपविधि, 2016 के अंतर्गत दी जाती है, जो झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 434 के अंतर्गत UD&HD द्वारा अधिसूचित है (5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006) और सभी क्षेत्रीय विकास प्राधिकारों, शहरी स्थानीय निकायों, खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों द्वारा प्रवर्तनीय है (उपविधि 1.2)। भवन नक्शों का अनुमोदन अपनी सीमाओं के भीतर RMC और अन्य नगर निगम, नगर परिषदें और नगर पंचायतें करती हैं; रांची क्षेत्र में RMC के बाहर RRDA करता है, क्योंकि RMC की सीमाओं के भीतर उसका संचालन समाप्त हो जाता है (नगरपालिका

अधिनियम, धारा 615(3)); जमशेदपुर में JNAC करती है, जिसके लिए 23 दिसंबर 2023 को एक औद्योगिक नगर अधिसूचित किया गया, जिसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई (PIL 2636/2024, प्रकाशित खबरों के अनुसार); और धनबाद खनन क्षेत्र में MADA करता है, जिसके कार्य धनबाद नगर निगम को केवल "जिस सीमा तक अधिसूचित हो" ("to the extent notified") उस सीमा तक जाते हैं (धारा 615(4); ऐसी कोई अधिसूचना नहीं मिली)। भवन उपविधि 2016 में 2017 में (15 मई और 17 अगस्त) और 2019 में (पाँचवाँ और छठा संशोधन) संशोधन किए गए, और दसवाँ (मार्च 2024) और ग्यारहवाँ (27 अप्रैल 2026) संशोधन केवल सारांशों में देखे गए हैं; इनमें से कोई भी नदी-तट, बेसमेंट या वर्षा जल संचयन संबंधी उपबंधों को नहीं छूता। उसके अंतर्गत आवेदन में वर्षा जल संचयन प्रणाली और छत की जल निकासी और ढाल सहित छत का नक्शा (terrace plan) दर्शाया जाता है (सारांश के अनुसार); विकास योजना या जल निकासी योजना में दर्शाए गए प्राकृतिक जलमार्गों या ड्रेनों में, या किसी नगरपालिका ड्रेन के ऊपर, कोई अनुमति नहीं दी जाती (उपविधि 30.1 और 30.3); जहाँ प्राधिकारी अपेक्षा करे वहाँ अहाते (curtilage) की जल निकासी सतही जल ड्रेनों द्वारा की जानी है, और कोई सतही जल ड्रेन उसके लिखित अनुमोदन से ही किसी सीवर से जोड़ी जा सकती है (31.3 और 31.4); प्लिंथ कम से कम 450 mm ऊँचा होता है ताकि "साइट की पर्याप्त जल निकासी सुनिश्चित हो" ("adequate drainage of the site is assured") (42.1.1); निचले और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में बेसमेंट वर्जित हैं, जबकि इनमें से कोई भी शब्द परिभाषित नहीं है (48.1); 300 m^2 और उससे बड़े भूखंडों में छत के प्रत्येक 100 m^2 के लिए कम से कम 6 m^3 के पुनर्भरण गड्ढे या खाइयाँ होना आवश्यक है (51.1), जो लगभग 60 mm छत अपवाह के बराबर है, और जल संचयन संरचनाओं की जाँच समापन के समय होती है (सारांश के अनुसार); और बहुमंजिला भवनों में NBC के मानदंडों के अनुसार एक पुनर्भरण कुआँ और उनके चारों ओर के फर्श के कम से कम 40% भाग पर नरम फर्श होना आवश्यक है (58.6.6 और 58.6.15, 2017 में यथासंशोधित)। नगरपालिका अधिनियम वर्षा जल ड्रेनों को नगरपालिका का कार्य बनाता है (धारा 70), ड्रेनों और "एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल" ("a safe and efficient outfall") के लिए नगरपालिका को उत्तरदायी बनाता है (धारा 219), सार्वजनिक ड्रेनों को उसमें निहित करता है (धारा 221), जब तक आयुक्त द्वारा अपेक्षित आकार, स्तर और ढाल की ड्रेन 30 m के भीतर किसी नगरपालिका ड्रेन तक न बिछा दी जाए तब तक परिसर के निर्माण या अधिभोग पर रोक लगाता है (धारा 227), और बिना अनुमति किसी नगरपालिका ड्रेन पर निर्माण पर रोक लगाता है (धारा 235)। किसी खनन पट्टे पर जल निकासी पर्यावरण स्वीकृति द्वारा निर्धारित होती है, जिसकी गारलैंड ड्रेनों में पुनरावृत्ति अवधि के बजाय चरम वर्षा से ऊपर 50% का मार्जिन रखा जाता है, और सतही जल संबंधी DGMS के नियमों द्वारा। कोई भी नियम न तो जल निकासी रिपोर्ट माँगता है, न चरम अपवाह को सीमित करता है, न साइट पर अस्थायी भंडारण अनिवार्य करता है और न "शून्य अपवाह" ("zero runoff") की शर्त लगाता है। इसलिए इस अध्याय की वर्षा जल संबंधी प्रत्येक मद इस प्रकार लिखी गई है कि अभिलेख पर दर्ज वास्तुकार या अभियंता उसे प्रपत्र 1-1, 2-1, 10-2 और 10-3 पर प्रमाणित कर सके, और प्राधिकारी भवन नक्शे के साथ, प्लिंथ स्तर के निरीक्षण के समय और समापन पर पुनर्भरण गड्ढों के साथ उसकी जाँच कर सके। यह अध्याय यही प्रक्रिया है।

10.2 परिभाषाएँ

शब्द	इस अध्याय में अर्थ
प्रस्तुति (submittal)	खंड 10.3 के किसी एक चरण में प्राधिकारी के पास जमा किए गए दस्तावेजों का समूह।
जल निकासी रिपोर्ट	खंड 10.4 द्वारा अपेक्षित प्रारंभिक (चरण 1) या अंतिम (चरण 2) रिपोर्ट।
वर्षा जल सुविधा	इस मैनुअल द्वारा अपेक्षित कोई भी प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, जल गुणवत्ता, वहन, पंपिंग, गेट या आउटफॉल घटक, चाहे सार्वजनिक हो या निजी।
रोक बिंदु (hold point)	निर्माण का वह चरण जिस पर, जब तक प्राधिकारी या प्रमाणकर्ता पेशेवर उसका निरीक्षण न कर ले, कार्य आगे नहीं बढ़ाया जाएगा (खंड 10.8)।
यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र	खंड 10.9 का वह प्रमाण-पत्र कि सुविधा अनुमोदन के अनुसार बनाई गई है और डिजाइन के अनुसार कार्य करती है।
स्वामी	वह व्यक्ति या निकाय जो रखरखाव घोषणा-पत्र के अंतर्गत किसी सुविधा के लिए उत्तरदायी है, या हस्तांतरित परिसंपत्ति के लिए ULB।

शब्द	इस अध्याय में अर्थ
O&M योजना	खंड 10.11 की प्रचालन और रखरखाव योजना।
सुविधा रजिस्टर	खंड 10.17 का सुविधाओं का सार्वजनिक रजिस्टर।

अन्य शब्द खंड 1.4 में परिभाषित हैं।

10.3 प्रस्तुति के चरण

10.3.1 प्रस्तुतियाँ निम्नलिखित चरणों में की जाएँगी, जो भवन उपविधि 2016 के अनुमोदन पदों से जुड़े हैं (तालिका 10.1):

तालिका 10.1 — प्रस्तुति के चरण और उनसे जुड़े अनुमोदन

चरण	प्रस्तुति	कब	संबद्ध अनुमोदन
0	**आवेदन-पूर्व** बैठक और **प्रपत्र 1-1** (प्रयोज्यता निर्धारण)	योजना अनुमति या लेआउट आवेदन से पहले	कोई नहीं (परामर्शी अभिलेख)
1	**प्रारंभिक जल निकासी रिपोर्ट**	योजना अनुमति या लेआउट आवेदन के साथ	योजना अनुमति / लेआउट अनुमोदन
2	**अंतिम जल निकासी डिजाइन**	भवन अनुमति से पहले, या जहाँ अनुमति योजना अनुमति के साथ ही जारी होती है वहाँ कार्य प्रारंभ से पहले	भवन अनुमति / कार्य प्रारंभ
3	रोक बिंदुओं पर **निर्माण निरीक्षण**	निर्माण के दौरान	कोई नहीं (अभिलेख फाइल किए जाते हैं)
4	**यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र** और सत्यापन परीक्षण	समापन प्रमाण-पत्र से पहले	समापन / अधिभोग प्रमाण-पत्र
5	पंजीकृत **रखरखाव घोषणा-पत्र**, या सार्वजनिक परिसंपत्तियों का **हस्तांतरण**	समापन प्रमाण-पत्र से पहले या उसके साथ	समापन प्रमाण-पत्र; परिसंपत्ति को स्वीकार करना
6	**वार्षिक घोषणाएँ** और निरीक्षण रिपोर्ट	समापन के बाद प्रति वर्ष	सतत अनुपालन

10.3.2 **चरण 0 अनिवार्य है** निम्नलिखित के लिए:

- (a) 2 ha या अधिक की साइटें;
- (b) बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में स्थित साइटें;
- (c) विचलन, अधित्याग, क्षेत्रीय सुविधा या एवज शुल्क (fee-in-lieu) प्रस्तावित करने वाली साइटें; और
- (d) ज्वारीय आउटफॉल में जल निकासी करने वाली या किसी जलाशय से सटी साइटें।

अन्य साइटों के लिए चरण 0 वैकल्पिक है, और प्रपत्र 1-1 चरण 1 के साथ जमा किया जाता है।

10.3.3 **संयुक्त चरण.** बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों से बाहर 1 ha से कम की साइटों के लिए प्राधिकारी चरण 1 और 2 को एक ही प्रस्तुति के रूप में स्वीकार कर सकता है।

10.3.4 **लोक निर्माण कार्य.** किसी लोक निर्माण कार्य के लिए चरण 1 DPR का जल निकासी भाग है और चरण 2 निविदा ड्रॉइंग का जल निकासी भाग है। जब तक संबंधित चरण की खंड 10.7 के अंतर्गत समीक्षा न हो जाए, संस्वीकृति प्राधिकारी कार्य को संस्वीकृति नहीं देगा और न उसकी निविदा आमंत्रित करेगा।

10.3.5 **अनुमोदन के बाद परिवर्तन.** चरण 2 के बाद अपारगम्य क्षेत्र, स्तर, भंडारण, आउटलेट या आउटफॉल को बदलने वाला कोई भी परिवर्तन, अनुपालन कैलकुलेटर फिर से चलाकर, उस परिवर्तन के निर्माण से पहले पुनः प्रस्तुत किया जाएगा।

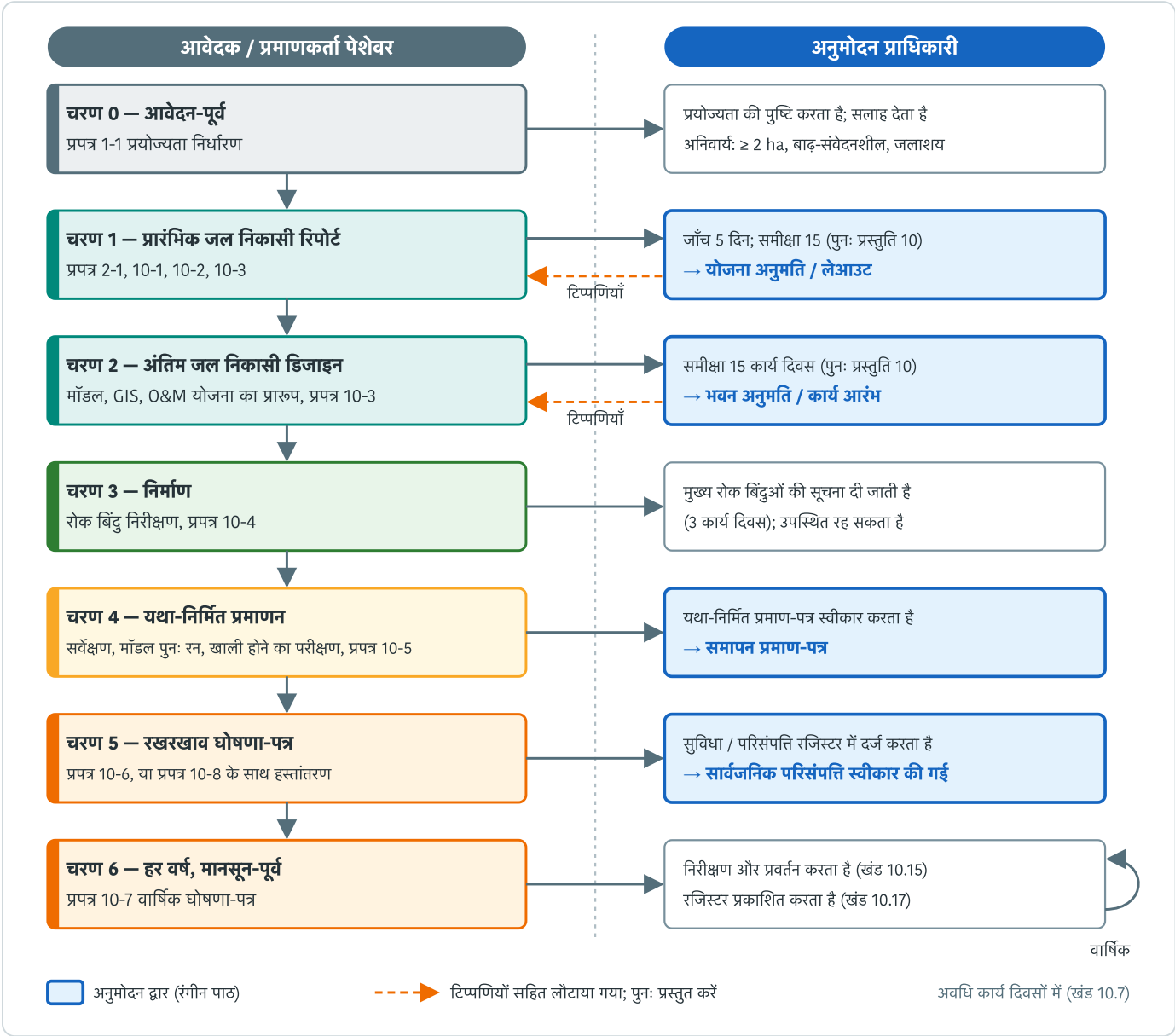

चित्र 10.1 — प्रस्तुति, समीक्षा और अनुमोदन का कार्यप्रवाह (खंड 10.3–10.10)। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग।

> **भाष्य.** ये चरण प्रारंभिक और अंतिम वर्षा जल अध्ययन, निर्माण निरीक्षण और रखरखाव अनुबंधों के APWA 5600 के क्रम (APWA 5600, 2006, §5608 और §5609) का पालन करते हैं, जिसे भवन उपविधि 2016 के उन पदों पर बैठाया गया है जिनका पालन झारखंड का आवेदक पहले से करता है। चरण 4 को समापन प्रमाण-पत्र से जोड़ना MBBL 2016 के RWH मॉडल का अनुसरण है, जिसमें समापन प्रमाण-पत्र से पहले निरीक्षण अपेक्षित है (MBBL 2016, §9.6)। खंड 10.3.2 और 10.3.3 की 2 ha और 1 ha की सीमाओं का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

10.4 अपेक्षित विषय-वस्तु और जाँच-सूचियाँ

10.4.1 **प्रारंभिक जल निकासी रिपोर्ट (चरण 1).** रिपोर्ट में कम से कम निम्नलिखित होंगे:

- (a) प्रपत्र 1-1 और, जहाँ लागू हो, प्रपत्र 1-2 (विचलन / अधित्याग अनुरोध);
- (b) विद्यमान और प्रस्तावित स्तरों, अपारगम्य क्षेत्रों, और साइट की ओर तथा साइट से होकर बहने वाले जलग्रहण क्षेत्रों की सीमाओं के साथ साइट नक्शा;
- (c) मिट्टी (HSG), मौसमी उच्चतम भूजल स्तर, और अंतःस्यंदन परीक्षण के परिणाम या परीक्षण योजना (अध्याय 3);
- (d) खंड 2.13 की अपेक्षा के अनुसार भरा गया **डिजाइन वर्षा पत्रक (प्रपत्र 2-1)**;
- (e) विकास-पूर्व स्थिति और जलवैज्ञानिक विधि (अध्याय 3);
- (f) खंड 1.2 का पदानुक्रम किस प्रकार लागू किया गया है: संरक्षित क्षेत्र, प्रतिधारण विधि, अस्थायी भंडारण की अवधारणा और वहन;
- (g) अनुपालन कैलकुलेटर (खंड 10.5) से प्राप्त प्रारंभिक प्रतिधारण, जल गुणवत्ता और अस्थायी भंडारण आयतन, तथा निकास दरें;
- (h) अनुप्रवाह विश्लेषण का विस्तार और टेलवाटर स्थिति (अध्याय 5);
- (i) जलाशय, सेटबैक और 1% AEP स्तर (अध्याय 6 और 7); और
- (j) सुविधाओं और रखरखाव पहुँच के लिए आरक्षित भूमि (खंड 10.13)।

10.4.2 **अंतिम जल निकासी डिजाइन (चरण 2).** अंतिम डिजाइन में, अद्यतन की गई चरण 1 की विषय-वस्तु के अतिरिक्त, निम्नलिखित होंगे:

- (a) खंड 2.5.2 की प्रत्येक भंडारण अवधि और अध्याय 4 द्वारा अपेक्षित प्रत्येक AEP के लिए अंतिम गणनाएँ, जिनमें अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच भी सम्मिलित है;
- (b) प्रत्येक सुविधा के लिए जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर तालिकाएँ, और आपातकालीन स्पिलवे का डिजाइन (अध्याय 4);
- (c) वहन घटकों, इनलेट और संरचनाओं का हाइड्रोलिक डिजाइन (अध्याय 6 और 9);
- (d) जल गुणवत्ता डिजाइन, और जहाँ अपेक्षित हो वहाँ प्रथम प्रवाह (first flush) युक्ति या स्थूल प्रदूषक जाल (अध्याय 8);
- (e) प्रत्येक सुविधा की निर्माण ड्रॉइंग, विवरण और विनिर्देश;
- (f) निर्माण का क्रम, जिसमें प्रतिधारण और अंतःस्यंदन क्षेत्रों को तलछट और संघनन (compaction) से बचाना सम्मिलित है (खंड 10.8.3);
- (g) रोक-बिंदु अनुसूची (खंड 10.8);
- (h) O&M योजना का प्रारूप (खंड 10.11) और रखरखाव घोषणा-पत्र का प्रारूप (खंड 10.10);
- (i) मॉडल इनपुट फाइलें और खंड 10.4.4 के GIS आँकड़े; और
- (j) खंड 10.6 के प्रमाण-पत्र।

10.4.3 **जाँच-सूची.** प्रत्येक प्रस्तुति में **जल निकासी रिपोर्ट जाँच-सूची (प्रपत्र 10-1)** सम्मिलित होगी, जिसमें खंड 10.4.1–10.4.2 की प्रत्येक मद के लिए वह पृष्ठ या शीट दर्शाई जाएगी जहाँ उस पर विचार किया गया है, या वह कारण जिससे वह लागू नहीं होती। प्राधिकारी पूर्ण रूप से भरे प्रपत्र 10-1 के बिना किसी प्रस्तुति की तकनीकी समीक्षा आरंभ नहीं करेगा।

10.4.4 **डिजिटल प्रस्तुति.**

- (a) रिपोर्ट और ड्रॉइंग खोज-योग्य (searchable) PDF के रूप में प्रस्तुत की जाएँगी।
- (b) जलवैज्ञानिक और हाइड्रोलिक मॉडल उनके मूल, चलाने योग्य फॉर्मेट में (उदाहरण के लिए SWMM .inp, HEC-HMS या HEC-RAS प्रोजेक्ट फाइलें), प्रयुक्त सॉफ्टवेयर के संस्करण के साथ, प्रस्तुत किए जाएँगे।
- (c) सुविधाएँ, आउटफॉल, प्रवाह मार्ग और जलग्रहण क्षेत्रों की सीमाएँ GIS आँकड़ों (GeoPackage या shapefile) के रूप में, WGS 84 (EPSG:4326) में या लागू UTM जोन (पूरे राज्य के लिए 45N, गढ़वा जिला और पलामू का पश्चिमी किनारा भी इसमें सम्मिलित है, जो जोन 44N में पड़ते हैं) में, परिशिष्ट 10B में सूचीबद्ध गुणों (attributes) के साथ प्रस्तुत की जाएँगी।

- (d) स्तर किसी नामित ऊर्ध्वाधर डेटम के सापेक्ष बताए जाएँगे। प्राप्तकर्ता नदियों पर CWC के गेजों के नदी डेटमों से, WRD के डैम, जलाशय और तटबंध स्तरों से और DVC के जलाशय स्तरों से, और किसी खदान के गड्ढे में आउटफॉल के लिए, अध्याय 5 में प्रयुक्त पट्टाधारी के खदान सर्वेक्षण से, इसका संबंध बताया जाएगा।

10.4.5 **प्रस्तुतियों में प्रयुक्त प्रपत्रों का सारांश** (तालिका 10.2):

तालिका 10.2 — प्रस्तुतियों में प्रयुक्त प्रपत्र

प्रपत्र	शीर्षक	चरण
1-1	प्रयोज्यता निर्धारण	0 या 1
1-2	विचलन / अधित्याग अनुरोध	1
2-1	डिजाइन वर्षा पत्रक	1, 2
10-1	जल निकासी रिपोर्ट जाँच-सूची	1, 2
10-2	अनुपालन कैलकुलेटर सारांश	1, 2, 4
10-3	पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र	1, 2
10-4	रोक-बिंदु निरीक्षण अभिलेख	3
10-5	यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र	4
10-6	रखरखाव घोषणा-पत्र	5
10-7	वार्षिक रखरखाव घोषणा और निरीक्षण रिपोर्ट	6
10-8	परिसंपत्ति हस्तांतरण प्रमाण-पत्र	5

भाष्य. चलाने योग्य मॉडल और GIS आँकड़े देने में आवेदक का खर्च बहुत कम है, और इनसे प्राधिकारी कार्य की जाँच कर सकता है और बाद में निजी भंडारण का शहर-व्यापी चित्र बना सकता है। झारखंड में अपनी शहरी ड्रेनों के लिए कोई अधिसूचित डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि या डिजाइन वर्षा घटना नहीं है। शहर-व्यापी एकमात्र डिजाइन आधार जो मिला वह धनबाद की विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित जल निकासी परियोजना का है, जिसकी प्रारूप पर्यावरण रिपोर्ट CPHEEO की पुरानी बाढ़ आवृत्तियों (परिधीय क्षेत्रों में वर्ष में दो बार, केंद्रीय क्षेत्रों में वर्ष में एक बार, वाणिज्यिक क्षेत्रों में 2 वर्ष में एक बार) को उद्धृत करती है, यह दर्ज करती है कि "2 और 5 वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि से उपलब्ध RoW से अधिक भूमि की आवश्यकता हो रही थी" ("Return period of 2& 5 years was resulting in increase in land beyond the available RoW"), और "वर्ष में एक बार की बाढ़ आवृत्ति" ("a flood frequency of once in a year") लेती है (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017); वह कोई तीव्रता, अपवाह गुणांक या संकेंद्रण समय नहीं देती। रांची में हरमू नदी चैनल का आकार 25-वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि के लिए परिमेय विधि (rational method) से तय किया गया, और IIT बॉम्बे की पुनरीक्षित रिपोर्ट ने अपवाह गुणांक को 0.95 से घटाकर क्षेत्र-भारित 0.29 कर दिया, जिससे चेनेज 10,400 m पर उसका 25-वर्ष का प्रवाह 64.11 m^3/s रहा, जबकि JUIDCO के अपने आँकड़ों में यह 177 m^3/s (25-वर्ष), 206 m^3/s (50-वर्ष) और 235 m^3/s (100-वर्ष) था, और जलग्रहण क्षेत्र नदी के 22.59 km^2 में से 8.49 km^2 लिया गया (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। 2006 की रांची सीवरेज और जल निकासी DPR का, 2014 में आरंभ कराई गई धनबाद, जमशेदपुर और मानगो की एकीकृत सीवरेज और वर्षा जल निकासी DPR का, और जमशेदपुर पट्टा क्षेत्र तथा रांची स्मार्ट सिटी की ड्रेनों का डिजाइन आधार नहीं मिला। ये आँकड़े इतिहास हैं, डिजाइन का आधार नहीं। IMD के राष्ट्रीय IDF अध्ययन (Das et al. 2022) में झारखंड का कोई स्टेशन नहीं है, रांची का एकमात्र IDF शोध-पत्र पढ़ा नहीं जा सका, और झारखंड के किसी भी शहर के लिए उपयोग योग्य स्थिरांकों वाला कोई स्टेशन IDF प्रकाशित नहीं हुआ है; अभिलेख पर दर्ज लघु-अवधि की तीव्र वर्षाएँ, रांची के पास मांडर में 1 घंटे में 99 mm और 3 घंटों में 171 mm (6 अगस्त 1971) और जमशेदपुर (A) में 3 घंटों में 184 mm (5 अगस्त 1977), वहाँ CWC के

अनुपातों से मिलने वाले 50-वर्ष के मानों से अधिक हैं (CWC, 1994; इस मैनुअल का पठन)। इसलिए राज्य के उप-दैनिक डिजाइन मान उप-क्षेत्र 1(g), 1(d) और 3(d) की CWC बाढ़ आकलन रिपोर्टों (Flood Estimation Reports) से हैं, अध्याय 2 की अंतरिम न्यूनतम सीमाओं के साथ। इसलिए प्रत्येक प्रस्तुति का पूरा डिजाइन आधार प्रपत्र 2-1 और प्रपत्र 10-2 में ही होता है। प्रपत्र 2-1 और प्रपत्र 10-2 यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक डिजाइन अपने इनपुट स्पष्ट रूप से बताए।

10.5 अनुपालन कैलकुलेटर

10.5.1 राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति एक **अनुपालन कैलकुलेटर** जारी करेगी और उसका अनुरक्षण करेगी: एक संस्करण-नियंत्रित स्प्रेडशीट या वेब टूल, जो किसी दी गई साइट के लिए:

- (a) खंड 1.5 के प्रयोज्यता परीक्षण लागू करता है;
- (b) परिशिष्ट 2E की गहराई से प्रतिधारण आयतन, और जल गुणवत्ता आयतन (अध्याय 8) की गणना करता है;
- (c) संरक्षित क्षेत्रों और प्रतिधारित आयतन के क्रेडिट को अस्थायी भंडारण के विरुद्ध लागू करता है (अध्याय 4);
- (d) डिजाइन सहायिका मार्ग (खंड 1.7, S-1) पर, इकाई-भंडारण तालिकाओं से प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण आयतन देता है;
- (e) विकल्प S-2 पर, प्रत्येक AEP के लिए साइट की अनुमेय प्रवाह दर देता है; और
- (f) **अनुपालन कैलकुलेटर सारांश (प्रपत्र 10-2)** तैयार करता है।

10.5.2 **उपयोग.**

- (a) चरण 1, 2 और 4 की प्रत्येक प्रस्तुति में कैलकुलेटर के वर्तमान संस्करण से तैयार प्रपत्र 10-2 सम्मिलित होगा।
- (b) डिजाइन सहायिका मार्ग पर, कैलकुलेटर ही एकमात्र भंडारण गणना हो सकता है।
- (c) डिजाइन सहायिका मार्ग के बाहर, कैलकुलेटर एक सारांश और प्रारंभिक छँटाई जाँच (screening check) है। यह अध्याय 3 के हाइड्रोग्राफ विश्लेषण का स्थान नहीं लेता। जहाँ मॉडल का परिणाम कैलकुलेटर की छँटाई जाँच से, कैलकुलेटर मार्गदर्शिका में बताई गई सहनसीमा से अधिक भिन्न हो, वहाँ रिपोर्ट उसका कारण स्पष्ट करेगी।

10.5.3 **संस्करण नियंत्रण.** कैलकुलेटर अपने प्रत्येक आउटपुट में अपना संस्करण अभिलिखित करेगा। खंड 2.14.2 के अनुरूप, नया संस्करण जारी होने के 6 महीने बाद से नई प्रस्तुतियों पर लागू होता है। कोई प्रस्तुति चरण 1 से 4 तक एक ही संस्करण का उपयोग करेगी, जब तक कि आवेदक बाद के किसी संस्करण को न चुने।

10.5.4 **खुलापन.** कैलकुलेटर, उसकी उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका और उसमें दी गई प्रत्येक तालिका का स्रोत निःशुल्क प्रकाशित किया जाएगा।

भाष्य. मिड-अमेरिका रीजनल काउंसिल (Mid-America Regional Council) ने APWA 5600 संस्करण 2025.01 के साथ एक अनुपालन कैलकुलेटर (Compliance Calculator, .xlsm) और कैलकुलेटर आरंभ मार्गदर्शिका (Calculator Start-Up Guide) जारी की, साथ ही साइट गतिविधि योजना का एक टेम्पलेट और नीति अनुपूरक (Policy Supplement) भी (MARC का वर्षा जल प्रबंधन वेब पेज, 2025)। कैलकुलेटर क्रेडिट वाले स्तरित मानक को संख्याओं के एक सुसंगत समूह में बदल देता है, जिसकी समीक्षक शीघ्र जाँच कर सकता है। सिंगापुर बहुत सरल नियम से ऐसा ही प्रभाव प्राप्त करता है: 4 h तक की 10-वर्ष की वर्षा घटनाओं के लिए 0.55 का एक ही अनुमेय C मान, जिसे सूत्र द्वारा लागू किया जाता है (PUB Code of Practice, cl. 7.1.5)। झारखंड का कैलकुलेटर विशेष रूप से टियर B प्राधिकारियों के काम आता है, जहाँ वही पूरी गणना हो सकता है।

10.6 पेशेवर प्रमाणन

10.6.1 **हस्ताक्षर कौन कर सकता है.** जल निकासी रिपोर्ट और डिजाइन जलविज्ञान और हाइड्रोलिक्स में सक्षम पंजीकृत पेशेवर (खंड 1.4) द्वारा तैयार और हस्ताक्षरित किए जाएँगे। निम्नलिखित में से किसी के लिए, हस्ताक्षरकर्ता ऐसा सिविल अभियंता होगा जो प्राधिकारी या UD&HD द्वारा **वर्षा जल डिजाइन पेशेवर (Stormwater Design Professional) के रूप में सूचीबद्ध** हो:

- (a) 1 ha या अधिक की टियर A साइटें;
- (b) बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में स्थित कोई भी साइट;
- (c) तटबंध वाली कोई भी सुविधा, या 0.2% AEP के लिए जाँचा गया उच्च-जोखिम बेसिन (अध्याय 4); और
- (d) पंप द्वारा संचालित कोई भी सुविधा, ज्वार-रोधी गेट या क्षेत्रीय सुविधा।

10.6.2 **सूचीबद्धता के मानदंड** UD&HD द्वारा जारी किए जाएँगे और उनमें सिविल अभियांत्रिकी की डिग्री, जल निकासी डिजाइन का प्रासंगिक अनुभव, और इस मैनुअल पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा करना सम्मिलित होगा।

10.6.3 **प्रमाण-पत्र.** हस्ताक्षरकर्ता **पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-3)** भरेगा, जिसमें वह प्रमाणित करेगा कि:

- (a) डिजाइन इस मैनुअल का अनुपालन करता है, सिवाय उन विचलनों के जो सूचीबद्ध और अनुमोदित हैं;
- (b) वर्षा, मिट्टी और टेलवाटर के इनपुट वही हैं जो प्रपत्र 2-1 और 10-2 में अभिलिखित हैं; और
- (c) प्रस्तुत मॉडल वही परिणाम देते हैं जो रिपोर्ट किए गए हैं।

10.6.4 **स्वतंत्र जाँच.** खंड 10.6.1(c) और (d) के अंतर्गत आने वाली सुविधाओं की जाँच ऐसे दूसरे सूचीबद्ध पेशेवर द्वारा की जाएगी जो डिजाइनकर्ता से स्वतंत्र हो। वह पेशेवर प्रपत्र 10-3 पर जाँचकर्ता के रूप में हस्ताक्षर करेगा।

10.6.5 **मिथ्या प्रमाणन.** मिथ्या या लापरवाही से दिया गया प्रमाण-पत्र खंड 10.15 के अंतर्गत अपराध है।

> **भाष्य.** सिंगापुर की अपेक्षा है कि चरम प्रवाह नियंत्रण के लिए प्रयुक्त उसकी ABC Waters डिजाइन विशेषताओं का समर्थन ऐसा ABC Waters Professional करे जो Professional Engineer (Civil) भी हो (PUB Detention Tank Guide, 2024)। भारत में सिंगापुर के समान पेशेवर अभियंताओं का कोई सांविधिक रजिस्टर नहीं है, इसलिए यह खंड भवन उपविधि 2016 के अंतर्गत पंजीकरण का उपयोग करता है और अधिक जोखिम वाले मामलों के लिए सूचीबद्धता जोड़ता है। 1 ha की सीमा इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

10.7 समीक्षा प्रक्रिया और समय-सीमाएँ

10.7.1 **पूर्णता जाँच.** प्राधिकारी प्रत्येक प्रस्तुति की प्रपत्र 10-1 के आधार पर **5 कार्य दिवसों** के भीतर जाँच करेगा और या तो उसे समीक्षा के लिए स्वीकार करेगा या छूटी हुई मदों की सूची के साथ लौटा देगा।

10.7.2 **तकनीकी समीक्षा.** प्राधिकारी तकनीकी समीक्षा पूरी करेगा और अनुमोदन, सशर्त अनुमोदन या टिप्पणियों की एक ही समेकित सूची निम्नलिखित अवधि के भीतर जारी करेगा:

- (a) पहली प्रस्तुति के लिए, स्वीकार किए जाने के **15 कार्य दिवसों** के भीतर; और
- (b) पुनः प्रस्तुति के लिए, स्वीकार किए जाने के **10 कार्य दिवसों** के भीतर।

10.7.3 **कोई नई टिप्पणी नहीं.** पुनः प्रस्तुति पर, प्राधिकारी उन विषयों पर नई टिप्पणियाँ नहीं करेगा जो अपरिवर्तित थे और जिन पर पिछली समीक्षा में टिप्पणी नहीं की गई थी, जब तक कि वह विषय सुरक्षा को प्रभावित न करता हो।

10.7.4 **समीक्षा क्षमता.** टियर B प्राधिकारी, या अतिरिक्त कार्यभार की स्थिति में टियर A प्राधिकारी, UD&HD की सूची से किसी सूचीबद्ध समीक्षक की सेवा ले सकता है। सूचीबद्ध समीक्षक ने उसी साइट पर कार्य न किया हो। निर्णय लेने वाला प्राधिकारी ही रहता है।

10.7.5 **समवर्ती अनापत्तियाँ.** जहाँ WRD की नदियों, डैमों, जलाशयों, नहरों या तटबंधों में से किसी पर कार्य के लिए या उसमें जल छोड़ने के लिए, जिनमें कांके, धुर्वा (हटिया), गेतलसूद और चांडिल जलाशय भी हैं, WRD की अनुमति, DVC के किसी जलाशय में जल छोड़ने के लिए या उसके भीतर किसी कार्य के लिए DVC की सम्मति, किसी नगरपालिका ड्रेन से जुड़ने या उस पर निर्माण करने के लिए नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी की अनुमति (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 226 और 235), किसी खदान के गड्ढे या खदान झील में जल छोड़ने के लिए या किसी खनन पट्टे को पार करने वाली ड्रेन के लिए पट्टाधारी और DGMS की वह सम्मति जो यह मैनुअल अपेक्षित करता है, किसी अधिसूचित आर्द्रभूमि में किसी विनियमित गतिविधि के लिए झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण का अनुमोदन, प्राप्तकर्ता ड्रेन के स्वामी या संचालक निकाय की सम्मति जहाँ वह निकाय प्राधिकारी नहीं है (उदाहरण के लिए, अभी तक हस्तांतरित न की गई परियोजना ड्रेन के लिए JUIDCO, या जमशेदपुर पट्टा क्षेत्र में Tata Steel UISL), या किसी अन्य एजेंसी की सहमति अपेक्षित हो (अध्याय 7), वहाँ प्राधिकारी प्रस्तुति को उसी दिन अग्रेषित करेगा जिस दिन वह समीक्षा के लिए स्वीकार की जाती है, और समीक्षा की अवधियाँ साथ-साथ चलेंगी।

10.7.6 **अनुमति की समय-सीमाओं से तालमेल.** खंड 10.7.1–10.7.2 की अवधियाँ सरकार द्वारा योजना अनुमति और भवन अनुमति के लिए निर्धारित समग्र समय-सीमाओं के भीतर चलती हैं और उन्हें नहीं बढ़ातीं।

10.7.7 **कारण.** अस्वीकार करने के प्रत्येक निर्णय में और प्रत्येक शर्त में इस मैनुअल के उस खंड का उल्लेख किया जाएगा जिस पर वह आधारित है।

> **भाष्य.** समीक्षा की अवधियों का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। टिप्पणियों की एक ही समेकित सूची और "कोई नई टिप्पणी नहीं" का नियम अभियांत्रिकी समीक्षा की सामान्य अच्छी पद्धति के अनुरूप हैं।

10.8 निर्माण निरीक्षण

10.8.1 **रोक बिंदु.** अनुमोदित रोक-बिंदु अनुसूची (प्रपत्र 10-4) में कम से कम निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

- (a) प्रत्येक प्रतिधारण, अंतःस्यंदन और अस्थायी भंडारण सुविधा का खोदा गया तल, कोई माध्यम, लाइनर या संरचना रखे जाने से पहले;
- (b) आउटलेट संरचना, ऑरिफिस और कचरा-रोधी जाली, पीछे भराई (backfill) से पहले या सुविधा को पहली बार भरने देने से पहले;
- (c) खंड 10.9.3 के अंतःस्यंदन परीक्षण;
- (d) आउटफॉल, फ्लैप गेट या ज्वार-रोधी गेट और नॉन-रिटर्न वाल्व, अनुप्रवाह कनेक्शन किए जाने से पहले; और
- (e) पंप और नियंत्रण, चालू करते (commissioning) समय।

10.8.2 प्रत्येक रोक बिंदु का निरीक्षण प्रमाणकर्ता पेशेवर द्वारा किया जाएगा और उसे दिनांकित, जियोटैग किए गए फोटो के साथ प्रपत्र 10-4 पर अभिलिखित किया जाएगा। खंड 10.6.1 के अंतर्गत आने वाली साइटों के लिए, रोक बिंदु (a) और (b) की सूचना प्राधिकारी को कम से कम 3 कार्य दिवस पहले दी जाएगी, और प्राधिकारी उपस्थित हो सकता है।

10.8.3 **निर्माण के दौरान सुरक्षा.**

- (a) प्रतिधारण और अंतःस्यंदन क्षेत्रों को निर्माण यातायात और सामग्री के ढेरों से बाड़ लगाकर अलग रखा जाएगा।
- (b) अंतःस्यंदन सुविधाओं को तब तक उपयोग में नहीं लाया जाएगा जब तक उनकी ओर बहने वाला क्षेत्र स्थिर न कर दिया जाए।
- (c) अस्थायी तलछट नियंत्रण के लिए प्रयुक्त किसी भी सुविधा से यथा-निर्मित सर्वेक्षण से पहले तलछट हटाया जाएगा।

चित्र 10.2 — अनुमोदन से यथा-निर्मित प्रमाणन और हस्तांतरण तक निर्माण के रोक बिंदु, प्रत्येक पद पर प्रयुक्त प्रपत्र सहित (खंड 10.8–10.10 और 10.14)। रोक बिंदुओं पर वही अक्षर हैं जो खंड 10.8.1 में हैं। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, APWA Section 5600 (2006), §5608 के निर्माण-निरीक्षण और रखरखाव-अनुबंध क्रम से रूपांतरित।

> **भाष्य.** अंतःस्यंदन सुविधाएँ प्रायः निर्माण के दौरान ही विफल होती हैं, जब वे चालू होने से पहले ही संघनित हो जाती हैं या गाद से भर जाती हैं। रोक बिंदु (a) और (c) इसी विफलता को लक्ष्य करते हैं। 3 दिन की सूचना इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

10.9 यथा-निर्मित प्रमाणन

10.9.1 समापन प्रमाण-पत्र जारी होने से पहले, प्रमाणकर्ता पेशेवर **यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-5)** निम्नलिखित के साथ प्रस्तुत करेगा:

- (a) लाइसेंसधारी सर्वेक्षक द्वारा किया गया यथा-निर्मित सर्वेक्षण, जिसमें प्रत्येक सुविधा के स्तर, भंडारण आयतन, आउटलेट के आयाम और इनवर्ट, तथा आउटफॉल हों;
- (b) यथा-निर्मित मानों के साथ अनुपालन कैलकुलेटर को, और जहाँ मॉडल का उपयोग किया गया था वहाँ मॉडल को, फिर से चलाने के परिणाम;

- (c) पूर्ण रोक-बिंदु अभिलेख (प्रपत्र 10-4); और
- (d) अंतिम O&M योजना और निष्पादित रखरखाव घोषणा-पत्र या हस्तांतरण दस्तावेज (खंड 10.10 और 10.14)।

10.9.2 **स्वीकार्यता.** यथा-निर्मित सुविधा तब स्वीकार की जाती है जब:

- (a) प्रत्येक डिजाइन स्तर पर यथा-निर्मित भंडारण आयतन अध्याय 4 द्वारा अपेक्षित आयतन से कम न हो;
- (b) आउटलेट के आयाम और इनवर्ट अनुमोदित डिजाइन से मेल खाते हों; और
- (c) फिर से चलाने पर अध्याय 4 और 5 के प्रत्येक मानदंड का अनुपालन दिखे।

किसी भी विचलन को ठीक किया जाएगा, या खंड 10.3.5 के अंतर्गत अनुपालक के रूप में पुनः प्रमाणित किया जाएगा।

10.9.3 **सत्यापन परीक्षण.** अंतःस्यंदन पर निर्भर प्रत्येक प्रतिधारण सुविधा का निर्माण के बाद परीक्षण किया जाएगा, यह दिखाने के लिए कि वह अध्याय 4 की अपेक्षा के अनुसार **72 घंटों** के भीतर खाली हो जाती है। पंप द्वारा संचालित सुविधाओं का परीक्षण उनके डिजाइन ड्यूटी बिंदु (duty point) पर किया जाएगा। ज्वार-रोधी गेटों और नॉन-रिटर्न वाल्वों का खुलना और सील होना दिखाया जाएगा।

10.9.4 प्राधिकारी तब तक समापन प्रमाण-पत्र जारी नहीं करेगा जब तक प्रपत्र 10-5 स्वीकार न कर लिया जाए।

> **भाष्य.** 72 घंटे में प्रतिधारण का खाली होना अध्याय 4 का मानदंड है। यह मैनुअल अपेक्षा करता है कि इसका परीक्षण केवल निर्माण-पूर्व परीक्षणों पर निर्भर रहने के बजाय निर्माण के बाद किया जाए, क्योंकि निर्माण के दौरान होने वाला संघनन अंतःस्यंदन दरों को डिजाइन मानों से बहुत नीचे ला सकता है।

10.10 रखरखाव घोषणा-पत्र और प्रसंविदाएँ

10.10.1 **घोषणा-पत्र.** प्रत्येक निजी वर्षा जल सुविधा का स्वामी समापन प्रमाण-पत्र जारी होने से पहले **रखरखाव घोषणा-पत्र (प्रपत्र 10-6)** निष्पादित करेगा। घोषणा-पत्र:

- (a) प्रत्येक सुविधा, उसके स्थान और अनुमोदित O&M योजना की पहचान करेगा;
- (b) स्वामी और हक-उत्तराधिकारियों को O&M योजना के अनुसार सुविधा का प्रचालन, निरीक्षण और रखरखाव करने के लिए बाध्य करेगा;
- (c) प्राधिकारी को निरीक्षण के लिए, और खंड 10.15 के अंतर्गत चूक की दशा में कार्य (works in default) कराने के लिए, प्रवेश का अधिकार देगा;
- (d) प्राधिकारी के अनुमोदन के बिना सुविधा को हटाने, भरने, ढकने, छोटा करने या उसके उपयोग में परिवर्तन को प्रतिषिद्ध करेगा; और
- (e) इस प्रकार पंजीकृत किया जाएगा कि वह भूमि के साथ चलता रहे और क्रेताओं को प्रकट किया जाए।

10.10.2 **अनेक स्वामियों वाले विकास.** अपार्टमेंट, लेआउट और गेटेड सोसाइटियों के लिए, घोषणा-पत्र में उस संघ या निकाय का नाम होगा जो विकासकर्ता द्वारा हस्तांतरण के बाद उत्तरदायी होगा। जब तक वह निकाय विधिवत गठित न हो जाए और घोषणा-पत्र को लिखित रूप में स्वीकार न कर ले, तब तक विकासकर्ता उत्तरदायी रहता है।

10.10.3 **वार्षिक घोषणा.** टियर A क्षेत्र में स्थित किसी सुविधा का, और कहीं भी स्थित पंप द्वारा संचालित किसी सुविधा, ज्वार-रोधी गेट या क्षेत्रीय सुविधा का प्रत्येक स्वामी प्रति वर्ष **31 मई** तक **वार्षिक रखरखाव घोषणा और निरीक्षण रिपोर्ट (प्रपत्र 10-7)** प्रस्तुत करेगा। रिपोर्ट पर स्वामी के, और खंड 10.6.1(c) और (d) के अंतर्गत आने वाली सुविधाओं के लिए किसी सूचीबद्ध पेशेवर के भी, हस्ताक्षर होंगे। इसमें यह बताया जाएगा कि खंड 10.12 का मानसून-पूर्व निरीक्षण कर लिया गया है और कोई भी दोष ठीक कर दिए गए हैं।

10.10.4 **अंतरण.** विक्रय या अंतरण पर, विक्रेता घोषणा-पत्र और नवीनतम प्रपत्र 10-7 प्रकट करेगा। क्रेता अंतरण की तारीख से दायित्व ग्रहण करता है।

भाष्य. सिंगापुर की अपेक्षा है कि पंप द्वारा संचालित अस्थायी भंडारण प्रणालियों के स्वामी PUB के पास वार्षिक घोषणाएँ और दस्तावेज फाइल करें (PUB Detention Tank Guide, Code of Practice §13.2 का उल्लेख करते हुए)। Code of Practice के परिशिष्ट संख्या 3 (Addendum No. 3, 16 अप्रैल 2025) ने Sewerage and Drainage Act में संशोधनों के बाद बाढ़ अवरोधों और पंप द्वारा संचालित अस्थायी भंडारण टैंकों के लिए वार्षिक रखरखाव घोषणाएँ आरंभ कीं। APWA 5600 (2006, §5608) में अस्थायी भंडारण सुविधाओं के लिए सुखाधिकार और रखरखाव के प्रावधान अपेक्षित थे। झारखंड में पंजीकृत घोषणा-पत्र इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पोडियम के नीचे और बेसमेंटों में बने अस्थायी भंडारण टैंकों को भवन में अधिभोग के बाद पार्किंग या भंडारण में बदलना आसान होता है। 31 मई की तारीख इस मैनुअल द्वारा इसलिए निर्धारित की गई है कि वह दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून–सितंबर) से पहले पड़े, जब झारखंड की अधिकांश चरम वर्षा होती है।

10.11 O&M योजनाएँ

10.11.1 प्रत्येक वर्षा जल सुविधा की एक O&M योजना होगी, जिसका चरण 2 पर अनुमोदन किया जाएगा और चरण 4 पर उसे अंतिम रूप दिया जाएगा। योजना में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

- (a) प्रत्येक सुविधा की सूची और नक्शा, डिजाइन स्तरों, आयतनों और आउटलेट विवरण के साथ;
- (b) नियमित कार्य और उनकी आवृत्ति: निरीक्षण, मलबा और तलछट हटाना, वनस्पति की देखभाल, जाली की सफाई;
- (c) तलछट हटाने का प्रारंभक मान (trigger), जो गहराई के रूप में या डिजाइन आयतन के प्रतिशत के रूप में बताया गया हो;
- (d) प्रपत्र 10-7 से मेल खाती निरीक्षण जाँच-सूचियाँ;
- (e) पंप द्वारा संचालित प्रणालियों, गेटों और वाल्वों के लिए: प्रचालन नियम, परीक्षण अनुसूची, स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति, और चक्रवात या भारी वर्षा की चेतावनी पर की जाने वाली कार्रवाई;
- (f) रुके हुए पानी और मच्छरों के प्रजनन को रोकने की कार्रवाई, जो अध्याय 4 के खाली होने के समय के अनुरूप हो;
- (g) सीमित स्थानों, गहरे पानी और सार्वजनिक पहुँच के लिए सुरक्षा उपाय;
- (h) पहुँच मार्ग और आवश्यक उपकरण (खंड 10.13);
- (i) वार्षिक लागत का प्राक्कलन और उसका भुगतान कौन करेगा; और
- (j) रखे जाने वाले अभिलेख, और कितने समय तक।

10.11.2 **सार्वजनिक सुविधाएँ.** किसी ULB या विभाग के स्वामित्व वाली सुविधाओं के लिए, O&M योजना परिसंपत्ति रजिस्टर (खंड 10.14.3) में सम्मिलित की जाएगी और वार्षिक रखरखाव बजट से वित्तपोषित की जाएगी।

भाष्य. झारखंड में मानसून-पूर्व गाद निकालने की तिथि निर्धारित करने वाला कोई राज्य आदेश नहीं है: UD&HD या JSDMA का तिथि वाला कोई आदेश नहीं मिला, और खबर है कि RMC जून के आरंभ में ड्रेनों की सफाई की अपनी अंतिम तिथि स्वयं निर्धारित करता है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। JSDMA की कोई शहरी बाढ़ योजना या राज्य आपदा प्रबंधन योजना नहीं मिली; जून 2025 की रांची की आकस्मिक बाढ़ों (flash floods) के बाद अधिकारियों द्वारा उसे अद्यतन करने की आवश्यकता पर बल दिए जाने की खबर है (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। ड्रेनें कई हाथों से चलती हैं: नगरपालिका ड्रेनों के लिए RMC और अन्य नगर निगम (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 221); अपनी परियोजना के कार्यों के लिए उनके हस्तांतरण तक JUIDCO, जबकि हरमू के कार्य नवंबर 2022 में भी उसके प्रचालन और रखरखाव चरण में थे (CAG); जमशेदपुर पट्टा क्षेत्र में Tata Steel UISL, जो मानसून-पूर्व गाद निकालने का कार्य करती है, किंतु जिसके द्वारा मानगो नगर निगम की ड्रेनों की सफाई से इनकार किए जाने की खबर है (प्रकाशित खबरों के अनुसार); और अपने पट्टों पर कोयला कंपनियाँ, जिनकी स्वीकृति की शर्तों में ड्रेनों की "विशेष रूप से मानसून के बाद नियमित रूप से गाद-सफाई" ("regularly desilted particularly after monsoon") अपेक्षित है (MoEFCC की मानक शर्त)। नदियाँ डैमों के प्रचालन से चलाई जाती हैं: मैथन और पंचेत से पानी छोड़ने की सलाह दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति देती है, जिसमें झारखंड, पश्चिम बंगाल, CWC और DVC सम्मिलित हैं,

जबकि कोनार और तिलैया से पानी छोड़ने के आदेश DVC जारी करता है, और राज्य का डैम तेनुघाट इस समिति के दायरे से बाहर है (जल संसाधन मंत्रालय का कार्यवृत्त, 2018; प्रकाशित खबरों के अनुसार); 17 सितंबर 2024 को 04:30 पर इस चेतावनी के बाद कि मैथन और पंचेत से छोड़ा जाने वाला पानी 1.5 लाख क्यूसेक से अधिक हो सकता है, 05:25 पर लाल बाढ़ चेतावनी जारी हुई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। स्वर्णरेखा पर चांडिल से, और खरकई पर ओडिशा के डैमों से छोड़ा गया पानी, बिना किसी ऐसे प्रकाशित नियम के जमशेदपुर पहुँचता है जो उसे शहर की ड्रेनों से जोड़ता हो, और अगस्त 2016 में चांडिल से छोड़े गए पानी के बारे में यह तर्क दिया गया कि उससे बचा जा सकता था (SANDRP, 2016)। झारखंड के किसी भी नगर के किसी स्लूइस, फ्लैप गेट या पंपिंग स्टेशन का ऐसा कोई प्रचालन नियम, जो उसे नदी के जल स्तर, किसी डैम से छोड़े गए पानी या वर्षा चेतावनी से जोड़ता हो, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं मिला। इस मैनुअल के प्रत्येक गेट और पंप के लिए एक लिखित नियम आवश्यक है कि चेतावनी जारी होने पर क्या किया जाएगा।

10.12 निरीक्षण की आवृत्तियाँ

10.12.1 **स्वामी द्वारा निरीक्षण.** स्वामी सुविधाओं का निरीक्षण कम से कम तालिका 10.3 के अनुसार करेंगे:

तालिका 10.3 — स्वामी द्वारा निरीक्षण की न्यूनतम आवृत्तियाँ

सुविधा का प्रकार	नियमित	मानसून-पूर्व (31 मई तक)	भारी वर्षा की घटना के बाद
प्रतिधारण / अंतःस्यंदन (सोख गड्ढे, खाइयाँ, बायोरिटेंशन, पारगम्य पेवमेंट)	प्रत्येक 6 महीने	हाँ	हाँ
सतही अस्थायी भंडारण बेसिन या बहु-उपयोगी खुला स्थान	प्रत्येक 6 महीने	हाँ	हाँ
भूमिगत या पोडियम अस्थायी भंडारण टैंक, गुरुत्व आउटलेट	प्रत्येक 6 महीने	हाँ	हाँ
पंप द्वारा संचालित अस्थायी भंडारण, पंप और नियंत्रण	मासिक परीक्षण रन	हाँ, पूर्ण ड्यूटी परीक्षण के साथ	हाँ
फ्लैप / ज्वार-रोधी गेट, नॉन-रिटर्न वाल्व	प्रत्येक 3 महीने	हाँ, सील परीक्षण के साथ	हाँ
स्थूल प्रदूषक जाल / प्रथम प्रवाह युक्ति	प्रत्येक 3 महीने	हाँ	हाँ
निजी ड्रेन और इनलेट	प्रत्येक 6 महीने	हाँ	—

इस खंड के प्रयोजन के लिए भारी वर्षा की घटना वह दिन है जिस दिन निकटतम अनुमोदित वर्षामापी IMD की "भारी वर्षा" (heavy rainfall) श्रेणी के बराबर या उससे अधिक वर्षा अभिलिखित करे, या वह दिन जिसके लिए जिले हेतु रेड अलर्ट जारी किया गया हो। झारखंड में, स्लूइसों, फ्लैप गेटों, नॉन-रिटर्न वाल्वों और पंप द्वारा संचालित सुविधाओं का, जलाशयों और तालाबों में गिरने वाले आउटफॉलों पर और उन आउटफॉलों पर स्थित स्लूइसों और गेटों सहित जिन्हें स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर या गंगा बंद कर सकती हैं, मानसून-पूर्व निरीक्षण, पंप ड्यूटी और गेट सील परीक्षणों सहित, **31 मई** तक पूरा किया जाएगा; इन सुविधाओं को, उनके स्टैंडबाय जनरेटरों सहित, 12–17 जून के सामान्य आगमन से पहले, **10 जून** तक तैयार प्रमाणित किया जाएगा, और किसी नदी या जलाशय में गिरने वाले आउटफॉल पर स्थित प्रत्येक गेट को पूरा खोलकर और पूरा बंद करके चलाया जाएगा। इसके बाद पंप, उनकी स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति और गेट, मासिक परीक्षण रन के साथ, 8–12 अक्तूबर की सामान्य वापसी के बाद **20 अक्तूबर** तक मानसून स्टैंडबाय पर रखे जाएँगे, और प्रतिप्रवाह में किसी डैम द्वारा विनियमित नदी में गिरने वाले आउटफॉल पर, यदि वह बाद में हो तो, तब तक जब तक नियंत्रक गेज (governing gauge) पर नदी अपने खतरे के स्तर से नीचे न आ जाए और डैम से पानी छोड़ना बंद न हो जाए।

10.12.2 **प्राधिकारी द्वारा निरीक्षण.** प्राधिकारी निम्नलिखित का निरीक्षण करेगा:

- (a) 1,000 m² या अधिक की साइट पर स्थित, या खंड 10.6.1(c) या (d) के अंतर्गत आने वाली प्रत्येक सुविधा, कम से कम प्रत्येक 2 वर्ष में एक बार, और बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में प्रति वर्ष; और
- (b) अन्य सुविधाओं में से कम से कम 10% का यादृच्छिक नमूना, प्रति वर्ष।

10.12.3 प्राधिकारी द्वारा किए गए निरीक्षणों के परिणाम सुविधा रजिस्टर (खंड 10.17) में दर्ज किए जाएँगे।

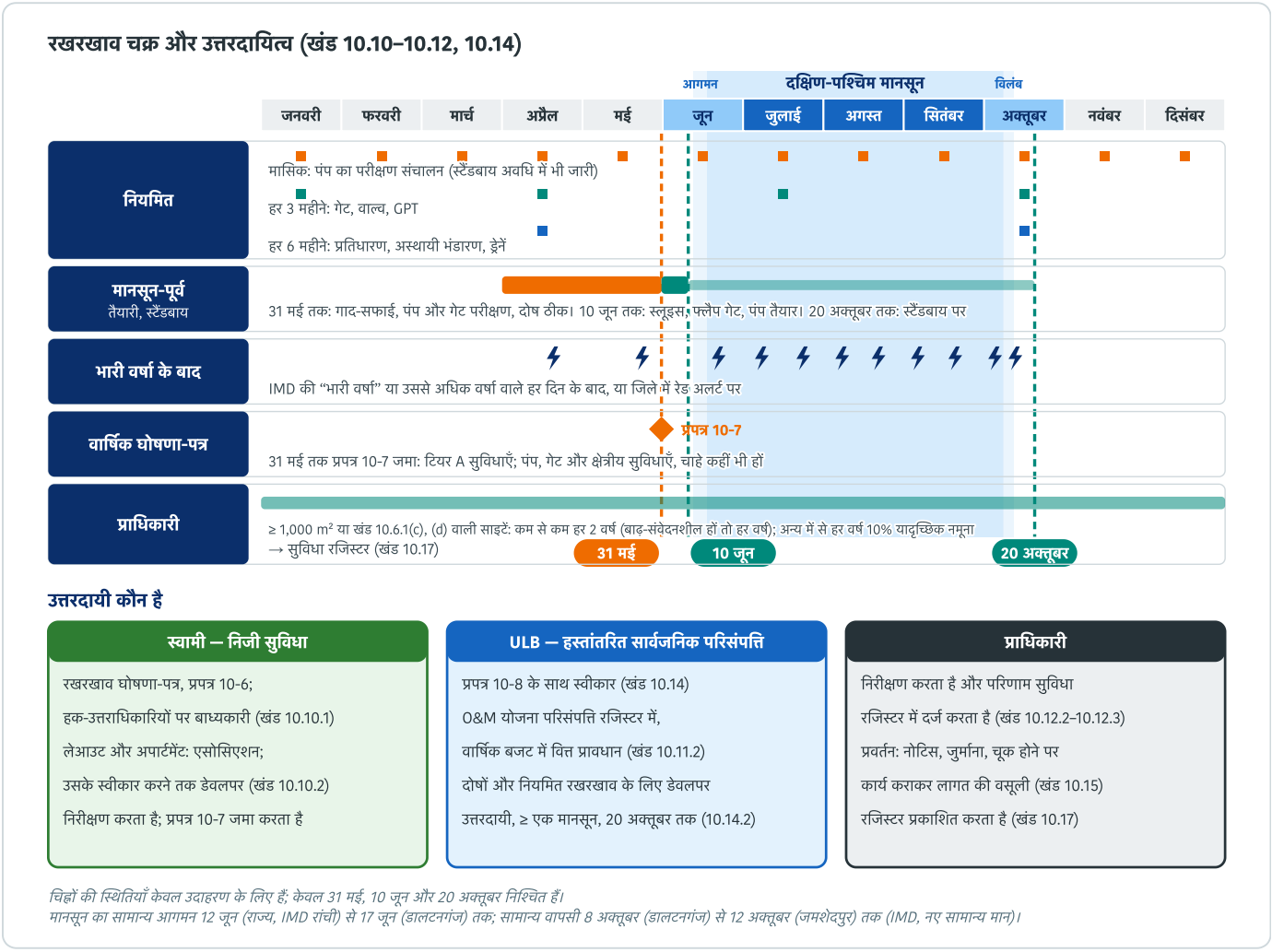

चित्र 10.3 — वार्षिक रखरखाव चक्र और उत्तरदायी कौन है: नियमित, मानसून-पूर्व (31 मई तक) और घटना-पश्चात निरीक्षण, वार्षिक घोषणा (प्रपत्र 10-7) और प्राधिकारी द्वारा निरीक्षण (खंड 10.10–10.12 और 10.14)। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग। समय दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून–सितंबर) के अनुसार है; वर्ष के भीतर चिह्नों की स्थिति केवल उदाहरण के लिए है।

भाष्य. खंड 10.12.2 का विभाजन RWH के लिए MBBL 2016 की निरीक्षण व्यवस्था का अनुसरण करता है, जिसमें 1,000 m² से बड़े भवनों की 100% निगरानी और उससे छोटे भवनों की 10% यादृच्छिक जाँच अपेक्षित है (MBBL 2016, §9.6)। तालिका 10.3 के निरीक्षण अंतराल इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। 31 मई की अंतिम तिथि इस मैनुअल द्वारा मध्य जून में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन को ध्यान में रखकर निर्धारित की गई है: IMD राज्य के लिए मानसून के आगमन की सामान्य तिथि 12 जून देता है, और उसके नए सामान्य मान जमशेदपुर और बोकारो में 13 जून, रांची में 14 जून और डालटनगंज में 17 जून हैं (IMD, 1961–2019 के सामान्य मान); मानसून 2023 में 19 जून को, 2025 में 17 जून को और 2026 में 12 जून को आया (IMD रांची)। बड़ी वर्षा आगमन के समय और उससे पहले होती है: 18 जून 2008 को जमशेदपुर (A) में 338.1 mm और 29 जून 1994 को रांची (A) में 224.3 mm (IMD), और चक्रवात यास में 27 मई 2021 की सुबह तक के 24 घंटों में चाईबासा में 21 cm और रांची में 15 cm (IMD)। गाद निकालने की कोई राज्य-स्तरीय अंतिम तिथि नहीं मिली, और RMC की अंतिम तिथि जून के आरंभ में बताई जाती है (प्रकाशित खबरों के अनुसार); यह मैनुअल गाद निकालने, मानसून-पूर्व निरीक्षण और वार्षिक घोषणा के लिए 31 मई लेता है। NDMA (2010) राष्ट्रीय स्तर पर मानसून-पूर्व गाद निकालने के लिए 31 मार्च निर्धारित करता है; यह मैनुअल 31 मई तक की अनुमति देता है ताकि शुष्क मौसम का कार्य पूरा हो सके। इसके अतिरिक्त, स्लूइसों, फ्लैप गेटों, पंपों और उनके स्टैंडबाय जनरेटरों को सबसे पहली सामान्य आगमन तिथि से पहले, 10 जून तक तैयार प्रमाणित किया जाना होगा। मानसून की वापसी की सामान्य तिथि डालटनगंज में 8 अक्तूबर से लेकर जमशेदपुर में 12 अक्तूबर तक है (IMD, 1971–2019 के सामान्य मान), और अक्तूबर की वर्षा

> घटनाएँ अभिलेख पर हैं, 7 अक्तूबर 2004 को चाईबासा में 241.0 mm, 12 अक्तूबर 1973 को रांची (A) में 175.8 mm और 2 अक्तूबर 1961 को तिलैया में 190.6 mm (IMD), और इसी प्रकार अक्तूबर और नवंबर में बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों के अवशेष भी; इसलिए पंपों और गेटों को 20 अक्तूबर तक स्टैंडबाय पर रखा जाता है (चित्र 10.3), और डैम द्वारा विनियमित नदी में गिरने वाले आउटफॉल पर, यदि वह बाद में हो तो, तब तक जब तक नदी अपने खतरे के स्तर से नीचे न आ जाए और पानी छोड़ना बंद न हो जाए। तालिका 10.3 के घटना-पश्चात निरीक्षण वर्ष के किसी भी समय की वर्षा घटनाओं को सम्मिलित करते हैं।

10.13 रखरखाव के लिए पहुँच

10.13.1 प्रत्येक सुविधा तक निरीक्षण और रखरखाव के लिए स्थायी पहुँच होगी, जो अनुमोदित ड्रॉइंग पर दर्शाई गई हो और रखरखाव घोषणा-पत्र द्वारा या, सार्वजनिक सुविधाओं के लिए, सुखाधिकार या भूमि अंतरण द्वारा सुरक्षित हो।

10.13.2 **सतही सुविधाएँ.** बेसिनों, तालाबों और खुले चैनलों में इनलेट, आउटलेट और तल तक वाहन पहुँच मार्ग, और कम से कम एक ओर रखरखाव पट्टी होगी। बेसिनों में उतरने वाले रैंप तलछट हटाने के लिए आवश्यक मशीनरी के उपयुक्त होंगे।

10.13.3 **भूमिगत सुविधाएँ.** टैंकों में निम्नलिखित होंगे:

- (a) इनलेट, आउटलेट और प्रत्येक कक्ष के ऊपर प्रवेश द्वार;
- (b) स्थायी सीढ़ियाँ या पायदान, और सीमित स्थान में प्रवेश के लिए संवातन;
- (c) तलछट हटाने के लिए संप या निचला बिंदु; और
- (d) हाथ से सफाई के लिए पर्याप्त ऊँचाई (headroom)।

10.13.4 **आउटलेट.** ऑरिफिस और जालियाँ ऐसी हों कि भरी हुई सुविधा में प्रवेश किए बिना उनकी सफाई के लिए उन तक पहुँचा जा सके।

10.13.5 पहुँच मार्गों पर ऐसा निर्माण नहीं किया जाएगा, ऐसी बाड़ नहीं लगाई जाएगी या पार्किंग के लिए उनका ऐसा उपयोग नहीं किया जाएगा जिससे पहुँच बाधित हो।

> **भाष्य.** APWA 5600 (2006, §5608) में अस्थायी भंडारण सुविधाओं के लिए 15 फुट (लगभग 4.5 m) की रखरखाव पहुँच पट्टी अपेक्षित थी। झारखंड के शहरों में भूखंडों के आकार के कारण प्रत्येक साइट पर एक नियत चौड़ाई लागू करना कठिन है, इसलिए यह मैनुअल कार्यात्मक अपेक्षाएँ निर्धारित करता है। परिशिष्ट 10C में रखरखाव पहुँच के आयाम दिए गए हैं।

10.14 सार्वजनिक परिसंपत्तियों का ULB को हस्तांतरण

10.14.1 ड्रेन, सड़कें, खुले स्थान की सुविधाएँ, क्षेत्रीय सुविधाएँ और अन्य वर्षा जल परिसंपत्तियाँ, जिन्हें कोई विकासकर्ता ULB को अंतरण के लिए बनाता है, केवल तभी हस्तांतरित की जाएँगी जब:

- (a) यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र (खंड 10.9) स्वीकार कर लिया गया हो;
- (b) सुविधा की सफाई कर दी गई हो, और पाइपों और पुलियों का भीतर से निरीक्षण (उदाहरण के लिए CCTV द्वारा या हाथ से प्रवेश करके) कर लिया गया हो, और उसका अभिलेख सौंप दिया गया हो;
- (c) भूमि, या उस पर सुखाधिकार, ULB को अंतरित कर दिया गया हो;
- (d) O&M योजना, ड्रॉइंग, GIS आँकड़े और वारंटियाँ सौंप दी गई हों; और
- (e) **परिसंपत्ति हस्तांतरण प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-8)** पर दोनों पक्षों ने हस्ताक्षर कर दिए हों।

10.14.2 **दोष दायित्व.** विकासकर्ता हस्तांतरण के बाद ऐसी दोष दायित्व अवधि तक दोषों और नियमित रखरखाव के लिए उत्तरदायी रहेगा जिसमें कम से कम **10 जून से 20 अक्तूबर तक एक पूरा मानसून मौसम,** सम्मिलित हो। ULB इस अवधि के लिए प्रतिभूति जमा राशि रख सकता है।

10.14.3 **परिसंपत्ति रजिस्टर.** स्वीकार करने पर, ULB परिसंपत्ति को अपने GIS जल निकासी परिसंपत्ति रजिस्टर में और खंड 10.17 के सुविधा रजिस्टर में दर्ज करेगा।

10.14.4 **निजी सुविधाएँ.** कोई निजी सुविधा अपने रखरखाव घोषणा-पत्र के अंतर्गत स्वामी के उत्तरदायित्व में रहती है, जब तक कि ULB इस खंड के अंतर्गत उसे औपचारिक रूप से स्वीकार न कर ले।

> **भाष्य.** NDMA (2010) ड्रेनों की GIS सूची की अपेक्षा करता है। हस्तांतरण के समय विकासकर्ता से GIS आँकड़े माँगने से, शहर के बढ़ने के साथ, ULB पर कोई लागत डाले बिना वह सूची बनती जाती है। दोष अवधि एक मानसून तक फैली है क्योंकि झारखंड की जल निकासी के अनेक दोष केवल पहले दक्षिण-पश्चिम मानसून में ही सामने आते हैं।

10.15 प्रवर्तन

10.15.1 **अपराध.** निम्नलिखित इस मैनुअल के उल्लंघन हैं:

- (a) जहाँ अनुमोदित जल निकासी डिजाइन अपेक्षित है, वहाँ उसके बिना निर्माण करना;
- (b) किसी सुविधा का अनुमोदन से भिन्न निर्माण करना;
- (c) अनुमोदन के बिना किसी सुविधा को हटाना, भरना, ढकना, छोटा करना या उसके उपयोग में परिवर्तन करना;
- (d) किसी सुविधा का रखरखाव न करना, या प्रपत्र 10-7 प्रस्तुत न करना;
- (e) वर्षा जल ड्रेन में सीवेज का कनेक्शन;
- (f) जलाशय के सेटबैक या भराई-निषिद्ध जोन में निर्माण या भराई करना (अध्याय 7);
- (g) किसी प्राकृतिक जल निकासी मार्ग या प्रमुख प्रणाली के प्रवाह मार्ग को अवरुद्ध करना; और
- (h) मिथ्या या लापरवाही से किया गया प्रमाणन।

10.15.2 **क्रमिक कार्रवाई.** प्राधिकारी निम्नलिखित क्रम में कार्रवाई करेगा, और जहाँ पहले का पद विफल हो या जहाँ उल्लंघन गंभीर हो वहाँ बाद के पद पर जाएगा (तालिका 10.4):

तालिका 10.4 — प्रवर्तन की क्रमिक कार्रवाई

पद	कार्रवाई
1	लिखित नोटिस, जिसमें उल्लंघन, भंग किया गया खंड, सुधारात्मक उपाय और अनुपालन की अवधि बताई गई हो।
2	जो विकास अभी पूरा नहीं हुआ है, उसके लिए कार्य-रोक आदेश, या समापन प्रमाण-पत्र रोकना।
3	लागू अधिनियम या नियमों के अंतर्गत शास्ति।
4	प्राधिकारी द्वारा चूक की दशा में कार्य, जिसकी लागत स्वामी से वसूल की जाएगी।
5	सार्वजनिक प्रणाली से निजी ड्रेन कनेक्शन काटना, जहाँ इससे दूसरों के लिए कोई खतरा न हो।
6	प्रमाणकर्ता पेशेवर की पंजीकरण प्राधिकारी को रिपोर्ट, और सूचीबद्ध सूची से निलंबन।

10.15.3 **तत्काल कार्रवाई.** जहाँ कोई उल्लंघन मानसून के दौरान जीवन या संपत्ति को जोखिम में डालता है, वहाँ प्राधिकारी तुरंत चूक की दशा में कार्य करा सकता है और लागत बाद में वसूल कर सकता है।

10.15.4 **प्रतिभूति जमा.** खंड 10.6.1 के अंतर्गत आने वाली साइटों के लिए, प्राधिकारी चूक की दशा में कार्य की लागत पूरी करने हेतु प्रतिभूति जमा या बैंक गारंटी की माँग कर सकता है, जो यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र स्वीकार होने के बाद लौटाई जाएगी।

10.15.5 **अभिलेख.** इस खंड के अंतर्गत प्रत्येक नोटिस और कार्रवाई सुविधा रजिस्टर में दर्ज की जाएगी।

> **भाष्य.** शास्तियों का उल्लेख सामान्य रूप से किया गया है। यह मैनुअल स्वयं अपराध या जुर्माने सृजित नहीं कर सकता, और शक्तियाँ उन अधिनियमों से आती हैं जिनके अंतर्गत भवन उपविधि 2016 बनाई गई है, और नगरपालिका अधिनियमों से। क्रमिक पद इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। झारखंड में न्यायालय और लेखापरीक्षाएँ ही नदियों, जलाशयों और ड्रेनों के वास्तविक नियामक बन गए हैं। झारखंड उच्च न्यायालय ने स्वर्णरेखा और खरकई के प्रदूषण और उन पर अतिक्रमण के मामले की स्वतः संज्ञान से सुनवाई करते हुए पाया कि "कुछ कागजी आदेशों के सिवाय ... कुछ नहीं किया गया है" ("nothing has been done ... except some paper orders") और मुख्य सचिव को अतिक्रमण हटाने और नदियों के क्षेत्र को वापस प्राप्त करने पर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया (W.P.(PIL) 1325 of 2011, 16 अप्रैल 2013 का आदेश); रांची के जलाशयों संबंधी याचिका में उसे बताया गया कि शहर में कभी रहे 71 तालाबों में से अब केवल चार-पाँच दिखते हैं (2024), उसने जलाशयों के आसपास के अतिक्रमण हटाने और उनके आसपास के क्षेत्र को बाड़ लगाकर "प्रवेश-निषिद्ध जोन" ("no-entry zone") बनाने का आदेश दिया (31 जुलाई 2025), और अतिक्रमणों की निगरानी के लिए झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के नेतृत्व में एक समिति गठित की (अगस्त 2025) (W.P.(PIL) 1463 of 2020, प्रकाशित खबरों के अनुसार; 2025 के आदेश और 7 जनवरी 2026 का आदेश पढ़े नहीं गए)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने जमशेदपुर में स्वर्णरेखा के तल पर ऊँचे भवनों के निर्माण का मामला स्वतः संज्ञान से उठाया; उसकी संयुक्त समिति ने यह पाते हुए कि "स्वर्णरेखा नदी का डूब क्षेत्र जोनिंग निर्धारित नहीं किया गया है" ("the flood plain zoning of the Subarnarekha River has not been designated"), उपविधि 23.2 की 10–15 m की रेखा लागू की (OA 145/2023 (EZ) में 14 मार्च 2024 की रिपोर्ट, अधिकरण के समक्ष उद्धृत रूप में), और इसके बाद जमशेदपुर और मानगो के अंचल अधिकारियों ने लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम के अंतर्गत नदी से 15 m के भीतर 56 संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया (मई 2025, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। विधियों में वास्तविक शक्तियाँ हैं: आयुक्त किसी नगरपालिका ड्रेन पर बनी संरचना को हटा सकता है (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 235), यह अपेक्षा कर सकता है कि ऐसी भूमि की, जिसकी "उसके संतोष के अनुसार जल निकासी नहीं हुई" ("not drained to his satisfaction"), निर्धारित समय के भीतर जल निकासी की जाए, या स्वामी की लागत पर स्वयं उसकी जल निकासी करा सकता है (धारा 358), और जो व्यक्ति किसी जलमार्ग में कचरा इस प्रकार डालता है कि वह अवरुद्ध या प्रदूषित हो, उस पर ₹10,000 तक और प्रतिदिन ₹500 का जुर्माना लगाया जा सकता है (धारा 340); भवन उपविधि 2016 प्राकृतिक जलमार्गों में और नगरपालिका ड्रेनों के ऊपर अनुमति देने से इनकार करती है (उपविधि 30.1 और 30.3); और खबर है कि RMC का वर्षा जल संचयन विनियमन प्रणाली न बनाए जाने पर वार्षिक होल्डिंग टैक्स का 1.5 गुना दंड लगाता है, एक ऐसा दंड जिसे स्वामी चुकाना अधिक पसंद करते बताए गए हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार; पाठ नहीं मिला)। लेखापरीक्षाएँ बिना जाँचे डिजाइन के निर्माण की लागत दर्ज करती हैं: रांची में 1.49 km की असंबद्ध वर्षा जल ड्रेनों पर ₹47.93 लाख, मानदंड से कम डिजाइन किए गए हरमू नदी चैनल पर ₹92.78 करोड़ और उसे पुनः डिजाइन करने पर ₹10.58 करोड़ और (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1), और कोयला खदानों पर, पर्यावरण स्वीकृति की एक शर्त के विपरीत खुदिया नदी के किनारे डाला गया ओवरबर्डन (CAG की 2019 की रिपोर्ट संख्या 12) और एक अवसादन तालाब जिस तक अपवाह पहुँचा ही नहीं (JSPCB, राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष, 2020)। इससे पता चलता है कि नियमित प्रवर्तन के बिना नियम का प्रभाव बहुत कम होता है, और कि जहाँ राज्य ने रेखा नहीं खींची, वहाँ न्यायालयों ने खींची है। पेशेवर जवाबदेही (पद 6) प्रायः स्वामियों पर जुर्माने से अधिक प्रभावी होती है, क्योंकि यह उस व्यक्ति पर कार्य करती है जो डिजाइन पर हस्ताक्षर करता है।

10.16 निगरानी और घटना-पश्चात समीक्षा

10.16.1 **निगरानी नेटवर्क.** टियर A प्राधिकारी अपने मुख्य आउटफॉलों और क्षेत्रीय सुविधाओं पर स्व-अभिलेखी वर्षामापी और जल स्तर गेज का अनुरक्षण करेंगे, या उन तक पहुँच रखेंगे। आँकड़े 15 मिनट या उससे कम के अंतराल पर संग्रहीत किए जाएँगे।

10.16.2 **घटना रिपोर्ट.** किसी ULB क्षेत्र में भवनों में पानी भरने वाली किसी भी घटना के बाद, ULB **3 महीने** के भीतर एक संक्षिप्त घटना रिपोर्ट तैयार करेगा, जिसमें निम्नलिखित अभिलिखित होंगे:

- (a) निकटतम अनुमोदित वर्षामापियों पर वर्षा, अवधि के अनुसार, अध्याय 2 की डिजाइन गहराइयों की तुलना में;
- (b) प्राप्तकर्ता नदी (जमशेदपुर या मूरी के CWC स्थल पर स्वर्णरेखा, आदित्यपुर पर खरकई, रामगढ़ या पुपुनकी पर दामोदर, बराकर, डालटनगंज पर उत्तरी कोयल या साहिबगंज पर गंगा) का या प्राप्तकर्ता जलाशय या तालाब (रांची में, कांके, धुर्वा, गेतलसूद या बड़ा तालाब) का, और जहाँ गेज लगा हो वहाँ आउटफॉल पर, जल स्तर, प्रत्येक किसी नामित डेटम पर, और मानगो और आदित्यपुर पुलों पर जिले के निशानों का कोई भी पाठ्यांक CWC के स्तरों से अलग रखा जाए; आउटफॉल पर और उसके प्रतिप्रवाह की ओर ड्रेन पर स्थित प्रत्येक स्लूइस, फ्लैप गेट, अवरोधन संरचना और पंपिंग स्टेशन की स्थिति, प्रत्येक पंप के चलने के घंटों और विद्युत आपूर्ति के किसी व्यवधान के साथ; और प्राप्तकर्ता स्तर निर्धारित करने वाले किसी भी डैम, जैसे गेतलसूद, चांडिल, ओडिशा में खरकई पर बने डैम, तेनुघाट, तिलैया, कोनार, मैथन या पंचेत, के गेटों का खुलना और उनसे छोड़ा गया पानी;
- (c) जलमग्न स्थान, गहराइयाँ और अवधियाँ, और जहाँ संभव हो वहाँ बाढ़ चिह्नों का सर्वेक्षण;
- (d) सार्वजनिक और निरीक्षित निजी सुविधाओं का कार्य-प्रदर्शन, जिसमें अवरुद्ध आउटलेट, विफल पंप या बंद गेट सम्मिलित हैं; और
- (e) अनुशंसित कार्रवाइयाँ।

10.16.3 **घटना-पश्चात समीक्षा.** जहाँ कोई घटना राज्य में दो या अधिक अनुमोदित वर्षामापियों पर 1% AEP की 24-घंटे या 72-घंटे की डिजाइन गहराई से अधिक हो जाती है (खंड 2.14.1), वहाँ JSDMA, राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति के साथ, **12 महीने** के भीतर घटना-पश्चात समीक्षा का नेतृत्व करेगा। यह समीक्षा आकलन करेगी कि इस मैनुअल के मानदंड पर्याप्त थे या नहीं, और खंड 1.12 की समीक्षा में योगदान देगी।

10.16.4 **सुविधाओं के कार्य-प्रदर्शन का नमूना परीक्षण.** प्राधिकारी, कम से कम प्रत्येक 5 वर्ष में, निजी प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण सुविधाओं के एक नमूने की एक मानसून भर निगरानी करेगा, यह परखने के लिए कि वे डिजाइन के अनुसार कार्य करती हैं या नहीं।

> **भाष्य.** घटना-पश्चात समीक्षा का प्रारंभक वही समीक्षा प्रारंभक है जो खंड 2.14.1 में पहले से निर्धारित है। झारखंड की बाढ़ों की जाँच तकनीकी समीक्षाओं के बजाय न्यायालयों, लेखापरीक्षाओं और समाचार माध्यमों द्वारा की गई है। जमशेदपुर में 16–18 जून 2008 को, जब 18 जून को जमशेदपुर (A) में 338.1 mm वर्षा हुई (IMD), ओडिशा में खरकई डैम के गेट खोले जाने के बाद खरकई और स्वर्णरेखा अपने खतरे के निशानों से ऊपर चढ़ गईं, 500 से अधिक घर जलमग्न हुए और सेना बुलाई गई, और SANDRP ने बाढ़ का कारण आंशिक रूप से चांडिल जलाशय के प्रचालन को बताया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। चक्रवात यास में 27 मई 2021 को आदित्यपुर पर खरकई 129 m के अपने जिले के निशान के मुकाबले 132.40–132.87 m पर थी, और कोल्हान में लगभग 14,000 लोगों को निकाला गया (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। रांची में हरमू चैनल जुलाई 2016 और जुलाई 2017 में क्षतिग्रस्त हुआ (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); जुलाई 2021 के अंत में एक दिन में लगभग 180 mm वर्षा हुई, और अगस्त 2022 में कांके रोड पर घुटनों तक पानी भरा रहा (प्रकाशित खबरों के अनुसार); और जून 2025 में रांची जिले में 125.7 mm के सामान्य के मुकाबले 1 से 23 जून तक 459 mm वर्षा हुई, 48 घंटों में राज्य भर में कम से कम दस लोगों की मृत्यु हुई, और खबर है कि इन आकस्मिक बाढ़ों के बाद आपदा प्रबंधन योजना को अद्यतन करने की माँग उठी, जबकि जमशेदपुर में 18–19 जून 2025 को 24 घंटों में 247.2 mm वर्षा दर्ज हुई (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। दामोदर पर, 17 सितंबर 2024 को मैथन और पंचेत से लगभग 2.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया (सरकारी वक्तव्य, प्रकाशित खबरों के अनुसार), और साहिबगंज में गंगा 20 अगस्त 1998 को 27.25 m के खतरे के स्तर के मुकाबले 30.91 m के अपने उच्चतम बाढ़ स्तर पर पहुँची (CWC, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। अतीत के अभिलेख और भी बड़े हैं: 25 सितंबर 1999 को साहिबगंज जिले के तालझारी में 601.4 mm, जो राज्य में सबसे अधिक है, 11 जुलाई 1990 को रांची के पास मांडर में 382.0 mm और 5 जुलाई 1998 को कांके में 332.6 mm (IMD)। रांची की जल निकासी और हरमू नदी की लेखापरीक्षाएँ (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1) तकनीकी समीक्षा के सबसे निकट हैं; किसी भी बाढ़ घटना की कोई

समीक्षा नहीं मिली, और किसी भी नगर निगम, JUIDCO या JSDMA द्वारा रखा गया बाढ़ के विस्तार, गहराई या अवधि का कोई अभिलेख नहीं मिला। NDMA (2010) ने श्रेणी I, II और III शहरों में "प्रत्येक 4 वर्ग km में 1" ("1 in every 4 sq km") स्वचालित वर्षामापी की अपेक्षा की थी। खंड 10.16.1 केवल वहीं वर्षामापी माँगता है जहाँ वे डिजाइन और समीक्षा के काम आते हैं। रिपोर्ट और नमूना परीक्षण के अंतराल इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं।

10.17 आँकड़ों का प्रकाशन

10.17.1 प्रत्येक प्राधिकारी किसी सार्वजनिक वेबसाइट पर निम्नलिखित प्रकाशित करेगा, और कम से कम प्रत्येक तिमाही में उन्हें अद्यतन करेगा:

- (a) एक **सुविधा रजिस्टर**: इस मैनुअल के अंतर्गत अनुमोदित प्रत्येक सुविधा का स्थान, प्रकार, डिजाइन आयतन, निकास दर, स्वामी, यथा-निर्मित स्वीकार्यता की तारीख और नवीनतम निरीक्षण परिणाम;
- (b) प्रत्येक अनुमोदित जल निकासी रिपोर्ट का सारांश, प्रपत्र 2-1 और 10-2 के साथ;
- (c) विचलनों और अधित्यागों का रजिस्टर (खंड 1.10);
- (d) नीति अनुपूरक के अंतर्गत अंगीकृत विकल्प (खंड 1.7);
- (e) प्रवर्तन कार्रवाइयाँ (खंड 10.15.5); और
- (f) घटना रिपोर्ट और घटना-पश्चात समीक्षाएँ (खंड 10.16)।

10.17.2 राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति अनुपालन कैलकुलेटर, सभी परिशिष्ट, बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के मानचित्र और सुविधा रजिस्टरों का राज्य-स्तरीय सारांश मुक्त आँकड़ों (open data) के रूप में प्रकाशित करेगी।

10.17.3 किसी निगमित स्वामी या संघ के नाम के अतिरिक्त अन्य व्यक्तिगत आँकड़े प्रकाशित नहीं किए जाएँगे। महत्वपूर्ण अवसंरचना के सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील विवरण, कारण अभिलिखित करके, रोके जा सकते हैं।

10.17.4 प्रकाशित आँकड़े मशीन द्वारा पठनीय (उदाहरण के लिए CSV और GeoPackage) होंगे और Government Open Data Licence – India या किसी समकक्ष मुक्त लाइसेंस के अंतर्गत जारी किए जाएँगे।

भाष्य. यहाँ पारदर्शिता अपने आप में एक डिजाइन मानदंड है। झारखंड के कुछ जल निकासी अभिलेख सार्वजनिक हैं: झारखंड भवन उपविधि, 2016 और उसके चार संशोधन, झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 और रांची, जमशेदपुर और धनबाद के मास्टर प्लान की अनुमोदन अधिसूचनाएँ (UD&HD की वेबसाइट की संग्रहीत प्रतियों में); धनबाद की जल निकासी पर JUIDCO की प्रारूप पर्यावरण रिपोर्ट और हरमू नदी पर उसका प्रगति पत्रक; रांची की जल निकासी और हरमू नदी की (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1), शहरी स्थानीय निकायों की (CAG, 2017) और कोल इंडिया में खनन की (CAG की 2019 की रिपोर्ट संख्या 12) लेखापरीक्षाएँ; राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष राज्य की प्रगति रिपोर्टें और राज्य, JSPCB और हस्तक्षेपकर्ताओं के दाखिल दस्तावेज; IMD का राज्य का जलवायु-विवरण और मौसम विज्ञान केंद्र, रांची की मानसून रिपोर्टें; CGWB के भूजल आकलन; और उधवा झील का रामसर सूचना पत्रक। बहुत-सी अन्य सामग्री सार्वजनिक रूप से नहीं मिल सकी: 2006 की रांची सीवरेज और जल निकासी DPR और उसके संशोधन का, और धनबाद, जमशेदपुर और मानगो की एकीकृत DPR का डिजाइन आधार; UD&HD, JUIDCO, RRDA, MADA या Tata Steel UISL का कोई जल निकासी मानदंड; उपविधि 23.2 के अंतर्गत अधिसूचित की जाने वाली नदियों की सूची; भवन उपविधि 2016 के दसवें और ग्यारहवें संशोधनों के और RMC (2016) और राज्य (2017) के वर्षा जल संचयन विनियमनों के पाठ; जमशेदपुर के लिए 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना; गंगा के डूब क्षेत्र का WRD द्वारा सीमांकन, जो अभी भी जलविज्ञान की प्रतीक्षा में है; किसी निर्धारित डेटम पर कांके, धुर्वा, गेतलसूद और चांडिल के पूर्ण जल स्तर, स्पिलवे रेटिंग और प्रचालन नियम; DVC के निकास नियम; किसी भी नगर के स्लूइसों, फ्लैप गेटों और पंपिंग स्टेशनों की सूची; JSDMA की कोई शहरी बाढ़ योजना; रांची के जलाशयों पर उच्च न्यायालय के 2025 और 2026 के आदेश; और आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन)

> नियम, 2017 के अंतर्गत अधिसूचित कोई आर्द्रभूमि, जिनमें से फरवरी 2025 में झारखंड में एक भी नहीं थी (राज्य सभा का उत्तर)। इनपुट और सुविधाओं के अभिलेख प्रकाशित करने से जनता, शोधकर्ता और अन्य एजेंसियाँ यह जाँच सकती हैं कि शहर का बढ़ता निजी भंडारण वास्तव में मौजूद है। मुक्त फॉर्मेट की अपेक्षा इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है।

10.18 इस अध्याय की समीक्षा

10.18.1 इस अध्याय की समीक्षा खंड 1.12 के अंतर्गत मैनुअल के साथ की जाएगी। दो समीक्षाओं के बीच, राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति खंड 10.5.3 के अंतर्गत प्रपत्रों और अनुपालन कैलकुलेटर को संशोधित कर सकती है।

संदर्भ (अध्याय)

- Central Water Commission (1994). *Flood Estimation Report for Lower Ganga Plains, Subzone 1(g)*, LG-1(g)/R-1/23/94 (short-duration rainfall maxima of the SRRG stations, Annex 4.4; the Saphi worked example).
- Comptroller and Auditor General of India (2017). *Annual Technical Inspection Report on Local Bodies for the year ended 31 March 2016*, Government of Jharkhand, Chapter 4: Performance Audit of Urban Local Bodies (drains uncovered and carrying wastewater; the integrated DPR for Dhanbad, Jamshedpur and Mango). https://www.cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2017/Chapter_4_Performance_Audit_–_Urban_Local_Bodies_of_Annual_Technical_Inspection_Report_of_2017_-_Local_Bodies_Government_of_Jharkhand.pdf
- Comptroller and Auditor General of India (2019). Report No. 12 of 2019, *Assessment of Environmental Impact due to Mining Activities and its Mitigation in Coal India Limited and its Subsidiaries*, Chapter 5: Water Pollution and Control Measures. https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2019/Chapter_5_Water_Pollution_and_Control_Measures_of_Report_No_12_of_2019_Assessment_of_Environmental_Impact_due_to_Mining_Activities_and_its_Mitigation_in_Coal_India_Limited_and_its_S.pdf
- Comptroller and Auditor General of India (2023). Report No. 1 of 2023, Government of Jharkhand (year ended 31 March 2021), Chapter 3: Audit on Management of the Sewerage and Drainage System in Ranchi city, https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/7-Chapter-3-064ccf54aaea3b2.74931941.pdf ; Chapter 4: Audit on Rejuvenation and Conservation of the Harmu River, https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/8-Chapter-4-064ccf54ab201d9.52401481.pdf
- Das, S.K. et al. (2022). Isopluvial analysis and intensity–duration–frequency curves for different cities in India. *MAUSAM* 73(4), 887–898 (no Jharkhand station). https://metnet.imd.gov.in/docs/mausamdocs/173412_F.pdf
- Government of Jharkhand, Urban Development and Housing Department (2016). *Jharkhand Building Bye-laws, 2016*, Notification No. 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006 of 5 April 2016 under s.434 of the Jharkhand Municipal Act 2011 (byelaws 1.2, 23, 30, 31, 42.1, 48, 51, 58.6, 72 and 74; Wayback copy). http://web.archive.org/web/20190426093550id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL06042016060406PM.pdf
- Government of Jharkhand, Urban Development and Housing Department (2017, 2019). Jharkhand Building (Amendment) Bye-laws 2017, No. 7/.../102/2013-3141 of 15 May 2017, http://web.archive.org/web/20171220065834id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL03102017031020PM.pdf ; (IInd Amendment) Bye-laws 2017, No. 7/.../102/2013-5326 of 17 August 2017, http://web.archive.org/web/20171220070511id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL03102017041042PM.pdf ; (Vth Amendment) Bye-laws 2019, No. 7/.../102/2013-2269 of 6 June 2019, http://web.archive.org/web/20220718120253id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL07062019100639AM.pdf ; and (VIth Amendment) Bye-laws 2019 (Wayback copy of `Handlers/Acts.ashx?id=BL21052019020510PM.pdf` on udhd.jharkhand.gov.in; date read from the scan as 26 February 2019, uncertain)
- India Meteorological Department (2011). *Climate of Jharkhand*, Climatological Summaries of States Series No. 17 (district tables of heaviest rainfall in 24 hours, to 2006). https://imdpune.gov.in/library/public/Cimate%20of%20Jharkhand.pdf

- India Meteorological Department (2020). Press release of 15 May 2020: new normal dates of onset and withdrawal of the south-west monsoon (Pai et al.), Table 2 (Jharkhand stations). https://internal.imd.gov.in/press_release/20200515_pr_804.pdf
- India Meteorological Department. *Extremes of Temperature and Rainfall for Indian Stations (up to 2012)* (Jharkhand stations). https://imdpune.gov.in/library/public/EXTREMES%20OF%20TEMPERATURE%20and%20RAINFALL%20upto%202012.pdf
- India Meteorological Department, Meteorological Centre Ranchi. *Monsoon Report, Jharkhand* (2023, 2025 and 2026). https://mausam.imd.gov.in/ranchi/mcdata/SWR_Jharkhand.pdf
- India Meteorological Department, RSMC New Delhi (2021). Press release of 27 May 2021 on Cyclone Yaas (24-hour rainfall in Jharkhand). https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/uploads/archive/21/21_da9893_PRESS%20RELEASE%20dated%2027TH%20%20May%202021.pdf
- Jharkhand Municipal Act 2011 (Jharkhand Act 07 of 2012), sections 70, 203, 219–227, 235, 340, 358, 434, 481 and 615 (Wayback copy). http://web.archive.org/web/20171223160748id_/http://udhd.jharkhand.gov.in:80/Handlers/Acts.ashx?id=AT01042016100433AM.pdf
- Jharkhand Urban Infrastructure Development Company (2017). *Jharkhand Municipal Development Project: Draft Environmental and Social Impact Assessment, Storm Water Drainage, Dhanbad*, Vol. I, November 2017 (World Bank P158502; design frequency and outfalls). http://web.archive.org/web/20180205012706id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/Home/cirfiles/ESIA%20Dhanbad%20Drainage_Volume1.pdf
- Kansas City Metro Chapter APWA (2006). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities, §5608 (easements, maintenance, submittals) and §5609 (plan requirements). https://www.kcwater.us/wp-content/uploads/2020/08/Design-Criteria-%E2%80%93-Section-5600-%E2%80%93-Storm-Drainage-Systems-and-Facilities.pdf
- Kansas City Metro Chapter APWA (2025). Section 5600 Storm Drainage Systems and Facilities, Version 2025.01.
- Mid-America Regional Council (2025). Stormwater management page: 2025 Stormwater Standards Manual, Compliance Calculator, Calculator Start-Up Guide, Policy Supplement. https://www.marc.org/environment/environment-plans/stormwater-management
- PUB Singapore (2018, with Addendum No. 3 of 16 Apr 2025). Code of Practice on Surface Water Drainage, 7th ed. https://info.corenet.gov.sg/docs/default-source/pub-circulars/pub-circular_cop-7th-ed-addendum-no-3_16-apr-2025.pdf?sfvrsn=5a2c1e1a_2
- PUB Singapore (2024). On-site Stormwater Detention Tank Technical Guide. https://www.pub.gov.sg/-/media/PUB/PDF/detentionTank.pdf
- PUB Singapore (11 Nov 2024). Amendments to Sewerage and Drainage Act (press release). https://www.pub.gov.sg/Resources/News-Room/PressReleases/2024/11/Amendments-to-Sewerage-and-Drainage-Act
- MoHUA (2016). Model Building Bye-Laws, Chapter 9, §9.6. https://web.archive.org/web/2022/https://mohua.gov.in/upload/uploadfiles/files/MBBL.pdf

- National Disaster Management Authority (2010). National Guidelines on Management of Urban Flooding. https://sdma.goa.gov.in/sites/default/files/2022-05/management_urban_flooding.pdf
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change (2024). Environmental clearance, File No. J-11015/72/2016-IA.II(M) of 13 August 2024 (Gare Palma Sector II, Chhattisgarh; the standard coal-mine conditions on garland drains, sumps and desilting, conditions 3.6–3.11). https://mahagenco.in/Content/File_pdf/EnvClearance/2.EC_Gare%20Palma%20Sector%20II%20Coal%20Mine%20Project_13.08.2024.pdf
- Coal Mines Regulations 2017, regulation 149 (danger from surface water; as reported, Gazette text not read).
- Ministry of Water Resources (2018). Minutes of the meeting on the Damodar Valley Reservoir Regulation Committee and the release of DVC reservoirs. https://mowr.nic.in/core/Circulars/2018/Pen.%20River_08-07-2018_16.pdf
- Central Water Commission (2024). *Daily Flood Situation Report*, 17 September 2024 (Jharkhand sites; Wayback copy). https://web.archive.org/web/20240917151334/https://cwc.gov.in/sites/default/files/dfsitrepca-17.09.2024.pdf
- South Asia Network on Dams, Rivers and People (2022). "2022: CWC Flood Monitoring Sites in East India" (transcription of CWC's warning, danger and high flood levels for Jharkhand). https://sandrp.in/2022/09/12/2022-cwc-flood-monitoring-sites-in-east-india/
- South Asia Network on Dams, Rivers and People (2016). "Was not sudden flood in Subarnrekha, Jharkhand avoidable?" (Chandil releases, August 2016). https://sandrp.in/2016/08/20/was-not-sudden-flood-in-subarnrekha-jharkhand-avoidable/
- Jharkhand High Court. *Court on its own motion v. State of Jharkhand*, W.P.(PIL) No. 1325 of 2011, Order No. 33 of 16 April 2013 (the Subarnarekha and the Kharkai; third-party copy). https://saryuroy.in/library/petition_judgement_old/hc_jdgmnt_16_04_2013.pdf
- Jharkhand High Court. *Khushboo Kataruka v. State of Jharkhand*, W.P.(PIL) No. 1463 of 2020, orders of 2022–2026 on the water bodies of Ranchi (as reported; the orders of 2025 and 2026 not read).
- National Green Tribunal, Eastern Zone. OA 145 of 2023 (EZ), *Tribunal on its own motion v. State of Jharkhand* (the Subarnarekha riverbed in Jamshedpur): affidavit of the State of Jharkhand (March 2024), https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1713953563.pdf ; I.A. No. 56 of 2024 quoting the Joint Committee report of 14 March 2024, https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1724385258.pdf
- National Green Tribunal, Eastern Zone. OA 129 of 2026 (EZ), *Pratik Sharma v. State of Jharkhand*, application (drains to the Subarnarekha at Jamshedpur). https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1779163721.pdf
- National Green Tribunal, Eastern Zone. OA 38 of 2020 (EZ), *Sanjay Chauhan v. Central Coalfields Ltd.*, counter-affidavit of the Jharkhand State Pollution Control Board (settling ponds and garland drains at the Dakra mine). https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/Counter%20Affidavit%20by%20R-4%20JSPCB%20in%20OA%2038%20of%202020%20Sanjay%20Chauhan%20Vs.%20Central%20Coalfields%20Ltd.%20&%20Ors..pdf

- State of Jharkhand (c. 2020). Second and Third Quarterly Progress Reports in OA 200/2014, *M.C. Mehta v. Union of India*, before the National Green Tribunal (the Ganga floodplain consultancy; drains at Sahebganj and Rajmahal). https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/Jharkhand%20Second%20Quarterly%20Progress%20Report%20in%20O.A.%20No.%20200%20of%202014.pdf
- Rajya Sabha (2025). Reply to question 267 of 13 February 2025 (wetlands notified under the Wetlands Rules 2017). https://rsdebate.nic.in/bitstream/123456789/758759/1/PQ_267_13022025_U1007_p169_p175.pdf
- The Telegraph, Avenue Mail, Hindustan Times, The Week, ThePrint, Swarajya, LiveLaw, Deccan Herald and the Press Trust of India (2008–2026). Reports of the Jamshedpur flood of June 2008, Cyclone Yaas, the Ranchi floods of 2021, 2022 and 2025, the DVC releases of September 2024, RMC's desilting deadline and rainwater harvesting penalty, the High Court's orders on Ranchi's water bodies, the Subarnarekha demolitions and the Jamshedpur industrial town (secondary sources; addresses not retained).

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय-वस्तु
10A	अनुपालन कैलकुलेटर और उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका
10B	GIS आँकड़ों का विनिर्देश और गुण स्कीमा
10C	रखरखाव पहुँच के आयाम
10D	सुविधा के प्रकार के अनुसार आदर्श O&M योजनाएँ
10E	वर्षा जल डिजाइन पेशेवरों और समीक्षकों की सूचीबद्धता के मानदंड
प्रपत्र 10-1	जल निकासी रिपोर्ट जाँच-सूची
प्रपत्र 10-2	अनुपालन कैलकुलेटर सारांश
प्रपत्र 10-3	पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र
प्रपत्र 10-4	रोक-बिंदु निरीक्षण अभिलेख
प्रपत्र 10-5	यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र
प्रपत्र 10-6	रखरखाव घोषणा-पत्र
प्रपत्र 10-7	वार्षिक रखरखाव घोषणा और निरीक्षण रिपोर्ट
प्रपत्र 10-8	परिसंपत्ति हस्तांतरण प्रमाण-पत्र
प्रपत्र 2-1	डिजाइन वर्षा पत्रक (अध्याय 2)

अध्याय 11

बेसिन और शहर वर्षा जल मास्टर प्लान

11.1 प्रयोजन और विस्तार

11.1.1 अध्याय 2 से 10 एक समय में एक परियोजना को नियंत्रित करते हैं। यह अध्याय उस प्लान की अपेक्षाएँ निर्धारित करता है जो इन परियोजनाओं को एक साथ जोड़ता है: **बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान (BSMP)**। किसी शहर या शहरी क्षेत्र के प्रत्येक जल निकासी बेसिन के लिए एक BSMP तैयार किया जाता है। किसी शहर के BSMP का समूह मिलकर उसका **शहर वर्षा जल मास्टर प्लान** बनाता है।

11.1.2 BSMP:

- (a) विद्यमान और भविष्य की स्थितियों में बेसिन के बाढ़ जोखिम का मानचित्रण करेगा;
- (b) वह सेवा स्तर निर्धारित करेगा जो जल निकासी प्रणाली के प्रत्येक भाग को प्राप्त करना होगा (खंड 11.6);
- (c) उस सेवा स्तर तक पहुँचने के लिए आवश्यक कार्यों, भंडारण और भूमि की पहचान करेगा, और उन्हें प्राथमिकता क्रम में रखेगा (खंड 11.7 और 11.8);
- (d) सांविधिक भूमि उपयोग योजना में क्षेत्रीय भंडारण, तालाब (talab) और तालाब (tank) पुनर्स्थापन, और प्रमुख प्रवाह मार्गों के लिए भूमि आरक्षित करेगा (खंड 11.9);
- (e) वे बेसिन-विशिष्ट इनपुट निर्धारित करेगा जिन पर अध्याय 4 के अंतर्गत साइट डिजाइन निर्भर करते हैं: क्षेत्रीय सुविधाएँ, एवज शुल्क (fee-in-lieu) की इकाई दर, और अध्याय 4 से अधिक कठोर कोई बेसिन निकास दर (खंड 11.8.3); और
- (f) बाढ़-संवेदनशील के रूप में अधिसूचना हेतु जलग्रहण क्षेत्रों की सिफारिश करेगा (खंड 4.5.4)।

11.1.3 **साइट डिजाइन से संबंध.** साइट मानदंड (अध्याय 4 से 8) लागू होते हैं, चाहे BSMP विद्यमान हो या नहीं। BSMP अपने बेसिन के लिए साइट मानदंडों को **अधिक कठोर** बना सकता है। वह उन्हें शिथिल नहीं करेगा, सिवाय खंड 4.13 और 4.5.6 के क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण और एवज शुल्क मार्गों के माध्यम से।

> **भाष्य.** झारखंड के शहरों में जल निकासी परियोजनाएँ हैं, किंतु उपयोग योग्य डिजाइन मानक वाला कोई शहरी जल निकासी मास्टर प्लान प्रकाशित नहीं हुआ है। रांची की सीवरेज और जल निकासी DPR, जिसे Meinhardt ने 2006 में तैयार किया और जो दिसंबर 2007 में चार जोनों के लिए अनुमोदित हुई, केवल जोन I में निर्माण तक पहुँची, जिसके 207 km वर्षा जल ड्रेनों के अनुबंध से 2019 में उसके समाप्त किए जाने से पहले केवल 1.49 km असंबद्ध ड्रेनें बनीं; ₹16.04 करोड़ का परामर्श कार्य "निरर्थक सिद्ध हुआ" ("proved wasteful"), मंत्रिपरिषद ने DPR को अद्यतन करने के लिए परामर्शदाता हेतु ₹31.17 करोड़ की संस्वीकृति दी, और विभाग ने केवल वहीं ड्रेनें बनाने का निर्णय लिया जहाँ जलभराव होता है (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); 2006 की DPR की वर्षा जल ड्रेनों का डिजाइन आधार नहीं मिला। रांची में वर्षा जल निकासी का कार्य RMC और JUIDCO करते हैं, जिनमें AMRUT की छोटी जल निकासी परियोजनाएँ भी हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार), और हरमू नदी को 2014 और 2018 के बीच ₹92.78 करोड़ से JUIDCO द्वारा 25-वर्ष के डिजाइन पर पुनर्जीवित किया गया, जिसे क्षति के बाद बढ़ाकर 50 वर्ष किया गया, जबकि लेखापरीक्षा ने 100-वर्ष का मानदंड लागू किया; लेखापरीक्षा ने राज्य से "वर्षा जल के आकलन को संशोधित करने" ("revise the estimation for storm water") और शहरी अपवाह को नदी के जल के स्रोत के रूप में मान्यता देने को कहा (CAG)। 652.02 km^2 और 31.58 लाख लोगों के लिए 30 नवंबर 2015 को अनुमोदित रांची मास्टर प्लान 2037 कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के पूर्ण जल स्तर से 20 m और नदियों और प्राकृतिक नालों से कम से कम 10 m पीछे निर्माण रखता है (शर्त

2.9), किंतु उसका अनुमोदन जल निकासी का कोई डिजाइन मानक निर्धारित नहीं करता। जमशेदपुर में JNAC और Tata Steel UISL पट्टा क्षेत्र को सेवाएँ देती हैं, जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027 23 अक्तूबर 2017 को अनुमोदित किया गया, और सितंबर 2014 में धनबाद, जमशेदपुर और मानगो के लिए एक एकीकृत सीवरेज और वर्षा जल निकासी DPR का कार्य सौंपा गया (CAG, 2017), जिसका कोई परिणाम नहीं मिला। धनबाद में 153.95 km की विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित जल निकासी सड़क के मार्गाधिकार (right of way) के भीतर रहने के लिए 1-वर्ष की वर्षा घटना के लिए डिजाइन की गई, उसमें कोयला-युक्त क्षेत्र और अग्नि क्षेत्र छोड़ दिए गए, और 10 बड़े तालाबों को भंडारण के रूप में प्रणाली में लिया गया (JUIDCO, प्रारूप ESIA, 2017); यह 24 अक्तूबर 2017 को अनुमोदित धनबाद मास्टर प्लान 2041 के अंतर्गत है। नदियों की योजना अन्यत्र बनती है: DVC दामोदर–बराकर जलाशयों का संचालन करता है, जिनसे पानी छोड़ने की सलाह दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति देती है, और WRD ने साहिबगंज जिले में गंगा के डूब क्षेत्र के सीमांकन के लिए एक परामर्शदाता नियुक्त किया है, जो राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना से उस जलविज्ञान की प्रतीक्षा में है जो मार्च 2024 तक आना था (NGT OA 200/2014 में राज्य की रिपोर्ट)। कोई भी प्रकाशित दस्तावेज झारखंड के किसी भी शहर के वर्षा जल ड्रेन नेटवर्क के लिए उपयोग योग्य डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि निर्धारित नहीं करता; बताई गई एकमात्र डिजाइन वर्षा घटनाएँ धनबाद की 1-वर्ष की वर्षा घटना और हरमू के 25 और 50 वर्ष हैं। यह अध्याय, अध्याय 2 की डिजाइन वर्षा घटनाओं और खंड 11.6 के सेवा स्तरों के साथ, वे डिजाइन वर्षा घटना, सेवा स्तर, भंडारण और बफर मानदंड देता है जिनकी ऐसे प्लान को आवश्यकता है; इसे UD&HD, JUIDCO, किसी नगर निगम, RRDA, MADA, JNAC, Tata Steel UISL, WRD, DVC या किसी अन्य निकाय द्वारा अंगीकृत नहीं किया गया है। साइट-स्तरीय मैनुअल बेसिन-स्तरीय समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता: तालाबों का खोया हुआ भंडारण; शहर की ड्रेनें और शहरी नदियाँ, जो स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर और गंगा तक तब पहुँचती हैं जब ऊपर के डैमों से छोड़ा गया पानी उन्हें ऊँचा रखता है; नाले और शहरी नदियाँ, जिनमें सबसे पहले हरमू है, जो सीवेज को अपने आउटफॉलों तक और रांची के जलाशयों में ले जाते हैं; अतिक्रमित या भरे गए तालाब; कोयला क्षेत्र में खदान के गड्ढों, ओवरबर्डन डंपों और भू-धंसान से बदले हुए जलग्रहण क्षेत्र; एक नगर निगम, JUIDCO, RRDA, WRD, Tata Steel UISL और कोयला कंपनियों के बीच बँटी हुई एक ही ड्रेन; और ऐसी ड्रेनें जो अपने आप में पर्याप्त हैं किंतु अगले भाग (reach) पर अधिक भार डालती हैं। तुलनीय मैनुअल साइट मानदंडों को बेसिन योजना के साथ जोड़ते हैं:

- डेनवर का Mile High Flood District प्रमुख जल निकासी मार्गों के मास्टर प्लान तैयार करता है जो क्षेत्रीय सुविधाएँ और निकास दरें निर्धारित करते हैं।
- कैनसस सिटी APWA के मानदंड क्षेत्रीय जलसंभर अध्ययनों (MARC) पर आधारित हैं।
- इंग्लैंड की सतही जल प्रबंधन योजनाएँ (Defra, Surface Water Management Plan Technical Guidance, 2010) तैयारी, जोखिम आकलन, विकल्पों और कार्यान्वयन की चरणबद्ध पद्धति निर्धारित करते हैं।
- मलेशिया का MSMA शहरी क्षेत्रों के लिए जल निकासी मास्टर प्लान की अपेक्षा करता है।

यह अध्याय उस पद्धति को झारखंड के अनुरूप ढालता है: ऐसे पठारी राज्य के लिए जिसकी शहरी ड्रेनें तीव्र ढाल से शहरी नदियों और जलाशयों में उतरती हैं, जैसे रांची में, जहाँ हरमू, जुमार, स्वर्णरेखा और कांके, धुर्वा और गेतलसूद जलाशय शहर का अपवाह और उसका सीवेज प्राप्त करते हैं; जमशेदपुर में स्वर्णरेखा और खरकई पर स्थित आउटफॉलों के लिए, जिन्हें चांडिल से और ओडिशा में खरकई पर बने डैमों से छोड़ा गया पानी ऊँचा रख सकता है, और दामोदर और बराकर पर स्थित आउटफॉलों के लिए, जिनके स्तर तेनुघाट और DVC के जलाशय निर्धारित करते हैं; साहिबगंज और राजमहल में गंगा तट के लिए; दामोदर घाटी के कोयला क्षेत्रों के लिए, रामगढ़ और कर्णपुरा (Karanpura) से लेकर बोकारो, बेरमो, धनबाद और झरिया तक, जहाँ खदान के गड्ढे, खदान झीलें, ओवरबर्डन डंप, भू-धंसान और खदानों की आग जलग्रहण क्षेत्रों और उनके भंडारण को बदल देते हैं; सीवेज ले जाने वाली ड्रेनों के लिए, जैसा हरमू और स्वर्णरेखा तक पहुँचने वाली जमशेदपुर की ड्रेनें करती हैं; नगर निगमों में निहित ड्रेनों, JUIDCO की परियोजना ड्रेनों, Tata Steel UISL द्वारा सेवित पट्टा क्षेत्र, RRDA और MADA के क्षेत्रों, WRD की नदियों और डैमों और DVC के जलाशयों के लिए, जबकि प्राकृतिक नालों को नगरपालिका ड्रेनों से अलग करने वाला कोई आदेश नहीं है; ऐसे राज्य के लिए जिसमें डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं है; ऐसे राज्य के लिए जिसमें किसी भी शहर की ड्रेनों के लिए उपयोग योग्य कोई डिजाइन पुनरावृत्ति अवधि प्रकाशित नहीं है; उन कठोर-चट्टानी जलभृतों के लिए जिनका पूरे राज्य में कम उपयोग होता है किंतु जो जमशेदपुर के नीचे अति-दोहित और धनबाद और रांची के कुछ भागों के नीचे गंभीर हैं;

> और ऐसे दक्षिण-पश्चिम मानसून और बंगाल की खाड़ी के अवदाबों के लिए जिनके अभिलिखित दैनिक मान CWC के प्लेटों की 50-वर्ष की गहराइयों से बहुत अधिक हैं: 25 सितंबर 1999 को तालझारी में 601.4 mm और 11 जुलाई 1990 को रांची के पास मांडर में 382.0 mm (IMD)।

11.2 परिभाषाएँ

शब्द	इस मैनुअल में अर्थ
बेसिन (basin)	खंड 11.3 के अंतर्गत चिह्नित, समुद्र, किसी नदी या किसी प्रमुख जलाशय में एक आउटफॉल की ओर जल निकासी करने वाली भूमि।
बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान (BSMP)	इस अध्याय के अंतर्गत एक बेसिन के लिए तैयार की गई योजना।
अग्रणी प्राधिकारी (Lead Authority)	BSMP तैयार करने के लिए उत्तरदायी निकाय (खंड 11.4)।
सेवा स्तर (LoS)	बाढ़ के संबंध में वह कार्य-निष्पादन जो जल निकासी प्रणाली के किसी भाग को प्राप्त करना होगा, AEP और परिणाम के रूप में व्यक्त (खंड 11.6)।
बाढ़ जोखिम मानचित्र	किसी निर्दिष्ट AEP और परिदृश्य के लिए बाढ़ के विस्तार, गहराई, वेग और जोखिम वर्ग (H1–H6, अध्याय 6) का मानचित्र।
क्षेत्रीय सुविधा (regional facility)	BSMP में चिह्नित, एक से अधिक विकास को सेवा देने वाला भंडारण, वहन या आउटफॉल कार्य।
पूंजीगत सुधार कार्यक्रम (CIP)	BSMP में कार्यों की प्राथमिकता-क्रमित, लागत-सहित सूची (खंड 11.8.4)।

11.3 योजना इकाई: बेसिन, वार्ड नहीं

11.3.1 BSMP **जलवैज्ञानिक बेसिन के अनुसार** तैयार किए जाएँगे, वार्ड, जोन या स्थानीय निकाय की सीमा के अनुसार नहीं। जहाँ कोई बेसिन स्थानीय निकायों की सीमाओं को पार करता है, वहाँ एक BSMP पूरे बेसिन को समाविष्ट करेगा।

11.3.2 बेसिन की सीमाएँ खंड 11.5.2 के डिजिटल उन्नयन मॉडल से चिह्नित की जाएँगी, और ड्रेन नेटवर्क, सड़क तटबंधों, नहरों और तालाबों के आपूर्ति चैनलों से उनकी जाँच की जाएगी। बेसिनों के बीच के मोड़ (diversions), चाहे नहर, ड्रेन या अतिरिक्त जल मार्ग द्वारा हों, मानचित्रित किए जाएँगे और मॉडल में दर्शाए जाएँगे।

11.3.3 झारखंड के किसी भी शहर के लिए कोई बेसिन सीमांकन प्रकाशित नहीं हुआ है। जिन शहरी क्षेत्रों के बेसिनों की पहचान साक्ष्यों से होती है, उनके लिए बेसिन कम से कम निम्नलिखित हैं:

- **रांची, हरमू: हरमू नदी** का जलग्रहण क्षेत्र, कुल 22.59 km², उसके उद्गम से **स्वर्णरेखा** के साथ उसके संगम तक, जिसमें **अरगोड़ा नाला** और अन्य प्रमुख और छोटे इनलेट 1D नेटवर्क में हों, उनके सीवेज अवरोधन मानचित्रित हों (खंड 8.9.5), और संगम पर स्वर्णरेखा का स्तर सीमा-स्थिति हो;
- **रांची, कांके, धुर्वा और बड़ा तालाब: कांके** और **धुर्वा (हटिया)** जलाशयों के जलग्रहण क्षेत्र, कांके के नीचे **जुमार** और धुर्वा के नीचे **गारा** सहित, और **बड़ा तालाब** का जलग्रहण क्षेत्र, जिनमें प्रत्येक जलाशय का पूर्ण जल स्तर, स्पिलवे और स्लूइस भंडारण और आउटफॉल के रूप में हों, और रांची मास्टर प्लान 2037 की 20 m की रेखा दर्शाई गई हो;

- **रांची, स्वर्णरेखा और गेतलसूद:** RMC और RRDA क्षेत्र के वे जलग्रहण क्षेत्र जो **गेतलसूद** के ऊपर और नीचे **स्वर्णरेखा** में जल निकासी करते हैं, जिनमें जलाशय का स्तर और उससे छोड़ा गया पानी सीमा-स्थितियाँ हों और **भुसुर** और अन्य शहरी धाराएँ 1D नेटवर्क में हों;
- **जमशेदपुर और आदित्यपुर:** पट्टा क्षेत्र, **मानगो**, **जुगसलाई** और **आदित्यपुर** के वे जलग्रहण क्षेत्र जो **सोनारी** (Sonari) में उनके संगम के ऊपर और नीचे **स्वर्णरेखा** और **खरकई** में जल निकासी करते हैं, जिनमें CWC के जमशेदपुर स्थल पर और, खरकई पर, आदित्यपुर पर स्तर सीमा-स्थितियाँ हों, **चांडिल** से और ओडिशा में खरकई पर बने डैमों से छोड़ा गया पानी अंतर्वाह हो, और आउटफॉल-बंद स्थिति एक डिजाइन स्थिति हो;
- **धनबाद और झरिया:** धनबाद की विश्व बैंक परियोजना के सात जल निकासी जोन और **दामोदर** और **खुदिया** में गिरने वाली छह मुख्य प्राकृतिक ड्रेनों के जलग्रहण क्षेत्र, जिनमें परियोजना द्वारा छोड़े गए कोयला-युक्त और अग्नि क्षेत्र, प्रणाली में भंडारण के रूप में लिए गए **तालाब**, खदान के गड्ढे केवल वहीं भंडारण के रूप में दर्शाए गए हों जहाँ पट्टाधारी और DGMS सम्मति दें और उनके स्तरों और अतिप्रवाहों का सर्वेक्षण हुआ हो, DEM में भू-धंसान, और **पंचेत** के नीचे दामोदर के और **मैथन** के नीचे बराकर के स्तर सीमा-स्थितियाँ हों;
- **बोकारो, चास, रामगढ़ और दामोदर के अन्य नगर: तेनुघाट** और **पंचेत** के बीच **दामोदर** में जल निकासी करने वाले जलग्रहण क्षेत्र, जिनमें CWC के रामगढ़ और पुपुनकी स्थलों पर स्तर और तेनुघाट और DVC जलाशयों से छोड़ा गया पानी सीमा-स्थितियाँ हों, और ओवरबर्डन डंप अवसाद के स्रोत हों; और
- **साहिबगंज और राजमहल: गंगा** में जल निकासी करने वाले जलग्रहण क्षेत्र, जिनमें CWC के साहिबगंज गेज पर स्तर सीमा-स्थिति हो, आउटफॉल-बंद स्थिति एक डिजाइन स्थिति हो, और राज्य का एकमात्र रामसर स्थल **उधवा झील** दर्शाई गई हो।

अन्य टियर A निकाय, जिनमें देवघर, हजारीबाग, गिरिडीह और मेदिनीनगर हैं, उन्हें समाविष्ट करने वाले पहले BSMP में अपने बेसिन परिभाषित करेंगे। जहाँ WRD, DVC, CWC, DGMS या किसी न्यायालय के पास कोई उच्चतम बाढ़ स्तर, पूर्ण जल स्तर, डूब क्षेत्र सीमांकन, किसी जलाशय (reservoir) या जल निकाय के आसपास की रेखा, या किसी डैम, स्लूइस या पंपिंग स्टेशन का प्रचालन नियम है, वहाँ BSMP अपनी सीमा-स्थितियाँ उससे लेगा और उन स्तरों को अपने 1% AEP मानचित्र के सापेक्ष दर्शाएगा।

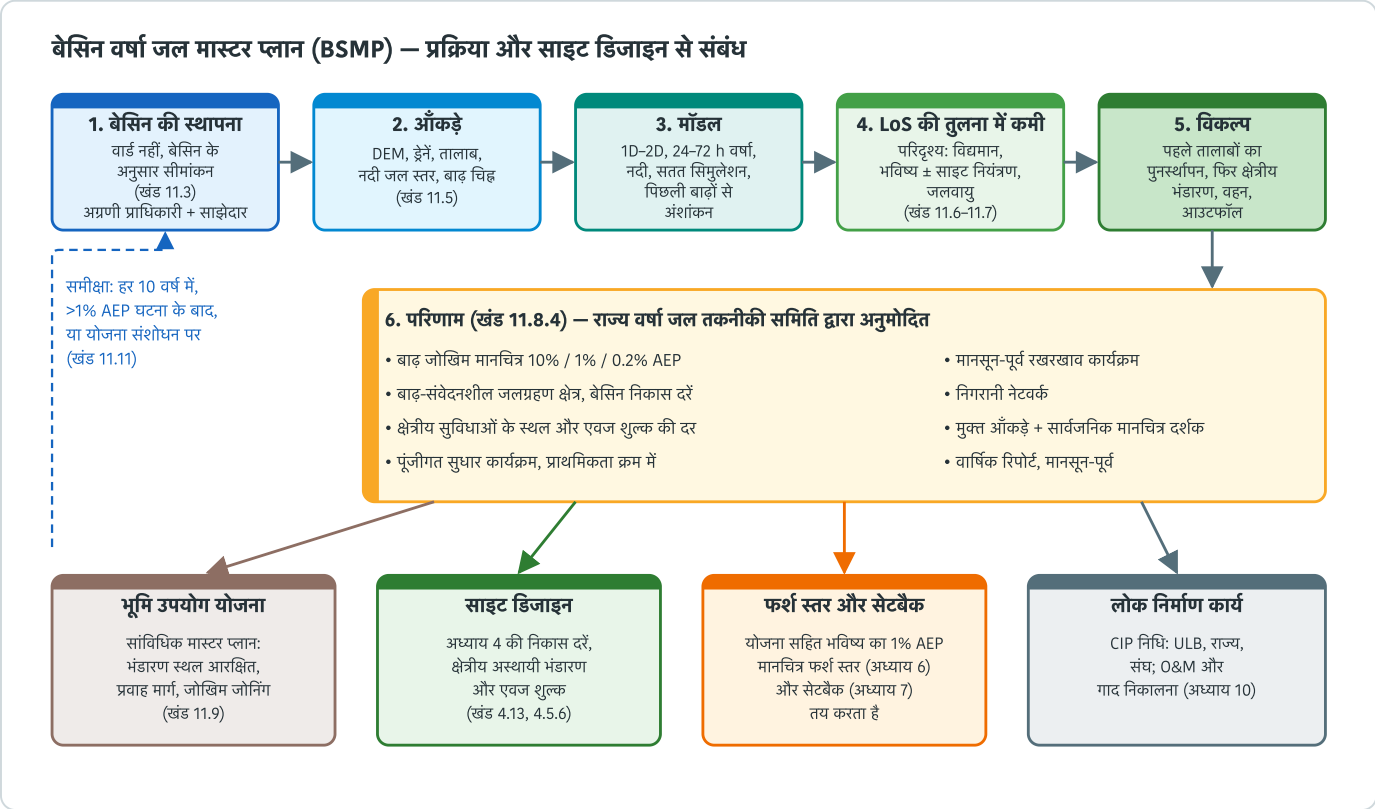

चित्र 11.1 — बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान की प्रक्रिया और साइट डिजाइन से उसके संबंध। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग। चरण-संरचना Defra, Surface Water Management Plan Technical Guidance (2010), और Mile High Flood District की मास्टर प्लान पद्धति पर आधारित है।

भाष्य. पानी वार्ड की सीमाओं का पालन नहीं करता। वार्ड-दर-वार्ड ड्रेन योजना समस्या को अगले वार्ड तक, और अगले स्थानीय निकाय तक, पहुँचा सकती है। झारखंड में एक ही ड्रेन किसी नदी तक पहुँचने के मार्ग में कई हाथों से गुजर सकती है। झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 सभी सार्वजनिक ड्रेनें और किसी सार्वजनिक सड़क के साथ-साथ या उसके नीचे की सभी ड्रेनें (धारा 221), और सार्वजनिक तालाब, उनसे संबद्ध ऐसी संलग्न भूमि सहित जो निजी संपत्ति नहीं है (धारा 203), नगरपालिका में निहित करता है, और नगरपालिका को राज्य के अनुमोदन से कोई ड्रेन किसी अन्य प्राधिकारी को सौंपने या उससे लेने की अनुमति देता है (धारा 222); JUIDCO राज्य की जल निकासी परियोजनाएँ, जैसे हरमू के कार्य और धनबाद की ड्रेनें, बनाती है और उनके हस्तांतरण तक उन्हें चलाती है; RRDA RMC के बाहर रांची मास्टर प्लान के क्षेत्र की योजना बनाता है, जहाँ उच्च न्यायालय ने ठहराया है कि पंचायत राज अधिनियम क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम पर अभिभावी है (नवंबर 2025, प्रकाशित खबरों के अनुसार); जमशेदपुर में पट्टा क्षेत्र को Tata Steel UISL 2005 के एक पट्टे के अंतर्गत सेवाएँ देती है, जो उसे "नगरपालिका सेवाओं और नागरिक सुविधाओं के स्तर" ("the standard of municipal services and civic amenities") को बनाए रखने के लिए बाध्य करता है, किंतु ड्रेनों का उल्लेख नहीं करता, जबकि मानगो, जुगसलाई और आदित्यपुर के अपने नगर निकाय हैं; WRD के पास नदियाँ, उपविधि 23 की नदी सीमा और डैम हैं; और कोयला कंपनियों के पास उनके पट्टों पर की ड्रेनें, गड्ढे और डंप हैं। हरमू, जुमार और रांची में भुसुर जैसे प्राकृतिक नालों और शहरी नदियों को नगरपालिका ड्रेनों से अलग करने वाला कोई नियम नहीं है (जैसा यह मैनुअल अभिलेख को पढ़ता है)। ड्रेनें इन सीमाओं के आर-पार सीवेज ले जाती हैं: हरमू के 14 प्रमुख इनलेटों में से केवल नौ सीवरों से जुड़े थे, और ये शुष्क मौसम में नदी में उफनते थे, उसका सीवर नेटवर्क लेखापरीक्षा द्वारा आकलित 47.12 MLD के स्थान पर 22.15 MLD के लिए डिजाइन किया गया था, और 2009 और 2021 के बीच करमा चौक पुल (Karma Chowk bridge) पर नदी 18.70 m संकरी हो गई (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1)। यह खंड बेसिन को योजना इकाई बनाता है, ताकि एक ही मॉडल प्रत्येक ड्रेन को उसके शीर्ष से नदी तक ले जाए, चाहे प्रत्येक भाग का स्वामी कोई भी हो, और ताकि अवरोधन कार्यों का परीक्षण उन ड्रेनों की क्षमता के सापेक्ष हो जिनकी वे टैपिंग करते हैं (अध्याय 8, खंड 8.9.5)।

11.4 कौन तैयार करेगा, और कब

11.4.1 **अग्रणी प्राधिकारी.**

- नगर निगम वाले शहर के बेसिनों के लिए: **नगर निगम** (रांची में **RMC**; अन्यत्र धनबाद, देवघर, चास, हजारीबाग, गिरिडीह, आदित्यपुर, मानगो और मेदिनीनगर के नगर निगम), जिसमें सार्वजनिक ड्रेनें और सड़कों की ड्रेनें निहित हैं (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 221) और जिसके लिए एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल उपलब्ध कराना आवश्यक है (धारा 219), और उसमें राज्य की जल निकासी परियोजनाओं के लिए निष्पादन एजेंसी के रूप में **JUIDCO**; UD&HD के निर्देश के अनुसार दोनों में से कोई भी प्लान तैयार कर सकता है, और UD&HD उसे मास्टर प्लान में सम्मिलित करता है (खंड 11.9)। जमशेदपुर पट्टा क्षेत्र में अग्रणी प्राधिकारी वह निकाय है जिसके पास 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना के अंतर्गत वह क्षेत्र है, या, जब तक उस अधिसूचना को चुनौती दी जा रही है, JNAC, और सेवा प्रदाता के रूप में **Tata Steel UISL**; RMC के बाहर रांची मास्टर प्लान के क्षेत्र में यह **RRDA** है; और धनबाद खनन क्षेत्र में, जब तक उसके कार्य धनबाद नगर निगम को नहीं चले जाते (धारा 615(4)), यह **MADA** है। जहाँ कोई बेसिन निगम की सीमा से आगे तक फैला है, वहाँ बेसिन के अन्य स्थानीय निकाय और प्राधिकार भागीदार हैं, और एक BSMP पूरे बेसिन को समाविष्ट करता है (खंड 11.3.1)।
- प्राकृतिक नालों को नगरपालिका ड्रेनों से, या स्थानीय निकायों की ड्रेनों को WRD और DVC की नदियों और जलाशयों से, अलग करने वाला कोई आदेश नहीं मिला; जब तक ऐसा आदेश नहीं बनता, यह मैनुअल प्रत्येक BSMP के भीतर भागों (reaches) को निम्नानुसार सौंपता है, जिसमें प्रत्येक निकाय उन भागों और कार्यों के लिए, जिनका वह स्वामी है या जिन्हें वह चलाता है, और उन पर CIP के अंशों के लिए अग्रणी प्राधिकारी है: नदियों, भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23 की नदी सीमा, राज्य के डैमों और जलाशयों और उनके स्पिलवे, स्लूइसों और उनसे छोड़े जाने वाले पानी के लिए, जिनमें कांके, धुर्वा, गेतलसूद, चांडिल और तेनुघाट हैं, और गंगा के डूब क्षेत्र के सीमांकन के लिए **WRD**; तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत जलाशयों और उनसे छोड़े जाने वाले पानी के लिए **DVC**; अपने पट्टे के भीतर खदान के गड्ढों, खदान झीलों, ओवरबर्डन डंपों, गारलैंड ड्रेनों और तलछट बेसिनों के लिए, **DGMS** के साथ, **कोयला कंपनी या अन्य पट्टाधारी**; उसमें निहित ड्रेनों और सार्वजनिक तालाबों (धारा 203 और 221) के लिए और अपनी सीमाओं के भीतर के उन प्राकृतिक नालों के लिए जो किसी अन्य निकाय के

पास नहीं हैं, **नगर निगम**, **नगर परिषद** या **नगर पंचायत**; परियोजना ड्रेनों के लिए, उनके हस्तांतरित होने तक, **JUIDCO**; अपने क्षेत्रों में अपनी योजनाओं की ड्रेनों के लिए **RRDA** और **MADA**; जमशेदपुर पट्टा क्षेत्र में अपने द्वारा चलाई जाने वाली ड्रेनों के लिए, जब तक उनका उत्तरदायित्व तय नहीं हो जाता, **Tata Steel UISL**; अपनी संपदाओं की ड्रेनों के लिए **औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार**; किसी भी अधिसूचित आर्द्रभूमि और उधवा झील के लिए, वन विभाग के साथ, **झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण**; और अपनी सड़कों की ड्रेनों के लिए पथ निर्माण विभाग और NHAI।

- टियर B निकायों में: अग्रणी प्राधिकारी को UD&HD नामित करता है। किसी साझा नदी-भाग या जलाशय में जल निकासी करने वाले बेसिनों को एक जिला-स्तरीय प्लान में समूहित किया जा सकता है।

झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण से प्रत्येक ऐसे BSMP पर परामर्श किया जाएगा जिसका बेसिन किसी अधिसूचित आर्द्रभूमि या उधवा झील में जल निकासी करता है; JSDMA और जिला प्रशासन से प्रत्येक BSMP पर; झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद से प्रत्येक ऐसे BSMP पर जो किसी नदी या जलाशय तक सीवेज ले जाने वाली, या किसी खदान से अपवाह प्राप्त करने वाली, किसी ड्रेन पर कार्य प्रस्तावित करता है; DVC से दामोदर–बराकर बेसिन के प्रत्येक BSMP पर; और ओडिशा या पश्चिम बंगाल के साथ साझा किसी नदी, जैसे स्वर्णरेखा, खरकई या दामोदर, पर आउटफॉल वाले बेसिन के लिए, WRD के माध्यम से उन राज्यों के जल संसाधन विभागों से।

WRD, या दामोदर और बराकर पर अपने जलाशयों के लिए DVC, प्रत्येक ऐसे BSMP में भागीदार होगा जिसमें उसके नियंत्रण वाली कोई नदी, नहर या तालाब सम्मिलित है।

11.4.2 **BSMP कब आवश्यक है.**

- (a) प्रत्येक टियर A निकाय इस मैनुअल के प्रभावी होने के **3 वर्ष** के भीतर अपने पूरे क्षेत्र को समाविष्ट करने वाले BSMP का अनुमोदन करेगा।
- (b) निम्नलिखित से पहले BSMP आवश्यक है:
  - खंड 4.13 के अंतर्गत कोई क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण या एवज शुल्क स्वीकार किया जाए;
  - खंड 4.5.6.3 के अंतर्गत रखा गया कोई शुल्क व्यय किया जाए; और
  - खंड 11.8.3 के अंतर्गत कोई बेसिन-विशिष्ट निकास दर लागू की जाए।
- (c) टियर B निकाय वहाँ BSMP तैयार करेगा जहाँ उसका अग्रणी प्राधिकारी, या राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति, भवनों या धमनी सड़कों में बार-बार बाढ़ पाती है।

11.4.3 **तैयारी.** BSMP बेसिन-स्तरीय मॉडलिंग के अनुभव वाले, वर्षा जल डिजाइन पेशेवर (Stormwater Design Professional; अध्याय 10) के रूप में सूचीबद्ध किसी अभियंता द्वारा, या उसके निर्देशन में, तैयार किए जाएँगे।

11.5 आँकड़े और सर्वेक्षण

11.5.1 प्रत्येक BSMP तालिका 11.1 के आँकड़े एकत्र और प्रकाशित (खंड 11.10) करेगा:

तालिका 11.1 — BSMP के लिए न्यूनतम आँकड़े और सर्वेक्षण

आँकड़े	न्यूनतम अपेक्षा
भू-भाग	LiDAR या फोटोग्रामिति से डिजिटल उन्नयन मॉडल, शहरी क्षेत्रों में 0.15 m RMSE या बेहतर ऊर्ध्वाधर सटीकता के साथ, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के डेटम से जुड़ा हुआ
ड्रेन नेटवर्क	सभी सार्वजनिक ड्रेन, पुलियों और आउटफॉलों की सूची, इनवर्ट स्तरों, आकारों, स्थिति और गाद की गहराई के साथ; 600 mm से बड़ी निजी ड्रेन
जलाशय	अध्याय 7 के अंतर्गत प्रत्येक तालाब (tank), तालाब (talab), पोखर और दलदल का सर्वेक्षण: FTL, MWL, बाँध का स्तर, जल स्तर-भंडारण, स्लूइस, सरप्लस वियर, आपूर्ति चैनल, अतिक्रमण

आँकड़े	न्यूनतम अपेक्षा
नदियाँ और नहरें	200 m से अधिक नहीं के अंतराल पर और प्रत्येक संरचना पर अनुप्रस्थ काट
आउटफॉल, नदियाँ, जलाशय और खदान के गड्ढे	प्रत्येक स्तर के डेटम का नाम, फुट में प्रकाशित स्तरों को परिवर्तित करके; निकटतम CWC गेज पर प्राप्तकर्ता नदी के चेतावनी, खतरे और उच्चतम बाढ़ स्तरों और उसके अभिलिखित चरमों (जमशेदपुर में स्वर्णरेखा पर खतरे का स्तर 123.5 m और उच्चतम बाढ़ स्तर 129.82 m, 12 अक्तूबर 1973; साहिबगंज में गंगा पर 27.25 m और 30.91 m, 20 अगस्त 1998; CWC की स्थल सूचियाँ, प्रकाशित खबरों के अनुसार) के सापेक्ष आउटफॉल के इनवर्ट स्तर, और मानगो और आदित्यपुर पुलों पर जिले के निशान एक अलग शृंखला के रूप में रखे जाएँ; जलाशयों और तालाबों में गिरने वाले आउटफॉलों के लिए, WRD या अभिरक्षक से पूर्ण जल स्तर, अधिकतम जल स्तर और स्पिलवे और स्लूइस के आँकड़े, प्रकाशित मानों के बीच किसी भी विरोध के साथ (गेतलसूद के लिए, CWC की सूची में 590.06 m, जबकि एक अन्य स्रोत में लगभग 1,954 ft), और DVC जलाशयों के लिए, DVC से संरक्षण स्तर और अधिकतम बाढ़ स्तर, यह बताते हुए कि किसका उपयोग किया गया है; गेतलसूद, चांडिल, तेनुघाट और DVC जलाशयों से, और ओडिशा में खरकई पर बने डैमों से छोड़े गए पानी के अभिलेख; भंडारण के रूप में प्रस्तावित किसी भी खदान के गड्ढे के लिए, DGMS की सम्मति के साथ, उसके स्तर, अतिप्रवाह और हाईवॉल की स्थिरता का पट्टाधारी का सर्वेक्षण; जहाँ बाध्यकारी हों वहाँ रांची मास्टर प्लान 2037 की शर्त 2.9 की और भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23 की रेखाएँ; और आउटफॉलों पर स्लूइस, फ्लैप गेट, अवरोधन संरचनाएँ, चेक डैम, तालाब के निकास वियर और पंपिंग स्टेशन, उनकी क्षमताओं और प्रचालन नियमों के साथ
वर्षा और स्तर	सभी उपलब्ध वर्षामापी (IMD, जिसमें रांची (A), जमशेदपुर (A), जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग, डालटनगंज, दुमका और चाईबासा की उसकी वेधशालाएँ, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके का स्वचालित मौसम केंद्र, और मौसम विज्ञान केंद्र, रांची द्वारा सूचित अन्य स्वचालित मौसम केंद्र और वर्षामापी सम्मिलित हैं; राज्य के जिलों और प्रखंडों के वर्षामापी, जैसे कांके, मांडर और नामकुम के; CWC के वर्षामापी और नदी गेज, जिनमें रांची जिले में जुमार पर, धुर्वा डैम पर गारा पर और कांची पर उसके जल स्तर निगरानी स्थल सम्मिलित हैं; DVC के और WRD के जलाशय गेज और वर्षामापी; और नगर निगमों, Tata Steel UISL और स्मार्ट सिटी कंपनियों द्वारा रखे गए कोई भी गेज) और जल स्तर के अभिलेख, जिनमें जून 2008 (जमशेदपुर), मई 2021 (चक्रवात यास, जमशेदपुर और खरकई), अगस्त 2022 (रांची), सितंबर 2024 (दामोदर पर DVC द्वारा छोड़ा गया पानी) और जून 2025 (रांची और जमशेदपुर) की घटनाओं के अभिलेख सम्मिलित हैं
बाढ़ के साक्ष्य	पिछली घटनाओं के सर्वेक्षित बाढ़ चिह्न और मानचित्रित बाढ़ विस्तार, सार्वजनिक रिपोर्टों सहित
भूमि उपयोग	विद्यमान भूमि उपयोग और अपारगम्यता; सांविधिक मास्टर प्लान से भविष्य का भूमि उपयोग
मिट्टी और भूजल	HSG मानचित्र (परिशिष्ट 3A); मौसमी उच्चतम भूजल स्तर; जलभृत और पुनर्भरण क्षेत्र
सीवर से अंतःक्रिया	ज्ञात सीवेज के अवैध जुड़ाव, ड्रेन में शुष्क मौसम प्रवाह, और ठोस अपशिष्ट हॉटस्पॉट

भाष्य. 0.15 m सटीकता का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे इसलिए निर्धारित करता है कि साहिबगंज और राजमहल में गंगा के डूब क्षेत्र पर, जमशेदपुर और आदित्यपुर में स्वर्णरेखा और खरकई के डूब क्षेत्रों पर, पठार की घाटी-तल की दोन (don) भूमियों और कोयला क्षेत्र के भू-धंसान गर्तों में, और रांची के जलाशयों और तालाबों के किनारों के आसपास, जहाँ पूर्ण जल स्तर की रेखा तय करती है कि क्या बनाया जा सकता है, भूमि स्तर में छोटी-सी त्रुटि भी बाढ़ की सीमा को बहुत दूर खिसका देती है, और BSMP से प्राप्त 1% विस्तार फर्श स्तर (अध्याय 6) और सेटबैक (अध्याय 7) निर्धारित करता है। पिछले बाढ़ चिह्न उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने मॉडल। जून 2008 (जमशेदपुर), मई 2021 (चक्रवात यास, जमशेदपुर और खरकई), अगस्त 2022 (रांची), सितंबर 2024 (दामोदर पर DVC द्वारा छोड़ा गया पानी) और जून 2025 (रांची और जमशेदपुर) की घटनाएँ झारखंड के पास उपलब्ध सर्वोत्तम अंशांकन आँकड़े हैं, और अधिकांश साक्ष्य तस्वीरों, समाचार रिपोर्टों और निवासियों के अभिलेखों में हैं, जिन्हें नष्ट होने से पहले एकत्र किया जाना चाहिए।

11.6 सेवा स्तर

11.6.1 प्रत्येक BSMP निम्नलिखित न्यूनतम सेवा स्तर लेगा। BSMP अधिक कठोर स्तर ले सकता है।

तालिका 11.2 — न्यूनतम सेवा स्तर

तत्व	न्यूनतम सेवा स्तर
लघु प्रणाली	अध्याय 6 की डिजाइन AEP (तालिका 6.1)
आवास योग्य भवन	1% AEP (100-वर्ष) घटना में फर्श स्तर से ऊपर कोई बाढ़ नहीं
महत्वपूर्ण सुविधाएँ (अस्पताल, आपातकालीन सेवाएँ, उप-केंद्र, जल और सीवेज संयंत्र)	0.2% AEP (500-वर्ष) घटना में सुविधा में कोई बाढ़ नहीं; 1% AEP घटना में पहुँच सड़क चलने योग्य
निष्क्रमण मार्ग और धमनी सड़कें	1% AEP घटना में चलने योग्य (जोखिम वर्ग H2 या बेहतर, अध्याय 6)
रुके जल की निकासी का समय	10% AEP (10-वर्ष) घटना में वर्षा रुकने के **6 घंटे** के भीतर सड़कों से सतही जल हट जाए
तालाब (tank) और तालाब (talab) का भंडारण	सबसे पहले उपलब्ध सर्वेक्षण के सापेक्ष मापा गया, बेसिन में MWL से नीचे बाढ़ भंडारण की कोई शुद्ध हानि नहीं
आउटफॉल	अध्याय 5 की संयुक्त और आउटफॉल-बंद स्थितियों में कार्यशील

भाष्य. भवनों और सड़कों के स्तर अध्याय 6 को दोहराते हैं, ताकि बेसिन प्लान और साइट डिजाइन एक ही परिणाम का लक्ष्य रखें। महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए 0.2% AEP, रुके जल की निकासी का 6 घंटे का समय और तालाबों के भंडारण के लिए शुद्ध हानि नहीं का नियम, इनका कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है और ये इस मैनुअल द्वारा निर्धारित हैं। निकासी का समय उस बात को दर्शाता है जिस पर निवासी वर्षा घटना के बाद सबसे अधिक ध्यान देते हैं। शुद्ध हानि नहीं का नियम भंडारण की उस हानि को दर्शाता है जिसकी गिनती तो हुई है किंतु माप नहीं हुआ। विधि में राज्य के तालाब केवल आंशिक रूप से संरक्षित हैं: किसी नगरपालिका के सार्वजनिक तालाब और उनसे संबद्ध ऐसी संलग्न भूमि, जो निजी संपत्ति नहीं है, उसमें निहित होती है (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 203), किंतु वही अधिनियम आयुक्त को किसी निजी तालाब या गर्त को पुनः खुदवाने के साथ-साथ भरवाने की अपेक्षा करने की शक्ति भी देता है (धारा 341); तालाबों के लिए कोई अलग कानून नहीं है; और फरवरी 2025 तक आर्द्रभूमि नियम, 2017 के अंतर्गत कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं हुई थी (राज्य सभा का उत्तर), यद्यपि 2023 में 44 आर्द्रभूमियों की एक प्रारूप सूची की खबर थी (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। साहिबगंज में उधवा झील, 935.5 ha की गंगा के डूब क्षेत्र की आर्द्रभूमि, राज्य का एकमात्र रामसर स्थल है (रामसर सूचना पत्रक में नामांकन की तिथि 8 जनवरी 2024; घोषणा फरवरी 2025 में, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। फिर भी हानियाँ स्पष्ट दिखती हैं: उच्च न्यायालय को बताया गया कि रांची में कभी रहे 71 तालाबों में से अब केवल चार-पाँच दिखते हैं, और उसने कांके और धुर्वा डैमों की घटी हुई क्षमता और हरमू और जुमार नदियों पर अतिक्रमण पर ध्यान दिया (2024, प्रकाशित खबरों के अनुसार); जमशेदपुर का मास्टर प्लान 1,280 ha विद्यमान जल क्षेत्र के स्थान पर 1,186.31 ha जल क्षेत्र प्रस्तावित करता है (UD&HD, 2017); और धनबाद के योजना क्षेत्र में 2,283.53 ha जलाशय हैं (UD&HD, 2017), जिनमें से 10 बड़े तालाबों को भंडारण के रूप में जल निकासी में लिया गया है (JUIDCO, 2017)। शहरों से परे गाँवों के तालाब (talab), बाँध (bandh), आहर (ahar) और डोभे (dobha) हैं, और खेत के तालाबों के रूप में बड़ी संख्या में खोदे गए डोभे, सितंबर 2017 तक 1,74,654 (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। किसी नगर निगम के भीतर किसी तालाब या जलाशय के भंडारण का कोई सर्वेक्षण नहीं मिला, और कांके या धुर्वा की कोई विश्वसनीय क्षमता प्रकाशित नहीं हुई है।

11.7 मॉडलिंग और परिदृश्य

11.7.1 **मॉडल.** प्रत्येक BSMP निम्नलिखित के युग्मित 1D–2D हाइड्रोलिक मॉडल का उपयोग करेगा:

- लघु प्रणाली;
- प्रमुख (सतही) प्रणाली;

- नदियाँ, नहरें और तालाब; और
- आउटफॉल।

विधियाँ अध्याय 3 के अनुसार होंगी। ज्वारीय और नदी सीमा-स्थितियाँ अध्याय 5 के अनुसार होंगी।

11.7.2 **डिजाइन वर्षा घटनाएँ.** मॉडल अध्याय 2 की डिजाइन वर्षा घटनाओं के लिए, जिनमें 24, 48 और 72 घंटे की वर्षा घटनाएँ सम्मिलित हैं, कम से कम 50%, 10%, 1% और 0.2% AEP के लिए चलाया जाएगा। क्षेत्रीय न्यूनीकरण खंड 2.7.3 के अंतर्गत लागू किया जाएगा।

11.7.3 **सतत सिमुलेशन.** तालाब श्रृंखलाओं वाले बेसिनों को सतत सिमुलेशन (खंड 3.13) द्वारा भी चलाया जाएगा, जहाँ उपलब्ध हो वहाँ IMD के संपूर्ण ग्रिड दैनिक अभिलेख का, और कम से कम 30 वर्ष का, उपयोग करते हुए, जिसे परिशिष्ट 2D के कालिक वितरणों द्वारा विभाजित किया गया हो। इससे पता चलता है कि डिजाइन वर्षा घटनाओं के आने पर तालाब कितने भरे हैं, और भारी वर्षा कितनी बार बंद आउटफॉल के साथ घटित होती है। खंड 3.13.5 की दो-पदीय पद्धति का उपयोग किया जा सकता है: एक सरलीकृत भंडारण मॉडल पूरे अभिलेख के लिए चलाया जाता है, और खंड 11.7.1 का युग्मित 1D–2D मॉडल केवल डिजाइन वर्षा घटनाओं के लिए, सतत रन से प्राप्त तालाब स्तरों से आरंभ करके, चलाया जाता है। पूर्ण 1D–2D मॉडल का सतत रन आवश्यक नहीं है।

11.7.4 **परिदृश्य.** प्रत्येक BSMP कम से कम निम्नलिखित का मॉडल बनाएगा:

- (a) **विद्यमान:** विद्यमान भूमि उपयोग, नेटवर्क, तालाब और आउटफॉल;
- (b) **भविष्य, अनियंत्रित:** सांविधिक मास्टर प्लान के अंतर्गत भविष्य का भूमि उपयोग, बिना किसी साइट नियंत्रण के;
- (c) **भविष्य, नियंत्रित:** अध्याय 4 के साइट नियंत्रणों के साथ भविष्य का भूमि उपयोग;
- (d) **भविष्य, योजना सहित:** परिदृश्य (c) और CIP के कार्य; और
- (e) **जलवायु:** परिदृश्य (a) और (d), खंड 2.8 के जलवायु गुणकों के साथ, जिनका उपयोग बिना परिवर्तन के किया जाता है: झारखंड के लिए डिजाइन गुणक वाला भारी वर्षा का कोई प्रक्षेपण नहीं मिला; जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्य योजना (2014) दो परिदृश्यों के अंतर्गत सदी के अंत तक कम से कम 10 अधिक वर्षा दिवसों, या लगभग 20% अधिक वर्षा, का प्रक्षेपण करती है, जबकि राज्य में प्रेक्षित मानसून वर्षा 1901 से लगभग 13 mm प्रति दशक घटी है (Sharma and Kotal, 2022); और CWC प्लेटों के बनने के बाद के स्टेशन अभिलेख, 5 जुलाई 1998 को कांके में 332.6 mm और 18 जून 2008 को जमशेदपुर (A) में 338.1 mm, उन प्लेटों की 50-वर्ष की 24-घंटे की गहराइयों से अधिक हैं (IMD; इस मैनुअल का पठन), जो गुणकों को बनाए रखने का कारण है, उन्हें घटाने का नहीं।

11.7.5 **अंशांकन.** मॉडल का अंशांकन और वैधीकरण खंड 3.15 के अंतर्गत किया जाएगा, जहाँ आँकड़े उपलब्ध हों वहाँ जून 2008 (जमशेदपुर), मई 2021 (चक्रवात यास, जमशेदपुर और खरकई), अगस्त 2022 (रांची), सितंबर 2024 (दामोदर पर DVC द्वारा छोड़ा गया पानी) और जून 2025 (रांची और जमशेदपुर) की घटनाओं में से कम से कम दो का उपयोग करते हुए।

BSMP मॉडल: खंड 11.7 द्वारा अपेक्षित तत्व (योजनाबद्ध, पैमाने पर नहीं)

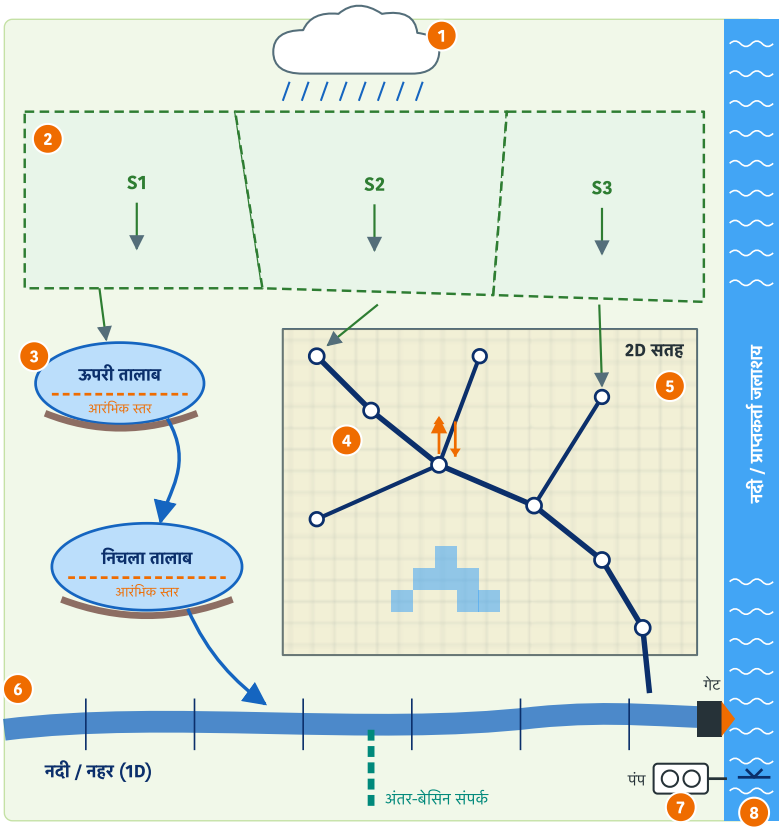

1. **डिजाइन वर्षा**
   अध्याय 2 की वर्षा घटनाएँ, 24, 48, 72 h सहित; 50%, 10%, 1%, 0.2% AEP; क्षेत्रीय न्यूनीकरण (खंड 2.7.3, 11.7.2)
2. **उप-जलग्रहण क्षेत्र**
   अध्याय 3 की विधियों से अपवाह; खंड 11.7.4 के हर परिदृश्य (a)–(e) के लिए भूमि उपयोग
3. **तालाब और पोखर**
   सर्वेक्षित FTL, MWL, जल स्तर–भंडारण, स्लूइस, सरप्लस वियर (खंड 11.5.1); आरंभिक स्तर सतत रन से (खंड 3.13.5, 11.7.3)
4. **1D ड्रेन नेटवर्क**
   लघु प्रणाली: सर्वेक्षित इनवर्ट और गाद सहित ड्रेनें, पाइप और पुलियाँ (खंड 11.5.1)
5. **2D सतह**
   DEM पर प्रमुख (सतही) प्रणाली, 0.15 m RMSE या बेहतर; इनलेट और मैनहोल पर 1D के साथ आदान-प्रदान
6. **नदियाँ और नहरें (1D)**
   अधिकतम 200 m के अंतर पर और हर संरचना पर अनुप्रस्थ काट; बेसिनों के बीच के डायवर्जन मानचित्रित (खंड 11.3.2)
7. **आउटफॉल**
   स्लूइस, फ्लैप गेट और पंप; अध्याय 5 की संयोगी और आउटफॉल-बंद स्थितियाँ
8. **अनुप्रवाह सीमा**
   नदी (CWC या WRD गेज) या झील का जल स्तर (MWL या FTL + सरचार्ज), अध्याय 5 के अनुसार

जहाँ आँकड़े उपलब्ध हों, कम से कम दो बड़ी पिछली बाढ़ घटनाओं से अंशांकन और वैधीकरण करें (खंड 11.7.5)।

चित्र 11.2 — खंड 11.7 द्वारा अपेक्षित BSMP मॉडल के तत्व: उप-जलग्रहण क्षेत्र, 1D ड्रेन और चैनल नेटवर्क, 2D सतह, सतत सिमुलेशन से प्राप्त आरंभिक स्तरों वाले तालाब (tank) और तालाब (talab), और आउटफॉल पर ज्वारीय या नदी सीमा-स्थिति (योजनाबद्ध, पैमाने पर नहीं)। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, युग्मित 1D–2D शहरी बाढ़ मॉडलिंग की सामान्य पद्धति पर आधारित।

> **भाष्य.** परिदृश्य (b) की परिदृश्य (c) से तुलना दर्शाती है कि साइट नियम अपने आप क्या प्राप्त करते हैं। परिदृश्य (d) दर्शाता है कि सार्वजनिक कार्य क्या जोड़ते हैं। यह तुलना बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों को अधिसूचित करने (खंड 4.5.4) और अधिक कठोर बेसिन निकास दर निर्धारित करने (खंड 11.8.3) का साक्ष्य-आधार भी है।

11.8 विकल्प, आउटपुट और पूंजीगत सुधार कार्यक्रम

11.8.1 **विकल्पों का पदानुक्रम.** विकल्पों पर निम्नलिखित क्रम में विचार किया जाएगा, जो खंड 1.2 के पदानुक्रम का बेसिन-स्तरीय रूप है:

1. **भंडारण का संरक्षण और पुनर्स्थापन:** तालाब (talab), तालाब (tank), दलदल और डूब क्षेत्र, जिसमें मूल तल तक गाद निकालना और अतिक्रमित क्षेत्र को वापस प्राप्त करना सम्मिलित है (अध्याय 7);
2. **क्षेत्रीय प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण**, मॉडलिंग द्वारा ऐसे स्थानों पर जहाँ निकास मुख्य धारा के चरम के साथ न मिले (खंड 4.13);
3. ड्रेन, नहरों और पुलियों का **वहन** उन्नयन;
4. **आउटफॉल कार्य:** स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर और गंगा में गिरने वाले आउटफॉलों पर स्लूइस और फ्लैप गेट; जहाँ कोई आउटफॉल बंद हो सकता है, जैसे जमशेदपुर, आदित्यपुर और साहिबगंज में, वहाँ पंपिंग स्टेशन और उनके पीछे का भंडारण; ऐसे अवरोधन कार्य जो हरमू और अन्य शहरी नदियों की वर्षा जल क्षमता लिए बिना उनसे सीवेज को बाहर रखें; ओवरबर्डन डंपों और खदान स्थलों के नीचे तलछट बेसिन और

टो ड्रेनें (toe drains); और कांके, धुर्वा, गेतलसूद और चांडिल के स्पिलवे और स्लूइसों के, और प्राप्तकर्ता स्तर निर्धारित करने वाले तेनुघाट और DVC जलाशयों से पानी छोड़ने के, प्रचालन नियम, जो WRD और DVC के साथ सहमत हों;

5. जहाँ कार्य सेवा स्तर तक नहीं पहुँच सकते, वहाँ **संपत्ति-स्तरीय सुरक्षा**; और
6. **गैर-संरचनात्मक उपाय:** बाढ़ चेतावनी (उदाहरण के लिए मौसम विज्ञान केंद्र, रांची द्वारा जारी IMD की जिला वर्षा चेतावनियाँ और नाउकास्ट, स्वर्णरेखा, दामोदर, बराकर, उत्तरी कोयल और गंगा पर CWC के स्थलों पर उनके चेतावनी और खतरे के स्तरों के सापेक्ष CWC के बाढ़ पूर्वानुमान और नदी के जल स्तर, गेतलसूद, चांडिल, तेनुघाट और DVC जलाशयों से, और ओडिशा के प्राधिकारियों के माध्यम से खरकई पर बने डैमों से, पानी छोड़े जाने की अनुप्रवाह के नगरों को सूचना, और जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष), बाढ़ जोखिम जोनिंग, आपातकालीन योजना और जन सूचना।

11.8.2 **विकल्पों का आकलन.** प्रत्येक विकल्प का आकलन निम्नलिखित के लिए किया जाएगा:

- बाढ़ जोखिम में कमी (बाढ़ से प्रभावित भवन और लोग; अपेक्षित वार्षिक क्षति);
- पूंजीगत लागत और 30 वर्ष की रखरखाव लागत;
- आवश्यक भूमि;
- जमशेदपुर, धनबाद, बेरमो और रांची की अति-दोहित और गंभीर इकाइयों में भूजल पुनर्भरण पर, जहाँ पानी कठोर-चट्टानी जलभृत तक केवल लैटेराइट के नीचे के अपक्षयित क्षेत्र से होकर पहुँचता है, घाटी-तलों के उथले मानसून-पश्चात भूजल स्तर पर, खदान के जल-निष्कासन और खनन से विक्षुब्ध भूमि की स्थिरता पर, और भूजल की, जिसमें राज्य के कुछ भागों में फ्लोराइड और साहिबगंज के जलोढ़ में आर्सेनिक है, और अपवाह जिन नदियों और जलाशयों तक पहुँचता है उनकी गुणवत्ता पर प्रभाव (अध्याय 8);
- अनुप्रवाह बेसिनों और प्राप्तकर्ता नदी या जलाशय पर प्रभाव; और
- लाभ किसे होता है।

11.8.3 **बेसिन निकास दरें.** जहाँ परिदृश्य (c) सेवा स्तर को पूरा नहीं करता, वहाँ BSMP AEP और उप-जलग्रहण क्षेत्र के अनुसार, अध्याय 4 से अधिक कठोर, बेसिन-विशिष्ट **साइट की अनुमेय प्रवाह दर** ($m^3/s/ha$) निर्धारित कर सकता है। यह दर खंड 4.5.4 की अधिसूचना प्रक्रिया के अंतर्गत प्रभावी होती है।

11.8.4 **आउटपुट.** प्रत्येक BSMP निम्नलिखित तैयार करेगा:

- (a) 10%, 1% और 0.2% AEP के लिए, विद्यमान और भविष्य-योजना-सहित, बाढ़ जोखिम मानचित्र (विस्तार, गहराई, वेग, जोखिम वर्ग)। **1% AEP भविष्य-योजना-सहित मानचित्र** फर्श स्तरों (अध्याय 6) और सेटबैक (अध्याय 7) के लिए संदर्भ मानचित्र बन जाता है;
- (b) अनुशंसित बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र और कोई बेसिन निकास दरें (खंड 4.5.4 और 11.8.3);
- (c) क्षेत्रीय सुविधाओं के स्थल, भंडारण आयतनों, भूमि की आवश्यकताओं और उनके द्वारा सेवित साइटों के साथ;
- (d) बेसिन के लिए एवज शुल्क की इकाई दर (खंड 4.13.3);
- (e) **पूंजीगत सुधार कार्यक्रम**: प्रति रुपया जोखिम में कमी के अनुसार प्राथमिकता-क्रमित कार्य, लागत, चरणबद्धता और एजेंसी के साथ;
- (f) मानसून-पूर्व **रखरखाव कार्यक्रम**: गाद निकालना, गेट और पंप का परीक्षण, और तालाबों के प्रचालन नियम (अध्याय 10); और
- (g) निगरानी की आवश्यकताएँ: नए वर्षामापी, स्तर संवेदक और बाढ़ चिह्न सर्वेक्षण बिंदु।

> **भाष्य.** भंडारण का पुनर्स्थापन पहले आता है क्योंकि झारखंड के शहरों के अनेक आउटफॉल सबसे अधिक वर्षा वाले सप्ताहों में बंद या सीमित रहते हैं, और क्योंकि अकेले वहन विफल रहा है। चांडिल से या ओडिशा के डैमों से पानी छोड़े जाने की पूरी अवधि तक स्वर्णरेखा और खरकई जमशेदपुर के आउटफॉलों से ऊपर रह सकती हैं; साहिबगंज में गंगा 9 से 31 अगस्त 2021 तक अपने खतरे के स्तर से ऊपर रही (CWC, प्रकाशित खबरों के अनुसार); और रांची के जलाशयों में गिरने वाले आउटफॉल जलाशयों के भरे रहने तक बंद रहते हैं। रांची कभी अपने अपवाह को अपने तालाबों और डैमों में रखता था, और शहर में बताए गए 71 तालाबों में से केवल चार-पाँच दिखते हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार)। बेसिन प्लान के बिना बना वहन काम नहीं आया: रांची में 1.49 km वर्षा जल ड्रेनें टुकड़ों में बनाई गईं जो किसी से नहीं जुड़तीं, और हरमू चैनल, जिसका आकार उसके 22.59 km^2 जलग्रहण क्षेत्र में से 8.49 km^2 पर 0.29 के अपवाह गुणांक के साथ तय किया गया, लगातार दो मानसूनों में क्षतिग्रस्त हुआ (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); और धनबाद की ड्रेनें 1-वर्ष की वर्षा घटना तक सीमित रखी गईं

क्योंकि बड़ी ड्रेनों के लिए भूमि चाहिए थी (JUIDCO, 2017), इसलिए उसके तालाबों का भंडारण ही नगर और बड़ी वर्षा घटनाओं के बीच खड़ा है। बिना किसी बताए गए डिजाइन आधार वाली ड्रेनों के लिए वर्षा घटनाएँ बड़ी हैं: IMD ने तालझारी में एक दिन में 601.4 mm (25 सितंबर 1999), मांडर में 382.0 mm (11 जुलाई 1990) और जमशेदपुर (A) में 338.1 mm (18 जून 2008) दर्ज की है, जो वहाँ CWC प्लेटों की 50-वर्ष की 24-घंटे की गहराइयों से अधिक है (IMD; इस मैनुअल का पठन)। केवल वहन उन्नयन पानी को तेजी से ऐसे आउटफॉल तक ले जाते हैं जिसे बाढ़ में चढ़ी स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर या गंगा, या अपने पूर्ण जल स्तर पर रखा गया कोई जलाशय, बंद कर सकता है, या जो अपने स्लूइस, अवरोधन संरचना या पंपिंग स्टेशन की क्षमता से सीमित है। झारखंड में भूजल अपने औद्योगिक नगरों में पुनर्भरण की माँग करता है और अन्यत्र उसका कम उपयोग होता है। 2025 में राज्य का दोहन का चरण (stage of extraction) 32.89% था (CGWB, PIB के माध्यम से), और 2023 में उसकी 263 आकलन इकाइयों में से 241 सुरक्षित थीं, किंतु जमशेदपुर शहरी, गोलमुरी-सह-जुगसलाई, बलियापुर और बेरमो अति-दोहित और धनबाद शहरी और तोपचांची गंभीर थीं, और रांची जिले का 501.6 km^2 भाग गंभीर था (CGWB, 2023); मई 2022 में रांची जिले में मानसून-पूर्व भूजल स्तर भूमि से 33 m नीचे तक गिर गया (CGWB)। राज्य का लगभग 85% भाग कठोर चट्टान का है, जहाँ पानी जलभृत तक एक अपक्षयित क्षेत्र से होकर पहुँचता है जो सामान्यतः 10–25 m मोटा और लैटेराइट के नीचे 30–60 m होता है, और रांची में लगभग 50–70 m और 100–120 m पर दरारों से; लैटेराइट वाले भूभाग में अनेक खुले कुएँ गर्मियों में सूख जाते हैं (CGWB), इसलिए पुनर्भरण का परत के नीचे के अपक्षयित क्षेत्र तक पहुँचना आवश्यक है। किंतु अधिकांश कुओं में मानसून-पश्चात भूजल स्तर भूमि से 2–5 m नीचे रहता है (CGWB, 2022), इसलिए घाटी-तलों पर पुनर्भरण जलभराव को बढ़ाता है। गुणवत्ता और खनन भी पुनर्भरण को सीमित करते हैं: पलामू, गढ़वा, कोडरमा और पाकुड़ के कुछ भागों में और रांची के ओरमांझी, रांची सदर और सिल्ली प्रखंडों में फ्लोराइड, और साहिबगंज, राजमहल और उधवा के जलोढ़ में आर्सेनिक की सूचना है (CGWB); और कोयला क्षेत्रों में खदान का जल-निष्कासन भूजल स्तर को नीचे खींचता है, जबकि भू-धंसान और आग भूमि को अस्थिर बनाते हैं। भवन उपविधि 2016 भूजल स्तर की गहराई या भूमि का ध्यान रखे बिना 300 m^2 और उससे बड़े प्रत्येक भूखंड पर पुनर्भरण गड्ढों की अपेक्षा करती है (उपविधि 51.1)। इसीलिए पुनर्भरण, जलभराव, खनन से विक्षुब्ध भूमि और भूजल की गुणवत्ता, सभी आकलन के मानदंड हैं। यह मैनुअल परियोजनाओं को प्रति रुपया जोखिम में कमी के अनुसार क्रमित करता है, ताकि सीमित बजट पहले वहाँ लगे जहाँ सबसे अधिक लोग सुरक्षित होते हैं।

11.9 भूमि उपयोग योजना के साथ एकीकरण

11.9.1 अनुमोदित BSMP को सांविधिक भूमि उपयोग योजना में सम्मिलित किया जाएगा: UD&HD द्वारा अनुमोदित मास्टर प्लान, जिनमें झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम, 1981 (अंगीकृत) की धारा 24 के अंतर्गत रांची मास्टर प्लान 2037, और झारखंड नगर निवेशन एवं उन्नयन न्यास अधिनियम, 2002 (अंगीकृत) की धारा 33 के अंतर्गत जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027 और धनबाद मास्टर प्लान 2041 हैं; वे विकास योजनाएँ और जल निकासी योजनाएँ जिनका उल्लेख भवन उपविधि 2016 की उपविधि 30.1 करती है; RRDA, MADA और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों की योजनाएँ; और भवन उपविधि 2016 के अध्याय VIII के अंतर्गत अनुमोदित लेआउट। विशेष रूप से:

- (a) क्षेत्रीय सुविधाओं के स्थल, पुनर्स्थापित तालाब बाढ़ भंडारण, और प्रमुख प्रवाह मार्ग प्लान में **आरक्षित** किए जाएँगे;
- (b) 1% AEP जोखिम मानचित्र दर्शाया जाएगा, और उस पर अध्याय 7 के सेटबैक लागू किए जाएँगे;
- (c) 1% AEP घटना में जोखिम वर्ग H5–H6 की भूमि को नए आवासीय विकास के लिए जोन नहीं किया जाएगा; और
- (d) किसी बेसिन के भीतर लेआउटों के खुले स्थान, जहाँ संभव हो, इस प्रकार स्थित होने चाहिए कि वे BSMP में दर्शाए गए प्रमुख प्रवाह मार्गों या क्षेत्रीय भंडारण का भाग बनें।

11.9.2 जहाँ किसी BSMP के अनुमोदन से पहले कोई भूमि उपयोग योजना संशोधित की जाती है, वहाँ योजना प्राधिकरण सर्वोत्तम उपलब्ध बाढ़ मानचित्रण का उपयोग करेगा और BSMP को लंबित के रूप में अभिलिखित करेगा।

भाष्य. झारखंड अपनी जल रेखाएँ अपनी भवन उपविधि में और एक मास्टर प्लान में खींचता है। भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23 नदी की सीमा के भीतर निर्माण पर रोक लगाती है, गंगा की बाहरी सीमा से नदी सीमा तक या राज्य द्वारा विहित किसी अधिक दूरी तक (23.1), और अन्य नदियों की बाहरी सीमा से 10–15 m के भीतर (23.2), किंतु राज्य ने उन नदियों की सूची कभी अधिसूचित नहीं की जिन पर 23.2 लागू

> होती है, और 23.4 किसी योजना प्राधिकरण को सरकार के अनुमोदन से पुनः प्राप्त भूमि पर नदी-तट विकसित करने देती है; उपविधि 30.1 विकास योजना या जल निकासी योजना में दर्शाए गए प्राकृतिक जलमार्गों या ड्रेनों में अनुमति देने से इनकार करती है। रांची मास्टर प्लान 2037 कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के पूर्ण जल स्तर से 20 m पीछे निर्माण रखता है, जिस दूरी को सेटबैक में नहीं गिना जाता, और प्रत्येक नदी और प्राकृतिक नाले से कम से कम 10 m पीछे, और जहाँ स्थान हो वहाँ 10–15 m (30 नवंबर 2015 के उसके अनुमोदन की शर्त 2.9); जमशेदपुर और धनबाद के प्लान के अनुमोदनों में ऐसा कोई उपबंध नहीं मिला। डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं है: गंगा के डूब क्षेत्र का WRD द्वारा सीमांकन जलविज्ञान की प्रतीक्षा में है, और जमशेदपुर में राष्ट्रीय हरित अधिकरण की संयुक्त समिति ने उपविधि की 10–15 m की दूरी का सहारा लिया क्योंकि स्वर्णरेखा का डूब क्षेत्र कभी निर्धारित नहीं किया गया था (2024)। उच्च न्यायालय ने बिना किसी बताई गई दूरी के रांची के जलाशयों के आसपास प्रवेश-निषिद्ध जोन का आदेश दिया है (2025, प्रकाशित खबरों के अनुसार), और कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं हुई है, इसलिए आर्द्रभूमि नियम, 2017 की 50 m की रेखा कहीं भी बाध्यकारी नहीं है। अनुसूचित क्षेत्रों (Scheduled Areas) में जल निकासी आरक्षित पट्टियों के लिए भूमि प्राप्त करना कठिन है, जहाँ छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 और संथाल परगना काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949 रैयती भूमि के हस्तांतरण को प्रतिबंधित करते हैं (प्रकाशित खबरों के अनुसार; पाठ पढ़े नहीं गए), इसलिए BSMP पहले लोक भूमि, विद्यमान तालाबों, सड़क आरक्षित पट्टियों और ऊपर बताए गए बफरों की ओर देखता है, और झारखंड हस्तांतरणीय विकास अधिकार नियमावली, 2017 (Transferable Development Rights Rules, 2017) जल निकासी के लिए सौंपी गई भूमि के बदले विकास अधिकार देती है। ये नदी, जलाशय और नाला रेखाएँ हैं, जल निकासी-बाढ़ रेखाएँ नहीं; अध्याय 7 के हाइड्रोलिक कॉरिडोर और सेटबैक जोन इस मैनुअल का प्रस्ताव हैं, और जहाँ मास्टर प्लान 2037 की रेखाएँ या उपविधि की 10–15 m की दूरी बाध्यकारी हो और अधिक चौड़ी हो, वहाँ वही लागू होती है। BSMP मास्टर प्लानों को वह 1% AEP जल निकासी-बाढ़ मानचित्र, और अध्याय 7 की बफर चौड़ाइयाँ, देता है जिनकी उन्हें आवश्यकता है। खुले स्थान की भूमि को भंडारण या प्रवाह मार्ग के रूप में उपयोग करने का कोई प्रत्यक्ष पूर्व-उदाहरण नहीं है; यह मैनुअल इसे इसलिए अपनाता है कि झारखंड भवन उपविधि, 2016 पहले से अपेक्षा करती है कि किसी लेआउट की कम से कम 10% भूमि पार्कों और खुले स्थानों के रूप में रखी जाए और प्राधिकारी को सौंप दी जाए (उपविधि 72.1, जिस पर 0.30 ha या उससे छोटे आवासीय लेआउटों के लिए बल नहीं दिया जाता, उपविधि 74.3), 300 m^2 और उससे बड़े भूखंडों पर वर्षा जल संचयन हो, छत के प्रत्येक 100 m^2 के लिए कम से कम 6 m^3 के पुनर्भरण गड्ढों या खाइयों के साथ और खुली भूमि में ऊपरी मिट्टी को नदी की रेत से बदलकर, ताकि वर्षा जल धीरे-धीरे रिसे (उपविधि 51), और बहुमंजिला भवनों के चारों ओर के फर्श के कम से कम 40% भाग पर नरम फर्श हो (उपविधि 58.6.15, 2017 में यथासंशोधित), किंतु अस्थायी भंडारण या चरम अपवाह का कोई नियम निर्धारित नहीं करती; किसी लेआउट के खुले स्थान में रखा गया भंडारण इन्हीं दायित्वों पर आधारित है, और चूँकि वह भूमि अब भी खुले स्थान के रूप में काम करती है, इसलिए भंडारण को खुले स्थान के रूप में उपयोग योग्य बना रहना होगा। इसे प्रवाह मार्ग पर रखने में विकासकर्ता का कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता और बेसिन को वह भंडारण मिल जाता है जिसे अन्यथा उसे खरीदना पड़ता।

11.10 परामर्श और प्रकाशन

11.10.1 BSMP का प्रारूप कम से कम **60 दिन** के लिए जन सुझावों हेतु प्रकाशित किया जाएगा, प्रत्येक प्रभावित स्थानीय निकाय में सार्वजनिक बैठकों के साथ।

11.10.2 अनुमोदन के बाद, निम्नलिखित को मुक्त आँकड़ों (open data) के रूप में प्रकाशित किया जाएगा:

- मॉडल फाइलें;
- बाढ़ जोखिम मानचित्र;
- खंड 11.5.1 के आँकड़े, सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील परिसंपत्तियों के विवरण को छोड़कर; और
- CIP।

इन्हें एक सार्वजनिक मानचित्र दर्शक (map viewer) पर भी दर्शाया जाएगा।

भाष्य. मानचित्रों का प्रकाशन खरीदारों, ऋणदाताओं, बीमाकर्ताओं और निवासियों को निर्माण या खरीद से पहले बाढ़ जोखिम देखने देता है। मॉडल का प्रकाशन डिजाइनकर्ताओं को प्राधिकारी वाली ही सीमा-स्थितियों का उपयोग करने देता है, ताकि साइट डिजाइन और बेसिन प्लान सुसंगत रहें। यह अध्याय 10 की प्रकाशन पद्धति से मेल खाता है।

11.11 अनुमोदन, समीक्षा और रिपोर्टिंग

11.11.1 **अनुमोदन.** BSMP का अनुमोदन, मॉडल और जन सुझावों की समीक्षा के बाद, राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति (अध्याय 1) द्वारा किया जाएगा।

11.11.2 **समीक्षा.** प्रत्येक BSMP की समीक्षा की जाएगी:

- प्रत्येक **10 वर्ष** में;
- बेसिन में 1% AEP डिजाइन गहराई से अधिक की किसी घटना के **2 वर्ष** के भीतर (खंड 2.14); और
- जब सांविधिक भूमि उपयोग योजना संशोधित की जाए।

11.11.3 **वार्षिक रिपोर्ट.** अग्रणी प्राधिकारी प्रत्येक दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले (31 मई तक) वार्षिक कार्यान्वयन रिपोर्ट प्रकाशित करेगा। रिपोर्ट में निम्नलिखित दर्शाए जाएँगे:

- CIP की प्रगति;
- एवज शुल्क की खाता-बही (खंड 4.13.4);
- पूरा किया गया रखरखाव; और
- सेवा स्तरों की तुलना में कोई बाढ़।

11.12 अंतरिम व्यवस्थाएँ

11.12.1 जब तक किसी बेसिन के लिए BSMP का अनुमोदन नहीं हो जाता, तब तक:

- (a) अध्याय 4 से 8 के सभी साइट मानदंड पूर्ण रूप से लागू होते हैं;
- (b) खंड 4.13 के अंतर्गत क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण और एवज शुल्क उपलब्ध नहीं हैं, सिवाय खंड 4.5.6.3 के अंतर्गत शुल्क रखने के;
- (c) फर्श स्तर और सेटबैक सर्वोत्तम उपलब्ध मानचित्रण का, और जहाँ कोई मानचित्रण नहीं है वहाँ अध्याय 6 और 7 की विधियों का, उपयोग करते हैं; और
- (d) सार्वजनिक ड्रेन परियोजनाओं में बेसिन-स्तरीय जाँच सम्मिलित की जाएगी कि उनका आउटफॉल और अनुप्रवाह भाग (reaches) अध्याय 5 की टेलवाटर स्थितियों में डिजाइन प्रवाह ले सकते हैं।

संदर्भ (अध्याय)

- Central Ground Water Board (2024). *Dynamic Ground Water Resources of Jharkhand, 2023* (stage of extraction and assessment units; Wayback copy). https://web.archive.org/web/20240124162933id_/https://cgwb.gov.in/cgwbpnm/public/uploads/documents/17056451648004513 00file.pdf
- Central Ground Water Board. *Ground Water Year Book, Jharkhand 2019-20* (depth to water, weathered zone and quality). https://cgwb.gov.in/old_website/Regions/MER/Reports/Ground%20Water%20Year%20Book%202019-20-Jharkhand.pdf
- Central Ground Water Board. *Ground Water Information Booklet, Ranchi District* (2013) (fractures, laterite and fluoride). https://www.cgwb.gov.in/old_website/District_Profile/Jharkhand/RANCHI.pdf
- Comptroller and Auditor General of India (2023). Report No. 1 of 2023, Government of Jharkhand, Chapter 3 (Ranchi sewerage and drainage), https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/7-Chapter-3-064ccf54aaea3b2.74931941.pdf ; Chapter 4 (the Harmu river), https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2023/8-Chapter-4-064ccf54ab201d9.52401481.pdf
- Defra (2010). *Surface Water Management Plan Technical Guidance*. Department for Environment, Food and Rural Affairs, London.
- Mile High Flood District (Denver). Master planning programme और Urban Storm Drainage Criteria Manual।
- Mid-America Regional Council (2025). APWA Stormwater Standards Supplement; KC Metro APWA Section 5600, Version 2025.01.
- Department of Irrigation and Drainage Malaysia (2012). *Urban Stormwater Management Manual for Malaysia (MSMA)*, 2nd ed.
- Government of Jharkhand, Urban Development and Housing Department (2015). Approval of the Ranchi Master Plan 2037, No. 02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008-4371 of 30 November 2015 (conditions 2.9 and 3.1; Wayback copy). http://web.archive.org/web/20220527111932id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/MP_Notification_4371%20dt-30-11-15.pdf
- Government of Jharkhand, Urban Development and Housing Department (2017). Approval of the Jamshedpur (UA) Master Plan (GIS based)-2027, No. 02/न0वि0/मास्टर प्लान-102/2008-6622 of 23 October 2017, http://web.archive.org/web/20220806111123id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/Jamshedpur%20Notification.pdf ; and of the Dhanbad GIS-based Master Plan-2041, No. 06/न0वि0(TCPO)/मा0 प्लान-22/2016-6648 of 24 October 2017, http://web.archive.org/web/20220527111934id_/https://udhd.jharkhand.gov.in/Docs/mapsreports/Dhanbad%20Notification.pdf
- Government of Jharkhand, Urban Development and Housing Department (2016). *Jharkhand Building Bye-laws, 2016*, byelaws 23, 30, 51, 58.6.15, 72 and 74 (Wayback copy). http://web.archive.org/web/20190426093550id_/http://udhd.jharkhand.gov.in/Handlers/Acts.ashx?id=BL06042016060406PM.pdf
- Jharkhand Municipal Act 2011 (Jharkhand Act 07 of 2012), sections 203, 219, 221, 222, 341 and 615 (Wayback copy). http://web.archive.org/web/20171223160748id_/http://udhd.jharkhand.gov.in:80/Handlers/Acts.ashx?id=AT01042016100433AM.pdf

- Jharkhand Urban Infrastructure Development Company (2017). *Draft ESIA, Storm Water Drainage, Dhanbad*, Vol. I (zones, outfalls, ponds as storage and the 1-year design frequency). http://web.archive.org/web/20180205012706id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/Home/cirfiles/ESIA%20Dhanbad%20Drainage_Volume1.pdf
- Jharkhand Urban Infrastructure Development Company (c. 2017). Progress sheet, Harmu river project (Wayback copy). http://web.archive.org/web/20171026182839id_/http://juidco.jharkhand.gov.in:80/MIS/home/newsfiles/32_Harmu%20river.pdf
- Comptroller and Auditor General of India (2017). *Annual Technical Inspection Report on Local Bodies for the year ended 31 March 2016*, Government of Jharkhand, Chapter 4 (the integrated sewerage and storm drainage DPR of 2014). https://www.cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2017/Chapter_4_Performance_Audit_–_Urban_Local_Bodies_of_Annual_Technical_Inspection_Report_of_2017_-_Local_Bodies_Government_of_Jharkhand.pdf
- Indenture of Lease between the Government of Jharkhand and Tata Steel, 20 August 2005 (third-party copy). https://saryuroy.in/hindi/pdf/facts/tata_lease_jhar_govt_20_08_2005.pdf
- State of Jharkhand (c. 2020). Quarterly progress reports in OA 200/2014, *M.C. Mehta v. Union of India*, before the National Green Tribunal (the Ganga floodplain consultancy). https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/Jharkhand%20Second%20Quarterly%20Progress%20Report%20in%20O.A.%20No.%20200%20of%202014.pdf
- National Green Tribunal, Eastern Zone. I.A. No. 56 of 2024 in OA 145/2023 (EZ), quoting the Joint Committee report of 14 March 2024 (the Subarnarekha floodplain not designated). https://www.greentribunal.gov.in/sites/default/files/news_updates/1724385258.pdf
- Ministry of Water Resources (2018). Minutes on the Damodar Valley Reservoir Regulation Committee. https://mowr.nic.in/core/Circulars/2018/Pen.%20River_08-07-2018_16.pdf
- Forest, Environment and Climate Change Department, Jharkhand (2018). Reconstitution of the Jharkhand State Wetlands Authority, No. 6/Vanprani (wetland)-08/2016-2138 of 22 May 2018. https://indianwetlands.in/wp-content/uploads/2022/02/Jharkhand.pdf
- Ramsar Convention. Ramsar Information Sheet, Site no. 2559, Udhwa Lake Bird Sanctuary. https://rsis.ramsar.org/RISapp/files/RISrep/IN2559RIS_2502_en.pdf
- Rajya Sabha (2025). Reply to question 267 of 13 February 2025 (wetlands notified under the Wetlands Rules 2017). https://rsdebate.nic.in/bitstream/123456789/758759/1/PQ_267_13022025_U1007_p169_p175.pdf
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change (2017). Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2017, rule 4(2)(vi).
- Press Information Bureau (18 December 2025). Lok Sabha reply on the dynamic groundwater resources of 2025, Annexure I. https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2206073
- Government of Jharkhand (2014). *Jharkhand Action Plan on Climate Change*. https://moef.gov.in/uploads/2017/08/Jharkhand.pdf
- Sharma, R. and Kotal, S.D. (2022). Analysis of temporal trend of rainfall, temperature and extreme events over Jharkhand. *MAUSAM* 73(4), 795–808. https://metnet.imd.gov.in/docs/mausamdocs/17345_F.pdf

- India Meteorological Department. *Extremes of Temperature and Rainfall for Indian Stations (up to 2012)* (Jharkhand stations), and *Climate of Jharkhand* (2011). https://imdpune.gov.in/library/public/Cimate%20of%20Jharkhand.pdf
- The Telegraph, Reporter Post, ThePrint, LiveLaw, Business Standard, Avenue Mail and the Press Trust of India (2017–2026). Reports of the High Court's hearings on Ranchi's ponds and dams, the RRDA and panchayat ruling, the dobha programme, the draft wetland list, the Udhwa announcement, Tata Steel UISL's drain work and the AMRUT drainage projects (secondary sources; addresses not retained).

परिशिष्ट और प्रपत्र

परिशिष्ट / प्रपत्र	विषय-वस्तु
11A	BSMP की संदर्भ-शर्तों का टेम्पलेट
11B	टियर A निकायों के लिए बेसिनों की सूचियाँ और सीमाएँ
11C	झारखंड के भवन प्रकारों के लिए गहराई–क्षति वक्र
11D	BSMP आँकड़ों और मॉडल के प्रकाशन का मानक
प्रपत्र 11-1	वार्षिक कार्यान्वयन रिपोर्ट

अध्याय 1 के परिशिष्ट

नीति, प्रयोज्यता और अंगीकरण

ये परिशिष्ट अध्याय 1 के लिए हैं। इनमें वे सूचियाँ और मानचित्र हैं जो परिभाषित करते हैं कि मैनुअल कहाँ लागू होता है, नीति अनुपूरक का और उन विधिक लिखतों का आदर्श पाठ है जिनके माध्यम से मैनुअल को प्रभाव दिया जा सकेगा, और वे दो प्रपत्र हैं जिन्हें आवेदक अध्याय 1 के अंतर्गत दाखिल करता है। यह मैनुअल एक प्रारूप है; यह किसी सरकार या एजेंसी द्वारा अंगीकृत नहीं किया गया है: आदर्श विधिक पाठ सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु प्रस्तुत है और प्रवृत्त नहीं है, और प्रपत्र प्रारूप प्रपत्र हैं। "तैयार किया जाना है" के रूप में चिह्नित परिशिष्ट बताता है कि उसे किन आँकड़ों की आवश्यकता है और उसके प्रकाशित होने तक किस नियम का उपयोग किया जाए (खंड 1.11.5)।

परिशिष्ट 1A — टियर A प्राधिकारियों की सूची, नगर निगमों और रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र की सीमाओं सहित

अध्याय 1 के खंड 1.6.1 से 1.6.5 के लिए।

1A.1 खंड 1.6.1 प्राधिकारी के वर्ग के आधार पर टियर A को परिभाषित करता है। तालिका 1A.1 वर्गों को, और खंड में नामित प्राधिकारियों को, उसी रूप में प्रस्तुत करती है जैसे अध्याय 1 उन्हें परिभाषित करता है। तालिका 1A.1 में न आने वाला प्रत्येक प्राधिकारी टियर B है (खंड 1.6.2)।

तालिका 1A.1 — खंड 1.6.1 में परिभाषित टियर A प्राधिकारी

मद	टियर A प्राधिकारी	खंड
(a)	रांची नगर निगम (RMC), और रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र के भीतर RRDA और प्रत्येक अन्य अनुमोदन प्राधिकारी	1.6.1(a)
(b)	झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के अंतर्गत गठित प्रत्येक अन्य नगर निगम (जिनमें धनबाद, देवघर, चास, हजारीबाग, गिरिडीह, आदित्यपुर, मानगो और मेदिनीनगर सम्मिलित हैं), अपनी सीमाओं के भीतर के प्रत्येक अन्य अनुमोदन प्राधिकारी सहित	1.6.1(b)
(c)	अपने क्षेत्र में MADA	1.6.1(c)
(c)	जमशेदपुर में भवन अनुमति देने वाला निकाय: JNAC, या 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना के अंतर्गत उसका उत्तराधिकारी निकाय (उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई [TBC])	1.6.1(c)
—	ऐसा टियर B प्राधिकारी जो परिषद संकल्प द्वारा टियर A का विकल्प चुनता है, या जिसे सरकार टियर A के रूप में अधिसूचित करती है	1.6.4

1A.2 टियर चाहे जो हो, बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में डिजाइन-सहायिका मार्ग और खंड 1.7 के विकल्प उपलब्ध नहीं हैं (खंड 1.6.5; परिशिष्ट 1B)।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र के भीतर के प्रत्येक अनुमोदन प्राधिकारी की और प्रत्येक नगर निगम की नामवार पूरी सूची होगी, वह तिथि जिससे प्रत्येक टियर A है, और उन क्षेत्रों की सीमाएँ मानचित्र और GIS परत के रूप में। इसके लिए रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र की सीमा (652.02 km²: RMC के 55 वार्ड और RRDA के 114 राजस्व ग्राम) और उसमें भवन और लेआउट अनुमति देने वाले निकाय, उन पंचायत क्षेत्रों सहित जहाँ उच्च न्यायालय ने 2025 में माना है कि झारखंड पंचायत राज अधिनियम क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम पर अभिभावी है (प्रकाशित खबरों के अनुसार) (UD&HD, RRDA); नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों की वर्तमान सूची और सीमाएँ (UD&HD); MADA का क्षेत्र और झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 615(4) के अंतर्गत कोई अधिसूचना (ऐसी कोई अधिसूचना नहीं मिली [TBC]); जमशेदपुर के औद्योगिक नगर पर 23 दिसंबर 2023 की अधिसूचना का पाठ, वहाँ नगरपालिका अधिनियम किस सीमा तक लागू होता है, और PIL 2636/2024 का परिणाम [TBC]; औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों के औद्योगिक क्षेत्र, जो तब तक टियर B हैं जब तक वे टियर A का विकल्प न चुनें (खंड 1.6.4); और जिला और अंचल (anchal; circle) सीमाएँ (राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, भारतीय सर्वेक्षण विभाग) आवश्यक हैं। इसके प्रकाशित होने तक टियर का निर्णय खंड 1.6.1 के वर्गों के आधार पर किया जाता है और उसे प्रपत्र 1-1 पर दर्ज किया जाता है, और प्राधिकारी आवेदन-पूर्व चरण में उसकी पुष्टि करता है (खंड 1.5.9)।

तालिका 1A.2 — टियर A प्राधिकारियों का रजिस्टर (ढाँचा)

क्र.	प्राधिकारी	वर्ग (नगर निगम / नगर परिषद / नगर पंचायत / विकास प्राधिकार / अन्य)	जिला	आधार (खंड 1.6.1(a), (b), (c) या 1.6.4)	टियर A कब से (तिथि)	अधिसूचना या संकल्प का संदर्भ
1						
2						
3						

1A.3 नगर निगमों और रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र की सीमा का मानचित्र, उसमें दर्शाई गई अधिसूचना की तिथि सहित, मशीन-पठनीय फॉर्मेट में मुक्त आँकड़ों (open data) के रूप में प्रकाशित किया जाएगा (खंड 10.17.4)।

परिशिष्ट 1B — बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के मानचित्र

अध्याय 1 के खंड 1.4, 1.6.5 और 1.10.3(d), तथा अध्याय 4 के खंड 4.5.3 और 4.5.4 के लिए।

1B.1 बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र खंड 4.5.3.2 में सूचीबद्ध हैं। तालिका 1B.1 उस सूची को दोहराती है। इस परिशिष्ट के मानचित्र और परिशिष्ट 4A की सीमाएँ एक ही आँकड़ा-समूह हैं और साथ-साथ जारी किए जाएँगे।

तालिका 1B.1 — खंड 4.5.3.2 में सूचीबद्ध बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र

मद	जलग्रहण क्षेत्र	अध्याय 4 में वर्णित विस्तार
(a)	हरमू नदी पर रांची और उसकी निचली कॉलोनियाँ	हरमू नदी का स्वर्णरेखा से उसके संगम तक का जलग्रहण क्षेत्र (कुल 22.59 km², जिसके 10.4 km के शहरी नदी-भाग को 25-वर्ष की और फिर 50-वर्ष की बाढ़ के लिए डिजाइन की गई एक योजना के अंतर्गत चैनलबद्ध किया गया), उसमें मिलने वाले अरगोड़ा नाले और अन्य नालों और ड्रेनों सहित, और रांची की वे निचली कॉलोनियाँ जो हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto) और हिनू में जाती हैं और भारी वर्षा में जलमग्न होती हैं; हरमू के 14 प्रमुख और 56 छोटे इनलेट सीवेज ले जाते थे, और 2009 और 2021 के बीच करमा चौक पुल (Karma Chowk bridge) पर नदी 18.70 m संकरी हो गई (CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); अगस्त 2022 के एक दिन, जब रांची में 54.2 mm वर्षा दर्ज हुई, कांके रोड पर घुटनों तक पानी भरा रहा (प्रकाशित खबरों के अनुसार)

मद	जलग्रहण क्षेत्र	अध्याय 4 में वर्णित विस्तार
(b)	स्वर्णरेखा–खरकई के तटों पर जमशेदपुर	जमशेदपुर, आदित्यपुर, मानगो, जुगसलाई और बागबेड़ा की वह भूमि जो स्वर्णरेखा और खरकई में जाती है, जिसके आउटफॉल नदियों के ऊँची होने पर रुक जाते हैं; जमशेदपुर पर स्वर्णरेखा के CWC स्थल का खतरे का स्तर 123.5 m और उच्चतम बाढ़ स्तर 129.82 m (1973) है, और आदित्यपुर पर खरकई का उच्चतम बाढ़ स्तर 137.8 m (18 जून 2008) है (CWC की सूची से लिए गए रूप में); जून 2008 में जुगसलाई, बागबेड़ा, सोनारी और आसपास के क्षेत्रों में 500 से अधिक घर जलमग्न हुए, और जुलाई 2025 में बागबेड़ा में लगभग 159 (प्रकाशित खबरों के अनुसार)
(c)	धनबाद–झरिया भू-धंसान पट्टी	झरिया कोयला क्षेत्र के भीतर धनबाद, झरिया, कतरास और सिंदरी की वह भूमि जो भू-धंसान गर्तों, खदान के गड्ढों या कतरी, जमुनिया और खुदिया में जाती है, धनबाद की जल निकासी परियोजना में नामित निचले वार्ड 25, 26, 28 और 29 सहित (JUIDCO, 2017); कोयला क्षेत्र के कुछ भागों में उपग्रहों से प्रति वर्ष लगभग 4 से 57 cm का भू-धंसान मापा गया है (2017–2021 के अध्ययन), और जल निकासी परियोजना ने कोयला-धारी और अग्नि क्षेत्रों को बाहर छोड़ दिया
(d)	गंगा तटवर्ती क्षेत्र पर साहिबगंज	साहिबगंज और राजमहल की वह भूमि जो गंगा में जाती है, दियारा (diara) सहित, जिसके आउटफॉल गंगा के ऊँची होने पर रुक जाते हैं; साहिबगंज (Sahibganj) पर CWC स्थल का खतरे का स्तर 27.25 m और उच्चतम बाढ़ स्तर 30.91 m (1998) है (CWC की सूची से लिए गए रूप में), और नदी अगस्त 2025 और सितंबर 2026 में 28.61–28.72 m पर थी, और 2025 में नगर के 28 वार्डों में से 11 प्रभावित हुए (प्रकाशित खबरों के अनुसार)
(e)	देवघर	देवघर नगर निगम क्षेत्र की ड्रेनों के जलग्रहण क्षेत्र; देवघर जिले में 21 सितंबर 2000 को कैरो (Kairo) में 520.0 mm और देवघर जिले के ही सारवां (Sarawan) में 454.4 mm वर्षा हुई (IMD), जबकि 50-वर्ष का प्लेट मान लगभग 280 mm है
(f)	अधिसूचित जलग्रहण क्षेत्र	खंड 4.5.4 के अंतर्गत अधिसूचित कोई भी जलग्रहण क्षेत्र

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में तालिका 1B.1 के प्रत्येक जलग्रहण क्षेत्र का ऐसे पैमाने पर मानचित्र होगा जो यह तय करने के लिए उपयुक्त हो कि कोई भूखंड उसके भीतर है या नहीं, और वही सीमाएँ GIS परत के रूप में। इसके लिए वर्तमान डिजिटल उन्नयन मॉडल और ड्रेन नेटवर्क से खींची गई जलग्रहण क्षेत्र सीमाएँ, जिनका कोयला क्षेत्र में फिर से सर्वेक्षण करना होगा, क्योंकि भू-धंसान जल-विभाजकों को खिसका देता है (RMC, धनबाद, देवघर, आदित्यपुर और मानगो के नगर निगम, JNAC या उसका उत्तराधिकारी निकाय और Tata Steel UISL, JUIDCO, भारतीय सर्वेक्षण विभाग); ड्रेनें, आउटफॉल और नाले, एक बताए गए डेटम पर उनके स्तरों सहित (वही निकाय); हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto) और हिनू और रांची के जलाशय, उनके पूर्ण जल स्तरों सहित (WRD); जमशेदपुर, आदित्यपुर, मूरी और साहिबगंज (Sahibganj) पर CWC के नदी स्तर, मानगो और आदित्यपुर पर जिले के निशानों से मिलान किए हुए; झरिया कोयला क्षेत्र के अग्नि और भू-धंसान क्षेत्र, खदान के गड्ढे और पट्टे की सीमाएँ (BCCL, झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार, DGMS); साहिबगंज और राजमहल में दियारा का विस्तार और गंगा के डूब क्षेत्र का वह सीमांकन जो WRD के परामर्शदाता को तैयार करना है; और 2008, 2017, 2021, 2022, 2024 और 2025 में जलमग्न हुई भूमि (उपायुक्त, JSDMA, WRD) आवश्यक हैं। राज्य के किसी भी नगर के लिए जलभराव स्थलों का कोई मानचित्र नहीं मिला [TBC]। उत्तरी कोयल पर मेदिनीनगर और चाईबासा, अपनी जलग्रहण सीमाओं और बाढ़ अभिलेख के दस्तावेजित हो जाने पर, खंड 4.5.4 के अंतर्गत अधिसूचना के लिए संभावित हैं। नदियों के डूब क्षेत्र स्वयं इस सूची से नहीं, बल्कि अध्याय 7 से शासित हैं। इसके प्रकाशित होने तक प्राधिकारी आवेदन-पूर्व चरण में, उपलब्ध सर्वोत्तम सीमा के आधार पर, यह निर्णय करता है कि कोई साइट किसी सूचीबद्ध जलग्रहण क्षेत्र में है या नहीं, और निर्णय तथा उसका आधार प्रपत्र 1-1 पर और जल निकासी रिपोर्ट में दर्ज किए जाते हैं (खंड 1.5.9 और 1.11.5)।

तालिका 1B.2 — बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र परत के गुण (ढाँचा)

क्षेत्र (Field)	विषय-वस्तु	इकाई या फॉर्मेट
catchment_id	अद्वितीय पहचानकर्ता	पाठ

क्षेत्र (Field)	विषय-वस्तु	इकाई या फॉर्मेट
name	जलग्रहण क्षेत्र का नाम	पाठ
basis	खंड 4.5.3.2 की मद (a) से (e), या खंड 4.5.4 के अंतर्गत अधिसूचना	पाठ
notification_ref	राजपत्र अधिसूचना संख्या, जहाँ अधिसूचित हो	पाठ
notified_on	अधिसूचना की तिथि	तिथि
applies_from	वह तिथि जिससे नियम आवेदनों पर लागू होता है (खंड 4.5.4.2, पद 5)	तिथि
boundary_source	सीमा का स्रोत और तिथि	पाठ
area_km2	जलग्रहण क्षेत्र का क्षेत्रफल	km²

परिशिष्ट 1C — नीति अनुपूरक: विकल्प S-1 से S-5 का पाठ और आदर्श परिषद संकल्प

अध्याय 1 के खंड 1.6.3, 1.6.5 और 1.7.1 से 1.7.3 के लिए।

> **सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु आदर्श पाठ। प्रवृत्त नहीं.** नीचे दिया गया पाठ दर्शाता है कि खंड 1.7 का नीति अनुपूरक किस प्रकार लिखा जा सकता है। इसका कोई प्रभाव नहीं है, जब तक और जब तक कि इसे सरकार द्वारा जारी न किया जाए और खंड 1.7.3 के अंतर्गत किसी अनुमोदन प्राधिकारी द्वारा अंगीकार न किया जाए।

भाग 1 — सामान्य प्रावधान

P1.1 **दायरा.** यह अनुपूरक झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल (मैनुअल) की उन अपेक्षाओं के लिए, जिनका नाम प्रत्येक विकल्प में दिया गया है, विकल्प S-1 से S-5 निर्धारित करता है। कोई विकल्प किसी अनुमोदन प्राधिकारी (प्राधिकारी) के क्षेत्र में केवल उस तिथि से लागू होता है जिस तिथि को प्राधिकारी उसे P1.3 के अंतर्गत अंगीकार करता है।

P1.2 **कोई निचला मानदंड नहीं.** कोई विकल्प मैनुअल के किसी मानदंड को नीचे नहीं करता। S-1 और S-2 उसी मानदंड को पूरा करने की सरलीकृत विधियाँ हैं (खंड 1.7.3(a))।

P1.3 **अंगीकरण.**

- (a) कोई टियर B प्राधिकारी भाग 3 के रूप में परिषद संकल्प द्वारा विकल्प अंगीकार करता है, और संकल्प के 30 दिनों के भीतर उसकी एक प्रति राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति (समिति) को भेजता है।
- (b) कोई टियर A प्राधिकारी विकल्प केवल तभी अंगीकार करता है जब समिति ने लिखित रूप में सहमति दे दी हो।
- (c) प्राधिकारी अपने द्वारा अंगीकृत विकल्पों को अपनी वेबसाइट पर और खंड 10.17 के रजिस्टर में प्रकाशित करता है।

P1.4 **प्रतिधारण.** कोई विकल्प प्रतिधारण की अपेक्षा (परिशिष्ट 2E की गहराई) का स्थान नहीं लेता, सिवाय वहाँ के जहाँ S-5 के अंतर्गत एवज शुल्क उसी बेसिन में समतुल्य प्रतिधारण का वित्तपोषण करता है (खंड 1.7.3(d))।

P1.5 **तालिकाएँ.** S-1, S-2 और S-3 द्वारा प्रयुक्त तालिकाएँ वे हैं जो समिति द्वारा जारी की गई हैं, और मैनुअल के अध्याय 2 के साथ उनकी समीक्षा की जाती है (खंड 1.7.3(e) और 2.14)। जो विकल्प किसी तालिका पर निर्भर है, उसका उपयोग तब तक नहीं किया जा सकता जब तक वह तालिका जारी न हो जाए।

P1.6 **अभिलेख.** विकल्प का उपयोग करने वाला आवेदक उसे प्रपत्र 1-1 पर और जल निकासी रिपोर्ट में, उस संकल्प या सहमति सहित जिसके अंतर्गत उसे अंगीकार किया गया था, बताता है।

भाग 2 — विकल्प

S-1 — भंडारण के लिए डिजाइन-सहायिका मार्ग

S-1.1 *प्रतिस्थापित करता है:* अध्याय 3 के अंतर्गत हाइड्रोग्राफ विधि द्वारा भंडारण का आकार निर्धारण।

S-1.2 *विकल्प:* प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण आयतन परिशिष्ट 4B के लिए जारी इकाई-भंडारण तालिकाओं (m^3 प्रति ha, वर्षा जोन, जलवैज्ञानिक मृदा समूह और अपारगम्य अंश के अनुसार) और अनुपालन कैलकुलेटर से, खंड 4.14.2 की विधि द्वारा, लिए जा सकते हैं।

S-1.3 *पात्रता:* बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के बाहर 2 ha या उससे छोटी साइटें, और उनके भीतर 0.5 ha या उससे छोटी साइटें (तालिका 1.2; खंड 4.14.1)।

S-1.4 *शर्तें:* प्रयुक्त विकास-पश्चात अपारगम्यता वही होगी जो अनुमोदित नक्शों पर दर्शाई गई है; खंड 4.14.2 के आउटलेट, स्पिलवे, RWH लेखांकन और सुरक्षा प्रावधान लागू होते हैं; अनुपालन कैलकुलेटर एकमात्र गणना हो सकता है (तालिका 1.1)।

S-2 — साइट की अनुमेय प्रवाह दर (PSD)

S-2.1 *प्रतिस्थापित करता है:* साइट के लिए गणना की गई निकास दर $Q_{post}(T) \le 0.9 \times Q_{pre}(T)$ (खंड 2.11.2)।

S-2.2 *विकल्प:* प्रत्येक AEP के लिए निकास दर, साइट के जोन और AEP के लिए तालिकाबद्ध इकाई-क्षेत्र निकास दर को साइट क्षेत्र से गुणा करके, ली जा सकती है। तालिकाबद्ध दरें $0.9 \times Q_{pre}$ नियम से व्युत्पन्न हैं (तालिका 1.2)।

S-2.3 *पात्रता:* बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र के बाहर कोई भी साइट।

S-2.4 *शर्तें:* तब भंडारण का आकार इस प्रकार निर्धारित किया जाता है कि वह PSD पर खंड 2.5.2 की प्रत्येक अवधि को धारण कर सके; अध्याय 4 के खाली होने के समय, न्यूनतम ऑरिफिस और स्पिलवे के नियम बिना परिवर्तन लागू होते हैं।

S-3 — नियत-चौड़ाई जलाशय सेटबैक

S-3.1 *प्रतिस्थापित करता है:* मानचित्रित 1% AEP बाढ़ विस्तार और अतिरिक्त मार्जिन तक बढ़ाया गया जलाशय सेटबैक (अध्याय 7)।

S-3.2 *विकल्प:* जहाँ कोई 1% AEP विस्तार मानचित्रित नहीं है, वहाँ सेटबैक खंड 7.4.6 की तालिका (और परिशिष्ट 7B) में जलाशय के वर्ग के लिए दी गई नियत चौड़ाई होगा, जिसे खंड 7.4.3 के अनुसार मापा जाएगा।

S-3.3 *पात्रता:* ऐसे जलाशय जिनका कोई मानचित्रित 1% AEP विस्तार नहीं है।

S-3.4 *शर्तें:* इस विकल्प के अंतर्गत कोई सेटबैक खंड 7.4.7 के जोन 1 न्यूनतम से कम नहीं होता (खंड 1.10.3(c)); अध्याय 7 का भराई-निषिद्ध जोन लागू होता है; जहाँ बाद में कोई 1% AEP विस्तार मानचित्रित और अंगीकृत हो जाता है, वहाँ मानचित्रित सेटबैक नए आवेदनों पर लागू होता है।

S-4 — अनुप्रवाह स्क्रीनिंग जाँच-सूची

S-4.1 *प्रतिस्थापित करता है:* अध्याय 5 के अंतर्गत हाइड्रोलिक मॉडल द्वारा अनुप्रवाह विश्लेषण।

S-4.2 *विकल्प:* आवेदक अनुप्रवाह क्षमता और ज्ञात बाढ़ की एक स्क्रीनिंग जाँच-सूची पूरी करता है, जिसमें कम से कम खंड 5.3.4 की शर्तें सम्मिलित हों: कि प्राप्तकर्ता सार्वजनिक ड्रेन के पास उसके लघु-प्रणाली डिजाइन प्रवाह (अध्याय 6) के लिए दस्तावेजित क्षमता है, और कि अनुप्रवाह में 500 m के भीतर कोई बाढ़-प्रवण स्थान दर्ज नहीं है। अध्याय 5 के अंतर्गत हाइड्रोलिक मॉडल केवल वहीं अपेक्षित है जहाँ स्क्रीनिंग विफल हो।

S-4.3 *पात्रता:* 1 ha से छोटी साइटें, बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के बाहर, जो ज्वारीय आउटफॉल में पानी न छोड़ती हों।

S-4.4 *शर्तें:* जाँच-सूची पर वही पंजीकृत पेशेवर हस्ताक्षर करता है जो जल निकासी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करता है (खंड 10.6); बाढ़-प्रवण स्थान वे हैं जो स्थानीय निकाय, उपायुक्त और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, JSDMA, या WRD द्वारा दर्ज किए गए हैं (खंड 5.3.3(d))।

S-5 — क्षेत्रीय भंडारण के लिए एवज शुल्क

S-5.1 *प्रतिस्थापित करता है:* अध्याय 4 के अंतर्गत साइट पर अस्थायी भंडारण।

S-5.2 *विकल्प:* अस्थायी भंडारण की अपेक्षा का पूरा या कुछ भाग, बेसिन प्लान में चिह्नित किसी क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण सुविधा या पुनर्स्थापित तालाब (talab) या तालाब (tank) भंडारण के लिए एवज शुल्क द्वारा पूरा किया जा सकता है (खंड 4.13.1)।

S-5.3 *पात्रता:* ऐसे बेसिन की साइटें जिसके लिए बेसिन प्लान अधिसूचित किया गया हो (तालिका 1.2)।

S-5.4 *शर्तें:*

- (a) खंड 4.13.2 की शर्तें लागू होती हैं, जिनमें क्षेत्रीय सुविधा या पुनर्स्थापित तालाब के प्रचालन में आने तक साइट पर अंतरिम अस्थायी भंडारण, और साइट पर प्रतिधारण तथा WQv उपचार सम्मिलित हैं;
- (b) शुल्क की गणना खंड 4.13.3 के अंतर्गत की जाती है और उसे पृथक रखे गए बेसिन खाते में रखा जाता है;
- (c) क्रेडिट दिया गया आयतन और शुल्क खंड 4.13.4 की सार्वजनिक खाता-बही में दर्ज किए जाते हैं; और
- (d) बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में एवज शुल्क केवल उतना ही उपलब्ध है जितना खंड 1.10.3(d) अनुमति देता है।

भाग 3 — आदर्श परिषद संकल्प

> **सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु आदर्श पाठ। प्रवृत्त नहीं.**

संकल्प संख्या _____, _____ (नगर निगम / नगर परिषद / नगर पंचायत का नाम), दिनांक _____

विषय: झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल के नीति अनुपूरक के अंतर्गत विकल्पों का अंगीकरण।

परिषद, नगर आयुक्त / कार्यपालक पदाधिकारी की दिनांक _____ की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद, और यह नोट करते हुए कि:

- (i) झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल और उसके नीति अनुपूरक को _____ (लिखत और तिथि) द्वारा प्रभाव दिया गया है;
- (ii) यह स्थानीय निकाय मैनुअल के खंड 1.6 के अंतर्गत टियर B / टियर A प्राधिकारी है; और
- (iii) टियर A प्राधिकारी के लिए, राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति ने _____ को (संदर्भ _____) सहमति दी,

संकल्प करती है:

1. मैनुअल के खंड 1.7.3 की शर्तों के अंतर्गत, अपने क्षेत्र में नीति अनुपूरक के निम्नलिखित विकल्पों को अंगीकार करना:

तालिका 1C.1 — इस संकल्प द्वारा अंगीकृत विकल्प

विकल्प	अंगीकृत (हाँ / नहीं)	वह क्षेत्र जिस पर लागू (पूरा क्षेत्र, या वार्ड / जोन)	कब से लागू (तिथि)
S-1 डिजाइन-सहायिका मार्ग			
S-2 साइट की अनुमेय प्रवाह दर			

विकल्प	अंगीकृत (हाँ / नहीं)	वह क्षेत्र जिस पर लागू (पूरा क्षेत्र, या वार्ड / जोन)	कब से लागू (तिथि)
S-3 नियत-चौड़ाई सेटबैक			
S-4 अनुप्रवाह स्क्रीनिंग जाँच-सूची			
S-5 एवज शुल्क			

2. कि कोई अंगीकृत विकल्प बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में लागू नहीं होगा, सिवाय उतने के जितना मैनुअल अनुमति देता है (खंड 1.6.5);
3. कि इस संकल्प की एक प्रति 30 दिनों के भीतर राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति को भेजी जाए;
4. कि अंगीकृत विकल्प स्थानीय निकाय की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएँ और खंड 10.17 के रजिस्टर में दर्ज किए जाएँ; और
5. कि खंड 1.7.3(e) की तालिकाओं के संशोधित होने पर इस संकल्प की समीक्षा की जाए।

महापौर / अध्यक्ष: _____ नगर आयुक्त / कार्यपालक पदाधिकारी: _____ तिथि: _____

परिशिष्ट 1D — भवन उपविधि 2016 का आदर्श संशोधन और आदर्श ULB उपविधि

अध्याय 1 के खंड 1.3.1, 1.3.4, 1.11 और 1.12 के लिए।

> **सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु आदर्श पाठ। प्रवृत्त नहीं.** यह पाठ एक तरीका दर्शाता है जिससे खंड 1.3.1 के लिखतों का प्रारूप तैयार किया जा सकता है। नियम और धारा संख्याएँ रिक्त छोड़ी गई हैं।

> **प्रारूपण टिप्पणी D1D.1.** झारखंड भवन उपविधि, 2016 की वे नियम संख्याएँ जिन पर नया नियम और शर्तें अंतःस्थापित की जाएँगी, और झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम (अंगीकृत), झारखंड नगर निवेशन एवं उन्नयन न्यास अधिनियम, 2002 (अंगीकृत), MADA और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों के अधिनियमों और नगरपालिका और पंचायत अधिनियमों की सक्षमकारी धाराएँ, सरकार के विधि सलाहकारों द्वारा पुष्ट की जानी हैं। यहाँ उनमें से कोई भी नहीं बताई गई है।

भाग A — भवन उपविधि 2016 में आदर्श संशोधन

A.1 **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.**

- (1) इन नियमों को झारखंड भवन (वर्षा जल प्रबंधन) संशोधन उपविधि, _____ कहा जा सकेगा।
- (2) ये झारखंड राजपत्र में इनके प्रकाशन के छह महीने बाद की तिथि को प्रवृत्त होंगे (खंड 1.11.1)।

A.2 **नए नियम का अंतःस्थापन.** राज्य के शहरी स्थानीय निकायों और विकास प्राधिकारों के लिए झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 434 के अंतर्गत नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा अधिसूचित भवन उपविधियों के नियम [_____] के बाद निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा:

नियम [_____]. वर्षा जल प्रबंधन.

(1) *परिभाषाएँ.* इस नियम में, "मैनुअल" से सरकार द्वारा यथा अधिसूचित, अपने परिशिष्टों और संशोधनों सहित, झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल अभिप्रेत है; अन्य शब्दों के वही अर्थ हैं जो मैनुअल के खंड 1.4 में दिए गए हैं।

(2) *प्रयोग.* यह नियम ऐसे प्रत्येक विकास पर लागू होता है जिसके लिए इन नियमों के अंतर्गत योजना अनुमति, भवन अनुमति या लेआउट अनुमोदन अपेक्षित है।

(3) *अपवाह नियंत्रण.* जहाँ किसी विकास में, उसकी विकास की साझा योजना पर, 0.1 ha या अधिक का भूमि विक्षोभ, या 500 m^2 या अधिक का नया या प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र सम्मिलित है, वहाँ वह विकास मैनुअल के अध्याय 4 और 5 (प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, अनुप्रवाह और टेलवाटर विश्लेषण) का अनुपालन करेगा।

(4) *प्रत्येक विकास के लिए प्रावधान.* प्रत्येक विकास, उसका आकार चाहे जो हो, मैनुअल के खंड 1.5.4 का अनुपालन करेगा: वर्षा जल ड्रेन में कोई सीवेज कनेक्शन नहीं; फर्श स्तर; जलाशय सेटबैक और भराई-निषिद्ध जोन; और किसी जल निकासी मार्ग में कोई अवरोध नहीं।

(5) *छूट.* उपनियम (3) के सीमा-मानों से नीचे अपने ही भूखंड पर एकल आवास, और सड़क का ऐसा रैखिक पुनः सतह बिछाना जिससे कोई अपारगम्य क्षेत्र नहीं जुड़ता, उपनियम (3) से छूट प्राप्त हैं, किंतु उपनियम (4) से या इन नियमों के वर्षा जल संचयन प्रावधानों से नहीं।

(6) *अनुमोदन की शर्तें.* सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित प्रदान नहीं करेगा:

- (a) योजना अनुमति या लेआउट अनुमोदन, जब तक मैनुअल के अंतर्गत प्रारंभिक जल निकासी रिपोर्ट स्वीकार न कर ली गई हो;
- (b) भवन अनुमति, या निर्माण आरंभ करने की अनुमति, जब तक अंतिम जल निकासी डिजाइन स्वीकार न कर लिया गया हो; या
- (c) समापन प्रमाण-पत्र, जब तक यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र स्वीकार न कर लिया गया हो और रखरखाव घोषणा-पत्र पंजीकृत न हो गया हो, या सार्वजनिक परिसंपत्तियाँ हस्तांतरित न कर दी गई हों,

उस विकास के लिए जिस पर उपनियम (3) लागू होता है (मैनुअल, खंड 10.3)।

(7) *प्रमाणन.* जल निकासी रिपोर्टों और डिजाइनों पर किसी पंजीकृत पेशेवर के, और जहाँ मैनुअल का खंड 10.6.1 ऐसी अपेक्षा करता है वहाँ किसी सूचीबद्ध वर्षा जल डिजाइन पेशेवर (Stormwater Design Professional) के भी, हस्ताक्षर होंगे।

(8) *वर्षा जल संचयन.* इस नियम की कोई बात इन नियमों के वर्षा जल संचयन प्रावधानों में परिवर्तन नहीं करती।

(9) *विचलन और अधित्याग.* सक्षम प्राधिकारी विचलन या अधित्याग केवल मैनुअल के खंड 1.10 के आधारों पर और उसकी प्रक्रिया द्वारा प्रदान कर सकेगा, और प्रत्येक निर्णय प्रकाशित करेगा।

(10) *संक्रमण.* इस नियम के प्रारंभ से पहले पूर्ण रूप से दाखिल किए गए आवेदन, और टियर B प्राधिकारी, मैनुअल के खंड 1.11 द्वारा शासित होते हैं।

भाग B — आदर्श ULB उपविधि

B.1 **नाम और प्रारंभ.** इन उपविधियों को _____ (स्थानीय निकाय का नाम) वर्षा जल प्रबंधन उपविधियाँ, _____ कहा जा सकेगा। ये _____ को प्रवृत्त होंगी।

B.2 **मैनुअल का अंगीकरण.** सरकार द्वारा यथा अधिसूचित झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल निम्नलिखित पर लागू होता है:

- (a) स्थानीय निकाय द्वारा अनुमोदित प्रत्येक विकास; और

- (b) स्थानीय निकाय द्वारा निष्पादित प्रत्येक जल निकासी, सड़क, पुलिया, जलाशय और बाढ़-शमन कार्य, जिसमें उसकी अपनी ड्रेनें और सड़कें सम्मिलित हैं (खंड 1.3.1(b))।

B.3 **लोक निर्माण कार्य.** B.2(b) के अंतर्गत किसी कार्य की प्रत्येक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और संविदा, खंड 1.11 की तिथियों से, मैनुअल के अनुपालन की अपेक्षा करेगी (खंड 1.3.4)।

B.4 **टियर और विकल्प.** स्थानीय निकाय मैनुअल के खंड 1.6 के अंतर्गत टियर _____ प्राधिकारी है। स्थानीय निकाय द्वारा अंगीकृत नीति अनुपूरक के विकल्प अनुसूची में, प्रत्येक के अंगीकरण वाले संकल्प सहित, सूचीबद्ध हैं।

B.5 **प्रस्तुतियाँ और समीक्षा.** प्रस्तुतियाँ मैनुअल के खंड 10.3 के चरणों में की जाएँगी और खंड 10.7 की अवधियों के भीतर उनकी समीक्षा की जाएगी।

B.6 **रखरखाव, निरीक्षण और प्रवर्तन.** रखरखाव घोषणा-पत्र, निरीक्षण, सार्वजनिक परिसंपत्तियों का हस्तांतरण और प्रवर्तन मैनुअल के खंड 10.10 से 10.15 के अनुसार होंगे।

B.7 **प्रकाशन.** स्थानीय निकाय मैनुअल के खंड 10.17 के रजिस्टर और रिपोर्टें प्रकाशित करेगा।

B.8 **समीक्षा.** जब भी मैनुअल में खंड 1.12 के अंतर्गत संशोधन किया जाए, इन उपविधियों की समीक्षा की जाएगी।

तालिका 1D.1 — अनुसूची: अंगीकृत विकल्प (ढाँचा)

विकल्प	संकल्प संख्या और तिथि	समिति की सहमति (केवल टियर A)	कब से लागू	क्षेत्र

प्रपत्र 1-1 — प्रयोज्यता निर्धारण

अध्याय 1 के खंड 1.5.1 से 1.5.9 और 1.6, तथा अध्याय 10 के खंड 10.3 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. आवेदन-पूर्व बैठक (चरण 0) में या प्रारंभिक जल निकासी रिपोर्ट (चरण 1) के साथ, खंड 10.3.2 की अपेक्षा के अनुसार, दाखिल किया जाता है।

तालिका 1F.1 — प्रपत्र 1-1: प्रयोज्यता निर्धारण

क्र.	मद (खंड)	प्रविष्टि
	A. आवेदक और साइट	
A1	आवेदक (स्वामी, विकासकर्ता या विभाग)	_____
A2	साइट का पता और सर्वे संख्याएँ	_____
A3	साइट के निर्देशांक (अक्षांश, देशांतर)	_____
A4	अनुमोदन प्राधिकारी (खंड 1.4)	_____
A5	प्राधिकारी का टियर: A / B (खंड 1.6; परिशिष्ट 1A)	_____
A6	माँगा गया अनुमोदन: योजना अनुमति / भवन अनुमति / लेआउट अनुमोदन / लोक निर्माण कार्य (DPR)	_____
A7	विकास का प्रकार: भवन / लेआउट / उप-विभाजन / सड़क / पक्की सतह / भूमि उपयोग परिवर्तन / अन्य (खंड 1.4)	_____
A8	वह चरण जिस पर यह प्रपत्र दाखिल किया गया: चरण 0 / चरण 1 (खंड 10.3)	_____
	B. आच्छादन (खंड 1.5.1)	
B1	भवन उपविधि 2016 के अंतर्गत अनुमोदन की अपेक्षा वाला विकास — 1.5.1(a): हाँ / नहीं	_____
B2	किसी ULB, राज्य विभाग, बोर्ड या राज्य उपक्रम द्वारा लोक निर्माण कार्य — 1.5.1(b): हाँ / नहीं	_____
B3	प्राधिकारी के अनुमोदन या अनापत्ति की आवश्यकता वाला किसी केंद्रीय एजेंसी का कार्य — 1.5.1(c): हाँ / नहीं	_____
	C. विकास की साझा योजना पर क्षेत्र (खंड 1.4, 1.5.5)	
C1	सम्मिलित चरण, भूखंड और उप-विभाजन (एक लेआउट अनुमोदन या एक स्वामित्व)	_____
C2	कुल साइट क्षेत्र (ha)	_____
C3	भूमि विक्षोभ (ha)	_____
C4	विद्यमान अपारगम्य क्षेत्र (m^2)	_____
C5	नया अपारगम्य क्षेत्र (m^2)	_____
C6	प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र, सबग्रेड तक हटाकर पुनः बनाया गया (m^2)	_____
C7	नया और प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र, C5 + C6 (m^2)	_____
C8	RWH अनिवार्यता के लिए भूखंड क्षेत्र (m^2) (खंड 1.5.3)	_____
	D. सीमा-मान और छूट	

क्र.	मद (खंड)	प्रविष्टि
D1	0.1 ha या अधिक भूमि विक्षोभ — 1.5.2(a): हाँ / नहीं	_____
D2	500 m^2 या अधिक नया या प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र — 1.5.2(b): हाँ / नहीं	_____
D3	पुनर्विकास (साइट पर विद्यमान अपारगम्य आवरण) — 1.5.6: हाँ / नहीं	_____
D4	खंड 4.5.6 का सीमित पुनर्विकास मार्ग प्रस्तावित: हाँ / नहीं	_____
D5	रैखिक लोक निर्माण कार्य: पार किए गए प्रत्येक जल निकासी जलग्रहण क्षेत्र में जोड़ा गया अपारगम्य क्षेत्र तालिका 1F.2 में दिया गया — 1.5.7: हाँ / नहीं / लागू नहीं	_____
D6	दावा की गई छूट — 1.5.8(a) सीमा-मानों से नीचे एकल आवास / 1.5.8(b) बिना अतिरिक्त अपारगम्य क्षेत्र के पुनः सतह बिछाना / कोई नहीं	_____
D7	RWH अनिवार्यता लागू (भवन उपविधि 2016, उपविधि 51.1: 300 m^2 या उससे बड़ा भूखंड; उपविधि 58.6.6: बहुमंजिला भवन) — 1.5.3: हाँ / नहीं	_____
	E. साइट की स्थितियाँ	
E1	साइट बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में (परिशिष्ट 1B; खंड 4.5.3): नहीं / हाँ — नाम	_____
E2	प्रयुक्त जलग्रहण क्षेत्र सीमा का स्रोत	_____
E3	साइट के लिए 1% AEP स्तर मानचित्रित या निर्धारण योग्य (खंड 1.5.4(b)): हाँ / नहीं; स्रोत	_____
E4	साइट पर या उससे लगा जलाशय (खंड 1.5.4(c); अध्याय 7): नहीं / हाँ — नाम	_____
E5	साइट को पार करता प्राकृतिक जल निकासी मार्ग या प्रमुख-प्रणाली प्रवाह मार्ग (खंड 1.5.4(d)): नहीं / हाँ	_____
E6	साइट का पानी ज्वारीय आउटफॉल में जाता है (खंड 10.3.2(d)): हाँ / नहीं	_____
E7	विचलन, अधित्याग, क्षेत्रीय सुविधा या एवज शुल्क प्रस्तावित (खंड 10.3.2(c)): नहीं / हाँ — प्रपत्र 1-2 संलग्न	_____
	F. निर्धारण	
F1	परिणाम: (i) अध्याय 4 और 5 लागू, खंड 1.5.4 और RWH अनिवार्यता सहित; (ii) केवल खंड 1.5.4 और RWH अनिवार्यता (सीमा-मानों से नीचे); (iii) 1.5.8 के अंतर्गत छूट प्राप्त, खंड 1.5.4 और RWH अनिवार्यता फिर भी लागू	_____
F2	खंड 10.3.2 के अंतर्गत चरण 0 अनिवार्य: हाँ (मद (a) से (d) बताएँ) / नहीं	_____
F3	भंडारण विधि: हाइड्रोग्राफ विधि (अध्याय 3) / डिजाइन-सहायिका मार्ग S-1 (खंड 1.7, जहाँ अंगीकृत हो और साइट पात्र हो)	_____
F4	नीति अनुपूरक के अन्य विकल्प जिन पर निर्भरता है (S-2 से S-5), अंगीकार करने वाले संकल्प सहित	_____
F5	टियर B का चरणबद्ध आरंभ लागू (खंड 1.11.3): हाँ / नहीं	_____
	G. घोषणा	
G1	मैं घोषणा करता/करती हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी सही है और विकास की संपूर्ण साझा योजना को आच्छादित करती है। आवेदक: नाम, हस्ताक्षर, तिथि	_____
G2	तैयारकर्ता (पंजीकृत पेशेवर, खंड 1.4): नाम, पंजीकरण संख्या, हस्ताक्षर, तिथि	_____
	H. प्राधिकारी के लिए (खंड 1.5.9)	
H1	निर्धारण की पुष्टि / सुधार	_____
H2	सुधार और कारण	_____
H3	अधिकारी: नाम, पदनाम, हस्ताक्षर, तिथि	_____

तालिका 1F.2 — प्रपत्र 1-1: जल निकासी जलग्रहण क्षेत्र के अनुसार जोड़ा गया अपारगम्य क्षेत्र, रैखिक कार्य (खंड 1.5.7)

पार किया गया जल निकासी जलग्रहण क्षेत्र	चेनेज से – तक	जोड़ा गया अपारगम्य क्षेत्र (m²)	500 m² या अधिक (हाँ / नहीं)	भंडारण स्थान: मार्गाधिकार / क्षेत्रीय सुविधा

प्रपत्र 1-2 — विचलन / अधित्याग अनुरोध

अध्याय 1 के खंड 1.10 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. प्रारंभिक जल निकासी रिपोर्ट के साथ दाखिल किया जाता है (खंड 1.10.4(a)), संबंधित प्रत्येक अपेक्षा के लिए एक प्रपत्र।

तालिका 1F.3 — प्रपत्र 1-2: विचलन / अधित्याग अनुरोध

क्र.	मद (खंड)	प्रविष्टि
	A. आवेदक और साइट	
A1	आवेदक	_____
A2	साइट का पता और निर्देशांक	_____
A3	प्रपत्र 1-1 का संदर्भ और तिथि	_____
A4	प्राधिकारी का टियर: A / B	_____
A5	साइट क्षेत्र (ha)	_____
A6	साइट बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में: हाँ / नहीं	_____
	B. अनुरोध	
B1	प्रकार: संख्यात्मक अपेक्षा से विचलन (1.10.1) / अध्याय 4 के अस्थायी भंडारण का अधित्याग (1.10.2)	_____
B2	मैनुअल का संबंधित खंड	_____
B3	मैनुअल द्वारा अपेक्षित मान	_____
B4	प्रस्तावित मान या व्यवस्था	_____
	C. ऐसे विषय जिनमें विचलन या अधित्याग नहीं हो सकता (खंड 1.10.3) — पुष्टि करें कि अनुरोध इनमें से किसी से संबंधित नहीं है	
C1	(a) वर्षा जल ड्रेन में सीवेज कनेक्शन	संबंधित नहीं: _____
C2	(b) अध्याय 6 का सबसे निचला आवास योग्य तल स्तर	संबंधित नहीं: _____
C3	(c) खंड 7.4.7 के जोन 1 न्यूनतम से नीचे जलाशय सेटबैक, या अध्याय 7 के भराई-निषिद्ध जोन में भराई या निर्माण	संबंधित नहीं: _____
C4	(d) बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में प्रतिधारण, सिवाय खंड 1.7 के अंतर्गत एवज शुल्क द्वारा	संबंधित नहीं: _____
	D. विचलन: आधार (खंड 1.10.1(a))	
D1	साइट की स्थिति: उच्च भूजल स्तर / दूषित मिट्टी / चट्टान / अपेक्षित सुविधा के लिए बहुत छोटी साइट / अन्य	_____
D2	साक्ष्य (परीक्षण, सर्वेक्षण, नक्शे), संदर्भों सहित	_____
D3	आकलित विकल्प और प्रत्येक के अव्यवहार्य होने का कारण	_____
	E. विचलन: समान निष्पादन या कमी की पूर्ति (खंड 1.10.1(b))	
E1	प्रयुक्त अनुप्रवाह बिंदु (अध्याय 5)	_____

क्र.	मद (खंड)	प्रविष्टि
E2	उस बिंदु पर पूर्ण अनुपालन के साथ और विचलन के साथ निष्पादन (चरम प्रवाह, जल स्तर)	_____
E3	या: कमी की पूर्ति उसी जलग्रहण क्षेत्र में एवज शुल्क या साइट से बाहर के कार्यों द्वारा — आयतन (m^3), कार्य या शुल्क	_____
	F. अस्थायी भंडारण का अधित्याग: आधार (खंड 1.10.2)	
F1	साइट सीधे समुद्र में / ऐसे ज्वारीय नदी-भाग में जिसके अनुप्रवाह में कोई बाढ़-प्रवण संपत्ति नहीं है, पानी छोड़ती है	_____
F2	यह दर्शाने वाला विश्लेषण कि बिना अस्थायी भंडारण वाला प्रवाह अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद स्थिति को बदतर नहीं बनाता — संदर्भ	_____
F3	प्रतिधारण फिर भी पूर्ण रूप से उपलब्ध: हाँ	_____
	G. संलग्नक (खंड 1.10.4(a))	
G1	खंड 10.6 के अंतर्गत प्रमाणित रिपोर्ट	_____
G2	प्रारंभिक जल निकासी रिपोर्ट	_____
	H. प्रमाणन और घोषणा	
H1	प्रमाणकर्ता (पंजीकृत पेशेवर; जहाँ खंड 10.6.1 लागू हो वहाँ सूचीबद्ध पेशेवर): नाम, पंजीकरण या सूचीबद्धता संख्या, हस्ताक्षर, तिथि	_____
H2	आवेदक: नाम, हस्ताक्षर, तिथि	_____
	I. प्राधिकारी के लिए (खंड 1.10.4)	
I1	राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति को भेजा गया (टियर B, 1 ha या उससे बड़ी साइट): हाँ / नहीं; तिथि	_____
I2	निर्णय: प्रदान किया गया / शर्तों सहित प्रदान किया गया / अस्वीकार किया गया	_____
I3	कारण और शर्तें	_____
I4	सार्वजनिक रजिस्टर में प्रविष्टि संख्या (खंड 10.17)	_____
I5	टिप्पणी: विचलन अनुमोदन के साथ जुड़ा रहता है और अनुमोदन व्यपगत होने पर व्यपगत हो जाता है (खंड 1.10.4(d))	—
I6	अधिकारी: नाम, पदनाम, हस्ताक्षर, तिथि	_____

अध्याय 2 के परिशिष्ट

डिजाइन वर्षा और डिजाइन वर्षा घटनाएँ

ये परिशिष्ट अध्याय 2 के सहायक हैं। परिशिष्ट 2A से 2E में वे राज्यव्यापी वर्षा तालिकाएँ रखी जाएँगी जिनका उल्लेख अध्याय 2 में है: बेंचमार्क जाँच और जोन मानचित्र, उप-दैनिक अनुपात, ग्रिड-से-बिंदु गुणक, वर्षा का कालिक वितरण (temporal pattern) और प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई (retention depth)। प्रत्येक के लिए NIH-DHAARA और IMD के अभिलेखों का ऐसा विश्लेषण आवश्यक है जो इस मैनुअल के लिए अभी नहीं किया गया है, इसलिए प्रत्येक को "तैयार किया जाना है" के रूप में चिह्नित किया गया है और उसमें उसकी प्रस्तावित रूपरेखा (layout) तथा उसके प्रकाशित होने तक लागू नियम दिया गया है (खंड 1.11.5)। प्रपत्र 2-1 डिजाइन वर्षा पत्रक (Design Rainfall Sheet) का प्रारूप प्रपत्र है, जिसे प्रत्येक जलवैज्ञानिक प्रस्तुति (submittal) में सम्मिलित करना अनिवार्य है (खंड 2.13)। यह मैनुअल एक प्रारूप है; यह किसी सरकार या एजेंसी द्वारा अंगीकृत नहीं किया गया है।

परिशिष्ट 2A — बेंचमार्क बिंदुओं पर NIH-DHAARA बनाम IMD केंद्र और IMD ग्रिड आँकड़ों की जाँच; जोन मानचित्र

अध्याय 2 के खंड 2.3.1 से 2.3.5 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में राज्य भर के बेंचमार्क बिंदुओं (benchmark points) पर NIH-DHAARA की डिजाइन गहराइयों की तुलना IMD के दीर्घकालिक दैनिक केंद्र अभिलेखों के आवृत्ति विश्लेषण से और IMD के ग्रिड दैनिक आँकड़ों (gridded data; परिशिष्ट 2C से बिंदु मानों में परिवर्तित) के आवृत्ति विश्लेषण से की जाएगी, 24 घंटे और उससे अधिक की अवधियों के लिए तथा तालिका 2.1 के AEP के लिए। इसमें वर्षा जोन (rainfall zones) का वह मानचित्र भी होगा जिसका उपयोग परिशिष्ट 2B, 2C और 2E तथा अध्याय 4 की टियर B तालिकाएँ करती हैं। इसके लिए बेंचमार्क निर्देशांकों पर NIH-DHAARA मान (NIH), IMD के दैनिक और स्व-अभिलेखी वर्षामापी (recording gauge) केंद्रों के अभिलेख तथा IMD के ग्रिड वर्षा आँकड़े (IMD), राज्य के वर्षामापी अभिलेख (प्रखंडों (blocks) और जिलों के वे वर्षामापी जिनकी रीडिंग IMD प्रकाशित करता है, WRD और DVC के वर्षामापी, और नगर निगमों, Tata Steel UISL और शहर के कमांड केंद्रों के कोई स्वचालित वर्षामापी [TBC]), और जिला तथा बेसिन सीमाएँ (भारतीय सर्वेक्षण विभाग, WRD) आवश्यक हैं। इसके प्रकाशित होने तक डिजाइन गहराइयाँ खंड 2.3.1 के अंतर्गत NIH-DHAARA से ली जाती हैं, खंड 2.3.3 की प्रति-जाँचें प्रपत्र 2-1 में दर्ज की जाती हैं, और किसी साइट का जोन वही होता है जिस पर प्राधिकारी से सहमति हुई हो और जो प्रपत्र 2-1 में दर्ज हो।

तालिका 2A.1 — डिजाइन गहराइयों की बेंचमार्क तुलना (ढाँचा)

बेंचमार्क बिंदु	IMD केंद्र ID	अक्षांश, देशांतर	अभिलेख के वर्ष	अवधि (h)	AEP	NIH-DHAARA (mm)	IMD केंद्र विश्लेषण (mm)	IMD ग्रिड, बिंदु मान (mm)	NIH-DHAARA / IMD केंद्र	टिप्पणियाँ
				24						
				48						

बेंचमार्क बिंदु	IMD केंद्र ID	अक्षांश, देशांतर	अभिलेख के वर्ष	अवधि (h)	AEP	NIH-DHAARA (mm)	IMD केंद्र विश्लेषण (mm)	IMD ग्रिड, बिंदु मान (mm)	NIH-DHAARA / IMD केंद्र	टिप्पणियाँ
				72						

2A.1 नीचे दिए गए जोन नाम वे कार्यकारी नाम हैं जिनका उपयोग अध्याय 4 के टियर B तालिका टेम्पलेट में किया गया है (खंड 4.14.2)। उनकी सीमाएँ, और यह कि क्या और जोन आवश्यक हैं, इस परिशिष्ट के विश्लेषण से निर्धारित किए जाने हैं।

तालिका 2A.2 — वर्षा जोन (ढाँचा)

जोन (कार्यकारी नाम)	विस्तार (जिले, बेसिन)	प्रतिनिधि केंद्र	टिप्पणियाँ
JH-Z1 छोटानागपुर पठार	रांची और हजारीबाग के पठार, पारसनाथ, और ब्राह्मणी के उद्गम क्षेत्र का दक्षिण-पश्चिमी पठार: CWC उप-क्षेत्र 1(g) (उसका पहाड़ी क्षेत्र), रांची से लगभग 0.15–0.3° पश्चिम में 3(d) रेखा के साथ, और JH-G में उप-क्षेत्र 3(d) (खंड 2.3.6(c)); जोन रेखा को पार करने वाले जलग्रहण क्षेत्र अधिक जोन मान लेते हैं	Ranchi (A) 42701 (दैनिक अभिलेख 1956–2012), BAU कांके के केंद्र के साथ; Hazaribagh 42699 (1867–2012)	जिलों के वार्षिक सामान्य मान लगभग 1,130–1,500 mm (कोडरमा 1,130.8, लोहरदगा 1,181.6, गिरिडीह 1,189.0, हजारीबाग 1,225.6, गुमला 1,277.2, रांची 1,307.7, खूंटी 1,395.3, सिमडेगा 1,495.8 mm; IMD, 1951–2000)। FER में 50-वर्ष 24-घंटे 200 mm से कम (लोहरदगा) से लगभग 280 mm (गिरिडीह) तक; 1-घंटे का अनुपात 0.350 (1(g)) और 0.390 (3(d))। खंड 2.3.6(h) की न्यूनतम सीमाएँ: 10–100 वर्ष पर 1 h 80–115 mm और 3 h 130–195 mm। अभिलेख: Dumri 403.4 mm (18 Jul 1975), Giridih 403.0 mm (27 Aug 1980), Mandar 382.0 mm (11 Jul 1990), Kanke 332.6 mm (5 Jul 1998), Hazaribagh 249.2 mm (24 Jun 1911), Ranchi (A) 224.3 mm (29 Jun 1994) (IMD)। यहाँ NIH-DHAARA की 50-वर्ष 24-घंटे गहराई कम (हजारीबाग 148, लोहरदगा 164, गुमला 172, रांची 196, गिरिडीह 205 mm)
JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-A रांची पठार (स्वर्णरेखा का उद्गम क्षेत्र)	कांके, नामकुम, रातू और ओरमांझी सहित रांची, खूंटी जिले का उत्तरी भाग, और मूरी और सिल्ली तक स्वर्णरेखा घाटी, उप-क्षेत्र 1(g) में; हटिया, धुर्वा और नगड़ी के आसपास रांची के दक्षिण-पश्चिमी वार्ड 1(g) और 3(d) के मानों में से अधिक मान लेते हैं (खंड 2.3.6(c)); सीमाएँ [TBC]	Ranchi (A), BAU कांके; कांके और मांडर के जिला वर्षामापी (2006 तक प्रत्येक 42 वर्ष)	लैटेराइट आवरण सहित ग्रेनाइट-नीस (रातू, बेड़ो, मांडर); अपक्षयित क्षेत्र 10–25 m, लैटेराइट के नीचे 30–60 m; रांची जिले का 501.6 km² गंभीर (critical) (CGWB, 2023); मानसून-पूर्व भूजल स्तर भूतल से 33 m नीचे तक (मई 2022); जुमार नाले पर मापा गया अंतःस्यंदन (infiltration) 28–62 mm/h (Baxla et al., 2001)। मांडर पर स्व-अभिलेखी वर्षामापी के अधिकतम मान: 1 h में 99 mm और 3 h में 171 mm (6 Aug 1971) (CWC FER 1(g))। प्राप्तकर्ता जलाशय (receiving waters): स्वर्णरेखा (गेतलसूद का जलाशय का पूर्ण जल स्तर 590.06 m; मूरी HFL 238.12 m, 2008) और उसकी सहायक नदियाँ हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto) और हिनू; कांके, हटिया (धुर्वा) और गेतलसूद जलाशय, रांची मास्टर प्लान 2037 की 20 m की पूर्ण जल स्तर रेखा के साथ, और बड़ा तालाब; 2022 में जोड़े गए CWC निगरानी स्थल: कांके रोड पुल पर जुमार, धुर्वा डैम पर गारा और परडीह (Paradih) पर कांची (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार)

जोन (कार्यकारी नाम)	विस्तार (जिले, बेसिन)	प्रतिनिधि केंद्र	टिप्पणियाँ
JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-B हजारीबाग–कोडरमा–गिरिडीह पठार और पारसनाथ	हजारीबाग, बरही, कोडरमा–झुमरी तिलैया, गिरिडीह और डुमरी, पारसनाथ और उसके ढलान, और बराकर की ओर चतरा जिले का पूर्वी भाग, उप-क्षेत्र 1(g) में, हजारीबाग से लगभग 0.3° उत्तर-पश्चिम में 1(d) रेखा के साथ; सीमाएँ [TBC]	Hazaribagh 42699, Tilaiya 32355 (1956–2012)	नीस और अभ्रक पट्टी (mica belt), पतली मिट्टी और गोंडवाना के अलग-थलग खंडों (outliers) के साथ (गिरिडीह); कोडरमा और गिरिडीह में गंभीर और अर्ध-गंभीर क्षेत्र, और भूजल में फ्लोराइड (CGWB, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। FER में 50-वर्ष 24-घंटे हजारीबाग में लगभग 240–280 mm और गिरिडीह में लगभग 280 mm, हजारीबाग के उत्तर-पश्चिम में 280 mm से अधिक के एक कोष्ठ के साथ; हजारीबाग और झालदा (Jhalda) के बीच 25-वर्ष की प्लेट के निम्न कोष्ठ का खंडन पचंबा (Pachamba) 300.7 mm और बरही 295.1 mm करते हैं। स्व-अभिलेखी वर्षामापी के अधिकतम मान: पालगंज पर 1 h में 100 mm (18 Sep 1978) और तिलैया पर 3 h में 127 mm (9 Aug 1970) (CWC FER 1(g))। पारसनाथ के खड़े ढलान; पारसनाथ लगभग 1,350–1,365 m ऊँचा है (स्रोत भिन्न हैं)। प्राप्तकर्ता जलाशय: बराकर (तिलैया HFL 372.28 m, 1986; बरकीसुरैया (Barkisuriya) खतरे का स्तर 289.4 m, HFL 292.32 m, 2004, परस्पर विरोधी [TBC]) और कोनार (DVC; HFL 427.91 m, 1961); उत्तर-पश्चिम में, 1(d) में, लीलाजन (Lilajan) और मोहाना (Mohana) (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार)
JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-G दक्षिण-पश्चिमी पठार (ब्राह्मणी का उद्गम क्षेत्र)	लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी जिले का दक्षिणी भाग, तोरपा, बानो और कोलेबिरा, उप-क्षेत्र 3(d) में; सीमाएँ [TBC]	उप-भाग में लंबे अभिलेख वाला कोई IMD केंद्र नहीं; निकटतम केंद्र Ranchi (A) और Chaibasa 42795 हैं [TBC]	लैटेराइट और बॉक्साइट आवरण सहित ग्रेनाइट-नीस (लोहरदगा); राज्य में सबसे उथले भूजल स्तर (गुमला में भूतल से 0.4 m नीचे, नवंबर 2022; CGWB)। FER 3(d) में 50-वर्ष 24-घंटे लोहरदगा में 200 mm से कम (एक बंद निम्न कोष्ठ), गुमला में लगभग 200–240 mm और सिमडेगा में लगभग 240 mm; 1-घंटे का अनुपात 0.390, 3-घंटे का 0.610; 3(d) की हानि दर 3 h पर लगभग 3.5 mm/h से घटकर 13 h और उससे अधिक पर 1.5 mm/h हो जाती है। अभिलेख: Simdega 288.0 mm (26 Jul 1996), Lohardaga 248.7 mm (26 Sep 1906), Gumla 238.8 mm (31 Aug 1925), Pakartand 212.4 mm (1 Aug 2023) (IMD)। प्राप्तकर्ता जलाशय: दक्षिणी कोयल और शंख, जिन पर राज्य में कोई CWC स्थल नहीं है; निकटतम अनुप्रवाह स्थल, ओडिशा में जराईकेला (Jaraikela) (HFL 194.07 m, 1997), 2022 में सूची से हटा दिया गया (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार)
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र	दामोदर कोयला क्षेत्र पट्टी, स्वर्णरेखा–खरकई निचला क्षेत्र और कोल्हान, और संथाल परगना और गंगा तटवर्ती क्षेत्र, CWC उप-क्षेत्र 1(g) में (खंड 2.3.6(c)); जोन रेखा को पार करने वाले जलग्रहण क्षेत्र अधिक जोन मान लेते हैं	Dhanbad 42703 (1934–2012), Jamshedpur (A) 42798 (1945–2012), Jamshedpur 42799 (1923–2012), Chaibasa 42795 (1879–2012), Dumka 42599 (1901–2012)	जिलों के वार्षिक सामान्य मान लगभग 1,170–1,500 mm (देवघर 1,174.1, पश्चिमी सिंहभूम 1,288.2, बोकारो 1,288.3, धनबाद 1,300.5, पूर्वी सिंहभूम 1,336.7, दुमका 1,405.4, साहिबगंज 1,484.7, पाकुड़ 1,500.3 mm; IMD, 1951–2000)। FER में 50-वर्ष 24-घंटे 200 mm से कम (चाईबासा) से लगभग 280 mm (मधुपुर) तक; 1-घंटे का अनुपात 0.350। खंड 2.3.6(h) की न्यूनतम सीमाएँ: 10–100 वर्ष पर 1 h 80–115 mm और 3 h 130–195 mm। अभिलेख: Taljhari 601.4 mm (25 Sep 1999), जो राज्य का अभिलेख है, Borio 570.0 mm (29 Jun 1997), Kairo 520.0 mm (21 Sep 2000), Katikund 517.0 mm (28 Jul 1986), Peterbar 374.1 mm (18 Jul 1957), Jamshedpur (A) 338.1 mm (18 Jun 2008), Dhanbad 272.0 mm (8 Aug 1913) (IMD)। यहाँ NIH-DHAARA की 50-वर्ष 24-घंटे गहराई अधिक (साहिबगंज 368, बोकारो 317, जमशेदपुर 306, चाईबासा 298 mm)

जोन (कार्यकारी नाम)	विस्तार (जिले, बेसिन)	प्रतिनिधि केंद्र	टिप्पणियाँ
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र: JH-C दामोदर कोयला क्षेत्र पट्टी	धनबाद, झरिया, कतरास, सिंदरी, बोकारो स्टील सिटी और चास, बेरमो और फुसरो, रामगढ़ और पतरातू, और कर्णपुरा (Karanpura) कोयला क्षेत्र; सीमाएँ [TBC]	Dhanbad 42703; जाँच के रूप में Bokaro 32599 (1951–1981), Ramgarh 32636 (1954–1985), Maithon 32609 (1957–1985) और Panchet Hills 32648 (1954–1985)	गोंडवाना बलुआ पत्थर, शेल और कोयला; ओवरबर्डन डंप, खदान के गड्ढे और खदान झीलें; झरिया की आग (अग्नि क्षेत्र कोयला मंत्रालय द्वारा 2025-26 में 1.53 km^2, समाचार माध्यमों में 1.8 km^2 और NRSC द्वारा 2014 में 2.18 km^2 बताया गया: आँकड़े मेल नहीं खाते) और उपग्रह अध्ययनों में प्रति वर्ष लगभग 4 से 57 cm का भू-धंसान; बेरमो और बलियापुर अति-दोहित, धनबाद शहरी और तोपचांची गंभीर (CGWB, 2023)। FER में 50-वर्ष 24-घंटे लगभग 240 mm (100-वर्ष लगभग 280 mm); 1(g) का हल किया गया उदाहरण, रामगढ़ के पास सफी, 50 वर्ष पर लगभग 4.5 m^3/s प्रति km^2 देता है। 26–28 Sep 1978 की वर्षा घटनाएँ (Maithon 310.8, Panchet Hills 289.0 mm; धनबाद पर 6 h में 162 mm) और 27 Sep 1995 की (Nawadih 292.0, Topchanchi 274.4 mm) (IMD; CWC FER 1(g))। प्राप्तकर्ता जलाशय: रामगढ़ (खतरे का स्तर 307.51 m, HFL 316.68 m, 1978) और पुपुनकी (153.5 m, 160.05 m, 1976) पर दामोदर; तेनुघाट; DVC के पंचेत और मैथन, जिनके "जलाशय के पूर्ण जल स्तर" ("full reservoir levels") CWC की सूची में, 132.59 m और 150.88 m, DVC के अधिकतम बाढ़ स्तर हैं; कतरी, जमुनिया और खुदिया; और खदान के गड्ढे, जो पट्टाधारी और DGMS की सम्मति के बिना आउटफॉल नहीं हैं (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार)
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र: JH-D स्वर्णरेखा–खरकई निचला क्षेत्र और कोल्हान	आदित्यपुर, मानगो, जुगसलाई और बागबेड़ा सहित जमशेदपुर, सरायकेला और गम्हरिया, चांडिल, घाटशिला, चाईबासा, चक्रधरपुर और नोवामुंडी; सीमाएँ [TBC]	Jamshedpur (A) 42798, Jamshedpur 42799, Chaibasa 42795	दलमा ज्वालामुखीय चट्टानें (Dalma volcanics), सिंहभूम ग्रेनाइट और शिस्ट, और लैटेराइट; जमशेदपुर शहरी और गोलमुरी-सह-जुगसलाई अति-दोहित (CGWB, 2023)। FER में 50-वर्ष 24-घंटे जमशेदपुर में लगभग 240 mm, और चाईबासा में 200 mm से कम का एक बंद निम्न कोष्ठ, जिसका खंडन कुमारडुंगी (Kumardungi) 400.3 mm और मंझारी (Manjhari) 401.1 mm करते हैं। अभिलेख: Jamshedpur (A) 338.1 mm (18 Jun 2008) और 332.8 mm (26 Sep 1981), Ghatsila 318.2 mm (28 Jun 1997), Baharagora 306.8 mm (29 Jun 2025), Chaibasa 241.0 mm (7 Oct 2004) (IMD)। स्व-अभिलेखी वर्षामापी के अधिकतम मान: जमशेदपुर (A) पर 3 h में 184 mm (1977) और घाटशिला पर 1 h में 100 mm (25 Jul 1979) (CWC FER 1(g))। प्राप्तकर्ता जलाशय: जमशेदपुर पर स्वर्णरेखा (चेतावनी स्तर 122.5 m, खतरे का स्तर 123.5 m, HFL 129.82 m, 1973) और आदित्यपुर पर खरकई (HFL 137.8 m, 2008) (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार); मानगो पुल पर 121.50 m और आदित्यपुर पुल पर 129 m के जिले के खतरे के निशानों का CWC के स्तरों से मिलान नहीं किया गया है और उन्हें उनके साथ मिलाया नहीं जाता; चांडिल डैम (जलाशय का पूर्ण जल स्तर 189 m या 192 m, सूचियाँ परस्पर विरोधी हैं [TBC]) और गालूडीह बैराज; ओडिशा के डैमों से खरकई पर छोड़ा गया पानी

जोन (कार्यकारी नाम)	विस्तार (जिले, बेसिन)	प्रतिनिधि केंद्र	टिप्पणियाँ
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र: JH-E संथाल परगना और गंगा तटवर्ती क्षेत्र	देवघर और मधुपुर, दुमका, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज और राजमहल; सीमाएँ [TBC]	Dumka 42599; साहिबगंज, पाकुड़ और गोड्डा के जिला वर्षामापी [TBC]	राजमहल ट्रैप (Rajmahal traps; बेसाल्ट, ऊपरी भाग में सछिद्र), गोंडवाना चट्टानें, और 20–30 m के नलकूपों वाला गंगा का जलोढ़; साहिबगंज, राजमहल और उधवा में भूजल में आर्सेनिक और पाकुड़ में फ्लोराइड (CGWB, प्रकाशित खबरों के अनुसार)। FER में 50-वर्ष 24-घंटे लगभग 240–280 mm, मधुपुर में लगभग 280 mm। अभिलेख, राज्य में सबसे अधिक: Taljhari 601.4 mm (25 Sep 1999), Borio 570.0 mm (29 Jun 1997), Kairo 520.0 mm और Sarawan 454.4 mm (21 Sep 2000), Katikund 517.0 mm (28 Jul 1986), Boarijor 450.0 mm (24 Sep 1999), Rajmahal 429.0 mm (28 Sep 1995), Dumka 300.8 mm (27 Sep 1978), Deoghar 264.2 mm (23 Sep 1917) (IMD)। प्राप्तकर्ता जलाशय: साहिबगंज (Sahibganj) (चेतावनी स्तर 26.25 m, खतरे का स्तर 27.25 m, HFL 30.91 m, 1998) और राजमहल (खतरे का स्तर 25.99 m, HFL 26.94 m, 2003) पर गंगा, जिसका पानी फरक्का के कारण पीछे रुकता है; मयूराक्षी (मसानजोर डैम), अजय (सिकटिया बैराज, HFL 169.24 m, 1995) और बरहेट (Berhait) पर गुमानी (खतरे का स्तर 47.53 m, HFL 48.8 m, 1977) (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार); उधवा झील, राज्य का रामसर स्थल
JH-Z3 पलामू–लातेहार–गढ़वा	उत्तर-पश्चिम में उत्तरी कोयल बेसिन और सोन का तटवर्ती क्षेत्र, CWC उप-क्षेत्र 1(d) में (खंड 2.3.6(c)); जोन रेखा को पार करने वाले जलग्रहण क्षेत्र अधिक जोन मान लेते हैं	Daltonganj 42587 (1901–2012)	जिलों के वार्षिक सामान्य मान राज्य में सबसे कम, लगभग 1,080–1,210 mm (गढ़वा 1,084.5, पलामू (Palamau) 1,089.0, लातेहार 1,197.6, चतरा 1,210.7 mm; IMD, 1951–2000)। FER 1(d) में 50-वर्ष 24-घंटे लगभग 240–280 mm (गढ़वा) से लगभग 320 mm (लातेहार, चतरा) तक, जो राज्य में सबसे अधिक प्लेट मान हैं, और 100-वर्ष लगभग 360 mm तक; 1-घंटे का अनुपात 0.37। केवल खंड 2.3.6(h)(i) की अनुपात-आधारित न्यूनतम सीमा; (h)(ii) की निरपेक्ष न्यूनतम सीमाएँ लागू नहीं होतीं। अभिलेख: Hunterganj 467.4 mm (1 Aug 1917), Manatu 440.0 mm (19 Aug 2003), Netarhat 429.3 mm (19 Jul 1964), Chatra 370.3 mm (2 Aug 1917), Latehar 332.7 mm (28 Jul 1953), Barwadih 318.0 mm (14 Aug 2026), Daltonganj 290.8 mm (23 Jul 1920) (IMD); चंदवा के स्व-अभिलेखी वर्षामापी पर 24 h में 389 mm (16–17 Sep 1976) (CWC FER 1(g))। यहाँ NIH-DHAARA की 50-वर्ष 24-घंटे गहराई प्लेटों के निकट (डालटनगंज 298, लातेहार 302, चतरा 309 mm)
JH-Z3 पलामू–लातेहार–गढ़वा: JH-F पलामू–लातेहार–गढ़वा (उत्तरी कोयल–सोन)	मेदिनीनगर (डालटनगंज), गढ़वा, लातेहार, बरवाडीह और नेतरहाट, चतरा जिले का पश्चिमी भाग, जपला और हुसैनाबाद; गढ़वा जिला और पलामू का पश्चिमी भाग UTM जोन 44N में हैं, पर पूरे राज्य के लिए जोन 45N का उपयोग किया जाता है; सीमाएँ [TBC]	Daltonganj 42587	जलोढ़ के टुकड़ों के साथ नीस, और औरंगा (Auranga) और डालटनगंज कोयला क्षेत्रों की गोंडवाना चट्टानें; पलामू और गढ़वा में भूजल में फ्लोराइड (CGWB)। प्राप्तकर्ता जलाशय: डालटनगंज (चेतावनी स्तर 208 m, खतरे का स्तर 209 m, HFL 210.91 m, 1976) और मोहम्मदगंज (खतरे का स्तर 145.52 m, HFL 146.66 m, 2016) पर उत्तरी कोयल, और जपला पर सोन (खतरे का स्तर 125.09 m, HFL 128.04 m, 1975) (CWC, प्रतिलिपि के अनुसार); अमानत बैराज और अन्नराज (Anraj) और बटाने (Batane) जलाशय

परिशिष्ट 2B — जोनवार उप-दैनिक अनुपात P(t)/P(24h): NIH-DHAARA (घंटेवार आँकड़ों पर आधारित) बनाम एक-तिहाई नियम

अध्याय 2 के खंड 2.6.1 से 2.6.4 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में परिशिष्ट 2A के प्रत्येक जोन के लिए NIH-DHAARA से, जो घंटेवार अभिलेखों से व्युत्पन्न है, t-घंटे और 24-घंटे की डिजाइन गहराई के अनुपात तालिकाबद्ध किए जाएँगे और उनकी तुलना IMD Das et al. (2022) से निकलने वाले अनुपातों तथा एक-तिहाई नियम (one-third rule) से की जाएगी। इसके लिए प्रत्येक जोन के प्रतिनिधि बिंदुओं पर प्रत्येक अवधि के लिए NIH-DHAARA गहराइयाँ (NIH), IMD के स्व-अभिलेखी वर्षामापी आँकड़े और Das et al. (2022) के IDF मान (IMD) आवश्यक हैं। इसके प्रकाशित होने तक उप-दैनिक गहराइयाँ सीधे NIH-DHAARA से या किसी अनुमोदित केंद्र IDF से पढ़ी जाती हैं (खंड 2.6.1)। जहाँ केवल दैनिक गहराइयाँ उपलब्ध हों, वहाँ वे अनुपात लिए जाते हैं जिन पर प्राधिकारी से सहमति हुई हो, जो झारखंड में खंड 2.3.6 के अनुपात हैं: तालिका 2B.1 में साइट के उप-क्षेत्र के लिए CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट के अनुपात, जिन्हें 10-वर्ष और उससे दुर्लभ वर्षा घटनाओं के लिए 1 और 3 घंटे पर खंड 2.3.6(h) की न्यूनतम सीमाओं तक बढ़ाया जाता है (खंड 2.6.2), और ये प्रपत्र 2-1 में दर्ज किए जाते हैं। एक-तिहाई नियम का उपयोग नहीं किया जाता (खंड 2.6.4)।

2B.1 तालिका 2B.1 की पहली पंक्ति में एक-तिहाई नियम P(t) = P(24)·(t/24)^(1/3) के अनुपात केवल तुलना के लिए दिए गए हैं। 1, 3, 6 और 12 h के मान वे हैं जो खंड 2.6 के भाष्य में बताए गए हैं; 2 h का मान उसी सूत्र से परिकलित किया गया है। जब तक यह परिशिष्ट संबंधित जोन के लिए इस नियम की पुष्टि न करे, तब तक इसका उपयोग डिजाइन के लिए नहीं किया जाएगा (खंड 2.6.4)।

तालिका 2B.1 — जोनवार अनुपात P(t)/P(24h) (ढाँचा)

जोन	स्रोत	1 h	2 h	3 h	6 h	12 h	24 h
सभी (केवल संदर्भ के लिए, डिजाइन के लिए नहीं)	एक-तिहाई नियम	0.35	0.44	0.50	0.63	0.79	1.00
JH-Z1 (JH-A, JH-B) और JH-Z2 (JH-C, JH-D, JH-E)	CWC FER 1(g), 10-वर्ष आधार (अंतरिम डिजाइन अनुपात, खंड 2.3.6(g))	0.350		0.515	0.640	0.800	1.00
JH-Z1 (JH-G)	CWC FER 3(d), 10-वर्ष आधार (अंतरिम डिजाइन अनुपात, खंड 2.3.6(g))	0.390		0.610	0.760	0.860	1.00
JH-Z3 (JH-F)	CWC FER 1(d), 50-वर्ष (अंतरिम डिजाइन अनुपात, खंड 2.3.6(g))	0.37		0.58	0.70	0.89	1.00
सभी जोन	खंड 2.3.6(h)(i) की अनुपात-आधारित न्यूनतम सीमा, 10–100 वर्ष (1(g) में बाध्यकारी; 1(d) और 3(d) के अनुपात इससे अधिक हैं)	0.35		0.57			1.00
JH-Z1 और JH-Z2	50-वर्ष पर खंड 2.3.6(h)(ii) की न्यूनतम सीमाएँ, रांची और जमशेदपुर में प्लेटों के 240 mm के अनुपात के रूप में (केवल तुलना के लिए; न्यूनतम सीमाएँ गहराइयाँ हैं)	0.44		0.73			1.00
JH-Z1 (JH-A): Mandar	CWC FER 1(g), अनुलग्नक 4.4: 6 Aug 1971 के स्व-अभिलेखी वर्षामापी अधिकतम मान, उसी अभिलेख के 24-घंटे अधिकतम मान, 194 mm, के अनुपात के रूप में (एकल घटना, केवल तुलना के लिए)	0.51		0.88	0.91	0.94	1.00
JH-Z2 (JH-D): Jamshedpur (A)	CWC FER 1(g), अनुलग्नक 4.4: 1977 के स्व-अभिलेखी वर्षामापी अधिकतम मान, 24-घंटे अधिकतम मान, 193 mm, के अनुपात के रूप में (एकल घटना, केवल तुलना के लिए; अनुलग्नक में 3-घंटे का मान 6-घंटे के मान से अधिक है, जो मुद्रण की त्रुटि है [TBC])			0.95	0.88	0.91	1.00
JH-Z1 (JH-A): रांची	NIH-DHAARA, 50-वर्ष, रांची सेल (केवल तुलना के लिए; 3- और 6-घंटे के मान नहीं देखे गए)	0.23	0.35			0.77	1.00

जोन	स्रोत	1 h	2 h	3 h	6 h	12 h	24 h
JH-Z1 (JH-B): हजारीबाग	NIH-DHAARA, 50-वर्ष, हजारीबाग सेल (केवल तुलना के लिए; 3- और 6-घंटे के मान नहीं देखे गए)	0.30	0.44			0.77	1.00
JH-Z2 (JH-C): धनबाद	NIH-DHAARA, 50-वर्ष, धनबाद सेल (केवल तुलना के लिए; 3- और 6-घंटे के मान नहीं देखे गए)	0.29	0.44			0.81	1.00
JH-Z2 (JH-D): जमशेदपुर	NIH-DHAARA, 50-वर्ष, जमशेदपुर सेल (केवल तुलना के लिए; 3- और 6-घंटे के मान नहीं देखे गए)	0.26	0.42			0.79	1.00

2B.2 नियत प्रेक्षण अंतरालों (fixed observation windows) की गहराइयों को खंड 2.6.3 के गुणकों से वास्तविक-अंतराल गहराइयों में परिवर्तित किया जाता है, जो तालिका 2B.2 में दोहराए गए हैं। ये WMO (हर्शफील्ड) के मानक मान हैं और अनंतिम नहीं हैं।

तालिका 2B.2 — नियत-अंतराल समायोजन गुणक (खंड 2.6.3)

अवधि में नियत प्रेक्षण अंतरालों की संख्या	गुणक
1	1.13
2	1.04
3–4	1.02

परिशिष्ट 2C — ग्रिड-से-बिंदु गुणक

अध्याय 2 के खंड 2.7.1 और 2.7.4 के लिए।

> **तैयार किया जाना है.** इस परिशिष्ट में वे गुणक दिए जाएँगे जो ग्रिड-औसत डिजाइन गहराइयों (उदाहरण के लिए 0.25° सेल से) को जोन, अवधि और AEP के अनुसार बिंदु गहराइयों में परिवर्तित करते हैं। इसके लिए IMD के ग्रिड वर्षा आँकड़ों और प्रत्येक सेल के भीतर IMD तथा राज्य के वर्षामापियों (IMD, WRD, DVC और राज्य के प्रखंड (block) वर्षामापी [TBC]) के युग्मित आवृत्ति विश्लेषण, परिशिष्ट 2A के बेंचमार्क बिंदु, और गुणक व्युत्पन्न करने की एक घोषित विधि आवश्यक हैं। इसके प्रकाशित होने तक डिजाइन गहराइयाँ NIH-DHAARA से या किसी अनुमोदित केंद्र IDF से बिंदु मानों के रूप में ली जाती हैं (खंड 2.3.1 और 2.3.2)। ग्रिड-औसत मानों का उपयोग डिजाइन गहराइयों के रूप में तब तक नहीं किया जाता जब तक प्राधिकारी से सहमत कोई रूपांतरण प्रपत्र 2-1 में दर्ज न हो (खंड 1.11.5)।

2C.1 खंड 2.7 के भाष्य से स्पष्ट है कि ये गुणक क्यों महत्वपूर्ण हैं, और झारखंड में पुनर्विश्लेषण (reanalysis) के सेल दोनों दिशाओं में त्रुटि करते हैं। पठार पर वे कम मान देते हैं: हजारीबाग में NIH-DHAARA का IMDAA सेल (लगभग 12 km) 50-वर्ष 24-घंटे की गहराई लगभग 148 mm और 100-वर्ष की गहराई लगभग 166 mm देता है, जबकि CWC का प्लेट मान लगभग 240–280 mm है और हजारीबाग वेधशाला पर 24 जून 1911 को 249.2 mm दर्ज हुई; रांची में लगभग 196 mm, जबकि प्लेट मान लगभग 240 mm है और कांके और मांडर पर 332.6 mm और 382.0 mm दर्ज हुई; गिरिडीह में लगभग 205 mm, जबकि प्लेट मान लगभग 280 mm है और 27 अगस्त 1980 को 403.0 mm दर्ज हुई; और लोहरदगा और गुमला में लगभग 164 और 172 mm। निचले क्षेत्रों में और गंगा तटवर्ती क्षेत्र में वे अधिक मान देते हैं: साहिबगंज में लगभग 368 mm, बोकारो में 317 mm, जमशेदपुर में 306 mm और चाईबासा में 298 mm, जबकि प्लेट मान लगभग 200–280 mm हैं, यद्यपि वहाँ केंद्रों के अभिलेख, तालझारी में 601.4 mm और जमशेदपुर (A) पर 338.1 mm, दर्शाते हैं कि स्वयं प्लेटों के मान भी पार हो जाते हैं। सेलों की 50-वर्ष 1-

घंटे की गहराइयाँ, लगभग 42–87 mm, उनकी 24-घंटे की गहराइयों की 0.20–0.32 हैं, और रांची में यह गहराई 45.0 mm है (NIH-DHAARA, 7 नवंबर 2026 को देखा गया; IMD; CWC)। इस प्रकार के मान ग्रिड-औसत मान हैं और बिंदु गहराइयों के रूप में किसी भी उपयोग से पहले इन गुणकों की आवश्यकता होती है; खंड 2.3.6 के अंतर्गत झारखंड में इनका उपयोग डिजाइन गहराइयों के रूप में तब तक नहीं किया जाता जब तक यह परिशिष्ट और परिशिष्ट 2A प्रकाशित न हो जाएँ।

तालिका 2C.1 — ग्रिड-से-बिंदु गुणक (ढाँचा)

जोन	ग्रिड उत्पाद और सेल का आकार	अवधि (h)	AEP	गुणक (बिंदु / ग्रिड)	प्रयुक्त केंद्र	अभिलेख के वर्ष
		24				
		48				
		72				

परिशिष्ट 2D — झारखंड के वर्षा कालिक वितरण (हफ वक्र)

अध्याय 2 के खंड 2.9.3 और 2.9.4 के लिए, और अध्याय 11 के खंड 11.7.3 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में झारखंड की वर्षा घटनाओं के आयामहीन समय-वितरण (संचयी, mass) वक्र, Huff (1967) द्वारा प्रस्तुत रूप में, जोन, वर्षा-अवधि वर्ग और चतुर्थक (quartile) के अनुसार, घोषित प्रायिकता स्तरों पर दिए जाएँगे। इसके लिए स्व-अभिलेखी वर्षामापियों और स्वचालित मौसम केंद्रों (IMD, मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के अधीन राज्य में IMD के स्वचालित मौसम केंद्र और स्वचालित वर्षामापी, जैसे BAU कांके का केंद्र, और DVC और WRD के कोई स्व-अभिलेखी वर्षामापी [TBC]) से वर्षा घटनाओं के हायटोग्राफ आवश्यक हैं, जिन्हें एक घोषित नियम से स्वतंत्र वर्षा घटनाओं में अलग किया गया हो, और उनमें 16–17 सितंबर 1976 की चंदवा पर उत्तरी कोयल के ऊपर की वर्षा घटना, 27 सितंबर 1978 की मैथन, दुमका और पंचेत हिल्स की, 24–25 सितंबर 1999 की तालझारी और साहिबगंज की, 21 सितंबर 2000 की कैरो (Kairo) और सारवां (Sarawan) की और 18 जून 2008 की जमशेदपुर (A) की वर्षा घटनाएँ, 6 अगस्त 1971 की मांडर और 5 अगस्त 1977 की जमशेदपुर (A) की अल्पकालिक तीव्र बौछारें, और 26–27 मई 2021 की चक्रवात यास की वर्षा सम्मिलित हों। इसके प्रकाशित होने तक डिजाइन वर्षा घटनाओं में खंड 2.9.1 का ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक पैटर्न और खंड 2.9.2 का 48- और 72-घंटे का पैटर्न उपयोग किया जाता है; 25–5,000 km^2 के जलग्रहण क्षेत्रों के लिए CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट के वक्रों का उपयोग खंड 2.9.1 के अंतर्गत संवेदनशीलता रन (sensitivity run) के साथ किया जा सकता है (खंड 2.9.4)। SCS टाइप वितरणों का उपयोग नहीं किया जाता (खंड 2.9.3)। सतत सिमुलेशन (खंड 11.7.3) में दैनिक अभिलेखों के विभाजन (disaggregation) के लिए विधि पर प्राधिकारी से सहमति ली जाती है और उसे दर्ज किया जाता है (खंड 1.11.5)।

तालिका 2D.1 — वर्षा घटना के समय के संचयी अंश के सापेक्ष वर्षा गहराई का संचयी अंश (ढाँचा, प्रत्येक जोन, अवधि वर्ग और चतुर्थक के लिए एक तालिका)

वर्षा घटना के समय का अंश	0	0.1	0.2	0.3	0.4	0.5	0.6	0.7	0.8	0.9	1.0
10% प्रायिकता वक्र	0										1.0
50% प्रायिकता वक्र	0										1.0
90% प्रायिकता वक्र	0										1.0

2D.1 प्रत्येक तालिका में जोन, अवधि वर्ग, चतुर्थक (वर्षा घटना का वह चौथाई भाग जिसमें सबसे अधिक वर्षा हुई), विश्लेषित वर्षा घटनाओं की संख्या और अभिलेख की अवधि बताई जाएगी।

संदर्भ: Huff, F.A. (1967). Time distribution of rainfall in heavy storms. *Water Resources Research* 3(4), 1007–1019.

परिशिष्ट 2E — जोनवार प्रतिधारण शततमक गहराइयाँ

अध्याय 2 के खंड 2.8.3 और 2.10.1 से 2.10.2, अध्याय 4 के खंड 4.4 और अध्याय 8 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में परिशिष्ट 2A के प्रत्येक जोन के लिए प्रतिधारण डिजाइन गहराई P_R दी जाएगी: वह 24-घंटे की वर्षा गहराई जो दीर्घकालिक अभिलेख में वर्षा वाले दिनों (≥ 2.5 mm) में से 90% दिनों में पार नहीं होती (खंड 2.10.1)। इसके लिए प्रत्येक जोन के केंद्रों के लंबे दैनिक अभिलेख (IMD, WRD, DVC और राज्य के प्रखंड (block) वर्षामापी [TBC]) और, जहाँ केंद्र कम हों वहाँ, परिशिष्ट 2C के गुणकों सहित IMD के ग्रिड आँकड़े आवश्यक हैं। इसके प्रकाशित होने तक P_R की गणना खंड 2.10.1 की परिभाषा से, प्राधिकारी से सहमत किसी केंद्र के दीर्घकालिक दैनिक अभिलेख से, 2E.1 के पदों के अनुसार की जाती है, और उसे प्रपत्र 2-1 में दर्ज किया जाता है (खंड 1.11.5)।

2E.1 **दैनिक अभिलेख से P_R की गणना।**

1. केंद्र के पूरे अभिलेख की दैनिक (24-घंटे) वर्षा शृंखला लें।
2. केवल 2.5 mm या अधिक वर्षा वाले दिन (वर्षा वाले दिन, wet days) रखें।
3. वर्षा वाले दिनों की गहराइयों को क्रमबद्ध करें और वह गहराई लें जो उनमें से 90% में पार नहीं होती (90वाँ शततमक)।
4. जलवायु गुणक (खंड 2.8.3) या नियत-अंतराल गुणक न लगाएँ; P_R दैनिक सामान्य वर्षा का एक सांख्यिकीय मान है, AEP डिजाइन गहराई नहीं।
5. केंद्र, अभिलेख की अवधि, वर्षा वाले दिनों की संख्या और P_R को प्रपत्र 2-1 में दर्ज करें।

तालिका 2E.1 — जोनवार प्रतिधारण गहराई P_R (ढाँचा)

जोन	प्रयुक्त केंद्र या ग्रिड सेल	अभिलेख की अवधि	वर्षा वाले दिनों की संख्या (≥ 2.5 mm)	P_R, 90वाँ शततमक (mm)	जारी करने की तिथि
JH-Z1 छोटानागपुर पठार					
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र					
JH-Z3 पलामू–लातेहार–गढ़वा					

प्रपत्र 2-1 — डिजाइन वर्षा पत्रक

अध्याय 2 के खंड 2.3 से 2.13 के लिए, और अध्याय 10 के खंड 10.4.1(d) के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. प्रत्येक जलवैज्ञानिक प्रस्तुति के लिए एक पत्रक। पद अध्याय 2 के चित्र 2.3 के अनुसार हैं।

तालिका 2F.1 — प्रपत्र 2-1: साइट, स्रोत और वर्षा घटनाएँ

क्र.	मद (खंड)	प्रविष्टि
	A. साइट (खंड 2.13, मद 1)	
A1	परियोजना और साइट	_____
A2	साइट के निर्देशांक (अक्षांश, देशांतर, दशमलव डिग्री)	_____
A3	वर्षा जोन (परिशिष्ट 2A, या प्राधिकारी से सहमति के अनुसार)	_____
A4	योगदान देने वाले जलग्रहण क्षेत्र का क्षेत्रफल (km^2) (खंड 2.7)	_____
A5	डिजाइन आयु: 25 वर्ष से अधिक / अस्थायी कार्य, 5 वर्ष या कम (खंड 2.8.2)	_____
A6	आउटफॉल ज्वारीय या नदी के पश्चजल (backwater) प्रभाव में: हाँ / नहीं (खंड 2.5.3, 2.12)	_____
	B. स्रोत (खंड 2.3, 2.3.5; मद 2)	
B1	NIH-DHAARA: संस्करण या उपयोग की तिथि	_____
B2	जिन निर्देशांकों के मान निकाले गए	_____
B3	निकाले गए मानों का स्क्रीनशॉट या निर्यात संलग्न: संदर्भ	_____
B4	प्रयुक्त केंद्र IDF (खंड 2.3.2): नहीं / हाँ — केंद्र, ID, साइट से दूरी (km)	_____
B5	केंद्र IDF: स्व-अभिलेखी वर्षामापी आँकड़ों के वर्ष (30 या अधिक); प्रकाशित या अनुमोदित करने वाला	_____
B6	केंद्र IDF: वर्षामापी और साइट के बीच भू-भाग या तटीय अनावरण में परिवर्तन: कोई नहीं / वर्णन करें	_____
	C. AEP और अवधियाँ (खंड 2.4, 2.5)	
C1	डिजाइन किए गए अवयव और उनके AEP (तालिका 2.1)	_____
C2	वहन: Tc और डिजाइन अवधि (10 मिनट से कम नहीं) (खंड 2.5.1)	_____
C3	भंडारण: {1, 2, 3, 6, 12, 24, 48, 72 h} में से जाँची गई अवधियाँ; 24, 48 और 72 h सम्मिलित (खंड 2.5.2)	_____
C4	प्रत्येक भंडारण अवयव के लिए प्राप्त क्रांतिक अवधि	_____
	D. रूपांतरण	
D1	उप-दैनिक गहराइयाँ: सीधे पढ़ी गईं / परिशिष्ट 2B के अनुपातों से / प्राधिकारी से सहमत अनुपातों से (खंड 2.6.1, 2.6.2)	_____
D2	लगाया गया नियत-अंतराल गुणक: कोई नहीं (वास्तविक-अंतराल स्रोत) / 1.13 / 1.04 / 1.02 (खंड 2.6.3)	_____
D3	ग्रिड-से-बिंदु गुणक: आवश्यक नहीं (बिंदु स्रोत) / परिशिष्ट 2C / सहमत मान (खंड 2.7.1)	_____

क्र.	मद (खंड)	प्रविष्टि
D4	ARF: 1.0 (10 km² या कम; एकल-साइट भंडारण) / CWC वक्र / अंतर्वेशित (खंड 2.7.2–2.7.4)	_____
D5	जलवायु गुणक: 1.20 (≤ 6 h) और 1.10 (> 6–72 h) / 1.0 अस्थायी कार्य / खंड 2.8.4 के अंतर्गत प्रक्षेपित गहराइयाँ	_____
	E. प्रति-जाँचें (खंड 2.3.3; मद 4)	
E1	1–24 h के लिए IMD Das et al. (2022) के मान: तालिका 2F.2 में दर्ज	_____
E2	CWC उप-क्षेत्र 1(d), 1(g) या 3(d) का 24-घंटे का बिंदु मान, 25–5,000 km² के जलग्रहण क्षेत्र: प्रयुक्त उप-क्षेत्र	_____
E3	किसी AEP के लिए CWC न्यूनतम सीमा निर्णायक: नहीं / हाँ — AEP	_____
	F. प्रतिधारण गहराई (खंड 2.10)	
F1	P_R (mm) और स्रोत: परिशिष्ट 2E का जोन मान / परिशिष्ट 2E, 2E.1 के अंतर्गत परिकलित — केंद्र और अवधि	_____
F2	P_R पर कोई जलवायु गुणक नहीं लगाया गया (खंड 2.8.3): पुष्टि	_____
	G. डिजाइन वर्षा घटनाएँ (खंड 2.9, 2.11, 2.12; मद 5 और 6)	
G1	24 h तक की वर्षा घटनाएँ: ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक, चरम 50% पर; समय पद (≤ Tc/3 और ≤ 15 मिनट)	_____
G2	48 और 72 h की वर्षा घटनाएँ: खंड 2.9.2 के अंतर्गत निर्मित (तालिका 2F.3)	_____
G3	प्रयुक्त अन्य पैटर्न: कोई नहीं / परिशिष्ट 2D / संवेदनशीलता रन सहित CWC FER (खंड 2.9.3, 2.9.4)	_____
G4	प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना के हायटोग्राफ तालिका और आलेख के रूप में संलग्न: संदर्भ	_____
G5	AMC: JH-C, JH-D और JH-E में और नदियों के डूब क्षेत्रों पर 1 जुलाई–30 सितंबर की, और JH-A, JH-B, JH-F और JH-G में जुलाई–अगस्त की, प्रत्येक डिजाइन वर्षा घटना के लिए, उसकी अवधि चाहे जो हो, III; किसी अन्य साइट या समय पर 53 mm से अधिक के 5-दिवसीय योग के बाद आने वाली या उसे अपने भीतर रखने वाली वर्षा घटना के लिए III; अन्यथा II (खंड 2.11.4)	_____
G6	विकास-पूर्व स्थिति: अविकसित खुली भूमि (greenfield), मानचित्रित HSG के लिए अच्छी स्थिति में खुली भूमि (खंड 2.11.5)	_____
G7	निकास मानदंड: मानक, Q_post ≤ 0.9 × Q_pre (खंड 2.11.2) / बाढ़-संवेदनशील, मिश्रित-आवृत्ति नियम (खंड 2.11.3)	_____
G8	चलाई गई टेलवाटर संयुक्त स्थितियाँ (खंड 2.12): स्थिति (a) MHWS + समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई; स्थिति (b) 1% AEP स्थिर जल स्तर + समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई के साथ 10% AEP 48 h वर्षा घटना; निर्णायक स्थिति	_____
	H. तैयारकर्ता	
H1	मैं पुष्टि करता/करती हूँ कि ऊपर दिए गए मान वही हैं जो निकाले गए और प्रस्तुति में प्रयुक्त हुए। नाम, पंजीकरण संख्या, हस्ताक्षर, तिथि	_____

डिजाइन गहराई = स्रोत गहराई × नियत-अंतराल गुणक × ग्रिड-से-बिंदु गुणक × ARF × जलवायु गुणक। जहाँ डिजाइन गहराई उसी AEP के लिए CWC न्यूनतम सीमा से कम हो, वहाँ न्यूनतम सीमा ली जाती है (खंड 2.3.3)।

तालिका 2F.2 — प्रपत्र 2-1: गहराई तालिका (खंड 2.13, मद 3)

AEP (T-वर्ष)	अवधि	स्रोत गहराई (mm)	नियत-अंतराल गुणक	ग्रिड-से-बिंदु गुणक	ARF	जलवायु गुणक	डिजाइन गहराई (mm)	IMD Das et al. (2022) (mm)	CWC न्यूनतम सीमा (mm)	ली गई गहराई (mm)

AEP (T-वर्ष)	अवधि	स्रोत गहराई (mm)	नियत-अंतराल गुणक	ग्रिड-से-बिंदु गुणक	ARF	जलवायु गुणक	डिजाइन गहराई (mm)	IMD Das et al. (2022) (mm)	CWC न्यूनतम सीमा (mm)	ली गई गहराई (mm)

तालिका 2F.3 — प्रपत्र 2-1: 48- और 72-घंटे की वर्षा घटना का निर्माण (खंड 2.9.2)

AEP (T-वर्ष)	अवधि (h)	कुल डिजाइन गहराई (mm)	24 h डिजाइन गहराई, अंतिम 24 h (mm)	शेष (mm)	अंतिम 24 h से पहले के घंटे	अंतिम 24 h से पहले एकसमान तीव्रता (mm/h)
	48				24	
	72				48	

अध्याय 3 के परिशिष्ट

जलवैज्ञानिक विधियाँ

ये परिशिष्ट अध्याय 3 के लिए हैं। परिशिष्ट 3C में सॉफ्टवेयर स्वीकार्यता के लिए बेंचमार्क परीक्षण समस्याएँ दी गई हैं, और प्रपत्र 3-1 और 3-2 खंड 3.17 द्वारा अपेक्षित प्रस्तुति प्रपत्र हैं। परिशिष्ट 3A, 3B, 3D और 3E के लिए सर्वेक्षण, गेजिंग या प्रकाशित रिपोर्टों के ऐसे आँकड़े आवश्यक हैं जो इस प्रारूप में अभी नहीं हैं; प्रत्येक में अभिप्रेत रूपरेखा और अध्याय 3 का वह अंतरिम नियम दिया गया है जो उसके प्रकाशित होने तक लागू रहता है। ये प्रपत्र प्रारूप प्रपत्र हैं और इनकी कोई सांविधिक स्थिति नहीं है।

परिशिष्ट 3A — झारखंड की मृदा शृंखला से HSG की मिलान-सूची; मौसमी उच्चतम भूजल स्तर का मानचित्र

अध्याय 3 के खंड 3.7 और 3.10 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में (a) झारखंड में मानचित्रित प्रत्येक मृदा शृंखला से उसके जलवैज्ञानिक मृदा समूह (HSG) की मिलान-सूची (lookup), निकासी वाली और बिना निकासी वाली दोनों अवस्थाओं में, और (b) दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून–सितंबर) में मौसमी उच्चतम भूजल स्तर की गहराई का मानचित्र होगा। इसके लिए NBSS&LUP और झारखंड के कृषि विभाग (मृदा सर्वेक्षण) और बिरसा कृषि विश्वविद्यालय [TBC] के शृंखला मानचित्र उनके पैमानों सहित, प्रत्येक शृंखला के लिए मापी गई संतृप्त हाइड्रोलिक चालकता और अपारगम्य परत तक की गहराई, और केंद्रीय भूमि जल बोर्ड तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रेक्षण कुओं के अभिलेख आवश्यक हैं, जिनके साथ जमशेदपुर और आदित्यपुर में स्वर्णरेखा और खरकई के डूब क्षेत्रों में, साहिबगंज और राजमहल में गंगा तटवर्ती क्षेत्र और दियारा (diara) में और उधवा आर्द्रभूमि में, रांची और पठार के अन्य नगरों के आसपास घाटी-तलों की निचली धान भूमि (दोन; don) में, झरिया कोयला क्षेत्र के जलभराव से ग्रस्त भू-धंसान गर्तों में, और रांची में कांके, धुर्वा (हटिया) और गेतलसूद जलाशयों और बड़ा तालाब के आसपास की भूमि में पीजोमीटर भी हों। इसके प्रकाशित होने तक अध्याय 3 के अंतरिम नियमों का उपयोग करें: NEH Part 630, Ch. 7 के मानदंडों द्वारा मापी गई संतृप्त हाइड्रोलिक चालकता और अपारगम्य परत या भूजल स्तर तक की गहराई से HSG निर्धारित करें (खंड 3.7.2); जहाँ भी प्रतिधारण अंतःस्यंदन पर निर्भर है, वहाँ साइट अंतःस्यंदन परीक्षणों द्वारा उसका सत्यापन करें (खंड 3.7.3); मौसमी उच्चतम भूजल स्तर साइट के पीजोमीटरों, परीक्षण गड्ढों या निकटतम प्रेक्षण कुएँ से लें (खंड 3.10.2); और जहाँ भी वह स्तर भू-सतह से 0.6 m के भीतर हो, वहाँ HSG D दें (खंड 3.10.1)।

तालिका 3A.1 — मृदा शृंखला से HSG की मिलान-सूची (रूपरेखा)

मृदा शृंखला	जिला (जिले)	वर्गिकी वर्ग	सतही बनावट	संतृप्त हाइड्रोलिक चालकता (mm/h)	अपारगम्य परत तक की गहराई (m)	HSG, निकासी वाली	HSG, बिना निकासी वाली	स्रोत मानचित्र और पैमाना

तालिका 3A.2 — मानचित्रण इकाईवार मौसमी उच्चतम भूजल स्तर (रूपरेखा)

मानचित्रण इकाई या ग्रिड सेल	प्रयुक्त प्रेक्षण कुएँ	जून–सितंबर के अभिलेख के वर्ष	जून–सितंबर का उच्चतम स्तर, भूतल से नीचे (m)	भूतल से 0.6 m के भीतर (खंड 3.10.1)?	आँकड़ों का स्रोत

परिशिष्ट 3B — झारखंड का CN अंशांकन और पूरक भू-आवरण (ओवरबर्डन डंप और खनन से विक्षुब्ध भूमि, लैटेराइट परत और खुली चट्टान, दोन धान भूमि, पहाड़ी वन और झाड़ी, तालाबों, बाँधों और डोभों के तल, गंगा का दियारा)

अध्याय 3 के खंड 3.8 और 3.15 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में (a) झारखंड के जलग्रहण क्षेत्रों में प्रेक्षित वर्षा और अपवाह के सापेक्ष अंशांकित कर्व नंबर, तालिका 3.5 के TR-55 मानों से तुलना सहित, और (b) उन भू-आवरणों के कर्व नंबर होंगे जो तालिका 3.5 में सूचीबद्ध नहीं हैं: दामोदर के कोयला क्षेत्रों, झरिया, बोकारो, रामगढ़–पतरातू और कर्णपुरा (Karanpura) के ओवरबर्डन डंप, पुनर्भरित और सुधारी गई खनन भूमि, संघनित खदान बेंच और हॉल रोड, भू-धंसान भूमि और कोयला-अग्नि भूमि, जो पानी तेजी से बहा देती हैं और भारी तलछट ले जाती हैं; पठार, दलमा ज्वालामुखीय चट्टानों और राजमहल ट्रैप की खुली लैटेराइट परत (मुरम; murram) और खुली चट्टान; घाटी-तलों की सीढ़ीदार निचली धान भूमि (दोन; don), जब वह वर्षा घटना के आरंभ में सूखी या जोती हुई हो, और पतली लाल मिट्टी पर ऊपरी भूमि के खेत; दलमा, पारसनाथ, नेतरहाट और राजमहल की पहाड़ियों के ढलानों के साल वन, झाड़ी और घास भूमि; तालाबों (talab), बाँधों (bandh) और डोभों (dobha) के वे तल जो वर्षा घटना के आरंभ में सूखे या जोते हुए हों; और साहिबगंज और राजमहल में गंगा का दियारा (diara), जब वह वर्षा घटना के आरंभ में नदी से ऊपर हो। इसके लिए ज्ञात आवरण और मृदा वाले छोटे गेज किए गए जलग्रहण क्षेत्रों के युग्मित वर्षा–अपवाह अभिलेख आवश्यक हैं, जो WRD के गेजिंग स्थलों, कृषि अनुसंधान केंद्रों और तालाब गेजों से प्राप्त हों और घटनावार तथा पूर्ववर्ती नमी के अनुसार विश्लेषित हों। इसके प्रकाशित होने तक: प्रत्येक साइट के लिए विकास-पूर्व संदर्भ अच्छी दशा वाला खुला स्थान ही रहता है (खंड 3.3.2), इसलिए ये आवरण विकास-पूर्व रन में नहीं आते; साइट के बाहर की विद्यमान स्थितियों के लिए तालिका 3.5 या TR-55 की निकटतम आवरण पंक्ति का, जोती गई भूमि की पंक्तियों सहित (खंड 3.8.3(c)), उपयोग करें, और चुनी गई पंक्ति और उसका कारण प्रपत्र 3-1 में बताएँ; डिजाइन वर्षा घटना के आरंभ में खड़े पानी के नीचे की भूमि को बिना किसी हानि के जल सतह के रूप में मॉडल किया जाता है (तालिका 3.5; खंड 3.10.4(b))। इन डिफॉल्ट मानों से किसी भी विचलन के लिए खंड 3.15 के अंतर्गत अंशांकन अपेक्षित है (खंड 3.15.1(d))।

तालिका 3B.1 — पूरक भू-आवरण, AMC II (रूपरेखा)

आवरण का प्रकार	HSG A	HSG B	HSG C	HSG D	Ia अनुपात	आधार (जलग्रहण क्षेत्र, घटनाएँ, वर्ष)
ओवरबर्डन डंप, पुनर्भरित या सुधारी गई खनन भूमि, संघनित बेंच या हॉल रोड (दामोदर के कोयला क्षेत्र)						
भू-धंसान भूमि और कोयला-अग्नि भूमि, झरिया कोयला क्षेत्र						

आवरण का प्रकार	HSG A	HSG B	HSG C	HSG D	Ia अनुपात	आधार (जलग्रहण क्षेत्र, घटनाएँ, वर्ष)
पठार, दलमा ज्वालामुखीय चट्टानों और राजमहल ट्रैप की खुली लैटेराइट परत (मुरम) और खुली चट्टान						
घाटी-तलों की निचली धान भूमि (दोन), वर्षा घटना के आरंभ में सूखी या जोती हुई						
पतली लाल मिट्टी पर ऊपरी भूमि के खेत						
पहाड़ी ढलानों के साल वन, झाड़ी और घास भूमि (दलमा, पारसनाथ, नेतरहाट, राजमहल की पहाड़ियाँ)						
तालाब, बाँध या डोभे का तल, वर्षा घटना के आरंभ में सूखा या जोता हुआ						
साहिबगंज और राजमहल में गंगा का दियारा, वर्षा घटना के आरंभ में नदी के स्तर से ऊपर						
अन्य (बताएँ)						

तालिका 3B.2 — CN अंशांकन जलग्रहण क्षेत्र (रूपरेखा)

जलग्रहण क्षेत्र	जिला	क्षेत्रफल (km²)	प्रमुख HSG और आवरण	प्रयुक्त घटनाएँ	तालिका 3.5 का CN	अंशांकित CN	अंशांकित ÷ तालिका 3.5

परिशिष्ट 3C — सॉफ्टवेयर स्वीकार्यता के लिए बेंचमार्क परीक्षण समस्याएँ

अध्याय 3 के खंड 3.5, 3.6, 3.8, 3.9, 3.11, 3.12 और 3.16 के लिए।

प्रयोजन. खंड 3.16.1 में सूचीबद्ध न किया गया सॉफ्टवेयर नीचे दी गई पाँच समस्याओं के परिणाम दोहराएगा (खंड 3.16.3)। प्रत्येक समस्या पूरी तरह विनिर्दिष्ट है और केवल अध्याय 3 की विधियों और तालिकाओं का उपयोग करती है, इसलिए प्रत्येक उत्तर की जाँच हाथ से की जा सकती है। स्वीकार्यता की सहनसीमा प्रत्येक सारणीबद्ध परिणाम पर ±5% है, जो खंड 3.16.2 की समतुल्यता सीमा है; बंद-रूप (closed-form) परिणामों (समस्याएँ 3C-1 से 3C-4) के लिए सॉफ्टवेयर को दर्शाए गए पूर्णांकन तक मेल खाना चाहिए। प्रस्तुति में नीचे दिए गए प्रत्येक उत्तर के साथ सॉफ्टवेयर का परिणाम दर्ज किया जाएगा।

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं। इनपुट (क्षेत्रफल, तीव्रताएँ, वर्षा की गहराइयाँ, ढलान और बेसिन) केवल परीक्षण के लिए चुने गए हैं। ये किसी भी साइट के डिजाइन आँकड़े नहीं हैं।

समस्या 3C-1 — रेशनल विधि से चरम प्रवाह (खंड 3.5)

इनपुट. एक इनलेट में पानी छोड़ने वाला 2.0 ha का जलग्रहण क्षेत्र: 1.2 ha कंक्रीट फर्श और छतें, C = 0.90 (तालिका 3.2, 0.80–0.95 का ऊपरी आधा भाग); 0.8 ha रेतीली मृदा पर लॉन, औसत ढलान, C = 0.15 (तालिका 3.2, 0.10–0.15 का ऊपरी आधा भाग)। डिजाइन AEP 1% (100-वर्ष)। Tc पर वर्षा की तीव्रता, जलवायु गुणक सहित: i = 120 mm/h।

भाग (b): एक अलग 0.5 ha का पूरी तरह पक्का जलग्रहण क्षेत्र, C = 0.90, डिजाइन AEP 1%, i = 150 mm/h।

तालिका 3C.1 — समस्या 3C-1 का हल

पद	गणना	परिणाम
संयुक्त C (खंड 3.5.4)	(1.2 × 0.90 + 0.8 × 0.15) / 2.0	0.60
आवृत्ति गुणक (तालिका 3.3)	1% AEP	Cf = 1.25
C · Cf (≤ 1.0)	0.60 × 1.25	0.75
चरम प्रवाह (खंड 3.5.1)	0.75 × 120 × 2.0 / 360	**Q = 0.500 m³/s**
भाग (b): C · Cf	0.90 × 1.25 = 1.125, 1.0 तक सीमित (खंड 3.5.3)	1.00
भाग (b): चरम प्रवाह	1.00 × 150 × 0.5 / 360	**Q = 0.208 m³/s**

समस्या 3C-2 — खंड विधि द्वारा सांद्रण समय (खंड 3.6)

इनपुट. विकास-पूर्व प्रवाह मार्ग: अविकसित खुली भूमि पर परत प्रवाह, n = 0.15 (खंड 3.6.3), L = 30 m, S = 0.01; P2 (50% AEP की 24-घंटे की वर्षा, बिना जलवायु गुणक) = 80 mm। उथला संकेंद्रित प्रवाह, कच्ची सतह, L = 200 m, S = 0.01। चैनल प्रवाह, L = 400 m, पूर्ण-तट वेग V = 1.0 m/s (दिया गया)।

तालिका 3C.2 — समस्या 3C-2 का हल

खंड	गणना	यात्रा समय
परत प्रवाह (खंड 3.6.2(a))	0.091 × (0.15 × 30)^0.8 / (80^0.5 × 0.01^0.4) = 0.2138 h	12.83 min
उथला संकेंद्रित (खंड 3.6.2(c))	V = 4.918 × 0.01^0.5 = 0.4918 m/s; 200 / (3,600 × 0.4918) = 0.1130 h	6.78 min
चैनल (खंड 3.6.2(d))	400 / (3,600 × 1.0) = 0.1111 h	6.67 min
Tc (खंड 3.6.1; ≥ 10 min)	12.83 + 6.78 + 6.67	**26.27 min**
पश्चता समय (खंड 3.6.5)	0.6 × 26.27	15.76 min

समस्या 3C-3 — SCS-CN अपवाह की गहराई, AMC और Ia संवेदनशीलता (खंड 3.8)

इनपुट. HSG C पर विकास-पूर्व संदर्भ: AMC II पर CN = 74 (तालिका 3.5), पूरा पारगम्य। संचयी वर्षा P = 100 mm; दूसरी स्थिति P = 25 mm।

तालिका 3C.3 — समस्या 3C-3 का हल

स्थिति	S (mm)	Ia (mm)	अपवाह Q (mm), P = 100 mm	अपवाह Q (mm), P = 25 mm
(a) AMC II, Ia = 0.2S: S = 25,400 / 74 − 254	89.24	17.85	**39.38**	**0.53**
(b) AMC III, Ia = 0.2S: CN(III) = 23 × 74 / (10 + 0.13 × 74) = 86.75	38.80	7.76	**64.93**	—

स्थिति	S (mm)	Ia (mm)	अपवाह Q (mm), P = 100 mm	अपवाह Q (mm), P = 25 mm
(c) AMC II, Ia = 0.05S: S0.05 = 25.4 × 1.33 × (89.24 / 25.4)^1.15	143.31	7.17	**36.49**	**1.97**

अपवाह Q = (P − Ia)² / (P − Ia + S) है। स्थिति (c) 100 mm पर स्थिति (a) से कम किंतु 25 mm पर अधिक अपवाह देती है, जैसा खंड 3.8.5 और चित्र 3.3 में बताया गया है।

समस्या 3C-4 — अपारगम्य क्षेत्र का अलग बनाम संयुक्त निरूपण, और SCS इकाई हाइड्रोग्राफ का चरम (खंड 3.9 और 3.11.2)

इनपुट, भाग (a). एक साइट जो 50% प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा अपारगम्य क्षेत्र (CN 98) और 50% HSG B पर खुला स्थान (CNp = 61) है, AMC II, Ia = 0.2S, P = 25 mm।

इनपुट, भाग (b). A = 2.5 km² का एक उप-भाग, Tc = 1.0 h और गणना अंतराल Δt = 0.1 h के साथ।

तालिका 3C.4 — समस्या 3C-4 का हल

पद	गणना	परिणाम
(a) अपारगम्य आधा भाग (खंड 3.9.2)	S = 5.18 mm, Ia = 1.04 mm; Q = 23.96² / (23.96 + 5.18)	19.70 mm
(a) पारगम्य आधा भाग	S = 162.39 mm, Ia = 32.48 mm > P	0 mm
(a) क्षेत्र-भारित अपवाह, अलग उप-भाग	0.5 × 19.70 + 0.5 × 0	**9.85 mm**
(a) संयुक्त CN (खंड 3.9.4)	61 + 0.50 × (98 − 61)	79.5
(a) संयुक्त CN से अपवाह	S = 65.50 mm, Ia = 13.10 mm; Q = 11.90² / (11.90 + 65.50)	**1.83 mm**
(b) अंतराल की जाँच (खंड 3.11.3(a))	0.133 × 1.0 = 0.133 h ≥ Δt = 0.1 h	संतुष्ट
(b) पश्चता समय और चरम तक समय (खंड 3.11.2)	tL = 0.6 × 1.0 = 0.60 h; tp = 0.1 / 2 + 0.60	tp = 0.65 h
(b) इकाई हाइड्रोग्राफ का चरम, Q = 1 mm	0.208 × 2.5 × 1 / 0.65	**qp = 0.800 m³/s प्रति mm**

भाग (a) खंड 3.9 के भाष्य की तुलना (लगभग 9.9 mm बनाम 1.8 mm) को दोहराता है।

समस्या 3C-5 — स्तर-ताल (modified Puls) भंडारण रूटिंग (खंड 3.12.1)

इनपुट. ऊर्ध्वाधर किनारों और 500 m² के प्लान क्षेत्रफल वाला एक अस्थायी भंडारण बेसिन, तालिका 3C.5 के जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर संबंध के साथ। त्रिभुजाकार अंतर्वाह हाइड्रोग्राफ: t = 0 पर 0, t = 30 min पर 0.50 m³/s तक रैखिक रूप से बढ़ता हुआ, t = 90 min पर 0 तक रैखिक रूप से घटता हुआ। t = 0 पर बेसिन खाली। रूटिंग अंतराल Δt = 10 min (600 s)। कोई टेलवाटर नहीं।

तालिका 3C.5 — समस्या 3C-5 का जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर संबंध

जल स्तर (m)	भंडारण S (m³)	बहिर्वाह O (m³/s)
0.0	0	0.00

जल स्तर (m)	भंडारण S (m³)	बहिर्वाह O (m³/s)
0.5	250	0.05
1.0	500	0.10
1.5	750	0.15
2.0	1,000	0.20
2.5	1,250	0.25

विधि. भंडारण-सूचक (storage-indication) समीकरण (I1 + I2) + (2S1/Δt − O1) = (2S2/Δt + O2) है। तालिका से O = S / 5,000 (S m³ में, O m³/s में) मिलता है, इसलिए 2S/Δt + O = 17.667 O और 2S/Δt − O = 15.667 O, और प्रत्येक पद O2 = [(I1 + I2) + 15.667 O1] / 17.667 है। तालिका 3C.5 में रैखिक अंतर्वेशन करने वाला सॉफ्टवेयर यही परिणाम देगा।

तालिका 3C.6 — समस्या 3C-5 का रूट किया गया बहिर्वाह

समय (min)	अंतर्वाह I (m³/s)	बहिर्वाह O (m³/s)	भंडारण (m³)	जल स्तर (m)
0	0.0000	0.0000	0.0	0.000
10	0.1667	0.0094	47.2	0.094
20	0.3333	0.0367	183.3	0.367
30	0.5000	0.0797	398.4	0.797
40	0.4167	0.1226	612.8	1.226
50	0.3333	0.1511	755.7	1.511
60	0.2500	0.1670	835.2	1.670
70	0.1667	**0.1717**	**858.6**	**1.717**
80	0.0833	0.1664	832.1	1.664
90	0.0000	0.1523	761.5	1.523
120	0.0000	0.1062	531.1	1.062
180	0.0000	0.0517	258.3	0.517

परिणाम. 70 min पर चरम बहिर्वाह 0.172 m³/s; चरम भंडारण 859 m³; चरम जल स्तर 1.72 m। 0.50 m³/s का अंतर्वाह चरम घटकर अपने मान का 34% रह जाता है।

तालिका 3C.7 — आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले बेंचमार्क परिणाम

समस्या	परिणाम	बेंचमार्क	सॉफ्टवेयर का परिणाम	अंतर (%)	±5% के भीतर?
3C-1	Q, मुख्य स्थिति (m³/s)	0.500			
3C-1	Q, भाग (b) (m³/s)	0.208			
3C-2	Tc (min)	26.27			

समस्या	परिणाम	बेंचमार्क	सॉफ्टवेयर का परिणाम	अंतर (%)	±5% के भीतर?
3C-3	Q, स्थिति (a), P = 100 mm (mm)	39.38			
3C-3	Q, स्थिति (b), P = 100 mm (mm)	64.93			
3C-3	Q, स्थिति (c), P = 100 mm (mm)	36.49			
3C-3	Q, स्थिति (c), P = 25 mm (mm)	1.97			
3C-4	अपवाह, अलग उप-भाग (mm)	9.85			
3C-4	अपवाह, संयुक्त CN (mm)	1.83			
3C-4	qp (m^3/s प्रति mm)	0.800			
3C-5	चरम बहिर्वाह (m^3/s)	0.172			
3C-5	चरम भंडारण (m^3)	859			

परिशिष्ट 3D — समतल तटीय भूमि के लिए चरम दर गुणक का अध्ययन

अध्याय 3 के खंड 3.11.5 और 3.15 के लिए।

> **झारखंड में अपेक्षित नहीं.** झारखंड भू-आबद्ध है और उसमें कोई समतल तटीय मैदान नहीं है, इसलिए राज्य की कोई भूमि खंड 3.11.5(a) की शर्त पूरी नहीं करती, और मानक गुणक 484 (PRF' = 0.208) सारी भूमि पर लागू होता है (खंड 3.11.5)। राज्य का अधिकांश भाग पठार और पहाड़ी है, जहाँ प्रतिक्रिया धीमी नहीं, तीव्र होती है: बरकाकाना के पास सफी पर उप-क्षेत्र 1(g) का हल किया गया उदाहरण, 9.37 m/km के समतुल्य ढलान के साथ, लगभग 4.5 m^3/s प्रति km^2 का 50-वर्ष का चरम प्रवाह देता है (परिशिष्ट 3E)। साहिबगंज और राजमहल में गंगा के समतल (Ganga flats) और घाटी-तलों की धान भूमि समतल हैं, किंतु तटीय मैदान नहीं हैं; उनकी धीमी प्रतिक्रिया को कम चरम दर गुणक से नहीं, बल्कि भंडारण और पश्चजल (खंड 3.10.4 और 3.12.4) से दर्शाया जाता है। यह परिशिष्ट और तालिका 3D.1 की रूपरेखा केवल इसलिए रखी गई है ताकि परिशिष्टों की संख्या न बदले।

तालिका 3D.1 — अंशांकित चरम दर गुणक (रूपरेखा)

जलग्रहण क्षेत्र	क्षेत्रफल (km^2)	औसत ढलान (m/m)	जल निकासी की स्थिति	प्रयुक्त घटनाएँ	अंशांकित PRF (US प्रचलित इकाइयाँ)	PRF' (SI)	प्रयोज्यता का परास

परिशिष्ट 3E — उप-क्षेत्र 1(d), 1(g) और 3(d) के लिए CWC SUH प्राचल, हल किए गए उदाहरण के साथ

अध्याय 3 के खंड 3.4.3 और 3.11.4 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में CWC उप-क्षेत्र 1(d) (Sone), 1(g) (Lower Ganga Plains) और 3(d) (Mahanadi) के लिए संश्लिष्ट इकाई हाइड्रोग्राफ प्राचलों, डिजाइन वर्षा घटना की अवधि, हानि दर, आधार प्रवाह, क्षेत्रीय न्यूनीकरण और समय वितरण के समाश्रयण संबंध सारणीबद्ध किए जाएँगे, प्रत्येक के साथ बाढ़ आकलन रिपोर्ट का संदर्भ होगा, और एक जलग्रहण क्षेत्र के लिए हल किया गया उदाहरण होगा। इसके लिए झारखंड में लागू तीन CWC बाढ़ आकलन रिपोर्टें आवश्यक हैं: Lower Ganga Plains उप-क्षेत्र 1(g) की रिपोर्ट (संशोधित, LG-1(g)/R-1/23/94, नवंबर 1994), जिसका पहाड़ी क्षेत्र, अर्थात छोटानागपुर पठार और उसकी तलहटी, राज्य के दामोदर–बराकर, स्वर्णरेखा–खरकई, अजय–मयूराक्षी और गंगा तटवर्ती बेसिनों को सम्मिलित करता है, जिनमें रांची, जमशेदपुर, आदित्यपुर, धनबाद, झरिया, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, देवघर, दुमका, चाईबासा, साहिबगंज और पाकुड़ आते हैं; Sone उप-क्षेत्र 1(d) की रिपोर्ट (डिजाइन-कार्यालय रिपोर्ट संख्या S/15/1987, CWC प्रकाशन संख्या 33/88, अगस्त 1987), जो उत्तरी कोयल और सोन के तटवर्ती क्षेत्र को सम्मिलित करती है, जिसमें डालटनगंज (मेदिनीनगर), गढ़वा, लातेहार और चतरा आते हैं; और Mahanadi उप-क्षेत्र 3(d) की रिपोर्ट (संशोधित, M-3(d)/R-3/25/1996, फरवरी 1997), जो दक्षिणी कोयल, शंख और ब्राह्मणी के अन्य उद्गम क्षेत्रों को सम्मिलित करती है, जिनमें लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा आते हैं (अध्याय 3 के संदर्भ देखें); साथ ही 1(d) की हानि दर, जो 2.5 mm/h पढ़ी जाती है किंतु एक अंश में 4.5 mm/h, 1(d) के चरम तक के समय (tp) के संबंध का घातांक, 3(d) का हानि-दर वक्र, जो केवल आँख से पढ़ा गया है, तीनों रिपोर्टों की क्षेत्रीय न्यूनीकरण और समय-वितरण तालिकाएँ, और झारखंड के भीतर उप-क्षेत्रों की सीमाएँ, जिनमें रांची के ठीक पश्चिम की 3(d)/1(g) रेखा और हजारीबाग के उत्तर-पश्चिम की 1(d)/1(g) रेखा सम्मिलित हैं, जिनकी पुष्टि अभी रिपोर्टों की पृष्ठ-छवियों और सूचकांक मानचित्रों पर की जानी है [TBC]; इन सबको लिप्यंतरित करके प्रकाशित रिपोर्टों से जाँचा गया हो, और सर्वेक्षण या DEM से मापे गए भू-आकृतिक प्राचलों वाला एक जलग्रहण क्षेत्र भी आवश्यक है। इसके प्रकाशित होने तक सभी SUH इनपुट सीधे लागू बाढ़ आकलन रिपोर्ट से लें (खंड 3.11.4(a)), खंड 2.8 के जलवायु गुणक के साथ खंड 2.3.3(b) और 2.7.3 की 24-घंटे की डिजाइन वर्षा लागू करें (खंड 3.11.4(b)), विद्यमान प्राकृतिक स्थिति के लिए HEC-HMS या SWMM के परिणाम के साथ SUH का परिणाम प्रस्तुत करें (खंड 3.11.4(c)), और जहाँ हाइड्रोग्राफ मॉडल कम 1% AEP चरम प्रवाह देता है, वहाँ या तो खंड 3.15 के अंतर्गत अंशांकन द्वारा उसे उचित ठहराएँ या SUH का चरम प्रवाह लें (खंड 3.11.4(d))।

तालिका 3E.1 — उप-क्षेत्रवार SUH संबंध (रूपरेखा)

प्राचल	प्रतीक	इकाई	उप-क्षेत्र 1(d) का संबंध	उप-क्षेत्र 1(g), पहाड़ी क्षेत्र	उप-क्षेत्र 1(g), मैदानी क्षेत्र	उप-क्षेत्र 3(d) का संबंध
प्रति इकाई क्षेत्र चरम प्रवाह दर	qp	m^3/s प्रति km^2	qp = 1.664 tp^−0.965	qp = 2.0972 tp^−0.927	qp = 0.6617 (L/√S)^−0.515	qp = 1.260 tp^−0.725
इकाई वर्षा के केंद्र से चरम तक का समय	tp	h	tp = 0.314 (L/√S)^1.012 (घातांक संबंध तालिका में 1.102 और हल किए गए उदाहरण और डिजाइन वर्षा घटना के सूत्र में 1.012 मुद्रित है; टिप्पणी देखें) [TBC]	tp = 1.1808 (L·Lc/√S)^0.285	tp = 1.8833 qp^−0.940	tp = 1.757 (L·Lc/√S)^0.261
चरम के 50% पर UH की चौड़ाई	W50	h	W50 = 2.534 qp^−0.976	W50 = 1.2622 tp^0.828	W50 = 1.7897 qp^−1.006	W50 = 1.974 qp^−1.104
चरम के 75% पर UH की चौड़ाई	W75	h	W75 = 1.478 qp^−0.860	W75 = 0.7896 tp^0.711	W75 = 0.8955 qp^−1.061	W75 = 0.961 qp^−1.125

प्राचल	प्रतीक	इकाई	उप-क्षेत्र 1(d) का संबंध	उप-क्षेत्र 1(g), पहाड़ी क्षेत्र	उप-क्षेत्र 1(g), मैदानी क्षेत्र	उप-क्षेत्र 3(d) का संबंध
चरम के 50% पर आरोही भुजा की चौड़ाई	WR50	h	WR50 = 1.091 qp^−0.750	WR50 = 0.5357 tp^0.745	WR50 = 0.5524 qp^−1.012	WR50 = 1.150 qp^−0.829
चरम के 75% पर आरोही भुजा की चौड़ाई	WR75	h	WR75 = 0.672 qp^−0.719	WR75 = 0.3825 tp^0.647	WR75 = 0.2984 qp^−1.012, जैसा मुद्रित है (WR50 वाला ही घातांक) [TBC]	WR75 = 0.527 qp^−0.932
UH की आधार चौड़ाई	TB	h	TB = 5.526 tp^0.866	TB = 5.5830 tp^0.824	TB = 12.4755 tp^0.721	TB = 5.411 tp^0.826
इकाई अवधि	tr	h	1	1	1	1
डिजाइन वर्षा घटना की अवधि	TD	h	TD = 1.1 tp = 0.345 (L/√S)^1.012, निकटतम घंटे तक पूर्णांकित; रिपोर्ट ने पाया कि "60 से 75% मामलों में" ("60 to 75% of the cases") TD = 1.1 tp से TD = TB की अपेक्षा अधिक चरम प्रवाह मिला	TD = 1.1 tp	TD = 1.1 tp	TD = 1.1 tp (इससे रिपोर्ट के सभी 16 जलग्रहण क्षेत्रों पर TD = TB की अपेक्षा अधिक 50-वर्ष का चरम प्रवाह मिला)
डिजाइन हानि दर	—	mm/h	2.5 (मुद्रित "0.25 cm/hr की बहुलक हानि दर" ("modal loss rate of 0.25 cm/hr"); एक अंश प्रकाशीय अक्षर पहचान से "0.45cm/hr" पढ़ा जाता है, जिसकी जाँच पृष्ठ की छवि से की जानी है [TBC])	2.7 (मुद्रित "0.27 cm/hr"; 11 जलग्रहण क्षेत्रों की 46 घटनाओं का बहुलक मान; हल किए गए उदाहरण में प्रयुक्त)	2.7 (उप-क्षेत्र का मान)	वर्षा घटना की अवधि के साथ घटती है (रिपोर्ट का Fig. 13): 3-घंटे की वर्षा घटना के लिए लगभग 3.5, जो लगभग 13 घंटे या अधिक की वर्षा घटनाओं के लिए घटकर 1.5 हो जाती है, वक्र से आँख से पढ़ी गई [TBC]
डिजाइन आधार प्रवाह	—	m^3/s प्रति km^2	पढ़ी गई प्रति में नहीं मिला; 340.64 km^2 पर हल किए गए उदाहरण का 15.33 m^3/s लगभग 0.045 दर्शाता है [TBC]	0.05	0.05	0.10
t-घंटे और 24-घंटे की वर्षा का अनुपात	—	—	50-वर्ष: 1 h 0.37; 3 h 0.58; 6 h 0.70; 9 h 0.80; 12 h 0.89; 15 h 0.94; 18 h 0.98 (केवल प्रकाशीय अक्षर पहचान से पढ़ा गया [TBC]); 24 h 1.00 (IMD के 14 स्व-अभिलेखी वर्षामापियों से)	10-वर्ष, 21 स्व-अभिलेखी वर्षामापियों से, 5 वर्ष से अधिक की पुनरावृत्ति अवधियों के लिए "तुलनीय" ("comparable"): 1 h 0.350; 3 h 0.515; 6 h 0.640; 9 h 0.735; 12 h 0.800; 15 h 0.860; 18 h 0.915; 24 h 1.000	पहाड़ी क्षेत्र के अनुसार	10-वर्ष, 6 स्व-अभिलेखी वर्षामापियों से: 1 h 0.390; 3 h 0.610; 6 h 0.760; 9 h 0.820; 12 h 0.860; 15 h 0.880; 18 h 0.920; 24 h 1.000

प्राचल	प्रतीक	इकाई	उप-क्षेत्र 1(d) का संबंध	उप-क्षेत्र 1(g), पहाड़ी क्षेत्र	उप-क्षेत्र 1(g), मैदानी क्षेत्र	उप-क्षेत्र 3(d) का संबंध
24-घंटे की वर्षा का समय वितरण	—	संचयी अंश	2–3, 4–6, 7–12, 13–18 और 19–24 घंटे की वर्षा घटनाओं के लिए Fig. 12(a)–(e) के औसत वक्र, और Table A-2 के गुणांक; लिप्यंतरित नहीं किए गए [TBC]	6-घंटे की वर्षा घटना के लिए घंटे 1 से 6 के अंत में 0.57, 0.74, 0.86, 0.93, 0.97 और 1.00 (हल किए गए उदाहरण की Table 5.1); अन्य अवधियों के वक्र (रिपोर्ट का अनुलग्नक 4.1 और Fig. 11) लिप्यंतरित नहीं किए गए [TBC]	पहाड़ी क्षेत्र के अनुसार [TBC]	[TBC]
1-दिवसीय से 24-घंटे की वर्षा में रूपांतरण	—	गुणक	1.15	1.15	1.15	1.15
क्षेत्रीय न्यूनीकरण गुणक	ARF	—	Table 6 और Figs 11(a) और 11(b), 8 पुल जलग्रहण क्षेत्रों से, जिनके आँकड़े "केवल 800 sq.km तक" ("only upto 800 sq.km") हैं, और जिनका उपयोग "800 sq.km से अधिक क्षेत्रों के लिए सावधानी से" ("with caution for areas more than 800 sq.km") किया जाना है; मान लिप्यंतरित नहीं किए गए [TBC]	रिपोर्ट का अनुलग्नक 4.2 और Fig. 12(a), केवल प्रकाशीय अक्षर पहचान से पढ़े गए; हल किया गया उदाहरण 389.76 km² पर 6-घंटे की वर्षा घटना के लिए 0.846 लेता है [TBC]	पहाड़ी क्षेत्र के अनुसार [TBC]	[TBC]
झारखंड के नगरों पर 50-वर्ष की 24-घंटे की बिंदु वर्षा (प्लेट 9, आँख से पढ़ी गई, लगभग ±1 समोच्च रेखा)	—	mm	डालटनगंज (मेदिनीनगर) लगभग 280–320; लातेहार और चतरा लगभग 320; गढ़वा लगभग 240–280	रांची, जमशेदपुर, धनबाद और बोकारो लगभग 240; हजारीबाग लगभग 240–280; गिरिडीह और देवघर लगभग 280; दुमका लगभग 240–280; चाईबासा 200 से कम; हल किए गए उदाहरण का सफी जलग्रहण क्षेत्र 240	साहिबगंज और राजमहल लगभग 240–280 [TBC]	लोहरदगा 200 से कम; गुमला लगभग 200–240; सिमडेगा लगभग 240
जलग्रहण क्षेत्र जिन पर संबंध लागू होते हैं	A	km²	25–1,500 के लिए अनुशंसित, विवेक के साथ 5,000 तक उपयोग योग्य; 27.51–5,815 km² के 15 जलग्रहण क्षेत्रों से व्युत्पन्न	25–1,000; विवेक के साथ 5,000 तक; पहाड़ी क्षेत्र के 11 रेलवे-पुल जलग्रहण क्षेत्रों से व्युत्पन्न; उप-क्षेत्र के गेज किए गए 29 जलग्रहण क्षेत्रों में से 24 का ढलान 2.0–9.37 m/km है	25–1,000; विवेक के साथ 5,000 तक	25–1,000; विवेक के साथ 5,000 तक
रिपोर्ट का संदर्भ	—	—	संबंध तालिका (p. 40), हल किया गया उदाहरण (pp. 15–23), डिजाइन वर्षा घटना (p. 49), वर्षा अनुपात (p. 50), हानि दर (pp. 84–88)	पहाड़ी क्षेत्र (p. 9), Tables 3.1 और 3.2 (pp. 13–14), §3.5 और §3.6 (pp. 15–16), हल किया गया उदाहरण (pp. 25–29), अनुलग्नक 3.1, 4.3 और 4.4	Tables 3.1 और 3.2 (pp. 13–14), §3.5 और §3.6 (pp. 15–16)	Table 3.3 (p. 13), §3.5 (p. 14), §3.6 (p. 15), अनुलग्नक 5.2 और Fig. 13

टिप्पणी: संबंध वैसे ही हैं जैसे झारखंड में लागू तीन CWC रिपोर्टों (अध्याय 3 के संदर्भ) में मुद्रित हैं, जिन्हें स्कैन प्रतियों से पढ़ा गया और पृष्ठ-छवियों से जाँचा गया, सिवाय वहाँ के जहाँ केवल प्रकाशीय अक्षर पहचान (OCR) से या आँख से पढ़े जाने का उल्लेख है। L मुख्य धारा की लंबाई km में है, Lc जलग्रहण क्षेत्र के केंद्रक (centroid) के निकटतम बिंदु तक की लंबाई km में, S समतुल्य ढलान m/km में और A जलग्रहण क्षेत्र का क्षेत्रफल km² में। रिपोर्टें तब लिखी गई थीं जब "बिहार" में वे जिले भी सम्मिलित थे जो अब झारखंड में हैं। **1(g) का हल किया गया उदाहरण झारखंड का जलग्रहण क्षेत्र है**: गढ़वा रोड–बरकाकाना रेल मार्ग पर सफी नदी का रेलवे पुल संख्या 110, रामगढ़ जिले में बरकाकाना के पास (85°02'30" E, 23°39'45" N), जो दामोदर बेसिन का एक पंखाकार, खड़े ढलान वाला जलग्रहण क्षेत्र है, जिसमें A = 389.76 km², L = 38.29 km, Lc = 18.50 km और S = 9.37 m/km है। रिपोर्ट tp = 5.5 h, qp = 0.432 m³/s प्रति km², W50 = 5.18 h, W75 = 2.65 h, WR50 = 1.91 h, WR75 = 1.15 h, TB = 23 h और 168.38 m³/s का इकाई-ग्राफ चरम देती है; TD = 6 h, प्लेट 9 से पढ़ी गई 24.0 cm की 50-वर्ष 24-घंटे की बिंदु वर्षा, 6 घंटे के लिए 0.640 का गुणक (15.36 cm), 0.846 का ARF (12.99 cm), 7.40, 2.21, 1.56, 0.91, 0.52 और 0.39 cm की 1-घंटे की वृद्धियाँ, जिनमें से 0.27 cm/h की डिजाइन हानि दर घटाई गई (7.13, 1.94, 1.29, 0.64, 0.25 और 0.12 cm), और 0.05 × 389.76 = 19.49 m³/s के आधार प्रवाह के साथ वह **1,770.94 m³/s** का 50-वर्ष का चरम प्रवाह देती है (पृ. 29 से प्रकाशीय अक्षर पहचान द्वारा पढ़ा गया और इन पदों से संगत), जो लगभग 4.5 m³/s प्रति km² है। तालिका 3E.1 के संबंध इकाई हाइड्रोग्राफ को पुनः प्राप्त करते हैं: tp = 1.1808 × (38.29 × 18.50 / √9.37)^0.285 = 5.57 h, जिसे रिपोर्ट 5.5 h तक पूर्णांकित करती है, और qp = 2.0972 × 5.5^−0.927 = 0.432 m³/s प्रति km² (NEER के अंकगणित से)। पहाड़ी क्षेत्र के लिए रिपोर्ट का सरलीकृत सूत्र, Q50 = 1.320 A^0.871 L^−0.359 S^0.106 R50^0.968, जिसमें R50 cm में है, उसी जलग्रहण क्षेत्र के लिए लगभग 1,770 m³/s देता है (NEER के अंकगणित से); यह केवल प्रारंभिक डिजाइन के लिए है और खंड 3.11.4 के अंतर्गत इसका उपयोग नहीं किया जाएगा। 6-घंटे की वर्षा घटना का सत्तावन प्रतिशत उसके पहले घंटे में गिरता है: पठार की वर्षा घटनाओं का अधिकांश भाग आरंभ में ही गिरता है (front-loaded), और पठार के खड़े ढलान वाले जलग्रहण क्षेत्रों में चरम प्रवाह जल्दी और ऊँचा आता है। 1(d) का हल किया गया उदाहरण (इटारसी–इलाहाबाद लाइन पर रेलवे पुल संख्या 1198, सिमरावल नदी, 340.64 km², S = 3.70 m/km) झारखंड के बाहर है; रिपोर्ट 1,157.06 m³/s का 50-वर्ष का चरम प्रवाह देती है। **उपयोग से पहले 1(d) के चरम तक के समय के घातांक की पुष्टि की जानी है [TBC]।** 1(d) रिपोर्ट की संबंध तालिका tp = 0.314 (L/√S)^1.102 मुद्रित करती है, किंतु उसका हल किया गया उदाहरण "0.314 (34.94/√3.70)^1.012 = 5.90 hrs" की गणना करता है, और उसका डिजाइन वर्षा घटना सूत्र TD = 0.345 (L/√S)^1.012 है; रिपोर्ट की जाँच होने तक यह मैनुअल 1.012 लेता है और 1.102 को छपाई की भूल मानता है। 3(d) का हल किया गया उदाहरण (सोंदुर (Sondur) के पास रेलवे पुल 385, 194 km²) भी झारखंड के बाहर है; रिपोर्ट 1,086.5 m³/s का 50-वर्ष का चरम प्रवाह देती है। 1997 की 3(d) रिपोर्ट ने अपने 1982 के संस्करण का हानि वक्र बनाए रखा, यद्यपि उसके द्वारा परखी गई 28 नई घटनाएँ वक्र से काफी बाहर हैं [TBC]। 1(g) के मैदानी क्षेत्र के संबंध बिहार और उत्तर प्रदेश में उप-क्षेत्र 1(f) के 22 जलग्रहण क्षेत्रों से व्युत्पन्न किए गए थे; झारखंड में वे केवल साहिबगंज और राजमहल में गंगा के समतल पर लागू हो सकते हैं, यदि रिपोर्ट का सूचकांक मानचित्र उन्हें मैदानी क्षेत्र में रखता हो [TBC], और वहाँ दोनों समुच्चयों की गणना की जाएगी। 1(g) के मैदानी क्षेत्र में WR75 का घातांक WR50 के घातांक जैसा ही मुद्रित है, जो छपाई की भूल हो सकती है [TBC]। डिजाइन हानि दरें, 1(d) में 2.5 mm/h, 1(g) में 2.7 mm/h और 3(d) का वक्र, पूरे ग्रामीण जलग्रहण क्षेत्रों की बाढ़ों पर फिट किए गए φ-सूचकांक हैं; ये मृदा की अंतःस्यंदन क्षमताएँ नहीं हैं और इनका उपयोग HSG निर्धारित करने (खंड 3.7) या अंतःस्यंदन उपायों का आकार निर्धारित करने (अध्याय 4) के लिए नहीं किया जाता। 1(g) का मान रांची के पास ऊपरी भूमि की मृदाओं पर मापी गई अंतःस्यंदन दरों का लगभग दसवाँ भाग है (खंड 3.7 का भाष्य), क्योंकि मानसून में चट्टान के ऊपर की पतली मृदाएँ पहले से भरी होती हैं। रिपोर्टें रेलवे और सड़क पुलों पर गेज किए गए ग्रामीण जलग्रहण क्षेत्रों से निकाली गई थीं, जिनमें से कोई भी शहरी नहीं है। झारखंड में ये नगर सीमाओं में प्रवेश करने वाले ग्रामीण नालों (nala) और नदियों पर लागू होती हैं, जैसे गेतलसूद से ऊपर स्वर्णरेखा और रांची में जुमार और पोटपोटो, आदित्यपुर से ऊपर खरकई और जमशेदपुर में दलमा के ढलान की धाराएँ, धनबाद और झरिया में कतरी और जमुनिया, और बोकारो में गरगा; ये नगरीय जलग्रहण क्षेत्रों का मॉडल नहीं हैं। हरमू, जिसका पूरा जलग्रहण क्षेत्र लगभग 22.59 km² है (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1), 25 km² की सीमा से छोटी है और उसका डिजाइन केवल खंड 3.4 की विधियों से किया जाता है। जहाँ कोई नगरीय जलग्रहण क्षेत्र 25–5,000 km² के भीतर है, वहाँ SUH की गणना केवल उसकी प्राकृतिक स्थिति के तुलना-मानक के रूप में की जाती है (खंड 3.11.4), और जलग्रहण क्षेत्र का डिजाइन स्वयं खंड 3.4 की विधियों से, अध्याय 2 की डिजाइन वर्षा के साथ, किया जाता है। गंगा, दामोदर और निचली बराकर किसी भी रिपोर्ट के जलग्रहण क्षेत्रों से बहुत बड़ी हैं, और नगरों पर स्वर्णरेखा, खरकई और उत्तरी कोयल 5,000 km² के निकट या उससे अधिक हो सकती हैं [TBC]; 5,000 km² से ऊपर के नदी-भाग खंड 3.11.4 के बाहर हैं (खंड 3.4.5)। इन अनुपातों का उपयोग SUH के TD से कम अवधियों की तीव्रताएँ निकालने के लिए नहीं किया जाना है (अध्याय 2): 1(g) के अनुपातों से रांची में 50-वर्ष की 1-घंटे और 3-घंटे की गहराइयाँ लगभग 84 mm और 124 mm आती हैं, जो 6 अगस्त 1971 को मांडर के स्व-अभिलेखी वर्षामापी पर दर्ज 1 घंटे में 99 mm और 3 घंटे में 171 mm से, और 5 अगस्त 1977 को जमशेदपुर (A) पर 3 घंटे में 184 mm से कम हैं, और ये दोनों रिपोर्ट के अपने अनुलग्नक

4.4 में हैं (अध्याय 2 अल्पकालिक न्यूनतम सीमाएँ निर्धारित करता है)। कई वर्षामापी 24 घंटे पर भी प्लेटों से अधिक हैं, जिनमें कांके 332.6 mm (1998), गिरिडीह 403.0 mm (1980) और तालझारी 601.4 mm (1999) सम्मिलित हैं (IMD), इसलिए प्लेट मान खंड 2.3.3 के अंतर्गत न्यूनतम सीमा हैं, अधिकतम सीमा नहीं। रिपोर्टों के वर्षा अनुलग्नकों में सूचीबद्ध केंद्र क्षेत्रीय संदर्भ हैं, उप-क्षेत्र की सदस्यता नहीं: 3(d) का अनुलग्नक हंटरगंज और चतरा को सूचीबद्ध करता है, जिनका पानी 1(d) में फल्गु में जाता है। उप-क्षेत्रों की सीमाएँ, जो प्लेटों से आँख से पढ़ी गईं और जिनकी पुष्टि रिपोर्टों के सूचकांक मानचित्रों पर की जानी है [TBC]: 1(g) दामोदर–बराकर, स्वर्णरेखा–खरकई, अजय–मयूराक्षी और गंगा तटवर्ती क्षेत्र को सम्मिलित करता है, और उसकी उत्तरी सीमा गंगा पर है, इसलिए साहिबगंज, राजमहल और पाकुड़ उसके भीतर हैं; 3(d)/1(g) सीमा, अर्थात स्वर्णरेखा और दक्षिणी कोयल के बीच का जल-विभाजक, रांची शहर से लगभग 0.15–0.3° पश्चिम से, रांची के अक्षांश पर लगभग 85.05° E के पास, गुजरती है, इसलिए शहर 1(g) में है और हटिया–धुर्वा और नगड़ी पर उसका पश्चिमी किनारा रेखा पर स्थित है; 1(d)/1(g) सीमा 24° N पर लगभग 85.0–85.1° E से उत्तर-पूर्व की ओर किऊल के पास गंगा की ओर जाती है, हजारीबाग से लगभग 0.3° उत्तर-पश्चिम में, जो 1(g) में है, जबकि चतरा और हंटरगंज 1(d) में हैं और बराकर की ओर स्थित कोडरमा–झुमरी तिलैया 1(g) में; और 1(d)/3(d) सीमा नेतरहाट–लोहरदगा पठार को पार करती है, जिसमें लातेहार 1(d) में है और लोहरदगा 3(d) के ठीक भीतर। उप-क्षेत्र जलग्रहण क्षेत्र के आउटफॉल से चुना जाता है, उसके जिले से नहीं। जहाँ कोई जलग्रहण क्षेत्र दो उप-क्षेत्रों की सीमा के आर-पार पानी छोड़ता है, या उसके निकट स्थित है, जैसे रांची के दक्षिण-पश्चिमी वार्ड जिनका पानी दक्षिणी कोयल में जाता है, वहाँ यह मैनुअल अपेक्षा करता है कि SUH की गणना प्रत्येक उप-क्षेत्र के प्राचलों से की जाए और 1% AEP का अधिक चरम प्रवाह लिया जाए, जब तक कि खंड 3.15 के अंतर्गत अंशांकन दूसरे का समर्थन न करे।

तालिका 3E.2 — हल किए गए उदाहरण की रूपरेखा (रूपरेखा)

पद	विषय-वस्तु	खंड
1	सर्वेक्षण या DEM से जलग्रहण क्षेत्रफल, मुख्य धारा की लंबाई, केंद्रक तक की लंबाई और समतुल्य ढलान	3.11.4(a)
2	तालिका 3E.1 से SUH प्राचल और आलेखित इकाई हाइड्रोग्राफ	3.11.4(a)
3	डिजाइन वर्षा घटना की अवधि, जलवायु गुणक सहित बिंदु और क्षेत्रीय 24-घंटे की वर्षा, समय वितरण	3.11.4(a), (b)
4	डिजाइन हानि दर के बाद प्रभावी वर्षा; SUH के साथ संवलन; आधार प्रवाह जोड़ा गया	3.11.4(a)
5	विद्यमान प्राकृतिक स्थिति के लिए HEC-HMS या SWMM के चरम प्रवाह से 1% AEP चरम प्रवाह की तुलना	3.11.4(c), (d)

प्रपत्र 3-1 — जलवैज्ञानिक गणना सारांश

अध्याय 3 के खंड 3.4, 3.6, 3.7, 3.8, 3.10–3.13, 3.15–3.17 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. प्रत्येक प्रस्तुति के लिए एक प्रपत्र। भाग H में सूचीबद्ध दस्तावेज संलग्न करें।

A. परियोजना

तालिका 3F.1 — प्रपत्र 3-1: परियोजना

क्षेत्र	प्रविष्टि
A1. परियोजना का नाम और आवेदक	
A2. स्थान (गाँव या वार्ड, सर्वे संख्याएँ, जिला)	
A3. साइट का क्षेत्रफल (ha) और तुलना बिंदुओं (POC) की संख्या	
A4. जलग्रहण क्षेत्र का वर्ग: मानक (खंड 2.11.2) या बाढ़-संवेदनशील (खंड 2.11.3)	
A5. डिजाइन वर्षा पत्रक का संदर्भ (प्रपत्र 2-1)	

B. विधि और सॉफ्टवेयर (खंड 3.4, 3.11, 3.12, 3.16)

तालिका 3F.2 — प्रपत्र 3-1: विधि और सॉफ्टवेयर

क्षेत्र	प्रविष्टि
B1. प्रत्येक गणना का प्रयोजन (वहन, भंडारण, तुलना, जलग्रहण क्षेत्र अध्ययन)	
B2. प्रत्येक प्रयोजन के लिए योगदान देने वाला क्षेत्र (ha या km²)	
B3. प्रयुक्त विधि और तालिका 3.1 की वह पंक्ति जो इसकी अनुमति देती है	
B4. विधि के चयन का कारण	
B5. सॉफ्टवेयर और संस्करण; SWMM या HEC पर बने पैकेजों के लिए इंजन और संस्करण (खंड 3.16.1, 3.16.2)	
B6. अन्य सॉफ्टवेयर के लिए: परिशिष्ट 3C के बेंचमार्क परिणाम संलग्न (तालिका 3C.7) और खंड 3.16.2 की 5% तुलना	
B7. अपवाह रूपांतरण (खंड 3.11.1)	
B8. गणना अंतराल Δt (h), सबसे छोटे उप-भाग के 0.133 Tc और हायटोग्राफ समय पद के साथ (खंड 3.11.3(a))	
B9. भंडारण रूटिंग और चैनल रूटिंग की विधियाँ (खंड 3.12.1, 3.12.2)	
B10. डायनेमिक-वेव रूटिंग अपेक्षित है? यदि हाँ, तो खंड 3.12.4 की कौन-सी स्थिति	
B11. CWC SUH तुलना-मानक अपेक्षित है (25–5,000 km², खंड 3.11.4)? परिणाम का संदर्भ	
B12. सतत सिमुलेशन अपेक्षित है (खंड 3.13.1)? प्रयुक्त अभिलेख और तालाबों के प्रारंभिक स्तर (खंड 3.13.5)	

क्षेत्र	प्रविष्टि
B13. अंशांकन अपेक्षित है (खंड 3.15.1)? अंशांकन रिपोर्ट का संदर्भ	

C. मृदा और भूजल (खंड 3.3.3(b), 3.7, 3.10)

तालिका 3F.3 — प्रपत्र 3-1: मृदा और भूजल

क्षेत्र	प्रविष्टि
C1. HSG का स्रोत मानचित्र, पैमाना और प्रयुक्त मिलान-सूची (खंड 3.7.1, परिशिष्ट 3A) या NEH Part 630, Ch. 7 के अनुसार निर्धारण (खंड 3.7.2)	
C2. अंतःस्यंदन परीक्षण: संख्या, स्थान, गहराइयाँ, परिणाम (खंड 3.7.3)	
C3. मौसमी उच्चतम भूजल स्तर: भूतल से नीचे गहराई और स्रोत (खंड 3.10.2)	
C4. 0.6 m के भीतर के क्षेत्र जिन्हें HSG D दिया गया (खंड 3.10.1)	
C5. विक्षुब्ध पारगम्य क्षेत्र और लागू की गई HSG कमी (खंड 3.3.3(b))	

D. उप-भाग और स्थितिवार प्राचल (खंड 3.3, 3.5, 3.8, 3.9; खंड 3.17 की मद 4)

तालिका 3F.4 — प्रपत्र 3-1: उप-भाग और स्थितिवार प्राचल

उप-क्षेत्र	स्थिति (पूर्व / पश्चात)	क्षेत्रफल (ha)	अपारगम्य: छतें / पक्की सतह / सड़कें (ha)	DCIA (ha)	असंबद्ध (ha)	HSG	CN, AMC II	CN, AMC III (पारगम्य भाग)	C और Cf (यदि रेशनल)	Tc (min)

E. सांद्रण समय की कार्य-पत्रिका (खंड 3.6)

प्रत्येक उप-भाग और स्थिति के लिए एक कार्य-पत्रिका।

तालिका 3F.5 — प्रपत्र 3-1: सांद्रण समय की कार्य-पत्रिका

खंड	प्रवाह का प्रकार	सतह और n (तालिका 3.4)	L (m)	S (m/m)	P2 (mm)	V (m/s)	Tt (min)
1	परत					—	
2	उथला संकेंद्रित				—		
3	चैनल या पाइप				—		
	Tc (10 min से कम नहीं)						

E1. क्या विकास-पश्चात Tc विकास-पूर्व Tc से कम है? यदि नहीं, तो कारण स्पष्ट करें (खंड 3.6.6): _____

F. वर्षा और हानियाँ (खंड 3.8.4, 3.8.5, 3.11.5, 3.12, 3.3.5)

तालिका 3F.6 — प्रपत्र 3-1: वर्षा, हानियाँ और प्रारंभिक स्तर

क्षेत्र	प्रविष्टि
F1. चलाए गए AEP और अवधियाँ; लगाया गया जलवायु गुणक (अध्याय 2)	
F2. प्रत्येक अवधि के लिए प्रयुक्त AMC (खंड 3.8.4)	
F3. डिजाइन रनों के लिए Ia अनुपात; Ia = 0.05S संवेदनशीलता रन किया गया (खंड 3.8.5)	
F4. प्रयुक्त चरम दर गुणक; यदि 484 से कम है, तो परिशिष्ट 3D का मान और वह भूमि जिस पर यह लागू है (खंड 3.11.5)	
F5. प्रत्येक तालाब या जलाशय का प्रारंभिक जल स्तर, और उसका आधार (खंड 3.12.5, 3.13.5)	
F6. साइट के बाहर से आने वाला अपवाह: वहन के लिए और तुलना के लिए माना गया भूमि उपयोग (खंड 3.3.5)	
F7. आनुषंगिक भंडारण गिना गया? यदि हाँ, तो प्राधिकारी की स्वीकार्यता (खंड 3.12.3)	

G. विचलन

तालिका 3F.7 — प्रपत्र 3-1: अध्याय 3 से विचलन

क्र.	जिस खंड से विचलन किया गया	अध्याय 3 के मान के स्थान पर प्रयुक्त मान	औचित्य
1			
2			

H. संलग्नक (खंड 3.17)

तालिका 3F.8 — प्रपत्र 3-1: संलग्नक

मद	संलग्न (हाँ / नहीं / लागू नहीं)	संदर्भ
H1. विकास-पूर्व और विकास-पश्चात जलग्रहण क्षेत्र मानचित्र, उप-भागों, Tc प्रवाह मार्गों, POC और साइट के बाहर से आने वाले अपवाह के साथ		
H2. HSG मानचित्र, भूजल स्तर के आँकड़े और अंतःस्यंदन परीक्षण के परिणाम		
H3. प्राचल तालिकाएँ (भाग D) और Tc कार्य-पत्रिकाएँ (भाग E)		
H4. डिजाइन वर्षा पत्रक (प्रपत्र 2-1) और हायटोग्राफ		
H5. हाइड्रोग्राफ तालिकाएँ और आलेख; जल स्तर–भंडारण और जल स्तर–प्रवाह दर तालिकाएँ; रूट किए गए बहिर्वाह; चरम जल स्तर		
H6. प्रत्येक POC के लिए प्रपत्र 3-2		
H7. अंशांकन रिपोर्ट (खंड 3.15)		

मद	संलग्न (हाँ / नहीं / लागू नहीं)	संदर्भ
H8. मूल मॉडल इनपुट और आउटपुट फाइलें (खंड 3.16.4)		

I. उत्तरदायी अभियंता का कथन (खंड 3.17 की मद 10)

मैं कथन करता/करती हूँ कि इस प्रस्तुति में झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल (प्रारूप संस्करण 1.0) के अध्याय 3 की विधियों और प्राचलों का उपयोग किया गया है, और प्रत्येक विचलन भाग G में सूचीबद्ध है और उसका औचित्य दिया गया है।

तालिका 3F.9 — प्रपत्र 3-1: उत्तरदायी अभियंता का कथन

क्षेत्र	प्रविष्टि
नाम	
योग्यता और पंजीकरण संख्या	
संगठन	
हस्ताक्षर	
तिथि	

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0.

प्रपत्र 3-2 — विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना

अध्याय 3 के खंड 3.8.5, 3.11.5 और 3.14 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. प्रत्येक तुलना बिंदु (POC) के लिए एक प्रपत्र। प्रवाह m^3/s में, आयतन m^3 में।

A. तुलना बिंदु (खंड 3.14.2)

तालिका 3F.10 — प्रपत्र 3-2: तुलना बिंदु

क्षेत्र	प्रविष्टि
A1. POC का पहचानकर्ता और स्थान	
A2. POC की ओर बहने वाला क्षेत्र: साइट (ha) और साइट के बाहर से आने वाला अपवाह (ha)	
A3. साइट के बाहर से आने वाला अपवाह साइट के भंडारण से होकर गुजरता है? (खंड 3.14.2(c))	
A4. जलग्रहण क्षेत्र का वर्ग: मानक (खंड 2.11.2) या बाढ़-संवेदनशील (खंड 2.11.3)	
A5. लगाया गया टेलवाटर, खंड 2.12 की संयुक्त स्थितियों सहित (खंड 3.14.9(c))	
A6. केवल बाढ़-संवेदनशील: सभी अवधियों में 10% AEP का सबसे बड़ा विकास-पूर्व चरम प्रवाह, खंड 2.11.3 की सीमा (खंड 3.14.7)	
A7. केवल बाढ़-संवेदनशील: विकास-पूर्व क्रांतिक अवधि पर 50% AEP का विकास-पूर्व चरम प्रवाह (खंड 2.11.3)	

B. चरम प्रवाह (खंड 3.14.7–3.14.10)

सीमा: मानक जलग्रहण क्षेत्रों के लिए समान AEP और अवधि के लिए 0.9 × Q_pre (खंड 3.14.10(a)); बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के लिए सीमाएँ A6 (1% AEP के लिए) और A7 (50% AEP के लिए) (खंड 3.14.10(b))।

तालिका 3F.11 — प्रपत्र 3-2: AEP और अवधिवार चरम प्रवाह

AEP	अवधि (h)	AMC	Q_pre	Q_post, अनियंत्रित	Q_post, रूट किया गया	सीमा	पूरी हुई?
50% (2-वर्ष)	1	II					
50% (2-वर्ष)	2	II					
50% (2-वर्ष)	3	II					
50% (2-वर्ष)	6	II					
50% (2-वर्ष)	12	III					
50% (2-वर्ष)	24	III					
50% (2-वर्ष)	48	III					
50% (2-वर्ष)	72	III					

AEP	अवधि (h)	AMC	Q_pre	Q_post, अनियंत्रित	Q_post, रूट किया गया	सीमा	पूरी हुई?
10% (10-वर्ष)	1	II					
10% (10-वर्ष)	2	II					
10% (10-वर्ष)	3	II					
10% (10-वर्ष)	6	II					
10% (10-वर्ष)	12	III					
10% (10-वर्ष)	24	III					
10% (10-वर्ष)	48	III					
10% (10-वर्ष)	72	III					
1% (100-वर्ष)	1	II					
1% (100-वर्ष)	2	II					
1% (100-वर्ष)	3	II					
1% (100-वर्ष)	6	II					
1% (100-वर्ष)	12	III					
1% (100-वर्ष)	24	III					
1% (100-वर्ष)	48	III					
1% (100-वर्ष)	72	III					

C. आयतन और भंडारण (खंड 3.14.8–3.14.10)

तालिका 3F.12 — प्रपत्र 3-2: आयतन और भंडारण

AEP	निर्णायक अवधि (h)	अपवाह आयतन, विकास-पूर्व	अपवाह आयतन, विकास-पश्चात अनियंत्रित	प्रतिधारण आयतन	आवश्यक अस्थायी भंडारण	भंडारण में चरम जल स्तर (m)
50% (2-वर्ष)						
10% (10-वर्ष)						
1% (100-वर्ष)						

C1. भंडारण के लिए निर्णायक अवधि, और 24, 48 और 72 h के परिणाम (खंड 3.14.10): _____

D. संवेदनशीलता रन (खंड 3.8.5, 3.14.11)

तालिका 3F.13 — प्रपत्र 3-2: संवेदनशीलता रन

रन	निर्णायक वर्षा घटना (AEP, अवधि)	Q_post, रूट किया गया, में परिवर्तन (%)	आवश्यक भंडारण में परिवर्तन (%)	लागू प्रतिधारण आयतन या WQv (खंड 3.8.5(c))
Ia = 0.05S				
मानक चरम दर गुणक (केवल जहाँ कम गुणक प्रयुक्त किया गया है)				—

E. संबद्ध जाँचें (खंड 3.14.12)

तालिका 3F.14 — प्रपत्र 3-2: संबद्ध जाँचें

जाँच	परिणाम	प्रस्तुति में संदर्भ
खाली होने का समय (अध्याय 4)		
न्यूनतम ऑरिफिस और कचरा-रोधी जाली (अध्याय 4)		
आपातकालीन स्पिलवे (अध्याय 4)		
आउटफॉल-बंद भंडारण जाँच (अध्याय 5)		
अनुप्रवाह विश्लेषण (अध्याय 5)		

F. उत्तरदायी अभियंता का कथन

मैं कथन करता/करती हूँ कि यह तुलना खंड 3.14 की प्रक्रिया द्वारा, विकास-पूर्व और विकास-पश्चात रनों में उन्हीं डिजाइन वर्षा घटनाओं के साथ, की गई है, और मानदंड पूरा करने के लिए किसी भी अपवाह को एक प्राकृतिक जलग्रहण क्षेत्र से दूसरे में नहीं मोड़ा गया है (खंड 3.14.2(b))।

तालिका 3F.15 — प्रपत्र 3-2: उत्तरदायी अभियंता का कथन

क्षेत्र	प्रविष्टि
नाम	
योग्यता और पंजीकरण संख्या	
हस्ताक्षर	
तिथि	

अध्याय 4 के परिशिष्ट

साइट अपवाह नियंत्रण: प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण

ये परिशिष्ट अध्याय 4 के लिए हैं। परिशिष्ट 4C, खंड 4.6.7 के उदाहरण पर आधारित, रूटिंग तालिकाओं सहित टियर A का एक पूर्ण हल किया गया उदाहरण है। परिशिष्ट 4B में टियर B की तालिकाओं की संरचना, अनंतिम नियत निकास गुणांक और अध्याय 4 के ऑरिफिस समीकरण से गणना की गई एक मानक ऑरिफिस तालिका दी गई है; जिन मानों के लिए NIH-DHAARA गहराइयों की आवश्यकता है, वे अभी निकाले जाने हैं। परिशिष्ट 4A के लिए GIS और भूजल आँकड़ों की आवश्यकता है जो इस प्रारूप में अभी नहीं हैं; इसमें अभिप्रेत रूपरेखा और अध्याय 4 के अंतरिम नियम दिए गए हैं। प्रपत्र 4-1 से 4-3 खंड 4.17 द्वारा अपेक्षित प्रस्तुति प्रपत्र हैं। ये प्रारूप प्रपत्र हैं और इनकी कोई सांविधिक स्थिति नहीं है।

परिशिष्ट 4A — बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों की सीमाएँ (GIS); उथले भूजल के जोन का मानचित्र

अध्याय 4 के खंड 4.5.3, 4.5.4 और 4.12 के लिए।

4A.1 **बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों की सीमाएँ.** ये जलग्रहण क्षेत्र वे हैं जो खंड 4.5.3.2 में सूचीबद्ध हैं, साथ ही खंड 4.5.4 के अंतर्गत अधिसूचित कोई भी जलग्रहण क्षेत्र। उनके मानचित्र और GIS परत वही आँकड़ा समुच्चय है जो परिशिष्ट 1B का है, जिसमें जलग्रहण क्षेत्र सूचीबद्ध हैं और परत के गुणों (attributes) की रूपरेखा दी गई है। दोनों परिशिष्ट एक साथ जारी किए जाएँगे।

4A.2 **उथले भूजल के जोन का मानचित्र.** यह मानचित्र उन क्षेत्रों को दर्शाता है जहाँ खंड 4.12 लागू होता है: स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर, उत्तरी कोयल और अन्य नदियों के डूब क्षेत्र, उधवा आर्द्रभूमि सहित साहिबगंज और राजमहल में गंगा तटवर्ती क्षेत्र और दियारा (diara), घाटी-तलों की निचली धान भूमि (दोन; don), जहाँ मानसून में भूजल स्तर सतह के निकट तक उठ जाता है, कोयला क्षेत्रों के जलभराव से ग्रस्त भू-धंसान गर्त, और तालाबों (talab), बाँधों (bandh) और डैमों के तल और अग्रतट (foreshore), और कोई भी ऐसा क्षेत्र जहाँ वर्ष के किसी भी समय भूजल स्तर सतह से 3 m के भीतर रहता है (खंड 4.12.1)।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में (a) बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों की सीमाएँ GIS परत के रूप में और ऐसे पैमाने के मानचित्रों के रूप में होंगी जो यह तय करने के लिए उपयुक्त हों कि कोई भूखंड उनके भीतर है या नहीं, और (b) खंड 4.12.1 के उथले भूजल के जोन का मानचित्र होगा, जिसमें दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान और उसके बाद मौसमी उच्चतम भूजल की गहराई दी गई हो। इसके लिए आवश्यक हैं: डिजिटल उन्नयन मॉडल और जल निकासी नेटवर्क (WRD, NRSC, भारतीय सर्वेक्षण विभाग) से बेसिन और उप-बेसिन की सीमाएँ; WRD के डैम, जलाशय और तटबंध और उनके पूर्ण जल स्तर, जिनमें कांके, धुर्वा (हटिया), गेतलसूद और चांडिल हैं; DVC के जलाशय (तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत) और तेनुघाट; साहिबगंज में गंगा के डूब क्षेत्र का सीमांकन, जिसके लिए WRD ने एक परामर्शदाता नियुक्त किया है; झारखंड भवन उपविधि, 2016 की उपविधि 23 की नदी रेखाएँ और रांची मास्टर प्लान 2037 के अनुमोदन की शर्त 2.9 की डैम, नदी और नाला रेखाएँ; राजस्व अभिलेखों में और रांची, जमशेदपुर और धनबाद के मास्टर प्लानों में दर्ज तालाब (talab), बाँध (bandh), आहर (ahar) और नाले (nala); BCCL और CCL के पट्टा नक्शे और झरिया मास्टर प्लान के अस्थिर और अग्नि स्थलों के मानचित्र; उधवा झील रामसर स्थल की सीमा; नगर सीमाएँ (UD&HD, RRDA और अन्य क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, MADA, औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार, नगर निगम, नगर परिषदें और नगर पंचायतें, और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति या उसका उत्तराधिकारी निकाय); JSDMA के पास उपलब्ध बाढ़ मानचित्र; CGWB और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रेक्षण कुओं के अभिलेख; और मृदा सर्वेक्षण मानचित्रों (NBSS&LUP, झारखंड का कृषि विभाग (मृदा सर्वेक्षण) और बिरसा कृषि विश्वविद्यालय [TBC]) से पठार की ग्रेनाइट-नीस पर पतली मिट्टी और लैटेराइट परत, कोयला क्षेत्रों की गोंडवाना मिट्टी, ओवरबर्डन डंप और खनन से विक्षुब्ध भूमि, घाटी-तलों की निचली धान भूमि (दोन; don) और साहिबगंज और राजमहल के गंगा के जलोढ़ का विस्तार। इसके प्रकाशित होने तक: (a) खंड 4.5.3.2 में नामित जलग्रहण क्षेत्र लागू होते हैं, और कोई साइट उनमें से किसी में है या नहीं, यह परिशिष्ट 1B में निर्धारित तरीके से तय और दर्ज किया जाता है; और (b) प्रत्येक साइट, जिस पर खंड 4.12.1 लागू हो सकता है, अपना डिजाइन भूजल स्तर एक जून–नवंबर ऋतु में साइट के पीजोमीटर पाठ्यांकों से, या उनके न होने पर, निकटतम CGWB या राज्य के प्रेक्षण कुएँ के स्तर में 0.5 m जोड़कर और किसी आसन्न नदी, नाले, तालाब, डैम या खदान के गड्ढे के डिजाइन बाढ़ जल स्तर से, निर्धारित करती है (खंड 4.12.1(b))। पीजोमीटर पाठ्यांकों के बिना नदियों के डूब क्षेत्रों, साहिबगंज के गंगा तटवर्ती क्षेत्र और जलभराव से ग्रस्त भू-धंसान गर्तों में उत्प्लावन जाँच के लिए डिजाइन भूजल स्तर विद्यमान भूमि स्तर है (खंड 4.12.1)।

तालिका 4A.1 — उथले भूजल जोन परत के गुण (रूपरेखा)

क्षेत्र (Field)	विषय-वस्तु	इकाई या प्रारूप
zone_id	अद्वितीय पहचानकर्ता	पाठ (text)
zone_class	नदी का डूब क्षेत्र (स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर, उत्तरी कोयल या अन्य); गंगा तटवर्ती क्षेत्र या दियारा (साहिबगंज, राजमहल, उधवा); निचली धान भूमि (दोन; don); भू-धंसान गर्त या खनन की अन्य जलभराव से ग्रस्त भूमि; तालाब, बाँध या डैम का तल और अग्रतट; सतह से 3 m के भीतर भूजल वाला अन्य क्षेत्र (खंड 4.12.1)	पाठ (text)
shgw_depth_m	भूमि के नीचे मौसमी उच्चतम भूजल की गहराई, दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु	m
shgw_basis	प्रयुक्त कुएँ या पीजोमीटर, और अभिलेख की अवधि	पाठ (text)
tidal_influence	क्या भूजल स्तर किसी आसन्न ज्वारीय जलाशय का अनुसरण करता है (खंड 4.12.1(b))	हाँ / नहीं (yes / no)
source	आँकड़ों की स्रोत एजेंसी और दिनांक	पाठ (text)
geometry	जोन की सीमा	बहुभुज (polygon)

परिशिष्ट 4B — टियर B तालिकाएँ: PSD और SSR (तालिका 4.3), प्रतिधारण क्रेडिट गुणक C_R, मानक आउटलेट आकार; पुष्ट नियत निकास गुणांक (तालिका 4.3A)

अध्याय 4 के खंड 4.4.6.3, 4.14.1, 4.14.2 और 4.14.4 से 4.14.6 के लिए।

4B.1 इस परिशिष्ट में चार तालिकाएँ होंगी। इस प्रारूप में उनकी स्थिति इस प्रकार है:

तालिका 4B.1 — परिशिष्ट 4B की विषय-वस्तु और उसकी स्थिति

तालिका	विषय-वस्तु	खंड	इस प्रारूप में स्थिति
4B.2	टियर B साइट की अनुमेय प्रवाह दर (PSD) और साइट पर आवश्यक भंडारण (SSR), तालिका 4.3 के मान	4.14.2	तैयार किया जाना है
4B.3	प्रतिधारण क्रेडिट गुणक C_R	4.4.6.3	तैयार किया जाना है; प्रकाशन तक C_R = 0
4B.4	मानक आउटलेट आकार	4.14.2 पद 4, 4.14.6	इस परिशिष्ट में खंड 4.6.5.2 के ऑरिफिस समीकरण से गणना की गई
4B.5	नियत निकास गुणांक C_10 और C_2 (तालिका 4.3A)	4.14.4	तालिका 4.3A के अनंतिम मान; पुष्ट मान तैयार किए जाने हैं

4B.2 PSD और SSR (तालिका 4.3)

तैयार किया जाना है. यह तालिका प्रत्येक वर्षा जोन, जलवैज्ञानिक मृदा समूह और विकास-पश्चात अपारगम्यता के लिए, मानक और बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों हेतु, 2-वर्ष और 100-वर्ष चरणों के लिए PSD और SSR, तालिका 4.3 की रूपरेखा में देगी। इसके लिए आवश्यक हैं: प्रत्येक जोन के लिए जलवायु गुणक सहित NIH-DHAARA डिजाइन गहराइयाँ (अध्याय 2, परिशिष्ट 2A), परिशिष्ट 2B के उप-दैनिक अनुपात, और तालिका 4.1 के प्रत्येक AEP और अवधि के लिए खंड 4.6 की पूर्ण विधि द्वारा मानक साइटों के एक समुच्चय की रूटिंग। प्रत्येक PSD निर्णायक निकास सीमा और प्रत्येक SSR प्रति हेक्टेयर निर्णायक भंडारण होगा, ऐसे मार्जिन के साथ कि सरलीकृत विधि कभी भी रूटिंग से सस्ती न पड़े। इसके प्रकाशित होने तक, टियर B साइटें खंड 4.6 का, या जहाँ साइट 1 ha या उससे कम हो वहाँ खंड 4.14.3 के नियत-गुणांक मार्ग का उपयोग करती हैं (खंड 4.14.1 और 4.14.3)।

तालिका 4B.2 — टियर B PSD और SSR (तालिका 4.3 की रूपरेखा)

जोन (परिशिष्ट 2A)	HSG	अपारगम्यता	PSD 2-वर्ष (L/s/ha)	PSD 100-वर्ष (L/s/ha), मानक	PSD 100-वर्ष (L/s/ha), बाढ़-संवेदनशील	SSR (m^3/ha), मानक	SSR (m^3/ha), बाढ़-संवेदनशील
JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-A रांची पठार (स्वर्णरेखा का उद्गम क्षेत्र)	B / C / D	50% / 70% / 90%	—	—	—	—	—
JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-B हजारीबाग–कोडरमा–गिरिडीह पठार और पारसनाथ	B / C / D	50% / 70% / 90%	—	—	—	—	—

जोन (परिशिष्ट 2A)	HSG	अपारगम्यता	PSD 2-वर्ष (L/s/ha)	PSD 100-वर्ष (L/s/ha), मानक	PSD 100-वर्ष (L/s/ha), बाढ़-संवेदनशील	SSR (m^3/ha), मानक	SSR (m^3/ha), बाढ़-संवेदनशील
JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-G दक्षिण-पश्चिमी पठार (ब्राह्मणी का उद्गम क्षेत्र)	B / C / D	50% / 70% / 90%	—	—	—	—	—
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र: JH-C दामोदर कोयला क्षेत्र पट्टी	B / C / D	50% / 70% / 90%	—	—	—	—	—
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र: JH-D स्वर्णरेखा–खरकई निचला क्षेत्र और कोल्हान	B / C / D	50% / 70% / 90%	—	—	—	—	—
JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र: JH-E संथाल परगना और गंगा तटवर्ती क्षेत्र	B / C / D	50% / 70% / 90%	—	—	—	—	—
JH-Z3 पलामू–लातेहार–गढ़वा: JH-F पलामू–लातेहार–गढ़वा (उत्तरी कोयल–सोन)	B / C / D	50% / 70% / 90%	—	—	—	—	—

4B.3 प्रतिधारण क्रेडिट गुणक C_R

तैयार किया जाना है. यह तालिका प्रत्येक वर्षा जोन, जलवैज्ञानिक मृदा समूह और प्रतिधारण पद्धति की डिजाइन अंतःस्यंदन दर या खाली होने की दर के लिए C_R देगी (खंड 4.4.3 और 4.4.6.3)। इसके लिए NIH-DHAARA गहराइयों के साथ खंड 2.5.2 के अवधियों के पूर्ण समुच्चय की रूटिंग आवश्यक है, जिसमें प्रतिधारण पद्धति को खंड 4.4.6.2 के अनुसार मॉडल किया गया हो, और क्रेडिट को प्रदान किए गए प्रति घन मीटर प्रतिधारण पर निर्णायक भंडारण में कमी के रूप में व्यक्त किया गया हो। इसके प्रकाशित होने तक, **C_R = 0** (खंड 4.4.6.3)।

तालिका 4B.3 — प्रतिधारण क्रेडिट गुणक C_R (रूपरेखा)

जोन (परिशिष्ट 2A)	HSG	डिजाइन अंतःस्यंदन या खाली होने की दर (mm/h)	C_R (–)

4B.4 मानक आउटलेट आकार

4B.4.1 तालिका 4B.4, 5 mm के अंतराल पर, वह सबसे बड़ा वृत्ताकार ऑरिफिस देती है जिसकी प्रवाह दर किसी दिए गए हेड पर किसी दी गई अनुमेय प्रवाह दर से अधिक नहीं होती। इसकी गणना खंड 4.6.5.2 के प्रवाह गुणांक के साथ ऑरिफिस समीकरण से की गई है:

> $Q = 0.60 \times (\pi\, d^2 / 4) \times \sqrt{(2\, g\, H)}$

जहाँ Q प्रवाह दर (m^3/s) है, d ऑरिफिस का व्यास (m) है, g = 9.81 m/s^2 है और H जल स्तर से ऑरिफिस के केंद्र तक हेड (m) है। आकारों को **नीचे** की ओर पूर्णांकित किया गया है, ताकि ऑरिफिस कभी भी अनुमेय प्रवाह दर से अधिक न निकाले। जहाँ गणना किया गया आकार 50 mm से कम है, वहाँ खंड 4.8.2 का 50 mm का न्यूनतम आकार दिखाया गया है; खंड 4.5.5.1 के अंतर्गत इसे अनुपालन करता हुआ माना जाता है।

4B.4.2 तालिका मुक्त निस्सरण (free discharge) मानती है। जहाँ टेलवाटर ऑरिफिस से ऊपर उठ सकता है (खंड 4.6.6), वहाँ H प्रतिप्रवाह और अनुप्रवाह जल स्तरों का अंतर है और ऑरिफिस की जाँच रूटिंग द्वारा की जाएगी। राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति परिशिष्ट 4B जारी करते समय इस तालिका को प्रतिस्थापित कर सकती है।

तालिका 4B.4 — दिए गए हेड पर अनुमेय प्रवाह दर के लिए ऑरिफिस का सबसे बड़ा व्यास (mm) (Cd = 0.60, मुक्त निस्सरण)

अनुमेय प्रवाह दर (L/s)	H = 0.5 m	H = 1.0 m	H = 1.5 m	H = 2.0 m
5	55	50	50	50
10	80	65	60	55
15	100	80	75	70
20	115	95	85	80
30	140	115	105	100
50	180	150	135	130
75	225	185	170	155
100	260	215	195	180
150	315	265	240	225
200	365	305	275	260
300	450	375	340	315

जाँच: H = 1.0 m पर 50 L/s के लिए, क्षेत्रफल 0.050 / (0.60 × √(2 × 9.81 × 1.0)) = 0.0188 m^2 है, इसलिए d = √(4 × 0.0188 / π) = 0.155 m, जिसे नीचे की ओर पूर्णांकित करके 150 mm किया गया।

4B.5 नियत निकास गुणांक (तालिका 4.3A)

4B.5.1 तालिका 4B.5 में तालिका 4.3A के अनंतिम गुणांक दोहराए गए हैं। इनका उपयोग अभी नियत-गुणांक मार्ग के अंतर्गत किया जा सकता है (खंड 4.14.4)।

तालिका 4B.5 — नियत निकास गुणांक C_10 और C_2 (अनंतिम, तालिका 4.3A)

जलवैज्ञानिक मृदा समूह	C_10	C_2	खंड	स्थिति
A (रेतीली, अच्छी जल निकासी वाली)	0.05	0.02	4.14.4	अनंतिम

जलवैज्ञानिक मृदा समूह	C_10	C_2	खंड	स्थिति
B	0.08	0.03	4.14.4	अनंतिम
C	0.15	0.08	4.14.4	अनंतिम
D (चिकनी मिट्टी, खराब जल निकासी वाली)	0.25	0.15	4.14.4	अनंतिम

तैयार किया जाना है. पुष्ट गुणांक तालिका 4B.5 को प्रतिस्थापित करेंगे। इनके लिए प्रत्येक जोन की NIH-DHAARA गहराइयाँ और खंड 3.3 के अविकसित खुली भूमि (greenfield) के कर्व नंबर आवश्यक हैं, जैसा कि खंड 4.14 के भाष्य में वर्णित है। इनके प्रकाशित होने तक, तालिका 4.3A के अनंतिम मान लागू होते हैं।

परिशिष्ट 4C — पूर्ण रूटिंग तालिकाओं सहित हल किया गया उदाहरण (टियर A)

अध्याय 4 के खंड 4.4 से 4.9, 4.15 और 4.17 के लिए।

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं. यह उदाहरण खंड 4.6.7 के उदाहरण को आगे बढ़ाता है। इसके इनपुट रांची में हरमू नदी पर स्थित किसी कॉलोनी के लिए विश्वसनीय लगने हेतु कल्पित हैं; ये NIH-DHAARA मान नहीं हैं और इनका उपयोग डिजाइन के लिए नहीं किया जाएगा। भाग 1 में एक परीक्षण आउटलेट (trial outlet) के लिए इनपुट, हाइड्रोग्राफ और रूटिंग क्रमवार दिए गए हैं। भाग 2 में पाया गया है कि परीक्षण आउटलेट खंड 4.8.3 के अवरोध के साथ खाली होने की जाँच में विफल रहता है, और उसे तालिका 4.2 में बताए गए आउटलेट में संशोधित किया गया है। भाग 3 में स्पिलवे, आउटलेट, सुरक्षा और प्रतिधारण की जाँचें पूरी की गई हैं। रांची में हरमू नदी में गिरने वाले आउटफॉल पर इसी सुविधा के लिए अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच परिशिष्ट 5C में है।

भाग 1 — इनपुट, हाइड्रोग्राफ और रूटिंग (खंड 4.6.1 से 4.6.4)

4C.1 **इनपुट.**

तालिका 4C.1 — इनपुट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

मद	मान	आधार
साइट का क्षेत्रफल A	2.0 ha (0.02 km^2), एक आउटफॉल	खंड 4.6.7
जलग्रहण क्षेत्र का वर्ग	बाढ़-संवेदनशील (खंड 4.5.3)	खंड 4.6.7
भूमि आवरण और कर्व नंबर, AMC II	विकास-पूर्व: पूर्णतः पारगम्य, CN 70। विकास-पश्चात, दो उप-भागों के रूप में: CN 98 पर 1.57 ha प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा अपारगम्य क्षेत्र, और CN 70 पर 0.43 ha पारगम्य खुला स्थान (विकास-पूर्व जैसी ही मिट्टी)। अपारगम्य अंश f = (92 − 70) / (98 − 70) = 0.786, इसलिए क्षेत्र-भारित CN 92 है	खंड 3.9.2, 4.6.7
AMC III में रूपांतरण	केवल पारगम्य क्षेत्र, 12 h और उससे लंबी वर्षा घटनाओं के लिए: $CN_{III} = 23 \cdot CN / (10 + 0.13 \cdot CN) = 84.3$। अपारगम्य CN 98 का रूपांतरण नहीं किया जाता	खंड 3.8.4
प्रारंभिक हानि	$I_a = 0.2S$; संवेदनशीलता रन के रूप में $I_a = 0.05S$	खंड 3.8.5

मद	मान	आधार
सांद्रण समय Tc	विकास-पूर्व 45 min; विकास-पश्चात 15 min, दोनों उप-भागों के लिए प्रयुक्त, क्योंकि खुला स्थान छोटा है और उसी साइट प्रणाली से जल निकासी करता है	खंड 4.6.7
इकाई हाइड्रोग्राफ	SCS त्रिकोणीय; tL = 0.6 Tc; tp = Δt/2 + tL; आधार 2.67 tp	खंड 3.6.5, 3.11.2
समय पद Δt	5 min (= विकास-पश्चात साइट का Tc/3)	खंड 4.6.2, पद 8
24-घंटे की गहराइयाँ, 2-, 10-, 100-वर्ष	110, 200, 350 mm, जलवायु गुणक सहित मानी गई	खंड 4.6.7
छोटी अवधियाँ	P(t) = P24 · (t/24)^0.40 (कल्पित अनुपात समुच्चय, परिशिष्ट 2B नहीं)	खंड 4.6.7
48-घंटे और 72-घंटे की गहराइयाँ	1.25 और 1.40 × P24, अंतिम दिन 24-घंटे की गहराई के साथ	खंड 4.6.7, 2.9.2
भंडारण	खुला, ऊर्ध्वाधर दीवारों वाला, 2,500 m² प्लान क्षेत्रफल, खोदा गया, बिना तटबंध, जनता के लिए सुलभ नहीं	खंड 4.6.7
परीक्षण आउटलेट	चरण 1 (Stage 1): फर्श पर 120 mm ऑरिफिस। चरण 2: 470 mm ऑरिफिस, इनवर्ट फर्श से 0.533 m ऊपर। चरण 3 नहीं	इस परिशिष्ट के लिए परीक्षण; भाग 2 में इसे संशोधित किया गया है
आउटफॉल	किसी प्राप्तकर्ता ड्रेन में मुक्त आउटफॉल, जिसका स्तर आउटलेट इनवर्ट से नीचे रहता है	उदाहरणार्थ इनपुट

उदाहरण खंड 3.8.4 और 3.9.2 का अनुसरण करता है: प्रत्येक उप-भाग के अपवाह की गणना अलग से की जाती है और रूटिंग से पहले दोनों को जोड़ा जाता है।

4C.2 **डिजाइन वर्षा.** तालिका 4C.2 में गहराइयाँ दी गई हैं। उदाहरण के लिए, 100-वर्ष 6-घंटे की गहराई 350 × (6/24)^0.40 = 350 × 0.574 = 201.0 mm है।

तालिका 4C.2 — डिजाइन वर्षा की गहराइयाँ, mm (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

अवधि (h)	1	2	3	6	12	24	48	72
50% AEP (2-वर्ष)	30.9	40.7	47.9	63.2	83.4	110.0	137.5	154.0
10% AEP (10-वर्ष)	56.1	74.0	87.1	114.9	151.6	200.0	250.0	280.0
1% AEP (100-वर्ष)	98.2	129.5	152.3	201.0	265.3	350.0	437.5	490.0

4C.3 **हायटोग्राफ.** 24 h तक की वर्षा घटनाएँ 5-मिनट के खंडों में ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक विधि का उपयोग करती हैं, जिसमें चरम खंड वर्षा घटना के मध्य में होता है (खंड 2.9.1)। 48- और 72-घंटे की वर्षा घटनाएँ 24-घंटे की गहराई से अधिक गहराई को पहले 24 या 48 h में समान रूप से फैलाती हैं और 24-घंटे की ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक वर्षा घटना को अंतिम दिन रखती हैं (खंड 2.9.2)। 100-वर्ष 72-घंटे की वर्षा घटना के लिए: पहले 48 h के लिए (490.0 − 350.0) / 576 खंड = 0.243 mm प्रति 5 मिनट; अंतिम दिन का 5-मिनट का चरम खंड 350 × (5/1440)^0.40 = 36.3 mm है, 60:00–60:05 h पर।

4C.4 **हानियाँ.** तालिका 4C.3 में S = 25,400/CN − 254 (mm) और Ia = 0.2S दिए गए हैं। वर्षा की गहराई P के लिए अपवाह की गहराई P > Ia होने पर Q = (P − Ia)² / (P − Ia + S) है, और अन्यथा शून्य।

तालिका 4C.3 — कर्व नंबर और हानियाँ (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

स्थिति	AMC	CN	S (mm)	Ia = 0.2S (mm)
विकास-पूर्व	II (अवधियाँ ≤ 6 h)	70	108.9	21.8
विकास-पूर्व	III (अवधियाँ ≥ 12 h)	84.3	47.3	9.5
विकास-पश्चात पारगम्य खुला स्थान (0.43 ha)	II (अवधियाँ ≤ 6 h)	70	108.9	21.8
विकास-पश्चात पारगम्य खुला स्थान (0.43 ha)	III (अवधियाँ ≥ 12 h)	84.3	47.3	9.5
विकास-पश्चात प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा अपारगम्य क्षेत्र (1.57 ha)	सभी अवधियाँ (रूपांतरित नहीं)	98	5.2	1.0

जाँच: 100-वर्ष 24 h, विकास-पश्चात। अपारगम्य: $Q = (350.0 - 1.0)^2 / (350.0 - 1.0 + 5.2) = 343.9$ mm। पारगम्य, AMC III: $Q = (350.0 - 9.5)^2 / (350.0 - 9.5 + 47.3) = 299.0$ mm। साइट: $0.786 \times 343.9 + 0.214 \times 299.0 = 334.2$ mm। तालिका 4C.4 के विकास-पश्चात स्तंभ ये क्षेत्र-भारित साइट गहराइयाँ हैं।

तालिका 4C.4 — वर्षा घटना के अपवाह की गहराई Q, mm (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

अवधि (h)	AMC	2-वर्ष विकास-पूर्व	2-वर्ष विकास-पश्चात	10-वर्ष विकास-पूर्व	10-वर्ष विकास-पश्चात	100-वर्ष विकास-पश्चात
1	II	0.7	20.1	8.2	41.3	79.2
2	II	2.8	28.2	16.9	57.2	108.5
3	II	5.1	34.2	24.5	69.0	130.2
6	II	11.4	47.5	42.9	94.7	177.1
12	III	45.0	70.5	106.6	137.2	249.9
24	III	68.4	96.4	152.6	185.1	334.2
48	III	93.5	123.3	201.0	234.7	421.5
72	III	108.9	139.6	230.3	264.5	473.9

इस 2.0 ha साइट के लिए अपवाह का आयतन $10 \times Q \times A = 20 \times Q$ m^3 है: उदाहरण के लिए, 100-वर्ष 72-घंटे की वर्षा घटना के लिए 9,478 m^3। रूट किए गए हाइड्रोग्राफ 0.5% तक कम वहन करते हैं, क्योंकि 5-मिनट की ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक वर्षा घटना अंतिम दिन 350.0 mm के बजाय 349.5 mm रखती है।

4C.5 **इकाई हाइड्रोग्राफ.** प्रत्येक 5-मिनट के खंड में अपवाह (विकास-पश्चात साइट के लिए, दोनों उप-भागों का योग) को तालिका 4C.5 के त्रिकोणीय इकाई हाइड्रोग्राफ के साथ संवलित (convolved) किया जाता है। चरम $qp = 0.208 \times A \times Q / tp$ है, जिसमें A km^2 में और Q = 1 mm है (खंड 3.11.2)।

तालिका 4C.5 — इकाई हाइड्रोग्राफ के प्राचल (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

स्थिति	Tc (h)	tL = 0.6 Tc (h)	tp = Δt/2 + tL (h)	आधार 2.67 tp (h)	qp (L/s प्रति mm अपवाह)
विकास-पूर्व	0.75	0.45	0.492	1.313	8.5
विकास-पश्चात	0.25	0.15	0.192	0.512	21.7

4C.6 **निकास सीमाएँ (खंड 4.5.3).** साइट बाढ़-संवेदनशील है, इसलिए मिश्रित-आवृत्ति नियम लागू होता है। 100-वर्ष की सीमा सभी अवधियों में विकास-पूर्व 10-वर्ष का सबसे बड़ा चरम है: **356 L/s** (72 h; तालिका 4.2)। 2-वर्ष की सीमा विकास-पूर्व 2-वर्ष का सबसे बड़ा चरम है: **180 L/s** (72 h)। प्रत्येक सीमा विकास-पश्चात की प्रत्येक अवधि पर लागू होती है (खंड 4.5.3.1)।

4C.7 **जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर.** बेसिन ऊर्ध्वाधर दीवारों वाला है, इसलिए भंडारण S = 2,500 × h (m³), जहाँ h फर्श के ऊपर जल स्तर (m) है। आउटलेट की प्रवाह दर Cd = 0.60 के साथ खंड 4.6.5.2 का अनुसरण करती है:

- चरण 1, h ≥ d के लिए: Q1 = 0.60 × A1 × √(2g (h − d/2))। h < d के लिए (ऑरिफिस आंशिक रूप से भरा), हेड को d/2 लिया जाता है और परिणाम को h/d से गुणा किया जाता है।
- चरण 2 की गणना तब से की जाती है जब पानी उसके केंद्र से ऊपर हो: Q2 = 0.60 × A2 × √(2g (h − z2 − d2/2)), जहाँ z2 उसका इनवर्ट है। उसके केंद्र से नीचे उसके प्रवाह की उपेक्षा की जाती है, जिससे भंडारण थोड़ा अधिक आँका जाता है।

तालिका 4C.6 — जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर, परीक्षण आउटलेट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

जल स्तर h (m)	भंडारण (m³)	चरण 1, 120 mm (L/s)	चरण 2, 470 mm (L/s)	कुल (L/s)
0.00	0	0.0	0.0	0.0
0.06	150	3.7	0.0	3.7
0.12	300	7.4	0.0	7.4
0.20	500	11.2	0.0	11.2
0.30	750	14.7	0.0	14.7
0.40	1,000	17.5	0.0	17.5
0.50	1,250	19.9	0.0	19.9
0.60	1,500	22.1	0.0	22.1
0.70	1,750	24.0	0.0	24.0
0.80	2,000	25.9	83.0	108.9
0.90	2,250	27.5	167.8	195.3
1.00	2,500	29.1	222.3	251.4
1.10	2,750	30.7	265.8	296.5
1.20	3,000	32.1	303.2	335.3
1.30	3,250	33.5	336.4	369.9
1.40	3,500	34.8	366.7	401.5

h = 1.00 m पर जाँच: Q1 = 0.60 × 0.01131 × √(19.62 × 0.94) = 0.0291 m³/s; Q2 = 0.60 × 0.1735 × √(19.62 × (1.00 − 0.533 − 0.235)) = 0.2223 m³/s।

4C.8 **रूटिंग.** प्रत्येक वर्षा घटना की रूटिंग स्तर-ताल सातत्य (level-pool continuity) द्वारा की जाती है (खंड 4.6.1): प्रत्येक 5-मिनट के पद में भंडारण में परिवर्तन अंतर्वाह आयतन घटा बहिर्वाह आयतन के बराबर होता है। गणना में प्रत्येक 5-मिनट के पद के लिए छह 50-सेकंड के उप-पद प्रयुक्त किए गए। तालिका 4C.7 की प्रत्येक पंक्ति की जाँच हाथ से ΔS ≈ (Ī − Ō) × 300 s के रूप में की जा सकती है, जहाँ । दिखाए गए समय

पर समाप्त होने वाले 5-मिनट के पद में माध्य अंतर्वाह है और Ō पद के आरंभ और अंत के बहिर्वाहों का माध्य है। उदाहरण के लिए, 60:15 और 60:20 के बीच: ΔS = 2,853.0 − 2,613.3 = 239.7 m³, और (1.0891 − (0.2655 + 0.3069)/2) × 300 = 240.9 m³।

तालिका 4C.7 — परीक्षण आउटलेट से होकर 100-वर्ष 72-घंटे की वर्षा घटना की रूटिंग, चरम के आसपास (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

समय (h:min)	पद में वर्षा (mm)	अंतर्वाह I (L/s)	बहिर्वाह O (L/s)	भंडारण S (m³)	जल स्तर h (m)
60:00	8.44	286.3	169.5	2,164.0	0.866
60:05	36.33	354.2	184.1	2,216.9	0.887
60:10	11.61	703.3	218.0	2,367.1	0.947
60:15	6.88	1,066.0	265.5	2,613.3	1.045
60:20	5.23	1,089.1	306.9	2,853.0	1.141
60:25	4.34	897.5	334.8	3,025.0	1.210
60:30	3.77	653.2	349.9	3,117.6	1.247
60:35	3.36	403.6	353.8	**3,132.9**	**1.253**
60:40	3.05	301.5	352.3	3,117.3	1.247
60:45	2.81	254.8	348.6	3,088.7	1.235
60:50	2.61	224.9	343.7	3,052.4	1.221
60:55	2.45	203.3	337.9	3,011.3	1.205

भंडारण 60:35 पर समाप्त होने वाले पद के अंत में सबसे अधिक है। अगले पद में माध्य अंतर्वाह (302 L/s) बहिर्वाह (लगभग 352 L/s) से कम है, इसलिए भंडारण घटता है।

तालिका 4C.8 — परीक्षण आउटलेट से होकर 100-वर्ष 72-घंटे की वर्षा घटना की रूटिंग, प्रति घंटा (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

समय (h)	संचयी वर्षा (mm)	अंतर्वाह (L/s)	बहिर्वाह (L/s)	जल स्तर (m)	भंडारण (m³)
12	35.0	14	8	0.130	325
24	70.0	15	12	0.215	536
36	105.0	16	14	0.264	660
48	140.0	16	15	0.294	736
54	181.7	47	19	0.469	1,172
57	213.5	69	23	0.623	1,559
59	248.5	120	91	0.789	1,971
60	293.3	286	170	0.866	2,164

समय (h)	संचयी वर्षा (mm)	अंतर्वाह (L/s)	बहिर्वाह (L/s)	जल स्तर (m)	भंडारण (m³)
61	378.0	187	332	1.187	2,967
62	399.3	106	237	0.968	2,421
63	414.5	80	142	0.829	2,072
66	446.9	51	52	0.771	1,927
72	489.5	33	33	0.768	1,920
84	489.5	0	18	0.405	1,012
96	489.5	0	10	0.167	418
108	489.5	0	4	0.058	146

रूट किया गया बहिर्वाह आयतन अंतर्वाह आयतन (लगभग 9,470 m³) के बराबर है: अस्थायी भंडारण आयतन को विलंबित करता है, किंतु उसे हटाता नहीं।

4C.9 **परिणाम, परीक्षण आउटलेट.** तालिका 4C.9 में परीक्षण आउटलेट के लिए चरम, अधिकतम जल स्तर और खाली होने के समय दिए गए हैं।

तालिका 4C.9 — परीक्षण आउटलेट (120 mm और 470 mm ऑरिफिस) के परिणाम (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

अवधि (h)	2-वर्ष, भंडारण के बाद (L/s)	2-वर्ष अधिकतम जल स्तर (m)	10-वर्ष, भंडारण के बाद (L/s)	10-वर्ष अधिकतम जल स्तर (m)	100-वर्ष, भंडारण के बाद (L/s)	100-वर्ष अधिकतम जल स्तर (m)	100-वर्ष भंडारण (m³)	10-वर्ष 90% खाली होने का समय, स्वच्छ (h)	10-वर्ष 90% खाली होने का समय, 50% अवरुद्ध (h)
1	9	0.15	15	0.30	22	0.59	1,468	27.2	54.2
2	11	0.20	18	0.42	89	0.79	1,966	28.3	57.0
3	13	0.24	20	0.50	135	0.82	2,058	29.3	59.1
6	15	0.31	23	0.64	190	0.89	2,229	31.1	63.4
12	17	0.40	49	0.77	279	1.06	2,647	36.2	69.2
24	19	0.45	87	0.79	334	1.20	2,991	42.8	75.4
48	20	0.51	144	0.83	353	1.25	3,129	42.5	72.7
72	20	0.52	147	0.84	354	1.25	**3,133**	42.5	71.9

खाली होने का समय 10-वर्ष के अधिकतम भंडारण के समय से तब तक मापा जाता है जब तक उस भंडारण का 90% निकल नहीं जाता (खंड 4.7.1)।

भाग 2 — जाँचें और आउटलेट का संशोधन (खंड 4.5, 4.7 और 4.8)

4C.10 **निकास सीमाएँ.** अस्थायी भंडारण के बाद 100-वर्ष का प्रत्येक चरम 356 L/s पर या उससे नीचे है, और अस्थायी भंडारण के बाद 2-वर्ष का प्रत्येक चरम 180 L/s की 2-वर्ष सीमा से बहुत नीचे है। दोनों सीमाएँ पूरी होती हैं। 2-वर्ष के चरमों की तुलना प्रत्येक अवधि के लिए विकास-पूर्व चरमों से अलग-अलग नहीं की जाती: बाढ़-संवेदनशील साइट के लिए 2-वर्ष की सीमा विकास-पूर्व 2-वर्ष का एकल सबसे बड़ा चरम है (खंड

4.5.3.1)।

4C.11 **खाली होना.** खंड 4.8.3 अपेक्षित करता है कि खाली होने की जाँच करते समय अल्प-प्रवाह ऑरिफिस को **50% अवरुद्ध** माना जाए। 120 mm ऑरिफिस को उसके आधे क्षेत्रफल पर मानने से, 10-वर्ष के भंडारण के 90% को निकलने में 54 से 75 h लगते हैं (तालिका 4C.9), जबकि खंड 4.7.1 की सीमा 48 घंटे है। **परीक्षण आउटलेट विफल रहता है।** स्वच्छ ऑरिफिस के साथ यह लगभग 42 h में खाली हो जाता।

4C.12 **संशोधित आउटलेट.** अल्प-प्रवाह ऑरिफिस को 10 mm के अंतराल पर तब तक बढ़ाया गया जब तक प्रत्येक अवधि के लिए अवरुद्ध स्थिति में खाली होने का समय 48 h के भीतर नहीं आ गया, और फिर चरण 2 का आकार फिर से निर्धारित किया गया ताकि 100-वर्ष की सीमा अब भी पूरी हो। परिणाम:

- चरण 1: फर्श पर **170 mm** ऑरिफिस;
- चरण 2: **460 mm** ऑरिफिस, इनवर्ट फर्श से 0.53 m ऊपर (केंद्र 0.76 m पर);
- चरण 3 नहीं।

बड़ा अल्प-प्रवाह ऑरिफिस बार-बार होने वाली वर्षा घटनाओं में अधिक पानी निकालता है। यहाँ यह स्वीकार्य है क्योंकि बाढ़-संवेदनशील साइट की 2-वर्ष की सीमा विकास-पूर्व 2-वर्ष का सबसे बड़ा चरम है (खंड 4.5.3.1)। माना गया है कि WQv का उपचार प्रतिप्रवाह में एक अलग पद्धति में किया जाता है (अध्याय 8), इसलिए चरण 1 से WQv को 24–48 h तक रोकने की अपेक्षा नहीं है (खंड 4.6.5.1); जहाँ चरण 1 WQv भी निकालता है, वहाँ खंड 4.7.2 की भी जाँच करनी होगी।

तालिका 4C.10 — जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर, संशोधित आउटलेट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

जल स्तर h (m)	भंडारण (m^3)	चरण 1, 170 mm (L/s)	चरण 2, 460 mm (L/s)	कुल (L/s)
0.00	0	0.0	0.0	0.0
0.085	213	8.8	0.0	8.8
0.17	425	17.6	0.0	17.6
0.30	750	28.0	0.0	28.0
0.40	1,000	33.9	0.0	33.9
0.50	1,250	38.9	0.0	38.9
0.60	1,500	43.3	0.0	43.3
0.70	1,750	47.3	0.0	47.3
0.76	1,900	49.6	0.0	49.6
0.80	2,000	51.0	88.3	139.3
0.90	2,250	54.5	165.3	219.7
1.00	2,500	57.7	216.4	274.1
1.10	2,750	60.8	257.5	318.3
1.17	2,925	62.8	282.8	345.6
1.20	3,000	63.7	293.0	356.7
1.30	3,250	66.5	324.6	391.1

तालिका 4C.11 — संशोधित आउटलेट (170 mm और 460 mm ऑरिफिस) के परिणाम (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

अवधि (h)	2-वर्ष, भंडारण के बाद (L/s)	2-वर्ष अधिकतम जल स्तर (m)	10-वर्ष, भंडारण के बाद (L/s)	10-वर्ष अधिकतम जल स्तर (m)	10-वर्ष भंडारण (m^3)	100-वर्ष, भंडारण के बाद (L/s)	100-वर्ष अधिकतम जल स्तर (m)	100-वर्ष भंडारण (m^3)	10-वर्ष 90% खाली होने का समय, 50% अवरुद्ध (h)
1	15	0.14	28	0.29	734	42	0.57	1,426	31.3
2	20	0.19	34	0.40	990	79	0.76	1,911	32.1
3	22	0.22	37	0.46	1,147	139	0.80	1,999	32.8
6	25	0.26	41	0.56	1,386	194	0.86	2,154	34.2
12	30	0.33	46	0.68	1,692	276	1.01	2,512	39.0
24	32	0.37	49	0.75	1,870	320	1.11	2,766	45.3
48	34	0.40	82	0.77	1,913	343	1.17	**2,913**	44.8
72	34	0.41	84	0.77	1,915	343	1.16	2,911	44.7

निष्कर्ष:

- **100-वर्ष की सीमा:** अस्थायी भंडारण के बाद सबसे बड़ा चरम 343 L/s ≤ 356 L/s। पूरी होती है।
- **2-वर्ष की सीमा:** अस्थायी भंडारण के बाद सबसे बड़ा चरम 34 L/s ≤ 180 L/s। पूरी होती है।
- **खाली होना:** अवरुद्ध स्थिति में खाली होने का सबसे लंबा समय 45.3 h ≤ 48 h (खंड 4.7.1)। पूरा होता है।
- **निर्णायक भंडारण: 2,913 m^3** (100-वर्ष, 48 h), **1.17 m** के अधिकतम जल स्तर पर। बड़ा अल्प-प्रवाह ऑरिफिस लंबी वर्षा घटनाओं में आरंभ में अधिक पानी निकालता है, इसलिए संशोधित आउटलेट को परीक्षण आउटलेट से लगभग 220 m^3 कम भंडारण की आवश्यकता होती है। खंड 4.6.7 की तालिका 4.2 इसी संशोधित डिजाइन को दर्शाती है।
- **निर्णायक वर्षा घटनाएँ (खंड 4.6.2, पद 12):** भंडारण के लिए, 100-वर्ष 48-घंटे की वर्षा घटना; चरण 1 के लिए, 10-वर्ष 24-घंटे की वर्षा घटना (खाली होना); चरण 2 के लिए, 100-वर्ष 48-घंटे की वर्षा घटना (सीमा)।

भाग 3 — संवेदनशीलता, प्रतिधारण, स्पिलवे, आउटलेट का विवरण और सुरक्षा

4C.13 **Ia = 0.05S संवेदनशीलता (खंड 3.8.5).** S को S0.05 = 25.4 × 1.33 × (S0.20 / 25.4)^1.15 के रूप में रूपांतरित करने पर, निर्णायक 100-वर्ष 48-घंटे का रन 2,898 m^3 भंडारण और 341 L/s का चरम देता है, जो डिफॉल्ट रन से थोड़ा कम है। विकास-पूर्व 10-वर्ष का चरम, और इसलिए 100-वर्ष की सीमा, घटकर 344 L/s हो जाती है। डिजाइन डिफॉल्ट रन पर आधारित है (खंड 3.8.5(c)); संवेदनशीलता के परिणाम प्रपत्र 3-2 पर बताए जाते हैं।

4C.14 **प्रतिधारण और प्रतिधारण क्रेडिट (खंड 4.4.2 और 4.4.6).** उदाहरणार्थ प्रतिधारण गहराई P_R = 40 mm के साथ, Q_R की गणना प्रत्येक उप-भाग के लिए AMC II पर की जाती है, क्योंकि प्रतिधारण के लिए संयुक्त CN का उपयोग नहीं किया जाता (खंड 3.9.4)। अपारगम्य, CN 98: S = 5.2 mm, Ia = 1.0 mm, $Q_R = (40 - 1.0)^2 / (40 - 1.0 + 5.2) = 34.4$ mm। पारगम्य, CN 70: S = 108.9 mm, Ia = 21.8 mm, $Q_R = (40 - 21.8)^2 / (40 - 21.8 + 108.9) = 2.6$ mm। RRV = 10 × (34.4 × 1.571 + 2.6 × 0.429) = **552 m^3**। प्रतिधारण को एक ऐसे भंडार के रूप में मॉडल किया गया है जो वर्षा घटना के आरंभ में खाली है और भरने तक सारा अपवाह पकड़ लेता है, और वर्षा घटना के दौरान कोई अंतःस्यंदन नहीं होता (खंड 4.4.6.2)।

तालिका 4C.12 — रूटिंग द्वारा प्रतिधारण क्रेडिट, संशोधित आउटलेट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

100-वर्ष वर्षा घटना	प्रतिधारण के बिना भंडारण (m^3)	प्रतिधारण सहित भंडारण (m^3)	कमी (m^3)
24 h	2,766	2,628	138
48 h	2,913	2,906	7
72 h	2,911	2,911	0

निर्णायक भंडारण 2,913 से घटकर 2,906 m^3 हो जाता है, इसलिए प्रतिधारण क्रेडिट 7 m^3 है, जो RRV का लगभग 1% है। प्रतिधारण अपने स्वयं के उद्देश्यों के लिए फिर भी पूरा आवश्यक है (खंड 4.4.1, अध्याय 8)।

4C.15 **आपातकालीन स्पिलवे (खंड 4.9).** सुविधा खोदी गई है और बिना तटबंध की है, इसलिए खंड 4.9.7 लागू होता है: अतिप्रवाह मार्ग को स्पिलवे माना जाता है और उसे खंड 4.9.1 का पालन करना होगा।

- डिजाइन प्रवाह: 1% AEP का चरम अंतर्वाह, 1,089 L/s, आउटलेट अवरुद्ध और बेसिन शिखर तक भरा होने पर।
- शिखर: आउटलेट काम करते हुए 1% AEP का अधिकतम जल स्तर 1.17 m है; अनुशंसित 0.15 m अंतर (खंड 4.9.3) के साथ शिखर **1.35 m** पर रखा गया है।
- शिखर की लंबाई: Q = C × L × H^1.5 वाला चौड़े शिखर का वियर, C = 1.7 (SI इकाइयों में चौड़े शिखर वाले वियर के लिए एक उदाहरणार्थ गुणांक; खंड 4.6.5.2 आकार के अनुरूप गुणांक अपेक्षित करता है)। L = 4.0 m के साथ: H = (1.089 / (1.7 × 4.0))^(2/3) = 0.295 ≈ **0.30 m**।
- स्पिलवे के बहते समय अधिकतम स्तर: 1.35 + 0.30 = 1.65 m। 0.3 m फ्रीबोर्ड (खंड 4.9.1) के साथ, दीवारों का शीर्ष फर्श से कम से कम **1.95 m** ऊपर है।
- स्पिलवे भवनों से दूर, 1% AEP सतही प्रवाह मार्ग में पानी छोड़ता है (खंड 4.9.4)।

4C.16 **आउटलेट का विवरण (खंड 4.8).**

तालिका 4C.13 — आउटलेट की जाँचें, संशोधित आउटलेट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

मद	अपेक्षा	मान	परिणाम
न्यूनतम ऑरिफिस	≥ 50 mm (खंड 4.8.2)	170 mm	पूरी होती है
जाली की छड़ों के बीच की दूरी	≤ सबसे छोटे छिद्र का आधा और ≥ 25 mm (खंड 4.8.3)	≤ 85 mm	75 mm पर रखी गई
जाली का खुला क्षेत्रफल	≥ 10 × संरक्षित क्षेत्रफल (खंड 4.8.3)	दोनों ऑरिफिसों के चारों ओर एक जाली के लिए 10 × (0.0227 + 0.1662) m^2 = 1.89 m^2	≥ 1.89 m^2 प्रदान करें
भँवर-रोधी, चरण 1	हेड > 1.5 d होने पर आवश्यक (खंड 4.8.4)	हेड 1.08 m तक > 0.26 m	आवश्यक
भँवर-रोधी, चरण 2	हेड > 1.5 d होने पर आवश्यक (खंड 4.8.4)	केंद्र के ऊपर हेड 0.41 m तक < 0.69 m	आवश्यक नहीं
पृथक्करण	> 1 ha की सेवा करने वाली सुविधा (खंड 4.8.6)	2.0 ha की सेवा करती है	स्टॉप-लॉग खाँचा या पेनस्टॉक, सामान्यतः खुला
आउटलेट बैरल	≥ 300 mm (खंड 4.8.5)	343 L/s के लिए अध्याय 9 के अंतर्गत आकार निर्धारित	डिजाइन किया जाना है

4C.17 **सुरक्षा (खंड 4.15).** 10-वर्ष की गहराई (0.77 m) जनता के लिए सुलभ भंडारण की 0.45 m की सीमा (खंड 4.15.1(a)) से अधिक है, इसलिए सुविधा जनता के लिए खुली नहीं है। इसकी ऊर्ध्वाधर दीवारें 0.6 m से ऊँची हैं और स्पिलवे के बहते समय गहराई 1.2 m से अधिक है, इसलिए ताला लगाने योग्य गेट सहित कम से कम 1.2 m ऊँची, न चढ़ी जा सकने वाली बाड़ आवश्यक है (खंड 4.15.3)। संकेत-पट और गहराई चिह्न लगाए गए हैं (खंड 4.15.5)।

4C.18 **डिजाइन का सारांश (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं).**

तालिका 4C.14 — संशोधित डिजाइन का सारांश (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

मद	मान
भंडारण	2,500 m^2 प्लान क्षेत्रफल; 1.17 m के 1% AEP अधिकतम स्तर पर 2,913 m^3
चरण 1	फर्श पर 170 mm ऑरिफिस, कचरा-रोधी जाली और भँवर-रोधी प्लेट सहित
चरण 2	460 mm ऑरिफिस, इनवर्ट 0.53 m
स्पिलवे	शिखर 1.35 m, लंबाई 4.0 m, अधिकतम स्तर 1.65 m
दीवारों का शीर्ष	फर्श से ≥ 1.95 m ऊपर
100-वर्ष चरम निकास	343 L/s (सीमा 356 L/s)
2-वर्ष चरम निकास	34 L/s (सीमा 180 L/s)
10-वर्ष खाली होने का समय, 50% अवरुद्ध	45.3 h (सीमा 48 h)
प्रतिधारण	RRV 552 m^3 अतिरिक्त रूप से प्रदान; क्रेडिट 7 m^3
अभी जाँच की जानी है	रांची में हरमू नदी में गिरने वाले आउटफॉल पर आउटफॉल-बंद जाँच (परिशिष्ट 5C); अनुप्रवाह विश्लेषण (अध्याय 5); भूजल और उत्प्लावन (खंड 4.12); WQv (अध्याय 8)

प्रपत्र 4-1 — साइट अपवाह नियंत्रण रिपोर्ट

अध्याय 4 के खंड 4.3 से 4.17 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. प्रत्येक साइट के लिए एक प्रपत्र। जहाँ साइट से एक से अधिक आउटफॉल में जल निकासी होती है, वहाँ प्रत्येक आउटफॉल के लिए भाग E से J भरें (खंड 4.5.1.3)। खंड 4.14.2 का उपयोग करने वाली टियर B साइटें भाग F और G के स्थान पर प्रपत्र 4-2 संलग्न करती हैं; नियत-गुणांक मार्ग का उपयोग करने वाली साइटें भाग F और G के स्थान पर प्रपत्र 4-3 संलग्न करती हैं (खंड 4.17)।

A. साइट और मार्ग

तालिका 4F.1 — प्रपत्र 4-1: साइट और मार्ग

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
A1. परियोजना का नाम और आवेदक	
A2. स्थान (गाँव या वार्ड, सर्वे संख्याएँ, जिला)	
A3. अनुमोदन प्राधिकारी और टियर (टियर A / टियर B)	
A4. साइट का क्षेत्रफल, भूमि विक्षोभ और नया या प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र (ha, ha, m^2) (खंड 4.1.2)	
A5. आउटफॉलों की संख्या (खंड 4.5.1.3)	
A6. आकार निर्धारण का मार्ग: पूर्ण विधि (खंड 4.6) / टियर B तालिकाएँ (खंड 4.14.2) / नियत-गुणांक मार्ग (खंड 4.14.3)	
A7. क्या सीमित पुनर्विकास मार्ग (खंड 4.5.6) का उपयोग किया गया? यदि हाँ, तो बाधा विवरण (Constraint Statement), विद्यमान स्थिति का मॉडल और कमी तथा शुल्क की गणना संलग्न करें	

B. इनपुट (खंड 4.17, मद 1)

तालिका 4F.2 — प्रपत्र 4-1: इनपुट

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
B1. डिजाइन वर्षा पत्रक का संदर्भ (प्रपत्र 2-1)	
B2. जलवैज्ञानिक गणना सारांश का संदर्भ (प्रपत्र 3-1)	
B3. प्रत्येक उप-भाग का HSG और उसकी पुष्टि करने वाले परीक्षण (खंड 4.6.2, पद 1)	
B4. विकास-पूर्व स्थिति और CN (खंड 4.5.1.2)	
B5. प्रत्येक उप-भाग का विकास-पश्चात CN, और विकास-पूर्व तथा विकास-पश्चात Tc	
B6. रूटिंग विधि और सॉफ्टवेयर, संस्करण सहित; समय पद (खंड 4.6.1, 4.6.2)	

C. उपायों का क्रम (खंड 4.3.1; खंड 4.17, मद 2)

तालिका 4F.3 — प्रपत्र 4-1: उपायों का क्रम

पद	डिजाइन क्या करता है	यह पद इससे अधिक क्यों नहीं कर सकता
1. संरक्षण		
2. प्रतिधारण		
3. अस्थायी भंडारण		
4. वहन		

D. प्रतिधारण (खंड 4.4; खंड 4.17, मद 3 और 4)

तालिका 4F.4 — प्रपत्र 4-1: प्रतिधारण

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
D1. प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई P_R (mm) और जोन (परिशिष्ट 2E)	
D2. उप-भागवार अपवाह की गहराई Q_R (mm) और RRV (m^3) (खंड 4.4.2)	
D3. प्रतिधारण पद्धतियाँ और प्रदान किया गया आयतन (m^3)	
D4. अंतःस्यंदन परीक्षण: संख्या, स्थान और गहराइयाँ, मापी गई दरें (mm/h) (खंड 4.4.3(a))	
D5. डिजाइन अंतःस्यंदन दर (mm/h), मापी गई दर के आधे से अधिक नहीं (खंड 4.4.3(b))	
D6. प्रत्येक पद्धति के आधार के नीचे मौसमी उच्चतम भूजल की गहराई (m), कम से कम 1.0 m (खंड 4.4.3(c))	
D7. पुनः उपयोग की माँग की गणना, जहाँ प्रतिधारण पुनः उपयोग द्वारा है (खंड 4.4.3)	
D8. प्रतिधारण के खाली होने का समय (h), 72 h से अधिक नहीं (खंड 4.4.5)	
D9. RRV में कमी (m^3), यदि कोई हो, जिसे WQv माना गया (खंड 4.4.4.2)	
D10. प्रतिधारण के बिना और उसके साथ निर्णायक भंडारण, और प्रतिधारण क्रेडिट (m^3) (खंड 4.4.6)	
D11. संरक्षण क्रेडिट के क्षेत्र और प्रसंविदा का संदर्भ (खंड 4.4.7)	

E. निकास मानदंड (खंड 4.5; खंड 4.17, मद 5)

तालिका 4F.5 — प्रपत्र 4-1: निकास मानदंड

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
E1. जलग्रहण क्षेत्र का वर्ग: मानक (खंड 4.5.2) या बाढ़-संवेदनशील (खंड 4.5.3), परिशिष्ट 4A के मानचित्र के अंश सहित	
E2. AEP-वार निकास सीमाएँ (L/s), और वह अवधि जो प्रत्येक सीमा निर्धारित करती है	
E3. क्या खंड 4.5.5 का उपयोग किया गया (50 mm ऑरिफिस को अनुपालन करता हुआ माना गया, या अल्प-अवधि 2-वर्ष की छूट)? 2-वर्ष की कोई भी अधिकता बताएँ	

F. परिणाम (खंड 4.6; खंड 4.17, मद 6)

प्रत्येक अवधि के लिए तालिका 4.2 के प्रारूप में एक पंक्ति भरें। भंडारण, प्रत्येक आउटलेट चरण और स्पिलवे के लिए निर्णायक स्थिति चिह्नित करें (खंड 4.6.2, पद 12)।

तालिका 4F.6 — प्रपत्र 4-1: अवधिवार परिणाम (L/s; m^3)

अवधि (h)	2-वर्ष विकास-पूर्व	2-वर्ष विकास-पश्चात, भंडारण के बाद	10-वर्ष विकास-पूर्व	10-वर्ष विकास-पश्चात, भंडारण के बाद	100-वर्ष विकास-पश्चात, अनियंत्रित	100-वर्ष विकास-पश्चात, भंडारण के बाद	प्रयुक्त 100-वर्ष भंडारण
1							
2							
3							
6							
12							
24							
48							
72							

G. सुविधा, खाली होना और आउटलेट (खंड 4.7, 4.8, 4.10; खंड 4.17, मद 7 से 9)

तालिका 4F.7 — प्रपत्र 4-1: सुविधा, खाली होना और आउटलेट

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
G1. सुविधा का प्रकार (खंड 4.10) और प्रदान किया गया भंडारण (m^3)	
G2. जल स्तर–भंडारण और जल स्तर–प्रवाह दर तालिकाएँ और आलेख; निर्णायक स्थितियों के लिए अंतर्वाह और बहिर्वाह हाइड्रोग्राफ (संलग्न करें)	
G3. 10-वर्ष खाली होना: अधिकतम संग्रहीत आयतन का 90% निकलने का समय (h), अल्प-प्रवाह ऑरिफिस 50% अवरुद्ध होने पर (खंड 4.7.1, 4.8.3)	
G4. WQv निकास समय (h), 24 से 48 h (खंड 4.7.2)	
G5. ज्वारीय आउटफॉल: ज्वारीय टेलवाटर के साथ खाली होना, और पंप द्वारा कोई खाली करना (खंड 4.7.4)	
G6. प्रत्येक आउटलेट चरण: प्रकार, आकार (mm), इनवर्ट स्तर (m)	
G7. कचरा-रोधी जालियाँ: छड़ों के बीच की स्पष्ट दूरी (mm) और खुला क्षेत्रफल (m^2) (खंड 4.8.3)	
G8. भँवर-रोधी युक्तियाँ (खंड 4.8.4); आउटलेट बैरल का व्यास और रिसाव नियंत्रण (खंड 4.8.5); पृथक्करण (खंड 4.8.6)	
G9. स्वामित्वाधीन युक्तियाँ: प्रमाणित हेड–प्रवाह दर वक्र और न्यूनतम स्पष्ट छिद्र (खंड 4.6.5.3)	

H. स्पिलवे, फ्रीबोर्ड और तटबंध (खंड 4.9; खंड 4.17, मद 10)

तालिका 4F.8 — प्रपत्र 4-1: स्पिलवे और फ्रीबोर्ड

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
H1. जोखिम वर्गीकरण, कारणों सहित (खंड 4.9.2)	
H2. 1% AEP चरम अंतर्वाह (L/s); उच्च-जोखिम सुविधाओं के लिए 0.2% AEP चरम अंतर्वाह (L/s)	
H3. आउटलेट काम करते हुए 1% AEP अधिकतम जल स्तर (m); स्पिलवे शिखर स्तर (m) (खंड 4.9.3)	
H4. स्पिलवे या अतिप्रवाह मार्ग: प्रकार, आयाम, आउटलेट अवरुद्ध होने पर अधिकतम स्तर (m)	
H5. तटबंध के शिखर या दीवार के शीर्ष तक फ्रीबोर्ड (m), कम से कम 0.3 m (खंड 4.9.1)	
H6. स्पिलवे का स्थान और निस्सरण मार्ग (खंड 4.9.4)	
H7. तटबंध की ऊँचाई (m); 2 m से अधिक होने पर भू-तकनीकी रिपोर्ट (खंड 4.9.6)	

I. RWH का लेखा, भूजल और उत्प्लावन (खंड 4.11, 4.12; खंड 4.17, मद 11 और 12)

तालिका 4F.9 — प्रपत्र 4-1: RWH, भूजल और उत्प्लावन

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
I1. प्रदान किया गया RWH भंडारण (m^3), प्रत्येक वर्षा घटना के आरंभ में भरा माना गया (खंड 4.11.2)	
I2. संयुक्त RWH और अस्थायी भंडारण टैंक: जोन स्तर और अस्थायी भंडारण ऑरिफिस का स्तर (खंड 4.11.3); टैंक के काट संलग्न करें	
I3. डिजाइन भूजल स्तर और उसका आधार (खंड 4.12.1)	
I4. लाइनरयुक्त या बिना लाइनर का भंडारण; डिजाइन भूजल स्तर से नीचे का आयतन नहीं गिना गया (खंड 4.12.2)	
I5. उत्प्लावन का सुरक्षा गुणक, कम से कम 1.2 (खंड 4.12.3)	

J. अनुप्रवाह, टेलवाटर, सुरक्षा और रखरखाव (खंड 4.17, मद 13 और 14)

तालिका 4F.10 — प्रपत्र 4-1: अनुप्रवाह, टेलवाटर, सुरक्षा और रखरखाव

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
J1. अनुप्रवाह और टेलवाटर रिपोर्ट (प्रपत्र 5-1) या सरलीकृत अनुप्रवाह विवरण (प्रपत्र 5-2) का संदर्भ	
J2. रूटिंग में प्रयुक्त टेलवाटर, और जहाँ टेलवाटर निर्णायक है वहाँ फ्लैप गेट (खंड 4.6.6)	
J3. जनता की पहुँच, 10% और 1% AEP वर्षा घटनाओं में गहराइयाँ, ढलान, बाड़, जालियाँ, संकेत-पट और गहराई चिह्न (खंड 4.15)	
J4. रखरखाव घोषणा-पत्र के प्रारूप का संदर्भ (अध्याय 10)	

K. पंजीकृत पेशेवर का कथन (खंड 10.6)

मैं कथन करता/करती हूँ कि यह रिपोर्ट झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल (प्रारूप संस्करण 1.0) के अध्याय 4 के अंतर्गत तैयार की गई है, कि बताए गए परिणाम प्रस्तुत मॉडलों द्वारा पुनः प्राप्त होते हैं, और कि अध्याय 4 से प्रत्येक विचलन उसके कारण सहित सूचीबद्ध है। पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-3) संलग्न है।

तालिका 4F.11 — प्रपत्र 4-1: पंजीकृत पेशेवर का कथन

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
नाम	
योग्यता और पंजीकरण संख्या	
सूचीबद्धता संख्या, जहाँ खंड 10.6.1 इसकी अपेक्षा करता है	
संगठन	
हस्ताक्षर	
दिनांक	

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0.

प्रपत्र 4-2 — टियर B साइट पत्रक

अध्याय 4 के खंड 4.4.6.3, 4.14.1 और 4.14.2 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. यह पत्रक खंड 4.14.2 का उपयोग करने वाली टियर B साइटों के लिए साइट अपवाह नियंत्रण रिपोर्ट (प्रपत्र 4-1) की मद 6 और 7 का स्थान लेता है। इसका उपयोग तालिका 4.3 के परिशिष्ट 4B में प्रकाशित होने के बाद ही किया जा सकता है; तब तक, टियर B साइटें खंड 4.6 का, या 1 ha या उससे छोटी साइटों के लिए नियत-गुणांक मार्ग का उपयोग करती हैं (खंड 4.14.1 और 4.14.3)।

A. पात्रता (खंड 4.14.1)

तालिका 4F.12 — प्रपत्र 4-2: पात्रता

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
A1. स्थानीय निकाय (टियर B)	
A2. साइट का क्षेत्रफल A (ha): बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्रों के बाहर 2 ha या कम; उनके भीतर 0.5 ha या कम	
A3. जलग्रहण क्षेत्र का वर्ग: मानक या बाढ़-संवेदनशील (परिशिष्ट 4A)	

B. तालिका 4.3 के मान (खंड 4.14.2, पद 1)

तालिका 4F.13 — प्रपत्र 4-2: तालिका 4.3 से लिए गए मान

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
B1. वर्षा जोन (परिशिष्ट 2A)	
B2. जलवैज्ञानिक मृदा समूह	
B3. विकास-पश्चात अपारगम्यता (%)	
B4. PSD 2-वर्ष (L/s/ha)	
B5. PSD 100-वर्ष (L/s/ha), जलग्रहण क्षेत्र के वर्ग के लिए	
B6. SSR (m^3/ha), जलग्रहण क्षेत्र के वर्ग के लिए	

C. भंडारण और निकास (खंड 4.14.2, पद 2 और 3)

तालिका 4F.14 — प्रपत्र 4-2: भंडारण और निकास

पंक्ति	राशि	गणना	मान
C1	प्रदान किया गया RRV (m^3)	खंड 4.4	
C2	C_R	परिशिष्ट 4B; प्रकाशन तक 0	

पंक्ति	राशि	गणना	मान
C3	V_credit (m^3)	C2 × C1 (खंड 4.4.6.3)	
C4	आवश्यक भंडारण V (m^3)	B6 × A − C3	
C5	प्रदान किया गया भंडारण (m^3)	ड्रॉइंग से	
C6	Q_PSD,2 (L/s)	B4 × A	
C7	Q_PSD,100 (L/s)	B5 × A	

D. आउटलेट और अन्य प्रावधान (खंड 4.14.2, पद 4 और 5)

तालिका 4F.15 — प्रपत्र 4-2: आउटलेट और अन्य प्रावधान

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
D1. अल्प-प्रवाह ऑरिफिस: परिशिष्ट 4B की आउटलेट तालिका से व्यास (mm), हेड (m), कम से कम 50 mm	
D2. ऊपरी नियंत्रण: प्रकार, आकार और स्तर	
D3. स्पिलवे या अतिप्रवाह (खंड 4.9)	
D4. RWH का लेखा (खंड 4.11)	
D5. सुरक्षा प्रावधान (खंड 4.15)	

E. कथन

मैं कथन करता/करती हूँ कि ऊपर दिए गए मान साइट के जोन, मृदा समूह, अपारगम्यता और जलग्रहण क्षेत्र के वर्ग के लिए परिशिष्ट 4B से लिए गए हैं, और कि ड्रॉइंग पर दिखाए गए भंडारण और आउटलेट उनसे मेल खाते हैं।

तालिका 4F.16 — प्रपत्र 4-2: कथन

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
नाम	
योग्यता और पंजीकरण संख्या	
हस्ताक्षर	
दिनांक	

प्रपत्र 4-3 — नियत-गुणांक मार्ग पत्रक (खंड 4.14.3 से 4.14.7)

अध्याय 4 के खंड 4.14.3 से 4.14.7 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. यह पत्रक नियत-गुणांक मार्ग का उपयोग करने वाली साइटों के लिए साइट अपवाह नियंत्रण रिपोर्ट (प्रपत्र 4-1) की मद 6 और 7 का स्थान लेता है। इसे प्रत्येक उस बिंदु के लिए भरें जहाँ अपवाह साइट से बाहर जाता है (खंड 4.14.4)। चित्र 4.3 विधि दर्शाता है।

A. पात्रता (खंड 4.14.3)

तालिका 4F.17 — प्रपत्र 4-3: पात्रता

जाँच	हाँ / नहीं
A1. साइट का क्षेत्रफल 1 ha या कम	
A2. डिजाइन में तालाब या जलाशय का भंडारण नहीं गिना गया है (खंड 4.14.3(a))	
A3. साइट का कोई भाग किसी जलाशय के सेटबैक के भीतर नहीं है (खंड 4.14.3(b))	
A4. साइट से जल निकासी किसी ऐसी तालाब शृंखला में नहीं होती जिसका भंडारण किसी अनुप्रवाह डिजाइन में गिना गया हो (खंड 4.14.3(c))	

B. निकास सीमाएँ (खंड 4.14.4)

तालिका 4F.18 — प्रपत्र 4-3: निकास सीमाएँ

पंक्ति	राशि	स्रोत या गणना	मान
B1	साइट का क्षेत्रफल A (ha)	सर्वेक्षण	
B2	प्रत्येक जलवैज्ञानिक मृदा समूह का क्षेत्रफल (ha)	खंड 3.7	
B3	C_10 और C_2, क्षेत्र-भारित	तालिका 4.3A	
B4	i_10 और i_2 (mm/h), 15-मिनट की अवधि, जलवायु गुणक सहित	प्रपत्र 2-1; खंड 2.8	
B5	Q_cap,10 (L/s)	2.78 × C_10 × i_10 × A	
B6	Q_cap,2 (L/s)	2.78 × C_2 × i_2 × A	
B7	संगत जल स्तर पर 50 mm ऑरिफिस की प्रवाह दर (L/s), जहाँ कोई सीमा उससे छोटी हो (खंड 4.5.5.1)	ऑरिफिस समीकरण, खंड 4.6.5.2	

C. आयतनी गुणांक (खंड 4.14.5)

तालिका 4F.19 — प्रपत्र 4-3: आयतनी गुणांक C_v

पंक्ति	राशि	मान
C1	तालिका 3.2 का संयुक्त C (प्रत्येक परास का ऊपरी आधा)	

पंक्ति	राशि	मान
C2	1% AEP के लिए तालिका 3.3 का Cf	
C3	12 h से कम अवधियों के लिए C_v (C1 × C2)	
C4	12 h या अधिक अवधियों के लिए C_v, प्रत्येक पारगम्य सतह के लिए C 0.50 से कम नहीं	

D. भंडारण (खंड 4.14.5)

प्रत्येक अवधि के लिए: अंतर्वाह = 10 × C_v × P(d) × A (m^3); निकास = 1.8 × Q_cap × d (m^3); अंतर = अंतर्वाह − निकास। V_100 और V_2 सबसे बड़े अंतर हैं; V दोनों में से बड़ा है।

तालिका 4F.20 — प्रपत्र 4-3: अवधिवार भंडारण

d (h)	P_100(d) (mm)	100-वर्ष अंतर्वाह (m^3)	1.8 × Q_cap,10 × d (m^3)	100-वर्ष अंतर (m^3)	P_2(d) (mm)	2-वर्ष अंतर्वाह (m^3)	1.8 × Q_cap,2 × d (m^3)	2-वर्ष अंतर (m^3)
1								
2								
3								
6								
12								
24								
48								
72								

तालिका 4F.21 — प्रपत्र 4-3: आवश्यक और प्रदान किया गया भंडारण

पंक्ति	राशि	मान
D1	V_100 (m^3) और निर्णायक अवधि	
D2	V_2 (m^3) और निर्णायक अवधि	
D3	V = D1 और D2 में से बड़ा (m^3)	
D4	प्रदान किया गया भंडारण (m^3)	

E. आउटलेट, प्रतिधारण और अन्य जाँचें (खंड 4.14.3, 4.14.6, 4.14.7)

तालिका 4F.22 — प्रपत्र 4-3: आउटलेट, प्रतिधारण और अन्य जाँचें

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
E1. अल्प-प्रवाह ऑरिफिस: व्यास (mm) और इनवर्ट; भंडारण में V_2 पूरा भरा होने पर प्रवाह दर (L/s), Q_cap,2 से अधिक नहीं	

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
E2. ऊपरी ऑरिफिस या वियर: आकार और स्तर; V के शीर्ष पर कुल निकास (L/s), Q_cap,10 से अधिक नहीं	
E3. V के अतिरिक्त प्रदान किया गया खंड 4.4 का प्रतिधारण आयतन (m^3); कोई प्रतिधारण क्रेडिट नहीं लिया गया	
E4. खाली होना (खंड 4.7), कचरा-रोधी जालियाँ (खंड 4.8), स्पिलवे (खंड 4.9): प्रपत्र 4-1 के भाग G और H का संदर्भ	
E5. अनुप्रवाह और टेलवाटर जाँचें (अध्याय 5) और जल गुणवत्ता (अध्याय 8): संदर्भ	

F. कथन

मैं कथन करता/करती हूँ कि साइट खंड 4.14.3 की पात्रता शर्तों को पूरा करती है और कि ऊपर दी गई सीमाओं, भंडारण और आउटलेटों की गणना खंड 4.14.4 से 4.14.7 के अनुसार की गई है।

तालिका 4F.23 — प्रपत्र 4-3: कथन

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
नाम	
योग्यता और पंजीकरण संख्या	
हस्ताक्षर	
दिनांक	

अध्याय 5 के परिशिष्ट

अनुप्रवाह और टेलवाटर विश्लेषण

ये परिशिष्ट अध्याय 5 के लिए हैं। परिशिष्ट 5C, परिशिष्ट 4C की उदाहरणार्थ सुविधा के लिए, खंड 5.10 की आउटफॉल-बंद जाँच का हल किया गया उदाहरण है। परिशिष्ट 5A और 5B के लिए ज्वार, महोर्मि, सर्वेक्षण और नदी संबंधी ऐसे आँकड़ों की आवश्यकता है जो इस प्रारूप में अभी नहीं हैं; प्रत्येक में बताया गया है कि अध्याय पहले से क्या निर्धारित करता है, अभिप्रेत रूपरेखा दी गई है और अध्याय 5 का वह अंतरिम नियम बताया गया है जो उसके प्रकाशित होने तक लागू रहेगा। प्रपत्र 5-1 और 5-2 खंड 5.14 द्वारा अपेक्षित प्रस्तुति प्रपत्र हैं। ये प्रारूप प्रपत्र हैं और इनकी कोई सांविधिक स्थिति नहीं है।

परिशिष्ट 5A — ज्वारीय डेटम (CD और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के डेटम के सापेक्ष MSL, MHWS, HAT), तटीय खंडवार महोर्मि प्रावधान और 1% स्थिर जल स्तर

अध्याय 5 के खंड 5.7, 5.9, 5.10, 5.11 और 5.12 के लिए।

5A.1 तालिका 5A.1 दर्शाती है कि इस परिशिष्ट के मान तालिका 5.1 के डिजाइन टेलवाटर स्तरों में किस प्रकार प्रयुक्त होते हैं। समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई खंड 5.7.4 द्वारा निर्धारित है और इस परिशिष्ट पर निर्भर नहीं है।

तालिका 5A.1 — डिजाइन टेलवाटर (तालिका 5.1) में परिशिष्ट 5A के मानों का उपयोग

डिजाइन स्थिति	टेलवाटर	प्रयुक्त परिशिष्ट 5A के मान	अध्याय का मान
लघु प्रणाली डिजाइन	MHWS + SLA	MHWS	SLA ≥ +0.3 m (खंड 5.7.4)
प्रमुख प्रणाली और भंडारण डिजाइन	HAT + महोर्मि + SLA	HAT; 10% AEP महोर्मि (खंड 5.7.3(a))	SLA ≥ +0.3 m
संयुक्त स्थिति (खंड 2.12(b))	1% AEP स्थिर जल स्तर + SLA	1% AEP स्थिर जल स्तर (खंड 5.7.3(b))	SLA ≥ +0.3 m
डेटम रूपांतरण	चार्ट डेटम से परियोजना डेटम	चार्ट डेटम से भारतीय सर्वेक्षण विभाग के डेटम तक का अंतर (खंड 5.7.2(b))	—

झारखंड के लिए तैयार नहीं. झारखंड का कोई तट नहीं है, इसलिए राज्य के किसी आउटफॉल का ज्वारीय टेलवाटर नहीं है, और इस परिशिष्ट में झारखंड से संबंधित कोई सामग्री नहीं है (खंड 5.1.4)। इसकी तालिकाएँ खाली रखी गई हैं, ताकि परिशिष्ट और तालिका संख्याएँ इस मैनुअल के अन्य संस्करणों से मेल खाएँ। प्रपत्र 5-1 की पंक्तियाँ F1 से F7 "लागू नहीं" के रूप में भरी जाती हैं, और टेलवाटर पंक्तियाँ F8 से F10 के अंतर्गत व्युत्पन्न किया जाता है; किसी खदान के गड्ढे या खदान झील में गिरने वाले आउटफॉल के लिए पंक्ति F10 खंड 5.8.5(d) की सम्मतियाँ और सर्वेक्षण दर्ज करती है।

तालिका 5A.2 — तटीय खंडवार ज्वारीय डेटम, महोर्मि और स्थिर जल स्तर (रूपरेखा)

तटीय खंड	संदर्भ बंदरगाह और ज्वार सारणी का संस्करण	MSL (m CD)	MHWS (m CD)	HAT (m CD)	CD से भारतीय सर्वेक्षण विभाग का डेटम (m)	10% AEP महोर्मि (m)	1% AEP स्थिर जल स्तर (m CD)	लहर उत्थान (m), खुले समुद्र वाले आउटफॉल	स्रोत

परिशिष्ट 5B — प्रमुख ड्रेन, नदी आउटफॉल वाले नदी-भाग, और रेत अवरोध से बंद होने के अधीन नदी मुख; मानचित्र

अध्याय 5 के खंड 5.2, 5.3, 5.8 और 5.13 के लिए।

5B.1 तालिका 5B.1 उन जलाशयों को सूचीबद्ध करती है जिनका नाम अध्याय 5 में पहले से दिया गया है। यह पूर्ण नहीं है: परिशिष्ट में प्रत्येक नदी-भाग का विस्तार, राज्य की अन्य नदियाँ, नहरें और मुख, और एक मानचित्र जोड़ा जाएगा।

तालिका 5B.1 — अध्याय 5 में नामित जलाशय

जलाशय	क्षेत्र	किस रूप में सूचीबद्ध	खंड
जमशेदपुर में गेतलसूद और चांडिल डैमों के नीचे स्वर्णरेखा (मानगो, जुगसलाई, बागबेड़ा, सोनारी)	जमशेदपुर	नदी आउटफॉल वाला नदी-भाग; डिजाइन नदी स्तर अंतरित 129.82 m (CWC, 12 अक्तूबर 1973) से कम नहीं; खतरे का स्तर 123.5 m, चेतावनी स्तर 122.5 m (CWC); मानगो पुल पर जिले का 121.50 m का खतरे का निशान CWC से मिलान किया हुआ नहीं और डिजाइन के लिए प्रयुक्त नहीं [TBC]; गेतलसूद और चांडिल से छोड़ा गया पानी सम्मिलित; डेटम [TBC]	5.8.1, 5.8.3, 5.8.5
आदित्यपुर और सोनारी पर दोमुहानी तक खरकई, मयूरभंज (ओडिशा) के डैमों के नीचे	जमशेदपुर, आदित्यपुर	नदी आउटफॉल वाला नदी-भाग; डिजाइन नदी स्तर अंतरित 137.8 m (CWC, 18 जून 2008) से कम नहीं; CWC का कोई खतरे का स्तर नहीं मिला; आदित्यपुर पुल पर जिले का 129 m का खतरे का निशान डिजाइन के लिए प्रयुक्त नहीं [TBC]; ओडिशा के डैमों से छोड़े गए पानी का विवरण WRD के माध्यम से प्राप्त किया जाना है [TBC]	5.8.1, 5.8.3, 5.8.5
मूरी और घाटशिला पर स्वर्णरेखा	रांची, पूर्वी सिंहभूम	नदी आउटफॉल वाले नदी-भाग; डिजाइन नदी स्तर अंतरित 238.12 m (मूरी, 9 जुलाई 2008) और 86.835 m (घाटशिला, 13 अक्तूबर 1973; 2022 में CWC की सूची से हटाया गया) से कम नहीं; कोई खतरे का स्तर नहीं मिला [TBC]	5.8.1, 5.8.5
हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto), हिनू और रांची की अन्य नदियाँ और नाले; अरगोड़ा नाला; JUIDCO का हरमू चैनल	रांची	नदी आउटफॉल वाले नदी-भाग और प्रमुख ड्रेनें; कोई गेज स्तर नहीं मिला (2022 में जोड़े गए CWC निगरानी स्थल बिना स्तरों के) [TBC]; मॉडल से प्राप्त या सर्वेक्षित स्तर अपेक्षित; हरमू का मॉडल उसके पूरे 22.59 km² के जलग्रहण क्षेत्र पर	5.2, 5.8.1, 5.8.5
गेतलसूद जलाशय (रुक्का)	रांची	जलाशय आउटफॉल; FRL 590.06 m (CWC सूची), WRD द्वारा पुष्टि किए जाने तक टेलवाटर 590.56 m (FRL + 0.5 m); FRL लगभग 1,954 ft (लगभग 595.6 m) भी बताया गया है, इसलिए 596.1 m से नीचे के इनवर्ट के लिए WRD का लिखित FRL अपेक्षित [TBC]; FTL से 20 m की रेखा (रांची मास्टर प्लान 2037)	5.8.3, 5.8.5

जलाशय	क्षेत्र	किस रूप में सूचीबद्ध	खंड
कांके और हटिया (धुर्वा) जलाशय	रांची	जलाशय आउटफॉल; किसी बताए गए डेटम पर कोई FTL नहीं मिला [TBC]; WRD का FTL और स्पिलवे रेटिंग, या सर्वेक्षित स्पिलवे शिखर, अपेक्षित; FTL से 20 m की रेखा (रांची मास्टर प्लान 2037); रांची के जलाशयों पर उच्च न्यायालय के आदेश (अध्याय 7)	5.8.3, 5.8.5
बड़ा तालाब (रांची झील) और रांची के अन्य तालाब	रांची	तालाब आउटफॉल; कोई स्तर नहीं मिला [TBC]; अतिप्रवाह स्तर और शीर्ष; अभिरक्षक की सम्मति (अभिरक्षक [TBC]); उच्च न्यायालय के आदेश (अध्याय 7)	5.8.5
डिमना झील	जमशेदपुर	जलाशय आउटफॉल; कोई स्तर नहीं मिला [TBC]; अभिरक्षक की सम्मति (टाटा स्टील या जमशेदपुर का नागरिक निकाय [TBC])	5.8.5
चांडिल जलाशय	सरायकेला-खरसावां	जलाशय आउटफॉल; WRD द्वारा पुष्टि किए जाने तक टेलवाटर 192 m (MWL; 2022 की CWC सूची में FRL 189 m, 2018 की सूची में 192.0 m) [TBC]; स्वर्णरेखा में छोड़ा गया पानी	5.8.3, 5.8.5
हेंदेगीर, रामगढ़ और पुपुनकी पर दामोदर, तेनुघाट और कोनार डैमों के नीचे (रामगढ़, बेरमो, बोकारो, चास, धनबाद)	रामगढ़, बोकारो, धनबाद	नदी आउटफॉल वाले नदी-भाग; डिजाइन नदी स्तर अंतरित 368.858 m (हेंदेगीर), 316.68 m (रामगढ़) (दोनों 26 सितंबर 1978) और 160.05 m (पुपुनकी, 21 अगस्त 1976) से कम नहीं; खतरे का स्तर 365.3 m, 307.51 m और 153.5 m; तेनुघाट और कोनार से छोड़ा गया पानी सम्मिलित	5.8.1, 5.8.3, 5.8.5
तेनुघाट जलाशय	बोकारो	जलाशय आउटफॉल; WRD द्वारा पुष्टि किए जाने तक टेलवाटर 269.33 m (FRL 268.834 m + 0.5 m; सूचीबद्ध MWL FRL से ऊपर नहीं) [TBC]	5.8.3, 5.8.5
बरकीसुरैया (Barkisuriya) और नंदाडीह पर बराकर, तिलैया डैम के नीचे	गिरिडीह, धनबाद	नदी आउटफॉल वाले नदी-भाग; डिजाइन नदी स्तर अंतरित 292.32 m (बरकीसुरैया, 17 सितंबर 2004) और 200.644 m (नंदाडीह; सूचीबद्ध दो मानों में से उच्चतर) से कम नहीं [TBC]; खतरे का स्तर 289.4 m और 194.21 m; तिलैया से छोड़ा गया पानी सम्मिलित	5.8.1, 5.8.3, 5.8.5
DVC के जलाशय: तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत	कोडरमा, हजारीबाग, धनबाद	जलाशय-तट आउटफॉल; टेलवाटर DVC के अधिकतम बाढ़ प्रबंधन स्तर और अभिलिखित उच्चतम स्तर में से अधिक: 372.47 m, 427.94 m, 151.79 m और 132.893 m [TBC]; DVC की सम्मति; छोड़ा गया पानी (मैथन और पंचेत का संयुक्त चरम लगभग 2.5 लाख क्यूसेक, 17 सितंबर 2024, प्रकाशित खबरों के अनुसार)	5.8.3, 5.8.5
डालटनगंज (मेदिनीनगर) और मोहम्मदगंज पर उत्तरी कोयल; जपला पर सोन	पलामू	नदी आउटफॉल वाले नदी-भाग; डिजाइन नदी स्तर अंतरित 210.91 m (डालटनगंज, 17 सितंबर 1976), 146.66 m (मोहम्मदगंज, 19 अगस्त 2016) और 128.04 m (जपला, 15 अगस्त 1975) से कम नहीं; खतरे का स्तर 209 m, 145.52 m और 125.09 m	5.8.1, 5.8.5
साहिबगंज और राजमहल पर गंगा; उधवा झील	साहिबगंज	नदी आउटफॉल वाले नदी-भाग; डिजाइन नदी स्तर अंतरित 30.91 m (साहिबगंज, 20 अगस्त 1998) और 26.94 m (राजमहल, 19 सितंबर 2003) से कम नहीं; खतरे का स्तर 27.25 m (चेतावनी स्तर 26.25 m) और 25.99 m; कम से कम 7 दिन का अवरोध; WRD द्वारा डूब क्षेत्र का सीमांकन प्रतीक्षित [TBC]; उधवा झील एक रामसर स्थल	5.8.1, 5.8.5
धनबाद की ड्रेनों का पानी प्राप्त करने वाले तालाब; कतरी, जमुनिया और खुदिया और दामोदर तक जाने वाली अन्य प्राकृतिक ड्रेनें	धनबाद	तालाब आउटफॉल (कोई स्तर नहीं मिला [TBC]; अतिप्रवाह स्तर और शीर्ष; अभिरक्षक के अभिलेखों के बिना अतिप्रवाह स्तर से नीचे कोई भंडारण क्रेडिट नहीं) और प्रमुख ड्रेनें	5.2, 5.8.5
झरिया, बोकारो, रामगढ़ और कर्णपुरा (Karanpura) कोयला क्षेत्रों के खदान के गड्ढे, खदान झीलें और भू-धंसान गर्त; चालू खदानें	धनबाद, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग	पट्टाधारी और DGMS की लिखित सम्मति और स्तर, अतिप्रवाह और अतिप्रवाह मार्ग के सर्वेक्षण के बिना डिजाइन आउटफॉल नहीं; किसी चालू खदान में कोई जल निकासी नहीं	5.8.5

जलाशय	क्षेत्र	किस रूप में सूचीबद्ध	खंड
WRD की सिंचाई नहरें; JUIDCO, नगरपालिका निकायों, RRDA, MADA, औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों और जमशेदपुर के पट्टा क्षेत्र की 1.0 m या अधिक चौड़ी ड्रेनें; खदानों की गारलैंड ड्रेनें	झारखंड	प्रमुख ड्रेन; स्वामी की सम्मति, डिजाइन जल स्तर और फ्लैप गेट	5.2, 5.8.5
गेतलसूद, चांडिल, तेनुघाट, कांके और हटिया (धुर्वा) डैम; तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत डैम (DVC); खरकई डैम और मयूरभंज (ओडिशा) के अन्य डैम	स्वर्णरेखा; दामोदर और बराकर; खरकई	छोड़ा गया पानी और गेट प्रचालन नदी के स्तरों में सम्मिलित किए जाने हैं (प्रचालन नियम और छोड़े गए पानी के अभिलेख [TBC])	5.8.3, 5.8.5
रेत अवरोध से बंद होने के अधीन नदी मुख	झारखंड में कोई नहीं	लागू नहीं (खंड 5.1.4)	5.13.1

तैयार किया जाना है. यह परिशिष्ट (a) प्रत्येक बेसिन प्लान की प्रमुख ड्रेनें, (b) नदी आउटफॉल वाले वे नदी-भाग (reaches) जहाँ पश्चजल का मॉडल बनाया जाएगा, उनकी प्रतिप्रवाह और अनुप्रवाह सीमाओं और उनके डिजाइन बाढ़ स्तरों के स्रोत के साथ, और (c) मौसमी रेत अवरोध से बंद होने के अधीन नदी मुख और खाड़ी प्रवेश, सबसे हाल के मानसून-पूर्व रेत अवरोध शिखर स्तरों और WRD के किसी मुख-रखरखाव कार्यक्रम के साथ, सूचीबद्ध करेगा और मानचित्र पर दर्शाएगा। इसके लिए WRD के नदी और नहर अभिलेख, डिजाइन और अभिलिखित बाढ़ स्तर, जलाशय प्रचालन नियम, मुख की स्थिति, ड्रेजिंग और रेत अवरोध काटने के अभिलेख और मानसून-पूर्व रेत अवरोध सर्वेक्षण (WRD), RMC और अन्य स्थानीय निकायों की ड्रेन सूचियाँ, बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान (अध्याय 11), और भारतीय सर्वेक्षण विभाग और NRSC का आधार मानचित्रण आवश्यक है। इसके प्रकाशित होने तक: प्रत्येक नदी, WRD की नहर, रांची की हरमू, जुमार, पोटपोटो (Potpoto) और हिनू और अरगोड़ा नाला और उनसे मिलने वाले अन्य नाले, JUIDCO द्वारा पुनर्निर्मित हरमू चैनल, धनबाद की कतरी, जमुनिया और खुदिया और दामोदर की ओर बहने वाली अन्य प्राकृतिक ड्रेनें, बोकारो में गरगा, जमशेदपुर, आदित्यपुर, मानगो और जुगसलाई के वे नाले जो स्वर्णरेखा और खरकई की ओर बहते हैं, JUIDCO, किसी नगर निगम, किसी नगर परिषद, किसी नगर पंचायत, RRDA, MADA, किसी औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार, जमशेदपुर के नागरिक निकाय या Tata Steel UISL द्वारा निर्मित या धारित कोई ड्रेन जिसकी भीतरी चौड़ाई 1.0 m या अधिक हो, किसी खदान की गारलैंड ड्रेनें और मोड़ चैनल और प्रत्येक ज्वारीय खाड़ी प्रमुख ड्रेन है (खंड 5.2); तालिका 5B.1 के जलाशय नदी आउटफॉल वाले नदी-भाग हैं (खंड 5.8.1); और तटीय राज्यों की नदियों के मुख (झारखंड में कोई नहीं) दक्षिण-पश्चिम मानसून के आरंभ में बंद माने जाते हैं, जब तक कि WRD अन्यथा प्रमाणित न करे (खंड 5.13.2)।

तालिका 5B.2 — परिशिष्ट 5B की परतों के गुण (रूपरेखा)

क्षेत्र	विषय-वस्तु	इकाई या प्रारूप
feature_id	अद्वितीय पहचानकर्ता	text
name	ड्रेन, नदी, नहर, खाड़ी या मुख का नाम	text
category	प्रमुख ड्रेन; नदी आउटफॉल वाला नदी-भाग; रेत अवरोध से बंद होने के अधीन मुख	text
clause	अध्याय 5 का वह खंड जिसके अंतर्गत यह सूचीबद्ध है	text
reach_limits	नदी-भाग की प्रतिप्रवाह और अनुप्रवाह सीमाएँ	text
design_flood_level_source	WRD का डिजाइन या अभिलिखित उच्चतम बाढ़ स्तर, या हाइड्रोलिक मॉडल (खंड 5.8.2)	text
reservoir_release	प्रतिप्रवाह का जलाशय या तालाब और उसका प्रचालन नियम, यदि कोई हो (खंड 5.8.3)	text

क्षेत्र	विषय-वस्तु	इकाई या प्रारूप
bar_crest_level	मुखों के लिए, सबसे हाल का मानसून-पूर्व रेत अवरोध शिखर स्तर	m (भारतीय सर्वेक्षण विभाग का डेटम)
mouth_programme	WRD का मुख-रखरखाव कार्यक्रम और प्रमाणन (खंड 5.13.2)	text
source	स्रोत एजेंसी और तिथि	text
geometry	रेखा (ड्रेन और नदी-भाग) या बिंदु (मुख)	line / point

परिशिष्ट 5C — हल किया गया उदाहरण: रांची में हरमू नदी पर स्थित एक साइट के लिए आउटफॉल-बंद जाँच

अध्याय 5 के खंड 5.9, 5.10, 5.11 और 5.12 तथा अध्याय 4 के खंड 4.6.6 के लिए।

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं. यह उदाहरण खंड 5.10 की आउटफॉल-बंद जाँच को परिशिष्ट 4C की संशोधित अस्थायी भंडारण सुविधा पर लागू करता है। साइट, उसके स्तर और उसकी प्राप्तकर्ता ड्रेन विधि को दर्शाने के लिए कल्पित हैं। किसी ज्वारीय स्तर का उपयोग नहीं किया गया है: ज्वार केवल तालिका 5C.1 के उन उदाहरणार्थ कथनों के माध्यम से आता है कि प्राप्तकर्ता ड्रेन साइट के आउटलेट से ऊपर है या नीचे।

इनपुट

5C.1 साइट परिशिष्ट 4C की 2.0 ha की बाढ़-संवेदनशील साइट है। यह अपने आउटलेट कक्ष और एक फ्लैप गेट के माध्यम से एक सार्वजनिक वर्षा जल ड्रेन में पानी छोड़ती है जो रांची में हरमू नदी से मिलती है, जिसका स्तर तब बढ़ता है जब हरमू भरकर बहती है, जैसे उसका चैनल जुलाई 2016 और जुलाई 2017 में बहा, और जब वह स्वर्णरेखा, जिससे वह मिलती है, ऊँची होती है, इसलिए खंड 5.10.1 सुविधा पर लागू होता है। विधि को दर्शाने के लिए, यह उदाहरण खंड 5.10.3 की 6 घंटे की दो अवरोध अवधियों का उपयोग करता है, जैसा इस मैनुअल के तटीय संस्करण करते हैं। झारखंड में नदी से अवरुद्ध आउटफॉल का, खंड 5.8.5 के अंतर्गत, कम से कम 72 घंटे का, या गंगा पर 7 दिन का, एकल अवरोध होता है, और किसी जलाशय या तालाब (talab) के डिजाइन स्तर से नीचे का आउटफॉल पूरी वर्षा घटना के लिए बंद रहता है, इसलिए इनमें से प्रत्येक स्थिति में सुविधा को वर्षा घटना का पूरा आयतन संगृहीत या पंप करना होगा (खंड 5.9.4); इसके लिए इस उदाहरण में दर्शाए गए से अधिक भंडारण, या पंपिंग, चाहिए। रूटिंग, खंड 5.10.4 का आयतन संतुलन और आकलन वही रहते हैं।

तालिका 5C.1 — इनपुट (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

मद	मान	आधार
सुविधा	परिशिष्ट 4C की संशोधित सुविधा: 2,500 m^2 प्लान क्षेत्रफल, ऊर्ध्वाधर दीवारें; तल पर 170 mm ऑरिफिस; 460 mm ऑरिफिस, इनवर्ट 0.53 m	परिशिष्ट 4C, तालिका 4C.14
वर्षा घटना	1% AEP, 48 h, चरम दिन अंत में, AMC III; 72 h भी चलाई गई	खंड 5.10.2
अंतर्वाह	परिशिष्ट 4C के विकास-पश्चात 1% AEP हाइड्रोग्राफ (48 h: 8,420 m^3; 72 h: 9,468 m^3)	परिशिष्ट 4C
कनेक्शन पर प्राप्तकर्ता ड्रेन के स्तर, J1, J2 और J3	साइट आउटलेट के इनवर्ट से नीचे (ड्रेन के स्वामी के मॉडल से)	उदाहरणार्थ इनपुट
प्रत्येक अवरोध अवधि के दौरान प्राप्तकर्ता ड्रेन	पानी साइट आउटलेट के इनवर्ट से ऊपर लौट आता है, इसलिए साइट पानी नहीं छोड़ सकती	उदाहरणार्थ इनपुट; खंड 5.10.3(b)

मद	मान	आधार
साइट आउटलेट पर फ्लैप गेट	आउटलेट कक्ष में ऑरिफिस इनवर्ट से 0.15 m नीचे रखा गया, ताकि अवरोध अवधियों के बाहर उसका खुलाव हेड और हेड हानि ऑरिफिस नियंत्रण को प्रभावित न करें	उदाहरणार्थ इनपुट; प्रमाणित वक्र से पुष्टि की जानी है (खंड 5.11.2)
अवरोध अवधियाँ	6 h की दो, आरंभ 12.4 h के अंतर पर (अर्ध-दैनिक ज्वार)	खंड 5.10.3(a)
पंप	कोई नहीं	—

5C.2 **तालिका 5.2 की स्थितियाँ.** चूँकि J1, J2 और J3 में प्राप्तकर्ता ड्रेन साइट आउटलेट से नीचे रहती है (तालिका 5C.1), इसलिए ये स्थितियाँ परिशिष्ट 4C के मुक्त-आउटफॉल परिणाम देती हैं: J2 में 1% AEP अधिकतम जल स्तर **1.17 m** (2,913 m^3) है, और J3 (10% AEP, 48 h) में यह 0.77 m है। R1 और R2 लागू नहीं होतीं, क्योंकि साइट किसी नदी में जल निकासी नहीं करती। J4, अर्थात आउटफॉल-बंद जाँच, नीचे हल की गई है।

अवरोध अवधियाँ (खंड 5.10.3)

5C.3 48 घंटे की वर्षा घटना के अंतिम 24 घंटों का चरम 1-घंटे का ब्लॉक 35:35–36:35 h है, जिसमें 98.2 mm वर्षा है (तालिका 4C.2 की 1-घंटे की गहराई)। दो रन किए जाते हैं:

- **रन A:** पहली अवधि उस ब्लॉक पर केंद्रित है: 33:05–39:05 h; दूसरी 12.4 h बाद आरंभ होती है: 45:29–51:29 h।
- **रन B:** पहली अवधि उस ब्लॉक पर आरंभ होती है: 35:35–41:35 h; दूसरी: 47:59–53:59 h।

72 घंटे की वर्षा घटना के लिए, प्रत्येक समय 24 h बाद है।

5C.4 प्रत्येक अवधि के भीतर गुरुत्व निकास शून्य है। अवधियों के बाहर आउटलेट तालिका 4C.10 के ऑरिफिसों से पानी छोड़ता है। रूटिंग वही स्तर-ताल रूटिंग है जो परिशिष्ट 4C में है।

परिणाम

तालिका 5C.2 — आउटफॉल-बंद जाँच के परिणाम (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

वर्षा घटना	रन	अवरोध अवधियाँ (h:min)	अधिकतम जल स्तर (m)	अधिकतम भंडारण (m^3)	अधिकतम का समय (h:min)	किसी अवधि के बाद सबसे बड़ा निकास (L/s)
1% AEP, 48 h	A	33:05–39:05; 45:29–51:29	2.01	5,019	39:05	566
1% AEP, 48 h	B	35:35–41:35; 47:59–53:59	**2.10**	**5,238**	41:35	584
1% AEP, 72 h	A	57:05–63:05; 69:29–75:29	2.00	5,012	63:05	565
1% AEP, 72 h	B	59:35–65:35; 71:59–77:59	2.09	5,233	65:35	584

48 घंटे की वर्षा घटना का रन B निर्णायक है। पहली अवधि आउटलेट को ठीक उसी समय बंद करती है जब वर्षा का चरम आता है, इसलिए पूरा चरम संगृहीत होता है। दूसरी अवधि तब आती है जब सुविधा लगभग 0.7 m तक, चरण 2 के ऑरिफिस से नीचे, खाली हो चुकी होती है, और उसका प्रभाव कम होता है।

5C.5 **आयतन संतुलन (खंड 5.10.4).** तालिका 5C.3 रन B के लिए संतुलन देती है। प्रत्येक अवधि में बहिर्वाह सांतत्य द्वारा ज्ञात किया जाता है: बहिर्वाह = आरंभ में भंडारण + अंतर्वाह − अंत में भंडारण।

तालिका 5C.3 — आयतन संतुलन, 1% AEP 48 घंटे की वर्षा घटना, रन B (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

अवधि (h:min)	अंतर्वाह (m³)	गुरुत्व बहिर्वाह (m³)	पंप किया गया (m³)	आरंभ में भंडारण (m³)	अंत में भंडारण (m³)
0:00–35:35, अवधि 1 से पहले	3,817	2,213	0	0	1,604
35:35–41:35, अवधि 1	3,634	0	0	1,604	5,238
41:35–47:59, अवधियों के बीच	941	4,423	0	5,238	1,756
47:59–53:59, अवधि 2	28	0	0	1,756	1,784
53:59 के बाद	0	1,784	0	1,784	0
कुल	8,420	8,420	0	—	—

अवधि 1 के लिए जाँच: V_inflow = 3,634 m³ ≤ V_storage available + V_pumped + V_gravity = (5,238 − 1,604) + 0 + 0 = 3,634 m³। इसलिए सुविधा को **5,238 m³** भंडारण चाहिए, जिसकी पुष्टि रूटिंग करती है।

तालिका 5C.4 — जल स्तर–समय आलेख, 1% AEP 48 घंटे की वर्षा घटना, रन B (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

समय (h)	अंतर्वाह (L/s)	आउटलेट	बहिर्वाह (L/s)	जल स्तर (m)	भंडारण (m³)
24	20	खुला	18	0.18	445
28	39	खुला	24	0.25	621
32	59	खुला	32	0.36	906
34	85	खुला	37	0.47	1,166
36	286	बंद	0	0.78	1,944
38	106	बंद	0	1.73	4,321
40	66	बंद	0	1.96	4,904
42	51	खुला	529	1.79	4,472
44	42	खुला	204	0.87	2,181
46	37	खुला	49	0.74	1,854
48	33	खुला	47	0.70	1,756
50	0	बंद	0	0.71	1,784
54	0	बंद	0	0.71	1,784
56	0	खुला	43	0.58	1,459
60	0	खुला	32	0.37	921
66	0	खुला	16	0.16	397

समय (h)	अंतर्वाह (L/s)	आउटलेट	बहिर्वाह (L/s)	जल स्तर (m)	भंडारण (m^3)
72	0	खुला	7	0.06	162

आकलन

5C.6 **खंड 5.10.4(a).** परिशिष्ट 4C की सुविधा J2 में 1.17 m तक पहुँचती है, और उसके स्पिलवे का शिखर 1.35 m पर है (परिशिष्ट 4C)। आउटफॉल-बंद जाँच में जल स्तर 2.10 m तक पहुँचता है, इसलिए स्पिलवे काम करने लगेगा। **परिशिष्ट 4C की सुविधा जाँच में विफल होती है।**

5C.7 **उपाय.** यहाँ पंपिंग (खंड 5.12) सहायक नहीं है: अवरोध अवधियों के दौरान प्राप्तकर्ता ड्रेन स्वयं बंद होती है, और उसमें पंप करने से उसका स्तर बढ़ेगा, जिसकी अनुमति खंड 5.12.3 नहीं देता। उपाय अधिक भंडारण है। 2,500 m^2 का प्लान क्षेत्रफल और परिशिष्ट 4C के आउटलेट रखते हुए:

- सुविधा को **2.10 m** के जल स्तर तक 5,238 m^3 धारण करना होगा;
- स्पिलवे का शिखर उस जल स्तर से ऊपर, खंड 4.9.3 में अनुशंसित 0.15 m की दूरी के साथ, रखा जाता है: **2.25 m**;
- परिशिष्ट 4C के 4.0 m स्पिलवे (हेड 0.30 m) के साथ, स्पिलवे के बहते समय अधिकतम स्तर 2.55 m है, और 0.3 m फ्रीबोर्ड के साथ दीवारों का शीर्ष तल से कम से कम **2.85 m** ऊपर है।

इसलिए आउटफॉल-बंद जाँच भंडारण का निर्धारण करती है: निकास दर जाँचों से प्राप्त 2,913 m^3 की तुलना में 5,238 m^3, लगभग 80% अधिक। बड़ा प्लान क्षेत्रफल सुविधा को उथला बना देगा; तब आउटलेट, निकास सीमाओं और खाली होने के समय की पुनः जाँच करनी होगी, क्योंकि जल स्तर–प्रवाह दर संबंध बदल जाता है।

5C.8 **अवरोध के बाद निकास.** पहली अवधि समाप्त होने पर, संगृहीत पानी लगभग 2 m के हेड पर, 584 L/s तक की दर से छोड़ा जाता है। यह 356 L/s की 100-वर्ष की निकास सीमा से अधिक है। खंड 5.10.4 इसकी अनुमति देता है, क्योंकि निकास ऐसी ड्रेन में पहुँचता है जो स्वयं अभी-अभी फिर खुली है, और अपेक्षा करता है कि इसे अनुप्रवाह विश्लेषण (खंड 5.4 और 5.9) के J4 रन में सम्मिलित किया जाए और प्रपत्र 5-1 के भाग H में रिपोर्ट किया जाए।

5C.9 **वर्षा घटना के बाद खाली होना (खंड 5.10.5).** J1 ज्वारीय वक्र साइट आउटलेट से नीचे रहता है (तालिका 5C.1), इसलिए परिशिष्ट 4C का खाली होने का समय लागू होता है: अल्प-प्रवाह ऑरिफिस के 50% अवरुद्ध रहने पर 10-वर्ष के भंडारण के 90% के लिए 45.3 h, जो खंड 4.7 की 48 घंटे की सीमा के भीतर है। रन B में, अधिकतम J4 भंडारण का 90% अधिकतम के 22.6 h बाद छोड़ दिया जाता है।

5C.10 **अन्य अपेक्षाएँ.**

- साइट आउटलेट के फ्लैप गेट का निरीक्षण और प्रचालन प्रत्येक वर्ष 10 जून से पहले और प्रत्येक ऐसी घटना के बाद किया जाता है जिसमें वह वर्षा प्रवाह के विरुद्ध बंद हुआ (खंड 5.11.5)।
- गहरी सुविधा की उत्प्लावन (flotation) के लिए जाँच डिजाइन भूजल स्तर पर भूजल के साथ की जाती है; नदियों के डूब क्षेत्रों, साहिबगंज के गंगा तटवर्ती क्षेत्र और जलभराव से ग्रस्त खनन भू-धंसान गर्तों में पीजोमीटर पाठ्यांकों के बिना वह स्तर विद्यमान भूमि स्तर है (खंड 4.12.1 और 4.12.3)।
- परिशिष्ट 4C की बाड़ और संकेत-पट गहरी सुविधा पर लागू होते हैं (खंड 4.15)।

तालिका 5C.5 — सारांश (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

मद	मान
निर्णायक स्थिति	J4, 1% AEP 48 घंटे की वर्षा घटना, रन B (पहली अवधि चरम 1-घंटे के ब्लॉक पर आरंभ)
आवश्यक भंडारण	5,238 m^3 (परिशिष्ट 4C का निकास दर डिजाइन: 2,913 m^3)
अधिकतम जल स्तर	2.10 m, 2,500 m^2 प्लान क्षेत्रफल के साथ

मद	मान
स्पिलवे का शिखर	2.25 m
दीवारों का शीर्ष	तल से ≥ 2.85 m ऊपर
किसी अवरोध अवधि के बाद सबसे बड़ा निकास	584 L/s, अनुप्रवाह J4 रन में सम्मिलित किया जाना है
खाली होने का समय	परिशिष्ट 4C का परिणाम लागू: अल्प-प्रवाह ऑरिफिस के 50% अवरुद्ध रहने पर 45.3 h

---

प्रपत्र 5-1 — अनुप्रवाह और टेलवाटर रिपोर्ट

अध्याय 5 के खंड 5.3 से 5.14 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. प्रत्येक परियोजना के लिए एक रिपोर्ट। खंड 5.3.4 को पूरा करने वाली 0.5 ha से कम की साइटें, जहाँ प्राधिकारी इसे स्वीकार करे, इसके स्थान पर प्रपत्र 5-2 प्रस्तुत कर सकती हैं। उल्लिखित नक्शे, मॉडल फाइलें और हाइड्रोग्राफ संलग्न करें।

A. परियोजना

तालिका 5F.1 — प्रपत्र 5-1: परियोजना

क्षेत्र	प्रविष्टि
A1. परियोजना का नाम, आवेदक और स्थान	
A2. परियोजना का प्रकार: अध्याय 4 के अंतर्गत साइट; अध्याय 6 के अंतर्गत जल निकासी परियोजना; क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण या तालाब पुनर्स्थापन (खंड 5.1.2)	
A3. साइट या परियोजना का क्षेत्रफल (ha) और आउटफॉल	
A4. साइट अपवाह नियंत्रण रिपोर्ट का संदर्भ (प्रपत्र 4-1), जहाँ लागू हो	

B. विश्लेषण का विस्तार (खंड 5.3; खंड 5.14, मद 1)

तालिका 5F.2 — प्रपत्र 5-1: विश्लेषण बिंदु

बिंदु	स्थान	प्रकार (खंड 5.3.3 (a) से (e))	योगदान देने वाला जलग्रहण क्षेत्र (ha)	उसके % के रूप में परियोजना क्षेत्र

तालिका 5F.3 — प्रपत्र 5-1: अंतिम बिंदु

क्षेत्र	प्रविष्टि
B1. अंतिम बिंदु और कारण: 10% बिंदु, तालाब (tank) या तालाब (talab), या प्रमुख ड्रेन या समुद्र (खंड 5.3.1 (a) से (c))	
B2. जहाँ अंतिम बिंदु कोई तालाब (tank) या तालाब (talab) है: अधिकतम जल स्तर (m) में और सरप्लस वियर की प्रवाह दर (m^3/s) में परिवर्तन; स्तर बढ़ने पर वियर के नीचे विश्लेषण जारी रखना (खंड 5.3.2)	
B3. विश्लेषण के विस्तार का नक्शा, जिसमें साइट, प्रत्येक बिंदु उसके योगदान देने वाले क्षेत्र और प्रतिशत के साथ, और अंतिम बिंदु दर्शाए गए हों (संलग्न करें)	

C. मॉडल (खंड 5.4.4; खंड 5.14, मद 2)

तालिका 5F.4 — प्रपत्र 5-1: मॉडल

क्षेत्र	प्रविष्टि
C1. सॉफ्टवेयर और संस्करण; जलवैज्ञानिक और हाइड्रोलिक विधियाँ (खंड 5.4.4)	
C2. नेटवर्क का योजनाबद्ध चित्र, ड्रेन और क्रॉसिंग के सर्वेक्षण स्रोतों के साथ (संलग्न करें)	
C3. साइट से बाहर के क्षेत्रों का भूमि उपयोग और CN (वर्तमान भूमि उपयोग)	
C4. सम्मिलित प्रतिप्रवाह अस्थायी भंडारण, इस साक्ष्य के साथ कि वह निर्मित, अनुरक्षित और दस्तावेजित है	
C5. जहाँ उपलब्ध हो, अंशांकन या वैधीकरण के साक्ष्य	
C6. चलाए गए परिदृश्य: विद्यमान, परियोजना सहित, और जहाँ प्राधिकारी अपेक्षा करे वहाँ भविष्य (खंड 5.4.1)	
C7. चलाई गई वर्षा घटनाएँ: AEP और अवधियाँ, AMC और क्षेत्रीय न्यूनीकरण (खंड 5.4.3)	

D. प्रत्येक विश्लेषण बिंदु पर परिणाम (खंड 5.4.2; खंड 5.14, मद 3)

प्रत्येक विश्लेषण बिंदु, AEP और अवधि के लिए एक पंक्ति भरें। E = विद्यमान; P = परियोजना सहित।

तालिका 5F.5 — प्रपत्र 5-1: विश्लेषण बिंदुवार परिणाम

बिंदु	AEP	अवधि (h)	चरम प्रवाह E / P (m^3/s)	चरम तक समय E / P (h)	अधिकतम जल स्तर E / P (m)	चरम वेग E / P (m/s)	जलमग्नता की अवधि E / P (h)

E. स्वीकार्यता (खंड 5.5; खंड 5.14, मद 4)

तालिका 5F.6 — प्रपत्र 5-1: स्वीकार्यता मानदंड

मानदंड	क्या प्रत्येक बिंदु पर पूरा हुआ?	जहाँ पूरा नहीं हुआ, वहाँ अपनाया गया उपाय (खंड 5.5.3)
E1. भवनों, सबसे निचले खुले भागों और कैरिजवे पर 1% AEP जल स्तर में वृद्धि ≤ 10 mm (खंड 5.5.1(a))		
E2. कोई भवन नए सिरे से जलमग्न नहीं; कोई भवन या सड़क नए सिरे से अध्याय 6 की सीमाओं में विफल नहीं (खंड 5.5.1(b))		
E3. प्रत्येक तत्व की लघु प्रणाली AEP पर या 1% AEP पर चरम प्रवाह विद्यमान से अधिक नहीं (खंड 5.5.1(c))		
E4. पक्के चैनलों में वेग अस्तर की सीमा के भीतर, अधिकतम 3.0 m/s (खंड 5.5.1(d))		

मानदंड	क्या प्रत्येक बिंदु पर पूरा हुआ?	जहाँ पूरा नहीं हुआ, वहाँ अपनाया गया उपाय (खंड 5.5.3)
E5. कच्चे चैनलों में 50% और 10% AEP का वेग 10% से अधिक नहीं बढ़ा (खंड 5.5.1(e))		
E6. धमनी या आपातकालीन मार्गों पर सड़क बंद रहने की अवधि में परिवर्तन (खंड 5.5.2)		
E7. क्या समय संबंधी अपवाद का अनुरोध किया गया (खंड 5.5.4)? पूरी की गई शर्तें बताएँ		

F. टेलवाटर की व्युत्पत्ति (खंड 5.6 से 5.8; खंड 5.14, मद 5)

तालिका 5F.7 — प्रपत्र 5-1: टेलवाटर की व्युत्पत्ति

क्षेत्र	प्रविष्टि
F1. ज्वार सारणी का संस्करण और बंदरगाह, या बंदरगाह प्राधिकरण का स्रोत (खंड 5.7.2(a))	
F2. MHWS, HAT और MSL (चार्ट डेटम से ऊपर m)	
F3. चार्ट डेटम से भारतीय सर्वेक्षण विभाग के बेंचमार्क और परियोजना डेटम तक संबंध: अंतर (m) और स्रोत (खंड 5.7.2(b))	
F4. ज्वारनदमुख, खाड़ी या नहर में आउटफॉल: प्रयुक्त स्तर और खुले तट के स्तरों से विचलन का कोई साक्ष्य (खंड 5.7.2(c))	
F5. 10% AEP महोर्मि और 1% AEP स्थिर जल स्तर: मान, स्रोत, विधि और अभिलेख की अवधि (खंड 5.7.3)	
F6. खुले समुद्र की ओर वाले आउटफॉलों के लिए लहर उत्थान (खंड 5.7.3(d))	
F7. SLA (m), कम से कम +0.3 m; डिजाइन आयु; 50 वर्ष से अधिक डिजाइन आयु के लिए SLA की दोगुनी पर संवेदनशीलता रन (खंड 5.7.4)	
F8. गैर-ज्वारीय टेलवाटर: प्राप्तकर्ता प्रणाली का स्तर और स्रोत (खंड 5.6.2, 5.6.3)	
F9. नदी के स्तर और स्रोत; सम्मिलित जलाशय या तालाब से छोड़ा गया पानी (खंड 5.8.2, 5.8.3)	
F10. नदी से अवरुद्ध आउटफॉल, जलाशय, डैम और तालाब के आउटफॉल, डैमों के नीचे की नदियाँ, खदान के गड्ढे और अन्य निकायों की नहरें या ड्रेनें: प्रत्येक गेट और पंपिंग स्टेशन के संचालक की पहचान, गेट की सिल, किनारे या तटबंध का शिखर, स्थापित क्षमता, प्रचालन स्तर और गेट बंद करने का स्तर प्राप्त किए गए, प्रत्येक स्तर को निकटतम CWC या WRD गेज के डेटम से जोड़कर; आउटफॉल पर 1% AEP नदी स्तर, किसी प्रकाशित अध्ययन से या मॉडल से, डैमों से छोड़े गए पानी के साथ, जो आउटफॉल तक अंतरित निकटतम CWC गेज के अभिलिखित उच्चतम स्तर से कम नहीं (जमशेदपुर पर 129.82 m, आदित्यपुर पर 137.8 m, साहिबगंज पर 30.91 m, और खंड 5.8.5(a) के अन्य स्तर), प्रयुक्त प्रोफाइल के साथ, या, जहाँ कोई गेज स्तर नहीं है (रांची की नदियाँ और नाले, गरगा, धनबाद की ड्रेनें), मॉडल से प्राप्त या सर्वेक्षित बाढ़ स्तर और उसका स्रोत; जिले का कोई गेज पाठ्यांक या खतरे का निशान (मानगो, आदित्यपुर) डिजाइन स्तर के रूप में प्रयुक्त नहीं; 10% AEP नदी स्तर, जो अंतरित CWC खतरे के स्तर से कम नहीं; गेट के पीछे की ड्रेन की रूटिंग उसके संपूर्ण जलग्रहण क्षेत्र और वर्तमान भंडारण के साथ, पंपिंग की उपलब्धता की पुष्टि (केवल स्थायी पंप, स्थापित क्षमता घटा सबसे बड़े पंप से अधिक नहीं), डिजाइन नदी स्तर पर प्रचालन योग्य पंप; कम से कम 72 घंटे का, या गंगा पर 7 दिन का, या, यदि अधिक हो, किसी डैम के नीचे अभिलिखित सबसे बड़े निकास की अवधि का, एकल नदी अवरोध, और उसका स्रोत; गेट के विफल होने और कटाव की जाँचें; किसी जलाशय, डैम या तालाब के आउटफॉल के लिए, अभिरक्षक की सम्मति, जहाँ अपेक्षित हो वहाँ राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण की अनुमति, MWL या FTL जमा डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज (जहाँ दोनों में से कोई प्रकाशित न हो वहाँ FTL + 0.5 m; तालाब या पोखर के लिए अतिप्रवाह स्तर और शीर्ष), उससे नीचे का आउटफॉल पूरी वर्षा घटना के लिए बंद माना गया, जलाशय FTL या अतिप्रवाह स्तर पर आरंभ, अभिरक्षक के लिखित नियम के बिना किसी गेट प्रचालन का क्रेडिट नहीं; किसी डैम के नीचे या DVC के किसी जलाशय पर के आउटफॉल के लिए, अभिलिखित सबसे बड़ी मात्रा में छोड़े गए पानी के साथ डिजाइन वर्षा घटना, छोड़े गए पानी को वर्षा घटना से पहले, उसके दौरान और उसके बाद रखकर; किसी खदान के गड्ढे या खदान झील के लिए, पट्टाधारी और DGMS की लिखित सम्मति, सर्वेक्षित स्तर, अतिप्रवाह स्तर और अतिप्रवाह मार्ग, और यह विवरण कि साइट का कोई भाग किसी चालू खदान में जल निकासी नहीं करता; WRD या DVC की सम्मति और भवन उपविधि, मास्टर प्लान और न्यायालयों की रेखाओं की जाँच; स्वामी की सम्मति, अनुमत दर, डिजाइन जल स्तर या परिकलित चैनल स्तर, और फ्लैप गेट (खंड 5.8.5)	

G. संयुक्त स्थितियाँ (खंड 5.9; खंड 5.14, मद 6)

तालिका 5F.8 — प्रपत्र 5-1: संयुक्त स्थितियों के परिणाम

स्थिति	वर्षा	प्रयुक्त टेलवाटर (m, परियोजना डेटम)	लागू?	निर्णायक परिणाम (भंडारण, स्तर, पाइप का आकार या पंप की क्षमता)
J1				
J2				
J3				
J4				
R1				
R2				

H. आउटफॉल-बंद जाँच (खंड 5.10; खंड 5.14, मद 7)

तालिका 5F.9 — प्रपत्र 5-1: आउटफॉल-बंद जाँच

क्षेत्र	प्रविष्टि
H1. जाँच लागू होने का कारण (खंड 5.10.1)	
H2. वर्षा घटना: AEP, 48 h और 72 h, AMC III (खंड 5.10.2)	
H3. अवरोध की अवधि और आधार: 6 घंटे की दो अवधियों का डिफॉल्ट, या साइट अध्ययन (खंड 5.10.6); रेत अवरोध से बंद होने के लिए विस्तार (खंड 5.13.5)	
H4. दोनों रनों की अवरोध अवधियाँ (आरंभ और समाप्ति का समय) (खंड 5.10.3(d))	
H5. प्रत्येक सुविधा में अधिकतम जल स्तर, उसके 1% AEP अधिकतम जल स्तर की तुलना में (खंड 5.10.4(a))	
H6. लघु और प्रमुख प्रणालियों में अधिकतम जल स्तर, अध्याय 6 की सीमाओं की तुलना में (खंड 5.10.4(b))	
H7. संपत्ति कनेक्शन: सरचार्ज स्तर, या लगाए गए नॉन-रिटर्न वाल्व (खंड 5.10.4(c))	
H8. जल स्तर–समय आलेख (संलग्न करें)	
H9. वर्षा घटना के बाद J1 ज्वारीय वक्र के अंतर्गत खाली होना, और जहाँ आवश्यक हो वहाँ पंपिंग (खंड 5.10.5)	

तालिका 5F.10 — प्रपत्र 5-1: प्रत्येक अवरोध अवधि के लिए आयतन संतुलन (खंड 5.10.4)

अवधि	अंतर्वाह (m³)	गुरुत्व बहिर्वाह (m³)	पंप किया गया (m³)	आरंभ में भंडारण (m³)	अंत में भंडारण (m³)
अवधि 1 से पहले					
अवधि 1					
अवधियों के बीच					
अवधि 2					

अवधि	अंतर्वाह (m³)	गुरुत्व बहिर्वाह (m³)	पंप किया गया (m³)	आरंभ में भंडारण (m³)	अंत में भंडारण (m³)
अवधि 2 के बाद					

I. गेट और वाल्व (खंड 5.11; खंड 5.14, मद 8)

तालिका 5F.11 — प्रपत्र 5-1: फ्लैप गेटों, ज्वार-रोधी गेटों और नॉन-रिटर्न वाल्वों की अनुसूची

स्थान	प्रकार	आकार (mm)	इनवर्ट (m, परियोजना डेटम)	प्रमाणित हेड–प्रवाह दर आँकड़े (संदर्भ)	स्टॉप-लॉग या पेनस्टॉक (आउटफॉल > 600 mm)

J. पंप द्वारा संचालित आउटफॉल (खंड 5.12; खंड 5.14, मद 9)

तालिका 5F.12 — प्रपत्र 5-1: पंप द्वारा संचालित आउटफॉल

क्षेत्र	प्रविष्टि
J1. पंपिंग की आवश्यकता का कारण (खंड 5.12.1)	
J2. J2 टेलवाटर के स्थैतिक हेड पर कार्यरत क्षमता (m³/s); स्टैंडबाय क्षमता (खंड 5.12.2)	
J3. प्राप्तकर्ता जलाशय के जल स्तर पर प्रभाव (खंड 5.12.3)	
J4. विद्युत आपूर्ति: दो स्वतंत्र आपूर्तियाँ, या 72 h के ईंधन के साथ स्टैंडबाय उत्पादन; स्वचालित परिवर्तन (खंड 5.12.4)	
J5. विद्युत पैनलों, नियंत्रणों, जनरेटरों और ईंधन का स्तर, 1% AEP बाढ़ जल स्तर + 0.5 m और HAT + महोर्मि + SLA + 0.5 m में से अधिक की तुलना में (खंड 5.12.5)	
J6. निकास व्यवस्था (खंड 5.12.6); नियंत्रण, अलार्म और लॉगिंग (खंड 5.12.7); जालियाँ (खंड 5.12.8)	

K. रेत अवरोध (खंड 5.13; खंड 5.14, मद 10)

तालिका 5F.13 — प्रपत्र 5-1: रेत अवरोध संबंधी धारणा

क्षेत्र	प्रविष्टि
K1. संबंधित नदी मुख या खाड़ी प्रवेश	
K2. मुख बंद माना गया, या WRD का प्रमाणन संलग्न करके खुला (खंड 5.13.2)	
K3. सबसे हाल के मानसून-पूर्व सर्वेक्षण से रेत अवरोध का शिखर स्तर (m) और बंद-मुख टेलवाटर (खंड 5.13.3)	
K4. जहाँ आवश्यक हो, अवरोध की अवधि का विस्तार (खंड 5.13.5)	

L. निरीक्षण और रखरखाव (खंड 5.14, मद 11)

तालिका 5F.14 — प्रपत्र 5-1: निरीक्षण और रखरखाव

क्षेत्र	प्रविष्टि
L1. 10 जून से पहले और बंद होने की घटनाओं के बाद गेट और वाल्व का निरीक्षण (खंड 5.11.5)	
L2. 10 जून से पहले पंपों के परीक्षण रन (खंड 5.12.9)	
L3. रखरखाव योजना के लिए अन्य अपेक्षाएँ (अध्याय 10)	

M. पंजीकृत पेशेवर का कथन (खंड 10.6)

मैं कथन करता/करती हूँ कि यह रिपोर्ट *झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल* (प्रारूप संस्करण 1.0) के अध्याय 5 के अंतर्गत तैयार की गई है, कि रिपोर्ट किए गए परिणाम प्रस्तुत मॉडलों द्वारा पुनः प्राप्त होते हैं, और कि अध्याय 5 से प्रत्येक विचलन उसके कारण के साथ सूचीबद्ध है। पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-3) संलग्न है।

तालिका 5F.15 — प्रपत्र 5-1: पंजीकृत पेशेवर का कथन

क्षेत्र	प्रविष्टि
नाम	
योग्यता और पंजीकरण संख्या	
सूचीबद्धता संख्या, जहाँ खंड 10.6.1 अपेक्षा करता है	
संगठन	
हस्ताक्षर	
तिथि	

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0.

प्रपत्र 5-2 — सरलीकृत अनुप्रवाह विवरण (छोटी साइटें)

अध्याय 5 के खंड 5.3.4 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. 0.5 ha से कम की साइटों के लिए। प्राधिकारी इस विवरण को पूर्ण विश्लेषण के स्थान पर केवल तभी स्वीकार कर सकता है जब भाग B का प्रत्येक उत्तर "हाँ" हो। अन्यथा प्रपत्र 5-1 प्रस्तुत करें।

A. साइट

तालिका 5F.16 — प्रपत्र 5-2: साइट

क्षेत्र	प्रविष्टि
A1. परियोजना का नाम, आवेदक और स्थान	
A2. साइट का क्षेत्रफल (ha), 0.5 ha से कम	
A3. प्राप्तकर्ता सार्वजनिक ड्रेन: नाम या संदर्भ, प्रकार और आकार	
A4. साइट अपवाह नियंत्रण रिपोर्ट का संदर्भ (प्रपत्र 4-1)	

B. शर्तें (खंड 5.3.4)

तालिका 5F.17 — प्रपत्र 5-2: शर्तें

शर्त	हाँ / नहीं	साक्ष्य
B1. प्राप्तकर्ता सार्वजनिक ड्रेन की अपने लघु प्रणाली डिजाइन प्रवाह के लिए दस्तावेजित क्षमता है (अध्याय 6)		
B2. साइट के आउटफॉल से अनुप्रवाह की ओर 500 m के भीतर कोई बाढ़-प्रवण स्थान दर्ज नहीं है। जाँचे गए अभिलेख: स्थानीय निकाय, RMC, JSDMA, WRD (खंड 5.3.3(d))		
B3. साइट किसी ज्वारीय या पश्चजल-प्रभावित आउटफॉल में जल निकासी नहीं करती		

C. मार्ग का नक्शा

तालिका 5F.18 — प्रपत्र 5-2: संलग्नक

संलग्नक	संलग्न?
C1. साइट के आउटफॉल से अनुप्रवाह की ओर 500 m तक जल निकासी मार्ग का नक्शा, प्राप्तकर्ता ड्रेन और किसी भी दर्ज बाढ़-प्रवण स्थान के साथ	
C2. ड्रेन की क्षमता के अभिलेख की प्रति या संदर्भ	

D. कथन

मैं कथन करता/करती हूँ कि साइट ऊपर दर्शाए अनुसार खंड 5.3.4 की शर्तों को पूरा करती है, और कि सूचीबद्ध अभिलेखों की जाँच कर ली गई है।

तालिका 5F.19 — प्रपत्र 5-2: कथन

क्षेत्र	प्रविष्टि
नाम	
योग्यता और पंजीकरण संख्या	
हस्ताक्षर	
तिथि	

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0.

अध्याय 6 के परिशिष्ट

लघु और प्रमुख जल निकासी प्रणालियाँ

ये परिशिष्ट अध्याय 6 के सहायक हैं। परिशिष्ट 6A (मानक इनलेट और उनके क्षमता वक्र) और परिशिष्ट 6B (तलछट उत्पादन) के लिए ऐसे परीक्षण और सर्वेक्षण आँकड़े आवश्यक हैं जो अभी उपलब्ध नहीं हैं; प्रत्येक में बताया गया है कि उसमें क्या होगा और उसके प्रकाशित होने तक कौन-सा अंतरिम नियम लागू होगा। परिशिष्ट 6C में ऐसी मानक ड्रॉइंग दी गई हैं जिनमें केवल वे आयाम हैं जो अध्याय 6 और अध्याय 9 पहले से निर्धारित करते हैं; प्रत्येक अन्य आयाम "डिजाइन में पुष्टि की जानी है" के रूप में चिह्नित है। प्रपत्र 6-1 एक प्रारूप प्रपत्र है: इसमें वही सूचीबद्ध है जिसकी अपेक्षा खंड 6.15 करता है, और यह उसमें कुछ नहीं जोड़ता।

परिशिष्ट 6A — झारखंड के लिए मानक इनलेट प्रकार और उनके क्षमता वक्र (ढलान पर और निचले बिंदु पर)

अध्याय 6 के खंड 6.6.1 से 6.6.7 और अध्याय 9 के खंड 9.11 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में झारखंड की सड़कों के लिए मानक इनलेट प्रकारों की एक छोटी सूची होगी (कर्ब ओपनिंग इनलेट (kerb-opening inlet), जाली इनलेट (grate inlet) और संयुक्त इनलेट (combination inlet), जिनमें ढकी ड्रेन की दीवार में सड़क स्तर पर बना ओपनिंग भी सम्मिलित है) और प्रत्येक प्रकार के लिए ढलान पर (on grade) और निचले बिंदु (sag) पर क्षमता वक्र होंगे। इसके लिए सड़क-स्वामी एजेंसियों से सहमत मानक इनलेट ज्यामितियों का एक नियत समूह, और उन ज्यामितियों के रेटिंग परीक्षण (प्रयोगशाला में या पूर्ण पैमाने पर), या प्रत्येक ज्यामिति के लिए परीक्षणों से जाँची गई HEC-22 गणनाएँ आवश्यक हैं (आँकड़े और संभावित स्रोत: पथ निर्माण विभाग (RCD), NHAI और रांची नगर निगम के मानक विवरण, BIT मेसरा, NIT जमशेदपुर या अन्य हाइड्रोलिक प्रयोगशालाएँ, निर्माताओं की परीक्षित रेटिंग)। इसके प्रकाशित होने तक वास्तव में प्रस्तावित इनलेट की स्वच्छ क्षमता की गणना FHWA HEC-22 (4th edition, 2024) की विधियों से या उसी ज्यामिति के लिए निर्माता की परीक्षित रेटिंग से करें (खंड 6.6.2), उसे तालिका 6.5 के अवरोध गुणकों से घटाएँ (खंड 6.6.3), और तालिका 6A.1 की अंतरिम अपेक्षाएँ पूरी करें।

तालिका 6A.1 — परिशिष्ट 6A के प्रकाशित होने तक इनलेट के लिए अंतरिम अपेक्षाएँ (अध्याय 6 और 9 से)

मद	अपेक्षा	खंड
सार्वजनिक सड़कों पर इनलेट का प्रकार	कर्ब ओपनिंग या संयुक्त इनलेट, जब तक अनुमोदन प्राधिकारी किसी स्थान के लिए केवल-जाली इनलेट स्वीकार न करे	6.6.1(a)
इनलेट का स्तर	ओपनिंग सड़क स्तर पर; जहाँ व्यवहार्य हो, कर्ब चैनल अवनमन (gutter depression)	6.6.1(b)
स्वच्छ क्षमता	FHWA HEC-22 (4th ed., 2024) या उसी ज्यामिति के लिए निर्माता की परीक्षित रेटिंग; CPHEEO §5.6.2 के समीकरण केवल प्रति-जाँच के लिए	6.6.2
अवरोध, ढलान पर	जाली 50%; कर्ब ओपनिंग 10%	6.6.3, तालिका 6.5

मद	अपेक्षा	खंड
अवरोध, निचले बिंदु पर	जाली 50%; कर्ब ओपनिंग 20%	6.6.3, तालिका 6.5
दूरी	प्रत्येक कर्ब चैनल खंड (gutter run) के शीर्ष से क्रमिक गणना द्वारा; कर्बयुक्त सड़कों पर 30 m से अधिक नहीं	6.6.4
कर्ब ओपनिंग का आकार	स्पष्ट ऊँचाई कम से कम 100 mm; लंबाई कम से कम 1.0 m	9.11.4
जाली का पैटर्न	यातायात की दिशा के समानांतर ओपनिंग 25 mm से अधिक चौड़ी नहीं	9.11.3(a)
भार वर्ग	कैरिजवे और मीडियन में D400; कर्ब से 0.5 m के भीतर C250; फुटपाथ और साइकिल ट्रैक में B125 (या समतुल्य IS वर्ग)	9.11.2
कनेक्शन पाइप	कम से कम 300 mm व्यास; ऐसी ढलान जिससे इनलेट के डिजाइन प्रवाह पर कम से कम 0.9 m/s वेग मिले	6.6.6
गाद संप	आउटलेट पाइप के इनवर्ट से कम से कम 300 mm गहरा, सतह से साफ करने योग्य	6.6.7, 9.11.6

परिशिष्ट की प्रस्तावित रूपरेखा तालिका 6A.2 से 6A.4 में दी गई है।

तालिका 6A.2 — मानक इनलेट प्रकारों का रजिस्टर (ढाँचा)

प्रकार कोड	विवरण	जाली का आकार या कर्ब ओपनिंग (mm)	कर्ब चैनल अवनमन (mm)	भार वर्ग	मानक ड्रॉइंग
_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 6A.3 — ढलान पर क्षमता (ढाँचा; प्रत्येक इनलेट प्रकार के लिए एक तालिका)

अनुप्रस्थ ढलान Sx (m/m)	अनुदैर्ध्य ढलान SL (m/m)	कर्ब चैनल प्रवाह Q (L/s)	फैलाव T (m)	स्वच्छ स्थिति में ग्रहीत प्रवाह (L/s)	अवरोध के बाद डिजाइन ग्रहीत प्रवाह (L/s)	बाईपास प्रवाह (L/s)
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 6A.4 — निचले बिंदु पर क्षमता (ढाँचा; प्रत्येक इनलेट प्रकार के लिए एक तालिका)

इनलेट पर रुके जल की गहराई (mm)	स्वच्छ क्षमता (L/s)	अवरोध गुणक (तालिका 6.5)	डिजाइन क्षमता (L/s)	प्रवाह की स्थिति (वियर, ऑरिफिस या संक्रमण)
_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____

परिशिष्ट 6B — गाद-जाल के आकार निर्धारण और तलछट प्रावधान के अंशांकन के लिए तलछट उत्पादन

अध्याय 6 के खंड 6.7.4, 6.7.8, 6.13.3 और 6.13.10 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में झारखंड की शहरी ड्रेनों के लिए भूमि उपयोग और ड्रेन के प्रकार के अनुसार तलछट उत्पादन (sediment yield) होगा, खंड 6.13.3 के गाद-जाल (silt trap) का आकार निर्धारित करने के लिए, और मापी गई गाद गहराइयों के सापेक्ष खंड 6.7.8 के तलछट प्रावधान का अंशांकन होगा। इसके लिए गाद निकालने (desilting) के अभिलेख (ड्रेन की प्रति लंबाई और प्रति जलग्रहण क्षेत्र हटाया गया आयतन या द्रव्यमान, तिथियों सहित), दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले और बाद के गाद-गहराई सर्वेक्षण, और जलग्रहण क्षेत्र के भूमि उपयोग और मिट्टी के आँकड़े आवश्यक हैं (आँकड़े और संभावित स्रोत: रांची नगर निगम और अन्य शहरी स्थानीय निकायों के गाद निकालने के अभिलेख, चैनलों के लिए WRD के अभिलेख, NRSC से भूमि आवरण, झारखंड मृदा सर्वेक्षण और NBSS&LUP से मिट्टी, IMD से वर्षा)। इसके प्रकाशित होने तक प्रत्येक गाद-जाल का आकार निर्धारित सफाइयों के बीच अपेक्षित तलछट के डिजाइनकर्ता द्वारा बताए गए अनुमान से तय करें, जो उसी ड्रेन या उसी स्थानीय निकाय की समान ड्रेनों के गाद निकालने के अभिलेखों पर आधारित हो, और मानी गई सफाई अवधि बताएँ; यह अवधि खंड 6.13.10 की वार्षिक मानसून-पूर्व गाद निकासी से अधिक लंबी नहीं होगी। इनलेट के गाद संप कम से कम 300 mm गहरे रहेंगे (खंड 6.6.7), और खंड 6.7.8 का तलछट प्रावधान बिना परिवर्तन के लागू होगा।

प्रस्तावित विधि एक सरल आयतन संतुलन है, जिसका प्रत्येक पद डिजाइन में बताया जाएगा:

$$V_{trap} = Y \cdot A \cdot t_c$$

जहाँ V_{trap} जाल के आउटलेट इनवर्ट के नीचे का तलछट भंडारण आयतन (m^3) है, Y जलग्रहण क्षेत्र के भूमि उपयोग और ड्रेन के प्रकार के लिए तलछट उत्पादन (m^3/ha प्रति वर्ष, प्रकाशित होने पर तालिका 6B.2 से) है, A जाल की ओर बहने वाले जलग्रहण क्षेत्र का क्षेत्रफल (ha) है, और t_c निर्धारित सफाई अवधि (वर्ष) है। परिशिष्ट में बताया जाएगा कि क्या कोई सुरक्षा मार्जिन जोड़ा जाता है।

तालिका 6B.1 — अध्याय 6 द्वारा पहले से निर्धारित तलछट प्रावधान (अनंतिम, अंशांकन किया जाना है)

अवयव	इनवर्ट पर तलछट प्रावधान	खंड
खुली और ढकी ड्रेन	75 mm और स्पष्ट आंतरिक गहराई के 10% में से जो अधिक हो	6.7.8(a)
600 mm या अधिक व्यास के पाइप	आंतरिक व्यास का 5%	6.7.8(b)
600 mm से कम के पाइप	कोई प्रावधान नहीं; खंड 6.7.3(a) का न्यूनतम वेग लागू	6.7.8(c)
ड्रेन और पाइप जो न्यूनतम वेग तक नहीं पहुँच सकते	प्रावधान दोगुना; यांत्रिक गाद निकासी के लिए पहुँच का प्रावधान	6.7.4(b), (c)
इनलेट के गाद संप	आउटलेट पाइप के इनवर्ट से कम से कम 300 mm नीचे	6.6.7

तालिका 6B.2 — भूमि उपयोग और ड्रेन के प्रकार के अनुसार तलछट उत्पादन (ढाँचा)

भूमि उपयोग या जलग्रहण क्षेत्र का प्रकार	ड्रेन का प्रकार	तलछट उत्पादन Y (m^3/ha प्रति वर्ष)	स्थूल घनत्व (t/m^3)	स्थानीय निकाय और प्रयुक्त अभिलेख	अभिलेख के वर्ष
_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 6B.3 — तलछट प्रावधान का अंशांकन (ढाँचा)

ड्रेन या पाइप ID	स्पष्ट आंतरिक गहराई या व्यास (mm)	खंड 6.7.8 के अंतर्गत प्रावधान (mm)	मानसून-पूर्व गाद निकासी से पहले मापी गई गाद गहराई (mm)	मानसून के अंत में मापी गई गाद गहराई (mm)	मापी गई गहराई और प्रावधान का अनुपात
_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____

परिशिष्ट 6C — मानक ड्रॉइंग: हटाने योग्य ढक्कनों वाली ढकी सड़क किनारे की ड्रेन, निरीक्षण कक्ष, गाद संप सहित इनलेट

अध्याय 6 के खंड 6.6, 6.7.6 से 6.7.10 और 6.13 के लिए, और अध्याय 9 के खंड 9.11 और 9.12 के लिए।

नीचे दी गई ड्रॉइंग योजनाबद्ध मानक ड्रॉइंग हैं। इनमें केवल वे आयाम दिखाए गए हैं जो अध्याय 6 और अध्याय 9 निर्धारित करते हैं। दीवार और स्लैब की मोटाई, सुदृढ़ीकरण (reinforcement), कंक्रीट ग्रेड और कंक्रीट आवरण (cover), कक्षों के प्लान आकार और फ्रेम के विवरण की डिजाइन में पुष्टि की जानी है: ये संरचनात्मक डिजाइन (खंड 9.1.2) और खंड 9.13 के अनावरण वर्ग से आते हैं। तालिका 6C.1 में दिखाए गए आयाम और उनके स्रोत खंड सूचीबद्ध हैं।

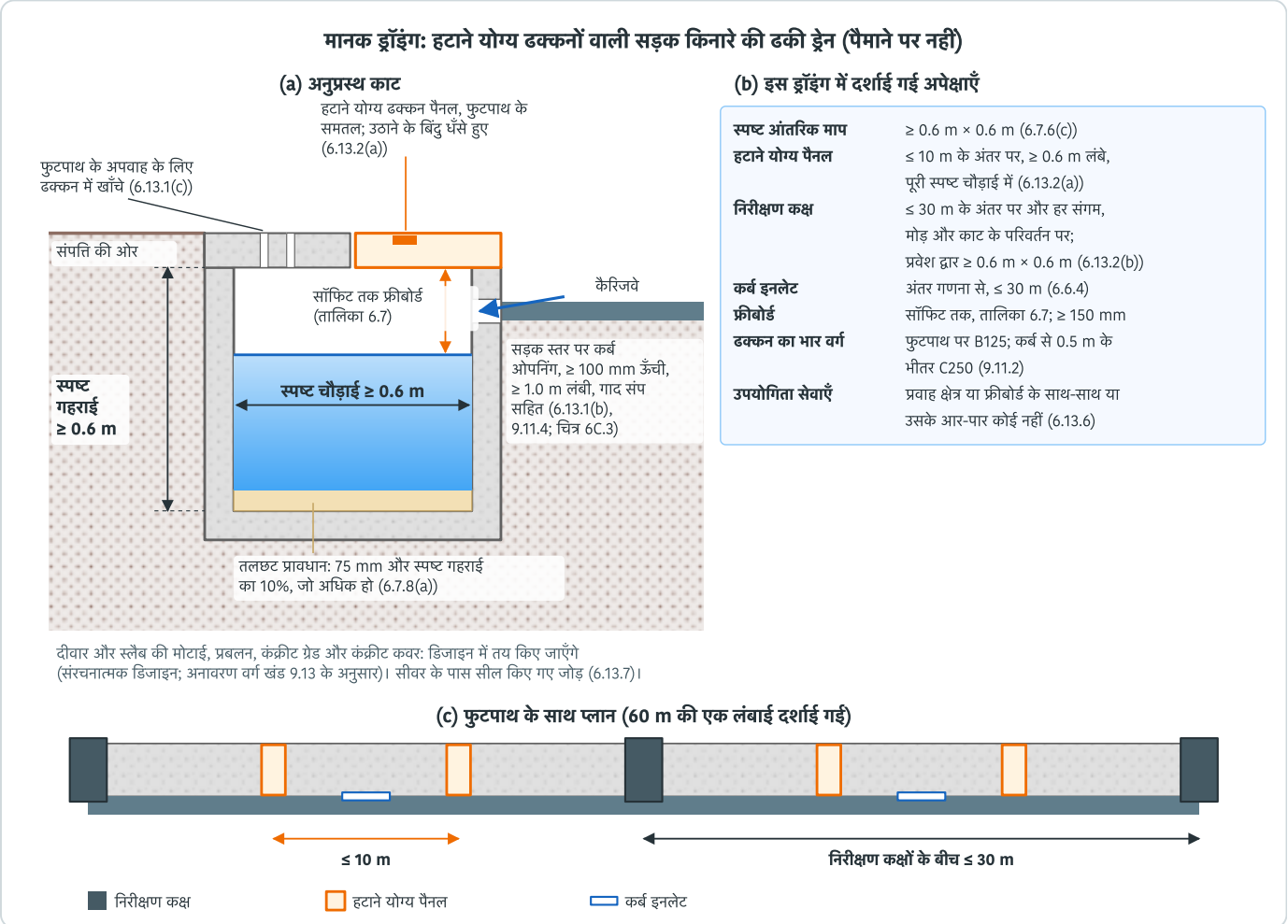

चित्र 6C.1 — मानक ड्रॉइंग: हटाने योग्य ढक्कनों वाली ढकी सड़क किनारे की ड्रेन, सड़क स्तर पर कर्ब इनलेट, फुटपाथ में स्लॉट, सॉफिट तक फ्रीबोर्ड और तलछट प्रावधान, तथा फुटपाथ के साथ ढक्कन पैनलों और निरीक्षण कक्षों का प्लान। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, CPHEEO, Manual on Storm Water Drainage Systems (2019), Chapter 5, और IRC:SP:50-2013 से रूपांतरित।

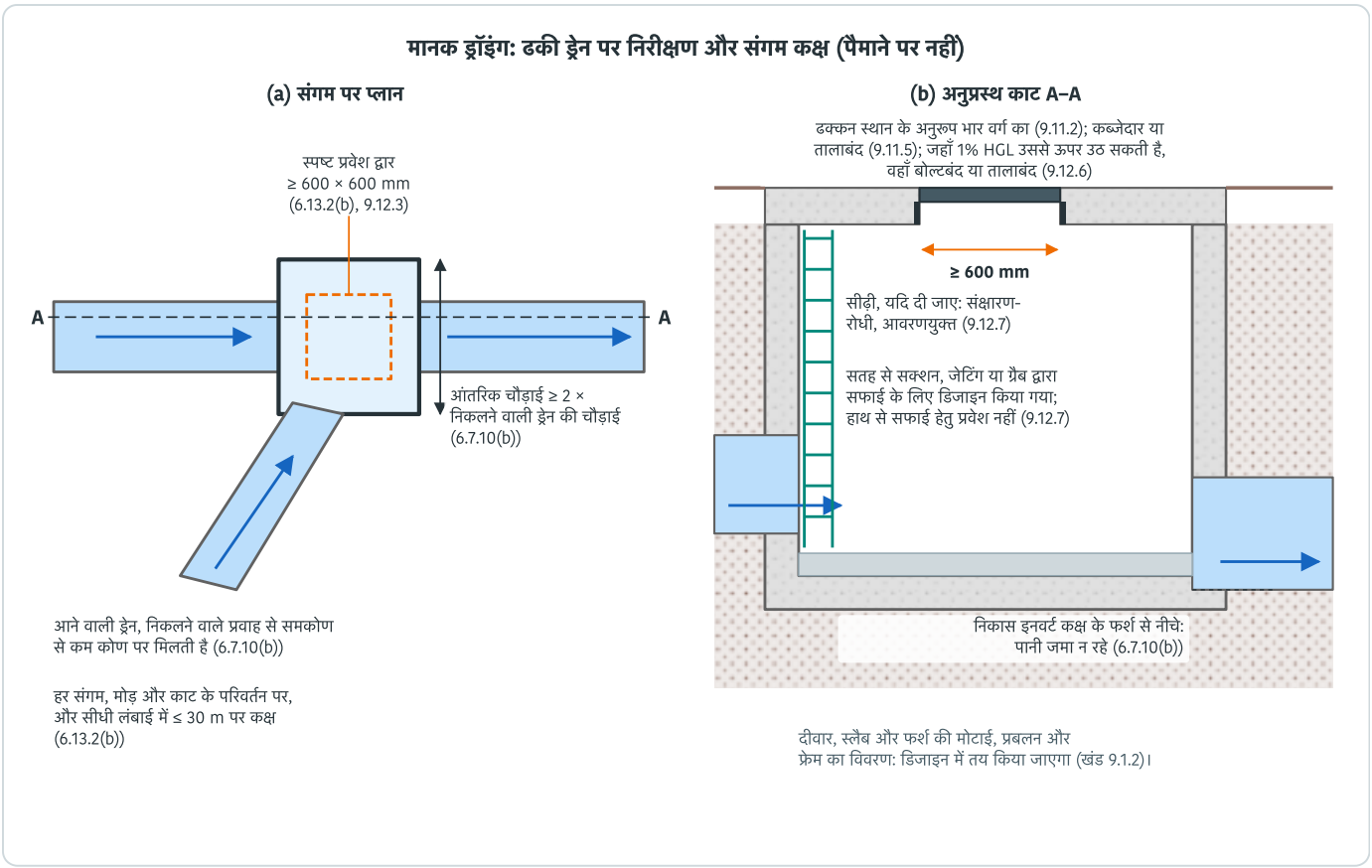

चित्र 6C.2 — मानक ड्रॉइंग: ढकी ड्रेन पर निरीक्षण और संगम कक्ष, स्पष्ट प्रवेश द्वार, संगम की चौड़ाई, आने वाली ड्रेन का प्रवेश कोण, कक्ष के फर्श से नीचे जाने वाला इनवर्ट, और ढक्कन की अपेक्षाओं सहित। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, CPHEEO, Manual on Storm Water Drainage Systems (2019), §5.3.4 और Chapter 11 से रूपांतरित।

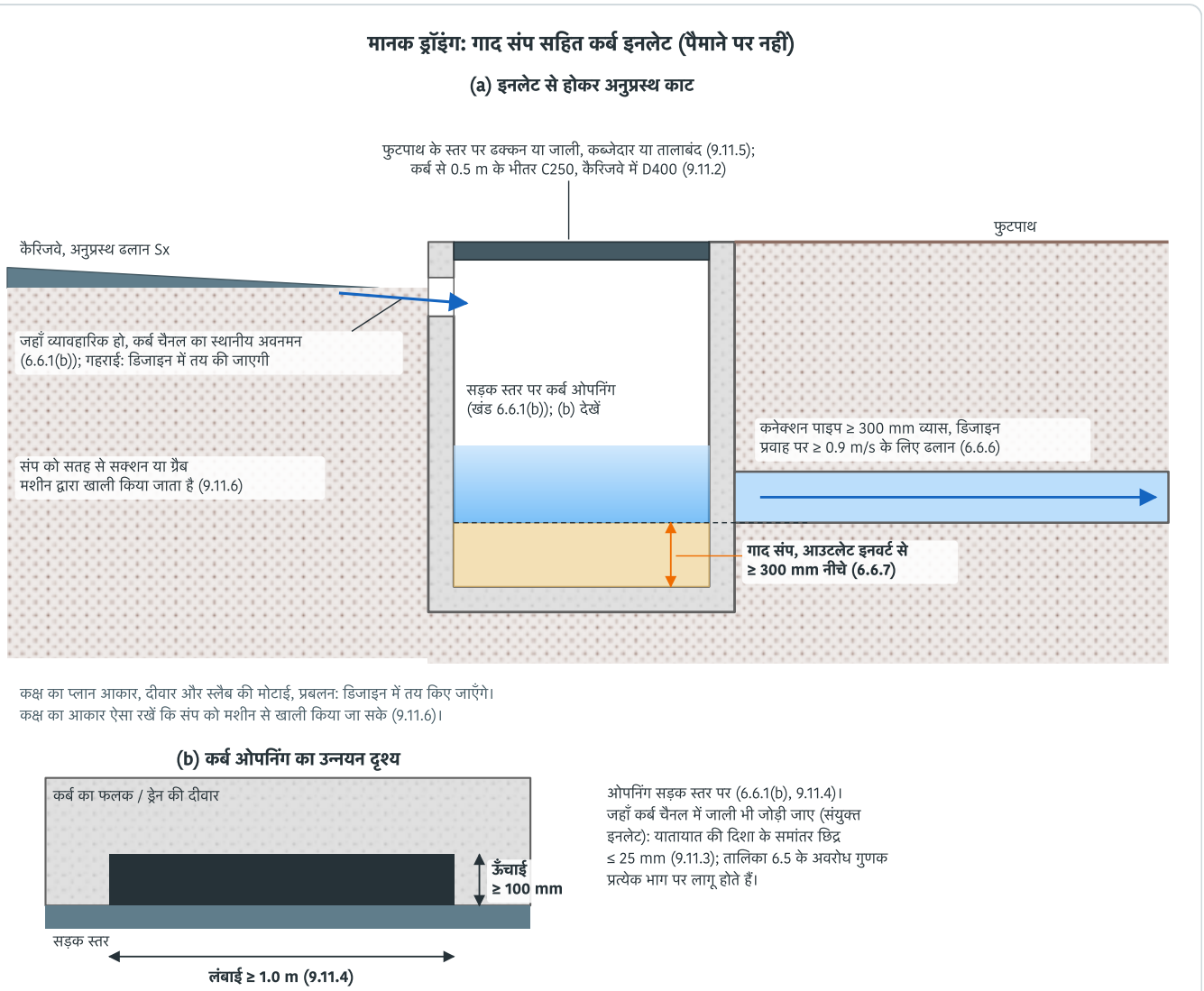

चित्र 6C.3 — मानक ड्रॉइंग: सड़क स्तर पर गाद संप, कनेक्शन पाइप और ढक्कन सहित कर्ब इनलेट, और कर्ब ओपनिंग का उन्नयन (elevation)। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, CPHEEO, Manual on Storm Water Drainage Systems (2019), Figure 5.9, और FHWA, HEC-22 Urban Drainage Design Manual (4th ed., 2024) से रूपांतरित।

तालिका 6C.1 — मानक ड्रॉइंग पर आयाम और उनके स्रोत खंड

ड्रॉइंग	मद	आयाम या नियम	खंड
6C.1	ढकी सार्वजनिक ड्रेन का स्पष्ट आंतरिक आकार	कम से कम 0.6 m चौड़ी और 0.6 m गहरी	6.7.6(c)
6C.1	ढक्कन के सॉफिट तक फ्रीबोर्ड	तालिका 6.7; किसी भी सड़क किनारे की ड्रेन के लिए 150 mm से कम नहीं	6.7.9, 6.13.1(a)
6C.1	तलछट प्रावधान	75 mm और स्पष्ट गहराई के 10% में से जो अधिक हो	6.7.8(a)
6C.1	हटाने योग्य ढक्कन पैनल	केंद्र से केंद्र 10 m से अधिक नहीं; प्रत्येक कम से कम 0.6 m लंबा और पूरी स्पष्ट चौड़ाई को ढकने वाला; धँसे हुए उठाने के बिंदु; फुटपाथ के समतल	6.13.2(a)
6C.1	फुटपाथ का अपवाह	ढक्कन में स्लॉट या जालीदार ओपनिंग के माध्यम से	6.13.1(c)

ड्रॉइंग	मद	आयाम या नियम	खंड
6C.1	कर्ब इनलेट	ड्रेन की दीवार में सड़क स्तर पर ओपनिंग, प्रत्येक में गाद संप; दूरी गणना द्वारा, 30 m से अधिक नहीं	6.13.1(b), 6.6.4
6C.1, 6C.2	निरीक्षण कक्ष	प्रत्येक संगम, मोड़ और खंड-परिवर्तन पर, और सीधे खंडों पर केंद्र से केंद्र 30 m से अधिक नहीं	6.13.2(b)
6C.2	स्पष्ट प्रवेश द्वार	कम से कम 0.6 m × 0.6 m (600 mm)	6.13.2(b), 9.12.3
6C.2	संगम कक्ष	आंतरिक चौड़ाई बाहर जाने वाली ड्रेन की चौड़ाई से कम से कम दोगुनी; आने वाली ड्रेन समकोण से कम कोण पर; बाहर जाने वाला इनवर्ट कक्ष के फर्श से नीचे	6.7.10(b)
6C.2	ढक्कन	स्थान के अनुसार भार वर्ग; कब्जेदार या ताला-बंद; जहाँ 1% AEP HGL ढक्कन से ऊपर उठ सकती है वहाँ बोल्ट से कसे या ताला-बंद	9.11.2, 9.11.5, 9.12.6
6C.2	सफाई	सतह से मशीन द्वारा; सीढ़ियाँ, जहाँ लगाई जाएँ, संक्षारण-रोधी और आवरणयुक्त	9.12.7
6C.3	कर्ब ओपनिंग	सड़क स्तर पर; स्पष्ट ऊँचाई कम से कम 100 mm; लंबाई कम से कम 1.0 m	6.6.1(b), 9.11.4
6C.3	गाद संप	आउटलेट पाइप के इनवर्ट से कम से कम 300 mm नीचे; सक्शन या ग्रैब मशीन से खाली किया जाए	6.6.7, 9.11.6
6C.3	कनेक्शन पाइप	कम से कम 300 mm व्यास; डिजाइन प्रवाह पर कम से कम 0.9 m/s	6.6.6
6C.3	संयुक्त इनलेट में जाली	यातायात के समानांतर ओपनिंग 25 mm से अधिक चौड़ी नहीं; प्रत्येक भाग पर तालिका 6.5 का अवरोध	9.11.3, 6.6.3
सभी	दीवार और स्लैब की मोटाई, सुदृढ़ीकरण, कंक्रीट ग्रेड और कंक्रीट आवरण, कक्ष का प्लान आकार, कर्ब चैनल अवनमन की गहराई	डिजाइन में पुष्टि की जानी है	9.1.2, 9.13

प्रपत्र 6-1 — वहन डिजाइन रिपोर्ट जाँच-सूची

अध्याय 6 के खंड 6.15 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. सांविधिक उपयोग के लिए नहीं।

इस जाँच-सूची को वहन डिजाइन रिपोर्ट के आरंभ में संलग्न करें। प्रत्येक मद के लिए हाँ, नहीं या लागू नहीं लिखें, और वह ड्रॉइंग या पृष्ठ लिखें जहाँ वह दिखाया गया है।

भाग A — परियोजना

तालिका 6F.1 — प्रपत्र 6-1, भाग A: परियोजना

क्षेत्र	प्रविष्टि
परियोजना का नाम और स्थान	_____
स्थानीय निकाय, और टियर A या टियर B (अध्याय 1)	_____
आवेदक	_____
डिजाइनकर्ता (नाम और पंजीकरण)	_____
सेवित कुल जलग्रहण क्षेत्र (ha)	_____
10% AEP लघु प्रणाली के लिए उच्च-घनत्व क्षेत्र की स्थिति (खंड 6.4.4)	_____
खंड 6.11.6 की तटीय पट्टी के भीतर (हाँ / नहीं)	_____
तिथि और संशोधन	_____

भाग B — खंड 6.15 द्वारा अपेक्षित विषय-वस्तु

तालिका 6F.2 — प्रपत्र 6-1, भाग B: खंड 6.15 द्वारा अपेक्षित विषय-वस्तु

क्र.	मद	खंड	प्रस्तुत (हाँ / नहीं / लागू नहीं)	ड्रॉइंग या पृष्ठ
1	जलग्रहण क्षेत्र का नक्शा: उप-जलग्रहण क्षेत्र, लघु प्रणाली, इनलेट के स्थान और 1% AEP प्रमुख प्रणाली के सतही प्रवाह मार्ग	6.3.2		
2	प्रत्येक अवयव के लिए लिया गया भूमि-उपयोग और सड़क-वर्ग AEP, और उच्च-घनत्व क्षेत्र की स्थिति	तालिका 6.1, 6.4.4		
3	अध्याय 2 के वर्षा पत्रक और अध्याय 3 की विधि सहित डिजाइन प्रवाह	6.3.4		
4	लघु, जाँच और 1% घटनाओं के लिए कर्ब चैनल फैलाव, गहराई और D·V की जाँच	तालिका 6.2, 6.3		
5	इनलेट अनुसूची: स्वच्छ क्षमता, अवरोध गुणक, डिजाइन क्षमता और बाईपास प्रवाह	6.6		
6	पाइप और ड्रेन डिजाइन तालिकाएँ: n, वेग, तलछट प्रावधान और फ्रीबोर्ड	6.7		

क्र.	मद	खंड	प्रस्तुत (हाँ / नहीं / लागू नहीं)	ड्रॉइंग या पृष्ठ
7	लघु और जाँच घटनाओं के लिए HGL प्रोफाइल, प्रयुक्त टेलवाटर सहित	6.8		
8	निचले बिंदुओं पर जल रुकने के स्तर, पूर्ण-अवरुद्ध जाँच सहित	6.10		
9	प्रत्येक भवन के लिए फर्श-स्तर अनुसूची	6.11		
10	पुलिया और क्रॉसिंग की गणनाएँ (प्रपत्र 9-1 सहित)	6.12, अध्याय 9		
11	उपयोगिता-क्रॉसिंग अनुसूची और ढकी ड्रेन के लिए प्रवेश द्वारों का लेआउट	6.13		

भाग C — डिजाइन आधार

तालिका 6F.3 — प्रपत्र 6-1, भाग C: डिजाइन आधार

क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
लिया गया लघु प्रणाली डिजाइन AEP	_____	तालिका 6.1
सड़क वर्ग और सड़क जल निकासी तथा क्रॉसिंग के लिए डिजाइन / जाँच AEP	_____	तालिका 6.1, 6.4.2
वर्षा का स्रोत और लगाया गया जलवायु गुणक	_____	6.3.4, अध्याय 2
विधि: रेशनल विधि (जलग्रहण क्षेत्र ≤ 16 ha, एकल अवयव) या रूटिंग सहित हाइड्रोग्राफ विधि	_____	6.3.4(a), (b)
प्रयुक्त न्यूनतम सांद्रण समय (10 मिनट से कम नहीं)	_____	6.3.4(c)
HGL के लिए आउटफॉल पर टेलवाटर (ज्वारीय आउटफॉल पर MHWS + 0.3 m, या प्राप्तकर्ता का स्तर)	_____	6.8.2
प्राकृतिक जलग्रहण क्षेत्रों के बीच प्रवाह का कोई स्थानांतरण (6.3.5 के अंतर्गत स्वीकार किए जाने के सिवाय कोई नहीं)	_____	6.3.5

भाग D — अनुपालन जाँचें

तालिका 6F.4 — प्रपत्र 6-1, भाग D: अनुपालन जाँचें

क्र.	जाँच	सीमा	खंड	अनुपालन (हाँ / नहीं / लागू नहीं)
D1	प्रत्येक इनलेट, निचले बिंदु, पाइप, ड्रेन, पुलिया और भंडारण अवयव का 1% AEP सतही मार्ग है	नक्शे पर दर्शाया गया	6.3.2	
D2	प्रमुख प्रणाली का प्रवाह = 1% AEP चरम प्रवाह घटा अवरोध के बाद लघु प्रणाली की क्षमता	प्रत्येक बिंदु पर परिकलित	6.3.3	
D3	लघु घटना में फैलाव	तालिका 6.2	6.5.2	
D4	जाँच और 1% घटनाओं में गहराई	सड़क के शीर्ष पर ≤ 150 mm; सबसे गहरे बिंदु पर ≤ 350 mm	तालिका 6.2	
D5	स्थान के अनुसार प्रवाह जोखिम (D·V)	तालिका 6.3	6.5.3	
D6	इनलेट अवरोध गुणक लगाए गए	तालिका 6.5	6.6.3	
D7	कर्बयुक्त सड़कों पर इनलेट की दूरी	≤ 30 m	6.6.4(a)	

क्र.	जाँच	सीमा	खंड	अनुपालन (हाँ / नहीं / लागू नहीं)
D8	निचले बिंदु के इनलेट की डिजाइन क्षमता ≥ पहुँचने वाला लघु डिजाइन प्रवाह; जहाँ अपेक्षित हो वहाँ पार्श्व इनलेट	—	6.6.5	
D9	इनलेट कनेक्शन पाइप और गाद संप	≥ 300 mm व्यास, ≥ 0.9 m/s; संप ≥ 300 mm	6.6.6, 6.6.7	
D10	मैनिंग n न्यूनतम डिजाइन मानों से कम नहीं	तालिका 6.6	6.7.2	
D11	लघु डिजाइन प्रवाह पर न्यूनतम वेग	ड्रेन 0.6 m/s; पाइप 0.9 m/s	6.7.3(a)	
D12	अधिकतम वेग और फ्रूड संख्या	पक्की ड्रेन और पाइप 3.0 m/s; Fr ≤ 0.8	6.7.3(b), (d)	
D13	जहाँ न्यूनतम वेग प्राप्त न हो सके: वेग दर्ज, तलछट प्रावधान दोगुना, गाद निकासी के लिए पहुँच का प्रावधान	—	6.7.4	
D14	पाइप का आकार पूर्ण-भरे पाइप की क्षमता के लिए, 0.95-गहराई के चरम के लिए नहीं	—	6.7.5	
D15	न्यूनतम आकार	पाइप 300 mm (सार्वजनिक मुख्य पाइप 450 mm); खुली ड्रेन का तल 0.3 m; ढकी सार्वजनिक ड्रेन 0.6 m × 0.6 m	6.7.6	
D16	पाइप के ऊपर मिट्टी का आवरण; जहाँ भूजल पाइप के शीर्ष से 1 m के भीतर हो वहाँ उत्प्लावन जाँच	≥ 0.6 m; कैरिजवे के नीचे ≥ 0.9 m	6.7.7	
D17	क्षमता में तलछट प्रावधान	6.7.8 के मान	6.7.8	
D18	फ्रीबोर्ड, मोड़ों पर अधि-उन्नयन सहित	तालिका 6.7	6.7.9	
D19	मोड़ों की त्रिज्या और संगम संप	6.7.10	6.7.10	
D20	सीधे खंडों पर मैनहोल की दूरी	तालिका 6.8	6.7.11	
D21	लघु घटना में HGL इनलेट रिम और मैनहोल ढक्कन से नीचे	≥ 0.3 m	6.8.3	
D22	भूमि से ऊपर सरचार्ज हो सकने वाले मैनहोल: बोल्ट से कसे या ताला-बंद ढक्कन	—	6.8.4	
D23	सॉफिट मिलाए गए या बाहर जाने वाला सॉफिट नीचे; बाहर जाने वाला इनवर्ट सबसे निचले आने वाले इनवर्ट से ऊपर नहीं	—	6.8.6	
D24	गेट और वाल्व की हानियाँ HGL में सम्मिलित; जहाँ अपेक्षित हो वहाँ निजी कनेक्शनों पर नॉन-रिटर्न वाल्व	—	6.8.7, 6.8.8	
D25	सड़कों से बाहर सतही प्रवाह मार्ग: चौड़ाई, स्वामित्व, कोई बाधा नहीं, सतत ढलान	≥ 1% शीर्ष चौड़ाई + प्रत्येक ओर 0.5 m, ≥ 3.0 m	6.9.2	
D26	मानचित्रित प्रवाह मार्गों के आर-पार चारदीवारी: ओपनिंग 50% अवरोध पर 1% प्रवाह पारित करें	—	6.9.3	
D27	≥ 2 m शीर्ष चौड़ाई वाली खुली ड्रेन के साथ पहुँच पट्टी	≥ 3.5 m, ≤ 500 m पर सड़क से जुड़ी	6.9.4	

क्र.	जाँच	सीमा	खंड	अनुपालन (हाँ / नहीं / लागू नहीं)
D28	जहाँ अपेक्षित हो वहाँ जल निकासी आरक्षित पट्टी: चौड़ाई, अलग भूखंड, कोई संरचना नहीं, चिह्नक, सेवाएँ, 2 m स्थिरता जाँच	तालिका 6.9	6.9.6–6.9.8	
D29	1% घटना में निचले बिंदु पर जल का रुकना, अतिप्रवाह मार्ग, और पूर्ण-अवरुद्ध जाँच	सबसे गहरे बिंदु पर ≤ 350 mm	6.10.2, 6.10.3	
D30	बंद निचले बिंदु और सड़क अंडरपास	6.10.4, 6.10.5	6.10.4, 6.10.5	
D31	फर्श स्तर	≥ 1% AEP स्तर + 0.5 m; जहाँ कोई स्तर परिकलित न हो वहाँ 6.11.3 के डिफॉल्ट	6.11.1–6.11.3	
D32	बेसमेंट और भवन सेवाएँ	6.11.4, 6.11.5	6.11.4, 6.11.5	
D33	तटीय पट्टी: फर्श ≥ 1% स्थिर जल स्तर + 2 × SLA (+ जहाँ लागू हो लहर उत्थान) + 0.5 m; बेसमेंट में कोई कक्ष या संयंत्र नहीं	—	6.11.6	
D34	पुलिया: डिजाइन AEP, ऊपर से बहना, 50% / 20% अवरोध जाँच, न्यूनतम आकार	≥ 900 mm	6.12	
D35	ढकी ड्रेन: हटाने योग्य पैनल और निरीक्षण कक्ष	≤ 10 m; ≤ 30 m	6.13.1, 6.13.2	
D36	गाद-जाल, बाईपास सहित जाली और 50% अवरोध जाँच	—	6.13.3, 6.13.4	
D37	ड्रेन के ऊपर कोई भवन नहीं; प्रवाह क्षेत्र या फ्रीबोर्ड में कोई उपयोगिता सेवा नहीं; विद्यमान क्रॉसिंग 50% अवरोध सहित घटाई गईं	—	6.13.5, 6.13.6	
D38	कोई सीवेज कनेक्शन नहीं; सीवर के पास सीलबंद जोड़; 1.0 m से अधिक गहरी खुली ड्रेन पर किनारा सुरक्षा	—	6.13.7, 6.13.8	
D39	आउटफॉल: टेलवाटर, 1% स्थिर जल स्तर से नीचे फ्लैप गेट या नॉन-रिटर्न वाल्व, आउटलेट सुरक्षा	—	6.14	

भाग E — विचलन

तालिका 6F.5 — प्रपत्र 6-1, भाग E: विचलन

खंड	पूरी न की गई अपेक्षा	कारण और प्रस्तावित विकल्प	अनुमोदनकर्ता और तिथि
_____	_____	_____	_____

भाग F — हस्ताक्षर

रिपोर्ट एक पंजीकृत पेशेवर द्वारा तैयार और हस्ताक्षरित की जाएगी, और पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-3) संलग्न किया जाएगा (अध्याय 10 के खंड 10.6.1 और 10.6.3)। जहाँ कोई संरचना जल निकासी आरक्षित पट्टी के किनारे से 2 m के भीतर स्थित हो, वहाँ स्थिरता डिजाइन पर एक योग्य संरचनात्मक अभियंता के हस्ताक्षर भी होंगे (खंड 6.9.8(f))।

तालिका 6F.6 — प्रपत्र 6-1, भाग F: हस्ताक्षर

भूमिका	नाम	पंजीकरण या सूचीबद्धता संख्या	हस्ताक्षर	तिथि
डिजाइनकर्ता	_____	_____	_____	_____
संरचनात्मक अभियंता (खंड 6.9.8(f), जहाँ लागू हो)	_____	_____	_____	_____

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0.

अध्याय 7 के परिशिष्ट

जलाशय, तालाब (पोखर) और सेटबैक

ये परिशिष्ट अध्याय 7 के लिए हैं। इनमें सूची के क्षेत्रों का विनिर्देश, नियत-चौड़ाई सेटबैक तालिका, प्रचालन नियम का एक टेम्पलेट, गाद निकालने और पुनर्स्थापन का विनिर्देश, जलाशयों के हिन्दी और उर्दू शब्दों की शब्दावली, और वे तीन प्रपत्र दिए गए हैं जिनकी अपेक्षा खंड 7.15 करता है। जहाँ कोई परिशिष्ट अभी पूरा नहीं किया जा सकता, वहाँ वह यह बताता है और तब तक उपयोग किया जाने वाला नियम देता है। प्रपत्र प्रारूप प्रपत्र हैं; टेम्पलेट और आदर्श पाठ सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु हैं और प्रवृत्त नहीं हैं।

परिशिष्ट 7A — राज्यव्यापी जलाशय GIS परत और सूची के क्षेत्र

अध्याय 7 के खंड 7.3.1, 7.3.3 और 7.3.5 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में खंड 7.3.1 द्वारा अपेक्षित जलाशयों की राज्यव्यापी GIS परत होगी, जिसे प्रत्येक प्राधिकारी WRD और राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के साथ तैयार करेगा। इसके लिए निम्नलिखित की आवश्यकता है: राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के राजस्व अभिलेख (खतियान (khatiyan)) और गाँव के मानचित्र, जिनमें तालाब (talab), बाँध (bandh), आहर (ahar), नाले और जल से ढकी भूमि अभिलिखित हैं, और लोक भूमि लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 (बिहार अधिनियम संख्या XV, 1956, झारखंड में यथालागू) के अंतर्गत संरक्षित है; झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 203 के अंतर्गत नगरपालिका में निहित सार्वजनिक तालाब और जलाशय, उनसे संलग्न उस भूमि सहित जो निजी संपत्ति नहीं है, और धारा 221 के अंतर्गत उसमें निहित सार्वजनिक ड्रेनें; किसी विकास योजना या जल निकासी योजना में दर्शाए गए प्राकृतिक जलमार्ग और ड्रेनें, जिन पर झारखंड भवन उपविधि, 2016 अनुमति पर रोक लगाती है (उपविधि 30.1), और सिंचाई विभाग द्वारा विहित नदी सीमाएँ (उपविधि 23); रांची मास्टर प्लान 2037 की कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के FTL से 20 m की रेखा और नदियों और प्राकृतिक नालों के साथ 10 m की पट्टी (शर्त 2.9), और जमशेदपुर और धनबाद के मास्टर प्लान के जलाशय; W.P.(PIL) No. 1463 of 2020 में झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल जलाशयों की सूचियाँ और विवरण; कोयला पट्टाधारियों की खनन योजनाएँ और खदान बंद करने की योजनाएँ, जो खदान के गड्ढे, जलाशय, अवसादन तालाब और गारलैंड ड्रेनें दर्शाती हैं; उधवा झील पक्षी अभयारण्य, रामसर स्थल, की और आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के अंतर्गत अधिसूचित किसी आर्द्रभूमि की सीमा (फरवरी 2025 तक कोई अधिसूचित नहीं की गई थी); और राज्य के कार्यक्रमों के अंतर्गत खोदे गए डोभों (dobha) और खेत के अन्य तालाबों के अभिलेख; FTL और MWL के साथ WRD और ग्राम पंचायत के तालाब रजिस्टर; एक साझा डेटम पर सर्वेक्षित स्तर; ISRO की राष्ट्रीय आर्द्रभूमि सूची और आकलन (NRSC); भारतीय सर्वेक्षण विभाग के स्थलाकृतिक मानचित्र; और न्यायालय के निर्देशों के अंतर्गत प्रकाशित जलाशयों की कोई सूची। इसके प्रकाशित होने तक, प्रत्येक आवेदक खंड 7.3.3 के सभी स्रोतों से जलाशयों की पहचान करता है, जिसमें बड़ा विस्तार लागू होता है, और उन्हें जलाशय पत्रक (प्रपत्र 7-1) पर अभिलिखित करता है।

नीचे दिया गया क्षेत्र-विनिर्देश पूर्ण है। इसे इस प्रकार लिखा गया है कि अध्याय जिस भी क्षेत्र की अपेक्षा करता है (खंड 7.3.1(a) से (g)) उसका एक परिभाषित नाम, प्रकार और स्रोत हो, और वही क्षेत्र किसी परियोजना के प्रपत्र 7-1 से भरे जा सकें।

7A.1 परतें

- **WB_POLY** — प्रत्येक जलाशय के लिए एक बहुभुज: राजस्व अभिलेख की सीमा (खंड 7.3.1(c))।
- **WB_FTL** — सर्वेक्षित FTL समोच्च रेखा (तालाब, झीलें, पोखर) या किनारे का शीर्ष (चैनल), बहुभुज या रेखा के रूप में।
- **WB_MWL** — प्रत्येक तालाब की MWL समोच्च रेखा, बहुभुज के रूप में।
- **WB_FLOOD** — जहाँ मानचित्रित हो, 1% AEP बाढ़ का विस्तार (खंड 7.3.1(f)), जहाँ निर्धारित हो वहाँ बाढ़ मार्ग सहित (खंड 7.6.1)।
- **WB_STRUCT** — सरप्लस वियरों, स्लूइसों, रेगुलेटरों, इनलेटों और ड्रेन आउटफॉलों के बिंदु।
- **WB_LINK** — आपूर्ति चैनलों, अतिरिक्त जल मार्गों और किसी शृंखला में तालाबों के बीच के संपर्कों की रेखाएँ (खंड 7.3.1(e))।
- **WB_ENCR** — ज्ञात अतिक्रमणों के बहुभुज, प्रत्येक अभिलिखित करने की तिथि सहित (खंड 7.3.1(g))।
- **WB_SETBACK** — जोन 1 और जोन 2 के बहुभुज (खंड 7.4), ऊपर की परतों से व्युत्पन्न।

सभी परतों में जलाशय पहचानकर्ता (WB_ID) होगा ताकि उन्हें जोड़ा जा सके। सभी स्तर एक ही डेटम पर बताए जाएँगे (खंड 7.3.5), जिसका नाम परत के मेटाडेटा में दिया जाएगा।

तालिका 7A.1 — जलाशय सूची के गुण क्षेत्र (WB_POLY)

क्षेत्र	प्रकार	इकाई / डोमेन	अनिवार्य	विषय-वस्तु	खंड
WB_ID	पाठ	जिला कोड + क्रम संख्या	हाँ	अद्वितीय पहचानकर्ता, कभी दोबारा उपयोग नहीं	7.3.1
WB_NAME	पाठ	—	हाँ	राजस्व और WRD अभिलेखों के अनुसार नाम, स्थानीय नाम सहित	7.3.1(a)
WB_NAME_HI	पाठ	देवनागरी लिपि	हाँ	हिन्दी में नाम	7.3.1(a)
WB_TYPE	कोड	तालिका 7A.2	हाँ	जलाशय का प्रकार	7.2, 7.3.1(a)
SURVEY_NOS	पाठ	गाँव, सर्वे और उप-विभाजन संख्याएँ	हाँ	जलाशय की राजस्व सर्वे संख्याएँ	7.3.1(a)
VILLAGE	पाठ	—	हाँ	राजस्व ग्राम, अंचल और जिला	7.3.1(a)
CUSTODIAN	कोड	तालिका 7A.2	हाँ	अभिरक्षक निकाय	7.3.1(b)
AREA_REC	संख्या	ha	हाँ	राजस्व अभिलेख सीमा के भीतर का क्षेत्रफल	7.3.1(c)
AREA_FTL	संख्या	ha	तालाब	FTL पर जल-फैलाव क्षेत्र, सर्वेक्षित	7.2, 7.3.1(d)
FTL	संख्या	m (डेटम)	तालाब	तालाब का पूर्ण जल स्तर	7.3.1(d)
MWL	संख्या	m (डेटम)	तालाब	अधिकतम जल स्तर (खंड 7.2 की परिभाषा)	7.3.1(d)
MWL_BASIS	कोड	WRD का अभिलेख / परिकलित 1% AEP	तालाब	MWL के लिए कौन-सा मान लागू है	7.2
TBL	संख्या	m (डेटम)	तालाब	बाँध का शीर्ष स्तर, सबसे निचला बिंदु	7.3.1(d)
WEIR_CREST	संख्या	m (डेटम)	तालाब	सरप्लस वियर का शिखर स्तर	7.3.1(d)
WEIR_LEN	संख्या	m	तालाब	सरप्लस वियर के शिखर की लंबाई	7.3.1(d)
WEIR_TYPE	पाठ	—	तालाब	सरप्लस वियर का प्रकार (उदाहरण के लिए नियत शिखर, शटर या फॉलिंग बोर्ड सहित)	7.3.1(d)

क्षेत्र	प्रकार	इकाई / डोमेन	अनिवार्य	विषय-वस्तु	खंड
SLUICE_N	पूर्णांक	—	तालाब	स्लूइसों की संख्या; विवरण WB_STRUCT में	7.3.1(d)
SUPPLY_CH	पाठ	WB_ID(s)	तालाब	तालाब को पानी देने वाले आपूर्ति चैनल	7.3.1(d)
SURPLUS_CS	पाठ	WB_ID(s)	तालाब	तालाब से निकलने वाले अतिरिक्त जल मार्ग	7.3.1(d)
UPSTR_WB	पाठ	WB_ID(s)	शृंखलाएँ	शृंखला में प्रतिप्रवाह के तालाब	7.3.1(e)
DNSTR_WB	पाठ	WB_ID	शृंखलाएँ	अनुप्रवाह का तालाब, नदी, ड्रेन या समुद्री आउटफॉल	7.3.1(e)
CATCH_AREA	संख्या	ha	चैनल	भाग (reach) के अनुप्रवाह छोर पर जल निकासी क्षेत्र (खंड 7.4.1(b) और तालिका 7.1 के 8 ha प्रारंभक मान के लिए)	7.4.1
DATUM	पाठ	—	हाँ	सभी स्तरों का डेटम; WRD के किसी पुराने डेटम से रूपांतरण	7.3.5
LEVEL_DATE	तिथि	—	तालाब	स्तर सर्वेक्षण की तिथि	7.7.1(a)
SSC_DATE	तिथि	—	तालाब	नवीनतम जल स्तर–भंडारण सर्वेक्षण की तिथि	7.7.1(b)
FLOOD_SRC	कोड	अंगीकृत मानचित्र / साइट अध्ययन / कोई नहीं	हाँ	1% AEP विस्तार का स्रोत	7.3.4
FLOODWAY	कोड	निर्धारित / संपूर्ण 1% विस्तार / MWL से नीचे	हाँ	बाढ़ मार्ग का आधार	7.6.1
ENCR_KNOWN	कोड	हाँ / नहीं	हाँ	ज्ञात अतिक्रमण; विवरण WB_ENCR में	7.3.1(g)
CREDITED	कोड	हाँ / नहीं	तालाब	खंड 7.7 के अंतर्गत गिना गया भंडारण, योजना के संदर्भ सहित	7.7.1
WETLAND	कोड	अधिसूचित / सूचीबद्ध / अन्य	आर्द्रभूमियाँ	खंड 7.12.1 के अंतर्गत स्थिति	7.12.1
SOURCES	पाठ	—	हाँ	प्रयुक्त स्रोत, खंड 7.3.3(a) से (e) की सूची में से	7.3.3
UPDATED	तिथि	—	हाँ	अंतिम संपादन की तिथि, और किसके द्वारा	7.3.1

तालिका 7A.2 — कोड सूचियाँ

कोड सूची	मान	खंड
WB_TYPE	नदी या मौसमी धारा; प्राकृतिक ड्रेन या नाला; नहर; जलाशय या डैम झील; तालाब या पोखर (talab, pokhar); बाँध; आहर; डोभा (खेत का तालाब); चुआँ या झरना; दलदल या निचली गीली भूमि; डूब क्षेत्र की आर्द्रभूमि या गर्त; खदान का गड्ढा या खदान झील; परित्यक्त खदान या बोरो पिट; आपूर्ति चैनल; अतिरिक्त जल मार्ग	7.2
CUSTODIAN	नगर निगम, परिषद या नगर पंचायत (नगरपालिका अधिनियम, धारा 203, 221); JUIDCO (परियोजना की परिसंपत्ति); RRDA, अन्य क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, MADA या IADA; जमशेदपुर का नागरिक निकाय या Tata Steel UISL (पट्टा क्षेत्र); WRD (प्रमंडल); DVC; टाटा स्टील (डिमना); ग्राम पंचायत; राजस्व (उपायुक्त, अंचल अधिकारी); खदान का पट्टाधारी (BCCL, CCL या अन्य; DGMS); झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण (अधिसूचित आर्द्रभूमि) या वन विभाग (उधवा रामसर स्थल); निजी स्वामी; अन्य (नाम)	7.3.1(b)
संरचना (WB_STRUCT)	सरप्लस वियर; स्लूइस; रेगुलेटर; इनलेट; ड्रेन आउटफॉल; स्थूल प्रदूषक जाल; क्रॉसिंग	7.3.1(d), 7.10
अतिक्रमण (WB_ENCR)	भवन; भराई; सड़क; दीवार; कचरा डालना; खेती; अन्य — प्रत्येक अभिलिखित करने की तिथि, क्षेत्रफल (m^2) और स्रोत सहित	7.3.1(g), 7.13

तालिका 7A.3 — संरचनाओं के गुण क्षेत्र (WB_STRUCT)

क्षेत्र	प्रकार	इकाई	विषय-वस्तु	खंड
STR_ID	पाठ	—	अद्वितीय पहचानकर्ता	7.3.1(d)
WB_ID	पाठ	—	सेवित जलाशय	7.3.1(d)
STR_TYPE	कोड	तालिका 7A.2	संरचना का प्रकार	7.3.1(d)
CREST_SILL	संख्या	m (डेटम)	वियर का शिखर या स्लूइस का सिल स्तर	7.7.1(a)
LENGTH_SIZE	पाठ	m	वियर के शिखर की लंबाई, या स्लूइस के खुले भाग का आकार	7.7.1(a)
GATED	कोड	हाँ / नहीं	नियंत्रणीय आउटलेट (बाढ़ कुशन के लिए आवश्यक, खंड 7.8.2(a))	7.8.2
CONDITION	कोड	सेवा योग्य / दोषपूर्ण	नवीनतम मानसून-पूर्व निरीक्षण का परिणाम, तिथि सहित	7.7.1(d), 7.14.4

परिशिष्ट 7B — नियत-चौड़ाई सेटबैक तालिका (विकल्प S-3, परिशिष्ट 1C के साथ)

अध्याय 7 के खंड 7.3.4, 7.4.3, 7.4.6 और 7.4.7 के लिए, और नीति अनुपूरक (परिशिष्ट 1C) के विकल्प S-3 के लिए।

7B.1 तालिका का उपयोग कब किया जा सकता है

नियत-चौड़ाई सेटबैक का उपयोग केवल वहीं किया जा सकता है जहाँ निम्नलिखित सभी लागू हों:

- (a) प्राधिकारी ने जलाशय के लिए 1% AEP बाढ़ विस्तार मानचित्र अंगीकार नहीं किया है (खंड 7.3.4);
- (b) खंड 7.3.4 आवेदक से हाइड्रोलिक अध्ययन द्वारा 1% AEP विस्तार निर्धारित करने की अपेक्षा नहीं करता: साइट बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में नहीं है, किसी जलाशय से सटी 1 ha या अधिक की साइट नहीं है, और प्राधिकारी ने अध्ययन की माँग नहीं की है; और
- (c) जलाशय ऐसा है जिस पर सेटबैक लागू होते हैं (खंड 7.4.1): कोई भी अभिलिखित या पाया गया जलाशय, और साइट पर 8 ha या अधिक क्षेत्र की निकासी करने वाला कोई भी प्राकृतिक चैनल।

जहाँ कोई प्राधिकारी खंड 1.7 के अंतर्गत विकल्प S-3 अंगीकार करता है, वहाँ नीचे की तालिका S-3 तालिका है। खंड 1.7.3(e) S-3 तालिका को राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति द्वारा जारी किए जाने का प्रावधान करता है। इसके जारी होने तक, मान खंड 7.4.6 के हैं, जिन्हें यहाँ बिना परिवर्तन दोहराया गया है।

तालिका 7B.1 — जलाशय वर्ग के अनुसार नियत-चौड़ाई सेटबैक (विकल्प S-3)

जलाशय वर्ग	साइट पर जल निकासी क्षेत्र	कुल सेटबैक (जोन 1 + जोन 2)	जिसमें से जोन 1	कहाँ से मापा जाए
चैनल, छोटा	8 ha से 65 ha	25 m	15 m	किनारे का शीर्ष (खंड 7.4.3)
चैनल, मध्यम	65 ha से 20 km²	40 m	15 m	किनारे का शीर्ष
चैनल, बड़ा, और नदियाँ	20 km² से अधिक	50 m	20 m	किनारे का शीर्ष
तालाब, झील या पोखर	कोई भी	MWL समोच्च रेखा + 25 m	MWL समोच्च रेखा तक, और FTL से 15 m से कम नहीं	FTL समोच्च रेखा (जोन 1); MWL समोच्च रेखा (कुल)

जलाशय वर्ग	साइट पर जल निकासी क्षेत्र	कुल सेटबैक (जोन 1 + जोन 2)	जिसमें से जोन 1	कहाँ से मापा जाए
दलदल, ज्वारनदमुख या पश्चजल	कोई भी	जैसा प्राधिकारी अधिसूचित करे, और 50 m से कम नहीं	15 m	खंड 7.13.1 की जलाशय सीमा

मान खंड 7.4.6 (तालिका 7.1) से। जोन 2 कुल सेटबैक में से जोन 1 घटाकर है।

7B.2 लागू करने के नियम

- (a) **मापन.** नक्शे पर क्षैतिज रूप से, खंड 7.13.1 की सीमा से बाहर की ओर मापें: राजस्व अभिलेख सीमा और सर्वेक्षित FTL (या किनारे का शीर्ष) में से जो बड़ा हो। जहाँ FTL और किनारे का शीर्ष दोनों लागू हों, वहाँ जिससे अधिक चौड़ा जोन बने उसका उपयोग करें (खंड 7.4.3)।
- (b) **जल निकासी क्षेत्र.** किसी चैनल के लिए, साइट से सटे भाग (reach) के अनुप्रवाह छोर पर जल निकासी क्षेत्र का उपयोग करें। जहाँ कोई भाग साइट के भीतर किसी वर्ग-सीमा को पार करता है, वहाँ साइट के भीतर के पूरे भाग पर अधिक चौड़ा सेटबैक लागू करें।
- (c) **दोनों किनारे.** सेटबैक किसी चैनल के प्रत्येक किनारे पर और किसी तालाब, झील, पोखर या दलदल के चारों ओर लागू होता है।
- (d) **इस मैनुअल द्वारा निर्धारित न्यूनतम.** जोन 1 कभी 15 m से कम नहीं होता (खंड 7.4.7)। अधिक चौड़ा सांविधिक या अनुमोदन सेटबैक उन उपयोगों के लिए लागू होता है जिन्हें वह प्रतिबंधित करता है (खंड 7.4.5)।
- (e) **दोनों में से अधिक कठोर.** जहाँ स्वेच्छा से हाइड्रोलिक अध्ययन किया जाता है, वहाँ सेटबैक तालिका 7B.1 और खंड 7.4.3 तथा 7.4.4 में से अधिक चौड़ा होता है।
- (f) **अभिलेख.** सेटबैक का आधार (नियत चौड़ाई) जलाशय पत्रक (प्रपत्र 7-1) पर और अनुमोदन में बताया जाएगा (खंड 7.4, प्रकटन)।
- (g) **समीक्षा.** प्राधिकारी द्वारा 1% AEP बाढ़ मानचित्र अंगीकार किए जाने के 2 वर्ष के भीतर तालिका की समीक्षा की जाएगी (खंड 7.16.1)।

7B.3 चैनल चौड़ाइयों का स्रोत

चैनल चौड़ाइयाँ इस मैनुअल द्वारा 2006 के कैनसस सिटी APWA के डिफॉल्ट धारा बफरों के संदर्भ में निर्धारित की गईं, ऊपर की ओर पूर्णांकित की गईं और 15 m के न्यूनतम पर सीमित की गईं (खंड 7.4.6, भाष्य)। अध्याय में उद्धृत स्रोत मान ये हैं:

तालिका 7B.2 — खंड 7.4.6 में उद्धृत स्रोत बफर (KC APWA 5600, 2006, §5605.3)

जल निकासी क्षेत्र (स्रोत, एकड़)	लगभग SI समतुल्य	स्रोत बफर
40 ac से कम	16 ha से कम	40 ft (12 m)
40–160 ac	16–65 ha	60 ft (18 m)
160–5,000 ac	65 ha – 20 km²	100 ft (30 m)
5,000 ac से अधिक	20 km² से अधिक	120 ft (37 m)

तालिका 7B.1 में 65 ha और 20 km² की वर्ग-सीमाएँ 160 ac और 5,000 ac के SI समतुल्य हैं। 8 ha की निचली सीमा APWA 2025.01 का 20 एकड़ का प्रारंभक मान है (खंड 7.4.1(b))।

परिशिष्ट 7C — तालाब प्रचालन नियम का टेम्पलेट, बाढ़ कुशन सहित

अध्याय 7 के खंड 7.7.1(c), 7.7.3, 7.8 और 7.14.4 के लिए।

सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु आदर्श पाठ। प्रवृत्त नहीं. WRD के नियंत्रण वाले तालाबों के लिए, प्रचालन नियम WRD का नियम है (खंड 7.8.4); यह टेम्पलेट वह विषय-वस्तु बताता है जिसकी अपेक्षा खंड 7.8 करता है, ताकि अभिरक्षक के नियम की इससे जाँच की जा सके। वर्गाकार कोष्ठकों में दिया गया पाठ प्रत्येक तालाब के लिए पूरा किया जाना है।

7C.1 पहचान

1. तालाब: [नाम, परिशिष्ट 7A का WB_ID, गाँव, अंचल, जिला]।
2. अभिरक्षक: [WRD प्रमंडल / ULB / ग्राम पंचायत / अन्य]।
3. शृंखला में स्थिति: प्रतिप्रवाह के तालाब [ ]; अनुप्रवाह का तालाब, नदी या ड्रेन [ ]।
4. डेटम: [ ]। सर्वेक्षित स्तर (खंड 7.7.1(a)), सर्वेक्षण की तिथि [ ]: FTL [ ] m; MWL [ ] m; TBL (सबसे निचला बिंदु) [ ] m; सरप्लस वियर का शिखर [ ] m, लंबाई [ ] m; स्लूइस सिल [ ] m।
5. जल स्तर–भंडारण वक्र (खंड 7.7.1(b)): सर्वेक्षण की तिथि [ ]; अनुसूची 1 के रूप में संलग्न।
6. नियंत्रणीय आउटलेट (खंड 7.8.2(a)): [गेटयुक्त स्लूइस / रेगुलेटर / कोई नहीं]; FTL पर क्षमता [ ] m^3/s।

7C.2 प्रयोजन और प्राथमिकता

7. तालाब [[ ] ha के कमान क्षेत्र की सिंचाई / पेयजल आपूर्ति / पुनर्भरण / बाढ़ भंडारण] के लिए है। सिंचाई और जल आपूर्ति प्राथमिक बनी रहती हैं जब तक कि अभिरक्षक अन्यथा अभिलिखित न करे (खंड 7.8.2(d))।

7C.3 वर्ष भर के स्तर और तिथियाँ (खंड 7.8.1(a))

8. तालाब का संचालन तालिका 7C.1 के स्तरों के अनुसार किया जाएगा।

तालिका 7C.1 — अवधि के अनुसार नियम स्तर (प्रत्येक तालाब के लिए पूरी की जानी है)

अवधि	लक्ष्य स्तर (m)	ऊपरी सीमा (m)	निचली सीमा (m)	प्रयोजन
[1 जनवरी – तिथि]	[ ]	FTL	[ ]	सिंचाई / आपूर्ति के लिए पानी रोके रखना
[तिथि – कुशन अवधि का आरंभ]	[ ]	FTL	[ ]	पानी रोके रखना
[बाढ़ कुशन अवधि, यदि कोई हो]	कुशन स्तर [ ]	कुशन स्तर [ ]	[ ]	बाढ़ कुशन (खंड 7.8.2)
[कुशन अवधि का अंत – 31 दिसंबर]	[ ]	FTL	[ ]	फिर से भरना

9. जहाँ कोई बाढ़ कुशन नहीं रखा जाता, वहाँ डिजाइन के लिए प्रारंभिक स्तर FTL है (खंड 7.7.3) और कुशन अवधि वाली पंक्ति हटा दी जाती है।

7C.4 बाढ़ कुशन (खंड 7.8.2)

10. कुशन स्तर: [ ] m, जो FTL से [ ] m नीचे है, जिससे अनुसूची 1 के अनुसार [ ] m^3 का कुशन आयतन मिलता है।
11. तिथियाँ: कुशन [ ] से [ ] तक लागू होता है।
12. जल स्तर घटाना: तालाब का जल स्तर [आउटलेट] से होकर [ ] घंटों में FTL से कुशन स्तर तक घटाया जा सकता है, ऐसे निकास के साथ जो पैरा 18 की अधिकतम निकास दर से अधिक न हो।
13. विश्वसनीयता: अभिलेख [वर्ष] पर सतत सिमुलेशन (खंड 3.13) दर्शाता है कि कुशन [ ]% दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुओं में डिजाइन वर्षा घटना के आरंभ में उपलब्ध है, जो कम से कम 90% होगा। सिमुलेशन रिपोर्ट अनुसूची 2 है।

14. उपज: अभिरक्षक अनुसूची 3 में बताई गई सिंचाई या आपूर्ति उपज की हानि [और वहाँ अभिलिखित क्षतिपूर्ति] स्वीकार करता है।
15. जहाँ तालाब में कोई नियंत्रणीय आउटलेट नहीं है, वहाँ यह भाग लागू नहीं होता और कोई बाढ़ कुशन नहीं माना जाता (खंड 7.8.3)।

7C.5 पानी छोड़ना (खंड 7.8.1(b) से (d))

16. प्रत्येक स्तर पर स्लूइस और रेगुलेटर की सेटिंग: तालिका 7C.2।
17. संचालक: स्लूइस और रेगुलेटर [पद] द्वारा संचालित किए जाते हैं। [ ] m^3/s से अधिक पानी छोड़ने का आदेश केवल [पद] द्वारा, या आपात स्थिति में [पद] द्वारा, दिया जा सकता है।
18. अधिकतम निकास दर: [ ] m^3/s। यह दर, अनुप्रवाह के जलग्रहण क्षेत्र के प्रवाह के साथ मिलकर, अनुप्रवाह की ओर भवनों में बाढ़ नहीं लाती (अनुसूची 4 में अनुप्रवाह की जाँच दी गई है)।
19. कोई व्यक्ति अभिरक्षक की आपातकालीन प्रक्रिया के सिवाय बाँध या सरप्लस वियर को नहीं काटेगा, नीचा नहीं करेगा या नहीं तोड़ेगा (खंड 7.14.5)।

तालिका 7C.2 — स्तर के अनुसार आउटलेट की सेटिंग (प्रत्येक तालाब के लिए पूरी की जानी है)

तालाब का स्तर (m)	स्लूइस 1	स्लूइस 2	रेगुलेटर	अपेक्षित बहिर्वाह (m^3/s)	टिप्पणियाँ
कुशन स्तर से नीचे	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	
कुशन स्तर से FTL तक	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	
FTL (वियर से पानी छलकना आरंभ)	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	
FTL से ऊपर MWL तक	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	TBL तक फ्रीबोर्ड की जाँच करें (खंड 7.7.4(b))

7C.6 पूर्वानुमान, चेतावनियाँ और संवाद (खंड 7.8.1(e) और (f))

20. प्रारंभक और कार्रवाइयाँ तालिका 7C.3 में हैं।
21. इस नियम के अंतर्गत कोई भी पानी छोड़ने से पहले, संचालक अनुप्रवाह के ULB और जिला प्रशासन को, और अनुसूची 5 में बताए गए साधनों से निवासियों को, जहाँ पूर्वानुमान अनुमति दे वहाँ पानी छोड़ने से कम से कम [ ] घंटे पहले सूचित करेगा।

तालिका 7C.3 — प्रारंभक और कार्रवाइयाँ (प्रत्येक तालाब के लिए पूरी की जानी है)

प्रारंभक	स्रोत	कार्रवाई	किसके द्वारा
जलग्रहण क्षेत्र के लिए IMD की जिला भारी वर्षा की चेतावनी	IMD	गेज हर [ ] घंटे पढ़ें; जाँचें कि आउटलेट अवरोध-मुक्त हैं; पुष्टि करें कि तालाब अपने नियम स्तर पर या उससे नीचे है	[ ]
IMD या JSDMA का रेड अलर्ट	IMD, JSDMA	अधिकतम निकास दर के भीतर, नियम स्तर तक पहुँचने के लिए आवश्यक पानी छोड़ना आरंभ करें; अनुप्रवाह के निकायों को सूचित करें (पैरा 21)	[ ]
शहर की पूर्वानुमान प्रणाली की चेतावनी, जहाँ उपलब्ध हो	[ ]	[ ]	[ ]
तालाब का स्तर FTL तक पहुँचता है	गेज	प्रति घंटे बहिर्वाह अभिलिखित करें; बाँध और वियर का निरीक्षण करें	[ ]
तालाब का स्तर [MWL − [ ] m] तक पहुँचता है	गेज	आपातकालीन प्रक्रिया; किसी आपातकालीन कार्य योजना के तटबंध टूटने से प्रभावित क्षेत्र को चेतावनी (खंड 7.14.3(c))	[ ]

7C.7 अभिलेख और समीक्षा (खंड 7.8.1(g))

22. दक्षिण-पश्चिम मानसून (10 जून से 20 अक्तूबर) के दौरान संचालक प्रतिदिन अभिलिखित करेगा: तालाब का स्तर, छोड़ा गया प्रत्येक पानी (समय, दर और अवधि), और गेट की प्रत्येक सेटिंग। दक्षिण-पश्चिम मानसून के बाहर, अभिलेख [साप्ताहिक] रखे जाएँगे।
23. अभिलेख O&M योजना (अध्याय 10) के साथ रखे जाएँगे और माँगे जाने पर प्राधिकारी को दिए जाएँगे।
24. तालाब का निरीक्षण दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले (31 मई तक) और प्रत्येक भारी वर्षा की घटना के बाद किया जाएगा (खंड 7.14.4)।
25. इस नियम की समीक्षा ऐसी किसी भी घटना के बाद की जाएगी जिसमें तालाब [ ] m से ऊपर के स्तर पर उफना, वियर, स्लूइसों या बाँध में किसी भी परिवर्तन के बाद (खंड 7.7.6), और हर स्थिति में मैनुअल की समीक्षा के साथ।

अनुसूचियाँ: 1 जल स्तर–भंडारण वक्र; 2 सतत सिमुलेशन रिपोर्ट; 3 उपज और क्षतिपूर्ति; 4 अधिकतम निकास की अनुप्रवाह जाँच; 5 संवाद सूची।

परिशिष्ट 7D — गाद निकालने और पुनर्स्थापन का विनिर्देश

अध्याय 7 के खंड 7.7.1(b), 7.9 और 7.14.4 के लिए।

यह विनिर्देश खंड 7.9 के अंतर्गत किसी तालाब, पोखर या अन्य जलाशय से गाद निकालने, उसके पुनर्स्थापन या उसे गहरा करने के प्रत्येक कार्य पर लागू होता है। मान अध्याय 7 के हैं। जहाँ अध्याय कोई मान निर्धारित नहीं करता, वहाँ उसे "डिजाइन में पुष्टि की जानी है" के रूप में चिह्नित किया गया है और उसे कार्यों के डिजाइन में बताया जाएगा।

7D.1 कार्य-पूर्व सर्वेक्षण (खंड 7.9.1)

- (a) जल-फैलाव क्षेत्र, अग्रतट (MWL समोच्च रेखा तक), बाँध, सरप्लस वियर और स्लूइसों का **स्थलाकृतिक और जल-गहराई (बैथिमेट्रिक) सर्वेक्षण**, खंड 7.3.5 के डेटम पर स्तरांकित। सर्वेक्षण ग्रिड और बिंदु घनत्व: डिजाइन में पुष्टि की जानी है।
- (b) **मूल तल स्तर**, ग्रिड पर परीक्षण गड्ढों या ऑगरिंग से (ग्रिड अंतराल की पुष्टि डिजाइन में की जानी है), और जहाँ उपलब्ध हों वहाँ ऐतिहासिक अभिलेखों से ज्ञात किया जाए। प्रत्येक गड्ढे के लॉग में गाद की मोटाई, मूल तल का स्तर, और उसके नीचे चिकनी मिट्टी या गाद की कोई परत दर्शाई जाएगी।
- (c) जहाँ तालाब में शहरी अपवाह या सीवेज आता है, वहाँ **गाद परीक्षण**: (b) के गड्ढों से नमूने, जिनका निपटान की योजना बनाने से पहले भारी धातुओं और अन्य संदूषकों के लिए परीक्षण किया जाए। प्राचल और सीमाएँ वे होंगी जिनका निर्देश झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (JSPCB) दे।
- (d) **संरचनाएँ:** बाँध (रिसाव, खिसकाव, दरारें, जानवरों के बिल, पेड़), सरप्लस वियर और स्लूइसों की स्थिति, जैसा खंड 7.14.4 में है।
- (e) (a) के सर्वेक्षण से **विद्यमान जल स्तर–भंडारण वक्र**।

7D.2 खुदाई की सीमाएँ (खंड 7.9.2 और 7.9.3)

- (a) गाद निकालने में जमा तलछट को 7D.1(b) के मूल तल स्तर तक हटाया जाता है, उससे अधिक गहरा नहीं।
- (b) मूल तल से नीचे गहरा करना केवल ऐसी जल-भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के साथ जो खंड 7.9.3(a) से (c) में से प्रत्येक को दर्शाए।
- (c) सबसे निचले स्लूइस सिल से नीचे बनाया गया भंडारण बाढ़ भंडारण नहीं है, और संशोधित जल स्तर–भंडारण वक्र में उसे ऐसे नहीं दर्शाया जाएगा।
- (d) खुदाई बाँध के निचले सिरे (toe) से डिजाइन में पुष्टि की जाने वाली दूरी तक दूर रहेगी, ताकि बाँध की स्थिरता कम न हो।

7D.3 किनारे और सुरक्षा (खंड 7.9.4)

जहाँ जनता की पहुँच किनारे तक है:

- (a) **FTL से 0.5 m ऊपर** से **FTL से 1.2 m नीचे** तक किनारे के ढलान **1V:4H** से अधिक खड़े न हों; या
- (b) **FTL से 0.3 m और 0.5 m नीचे** के बीच कम से कम **3 m** चौड़ी समतल सुरक्षा बेंच हो; और
- (c) तल में कोई अलग-थलग गहरा गड्ढा या खड़ी कटान न छोड़ी जाए। मिट्टी निकालने के गड्ढों को तल के बराबर फिर से समतल किया जाएगा।

7D.4 भंडारण कम नहीं होगा (खंड 7.9.5)

- (a) जल-फैलाव क्षेत्र या अग्रतट के भीतर द्वीप, पैदल मार्ग, जल-फैलाव क्षेत्र में बाँध का चौड़ीकरण, रिंग रोड, पार्किंग, भवन और झील-तट प्लेटफॉर्म खोया हुआ भंडारण हैं।
- (b) खोए हुए भंडारण की प्रतिपूर्ति प्रपत्र 7-3 का उपयोग करते हुए, पट्टी-दर-पट्टी, समतुल्य स्तरों पर प्रतिपूरक भंडारण द्वारा की जाएगी।

7D.5 गाद का प्रबंधन और निपटान (खंड 7.9.6)

- (a) निकाली गई सामग्री को सेटबैक के भीतर, बाँध पर (अनुमोदित बाँध सुदृढ़ीकरण के सिवाय), या किसी बाढ़ मार्ग पर नहीं रखा जाएगा।
- (b) संदूषित गाद का निपटान झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (JSPCB) के निर्देशानुसार किया जाएगा।
- (c) ढुलाई मार्ग और अस्थायी ढेर खंड 8.12 के निर्माण के दौरान अपरदन और तलछट नियंत्रण के नियमों की अपेक्षाएँ पूरी करेंगे, जिसमें ढेर जोन 1 के बाहर रखना शामिल है।

7D.6 इनलेट (खंड 7.9.7)

शहरी अपवाह लाने वाले प्रत्येक इनलेट पर अध्याय 8 (परिशिष्ट 8D) के अंतर्गत डिजाइन किया गया तलछट फोरबे, निर्मित आर्द्रभूमि का इनलेट जोन या स्थूल प्रदूषक जाल होगा।

7D.7 समय (खंड 7.9.8)

गाद निकालने का कार्य, और जलाशय को सुरक्षित बनाने का कार्य, **31 मई** तक पूरा किया जाएगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान कोई खुदाई खुली नहीं छोड़ी जाएगी, और कोई स्लूइस या वियर विघटित अवस्था में नहीं छोड़ा जाएगा।

7D.8 समापन अभिलेख

- (a) यथा-निर्मित सर्वेक्षण और संशोधित जल स्तर–भंडारण वक्र। यह वही वक्र है जिसकी अपेक्षा खंड 7.7.1(b) "पिछली बार गाद निकालने के बाद" करता है।
- (b) हटाया गया आयतन, उसके निपटान का स्थल, और गाद परीक्षण के परिणाम।
- (c) बाँध, वियर, स्लूइसों और इनलेट कार्यों के फोटोग्राफ।
- (d) सूची के अभिलेख का अद्यतन (परिशिष्ट 7A: SSC_DATE, LEVEL_DATE, CONDITION)।

तालिका 7D.1 — गाद निकालने और पुनर्स्थापन कार्यों के लिए रोक बिंदु

रोक बिंदु	जाँच	खंड
1. खुदाई से पहले	कार्य-पूर्व सर्वेक्षण, गड्ढों के लॉग, गाद परीक्षण, और गहरा करने की स्थिति में जल-भूवैज्ञानिक रिपोर्ट	7.9.1, 7.9.3
2. मूल तल तक पहुँचना	गड्ढों के लॉग से स्तरों की जाँच; अनुमोदन के बिना मूल तल से नीचे कोई खुदाई नहीं	7.9.2
3. किनारों का निर्माण	7D.3 के अनुसार किनारे के ढलान या सुरक्षा बेंच	7.9.4
4. इनलेट कार्य	फोरबे, आर्द्रभूमि का इनलेट जोन या GPT निर्मित	7.9.7
5. समापन (31 मई तक)	यथा-निर्मित सर्वेक्षण, जल स्तर-भंडारण वक्र, गाद निपटान का अभिलेख	7.9.8, 7.7.1(b)

परिशिष्ट 7E — जलाशयों के हिन्दी और उर्दू शब्दों तथा क्षेत्रीय रूपों की शब्दावली

अध्याय 7 के खंड 7.2 और खंड 7.3 के लिए।

नीचे दिए गए शब्द झारखंड में प्रयुक्त जलाशयों, ड्रेनों और भूमि के हिन्दी और उर्दू शब्द हैं, जो देवनागरी में और, जहाँ प्लैट्स (Platts) देते हैं, उर्दू लिपि में दिए गए हैं। राज्य की अपनी भाषाएँ (नागपुरी या सादरी, खोरठा, संथाली, मुंडारी, कुड़ुख, हो और अन्य) इनमें से अनेक शब्दों का क्षेत्रीय रूपों और अर्थों के साथ प्रयोग करती हैं, और इनमें से कई शब्द स्थानों, जलाशयों और नालों के नामों में आते हैं (बड़ा तालाब, अरगोड़ा नाला, उधवा नाला)। प्रत्येक जलाशय के लिए राजस्व, WRD, नगरपालिका या खदान के अभिलेख में प्रयुक्त नाम को सूची (परिशिष्ट 7A) में इस मैनुअल के शब्द के साथ अभिलिखित किया जाना चाहिए। तालिका 7E.1 से 7E.3 में केवल वे शब्द दिए गए हैं जिनके अर्थ की पुष्टि J. T. Platts, *A Dictionary of Urdu, Classical Hindi, and English* (1884) में, या श्यामसुंदर दास (Syamasundara Dasa), *हिंदी शब्दसागर* (*Hindi Shabdasagara*) (1965–1975) में, दोनों डिजिटल साउथ एशिया लाइब्रेरी पर उपलब्ध रूप में, या किसी कानून, अधिसूचना या आधिकारिक दिशानिर्देश में हुई; अर्थ प्लैट्स के अंग्रेजी अर्थ-विवरण हैं (उद्धरण-चिह्नों में अंग्रेजी में, उनके हिन्दी अनुवाद के साथ), या शब्दसागर का अनुवाद, डिजिटल साउथ एशिया लाइब्रेरी द्वारा दर्शाए गए पृष्ठ के साथ, और आधुनिक प्रयोग अधिक सीमित या अधिक व्यापक हो सकता है। **इस मैनुअल के लिए कोई नागपुरी, खोरठा, संथाली, मुंडारी या कुड़ुख शब्दकोश नहीं देखा गया**, इसलिए इन शब्दों के क्षेत्रीय अर्थों की, और डोभा (dobha), दाड़ी (dari) और जोर (jor) शब्दों की, पुष्टि नहीं हुई है; वे तालिका 7E.4 में अभी असत्यापित के रूप में सूचीबद्ध हैं। आधुनिक राजस्व, WRD और नगरपालिका प्रयोग के साथ और क्षेत्रीय शब्दकोशों की सहायता से इस सूची का विस्तार राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति द्वारा किया जाना है।

इस मैनुअल में झारखंड के तालाब (tank) या पोखर (pond) के लिए शब्द **तालाब (talab)** है, और पोखर (pokhar) इसका पर्याय है: तालाब राज्य के अपने शहरी स्रोतों का शब्द है (रांची का बड़ा तालाब, धनबाद का लोको तालाब (Loco talab)), जिसका अर्थ-विवरण प्लैट्स "Pond, pool, tank, reservoir of water" देते हैं; बाँध (bandh) तटबंध या डैम के लिए सही शब्द है, पर रोजमर्रा की बोली में हड़ताल या बंद का अर्थ भी देता है, इसलिए अपने आप में अस्थायी भंडारण तालाब के लिए यह कमजोर शब्द है; और डोभा (dobha) राज्य के कार्यक्रम के खेत के छोटे तालाब का नाम है, शहरी भंडारण का नहीं। इस मैनुअल में बाँध, आहर, डोभा, चुआँ और नाला अपने-अपने अर्थ बनाए रखते हैं।

तालिका 7E.1 — जलाशय

शब्द	अर्थ	शब्द का स्रोत	मैनुअल का शब्द (खंड 7.2)
तालाब / تالاب (tālāb; talab)	तालाब, जलकुंड, हौज, पानी का भंडार (= talā'o; तुलना करें tāl) ("Pond, pool, tank, reservoir of water [= talā'o ; cf. tāl]"); शब्दसागर में, "जलाशय; झील; पोखरा" ("a reservoir; a lake; a pond [pokhra]")	प्लैट्स, पृ. 306; शब्दसागर, पृ. 2071	तालाब (tank या pond), खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ देखें
पोखर, पोखरा / پوکھر (pokhar, pokhrā; pokhar)	तालाब, जलकुंड, सरोवर, झील ("A pond, pool, tank, lake"); शब्दसागर में, "[संस्कृत पुष्कर से] तालाब; पोखरा" ("[from Sanskrit pushkar] a talab; a pokhra")	प्लैट्स, पृ. 280; शब्दसागर, पृ. 3113	तालाब (tank या pond)

शब्द	अर्थ	शब्द का स्रोत	मैनुअल का शब्द (खंड 7.2)
आहर / آهر (āhar; ahar)	सिंचाई के लिए वर्षा जल एकत्र करने का जलाशय, तालाब ("Reservoir for collecting rain-water for irrigation, pond"); शब्दसागर में (आहर ३), पोखरा से छोटा पर तलैया (talaiya) या गड्ढे से बड़ा जलाशय	प्लैट्स, पृ. 110; शब्दसागर, पृ. 491	आहर (तालाब), खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ देखें
चुआन (cuān; chuan)	शब्दसागर में, "पानी आने का स्थान; खाई; चैनल; गड्ढा; झरना" ("a place where water comes; a ditch; a channel; a pit; a spring"); चुआक, "वह छेद जिससे पानी आता है" ("a hole through which water comes") (बोलचाल का रूप चुआँ शब्दकोश का मुख्य शब्द नहीं है)	शब्दसागर, पृ. 1556	चुआँ (झरना या रिसाव गड्ढा; खंड 7.3 के लिए जलाशय), खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ देखें

तालिका 7E.2 — चैनल, तटबंध, भूमि और प्रणाली के भाग

शब्द	अर्थ	शब्द का स्रोत	मैनुअल का शब्द (खंड 7.2)
नाला / نالا (nālā; nala, nallah, nullah)	जलमार्ग; (पानी का) चैनल, खड्ड; छोटी नदी, नाला, नहर; ड्रेन, मोरी ("A watercourse; channel [for water], a ravine; a rivulet, brook, canal; a drain, gutter"); शब्दसागर में, भूमि पर एक रेखा की तरह दूर तक जाने वाला चैनल, जिससे होकर वर्षा का पानी किसी नदी में जाता है; पानी का चैनल	प्लैट्स, पृ. 1117; शब्दसागर, पृ. 2596	प्राकृतिक ड्रेन या नाला, खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ देखें। झारखंड में यह शब्द प्राकृतिक जलमार्गों और बड़ी निर्मित ड्रेनों, दोनों के लिए आता है; शब्द नहीं, परिभाषा तय करती है कि यह अध्याय किस पर लागू होगा
नाली / نالي (nālī; nali)	... ड्रेन; ... छोटा जलमार्ग या चैनल ("... a drain; ... a small watercourse, or channel"); शब्दसागर में, पानी के लिए, या मैले के लिए, संकरा मार्ग	प्लैट्स, पृ. 1117; शब्दसागर, पृ. 2597	ड्रेन (लघु प्रणाली); जहाँ वह सीवेज या सलेज को किसी वर्षा जल ड्रेन में ले जाए, वहाँ अवैध जुड़ाव (cross-connection) (खंड 8.9)
बाँध / باندھ (bāṅdh; bandh, bund)	... तटबंध; डैम ("... embankment; dam"); शब्दसागर में, बाढ़ रोकने के लिए किसी नदी या तालाब के किनारे बनाया गया मिट्टी या पत्थर का तटबंध	प्लैट्स, पृ. 127; शब्दसागर, पृ. 3433	तालाब का बाँध या डैम (खंड 7.14); तालाब, बाँध या जलाशय का बाँध तालाब का बाँध (tank bund) है (खंड 7.14.2)
दोन (don)	शब्दसागर में (दोन १), "दो पहाड़ियों के बीच की निचली भूमि" ("low land between two hills"); प्लैट्स का दों (*doṅ*) एक भिन्न शब्द है, किसी संपदा का एक आंशिक विभाग ("A fractional division of an estate")	शब्दसागर, पृ. 2381; प्लैट्स, पृ. 535	घाटी-तलों की निचली (दोन) धान भूमि: एक प्राकृतिक अस्थायी भंडारण क्षेत्र और प्रथम-क्रम जल निकासी मार्ग (अध्याय 3; खंड 8.8.1)

तालिका 7E.3 — सांविधिक और आधिकारिक शब्द

शब्द	अर्थ
सार्वजनिक तालाब (public tank (Municipal Act))	"सभी सार्वजनिक तालाब, जलाशय, टंकियाँ, कुएँ, नलकूप ... और ऐसे किसी जल स्रोत से संबद्ध कोई संलग्न भूमि, जो निजी संपत्ति नहीं है, और जो नगरपालिका क्षेत्र में स्थित हैं, नगरपालिका में निहित होंगे" ("All public tanks, reservoirs, cisterns, wells, tube-wells ... and any adjacent land, not being private property, appertaining to any such water source, which are situated within the municipal area, shall vest in the municipality") (झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, धारा 203)
ड्रेन (drain (Municipal Act))	"इसमें सीवर, घरेलू ड्रेन, किसी भी अन्य प्रकार की ड्रेन, सुरंग, पुलिया, खाई, चैनल या सलेज, सीवेज, घृणोत्पादक पदार्थ, प्रदूषित जल, वर्षा जल या अधोमृदा जल को बहा ले जाने का कोई अन्य साधन सम्मिलित है" ("includes a sewer, a house-drain, a drain of any other description, a tunnel, a culvert, a ditch, a channel or any other device for carrying off sullage, sewage, offensive matter, polluted water, rainwater or sub-soil water") (धारा 2(41))

शब्द	अर्थ
नगरपालिका ड्रेन (municipal drain)	"सभी सार्वजनिक ड्रेनें, किसी सार्वजनिक सड़क के साथ-साथ या उसके नीचे की सभी ड्रेनें, और नगरपालिका निधि से या अन्यथा निर्मित या अर्जित सभी सीवेज निपटान संकर्म" ("all public drains, all drains alongside or under any public street, and all sewage disposal works, constructed or acquired out of the Municipal Fund or otherwise"), जो नगरपालिका में निहित हैं (धारा 221 और उसका स्पष्टीकरण)
नदी की बाहरी सीमा (outer boundary of a river (भवन उपविधि 2016))	वह रेखा जिससे उपविधि 23 अपनी दूरियाँ मापती है, "जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो" ("as prescribed by the Irrigation Department"); परिभाषित नहीं, और उपविधि 23.2 के अंतर्गत नदियों की कोई सूची नहीं मिली। इस मैनुअल की व्याख्या खंड 7.2 के बाद की परिभाषाओं में है
निचला क्षेत्र; बाढ़-प्रवण क्षेत्र (low lying area; flood prone areas (भवन उपविधि 2016))	वे क्षेत्र जिनमें बेसमेंट वर्जित हैं (उपविधि 48.1); परिभाषित नहीं
प्राकृतिक नाला (natural nala (प्राकृतिक नाला; Ranchi Master Plan 2037))	वे नाले जिनके साथ कम से कम 10 m चौड़ी पट्टी निर्माण से वर्जित है (शर्त 2.9); परिभाषित नहीं
पूर्ण जल स्तर (Full Tank Level (Ranchi Master Plan 2037))	वह स्तर जिससे कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के चारों ओर 20 m की रेखा मापी जाती है (शर्त 2.9, जो अंग्रेजी शब्द का प्रयोग करती है); स्तर किसी बताए गए डेटम पर नहीं मिले
उत्खनित रिक्ति; जलाशय (excavated void; water body (mine closure))	किसी कोयला खदान के बंद होने के बाद के भूमि-उपयोग की श्रेणियाँ, "गड्ढे के पास जल भंडार" ("Water Reservoir near pit"), "अवसादन तालाब" ("Settling pond"), "गारलैंड ड्रेनें" ("Garland drains") और "तटबंध" ("Embankment") के साथ (कोयला मंत्रालय, 29 मई 2020 के दिशानिर्देश)

तालिका 7E.4 — अभी असत्यापित शब्द

निम्नलिखित शब्द झारखंड के जलाशयों के लिए प्रयोग में हैं, पर इस मैनुअल के लिए किए गए शोध के दौरान प्लैट्स, शब्दसागर या किसी आधिकारिक स्रोत में उनके अर्थ या क्षेत्रीय प्रयोग की पुष्टि नहीं हुई। सत्यापित होने तक इनका प्रयोग किसी अभिलेख या ड्रॉइंग में परिभाषित शब्दों के रूप में नहीं किया जाएगा।

शब्द	बताया गया अर्थ या प्रयोग	स्थिति
डोभा (ḍobhā; dobha)	खेत में खोदा गया छोटा तालाब, राज्य के डोभा कार्यक्रम का, जो लगभग 10 ft × 10 ft × 10 ft का बताया गया है	प्लैट्स या शब्दसागर में नहीं मिला (निकटतम मुख्य शब्द, शब्दसागर के पृ. 1961 पर डोभरी और डोबा, असंबंधित हैं); एक आधिकारिक कार्यक्रम का शब्द, जिसे परिभाषित करने वाला आदेश पढ़ा नहीं गया
दाड़ी, डाड़ी (dāṛī; dari)	संथाल और मुंडा गाँवों में पीने के पानी के लिए प्रयुक्त, झरने से भरने वाला गड्ढा या उथला कुआँ	पुष्टि नहीं हुई: शब्दसागर दाड़ी का अर्थ अनार देता है (पृ. 2249), और डाड़ी नहीं मिला
जोर (jor)	संथाल परगना के स्थान-नामों में धारा (जैसे बोआरीजोर (Boarijor) में)	पुष्टि नहीं हुई: प्लैट्स (पृ. 396) और शब्दसागर (पृ. 1804) जोर का अर्थ केवल बल या शक्ति देते हैं; धारा का कोई अर्थ नहीं मिला
टाँड़ (ṭāṅṛ; tanr)	ऊपरी भूमि, दोन के ऊपर का भूमि-वर्ग, उसका विपरीत	पुष्टि नहीं हुई: शब्दसागर अटारी या मचान का अर्थ देता है, और टाँड़ा का अर्थ कंकरीली मिट्टी (पृ. 1879); ऊपरी भूमि का कोई अर्थ नहीं मिला

शब्द	बताया गया अर्थ या प्रयोग	स्थिति
गाँव के तालाब के अर्थ में बाँध (bandh as a village tank)	किसी ढलान के आर-पार मिट्टी के बाँध से बना तालाब, जो झारखंड के गाँवों में इसका सामान्य अर्थ है	शब्दकोशीय अर्थ (तटबंध, डैम) तालिका 7E.2 में है; झारखंड वाले अर्थ की पुष्टि नहीं हुई
झारखंड के प्रयोग में चुआँ (chuan in Jharkhand usage)	पीने के पानी के लिए किसी धारा के तल में खोदा गया रिसाव गड्ढा	शब्दकोशीय अर्थ तालिका 7E.1 में है; क्षेत्रीय रूप और प्रयोग की पुष्टि नहीं हुई
नागपुरी, खोरठा, संथाली, मुंडारी और कुड़ुख रूप (Nagpuri, Khortha, Santhali, Mundari and Kurukh forms)	तालाबों, झरनों, धाराओं और ड्रेनों के क्षेत्रीय शब्द	किसी क्षेत्रीय शब्दकोश में जाँचा नहीं गया
बड़ा तालाब (Baṛā Tālāb), रांची झील (Ranchi Lake), स्वामी विवेकानंद सरोवर (Swami Vivekanand Sarovar)	रांची के केंद्र के तालाब के लिए प्रयुक्त नाम	आधिकारिक नाम की पुष्टि नहीं हुई

यह मैनुअल तालिका 7E.1 और 7E.2 के अंतिम स्तंभ के शब्दों का, और खंड 7.2 के बाद परिभाषित झारखंड के शब्दों का उपयोग करता है।

प्रपत्र 7-1 — जलाशय पत्रक

अध्याय 7 के खंड 7.3.2, 7.4 और 7.15(1) के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. प्रत्येक जलाशय के लिए एक पत्रक। खंड 7.3.2 का नक्शा 1:1,000 या उससे बड़े पैमाने पर संलग्न करें।

तालिका 7F.1 — प्रपत्र 7-1, भाग A: परियोजना और जलाशय

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
A1	परियोजना का नाम और प्राधिकारी की फाइल संख्या	_____	—
A2	जलाशय का नाम (अंग्रेजी और हिन्दी) और सूची ID (परिशिष्ट 7A), यदि कोई हो	_____	7.3.1
A3	जलाशय का प्रकार (खंड 7.2)	_____	7.2
A4	स्थिति: साइट के भीतर / साइट की सीमा से 100 m के भीतर / अध्याय 5 के विस्तार के भीतर अनुप्रवाह की ओर	_____	7.3.2
A5	सर्वे संख्याएँ और गाँव	_____	7.3.1(a)
A6	अभिरक्षक	_____	7.3.1(b)
A7	जाँचे गए स्रोत (चिह्न लगाएँ): राजस्व अभिलेख (खतियान) और गाँव के मानचित्र, नगरपालिका के तालाब और ड्रेन अभिलेख (नगरपालिका अधिनियम, धारा 203, 221), विकास और जल निकासी योजनाएँ और नदी सीमाएँ (भवन उपविधि 2016, उपविधि 23, 30.1), रांची मास्टर प्लान 2037 की रेखाएँ (शर्त 2.9), उच्च न्यायालय की जलाशय सूचियाँ, खनन और खदान बंद करने की योजनाएँ, रामसर और आर्द्रभूमि सीमाएँ, डोभा अभिलेख □; WRD / ग्राम पंचायत के रजिस्टर □; प्राधिकारी की सूची या न्यायालय की सूची □; ऐतिहासिक मानचित्र और चित्र, NWIA सहित □; साइट सर्वेक्षण □	_____	7.3.3
A8	जहाँ स्रोत परस्पर विरोधी हों: कौन-सा विस्तार लागू है (बड़ा)	_____	7.3.3
A9	सभी स्तरों का डेटम, और WRD के किसी डेटम से रूपांतरण	_____	7.3.5

तालिका 7F.2 — प्रपत्र 7-1, भाग B: स्तर और विशेषताएँ

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
B1	FTL (तालाब, झीलें, पोखर) या किनारे का शीर्ष (चैनल), m	_____	7.2
B2	MWL (तालाब), m, और आधार (WRD का अभिलेख या परिकलित 1% AEP)	_____	7.2
B3	TBL, सबसे निचला बिंदु (तालाब), m	_____	7.3.1(d)
B4	1% AEP बाढ़ जल स्तर, m, और स्रोत (अंगीकृत मानचित्र / हाइड्रोलिक अध्ययन / उपलब्ध नहीं)	_____	7.3.4
B5	साइट पर जल निकासी क्षेत्र (चैनल), ha	_____	7.4.1(b)
B6	आपूर्ति चैनल, अतिरिक्त जल मार्ग, स्लूइस और सरप्लस वियर नक्शे पर दर्शाए गए (हाँ / नहीं)	_____	7.3.2
B7	ज्ञात अतिक्रमण, अभिलिखित करने की तिथि सहित	_____	7.3.1(g)

तालिका 7F.3 — प्रपत्र 7-1, भाग C: सेटबैक

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
C1	सेटबैक का आधार: मानचित्रित विस्तार / हाइड्रोलिक अध्ययन / नियत चौड़ाई (परिशिष्ट 7B)	_____	7.15(1)
C2	क्या खंड 7.3.4 (a) / (b) / (c) के अंतर्गत हाइड्रोलिक अध्ययन अपेक्षित है?	_____	7.3.4
C3	बाढ़ मार्ग का बाहरी किनारा, FTL या किनारे के शीर्ष से m, और उसका निर्धारण कैसे किया गया	_____	7.6.1
C4	जोन 1 की चौड़ाई, m (15 m, बाढ़ मार्ग का किनारा, MWL समोच्च रेखा में से सबसे अधिक)	_____	7.4.3
C5	जोन 2 की चौड़ाई, m (1% AEP विस्तार + 10 m तक, या 10 m)	_____	7.4.4
C6	अधिक चौड़ा सांविधिक या अनुमोदन सेटबैक, यदि कोई हो, और उसका स्रोत	_____	7.4.5
C7	लागू किया गया सेटबैक: मैनुअल का मानक / अधिक चौड़ी सांविधिक या अनुमोदन रेखा: कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के FTL से 20 m (रांची मास्टर प्लान 2037, शर्त 2.9); गंगा की सीमा या राज्य द्वारा विहित अधिक दूरी (भवन उपविधि 2016, उपविधि 23.1); उपविधि 23.2 के अंतर्गत किसी नदी के लिए राज्य द्वारा विहित दूरी; किसी विकास योजना या जल निकासी योजना में कोई प्राकृतिक जलमार्ग या ड्रेन (उपविधि 30.1); WRD द्वारा सीमांकित हो जाने पर गंगा का डूब क्षेत्र जोन; किसी अधिसूचित आर्द्रभूमि के औसत उच्च बाढ़ स्तर से 50 m, या उधवा झील पक्षी अभयारण्य की सीमा; WRD, DVC या खदान (DGMS) की रेखा; न्यायालय या अधिकरण की कोई रेखा; या अन्य (बताएँ कौन-सी)	_____	7.4, प्रकटन
C8	जोन 1 और जोन 2 में प्रस्तावित उपयोग, और जोन 1 में किसी भी कार्य के लिए अभिरक्षक का NOC	_____	7.5, 7.15(5)
C9	बाढ़ सीमांत क्षेत्र में प्रस्तावित भराई (हाँ / नहीं); यदि हाँ, तो प्रपत्र 7-3 संलग्न	_____	7.6.3
C10	जोन 1 के सीमा चिह्नों की स्थितियाँ दर्शाई गईं (30 m से अधिक दूरी पर नहीं)	_____	7.13.4

तालिका 7F.4 — प्रपत्र 7-1, भाग D: तैयारकर्ता

क्षेत्र	प्रविष्टि
नाम, पंजीकरण और सूचीबद्धता संख्या (खंड 10.6)	_____
हस्ताक्षर और तिथि	_____
स्तरों के लिए लाइसेंसधारी सर्वेक्षक (नाम, लाइसेंस संख्या)	_____

प्रपत्र 7-2 — तालाब भंडारण क्रेडिट पत्रक

अध्याय 7 के खंड 7.7, 7.8, 7.11, 7.14 और 7.15(4) के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. प्रत्येक उस तालाब के लिए एक पत्रक जिसका भंडारण गिना जाता है। जो भंडारण भाग B की किसी भी मद को पूरा नहीं करता, उसे नहीं गिना जाएगा (खंड 7.7.1)।

तालिका 7F.5 — प्रपत्र 7-2, भाग A: तालाब और योजना

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
A1	तालाब का नाम और सूची ID (परिशिष्ट 7A); अभिरक्षक	_____	7.3.1
A2	वह योजना जिसमें भंडारण गिना जाता है: बेसिन प्लान / क्षेत्रीय सुविधा / एवज शुल्क (S-5)	_____	7.7.1, 7.11
A3	मॉडल की गई शृंखला: सबसे ऊपरी तालाब _____ से आउटफॉल _____ तक	_____	7.7.2
A4	डेटम	_____	7.3.5

तालिका 7F.6 — प्रपत्र 7-2, भाग B: भंडारण गिनने की शर्तें

क्र.	शर्त	तिथि / संदर्भ	पूरी हुई (हाँ / नहीं)	खंड
B1	FTL, MWL, TBL, वियर का शिखर और लंबाई, स्लूइस सिल पिछले 5 वर्षों के भीतर सर्वेक्षित	_____	_____	7.7.1(a)
B2	5 वर्षों के भीतर, या पिछली बार गाद निकालने के बाद, इनमें से जो बाद में हो, जल-गहराई और स्थलाकृतिक सर्वेक्षण से जल स्तर–भंडारण वक्र	_____	_____	7.7.1(b)
B3	अभिरक्षक के साथ सहमत दस्तावेजित प्रचालन नियम (परिशिष्ट 7C)	_____	_____	7.7.1(c), 7.8
B4	वियर, स्लूइस और बाँध O&M योजना के अंतर्गत; नवीनतम मानसून-पूर्व निरीक्षण में सेवा योग्य पाए गए	_____	_____	7.7.1(d), 7.14.4
B5	अभिरक्षक की लिखित सहमति	_____	_____	7.7.1(e)

तालिका 7F.7 — प्रपत्र 7-2, भाग C: स्तर और क्रेडिट योग्य आयतन

क्र.	मद	मान	खंड
C1	प्रारंभिक स्तर: FTL, या खंड 7.8.2 की अपेक्षाएँ पूरी करने वाले नियम के अंतर्गत कुशन स्तर, m	_____	7.7.3
C2	यदि कुशन का उपयोग किया जाता है: नियंत्रणीय आउटलेट (प्रकार) और खाली होने का समय, h	_____	7.8.2(a)
C3	यदि कुशन का उपयोग किया जाता है: सतत सिमुलेशन से विश्वसनीयता, दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुओं का % (≥ 90%)	_____	7.8.2(c)
C4	परिकलित अधिकतम स्तर, जलवायु गुणक के साथ 1% AEP अंतर्वाह शृंखला से होकर रूट किया गया, m	_____	7.7.4
C5	MWL, m; क्या C4 ≤ MWL है?	_____	7.7.4(a)
C6	C4 से TBL तक फ्रीबोर्ड, m; WRD का फ्रीबोर्ड मानक, m; पूरा हुआ?	_____	7.7.4(b)
C7	जल स्तर–भंडारण वक्र से C1 और C4 के बीच का भंडारण, m^3	_____	7.7.5

क्र.	मद	मान	खंड
C8	किसी अन्य सुविधा या योजना के लिए पहले से प्रतिबद्ध आयतन, m^3	_____	7.7.5
C9	क्रेडिट योग्य आयतन = C7 − C8, m^3	_____	7.7.5
C10	खंड 10.17 के अंतर्गत रजिस्टर की प्रविष्टि (एवज शुल्क भंडारण)	_____	7.11.2(d)

तालिका 7F.8 — प्रपत्र 7-2, भाग D: बाँध की सुरक्षा

क्र.	मद	प्रविष्टि	खंड
D1	बाँध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट डैम? ऊँचाई, शिखर की लंबाई, क्षमता, अधिकतम बाढ़ प्रवाह दर	_____	7.14.1
D2	जोखिम वर्ग: उच्च / निम्न	_____	7.14.2
D3	उच्च जोखिम: वियर फ्रीबोर्ड के साथ MWL पर 1% AEP पार कराता है; तटबंध के ऊपर से बहे बिना 0.2% AEP की जाँच	_____	7.14.3(a)
D4	उच्च जोखिम: तटबंध टूटने का विश्लेषण और आपातकालीन कार्य योजना (संदर्भ)	_____	7.14.3(b), (c)
D5	उच्च जोखिम: खंड 10.6 के अंतर्गत स्वतंत्र जाँच (नाम)	_____	7.14.3(d)

तालिका 7F.9 — प्रपत्र 7-2, भाग E: हस्ताक्षर

भूमिका	नाम और पदनाम	हस्ताक्षर और तिथि
डिजाइनकर्ता (खंड 10.6)	_____	_____
स्वतंत्र जाँचकर्ता, जहाँ खंड 7.14.3(d) लागू हो	_____	_____
अभिरक्षक की सहमति (खंड 7.7.1(e))	_____	_____

प्रपत्र 7-3 — प्रतिपूरक भंडारण गणना (ऊँचाई पट्टी के अनुसार)

अध्याय 7 के खंड 7.6.3 से 7.6.5, 7.9.5 और 7.15(3) के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0.

विधि

1. **निचली सीमा** नियत करें: जलाशय का सामान्य जल स्तर, या जहाँ अधिक हो वहाँ 50% AEP (2-वर्ष) स्तर (खंड 7.6.4(b))।
2. **ऊपरी सीमा** नियत करें: 1% AEP बाढ़ जल स्तर (जलवायु गुणक के साथ)।
3. इस परास को **0.3 m से अधिक मोटाई की न होने वाली पट्टियों** में बाँटें। सबसे ऊपरी पट्टी पतली हो सकती है।
4. किसी पट्टी की सीमा पर प्रत्येक स्तर z के लिए, नक्शे पर मापें:
    - A_fill(z): भराई के आधार-क्षेत्र का वह क्षेत्रफल जहाँ विद्यमान भूतल z से नीचे है; और
    - A_cut(z): खुदाई का वह क्षेत्रफल जहाँ तैयार भूतल z से नीचे है और विद्यमान भूतल z से ऊपर था (नया जलमग्न क्षेत्र)।
5. प्रत्येक पट्टी के लिए, औसत छोर-क्षेत्रफल विधि (average end-area method) से: V = (A(z_bottom) + A(z_top)) / 2 × पट्टी की मोटाई। यह भराई (खोया आयतन) और खुदाई (प्राप्त आयतन) दोनों के लिए करें।
6. **प्रत्येक पट्टी की जाँच करें:** प्राप्त आयतन ≥ खोया आयतन। एक पट्टी का अधिशेष दूसरी पट्टी की कमी की पूर्ति नहीं करता (खंड 7.6.4(b))।
7. भाग C में खंड 7.6.4(c) से (f) की अन्य शर्तों की जाँच करें।

अध्याय 7 का चित्र 7.2 यह विधि दर्शाता है।

तालिका 7F.10 — प्रपत्र 7-3, भाग A: स्तर

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
A1	जलाशय, भाग (reach), और सूची ID	_____	7.6.4(c)
A2	सामान्य जल स्तर, m; 50% AEP स्तर, m; निचली सीमा (दोनों में अधिक), m	_____	7.6.4(b)
A3	जलवायु गुणक के साथ 1% AEP बाढ़ जल स्तर, m (ऊपरी सीमा)	_____	7.6.4(b)
A4	पट्टी की मोटाई, m (≤ 0.3) और पट्टियों की संख्या	_____	7.6.4(b)
A5	डेटम	_____	7.3.5

तालिका 7F.11 — प्रपत्र 7-3, भाग B: पट्टी-दर-पट्टी संतुलन

पट्टी	से (m)	तक (m)	A_fill तल (m²)	A_fill शीर्ष (m²)	खोया आयतन (m³)	A_cut तल (m²)	A_cut शीर्ष (m²)	प्राप्त आयतन (m³)	प्राप्त ≥ खोया?
1	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
2	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
3	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
4	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____

पट्टी	से (m)	तक (m)	A_fill तल (m²)	A_fill शीर्ष (m²)	खोया आयतन (m³)	A_cut तल (m²)	A_cut शीर्ष (m²)	प्राप्त आयतन (m³)	प्राप्त ≥ खोया?
कुल					_____			_____	

आवश्यकतानुसार पंक्तियाँ जोड़ें।

तालिका 7F.12 — प्रपत्र 7-3, भाग C: अन्य शर्तें

क्र.	शर्त	पूरी हुई (हाँ / नहीं) और साक्ष्य	खंड
C1	भराई बाढ़ सीमांत क्षेत्र में है, बाढ़ मार्ग में नहीं, और अनुमत उपयोग के लिए है	_____	7.6.2, 7.6.3
C2	खुदाई उसी जलाशय की उसी भाग में है, हाइड्रोलिक रूप से जुड़ी है, और भराई से अधिक अनुप्रवाह की ओर नहीं है	_____	7.6.4(c)
C3	बाढ़ उतरने पर खुदाई गुरुत्व से खाली होती है; कोई पंपिंग नहीं; सामान्य जल स्तर से नीचे कोई स्थायी जल-भंडार नहीं	_____	7.6.4(d)
C4	खुदाई भराई से पहले, या उसी समय, बनाई गई	_____	7.6.4(e)
C5	प्रसंविदा या हस्तांतरण ताकि उसे कभी भरा न जाए (संदर्भ)	_____	7.6.4(f)
C6	अध्याय 4 के अंतर्गत अस्थायी भंडारण या प्रतिधारण के रूप में नहीं गिना गया	_____	7.6.5
C7	डिजाइनकर्ता के हस्ताक्षर (खंड 10.6) और तिथि	_____	10.6

हल किया गया उदाहरण

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं. किसी चैनल के बाढ़ सीमांत क्षेत्र में स्थित एक साइट को जोन 2 के एक अनुमत उपयोग (खंड 7.5.2) के लिए भराई के एक चबूतरे की आवश्यकता है। निवेश मान कल्पित हैं।

- सामान्य जल स्तर 10.00 m; 50% AEP स्तर 9.80 m। निचली सीमा = 10.00 m (दोनों में अधिक)।
- 1% AEP बाढ़ जल स्तर 11.20 m। परास 1.20 m, इसलिए 0.30 m की चार पट्टियाँ।
- भराई का आधार-क्षेत्र 1,600 m² है। आधार-क्षेत्र में विद्यमान भूतल 10.00 m से 11.20 m तक समान रूप से उठता है, इसलिए प्रत्येक स्तर से नीचे आधार-क्षेत्र का क्षेत्रफल है: 10.00 m पर 0 m²; 10.30 m पर 400 m²; 10.60 m पर 800 m²; 10.90 m पर 1,200 m²; 11.20 m पर 1,600 m²।
- खुदाई चैनल के बगल में ढलानदार कटान है, जिसका तल 10.00 m पर है। प्रत्येक स्तर से नीचे नया जलमग्न क्षेत्र (पहला प्रयास) है: 10.00 m पर 300 m²; 10.30 m पर 900 m²; 10.60 m पर 1,100 m²; 10.90 m पर 1,500 m²; 11.20 m पर 1,500 m²।

पद 1 — खोया आयतन, पट्टी-दर-पट्टी (V = औसत क्षेत्रफल × 0.3 m):

- पट्टी 1: (0 + 400) / 2 × 0.3 = 60 m³
- पट्टी 2: (400 + 800) / 2 × 0.3 = 180 m³
- पट्टी 3: (800 + 1,200) / 2 × 0.3 = 300 m³
- पट्टी 4: (1,200 + 1,600) / 2 × 0.3 = 420 m³
- कुल: 960 m³

पद 2 — प्राप्त आयतन, पहला प्रयास:

तालिका 7F.13 — हल किया गया उदाहरण: पहला प्रयास (उदाहरणार्थ)

पट्टी	से (m)	तक (m)	खोया आयतन (m^3)	A_cut तल (m^2)	A_cut शीर्ष (m^2)	प्राप्त आयतन (m^3)	प्राप्त ≥ खोया?
1	10.00	10.30	60	300	900	180	हाँ
2	10.30	10.60	180	900	1,100	300	हाँ
3	10.60	10.90	300	1,100	1,500	390	हाँ
4	10.90	11.20	420	1,500	1,500	450	हाँ
कुल			960			1,320	

हर पट्टी जाँच में सफल है। ध्यान दें कि केवल कुल आयतन का संतुलन किसी विफलता को छिपा देगा यदि, उदाहरण के लिए, कटान को अधिक गहरा और संकरा बनाया जाए: मान लीजिए डिजाइनकर्ता इसके बजाय ऐसा कटान प्रस्तावित करता है जिसके नए जलमग्न क्षेत्र 10.00 m पर 1,400 m^2, 10.30 m पर 1,400 m^2, 10.60 m पर 1,000 m^2, 10.90 m पर 600 m^2 और 11.20 m पर 200 m^2 हैं।

तालिका 7F.14 — हल किया गया उदाहरण: अधिक गहरा, संकरा कटान (उदाहरणार्थ)

पट्टी	से (m)	तक (m)	खोया आयतन (m^3)	A_cut तल (m^2)	A_cut शीर्ष (m^2)	प्राप्त आयतन (m^3)	प्राप्त ≥ खोया?
1	10.00	10.30	60	1,400	1,400	420	हाँ
2	10.30	10.60	180	1,400	1,000	360	हाँ
3	10.60	10.90	300	1,000	600	240	**नहीं**
4	10.90	11.20	420	600	200	120	**नहीं**
कुल			960			1,140	

कुल प्राप्त आयतन (1,140 m^3) कुल खोए आयतन (960 m^3) से अधिक है, पर पट्टी 3 और 4 में 60 m^3 और 300 m^3 की कमी है। नीचे के अधिशेष को इनके विरुद्ध नहीं गिना जा सकता: निचला भंडारण हर बाढ़ में जल्दी भर जाता है और तब उपलब्ध नहीं होता जब भराई शिखर के निकट भंडारण छीन लेती है। यह डिजाइन खंड 7.6.4(b) में विफल है और इसे फिर से ढलानदार बनाया जाना होगा ताकि ऊपरी पट्टियाँ कम से कम उतना प्राप्त करें जितना वे खोती हैं, जैसा पहले प्रयास में है।

अध्याय 8 के परिशिष्ट

जल गुणवत्ता और पुनर्भरण

ये परिशिष्ट अध्याय 8 के पूरक हैं। इनमें जल गुणवत्ता के लिए वर्षा तालिकाओं का ढाँचा, सेवा स्तर और मूल्य श्रेणी की विधि का विस्तृत विवरण, BMP अंशांकन कार्यक्रम का ढाँचा, प्रत्येक BMP के लिए डिजाइन पत्रक, निर्माण के दौरान अपरदन और तलछट नियंत्रण के मानक विवरण, और वे दो प्रपत्र दिए गए हैं जिनकी अपेक्षा खंड 8.14 करता है। परिशिष्ट 8A और 8C के लिए ऐसे आँकड़े आवश्यक हैं जो अभी उपलब्ध नहीं हैं; वे यह बात स्पष्ट करते हैं और तब तक उपयोग किया जाने वाला नियम देते हैं। प्रपत्र प्रारूप प्रपत्र हैं।

परिशिष्ट 8A — जोन के अनुसार 3-माह ARI 24-घंटे की गहराई और IDF

अध्याय 8 के खंड 8.2, 8.4.1 और 8.4.5 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में अध्याय 2 के प्रत्येक वर्षा जोन के लिए 24-घंटे की 3-माह ARI गहराई P_3m और Q_wq के लिए प्रयुक्त 3-माह ARI तीव्रता–अवधि संबंध होंगे। इसके लिए दीर्घकालिक दैनिक और उप-दैनिक वर्षा अभिलेख (IMD केंद्र और ग्रिड आँकड़े, अध्याय 2 के प्राथमिक स्रोत के रूप में NIH के साथ) आवश्यक हैं, जिनका विश्लेषण आंशिक-अवधि श्रृंखला के रूप में किया जाए। इसके प्रकाशित होने तक, डिजाइनकर्ता साइट के जोन के लिए उपलब्ध सबसे लंबे दैनिक अभिलेख से P_3m की गणना, औसतन वर्ष में चार बार बराबर होने वाली या पार होने वाली 24-घंटे की गहराई के रूप में (खंड 8.2), करेगा, जल गुणवत्ता पत्रक (प्रपत्र 8-1) पर अभिलेख, उसकी अवधि और विधि बताएगा, और P_wq = max (P_ret, P_3m) (खंड 8.4.1) का उपयोग करेगा। जलवायु गुणक लागू नहीं किया जाता (खंड 8.4.3)।

8A.1 परिशिष्ट तैयार करने में प्रयुक्त की जाने वाली विधि

- (a) जहाँ उपलब्ध हों, कम से कम 30 वर्षों के दैनिक अभिलेखों का उपयोग करें (जैसे अध्याय 2 में केंद्र IDF के लिए)।
- (b) 24-घंटे की गहराइयों की आंशिक-अवधि श्रृंखला बनाएँ, जिसमें स्वतंत्र घटनाएँ कम से कम एक शुष्क दिन से अलग हों।
- (c) सीमा-मान ऐसा चुनें कि उससे ऊपर की घटनाओं की संख्या का औसत प्रति वर्ष चार हो; P_3m वही सीमा-मान है।
- (d) 10 मिनट से 24 घंटे तक की अवधियों के लिए 3-माह ARI तीव्रताएँ उप-दैनिक अभिलेखों से, या दैनिक मान से अनुमापन की अध्याय 2 की विधि से, निकालें, और बताएँ कि कौन-सी विधि अपनाई गई।
- (e) जलवायु गुणक लागू न करें (खंड 8.4.3)।

तालिका 8A.1 — जोन के अनुसार जल गुणवत्ता के लिए वर्षा की गहराइयाँ (ढाँचा)

जोन (अध्याय 2)	प्रतिनिधि केंद्र या ग्रिड	अभिलेख (वर्ष)	P_ret, परिशिष्ट 2E (mm)	P_3m (mm)	P_wq = max (mm)
_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____

जोन (अध्याय 2)	प्रतिनिधि केंद्र या ग्रिड	अभिलेख (वर्ष)	P_ret, परिशिष्ट 2E (mm)	P_3m (mm)	P_wq = max (mm)
_____	_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 8A.2 — अवधि के अनुसार 3-माह ARI तीव्रता (ढाँचा)

जोन	10 min (mm/h)	15 min (mm/h)	30 min (mm/h)	1 h (mm/h)	2 h (mm/h)	6 h (mm/h)	24 h (mm/h)
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____

परिशिष्ट 8B — पुनर्विकास के लिए LoS तालिका और उपचार शृंखला की संयुक्त VR

अध्याय 8 के खंड 8.6.2 से 8.6.5 के लिए।

8B.1 पुनर्विकास के लिए आवश्यक सेवा स्तर

तैयार किया जाना है. इस भाग में पुनर्विकास साइटों (साइट के 20% या अधिक पर विद्यमान अपारगम्य आवरण, खंड 8.6.2) के लिए आवश्यक सेवा स्तर दिया जाएगा। MARC/APWA BMP Manual (2012, Table 4.3) विक्षुब्ध क्षेत्र के भीतर अपारगम्य आवरण के प्रतिशत से पुनर्विकास LoS निर्धारित करता है; झारखंड के मान राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति द्वारा निर्धारित किए जाने और स्थानीय पुनर्विकास मामलों पर जाँचे जाने हैं। इसके प्रकाशित होने तक, किसी पुनर्विकास साइट के लिए विक्षुब्ध क्षेत्र हेतु आवश्यक LoS **6** है। जहाँ विद्यमान स्थिति से विकास-पश्चात स्थिति तक CN में परिवर्तन पर लागू की गई तालिका 8.2 उच्चतर LoS देती है, वहाँ वह उच्चतर LoS लागू होता है। यह अंतरिम मान इस मैनुअल द्वारा निर्धारित है। जो पुनर्विकास साइट अध्याय 4 के अंतर्गत अपना पूरा WQv साइट पर रोकती है, उसे उस क्षेत्र के लिए पूर्व-उपचार, हॉटस्पॉट नियंत्रणों और आउटफॉल संबंधी अपेक्षाओं के अतिरिक्त किसी और उपचार की आवश्यकता नहीं है (खंड 8.4.4)।

तालिका 8B.1 — पुनर्विकास के लिए आवश्यक LoS (ढाँचा)

विक्षुब्ध क्षेत्र के भीतर विद्यमान अपारगम्य आवरण (%)	अपारगम्य आवरण में परिवर्तन	आवश्यक LoS
_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

8B.2 संयुक्त मूल्य श्रेणी: क्षेत्र-भारित विधि

किसी साइट की संयुक्त VR, साइट के प्रत्येक भाग की सेवा करने वाली BMP की VR का क्षेत्र-भारित औसत है (खंड 8.6.3):

> VR_site = Σ (A_i × VR_i) / Σ A_i + VR_signage

जहाँ:

- A_i = साइट के भाग i का क्षेत्रफल, ha;
- VR_i = भाग i की सेवा करने वाली BMP की मूल्य श्रेणी (तालिका 8.3), जो केवल तभी गिनी जाती है जब BMP पूरे A_i के लिए खंड 8.6.4 को पूरा करे;
- Σ A_i = पूरी साइट का क्षेत्रफल: साइट का प्रत्येक भाग किसी एक BMP को, या संरक्षित देशज वनस्पति को, सौंपा जाता है; जिस भाग की सेवा कोई BMP नहीं करती उसे VR_i = 0 के साथ दर्ज किया जाता है; और
- VR_signage = 0.25 जहाँ जन शिक्षा के संकेत-पट लगाए गए हों (तालिका 8.3), अन्यथा 0।

साइट अनुपालन करती है जहाँ VR_site ≥ आवश्यक LoS (खंड 8.6.3)।

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं. 1.0 ha की एक साइट जो पुनर्विकास नहीं है, ΔCN = 18 के साथ। आवश्यक LoS = 8 (तालिका 8.2)।

तालिका 8B.2 — हल किया गया उदाहरण: संयुक्त VR (उदाहरणार्थ)

भाग	क्षेत्रफल A_i (ha)	BMP	VR_i (तालिका 8.3)	A_i × VR_i
बायोरिटेंशन में जाने वाली छतें और पक्की सतह	0.60	बायोरिटेंशन	8.5	5.100
कार पार्क	0.25	पारगम्य पेवमेंट	7.5	1.875
सीमा के साथ संरक्षित पट्टी	0.15	देशज वनस्पति (संरक्षित)	9.25	1.388
कुल	1.00			8.363

- क्षेत्र-भारित VR = 8.363 / 1.00 = 8.36
- संकेत-पट लगाए गए: + 0.25
- VR_site = 8.61 ≥ 8। साइट अनुपालन करती है।

पारगम्य पेवमेंट के बिना (कार पार्क का पानी बिना उपचार के जाता है, VR = 0): (5.100 + 0 + 1.388) / 1.00 + 0.25 = 6.74 < 8। साइट अनुपालन नहीं करेगी।

8B.3 उपचार शृंखलाएँ

तैयार किया जाना है. इस भाग में क्रम में लगी BMP (उपचार शृंखला) की संयुक्त VR दी जाएगी, जो MARC/APWA BMP Manual (2012, Table 4.6) की पद्धति का अनुसरण करेगी, और जिसके मानों की पुष्टि झारखंड के लिए खंड 8.13.4 के अंशांकन कार्यक्रम (परिशिष्ट 8C) द्वारा की जानी है। इसके प्रकाशित होने तक, साइट के प्रत्येक भाग को शृंखला की उस एक BMP की VR का क्रेडिट मिलता है जो उस भाग के लिए खंड 8.6.4 को पूरा करती है, सामान्यतः निस्सरण से पहले की अंतिम BMP, और क्रम में लगी BMP के लिए कोई अतिरिक्त क्रेडिट नहीं दिया जाता। क्रेडिट की गई BMP से प्रतिप्रवाह की ओर स्थित पूर्व-उपचार युक्तियाँ, गाद-जाल और तेल-ग्रिट पृथक्कारी अपनी कोई VR अर्जित नहीं करते (खंड 8.6.4(c), 8.7.11(c) और 8.7.12(c))।

तालिका 8B.3 — उपचार शृंखलाओं की संयुक्त VR (ढाँचा)

पहली BMP	दूसरी BMP	संयुक्त VR	शर्तें
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

परिशिष्ट 8C — झारखंड में BMP के प्रदर्शन का अंशांकन

अध्याय 8 के खंड 8.6.3, 8.13 और 8.15.1 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति के BMP प्रदर्शन अंशांकन कार्यक्रम (खंड 8.13.4) की रिपोर्ट होगी: झारखंड में बनी BMP के लिए मापी गई अंतर्वाह और बहिर्वाह सांद्रताएँ और आयतन, और उनसे निकलने वाली संशोधित मूल्य श्रेणियाँ। इसके लिए कई दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुओं में BMP की वर्षा के समय की निगरानी, CPCB की विधियों के अनुसार प्रयोगशाला विश्लेषण, और खंड 10.17 के अंतर्गत प्रकाशित खंड 8.13.1 की आउटफॉल निगरानी आवश्यक है। इसके प्रकाशित होने तक, तालिका 8.3 (MARC/APWA 2012) की मूल्य श्रेणियाँ लागू होती हैं, और कोई स्वामित्वाधीन युक्ति केवल सत्यापित परीक्षण आँकड़ों से ही VR अर्जित करती है (तालिका 8.3)।

नीचे दिए गए ढाँचे वे न्यूनतम अभिलेख निर्धारित करते हैं जो कार्यक्रम रखेगा, ताकि विभिन्न प्राधिकारियों के परिणामों को एक साथ मिलाया जा सके।

तालिका 8C.1 — निगरानी स्थल रजिस्टर (ढाँचा)

स्थल ID	BMP का प्रकार (तालिका 8.3)	स्थान और प्राधिकारी	जलग्रहण क्षेत्र (ha)	अपारगम्य (%)	मिट्टी और भूजल की स्थिति	चालू करने की तिथि	पूर्व-उपचार
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 8C.2 — घटना अभिलेख (ढाँचा; खंड 8.13.2 के प्राचल)

स्थल ID	घटना की तिथि	वर्षा (mm)	अंतर्वाह आयतन (m^3)	बहिर्वाह आयतन (m^3)	TSS अंतर्वाह / बहिर्वाह (mg/L)	BOD अंतर्वाह / बहिर्वाह (mg/L)	COD अंतर्वाह / बहिर्वाह (mg/L)	फीकल कोलीफॉर्म अंतर्वाह / बहिर्वाह (MPN/100 mL)	TN अंतर्वाह / बहिर्वाह (mg/L)	TP अंतर्वाह / बहिर्वाह (mg/L)	तेल और ग्रीस अंतर्वाह / बहिर्वाह (mg/L)	भारी धातुएँ (औद्योगिक जलग्रहण क्षेत्र)
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 8C.3 — प्रदर्शन सारांश और प्रस्तावित VR (ढाँचा)

BMP का प्रकार	स्थल	घटनाएँ	आयतन में कमी (%)	बहिःस्राव TSS की माध्यिका (mg/L)	अन्य निष्कर्ष	तालिका 8.3 में VR	प्रस्तावित VR
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____

परिशिष्ट 8D — BMP डिजाइन पत्रक, माध्यम विनिर्देश, पौधों की सूचियाँ

अध्याय 8 के खंड 8.5, 8.7, 8.8 और 8.11 के लिए।

प्रत्येक डिजाइन पत्रक एक BMP के लिए अध्याय 8 की अपेक्षाओं को एकत्र करता है। खंड 8.7.1 में "अनुशंसित प्रारंभिक मान" के रूप में चिह्नित मानों से औचित्य के साथ विचलन किया जा सकता है। जो मान मैनुअल निर्धारित नहीं करता, वे "डिजाइन में पुष्टि की जानी है" के रूप में चिह्नित हैं; डिजाइनकर्ता उन्हें बताएगा और उनका औचित्य देगा। प्रत्येक BMP के लिए यह भी आवश्यक है: WQv या Q_wq के लिए आकार निर्धारण (खंड 8.6.4(a)), पूर्व-उपचार (खंड 8.5.3), Q_wq से अधिक प्रवाहों के लिए सुरक्षित बाइपास (खंड 8.4.6) और रखरखाव के लिए पहुँच (अध्याय 10)।

8D.1 डिजाइन पत्रक

तालिका 8D.1 — पूर्व-उपचार (सभी BMP)

मद	अपेक्षा	खंड
कहाँ आवश्यक	प्रत्येक बायोरिटेंशन सेल, अंतःस्यंदन सुविधा, बाहर से आने वाला अपवाह प्राप्त करने वाला पारगम्य पेवमेंट, वेट पॉन्ड और निर्मित आर्द्रभूमि, प्रत्येक संकेंद्रित अंतर्वाह पर	8.5.3
प्रकार	तलछट फोरबे, घास फिल्टर पट्टी, गाद-जाल या स्वामित्वाधीन युक्ति	8.5.3
आकार	अपने योगदान देने वाले क्षेत्र के WQv का कम से कम 10% रोके; या Q_wq के लिए आकारित (प्रवाही युक्तियाँ)	8.5.3
पहुँच	मुख्य BMP में प्रवेश किए या उसे छेड़े बिना साफ की जा सके	8.5.4
गाद-जाल और कैच पिट	कच्ची भूमि से अपवाह प्राप्त करने वाले प्रत्येक इनलेट पर, और किसी BMP या जलाशय में गिरने वाली प्रत्येक ड्रेन के इनलेट पर; आउटलेट इनवर्ट से कम से कम 300 mm नीचे संप; कोई VR अर्जित नहीं करते	8.7.12

तालिका 8D.2 — बायोरिटेंशन और वर्षा उद्यान (चित्र 8.2)

मद	अपेक्षा	खंड
जल रुकने की गहराई	मल्च के ऊपर ≤ 300 mm, अधिकतम जल रुकने के स्तर पर अतिप्रवाह के साथ	8.7.2(a)
रुके जल का खाली होना	48 h के भीतर	8.7.2(b)
फिल्टर माध्यम	600–900 mm इंजीनियर्ड बलुई दोमट, कम महीन कण, कम फॉस्फोरस (तालिका 8D.12)	8.7.2(c)
मल्च	50–75 mm	8.7.2(c)
संक्रमण (चोकर) और बजरी जल निकासी परतें	आवश्यक; मोटाई और श्रेणीकरण की डिजाइन में पुष्टि की जानी है	8.7.2(d)
अंडरड्रेन	छिद्रित; जहाँ डिजाइन अंतःस्यंदन दर 48 h में खाली होने की अपेक्षा पूरी न कर सके, या जहाँ लाइनरयुक्त हो, वहाँ आवश्यक; व्यास की डिजाइन में पुष्टि की जानी है	8.7.2(e)

मद	अपेक्षा	खंड
लाइनर	जहाँ खंड 8.8 पूरा न हो सके, और हॉटस्पॉट पर, आवश्यक	8.7.2(f)
पौधे	देशज या प्राकृतिकीकृत, जलभराव और लंबी शुष्क अवधि सहने वाले (तालिकाएँ 8D.13 और 8D.14)	8.7.2(g)
VR	8.5 (वर्षा उद्यान / अंतःस्यंदन 9.0)	तालिका 8.3

तालिका 8D.3 — वनस्पति स्वेल

मद	अपेक्षा	खंड
काट	समलंबी या परवलयिक; पार्श्व ढलान 1V:3H से अधिक खड़े नहीं	8.7.3(a)
अनुदैर्ध्य ढलान	0.5% से 4%; अधिक खड़े ढलान पर चेक डैम	8.7.3(b)
Q_wq पर प्रवाह	गहराई घास की ऊँचाई से अधिक नहीं; वेग ≤ 0.3 m/s	8.7.3(c)
1% AEP या बाइपास प्रवाह	कोई अपरदन नहीं (अध्याय 9 के अनुमेय वेग)	8.7.3(d)
अंडरड्रेनयुक्त ("शुष्क") स्वेल	जहाँ ढलान < 1% हो या उप-मृदा में जल निकासी कमजोर हो; फिल्टर माध्यम तालिका 8D.12 के अनुसार	8.7.3(e)
VR	4.0 (देशज वनस्पति स्वेल)	तालिका 8.3

तालिका 8D.4 — वनस्पति फिल्टर पट्टियाँ

मद	अपेक्षा	खंड
अंतर्वाह	केवल परत प्रवाह; जहाँ प्रवाह संकेंद्रित होकर आए वहाँ समतल प्रसारक	8.7.4(a)
प्रवाह की दिशा में लंबाई	≥ 5 m	8.7.4(b)
ढलान	1% से 8%	8.7.4(b)
उपयोग	मुख्यतः बायोरिटेंशन, अंतःस्यंदन और स्वेल के लिए पूर्व-उपचार	8.7.4(c)
VR	5.0	तालिका 8.3

तालिका 8D.5 — पारगम्य पेवमेंट

मद	अपेक्षा	खंड
बाहर से आने वाला अपवाह	अपारगम्य क्षेत्र ≤ 2 × पारगम्य क्षेत्र; कच्चे या अपरदित हो रहे क्षेत्रों से कोई अपवाह नहीं	8.7.5(a)
आधार जलाशय	स्वच्छ खुले श्रेणीकरण वाला एग्रीगेट, जो अपने रिक्त स्थानों में WQv का अपना हिस्सा रोके; रिक्तता अनुपात परीक्षण से पुष्ट	8.7.5(b)
खुला (अंतःस्यंदन करने वाला) आधार	केवल जहाँ खंड 8.8 पूरा हो; अन्यथा अंडरड्रेन के साथ लाइनरयुक्त और केवल निस्यंदन के रूप में गिना जाए	8.7.5(c)
संरचना	सड़क प्राधिकारी के मानकों के अनुसार यातायात भार के लिए डिजाइन	8.7.5(d)
अपवर्जन	हॉटस्पॉट पर नहीं; जहाँ इसे अपारगम्य सामग्री से पुनः बिछाया जाएगा वहाँ नहीं	8.7.5(e)

मद	अपेक्षा	खंड
VR	7.5	तालिका 8.3

तालिका 8D.6 — अंतःस्यंदन खाइयाँ और बेसिन (चित्र 8.3)

मद	अपेक्षा	खंड
पूर्व-उपचार	सदैव (तालिका 8D.1)	8.7.6(a)
भराई	स्वच्छ धुला एग्रीगेट, रिक्तता अनुपात परीक्षण से पुष्ट; पार्श्वों और ऊपर जियोटेक्सटाइल; रेत का आधार	8.7.6(b)
प्रेक्षण कुआँ	प्रत्येक खाई के आधार तक	8.7.6(c)
भंडारण	रिक्त स्थानों में रोका गया WQv (या अध्याय 4 का प्रतिधारण आयतन, यदि अधिक हो)	8.7.6(d)
खाली होना	डिजाइन अंतःस्यंदन दर पर 72 h के भीतर खाली	8.7.6(d), 8.8.7
अतिप्रवाह	सतह के स्तर पर, लघु या प्रमुख प्रणाली में	8.7.6(e)
चालू करना	योगदान देने वाले क्षेत्र के स्थिर होने तक सेवा में नहीं	8.7.6(f)
मानदंड	खंड 8.8 के सभी (तालिका 8D.11)	8.8

तालिका 8D.7 — वेट पॉन्ड (विस्तारित आर्द्र अस्थायी भंडारण)

मद	अपेक्षा	खंड
स्थायी जल-भंडार	≥ WQv	8.7.7(a)
विस्तारित अस्थायी भंडारण	जल-भंडार के ऊपर WQv, 24–48 h में छोड़ा जाए	8.7.7(a), 8.4.7
फोरबे	प्रत्येक इनलेट पर	8.7.7(b)
प्रवाह मार्ग	लंबाई-चौड़ाई ≥ 3:1; कोई शॉर्ट-सर्किट प्रवाह नहीं	8.7.7(c)
जल-भंडार की गहराई	1.0–2.5 m, सुरक्षा बेंच के साथ (खंड 7.9.4)	8.7.7(d)
जल संतुलन	IMD वर्षा और पैन वाष्पन से मासिक संतुलन: 10 वर्षों में सबसे शुष्क वर्ष में भी जल-भंडार के आयतन का ≥ 50% बना रहे; भूजल, पेयजल या सीवेज से नहीं भरा जाए	8.7.8
बाढ़ के लिए अस्थायी भंडारण	अध्याय 4 का अस्थायी भंडारण विस्तारित अस्थायी भंडारण स्तर के ऊपर हो सकता है	8.7.7(f)
VR	5.0	तालिका 8.3

तालिका 8D.8 — निर्मित आर्द्रभूमियाँ

मद	अपेक्षा	खंड
विन्यास	इनलेट पर अवसादन तालाब (फोरबे), फिर उथला वृहत्पादप क्षेत्र	8.7.9(a)
विस्तारित अस्थायी भंडारण	सामान्य जल स्तर के ऊपर WQv, 24–48 h में छोड़ा जाए; गहराई ≤ 0.5 m	8.7.9(b)

मद	अपेक्षा	खंड
प्रवाह मार्ग	लंबाई-चौड़ाई ≥ 3:1; प्रवाह मार्ग के आर-पार गहरे क्षेत्र	8.7.9(c)
बाइपास	उच्च-प्रवाह बाइपास ताकि बाढ़ वृहत्पादप क्षेत्र को न खुरचे	8.7.9(d)
तालाब के इनलेट पर	तालाब के सेटबैक के भीतर, उसके जल-फैलाव क्षेत्र के बाहर; तालाब के भंडारण के रूप में नहीं गिना जाए	8.7.9(e)
जल संतुलन	वेट पॉन्ड के समान (आर्द्रभूमि की न्यूनतम गहराई बनी रहे)	8.7.8
VR	7.0 (विस्तारित अस्थायी भंडारण आर्द्रभूमि)	तालिका 8.3

तालिका 8D.9 — स्थूल प्रदूषक जाल और आउटफॉल की जालियाँ

मद	अपेक्षा	खंड
उपचार प्रवाह	Q_wq; 1% AEP तक के सभी प्रवाह पकड़ी गई सामग्री को बहाए बिना निकलें	8.7.10(a)
पकड़ का आकार	लगभग 5 mm तक	8.7.10(b)
हेड हानि	ड्रेन की HGL में (अध्याय 9), जाली 50% अवरुद्ध	8.7.10(c), 8.10.3(a)
भंडारण	O&M सफाई अंतराल के लिए; 3-मासिक सफाई से कम नहीं	8.7.10(d)
पहुँच	सक्शन या ग्रैब सफाई के लिए वाहन की पहुँच; सफाई के लिए सुरक्षित प्लेटफॉर्म	8.7.10(e), 8.10.3(d)
अवरुद्ध जाली	अतिप्रवाह या बाइपास मार्ग ताकि पूरी तरह अवरुद्ध जाली संपत्ति को जलमग्न न करे	8.10.3(b)
छड़ों के बीच की दूरी	खतरे के अनुसार चुनी जाए: कचरा पकड़ने के लिए कम, जहाँ अवरोध से बाढ़ आएगी वहाँ अधिक; डिजाइन में पुष्टि की जानी है	8.10.3(c)

तालिका 8D.10 — तेल-ग्रिट पृथक्कारी

मद	अपेक्षा	खंड
कहाँ	ईंधन स्टेशन; वाहन वर्कशॉप और धुलाई स्थल; बस और ट्रक डिपो; 50 से अधिक स्थानों वाले पार्किंग क्षेत्र	8.7.11(a)
आकार निर्धारण	Q_wq, उच्च-प्रवाह बाइपास के साथ	8.7.11(b)
अकेले नहीं	जहाँ साइट को 5 से अधिक VR की आवश्यकता हो वहाँ इसके बाद निस्यंदन BMP; हॉटस्पॉट पर किसी भी अंतःस्यंदन से पहले लाइनरयुक्त निस्यंदन BMP	8.7.11(c), 8.8.8

तालिका 8D.11 — अंतःस्यंदन और भूजल पुनर्भरण के मानदंड (सभी अंतःस्यंदन BMP)

मद	अपेक्षा	खंड
भूजल से दूरी	मौसमी उच्चतम भूजल स्तर आधार से ≥ 1.0 m नीचे (अधिसूचित तटीय रेत में केवल छत का अपवाह: उभार जाँच के साथ ≥ 0.5 m, उभार आधार से ≥ 0.3 m नीचे)	8.8.1, 8.8.9(d)
आधार-शैल या अपारगम्य परत	आधार ≥ 1.0 m ऊपर, जब तक कि खंड 8.8.10 के अंतर्गत चट्टानी जलभृत के पुनर्भरण के लिए डिजाइन न हो	8.8.2

मद	अपेक्षा	खंड
परीक्षण	बेसिन, बायोरिटेंशन, पारगम्य पेवमेंट के लिए डबल-रिंग (ASTM D3385); खाइयों, सोख गड्ढों, गड्ढों, कुओं के लिए फॉलिंग-हेड बोरहोल या ट्रायल-पिट सोखन (उदाहरण के लिए BRE Digest 365); प्रति सुविधा ≥ 2 और आधार के प्रति 100 m^2 या खाई के प्रति 50 m पर ≥ 1; प्रपत्र 8-2	8.8.3
डिजाइन दर	मापी गई दर ÷ 2.0 (परीक्षण 8.8.3(c) को पूरा करें और उनमें 2 गुने से अधिक का अंतर न हो), अन्यथा ÷ 3.0	8.8.4
न्यूनतम दरें	≥ 13 mm/h पूर्ण अंतःस्यंदन; 3–13 mm/h आंशिक, अंडरड्रेन सहित, क्रेडिट केवल 72 h के भीतर अंतःस्यंदित आयतन के लिए; < 3 mm/h कोई क्रेडिट नहीं	8.8.5
सेटबैक (पक्की सतहों से अपवाह)	नींव 3 m, बेसमेंट 5 m; संपत्ति की सीमा 1.5 m; पेयजल कुआँ या बोरवेल 30 m; सेप्टिक टैंक या सोख गड्ढा 15 m; 1V:3H से अधिक खड़े ढलान का शिखर 6 m	8.8.6
फैलने वाली मिट्टी	नींव से सेटबैक दोगुना	8.8.11(b)
खाली होना	डिजाइन दर पर 72 h के भीतर खाली; निर्माण के बाद परीक्षण	8.8.7
हॉटस्पॉट	उपचार के बिना कोई अंतःस्यंदन नहीं; अपशिष्ट स्थलों और दूषित भूमि पर बिल्कुल नहीं	8.8.8
सड़क का अपवाह	कभी भी किसी कुएँ, बोरवेल या पुनर्भरण शाफ्ट में सीधे नहीं ले जाया जाए	8.11.3(b)

8D.2 बायोरिटेंशन के खाली होने की जाँच

48 घंटे में रुके जल का खाली होना (खंड 8.7.2(b)) और खंड 8.8.5 की न्यूनतम दरें मिलकर तय करती हैं कि किसी सेल को अंडरड्रेन की आवश्यकता है या नहीं।

- अधिकतम जल रुकने की गहराई को 48 h में खाली करने के लिए आवश्यक दर = 300 mm / 48 h = 6.25 mm/h।
- डिजाइन दर ≥ 13 mm/h: पूर्ण अंतःस्यंदन, बिना अंडरड्रेन, बशर्ते खंड 8.8 पूरा हो।
- डिजाइन दर 6.25 mm/h से 13 mm/h तक: रुका जल समय पर निकल जाता है, परंतु खंड 8.8.5(b) लागू होता है, इसलिए अंडरड्रेन आवश्यक है।
- डिजाइन दर 6.25 mm/h से कम: रुका जल अंतःस्यंदन द्वारा 48 h में नहीं निकल सकता; अंडरड्रेन आवश्यक है (खंड 8.7.2(e)), और 3 mm/h से कम पर कोई अंतःस्यंदन क्रेडिट नहीं दिया जाता।

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं. किसी प्रस्तावित सेल के आधार पर दो परीक्षण 30 mm/h और 22 mm/h देते हैं। दोनों परिणामों में 30 / 22 = 1.36 गुने का अंतर है, जो 2 से अधिक नहीं है, और परीक्षणों की संख्या खंड 8.8.3(c) को पूरा करती है, इसलिए सुरक्षा गुणक 2.0 है। कम परिणाम लेते हुए, डिजाइन दर = 22 / 2.0 = 11 mm/h। यह 6.25 mm/h से अधिक है, इसलिए रुका जल 300 / 11 = 27 h में, 48 h के भीतर, निकल जाता है। यह 13 mm/h से कम है, इसलिए सेल अंडरड्रेन सहित आंशिक-अंतःस्यंदन डिजाइन है (खंड 8.8.5(b))।

8D.3 फिल्टर माध्यम विनिर्देश

तालिका 8D.12 — बायोरिटेंशन फिल्टर माध्यम और परतें

परत	अध्याय 8 की अपेक्षा	डिजाइन में पुष्टि किए जाने वाले मान
मल्च	50–75 mm (खंड 8.7.2(c)); कटी हुई कठोर लकड़ी या इसी प्रकार की कार्बनिक मल्च जो जल रुकने की गहराई पर तैरकर न बहे	सामग्री और स्रोत

परत	अध्याय 8 की अपेक्षा	डिजाइन में पुष्टि किए जाने वाले मान
फिल्टर माध्यम	कम महीन कणों और कम फॉस्फोरस वाली 600–900 mm इंजीनियर्ड बलुई दोमट (खंड 8.7.2(c))	कण आकार श्रेणीकरण; महीन कणों (गाद + चिकनी मिट्टी) की सीमा; कार्बनिक पदार्थ की मात्रा; फॉस्फोरस की सीमा; संघनित माध्यम की संतृप्त हाइड्रोलिक चालकता; प्रत्येक खेप के लिए स्रोत और परीक्षण प्रमाण-पत्र
संक्रमण (चोकर) परत	माध्यम और बजरी के बीच, माध्यम को बजरी में बहने से रोकने के लिए (खंड 8.7.2(d))	मोटाई और श्रेणीकरण, माध्यम और बजरी से मेल खाते हुए
बजरी जल निकासी परत	संक्रमण परत के नीचे, अंडरड्रेन को घेरे हुए (खंड 8.7.2(d))	मोटाई, श्रेणीकरण, धुली हुई
अंडरड्रेन	जहाँ खंड 8.7.2(e) लागू हो वहाँ छिद्रित पाइप, सफाई द्वारों (cleanouts) के साथ	व्यास, ढलान, छिद्रण, आउटलेट स्तर
लाइनर	जहाँ खंड 8.7.2(f) लागू हो (खंड 8.8 पूरा न हो सके; हॉटस्पॉट)	लाइनर का प्रकार और सुरक्षा

माध्यम का बिछाने से पहले परीक्षण किया जाएगा, और उसे भारी संघनन के बिना परतों में बिछाया जाएगा। राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति को इस परिशिष्ट की समीक्षा करते समय, रेत और कम्पोस्ट के स्थानीय स्रोतों के साथ, श्रेणीकरण, महीन कणों, कार्बनिक पदार्थ और फॉस्फोरस की संख्यात्मक सीमाएँ निर्धारित करनी चाहिए।

8D.4 पौधों की सूचियाँ

नीचे दी गई सूचियाँ **सांकेतिक** हैं। इनमें ऐसी प्रजातियों के नाम हैं जो छोटानागपुर पठार पर और गंगा के मैदान में देशज हैं या लंबे समय से प्राकृतिकीकृत हैं और गीली और शुष्क दोनों प्रकार की अवधियाँ सहने के लिए जानी जाती हैं, या, जहाँ अंकित है, केवल शुष्क ऊपरी भूमि के लिए; वर्षा जल के लिए रोपण पर झारखंड के किसी स्रोत पर इस मैनुअल के लिए शोध नहीं किया गया। हिन्दी या उर्दू नाम केवल वहीं दिए गए हैं जहाँ जे. टी. प्लैट्स (J. T. Platts), *A Dictionary of Urdu, Classical Hindi, and English* (1884, डिजिटल साउथ एशिया लाइब्रेरी द्वारा उपलब्ध कराए गए रूप में), उस प्रजाति या नामित पौधे के लिए नाम देता है, पृष्ठ सहित; डैश का अर्थ है कि किसी नाम की पुष्टि नहीं हुई। प्लैट्स प्रायः पुराने वानस्पतिक नामों का उपयोग करता है, जो टिप्पणियों में दिए गए हैं। किसी नागपुरी, संथाली या अन्य क्षेत्रीय नाम की जाँच नहीं की गई। अंतिम चयन की पुष्टि साइट की मिट्टी और भूजल स्तर के लिए किसी उद्यान विशेषज्ञ (horticulturist) या राज्य वन विभाग से की जाएगी। पठार की लैटेराइट और पतली लाल मिट्टी पर स्थित साइटों के लिए ऐसी प्रजातियाँ चाहिए जो चट्टान के ऊपर की शुष्क, पतली मिट्टी और कठोर परत सह सकें; निचली (दोन; don) भूमि की साइटों, तालाब (talab) के किनारों और डूब क्षेत्र की साइटों के लिए ऐसी प्रजातियाँ जो खड़ा पानी सह सकें; और कोयला क्षेत्र में ओवरबर्डन डंपों के आधार (toe) और तलछट बेसिनों के किनारों के लिए ऐसी प्रजातियाँ जो ढीले, अनुपजाऊ खनन मलबे (spoil) को बाँध सकें।

तालिका 8D.13 — बायोरिटेंशन, स्वेल और फिल्टर पट्टियों के लिए सांकेतिक पौधे

उपयोग	वानस्पतिक नाम	हिन्दी / उर्दू नाम	टिप्पणियाँ
स्वेल, फिल्टर पट्टियाँ, बायोरिटेंशन के किनारे, डंप के आधार	*Chrysopogon zizanioides* (vetiver)	ख़स / خس (k̲has)	गहरी जड़ों वाली गुच्छेदार घास; बाढ़ और सूखा सहती है; पार्श्व ढलानों, तालाब (talab) के किनारों और ओवरबर्डन डंपों के आधार (toe) पर मिट्टी बाँधती है। प्लैट्स: "एक सुगंधित घास, *Andropogon muricatum* (जिसकी जड़ों से *taṭṭīs* बनाई जाती है)" ("A fragrant grass, *Andropogon muricatum* (from the roots of which *taṭṭīs* are made)") (पृ. 489), जो इसी प्रजाति का पुराना नाम है
स्वेल और फिल्टर पट्टियाँ (घास का मैदान)	*Cynodon dactylon* (Bermuda grass)	दूब / دوب (dūb)	नीची घास; सूखा, आवागमन और अल्पकालिक बाढ़ सहती है। प्लैट्स: "बेंट घास, पैनिक घास, *Panicum dactylon*, या *Cynodon dactylon*" ("Bent grass, panic grass, *Panicum dactylon*, or *Cynodon dactylon*") (पृ. 531)

उपयोग	वानस्पतिक नाम	हिन्दी / उर्दू नाम	टिप्पणियाँ
डूब क्षेत्र की साइटों पर स्वेल और किनारे	*Saccharum spontaneum*	कास / کاس (kās)	नदी की रेत की देशज ऊँची घास; किनारों को बाँधती है; जहाँ यह किसी चैनल में बाधा डाले वहाँ काट दी जाए। प्लैट्स: "घास की एक प्रजाति, जिससे रस्सियाँ आदि बनाई जाती हैं, *Saccharum spontaneum*" ("A species of grass, of which ropes, &c. are made, *Saccharum spontaneum*") (पृ. 801)
बायोरिटेंशन और स्वेल के पास वृक्ष	*Syzygium cumini*	जामुन, जामन / جامن (jāmun, jāman)	देशज; गीली भूमि सहता है। प्लैट्स: "वृक्ष *Eugenia jambelana*, या *Syzygium jambolanum*, और उसका फल" ("The tree *Eugenia jambelana*, or *Syzygium jambolanum*, and its fruit") (पृ. 372)
बायोरिटेंशन और स्वेल के पास वृक्ष	*Millettia pinnata* (syn. *Pongamia pinnata*)	करंज / کرنج (karanj)	देशज; जलभराव और सूखा सहता है। प्लैट्स *Galedupa arborea* का नाम देता है, जो इसी प्रजाति का पुराना नाम है, परंतु उसी शब्द के अंतर्गत फीवर-नट *Caesalpinia bonducella* का भी (पृ. 828); आपूर्तिकर्ता से प्रजाति की पुष्टि करें। जड़ों को अंडरड्रेन से दूर रखें
बायोरिटेंशन, स्वेल और चैनलों के पास वृक्ष	*Terminalia arjuna*	अर्जुन / ارجن (arjun)	नदी किनारे का देशज वृक्ष; मौसमी बाढ़ सहता है। प्लैट्स: "एक विशेष वृक्ष, *Terminalia alata glabra*" ("a certain tree, *Terminalia alata glabra*") (पृ. 39); यह नाम इसी प्रजाति के लिए है, इसकी पुष्टि प्लैट्स में नहीं हुई
वेट पॉन्ड के पास और निचली भूमि की साइटों पर वृक्ष	*Neolamarckia cadamba* (syn. *Anthocephalus cadamba*)	कदम्ब / کدمب (kadamb)	देशज; गीली भूमि सहता है। प्लैट्स: "वृक्ष *Nauclea cadamba*" ("The tree *Nauclea cadamba*") (पृ. 821), जो इसी प्रजाति का पुराना नाम है; प्लैट्स संस्कृत रूप देता है, और बोलचाल के रूप kadam की जाँच नहीं की गई
लैटेराइट के किनारों, स्वेल के किनारों और डंप के आधार पर वृक्ष	*Butea monosperma* (palash)	पलाश / پلاش (palāś); ढाक / ڈھاک (ḍhāk)	पठार का देशज वृक्ष; अनुपजाऊ, कठोर और मौसमी रूप से गीली भूमि सहता है। प्लैट्स: "वृक्ष *Butea frondosa*" ("the tree *Butea frondosa*") (पृ. 267) और "*Butea frondosa* (पर्याय *palās*...)" ("The *Butea frondosa* [syn. *palās*...]") (पृ. 569), जो इसी प्रजाति का पुराना नाम है
केवल शुष्क ऊपरी किनारों पर वृक्ष (गीले क्षेत्र में नहीं)	*Shorea robusta* (sal)	साल / سال (sāl)	पठार का देशज वन वृक्ष; जलभराव नहीं सहता, इसलिए केवल स्वेल और फिल्टर पट्टियों के ऊपरी किनारों पर और 50% AEP स्तर से ऊपर के किनारों पर लगाया जाता है। प्लैट्स: "साल वृक्ष, *Shorea robusta*, और उसकी लकड़ी" ("The saul tree, *Shorea robusta*, and its wood") (पृ. 626)
केवल शुष्क ऊपरी किनारों पर वृक्ष (गीले क्षेत्र में नहीं)	*Madhuca longifolia* var. *latifolia* (mahua)	महुआ / مہوا (mahu'ā)	देशज; सूखा-सहिष्णु; शुष्क किनारों और ऊपरी भूमि के किनारों पर लगाया जाता है, बायोरिटेंशन सेल में नहीं। प्लैट्स: "वृक्ष *Bassia latifolia*, और उसका फूल" ("The tree *Bassia latifolia*, and its flower") (पृ. 1101), जो इसी प्रजाति का पुराना नाम है
डूब क्षेत्र की साइटों पर चैनलों के पास वृक्ष	*Dalbergia sissoo*	शीशम / شیشم (śīśam)	नदी तट का वृक्ष, व्यापक रूप से रोपित। प्लैट्स: "वृक्ष *Dalbergia sisu*, और उसकी लकड़ी" ("The tree *Dalbergia sisu*, and its wood") (पृ. 740)
वेट पॉन्ड और चैनलों के पास वृक्ष	*Ficus racemosa* (syn. *F. glomerata*)	गूलर / گولر (gūlar)	धाराओं के किनारों का देशज अंजीर। प्लैट्स: "जंगली अंजीर, *Ficus glomerata*" ("The wild fig, *Ficus glomerata*") (पृ. 926)। जड़ों को अंडरड्रेन, पाइपों और दीवारों से दूर रखें
बायोरिटेंशन (फूलदार, गीले क्षेत्र)	*Canna indica*	—	प्राकृतिकीकृत; जलभराव सहता है; भारत में निर्मित आर्द्रभूमियों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है

तालिका 8D.14 — निर्मित आर्द्रभूमियों और वेट पॉन्ड के लिए सांकेतिक पौधे

क्षेत्र	वानस्पतिक नाम	हिन्दी / उर्दू नाम	टिप्पणियाँ
उथला वृहत्पादप क्षेत्र	*Typha* spp. (e.g. *T. domingensis*, syn. *T. angustata*)	—	देशज; तेजी से फैलता है और समय-समय पर कटाई आवश्यक है। प्लैट्स में किसी हिन्दी नाम की पुष्टि नहीं हुई: पटेर (paṭer), जो कभी-कभी इसके लिए प्रयुक्त होता है, प्लैट्स में *Cyperus* के अर्थ में दिया गया है (पृ. 229)
उथला वृहत्पादप क्षेत्र	*Phragmites karka*	नल / نل (nal); नरसल / نرسل (narsal)	देशज सरकंडा; तेजी से बढ़ता है; नालों (nala) और चैनलों से, जहाँ यह प्रवाह में बाधा डाले, बाहर रखें। प्लैट्स: "सरकंडे की एक प्रजाति, *Amphidonax karka*, या *Arundo karka*" ("A species of reed, *Amphidonax karka*, or *Arundo karka*") (पृ. 1152) और "सरकंडे की एक बड़ी प्रजाति, *Arundo karka*" ("A large species of reed, *Arundo karka*") (पृ. 1132)
उथला वृहत्पादप क्षेत्र	*Canna indica*	—	तालिका 8D.13 के अनुसार
खुला जल और गहरे क्षेत्र	*Nelumbo nucifera* (lotus)	कमल / کمل (kamal)	देशज; केवल स्थायी जल-भंडार के लिए। प्लैट्स: "कमल, *Nelumbium speciosum*" ("The lotus, *Nelumbium speciosum*") (पृ. 849)
खुला जल और गहरे क्षेत्र	*Nymphaea nouchali* (blue water lily)	नीलोफ़र / نیلوفر (nīlofar)	देशज; केवल स्थायी जल-भंडार के लिए। प्लैट्स: "नीली कुमुदिनी, *Nymphæa cyanea*" ("the blue water-lily, *Nymphæa cyanea*") (पृ. 1168), जो इसी प्रजाति का पुराना नाम है

तालिका 8D.15 — न लगाई जाने वाली प्रजातियाँ

वानस्पतिक नाम	हिन्दी / उर्दू नाम	कारण
Eichhornia crassipes (water hyacinth)	—	आक्रामक; तालाबों (talab), शहरी जलाशयों, नालों (nala) और जालियों को अवरुद्ध करती है
Prosopis juliflora	—	तालाबों के तलों, तटबंधों, ड्रेन के किनारों और खनन मलबे पर आक्रामक
Ipomoea carnea	—	तालाबों और चैनलों में आक्रामक; प्रवाह में बाधा डालती है
Lantana camara	—	पठार के वनों के किनारों और खनन भूमि पर आक्रामक; स्वेल या किनारों के लिए नहीं

परिशिष्ट 8E — अपरदन और तलछट नियंत्रण के मानक विवरण

अध्याय 8 के खंड 8.12 के लिए।

नीचे दिए गए विवरण प्रत्येक उपाय की व्यवस्था दर्शाते हैं। मैनुअल द्वारा निर्धारित आयाम दिए गए हैं। जो आयाम मैनुअल निर्धारित नहीं करता, वे "डिजाइन में पुष्टि की जानी है" के रूप में चिह्नित हैं और ESC योजना पर दर्शाए जाएँगे (खंड 8.12.1)। अस्थायी उपाय अध्याय 2 की वर्षा और 1.0 के जलवायु गुणक के साथ डिजाइन किए जाते हैं (खंड 8.12.4)।

तालिका 8E.1 — उपायों का चयन (खंड 8.12.3)

स्थिति	उपाय	विवरण
किसी विक्षुब्ध क्षेत्र से उसके निचले ढलान वाले किनारे के साथ निकलने वाला परत प्रवाह	गाद बाड़	चित्र 8E.1

स्थिति	उपाय	विवरण
2 ha तक के विक्षुब्ध क्षेत्र से संकेंद्रित प्रवाह	तलछट जाल	चित्र 8E.2
2 ha से अधिक का विक्षुब्ध क्षेत्र	सतही जल-निष्कासन आउटलेट वाला तलछट बेसिन	चित्र 8E.2
साइट का अपवाह प्राप्त करने वाला विद्यमान ड्रेन इनलेट	इनलेट सुरक्षा	चित्र 8E.4
सार्वजनिक सड़क पर वाहनों का निकास	पहिया धुलाई के साथ स्थिरीकृत निर्माण निकास	चित्र 8E.3
सामग्री के ढेर	किसी भी जलाशय सेटबैक के जोन 1 के बाहर; किसी भी ड्रेन से ≥ 10 m; दक्षिण-पश्चिम मानसून में ढके हुए	चित्र 8E.1 की टिप्पणियाँ
जल-निष्कासन	तलछट बेसिन, अवसादन टैंक या फिल्टर बैग से होकर; कभी भी सीधे किसी ड्रेन या जलाशय में पंप नहीं	चित्र 8E.2 की टिप्पणियाँ
कंक्रीट धुलाई	लाइनरयुक्त गड्ढा; कभी भी किसी ड्रेन में नहीं	चित्र 8E.3 की टिप्पणियाँ

8E.1 गाद बाड़

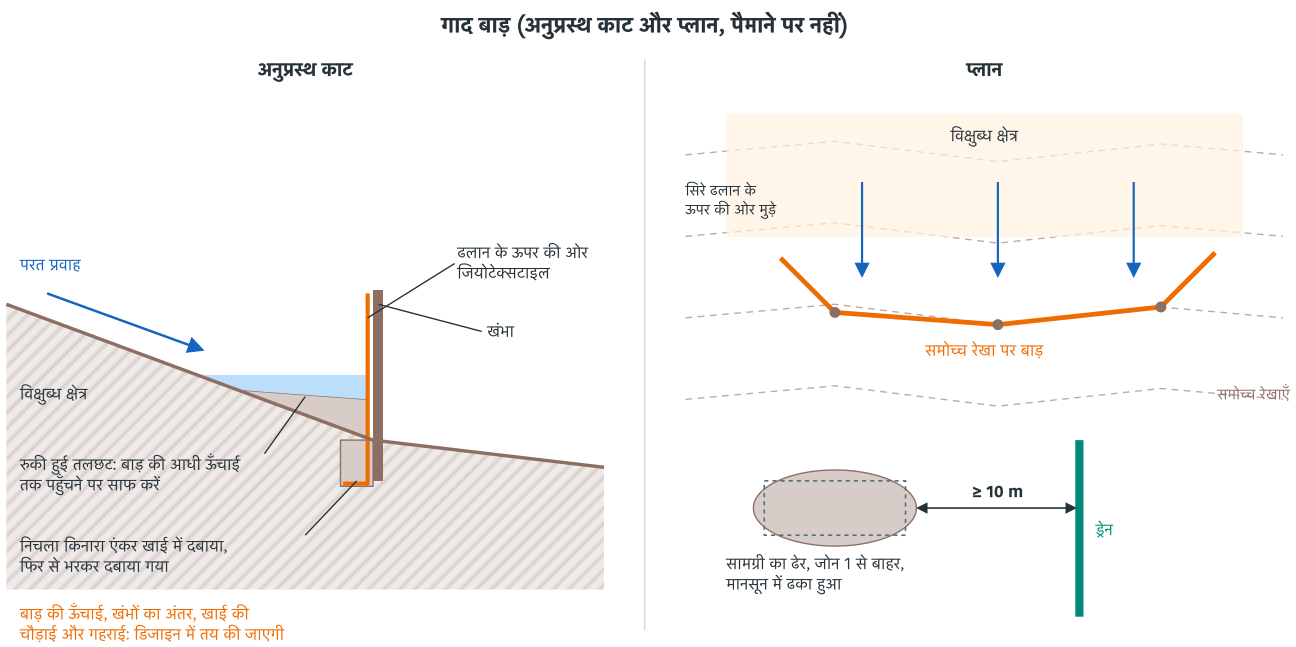

साप्ताहिक और भारी वर्षा के बाद 24 h के भीतर निरीक्षण; 48 h के भीतर मरम्मत (खंड 8.12.5)। प्रति बाड़ जल निकासी क्षेत्र: परिशिष्ट 8E (तैयार किया जाना है)।

चित्र 8E.1 — गाद बाड़: काट, जिसमें खूँटों पर जियोटेक्सटाइल दर्शाया गया है जिसका निचला किनारा ऊपरी ढलान की ओर एक एंकर खाई में दबा है, और योजना, जिसमें बाड़ को समोच्च रेखा पर, सिरों पर मोड़ के साथ, दर्शाया गया है। मैनुअल द्वारा निर्धारित न किए गए आयामों की डिजाइन में पुष्टि की जानी है। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, US EPA, NPDES Construction General Permit (2022), और CIRIA, The SuDS Manual (C753), 2015 से अनुकूलित।

तैयार किया जाना है. खंड 8.12.3(a) प्रत्येक गाद बाड़ तक बहने वाले क्षेत्र की सीमा के लिए इस परिशिष्ट का संदर्भ देता है। वह सीमा, और बाड़ के ऊपर ढलान की अधिकतम लंबाई, झारखंड की वर्षा के लिए राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति द्वारा निर्धारित की जानी हैं। उनके प्रकाशित होने तक, सामान्य अमेरिकी व्यवहार से ली गई निम्नलिखित अंतरिम सीमाएँ लागू होती हैं (US EPA, Stormwater Best Management Practice fact sheet: Silt Fence):

- जल निकासी क्षेत्र: बाड़ के प्रति 30 m पर **0.1 ha** से अधिक नहीं;
- बाड़ के ऊपर ढलान की लंबाई: 2% से कम ढलान पर 30 m, 2–5% पर 23 m, 5–10% पर 15 m, 10–20% पर 8 m और 20% से अधिक खड़े ढलान पर 5 m से अधिक नहीं;
- जहाँ कहीं प्रवाह संकेंद्रित होकर आता हो, या कोई सीमा पूरी न की जा सके, वहाँ उसके स्थान पर तलछट जाल (चित्र 8E.2) का उपयोग किया जाता है।

डिजाइनकर्ता ESC योजना पर प्रत्येक बाड़ द्वारा सेवित जल निकासी क्षेत्र और ढलान की लंबाई दर्शाएगा।

टिप्पणियाँ:

1. विक्षुब्ध क्षेत्र के निचले ढलान वाले किनारे पर समोच्च रेखा के साथ लगाएँ, कभी भी संकेंद्रित प्रवाह मार्ग के आर-पार नहीं।
2. सिरों को ऊपरी ढलान की ओर मोड़ें ताकि पानी उनके चारों ओर से न बह सके।
3. साप्ताहिक और प्रत्येक भारी वर्षा घटना के 24 घंटों के भीतर निरीक्षण करें; 48 घंटों के भीतर मरम्मत करें; जमाव बाड़ की आधी ऊँचाई तक पहुँचने पर तलछट हटाएँ (खंड 8.12.5)।
4. केवल तभी हटाएँ जब उस तक बहने वाला क्षेत्र स्थिर हो जाए (खंड 8.12.6)।
5. सामग्री के ढेर: जोन 1 के बाहर, किसी भी ड्रेन से कम से कम 10 m दूर, और दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान ढके हुए (खंड 8.12.3(f))।

8E.2 तलछट जाल और तलछट बेसिन

सतही जल-निष्कासन आउटलेट सहित तलछट बेसिन (अनुप्रस्थ काट, पैमाने पर नहीं)

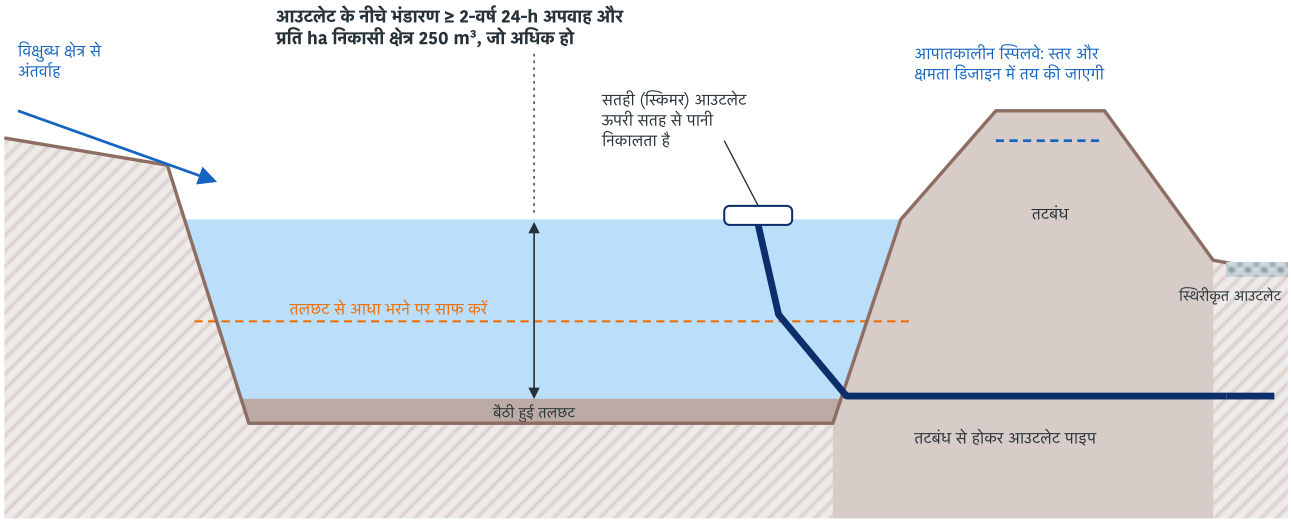

तलछट जाल: 2 ha तक का विक्षुब्ध क्षेत्र। तलछट बेसिन: 2 ha से अधिक (खंड 8.12.3(b), (c))।
डिजाइन वर्षा अध्याय 2 से, जलवायु गुणक 1.0 (खंड 8.12.4)। खुदाई का जल-निष्कासन बेसिन, अवसादन टैंक या फिल्टर बैग से होकर जाता है।

चित्र 8E.2 — तलछट जाल या बेसिन की काट: अंतर्वाह, आउटलेट के नीचे भंडारण आयतन, जल-भंडार के ऊपरी भाग से पानी निकालने वाला सतही जल-निष्कासन आउटलेट (स्किमर), आपातकालीन स्पिलवे, और भंडारण के आधे पर तलछट सफाई स्तर। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, US EPA, NPDES Construction General Permit (2022) से अनुकूलित।

टिप्पणियाँ:

1. **तलछट जाल:** 2 ha तक के विक्षुब्ध क्षेत्रों से संकेंद्रित प्रवाह के लिए (खंड 8.12.3(b))। भंडारण आयतन, गहराई और आउटलेट: डिजाइन में पुष्टि की जानी है।
2. **तलछट बेसिन:** 2 ha से अधिक के विक्षुब्ध क्षेत्रों के लिए। आउटलेट के नीचे भंडारण ≥ (a) 50% AEP (2-वर्ष) 24-घंटे की वर्षा घटना से अपवाह और (b) जल निकासी क्षेत्र के प्रति हेक्टेयर 250 m^3 में से जो अधिक हो (खंड 8.12.3(c))।
3. जल-निष्कासन आउटलेट सतह से पानी निकालता है (खंड 8.12.3(c))।
4. आपातकालीन स्पिलवे और उसकी क्षमता: डिजाइन में पुष्टि की जानी है। जहाँ बेसिन एक स्थायी अस्थायी भंडारण सुविधा भी हो, वहाँ अध्याय 4 के स्पिलवे नियम लागू होते हैं।
5. तलछट से आधा भर जाने पर सफाई करें (खंड 8.12.5)। किसी भी स्थायी सुविधा से उसके यथा-निर्मित सर्वेक्षण से पहले तलछट हटाएँ (खंड 8.12.6)।
6. खुदाई का जल-निष्कासन किसी तलछट बेसिन, अवसादन टैंक या फिल्टर बैग से होकर होगा (खंड 8.12.3(g))।

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं. एक तलछट बेसिन 3.0 ha विक्षुब्ध भूमि की सेवा करता है। 100 mm की 2-वर्ष 24-घंटे की वर्षा (जलवायु गुणक 1.0, खंड 8.12.4) और अध्याय 2 की पूर्ववर्ती नमी स्थिति के अंतर्गत खुली संघनित भूमि के लिए 86 का कर्व नंबर मानें।

- $S = 25{,}400 / 86 - 254 = 41.35$ mm; $I_a = 0.2S = 8.27$ mm
- $Q = (P - I_a)^2 / (P - I_a + S) = (100 - 8.27)^2 / (100 - 8.27 + 41.35) = 8{,}414 / 133.08 = 63.2$ mm
- (a) अपवाह आयतन = $10 \times Q \times A = 10 \times 63.2 \times 3.0 = 1{,}896$ m^3
- (b) 250 m^3/ha × 3.0 ha = 750 m^3
- आउटलेट के नीचे आवश्यक भंडारण = max (1,896, 750) = 1,896 m^3। यहाँ 2-वर्ष का अपवाह निर्णायक है।

8E.3 स्थिरीकृत निर्माण निकास और कंक्रीट धुलाई

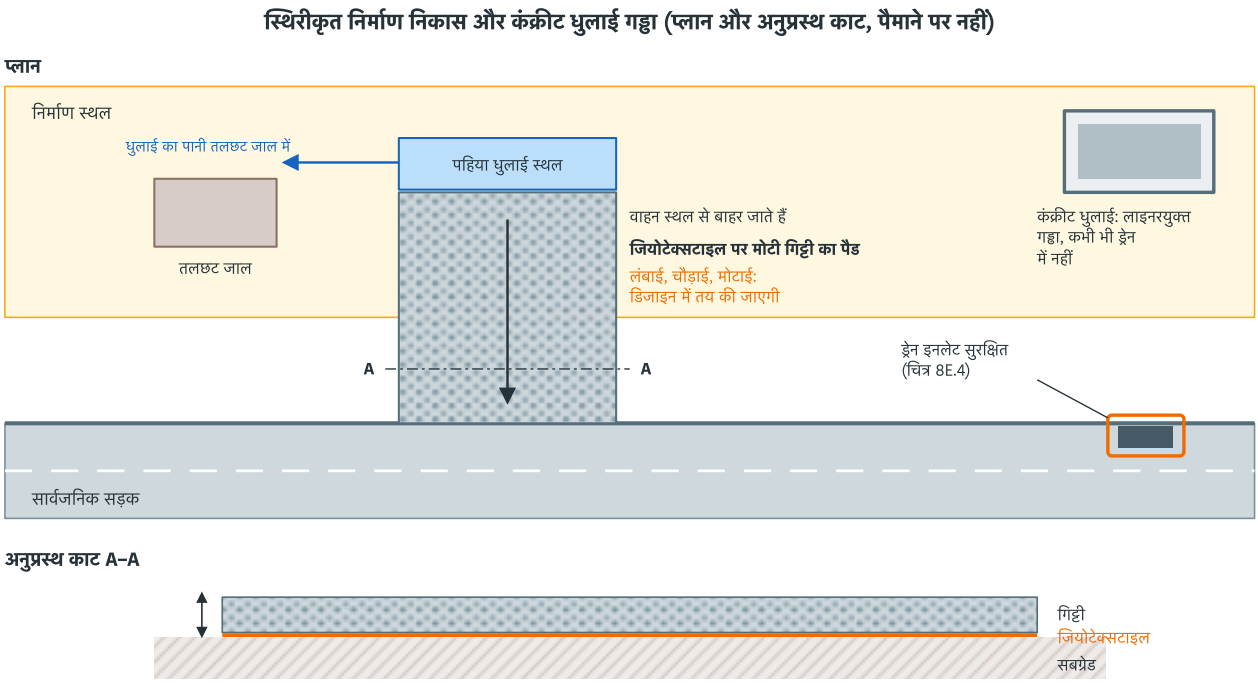

खंड 8.12.3(e) और (h)। सार्वजनिक सड़क पर आई तलछट को हर कार्य दिवस के अंत में झाड़कर हटाएँ।

चित्र 8E.3 — स्थिरीकृत निर्माण निकास: प्लान और काट, जिसमें साइट और सार्वजनिक सड़क के बीच जियोटेक्सटाइल पर मोटे एग्रीगेट का पैड, तलछट जाल में पानी छोड़ने वाला पहिया-धुलाई स्थल, और लाइनरयुक्त कंक्रीट धुलाई गड्ढा दर्शाया गया है। मैनुअल द्वारा निर्धारित न किए गए आयामों की डिजाइन में पुष्टि की जानी है। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, US EPA, NPDES Construction General Permit (2022) से अनुकूलित।

टिप्पणियाँ:

1. प्रत्येक उस बिंदु पर लगाएँ जहाँ वाहन साइट से सार्वजनिक सड़क पर निकलते हैं, पहिया धुलाई के साथ (खंड 8.12.3(e))।
2. पैड की लंबाई, चौड़ाई, मोटाई और एग्रीगेट का आकार: डिजाइन में पुष्टि की जानी है।
3. धुलाई का पानी किसी तलछट जाल या बेसिन में जाए, कभी भी किसी ड्रेन में नहीं।
4. कंक्रीट धुलाई लाइनरयुक्त गड्ढे में, कभी भी किसी ड्रेन में नहीं (खंड 8.12.3(h))।
5. सार्वजनिक सड़क पर आई किसी भी तलछट को प्रत्येक कार्य दिवस के अंत में साफ करें।

8E.4 इनलेट सुरक्षा

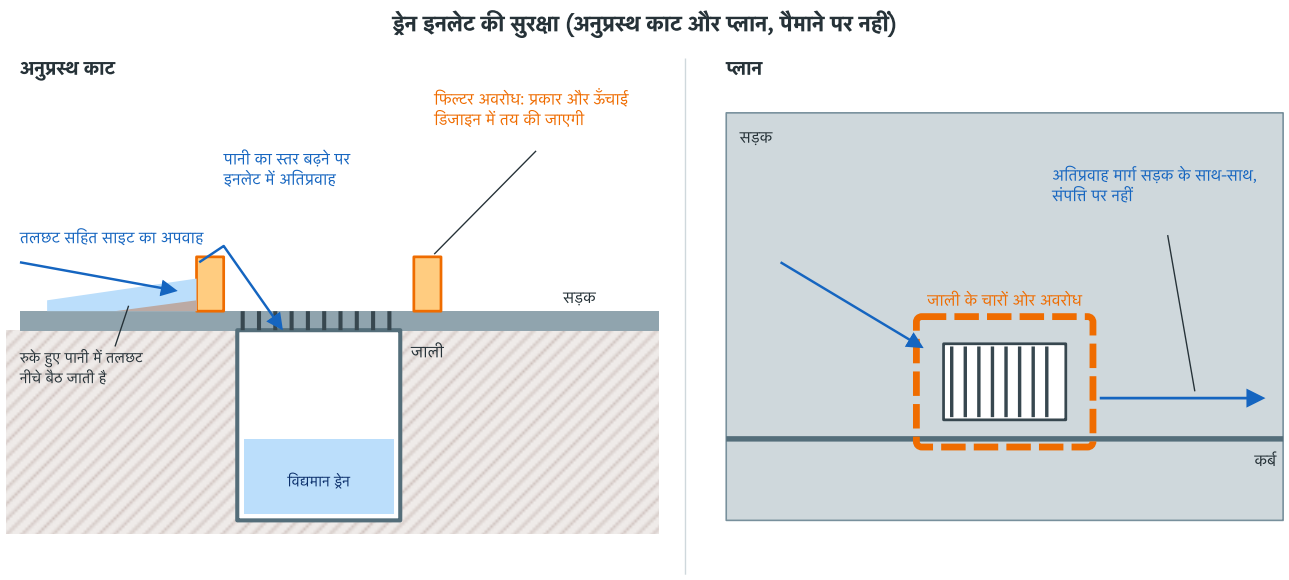

खंड 8.12.3(d)। हर भारी वर्षा के बाद तलछट हटाएँ (खंड 8.12.5)। सुरक्षा व्यवस्था से इनलेट अवरुद्ध नहीं होना चाहिए।

चित्र 8E.4 — किसी विद्यमान ड्रेन इनलेट पर इनलेट सुरक्षा: जाली या कर्ब इनलेट के चारों ओर एक फिल्टर अवरोध, अतिप्रवाह मार्ग के साथ ताकि रुका पानी सड़क या संपत्ति को जलमग्न न करे। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, US EPA, NPDES Construction General Permit (2022), और CIRIA, The SuDS Manual (C753), 2015 से अनुकूलित।

टिप्पणियाँ:

1. साइट से अपवाह प्राप्त करने वाले प्रत्येक विद्यमान ड्रेन इनलेट पर (खंड 8.12.3(d))।
2. सुरक्षा इनलेट को अवरुद्ध नहीं करनी चाहिए: उसके पीछे रुका पानी इनलेट में या सड़क के साथ अतिप्रवाहित हो सकना चाहिए।
3. अवरोध का प्रकार और ऊँचाई: डिजाइन में पुष्टि की जानी है।
4. प्रत्येक भारी वर्षा घटना के बाद तलछट हटाएँ (खंड 8.12.5)।

8E.5 समय और निरीक्षण

तालिका 8E.2 — ESC का समय और निरीक्षण (खंड 8.12.2 और 8.12.5)

मद	अपेक्षा
पूरे हो चुके मिट्टी के काम	31 मई तक वनस्पति, मल्च, मैटिंग या पक्की सतह द्वारा स्थिर
10 जून और 20 अक्तूबर के बीच साफ किया गया क्षेत्र	सफाई से पहले तलछट नियंत्रण लगे हों
दक्षिण-पश्चिम मानसून में खुला क्षेत्र	यथासंभव छोटा
निरीक्षण	साप्ताहिक, और प्रत्येक भारी वर्षा घटना के 24 h के भीतर (अध्याय 10)
मरम्मत	48 h के भीतर
सफाई	तलछट से आधा भर जाने पर
हटाना	केवल तब जब उपाय तक बहने वाला क्षेत्र स्थिर हो जाए

प्रपत्र 8-1 — जल गुणवत्ता पत्रक

अध्याय 8 के खंड 8.4, 8.6 और 8.14 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0.

तालिका 8F.1 — प्रपत्र 8-1, भाग A: साइट और वर्षा

क्र.	क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि	खंड
A1	परियोजना का नाम और प्राधिकारी की फाइल संख्या	_____	—
A2	टियर (A / B) और साइट का क्षेत्रफल, ha	_____	8.6.1
A3	वर्षा जोन (अध्याय 2)	_____	8.4.1
A4	P_ret, mm (परिशिष्ट 2E)	_____	8.4.1
A5	P_3m, mm (परिशिष्ट 8A, या अंतरिम गणना: अभिलेख, वर्ष, विधि)	_____	8.4.1
A6	P_wq = max (P_ret, P_3m), mm (बिना जलवायु गुणक)	_____	8.4.1, 8.4.3
A7	WQv विधि: SCS-CN, या Rv (केवल < 0.5 ha की साइटें और टियर B सरलीकृत विधि)	_____	8.4.2
A8	पुनर्विकास (विद्यमान अपारगम्य ≥ 20%)?	_____	8.6.2

तालिका 8F.2 — प्रपत्र 8-1, भाग B: जल निकासी क्षेत्र के अनुसार जल गुणवत्ता आयतन और प्रवाह

क्षेत्र ID	क्षेत्रफल (ha)	अपारगम्य I (%)	Q_wq अपवाह गहराई (mm) या Rv	WQv (m^3)	Q_wq (m^3/s)	रोका गया आयतन, अध्याय 4 (m^3)	न रोका गया WQv (m^3)	क्षेत्र की सेवा करने वाली BMP	पूर्व-उपचार
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
कुल	_____			_____		_____	_____		

तालिका 8F.3 — प्रपत्र 8-1, भाग C: सेवा स्तर और मूल्य श्रेणी (टियर A)

क्र.	क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि	खंड
C1	विकास-पूर्व CN; विकास-पश्चात CN; ΔCN	_____	8.6.2
C2	आवश्यक LoS (तालिका 8.2, या पुनर्विकास के लिए परिशिष्ट 8B)	_____	8.6.2
C3	संयुक्त VR (परिशिष्ट 8B की गणना संलग्न)	_____	8.6.3
C4	संयुक्त VR ≥ आवश्यक LoS?	_____	8.6.3
C5	टियर B: खंड 8.6.5 के अंतर्गत अपनाया गया मार्ग (a) साइट पर रोका गया / (b) बायोरिटेंशन, वर्षा उद्यान या अंतःस्यंदन	_____	8.6.5

तालिका 8F.4 — प्रपत्र 8-1, भाग D: अन्य प्रस्तुतियाँ (खंड 8.14)

क्र.	मद	संलग्न (हाँ / नहीं / लागू नहीं)	खंड
D1	खंड 8.7 और परिशिष्ट 8D के अनुसार BMP डिजाइन, पूर्व-उपचार सहित	_____	8.14(3)
D2	अंतःस्यंदन परीक्षण अभिलेख (प्रपत्र 8-2), मौसमी उच्चतम भूजल स्तर और स्रोत, डिजाइन दर, खाली होने का समय, सेटबैक	_____	8.14(4)
D3	सीवेज और सलेज जुड़ाव योजना; डाई या धुआँ परीक्षण अभिलेख	_____	8.9.2, 8.14(5)
D4	किसी जलाशय में गिरने वाले किसी भी आउटफॉल के लिए GPT और प्रथम प्रवाह डिजाइन	_____	8.10, 8.14(6)
D5	संचयन, पुनर्भरण और अस्थायी भंडारण को अलग-अलग दर्शाता RWH लेआउट	_____	8.11, 8.14(7)
D6	ESC योजना	_____	8.12, 8.14(8)
D7	हॉटस्पॉट नियंत्रण, जहाँ खंड 8.8.8 लागू हो	_____	8.8.8

तालिका 8F.5 — प्रपत्र 8-1, भाग E: तैयारकर्ता

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
नाम, पंजीकरण और सूचीबद्धता संख्या (खंड 10.6)	_____
हस्ताक्षर और तिथि	_____

प्रपत्र 8-2 — अंतःस्यंदन परीक्षण अभिलेख

अध्याय 8 के खंड 8.8.1 से 8.8.7 और 8.11.4 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. प्रति सुविधा एक अभिलेख। परीक्षण स्थानों को दर्शाने वाला एक नक्शा, और प्रत्येक परीक्षण के पाठ्यांक, संलग्न करें।

तालिका 8F.6 — प्रपत्र 8-2, भाग A: सुविधा

क्र.	क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि	खंड
A1	परियोजना और सुविधा ID; सुविधा का प्रकार	_____	8.8.3
A2	अंतःस्यंदन आधार क्षेत्रफल (m^2) या खाई की लंबाई (m)	_____	8.8.3(c)
A3	सुविधा का प्रस्तावित आधार स्तर, m (डेटम)	_____	8.8.3
A4	अपवाह का स्रोत: केवल छत / पक्की सतहें / मिश्रित; हॉटस्पॉट (हाँ / नहीं)	_____	8.8.6, 8.8.8
A5	भूमि की स्थिति: रेतीला तटीय / लैटेराइट या कठोर चट्टान / डेल्टा की चिकनी मिट्टी या काली कपास मिट्टी / अन्य	_____	8.8.9–8.8.11

तालिका 8F.7 — प्रपत्र 8-2, भाग B: परीक्षण

परीक्षण सं.	स्थान (ग्रिड संदर्भ)	तिथि	विधि: डबल-रिंग (ASTM D3385) / फॉलिंग-हेड बोरहोल या ट्रायल-पिट सोखन (उदाहरण के लिए BRE Digest 365)	परीक्षण स्तर, m	परीक्षण के समय भूजल स्तर, m	मापी गई दर (mm/h)
1	_____	_____	_____	_____	_____	_____
2	_____	_____	_____	_____	_____	_____
3	_____	_____	_____	_____	_____	_____

परीक्षणों की न्यूनतम संख्या: प्रति सुविधा 2, और आधार क्षेत्र के प्रति 100 m^2 या खाई के प्रति 50 m पर 1 (खंड 8.8.3(c))।

तालिका 8F.8 — प्रपत्र 8-2, भाग C: डिजाइन दर और खाली होना

क्र.	मद	प्रविष्टि	खंड
C1	किए गए परीक्षणों की संख्या; आवश्यक संख्या	_____	8.8.3(c)
C2	उच्चतम और न्यूनतम मापी गई दरें; अनुपात (उच्चतम ÷ न्यूनतम)	_____	8.8.4
C3	सुरक्षा गुणक: 2.0 (परीक्षण 8.8.3(c) को पूरा करें और अनुपात ≤ 2) या 3.0	_____	8.8.4
C4	डिजाइन दर = प्रयुक्त मापी गई दर ÷ सुरक्षा गुणक, mm/h (बताएँ कि कौन-सी मापी गई दर प्रयुक्त हुई)	_____	8.8.4
C5	श्रेणी: ≥ 13 mm/h पूर्ण अंतःस्यंदन / 3–13 mm/h अंडरड्रेन सहित आंशिक / < 3 mm/h कोई क्रेडिट नहीं	_____	8.8.5
C6	अंतःस्यंदित किए जाने वाले पानी की गहराई, mm; खाली होने का समय = गहराई ÷ डिजाइन दर, h (≤ 72 h)	_____	8.8.7

तालिका 8F.9 — प्रपत्र 8-2, भाग D: दूरी और सेटबैक

क्र.	मद	प्रविष्टि	खंड
D1	मौसमी उच्चतम भूजल स्तर, m, और उसका स्रोत (खंड 3.10.2)	_____	8.8.1
D2	सुविधा के आधार से मौसमी उच्चतम भूजल स्तर तक की दूरी, m (≥ 1.0; अधिसूचित तटीय रेत में केवल छत के अपवाह के लिए उभार जाँच के साथ ≥ 0.5)	_____	8.8.1, 8.8.9(d)
D3	आधार के नीचे आधार-शैल या अपारगम्य परत की गहराई, m (≥ 1.0, जब तक खंड 8.8.10 लागू न हो)	_____	8.8.2
D4	इनसे दूरियाँ: नींव / बेसमेंट / संपत्ति की सीमा / पेयजल कुआँ या बोरवेल / सेप्टिक टैंक या सोख गड्ढा / 1V:3H से अधिक खड़े ढलान का शिखर, m	_____	8.8.6
D5	फैलने वाली मिट्टी: नींव से सेटबैक दोगुना किया गया?	_____	8.8.11(b)

तालिका 8F.10 — प्रपत्र 8-2, भाग E: घोषणा

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
परीक्षणकर्ता: नाम, भू-तकनीकी परीक्षण में योग्यता, संगठन	_____
मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि परीक्षण बताए गए स्थानों और स्तरों पर, बताई गई विधियों से किए गए, और संलग्न पाठ्यांक पूर्ण हैं। हस्ताक्षर और तिथि	_____
डिजाइनकर्ता (खंड 10.6): नाम और हस्ताक्षर	_____

अध्याय 9 के परिशिष्ट

संरचनाओं का हाइड्रोलिक डिजाइन

ये परिशिष्ट अध्याय 9 के लिए हैं। परिशिष्ट 9A में SI इकाइयों में FHWA HDS-5 के इनलेट-नियंत्रण समीकरण, सामान्य इनलेटों के प्रकाशित गुणांकों के साथ, और पुलिया का एक पूर्ण हल किया गया उदाहरण दिया गया है। परिशिष्ट 9B में मानक ड्रॉइंग दी गई हैं, जिनमें केवल वे आयाम हैं जो अध्याय 9 और अध्याय 6 पहले से निर्धारित करते हैं; अन्य प्रत्येक आयाम पर "डिजाइन में पुष्टि की जानी है" अंकित है। परिशिष्ट 9C पंपिंग स्टेशन डिजाइन की जाँच-सूची है, जिसमें खंड 9.9 से ली गई एक मानक नियंत्रण पद्धति (control philosophy) है। प्रपत्र 9-1 एक प्रारूप प्रपत्र है: यह वही सूचीबद्ध करता है जो खंड 9.14 अपेक्षित करता है, और उसमें कुछ नहीं जोड़ता।

परिशिष्ट 9A — SI इकाइयों में HDS-5 इनलेट-नियंत्रण गुणांक और पुलिया का हल किया गया उदाहरण

अध्याय 9 के खंड 9.4.1 से 9.4.7 और अध्याय 6 के खंड 6.12 के लिए।

9A.1 इनलेट-नियंत्रण समीकरण

FHWA *Hydraulic Design of Highway Culverts*, HDS-5, संस्करण 3 (2012), Appendix A में तीन इनलेट-नियंत्रण समीकरण दिए गए हैं। SI इकाइयों में:

> अजलमग्न, रूप 1: HWi/D = Hc/D + K · [Ku · Q / (A · D^0.5)]^M + Ks · S

> अजलमग्न, रूप 2: HWi/D = K · [Ku · Q / (A · D^0.5)]^M

> जलमग्न: HWi/D = c · [Ku · Q / (A · D^0.5)]² + Y + Ks · S

जहाँ HWi इनलेट नियंत्रण के अंतर्गत इनलेट इनवर्ट के ऊपर हेडवाटर की गहराई (m) है, D बैरल की आंतरिक ऊँचाई (rise) (m) है, Hc क्रांतिक गहराई पर विशिष्ट हेड (specific head), dc + Vc²/2g (m) है, Q प्रवाह दर (m³/s) है, A बैरल का पूर्ण अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल (m²) है, S बैरल का ढलान (m/m) है, K, M, c और Y तालिका 9A.1 के स्थिरांक हैं, SI इकाइयों में Ku = 1.811 (US इकाइयों में 1.0) है, और Ks ढलान संशोधन है: −0.5, या तिरछे कटे (mitred) इनलेटों के लिए +0.7।

कौन सा समीकरण लागू होगा, यह X = Ku · Q / (A · D^0.5) पर निर्भर करता है:

- X ≤ 3.5: अजलमग्न समीकरण (तालिका 9A.1 में दिए अनुसार रूप 1 या रूप 2);
- X ≥ 4.0: जलमग्न समीकरण;

- 3.5 < X < 4.0 (संक्रमण): FHWA HY-8 का उपयोग करें, जो HDS-5 के संक्रमण को लागू करता है। जहाँ हाथ से गणना की जाती है, वहाँ अजलमग्न और जलमग्न परिणामों में से उच्चतर लें। यह इस परिशिष्ट द्वारा किया गया एक सुरक्षित पक्ष का सरलीकरण है, HDS-5 का नियम नहीं।

तालिका 9A.1 — सामान्य इनलेटों के लिए HDS-5 इनलेट-नियंत्रण गुणांक

बैरल	इनलेट किनारा	रूप	K	M	c	Y
वृत्ताकार कंक्रीट	हेडवॉल सहित चौकोर किनारा	1	0.0098	2.0	0.0398	0.67
वृत्ताकार कंक्रीट	हेडवॉल सहित ग्रूव (सॉकेट) सिरा	1	0.0018	2.0	0.0292	0.74
वृत्ताकार कंक्रीट	बाहर निकला हुआ ग्रूव (सॉकेट) सिरा	1	0.0045	2.0	0.0317	0.69
वृत्ताकार नालीदार धातु	हेडवॉल	1	0.0078	2.0	0.0379	0.69
वृत्ताकार नालीदार धातु	ढलान के अनुरूप तिरछा कटा	1	0.0210	1.33	0.0463	0.75
वृत्ताकार नालीदार धातु	बाहर निकला हुआ	1	0.0340	1.50	0.0553	0.54
आयताकार बॉक्स	30° से 75° पर फैली विंगवॉल	1	0.026	1.0	0.0347	0.81
आयताकार बॉक्स	90° और 15° पर फैली विंगवॉल	1	0.061	0.75	0.0400	0.80
आयताकार बॉक्स	0° पर विंगवॉल (पार्श्वों का विस्तार)	1	0.061	0.75	0.0423	0.82
आयताकार बॉक्स	19 mm (3/4 इंच) चैम्फर सहित 90° हेडवॉल	2	0.515	0.667	0.0375	0.79
आयताकार बॉक्स	45° बेवल सहित 90° हेडवॉल	2	0.495	0.667	0.0314	0.82
आयताकार बॉक्स	33.7° बेवल सहित 90° हेडवॉल	2	0.486	0.667	0.0252	0.865

स्रोत: FHWA HDS-5 (2012), Appendix A, Table A.1 (गुणांक विमाहीन हैं और Ku = 1.811 के साथ SI इकाइयों में लागू होते हैं)। मानों की जाँच HIF-12-026, Table A.1 (चार्ट और स्केल संख्या 1/1–1/3, 2/1–2/3, 8/1–8/3 और 10/1–10/3) से की गई। जहाँ HDS-5 का कोई बाद का संस्करण भिन्न हो, वहाँ बाद की तालिका प्रभावी होगी। आउटलेट नियंत्रण के लिए प्रवेश हानि गुणांक अध्याय 9 की तालिका 9.1 में हैं।

9A.2 हल किया गया उदाहरण: संग्राहक सड़क के नीचे पाइप पुलिया

केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं। नीचे दिए गए इनपुट विधि दिखाने के लिए कल्पित हैं; परिणाम किसी भी स्थल के लिए डिजाइन मान नहीं हैं।

इनपुट.

तालिका 9A.2 — हल किए गए उदाहरण के इनपुट

मद	मान	स्रोत
सड़क वर्ग	संग्राहक सड़क; डिजाइन AEP 4% (25-वर्ष), जाँच घटना 2% (50-वर्ष), और 1% AEP जाँच	तालिका 6.1, खंड 6.12.2
डिजाइन प्रवाह, 4% AEP	1.80 m^3/s (जलवायु गुणक सहित)	उदाहरणार्थ
जाँच प्रवाह, 2% AEP	2.20 m^3/s	उदाहरणार्थ

मद	मान	स्रोत
1% AEP प्रवाह	3.00 m^3/s	उदाहरणार्थ
बैरल	कॉलर जोड़ों वाला एक 1,200 mm RCC पाइप, n = 0.015	तालिका 6.6
इनलेट	हेडवॉल सहित चौकोर किनारा: ke = 0.5; K = 0.0098, M = 2.0, c = 0.0398, Y = 0.67, रूप 1	तालिकाएँ 9.1 और 9A.1
लंबाई और ढलान	L = 20.0 m; S = 0.005 (इनलेट इनवर्ट 20.00 m, आउटलेट इनवर्ट 19.90 m, स्थानीय डेटम)	उदाहरणार्थ
इनलेट पर सड़क के स्तर	शोल्डर का किनारा 22.00 m; सड़क के शिखर का निम्नतम बिंदु 22.10 m	उदाहरणार्थ
आउटलेट इनवर्ट के ऊपर टेलवाटर, TW	1.80 m^3/s पर 0.60 m; 2.20 m^3/s पर 0.70 m; 3.00 m^3/s पर 0.85 m (अनुप्रवाह चैनल में सामान्य गहराई)	उदाहरणार्थ; खंड 9.4.4
प्राप्तकर्ता चैनल	कच्चा, बलुई दोमट	तालिका 9.2

न्यूनतम आकार: 1,200 mm ≥ 900 mm (खंड 6.12.5)। स्पैन 1.5 m से कम है, इसलिए अवरोध जाँच में इनलेट क्षेत्रफल का 50% अवरुद्ध माना जाता है (खंड 6.12.4(a))।

पद 1 — बैरल के गुण. $A = \pi \cdot 1.2^2 / 4 = 1.131\ m^2$; पूर्ण-बैरल हाइड्रोलिक त्रिज्या $R = D/4 = 0.300$ m; $D^{0.5} = 1.095$।

पद 2 — क्रांतिक गहराई. प्रत्येक प्रवाह के लिए, dc वृत्ताकार खंड की क्रांतिक-प्रवाह शर्त $Q^2 \cdot T / (g \cdot Ac^3) = 1$ से परीक्षण द्वारा ज्ञात की जाती है, जहाँ Ac और T गहराई dc पर प्रवाह क्षेत्रफल और शीर्ष चौड़ाई हैं।

तालिका 9A.3 — क्रांतिक गहराई और विशिष्ट हेड (D = 1.2 m)

Q (m^3/s)	dc (m)	Ac (m^2)	T (m)	Vc = Q/Ac (m/s)	Hc = dc + $Vc^2/2g$ (m)	Hc/D
1.80	0.737	0.728	1.168	2.471	1.048	0.873
2.20	0.817	0.820	1.119	2.683	1.184	0.987
3.00	0.952	0.962	0.972	3.118	1.447	1.206

पद 3 — इनलेट नियंत्रण के अंतर्गत हेडवाटर. $X = 1.811 \cdot Q / (1.131 \times 1.095) = 1.462 \cdot Q$।

तालिका 9A.4 — इनलेट-नियंत्रण हेडवाटर

Q (m^3/s)	X	समीकरण	HWi/D	HWi (m)
1.80	2.631	अजलमग्न, रूप 1: $0.873 + 0.0098 \times 2.631^2 - 0.5 \times 0.005 = 0.873 + 0.068 - 0.003$	0.939	1.127
2.20	3.216	अजलमग्न, रूप 1: $0.987 + 0.0098 \times 3.216^2 - 0.003 = 0.987 + 0.101 - 0.003$	1.085	1.302
3.00	4.385	जलमग्न: $0.0398 \times 4.385^2 + 0.67 - 0.003 = 0.765 + 0.67 - 0.003$	1.433	1.719

पद 4 — आउटलेट नियंत्रण के अंतर्गत हेडवाटर (खंड 9.4.3)। घर्षण पद $19.63 \cdot n^2 \cdot L / R^{1.33} = 19.63 \times 0.015^2 \times 20.0 / 0.300^{1.33} = 0.0883 / 0.2016 = 0.438$ है, इसलिए $H = (1 + 0.5 + 0.438) \cdot V^2/2g = 1.938 \cdot V^2/2g$। $L \cdot S = 20.0 \times 0.005 = 0.100$ m।

तालिका 9A.5 — आउटलेट-नियंत्रण हेडवाटर

Q (m³/s)	V = Q/A (m/s)	V²/2g (m)	H (m)	(dc + D)/2 (m)	TW (m)	ho (m)	HWo = ho + H − L·S (m)
1.80	1.592	0.129	0.250	0.969	0.60	0.969	1.119
2.20	1.945	0.193	0.374	1.009	0.70	1.009	1.283
3.00	2.653	0.359	0.695	1.076	0.85	1.076	1.671

पद 5 — निर्णायक हेडवाटर (खंड 9.4.1): HWi और HWo में से अधिक।

तालिका 9A.6 — निर्णायक हेडवाटर और जाँचें

घटना	Q (m³/s)	HWi (m)	HWo (m)	नियंत्रण	HW (m)	HW स्तर (m)	HW/D
डिजाइन, 4% AEP	1.80	1.127	1.119	इनलेट	1.127	21.13	0.94
जाँच, 2% AEP	2.20	1.302	1.283	इनलेट	1.302	21.30	1.09
1% AEP	3.00	1.719	1.671	इनलेट	1.719	21.72	1.43

पद 6 — डिजाइन AEP पर हेडवाटर की सीमाएँ (खंड 9.4.5):

- (a) HW/D = 0.94 ≤ 1.2। अनुपालन करता है।
- (b) HW स्तर 21.13 m ≤ शोल्डर का किनारा 22.00 m − 0.30 m = 21.70 m। अनुपालन करता है।
- (c) प्रतिप्रवाह भवनों और संपत्ति सीमाओं पर जल स्तरों की तुलना खंड 6.12.2(d) के अंतर्गत विद्यमान स्थिति से की जाती है। इसके लिए प्रतिप्रवाह सर्वेक्षण आवश्यक है और यह यहाँ नहीं दिखाया गया है।

पद 7 — सड़क के ऊपर से बहना (खंड 6.12.2, 6.12.3 और 9.4.6)। 1% AEP हेडवाटर स्तर, 21.72 m, सड़क के निम्नतम शिखर, 22.10 m, से नीचे है, इसलिए जाँच घटना या 1% AEP घटना में सड़क के ऊपर से पानी नहीं बहता। यदि हेडवाटर शिखर से अधिक होता, तो ऊपर से होने वाले प्रवाह Qr = Cd · L · h^1.5 (Cd ≤ 1.66) को पुलिया के प्रवाह के साथ एक साझा हेडवाटर पर संतुलित किया जाता, और ऊपर से बहने की गहराई की जाँच खंड 6.12.2(a) के विरुद्ध की जाती।

पद 8 — आउटलेट वेग (खंड 9.4.7)। इनलेट नियंत्रण के अंतर्गत, आउटलेट वेग बैरल में सामान्य गहराई पर वेग होता है। बैरल की पूर्ण-प्रवाह क्षमता (1/n) · A · R^(2/3) · S^0.5 = (1/0.015) × 1.131 × 0.448 × 0.0707 = 2.39 m³/s है।

- 1.80 m³/s: सामान्य गहराई 0.778 m, आउटलेट वेग 2.32 m/s।
- 2.20 m³/s: सामान्य गहराई 0.908 m, आउटलेट वेग 2.40 m/s।
- 3.00 m³/s: पूर्ण-प्रवाह क्षमता से अधिक, इसलिए आउटलेट पर बैरल पूरा भरकर बहता है; वेग = Q/A = 2.65 m/s।

प्राप्तकर्ता चैनल कच्चा, बलुई दोमट है, जिसका अनुमेय वेग 0.53 m/s है (तालिका 9.2), इसलिए आउटलेट संरक्षण आवश्यक है (खंड 9.6.1)। बैरल के सभी वेग 3.0 m/s से कम हैं (खंड 6.7.3(b))।

पद 9 — रिपरैप एप्रन (खंड 9.6.3; चित्र 9.2)। D50 = 0.2 · D · [Q / (g^0.5 · D^2.5)]^(4/3) · (D/TW), जिसमें g^0.5 · D^2.5 = 3.132 × 1.577 = 4.941।

तालिका 9A.7 — रिपरैप एप्रन का आकार निर्धारण

Q (m³/s)	TW (m)	Q / (g^0.5 · D^2.5)	[ ]^(4/3)	D50 (m)
1.80	0.60	0.364	0.260	0.2 × 1.2 × 0.260 × 2.00 = 0.125

Q (m^3/s)	TW (m)	Q / (g^0.5 · D^2.5)	[ ]^(4/3)	D50 (m)
2.20	0.70	0.445	0.340	0.2 × 1.2 × 0.340 × 1.71 = 0.140
3.00	0.85	0.607	0.514	0.2 × 1.2 × 0.514 × 1.41 = 0.174

खंड 9.4.7 अपेक्षित करता है कि आउटलेट को डिजाइन AEP और 1% AEP के लिए संरक्षित किया जाए, इसलिए यहाँ एप्रन का आकार सबसे बड़े D50, 0.174 m, के लिए निर्धारित किया गया है। तालिका 9.3 से, वर्ग 2 (D50 = 150 mm) बहुत छोटा है, इसलिए **वर्ग 3** (D50 = 250 mm) का उपयोग किया गया है:

- एप्रन की लंबाई 5D = 5 × 1.2 = 6.0 m;
- एप्रन की मोटाई 2.4 × D50 = 2.4 × 0.25 = 0.60 m;
- आउटलेट पर एप्रन की चौड़ाई कम से कम 3D = 3.6 m, अनुप्रवाह चैनल की ओर फैलती हुई;
- पत्थर दानेदार फिल्टर या जियोटेक्सटाइल पर रखे गए (खंड 9.6.4)।

पद 10 — अवरोध जाँच (खंड 6.12.4(a))। इनलेट क्षेत्रफल के 50% अवरुद्ध होने की स्थिति में 1% AEP प्रवाह के लिए पद 3 से 7 दोहराए जाते हैं, और परिणामों को खंड 6.12.2(a) और (d) का पालन करना होगा। यह मैनुअल अभी आंशिक रूप से अवरुद्ध इनलेट को दर्शाने का कोई मानक तरीका निर्धारित नहीं करता, इसलिए यह जाँच HY-8 में या अनुमोदन प्राधिकारी के साथ सहमत किसी विधि द्वारा की जाती है। इसे यहाँ हल नहीं किया गया है।

तालिका 9A.8 — हल किए गए उदाहरण का सारांश (केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं)

जाँच	परिणाम	खंड
न्यूनतम आकार	1,200 mm ≥ 900 mm	6.12.5
डिजाइन HW/D	0.94 ≤ 1.2	9.4.5(a)
शोल्डर के किनारे से नीचे डिजाइन HW	21.13 m ≤ 21.70 m	9.4.5(b)
जाँच घटना और 1% घटना में ऊपर से बहना	नहीं (21.72 m < 22.10 m)	6.12.2, 9.4.6
आउटलेट संरक्षण	वर्ग 3 रिपरैप एप्रन, 6.0 m लंबा, 0.60 m मोटा, आउटलेट पर 3.6 m चौड़ा	9.6.1, 9.6.3
अवरोध जाँच	HY-8 में या किसी सहमत विधि द्वारा की जानी है	6.12.4

परिशिष्ट 9B — मानक ड्रॉइंग: हेडवॉल, रिपरैप एप्रन, ड्रॉप संरचनाएँ, कचरा-रोधी जालियाँ, अस्थायी भंडारण राइजर

अध्याय 9 के खंड 9.4, 9.6, 9.7 और 9.8 के लिए।

नीचे दी गई ड्रॉइंग योजनाबद्ध मानक ड्रॉइंग हैं। इनमें केवल वे आयाम और नियम दिखाए गए हैं जो अध्याय 9 और अध्याय 6 निर्धारित करते हैं। संरचनात्मक आयाम, प्रबलन, नींव और फिक्सिंग की डिजाइन में पुष्टि की जानी है (खंड 9.1.2)। रिपरैप एप्रन की मानक ड्रॉइंग अध्याय 9 का चित्र 9.2 है, जिसके आयाम तालिका 9.3 से हैं; उसे यहाँ दोहराया नहीं गया है। तालिका 9B.1 में दिखाए गए आयाम और उनके स्रोत खंड सूचीबद्ध हैं।

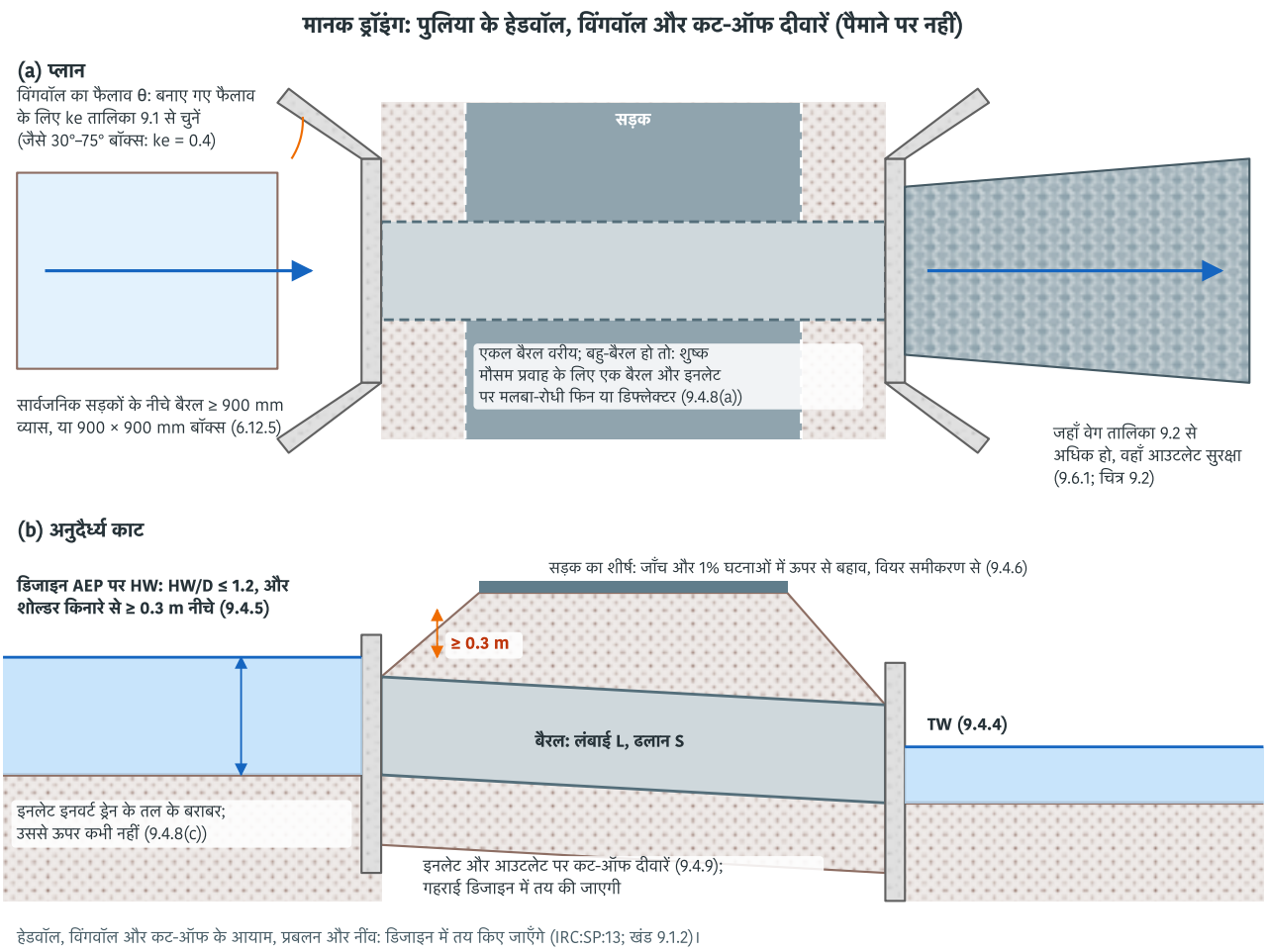

चित्र 9B.1 — मानक ड्रॉइंग: पुलिया के हेडवॉल, विंगवॉल और कट-ऑफ दीवारें, प्लान और अनुदैर्ध्य काट में, हेडवाटर की सीमाओं, इनवर्ट के नियम और मलबा संबंधी प्रावधानों के साथ। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, FHWA, Hydraulic Design of Highway Culverts, HDS-5 (3rd ed., 2012) से अनुकूलित।

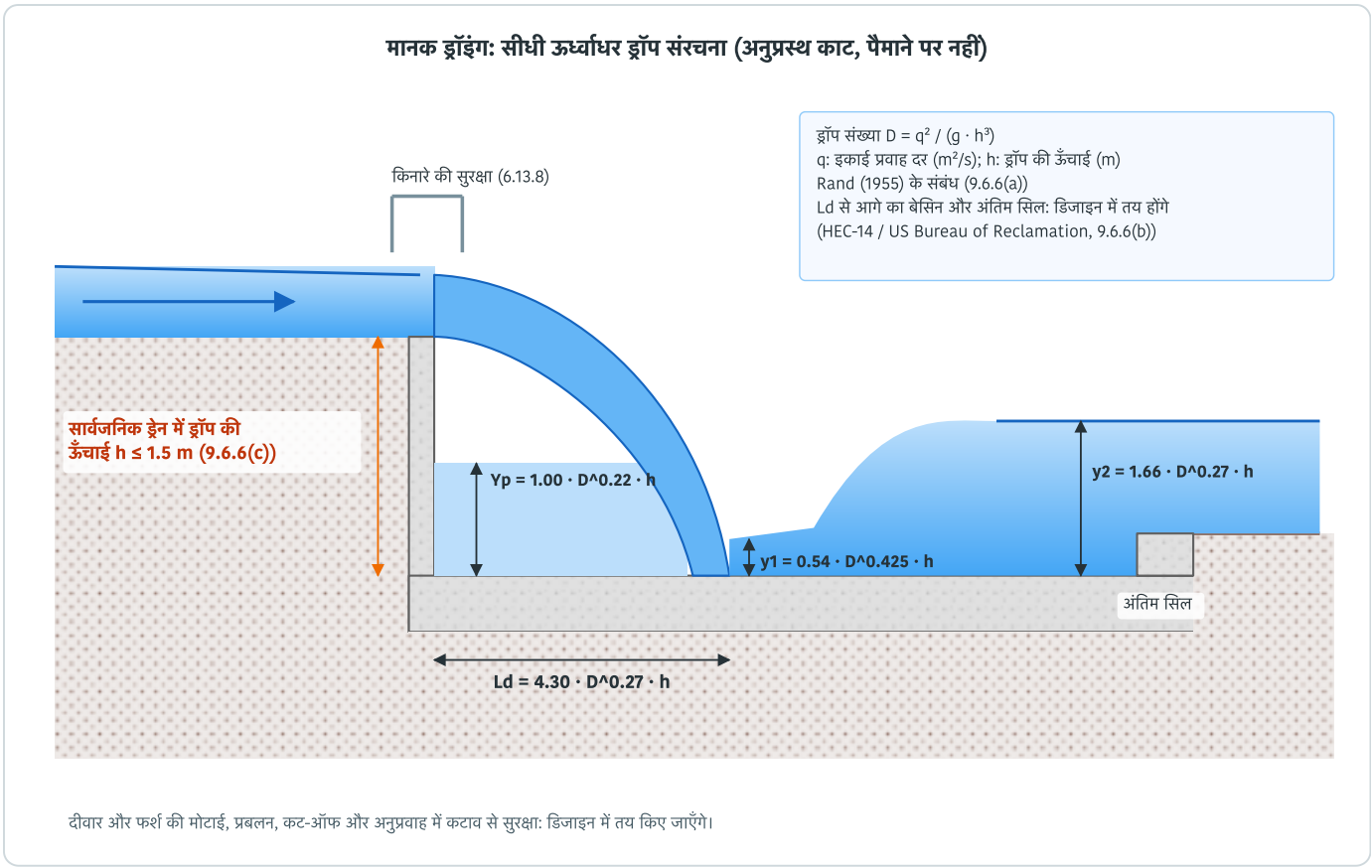

चित्र 9B.2 — मानक ड्रॉइंग: Rand (1955) की कुंड ज्यामिति और 1.5 m की ऊँचाई सीमा सहित सीधी ऊर्ध्वाधर ड्रॉप संरचना। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, Chow, Open-Channel Hydraulics (1959), और FHWA, HEC-14 (3rd ed., 2006) से अनुकूलित।

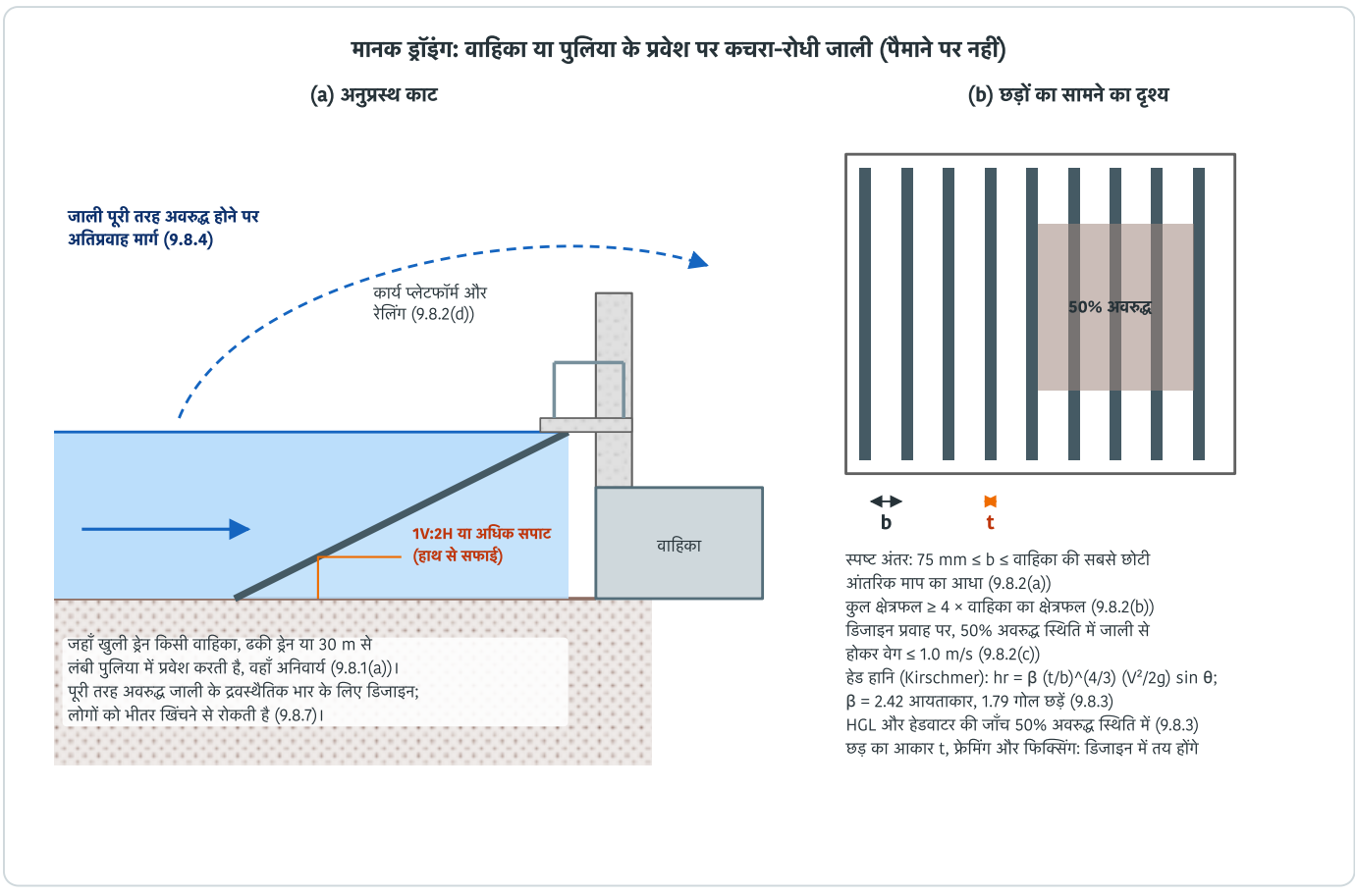

चित्र 9B.3 — मानक ड्रॉइंग: वाहिका या पुलिया के प्रवेश पर कचरा-रोधी जाली, काट और सामने के दृश्य में, छड़ों की दूरी, क्षेत्रफल, वेग, ढलान और अतिप्रवाह की अपेक्षाओं के साथ। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, CIRIA, Culvert, screen and outfall manual, C786 (2019), और CPHEEO, Manual on Storm Water Drainage Systems (2019), §8.3.1.3 से अनुकूलित।

मानक ड्रॉइंग: अस्थायी भंडारण बेसिन का आउटलेट राइजर और आपातकालीन स्पिलवे (अनुप्रस्थ काट, पैमाने पर नहीं)

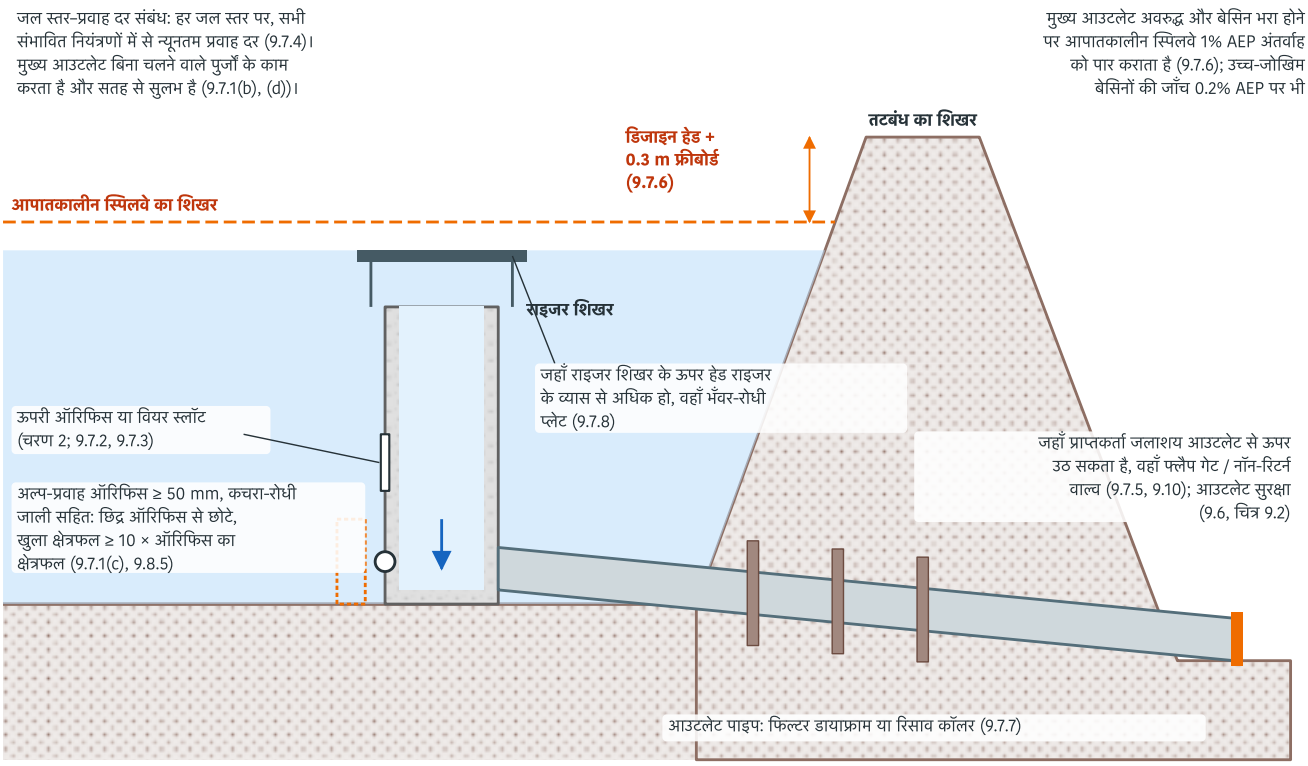

ऑरिफिस के आकार, जल स्तर, राइजर का आकार और संरचनात्मक विवरण: डिजाइन में तय किए जाएँगे।

चित्र 9B.4 — मानक ड्रॉइंग: अस्थायी भंडारण बेसिन का आउटलेट राइजर, जाली सहित अल्प-प्रवाह ऑरिफिस, ऊपरी चरण, भँवर-रोधी प्लेट, तटबंध से होकर आउटलेट पाइप, फ्लैप गेट और आपातकालीन स्पिलवे के साथ। इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग, Kansas City Metro APWA, Section 5600 (2006, 5608.4) से अनुकूलित।

तालिका 9B.1 — मानक ड्रॉइंग पर आयाम और नियम तथा उनके स्रोत खंड

ड्रॉइंग	मद	आयाम या नियम	खंड
9B.1	सार्वजनिक सड़कों के नीचे पुलिया का न्यूनतम आकार	900 mm व्यास, या 900 mm × 900 mm बॉक्स	6.12.5
9B.1	डिजाइन AEP पर हेडवाटर	HW/D ≤ 1.2; प्रतिप्रवाह फलक पर शोल्डर के किनारे से कम से कम 0.3 m नीचे	9.4.5
9B.1	प्रवेश हानि गुणांक	निर्मित इनलेट के लिए तालिका 9.1 से (उदाहरण के लिए 30°–75° पर विंगवॉल वाले बॉक्स के लिए 0.4)	9.4.3
9B.1	इनवर्ट	ड्रेन के तल से मेल खाएँ; उससे ऊपर कभी नहीं	9.4.8(c)
9B.1	बहु-बैरल पुलियाएँ	मलबा-प्रवण ड्रेनों में इनसे बचा जाए; जहाँ उपयोग हो, शुष्क मौसम प्रवाह के लिए एक बैरल और मलबा-फिन या विक्षेपक	9.4.8(a)
9B.1	हेडवॉल, विंगवॉल, कट-ऑफ दीवारें	आवश्यक; आयामों की डिजाइन में पुष्टि की जानी है	9.4.9

ड्रॉइंग	मद	आयाम या नियम	खंड
9B.1	सड़क के ऊपर से बहना	Qr = Cd · L · h^1.5, Cd ≤ 1.66	9.4.6
चित्र 9.2	रिपरैप एप्रन	आउटलेट पर चौड़ाई ≥ 3D, चैनल की ओर फैलती हुई; लंबाई और मोटाई तालिका 9.3 से; फिल्टर या जियोटेक्सटाइल	9.6.3, 9.6.4
9B.2	सार्वजनिक ड्रेन में एकल ऊर्ध्वाधर ड्रॉप	ऊँचाई h ≤ 1.5 m; किनारे का सुरक्षा प्रावधान	9.6.6(c), 6.13.8
9B.2	कुंड की ज्यामिति	D = $q^2/(g\ h^3)$; Ld/h = 4.30 D^0.27; Yp/h = 1.00 D^0.22; y1/h = 0.54 D^0.425; y2/h = 1.66 D^0.27	9.6.6(a)
9B.2	Ld से आगे बेसिन, अंतिम सिल	डिजाइन में पुष्टि की जानी है (HEC-14 या US Bureau of Reclamation)	9.6.6(b)
9B.3	कहाँ आवश्यक है	जहाँ कोई खुली ड्रेन 30 m से अधिक लंबी वाहिका, ढकी ड्रेन या पुलिया में प्रवेश करती है	9.8.1(a)
9B.3	छड़ों के बीच की स्पष्ट दूरी b	75 mm से कम नहीं और वाहिका के सबसे छोटे आंतरिक आयाम के आधे से अधिक नहीं	9.8.2(a)
9B.3	जाली का सकल क्षेत्रफल	वाहिका के क्षेत्रफल का कम से कम 4 गुना	9.8.2(b)
9B.3	जाली से होकर वेग	50% अवरुद्ध होने पर डिजाइन प्रवाह पर 1.0 m/s से अधिक नहीं	9.8.2(c)
9B.3	झुकाव	जहाँ हाथ से रेक किया जाए वहाँ 1V:2H से अधिक खड़ा नहीं; कार्य मंच और रेलिंग	9.8.2(d)
9B.3	हेड हानि और अवरुद्ध जाँच	किर्शमर समीकरण; 50% अवरुद्ध होने पर HGL और हेडवाटर की जाँच	9.8.3
9B.3	अतिप्रवाह और सुरक्षा	पूरी तरह अवरुद्ध जाली के लिए अतिप्रवाह मार्ग; पूर्ण द्रवस्थैतिक भार के लिए डिजाइन	9.8.4, 9.8.7
9B.4	अल्प-प्रवाह ऑरिफिस	50 mm से छोटा नहीं; ऑरिफिस से छोटे छिद्रों और ऑरिफिस के क्षेत्रफल के कम से कम 10 गुना खुले क्षेत्रफल वाली कचरा जाली	9.7.1(c), 9.8.5
9B.4	ऑरिफिस और वियर प्रवाह	Q = Cd · A · (2gh)^0.5, तीक्ष्ण किनारे के लिए Cd = 0.60; खंड 9.7.3 के वियर गुणांक	9.7.2, 9.7.3
9B.4	जल स्तर–प्रवाह दर संबंध	प्रत्येक जल स्तर पर प्रत्येक संभव नियंत्रण की सबसे छोटी प्रवाह दर	9.7.4
9B.4	भँवर-रोधी प्लेट	जहाँ राइजर शिखर के ऊपर डिजाइन हेड राइजर के व्यास से अधिक हो	9.7.8
9B.4	तटबंध से होकर आउटलेट पाइप	फिल्टर डायाफ्राम या रिसाव कॉलर; फैला हुआ या हेडवॉल वाला इनलेट	9.7.7
9B.4	फ्लैप गेट या नॉन-रिटर्न वाल्व	जहाँ प्राप्तकर्ता जलाशय आउटलेट से ऊपर उठ सकता है	9.7.5, 9.10
9B.4	आपातकालीन स्पिलवे	प्राथमिक आउटलेट अवरुद्ध और बेसिन भरा होने पर 1% AEP अंतर्वाह को तटबंध के शिखर तक 0.3 m फ्रीबोर्ड के साथ निकालता है; उच्च-जोखिम बेसिनों के लिए 0.2% AEP जाँच	9.7.6
सभी	संरचनात्मक आयाम, प्रबलन, नींव, छड़ों के आकार, ऑरिफिस के आकार और चरणों के स्तर	डिजाइन में पुष्टि की जानी है	9.1.2

परिशिष्ट 9C — पंपिंग स्टेशन डिजाइन जाँच-सूची और मानक नियंत्रण पद्धति

अध्याय 9 के खंड 9.8.6, 9.9 और 9.10 के लिए, अध्याय 6 के खंड 6.10.5 और अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच के साथ।

9C.1 डिजाइन जाँच-सूची

यह जाँच-सूची खंड 9.14, मद 6 की पंपिंग स्टेशन डिजाइन रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।

तालिका 9C.1 — पंपिंग स्टेशन डिजाइन जाँच-सूची

क्र.	मद	अपेक्षा	खंड	प्रदान किया गया (हाँ / नहीं / NA)
1	पंपिंग की आवश्यकता	गुरुत्व जल निकासी अध्याय 5 और 6 को पूरा नहीं कर सकती; कारण बताया गया	9.9.1	
2	अंतर्वाह	जलग्रहण क्षेत्र और किसी भी प्रतिप्रवाह भंडारण से रूट किया गया अंतर्वाह हाइड्रोग्राफ	9.9.2	
3	डिजाइन मानक	सेवा किए जाने वाले घटक का डिजाइन AEP; अंडरपासों के लिए, 1% AEP जाँच सहित 2% AEP	9.9.2(a), 6.10.5(a)	
4	ज्वारीय आउटफॉल	ज्वार-अवरोध की अवधि (डिफॉल्ट: 6 h प्रत्येक के दो उच्च ज्वार) तक आउटफॉल सीमित रहने पर भंडारण और पंप मिलकर 48 h का डिजाइन आयतन रोकते हैं	9.9.2(b), अध्याय 5	
5	हेड की सीमा	पंपों का चयन निम्नतम टेलवाटर के सामने निम्नतम संप स्तर से उच्चतम टेलवाटर (HAT + महोर्मि + 0.3 m) तक; पंप और प्रणाली वक्र प्रस्तुत	9.9.2(c), 9.14	
6	वेट वेल का आयतन	इनमें से सबसे बड़ा: न्यूनतम अंतर्वाह के 5 मिनट (परिवर्ती गति और स्वचालित नियंत्रण); चरम अंतर्वाह के 10 से 15 मिनट, या निर्माता का न्यूनतम चक्र आयतन; प्रत्येक स्थिर-गति पंप के लिए $V = \Theta \cdot q / 4$	9.9.3	
7	कार्यरत पंप	जहाँ व्यवहार्य हो, एक ही आकार	9.9.4(a)	
8	स्टैंडबाय	कम से कम सबसे बड़े कार्यरत पंप के बराबर, और कार्यरत पंपों की संख्या के 50% से कम नहीं	9.9.4(b)	
9	बारी-बारी से परिवर्तन	कार्यरत और स्टैंडबाय भूमिकाएँ स्वचालित रूप से बारी-बारी से बदलती हैं	9.9.4(c)	
10	पंप का प्रकार	ठोस-वहन (नॉन-क्लॉग); अक्षीय-प्रवाह केवल खंड 9.8.6 का पालन करने वाली जाली के पीछे	9.9.5	
11	संप और इनटेक	निर्माता की अपेक्षाएँ और ANSI/HI 9.8; स्पष्ट स्थान 0.6 m (छोटी और मध्यम) या 1.0 m (बड़ी इकाइयाँ)	9.9.6	
12	मॉडल अध्ययन	जहाँ कोई पंप 1 m^3/s से अधिक हो या संप ANSI/HI 9.8 की ज्यामिति से भिन्न हो, वहाँ भौतिक मॉडल	9.9.6	
13	गाद-जाल और जाली	वेट वेल के प्रतिप्रवाह में; जाली की दूरी पंपों के ठोस-आकार से छोटी; हटाए जा सकने वाले मॉड्यूल; जहाँ अंतर्वाह 1 m^3/s से अधिक हो वहाँ यांत्रिक रेकिंग	9.9.7, 9.8.6	
14	जाली का अतिप्रवाह	जाली पूरी तरह अवरुद्ध होने पर अतिप्रवाह मार्ग	9.8.4	
15	स्तर नियंत्रण	स्वतंत्र फ्लोट-स्विच बैक-अप सहित प्राथमिक स्तर सेंसर (अल्ट्रासोनिक, रडार या दाब)	9.9.8(a)	
16	अलार्म	उच्च-स्तर और पंप-खराबी के अलार्म टेलीमेट्री द्वारा स्थानीय निकाय के नियंत्रण कक्ष को	9.9.8(b)	
17	अभिलेख	संप के स्तर, पंपों के चलने के घंटे और विद्युत आपूर्ति की स्थिति दर्ज और कम से कम 5 वर्ष तक रखी गई	9.9.8(c)	

क्र.	मद	अपेक्षा	खंड	प्रदान किया गया (हाँ / नहीं / NA)
18	विद्युत स्रोत	ग्रिड आपूर्ति और साथ में स्टैंडबाय जनरेटर या दूसरा स्वतंत्र फीडर, जो सभी कार्यरत पंपों को एक साथ चला सके	9.9.9(a)	
19	ईंधन	सभी कार्यरत पंपों के लिए कम से कम 72 h, खंड 9.9.10 के बाढ़ स्तर से ऊपर संग्रहीत	9.9.9(b)	
20	परिवर्तन	स्टैंडबाय विद्युत पर स्वचालित परिवर्तन	9.9.9(c)	
21	बाढ़ से संरक्षण	विद्युत और नियंत्रण कक्ष का फर्श, जनरेटर और ट्रांसफॉर्मर 1% AEP बाढ़ जल स्तर से कम से कम 0.5 m ऊपर; 1% AEP घटना में वाहनों की पहुँच उपयोग योग्य	9.9.10	
22	निस्सरण	अलग राइजिंग मेन, या जहाँ मेन मिलते हैं वहाँ नॉन-रिटर्न और पृथक्करण वाल्व; फ्लैप गेट या नॉन-रिटर्न वाल्व सहित डिलीवरी कक्ष या आउटफॉल; मेन का आकार किसी मान्यताप्राप्त घर्षण सूत्र से	9.9.11	
23	गेट	1% AEP स्थिर जल स्तर से नीचे के आउटफॉलों पर फ्लैप या ज्वार-रोधी गेट; 900 mm या उससे बड़े आउटफॉलों और प्रत्येक पंप वाले आउटफॉल के लिए प्रतिप्रवाह में पेनस्टॉक या स्टॉप-लॉग खाँचा; हेड हानि परीक्षित आँकड़ों से	9.10.1, 9.10.3, 9.10.4	
24	आउटफॉल पर रेत और मलबा	समुद्र-तट, ज्वारनदमुख और क्रीक के आउटफॉलों पर सतह से प्रवेश वाले कक्ष में गेट, या इलास्टोमेरिक चेक वाल्व	9.10.5	
25	आपातकालीन कनेक्शन	मोबाइल पंपों के लिए डिलीवरी कक्ष में पक्का खड़ा होने का स्थान और त्वरित-युग्मन कनेक्शन	9.9.12	
26	सामग्री	खंड 9.13 का अनावरण वर्ग; तट से 5 km के भीतर ग्रेड 316 का स्टेनलेस स्टील, जस्तीकृत और लेपित स्टील, या अधात्विक फिक्सिंग	9.13	
27	डिजाइन आयु	सिविल कार्यों के लिए कम से कम 50 वर्ष और यांत्रिक तथा विद्युत उपकरणों के लिए 25 वर्ष	9.2.4	
28	अंडरपास स्टेशन	कैरिजवे पर 150 mm गहराई पर गहराई चिह्न और स्वचालित चेतावनी या बंद करने के संकेत	6.10.5(d)	
29	प्रमाणन	किसी सूचीबद्ध पेशेवर द्वारा डिजाइन और किसी स्वतंत्र सूचीबद्ध पेशेवर द्वारा जाँच	10.6.1(d), 10.6.4	

9C.2 मानक नियंत्रण पद्धति

यह खंड 9.9 के अंतर्गत डिजाइन किए गए वर्षा जल पंपिंग स्टेशन के लिए मानक नियंत्रण पद्धति है। डिजाइनकर्ता इसे स्टेशन के अनुरूप ढालता है और डिजाइन रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करता है। "अनुशंसित" अंकित मद अच्छी पद्धति हैं जिनकी अध्याय 9 अपेक्षा नहीं करता; अन्य सभी किसी खंड को दोहराते हैं।

तालिका 9C.2 — नियंत्रण स्तर (मान डिजाइन में निर्धारित किए जाने हैं)

स्तर	निर्धारण का नियम	खंड
पंप बंद	पंप निर्माता और ANSI/HI 9.8 द्वारा अपेक्षित न्यूनतम जलमग्नता से नीचे नहीं	9.9.6
कार्यरत पंप 1 प्रारंभ	पंप-बंद स्तर से कम से कम खंड 9.9.3 के वेट वेल के प्रभावी आयतन जितना ऊपर	9.9.3
कार्यरत पंप 2, 3 … प्रारंभ	कार्यरत पंप 1 प्रारंभ के ऊपर क्रमबद्ध; अंतराल की डिजाइन में पुष्टि की जानी है	9.9.2
उच्च-स्तर अलार्म	कार्यरत पंप के उच्चतम प्रारंभ स्तर से ऊपर; डिजाइन में पुष्टि की जानी है	9.9.8(b)

स्तर	निर्धारण का नियम	खंड
फ्लोट बैक-अप उच्च	स्वतंत्र फ्लोट; कार्यरत पंपों को प्रारंभ करता है	9.9.8(a)
फ्लोट बैक-अप निम्न	स्वतंत्र फ्लोट; पंपों को बंद करता है	9.9.8(a)

1. **सामान्य (स्वचालित) संचालन.** जैसे ही वेट वेल का स्तर कार्यरत पंप 1 के प्रारंभ स्तर तक उठता है, अग्रणी पंप (lead pump) प्रारंभ होता है। यदि स्तर उठता रहता है, तो प्रत्येक अगला कार्यरत पंप अपने प्रारंभ स्तर पर प्रारंभ होता है। स्तर पंप-बंद स्तर तक गिरने पर पंप बंद हो जाते हैं। यह क्रम प्राथमिक स्तर सेंसर नियंत्रित करता है (खंड 9.9.8(a))।
2. **कार्यरत भूमिका का चक्रण.** अग्रणी पंप, प्रत्येक पंप-डाउन चक्र के बाद या डिजाइन में निर्धारित चलने के घंटों के अनुसार, स्वचालित रूप से बदलता है, ताकि कार्यरत और स्टैंडबाय भूमिकाएँ बारी-बारी से बदलें और घिसाव बँट जाए (खंड 9.9.4(c))।
3. **पंप खराबी.** जो पंप ट्रिप हो जाता है या प्रारंभ नहीं होता, उसे लॉक-आउट कर दिया जाता है। अगला उपलब्ध पंप, स्टैंडबाय पंप सहित, उसका स्थान लेता है, और पंप-खराबी का अलार्म टेलीमेट्री द्वारा भेजा जाता है (खंड 9.9.4(b) और 9.9.8(b))।
4. **स्तर सेंसर की विफलता.** यदि प्राथमिक सेंसर विफल हो जाता है, या फ्लोट स्विचों से असहमत होता है, तो नियंत्रण स्वतंत्र फ्लोट बैक-अप को चला जाता है: फ्लोट-उच्च स्तर पर कार्यरत पंप चलते हैं, और फ्लोट-निम्न स्तर पर वे बंद हो जाते हैं। एक अलार्म भेजा जाता है (खंड 9.9.8(a), (b))।
5. **विद्युत विफलता.** आपूर्ति स्वचालित रूप से स्टैंडबाय जनरेटर या दूसरे फीडर पर बदल जाती है (खंड 9.9.9(c))। अनुशंसित: जनरेटर पर प्रारंभिक भार सीमित करने के लिए, परिवर्तन के बाद पंप एक-एक करके पुनः प्रारंभ हों।
6. **उच्च स्तर.** उच्च-स्तर अलार्म स्तर पर टेलीमेट्री द्वारा स्थानीय निकाय के नियंत्रण कक्ष को अलार्म भेजा जाता है (खंड 9.9.8(b))। अंडरपास पर चेतावनी या बंद करने के संकेत कैरिजवे पर 150 mm गहराई पर सक्रिय होते हैं (खंड 6.10.5(d))।
7. **आउटफॉल और गेट.** राइजिंग मेन फ्लैप गेट या नॉन-रिटर्न वाल्व लगे डिलीवरी कक्ष या आउटफॉल में पानी छोड़ते हैं (खंड 9.9.11)। फ्लैप गेट किसी नियंत्रण कार्रवाई के बिना हेड अंतर के अधीन खुलते और बंद होते हैं। प्रतिप्रवाह पेनस्टॉक या स्टॉप-लॉग केवल रखरखाव के लिए, या फ्लैप गेट के खुला अटक जाने पर बंद किए जाते हैं (खंड 9.10.3)। अनुशंसित: पेनस्टॉक की स्थिति नियंत्रण पैनल पर दिखाई जाए और दर्ज की जाए।
8. **ज्वार-अवरुद्ध संचालन.** जहाँ आउटफॉल ज्वार से अवरुद्ध है, वहाँ भंडारण और पंपिंग मिलकर ज्वार-अवरोध की अवधि तक 48 h का डिजाइन आयतन रोकते हैं (खंड 9.9.2(b) और अध्याय 5)। जहाँ स्टेशन में गुरुत्व आउटफॉल भी है, वहाँ ज्वार उतरने पर फ्लैप गेट से होकर गुरुत्व निस्सरण फिर से प्रारंभ हो जाता है।
9. **जालियाँ.** यांत्रिक रूप से रेक की जाने वाली जालियाँ (जहाँ अंतर्वाह 1 m^3/s से अधिक हो वहाँ आवश्यक, खंड 9.8.6) स्वचालित रूप से चलाई जाती हैं। अनुशंसित: रेकिंग एक टाइमर द्वारा और जाली के आर-पार स्तर अंतर द्वारा प्रारंभ की जाए, और अंतर अधिक बने रहने पर अलार्म हो।
10. **हाथ से संचालन.** अनुशंसित: पैनल पर प्रत्येक पंप के लिए हैंड–ऑफ–ऑटो चयनकर्ता हो, और हैंड मोड में भी फ्लोट बैक-अप का उच्च-स्तर प्रारंभ सक्रिय रहे।
11. **मोबाइल पंप.** जब स्थिर पंप सेवा से बाहर हों या क्षमता से अधिक भार में हों, तो मोबाइल पंप त्वरित-युग्मन कनेक्शन से होकर डिलीवरी कक्ष में पानी छोड़ते हैं (खंड 9.9.12)।
12. **अभिलेख.** संप के स्तर, पंपों के चलने के घंटे और विद्युत आपूर्ति की स्थिति दर्ज की जाती है और कम से कम 5 वर्ष तक रखी जाती है (खंड 9.9.8(c))। अनुशंसित: अलार्म, पंपों के प्रारंभ और बंद होने, और परिवर्तन भी दर्ज किए जाएँ।
13. **परीक्षण.** नियंत्रण, फ्लोट, अलार्म, टेलीमेट्री, परिवर्तन व्यवस्था और जनरेटर का परीक्षण अध्याय 10 के मानसून-पूर्व निरीक्षण (खंड 10.12) में किया जाता है, और परिणाम वार्षिक रखरखाव घोषणा (प्रपत्र 10-7; खंड 10.10.3) में बताए जाते हैं।

प्रपत्र 9-1 — हाइड्रोलिक संरचना रिपोर्ट जाँच-सूची

अध्याय 9 के खंड 9.14 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. सांविधिक उपयोग के लिए नहीं।

यह जाँच-सूची हाइड्रोलिक संरचना रिपोर्ट के आगे संलग्न करें। प्रत्येक मद के लिए हाँ, नहीं या लागू नहीं, और वह ड्रॉइंग या पृष्ठ दर्ज करें जहाँ वह दिखाया गया है।

भाग A — परियोजना

तालिका 9F.1 — प्रपत्र 9-1, भाग A: परियोजना

क्षेत्र (Field)	प्रविष्टि
परियोजना का नाम और स्थान	_____
स्थानीय निकाय, और टियर A या टियर B (अध्याय 1)	_____
आवेदक	_____
डिजाइनकर्ता (नाम और पंजीकरण)	_____
सम्मिलित संरचनाएँ (पुलियाएँ, चैनल, क्षयकारी, आउटलेट, जालियाँ, पंप, गेट, इनलेट, मैनहोल)	_____
प्रयुक्त टेलवाटर स्थितियाँ: MHWS, HAT + महोर्मि, समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई, संयुक्त स्थिति (खंड 9.2.1)	_____
दिनांक और संशोधन	_____

भाग B — खंड 9.14 द्वारा अपेक्षित विषय-वस्तु

तालिका 9F.2 — प्रपत्र 9-1, भाग B: खंड 9.14 द्वारा अपेक्षित विषय-वस्तु

क्र.	मद	खंड	प्रदान किया गया (हाँ / नहीं / NA)	ड्रॉइंग या पृष्ठ
1	पुलिया की गणनाएँ (HDS-5 या HY-8 आउटपुट), HWi, HWo, आउटलेट वेग, टेलवाटर, ऊपर से बहने और अवरोध जाँच सहित	9.4, 6.12		
2	चैनल की जल-सतह प्रोफाइल, वेग, फ्रूड संख्याएँ और फ्रीबोर्ड	9.5		
3	आउटलेट संरक्षण और क्षयकारी का डिजाइन, रिपरैप के आकार निर्धारण सहित	9.6		
4	अस्थायी भंडारण आउटलेट की जल स्तर–प्रवाह दर तालिकाएँ और आपातकालीन स्पिलवे की जाँच	9.7		
5	50% अवरुद्ध जाँच सहित जाली और कचरा-रोधी जाली का डिजाइन	9.8		
6	पंपिंग स्टेशन डिजाइन रिपोर्ट: अंतर्वाह हाइड्रोग्राफ, भंडारण, पंप और प्रणाली वक्र, वेट वेल का आयतन, नियंत्रण, विद्युत आपूर्ति और अध्याय 5 की आउटफॉल-बंद जाँच (परिशिष्ट 9C सहित)	9.9		
7	हेड-हानि आँकड़ों सहित गेट और वाल्व का चयन	9.10		
8	इनलेट, जाली और ढक्कन के भार वर्ग	9.11		

क्र.	मद	खंड	प्रदान किया गया (हाँ / नहीं / NA)	ड्रॉइंग या पृष्ठ
9	अनावरण वर्ग और सामग्री का विवरण	9.13		

भाग C — अनुपालन जाँचें

तालिका 9F.3 — प्रपत्र 9-1, भाग C: अनुपालन जाँचें

क्र.	जाँच	सीमा	खंड	अनुपालन (हाँ / नहीं / NA)
C1	डिजाइन प्रवाहों में जलवायु गुणक सम्मिलित	खंड 2.8	9.2.2	
C2	जहाँ मलबा अवरुद्ध कर सकता है वहाँ अवरुद्ध स्थिति की जाँच; सुरक्षित अतिप्रवाह मार्ग	—	9.2.5	
C3	पाइप और बॉक्स ड्रेन: डिजाइन n (बॉक्स ड्रेन ≥ 0.015); अतिक्रांतिक पाइप: जंप किसी संरचना में, वायु निकास	—	9.3.1, 9.3.4	
C4	पाइप का आकार अनुप्रवाह की ओर नहीं घटता; जोड़ केवल मैनहोल या संगम कक्षों पर; 90° से अधिक का दिशा परिवर्तन नहीं	—	9.3.5	
C5	पुलिया का डिजाइन हेडवाटर = HWi और HWo में से अधिक	—	9.4.1	
C6	डिजाइन AEP पर पुलिया का हेडवाटर	HW/D ≤ 1.2; शोल्डर के किनारे से ≥ 0.3 m नीचे	9.4.5	
C7	सड़क के ऊपर से बहने का वियर गुणांक	Cd ≤ 1.66	9.4.6	
C8	पुलिया के इनवर्ट ड्रेन के तल से मेल खाते हैं; हेडवॉल, विंगवॉल और कट-ऑफ दीवारें	—	9.4.8(c), 9.4.9	
C9	डिजाइन प्रवाह पर चैनल की फ्रूड संख्या	≤ 0.8; 0.8 और 1.2 के बीच कोई नहीं	9.5.2	
C10	चैनल का वेग	तालिका 9.2	9.5.3	
C11	अभियांत्रिक चैनलों में चैनल का ढलान	प्राकृतिक ≤ 0.4%, कंक्रीट ≤ 0.2%, या ड्रॉप / ढलवाँ चैनल	9.5.4	
C12	पार्श्व ढलान; जहाँ तल चौड़ाई ≥ 3 m वहाँ अल्प-प्रवाह चैनल; उत्थान या रिसाव छिद्र	—	9.5.6, 9.5.7, 9.5.9	
C13	जहाँ आउटलेट वेग तालिका 9.2 से अधिक हो वहाँ आउटलेट संरक्षण	तालिका 9.3 का एप्रन, या बेसिन	9.6.1, 9.6.3	
C14	एकल ऊर्ध्वाधर ड्रॉप की ऊँचाई	≤ 1.5 m	9.6.6(c)	
C15	अस्थायी भंडारण का प्राथमिक आउटलेट: कोई गतिशील पुर्जा नहीं; न्यूनतम ऑरिफिस	जाली सहित ≥ 50 mm	9.7.1	
C16	आपातकालीन स्पिलवे	1% AEP, आउटलेट अवरुद्ध, बेसिन भरा, 0.3 m फ्रीबोर्ड; उच्च-जोखिम बेसिनों के लिए 0.2% AEP	9.7.6	
C17	तटबंध से होकर आउटलेट पाइप; जहाँ आवश्यक हो वहाँ भँवर-रोधी प्लेट	—	9.7.7, 9.7.8	

क्र.	जाँच	सीमा	खंड	अनुपालन (हाँ / नहीं / NA)
C18	वाहिका-प्रवेश जालियाँ	दूरी 75 mm से वाहिका के सबसे छोटे आयाम के आधे तक; क्षेत्रफल ≥ 4×; 50% अवरुद्ध होने पर ≤ 1.0 m/s	9.8.2	
C19	अस्थायी भंडारण ऑरिफिस की जालियाँ	छिद्र ऑरिफिस से छोटे; खुला क्षेत्रफल ≥ 10×	9.8.5	
C20	पंपिंग स्टेशन	परिशिष्ट 9C की जाँच-सूची पूर्ण	9.9	
C21	1% AEP स्थिर जल स्तर से नीचे के आउटफॉलों पर गेट; द्वितीयक बंद-व्यवस्था; संक्षारण-रोधी फिटिंग	—	9.10	
C22	जाली के भार वर्ग, समानांतर छिद्र ≤ 25 mm, कर्ब छिद्र ≥ 100 mm × 1.0 m, तालाबंद ढक्कन	—	9.11	
C23	मैनहोल के आकार (तालिका 9.4), 600 mm प्रवेश द्वार, ड्रॉप, बेंचिंग, सरचार्ज ढक्कन	—	9.12	
C24	अनावरण वर्ग (तालिका 9.5); तटीय और डेल्टा क्षेत्रों में क्लोराइड और सल्फेट परीक्षण; सल्फाइड से संरक्षण; तट से 5 km के भीतर धातु कार्य	—	9.13	

भाग D — विचलन

तालिका 9F.4 — प्रपत्र 9-1, भाग D: विचलन

खंड	पूरी न की गई अपेक्षा	कारण और प्रस्तावित विकल्प	अनुमोदनकर्ता और दिनांक
_____	_____	_____	_____

भाग E — हस्ताक्षर

रिपोर्ट किसी पंजीकृत पेशेवर द्वारा तैयार और हस्ताक्षरित की जाएगी, और पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-3) संलग्न किया जाएगा (अध्याय 10 के खंड 10.6.1 और 10.6.3)। तटबंध वाली सुविधा, उच्च-जोखिम बेसिन, पंप वाली सुविधा, ज्वार-रोधी गेट या क्षेत्रीय सुविधा के लिए, हस्ताक्षरकर्ता एक सूचीबद्ध वर्षा जल डिजाइन पेशेवर होगा, और एक दूसरा, स्वतंत्र सूचीबद्ध पेशेवर जाँचकर्ता के रूप में हस्ताक्षर करेगा (खंड 10.6.1(c), (d) और 10.6.4)।

तालिका 9F.5 — प्रपत्र 9-1, भाग E: हस्ताक्षर

भूमिका	नाम	पंजीकरण या सूचीबद्धता संख्या	हस्ताक्षर	दिनांक
डिजाइनकर्ता	_____	_____	_____	_____
स्वतंत्र जाँचकर्ता (खंड 10.6.4, जहाँ लागू हो)	_____	_____	_____	_____

अध्याय 10 के परिशिष्ट

प्रस्तुतियाँ, समीक्षा, प्रचालन और रखरखाव तथा प्रवर्तन

ये परिशिष्ट अध्याय 10 के लिए हैं। इनमें अनुपालन कैलकुलेटर का विनिर्देश और उसकी उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका की रूपरेखा, GIS आँकड़ों का विनिर्देश, इस मैनुअल द्वारा निर्धारित रखरखाव पहुँच के आयाम, प्रत्येक प्रकार की सुविधा के लिए आदर्श O&M योजनाएँ, सूचीबद्धता के आदर्श मानदंड, और अध्याय 10 द्वारा अपेक्षित आठ प्रपत्र दिए गए हैं। डिजाइन वर्षा पत्रक (प्रपत्र 2-1) अध्याय 2 के परिशिष्टों में है। ये प्रपत्र प्रारूप प्रपत्र हैं। आदर्श पाठ सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु हैं और प्रवृत्त नहीं हैं।

परिशिष्ट 10A — अनुपालन कैलकुलेटर और उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका

अध्याय 10 के खंड 10.4.1(g), 10.5 और 10.9.1(b) के लिए।

> **स्थिति.** अनुपालन कैलकुलेटर अभी अस्तित्व में नहीं है। खंड 10.5.1 की अपेक्षा है कि राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति इसे जारी करे और इसका अनुरक्षण करे। यह परिशिष्ट वह विनिर्देश है जिसे कैलकुलेटर पूरा करेगा, और उसकी उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका की रूपरेखा है। जब तक कैलकुलेटर जारी नहीं होता, डिजाइनकर्ता अध्याय 4, 5 और 8 की गणनाओं से प्रपत्र 10-2 हाथ से भरता है, कैलकुलेटर संस्करण के रूप में "जारी नहीं" (not issued) लिखता है, और गणनाएँ संलग्न करता है।

10A.1 सामान्य अपेक्षाएँ

कैलकुलेटर:

- (a) एक स्प्रेडशीट या वेब टूल होगा, जो अपनी उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका और उसमें दी गई प्रत्येक तालिका के स्रोत के साथ निःशुल्क प्रकाशित किया जाएगा (खंड 10.5.4);
- (b) प्रत्येक आउटपुट पृष्ठ और प्रत्येक निर्यात की गई फाइल पर अपना संस्करण क्रमांक और जारी होने की तारीख छापेगा (खंड 10.5.3);
- (c) संस्करणों का एक सार्वजनिक लॉग रखेगा। नया संस्करण जारी होने के 6 महीने बाद से नई प्रस्तुतियों पर लागू होता है; कोई प्रस्तुति चरण 1 से चरण 4 तक एक ही संस्करण रखती है, जब तक कि आवेदक बाद के किसी संस्करण को न चुने (खंड 10.5.3);
- (d) एक समय में एक साइट के लिए कार्य करेगा, जिसमें एक या अधिक जल निकासी क्षेत्र हों और प्रत्येक अपने आउटफॉल में पानी छोड़ता हो (खंड 4.5.1.3);
- (e) कभी भी ऐसा मान लागू नहीं करेगा जिसे मैनुअल ने प्रकाशित नहीं किया है। जहाँ उसे आवश्यक कोई तालिका जारी नहीं हुई है (उदाहरण के लिए परिशिष्ट 4B की तालिका 4.3, या परिशिष्ट 1C की S-2 प्रवाह दर तालिकाएँ), वहाँ कैलकुलेटर मान का अनुमान लगाने के बजाय उस मार्ग को "उपलब्ध नहीं" (not available) दिखाएगा; और
- (f) अपने इनपुट और परिणाम प्रपत्र 10-2 के साथ-साथ मशीन द्वारा पठनीय फाइल (CSV या JSON) के रूप में भी निर्यात करेगा, ताकि प्राधिकारी उन्हें सुविधा रजिस्टर में लोड कर सके (खंड 10.17.1(b))।

10A.2 इनपुट

तालिका 10A.1 — कैलकुलेटर के इनपुट

क्र.	इनपुट	इकाई	स्रोत
I1	प्राधिकारी, टियर (A या B) और फाइल संख्या	—	खंड 1.6
I2	साइट का क्षेत्रफल; भूमि विक्षोभ का क्षेत्रफल	ha	खंड 1.5.2
I3	नया अपारगम्य क्षेत्र; प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र; ध्वस्तीकरण से पहले का विद्यमान अपारगम्य क्षेत्र	m^2	खंड 1.5.2, 1.5.6, 4.5.6.1
I4	विकास का प्रकार: नया, पुनर्विकास, रैखिक लोक निर्माण कार्य, एकल आवास	—	खंड 1.5.6–1.5.8
I5	बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र (हाँ / नहीं), और अनुमोदित BSMP वाला बेसिन (हाँ / नहीं)	—	खंड 4.5.3, 4.13, 11.12
I6	वर्षा जोन	—	परिशिष्ट 2A
I7	प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई P_R; 3-महीने ARI की 24-घंटे की गहराई P_3m	mm	परिशिष्ट 2E, 8A
I8	अवधि (1–72 h) और AEP के अनुसार डिजाइन वर्षा की गहराइयाँ, जलवायु गुणक सहित, जैसी प्रपत्र 2-1 पर अभिलिखित हैं	mm	खंड 2.5, 2.8, 2.13
I9	15-मिनट की तीव्रताएँ i_10 और i_2, जलवायु गुणक सहित (केवल नियत-गुणांक मार्ग)	mm/h	खंड 4.14.4
I10	जल निकासी क्षेत्र: प्रत्येक के लिए क्षेत्रफल, भूमि आवरण, अपारगम्य प्रतिशत, HSG और कर्व नंबर, विकास-पूर्व और विकास-पश्चात	ha, %, —	खंड 3.3, 3.7, 3.9
I11	पंजीकृत प्रसंविदा के अंतर्गत संरक्षित क्षेत्र	ha	खंड 4.4.7
I12	प्रत्येक प्रतिधारण पद्धति के तल से नीचे मौसमी उच्चतम भूजल की गहराई	m	खंड 4.4.3(c), 8.8
I13	प्रत्येक पद्धति पर मापी गई अंतःस्यंदन दर	mm/h	खंड 4.4.3
I14	पद्धति के अनुसार उपलब्ध कराया गया प्रतिधारण आयतन; जहाँ प्रतिधारण पुनः उपयोग द्वारा है वहाँ पुनः उपयोग की माँग	m^3, m^3/d	खंड 4.4.3, 4.4.5
I15	मार्ग: पूर्ण हाइड्रोग्राफ विधि (खंड 4.6); डिजाइन सहायिका S-1 (खंड 4.14.2); PSD S-2 (खंड 1.7); नियत-गुणांक (खंड 4.14.3); सीमित पुनर्विकास (खंड 4.5.6)	—	खंड 1.7, 4.5.6, 4.6, 4.14
I16	पूर्ण विधि के लिए: प्रत्येक AEP और अवधि के लिए मॉडल परिणाम — विकास-पूर्व और विकास-पश्चात चरम, प्रयुक्त भंडारण, रूटिंग द्वारा प्राप्त प्रतिधारण क्रेडिट	m^3/s, m^3	खंड 4.4.6.2, 4.6
I17	आउटलेट: अल्प-प्रवाह ऑरिफिस का व्यास या स्लॉट का न्यूनतम आयाम; रूटिंग से खाली होने का समय	mm, h	खंड 4.7, 4.8.2
I18	आउटफॉल: ज्वारीय या गैर-ज्वारीय; आउटफॉल-बंद जाँच का परिणाम	—	अध्याय 5
I19	बेसिन के लिए अधिसूचित एवज शुल्क की इकाई दर, जहाँ वह मार्ग लागू हो	₹/m^3	खंड 4.13.3
I20	प्रस्तुति का चरण (1, 2 या 4) और, चरण 4 पर, I14, I16 और I17 के यथा-निर्मित मान	—	खंड 10.5.2, 10.9.1(b)

10A.3 खंड के अनुसार गणनाएँ

तालिका 10A.2 — कैलकुलेटर द्वारा की जाने वाली गणनाएँ

पद	गणना	खंड
C1	**प्रयोज्यता.** अध्याय 4 और 5 वहाँ लागू होते हैं जहाँ विकास की साझा योजना पर भूमि विक्षोभ ≥ 0.1 ha हो या नया और प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र मिलाकर ≥ 500 m^2 हो। छूटों की रिपोर्ट करें। यह चिह्नित करें कि सार्वभौमिक प्रावधान हर आकार पर लागू होते हैं, और यह कि RWH 300 m^2 और उससे बड़े भूखंडों पर बने भवनों पर, छत के प्रत्येक 100 m^2 के लिए कम से कम 6 m^3 के पुनर्भरण गड्ढों या खाइयों द्वारा (भवन उपविधि 2016, उपविधि 51.1), और बहुमंजिला भवनों में NBC के मानदंडों के अनुसार पुनर्भरण कुएँ द्वारा (उपविधि 58.6.6) लागू होता है; पूर्व-उपचार सहित पुनर्भरण उन बोरों से क्रेडिट किया जाता है जो किसी भी लैटेराइट परत के नीचे के अपक्षयित क्षेत्र (weathered zone) तक पहुँचते हैं, अति-दोहित और गंभीर शहरी इकाइयों (जमशेदपुर शहरी, गोलमुरी-सह-जुगसलाई, धनबाद शहरी और रांची का गंभीर क्षेत्र) में जल-भूवैज्ञानिक की जाँच के बाद, जहाँ भूजल में फ्लोराइड है वहाँ फ्लोराइड की जाँच के साथ और साहिबगंज के जलोढ़ में आर्सेनिक की जाँच के साथ, और डूब क्षेत्रों पर, जहाँ मौसमी उच्च भूजल स्तर अध्याय 8 की भूजल से दूरी (separation) के भीतर है वहाँ, खनन से विक्षुब्ध भूमि या ओवरबर्डन डंपों पर, या किसी खदान के जल-निष्कासन क्षेत्र के भीतर बिल्कुल नहीं।	1.5.2–1.5.8
C2	**प्रक्रिया संबंधी संकेत.** चरण 0 अनिवार्य (≥ 2 ha, बाढ़-संवेदनशील, विचलन या क्षेत्रीय मार्ग, ज्वारीय आउटफॉल या जलाशय); चरण 1 और 2 संयुक्त किए जा सकते हैं (< 1 ha, बाढ़-संवेदनशील नहीं); सूचीबद्ध हस्ताक्षरकर्ता अपेक्षित; स्वतंत्र जाँच अपेक्षित।	10.3.2, 10.3.3, 10.6.1, 10.6.4
C3	**मार्ग की पात्रता.** टियर B सरलीकृत विधि: ≤ 2 ha, या बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र में ≤ 0.5 ha, और केवल तालिका 4.3 प्रकाशित होने के बाद। नियत-गुणांक मार्ग: ≤ 1 ha और खंड 4.14.3 के अपवर्जनों में से कोई नहीं। सीमित पुनर्विकास: विद्यमान ≥ 60% अपारगम्य और ≤ 1 ha। क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण या एवज शुल्क: केवल अनुमोदित BSMP वाले बेसिन में।	4.5.6.1, 4.13.1, 4.14.1, 4.14.3, 11.12.1(b)
C4	**प्रतिधारण आयतन.** RRV = 10 × Q_R × A, जहाँ Q_R प्रत्येक उप-भाग के लिए AMC II पर P_R से SCS-CN अपवाह है, जिसे सभी उप-भागों पर जोड़ा जाता है। Ia = 0.2S और Ia = 0.05S के परिणामों में से बड़ा परिणाम निर्णायक होता है। Rv रूप (RRV = 10 × P_R × Rv × A, Rv = 0.05 + 0.009 × I) केवल < 0.5 ha की साइटों और टियर B विधि के लिए दिया जाता है। कोई जलवायु गुणक नहीं।	4.4.2, 3.8.5(c), 2.8.3
C5	**संरक्षण क्रेडिट.** संरक्षित क्षेत्रों को विकास-पश्चात स्थिति में उनके विकास-पूर्व CN पर मॉडल किया जाता है।	4.4.7
C6	**प्रतिधारण जाँच.** डिजाइन अंतःस्यंदन दर ≤ मापी गई दर का आधा; भूजल तल से ≥ 1.0 m नीचे; प्रतिधारित आयतन का डिजाइन दर पर (या बताई गई पुनः उपयोग की माँग द्वारा) 72 h के भीतर खाली होना। जो पद्धति किसी भी जाँच में विफल हो उसे कोई क्रेडिट नहीं मिलता; किसी भी कमी की रिपोर्ट की जाती है और उसे WQv माना जाता है।	4.4.3–4.4.5, 4.4.6.4
C7	**जल गुणवत्ता आयतन.** P_wq = max(P_ret, P_3m); WQv = SCS-CN द्वारा 10 × Q_wq × A, या < 0.5 ha की साइटों और टियर B विधि के लिए (P_wq / 1000) × Rv × A (A m^2 में)। प्रतिधारित आयतन WQv में पूरा गिना जाता है। कोई जलवायु गुणक नहीं।	8.4.1–8.4.4, 3.8.5(c)
C8	**प्रतिधारण क्रेडिट.** टियर A: रूटिंग द्वारा प्राप्त क्रेडिट दर्ज किया जाता है (I16); कैलकुलेटर इसकी गणना नहीं करता। टियर B: V_credit = C_R × उपलब्ध कराया गया RRV, जहाँ परिशिष्ट 4B प्रकाशित होने तक C_R = 0 है।	4.4.6
C9	**डिजाइन सहायिका मार्ग (S-1).** V = SSR × A − V_credit; 2-वर्ष और 100-वर्ष चरणों के लिए Q_PSD,T = PSD_T × A, तालिका 4.3 से। तालिका 4.3 प्रकाशित होने तक "उपलब्ध नहीं" दिखाया जाता है।	1.7.2, 4.14.2
C10	**साइट की अनुमेय प्रवाह दर (S-2).** प्रत्येक AEP के लिए Q = PSD (m^3/s/ha) × A, S-2 तालिकाओं से। जब तक वे जारी नहीं होतीं, "उपलब्ध नहीं" दिखाया जाता है।	1.7.2, 1.7.3(e)
C11	**नियत-गुणांक मार्ग.** Q_cap,10 = 2.78 × C_10 × i_10 × A और Q_cap,2 = 2.78 × C_2 × i_2 × A (L/s); V_100 और V_2 = d = 1 से 72 h के लिए [10 × C_v × P(d) × A − 1.8 × Q_cap × d] का d पर अधिकतम मान, जहाँ d ≥ 12 h के लिए पारगम्य C ≥ 0.50; V = max(V_100, V_2); प्रतिधारण बिना क्रेडिट के जोड़ा जाता है। गुणांक तालिका 4.3A (अनंतिम) से।	4.14.4–4.14.7

पद	गणना	खंड
C12	**निकास दर की छँटाई जाँच (पूर्ण विधि).** प्रत्येक AEP और अवधि के लिए: Q_post ≤ 0.9 × Q_pre (मानक), या दो मिश्रित-आवृत्ति सीमाएँ (बाढ़-संवेदनशील)। निर्णायक अवधि और मार्जिन की रिपोर्ट करें।	4.5.2, 4.5.3
C13	**सीमित पुनर्विकास.** प्रत्येक अवधि पर 2-, 10- और 100-वर्ष के लिए Q_post ≤ 0.5 × Q_existing; कमी का आयतन = अविकसित खुली भूमि (greenfield) का भंडारण – उपलब्ध कराया गया भंडारण; शुल्क = कमी × इकाई दर।	4.5.6.2, 4.5.6.3
C14	**न्यूनतम ऑरिफिस.** < 50 mm के किसी भी ऑरिफिस को चिह्नित करें। जहाँ कोई सीमा संबंधित चरण पर 50 mm ऑरिफिस की प्रवाह दर से कम हो, वहाँ "50 mm ऑरिफिस अनुपालक माना गया" (50 mm orifice deemed to comply) रिपोर्ट करें।	4.5.5.1, 4.8.2
C15	**खाली होना.** अस्थायी भंडारण के खाली होने (10-वर्ष के संग्रहीत आयतन का 90% 48 h के भीतर), WQv के निकास समय (24–48 h) और प्रतिधारण के खाली होने के समय (≤ 72 h) की रिपोर्ट करें।	4.7
C16	**एवज शुल्क.** शुल्क = साइट पर अपेक्षित अस्थायी भंडारण आयतन × अधिसूचित इकाई दर।	4.13.3
C17	**मॉडल की छँटाई जाँच.** जहाँ पूर्ण विधि का उपयोग किया गया है, वहाँ मॉडल परिणामों (I16) की तुलना कैलकुलेटर के छँटाई मानों (C9 से C11, जहाँ उपलब्ध हो) से करें और उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका में बताई गई सहनसीमा से अधिक अंतर को चिह्नित करें।	10.5.2(c)
C18	**यथा-निर्मित पुनः गणना.** चरण 4 पर, यथा-निर्मित मानों के साथ C4 से C17 दोहराएँ और चरण 2 से प्रत्येक परिवर्तन की रिपोर्ट करें।	10.9.1(b), 10.9.2

10A.4 आउटपुट

कैलकुलेटर निम्नलिखित तैयार करता है:

- (a) भरा हुआ **प्रपत्र 10-2**, जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर कैलकुलेटर का संस्करण और जारी होने की तारीख हो;
- (b) तालिका 10A.1 और 10A.2 के प्रत्येक इनपुट और परिणाम का मशीन द्वारा पठनीय निर्यात; और
- (c) उठाए गए संकेतों (C1 से C3, C6, C14, C17) की सूची, प्रत्येक के साथ वह खंड जिस पर वह आधारित है (खंड 10.7.7)।

10A.5 जारी करने से पहले परीक्षण

प्रत्येक बार जारी करने से पहले राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति जाँच करेगी कि कैलकुलेटर, पूर्णांकन की सीमा के भीतर, मैनुअल के उन हल किए गए उदाहरणों को दोहराता है जो उसी विधि का उपयोग करते हैं, जिनमें खंड 4.6.7 और 4.14 के उदाहरणार्थ उदाहरण, और जहाँ लागू हों वहाँ परिशिष्ट 3C की बेंचमार्क परीक्षण समस्याएँ सम्मिलित हैं। परीक्षण के परिणाम संस्करण लॉग के साथ प्रकाशित किए जाएँगे।

10A.6 उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका की रूपरेखा

उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका में कम से कम निम्नलिखित होंगे:

1. कैलकुलेटर का उद्देश्य, स्थिति और सीमाएँ: डिजाइन सहायिका मार्ग के बाहर यह एक सारांश और प्रारंभिक छँटाई जाँच है (खंड 10.5.2(c))।
2. वर्तमान संस्करण कैसे प्राप्त करें, और खंड 10.5.3 का संस्करण नियम।
3. तालिका 10A.1 का प्रत्येक इनपुट, और मैनुअल तथा उसके परिशिष्टों में वह कहाँ मिलेगा।
4. तालिका 10A.2 की प्रत्येक गणना, उसके समीकरण और खंड के साथ।
5. पद C17 में प्रयुक्त सहनसीमा, और उसके पार होने पर जल निकासी रिपोर्ट को क्या स्पष्ट करना होगा (खंड 10.5.2(c))।
6. प्रपत्र 10-2 को कैसे पढ़ें और उस पर हस्ताक्षर कैसे करें, और क्या संलग्न करें।
7. प्रत्येक मार्ग के लिए कम से कम एक हल किया गया उदाहरण, जिस पर "केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं" अंकित हो।

8. कैलकुलेटर की प्रत्येक तालिका के स्रोत (खंड 10.5.4), और संस्करण लॉग।

परिशिष्ट 10B — GIS आँकड़ों का विनिर्देश और गुण स्कीमा

अध्याय 10 के खंड 10.4.4, 10.14.1(d), 10.14.3 और 10.17 के लिए।

10B.1 फॉर्मेट और संदर्भ प्रणालियाँ

- (a) **फॉर्मेट.** प्रति प्रस्तुति एक OGC GeoPackage (.gpkg) को वरीयता दी जाती है। Shapefile भी स्वीकार किए जाते हैं, प्रत्येक परत के लिए एक, सभी घटक फाइलों के साथ zip किए हुए। क्षेत्रों (fields) के नाम तालिका 10B.2 से 10B.6 के अनुसार होंगे; shapefile में नाम 10 वर्णों तक सीमित होते हैं, और नीचे दिए गए नाम इस सीमा का पालन करते हैं।
- (b) **क्षैतिज संदर्भ.** WGS 84 भौगोलिक (EPSG:4326), या पूरे राज्य के लिए WGS 84 / UTM जोन 45N (EPSG:32645), जिसमें गढ़वा जिला और पलामू का पश्चिमी किनारा भी सम्मिलित है, जो जोन 44N में पड़ते हैं, जिसमें भी साइट आती हो (खंड 10.4.4(c))। सभी परतों के लिए एक ही प्रणाली का उपयोग किया जाएगा।
- (c) **ऊर्ध्वाधर संदर्भ.** सभी स्तर मीटर में, किसी नामित ऊर्ध्वाधर डेटम के सापेक्ष होंगे, जो मेटाडेटा में बताया गया हो। मेटाडेटा में उस डेटम का, प्राप्तकर्ता नदियों पर CWC के गेजों के नदी डेटमों से, WRD के डैम, जलाशय और तटबंध स्तरों से और DVC के जलाशय स्तरों से, और किसी खदान के गड्ढे में आउटफॉल के लिए, अध्याय 5 में प्रयुक्त पट्टाधारी के खदान सर्वेक्षण से संबंध भी बताया जाएगा (खंड 10.4.4(d))।
- (d) **परिशुद्धता.** स्थितियाँ साइट सर्वेक्षण या अनुमोदित ड्रॉइंग से ली जाएँगी। चरण 4 पर और हस्तांतरण के समय, स्थितियाँ और स्तर यथा-निर्मित सर्वेक्षण से लिए जाएँगे (खंड 10.9.1(a))।
- (e) **फाइल का नाम.** `<Authority file number>_<stage>_<yyyymmdd>.gpkg`, उदाहरण के लिए `RMC-BP-2026-0123_S2_20261015.gpkg`।
- (f) **पहचानकर्ता.** प्रत्येक फीचर का एक पहचानकर्ता होता है जो प्रस्तुति के भीतर अद्वितीय हो (FAC_ID, OUT_ID, CAT_ID, FLP_ID)। प्राधिकारी स्वीकार करने पर इन्हें रजिस्टर पहचानकर्ताओं से बदल देता है और उनकी मैपिंग आवेदक को लौटा देता है।

10B.2 परतें

तालिका 10B.1 — परतें

परत	ज्यामिति	विषय-वस्तु	कब अपेक्षित
SW_SITE	बहुभुज (polygon)	साइट की सीमा	चरण 1, 2, 4
SW_CATCH	बहुभुज	साइट की ओर और साइट से होकर बहने वाले जलग्रहण क्षेत्रों की सीमाएँ, विकास-पूर्व और विकास-पश्चात (खंड 10.4.1(b))	चरण 1, 2, 4
SW_FAC	बहुभुज (5 m से छोटी दबी हुई मदों के लिए बिंदु)	प्रत्येक वर्षा जल सुविधा: इस मैनुअल के अंतर्गत डिजाइन किया गया प्रतिधारण, अस्थायी भंडारण, जल गुणवत्ता, पंपिंग, गेट, वहन घटक	चरण 2, 4; हस्तांतरण
SW_OUTF	बिंदु	साइट से प्रत्येक आउटफॉल, और प्रत्येक सार्वजनिक आउटफॉल	चरण 1, 2, 4; हस्तांतरण
SW_FLOW	रेखा	साइट से होकर और साइट से निकलने वाले प्रमुख प्रणाली के प्रवाह मार्ग, और प्राकृतिक जल निकासी मार्ग (खंड 10.15.1(g))	चरण 1, 2, 4
SW_CONV	रेखा	अध्याय 6 के अंतर्गत डिजाइन की गई ड्रेन और पाइप	लोक निर्माण कार्यों के लिए चरण 4; हस्तांतरण

परत	ज्यामिति	विषय-वस्तु	कब अपेक्षित
SW_META	तालिका (ज्यामिति नहीं)	तालिका 10B.6 का मेटाडेटा	प्रत्येक चरण

10B.3 गुण स्कीमा

प्रकार: T = पाठ, I = पूर्णांक, R = वास्तविक संख्या, D = तारीख (ISO 8601, yyyy-mm-dd)। "अनिवार्य" उन क्षेत्रों को दर्शाता है जो खाली नहीं छोड़े जाएँगे; अन्य क्षेत्र जहाँ लागू हों वहाँ भरे जाते हैं।

तालिका 10B.2 — SW_FAC (सुविधाएँ) के गुण

क्षेत्र	प्रकार	इकाई	अनिवार्य	विषय-वस्तु	स्रोत
FAC_ID	T	—	हाँ	सुविधा का पहचानकर्ता	10B.1(f)
FAC_TYPE	T	—	हाँ	तालिका 10B.7 का कोड	खंड 4.10, तालिका 10.3
FAC_NAME	T	—		ड्रॉइंग पर दिया गया नाम	—
OWNER_TYP	T	—	हाँ	PRIVATE / ASSOC / DEVELOPER / ULB / DEPT	खंड 10.10, 10.14
OWNER_NM	T	—	हाँ	केवल निगमित स्वामी या संघ का नाम; किसी व्यक्ति के लिए "निजी व्यक्ति" (private individual) (खंड 10.17.3)	खंड 10.17.3
CTRL_AREA	R	ha	हाँ	सुविधा की ओर बहने वाला क्षेत्र	खंड 4.5.1.3
V_RET	R	m^3		उपलब्ध कराया गया प्रतिधारण आयतन	खंड 4.4
V_WQ	R	m^3		उपलब्ध कराया गया जल गुणवत्ता आयतन	खंड 8.4
V_DET	R	m^3		शीर्ष डिजाइन स्तर पर अस्थायी भंडारण आयतन	खंड 4.6
Q_2	R	L/s		50% AEP (2-वर्ष) डिजाइन स्तर पर निकास	खंड 4.5
Q_10	R	L/s		10% AEP (10-वर्ष) डिजाइन स्तर पर निकास	खंड 4.5
Q_100	R	L/s		1% AEP (100-वर्ष) डिजाइन स्तर पर निकास	खंड 4.5
ORIF_MM	R	mm		अल्प-प्रवाह ऑरिफिस का व्यास या स्लॉट का न्यूनतम आयाम	खंड 4.8.2
INV_OUT	R	m		आउटलेट का इनवर्ट स्तर	खंड 10.9.1(a)
TWL_DES	R	m		शीर्ष डिजाइन जल स्तर	खंड 10.9.2(a)
SPILL_LV	R	m		स्पिलवे या अतिप्रवाह का शिखर स्तर	खंड 4.9
PUMPED	T	—	हाँ	Y / N	खंड 10.10.3
REGIONAL	T	—	हाँ	Y / N	खंड 4.13
EMPANEL	T	—	हाँ	Y / N: खंड 10.6.1(c) या (d) के अंतर्गत आने वाली सुविधा	खंड 10.6.1
STATUS	T	—	हाँ	तालिका 10B.8 का कोड	खंड 10.17.1(a)
APPR_DATE	D	—		चरण 2 के अनुमोदन की तारीख	खंड 10.3

क्षेत्र	प्रकार	इकाई	अनिवार्य	विषय-वस्तु	स्रोत
ASB_DATE	D	—		यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र स्वीकार किए जाने की तारीख	खंड 10.9
DECL_REF	T	—		रखरखाव घोषणा-पत्र (प्रपत्र 10-6) का पंजीकरण संदर्भ	खंड 10.10.1(e)
HAND_DATE	D	—		परिसंपत्ति हस्तांतरण प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-8) की तारीख	खंड 10.14
LAST_INSP	D	—		नवीनतम निरीक्षण की तारीख	खंड 10.12
INSP_RES	T	—		तालिका 10B.9 का कोड	खंड 10.17.1(a)
OUT_ID	T	—	हाँ	वह आउटफॉल जिसमें सुविधा पानी छोड़ती है	—

तालिका 10B.3 — SW_OUTF (आउटफॉल) के गुण

क्षेत्र	प्रकार	इकाई	अनिवार्य	विषय-वस्तु	स्रोत
OUT_ID	T	—	हाँ	आउटफॉल का पहचानकर्ता	10B.1(f)
RECEIVER	T	—	हाँ	प्राप्तकर्ता ड्रेन, चैनल, जलाशय या समुद्र, नाम सहित	खंड 4.5.1.3
RECV_TYPE	T	—	हाँ	PUBLIC_DRAIN / CANAL / RIVER / TANK / SEA / OTHER	अध्याय 5
INV_LEVEL	R	m	हाँ	आउटफॉल का इनवर्ट स्तर	खंड 10.9.1(a)
SIZE_MM	R	mm	हाँ	व्यास, या ड्रॉइंग में लिखे अनुसार चौड़ाई × ऊँचाई	अध्याय 6
TIDAL	T	—	हाँ	Y / N	अध्याय 5
GATE_TYPE	T	—		NONE / FLAP / TIDE / DUCKBILL / PENSTOCK / NRV	खंड 5.11, 9.10
GATE_REQ	T	—	हाँ	Y / N: इनवर्ट 1% AEP स्थिर जल स्तर से नीचे	खंड 5.11.1
GPT	T	—		Y / N: स्थूल प्रदूषक जाल लगा है	खंड 8.10.1
Q_100	R	L/s		1% AEP की डिजाइन प्रवाह दर	अध्याय 5

तालिका 10B.4 — SW_CATCH (जलग्रहण क्षेत्र) के गुण

क्षेत्र	प्रकार	इकाई	अनिवार्य	विषय-वस्तु	स्रोत
CAT_ID	T	—	हाँ	जलग्रहण क्षेत्र का पहचानकर्ता	10B.1(f)
CONDITION	T	—	हाँ	PRE / POST / EXTERNAL (साइट से बाहर की वह भूमि जिसका पानी साइट से होकर बहता है)	खंड 10.4.1(b)
AREA_HA	R	ha	हाँ	क्षेत्रफल	—
IMPERV_PC	R	%	हाँ	अपारगम्य प्रतिशत	खंड 3.9
HSG	T	—	हाँ	A / B / C / D, या मिश्रित, क्षेत्र के अंश NOTES में	खंड 3.7
CN	R	—		कर्व नंबर, AMC II	अध्याय 3
OUT_ID	T	—	हाँ	वह आउटफॉल जिसमें इसका पानी जाता है	खंड 4.5.1.3
FLOODSENS	T	—	हाँ	Y / N	खंड 4.5.3

क्षेत्र	प्रकार	इकाई	अनिवार्य	विषय-वस्तु	स्रोत
NOTES	T	—		मुक्त पाठ	—

तालिका 10B.5 — SW_FLOW और SW_CONV (प्रवाह मार्ग और वहन) के गुण

क्षेत्र	प्रकार	इकाई	अनिवार्य	विषय-वस्तु	स्रोत
FLP_ID	T	—	हाँ	रेखा का पहचानकर्ता	10B.1(f)
LINE_TYPE	T	—	हाँ	OVERLAND / NATURAL / OPEN_DRAIN / COVERED_DRAIN / PIPE / CULVERT	अध्याय 6
US_LEVEL	R	m		प्रतिप्रवाह की ओर का इनवर्ट या भूमि स्तर	अध्याय 6
DS_LEVEL	R	m		अनुप्रवाह की ओर का इनवर्ट या भूमि स्तर	अध्याय 6
SIZE_MM	R	mm		पाइप का व्यास, या ड्रेन की चौड़ाई (गहराई NOTES में)	खंड 6.7.6
Q_DES	R	L/s		डिजाइन प्रवाह दर	अध्याय 6
AEP_DES	T	—		डिजाइन AEP, उदाहरण के लिए "10%" या "1%"	खंड 6.4
RESERVE_M	R	m		जल निकासी आरक्षित पट्टी की चौड़ाई, जहाँ लागू हो	खंड 6.9.7
NOTES	T	—		मुक्त पाठ	—

तालिका 10B.6 — मेटाडेटा (SW_META)

क्षेत्र	विषय-वस्तु
FILE_NO	प्राधिकारी की फाइल संख्या
STAGE	1, 2, 4 या HANDOVER
H_CRS	क्षैतिज संदर्भ प्रणाली का EPSG कोड
V_DATUM	ऊर्ध्वाधर डेटम का नाम
TIDE_REL	ऊर्ध्वाधर डेटम का, अध्याय 5 के अनुसार प्राप्तकर्ता नदियों पर CWC के गेजों के नदी डेटमों से, WRD के डैम, जलाशय और तटबंध स्तरों से और DVC के जलाशय स्तरों से, और किसी खदान के गड्ढे में आउटफॉल के लिए पट्टाधारी के खदान सर्वेक्षण से संबंध (उदाहरण के लिए, साइट डेटम पर MSL = x.xx m)
SURVEYOR	सर्वेक्षक का नाम और लाइसेंस संख्या
SURV_DATE	सर्वेक्षण की तारीख
PREP_BY	प्रमाणकर्ता पेशेवर का नाम और पंजीकरण संख्या
CALC_VER	अनुपालन कैलकुलेटर का संस्करण (परिशिष्ट 10A), या "जारी नहीं"
DATE	फाइल तैयार किए जाने की तारीख

10B.4 कोड सूचियाँ

तालिका 10B.7 — सुविधा के प्रकार के कोड (FAC_TYPE)

कोड	सुविधा	तालिका 10.3 की निरीक्षण पंक्ति
RET_SOAK	सोख गड्ढा, पुनर्भरण गड्ढा या शाफ्ट	प्रतिधारण / अंतःस्यंदन
RET_TRENCH	अंतःस्यंदन खाई या बेसिन	प्रतिधारण / अंतःस्यंदन
RET_BIO	बायोरिटेंशन या वर्षा उद्यान	प्रतिधारण / अंतःस्यंदन
RET_PERM	पारगम्य पेवमेंट	प्रतिधारण / अंतःस्यंदन
RET_REUSE	पुनः उपयोग द्वारा प्रतिधारण (माँग सहित टैंक)	भूमिगत या पोडियम अस्थायी भंडारण टैंक, गुरुत्व आउटलेट
DET_BASIN	सतही अस्थायी भंडारण बेसिन	सतही अस्थायी भंडारण बेसिन या बहु-उपयोगी खुला स्थान
DET_OSR	खुले स्थान, पार्क या खेल के मैदान में बहु-उपयोगी अस्थायी भंडारण	सतही अस्थायी भंडारण बेसिन या बहु-उपयोगी खुला स्थान
DET_ROOF	छत पर अस्थायी भंडारण	भूमिगत या पोडियम अस्थायी भंडारण टैंक, गुरुत्व आउटलेट
DET_PODIUM	पोडियम या लैंडस्केप डेक पर अस्थायी भंडारण	भूमिगत या पोडियम अस्थायी भंडारण टैंक, गुरुत्व आउटलेट
DET_PARK	पार्किंग स्थल में अस्थायी भंडारण	सतही अस्थायी भंडारण बेसिन या बहु-उपयोगी खुला स्थान
DET_TANK	भूमिगत टैंक या वॉल्ट, गुरुत्व आउटलेट	भूमिगत या पोडियम अस्थायी भंडारण टैंक, गुरुत्व आउटलेट
DET_PUMP	पंप द्वारा संचालित अस्थायी भंडारण या पंपिंग स्टेशन	पंप द्वारा संचालित अस्थायी भंडारण, पंप और नियंत्रण
WQ_POND	वेट पॉन्ड (wet pond) या निर्मित आर्द्रभूमि	सतही अस्थायी भंडारण बेसिन या बहु-उपयोगी खुला स्थान
WQ_SWALE	स्वेल या फिल्टर पट्टी	निजी ड्रेन और इनलेट
WQ_GPT	स्थूल प्रदूषक जाल, प्रथम प्रवाह युक्ति या तेल-ग्रिट पृथक्कारी	स्थूल प्रदूषक जाल / प्रथम प्रवाह युक्ति
GATE	फ्लैप गेट या ज्वार-रोधी गेट, नॉन-रिटर्न वाल्व	फ्लैप / ज्वार-रोधी गेट, नॉन-रिटर्न वाल्व
CONV	निजी ड्रेन, इनलेट या पुलिया	निजी ड्रेन और इनलेट

तालिका 10B.8 — स्थिति के कोड (STATUS)

कोड	अर्थ
PROPOSED	चरण 1 या चरण 2 की प्रस्तुति में
APPROVED	चरण 2 अनुमोदित; अभी निर्मित नहीं
ASBUILT	यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र स्वीकार किया गया (खंड 10.9)
HANDEDOVER	ULB द्वारा स्वीकार किया गया (खंड 10.14)
ALTERED	प्राधिकारी के अनुमोदन से परिवर्तित (खंड 10.3.5)
REMOVED	प्राधिकारी के अनुमोदन से हटाया गया

तालिका 10B.9 — निरीक्षण परिणाम के कोड (INSP_RES)

कोड	अर्थ
OK	डिजाइन के अनुसार कार्यशील; कोई दोष नहीं

कोड	अर्थ
MINOR	दोष पाया गया और ठीक किया गया; तारीख निरीक्षण अभिलेख में
MAJOR	भंडारण, आउटलेट या सुरक्षा को प्रभावित करने वाला दोष; नोटिस जारी किया गया (खंड 10.15.2, पद 1)
NOACCESS	निरीक्षण नहीं किया जा सका
NOTFOUND	सुविधा लुप्त, भरी हुई, ढकी हुई या उसका उपयोग बदला हुआ (खंड 10.15.1(c))

10B.5 सुविधा रजिस्टर का उद्धरण

खंड 10.17.1(a) का सार्वजनिक सुविधा रजिस्टर SW_FAC का एक उद्धरण है: FAC_ID, FAC_TYPE, स्थान (केंद्रक), V_DET (और V_RET, V_WQ), Q_100 (और Q_2, Q_10), OWNER_NM, ASB_DATE, LAST_INSP और INSP_RES। यह खंड 10.17.4 के लाइसेंस के अंतर्गत CSV और GeoPackage के रूप में प्रकाशित किया जाता है। व्यक्तिगत आँकड़े प्रकाशित नहीं किए जाते (खंड 10.17.3)।

परिशिष्ट 10C — रखरखाव पहुँच के आयाम

अध्याय 10 के खंड 10.13 के लिए।

खंड 10.13 पहुँच को कार्य के आधार पर निर्धारित करता है। यह परिशिष्ट उन पहुँच आयामों को एकत्र करता है जिन्हें मैनुअल अन्य अध्यायों में पहले से निर्धारित करता है, और उन आयामों की सूची देता है जिन्हें वह निर्धारित नहीं करता। जहाँ कोई आयाम मैनुअल द्वारा निर्धारित नहीं है, वहाँ डिजाइनकर्ता उसे ड्रॉइंग पर बताएगा, दिखाएगा कि वह O&M योजना में नामित मशीनरी और उपकरणों के उपयुक्त है (खंड 10.11.1(h)), और उस पर "डिजाइन में पुष्टि की जानी है" (to be confirmed in design) अंकित करेगा।

तालिका 10C.1 — मैनुअल द्वारा निर्धारित पहुँच आयाम

घटक	अपेक्षा	खंड
2 m या अधिक शीर्ष चौड़ाई वाली खुली ड्रेन	एक किनारे पर कम से कम 3.5 m चौड़ी रखरखाव पहुँच पट्टी, जो अधिकतम 500 m के अंतराल पर किसी सार्वजनिक सड़क से जुड़ी हो	6.9.4
जल निकासी आरक्षित पट्टियाँ	अपेक्षित ड्रेन आकार के आधार पर चौड़ाई तालिका 6.9 से कम नहीं; जहाँ खंड 6.9.4 की पहुँच पट्टी अधिक चौड़ी हो, वहाँ अधिक चौड़ाई निर्णायक होगी	6.9.7
ढकी ड्रेन, न्यूनतम खंड-काट	0.6 m × 0.6 m स्पष्ट	6.7.6
ढकी ड्रेन, हटाने योग्य ढक्कन	अधिकतम 10 m के केंद्र-अंतर पर पैनल, प्रत्येक कम से कम 0.6 m लंबा और पूरी स्पष्ट चौड़ाई पर फैला हुआ, जिसे दो कर्मी या हाथ से चलने वाली युक्ति उठा सके	6.13.2(a)
ढकी ड्रेन, निरीक्षण कक्ष	प्रत्येक संगम, मोड़ और खंड-काट परिवर्तन पर, और सीधी लंबाई में अधिकतम 30 m के केंद्र-अंतर पर, कम से कम 0.6 m × 0.6 m का स्पष्ट द्वार	6.13.2(b)
सार्वजनिक ड्रेनों पर मैनहोल और निरीक्षण कक्ष	स्पष्ट प्रवेश द्वार कम से कम 600 mm	9.12.3
सार्वजनिक सड़कों पर इनलेट कक्ष	आउटलेट पाइप के इनवर्ट से कम से कम 300 mm गहरा गाद संप, जिसे सतह से साफ किया जा सके	6.6.7

घटक	अपेक्षा	खंड
भूमिगत टैंक और वॉल्ट	आउटलेट कक्ष के ऊपर और प्रत्येक इनलेट के ऊपर प्रवेश द्वार; 500 m^2 से बड़े टैंकों में अधिकतम 30 m की दूरी पर; फर्श का आउटलेट पर स्थित संप की ओर कम से कम 1% ढलान	4.10.2(b), (c)
1 ha से अधिक क्षेत्र की सेवा करने वाले अस्थायी भंडारण आउटलेट	आउटलेट को पृथक करने का साधन (स्टॉप-लॉग स्लॉट या पेनस्टॉक)	4.8.6
आउटफॉल गेट	600 mm से बड़े आउटफॉलों पर (अध्याय 5) और 900 mm या अधिक के या पंप अथवा भंडारण प्रणाली की सेवा करने वाले आउटफॉलों पर (अध्याय 9) प्रतिप्रवाह की ओर स्टॉप-लॉग स्लॉट या पेनस्टॉक; गेट कक्ष सभी ज्वार स्थितियों में सुलभ, उसका प्रवेश HAT + महोर्मि + समुद्र स्तर वृद्धि के अतिरिक्त प्रावधान से ऊपर	5.11.3(d), (e); 9.10.3
पंपिंग स्टेशन	1% AEP घटना में उपयोग योग्य रखरखाव वाहन पहुँच; मोबाइल पंपों के लिए पक्का स्थान और त्वरित-युग्मन (quick-coupling) कनेक्शन; पास-पास के पंपों या मोटरों के बीच 0.6 m (छोटी और मध्यम इकाइयाँ) या 1.0 m (बड़ी इकाइयाँ) का स्पष्ट स्थान	9.9.6, 9.9.10, 9.9.12
पूर्व-उपचार युक्तियाँ	मुख्य BMP में प्रवेश किए या उसे छेड़े बिना साफ की जा सकें	8.5.4
आउटफॉलों, पुलिया इनलेटों और पंप संपों पर जालियाँ	किसी सुरक्षित प्लेटफॉर्म से साफ की जा सकें, वाहन पहुँच के साथ	8.10.3(d)
अंतःस्यंदन खाइयाँ	प्रत्येक खाई के तल तक प्रेक्षण कुआँ	8.7.6(c)
सार्वजनिक रूप से सुलभ भंडारण	किनारे की ढलान 4H:1V से अधिक तीव्र नहीं, और परिधि के कम से कम एक-चौथाई भाग पर 6H:1V या उससे सपाट	4.15.1(c)
आर्द्र बेसिन	कम से कम 3 m चौड़ी सुरक्षा बेंच, सामान्य जल स्तर से 0.3 m से अधिक नीचे नहीं	4.15.2
बाड़	जहाँ खंड 4.15.3 अपेक्षित करता है, कम से कम 1.2 m ऊँची, चढ़ी न जा सकने वाली, ताला लगने योग्य गेट के साथ	4.15.3

तालिका 10C.2 — मैनुअल द्वारा निर्धारित न किए गए पहुँच आयाम (डिजाइन में पुष्टि की जानी है)

घटक	डिजाइनकर्ता क्या बताएगा	कार्य निर्धारित करने वाला खंड
किसी बेसिन, तालाब या खुले चैनल के इनलेट, आउटलेट और तल तक वाहन पहुँच मार्ग	O&M योजना की मशीनरी के लिए चौड़ाई, ढाल, मुड़ने का स्थान और डिजाइन भार	10.13.2
बेसिन या तालाब के किनारे रखरखाव पट्टी	कम से कम एक ओर की चौड़ाई	10.13.2
बेसिन में उतरने वाला रैंप	तलछट हटाने वाली मशीनरी के लिए चौड़ाई, ढाल और सतह	10.13.2
निजी टैंकों के प्रवेश द्वार	इनलेट, आउटलेट और प्रत्येक कक्ष के ऊपर प्रत्येक द्वार का स्पष्ट आकार	10.13.3(a)
सीढ़ियाँ और पायदान	प्रकार और अंतराल; सीमित स्थान में प्रवेश के लिए संवातन	10.13.3(b)
भूमिगत टैंकों में ऊँचाई (headroom)	हाथ से सफाई के लिए स्पष्ट ऊँचाई	10.13.3(d)
ऑरिफिस और जालियों तक पहुँच	भरी हुई सुविधा में प्रवेश किए बिना आउटलेट को कैसे साफ किया जाता है	10.13.4

> **भाष्य.** APWA 5600 (2006, §5608) में अस्थायी भंडारण सुविधाओं के लिए 15 फुट (लगभग 4.5 m) की रखरखाव पहुँच पट्टी अपेक्षित थी। मैनुअल ने निजी साइटों के लिए कोई नियत चौड़ाई नहीं ली, क्योंकि झारखंड के शहरों में भूखंडों के आकार बहुत भिन्न होते हैं (खंड 10.13, भाष्य)। राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति परिशिष्ट 6C और 9B की मानक ड्रॉइंग जारी करते समय तालिका 10C.2 में मानक मान जोड़ सकती है।

परिशिष्ट 10D — सुविधा के प्रकार के अनुसार आदर्श O&M योजनाएँ

अध्याय 10 के खंड 10.11, 10.12 और 10.13 के लिए।

नीचे दी गई आदर्श योजनाएँ आरंभ बिंदु हैं। डिजाइनकर्ता इन्हें प्रत्येक सुविधा के अनुसार ढालता है और "_____" से चिह्नित मदें भरता है। निरीक्षण की आवृत्तियाँ तालिका 10.3 की न्यूनतम आवृत्तियाँ हैं; कोई योजना अधिक बार निरीक्षण निर्धारित कर सकती है, कम कभी नहीं। जहाँ यह परिशिष्ट कोई मान डिजाइनकर्ता पर छोड़ता है, वहाँ मैनुअल उसे निर्धारित नहीं करता।

10D.1 प्रत्येक O&M योजना की विषय-वस्तु

प्रत्येक योजना में खंड 10.11.1 की मदें होंगी:

तालिका 10D.1 — O&M योजना की विषय-वस्तु

मद	विषय-वस्तु	खंड
1	प्रत्येक सुविधा की सूची और नक्शा, डिजाइन स्तरों, आयतनों और आउटलेट विवरण के साथ (SW_FAC, परिशिष्ट 10B से)	10.11.1(a)
2	नियमित कार्य और उनकी आवृत्ति (तालिका 10D.2 से 10D.8)	10.11.1(b)
3	तलछट हटाने का प्रारंभक मान, गहराई (mm) के रूप में या डिजाइन आयतन के प्रतिशत के रूप में: _____	10.11.1(c)
4	प्रपत्र 10-7 से मेल खाती निरीक्षण जाँच-सूची	10.11.1(d)
5	पंपों, गेटों और वाल्वों के लिए: प्रचालन नियम, परीक्षण अनुसूची, स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति, और चक्रवात या भारी वर्षा की चेतावनी पर की जाने वाली कार्रवाई	10.11.1(e)
6	रुके हुए पानी और मच्छरों के प्रजनन के विरुद्ध कार्रवाई, जो खंड 4.7 के खाली होने के समय के अनुरूप हो	10.11.1(f)
7	सुरक्षा: सीमित स्थान, गहरा पानी, सार्वजनिक पहुँच	10.11.1(g)
8	पहुँच मार्ग और उपकरण (परिशिष्ट 10C)	10.11.1(h)
9	वार्षिक लागत का प्राक्कलन (₹ _____ प्रति वर्ष) और उसका भुगतान कौन करेगा	10.11.1(i)
10	रखे जाने वाले अभिलेख, और कितने समय तक: _____ वर्ष (पंप के अभिलेख कम से कम 5 वर्ष, खंड 9.9.8(c))	10.11.1(j)

10D.2 आदर्श योजनाएँ

तालिका 10D.2 — प्रतिधारण और अंतःस्यंदन (सोख गड्ढे, खाइयाँ, बायोरिटेंशन, पारगम्य पेवमेंट)

कार्य	आवृत्ति	मानक या प्रारंभक मान	खंड
सतह, इनलेट, पूर्व-उपचार और अतिप्रवाह का निरीक्षण	प्रत्येक 6 महीने; 31 मई से पहले; भारी वर्षा वाले प्रत्येक दिन के बाद	कोई अवरोध नहीं; अतिप्रवाह मार्ग खुला	तालिका 10.3
प्रेक्षण कुएँ पर या सतह पर खाली होने की जाँच	वर्षा के बाद प्रत्येक निरीक्षण पर	वर्षा समाप्त होने के 72 h के भीतर खाली हो जाए; यदि नहीं, तो अवरोध (clogging) की जाँच करें	4.4.5, 8.7.6(c)
पूर्व-उपचार (फोरबे, फिल्टर पट्टी, गाद-जाल) की सफाई	जब तलछट का प्रारंभक मान (मद 3) पहुँच जाए	मुख्य BMP को छेड़े बिना पूर्व-उपचार की सफाई	8.5.3, 8.5.4
बायोरिटेंशन: मल्च, पौधे, जल का रुकना	प्रत्येक 6 महीने	रुका हुआ पानी 48 h के भीतर निकल जाए; मृत पौधे बदले जाएँ; मल्च 50–75 mm	8.7.2
पारगम्य पेवमेंट: सतह	प्रत्येक 6 महीने	झाड़ू या वैक्यूम से सफाई; अपारगम्य सामग्री से पुनः सतह नहीं बिछाई जाए	8.7.5(e)
योगदान देने वाले क्षेत्र को स्थिर रखना	प्रत्येक निरीक्षण	खुली मिट्टी स्थिर की गई; तलछट बहकर नहीं आ रहा	10.8.3(b)
सुविधा को यथास्थान और उपयोग में रखना	प्रत्येक निरीक्षण	अनुमोदन के बिना भरी, ढकी, पक्की या उस पर निर्माण नहीं किया गया	10.10.1(d)

तालिका 10D.3 — सतही अस्थायी भंडारण बेसिन या बहु-उपयोगी खुला स्थान

कार्य	आवृत्ति	मानक या प्रारंभक मान	खंड
इनलेट, आउटलेट, ऑरिफिस, कचरा-रोधी जाली और स्पिलवे का निरीक्षण	प्रत्येक 6 महीने; 31 मई से पहले; भारी वर्षा वाले प्रत्येक दिन के बाद	ऑरिफिस और जाली खुली; स्पिलवे अवरोध-मुक्त	तालिका 10.3, 4.8, 4.9
मलबा और तलछट हटाना	जब तलछट का प्रारंभक मान पहुँच जाए, और घटनाओं के बाद	डिजाइन आयतन बहाल	10.11.1(c)
जाँचना कि बेसिन खाली होता है	वर्षा के बाद	किसी निचले बिंदु पर 72 h से अधिक पानी नहीं रुकता	4.15.7
वनस्पति	योजना में निर्धारित अनुसार	घास कटी हुई; तटबंधों पर या आउटलेट क्षेत्र में कोई काष्ठीय वृद्धि नहीं	10.11.1(b)
सुरक्षा सुविधाएँ	प्रत्येक 6 महीने	हिन्दी और अंग्रेजी में संकेत-पट और गहराई चिह्न यथास्थान; जहाँ अपेक्षित हो वहाँ बाड़ और गेट मजबूत	4.15.3, 4.15.5
तटबंध (यदि कोई हो)	प्रत्येक 6 महीने और घटनाओं के बाद	कोई दरार, खिसकाव, रिसाव या जानवरों के बिल नहीं	4.9.6

तालिका 10D.4 — भूमिगत या पोडियम अस्थायी भंडारण टैंक, गुरुत्व आउटलेट

कार्य	आवृत्ति	मानक या प्रारंभक मान	खंड
प्रवेश द्वारों से निरीक्षण: इनलेट, आउटलेट, ऑरिफिस, जाली, संप, वेंट	प्रत्येक 6 महीने; 31 मई से पहले; भारी वर्षा वाले प्रत्येक दिन के बाद	खुले; वेंट खुले	तालिका 10.3, 4.10.2
संप और फर्श की सफाई	जब तलछट का प्रारंभक मान पहुँच जाए	फर्श से पानी बिना रुकावट संप की ओर बहता है	4.10.2(c)
इनलेट गाद-जाल या GPT	प्रत्येक 3 महीने (GPT के लिए तालिका 10.3 की पंक्ति)	साफ किया गया	4.10.2(e)

कार्य	आवृत्ति	मानक या प्रारंभक मान	खंड
अतिप्रवाह मार्ग	प्रत्येक निरीक्षण	आउटलेट अवरुद्ध होने पर कार्य करता है; सतही प्रवाह मार्ग तक का रास्ता अवरोध-मुक्त	4.9.5
सीमित स्थान में प्रवेश	प्रत्येक प्रवेश	रखरखाव घोषणा-पत्र में बताई गई प्रवेश प्रक्रिया का पालन; बाद में ढक्कन बंद करके ताला लगाया गया	4.15.6
स्थान का उपयोग	प्रत्येक निरीक्षण	पार्किंग या भंडारण के लिए उपयोग नहीं; आयतन कम नहीं किया गया	10.10.1(d)

तालिका 10D.5 — पंप द्वारा संचालित अस्थायी भंडारण, पंप और नियंत्रण

कार्य	आवृत्ति	मानक या प्रारंभक मान	खंड
प्रत्येक पंप, कार्यरत और स्टैंडबाय, का परीक्षण रन	मासिक	प्रत्येक पंप स्तर नियंत्रण पर चालू होता है; भूमिकाएँ बारी-बारी से बदलती हैं	तालिका 10.3, 9.9.4(c)
पूर्ण ड्यूटी परीक्षण	31 मई से पहले	स्टेशन अपना डिजाइन ड्यूटी बिंदु प्राप्त करता है	तालिका 10.3, 10.9.3
स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति	मासिक, परीक्षण रन के साथ; 31 मई से पहले पूर्ण परीक्षण	स्वचालित परिवर्तन (changeover) कार्य करता है; साइट पर सभी कार्यरत पंपों के लिए कम से कम 72 h का ईंधन	9.9.9
स्तर सेंसर, फ्लोट बैक-अप, अलार्म, टेलीमेट्री	मासिक	उच्च-स्तर और खराबी के अलार्म नियंत्रण कक्ष तक पहुँचते हैं	9.9.8
जालियाँ और गाद-जाल	प्रत्येक 3 महीने और घटनाओं के बाद	साफ	9.9.7
अभिलेख	निरंतर	संप स्तर, चलने के घंटे और विद्युत स्थिति दर्ज; कम से कम 5 वर्ष तक रखे जाएँ	9.9.8(c)
चेतावनी पर कार्रवाई	IMD की भारी वर्षा या चक्रवात चेतावनी पर	योजना में लिखी गई कार्रवाइयाँ: _____ (उदाहरण के लिए साइट पर कर्मचारी, ईंधन भरा गया, मोबाइल पंप कनेक्शन जाँचा गया)	10.11.1(e), 9.9.12

तालिका 10D.6 — फ्लैप गेट या ज्वार-रोधी गेट, नॉन-रिटर्न वाल्व

कार्य	आवृत्ति	मानक या प्रारंभक मान	खंड
निरीक्षण और संचालन	प्रत्येक 3 महीने; भारी वर्षा वाले प्रत्येक दिन के बाद	कम हेड पर खुलता है; कोई मलबा, रेत या वनस्पति उसे रोके नहीं हुए	तालिका 10.3, 9.10.4
सील परीक्षण	31 मई से पहले	प्राप्तकर्ता जलाशय के विरुद्ध सील होता है	तालिका 10.3, 10.9.3
समुद्र तट, ज्वारनदमुख और खाड़ी (creek) के आउटफॉल	मानसून ऋतु में प्रत्येक उच्च ज्वार या महोर्मि घटना के बाद	रेत और मलबा हटाया गया	9.10.5(b)
पृथक्करण	31 मई से पहले	स्टॉप-लॉग स्लॉट या पेनस्टॉक संचालन योग्य	9.10.3
कब्जे, पिन और फिक्सिंग	31 मई से पहले	ऐसा कोई क्षरण नहीं जो गेट का काम रोक दे	9.10.6

कार्य	आवृत्ति	मानक या प्रारंभक मान	खंड
संपत्ति के नॉन-रिटर्न वाल्व	प्रत्येक 3 महीने	सफाई छिद्र (cleaning eye) सुलभ; वाल्व सील होता है	5.11.4

तालिका 10D.7 — स्थूल प्रदूषक जाल या प्रथम प्रवाह युक्ति

कार्य	आवृत्ति	मानक या प्रारंभक मान	खंड
निरीक्षण और खाली करना	प्रत्येक 3 महीने; 31 मई से पहले; भारी वर्षा वाले प्रत्येक दिन के बाद	संग्रह कक्ष भरने से पहले खाली किया गया; बाईपास खुला	तालिका 10.3, 8.4.6
जालियाँ	प्रत्येक निरीक्षण	साफ; अतिप्रवाह मार्ग खुला	8.10.3(b)
निपटान	प्रत्येक सफाई	सामग्री किसी प्राधिकृत ठोस अपशिष्ट सुविधा में ले जाई गई	—

तालिका 10D.8 — निजी ड्रेन और इनलेट

कार्य	आवृत्ति	मानक या प्रारंभक मान	खंड
ड्रेनों, इनलेटों और गाद संपों का निरीक्षण और सफाई	प्रत्येक 6 महीने; 31 मई से पहले	गाद और मलबे से मुक्त	तालिका 10.3
सीवेज कनेक्शनों की जाँच	प्रत्येक निरीक्षण	कोई नहीं; सीवेज का कोई भी अवैध जुड़ाव (cross-connection) हटाया गया	1.5.4, 8.9
सतही प्रवाह मार्ग	प्रत्येक निरीक्षण	दीवारों, भराई या रखी गई सामग्री से अवरुद्ध नहीं	6.9.2, 10.15.1(g)

परिशिष्ट 10E — वर्षा जल डिजाइन पेशेवरों और समीक्षकों की सूचीबद्धता के मानदंड

अध्याय 10 के खंड 10.6, 10.7.4 और 11.4.3 के लिए।

> *सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु आदर्श पाठ। प्रवृत्त नहीं.* खंड 10.6.2 सूचीबद्धता के मानदंड जारी करने का कार्य UD&HD को सौंपता है। नीचे दिया गया पाठ एक आदर्श है। "[ ]" के रूप में दर्शाए गए मान सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किए जाने हैं; मैनुअल उन्हें निर्धारित नहीं करता।

10E.1 आदर्श मानदंड

1. **सूचियाँ.** सक्षम प्राधिकारी तीन सार्वजनिक सूचियाँ रखेगा:
   - (a) **वर्षा जल डिजाइन पेशेवर**, जो खंड 10.6.1 के अंतर्गत डिजाइनों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और खंड 10.6.4 के अंतर्गत स्वतंत्र जाँचकर्ता के रूप में कार्य कर सकते हैं;
   - (b) **सूचीबद्ध समीक्षक**, जो खंड 10.7.4 के अंतर्गत किसी प्राधिकारी के लिए प्रस्तुतियों की समीक्षा कर सकते हैं; और

    - (c) **बेसिन मॉडलिंग योग्यता-मान्यता** (basin modelling endorsement), जो ऐसे वर्षा जल डिजाइन पेशेवर के पास होती है जो खंड 11.4.3 के अंतर्गत BSMP तैयार कर सकता है या उसका निर्देशन कर सकता है।
2. **सूची (a) के लिए पात्रता.** आवेदक:
    - (a) सिविल अभियांत्रिकी में डिग्री, या सक्षम प्राधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता रखेगा (खंड 10.6.2);
    - (b) भवन उपविधि 2016 के अंतर्गत पेशेवर के रूप में पंजीकृत होगा (खंड 1.4);
    - (c) स्नातक होने के बाद जल निकासी डिजाइन में कम से कम [ ] वर्ष का अनुभव रखेगा, जो कम से कम [ ] परियोजनाओं की सूची द्वारा, प्रत्येक में आवेदक की भूमिका सहित, दर्शाया गया हो (खंड 10.6.2); और
    - (d) आवेदन से पहले के [ ] वर्षों के भीतर इस मैनुअल पर मूल्यांकन सहित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा कर चुका होगा (खंड 10.6.2)।
3. **सूची (b) के लिए पात्रता.** सूची (a) के समान, कम से कम [ ] वर्ष के अनुभव के साथ, जिसमें से कम से कम [ ] वर्ष इस मैनुअल या किसी समकक्ष मानक के अंतर्गत जल निकासी के डिजाइन या समीक्षा में हों।
4. **बेसिन मॉडलिंग योग्यता-मान्यता (c).** ऐसा वर्षा जल डिजाइन पेशेवर जो कम से कम [ ] अध्ययनों पर अंशांकन सहित बेसिन-स्तरीय 1D–2D मॉडलिंग का अनुभव दर्शाए (खंड 11.4.3)।
5. **जाँचकर्ता की स्वतंत्रता.** खंड 10.6.4 के अंतर्गत जाँचकर्ता न तो डिजाइनकर्ता की फर्म या आवेदक द्वारा नियोजित होगा, न उसका भागीदार होगा, और उसने डिजाइन पर कार्य न किया हो।
6. **समीक्षक का हित-संघर्ष.** कोई सूचीबद्ध समीक्षक ऐसी साइट की समीक्षा नहीं करेगा जिस पर समीक्षक ने, या समीक्षक की फर्म ने, किसी भी हैसियत में कार्य किया हो (खंड 10.7.4), और कोई समीक्षा स्वीकार करने से पहले अपने किसी अन्य हित की घोषणा करेगा। निर्णय लेने वाला प्राधिकारी ही रहता है (खंड 10.7.4)।
7. **आवेदन.** आवेदन में डिग्री और पंजीकरण का प्रमाण, संदर्भों सहित परियोजना सूची, प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र, और यह हस्ताक्षरित घोषणा सम्मिलित होगी कि दी गई जानकारी सत्य है।
8. **अवधि और नवीकरण.** सूचीबद्धता [ ] वर्षों के लिए वैध है। नवीकरण के लिए निरंतर व्यवसाय का, और मैनुअल के संशोधन के बाद जारी किसी पुनश्चर्या प्रशिक्षण का, साक्ष्य अपेक्षित है (खंड 1.12)।
9. **निलंबन और हटाया जाना.** सक्षम प्राधिकारी किसी सूचीबद्ध व्यक्ति को मिथ्या या लापरवाही से दिए गए प्रमाण-पत्र के बाद (खंड 10.6.5), तालिका 10.4 के पद 6 के अंतर्गत रिपोर्ट पर, या पंजीकरण समाप्त होने पर निलंबित कर सकता है या सूची से हटा सकता है। उस व्यक्ति को नोटिस और सुनवाई का अवसर दिया जाएगा। प्रत्येक निलंबन और हटाया जाना सूची पर प्रकाशित किया जाएगा।
10. **प्रकाशन.** सूचियाँ प्रकाशित की जाएँगी और अद्यतन रखी जाएँगी, जिनमें प्रत्येक व्यक्ति का नाम, पंजीकरण संख्या, सूची, योग्यता-मान्यता और वैधता की तारीख हो।

प्रपत्र 10-1 — जल निकासी रिपोर्ट जाँच-सूची

अध्याय 10 के खंड 10.4.1 से 10.4.4 और 10.7.1 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. चरण 1 और चरण 2 की प्रत्येक प्रस्तुति के साथ जमा करें। प्रत्येक मद के लिए वह पृष्ठ या शीट बताएँ जहाँ उस पर विचार किया गया है, या वह कारण जिससे वह लागू नहीं होती। प्राधिकारी पूर्ण रूप से भरे प्रपत्र 10-1 के बिना तकनीकी समीक्षा आरंभ नहीं करता (खंड 10.4.3)।

तालिका 10F.1 — प्रपत्र 10-1, भाग A: प्रस्तुति

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि
A1	प्राधिकारी और फाइल संख्या	_____
A2	साइट का नाम और पता; सर्वे संख्याएँ	_____
A3	चरण: 1 / 2 / संयुक्त 1 और 2 (खंड 10.3.3) / लोक निर्माण कार्य की DPR या निविदा (खंड 10.3.4)	_____
A4	आवेदक	_____
A5	प्रमाणकर्ता पेशेवर (नाम, पंजीकरण और सूचीबद्धता संख्या)	_____

तालिका 10F.2 — प्रपत्र 10-1, भाग B: चरण 1 की विषय-वस्तु (खंड 10.4.1)

क्र.	मद	खंड	पृष्ठ / शीट	लागू नहीं: कारण
B1	प्रपत्र 1-1; जहाँ विचलन या अधित्याग माँगा गया हो वहाँ प्रपत्र 1-2	10.4.1(a)	_____	_____
B2	साइट नक्शा: विद्यमान और प्रस्तावित स्तर, अपारगम्य क्षेत्र, साइट की ओर और साइट से होकर बहने वाले जलग्रहण क्षेत्रों की सीमाएँ	10.4.1(b)	_____	_____
B3	मिट्टी (HSG), मौसमी उच्चतम भूजल, अंतःस्यंदन परीक्षण या परीक्षण योजना	10.4.1(c)	_____	_____
B4	डिजाइन वर्षा पत्रक (प्रपत्र 2-1)	10.4.1(d)	_____	_____
B5	विकास-पूर्व स्थिति और जलवैज्ञानिक विधि	10.4.1(e)	_____	_____
B6	उपायों का क्रम: संरक्षित क्षेत्र, प्रतिधारण विधि, अस्थायी भंडारण की अवधारणा, वहन	10.4.1(f)	_____	_____
B7	प्रारंभिक प्रतिधारण, WQ और अस्थायी भंडारण आयतन और निकास दरें, प्रपत्र 10-2 के साथ	10.4.1(g)	_____	_____
B8	अनुप्रवाह विश्लेषण का विस्तार और टेलवाटर स्थिति	10.4.1(h)	_____	_____
B9	जलाशय, सेटबैक और 1% AEP स्तर	10.4.1(i)	_____	_____
B10	सुविधाओं और रखरखाव पहुँच के लिए आरक्षित भूमि	10.4.1(j)	_____	_____
B11	पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-3)	10.4.5	_____	_____

तालिका 10F.3 — प्रपत्र 10-1, भाग C: चरण 2 की विषय-वस्तु (खंड 10.4.2)

क्र.	मद	खंड	पृष्ठ / शीट	लागू नहीं: कारण
C1	अद्यतन की गई चरण 1 की विषय-वस्तु (भाग B)	10.4.2	_____	_____
C2	प्रत्येक भंडारण अवधि और AEP के लिए अंतिम गणनाएँ, आउटफॉल-बंद जाँच के साथ	10.4.2(a)	_____	_____
C3	जल स्तर–भंडारण–प्रवाह दर तालिकाएँ; आपातकालीन स्पिलवे का डिजाइन	10.4.2(b)	_____	_____
C4	वहन, इनलेट और संरचनाओं का हाइड्रोलिक डिजाइन	10.4.2(c)	_____	_____
C5	जल गुणवत्ता डिजाइन; जहाँ अपेक्षित हो वहाँ प्रथम प्रवाह युक्ति या GPT	10.4.2(d)	_____	_____
C6	प्रत्येक सुविधा की निर्माण ड्रॉइंग, विवरण और विनिर्देश	10.4.2(e)	_____	_____
C7	निर्माण का क्रम, प्रतिधारण और अंतःस्यंदन क्षेत्रों की सुरक्षा के साथ	10.4.2(f)	_____	_____
C8	रोक-बिंदु अनुसूची (प्रपत्र 10-4, भाग A)	10.4.2(g)	_____	_____
C9	O&M योजना का प्रारूप और रखरखाव घोषणा-पत्र का प्रारूप (प्रपत्र 10-6)	10.4.2(h)	_____	_____
C10	मॉडल इनपुट फाइलें और GIS आँकड़े	10.4.2(i)	_____	_____
C11	प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-3, डिजाइनकर्ता द्वारा और, जहाँ अपेक्षित हो, जाँचकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित)	10.4.2(j)	_____	_____

तालिका 10F.4 — प्रपत्र 10-1, भाग D: डिजिटल प्रस्तुति (खंड 10.4.4)

क्र.	मद	खंड	उपलब्ध कराया गया (हाँ / नहीं)	विवरण
D1	खोज-योग्य PDF के रूप में रिपोर्ट और ड्रॉइंग	10.4.4(a)	_____	_____
D2	मूल, चलाने योग्य फॉर्मेट में मॉडल; सॉफ्टवेयर का नाम और संस्करण	10.4.4(b)	_____	_____
D3	परिशिष्ट 10B के अनुसार GIS आँकड़े; क्षैतिज संदर्भ प्रणाली (EPSG कोड)	10.4.4(c)	_____	_____
D4	ऊर्ध्वाधर डेटम का नाम दिया गया; अध्याय 5 के अनुसार प्राप्तकर्ता नदियों पर CWC के गेजों के नदी डेटमों से, WRD के डैम, जलाशय और तटबंध स्तरों से और DVC के जलाशय स्तरों से, और किसी खदान के गड्ढे में आउटफॉल के लिए पट्टाधारी के खदान सर्वेक्षण से संबंध	10.4.4(d)	_____	_____

तालिका 10F.5 — प्रपत्र 10-1, भाग E: घोषणा और पूर्णता जाँच

क्षेत्र	प्रविष्टि
मैं पुष्टि करता/करती हूँ कि यह जाँच-सूची पूर्ण और सही है। प्रमाणकर्ता पेशेवर: नाम, हस्ताक्षर, तारीख	_____
प्राधिकारी के लिए: प्राप्ति की तारीख	_____
पूर्णता जाँच की तारीख (5 कार्य दिवसों के भीतर, खंड 10.7.1)	_____
परिणाम: समीक्षा के लिए स्वीकार / लौटाया गया	_____
लौटाए जाने पर छूटी हुई मदें	_____
अधिकारी: नाम, पदनाम, हस्ताक्षर	_____

प्रपत्र 10-2 — अनुपालन कैलकुलेटर सारांश

अध्याय 10 के खंड 10.4.1(g), 10.5 और 10.9.1(b) के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. चरण 1, 2 और 4 की प्रस्तुतियों के साथ अनुपालन कैलकुलेटर (परिशिष्ट 10A) द्वारा तैयार किया जाता है। जब तक कैलकुलेटर जारी नहीं होता, इसे हाथ से भरें और A3 में "जारी नहीं" लिखें। जहाँ साइट के एक से अधिक आउटफॉल हों, वहाँ प्रत्येक जल निकासी क्षेत्र के लिए एक स्तंभ।

तालिका 10F.6 — प्रपत्र 10-2, भाग A: साइट और मार्ग

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
A1	प्राधिकारी, फाइल संख्या, चरण (1 / 2 / 4)	_____	10.5.2(a)
A2	साइट का क्षेत्रफल, ha; भूमि विक्षोभ, ha; नया + प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र, m²	_____	1.5.2
A3	कैलकुलेटर का संस्करण और जारी होने की तारीख	_____	10.5.3
A4	टियर (A / B); बाढ़-संवेदनशील (हाँ / नहीं); बेसिन के लिए अनुमोदित BSMP (हाँ / नहीं)	_____	1.6, 4.5.3, 11.12
A5	मार्ग: पूर्ण विधि / S-1 / S-2 / नियत-गुणांक / सीमित पुनर्विकास / क्षेत्रीय या एवज शुल्क	_____	1.7, 4.5.6, 4.13, 4.14
A6	कैलकुलेटर द्वारा उठाए गए संकेत (सूची)	_____	परिशिष्ट 10A.4

तालिका 10F.7 — प्रपत्र 10-2, भाग B: वर्षा और मिट्टी

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
B1	वर्षा जोन; प्रपत्र 2-1 का संदर्भ	_____	2.13
B2	प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई P_R, mm; 3-महीने ARI की गहराई P_3m, mm	_____	2.10, 8.4.1
B3	लागू किया गया जलवायु गुणक (≤ 6 h; > 6–72 h)	_____	2.8
B4	उप-भाग के अनुसार HSG; मौसमी उच्चतम भूजल, तल से m नीचे	_____	3.7, 4.4.3
B5	मापी गई और डिजाइन अंतःस्यंदन दरें, mm/h	_____	4.4.3

तालिका 10F.8 — प्रपत्र 10-2, भाग C: आयतन

क्र.	मात्रा	अपेक्षित (m³)	उपलब्ध कराया गया (m³)	खंड
C1	प्रतिधारण आयतन (RRV)	_____	_____	4.4.2
C2	जल गुणवत्ता आयतन (WQv)	_____	_____	8.4.2
C3	अस्थायी भंडारण के विरुद्ध प्रतिधारण क्रेडिट	_____	—	4.4.6
C4	अस्थायी भंडारण आयतन	_____	_____	4.6, 4.14
C5	एवज शुल्क या क्षेत्रीय आयतन, और शुल्क (₹)	_____	_____	4.5.6.3, 4.13.3

तालिका 10F.9 — प्रपत्र 10-2, भाग D: निकास दरें (प्रत्येक आउटफॉल)

AEP	Q_pre या सीमा (L/s)	Q_post (L/s)	निर्णायक अवधि (h)	मानदंड पूरा (हाँ / नहीं)	खंड
50% (2-वर्ष)	_____	_____	_____	_____	4.5
10% (10-वर्ष)	_____	_____	_____	_____	4.5
1% (100-वर्ष)	_____	_____	_____	_____	4.5

तालिका 10F.10 — प्रपत्र 10-2, भाग E: आउटलेट, खाली होना और चरणों की तुलना

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
E1	अल्प-प्रवाह ऑरिफिस, mm (न्यूनतम 50 mm)	_____	4.8.2
E2	अस्थायी भंडारण: 10-वर्ष के संग्रहीत आयतन का 90% छोड़ने का समय, h (≤ 48 h)	_____	4.7.1
E3	WQv का निकास समय, h (24–48 h)	_____	4.7.2
E4	प्रतिधारण के खाली होने का समय, h (≤ 72 h)	_____	4.7.3
E5	क्या मॉडल परिणाम कैलकुलेटर की छँटाई जाँच से मार्गदर्शिका की सहनसीमा से अधिक भिन्न है? यदि हाँ, तो रिपोर्ट का वह भाग जो इसे स्पष्ट करता है	_____	10.5.2(c)
E6	केवल चरण 4: चरण 2 के मानों से परिवर्तन (सूची), और क्या प्रत्येक मानदंड अब भी पूरा होता है	_____	10.9.2
E7	द्वारा तैयार (नाम, पंजीकरण संख्या), हस्ताक्षर, तारीख	_____	10.6.3(b)

प्रपत्र 10-3 — पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र

अध्याय 10 के खंड 10.6.1 से 10.6.5 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. चरण 1 और चरण 2 की प्रत्येक प्रस्तुति के साथ डिजाइनकर्ता द्वारा, और खंड 10.6.1(c) और (d) के अंतर्गत आने वाली सुविधाओं के लिए स्वतंत्र जाँचकर्ता द्वारा भी, हस्ताक्षरित।

तालिका 10F.11 — प्रपत्र 10-3, भाग A: परियोजना और हस्ताक्षरकर्ता

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
A1	प्राधिकारी, फाइल संख्या, चरण	_____	—
A2	इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत आने वाली साइट और सुविधाएँ	_____	—
A3	डिजाइनकर्ता: नाम, योग्यता, भवन उपविधि 2016 के अंतर्गत पंजीकरण संख्या	_____	10.6.1
A4	सूचीबद्धता संख्या, जहाँ अपेक्षित हो, और कारण: टियर A ≥ 1 ha / बाढ़-संवेदनशील / तटबंध या उच्च-जोखिम बेसिन / पंप द्वारा संचालित, ज्वार-रोधी गेट या क्षेत्रीय सुविधा	_____	10.6.1(a)–(d)
A5	अनुमोदित विचलन या अधित्याग (प्रपत्र 1-2 के संदर्भ), या "कोई नहीं"	_____	10.6.3(a)

तालिका 10F.12 — प्रपत्र 10-3, भाग B: डिजाइनकर्ता का प्रमाण-पत्र

क्र.	मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि:	आद्याक्षर
B1	डिजाइन झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल का अनुपालन करता है, सिवाय A5 में सूचीबद्ध विचलनों के, जिनका अनुमोदन हो चुका है	_____
B2	वर्षा, मिट्टी और टेलवाटर के इनपुट वही हैं जो प्रपत्र 2-1 और प्रपत्र 10-2 पर अभिलिखित हैं	_____
B3	प्रस्तुत मॉडल वही परिणाम देते हैं जो रिपोर्ट किए गए हैं	_____
B4	मैं समझता/समझती हूँ कि मिथ्या या लापरवाही से दिया गया प्रमाण-पत्र खंड 10.15 के अंतर्गत उल्लंघन है	_____

तालिका 10F.13 — प्रपत्र 10-3, भाग C: स्वतंत्र जाँचकर्ता का प्रमाण-पत्र (खंड 10.6.4)

क्र.	क्षेत्र या कथन	प्रविष्टि
C1	जाँचकर्ता: नाम, पंजीकरण और सूचीबद्धता संख्या	_____
C2	मैं डिजाइनकर्ता और आवेदक से स्वतंत्र हूँ और मैंने इस डिजाइन पर कार्य नहीं किया है	_____
C3	मैंने सूचीबद्ध सुविधाओं की जाँच की है: _____, और मैं भाग B के प्रमाण-पत्र से सहमत हूँ	_____
C4	वे विषय जिन पर मैं सहमत नहीं हूँ, यदि कोई हों	_____

तालिका 10F.14 — प्रपत्र 10-3, भाग D: हस्ताक्षर

भूमिका	नाम	हस्ताक्षर	तारीख
डिजाइनकर्ता	_____	_____	_____

भूमिका	नाम	हस्ताक्षर	तारीख
स्वतंत्र जाँचकर्ता (जहाँ अपेक्षित हो)	_____	_____	_____

प्रपत्र 10-4 — रोक-बिंदु निरीक्षण अभिलेख

अध्याय 10 के खंड 10.4.2(g), 10.8 और 10.9.3 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. भाग A रोक-बिंदु अनुसूची है, जिसका अनुमोदन चरण 2 पर होता है। भाग B प्रत्येक रोक बिंदु पर, दिनांकित, जियोटैग किए गए फोटो के साथ भरा जाता है (खंड 10.8.2)। जब तक भाग B पर हस्ताक्षर न हो जाएँ, कार्य किसी रोक बिंदु से आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। चित्र 10.2 देखें।

तालिका 10F.15 — प्रपत्र 10-4, भाग A: रोक-बिंदु अनुसूची

रोक बिंदु	सुविधा (FAC_ID)	कार्य का चरण	नियोजित तारीख	प्राधिकारी को सूचना भेजी गई (तारीख)*	प्राधिकारी उपस्थित (हाँ / नहीं)
(a) खोदा गया तल, माध्यम, लाइनर या संरचना से पहले	_____	_____	_____	_____	_____
(b) आउटलेट संरचना, ऑरिफिस और कचरा-रोधी जाली, पीछे भराई या पहली बार भरने से पहले	_____	_____	_____	_____	_____
(c) अंतःस्यंदन और सत्यापन परीक्षण (खंड 10.9.3)	_____	_____	_____	—	_____
(d) आउटफॉल, फ्लैप गेट या ज्वार-रोधी गेट और नॉन-रिटर्न वाल्व, अनुप्रवाह कनेक्शन से पहले	_____	_____	_____	—	_____
(e) पंप और नियंत्रण, चालू करते समय	_____	_____	_____	—	_____
प्राधिकारी द्वारा जोड़े गए अन्य रोक बिंदु	_____	_____	_____	_____	_____

* खंड 10.6.1 के अंतर्गत आने वाली साइटों के लिए, रोक बिंदु (a) और (b) की कम से कम 3 कार्य दिवस पहले सूचना (खंड 10.8.2)।

तालिका 10F.16 — प्रपत्र 10-4, भाग B: निरीक्षण अभिलेख (प्रत्येक रोक बिंदु के लिए एक)

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि
B1	रोक बिंदु और सुविधा	_____
B2	निरीक्षण की तारीख और समय; मौसम	_____
B3	निरीक्षणकर्ता (प्रमाणकर्ता पेशेवर); उपस्थित अन्य व्यक्ति	_____
B4	जिस अनुमोदित ड्रॉइंग और संशोधन से मिलान किया गया	_____
B5	पाए गए स्तर, आयाम और सामग्री, अनुमोदित मानों की तुलना में	_____
B6	(a) के लिए: प्रतिधारण और अंतःस्यंदन क्षेत्र यातायात और सामग्री के ढेरों से सुरक्षित (खंड 10.8.3(a))	_____
B7	(b) के लिए: ऑरिफिस का आकार और इनवर्ट; जाली यथास्थान	_____
B8	(c) के लिए: अंतःस्यंदन परीक्षण का परिणाम और खाली होने का समय (≤ 72 h); पंप का ड्यूटी बिंदु; गेट का खुलना और सील होना	_____
B9	(d) और (e) के लिए: गेट का प्रकार, बैठाव और परीक्षण; पंप चालू करने का अभिलेख	_____
B10	फोटो के संदर्भ (दिनांकित, जियोटैग किए गए)	_____

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि
B11	परिणाम: आगे बढ़ने की अनुमति दी गई / नहीं दी गई; अपेक्षित सुधारात्मक कार्य	_____
B12	सुधारात्मक कार्य की जाँच (तारीख, किसके द्वारा)	_____
B13	प्रमाणकर्ता पेशेवर के हस्ताक्षर, तारीख	_____

प्रपत्र 10-5 — यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र

अध्याय 10 के खंड 10.9 और 10.3.5 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. समापन प्रमाण-पत्र से पहले जमा किया जाता है। प्राधिकारी तब तक समापन प्रमाण-पत्र जारी नहीं करेगा जब तक यह प्रपत्र स्वीकार न कर लिया जाए (खंड 10.9.4)।

तालिका 10F.17 — प्रपत्र 10-5, भाग A: परियोजना और सर्वेक्षण

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
A1	प्राधिकारी, फाइल संख्या; चरण 2 के अनुमोदन का संदर्भ और तारीख	_____	—
A2	लाइसेंसधारी सर्वेक्षक: नाम, लाइसेंस संख्या, सर्वेक्षण की तारीख	_____	10.9.1(a)
A3	ऊर्ध्वाधर डेटम	_____	10.4.4(d)
A4	परिशिष्ट 10B के अनुसार यथा-निर्मित GIS आँकड़े (फाइल का नाम)	_____	10.4.4(c)

तालिका 10F.18 — प्रपत्र 10-5, भाग B: अनुमोदित बनाम यथा-निर्मित (प्रत्येक सुविधा के लिए एक खंड)

मद	अनुमोदित	यथा-निर्मित	स्वीकार (हाँ / नहीं)	खंड
प्रत्येक डिजाइन स्तर पर भंडारण आयतन, m^3	_____	_____	_____	10.9.2(a)
आउटलेट के आयाम (ऑरिफिस, वियर), mm	_____	_____	_____	10.9.2(b)
आउटलेट और आउटफॉल के इनवर्ट, m	_____	_____	_____	10.9.2(b)
स्पिलवे या अतिप्रवाह स्तर, m	_____	_____	_____	4.9
प्रतिधारण आयतन, m^3	_____	_____	_____	4.4

तालिका 10F.19 — प्रपत्र 10-5, भाग C: पुनः गणना और परीक्षण

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
C1	यथा-निर्मित मानों के साथ अनुपालन कैलकुलेटर की पुनः गणना: संस्करण, और प्रपत्र 10-2 (चरण 4) संलग्न	_____	10.9.1(b)
C2	यथा-निर्मित मानों के साथ मॉडल को फिर से चलाना (जहाँ मॉडल का उपयोग किया गया था): फाइल का नाम	_____	10.9.1(b)
C3	पुनः गणना पर अध्याय 4 और 5 का प्रत्येक मानदंड पूरा (हाँ / नहीं; जो पूरे नहीं हुए उनकी सूची)	_____	10.9.2(c)
C4	अंतःस्यंदन द्वारा प्रतिधारण: मापा गया खाली होने का समय, h (≤ 72 h)	_____	10.9.3
C5	पंप: ड्यूटी बिंदु प्राप्त (हेड पर प्रवाह)	_____	10.9.3
C6	ज्वार-रोधी गेट और नॉन-रिटर्न वाल्व: खुलना और सील होना दिखाया गया	_____	10.9.3
C7	विचलन, और उन्हें कैसे ठीक किया गया या खंड 10.3.5 के अंतर्गत पुनः प्रमाणित किया गया	_____	10.9.2

तालिका 10F.20 — प्रपत्र 10-5, भाग D: संलग्नक और प्रमाण-पत्र

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि
D1	पूर्ण रोक-बिंदु अभिलेख (प्रपत्र 10-4)	_____
D2	अंतिम O&M योजना	_____
D3	निष्पादित रखरखाव घोषणा-पत्र (प्रपत्र 10-6) या हस्तांतरण दस्तावेज (प्रपत्र 10-8)	_____
D4	मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि सूचीबद्ध सुविधाएँ, C7 में बताए गए को छोड़कर, अनुमोदन के अनुसार बनाई गई हैं और डिजाइन के अनुसार कार्य करती हैं। प्रमाणकर्ता पेशेवर: नाम, पंजीकरण संख्या, हस्ताक्षर, तारीख	_____
D5	प्राधिकारी के लिए: स्वीकार / लौटाया गया; अधिकारी, तारीख	_____

प्रपत्र 10-6 — रखरखाव घोषणा-पत्र

अध्याय 10 के खंड 10.10.1, 10.10.2, 10.10.4 और 10.13.1 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु आदर्श पाठ। प्रवृत्त नहीं. प्रत्येक निजी वर्षा जल सुविधा के स्वामी द्वारा समापन प्रमाण-पत्र जारी होने से पहले निष्पादित, और इस प्रकार पंजीकृत कि वह भूमि के साथ चलता रहे।

> **प्रारूपण टिप्पणी D10A.1.** वह लिखत जिसके अंतर्गत यह घोषणा-पत्र पंजीकृत किया जाता है, और वह अधिनियम जो प्राधिकारी को प्रवेश का अधिकार और चूक की दशा में कार्य कराने की शक्ति देता है, सक्षम प्राधिकारी द्वारा पुष्टि किए जाने हैं। यह प्रपत्र किसी कानून की धाराओं का उल्लेख नहीं करता।

तालिका 10F.21 — प्रपत्र 10-6, भाग A: पक्षकार और भूमि

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि
A1	स्वामी (घोषणाकर्ता): नाम और पता; कंपनी या संघ के लिए, उसकी पंजीकरण संख्या	_____
A2	प्राधिकारी	_____
A3	भूमि: सर्वे संख्याएँ, गाँव, अंचल (anchal; circle), जिला; विस्तार	_____
A4	अनुमोदन का संदर्भ (फाइल संख्या, चरण 2 के अनुमोदन की तारीख)	_____
A5	अनेक स्वामियों वाले विकास के लिए: वह संघ या निकाय जो विकासकर्ता के बाद दायित्व सँभालता है (खंड 10.10.2)	_____

तालिका 10F.22 — प्रपत्र 10-6, भाग B: सुविधाओं की अनुसूची

सुविधा (FAC_ID)	प्रकार	संलग्न नक्शे पर स्थान	डिजाइन आयतन (m³)	आउटलेट	O&M योजना का संदर्भ
_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____

आदर्श घोषणा. मैं/हम, भाग A में नामित स्वामी, अपने लिए और भूमि के प्रत्येक हक-उत्तराधिकारी के लिए, घोषणा और वचन देता/देते हैं:

1. भाग B की प्रत्येक सुविधा का अनुमोदित O&M योजना के अनुसार प्रचालन, निरीक्षण और रखरखाव करने का, और खंड 10.12 के निरीक्षण करने का (खंड 10.10.1(b));
2. प्राधिकारी, उसके अधिकारियों और उसके ठेकेदारों को प्रत्येक सुविधा और नक्शे पर दर्शाए गए पहुँच मार्ग के निरीक्षण के लिए, और खंड 10.15 के अंतर्गत चूक की दशा में कार्य करने के लिए, प्रवेश का अधिकार देने का, जिसकी लागत स्वामी से वसूल की जा सकेगी (खंड 10.10.1(c));
3. प्राधिकारी के लिखित अनुमोदन के बिना किसी सुविधा को न हटाने, न भरने, न ढकने, न छोटा करने या उसके उपयोग में परिवर्तन न करने का, या उसके पहुँच मार्ग को अवरुद्ध न करने का (खंड 10.10.1(d), 10.13.5);
4. जहाँ खंड 10.10.3 लागू हो, प्रति वर्ष 31 मई तक वार्षिक रखरखाव घोषणा और निरीक्षण रिपोर्ट (प्रपत्र 10-7) जमा करने का;
5. भूमिगत टैंकों के लिए, यहाँ बताई गई सीमित स्थान में प्रवेश की प्रक्रिया का पालन करने का: _____ (खंड 4.15.6);

6. भूमि या उसके किसी भाग के विक्रय या अंतरण पर, यह घोषणा-पत्र और नवीनतम प्रपत्र 10-7 क्रेता को प्रकट करने का, जो अंतरण की तारीख से ये दायित्व ग्रहण करता है (खंड 10.10.4); और
7. अनेक स्वामियों वाले विकास के लिए, कि विकासकर्ता तब तक उत्तरदायी रहता है जब तक A5 में नामित निकाय विधिवत गठित न हो जाए और इस घोषणा-पत्र को लिखित रूप में स्वीकार न कर ले (खंड 10.10.2)।

तालिका 10F.23 — प्रपत्र 10-6, भाग C: निष्पादन और पंजीकरण

क्षेत्र	प्रविष्टि
स्वामी: हस्ताक्षर, नाम, तारीख	_____
साक्षी 1: हस्ताक्षर, नाम, पता	_____
साक्षी 2: हस्ताक्षर, नाम, पता	_____
A5 में नामित संघ या निकाय द्वारा स्वीकार (गठित होने पर): हस्ताक्षर, तारीख	_____
पंजीकरण: कार्यालय, दस्तावेज संख्या, तारीख	_____
प्राधिकारी के लिए: प्राप्त किया और सुविधा रजिस्टर में दर्ज किया; अधिकारी, तारीख	_____

प्रपत्र 10-7 — वार्षिक रखरखाव घोषणा और निरीक्षण रिपोर्ट

अध्याय 10 के खंड 10.10.3, 10.11.1(d) और 10.12 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. टियर A क्षेत्र में स्थित किसी सुविधा के प्रत्येक स्वामी से, और कहीं भी स्थित पंप द्वारा संचालित किसी सुविधा, ज्वार-रोधी गेट या क्षेत्रीय सुविधा के प्रत्येक स्वामी से, प्रति वर्ष **31 मई** तक देय (खंड 10.10.3)। चित्र 10.3 देखें।

तालिका 10F.24 — प्रपत्र 10-7, भाग A: स्वामी और सुविधाएँ

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि
A1	रिपोर्टिंग वर्ष (1 जून से 31 मई)	_____
A2	स्वामी या संघ; रखरखाव घोषणा-पत्र का पंजीकरण संदर्भ	_____
A3	सम्मिलित सुविधाएँ (FAC_ID और प्रकार)	_____
A4	खंड 10.6.1(c) या (d) के अंतर्गत आने वाली कोई सुविधा (हाँ / नहीं)। यदि हाँ, तो भाग E अपेक्षित है	_____

तालिका 10F.25 — प्रपत्र 10-7, भाग B: वर्ष के दौरान किए गए निरीक्षण (तालिका 10.3)

सुविधा	नियमित निरीक्षण (तारीखें)	मानसून-पूर्व निरीक्षण (तारीख)	भारी वर्षा की घटनाओं के बाद (तारीखें)	पंप के मासिक परीक्षण रन (संख्या)
_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 10F.26 — प्रपत्र 10-7, भाग C: मानसून-पूर्व जाँच-सूची (प्रत्येक सुविधा के लिए एक)

क्र.	मद	दशा (OK / दोष)	दोष और उसे ठीक करने की तारीख
C1	इनलेट, पूर्व-उपचार और गाद-जाल खुले	_____	_____
C2	ऑरिफिस, कचरा-रोधी जाली और आउटलेट खुले; ऑरिफिस का आकार अपरिवर्तित	_____	_____
C3	तलछट O&M योजना के प्रारंभक मान से नीचे	_____	_____
C4	भंडारण आयतन कम नहीं हुआ; कोई भराई, ढकना या उपयोग में परिवर्तन नहीं	_____	_____
C5	अतिप्रवाह और स्पिलवे मार्ग खुला	_____	_____
C6	प्रतिधारण 72 h के भीतर खाली होता है (प्रेक्षण कुआँ या सतह)	_____	_____
C7	पंप: पूर्ण ड्यूटी परीक्षण; स्टैंडबाय पंप और स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति का परीक्षण; साइट पर 72 h का ईंधन	_____	_____
C8	अलार्म और टेलीमेट्री का परीक्षण	_____	_____
C9	फ्लैप गेट या ज्वार-रोधी गेट और नॉन-रिटर्न वाल्व: संचालित और सील परीक्षण किया गया	_____	_____

क्र.	मद	दशा (OK / दोष)	दोष और उसे ठीक करने की तारीख
C10	सुरक्षा: ढक्कनों पर ताले, बाड़, संकेत-पट और गहराई चिह्न यथास्थान	_____	_____
C11	पहुँच मार्ग खुले और पार्किंग के लिए उपयोग नहीं	_____	_____

तालिका 10F.27 — प्रपत्र 10-7, भाग D: स्वामी की घोषणा

क्षेत्र	प्रविष्टि
मैं/हम घोषणा करता/करते हूँ/हैं कि खंड 10.12 का मानसून-पूर्व निरीक्षण कर लिया गया है, पाए गए दोषों को भाग C में सूचीबद्ध अनुसार ठीक कर दिया गया है, और सुविधाओं का अनुमोदित O&M योजना के अनुसार रखरखाव किया जा रहा है। स्वामी: नाम, हस्ताक्षर, तारीख	_____

तालिका 10F.28 — प्रपत्र 10-7, भाग E: सूचीबद्ध पेशेवर (खंड 10.6.1(c) और (d) के अंतर्गत आने वाली सुविधाएँ)

क्षेत्र	प्रविष्टि
मैंने सूचीबद्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया है और भाग C की पुष्टि करता/करती हूँ। नाम, सूचीबद्धता संख्या, हस्ताक्षर, तारीख	_____

तालिका 10F.29 — प्रपत्र 10-7, भाग F: प्राधिकारी के लिए

क्षेत्र	प्रविष्टि
प्राप्ति की तारीख; समय पर (31 मई तक) हाँ / नहीं	_____
सुविधा रजिस्टर में दर्ज (खंड 10.17), तारीख	_____
अनुवर्ती कार्रवाई, यदि कोई हो (खंड 10.15)	_____

प्रपत्र 10-8 — परिसंपत्ति हस्तांतरण प्रमाण-पत्र

अध्याय 10 के खंड 10.14 के लिए।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. जब किसी विकासकर्ता द्वारा बनाई गई ड्रेन, खुले स्थान की सुविधाएँ, क्षेत्रीय सुविधाएँ या अन्य वर्षा जल परिसंपत्तियाँ हस्तांतरित की जाती हैं, तब विकासकर्ता और ULB द्वारा हस्ताक्षरित।

तालिका 10F.30 — प्रपत्र 10-8, भाग A: परिसंपत्ति और पक्षकार

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि
A1	विकासकर्ता: नाम और पता	_____
A2	ULB	_____
A3	लेआउट या परियोजना, अनुमोदन का संदर्भ	_____
A4	हस्तांतरित परिसंपत्तियाँ (FAC_ID, प्रकार, लंबाई या आयतन), नक्शे के साथ	_____

तालिका 10F.31 — प्रपत्र 10-8, भाग B: हस्तांतरण की शर्तें (खंड 10.14.1)

क्र.	शर्त	पूरी (हाँ / नहीं)	संदर्भ या तारीख
B1	यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र (प्रपत्र 10-5) स्वीकार किया गया	_____	_____
B2	सुविधा की सफाई की गई; पाइपों और पुलियों का भीतर से निरीक्षण (CCTV या हाथ से प्रवेश) किया गया, अभिलेख सौंपा गया	_____	_____
B3	भूमि, या उस पर सुखाधिकार, ULB को अंतरित	_____	_____
B4	O&M योजना, ड्रॉइंग, GIS आँकड़े (परिशिष्ट 10B) और वारंटियाँ सौंपी गईं	_____	_____

तालिका 10F.32 — प्रपत्र 10-8, भाग C: दोष दायित्व और रजिस्टर

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि	खंड
C1	दोष दायित्व अवधि: _____ से _____ तक (हस्तांतरण के बाद कम से कम 10 जून से 20 अक्तूबर तक एक पूरा मानसून मौसम सम्मिलित)	_____	10.14.2
C2	इस अवधि में दोषों और नियमित रखरखाव के लिए विकासकर्ता उत्तरदायी	_____	10.14.2
C3	ULB द्वारा रखी गई प्रतिभूति जमा राशि, ₹, और उसे लौटाने की तारीख	_____	10.14.2
C4	ULB के GIS जल निकासी परिसंपत्ति रजिस्टर और सुविधा रजिस्टर में दर्ज: तारीख	_____	10.14.3

तालिका 10F.33 — प्रपत्र 10-8, भाग D: हस्ताक्षर

पक्षकार	नाम और पदनाम	हस्ताक्षर	तारीख
विकासकर्ता	_____	_____	_____

पक्षकार	नाम और पदनाम	हस्ताक्षर	तारीख
प्रमाणकर्ता पेशेवर	_____	_____	_____
ULB	_____	_____	_____

अध्याय 11 के परिशिष्ट

बेसिन और शहर वर्षा जल मास्टर प्लान

ये परिशिष्ट अध्याय 11 के लिए हैं। इनमें बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान (BSMP) के लिए संदर्भ-शर्तों (terms of reference) का टेम्पलेट, बेसिन सूची और सीमा परत की रूपरेखा, गहराई–क्षति वक्रों की रूपरेखा और विधि, BSMP के आँकड़ों और मॉडलों के प्रकाशन का मानक, और वार्षिक कार्यान्वयन रिपोर्ट का प्रपत्र दिया गया है। परिशिष्ट 11B और 11C के लिए ऐसे आँकड़ों की आवश्यकता है जो अभी उपलब्ध नहीं हैं; इनमें यह बताया गया है और इस बीच उपयोग किया जाने वाला नियम दिया गया है। टेम्पलेट और प्रपत्र सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु आदर्श पाठ और प्रारूप प्रपत्र हैं, और प्रवृत्त नहीं हैं।

परिशिष्ट 11A — BSMP की संदर्भ-शर्तों का टेम्पलेट

अध्याय 11 के खंड 11.1 से 11.12 के लिए।

> *सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु आदर्श पाठ। प्रवृत्त नहीं.* अग्रणी प्राधिकारी प्रत्येक बेसिन के लिए इस टेम्पलेट को अनुकूलित करता है। "[ ]" में दी गई मदें अग्रणी प्राधिकारी द्वारा भरी जानी हैं। खंडों के संदर्भ इस मैनुअल के हैं, जिसका परामर्शदाता पूर्ण रूप से पालन करेगा।

11A.1 पृष्ठभूमि और प्रयोजन

1. [अग्रणी प्राधिकारी] *झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल* के अध्याय 11 के अंतर्गत [नाम] बेसिन के लिए बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान तैयार करने का आशय रखता है।
2. BSMP (खंड 11.1.2):
    - (a) विद्यमान और भविष्य की स्थितियों में बेसिन के बाढ़ जोखिम का मानचित्रण करेगा;
    - (b) जल निकासी प्रणाली के प्रत्येक भाग के लिए सेवा स्तर निर्धारित करेगा;
    - (c) उस सेवा स्तर तक पहुँचने के लिए आवश्यक कार्यों, भंडारण और भूमि की पहचान करेगा, उनकी लागत आँकेगा और उन्हें प्राथमिकता क्रम में रखेगा;
    - (d) क्षेत्रीय भंडारण, तालाब (talab) और तालाब (tank) पुनर्स्थापन और प्रमुख प्रवाह मार्गों के लिए सांविधिक भूमि उपयोग योजना में आरक्षित की जाने वाली भूमि की पहचान करेगा;
    - (e) साइट डिजाइन के लिए बेसिन इनपुट निर्धारित करेगा: क्षेत्रीय सुविधाएँ, एवज शुल्क की इकाई दर, और अध्याय 4 से अधिक कठोर कोई बेसिन निकास दर; और
    - (f) बाढ़-संवेदनशील के रूप में अधिसूचना हेतु जलग्रहण क्षेत्रों की सिफारिश करेगा।
3. BSMP बेसिन के लिए अध्याय 4 से 8 के साइट मानदंडों को अधिक कठोर बना सकता है। वह उन्हें शिथिल नहीं करेगा, सिवाय खंड 4.13 और 4.5.6 के क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण और एवज शुल्क मार्गों के माध्यम से (खंड 11.1.3)।

11A.2 ग्राहक, भागीदार और अध्ययन क्षेत्र

1. **ग्राहक:** [अग्रणी प्राधिकारी] (खंड 11.4.1)।
2. **भागीदार:** WRD, जहाँ भी बेसिन में उसके नियंत्रण वाली कोई नदी, नहर या तालाब सम्मिलित है, और [अन्य स्थानीय निकाय, RRDA या UD&HD, JSDMA] (खंड 11.4.1)।
3. **अध्ययन क्षेत्र:** [आउटफॉल] की ओर जल निकासी करने वाला संपूर्ण [नाम] बेसिन, जैसा खंड 11.3 के अंतर्गत चिह्नित है, जिसमें ग्राहक की सीमाओं से बाहर के भाग भी सम्मिलित हैं (खंड 11.3.1)। अनंतिम सीमा [परिशिष्ट 11B / संलग्न मानचित्र] में है। परामर्शदाता कार्य 2 में इसकी पुष्टि करेगा।
4. **अन्य बेसिनों से संबंध:** [उदाहरण के लिए प्राप्तकर्ता नदी या जलाशय का कॉरिडोर]। नहर, ड्रेन या अतिरिक्त जल मार्ग द्वारा बेसिनों के बीच के मोड़ मानचित्रित किए जाएँगे और मॉडल में दर्शाए जाएँगे (खंड 11.3.2)।

11A.3 दल

1. अध्ययन का नेतृत्व वर्षा जल डिजाइन पेशेवर के रूप में सूचीबद्ध ऐसा अभियंता करेगा जिसके पास परिशिष्ट 10E की बेसिन मॉडलिंग योग्यता-मान्यता (basin modelling endorsement) हो (खंड 11.4.3)।
2. दल में कम से कम निम्नलिखित सम्मिलित होंगे: [एक जलविज्ञानी; एक हाइड्रोलिक मॉडलर; जहाँ बेसिन का ज्वारीय आउटफॉल हो वहाँ एक तटीय या ज्वार विशेषज्ञ; एक GIS और सर्वेक्षण प्रमुख; एक नियोजक; एक लागत अभियंता; एक सामुदायिक सहभागिता प्रमुख]। ग्राहक प्रत्येक की न्यूनतम योग्यताएँ और अनुभव निर्धारित करता है।

11A.4 कार्य

कार्य 1 — आरंभ. बेसिन में विद्यमान अध्ययनों, आँकड़ों और परियोजनाओं की समीक्षा करें। तालिका 11.1 के सापेक्ष आँकड़ों की सूची, कमियों की सूची, सर्वेक्षण योजना, परामर्श योजना और कार्य कार्यक्रम तैयार करें। आरंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

कार्य 2 — आँकड़े और सर्वेक्षण. तालिका 11.1 की प्रत्येक मद को एकत्र करें, जहाँ अनुपलब्ध हो वहाँ सर्वेक्षण करें, और गुणवत्ता की जाँच करें (खंड 11.5.1):

- (a) भू-भाग: LiDAR या फोटोग्रामिति से DEM, शहरी क्षेत्रों में 0.15 m RMSE या बेहतर ऊर्ध्वाधर सटीकता के साथ, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के डेटम से जुड़ा हुआ, सटीकता परीक्षण की रिपोर्ट के साथ;
- (b) ड्रेन नेटवर्क: प्रत्येक सार्वजनिक ड्रेन, पुलिया और आउटफॉल, इनवर्ट स्तरों, आकारों, स्थिति और गाद की गहराई के साथ; 600 mm से बड़ी निजी ड्रेन;
- (c) जलाशय: अध्याय 7 के अंतर्गत प्रत्येक तालाब (tank), तालाब (talab), पोखर और दलदल: FTL, MWL, बाँध का स्तर, जल स्तर–भंडारण, स्लूइस, सरप्लस वियर, आपूर्ति चैनल और अतिक्रमण, परिशिष्ट 7A के क्षेत्रों में;
- (d) नदियाँ और नहरें: 200 m से अधिक नहीं के अंतराल पर और प्रत्येक संरचना पर अनुप्रस्थ काट;
- (e) आउटफॉल, नदियाँ, जलाशय और खदान के गड्ढे: किसी नामित डेटम पर आउटफॉल के इनवर्ट स्तर, निकटतम CWC गेज पर प्राप्तकर्ता नदी (स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर, बराकर, उत्तरी कोयल, गंगा या कोई अन्य नदी) के चेतावनी, खतरे और उच्चतम बाढ़ स्तरों और उसके अभिलिखित चरमों के सापेक्ष, और जिले का कोई भी निशान एक अलग शृंखला के रूप में रखा जाए; जलाशयों और तालाबों में गिरने वाले आउटफॉलों के लिए, WRD, DVC या अभिरक्षक से पूर्ण जल स्तर, अधिकतम जल स्तर और स्पिलवे और स्लूइस के आँकड़े, प्रकाशित मानों के बीच किसी भी विरोध के साथ; प्राप्तकर्ता स्तर निर्धारित करने वाले डैमों से छोड़े गए पानी के अभिलेख; भंडारण के रूप में प्रस्तावित किसी भी खदान के गड्ढे के लिए, DGMS की सम्मति के साथ, उसके स्तर, अतिप्रवाह और स्थिरता का पट्टाधारी का सर्वेक्षण; जहाँ बाध्यकारी हों वहाँ रांची मास्टर प्लान 2037 और भवन उपविधि 2016 की सेटबैक रेखाएँ; और आउटफॉलों पर स्लूइस, फ्लैप गेट, अवरोधन संरचनाएँ, चेक डैम, तालाब के निकास वियर और पंपिंग स्टेशन, उनकी क्षमताओं और प्रचालन नियमों के साथ;

- (f) वर्षा और जल स्तर: सभी उपलब्ध अभिलेख (IMD, जिसमें रांची (A), जमशेदपुर (A), जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग, डालटनगंज, दुमका और चाईबासा की उसकी वेधशालाएँ, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके का स्वचालित मौसम केंद्र, और मौसम विज्ञान केंद्र, रांची द्वारा सूचित अन्य स्वचालित मौसम केंद्र और वर्षामापी सम्मिलित हैं; राज्य के जिलों और प्रखंडों के वर्षामापी, जैसे कांके, मांडर और नामकुम के; CWC के वर्षामापी और नदी गेज, जिनमें रांची जिले में जुमार पर, धुर्वा डैम पर गारा पर और कांची पर उसके जल स्तर निगरानी स्थल सम्मिलित हैं; DVC के और WRD के जलाशय गेज और वर्षामापी; और नगर निगमों, Tata Steel UISL और स्मार्ट सिटी कंपनियों द्वारा रखे गए कोई भी गेज), जिनमें जून 2008 (जमशेदपुर), मई 2021 (चक्रवात यास, जमशेदपुर और खरकई), अगस्त 2022 (रांची), सितंबर 2024 (दामोदर पर DVC द्वारा छोड़ा गया पानी) और जून 2025 (रांची और जमशेदपुर) की घटनाएँ सम्मिलित हैं;
- (g) बाढ़ के साक्ष्य: पिछली घटनाओं के सर्वेक्षित बाढ़ चिह्न और मानचित्रित विस्तार, सार्वजनिक रिपोर्टों, तस्वीरों और निवासियों के अभिलेखों सहित;
- (h) भूमि उपयोग: विद्यमान भूमि उपयोग और अपारगम्यता; सांविधिक मास्टर प्लान से भविष्य का भूमि उपयोग;
- (i) मिट्टी और भूजल: HSG मानचित्र (परिशिष्ट 3A या खंड 3.7.2), मौसमी उच्चतम भूजल स्तर, जलभृत और पुनर्भरण क्षेत्र; और
- (j) सीवर से अंतःक्रिया: ज्ञात अवैध जुड़ाव, ड्रेन में शुष्क मौसम प्रवाह, ठोस अपशिष्ट हॉटस्पॉट।

बेसिन की सीमा और बेसिनों के बीच के मोड़ों की पुष्टि करें (खंड 11.3.2)। आँकड़ा रिपोर्ट और परिशिष्ट 11D के प्रारूपों में आँकड़े प्रस्तुत करें।

कार्य 3 — मॉडल निर्माण. लघु प्रणाली, प्रमुख (सतही) प्रणाली, नदियों, नहरों और तालाबों, और आउटफॉलों का युग्मित 1D–2D हाइड्रोलिक मॉडल बनाएँ (खंड 11.7.1; चित्र 11.2)। अध्याय 3 की विधियों और अध्याय 5 की ज्वारीय और नदी सीमा-स्थितियों का उपयोग करें। अध्याय 2 की डिजाइन वर्षा घटनाएँ, जिनमें 24, 48 और 72 घंटे की वर्षा घटनाएँ सम्मिलित हैं, कम से कम 50%, 10%, 1% और 0.2% AEP के लिए, खंड 2.7.3 के अंतर्गत क्षेत्रीय न्यूनीकरण के साथ चलाएँ (खंड 11.7.2)। जहाँ बेसिन में तालाब शृंखलाएँ हैं, वहाँ खंड 3.13 के अंतर्गत सतत सिमुलेशन चलाएँ, जहाँ उपलब्ध हो वहाँ IMD के संपूर्ण ग्रिड दैनिक अभिलेख के साथ, और कम से कम 30 वर्ष का, जिसे परिशिष्ट 2D के कालिक वितरणों द्वारा विभाजित किया गया हो। खंड 3.13.5 की दो-पदीय पद्धति का उपयोग किया जा सकता है: सतत रन से प्राप्त तालाबों के आरंभिक स्तर और पूर्ववर्ती स्थितियाँ डिजाइन वर्षा घटना के रनों को दी जाती हैं (खंड 11.7.3)।

कार्य 4 — अंशांकन और वैधीकरण. खंड 3.15 के अंतर्गत मॉडल का अंशांकन और वैधीकरण करें, जहाँ आँकड़े उपलब्ध हों वहाँ जून 2008 (जमशेदपुर), मई 2021 (चक्रवात यास, जमशेदपुर और खरकई), अगस्त 2022 (रांची), सितंबर 2024 (दामोदर पर DVC द्वारा छोड़ा गया पानी) और जून 2025 (रांची और जमशेदपुर) की घटनाओं में से कम से कम दो का उपयोग करते हुए (खंड 11.7.5)। खंड 3.15.4 के कार्य-निष्पादन माप और खंड 3.15.6 की औचित्य जाँच की रिपोर्ट दें।

कार्य 5 — परिदृश्य और जोखिम मानचित्र. खंड 11.7.4 के परिदृश्यों का मॉडल बनाएँ: (a) विद्यमान; (b) भविष्य, अनियंत्रित; (c) भविष्य, नियंत्रित; (d) भविष्य, योजना सहित; और (e) जलवायु, (a) और (d) पर लागू। 10%, 1% और 0.2% AEP के लिए, विद्यमान और भविष्य-योजना-सहित, विस्तार, गहराई, वेग और जोखिम वर्ग (H1–H6, अध्याय 6) के बाढ़ जोखिम मानचित्र तैयार करें (खंड 11.8.4(a))।

कार्य 6 — सेवा स्तर का आकलन. परिदृश्यों (a), (c) और (d) की तुलना तालिका 11.2 के सेवा स्तरों से और ग्राहक द्वारा लिए गए किसी अधिक कठोर स्तर से करें (खंड 11.6.1)। प्रत्येक कमी का मानचित्रण करें।

कार्य 7 — विकल्प. खंड 11.8.1 के क्रम में विकल्प विकसित करें: भंडारण का संरक्षण और पुनर्स्थापन; मॉडलिंग द्वारा स्थित क्षेत्रीय प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण; वहन; आउटफॉल कार्य; संपत्ति-स्तरीय सुरक्षा; गैर-संरचनात्मक उपाय। प्रत्येक विकल्प का आकलन खंड 11.8.2 के मानदंडों पर करें: बाढ़ जोखिम में कमी (बाढ़ से प्रभावित भवन और लोग, और परिशिष्ट 11C का उपयोग करके अपेक्षित वार्षिक क्षति); पूंजीगत लागत और 30 वर्ष की रखरखाव लागत; आवश्यक भूमि; जमशेदपुर, धनबाद, बेरमो और रांची की अति-दोहित और गंभीर इकाइयों में भूजल पुनर्भरण पर, जहाँ पानी कठोर-चट्टानी जलभृत तक केवल लैटेराइट के नीचे के अपक्षयित क्षेत्र से होकर पहुँचता है, घाटी-तलों के उथले मानसून-पश्चात भूजल स्तर पर, खदान के जल-निष्कासन और खनन से विक्षुब्ध भूमि की स्थिरता पर, और भूजल की, जिसमें राज्य के कुछ भागों में फ्लोराइड और साहिबगंज के जलोढ़ में आर्सेनिक है, और अपवाह जिन नदियों और जलाशयों तक पहुँचता है उनकी गुणवत्ता पर प्रभाव; अनुप्रवाह बेसिनों और प्राप्तकर्ता नदी या जलाशय पर प्रभाव; और लाभ किसे होता है।

कार्य 8 — साइट डिजाइन के लिए बेसिन इनपुट. जहाँ परिदृश्य (c) सेवा स्तर को पूरा नहीं करता, वहाँ AEP और उप-जलग्रहण क्षेत्र के अनुसार बेसिन निकास दरें ($m^3/s/ha$) प्रस्तावित करें (खंड 11.8.3)। खंड 4.5.4.1 के साक्ष्य के साथ, बाढ़-संवेदनशील के रूप में अधिसूचना हेतु जलग्रहण क्षेत्रों की सिफारिश करें। क्षेत्रीय सुविधाओं के स्थलों की, भंडारण आयतनों, भूमि की आवश्यकताओं और उनके द्वारा सेवित साइटों के साथ, पहचान करें, और भूमि, निर्माण और 10 वर्ष के रखरखाव सहित एवज शुल्क की इकाई दर की गणना करें (खंड 4.13.3, 11.8.4(c), (d))।

कार्य 9 — पूंजीगत सुधार कार्यक्रम. कार्यों को प्रति रुपया जोखिम में कमी के अनुसार, लागत, चरणबद्धता और उत्तरदायी एजेंसी के साथ, प्राथमिकता क्रम में रखें (खंड 11.8.4(e))।

कार्य 10 — रखरखाव और निगरानी. मानसून-पूर्व रखरखाव कार्यक्रम तैयार करें: गाद निकालना, गेट और पंप का परीक्षण, और तालाबों के प्रचालन नियम (खंड 11.8.4(f); अध्याय 7 और 10)। निगरानी की आवश्यकताएँ निर्दिष्ट करें: नए वर्षामापी, स्तर संवेदक और बाढ़ चिह्न सर्वेक्षण बिंदु (खंड 11.8.4(g); खंड 10.16.1)।

कार्य 11 — भूमि उपयोग के साथ एकीकरण. खंड 11.9.1 द्वारा अपेक्षित, सांविधिक भूमि उपयोग योजना के लिए सामग्री तैयार करें: आरक्षित किए जाने वाले स्थल; अध्याय 7 के सेटबैक के साथ 1% AEP जोखिम मानचित्र; 1% AEP घटना में जोखिम वर्ग H5–H6 की भूमि; और खुले स्थानों के वे स्थान जो प्रवाह मार्गों या क्षेत्रीय भंडारण का भाग बन सकते हैं।

कार्य 12 — परामर्श. BSMP का प्रारूप कम से कम 60 दिन के लिए जन सुझावों हेतु, प्रत्येक प्रभावित स्थानीय निकाय में सार्वजनिक बैठकों के साथ, प्रकाशित करें (खंड 11.10.1)। सुझावों और उत्तरों का लॉग रखें।

कार्य 13 — अंतिम BSMP और प्रकाशन. परामर्श के बाद BSMP को संशोधित करें। राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति द्वारा अनुमोदन के लिए, समीक्षा हेतु मॉडल सहित, पैकेज तैयार करें (खंड 11.11.1)। आँकड़े, मॉडल, मानचित्र और CIP परिशिष्ट 11D के अंतर्गत प्रकाशित करें (खंड 11.10.2)।

11A.5 सुपुर्दगी योग्य सामग्री

तालिका 11A.1 — सुपुर्दगी योग्य सामग्री

क्र.	सुपुर्दगी योग्य सामग्री	कार्य	देय (आरंभ से महीने)
D1	आरंभिक रिपोर्ट, आँकड़ों की सूची और सर्वेक्षण योजना	1	[ ]
D2	आँकड़ा रिपोर्ट और आँकड़ा समूह (परिशिष्ट 11D)	2	[ ]
D3	मॉडल निर्माण रिपोर्ट और मॉडल फाइलें	3	[ ]
D4	अंशांकन और वैधीकरण रिपोर्ट	4	[ ]
D5	परिदृश्यों के परिणाम, जोखिम मानचित्र और सेवा स्तर का आकलन	5, 6	[ ]
D6	विकल्प रिपोर्ट, साइट डिजाइन के लिए बेसिन इनपुट के साथ	7, 8	[ ]
D7	परामर्श के लिए प्रारूप CIP सहित BSMP का प्रारूप	9–12	[ ]
D8	अंतिम BSMP, परामर्श लॉग, अनुमोदन पैकेज और मुक्त आँकड़ों का विमोचन	13	[ ]

11A.6 स्वामित्व और प्रकाशन

इन शर्तों के अंतर्गत तैयार किए गए सभी आँकड़े, मॉडल, मानचित्र और रिपोर्टें अग्रणी प्राधिकारी के स्वामित्व में हैं और परिशिष्ट 11D के अंतर्गत प्रकाशित की जाएँगी। परामर्शदाता किसी ऐसे सॉफ्टवेयर लाइसेंस, आँकड़ा लाइसेंस या प्रारूप का उपयोग नहीं करेगा जो प्रकाशन को रोकता हो, या जो किसी तीसरे पक्ष को बताए गए सॉफ्टवेयर संस्करण के साथ मॉडल को फिर से चलाने से रोकता हो।

परिशिष्ट 11B — टियर A निकायों के लिए बेसिनों की सूचियाँ और सीमाएँ

अध्याय 11 के खंड 11.3 और 11.4 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में प्रत्येक टियर A निकाय के बेसिनों की सूची होगी, खंड 11.3.2 के अंतर्गत चिह्नित बेसिन सीमाओं की GIS परत के साथ। इसके लिए टियर A निकायों की सूची (परिशिष्ट 1A); खंड 11.5.1 की सटीकता वाला DEM, जिसका कोयला क्षेत्रों में, जहाँ भू-धंसान भूमि को बदलता है, पुनः हवाई सर्वेक्षण किया गया हो; ड्रेन के स्वामी प्रत्येक निकाय का ड्रेन नेटवर्क (नगर निगम, JUIDCO की परियोजना ड्रेनें, RRDA, MADA और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों की ड्रेनें, जमशेदपुर पट्टा क्षेत्र में Tata Steel UISL द्वारा चलाई जाने वाली ड्रेनें, और ड्रेनों और शहरी नदियों पर सीवेज अवरोधन); WRD की नदियाँ, डैम और जलाशय, किसी बताए गए डेटम पर उनके पूर्ण जल स्तरों, स्पिलवे, स्लूइसों और प्रचालन नियमों के साथ; DVC के जलाशयों से और तेनुघाट, चांडिल और ओडिशा में खरकई पर बने डैमों से छोड़े गए पानी के अभिलेख और नियम; कोयला पट्टों पर खदान के गड्ढे, खदान झीलें, ओवरबर्डन डंप और गारलैंड ड्रेनें, उनके सर्वेक्षित स्तरों के साथ; तालाब (talab) और पोखर, उनके स्तरों के साथ; रांची मास्टर प्लान 2037 की और भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23 की रेखाएँ; प्रकाशित होने पर, गंगा के डूब क्षेत्र का WRD द्वारा सीमांकन; और धनबाद की विश्व बैंक जल निकासी परियोजना के जोन और आउटफॉल आवश्यक हैं (अन्य संभावित स्रोत: भारतीय सर्वेक्षण विभाग, CWC, CGWB, DGMS, CMPDI और झारखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र)। झारखंड के किसी भी शहर का कोई बेसिन मानचित्र नहीं मिला। परिशिष्ट के प्रकाशित होने तक, खंड 11.3.3 में नामित रांची, जमशेदपुर और आदित्यपुर, धनबाद और झरिया, दामोदर के नगरों और साहिबगंज और राजमहल के बेसिन कम से कम वे हैं जो वहाँ नामित हैं; अन्य टियर A निकाय अपने पहले BSMP में अपने बेसिन परिभाषित करते हैं (खंड 11.3.3); और अनुमोदित BSMP के बिना प्रत्येक बेसिन में खंड 11.12 की अंतरिम व्यवस्थाएँ लागू होती हैं।

तालिका 11B.1 — खंड 11.3.3 में नामित बेसिन (अनंतिम)

टियर A निकाय या क्षेत्र	बेसिन	अध्याय 11 से टिप्पणी
रांची (RMC, JUIDCO)	हरमू नदी, 22.59 km^2, स्वर्णरेखा के साथ उसके संगम तक	1D नेटवर्क में अरगोड़ा नाला और अन्य इनलेट; सीवेज अवरोधन मानचित्रित (खंड 8.9.5); सीमा के रूप में संगम पर स्वर्णरेखा का स्तर
रांची (RMC, WRD)	कांके और धुर्वा (हटिया) जलाशयों और बड़ा तालाब के जलग्रहण क्षेत्र, उनके नीचे जुमार और गारा सहित	भंडारण और आउटफॉल के रूप में पूर्ण जल स्तर, स्पिलवे और स्लूइस; रांची मास्टर प्लान 2037 की 20 m की रेखा दर्शाई गई
रांची (RMC, RRDA, WRD)	गेतलसूद के ऊपर और नीचे स्वर्णरेखा में जल निकासी करने वाले जलग्रहण क्षेत्र	सीमा के रूप में जलाशय का स्तर और उससे छोड़ा गया पानी; 1D नेटवर्क में भुसुर और अन्य शहरी धाराएँ
जमशेदपुर, मानगो, जुगसलाई और आदित्यपुर (जमशेदपुर पट्टा क्षेत्र का निकाय या JNAC, नगर निगम)	सोनारी (Sonari) के ऊपर और नीचे स्वर्णरेखा और खरकई में जल निकासी करने वाले जलग्रहण क्षेत्र	सीमा के रूप में CWC जमशेदपुर का स्तर और आदित्यपुर पर खरकई; अंतर्वाह के रूप में चांडिल और ओडिशा के डैमों से छोड़ा गया पानी; आउटफॉल-बंद स्थिति एक डिजाइन स्थिति

टियर A निकाय या क्षेत्र	बेसिन	अध्याय 11 से टिप्पणी
धनबाद और झरिया (नगर निगम, MADA, कोयला कंपनियाँ)	विश्व बैंक परियोजना के सात जोन और दामोदर और खुदिया में गिरने वाली छह मुख्य प्राकृतिक ड्रेनें	भंडारण के रूप में तालाब; खदान के गड्ढे केवल पट्टाधारी और DGMS की सम्मति और सर्वेक्षित स्तरों के साथ; DEM में भू-धंसान; सीमा के रूप में पंचेत के नीचे दामोदर और मैथन के नीचे बराकर
बोकारो, चास, रामगढ़ और दामोदर के अन्य नगर	तेनुघाट और पंचेत के बीच दामोदर में जल निकासी करने वाले जलग्रहण क्षेत्र	सीमा के रूप में CWC रामगढ़ और पुपुनकी के स्तर और तेनुघाट और DVC से छोड़ा गया पानी; अवसाद के स्रोत के रूप में ओवरबर्डन डंप
साहिबगंज और राजमहल	गंगा में जल निकासी करने वाले जलग्रहण क्षेत्र	सीमा के रूप में CWC साहिबगंज का स्तर; आउटफॉल-बंद स्थिति एक डिजाइन स्थिति; उधवा झील दर्शाई गई
देवघर, हजारीबाग, गिरिडीह और मेदिनीनगर सहित अन्य टियर A निकाय	पहले BSMP में परिभाषित किए जाने हैं	खंड 11.3.3

तालिका 11B.2 — बेसिन सीमा परत के गुण (रूपरेखा)

क्षेत्र	प्रकार	विषय-वस्तु
BASIN_ID	Text	बेसिन का पहचानकर्ता
NAME_EN, NAME_HI	Text	अंग्रेजी और हिन्दी में बेसिन का नाम
TIER_A	Text	बेसिन में टियर A निकाय या निकाय
OUTFALL	Text	समुद्र, नदी या प्रमुख जलाशय में आउटफॉल (खंड 11.2)
AREA_KM2	Real	बेसिन का क्षेत्रफल, km^2
LEAD_AUTH	Text	अग्रणी प्राधिकारी (खंड 11.4.1)
PARTNERS	Text	भागीदार, जहाँ लागू हो वहाँ WRD सहित
LINKS	Text	अन्य बेसिनों में और उनसे मोड़ (खंड 11.3.2)
BSMP_STAT	Text	None / in preparation / draft published / approved (कोई नहीं / तैयारी में / प्रारूप प्रकाशित / अनुमोदित)
BSMP_DATE	Date	वर्तमान BSMP के अनुमोदन की तिथि
REVIEW_DUE	Date	अगली समीक्षा की तिथि (खंड 11.11.2)

परिशिष्ट 11C — झारखंड के भवन प्रकारों के लिए गहराई–क्षति वक्र

अध्याय 11 के खंड 11.8.2 के लिए।

तैयार किया जाना है. इस परिशिष्ट में खंड 11.8.2 के अंतर्गत अपेक्षित वार्षिक क्षति की गणना में उपयोग के लिए, झारखंड के शहरों के मुख्य भवन प्रकारों के, संरचना और सामग्री दोनों के, गहराई–क्षति वक्र होंगे। इसके लिए भवन-प्रकार वर्गीकरण और भवन स्टॉक के आँकड़े (जनगणना की आवास तालिकाएँ, संपत्ति-कर अभिलेख, अग्रणी प्राधिकारी का GIS), जून 2008 (जमशेदपुर), मई 2021 (चक्रवात यास, जमशेदपुर और खरकई), अगस्त 2022 (रांची), सितंबर 2024 (दामोदर पर DVC द्वारा छोड़ा गया पानी) और जून 2025 (रांची और जमशेदपुर) की बाढ़ों के क्षति सर्वेक्षण और दावे (राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग और JSDMA के क्षति आकलन, बीमाकर्ता), और प्रतिस्थापन लागतें (भवन निर्माण विभाग और पथ निर्माण विभाग की दर-अनुसूचियाँ) आवश्यक हैं। इसके प्रकाशित होने तक, प्रत्येक BSMP अपने द्वारा प्रयुक्त गहराई–क्षति संबंध और उनका स्रोत बताएगा, और प्रत्येक विकल्प के लिए बाढ़ से प्रभावित भवनों और लोगों में कमी की रिपोर्ट देगा (खंड 11.8.2), जो वक्रों पर निर्भर नहीं है।

तालिका 11C.1 — गहराई–क्षति वक्र (रूपरेखा, प्रत्येक भवन प्रकार के लिए एक तालिका)

फर्श स्तर से ऊपर पानी की गहराई (m)	0	0.25	0.5	1.0	1.5	2.0	3.0
संरचना की क्षति (प्रतिस्थापन लागत का %)	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
सामग्री की क्षति (सामग्री के मूल्य का %)	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
भवन प्रकार, स्रोत और लागतों का वर्ष	_____						

11C.1 विकल्पों के आकलन में उपयोग

अपेक्षित वार्षिक क्षति (EAD) की गणना प्रत्येक परिदृश्य के लिए मॉडल की गई AEP पर क्षतियों से की जाती है। वार्षिक अतिक्रमण प्रायिकताओं $P_1 > P_2 > \ldots$ पर क्षतियाँ $D_1, D_2, \ldots$ होने पर, खंड 11.7.2 के कम से कम 50%, 10%, 1% और 0.2% AEP के परिणामों का उपयोग करते हुए:

> $$EAD \approx \Sigma \tfrac{1}{2} \times (D_i + D_{(i+1)}) \times (P_i - P_{(i+1)})$$

परिदृश्य (c) और परिदृश्य (d) के बीच, या विकल्पों के बीच, EAD में कमी वह जोखिम-न्यूनीकरण लाभ है जिसका उपयोग कार्यों को प्रति रुपया क्रमित करने के लिए किया जाता है (खंड 11.8.4(e))। BSMP बताएगा कि 0.2% AEP से आगे और 50% AEP से नीचे की क्षतियों को किस प्रकार लिया गया।

परिशिष्ट 11D — BSMP आँकड़ों और मॉडल के प्रकाशन का मानक

अध्याय 11 के खंड 11.5.1 और 11.10, और अध्याय 10 के खंड 10.17 के लिए।

11D.1 क्या प्रकाशित किया जाता है, और कब

तालिका 11D.1 — प्रकाशित की जाने वाली मदें

मद	प्रारूप	प्रारूप चरण पर (खंड 11.10.1)	अनुमोदन पर (खंड 11.10.2)
BSMP रिपोर्ट, सेवा स्तर के आकलन और विकल्पों के साथ	खोज योग्य PDF	हाँ	हाँ, अंतिम
बाढ़ जोखिम मानचित्र: खंड 11.8.4(a) की प्रत्येक AEP और परिदृश्य के लिए विस्तार, गहराई, वेग, जोखिम वर्ग	GeoTIFF रास्टर; विस्तार GeoPackage बहुभुजों के रूप में भी	हाँ	हाँ
पूंजीगत सुधार कार्यक्रम	CSV और PDF	प्रारूप	हाँ
बेसिन निकास दरें, अनुशंसित बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र, क्षेत्रीय सुविधाओं के स्थल, एवज शुल्क की इकाई दर	GeoPackage और CSV	हाँ	हाँ
तालिका 11.1 के आँकड़े (भू-भाग, ड्रेन, जलाशय, अनुप्रस्थ काट, नदी, जलाशय और खदान के गड्ढे के स्तर और आउटफॉल संरचनाएँ, वर्षा और स्तर, बाढ़ के साक्ष्य, भूमि उपयोग, मिट्टी और भूजल, सीवर से अंत:क्रिया)	GeoTIFF (भू-भाग); GeoPackage (विशेषताएँ); CSV (तालिकाएँ और समय-शृंखलाएँ)	सारांश	हाँ, सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील परिसंपत्तियों के विवरण को छोड़कर
मॉडल फाइलें: मूल (native), चलाने योग्य, सभी सीमा-स्थिति, वर्षा और नियंत्रण फाइलों, सॉफ्टवेयर के नाम और संस्करण, और रन लॉग के साथ	मूल प्रारूप, जिप किया हुआ	नहीं	हाँ
अंशांकन और वैधीकरण रिपोर्ट	खोज योग्य PDF	हाँ	हाँ
सुझावों और उत्तरों का परामर्श लॉग	PDF या CSV	—	हाँ

11D.2 प्रारूप और संदर्भ

- (a) रास्टर आँकड़े GeoTIFF में होंगे, अधिमानत: cloud-optimised, सेल आकार बताते हुए। वेक्टर आँकड़े GeoPackage में होंगे। तालिकाएँ और समय-शृंखलाएँ UTF-8 में CSV होंगी, शीर्ष पंक्ति के साथ और स्तंभों के नामों में इकाइयों के साथ।
- (b) क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर संदर्भ परिशिष्ट 10B.1(b) और (c) के अनुसार होंगे। स्तरों वाले प्रत्येक आँकड़ा समूह में ऊर्ध्वाधर डेटम और अध्याय 5 के अनुसार प्राप्तकर्ता नदियों पर CWC के गेजों के नदी डेटमों से, WRD के डैम, जलाशय और तटबंध स्तरों से और DVC के जलाशय स्तरों से, और किसी खदान के गड्ढे में आउटफॉल के लिए पट्टाधारी के खदान सर्वेक्षण से उसका संबंध बताया जाएगा।
- (c) समय भारतीय मानक समय में, ISO 8601 (yyyy-mm-ddThh:mm+05:30) के रूप में लिखा जाएगा। इकाइयाँ SI होंगी।
- (d) जोखिम मानचित्र फाइलों का नाम `<basin>_<scenario>_<AEP>_<variable>.tif` होगा, जहाँ scenario खंड 11.7.4 का a से e है, AEP को 50, 10, 1 या 0p2 लिखा जाता है, और variable depth, velocity, hazard या extent है; उदाहरण के लिए `harmu_d_1_depth.tif`।
- (e) जलाशय संबंधी आँकड़ों में परिशिष्ट 7A के क्षेत्रों का उपयोग होगा। सुविधा और आउटफॉल संबंधी आँकड़ों में परिशिष्ट 10B के क्षेत्रों का उपयोग होगा।

11D.3 मेटाडेटा

प्रत्येक प्रकाशित आँकड़ा समूह में निम्नलिखित होंगे: शीर्षक; विवरण; अग्रणी प्राधिकारी; स्रोत और विधि; संग्रह की तिथि; सटीकता (DEM के लिए, मापी गई ऊर्ध्वाधर RMSE); क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर संदर्भ; जहाँ प्रासंगिक हो, परिदृश्य और AEP; BSMP का संस्करण; लाइसेंस; और संपर्क।

11D.4 रोकना और व्यक्तिगत आँकड़े

- (a) महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों के सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील विवरण रोके जा सकते हैं, जिसका कारण अभिलिखित और प्रकाशित किया जाएगा (खंड 10.17.3, 11.10.2)। बाढ़ जोखिम मानचित्र और मॉडल फिर भी प्रकाशित किए जाएँगे; केवल संवेदनशील गुण हटाए जाते हैं।

- (b) व्यक्तिगत आँकड़े प्रकाशित नहीं किए जाएँगे (खंड 10.17.3)। निवासियों से एकत्र किए गए बाढ़ के साक्ष्य नामों या संपर्क विवरणों के बिना प्रकाशित किए जाएँगे, जब तक कि संबंधित व्यक्ति सम्मति न दे।

11D.5 लाइसेंस, दर्शक और संस्करण

- (a) प्रकाशित आँकड़े और मॉडल Government Open Data Licence – India या किसी समतुल्य मुक्त लाइसेंस के अंतर्गत जारी किए जाएँगे (खंड 10.17.4)।
- (b) जोखिम मानचित्र, क्षेत्रीय सुविधाओं के स्थल और CIP एक सार्वजनिक मानचित्र दर्शक पर भी दर्शाए जाएँगे (खंड 11.10.2)।
- (c) प्रत्येक अनुमोदित BSMP पर संस्करण संख्या और तिथि होगी। प्रतिस्थापित संस्करण, प्रतिस्थापित के रूप में चिह्नित करके, उपलब्ध रहेंगे, ताकि उनके अंतर्गत अनुमोदित डिजाइनों की जाँच की जा सके।
- (d) प्रकाशित मॉडल पैकेज ऐसा होगा कि बताए गए सॉफ्टवेयर संस्करण के साथ कोई तीसरा पक्ष प्रकाशित परिणामों को पुनः प्राप्त कर सके। डिजाइनकर्ता बेसिन में साइट डिजाइनों के लिए इसकी सीमा-स्थितियों का उपयोग कर सकते हैं (खंड 11.10, भाष्य)।

प्रपत्र 11-1 — वार्षिक कार्यान्वयन रिपोर्ट

अध्याय 11 के खंड 11.11.3 के लिए, अध्याय 4 के खंड 4.5.6.3 और 4.13.4 के साथ।

प्रारूप प्रपत्र — झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल, प्रारूप संस्करण 1.0. अनुमोदित BSMP वाले प्रत्येक बेसिन के लिए अग्रणी प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक दक्षिण-पश्चिम मानसून से पहले, **31 मई** तक, प्रकाशित (खंड 11.11.3)।

तालिका 11F.1 — प्रपत्र 11-1, भाग A: बेसिन और योजना

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि
A1	बेसिन; अग्रणी प्राधिकारी; भागीदार	_____
A2	BSMP का संस्करण और अनुमोदन की तिथि	_____
A3	रिपोर्टिंग वर्ष (1 जून से 31 मई)	_____
A4	प्रकाशन की तिथि (31 मई तक) और वेब पता	_____

तालिका 11F.2 — प्रपत्र 11-1, भाग B: CIP की प्रगति

CIP क्रम	कार्य	एजेंसी	CIP में लागत (₹)	इस वर्ष व्यय (₹)	अब तक व्यय (₹)	स्थिति	अपेक्षित समापन
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 11F.3 — प्रपत्र 11-1, भाग C: एवज शुल्क की खाता-बही (खंड 4.5.6.3(c) और 4.13.4)

क्षेत्रीय सुविधा या तालाब	साइटों को क्रेडिट किया गया आयतन (m^3)	उपलब्ध कराया गया आयतन (m^3)	प्राप्त शुल्क (₹)	व्यय किया गया शुल्क (₹)	रखा गया शुल्क, प्राप्ति के वर्ष के साथ
_____	_____	_____	_____	_____	_____
बेसिन का योग: देय और उपलब्ध कराया गया आयतन	_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 11F.4 — प्रपत्र 11-1, भाग D: पूरा किया गया रखरखाव (खंड 11.8.4(f))

क्र.	मद	नियोजित	किया गया	समापन की तिथि
D1	ड्रेन और नहरों से गाद निकालना (लंबाई, km; आयतन, m^3)	_____	_____	_____
D2	तालाब (tank) और तालाब (talab) से गाद निकालना और पुनर्स्थापन (तालाब, संख्या; पुनर्स्थापित भंडारण, m^3)	_____	_____	_____
D3	गेट परीक्षण (गेटों की संख्या)	_____	_____	_____
D4	पंपिंग स्टेशन के कार्यरत परीक्षण (स्टेशनों की संख्या)	_____	_____	_____

क्र.	मद	नियोजित	किया गया	समापन की तिथि
D5	अभिरक्षक के साथ समीक्षा किए गए तालाब प्रचालन नियम (संख्या)	_____	_____	_____
D6	जोड़ी गई निगरानी: वर्षामापी, स्तर संवेदक, बाढ़ चिह्न बिंदु (खंड 11.8.4(g))	_____	_____	_____

तालिका 11F.5 — प्रपत्र 11-1, भाग E: सेवा स्तरों की तुलना में बाढ़

घटना (तिथियाँ)	डिजाइन गहराइयों की तुलना में वर्षा (खंड 10.16.2(a))	सेवा स्तर का तत्व (तालिका 11.2)	स्थान	पूरा हुआ (हाँ / नहीं)	घटना रिपोर्ट का संदर्भ (खंड 10.16.2)
_____	_____	_____	_____	_____	_____

तालिका 11F.6 — प्रपत्र 11-1, भाग F: समीक्षा की प्रारंभक घटनाएँ और हस्ताक्षर

क्र.	क्षेत्र	प्रविष्टि
F1	इस वर्ष बेसिन में 1% AEP डिजाइन गहराई से अधिक की घटना (हाँ / नहीं)। यदि हाँ, तो 2 वर्ष के भीतर समीक्षा देय (खंड 11.11.2)	_____
F2	इस वर्ष सांविधिक भूमि उपयोग योजना संशोधित (हाँ / नहीं) (खंड 11.11.2)	_____
F3	अगली 10-वर्षीय समीक्षा देय (तिथि)	_____
F4	अग्रणी प्राधिकारी का अधिकारी: नाम, पदनाम, हस्ताक्षर, तिथि	_____

शब्दावली (अंग्रेजी – हिन्दी)

इस मैनुअल में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों के हिन्दी रूप नीचे दिए गए हैं; संक्षिप्त रूप (AEP, CN, IDF, HSG, UD&HD, WRD, JUIDCO, RRDA, MADA, RMC, JNAC, SUDA, JSPCB, JSDMA, DVC, DVRRC, DGMS, CCL, BCCL, BAU, CGWA, NGT आदि) अंग्रेजी में ही रखे गए हैं (झारखंड के अधिनियम, उपविधि और निकाय चालू पाठ में अपने हिन्दी नाम से लिखे जाते हैं — झारखंड भवन उपविधि, 2016, झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011, रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार), और † चिह्न वाली प्रविष्टियाँ केवल झारखंड से संबंधित हैं। झारखंड की राजभाषा-शैली बिहार की है (प्राधिकार, पदाधिकारी, प्रखंड, अंचल, प्रमंडल, पर्षद): जहाँ झारखंड का आधिकारिक रूप बिहार संस्करण से मेल खाता है, वहाँ वही रूप है।

English	हिन्दी
Stormwater	वर्षा जल (stormwater; सीवेज नहीं, मल-जल नहीं, तूफानी पानी नहीं)
Floodwater	बाढ़ का पानी
Stormwater drainage	वर्षा जल निकासी (stormwater drainage)
Stormwater drain / storm water drain (SWD)	वर्षा जल ड्रेन (SWD)
Drain	ड्रेन (drain; स्त्रीलिंग; इस मैनुअल में सदा वर्षा जल की ड्रेन — सीवर अलग शब्द है; नाली (nali) केवल जहाँ अंग्रेजी में nali है)
Nala (natural or cut drainage channel)	नाला (nala; प्राकृतिक या खोदा गया जल निकासी चैनल; ड्रेन से अलग शब्द)
Natural drain; nala †	प्राकृतिक ड्रेन; नाला (natural drain; 8 ha या अधिक क्षेत्र की निकासी करने वाला हर नाला खंड 7.4.1(b) के अंतर्गत प्राकृतिक चैनल है, उसका रखरखाव चाहे कोई भी करे और वह पक्का, पाइप में बंद या ढका हो या नहीं। झारखंड में "नाला" प्राकृतिक जलधारा और बड़ी निर्मित ड्रेन दोनों के लिए आता है ("In Jharkhand the word covers both natural watercourses and large engineered drains" → झारखंड में यह शब्द प्राकृतिक जलधाराओं और बड़ी निर्मित ड्रेनों दोनों के लिए आता है): जहाँ अंग्रेजी में nala है वहाँ नाला, जहाँ drain है वहाँ ड्रेन; रांची मास्टर प्लान 2037 की शर्त 2.9 का "natural nala" → **प्राकृतिक नाला** (अधिसूचना का अपना हिन्दी शब्द: "नदी तथा प्राकृतिक नाले"); "the six major natural drains" (रांची) → छह प्रमुख प्राकृतिक ड्रेनें; हरमू और जुमार को अंग्रेजी river कहती है → नदी ("Like the Jumar, it is called a river, although in the city it serves as a trunk drain" → जुमार की तरह इसे नदी कहा जाता है, यद्यपि शहर में यह ट्रंक ड्रेन का काम करती है)
Drainage (the system, the work)	जल निकासी / जल निकासी प्रणाली (drainage)
Drainage area	जल निकासी क्षेत्र (drainage area)

English	हिन्दी
Public drains / municipal drain / drain (Jharkhand Municipal Act, 2011, ss.2(41), 70, 219, 221, 224, 227) †	सार्वजनिक ड्रेनें / नगरपालिका ड्रेन (municipal drain) / ड्रेन — उद्धरण इस मैनुअल का अनुवाद है, अंग्रेजी मूल कोष्ठक में: धारा 2(41) "includes a sewer, a house-drain, a drain of any other description, a tunnel, a culvert, a ditch, a channel or any other device for carrying off sullage, sewage, offensive matter, polluted water, rainwater or sub-soil water" → "इसमें सीवर, घरेलू ड्रेन, किसी भी अन्य प्रकार की ड्रेन, सुरंग, पुलिया, खाई, चैनल या सलेज, सीवेज, घृणोत्पादक पदार्थ, प्रदूषित जल, वर्षा जल या अधोमृदा जल को बहा ले जाने का कोई अन्य साधन सम्मिलित है" / धारा 70 "Storm water drains" → "वर्षा जल ड्रेनें" (नगरपालिका का कार्य) / धारा 219 "construct and maintain drains and sewers, and provide a safe and efficient outfall ... for effectual drainage and proper discharge of storm-water and sewage ... in such manner as may not cause any nuisance, whether by flooding any part of the municipal area" → "ड्रेनों और सीवरों का निर्माण और रखरखाव करना, और ... प्रभावी जल निकासी और वर्षा जल और सीवेज के उचित निस्सरण के लिए एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल उपलब्ध कराना ... इस प्रकार कि नगरपालिका क्षेत्र के किसी भाग में बाढ़ से या अन्यथा कोई उपद्रव न हो"; छोटा रूप "a safe and efficient outfall" → "एक सुरक्षित और कुशल आउटफॉल"; "in or outside the municipal area" → "नगरपालिका क्षेत्र में या उसके बाहर"; "by flooding" → "बाढ़ से" / धारा 221 "all public drains, all drains alongside or under any public street, and all sewage disposal works, constructed or acquired out of the Municipal Fund or otherwise" → "सभी सार्वजनिक ड्रेनें, किसी सार्वजनिक सड़क के साथ-साथ या उसके नीचे की सभी ड्रेनें, और नगरपालिका निधि से या अन्यथा निर्मित या अर्जित सभी सीवेज निपटान संकर्म" — नगरपालिका में निहित / धारा 224 "one drain for sewage, offensive matter and polluted water and an entirely separate drain for rain water or unpolluted sub-soil water" → "सीवेज, घृणोत्पादक पदार्थ और प्रदूषित जल के लिए एक ड्रेन और वर्षा जल या अप्रदूषित अधोमृदा जल के लिए एक बिल्कुल अलग ड्रेन" / धारा 227 "of such size, materials and description, at such level, and with such fall" → "ऐसे आकार, सामग्री और विवरण की, ऐसे स्तर पर और ऐसी ढाल के साथ" (आयुक्त की अपेक्षा के अनुसार; 30 m के भीतर नगरपालिका ड्रेन में, अन्यथा किसी मलकूप (cesspool) में — cesspool सदा **मलकूप** (cesspool), राजस्थान और हरियाणा संस्करणों का रूप; मलकुंड नहीं) / "not drained to his satisfaction" → "उसके संतोष के अनुसार जल निकासी नहीं हुई" / "over or under a municipal drain" → "किसी नगरपालिका ड्रेन के ऊपर या नीचे" / "building, wall, fence or other structure" → "भवन, दीवार, बाड़ या अन्य संरचना" — Municipal Fund → नगरपालिका निधि
Public tanks vest in the municipality / private tank to be filled up / sewage not to enter a watercourse (Jharkhand Municipal Act, 2011, ss.203, 341; s.219, second proviso) †	धारा 203: "All public tanks, reservoirs, cisterns, wells, tube-wells ... and any adjacent land, not being private property, appertaining to any such water source, which are situated within the municipal area, shall vest in the municipality" → "सभी सार्वजनिक तालाब, जलाशय, टंकियाँ, कुएँ, नलकूप ... और ऐसे किसी जल स्रोत से संबद्ध कोई संलग्न भूमि, जो निजी संपत्ति नहीं है, और जो नगरपालिका क्षेत्र में स्थित हैं, नगरपालिका में निहित होंगे" (सार्वजनिक तालाब = public tank; निहित होना = vest; संबद्ध = appertaining) / धारा 341: "cleanse, repair, cover, re-excavate, fill up or drain off a private well, tank, reservoir, cistern, pool, depression of excavation" → "किसी निजी कुएँ, तालाब, जलाशय, टंकी, पोखर, गड्ढे या उत्खनन को साफ करना, मरम्मत करना, ढकना, फिर से खोदना, भर देना या उसका पानी निकालना"; छोटा रूप "fill up" → "भर देना" ("still lets a municipality require a private tank to be filled up" → अब भी नगरपालिका को किसी निजी तालाब को भरवाने की अपेक्षा करने देता है) / धारा 219 का दूसरा परंतुक (second proviso; धारा 378 नहीं — धारा 378(3) पार्कों और खुले स्थानों में वर्षा जल संचयन की धारा है): "from a date to be appointed" → "नियत की जाने वाली किसी तिथि से"; "no sewage shall be discharged into any watercourse until it has been so treated as not to affect prejudicially the purity and the quality of the water" → "कोई सीवेज किसी जलमार्ग में तब तक नहीं छोड़ा जाएगा जब तक उसका ऐसा शोधन न कर दिया जाए कि वह जल की शुद्धता और गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले"
Dry-weather flow (DWF)	शुष्क मौसम प्रवाह (DWF: वर्षा न होने के समय का प्रवाह, मुख्यतः सीवेज और सलेज)
Design manual	डिजाइन मैनुअल
Manual (this Manual)	मैनुअल (यह मैनुअल; पुल्लिंग)
Guidelines (NDMA, URDPFI)	दिशानिर्देश (guidelines)
Design / designed / designer	डिजाइन / डिजाइन किया गया / डिजाइनकर्ता (designer); नक्शा नहीं, अभिकल्प नहीं

English	हिन्दी
Clause / Clauses	खंड / खंड
Commentary	भाष्य
Note	टिप्पणी
Chapter	अध्याय
Annex / Annexes to Chapter N	परिशिष्ट / अध्याय N के परिशिष्ट
Supplement	अनुपूरक (झारखंड मैनुअल में कोई अनुपूरक नहीं है)
Form	प्रपत्र
Figure / Table	चित्र / तालिका
References / Sources	संदर्भ / स्रोत
Draft v1.0	प्रारूप संस्करण 1.0
Illustrative — not design values	केवल उदाहरण के लिए — डिजाइन मान नहीं
To be prepared	तैयार किया जाना है
Preserve · Retain · Detain · Convey · Maintain	संरक्षण · प्रतिधारण · अस्थायी भंडारण · वहन · रखरखाव
Retention	प्रतिधारण (retention: अंतःस्यंदन, पुनः उपयोग या वाष्पोत्सर्जन द्वारा अपवाह को स्थायी रूप से हटाना)
Detention	अस्थायी भंडारण (detention: नियंत्रित आउटलेट के साथ अपवाह का अस्थायी भंडारण)
Required retention volume (RRV)	आवश्यक प्रतिधारण आयतन (RRV)
Retention depth	प्रतिधारण के लिए वर्षा की गहराई (retention depth)
Retention credit	प्रतिधारण क्रेडिट (retention credit)
Storage / volume	भंडारण (storage) / आयतन (volume)
Runoff	अपवाह (runoff)
Peak discharge / peak flow	चरम प्रवाह दर (peak discharge) / चरम प्रवाह (peak flow)
Discharge (rate of flow) / flow	प्रवाह दर (discharge) / प्रवाह
Discharge (to discharge into a drain, nala, river, talab or lake)	(में) छोड़ना / (में) गिरना (ड्रेन, नाले, नदी, तालाब या झील में; † "which empty into the same two rivers" → जो उन्हीं दो नदियों में गिरती हैं; "discharged directly" (CAG, हरमू के इनलेट) → सीधे नदी में गिरते थे)

English	हिन्दी
Release rate	निकास दर (release rate)
Permissible site discharge (PSD)	साइट की अनुमेय प्रवाह दर (PSD)
Site storage requirement (SSR)	साइट पर आवश्यक भंडारण (SSR)
Site / plot	साइट (site) / भूखंड (plot)
Pre-development / post-development	विकास-पूर्व स्थिति / विकास-पश्चात स्थिति
Existing condition	विद्यमान स्थिति
Greenfield	अविकसित खुली भूमि (greenfield)
Development / redevelopment	विकास / पुनर्विकास
Impervious area	अपारगम्य क्षेत्र (impervious area)
Pervious surface	पारगम्य सतह (pervious surface)
New or replaced impervious area	नया या प्रतिस्थापित अपारगम्य क्षेत्र
Land disturbance	भूमि विक्षोभ (land disturbance: सफाई, समतलन, खुदाई, भराई या पक्का करना)
Fill / filling / filling of ponds	भराई (fill) / भरना / तालाबों की भराई
Rainfall depth / intensity	वर्षा की गहराई (mm, rainfall depth) / वर्षा की तीव्रता
Intensity–duration–frequency (IDF)	तीव्रता–अवधि–आवृत्ति (IDF)
Depth–duration–frequency (DDF)	गहराई–अवधि–आवृत्ति (DDF)
Annual exceedance probability (AEP)	वार्षिक अतिक्रमण प्रायिकता (AEP)
Return period (e.g. 100-yr) / average recurrence interval (ARI)	पुनरावृत्ति अवधि (return period; जैसे 1% AEP (100-वर्ष)) / औसत पुनरावृत्ति अंतराल (ARI)
Point rainfall / rain gauge	बिंदु वर्षा (point rainfall) / वर्षामापी (rain gauge)
Telemetric rain gauge / automatic weather station (AWS)	टेलीमेट्रिक वर्षामापी / स्वचालित मौसम केंद्र (AWS)

English	हिन्दी
Storm / storm event	वर्षा (storm; तूफान या आँधी नहीं) / वर्षा घटना (storm event)
Burst (of rain) / short intense burst	तीव्र बौछार (burst) / अल्पकालिक तीव्र बौछार
Design rainfall	डिजाइन वर्षा (design rainfall)
Design storm	डिजाइन वर्षा घटना (design storm)
Hyetograph	हायटोग्राफ (वर्षा–समय आलेख)
Hydrograph	हाइड्रोग्राफ (प्रवाह–समय आलेख)
Critical duration	क्रांतिक अवधि (critical duration)
Temporal pattern	वर्षा का कालिक वितरण (temporal pattern)
Alternating block method	ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक विधि (alternating block method)
Areal reduction factor (ARF)	क्षेत्रीय न्यूनीकरण गुणक (ARF)
Climate factor (CF)	जलवायु गुणक (CF)
Factor / coefficient	गुणक / गुणांक
South-west monsoon (JJAS)	दक्षिण-पश्चिम मानसून (JJAS: जून–सितंबर)
Monsoon season / pre-monsoon / post-monsoon	मानसून ऋतु / मानसून-पूर्व / मानसून-पश्चात
Onset / withdrawal (of the monsoon)	आगमन (onset) / वापसी (withdrawal)
Rain outside the monsoon / western disturbance / thunderstorm / dust storm	मानसून के बाहर की वर्षा / पश्चिमी विक्षोभ (western disturbance) / गरज के साथ बौछार (thunderstorm) / आँधी (dust storm)
Depression (weather) / deep depression / low-pressure area / monsoon depression	अवदाब (depression) / गहरा अवदाब / कम दबाव का क्षेत्र / मानसून अवदाब (monsoon depression; "मानसूनी अवदाब" या "मानसून का अवदाब" नहीं; "a south-west monsoon depression" → दक्षिण-पश्चिम मानसून का एक अवदाब)
Cyclone / severe cyclonic storm / super cyclonic storm	चक्रवात (cyclone) / प्रचंड चक्रवाती तूफान / महाचक्रवात (super cyclonic storm)

English	हिन्दी
Storms and depressions (IMD weather systems)	चक्रवाती तूफान और अवदाब ("storms and depressions" → चक्रवाती तूफान (storms) और अवदाब; पुल्लिंग) — IMD का "storm" एक मौसम प्रणाली (चक्रवाती तूफान) है, इसलिए यहाँ तूफान ठीक है; वर्षा घटना के अर्थ में storm सदा वर्षा / वर्षा घटना, तूफान कभी नहीं; "चक्रवाती प्रणालियाँ" नहीं
Antecedent moisture condition (AMC)	पूर्ववर्ती नमी स्थिति (AMC; अध्याय 2 और 3 में; किसी नगर निगम के अर्थ में नहीं)
Curve number (CN)	कर्व नंबर (CN)
Hydrologic soil group (HSG)	जलवैज्ञानिक मृदा समूह (HSG)
Initial abstraction	प्रारंभिक हानि (initial abstraction)
Time of concentration (Tc)	सांद्रण समय (Tc)
Runoff coefficient (C)	अपवाह गुणांक (C)
Rational Method	रेशनल विधि (Rational Method)
Unit hydrograph / synthetic unit hydrograph (SUH)	इकाई हाइड्रोग्राफ (unit hydrograph) / संश्लिष्ट इकाई हाइड्रोग्राफ (SUH)
Peak rate factor (PRF)	चरम दर गुणक (PRF)
Routing	रूटिंग (प्रवाह-भंडारण गणना)
Continuous simulation	सतत सिमुलेशन (continuous simulation)
Calibration / validation	अंशांकन (calibration) / वैधीकरण (validation)
Model (hydrologic, hydraulic)	मॉडल (model)
Catchment	जलग्रहण क्षेत्र (catchment)
Contributing catchment	योगदान देने वाला जलग्रहण क्षेत्र (contributing catchment)
Uncontrolled catchment	अनियंत्रित जलग्रहण क्षेत्र (uncontrolled catchment)
Basin	बेसिन (basin: एक आउटफॉल की ओर बहने वाला क्षेत्र)
Basins and catchments named in the Manual †	स्वर्णरेखा, खरकई, दामोदर, बराकर, उत्तरी कोयल, दक्षिणी कोयल, शंख, ब्राह्मणी, सोन, अजय, मयूराक्षी और गंगा के बेसिन — "the Damodar–Barakar, Subarnarekha–Kharkai and Ajay–Mayurakshi basins and the Ganga front" → दामोदर–बराकर, स्वर्णरेखा–खरकई और अजय–मयूराक्षी बेसिन और गंगा तटवर्ती क्षेत्र; रांची में हरमू, जुमार, पोटपोटो और हिनू के जलग्रहण क्षेत्र ("the Jumar nala sub-watershed" → जुमार नाले का उप-जलसंभर); झरिया का ओलीडीह (Olidih) जलसंभर; अध्याय 11 के बेसिन-शीर्ष: **रांची, हरमू:**; **रांची, कांके, धुर्वा और बड़ा तालाब:**; **रांची, स्वर्णरेखा और गेतलसूद:**; **जमशेदपुर और आदित्यपुर:**; **धनबाद और झरिया:**; **बोकारो, चास, रामगढ़ और दामोदर के अन्य नगर:**; **साहिबगंज और राजमहल:** (खंड 11.3.3 की सूची; अंग्रेजी की तरह बोल्ड और कोलन; परिशिष्ट 11B की तालिका 11B.1 में वही नाम बिना बोल्ड और कोलन, निकायों के साथ) — "the divide between the Subarnarekha and the South Koel" → स्वर्णरेखा और दक्षिणी कोयल के बीच का जल-विभाजक

English	हिन्दी
Flood-sensitive catchment	बाढ़-संवेदनशील जलग्रहण क्षेत्र (flood-sensitive catchment)
Upstream / downstream	प्रतिप्रवाह (upstream) / अनुप्रवाह (downstream)
Downstream analysis / analysis point	अनुप्रवाह विश्लेषण / विश्लेषण बिंदु (analysis point)
Tailwater	टेलवाटर (tailwater: आउटफॉल के अनुप्रवाह की ओर का जल स्तर)
Tide / high tide / low tide	ज्वार-भाटा (tide) / ज्वार / भाटा (तटीय शब्द; झारखंड में लागू नहीं)
Spring tide / neap tide	वृहत् ज्वार (spring tide) / लघु ज्वार (neap tide)
Tide-locked outfall	ज्वार से अवरुद्ध आउटफॉल (tide-locked outfall)
River-locked outfall / lake-locked outfall	नदी से अवरुद्ध आउटफॉल (river-locked outfall: नदी ऊँची होने पर गुरुत्व से पानी नहीं छोड़ सकता — अध्याय 5 और परिशिष्ट 5 की साझा पंक्तियों का रूप; पहले की पंक्ति का "नदी के जल स्तर से अवरुद्ध आउटफॉल" पाठ में कहीं प्रयुक्त नहीं) / झील के स्तर से अवरुद्ध आउटफॉल (lake-locked outfall) / † **जलाशय के स्तर से अवरुद्ध आउटफॉल** (reservoir-locked outfall: खंड 7.2 के बाद की परिभाषा — कांके, धुर्वा, गेतलसूद जैसे शहरी जलाशय, DVC के जलाशय या कोई तालाब ऊँचा होने पर)
River stage / stage hydrograph	नदी का जल स्तर (river stage) / जल स्तर–समय आलेख (stage hydrograph)
Storm surge / surge	तूफानी महोर्मि (storm surge)
Sea-level allowance (SLA)	समुद्र स्तर वृद्धि के लिए अतिरिक्त ऊँचाई (SLA; झारखंड में लागू नहीं)
MHWS / HAT	वृहत् ज्वार का औसत उच्च जल स्तर (MHWS) / उच्चतम खगोलीय ज्वार (HAT)
Astronomical tide	खगोलीय ज्वार (astronomical tide)
Extreme sea level (ESL)	चरम समुद्र स्तर (ESL)
Outfall	आउटफॉल (outfall: जहाँ ड्रेन का पानी अंत में गिरता है)
Gated outfall / pumped outfall / gravity outfall / regulated outfall	गेटयुक्त आउटफॉल (gated outfall) / पंप द्वारा संचालित आउटफॉल (pumped outfall) / गुरुत्व आउटफॉल (gravity outfall) / रेगुलेटरयुक्त आउटफॉल (regulated outfall)
Outlet / inlet	आउटलेट (निकास) / इनलेट (प्रवेश)
Flap gate / tide gate	फ्लैप गेट (एकदिशी गेट) / ज्वार-रोधी गेट (tide gate)
Gate (of a regulator, barrage, sluice or outfall)	गेट (gate)
Crest gate / sluice gate	क्रेस्ट गेट (crest gate) / स्लूइस गेट (sluice gate)
Non-return valve	नॉन-रिटर्न वाल्व (उलटा प्रवाह रोकने वाला वाल्व)

English	हिन्दी
Backflow (from the river into a drain)	उलटा प्रवाह (backflow: नदी से ड्रेन में)
Sand bar / sand spit / lagoon mouth	रेत अवरोध (sand bar) / रेत जिह्वा (sand spit) / लैगून मुख (तटीय शब्द)
Minor system / major system	लघु प्रणाली (minor system) / प्रमुख प्रणाली (major system)
Major drain	प्रमुख ड्रेन (major drain)
Trunk drain	ट्रंक ड्रेन (trunk drain)
Overland flow path	सतही प्रवाह मार्ग (overland flow path)
Spread (street)	सड़क पर पानी का फैलाव (spread, T)
Kerb inlet / grate inlet / gully pit	कर्ब इनलेट / जाली इनलेट (grate inlet) / गली पिट (gully pit)
Clogging factor	अवरोध गुणक (clogging factor)
Hydraulic grade line (HGL)	हाइड्रोलिक ग्रेड लाइन (HGL)
Manhole / access chamber	मैनहोल / निरीक्षण कक्ष (access chamber)
Culvert	पुलिया (culvert)
Pipe / box drain	पाइप (pipe) / बॉक्स ड्रेन (box drain)
Open channel / channel	खुला चैनल (open channel) / चैनल (channel)
Open drain / covered drain	खुली ड्रेन / ढकी ड्रेन (covered drain: ऊपर स्लैब, उस पर फुटपाथ)
Side drain (road) / roadside drain	सड़क किनारे की ड्रेन (side drain, roadside drain)
Cross drain / cross-drainage works	क्रॉस ड्रेन (cross drain) / क्रॉस-ड्रेनेज कार्य (cross-drainage works)
Waterlogging / waterlogging spot / waterlogged	जलभराव (waterlogging) / जलभराव स्थल / जलभराव से ग्रस्त (waterlogged; जलमग्न नहीं — जलमग्न = inundated, flooded) — † झारखंड संस्करण में भी जलभराव (पुनः प्रयुक्त हरियाणा की पंक्तियों का रूप); झारखंड के समाचार माध्यमों का जलजमाव केवल वहाँ जहाँ अंग्रेजी jaljamav लिखे (अंग्रेजी में नहीं है); "the waterlogged mine-subsidence hollows" → जलभराव से ग्रस्त भू-धंसान गर्त; "waterlogged mine ground" → जलभराव से ग्रस्त खनन भूमि
Canal / irrigation canal / drainage channel	नहर (canal; nahar) / सिंचाई नहर / जल निकासी चैनल (drainage channel)
Freeboard	फ्रीबोर्ड (अतिरिक्त ऊँचाई)

English	हिन्दी
Silt trap / sediment / silt	गाद-जाल (silt trap) / तलछट (sediment) / गाद (silt)
Trash rack / screen	कचरा-रोधी जाली (trash rack) / जाली (screen)
Orifice / weir	ऑरिफिस (छिद्र) / वियर (weir)
Dams, reservoirs and barrages named in the Manual †	**डैम** (dam; संरचना) और **जलाशय** (reservoir; रुका जल) — रांची मास्टर प्लान 2037 की अधिसूचना "कांके डैम, धुर्वा डैम एवं रुक्का डैम" लिखती है: "the Kanke, Dhurwa and Rukka dams" → कांके, धुर्वा और रुक्का डैम / कांके डैम (Kanke; लगभग 1955) / धुर्वा डैम (Dhurwa; हटिया डैम, Hatia — "Hatia (Dhurwa)" → हटिया (धुर्वा), "Dhurwa (Hatia)" → धुर्वा (हटिया), अंग्रेजी के क्रम में; गारा नदी पर) / **गेतलसूद जलाशय** (Getalsud; 1971, स्वर्णरेखा पर; मास्टर प्लान का "Rukka dam" → रुक्का डैम; "Rukka (Getalsud)" → रुक्का (गेतलसूद); "the Getalsud reservoir at Rukka" → रुक्का पर गेतलसूद जलाशय) / चांडिल डैम (Chandil; स्वर्णरेखा पर) / तेनुघाट डैम (Tenughat; दामोदर पर राज्य का डैम, DVC से बाहर) / DVC के चार डैम: तिलैया (Tilaiya; बराकर पर), कोनार (Konar; कोनार नदी पर), मैथन (Maithon; बराकर पर) और पंचेत (Panchet; दामोदर पर) — "Maithon and Panchet reservoirs" → मैथन और पंचेत जलाशय; "the reservoirs of DVC" → DVC के जलाशय / ओडिशा में खरकई के डैम ("the dams on the Kharkai in Odisha", "the Kharkai dam in Odisha" → ओडिशा में खरकई के डैम / ओडिशा में खरकई का डैम; "the dams of Mayurbhanj" → मयूरभंज के डैम) / बांकाबल (Bankabal) और सिलाईपाथ (Silaipath) डैम (वर्तनी सत्यापित नहीं; हर बार रोमन कोष्ठक सहित) / मसानजोर डैम (Massanjore; मयूराक्षी पर) / अन्नराज (Anraj) और बटाने (Batane) जलाशय (वर्तनी सत्यापित नहीं) / सिकटिया बैराज (Sikatia; अजय पर), गालूडीह बैराज (Galudih; स्वर्णरेखा पर), अमानत बैराज (Amanat), फरक्का बैराज (Farakka Barrage; पश्चिम बंगाल) — नाम का बाँध (bandh) तभी जब अंग्रेजी bandh लिखे; "dam" (संरचना) सदा डैम
Riser (outlet structure)	राइजर (खड़ी आउटलेट संरचना)
Emergency spillway / spillway	आपातकालीन स्पिलवे (emergency spillway) / स्पिलवे (spillway)
Embankment (river, flood)	तटबंध (embankment; नदी या बाढ़ तटबंध) — तालाब या झील का बाँध bund है (बाँध), डैम dam
Bund (bandh)	बाँध (bund; परिशिष्ट 7E में bandh: "embankment; dam"; डैम के लिए डैम लिखें)
Bandh / bund / city reservoir (definitions after Clause 7.2) †	**बाँध** (bandh; bund — मिट्टी या चिनाई का तटबंध जो पानी रोकता है, और उससे बना तालाब या डैम; पुल्लिंग; प्रत्येक अनुभाग में पहली बार रोमन कोष्ठक में) — "bandh (a tank held by an earthen bund)" → बाँध (मिट्टी के बाँध से रोका गया तालाब); "the bandh (embanked tanks)" → बाँध (बाँधयुक्त तालाब); "talabs, bandhs, dobhas" → तालाब, बाँध, डोभे; "bandh as a village tank" (तालिका 7E.4) → गाँव के तालाब के अर्थ में बाँध; "bandh ... also means a strike or shutdown in everyday speech" → बाँध (bandh) ... रोजमर्रा की बोली में हड़ताल या बंद का अर्थ भी देता है (बंद — यह अर्थ इस मैनुअल में नहीं) / **शहरी जलाशय** (city reservoir; परिभाषा "Bandh; city reservoir" → बाँध; शहरी जलाशय — कांके, धुर्वा, गेतलसूद, बड़ा तालाब, डिमना) — "a talab's, bandh's or reservoir's bund is a tank bund" → तालाब, बाँध या जलाशय का बाँध तालाब का बाँध (tank bund) है
Dam / check dam	डैम (dam) / चेक डैम (check dam)
Drawdown time	खाली होने का समय (drawdown time)
Pump / sump / wet well	पंप / संप / वेट वेल (wet well)
Permanent pump / portable pump / mobile pump	स्थायी पंप / पोर्टेबल पंप (portable pump) / मोबाइल पंप (mobile pump)

English	हिन्दी
Pumping station / drainage pumping station	पंपिंग स्टेशन (pumping station) / जल निकासी पंपिंग स्टेशन
Storm water pumping station (SWPS)	वर्षा जल पंपिंग स्टेशन (SWPS)
Tank (talab) †	**तालाब** (talab; tank) — झारखंड मैनुअल का local_tank_term (local_tank_term = talab, बहुवचन talabs), मध्य प्रदेश संस्करण की पंक्ति का रूप (पुनः प्रयुक्त मध्य प्रदेश की पंक्तियाँ यही लिखती हैं)। पुल्लिंग ("तालाब भरता है", "तालाब का बाँध"); बहुवचन तालाब, तिर्यक तालाबों। "tank (talab)", "tanks (talabs)" → तालाब (talab); "talabs" → तालाब; प्रत्येक अनुभाग में पहली बार तालाब (talab); परिभाषा तालिका का "Talab (तालाब; pokhar)" → तालाब (talab; पोखर)। अकेला "tank" भी साझा नियम के अनुसार तालाब — दोनों एक ही हिन्दी शब्द हैं, इसलिए जहाँ अंग्रेजी tank और talab को एक ही वाक्य में अलग शब्दों की तरह रखती है वहाँ रोमन कोष्ठक से अलग करें ("every tank (talab)" → प्रत्येक तालाब (talab); "tank and talab storage" → तालाब (tank) और तालाब (talab) का भंडारण, जैसा पुनः प्रयुक्त पंक्तियाँ लिखती हैं); अकेला "pond" → तालाब (pond), सूचियों में साझा पोखर ("talab or pond (talab, pokhar...)" → तालाब या पोखर (talab, pokhar...))। **Decision: बिहार नहीं, मध्य प्रदेश का नियम** — झारखंड का शब्द talab है, बिहार का pokhar नहीं; पोखर केवल सूचियों में "pond" के लिए और जहाँ अंग्रेजी pokhar लिखती है। टैंक कभी नहीं (टैंक = निर्मित टंकी: सेप्टिक टैंक, RWH टैंक)
Tank (in the shared chapters)	तालाब (tank; टैंक नहीं)
Lake / jheel	झील (lake; jheel); नामों में प्रचलित हिन्दी नाम रखें
Lake / city lake / the lakes named in the Manual †	झील (lake; स्त्रीलिंग) — **बड़ा तालाब** (Bada Talab; रांची के केंद्र का तालाब; नाम में तालाब, इसलिए पुल्लिंग: "बड़ा तालाब भरता है"; अंग्रेजी के "Ranchi Lake" और "Swami Vivekanand Sarovar" → रांची झील (Ranchi Lake), स्वामी विवेकानंद सरोवर — "The official name was not confirmed" → आधिकारिक नाम की पुष्टि नहीं हुई) / डिमना झील (Dimna lake; जमशेदपुर; "built by Tata Steel in 1940–44" → टाटा स्टील द्वारा 1940–44 में निर्मित) / **उधवा झील** (Udhwa Lake; "Udhwa lake" भी वही) और उधवा झील पक्षी अभयारण्य (Udhwa Lake Bird Sanctuary; साहिबगंज जिला) / बरहेल झील (Barhel lake; 410 ha) और पतौड़ा झील (Pataura lake; 155 ha) — उधवा के दो भाग / "the city's lakes" → शहर की झीलें
Pond	तालाब (pond) / पोखर (pokhar)
Talab / bandh / ahar / dobha / chuan / pokhar / nala / nali / don / tanr (Jharkhand terms) †	**तालाब** (talab: तालाब या पोखर, जैसे रांची का बड़ा तालाब; पुल्लिंग) / **बाँध** (bandh: ऊपर की पंक्ति) / **आहर** (ahar: सिंचाई के लिए वर्षा और बाढ़ का पानी रोकने वाला जलाशय; पुल्लिंग; बहुवचन आहर, तिर्यक आहरों — बिहार संस्करण का शब्द; "the ahar of the north-west" → उत्तर-पश्चिम (पलामू, चतरा) का आहर; "Ahar (tank)" → आहर (तालाब)) / **डोभा** (dobha: खेत में खोदा गया छोटा तालाब, लगभग 10 ft × 10 ft × 10 ft (लगभग 3 m प्रत्येक दिशा में), राज्य के डोभा कार्यक्रम का; पुल्लिंग; बहुवचन डोभे, तिर्यक डोभों — "More than 1.7 lakh dobhas" → 1.7 लाख से अधिक डोभे; "dobha (farm pond)" → डोभा (खेत का तालाब); "farm pond(s)" → खेत का तालाब / खेत के तालाब ("other farm ponds" → खेत के अन्य तालाब; "evaluation of farm ponds (dobhas)" → खेत के तालाबों (डोभों) का मूल्यांकन; खेत-तालाब नहीं); "the State's dobha programme" → राज्य का डोभा कार्यक्रम; "no dictionary source was found for the word" → इस शब्द का कोई शब्दकोश-स्रोत नहीं मिला) / **चुआँ** (chuan: झरना, या नदी-तल में खोदा गया गड्ढा जिससे रिसता पानी लिया जाता है; पुल्लिंग; अंग्रेजी "चुआँ, चुआन" दोनों देती है — चालू पाठ में चुआँ, तालिका 7E.1 में शब्दकोश का चुआन वैसा ही; बहुवचन चुएँ, तिर्यक चुओं) / पोखर (pokhar: केवल सूचियों में और जहाँ अंग्रेजी pokhar लिखती है; "more Bihar and Santhal Pargana usage" का अर्थ) / नाला (nala) / नाली (nali: छोटी गली की ड्रेन; स्त्रीलिंग; केवल जहाँ अंग्रेजी nali लिखती है — "colony drains (nali)" → कॉलोनी की ड्रेनें (nali)) / **दोन** (don: पहाड़ियों के बीच की निचली भूमि; घाटी-तल की सीढ़ीदार धान भूमि; पुल्लिंग; "lowland rice land (don)" → निचली धान भूमि (दोन; don); "the don lowlands", "don lands" → दोन की निचली भूमि, दोन भूमि; "lowland (don) paddy land" → निचली (दोन) धान भूमि; "the don (terraced paddy lowland) of the valley floors" → घाटी-तलों का दोन (सीढ़ीदार निचली धान भूमि)) / **टाँड़** (tanr: दोन के ऊपर की ऊपरी भूमि; ऊपरी भूमि के अर्थ में शब्दकोश से पुष्ट नहीं — केवल तालिका 7E.4 और चित्र 7.3 में, सदा (tanr) सहित: "laterite upland (tanr)" → लैटेराइट की ऊपरी भूमि (टाँड़; tanr); टाँड़ में चंद्रबिंदु और ड़, अंग्रेजी के "टाँड़ (ṭāṅr; tanr)" की तरह) — बहुवचन तालाब / तालाबों, बाँध / बाँधों, आहर / आहरों, डोभे / डोभों, नाले / नालों

English	हिन्दी
Dari / jor (Table 7E.4 only) †	दाड़ी, डाड़ी (dāṛī; dari: संथाल और मुंडा गाँवों में पीने के पानी का झरने से भरने वाला गड्ढा या उथला कुआँ — "Not confirmed" → पुष्टि नहीं हुई; शब्दसागर में दाड़ी अनार है) / जोर (jor: संथाल परगना के स्थान-नामों में धारा, जैसे बोआरीजोर (Boarijor) — पुष्टि नहीं हुई; शब्दकोशों में जोर केवल बल) — परिभाषित शब्द के रूप में कभी नहीं, चालू पाठ में नहीं; तालिका 7E.4 के देवनागरी और रोमन रूप हूबहू
"Jharkhand terms." (label after Clause 7.2) / Chapter 7 Disclosure and its list heads †	**झारखंड के शब्द.** ("The following terms are used in this chapter in addition to those above (see also Annex 7E):" → इस अध्याय में ऊपर के शब्दों के अतिरिक्त निम्नलिखित शब्द प्रयुक्त हैं (परिशिष्ट 7E भी देखें):) / **प्रकटन.** (Disclosure.) और उसके बोल्ड सूची-शीर्ष: **नदियाँ (भवन उपविधि 2016, उपविधि 23).** / **रांची (मास्टर प्लान 2037, शर्त 2.9).** / **प्राकृतिक जलमार्ग और नगरपालिका ड्रेनें.** / **आर्द्रभूमियाँ और उधवा.** / **उच्च न्यायालय के जलाशय संबंधी आदेश.** / **WRD, DVC और खदान की रेखाएँ.** — "**one statewide statutory setback in metres from water**" → **जल से मीटर में एक राज्यव्यापी सांविधिक सेटबैक**; "**the State has never notified**" → **राज्य ने कभी अधिसूचित नहीं की**; "**this Manual's proposal, not a statutory width or rule**" → **इस मैनुअल का प्रस्ताव, कोई सांविधिक चौड़ाई या नियम नहीं**; "**stricter than statute**" → **कानून से कठोर**; "**set by this Manual**" → **इस मैनुअल द्वारा निर्धारित**
Talab (definition after Clause 7.2) / recorded talab / "This Manual treats every recorded talab as drainage infrastructure" †	तालाब ("Talab (तालाब; pokhar)" → तालाब (talab; पोखर)) / **अभिलिखित तालाब** (recorded talab; इस मैनुअल की परिभाषा; "Recorded talab" उद्धरण में → "अभिलिखित तालाब") / **यह मैनुअल प्रत्येक अभिलिखित तालाब को जल निकासी अवसंरचना मानता है।** (बोल्ड वाक्य, दंड बोल्ड के भीतर) — "spill level" → अतिप्रवाह स्तर; "spill path" → अतिप्रवाह मार्ग; "spill point" → अतिप्रवाह बिंदु; "level and spill" (खदान का गड्ढा) → स्तर और अतिप्रवाह (उफनने का स्तर/मार्ग नहीं; क्रिया "spills" → उफनता है); "overflow sill" → अतिप्रवाह सिल; "the lowest point of its rim" → उसके किनारे का सबसे निचला बिंदु
Kund (temple or village pool)	कुंड (kund)
Tank cascade	तालाब शृंखला (tank cascade)
Bund / tank bund	बाँध (bund) / तालाब का बाँध (tank bund)
Outer (protective) bund	बाहरी (सुरक्षा) बाँध (outer / protective bund)
Top bund level (TBL)	बाँध का शीर्ष स्तर (TBL)
Surplus weir	सरप्लस वियर (surplus weir: तालाब भरने पर अतिरिक्त पानी निकालने वाला वियर; overflow)
Tank surplussing (spilling over the surplus weir or to the street)	तालाब का उफनना (surplussing)
Sluice / sluice gate / sluice regulator / vented sluice	स्लूइस (sluice) / स्लूइस गेट / स्लूइस रेगुलेटर / वेंटयुक्त स्लूइस (vented sluice)
Sill (of a sluice) / sluice barrel / sluice rating	सिल (sill: स्लूइस का तल स्तर) / स्लूइस बैरल / स्लूइस का हेड–प्रवाह दर संबंध (sluice rating)
Regulator / barrage	रेगुलेटर (regulator; पुल्लिंग) / बैराज (barrage)

English	हिन्दी
River-locked and reservoir-locked outfalls / the district gauges at Jamshedpur / rivers below dams / mine voids as outfalls (Clause 5.8.5) †	5.8.5 के बोल्ड उप-शीर्ष: **नदी से अवरुद्ध आउटफॉल.** (River-locked outfalls.) / **डिजाइन नदी स्तर.** / **जमशेदपुर के जिला गेज.** (The district gauges at Jamshedpur.) / **बिना गेज स्तर वाली नदियाँ.** / **10% AEP स्तर.** / **टेलवाटर.** / **नदी अवरोध.** (River lock.) / **गेट की विफलता और कटाव.** (Gate failure and breach.) / **जलाशय, डैम और तालाब के आउटफॉल.** / **सम्मति.** / **डिजाइन स्तर.** / **नामित जलाशय.** / **बंद आउटफॉल.** (Closed outfall.) / **डैमों के नीचे की नदियाँ, और DVC द्वारा छोड़ा गया पानी.** / **खदान के गड्ढे, खदान झीलें और चालू खदानें.** / **डिजाइन आउटफॉल नहीं.** / **चालू खदान में कोई जल निकासी नहीं.** / **जहाँ सम्मति दी गई है.** / **खनन से विक्षुब्ध भूमि.** / **WRD और DVC की सम्मति; योजना और न्यायालय की रेखाएँ.** / **WRD के चैनल, सिंचाई नहरें और अन्य निकायों की ड्रेनें.** — "outfall-closed check" → आउटफॉल-बंद जाँच; "gate failing open" → गेट का खुला रह जाना; "gate-closing level" → गेट बंद होने का स्तर; "gate-closed level" → गेट बंद रहने का स्तर; "held up" (outfall) → रुका हुआ; lock सदा अवरोध ("**7 days (168 hours)**" → **7 दिन (168 घंटे)**)
Supply channel (feeder channel, nala or nahar)	आपूर्ति चैनल (supply channel, feeder channel)
Surplus course	अतिरिक्त जल मार्ग (surplus course)
Primary / secondary / tertiary drain	प्राथमिक / द्वितीयक / तृतीयक ड्रेन (primary / secondary / tertiary drain)
Anicut	एनीकट (anicut)
Full tank level (FTL) / maximum water level (MWL)	तालाब का पूर्ण जल स्तर (FTL) / अधिकतम जल स्तर (MWL)
Full reservoir level (FRL)	जलाशय का पूर्ण जल स्तर (FRL)
Levels in feet (Panchet RL 425.22 ft; Getalsud about 1,954 ft; Tenughat 854 ft) / datum not stated / gauge zero †	फुट में बताए गए स्तर वैसे ही, मीटर में नहीं बदले जाते, सिवाय जहाँ अंग्रेजी स्वयं मीटर मान देती है ("about 1,954 ft (about 595.6 m)" → लगभग 1,954 ft (लगभग 595.6 m)); "Panchet rose to RL 425.22 ft" → पंचेत RL 425.22 ft तक चढ़ा (RL रोमन में) / "No source read states the datum of either set" → पढ़े गए किसी स्रोत में किसी भी समूह का डेटम नहीं बताया गया; "the levels of Ranchi's reservoirs were not found on a stated datum" → रांची के जलाशयों के स्तर किसी बताए गए डेटम पर नहीं मिले; "levels are quoted as reported [TBC]" → स्तर प्रकाशित खबरों के अनुसार उद्धृत हैं [TBC] / गेज का शून्य (gauge zero), गेज डेटम (gauge datum), भारतीय सर्वेक्षण विभाग का बेंचमार्क (Survey of India benchmark)
Waterspread	जल-फैलाव क्षेत्र (waterspread)
Foreshore	तालाब का अग्रतट (foreshore: FTL और MWL के बीच की भूमि)
Tank bed	तालाब का तल (tank bed)
Revenue boundary (of a tank)	तालाब की राजस्व सीमा
Command area	कमान क्षेत्र (command area)
Top of bank	किनारे का शीर्ष (top of bank)

English	हिन्दी
Flood / the floods and storms named in the Manual †	बाढ़ (flood) / 5 अगस्त 1977 को जमशेदपुर (A) में 3 घंटों में 184 mm; 6 अगस्त 1971 को मांडर में 1 घंटे में 99 mm और 3 घंटों में 171 mm; 25 सितंबर 1999 को तालझारी (Taljhari; साहिबगंज जिला) में 601.4 mm, "the State record" → राज्य का रिकॉर्ड; 18 जून 2008 की जमशेदपुर की बाढ़ (जमशेदपुर (A) में 338.1 mm; "more than 500 houses were inundated and the army was called in" → 500 से अधिक घर जलमग्न हुए और सेना बुलाई गई); 16–17 सितंबर 1976, 26–28 सितंबर 1978, 27–28 सितंबर 1995 और 20–21 सितंबर 2000 के बंगाल की खाड़ी के अवदाब ("The Bay depressions" → बंगाल की खाड़ी के अवदाब; "Bay of Bengal systems" → बंगाल की खाड़ी की मौसम प्रणालियाँ; "the remnant of a Bay of Bengal cyclone" → बंगाल की खाड़ी के किसी चक्रवात का अवशेष); **चक्रवात यास** (Cyclone Yaas; 26–27 मई 2021; "cyclone Yaas" भी वही; "about 14,000 people were evacuated in Kolhan" → कोल्हान में लगभग 14,000 लोगों को निकाला गया); 17 सितंबर 2024 को DVC के मैथन और पंचेत से संयुक्त चरम निकास "2.5 lakh cusecs (about 7,080 m^3/s)" → 2.5 लाख क्यूसेक (लगभग 7,080 m^3/s); जून 2025 की रांची की वर्षा ("459 mm in 23 days against a normal of 125.7 mm" → 125.7 mm के सामान्य के मुकाबले 23 दिनों में 459 mm); 26 जुलाई 2025 को खरकई और स्वर्णरेखा (आदित्यपुर पर 134.90 m, मानगो पर 123.36 m); 11 सितंबर 2026 को साहिबगंज में गंगा 28.72 m ("its highest in four years" → चार वर्षों में सबसे ऊँचा) — "above danger" (उद्धरण) → "खतरे से ऊपर"; "heavy to extremely heavy rain" → भारी से अत्यंत भारी वर्षा; "red flood warning" → लाल बाढ़ चेतावनी; "red alert" → रेड अलर्ट
Floodway / flood fringe	बाढ़ मार्ग (floodway) / बाढ़ सीमांत क्षेत्र (flood fringe)
Floodplain / floodplain zoning	डूब क्षेत्र (floodplain) / डूब क्षेत्र का जोनिंग (floodplain zoning)
Lines set by the byelaws, the master plans and the courts in Jharkhand: byelaw 23 river line / Ranchi Master Plan 20 m and 10 m / High Court no-entry zones / clearance barrier of 60 m / notified wetland 50 m †	**नदी रेखा** (river line; भवन उपविधि 2016 की उपविधि 23): "within a strip of land of 10-15 metres (where area is open and not develop 15m. up to), or such distances as prescribed by the State Government, from the outer boundary of the riverfront of any river (as prescribed by the Irrigation Department)" → "किसी भी नदी के नदी-तट की बाहरी सीमा (जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो) से 10-15 मीटर (जहाँ क्षेत्र खुला है और विकसित नहीं, वहाँ 15 मी. तक) की भू-पट्टी के भीतर, या राज्य सरकार द्वारा विहित दूरियों के भीतर" ("10-15" का हाइफन और "15m. up to" स्रोत की तरह, कोष्ठक में अंग्रेजी) / "The State Government shall notify a list of such rivers" → "राज्य सरकार ऐसी नदियों की सूची अधिसूचित करेगी" / "as prescribed by the Irrigation Department" → "जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो" / "No construction shall be allowed within the boundary of the river" → "नदी की सीमा के भीतर किसी निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी" / "on reclaimed lands" → "पुनः प्राप्त भूमि पर" / "outer boundary of a river" → नदी की बाहरी सीमा / "riverfront development" → नदी-तट विकास / **रांची मास्टर प्लान 2037 की शर्त 2.9**: कांके, धुर्वा और रुक्का डैम के FTL से 20 m, और नदियों और प्राकृतिक नालों के साथ कम से कम 10 m (अधिसूचना का हिन्दी पाठ: "Full Tank Level (FTL) से 20 मी0 की दूरी तक कोई भी निर्माण अनुमान्य नहीं होगा", "नदी तथा प्राकृतिक नाले से न्यूनतम 10–15 मी0 ... हरेक हाल में ... कम से कम 10 मी0 चौड़ी भू-पट्टी में निर्माण निषेध रहेगा" — अंग्रेजी जो उद्धृत करती है उसका अनुवाद इस मैनुअल का है; अधिसूचना का अपना हिन्दी केवल जहाँ अंग्रेजी देवनागरी देती है) / उच्च न्यायालय के **"no-entry" जोन** → "प्रवेश-निषिद्ध" जोन ("no-entry zones"; "fenced with barbed wire" → कँटीले तार से घेरा गया) / खनन की पर्यावरण स्वीकृति का "a safety barrier of at least 60 metres" → "कम से कम 60 मीटर का सुरक्षा अवरोधक (barrier)" / अधिसूचित आर्द्रभूमि से 50 m (आर्द्रभूमि नियम, 2017) — "design flood line" → डिजाइन बाढ़ रेखा; "Jharkhand has no floodplain zoning law and no notified flood zone" → झारखंड में डूब क्षेत्र जोनिंग का कोई कानून और कोई अधिसूचित बाढ़ जोन नहीं है; "the flood plain zoning of the Subarnarekha River has not been designated" (NGT की संयुक्त समिति, उद्धृत) → "स्वर्णरेखा नदी का डूब क्षेत्र जोनिंग निर्धारित नहीं किया गया है"
Flood storage	बाढ़ भंडारण
1% AEP flood extent / flood level	1% AEP बाढ़ का विस्तार / बाढ़ जल स्तर
Flood line / flood map	बाढ़ रेखा (flood line) / बाढ़ मानचित्र
Setback / buffer	सेटबैक (छोड़ी जाने वाली दूरी) / बफर (सुरक्षा पट्टी)
Zone 1 / Zone 2	जोन 1 (जलाशय संरक्षण जोन) / जोन 2 (बाढ़ सीमांत सेटबैक)

English	हिन्दी
Statutory clearances / statutory distances	सांविधिक दूरियाँ (statutory clearances)
Compensatory storage	प्रतिपूरक भंडारण (compensatory storage)
Flood cushion	बाढ़ कुशन (FTL से नीचे खाली रखा गया भंडारण)
Water quality volume (WQv)	जल गुणवत्ता आयतन (WQv)
Water quality rainfall depth / design flow	जल गुणवत्ता के लिए वर्षा की गहराई (P_wq) / जल गुणवत्ता के लिए डिजाइन प्रवाह (Q_wq)
Treatment train	उपचार शृंखला (treatment train)
Bioretention / rain garden	बायोरिटेंशन (पौधों और मिट्टी से पानी छानने वाला गड्ढा) / वर्षा उद्यान (rain garden)
Swale	स्वेल (घास से ढका उथला चैनल, swale)
Grass filter strip / bio-swale	घास फिल्टर पट्टी (filter strip) / बायो-स्वेल (bio-swale)
Permeable pavement	पारगम्य पेवमेंट (permeable pavement)
Infiltration trench	अंतःस्यंदन खाई (infiltration trench)
Constructed wetland	निर्मित आर्द्रभूमि (constructed wetland)
Gross pollutant trap (GPT)	स्थूल प्रदूषक जाल (GPT)
Infiltration / recharge	अंतःस्यंदन (infiltration) / भूजल पुनर्भरण (recharge)
Groundwater / seasonal high groundwater table / shallow water table / groundwater separation / groundwater-clearance check	भूजल / मौसमी उच्चतम भूजल स्तर (seasonal high groundwater table) / उथला भूजल स्तर / भूजल से दूरी (groundwater separation; खंड 8.8.1) / **भूजल से दूरी की जाँच** (groundwater-clearance check; प्रत्येक अनुभाग में पहली बार अंग्रेजी कोष्ठक में; "Groundwater clearance first" → पहले भूजल से दूरी की जाँच; "a groundwater check shows" → भूजल से दूरी की जाँच दर्शाए) — एक ही रूप; "भूजल दूरी की जाँच" या "भूजल से पर्याप्त दूरी" नहीं
Rainwater harvesting (RWH)	वर्षा जल संचयन (RWH)
Percolation pit / recharge bore / recharge trench	अंतःस्रवण गड्ढा (percolation pit) / पुनर्भरण बोर (recharge bore) / पुनर्भरण खाई (recharge trench)
Rainwater storage tank	वर्षा जल भंडारण टैंक

English	हिन्दी
Sewage cross-connection / points where sewage enters storm drains / points where storm water enters sewers	सीवेज का अवैध जुड़ाव (cross-connection) / वे बिंदु जहाँ सीवेज वर्षा जल ड्रेन में मिलता है / वे बिंदु जहाँ वर्षा जल सीवर में जाता है
Sewage in the storm drains and the Harmu / inlets / cross-connection (CAG) †	ड्रेनों में सीवेज: "of 14 major inlets to the Harmu, nine were connected to sewers but still overflowed into the river in the dry season, five discharged directly and 56 minor inlets carried sewage" → हरमू के 14 प्रमुख इनलेटों में से नौ सीवरों से जुड़े थे पर शुष्क मौसम में भी नदी में उफनते थे, पाँच सीधे नदी में गिरते थे और 56 छोटे इनलेट सीवेज ले जाते थे / CAG उद्धरण: "all waste water generated from the HHs flow through open or covered drains that are also used as storm water drains" → "परिवारों (HHs) से उत्पन्न सारा अपशिष्ट जल खुली या ढकी ड्रेनों से बहता है जो वर्षा जल ड्रेनों के रूप में भी प्रयुक्त होती हैं"; "Discharge from the connected inlets, carrying sewage, was found falling into the river even during the dry season, owing to defective design" → "जुड़े हुए इनलेटों से सीवेज ले जाने वाला निस्सरण, दोषपूर्ण डिजाइन के कारण, शुष्क मौसम में भी नदी में गिरता पाया गया"; "found filled with the wastewater of septic tanks" → "सेप्टिक टैंकों के अपशिष्ट जल से भरी पाई गईं" / "60% of drains uncovered" → 60% ड्रेनें खुली (बिना ढकी) / सीवेज का अवैध जुड़ाव (cross-connection)
Erosion and sediment control (ESC)	अपरदन और तलछट नियंत्रण (ESC)
Fee-in-lieu	एवज शुल्क (fee-in-lieu)
Regional detention / regional facility	क्षेत्रीय अस्थायी भंडारण / क्षेत्रीय सुविधा (regional facility)
Constrained redevelopment site	सीमित पुनर्विकास साइट
Basin Stormwater Master Plan (BSMP)	बेसिन वर्षा जल मास्टर प्लान (BSMP)
City stormwater master plan / drainage master plan	शहर वर्षा जल मास्टर प्लान / जल निकासी मास्टर प्लान (drainage master plan)
Drainage projects and plans named in the Manual: Harmu river works / Ranchi sewerage and drainage contract (Zone I) / Dhanbad storm water drainage project / integrated DPR (2014) / Ranchi DPR (Meinhardt, 2006) †	**हरमू नदी परियोजना** (Harmu river works, Harmu river project, "the project to rejuvenate it" → उसके पुनर्जीवन की परियोजना; "rejuvenated by JUIDCO between 2014 and 2018 at ₹92.78 crore" → 2014 और 2018 के बीच ₹92.78 करोड़ से JUIDCO द्वारा पुनर्जीवित; "the Harmu channel rebuilt by JUIDCO" → JUIDCO द्वारा पुनर्निर्मित हरमू चैनल; "the 10.4 km urban reach" → 10.4 km का शहरी नदी-भाग; "chainage 10.4 km", "chainage 10,400 m" → चेनेज 10.4 km, चेनेज 10,400 m) / रांची का सीवरेज और जल निकासी अनुबंध ("Zone I contract", "Zone-I contract" → जोन I अनुबंध, जोन-I अनुबंध, अंग्रेजी जैसा; "terminated in October 2019" → अक्तूबर 2019 में समाप्त कर दिया गया; "not connected to any drain network" → किसी ड्रेन नेटवर्क से नहीं जुड़ी) / रांची की सीवरेज और जल निकासी DPR (Meinhardt, 2006) / **धनबाद की वर्षा जल निकासी परियोजना** (Dhanbad's drainage project, "Dhanbad's World Bank-funded drainage project" → धनबाद की विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित जल निकासी परियोजना; "the storm water drains of the Jharkhand Municipal Development Project in Dhanbad" → धनबाद में झारखंड नगरपालिका विकास परियोजना की वर्षा जल ड्रेनें; "154 km of new drains" → 154 km नई ड्रेनें; "19 of its 94 outfalls to ponds" → उसके 94 आउटफॉलों में से 19 तालाबों में) / धनबाद, जमशेदपुर और मानगो के लिए एकीकृत सीवरेज और वर्षा जल निकासी DPR (2014) / AMRUT जल निकासी परियोजनाएँ — परियोजनाओं और दस्तावेजों के अंग्रेजी शीर्षक संदर्भों में वैसे ही

English	हिन्दी
Level of service (LoS) / Value Rating (VR)	सेवा स्तर (LoS) / मूल्य श्रेणी (VR)
Flood hazard map / hazard class	बाढ़ जोखिम मानचित्र / जोखिम वर्ग (H1–H6)
Capital Improvement Programme (CIP)	पूंजीगत सुधार कार्यक्रम (CIP)
Approving Authority (the Authority)	अनुमोदन प्राधिकारी (प्राधिकारी)
Competent authority	सक्षम प्राधिकारी (competent authority)
Development authority / Planning Authority	विकास प्राधिकरण (development authority) / योजना प्राधिकरण (Planning Authority; "planning authority" छोटे अक्षरों में भी — † झारखंड: भवन उपविधि 23.4 "a planning authority or Government body" → कोई योजना प्राधिकरण या सरकारी निकाय, खंड 11.9.2 की पुनः प्रयुक्त पंक्ति का रूप; आयोजना प्राधिकारी, योजना प्राधिकारी नहीं)
Development area / planning area / Master Plan area	विकास क्षेत्र / योजना क्षेत्र (planning area) / मास्टर प्लान क्षेत्र
Applicant	आवेदक
Urban local body (ULB)	शहरी स्थानीय निकाय (ULB; झारखंड में नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत — † अधिसूचित क्षेत्र समिति (JNAC) भी)
Urban Development and Housing Department, Jharkhand (UD&HD; the Department) †	**नगर विकास एवं आवास विभाग** (UD&HD; पुल्लिंग; सत्यापित — विभाग की अधिसूचनाओं का शीर्ष "झारखंड सरकार, नगर विकास एवं आवास विभाग"; बिहार संस्करण का भी यही रूप) — "UD&HD issues the Building Byelaws and approves master plans" → UD&HD भवन उपविधि जारी करता है और मास्टर प्लान अनुमोदित करता है; "UD&HD regional support" → UD&HD का क्षेत्रीय सहयोग; "a company of UD&HD" (JUIDCO) → UD&HD की एक कंपनी; "the Secretaries of UD&HD, WRD and Revenue" → UD&HD, WRD और राजस्व विभाग के सचिव; UD&HD रोमन में ("UDHD" नहीं, यूडीएचडी नहीं)
Local body / local authority	स्थानीय निकाय / स्थानीय प्राधिकारी (local authority)
Municipal Corporation / Municipality / Municipal Council / Cantonment Board / Gram Panchayat	नगर निगम / नगरपालिका / नगर परिषद (Municipal Council; झारखंड में Nagar Parishad — † पंक्ति देखें) / छावनी बोर्ड / ग्राम पंचायत
Municipal Corporation / Nagar Parishad (Municipal Council) / Nagar Panchayat / Notified Area Committee (the ULBs of Jharkhand) †	**नगर निगम** (Municipal Corporation; पुल्लिंग) / **नगर परिषद** (Nagar Parishad; Municipal Council; स्त्रीलिंग) / **नगर पंचायत** (Nagar Panchayat; स्त्रीलिंग) / **अधिसूचित क्षेत्र समिति** (Notified Area Committee; स्त्रीलिंग; CAG की हिन्दी रिपोर्ट का रूप) — झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 के अंतर्गत; "a Municipal Corporation, Nagar Parishad or Nagar Panchayat" → कोई नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत; "MC is written out in this Manual, because in Jharkhand it can mean a Municipal Corporation or a Municipal Council (Nagar Parishad)" → इस मैनुअल में MC पूरा लिखा जाता है, क्योंकि झारखंड में इसका अर्थ नगर निगम या नगर परिषद हो सकता है; "the Council" (आदर्श संकल्प) → परिषद; "Resolution No. _____ of _____ (name of Municipal Corporation / Nagar Parishad / Nagar Panchayat)" → _____ (नगर निगम / नगर परिषद / नगर पंचायत का नाम) का _____ का संकल्प संख्या _____ — Rajasthan का नगरपालिका बोर्ड, हरियाणा की नगरपालिका समिति, मध्य प्रदेश की नगर पालिका परिषद नहीं

English	हिन्दी
Ranchi Municipal Corporation (RMC) / the other Municipal Corporations (Dhanbad, Deoghar, Chas, Hazaribagh, Giridih, Adityapur, Mango, Medininagar) †	**रांची नगर निगम** (RMC; सत्यापित — UD&HD की 2015 की अधिसूचना "राँची नगर निगम", यहाँ रांची लिखा जाता है; "RMC is the Ranchi Municipal Corporation, not ready-mixed concrete" → RMC रांची नगर निगम है, रेडी-मिक्स्ड कंक्रीट नहीं; "the Corporation" → नगर निगम) / धनबाद नगर निगम (UD&HD की 2017 की अधिसूचना "नगर निगम धनबाद" भी लिखती है; इस मैनुअल में एक ही क्रम: <नगर> नगर निगम) / देवघर नगर निगम / चास नगर निगम / हजारीबाग नगर निगम / गिरिडीह नगर निगम / आदित्यपुर नगर निगम / मानगो नगर निगम / मेदिनीनगर नगर निगम — "The State's Municipal Corporations are Ranchi, Dhanbad, ..." → राज्य के नगर निगम रांची, धनबाद, देवघर, चास, हजारीबाग, गिरिडीह, आदित्यपुर, मानगो और मेदिनीनगर हैं; "the 55 wards of RMC" → RMC के 55 वार्ड
Municipal Commissioner / Executive Officer / Mayor / Chairperson / Commissioner (Municipal Act) †	**नगर आयुक्त** (Municipal Commissioner; CAG की हिन्दी रिपोर्ट और UD&HD की प्रतिलिपि-सूची "नगर आयुक्त, राँची नगर निगम" का रूप; पुल्लिंग) / **कार्यपालक पदाधिकारी** (Executive Officer, नगर परिषद या नगर पंचायत का; CAG हिन्दी का रूप; बिहार संस्करण का भी) / महापौर (Mayor) / अध्यक्ष (Chairperson) — "the Commissioner or Executive Officer" → नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी; "Municipal Commissioner / Executive Officer" → नगर आयुक्त / कार्यपालक पदाधिकारी; नगरपालिका अधिनियम की धाराओं में "the Commissioner" (धारा 227 आदि) → आयुक्त, अधिनियम के उद्धरण में; "one assistant engineer" → एक सहायक अभियंता; "its engineering wing" → उसका अभियंत्रण स्कंध
Ranchi Regional Development Authority (RRDA) / regional development authorities / Mineral Area Development Authority (MADA) / Industrial Area Development Authorities / Jharia Rehabilitation and Development Authority †	**रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार** (RRDA; सत्यापित — UD&HD की 2015 की अधिसूचना; पुल्लिंग; **प्राधिकार**, बिहार की तरह, प्राधिकरण नहीं) / क्षेत्रीय विकास प्राधिकार (Regional Development Authorities; "RRDA, other RDA" → RRDA, अन्य क्षेत्रीय विकास प्राधिकार) / रांची क्षेत्रीय विकास क्षेत्र (Ranchi Regional Development Area) / **खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार** (MADA; धनबाद; पुल्लिंग; सामान्य रूप, आधिकारिक हिन्दी पाठ नहीं देखा गया; "Official texts name its statute differently (an Act of 1986, 2000 or 2001)" → आधिकारिक पाठ इसकी विधि का नाम अलग-अलग देते हैं (1986, 2000 या 2001 का कोई अधिनियम)) / **औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार** (Industrial Area Development Authority, IADA; "such as the one at Adityapur" → जैसे आदित्यपुर का) / झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (Jharia Rehabilitation and Development Authority; समाचार माध्यमों का रूप) — नियम: झारखंड के अपने अधिनियमों से बने निकाय **प्राधिकार**; केंद्रीय अधिनियम या नियमों के अंतर्गत बने निकाय (JSDMA, राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण) और संघ के निकाय (NDMA, CGWA) **प्राधिकरण** — बिहार संस्करण का नियम (PMAA, BIADA प्राधिकार; BSDMA, आर्द्रभूमि प्राधिकरण); इस मैनुअल का "the Authority" (अनुमोदन प्राधिकारी आदि) सदा प्राधिकारी
Jharkhand Urban Infrastructure Development Company (JUIDCO) / State Urban Development Agency (SUDA) †	**झारखंड शहरी बुनियादी संरचना विकास कंपनी** (JUIDCO; स्त्रीलिंग — कंपनी; CAG की 2017 की हिन्दी रिपोर्ट का रूप "झारखण्ड शहरी बुनियादी संरचना विकास कंपनी लिमिटेड (जुडको)", यहाँ झारखंड और बिना "लिमिटेड", क्योंकि अंग्रेजी Limited नहीं लिखती; उसी रिपोर्ट में "बुनियादी ढाँचा" भी — प्रयोग नहीं; **निगम नहीं**: JUIDCO कंपनी है, बिहार का BUIDCO निगम) — "the State company that builds storm water drainage and AMRUT projects" → वह राज्य कंपनी जो वर्षा जल निकासी और AMRUT परियोजनाएँ बनाती है; "JUIDCO (project asset)" → JUIDCO (परियोजना की परिसंपत्ति) / **राज्य शहरी विकास अभिकरण** (SUDA; पुल्लिंग; झारखंड और बिहार में Agency = अभिकरण; सामान्य रूप, सत्यापित नहीं) — "supports the urban local bodies" → शहरी स्थानीय निकायों को सहयोग देता है

English	हिन्दी
Jamshedpur leased area / industrial town / Jamshedpur Notified Area Committee (JNAC) / Tata Steel / Tata Steel UISL / JUSCO / the 2005 lease †	**पट्टा क्षेत्र** (leased area; "Jamshedpur's leased area" → जमशेदपुर का पट्टा क्षेत्र) / **औद्योगिक नगर** (industrial town; झारखंड नगरपालिका अधिनियम की धारा 481; "industrial township(s)" → औद्योगिक नगर (industrial township); "the industrial-town notification of 23 December 2023" → 23 दिसंबर 2023 की औद्योगिक नगर अधिसूचना; "the industrial town committee at Jamshedpur" → जमशेदपुर की औद्योगिक नगर समिति; "the body that administers the industrial town" → औद्योगिक नगर का प्रशासन करने वाला निकाय) / **जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति** (JNAC; स्त्रीलिंग; "or its successor" → या उसका उत्तराधिकारी निकाय; "the Jamshedpur civic body" → जमशेदपुर का नागरिक निकाय) / **टाटा स्टील** (Tata Steel) / Tata Steel UISL (रोमन; पूरा नाम Tata Steel Utilities and Infrastructure Services Limited भी रोमन में, पहली बार कोष्ठक में; "its utility company" → उसकी उपयोगिता कंपनी) / JUSCO (Jamshedpur Utilities and Services Company; "formerly JUSCO" → पहले JUSCO) / **पट्टा विलेख** (Indenture of lease; "The 2005 lease between the State and Tata Steel" → राज्य और टाटा स्टील के बीच 2005 का पट्टा; "continue to maintain the standard of municipal services and civic amenities" → "नगरपालिका सेवाओं और नागरिक सुविधाओं के स्तर को बनाए रखना जारी रखेगी"; "third-party copy" → तृतीय-पक्ष प्रति)
Municipal Commissioner / Mayor / Councillor / Chairperson	नगर आयुक्त / महापौर / पार्षद / अध्यक्ष
Chief Engineer / Superintending Engineer / Executive Engineer / Assistant Engineer / Junior Engineer	मुख्य अभियंता / अधीक्षण अभियंता / कार्यपालक अभियंता / सहायक अभियंता / कनिष्ठ अभियंता
Ward	वार्ड (ward)
State Stormwater Technical Committee	राज्य वर्षा जल तकनीकी समिति
Master plan / Development Plan	मास्टर प्लान (master plan; † झारखंड की सांविधिक योजना — रांची मास्टर प्लान 2037 आदि, नगर विकास एवं आवास विभाग की अधिसूचनाओं का रूप) / विकास योजना (Development Plan; केवल जहाँ अंग्रेजी Development Plan कहती है, जैसे भवन उपविधि 2016 की उपविधि 30.1 के उद्धरण में)
Ranchi Master Plan 2037 / Jamshedpur (UA) Master Plan 2027 / Dhanbad Master Plan 2041 / Jharia Master Plan / approval notification / condition †	**रांची मास्टर प्लान 2037** (Ranchi Master Plan 2037; सत्यापित — अधिसूचना "राँची मास्टर प्लान–2037"; पुल्लिंग) / **जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027** ("Jamshedpur (UA) Master Plan (GIS based)-2027" → जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान (GIS आधारित)-2027; UA रोमन में) / **धनबाद मास्टर प्लान 2041** ("Dhanbad GIS-based Master Plan-2041" → धनबाद GIS आधारित मास्टर प्लान-2041 — अधिसूचना का रूप "GIS आधारित मास्टर प्लान–2041") / झरिया मास्टर प्लान ("the revised Jharkhand Master Plan for Jharia" → झरिया के लिए संशोधित झारखंड मास्टर प्लान; "either Jharia plan" → झरिया की दोनों में से कोई योजना) / **अनुमोदन अधिसूचना** (approval notification; "cited from their approval notifications only" → केवल उनकी अनुमोदन अधिसूचनाओं से उद्धृत) / **शर्त** (condition; सत्यापित — अधिसूचना "निम्नांकित शर्तों के साथ"; "condition 2.9" → शर्त 2.9; "conditions 2.1–2.12 and 3.1" → शर्त 2.1–2.12 और 3.1; "Condition 2.9 of the Ranchi approval" → रांची अनुमोदन की शर्त 2.9; "(in Hindi)" → (हिन्दी में)) — "the Ranchi Master Plan's buffers" → रांची मास्टर प्लान के बफर; "the Ranchi Master Plan 2037 area" → रांची मास्टर प्लान 2037 का क्षेत्र; "master-plan line" → मास्टर प्लान रेखा; महायोजना नहीं, मास्टर विकास योजना नहीं
Zone (land use) / zoning	जोन (जैसे आवासीय जोन) / जोनिंग (zoning)
No-construction zone / No Development Zone	निर्माण-निषिद्ध जोन (no-construction zone) / विकास-निषिद्ध जोन (No Development Zone)

English	हिन्दी
Natural hazard prone area / flood-prone area	प्राकृतिक आपदा-प्रवण क्षेत्र / बाढ़-प्रवण क्षेत्र
Open space	खुला स्थान (open space)
Variance / waiver	विचलन (variance) / अधित्याग (waiver)
Maintenance declaration	रखरखाव घोषणा-पत्र (maintenance declaration)
Maintenance	रखरखाव
Operation and maintenance (O&M) / O&M plan	प्रचालन और रखरखाव (O&M) / O&M योजना
As-built / as-built certificate	यथा-निर्मित (as-built) नक्शा / यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र
Registered professional	पंजीकृत पेशेवर (registered professional)
Tier A / Tier B	टियर A / टियर B
Policy supplement	नीति अनुपूरक (policy supplement: अंगीकरणीय वैकल्पिक खंड)
Council resolution / model council resolution	परिषद संकल्प (council resolution) / आदर्श परिषद संकल्प
State (in this Manual) †	राज्य (इस मैनुअल में झारखंड)
State Government, Government (in this Manual) †	राज्य सरकार, सरकार (इस मैनुअल में झारखंड सरकार; स्त्रीलिंग; संघ के निकाय — CWC, CGWB, CGWA, IMD, NIH, DVC, DVRRC, DGMS, NHAI, SoI — और कोल इंडिया की कंपनियाँ राज्य सरकार का भाग नहीं)
Shall / should / may	...करेगा, ...किया जाएगा (अनिवार्य) / ...चाहिए (सिफारिश) / ...सकता है, ...सकेगा (अनुमति)
Shall not	...नहीं करेगा, ...नहीं किया जाएगा (अनिवार्य निषेध)

अतिरिक्त शब्द

English	हिन्दी
Applicability / adoption / adopt	प्रयोज्यता (applicability) / अंगीकरण / अंगीकार करना (केवल सरकार, प्राधिकारी, समिति, अधिकरण, अधिनियम, नियम या विनियम द्वारा औपचारिक अंगीकरण के लिए, और इस मैनुअल के अंगीकरण टियर के लिए; मान के लिए लेना, विधि के लिए अपनाना)
Has not been adopted, notified or endorsed by	... द्वारा अंगीकृत, अधिसूचित या समर्थित नहीं किया गया है

English	हिन्दी
No legal force / in force / not in force	कोई विधिक बल नहीं / प्रवृत्त / प्रवृत्त नहीं
Approve / approval / approved	अनुमोदन करना / अनुमोदन / अनुमोदित
Endorse / endorsement / endorsed	समर्थन करना / समर्थन / समर्थित (पृष्ठांकन नहीं)
Consent / concurrence / agree	सम्मति (consent) / सहमति (concurrence) / सहमत होना
Consent (WRD, DVC, a reservoir's custodian, the mine's lessee and DGMS) †	सम्मति ("WRD and DVC consent" → WRD और DVC की सम्मति; "a void is not a design outfall unless the mine's lessee and DGMS consent" → कोई खदान का गड्ढा तब तक डिजाइन आउटफॉल नहीं है जब तक खदान का पट्टाधारी और DGMS सम्मति न दें; "Where consent is given" → जहाँ सम्मति दी गई है; JSPCB की "consent to establish / operate" → स्थापना / संचालन की सम्मति (CTE/CTO रोमन)) — "Custodian concurrence" → अभिरक्षक की सहमति
Sanction / sanctioned / sanctioning authority	संस्वीकृति / संस्वीकृत / संस्वीकृति प्राधिकारी (स्वीकृति या स्वीकृत अकेले नहीं)
Permission / building permit / planning permission / permissible	अनुमति / भवन अनुमति (building permit) / योजना अनुमति / अनुमेय
Credit / retention credit / preservation credit / tank storage credit	क्रेडिट / प्रतिधारण क्रेडिट / संरक्षण क्रेडिट / तालाब भंडारण क्रेडिट
Notification / notified / Gazette	अधिसूचना / अधिसूचित / राजपत्र
Jharkhand Gazette (Extraordinary) / Gazette notification / Gazette of India †	**झारखंड राजपत्र (असाधारण)** (Jharkhand Gazette (Extraordinary); सत्यापित — UD&HD की 2015 की प्रतिलिपि "झारखंड राजपत्र के असाधारण अंक में प्रकाशन हेतु"; **गजट नहीं** — बिहार "बिहार गजट" छापता है, झारखंड राजपत्र; "ई-गजट" केवल विभाग के उस कक्ष के नाम में) — "Jharkhand Gazette (Extraordinary) No. 132, 13 Feb 2017" → झारखंड राजपत्र (असाधारण) संख्या 132, 13 फरवरी 2017; "publication in the Jharkhand Gazette" → झारखंड राजपत्र में प्रकाशन; "Gazette number not seen [TBC]" → राजपत्र संख्या देखी नहीं गई [TBC]; "the Government Press" → राजकीय मुद्रणालय / राजपत्र अधिसूचना / भारत का राजपत्र
Government Order / office order / circular / order / resolution	सरकारी आदेश (केवल दिल्ली संस्करण के साझा वाक्यों में; झारखंड सरकार के विभाग का Order: आदेश, Resolution: संकल्प — † पंक्ति देखें) / कार्यालय आदेश (office order) / परिपत्र / आदेश / संकल्प
Act / Rules / rule / Regulation / Code / Bill	अधिनियम / नियम (केंद्रीय Rules) / नियम / विनियम / संहिता / विधेयक († झारखंड के Rules: नियमावली — झारखंड हस्तांतरणीय विकास अधिकार नियमावली, 2017; झारखंड भवन उपविधि, 2016 का क्रमांकित प्रावधान "byelaw 51.1" → उपविधि 51.1; कोयला खान विनियम, 2017 का "reg. 149" → विनियम 149 — नीचे की † पंक्तियाँ देखें)
Bye-laws / bye-law	उपविधियाँ / उपविधि
Section / sub-section (of an Act; s.)	धारा / उपधारा
Article (of the Constitution) / Schedule	अनुच्छेद / अनुसूची

English	हिन्दी
Para (of a plan, report, order or judgment) / Annexure (of a notification, order or affidavit) / Appendix (of a cited report)	पैरा (किसी निर्णय, आदेश या रिपोर्ट का para 6 → पैरा 6; "§5.2.2" वैसा ही; † "paras 72–74" (JUIDCO की ESIA) → पैरा 72–74; "paras 5.7.2–5.7.3" (CAG) → पैरा 5.7.2–5.7.3) / अनुलग्नक (Annexure; परिशिष्ट नहीं; CRZ अधिसूचना का Annexure IV → अनुलग्नक IV; † "Annexure 'A' item 44" (2017 का संशोधन) → अनुलग्नक 'A' की मद 44; "Annexures 3F and 4A, as filed" (NGT में राज्य की रिपोर्ट) → अनुलग्नक 3F और 4A, दाखिल रूप में; IMD विज्ञप्ति का "Annexure-1" → अनुलग्नक-1; किसी रिपोर्ट, जैसे CWC बाढ़ आकलन रिपोर्ट, का Annexure या Annex भी अनुलग्नक — संदर्भ-प्रविष्टि के अनुवादित टिप्पण में भी ("Annex 4.4" → अनुलग्नक 4.4), ताकि वह इस मैनुअल के परिशिष्ट से न टकराए; केवल अंग्रेजी में रखे गए ग्रंथसूची-अंश में Annexure वैसे ही) — Schedule के लिए अनुसूची / Appendix (अंग्रेजी में ही)
Amendment / amended / as amended / compendium	संशोधन / संशोधित / यथा संशोधित / संकलन (compendium)
Definition (in an Act or the byelaws) †	परिभाषा (नगरपालिका अधिनियम की धारा 2(41); भवन उपविधि 2016 की उपविधि 2.2: "Act" की परिभाषा — "the JRDA Act 2002 (Adopted), Jharkhand Municipal Act, 2011 & Mineral Area Development Authority Act" उद्धरण में अंग्रेजी कोष्ठक सहित)
General Clauses Act, 1897	साधारण खंड अधिनियम, 1897 (General Clauses Act, 1897)
Union territory / Union (body of the Union)	संघ राज्यक्षेत्र (Union territory; दिल्ली संस्करण और CPHEEO के "राज्य/संघ राज्यक्षेत्र सरकार" का रूप — केंद्र शासित प्रदेश नहीं) / संघ (संघ का निकाय; † "a body of the Union, such as CWC, DGMS or DVRRC" → संघ का कोई निकाय, जैसे CWC, DGMS या DVRRC)
Jharkhand Building Byelaws 2016 / Jharkhand Building Bye-laws, 2016 / JBBL 2016 / the Building Byelaws / the Byelaws / the byelaws / the 2016 byelaws (building_rules_abbr, building_rules_short) †	**झारखंड भवन उपविधि, 2016** (सत्यापित — UD&HD की 24 अक्तूबर 2017 की अधिसूचना संख्या 6648: "झारखंड भवन उपविधि, 2016 यथा संशोधित, 2017"; CAG की हिन्दी रिपोर्ट का "भवन उपनियम" प्रयोग नहीं) — अध्याय में पहली बार और संदर्भों में पूरा शीर्षक; अन्यत्र **भवन उपविधि 2016** (बिहार की "भवन उपविधि 2014" के ढंग पर; स्त्रीलिंग एकवचन: "भवन उपविधि 2016 अपेक्षा करती है"; अंग्रेजी JBBL 2016 को बहुवचन मानती है — "The JBBL 2016 control" → भवन उपविधि 2016 नियंत्रित करती है) — "the Building Byelaws", "the Byelaws", "the byelaws", "the 2016 byelaws" जब इन्हीं का अर्थ हो → भवन उपविधि 2016 (अकेला "उपविधि" उपकरण के अर्थ में नहीं); "as amended" → यथासंशोधित; "the building rules" (सामान्य वाक्यांश) → भवन नियम; JBBL 2016 रोमन में केवल संक्षिप्त रूपों की तालिका के स्तंभ 1 में; "notified by UD&HD under s.434 of the Jharkhand Municipal Act, 2011" → झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 434 के अंतर्गत UD&HD द्वारा अधिसूचित (यह राजपत्र-प्रकार की अधिसूचना है, हरियाणा संहिता की तरह ज्ञापन नहीं); "applied by every regional development authority, urban local body, MADA and industrial area development authority" → प्रत्येक क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, शहरी स्थानीय निकाय, MADA और औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार द्वारा लागू; उद्धरण: "enforceable to all the Regional Development Authorities, Urban Local Bodies, Mineral Area Development Authority and all Industrial Area Development Authorities" → "सभी क्षेत्रीय विकास प्राधिकारों, शहरी स्थानीय निकायों, खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार और सभी औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारों पर प्रवर्तनीय"; "under Section-434 of the Jharkhand Municipal Act 2011 and in supersession and modification of all the existing rules on the subject" → "झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा-434 के अंतर्गत और इस विषय के सभी विद्यमान नियमों का अधिक्रमण और उपांतरण करते हुए" — आदर्श भवन उपविधियाँ, 2016 (MBBL) अलग उपकरण

English	हिन्दी
Byelaw number of the JBBL 2016 (Byelaw 51.1; byelaw 23.2; byelaws 23.1 to 23.3; byelaws 51.1, 58.6.6 and 58.6.15; (58.6.6); (31.3–31.4); JBBL 2016, byelaw 51.1; Chapter VIII of the byelaws; "rule" in the model text of Annex 1D) †	**उपविधि N** (byelaw; स्त्रीलिंग) — बिहार संस्करण का उद्धरण-रूप: "Byelaw 51.1" / "byelaw 51.1" → उपविधि 51.1; "byelaws 23.1 to 23.3" → उपविधि 23.1 से 23.3; "byelaws 51.1, 58.6.6 and 58.6.15" → उपविधि 51.1, 58.6.6 और 58.6.15; "byelaws 1.2, 23, 30, 31, 41.12, 42.1, 48, 51 and 58.6" → उपविधि 1.2, 23, 30, 31, 41.12, 42.1, 48, 51 और 58.6; पूरा रूप **भवन उपविधि 2016 की उपविधि 51.1** जहाँ वाक्य पहले से उपविधि का नाम नहीं लेता; "JBBL 2016, byelaw 51.1" → भवन उपविधि 2016, उपविधि 51.1; कोष्ठक में केवल संख्या, जैसा अंग्रेजी देती है: "(58.6.6)" → (58.6.6), "(31.3–31.4)" → (31.3–31.4), "(48.1, 48.6.4)" → (48.1, 48.6.4), "(58.6.15, as amended in 2017)" → (58.6.15, 2017 में यथासंशोधित); "Chapter VIII of the byelaws" → भवन उपविधि 2016 का अध्याय VIII; "Table-4" → भवन उपविधि 2016 की तालिका-4 (अकेली "तालिका" कभी नहीं) — खंड (इस मैनुअल का), धारा (अधिनियम की), कोड, नियम, विनियम, प्रस्तर या पैरा नहीं। **परिशिष्ट 1D भाग A के आदर्श पाठ में** अंग्रेजी "rule" लिखती है ("After rule [] **of the building byelaws", "Insertion of a new rule", "Rule []**. Stormwater management.", "this rule", "sub-rule (3)", "these rules"): बिहार संस्करण के भाग A की तरह **नियम / उपनियम / इन नियमों** (भवन उपविधि के नियम **[] के बाद; नए नियम का अंतःस्थापन; नियम []**. वर्षा जल प्रबंधन.; यह नियम; उपनियम (3); इन नियमों) — हरियाणा से पुनः प्रयुक्त A01 की पंक्तियाँ 193, 205, 209, 215, 222, 226 और 230 (कोड, उप-कोड, इस संहिता) बिहार की संगत पंक्तियों के शब्दों से बदली जाएँगी; स्रोत की असंगति (उपविधि नियमों से नहीं बनी) रिपोर्ट करें; "These rules may be called the Jharkhand Building (Stormwater Management) Amendment Bye-laws, _____" → इन नियमों को झारखंड भवन (वर्षा जल प्रबंधन) संशोधन उपविधि, _____ कहा जा सकेगा; "The rule numbers of the Jharkhand Building Byelaws 2016" → झारखंड भवन उपविधि, 2016 की वे नियम संख्याएँ
Notification numbers of UD&HD (7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006 of 5 April 2016; No. 7/.../102/2013-3141; 02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008-4371; 02/न0वि0/मास्टर प्लान-102/2008-6622; 06/न0वि0(TCPO)/मा0 प्लान-22/2016-6648) / amendments of the byelaws †	अधिसूचना संख्या: "Notification No. 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006 dated 5 April 2016" → 5 अप्रैल 2016 की अधिसूचना संख्या 7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006 — संख्या स्रोत की तरह **हूबहू**: देवनागरी संक्षेपों के बाद का संक्षेप-चिह्न ASCII अंक 0 है (न0वि0 = नगर विकास, अधि0, स0सो0, मा0) — उसे देवनागरी शून्य (U+0966) या संक्षेप-चिह्न (U+0970) में न बदलें, और "..." वाले छोटे रूप ("No. 7/.../102/2013-3141", "No. ...-5326") वैसे ही; "No. 4371", "No. 6622", "No. 6648" → संख्या 4371 / 6622 / 6648 / संशोधन: "Jharkhand Building (Amendment) Bye-laws, 2017" → झारखंड भवन (संशोधन) उपविधि, 2017; "(IInd Amendment) Bye-laws, 2017" → (द्वितीय संशोधन) उपविधि, 2017; "(Vth Amendment)", "(VIth Amendment)", "(Xth Amendment)", "(XIth Amendment)" → (पाँचवाँ संशोधन), (छठा संशोधन), (दसवाँ संशोधन), (ग्यारहवाँ संशोधन); चालू पाठ में "the second", "the fifth", "the sixth", "the tenth", "the eleventh" → दूसरा, पाँचवाँ, छठा, दसवाँ, ग्यारहवाँ (संशोधन); "the Vth and VIth amendments" → पाँचवाँ और छठा संशोधन; "the Xth (March 2024) and XIth (27 April 2026)" → दसवाँ (मार्च 2024) और ग्यारहवाँ (27 अप्रैल 2026); "IInd amendment" → दूसरा संशोधन — संदर्भ-सूची में अंग्रेजी शीर्षक वैसे ही; "(date read from the scan as 26 Feb 2019 [TBC])" → (स्कैन से तिथि 26 Feb 2019 पढ़ी गई [TBC]); "Building Bye-laws Review Committee" → भवन उपविधि समीक्षा समिति; "relaxation by Government" (उपविधि 89) → सरकार द्वारा छूट
Jharkhand Regional Development Authority Act, 1981 (as adopted) / Jharkhand Town Planning and Improvement Trust Act, 2002 (as adopted) †	**झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम, 1981 (अंगीकृत)** (सत्यापित — UD&HD की 2015 की अधिसूचना "झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम-1981 (अंगीकृत-अधिसूचना संख्या-19, दिनांक-14.01.2002)"; यहाँ "अंगीकृत" बिहार के अधिनियम को झारखंड द्वारा अपनाने का औपचारिक शब्द है, इसलिए अंगीकृत का आरक्षित अर्थ नहीं टूटता) — "the Regional Development Authority Act", "the Jharkhand Regional Development Authority Act (as adopted)" → क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम / झारखंड क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम (अंगीकृत); "under section 24(1)" → धारा 24(1) के अंतर्गत; "JRDA Act 2002 (Adopted)" (उपविधि 2.2 का उद्धरण) वैसे ही अंग्रेजी कोष्ठक सहित / **झारखंड नगर निवेशन एवं उन्नयन न्यास अधिनियम, 2002 (अंगीकृत)** (सत्यापित — UD&HD की 2017 की अधिसूचना संख्या 6648; "the Town Planning and Improvement Trust Act" → नगर निवेशन एवं उन्नयन न्यास अधिनियम; "under section 33" → धारा 33 के अंतर्गत; "notification 755, 21.03.2002" → अधिसूचना संख्या 755, 21.03.2002) — दोनों "(not read)" → (पढ़ा नहीं गया)

English	हिन्दी
Jharkhand Municipal Act, 2011 (Jharkhand Act 07 of 2012; the Municipal Act; JMA) †	**झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011** (सत्यापित — UD&HD की 2015 और 2017 की अधिसूचनाएँ; पुल्लिंग) (झारखंड अधिनियम संख्या 07, 2012); छोटा रूप **नगरपालिका अधिनियम** ("the Municipal Act", "JMA", "the same Act" → नगरपालिका अधिनियम / वही अधिनियम; "Jharkhand Municipal Act 2011" बिना अल्पविराम भी वही) — धाराएँ: "s.615(3)" → धारा 615(3); "section 434" → धारा 434; "ss.70, 203, 219, 221 ..." → धारा 70, 203, 219, 221 ...; "(s.235)" → (धारा 235); "s. 203" (रिक्ति सहित) भी धारा 203; "(Municipal Act, s.615(3))" → (नगरपालिका अधिनियम, धारा 615(3)); "JMA ss. 203, 221" → नगरपालिका अधिनियम, धारा 203, 221 — UD&HD की अधिसूचनाएँ अधिनियम की धारा को "कंडिका" लिखती हैं ("कंडिका–427 (5)"), पर इस मैनुअल में साझा नियम से **धारा**; "under its operation ceases within them (s.615(3))" → RMC की सीमाओं के भीतर उसका संचालन समाप्त हो जाता है (धारा 615(3)); "to the extent notified" (धारा 615(4)) → "जिस सीमा तक अधिसूचित हो"; "no such notification was found" → ऐसी कोई अधिसूचना नहीं मिली / नगरपालिका (the municipality; स्त्रीलिंग) / नगरपालिका निधि (Municipal Fund) / "the Municipal Building Code" → नगरपालिका भवन संहिता (अधिनियम का शब्द, जहाँ अंग्रेजी लिखती है)
Jharkhand Panchayati Raj Act / panchayat areas / Gram Panchayat †	झारखंड पंचायत राज अधिनियम (Jharkhand Panchayati Raj Act; झारखंड का प्रचलित हिन्दी शीर्षक "झारखंड पंचायत राज अधिनियम, 2001" — अंग्रेजी वर्ष नहीं देती, इसलिए वर्ष न जोड़ें; सत्यापित नहीं) / पंचायत क्षेत्र (panchayat areas; "In November 2025 the High Court was reported to have held that, in panchayat areas, the Panchayati Raj Act prevails over the Regional Development Authority Act" → नवंबर 2025 में, प्रकाशित खबरों के अनुसार, उच्च न्यायालय ने माना कि पंचायत क्षेत्रों में पंचायत राज अधिनियम क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अधिनियम पर अभिभावी है) / ग्राम पंचायत
Public Land Encroachment Act, 1956 (Bihar Act XV of 1956, as applied in Jharkhand; Jharkhand (Bihar) Public Land Encroachment Act, 1956; the 1956 Act) †	**बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956** (बिहार संस्करण का शीर्षक) — "(Bihar Act XV of 1956, as applied in Jharkhand)" → (बिहार अधिनियम संख्या XV, 1956, झारखंड में यथालागू); "Jharkhand (Bihar) Public Land Encroachment Act, 1956" → झारखंड (बिहार) लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 (इस मैनुअल का रूप; अंग्रेजी के क्रम में); "Public Land Encroachment Act, 1956", "the 1956 Act" → लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 / 1956 का अधिनियम — "public land" → लोक भूमि; "encroachment" → अतिक्रमण; "the Circle Officers of Jamshedpur and Mango" → जमशेदपुर और मानगो के अंचल अधिकारी
Chota Nagpur Tenancy Act, 1908 (CNT Act) / Santhal Parganas Tenancy (Supplementary Provisions) Act, 1949 (SPT Act) / raiyat / raiyati land / khatiyan †	**छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908** (CNT Act; सामान्य हिन्दी शीर्षक, किसी आधिकारिक हिन्दी पाठ में सत्यापित नहीं; छोटानागपुर एक शब्द — UD&HD की प्रतिलिपि-सूची "दक्षिणी छोटानागपुर" का रूप) / **संथाल परगना काश्तकारी (अनुपूरक उपबंध) अधिनियम, 1949** (SPT Act; सामान्य रूप, सत्यापित नहीं; अंग्रेजी "Santhal Parganas" और "Santhal Pargana" दोनों लिखती है — हिन्दी में दोनों संथाल परगना) — "CNT Act s.46; SPT Act s.20" → CNT अधिनियम की धारा 46; SPT अधिनियम की धारा 20 (CNT Act और SPT Act रोमन में केवल संक्षिप्त रूपों की तालिका में; चालू पाठ में हिन्दी शीर्षक, बाद में छोटा रूप छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम / संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम); "the Chota Nagpur and Santhal Parganas tenancy Acts" → छोटानागपुर और संथाल परगना के काश्तकारी अधिनियम; "the tenancy Acts", "tenancy laws" → काश्तकारी अधिनियम, काश्तकारी कानून / **रैयत** (raiyat; "a raiyat's holding" → किसी रैयत की जोत) / **रैयती भूमि** (raiyati land; "restrict the transfer of raiyati land in most of the State" → राज्य के अधिकांश भाग में रैयती भूमि के हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगाते हैं) / **खतियान** (khatiyan; भू-अभिलेख) / "Scheduled Areas" → अनुसूचित क्षेत्र

English	हिन्दी
Jharkhand Urban Water Conservation and Drinking Water Regulatory Authority Act, 2016 (Jharkhand Act 04 of 2017) / Jharkhand Transferable Development Rights Rules, 2017 / Jharkhand Regularization of Unauthorizedly Constructed Buildings Rules, 2026 / Jharkhand Rain Water Harvesting Regulation, 2017 / RMC's rainwater harvesting regulation (2016) / a State groundwater Act of 2019 †	झारखंड शहरी जल संरक्षण एवं पेयजल नियामक प्राधिकार अधिनियम, 2016 (झारखंड अधिनियम संख्या 04, 2017; इस मैनुअल का रूप, हिन्दी शीर्षक नहीं मिला; "(PRS copy)" → (PRS प्रति)) / झारखंड हस्तांतरणीय विकास अधिकार नियमावली, 2017 (Jharkhand Transferable Development Rights Rules, 2017; इस मैनुअल का रूप — धनबाद अधिसूचना का हिन्दी पाठ शीर्षक अंग्रेजी में ही रखता है; झारखंड के Rules = **नियमावली**, जैसे झारखंड नगरपालिका लेखा नियमावली, 2012; पहली बार अंग्रेजी शीर्षक कोष्ठक में) / झारखंड अनधिकृत रूप से निर्मित भवनों का नियमितीकरण नियमावली, 2026 (इस मैनुअल का रूप) / "Jharkhand Rain Water Harvesting Regulation, 2017" (उद्धरण-चिह्नों में अंग्रेजी जैसा) → "झारखंड वर्षा जल संचयन विनियमन, 2017" ("Jharkhand Rain Water Harvesting Regulation, 2017"); "A Rain Water Harvesting Regulation of RMC (2016) and a State regulation (2017) have been reported" → RMC के एक वर्षा जल संचयन विनियमन (2016) और एक राज्य विनियमन (2017) की खबर है; "their texts were not found" → उनके पाठ नहीं मिले / "a State groundwater Act of 2019 seen in an unofficial copy" → एक अनौपचारिक प्रति में देखा गया 2019 का एक राज्य भूजल अधिनियम
Coal Mines Regulations, 2017 / regulation 149, Danger from surface water / DGMS Technical Circular No. 2 of 2024 †	**कोयला खान विनियम, 2017** (Coal Mines Regulations, 2017; सत्यापित — DGMS की हिन्दी अधिसूचनाएँ "कोयला खान विनियम, 2017 के विनियम 12(1)"; पुल्लिंग बहुवचन) — "reg. 149", "Regulation 149", "regulation 149" → विनियम 149; "reg. 149, Danger from surface water" → विनियम 149, "सतही जल से खतरा" ("Danger from surface water"); "(as seen in extracts)" → (उद्धरण-अंशों में देखे गए रूप में); "the Gazette text was not read [TBC]" → राजपत्र का पाठ पढ़ा नहीं गया [TBC] / DGMS तकनीकी परिपत्र संख्या 2, 2024 (DGMS Technical Circular No. 2 of 2024; शीर्षक *Precautions against danger of inundation in mines* अंग्रेजी में; "title only" → केवल शीर्षक) — "the danger of inundation" → जलमग्नता का खतरा (inundation; जलप्लावन नहीं)
Coal India Limited / Central Coalfields Limited (CCL) / Bharat Coking Coal Limited (BCCL) / CMPDI / ECL / Directorate General of Mines Safety (DGMS) / Ministry of Coal †	कोल इंडिया लिमिटेड (Coal India; "Coal India Limited and its Subsidiaries" → कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी अनुषंगी कंपनियाँ) / सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (CCL; "a subsidiary of Coal India" → कोल इंडिया की एक अनुषंगी कंपनी; "Central Coalfields Ltd." मामले के नाम में अंग्रेजी) / भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (BCCL) — कंपनियों के हिन्दी नाम उनके प्रचलित लिप्यंतरित रूप, सत्यापित नहीं; संक्षेप रोमन में / CMPDI, ECL (रोमन) / **खान सुरक्षा महानिदेशालय** (DGMS; पुल्लिंग; "DGMS regulates mine safety, including the danger of inundation" → DGMS खान सुरक्षा का विनियमन करता है, जलमग्नता के खतरे सहित) / कोयला मंत्रालय (Ministry of Coal; "Annual Report 2025-26" → वार्षिक रिपोर्ट 2025-26) / "coal company" → कोयला कंपनी; "Coal companies (CCL, BCCL and other lessees)" → कोयला कंपनियाँ (CCL, BCCL और अन्य पट्टाधारी)

English	हिन्दी
Mining plans and mine closure plans (Ministry of Coal guidelines, O.M. of 29 May 2020) / environmental clearance (EC) and its standard conditions / excavated void; water body (post-closure land uses) †	खनन योजना और खदान बंद करने की योजना (mining plans and mine closure plans; "Guidelines for preparation of Mining Plan and Mine Closure Plan" — शीर्षक अंग्रेजी में; "The closure guidelines" → बंद करने के दिशानिर्देश) / बंद होने के बाद के भूमि उपयोग (post-closure land uses): "Excavated Void" → "उत्खनित रिक्ति" ("Excavated Void"), "Water Body" → "जलाशय" ("Water Body"), "Water Reservoir near pit" → "गड्ढे के पास जल भंडार" ("Water Reservoir near pit"), "Settling pond" → "अवसादन तालाब" ("Settling pond"), "Garland drains" → "गारलैंड ड्रेनें" ("Garland drains"), "Embankment" → "तटबंध" ("Embankment") — कोयला मंत्रालय की श्रेणियाँ उद्धरण-चिह्नों में, अंग्रेजी कोष्ठक में / **पर्यावरण स्वीकृति** (environmental clearance, EC; "EC No. J-11015/72/2016-IA.II(M) of 13 August 2024" → 13 अगस्त 2024 की EC संख्या J-11015/72/2016-IA.II(M); "File No." → फाइल संख्या; "(a mine outside the State)" → (राज्य के बाहर की एक खदान); "conditions 3.6–3.11" → शर्तें 3.6–3.11; "standard coal-sector text" → कोयला क्षेत्र का मानक पाठ; "standard MoEFCC condition" → MoEFCC की मानक शर्त) — उद्धरण: "at least 50% safety margin over and above the peak sudden rainfall and maximum discharge" ("keeping" सहित भी) → "चरम आकस्मिक वर्षा और अधिकतम प्रवाह से ऊपर कम से कम 50% सुरक्षा मार्जिन (रखते हुए)"; "regularly desilted particularly after monsoon" → "विशेष रूप से मानसून के बाद नियमित रूप से गाद-सफाई"; "adequate retention period to allow proper settling of silt material" → "गाद के उचित अवसादन के लिए पर्याप्त प्रतिधारण अवधि"; "The major source of water pollution in coal mines is the suspended solids in the drainage system of mine water and storm water" → "कोयला खदानों में जल प्रदूषण का प्रमुख स्रोत खदान के पानी और वर्षा जल की निकासी प्रणाली में निलंबित ठोस हैं" (CAG)
Drinking Water and Sanitation Department (state_groundwater_agency) / Ground Water Directorate, Ranchi / permissions to draw groundwater (CGWB) †	**पेयजल एवं स्वच्छता विभाग** (Drinking Water and Sanitation Department; सत्यापित — रांची मास्टर प्लान की अधिसूचना "पेयजल एवं स्वच्छता विभाग"; पुल्लिंग) — इस मैनुअल में राज्य की भूजल एजेंसी ("named in this Manual as the State groundwater agency" → इस मैनुअल में राज्य की भूजल एजेंसी के रूप में नामित); "its drinking water and sanitation divisions" → पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल (CAG हिन्दी का रूप) / भूगर्भ जल निदेशालय, रांची (Ground Water Directorate at Ranchi; सामान्य रूप, सत्यापित नहीं) / "permissions to draw groundwater were being issued by the Central Ground Water Board (CGWB), not by a State body" → भूजल निकालने की अनुमतियाँ किसी राज्य निकाय द्वारा नहीं, केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (CGWB) द्वारा जारी की जा रही थीं
Wild Life (Protection) Act, 1972 / Udhwa Lake Bird Sanctuary (a wildlife sanctuary since 1991) / Dam Safety Act, 2021 †	वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (Wild Life (Protection) Act, 1972) / उधवा झील पक्षी अभयारण्य ("a wildlife sanctuary since 1991" → 1991 से वन्यजीव अभयारण्य) / बाँध सुरक्षा अधिनियम, 2021 (Dam Safety Act, 2021; 2021 का अधिनियम संख्या 41 — साझा पंक्ति; अधिनियम के नाम का बाँध, संरचना के अर्थ में डैम; जहाँ अंग्रेजी शब्द "dam" को स्वयं उद्धृत करती है (07 पंक्ति 467), वहाँ "डैम" ("dam"))
State disaster management plan / urban flood plan or SOP of JSDMA (none found) / District Disaster Management Authorities †	राज्य आपदा प्रबंधन योजना ("the State's disaster management plan" → राज्य की आपदा प्रबंधन योजना) / "urban flood plan or SOP of JSDMA" → JSDMA की शहरी बाढ़ योजना या SOP ("none was found" → कोई नहीं मिली) / जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (District Disaster Management Authority; आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अंतर्गत, इसलिए प्राधिकरण)
Jharkhand Act numbers (Jharkhand Act 07 of 2012; Jharkhand Act 04 of 2017; Act 04 of 2017; Bihar Act XV of 1956) †	**झारखंड अधिनियम संख्या 07, 2012** / झारखंड अधिनियम संख्या 04, 2017 / "Act 04 of 2017" → अधिनियम संख्या 04, 2017 / बिहार अधिनियम संख्या XV, 1956 — बिहार संस्करण का रूप ("बिहार अधिनियम संख्या 3, 2018"); अंकों के अग्रणी शून्य (07, 04) और रोमन अंक (XV) स्रोत की तरह; केंद्रीय अधिनियम साझा रूप में (2021 का अधिनियम संख्या 41)

English	हिन्दी
Quotations from the Jharkhand Building Byelaws 2016 (read in English) †	भवन उपविधि 2016 का कोई हिन्दी पाठ इस मैनुअल के लिए नहीं पढ़ा गया; हर उद्धरण इस मैनुअल का अनुवाद है, उद्धरण-चिह्नों में, अंग्रेजी मूल कोष्ठक में (उपविधि का अपना हिन्दी पाठ गढ़ने का प्रयास न करें)। बार-बार आने वाले उद्धरणों के बाध्यकारी रूप: उपविधि 48.1 "Basements/cellars shall not be permitted in low lying area and without adequate drainage facilities ... Basement shall not be allowed in flood prone areas" → "निचले क्षेत्र में और पर्याप्त जल निकासी सुविधाओं के बिना बेसमेंट/तलघर की अनुमति नहीं दी जाएगी ... बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में बेसमेंट की अनुमति नहीं दी जाएगी"; छोटे रूप "low lying area", "in low lying area", "flood prone areas", "in flood prone areas", "low lying", "flood prone" → "निचला क्षेत्र", "निचले क्षेत्र में", "बाढ़-प्रवण क्षेत्र", "बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में", "निचला", "बाढ़-प्रवण" / उपविधि 48.6.4 "Adequate arrangement shall be made, so that surface drainage does not enter the basement" → "पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी, ताकि सतही जल निकासी का पानी बेसमेंट में प्रवेश न करे" (छोटा रूप "surface drainage does not enter the basement" → "सतही जल निकासी का पानी बेसमेंट में प्रवेश न करे") / उपविधि 31 "so located with respect to the surrounding ground level that adequate drainage of the site is assured" → "आसपास के भूमि स्तर के सापेक्ष इस प्रकार स्थित हो कि साइट की पर्याप्त जल निकासी सुनिश्चित हो" (छोटा रूप "adequate drainage of the site is assured") / "be effectively drained by surface water drains or other means" → "सतही जल ड्रेनों या अन्य साधनों से प्रभावी रूप से जल निकासी हो" / उपविधि 30.1 "In areas of natural waterways or drains, as detailed in the Development Plan, and drainage plan as modified from time to time" → "प्राकृतिक जलमार्गों या ड्रेनों के क्षेत्रों में, जैसा विकास योजना और समय-समय पर यथासंशोधित जल निकासी योजना में विस्तार से दिया गया है" / "the width of a drainage reserve is based on the required drain size" → "जल निकासी आरक्षित पट्टी की चौड़ाई अपेक्षित ड्रेन के आकार पर आधारित है"; "kept free of all encumbrances" → "सभी बाधाओं से मुक्त रखी जाए" / "to insure surface water percolation into the subsoil" (स्रोत का "insure" वैसा ही अंग्रेजी में) → "सतही जल का अधोमृदा में रिसाव सुनिश्चित करने के लिए" / "development and beautification work of riverfront, ghats or any other planned development on reclaimed lands" → "पुनः प्राप्त भूमि पर नदी-तट, घाटों का विकास और सौंदर्यीकरण कार्य या कोई अन्य नियोजित विकास" / "within a river boundary, or such other higher distance ... from the outer boundary of the river of Ganges (as prescribed by the Irrigation Department)" → "नदी सीमा के भीतर, या ... गंगा नदी की बाहरी सीमा से (जैसा सिंचाई विभाग द्वारा विहित हो) ऐसी अन्य अधिक दूरी" — नदी रेखा के उद्धरण ऊपर की "Lines set by the byelaws" पंक्ति में; RWH उद्धरण नीचे की पंक्ति में
Rainwater harvesting of the byelaws (byelaw 51.1; 58.6.6; 58.6.12; 58.6.15) / recharging pits or trenches / recharge well "as per NBC norms" / soft, permeable paving / holding tax penalty †	वर्षा जल संचयन (RWH) / उपविधि 51.1: "Provision of rainwater harvesting shall be mandatory for 300 sqm. and above size of plots-The dimension of recharging pits/trenches shall be at least 6 cubic meters for every 100 Sqm. of roof area." → "300 वर्ग मी. और उससे बड़े भूखंडों के लिए वर्षा जल संचयन का प्रावधान अनिवार्य होगा — पुनर्भरण गड्ढों/खाइयों का आयाम छत क्षेत्र के प्रत्येक 100 वर्ग मी. के लिए कम से कम 6 घन मीटर होगा" (दो भागों में उद्धृत होने पर "Provision of rainwater harvesting shall be mandatory for 300 sqm. and above size of plots" → "300 वर्ग मी. और उससे बड़े भूखंडों के लिए वर्षा जल संचयन का प्रावधान अनिवार्य होगा"; "at least 6 cubic meters for every 100 Sqm. of roof area" → "छत क्षेत्र के प्रत्येक 100 वर्ग मी. के लिए कम से कम 6 घन मीटर"; "for 300 sqm. and above size of plots" → "300 वर्ग मी. और उससे बड़े भूखंडों के लिए"; उद्धरण के बाहर मात्रक m^2, m^3) / "filled with small pebbles or brick jali or river sand and covered with perforated concrete slabs" → "छोटे कंकड़ों या ईंट की जाली या नदी की रेत से भरे और छिद्रित कंक्रीट स्लैब से ढके" (brick jali → ईंट की जाली) / "a portion of topsoil shall be removed and replaced with river sand to allow slow percolation of rain water" → "वर्षा जल के धीमे रिसाव के लिए ऊपरी मिट्टी का एक भाग हटाकर नदी की रेत से बदला जाएगा" / "as per NBC norms" → "NBC के मानदंडों के अनुसार" (पुनर्भरण कुआँ, recharge well; 58.6.6) / "soft, permeable paving for at least half of the paving" → कम से कम आधे फर्श के लिए नरम, पारगम्य फर्श (58.6.15; "cut to 40% by the amendment of 2017" → 2017 के संशोधन द्वारा घटाकर 40%) / "a penalty of 1.5 times the annual holding tax" → वार्षिक होल्डिंग टैक्स का 1.5 गुना दंड (holding tax → होल्डिंग टैक्स) / "first-flush valve" → फर्स्ट-फ्लश वाल्व
Model Building Bye-Laws 2016 (MBBL)	आदर्श भवन उपविधियाँ, 2016 (MBBL)

English	हिन्दी
Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2017	आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017
Disaster Management Act, 2005 / Dam Safety Act, 2021	आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 / बाँध सुरक्षा अधिनियम, 2021 (Dam Safety Act, 2021)
Prohibition of Employment as Manual Scavengers and their Rehabilitation Act, 2013	हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013
Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974	जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974
Official Languages Act, 1963	राजभाषा अधिनियम, 1963
Deputy Commissioner / Sub-Divisional Officer / Circle Officer / Chief Secretary / Principal Secretary / Secretaries / Minister / Divisional Commissioner / Chief Minister †	**उपायुक्त** (Deputy Commissioner; झारखंड के जिले का प्रमुख — सत्यापित: UD&HD की प्रतिलिपि-सूची "उपायुक्त, राँची"; **Decision: उपायुक्त रखें** — हरियाणा का वही शब्द झारखंड में भी आधिकारिक है; बिहार का जिला पदाधिकारी (District Magistrate) नहीं, क्योंकि झारखंड की अंग्रेजी Deputy Commissioner लिखती है; जिलाधिकारी, जिला मजिस्ट्रेट, कलक्टर नहीं; "Revenue (Deputy Commissioner, Circle Officer)" → राजस्व (उपायुक्त, अंचल अधिकारी)) / **अनुमंडल पदाधिकारी** (Sub-Divisional Officer; बिहार का रूप) / **अंचल अधिकारी** (Circle Officer; बिहार का रूप; "the Circle Officers of each anchal (circle)" → प्रत्येक अंचल (anchal; circle) के अंचल अधिकारी) / मुख्य सचिव (Chief Secretary) / सरकार के प्रधान सचिव (Principal Secretary; सत्यापित — अधिसूचना के हस्ताक्षर) / सचिव (Secretaries) / "the Minister for Forest, Environment and Climate Change" → वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री / प्रमंडलीय आयुक्त (Divisional Commissioner; सत्यापित — "प्रमंडलीय आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर"; केवल यदि अंग्रेजी नाम ले) / मुख्यमंत्री (Chief Minister) / "the Government's legal advisers" → सरकार के विधि सलाहकार / नियंत्रण कक्ष (control rooms)
JSDMA alerts / SOP / city command centres †	"IMD or JSDMA red alert" → IMD या JSDMA का रेड अलर्ट / SOP (रोमन) / "the city command centres" → शहर के कमांड केंद्र / "flood-prone locations" → बाढ़-प्रवण स्थान
District Disaster Management Plan	जिला आपदा प्रबंधन योजना
Smart City companies / Ranchi Smart City / AMRUT / Jharkhand Municipal Development Project / National Hydrology Project / the dobha programme / State Action Plan on Climate Change †	स्मार्ट सिटी कंपनियाँ / रांची स्मार्ट सिटी (Ranchi Smart City) / अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (AMRUT; "AMRUT projects" → AMRUT परियोजनाएँ) / झारखंड नगरपालिका विकास परियोजना (Jharkhand Municipal Development Project; विश्व बैंक, "World Bank P158502" वैसे ही) / राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (National Hydrology Project) / डोभा कार्यक्रम (dobha programme) / जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्य योजना (State Action Plan on Climate Change, 2014; "Jharkhand Action Plan on Climate Change" — शीर्षक इटैलिक अंग्रेजी में; उद्धरण "city designs have no provisions for planned water drainages systems" → "शहरों के डिजाइनों में नियोजित जल निकासी प्रणालियों का कोई प्रावधान नहीं है")
Model Flood Plain Zoning Bill / flood plain zoning Act	आदर्श बाढ़ मैदान जोनिंग विधेयक (Model Flood Plain Zoning Bill) / बाढ़ मैदान जोनिंग अधिनियम
State Water Policy / State Action Plan on Climate Change	राज्य जल नीति / जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्य योजना
CRZ Notification 2011 / 2019	CRZ अधिसूचना, 2011 / 2019 (तटीय; झारखंड में लागू नहीं)
Building permit / layout approval / NOC	भवन अनुमति / लेआउट अनुमोदन / अनापत्ति प्रमाण-पत्र (NOC)

English	हिन्दी
Layout / sub-division / landscape plan	लेआउट (layout) / उप-विभाजन / लैंडस्केप योजना
Completion certificate / occupancy certificate	समापन प्रमाण-पत्र / अधिभोग प्रमाण-पत्र
Floor area ratio (FAR) / covered area / plinth area / basement	तल क्षेत्र अनुपात (FAR) / आच्छादित क्षेत्र / प्लिंथ क्षेत्र / तहखाना (basement) — दिल्ली, UP, बिहार और मध्य प्रदेश संस्करणों का साझा रूप; † **झारखंड संस्करण में सर्वत्र बेसमेंट**, हरियाणा की तरह (अधिकांश पुनः प्रयुक्त पंक्तियाँ हरियाणा की हैं और बेसमेंट लिखती हैं; नीचे की † पंक्ति देखें)
Localities and places of the cities named in the Manual †	रांची: कांके रोड (Kanke Road; "the Jumar at the Kanke Road bridge" → कांके रोड पुल पर जुमार), कटहल मोड़ (Kathal More), अरगोड़ा (Argora; रांची मास्टर प्लान की वर्तनी), बहुबाजार (Bahu Bazar; अधिसूचना का एक शब्द वाला रूप), अपर बाजार (Upper Bazar), करमा चौक पुल (Karma Chowk bridge; वर्तनी सत्यापित नहीं, रोमन कोष्ठक सहित), हटिया, धुर्वा, नगड़ी (Nagri), नामकुम, रातू, ओरमांझी, कांके, मांडर (Mandar), बेड़ो (Bero), सिल्ली, मूरी (Muri), रांची सदर ("Ranchi sadar", "Ranchi Sadar" → रांची सदर), "the old core of Ranchi" → रांची का पुराना केंद्र; "the low colonies of Ranchi", "the low-lying colonies of Ranchi" → रांची की निचली कॉलोनियाँ; "the south-western wards of Ranchi round Hatia, Dhurwa and Nagri" → हटिया, धुर्वा और नगड़ी के आसपास रांची के दक्षिण-पश्चिमी वार्ड / जमशेदपुर: मानगो, जुगसलाई, बागबेड़ा (Bagbera), सोनारी, शास्त्रीनगर, आदर्शनगर, दोमुहानी (Domuhani), गोलमुरी, आदित्यपुर; "Mango bridge", "Mango-bridge" → मानगो पुल; "Adityapur bridge" → आदित्यपुर पुल; "the Saraikela road bridge" → सरायकेला रोड पुल; "the bustees of Jamshedpur" → जमशेदपुर की बस्तियाँ / धनबाद: "wards 25, 26, 28 and 29" → वार्ड 25, 26, 28 और 29; "the old town of Jharia" → झरिया का पुराना शहर; "the old bazaars of Dhanbad, Hazaribagh and Deoghar" → धनबाद, हजारीबाग और देवघर के पुराने बाजार
Watertight (walls and floor of a basement)	जलरोधी (watertight)
Public work / works / detailed project report (DPR) / tender / estimate	लोक निर्माण कार्य / कार्य / विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) / निविदा / प्राक्कलन
Department (Government) / Division / Circle / Sub-division (office)	विभाग / मंडल (Division) / परिमंडल (Circle) / उपमंडल — † झारखंड के विभागों के कार्यालयों के लिए प्रमंडल (Division), अंचल (Circle), अवर प्रमंडल (Sub-division), बिहार की तरह (नीचे की † पंक्ति "Division" देखें)
Government of Jharkhand †	**झारखंड सरकार** (Government of Jharkhand; सत्यापित — विभागों की अधिसूचनाओं का शीर्ष "झारखंड सरकार, नगर विकास एवं आवास विभाग"; स्त्रीलिंग: "झारखंड सरकार ने अंगीकार नहीं किया है") — झारखंड शासन नहीं; "State of Jharkhand" (न्यायालय या अधिकरण के मामले में पक्षकार, रिपोर्ट का लेखक) → झारखंड राज्य ("State of Jharkhand, status report of 10 September 2024" → झारखंड राज्य की 10 सितंबर 2024 की स्थिति रिपोर्ट; "affidavit of the State of Jharkhand" → झारखंड राज्य का शपथ-पत्र); मामलों के नाम (*... v. State of Jharkhand*) अंग्रेजी में; "the Governments of Jharkhand and West Bengal" → झारखंड और पश्चिम बंगाल की सरकारें

English	हिन्दी
Jharkhand (as a place, in the Manual's title and in official names) / Bihar (until November 2000) / Odisha, West Bengal, Chhattisgarh (neighbours) / Nagpuri, Sadri, Khortha, Santhali, Mundari, Kurukh, Ho †	**झारखंड** — एक शब्द, अनुस्वार के साथ (सत्यापित: UD&HD की अधिसूचनाएँ "झारखंड सरकार", "झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011", "झारखंड राजपत्र"; झारखण्ड नहीं, CAG हिन्दी का झारखण्ड प्रयोग नहीं); स्थान, इस मैनुअल का शीर्षक (झारखंड वर्षा जल निकासी डिजाइन मैनुअल) और सभी आधिकारिक नामों में एक ही रूप; झा. जैसा संक्षेप नहीं; JH-Z1 ... JH-G और JUIDCO, JSPCB, JSDMA, JNAC रोमन में / **बिहार** ("Jharkhand was part of Bihar until November 2000" → झारखंड नवंबर 2000 तक बिहार का भाग था; "name its districts as districts of "Bihar"" → उसके जिलों को "बिहार" के जिलों के रूप में लिखते हैं; बिहार केवल जहाँ अंग्रेजी नाम लेती है) / पड़ोसी: ओडिशा (Odisha; "Mayurbhanj district of Odisha" → ओडिशा का मयूरभंज जिला; "Government of Odisha" → ओडिशा सरकार), पश्चिम बंगाल (DVRRC; झालदा (Jhalda); फरक्का), छत्तीसगढ़ (केवल गारे पाल्मा सेक्टर II (Gare Palma Sector II) की खदान, जिसकी EC की मानक शर्तें उद्धृत हैं), उत्तर प्रदेश और बिहार (CWC उप-क्षेत्र 1(f)) / भाषाएँ: नागपुरी (Nagpuri; "Nagpuri or Sadri" → नागपुरी या सादरी), खोरठा (Khortha), संथाली (Santhali), मुंडारी (Mundari), कुड़ुख (Kurukh), हो (Ho) — "No Nagpuri, Khortha, Santhali, Mundari or Kurukh dictionary was consulted for this Manual" → इस मैनुअल के लिए कोई नागपुरी, खोरठा, संथाली, मुंडारी या कुड़ुख शब्दकोश नहीं देखा गया; "Hindi terms used in the text" → पाठ में प्रयुक्त हिन्दी शब्द
Government of India / State Government	भारत सरकार / राज्य सरकार
Chief Secretary / Secretary (of a Department)	मुख्य सचिव / सचिव
Water Resources Department, Jharkhand (WRD) / WRD division / Irrigation Department (in the byelaws) †	**जल संसाधन विभाग** (WRD; पुल्लिंग; बिहार संस्करण का रूप) — "WRD holds the State's rivers, dams and flood works" → WRD राज्य की नदियों, डैमों और बाढ़ कार्यों का धारक है; "WRD (division)" → WRD (प्रमंडल); "Jamshedpur WRD" → जमशेदपुर का WRD; "WRD channels" → WRD के चैनल / भवन उपविधि 2016 का "Irrigation Department" → सिंचाई विभाग (उद्धरण में; WRD से अलग शब्द, जैसा अंग्रेजी रखती है)
Damodar Valley Corporation (DVC) / Damodar Valley Reservoir Regulation Committee (DVRRC) / releases †	**दामोदर घाटी निगम** (DVC; पुल्लिंग; सत्यापित — लोक सभा के हिन्दी उत्तर) — "DVC operates the dams at Tilaiya, Konar, Maithon and Panchet" → DVC तिलैया, कोनार, मैथन और पंचेत के डैम संचालित करता है / **दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति** (DVRRC; स्त्रीलिंग; सत्यापित — लोक सभा के हिन्दी उत्तर; "releases from Maithon and Panchet are advised by DVRRC, on which CWC, Jharkhand, West Bengal and DVC are represented" → मैथन और पंचेत से पानी छोड़ने की सलाह DVRRC देती है, जिसमें CWC, झारखंड, पश्चिम बंगाल और DVC का प्रतिनिधित्व है; "the Committee" → समिति; "Minutes of the meeting" → बैठक का कार्यवृत्त) / **छोड़ा गया पानी** (releases; "combined peak releases" → संयुक्त चरम निकास; "largest recorded release" → अभिलिखित सबसे बड़ा निकास; "Tenughat released 85,000 cusecs" → तेनुघाट से 85,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया; "opened 13 of its 18 gates" → अपने 18 में से 13 गेट खोले; "through nine gates" → नौ गेटों से)
Road Construction Department / Building Construction Department / Indian Railways / NHAI †	पथ निर्माण विभाग (Road Construction Department; सत्यापित — रांची मास्टर प्लान की अधिसूचना "पथ निर्माण विभाग") / भवन निर्माण विभाग (Building Construction Department) / ऊर्जा विभाग (Energy Department, यदि नाम आए; अधिसूचना में) / भारतीय रेल (Indian Railways) / NHAI ("NHAI and Ranchi Municipal Corporation" → NHAI और रांची नगर निगम) — "Railway Bridge No. 110 on the Saphi, Garwa Road–Barkakana section" → गढ़वा रोड–बरकाकाना खंड पर सफी नदी का रेलवे पुल संख्या 110 (CWC का उदाहरण; खंड यहाँ रेलवे का section नहीं — रेल मार्ग: "Garwa Road–Barkakana line" → गढ़वा रोड–बरकाकाना रेल मार्ग)
Revenue, Registration and Land Reforms Department / Revenue Department †	**राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग** (Revenue, Registration and Land Reforms Department; झारखंड का सामान्य हिन्दी नाम, किसी आधिकारिक हिन्दी पाठ में सत्यापित नहीं; बिहार का राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग + निबंधन) — "the Secretaries of UD&HD, WRD and Revenue" → UD&HD, WRD और राजस्व विभाग के सचिव; "Revenue" (अभिरक्षक सूची) → राजस्व

English	हिन्दी
Anchal (circle) / Circle Officer / revenue village / anchal office / district administration †	**अंचल** (anchal: जिले का राजस्व उप-भाग, अंचल अधिकारी के अधीन; पुल्लिंग; बिहार संस्करण का रूप) — "an anchal is a circle, the revenue subdivision of a district under a Circle Officer" → अंचल एक circle है, जिले का राजस्व उप-भाग, जो अंचल अधिकारी के अधीन है; "anchal (circle)" → अंचल (anchal; circle) / अंचल अधिकारी (Circle Officer) / अंचल कार्यालय / राजस्व ग्राम (revenue village; "114 revenue villages of RRDA" → RRDA के 114 राजस्व ग्राम; "Revenue village, anchal and district" → राजस्व ग्राम, अंचल और जिला) / जिला प्रशासन — झारखंड में तहसील, तहसीलदार और पटवारी नहीं (हरियाणा के शब्द)
Forest, Environment and Climate Change Department / State Forest Department / Department of Agriculture / Mines and Geology Department †	**वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग** (Forest, Environment and Climate Change Department; झारखंड का सामान्य हिन्दी नाम, सत्यापित नहीं; बिहार का क्रम पर्यावरण, वन ... है, झारखंड का वन, पर्यावरण ... — अंग्रेजी के क्रम में) / वन विभाग (Forest Department; "Forest Department (Udhwa Ramsar site)" → वन विभाग (उधवा रामसर स्थल)) / कृषि विभाग ("Jharkhand Department of Agriculture" → झारखंड का कृषि विभाग; मृदा सर्वेक्षण) / खान एवं भूतत्व विभाग (Mines and Geology Department; केवल यदि अंग्रेजी नाम ले — इस अंग्रेजी में नहीं मिला)
Block (administrative and CGWB) / assessment unit / Jamshedpur Urban, Golmuri-cum-Jugsalai, Dhanbad Urban †	**प्रखंड** (block; पुल्लिंग; बिहार संस्करण का रूप) — "Ormanjhi, Ranchi sadar and Silli blocks" → ओरमांझी, रांची सदर और सिल्ली प्रखंड; "parts of Mandar block" → मांडर प्रखंड के भाग; "the Sahebganj, Rajmahal and Udhwa blocks on the Ganga" → गंगा पर साहिबगंज, राजमहल और उधवा प्रखंड; ब्लॉक केवल समय-खंड या विधि के नाम में (ऑल्टरनेटिंग ब्लॉक विधि, 1-घंटे का ब्लॉक) / आकलन इकाई (assessment unit; CGWB) — इकाइयों के नाम: जमशेदपुर शहरी (Jamshedpur Urban), गोलमुरी-सह-जुगसलाई (Golmuri-cum-Jugsalai), बलियापुर, बेरमो, धनबाद शहरी (Dhanbad Urban), तोपचांची — "one unit in Ramgarh district" → रामगढ़ जिले की एक इकाई; विकासखंड नहीं, विकास खंड नहीं
Jharkhand State Pollution Control Board (JSPCB) / the Central and State Pollution Control Boards †	**झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद** (JSPCB; स्त्रीलिंग, परिषद की तरह; बिहार संस्करण का BSPCB रूप; राज्य में "...पर्षद" और "...बोर्ड" दोनों छपते हैं — इस मैनुअल में पर्षद; सत्यापित नहीं) — CPCB सदा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड; "JSPCB counter-affidavit" → JSPCB का प्रति-शपथपत्र
Jharkhand State Disaster Management Authority (JSDMA) / District Disaster Management Authority / Disaster Management Department †	**झारखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण** (JSDMA; पुल्लिंग; आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अंतर्गत बना, इसलिए प्राधिकरण — बिहार संस्करण के BSDMA की तरह; राज्य की कुछ विज्ञप्तियाँ "प्राधिकार" छापती हैं: प्रयोग नहीं) / जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण / आपदा प्रबंधन विभाग
Jharkhand State Wetlands Authority (the State Wetland Authority; the Authority) / notifications No. 1079 of 10 March 2017 and No. 2138 of 22 May 2018 †	**झारखंड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण** (Jharkhand State Wetlands Authority; पुल्लिंग; आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के अंतर्गत बना, इसलिए प्राधिकरण — बिहार और हरियाणा संस्करणों की तरह; आधिकारिक हिन्दी नाम नहीं मिला) — "constituted in 2017 and reconstituted in 2018" → 2017 में गठित और 2018 में पुनर्गठित; "has not notified any wetland under those Rules" → उन नियमों के अंतर्गत कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं की है; "the Authority" (इस अर्थ में) → आर्द्रभूमि प्राधिकरण (अनुमोदन प्राधिकारी से अलग); "notification No. 1079 of 10 March 2017" → 10 मार्च 2017 की अधिसूचना संख्या 1079; "File No. 6/Vanprani (wetland)-08/2016-2138 of 22 May 2018" → 22 मई 2018 की फाइल संख्या 6/Vanprani (wetland)-08/2016-2138 (रोमन वैसे ही); "a draft notification of 44 wetlands" → 44 आर्द्रभूमियों की एक प्रारूप अधिसूचना
Birsa Agricultural University (BAU), Kanke / BIT Mesra / NIT Jamshedpur / IIT Bombay (IIT Mumbai) / Jharkhand Space Application Centre / CMPDI / NRSC / NIH / Jharkhand State Legal Services Authority †	बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके (BAU; "BAU Kanke" → BAU कांके; "the automatic weather station at BAU Kanke" → BAU कांके का स्वचालित मौसम केंद्र) / BIT मेसरा / NIT जमशेदपुर / IIT बॉम्बे ("IIT Mumbai" जहाँ अंग्रेजी लिखती है → IIT मुंबई; एक ही संस्थान) / झारखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (Jharkhand Space Application Centre, JSAC; सामान्य रूप) / CMPDI (रोमन) / NRSC (रोमन) / NIH रुड़की / झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (Jharkhand State Legal Services Authority; राज्य के अधिनियम-आधारित निकायों की तरह प्राधिकार; "a committee led by" → ... के नेतृत्व वाली एक समिति)

English	हिन्दी
Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA) / Ministry of Urban Development (MoUD, former)	आवास और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) / शहरी विकास मंत्रालय (MoUD, पूर्ववर्ती)
Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC)	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC)
Central Water Commission (CWC)	केंद्रीय जल आयोग (CWC)
Central Ground Water Board (CGWB) / Central Ground Water Authority (CGWA)	केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (CGWB) / केंद्रीय भूमि जल प्राधिकरण (CGWA)
India Meteorological Department (IMD) / Meteorological Centre Ranchi / Climate of Jharkhand (IMD, 2011) / RSMC New Delhi / Jharkhand sub-division †	भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) / **मौसम विज्ञान केंद्र, रांची** ("IMD's Ranchi centre", "IMD Ranchi", "IMD (Meteorological Centre Ranchi)" → IMD का रांची केंद्र / IMD रांची / IMD (मौसम विज्ञान केंद्र, रांची); संदर्भों में Meteorological Centre Ranchi) / *Climate of Jharkhand* (शीर्षक अंग्रेजी में, इटैलिक; "Climatological Summaries of States Series No. 17" वैसे ही) / क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली (RSMC New Delhi; "for tropical cyclones" → उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के लिए) / झारखंड उप-मंडल (IMD का मौसम विज्ञान उप-मंडल — साझा "उप-मंडल", प्रमंडल नहीं) / *Monsoon Report, Jharkhand*, *Jharkhand Weather Summary* (शीर्षक अंग्रेजी में)
National Institute of Hydrology (NIH), Roorkee	राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (NIH), रुड़की
National Disaster Management Authority (NDMA)	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)
National Green Tribunal (NGT)	राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT)
Comptroller and Auditor General of India (CAG)	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (CAG)
Central Public Health and Environmental Engineering Organisation (CPHEEO)	केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी संगठन (CPHEEO)
Indian Roads Congress (IRC)	इंडियन रोड्स कांग्रेस (IRC)
Survey of India (SoI) / National Hydrographic Office (NHO) / ISRO	भारतीय सर्वेक्षण विभाग (SoI) / राष्ट्रीय जल सर्वेक्षण कार्यालय (NHO) / ISRO
No coast / landlocked †	"Jharkhand has no coast and no tidal reach" → झारखंड का कोई तट और कोई ज्वारीय नदी-भाग नहीं है; **No tidal outfalls in Jharkhand.** → **झारखंड में कोई ज्वारीय आउटफॉल नहीं.**; भू-आबद्ध (landlocked)
NHAI / IIT Roorkee / ICAR / NBSS&LUP	NHAI / IIT रुड़की / ICAR / NBSS&LUP
ADB / CSE / AMRUT / URDPFI / APWA / PUB / MSMA / CIRIA	संक्षिप्त रूप वैसे ही; CSE = विज्ञान और पर्यावरण केंद्र (Centre for Science and Environment); AMRUT = अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन
Supreme Court / High Court / Tribunal	उच्चतम न्यायालय / उच्च न्यायालय / अधिकरण (झारखंड उच्च न्यायालय और NGT की पूर्वी क्षेत्र पीठ: † पंक्ति देखें)
Bench (of a court)	पीठ

English	हिन्दी
Judgment / order / direction / PIL / writ petition (W.P.(C)) / original application (O.A.) / execution application (E.A.) / contempt / affidavit / compliance report / status report	निर्णय / आदेश / निर्देश / जनहित याचिका / रिट याचिका (W.P.(C)) / मूल आवेदन (O.A.) / निष्पादन आवेदन (E.A.) / अवमानना / शपथ-पत्र / अनुपालन रिपोर्ट / स्थिति रिपोर्ट
Police complaint	पुलिस शिकायत
Performance audit / audit / CAG report	निष्पादन लेखापरीक्षा / लेखापरीक्षा / CAG की रिपोर्ट
Custodian (of a waterbody)	अभिरक्षक (custodian)
Revenue records / survey number / village / tehsil / district	राजस्व अभिलेख / सर्वे संख्या (survey number) / गाँव (राजस्व ग्राम) / तहसील (tehsil; † झारखंड में तहसील नहीं — राजस्व उप-भाग अंचल है, नीचे की पंक्ति देखें) / जिला
Gram Panchayat / tank registers / village tanks †	ग्राम पंचायत / तालाब रजिस्टर (tank registers; "WRD and Gram Panchayat tank registers" → WRD और ग्राम पंचायत के तालाब रजिस्टर) / गाँव के तालाब (village tanks)
Colony / old town / bustee / low-lying colonies / colonies across the lines of drainage †	कॉलोनी / पुराना शहर (old town) / बस्ती (bustee; "the bustees of Jamshedpur" → जमशेदपुर की बस्तियाँ) / निचली कॉलोनियाँ (low-lying colonies) — "cities whose new colonies, basements and roads lie across the natural lines of drainage" → ऐसे शहर जिनकी नई कॉलोनियाँ, बेसमेंट और सड़कें जल निकासी की प्राकृतिक रेखाओं के आर-पार हैं
Acre / hectare (ha)	एकड़ / हेक्टेयर (ha)
Map / plan (drawing) / plan (scheme)	मानचित्र / नक्शा (drawing) / योजना (scheme) — पूरा नियम नीचे "Plan" की पंक्तियों में
Waterbody	जलाशय (waterbody) — चालू पाठ में waterbody के लिए सदा जलाशय; † रांची मास्टर प्लान 2037 की भूमि-उपयोग तालिका का "जल निकाय (नदी, नाले, झील)" और धनबाद मास्टर प्लान का "जल क्षेत्र खुली जगह (Water Body)" केवल उनके उद्धरण में; कोयला मंत्रालय के बंद-खदान दिशानिर्देशों की श्रेणी "Water Body" → "जलाशय" ("Water Body")
Marsh / swamp / wetland / mudflat	दलदल (marsh) / दलदली भूमि (swamp) / आर्द्रभूमि (wetland) / कीचड़ वाला मैदान (mudflat)
Floodplain wetland / depression (land)	डूब क्षेत्र की आर्द्रभूमि / निचला गड्ढा (depression)
Ramsar site of Jharkhand: Udhwa Lake Bird Sanctuary (site 2559; 935.5 ha) †	उधवा झील पक्षी अभयारण्य (Udhwa Lake Bird Sanctuary; रामसर स्थल संख्या 2559; 935.5 ha; साहिबगंज जिला) — "the State's only Ramsar site" → राज्य का एकमात्र रामसर स्थल; "with a designation date of 8 January 2024 on its Ramsar information sheet (it was announced in February 2025)" → उसके रामसर सूचना पत्रक पर नामांकन की तिथि 8 जनवरी 2024 (इसकी घोषणा फरवरी 2025 में हुई); "a Ganga floodplain wetland" → गंगा के डूब क्षेत्र की आर्द्रभूमि; उद्धरण "The largest natural Gangetic floodplain wetland of Jharkhand" → "झारखंड की सबसे बड़ी प्राकृतिक गंगा-डूब क्षेत्र आर्द्रभूमि"; "connects the wetland to the Ganges near the Farakka Barrage" → "आर्द्रभूमि को फरक्का बैराज के पास गंगा से जोड़ता है"; "the Udhwa wetland" → उधवा आर्द्रभूमि; "the Udhwa nala" → उधवा नाला
Khatiyan / revenue records / survey numbers †	खतियान (khatiyan; झारखंड के भू-अभिलेख) / राजस्व अभिलेख / सर्वे संख्याएँ — "Name as in Revenue and WRD records, with local name" → राजस्व और WRD के अभिलेखों के अनुसार नाम, स्थानीय नाम सहित; झारखंड की अंग्रेजी में खसरा, शामलात, गैर मुमकिन नहीं

English	हिन्दी
Nala / nali (Jharkhand terms in running text) †	नाला (nala; पुल्लिंग; "Argora nala" → अरगोड़ा नाला; "Udhwa nala" → उधवा नाला; "the Jumar nala" → जुमार नाला) / नाली (nali; स्त्रीलिंग; केवल जहाँ अंग्रेजी nali लिखती है) — "nala reserves" → नाला आरक्षित पट्टियाँ; "nala buffers" → नाला बफर; "natural nalas" → प्राकृतिक नाले
Soils and rocks of Jharkhand: granite-gneiss / laterite / laterite crust (murram) / laterite cappings / red and red-and-yellow loams / Gondwana coal measures / Dalma volcanics / Rajmahal traps / Ganga alluvium / weathered zone / hardpan †	ग्रेनाइट-नीस (granite-gneiss; बिहार संस्करण का रूप) / **लैटेराइट** (laterite; पुल्लिंग) / लैटेराइट परत (laterite crust; "laterite crust (murram)" → लैटेराइट परत (मुरम; murram)) / कठोर लैटेराइट (hard laterite) / लैटेराइट आवरण (laterite cappings; "Granite-gneiss with laterite and bauxite cappings" → लैटेराइट और बॉक्साइट आवरण सहित ग्रेनाइट-नीस) / लैटेराइट पैन (laterite pan) / लाल दोमट (red loams) / लाल-पीली दोमट (red-and-yellow loams) / लाल बजरीदार और रेतीली मिट्टी (red gravelly and sandy soils) / लाल और पीली मिट्टी (red and yellow soils) / बलुई दोमट (sandy loam) / बलुई मृण्मय दोमट (sandy clay loam) / मृण्मय दोमट (clay loam) / गोंडवाना बलुआ पत्थर, शेल और कोयला (Gondwana sandstone, shale and coal) / गोंडवाना कोयला संस्तर (Gondwana coal measures) / गोंडवाना और विंध्य अवसाद (Gondwana and Vindhyan sediments) / छोटानागपुर ग्रेनाइट नीस संकुल (Chotanagpur Granite Gneissic Complex) / दलमा ज्वालामुखीय चट्टानें (Dalma volcanics) / सिंहभूम ग्रेनाइट और शिस्ट / राजमहल ट्रैप (Rajmahal traps; "basalt, vesicular in their upper part" → बेसाल्ट, ऊपरी भाग में सछिद्र) / अभ्रक पट्टी (mica belt) / प्रीकैम्ब्रियन आग्नेय और कायांतरित चट्टानें (Precambrian igneous and metamorphic rocks) / तृतीयक अवसाद (Tertiary sediments) / गंगा का जलोढ़ (Ganga alluvium) / गंगा के डूब क्षेत्र के मृण्मय पश्च-दलदल (clayey back-swamps) / **अपक्षयित क्षेत्र** (weathered zone; "weathered zone 10–25 m, 30–60 m under laterite" → अपक्षयित क्षेत्र 10–25 m, लैटेराइट के नीचे 30–60 m; "two to five sets of fractures within 150 m" → 150 m के भीतर दरारों के दो से पाँच समूह) / कठोर परत (hardpan) / कठोर चट्टान (hard rock; "About 85% of the State lies on hard rock" → राज्य का लगभग 85% भाग कठोर चट्टान पर है) / भराव भूमि (made ground and fill) / खुली चट्टान (rock outcrop) — मृदा श्रृंखलाओं के नाम रोमन में: Kokdro, Nagri, Barhu, Bukru श्रृंखला ("upland Kokdro and Nagri series (sandy clay loam)" → ऊपरी भूमि की Kokdro और Nagri श्रृंखला (बलुई मृण्मय दोमट)); "expansive black cotton soils" → फैलने वाली काली कपास मिट्टी (केवल जहाँ अंग्रेजी लिखती है); उद्धरण "Light textured, Slightly Acidic" → "हल्की बनावट, थोड़ी अम्लीय"; "also occur[s] as cappings in some parts of the state" → "राज्य के कुछ भागों में आवरण के रूप में भी पाई जाती है"
Plateau / hills / diara / Ganga flats / Ganga front †	पठार (plateau; "the Ranchi–Hazaribagh plateau" → रांची–हजारीबाग पठार; "the Netarhat–Lohardaga plateau" → नेतरहाट–लोहरदगा पठार) / पहाड़ियाँ ("the Rajmahal hills" → राजमहल की पहाड़ियाँ; "the Dalma range", "the Dalma flank" → दलमा श्रेणी, दलमा का ढलान; पारसनाथ (Parasnath; "about 1,350–1,365 m high (sources differ)" → लगभग 1,350–1,365 m ऊँचा (स्रोत भिन्न हैं))) / **दियारा** (diara; बिहार संस्करण का रूप; "the diara of the Ganga", "the Ganga diara" → गंगा का दियारा) / गंगा के समतल (Ganga flats) / **गंगा तटवर्ती क्षेत्र** (Ganga front; "Ganga-front basins" → गंगा तटवर्ती बेसिन; "Sahebganj on the Ganga front" → गंगा तटवर्ती क्षेत्र पर साहिबगंज) / "the Gangetic plain", "the Ganga plain" → गंगा का मैदान

English	हिन्दी
Mine void / pit lake / abandoned pits / opencast / working mine / lessee / mining lease (definitions after Clause 7.2) †	**खदान का गड्ढा** (mine void: खुली खदान के खनन से छूटा गड्ढा; पुल्लिंग; बहुवचन खदान के गड्ढे — **Decision**: सरल, स्पष्ट हिन्दी; "रिक्ति" केवल कोयला मंत्रालय की श्रेणी "Excavated Void" → "उत्खनित रिक्ति" के उद्धरण में, ताकि दोनों अलग रहें) — "a mine void or pit lake" → खदान का गड्ढा या खदान झील; "a flooded mine void" → पानी से भरा खदान का गड्ढा; "retained void" → रखा गया खदान का गड्ढा; "the voids and pit lakes of the coalfields" → कोयला क्षेत्रों के खदान के गड्ढे और खदान झीलें; "Voids also store water" → खदान के गड्ढे पानी का भंडारण भी करते हैं / **खदान झील** (pit lake: पानी से भर चुका खदान का गड्ढा; स्त्रीलिंग; "mine pit lakes" → खदान झीलें; "a fenced pit lake" → बाड़ से घिरी खदान झील) / परित्यक्त गड्ढे (abandoned pits; "abandoned opencast pits" → खुली खदानों के परित्यक्त गड्ढे; "used by villagers as reservoirs and for fish" → ग्रामीणों द्वारा जलाशय के रूप में और मछली के लिए प्रयुक्त) / खुली खदान (opencast; "opencast mining" → खुली खदान से खनन; "opencast excavation" → खुली खदान का उत्खनन) / परित्यक्त खदान या बोरो पिट (abandoned quarry or borrow pit) / चालू खदान (working mine, active mine; "active working" → चालू खनन कार्य; "old workings" → पुराने खनन कार्य; "mine openings" → खदान के मुहाने) / **पट्टाधारी** (lessee; "the mine's lessee", "mine lessee" → खदान का पट्टाधारी; "coal lessees" → कोयला पट्टाधारी; "mining lease" → खनन पट्टा; "lease maps of BCCL and CCL" → BCCL और CCL के पट्टा नक्शे; "the lessee's mine survey" → पट्टाधारी का खदान सर्वेक्षण) / बेंच और हाईवॉल (benches and highwalls; "highwall stability" → हाईवॉल की स्थिरता; "unstable high wall" → अस्थिर हाईवॉल) / हॉल रोड (haul road; "compacted mine benches and haul roads" → संघनित खदान बेंच और हॉल रोड) / "the lowest point at which surface water could enter a mine" → वह सबसे निचला बिंदु जिस पर सतही जल किसी खदान में प्रवेश कर सकता है
Overburden (OB) / overburden dump / mine-disturbed ground / subsidence / fire area / garland drain / dewatering / washery (definitions after Clause 7.2) †	**ओवरबर्डन** (overburden, OB: कोयले तक पहुँचने के लिए हटाई गई चट्टान और मिट्टी; पुल्लिंग; "OB is overburden in the coalfields" → OB कोयला क्षेत्रों में ओवरबर्डन है) / **ओवरबर्डन डंप** (overburden dump, OB dump: "the terraced heap of rock and soil removed to reach the coal" → कोयले तक पहुँचने के लिए हटाई गई चट्टान और मिट्टी का सीढ़ीदार ढेर; "the toes of overburden dumps", "dump toes" → ओवरबर्डन डंपों के आधार (toe), डंप के आधार) / **खनन से विक्षुब्ध भूमि** (mine-disturbed ground; "ground disturbed by mining" → खनन से विक्षुब्ध भूमि; "backfilled or reclaimed mine land" → पुनर्भरित या सुधारी गई खनन भूमि; "mine spoil" → खनन मलबा (spoil)) / **भू-धंसान** (subsidence; झारखंड के समाचार माध्यमों और प्रशासन का प्रचलित शब्द; पुल्लिंग; "subsiding ground", "subsidence ground", "subsided ground" → धंसती भूमि, भू-धंसान भूमि, धंसी हुई भूमि; "subsidence hollow", "mine-subsidence hollow" → भू-धंसान गर्त; "the Dhanbad–Jharia subsidence belt" → धनबाद–झरिया भू-धंसान पट्टी; "ground that subsides and burns" → धंसती और जलती भूमि) / **अग्नि क्षेत्र** (fire area, fire zone; "the fire areas of the Jharia coalfield" → झरिया कोयला क्षेत्र के अग्नि क्षेत्र; "coal-fire ground" → कोयला-अग्नि भूमि; "mine fires" → खदानों की आग; "the Jharia fires" → झरिया की आग) / **गारलैंड ड्रेन** (garland drain; स्त्रीलिंग; "stable toe (garland) drains" → स्थिर टो (गारलैंड) ड्रेनें; "toe drain" → टो ड्रेन) / अवसादन तालाब (settling pond), अवसादन संप (settling sump), **तलछट बेसिन** (sediment basin; डंप और खदान स्थलों के नीचे भी वही साझा शब्द जो परिशिष्ट 8E में है — अवसादन बेसिन, अवसाद बेसिन नहीं) / **जल-निष्कासन** (dewatering; साझा पंक्ति "Dewatering" का रूप; "mine dewatering" → खदान का जल-निष्कासन; "dewatering zone of a working mine" → चालू खदान का जल-निष्कासन क्षेत्र; निर्जलीकरण नहीं; "pumped mine water" → पंप से निकाला गया खदान का पानी) — **जल-निकासी नहीं**: जल निकासी इस मैनुअल में drainage है / वाशरी (washery; "a washery's rejects" → वाशरी का अपशिष्ट (rejects)) / अम्लीय निकासी ("Acid drainage" → अम्लीय जल निकासी) / कोयला संस्तर (coal measures) / कोयला-धारी क्षेत्र (coal-bearing area)
Eco-cultural asset / protected monument	पर्यावरण-सांस्कृतिक धरोहर (eco-cultural asset) / संरक्षित स्मारक
Water-sensitive urban design (WSUD)	जल-संवेदी शहरी डिजाइन (WSUD)
Zero discharge / zero run-off	शून्य निस्सरण (zero discharge) / शून्य अपवाह (zero run-off)

English	हिन्दी
Aquaculture pond / fishery	मत्स्य पालन तालाब / मत्स्य क्षेत्र
River / stream / streamlet	नदी / धारा (stream) / छोटी धारा
Water course	जलमार्ग (water course)
Abandoned quarry / mine pit / borrow pit	परित्यक्त खदान (abandoned quarry) / खदान का गड्ढा / मिट्टी निकालने का गड्ढा (borrow pit)
Reservoir margin	जलाशय का किनारा
Filled-up tank	भरा जा चुका तालाब (filled-up tank)
Backwater (river, below a barrage)	पश्चजल (backwater)
Open well / tube well / borewell	खुला कुआँ / नलकूप (tube well) / बोरवेल
Natural levee	प्राकृतिक तटबंध (natural levee)
High flood level (HFL) / high flood level (without the abbreviation) / mean high flood level / "normal high flood level"	उच्चतम बाढ़ स्तर (HFL) — "high flood level" का अर्थ HFL ही है, इसलिए वह भी सदा उच्चतम बाढ़ स्तर ("उच्च बाढ़ स्तर" नहीं) / औसत उच्च बाढ़ स्तर (mean high flood level, आर्द्रभूमि नियम) / "सामान्य उच्च बाढ़ स्तर" ("normal high flood level", केवल उद्धरण में)
Danger level / warning level / evacuation level	खतरे का स्तर (danger level) / चेतावनी स्तर (warning level) / निष्क्रमण स्तर (evacuation level; "जल निकासी" से अलग)
River gauges, flood forecasting and monitoring sites named in the Manual (CWC) / district danger marks †	स्वर्णरेखा: जमशेदपुर, मूरी (Muri), घाटशिला (Ghatsila; "removed from the list in 2022" → 2022 में सूची से हटाया गया); खरकई: आदित्यपुर (Adityapur), सरायकेला रोड पुल; गंगा: साहिबगंज (CWC गेज का नाम Sahibganj — तालिकाओं में रोमन), राजमहल; उत्तरी कोयल: डालटनगंज (Daltonganj; "Daltonganj (Medininagar)" → डालटनगंज (मेदिनीनगर)), मोहम्मदगंज (Mohammadganj; "Mohammad Ganj" भी); सोन: जपला (Japla); दामोदर: हेंदेगीर (Hendegir), रामगढ़, पुपुनकी (Pupunki); बराकर: बरकीसुरैया (Barkisuriya; वर्तनी सत्यापित नहीं), नंदाडीह (Nandadih); मयूराक्षी: महारो (Maharo); अजय: सिकटिया बैराज; गुमानी: बरहेट (Berhait); 2022 में जोड़े गए स्थल: "the Jumar at the Kanke Road bridge, the Gara at the Dhurwa dam and the Kanchi at Paradih" → कांके रोड पुल पर जुमार, धुर्वा डैम पर गारा और परडीह (Paradih) पर कांची; ओडिशा में जराईकेला (Jaraikela) — CWC तालिकाओं, उद्धरणों और "Records:" सूचियों में रोमन, चालू पाठ में देवनागरी / जिला प्रशासन के **खतरे के निशान** (danger marks): "**121.50 m at Mango bridge**" → **मानगो पुल पर 121.50 m**; "**129 m at Adityapur bridge**" → **आदित्यपुर पुल पर 129 m**; "the district marks", "district mark" → जिले के निशान, जिले का निशान; "alert levels only" → केवल सतर्कता स्तर; "East Singhbhum district administration" → पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन — CWC के **खतरे का स्तर** (danger level) और **चेतावनी स्तर** (warning level) से सदा अलग ("danger mark" ≠ "danger level"); "highest recorded level" → दर्ज उच्चतम स्तर; "highest flood level (HFL)" → उच्चतम बाढ़ स्तर (HFL); "high flood level" (स्रोत का शब्द) → उच्चतम बाढ़ स्तर; "The two have not been reconciled" → दोनों का मिलान नहीं किया गया है
Displaced (people) / evacuation	विस्थापित / निष्क्रमण

English	हिन्दी
Rivers named in the Manual †	**स्वर्णरेखा** (Subarnarekha; झारखंड का हिन्दी नाम; अंग्रेजी के Subernarekha, Swarnrekha, Subarnrekha रूप — Names अनुच्छेद और शीर्षकों में रोमन वैसे ही), खरकई (Kharkai), दामोदर, बराकर (Barakar), उत्तरी कोयल (North Koel), दक्षिणी कोयल (South Koel), शंख (Sankh), ब्राह्मणी (Brahmani; "the headwaters of the Brahmani" → ब्राह्मणी का उद्गम क्षेत्र), सोन (Sone), पुनपुन, फल्गु (Phalgu), अजय, मयूराक्षी, गंगा, कोनार, लीलाजन (Lilajan), मोहाना (Mohana; वर्तनी सत्यापित नहीं), गुमानी (Gumani), गरगा (Garga; बोकारो), सफी (Saphi), किऊल (Kiul; बिहार संस्करण का रूप), सिमरावल नदी (Simrawal Nadi; राज्य के बाहर, CWC का उदाहरण); रांची की नदियाँ: **हरमू नदी** (Harmu river; *Harmu nadi* → *हरमू नदी* (*Harmu nadi*); "17.8 km long" → 17.8 km लंबी), जुमार (Jumar), पोटपोटो (Potpoto; वर्तनी सत्यापित नहीं), हिनू (Hinoo), गारा (Gara; धुर्वा डैम पर), कांची (Kanchi), भुसुर (Bhusur; वर्तनी सत्यापित नहीं); जमशेदपुर और धनबाद की कतरी (Katri), जमुनिया (Jamunia), खुदिया (Khudia; "the Khudia river" → खुदिया नदी), झिलिया (Jhilia) — नदियाँ स्त्रीलिंग ("खरकई ने खतरे का निशान पार किया", "स्वर्णरेखा चढ़ी"); "the Sanjai river basin" → संजय (Sanjai) नदी बेसिन (वर्तनी सत्यापित नहीं)
Nalas and drains named in the Manual †	अरगोड़ा नाला (Argora nala; रांची), जुमार नाला (Jumar nala), उधवा नाला (Udhwa nala), हरमू चैनल ("the Harmu channel of JUIDCO" → JUIDCO का हरमू चैनल) — "trunk drain" → ट्रंक ड्रेन; "diversion channels of a mine" → खदान के मोड़ चैनल; "mine drains" → खदान की ड्रेनें; "Dhanbad storm drains" → धनबाद की वर्षा जल ड्रेनें; अंग्रेजी में nala है तो नाला, drain है तो ड्रेन
Wetlands named in the Manual / no notified wetland †	उधवा झील पक्षी अभयारण्य (ऊपर देखें); बरहेल और पतौड़ा झीलें; "**No Jharkhand wetland had been notified under the 2017 Rules**" → **2017 के नियमों के अंतर्गत झारखंड की कोई आर्द्रभूमि अधिसूचित नहीं हुई थी**; "Rajya Sabha reply of 13 February 2025 on notified wetlands" → अधिसूचित आर्द्रभूमियों पर 13 फरवरी 2025 का राज्य सभा का उत्तर
Talabs, lakes and city reservoirs named in the Manual †	बड़ा तालाब (रांची; ऊपर देखें), कांके, धुर्वा और गेतलसूद जलाशय (रांची के शहरी जलाशय), डिमना झील (जमशेदपुर), पंपू तालाब (Pampu pond; रांची; वर्तनी सत्यापित नहीं), लोको तालाब (Loco talab; धनबाद), "the ponds of Dhanbad" → धनबाद के तालाब; "Dhanbad's drainage project ... keeps ten large ponds as storage" → धनबाद की जल निकासी परियोजना ... दस बड़े तालाबों को भंडारण के रूप में रखती है; "Ranchi once had 71 ponds and that only four or five could now be seen" → रांची में कभी 71 तालाब थे और अब केवल चार-पाँच दिखते हैं; उद्धरण "71 ponds" → "71 तालाब", "only four or five ponds are visible" → "केवल चार या पाँच तालाब दिखाई देते हैं"
Regions of the State †	**छोटानागपुर पठार** (Chota Nagpur plateau; अंग्रेजी दो शब्द लिखती है, हिन्दी एक — "Chotanagpur" भी वही) / **संथाल परगना** (Santhal Parganas; "Santhal Pargana" भी वही) / **कोल्हान** (Kolhan; सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां का क्षेत्र) / पलामू (Palamu; उत्तरी कोयल पर उत्तर-पश्चिम का क्षेत्र) / दामोदर के कोयला क्षेत्र (Damodar coalfields: झरिया, बोकारो, रामगढ़ और **कर्णपुरा** (Karanpura; कोयला क्षेत्र का प्रचलित हिन्दी रूप, जैसे उत्तरी कर्णपुरा; प्रत्येक फाइल में पहली बार (Karanpura) सहित; करनपुरा नहीं)) / दामोदर घाटी (Damodar valley) / स्वर्णरेखा घाटी और निचला क्षेत्र / गंगा तटवर्ती क्षेत्र (Ganga front) / "east India" → पूर्वी भारत — "The names describe regions, not administrative units, except where a district bears the same name" → ये नाम क्षेत्रों के हैं, प्रशासनिक इकाइयों के नहीं, सिवाय जहाँ किसी जिले का वही नाम हो

English	हिन्दी
Cities, towns and districts named in the Manual †	रांची (Ranchi; **Decision: रांची** — UD&HD की 2015 की अधिसूचना राँची छापती है, पर राज्य, नगर निगम और समाचार माध्यमों में प्रचलित रूप रांची है; ऐसे ही कांके, चांडिल), जमशेदपुर, धनबाद, झरिया, बोकारो, बोकारो स्टील सिटी, चास, देवघर, हजारीबाग, गिरिडीह, दुमका, साहिबगंज (Sahebganj; CWC गेज का Sahibganj भी वही), डालटनगंज (Daltonganj; IMD वेधशाला और पुराने स्रोतों का नाम), मेदिनीनगर (Medininagar), चाईबासा (अधिसूचना की वर्तनी), आदित्यपुर, मानगो, जुगसलाई, बागबेड़ा, गोलमुरी, सोनारी, कतरास, सिंदरी, बेरमो, फुसरो, रामगढ़, पतरातू, बरकाकाना, मूरी, सिल्ली, खूंटी, तोरपा, बानो, कोलेबिरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, ठेठईटांगर (Thethaitangar), नेतरहाट, लातेहार, बरवाडीह, गढ़वा, भवनाथपुर, जपला, हुसैनाबाद, चतरा, हंटरगंज, मनातू, चंदवा, कोडरमा (Koderma; "Kodarma" — जिले के सामान्य मानों में — भी वही), झुमरी तिलैया, बरही, डुमरी, पालगंज, मधुपुर, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़, राजमहल, उधवा, बोरियो, सरायकेला, खरसावां, गम्हरिया, चांडिल, घाटशिला, बहरागोड़ा, मुसाबनी, चक्रधरपुर, नोवामुंडी, गालूडीह, तोपचांची, बलियापुर, नावाडीह, पेटरवार; जिले: पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिंहभूम (पुराना जिला), पलामू (Palamu; "Palamau" → पलामू (Palamau)), हजारीबाग (पुराना जिला) — "the north of Khunti district" → खूंटी जिले का उत्तरी भाग; "the east of Chatra district on the Barakar side" → बराकर की ओर चतरा जिले का पूर्वी भाग; "the west of Palamu" → पलामू का पश्चिमी भाग; राज्य के बाहर: लखनऊ, इटारसी, इलाहाबाद, झालदा (पश्चिम बंगाल), मयूरभंज (ओडिशा) — छोटे या वर्तनी-असत्यापित स्थानों (Kumardungi, Manjhari, Pachamba, Pakartand, Gopikandar, Pratappur, Peterbar, Sarawan, Katikund, Kairo, Borio, Boarijor, Nawadih, Sondur) के लिए चालू पाठ में देवनागरी (कुमारडुंगी, मंझारी, पचंबा, पाकरटांड़, गोपीकांदर, प्रतापपुर, पेटरवार, सारवां, काठीकुंड, कैरो, बोरियो, बोआरीजोर, नावाडीह, सोंदुर) और प्रत्येक अनुभाग में पहली बार रोमन कोष्ठक में; तालिकाओं और "Records:" सूचियों में रोमन
IMD observatories and stations in Jharkhand †	Ranchi (A) (42701; चालू पाठ में रांची (A) — हवाई अड्डा), Jamshedpur (A) (42798; चालू पाठ में जमशेदपुर (A)), Jamshedpur (42799), Dhanbad (42703), Hazaribagh (42699), Daltonganj (42587), Dumka (42599), Chaibasa (42795), Bokaro (32599), Tilaiya (32355), Ramgarh (32636), Maithon (32609), Panchet Hills (32648) — तालिकाओं, IMD केंद्र-संख्या वाली सूचियों और "Records:" सूचियों में रोमन, जिले देवनागरी में ("Taljhari (Sahebganj) 601.4 mm (25 Sep 1999)" → Taljhari (साहिबगंज) 601.4 mm (25 Sep 1999)); चालू पाठ में देवनागरी (रांची (A), जमशेदपुर (A), मांडर, कांके, तालझारी, गिरिडीह); "the Ranchi observatory" → रांची वेधशाला; "the district rain gauges at Kanke and Mandar" → कांके और मांडर के जिला वर्षामापी; "the recording gauge at Chandwa" → चंदवा का स्व-अभिलेखी वर्षामापी (recording gauge = स्व-अभिलेखी, साझा नियम); "(A)" = aerodrome, वैसा ही; "Jamshedpur has two IMD observatories: Jamshedpur (42799) in the town and Jamshedpur (A) (42798) at the aerodrome" → जमशेदपुर में IMD की दो वेधशालाएँ हैं: नगर में जमशेदपुर (42799) और हवाई अड्डे पर जमशेदपुर (A) (42798)
Old names and variant spellings †	मेदिनीनगर (Medininagar; IMD वेधशाला और पुराने स्रोतों में Daltonganj — डालटनगंज) / पलामू (Palamu; Palamau) / साहिबगंज (Sahebganj; CWC गेज पर Sahibganj) / स्वर्णरेखा (Subarnarekha; Subernarekha, Swarnrekha) / हजारीबाग (Hazaribagh; Hazaribag) / कांके (Kanke; IMD वर्षामापी पर Kankey) / कोडरमा (Koderma; Kodarma) / गेतलसूद (Getalsud; Rukka dam) / धुर्वा (Dhurwa; Hatia dam) / बड़ा तालाब (Bada Talab; Ranchi Lake) / Tata Steel UISL (पहले JUSCO) / छोटानागपुर (Chota Nagpur; Chotanagpur) — Names अनुच्छेद का ढाँचा: "**Medininagar** is the town IMD's observatory and older sources call **Daltonganj**" → **मेदिनीनगर** (Medininagar) वह नगर है जिसे IMD की वेधशाला और पुराने स्रोत **डालटनगंज** (Daltonganj) कहते हैं; हिन्दी में दो वर्तनियाँ एक हो जाने पर (Sahebganj/Sahibganj → साहिबगंज) वाक्य रोमन कोष्ठकों से अर्थ बनाए रखे: **साहिबगंज** (Sahebganj) को CWC गेज पर Sahibganj लिखा जाता है; "This Manual uses the first form" → यह मैनुअल पहला रूप लिखता है
Dam / reservoir / release (from a barrage) / cusec	डैम (dam) / जलाशय (reservoir) / छोड़ा गया पानी (release) / क्यूसेक
Travel time (of releases)	पहुँचने का समय (travel time)

English	हिन्दी
Rule level / reservoir regulation rules	नियम स्तर (rule level) / जलाशय विनियमन नियम
Embankment breach / bund breach / regulator failure	तटबंध का टूटना / बाँध का टूटना / रेगुलेटर का ढहना
Landslide / slip	भूस्खलन / खिसकाव
Submergence / submerged	जलमग्नता / जलमग्न
Low-lying land / low-lying area	निचली भूमि / निचला क्षेत्र (low-lying area)
Urban flooding / flooding hotspots	शहरी बाढ़ (urban flooding) / जलभराव हॉटस्पॉट
Encroachment / eviction / desilting	अतिक्रमण / बेदखली / गाद निकालना (desilting)
Dredging	ड्रेजिंग (dredging)
Restoration / revival / renovation / deepening (of a tank)	पुनर्स्थापन / पुनरुद्धार (revival) / नवीकरण / गहरा करना
Demarcation	सीमांकन
Operating rule / rule curve / gate operation schedule	प्रचालन नियम (operating rule) / नियम वक्र (rule curve) / गेट प्रचालन अनुसूची
Gate operator / written rule	गेट संचालक / लिखित नियम
Stage–storage relationship	जल स्तर–भंडारण संबंध
Gauge (water level) / tide gauge	गेज (water level gauge) / ज्वार गेज
Pre-monsoon inspection / inspection / pre-monsoon works / post-event inspection	मानसून-पूर्व निरीक्षण / निरीक्षण / मानसून-पूर्व कार्य / घटना-पश्चात निरीक्षण
Heavy-rainfall warning / red alert / orange alert / forecast / nowcast / bulletin	भारी वर्षा की चेतावनी / रेड अलर्ट / ऑरेंज अलर्ट / पूर्वानुमान / नाउकास्ट (nowcast) / बुलेटिन
Heavy-rain day / extremely heavy rainfall	भारी वर्षा वाला दिन / अत्यधिक भारी वर्षा
Early-warning system / evacuation / relief camp	पूर्व चेतावनी प्रणाली / निष्क्रमण / राहत शिविर
Flash flood / cloudburst	आकस्मिक बाढ़ (flash flood) / बादल फटना (cloudburst)
Electrocution	करंट लगना (electrocution)
Drowning	डूबना
Mixed-frequency rule	मिश्रित-आवृत्ति नियम (mixed-frequency rule)
Coincident (river flood and local rain) / joint probability / joint case	संयोगी (coincident) / संयुक्त प्रायिकता / संयुक्त स्थिति

English	हिन्दी
Still-water level	स्थिर जल स्तर (still-water level)
Chart datum (CD) / mean sea level (MSL)	चार्ट डेटम (CD) / माध्य समुद्र तल (MSL)
Datum / project datum / GTS datum / benchmark	डेटम / परियोजना डेटम / GTS डेटम / बेंचमार्क ("an unstated datum" → किसी अनिर्दिष्ट डेटम; आधार-तल नहीं)
Tide tables / tidal range	ज्वार सारणियाँ (tide tables) / ज्वारीय परास (tidal range) (तटीय; झारखंड में लागू नहीं)
Sea-level rise	समुद्र स्तर वृद्धि
Tide-lock / lock window	ज्वार-अवरोध (tide-lock) / अवरोध अवधि (lock window)
Perigean spring tide / wave set-up	उपभू वृहत् ज्वार (perigean spring tide) / लहर उत्थान (wave set-up)
Coastal band / coastal platform level	तटीय पट्टी / तटीय प्लेटफॉर्म स्तर (तटीय; झारखंड में लागू नहीं)
High Tide Line (HTL) / Hazard Line	उच्च ज्वार रेखा (HTL) / जोखिम रेखा (Hazard Line)
Coastal Regulation Zone (CRZ) / Coastal Zone Management Plan (CZMP)	तटीय विनियमन क्षेत्र (CRZ) / तटीय क्षेत्र प्रबंधन योजना (CZMP)
Ecologically sensitive area (CRZ-I)	पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (CRZ-I)
Invert	इनवर्ट (invert: ड्रेन या पाइप का भीतरी तल)
Headwater	हेडवाटर (headwater: संरचना के प्रतिप्रवाह की ओर का जल स्तर)
Inlet control / outlet control	इनलेट नियंत्रण / आउटलेट नियंत्रण
Energy dissipator / stilling basin / riprap / apron / drop structure	ऊर्जा क्षयकारी (energy dissipator) / स्टिलिंग बेसिन / रिपरैप (riprap) / एप्रन / ड्रॉप संरचना
Duty pump / standby pump / rising main / flood-immune electrics	कार्यरत पंप (duty pump) / स्टैंडबाय पंप / राइजिंग मेन (rising main) / बाढ़-सुरक्षित विद्युत व्यवस्था
Penstock / stop-log	पेनस्टॉक / स्टॉप-लॉग
Radial gate	रेडियल गेट
Surcharge	सरचार्ज (surcharge: पाइप या ड्रेन का क्षमता से अधिक भरना; झील या जलाशय के लिए भी यही शब्द — FTL से ऊपर बाढ़ का शीर्ष: "the surcharge of the design flood" → डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज (surcharge); "FTL plus the design-flood surcharge" → FTL जमा डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज; अधिभार नहीं)
Ponding / waterlogging	जल का रुकना (ponding) / जलभराव (waterlogging)
Check event	जाँच घटना (check event)
Sediment allowance	तलछट प्रावधान (sediment allowance: क्षमता गणना में गाद से भरा माना गया भाग)
Gutter / kerb / crown (road)	कर्ब चैनल (gutter; गटर नहीं) / कर्ब (kerb) / सड़क का शीर्ष (crown)
Carriageway / footpath	कैरिजवे (carriageway) / फुटपाथ
Sag / trapped sag	निचला बिंदु (sag) / बंद निचला बिंदु (trapped sag: जहाँ से सतह पर कोई अतिप्रवाह मार्ग नहीं)

English	हिन्दी
Arterial / collector / local road	धमनी सड़क (arterial) / संग्राहक सड़क (collector) / स्थानीय सड़क
Underpass / bridge / flyover / railway bridge / tunnel / Metro	अंडरपास / पुल / फ्लाईओवर / रेलवे पुल / सुरंग (tunnel) / मेट्रो
Easement	सुखाधिकार (easement)
Drainage reserve / corridor	जल निकासी आरक्षित पट्टी (drainage reserve) / कॉरिडोर
High-density area / Class I city	उच्च-घनत्व क्षेत्र / श्रेणी I शहर (1 लाख या अधिक जनसंख्या)
Sheet flow / shallow concentrated flow	परत प्रवाह (sheet flow) / उथला संकेंद्रित प्रवाह
Lag time	पश्चता समय (lag time)
Directly connected impervious area (DCIA)	प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा अपारगम्य क्षेत्र (DCIA)
Disconnected impervious area	असंबद्ध अपारगम्य क्षेत्र
Point of comparison (POC)	तुलना बिंदु (POC)
Permanent pool	स्थायी जल-भंडार (permanent pool)
Multi-stage outlet / low-flow orifice	बहु-चरणीय आउटलेट (multi-stage outlet) / अल्प-प्रवाह ऑरिफिस
Detention basin / detention pond / retention pond / wet pond / sediment basin	अस्थायी भंडारण बेसिन (detention basin) / अस्थायी भंडारण तालाब (detention pond) / प्रतिधारण तालाब / वेट पॉन्ड (wet pond; "गीला तालाब" या "आर्द्र तालाब" नहीं) / **आर्द्र बेसिन** (wet basin; खंड 4.10.7, 4.15.2; "wet detention basins" → आर्द्र अस्थायी भंडारण बेसिन — परिशिष्ट 10C और तालिका 3.5 की साझा पंक्तियों का "गीले बेसिन" / "गीले अस्थायी भंडारण बेसिन" इस संस्करण में आर्द्र बेसिन किया गया; आगे के संस्करण भी यही लिखें) / तलछट बेसिन
Combined tank (Clause 4.11.3)	संयुक्त टैंक (combined tank)
Best management practice (BMP)	सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धति (BMP)
Pretreatment	पूर्व-उपचार (pretreatment)
First flush	प्रथम प्रवाह (first flush)
Sewage / sewer / sewerage / sullage / waste water / septic tank	सीवेज / सीवर / सीवरेज प्रणाली / सलेज (रसोई और स्नानघर का गंदा पानी) / अपशिष्ट जल / सेप्टिक टैंक
Sewage treatment plant (STP) / effluent / faecal sludge	सीवेज शोधन संयंत्र (STP) / बहिःस्राव (effluent) / मल कीचड़ (faecal sludge)
Million gallons a day (MGD)	मिलियन गैलन प्रतिदिन (MGD)
Illicit discharge	अवैध निस्सरण (illicit discharge)
Hotspot (land use) / land use	हॉटस्पॉट (प्रदूषक भूमि उपयोग) / भूमि उपयोग
Forebay / underdrain / filter media / geotextile	फोरबे (forebay) / अंडरड्रेन (underdrain) / फिल्टर माध्यम / जियोटेक्सटाइल

English	हिन्दी
Infiltration facility / soakaway	अंतःस्यंदन सुविधा / सोख गड्ढा (soakaway)
Recharge pit / recharge well / recharge shaft	पुनर्भरण गड्ढा / पुनर्भरण कुआँ / पुनर्भरण शाफ्ट
Hydrogeological report	जल-भूवैज्ञानिक रिपोर्ट
Aquifer / confined aquifer	जलभृत (aquifer) / परिरुद्ध जलभृत
Soils: alluvium / older alluvium / kankar / sand / silt / clay / sandy loam / loam	मिट्टी: जलोढ़ (alluvium) / पुराना जलोढ़ (older alluvium) / कंकड़ (kankar) / रेत / गाद (silt) / चिकनी मिट्टी (clay) / बलुई दोमट (sandy loam) / दोमट (loam)
Soil series / soil orders (Inceptisols, Entisols …) / weathered rock	मृदा शृंखला (soil series) / मृदा गण (soil orders; नाम रोमन में) / अपक्षयित चट्टान
Supplementary land covers (Annex 3B): overburden dump, backfilled or reclaimed mine land, compacted bench or haul road / subsidence and coal-fire ground / bare laterite crust and rock outcrop / lowland rice land (don) / upland fields on thin red soils / sal forest, scrub and grassland / talab, bandh or dobha bed / diara of the Ganga †	ओवरबर्डन डंप, पुनर्भरित या सुधारी गई खनन भूमि, संघनित बेंच या हॉल रोड (दामोदर के कोयला क्षेत्र) / भू-धंसान भूमि और कोयला-अग्नि भूमि, झरिया कोयला क्षेत्र / पठार, दलमा ज्वालामुखीय चट्टानों और राजमहल ट्रैप की खुली लैटेराइट परत (मुरम) और खुली चट्टान / घाटी-तलों की निचली धान भूमि (दोन), वर्षा घटना के आरंभ में सूखी या जोती हुई / पतली लाल मिट्टी पर ऊपरी भूमि के खेत / पहाड़ी ढलानों के साल वन, झाड़ी और घास भूमि (दलमा, पारसनाथ, नेतरहाट, राजमहल की पहाड़ियाँ) / तालाब, बाँध या डोभे का तल, वर्षा घटना के आरंभ में सूखा या जोता हुआ / साहिबगंज और राजमहल में गंगा का दियारा, वर्षा घटना के आरंभ में नदी के स्तर से ऊपर — परिशिष्ट 3B का शीर्षक: झारखंड का CN अंशांकन और पूरक भू-आवरण (ओवरबर्डन डंप और खनन से विक्षुब्ध भूमि, लैटेराइट परत और खुली चट्टान, दोन धान भूमि, पहाड़ी वन और झाड़ी, तालाबों, बाँधों और डोभों के तल, गंगा का दियारा) (साझा ढंग "<राज्य> का CN अंशांकन और पूरक भू-आवरण (…)"; "land covers" → भू-आवरण)
Slope / velocity / depth	ढलान / वेग / गहराई
Contour	समोच्च रेखा (contour)
Lined / unlined (channel or drain) / lining	पक्का (lined; आवश्यकता हो तो अस्तरयुक्त) / कच्चा (unlined) / अस्तर (lining) — चैनल या ड्रेन की सतह के लिए
Retaining wall / weep hole	प्रतिधारक दीवार (retaining wall) / रिसाव छिद्र (weep hole)
Dewatering	जल-निष्कासन (dewatering)
Submittal / hold point	प्रस्तुति (submittal) / रोक बिंदु (hold point)
Drainage report (preliminary / final)	जल निकासी रिपोर्ट (प्रारंभिक / अंतिम)
Stormwater facility / facility register / owner	वर्षा जल सुविधा / सुविधा रजिस्टर / स्वामी
Handover / handed-over asset	हस्तांतरण (handover) / हस्तांतरित परिसंपत्ति
Compliance / compliance calculator	अनुपालन / अनुपालन कैलकुलेटर (compliance calculator)
Design aid / simplified method / unit-storage tables	डिजाइन सहायिका / सरलीकृत विधि / इकाई-भंडारण तालिकाएँ
Fixed-coefficient route / release cap	नियत-गुणांक मार्ग (fixed-coefficient route) / निकास सीमा (release cap)
Two-step approach	दो-पदीय पद्धति (step = पद)

English	हिन्दी
Defects liability period / stop-work order	दोष दायित्व अवधि / कार्य-रोक आदेश
Constraint Statement	बाधा विवरण (Constraint Statement)
Ring-fenced account / public ledger	पृथक रखा गया खाता (ring-fenced account) / सार्वजनिक खाता-बही (public ledger)
Lead Authority	अग्रणी प्राधिकारी (Lead Authority)
Critical facilities / evacuation routes	महत्वपूर्ण सुविधाएँ (critical facilities) / निष्क्रमण मार्ग
Expected annual damage / depth–damage curve	अपेक्षित वार्षिक क्षति / गहराई–क्षति वक्र
Digital elevation model (DEM) / drone and DGPS survey / LiDAR	डिजिटल उन्नयन मॉडल (DEM) / ड्रोन और DGPS सर्वेक्षण / LiDAR
GIS layer	GIS परत
UTM zone 45N (EPSG:32645) / 44N †	UTM जोन 45N (EPSG:32645) — "Garhwa district and the west of Palamu lie in UTM zone 44N, but zone 45N is used statewide" → गढ़वा जिला और पलामू का पश्चिमी भाग UTM जोन 44N में हैं, पर पूरे राज्य के लिए जोन 45N का उपयोग किया जाता है
Hydrology / hydrologic / hydraulic	जलविज्ञान / जलवैज्ञानिक / हाइड्रोलिक (hydraulic)
Design life	डिजाइन आयु
Inflow / outflow	अंतर्वाह (inflow) / बहिर्वाह (outflow)
Stage (water level) / stage (outlet tier; submittal stage; phase)	जल स्तर (stage) / चरण (outlet tier; प्रस्तुति का चरण; phased = चरणबद्ध) — step के लिए चरण नहीं, पद
Crest (weir, spillway, riser) / crest level	शिखर (crest) / शिखर स्तर
Obvert	ऑबवर्ट (obvert: पाइप का भीतरी शीर्ष)
Flotation	उत्प्लावन (flotation)
Backwater (hydraulic)	पश्चजल प्रभाव (backwater)
Back flow (in drains)	उलटा प्रवाह (back flow)
Uniform flow / critical flow / critical depth	एकसमान प्रवाह / क्रांतिक प्रवाह / क्रांतिक गहराई
Supercritical (flow) / Froude number	अतिक्रांतिक (supercritical) / फ्रूड संख्या
Superelevation	अधि-उन्नयन (superelevation)
Anti-vortex device	भँवर-रोधी युक्ति (anti-vortex device)
Outfall-closed check	आउटफॉल-बंद जाँच (outfall-closed check)
Sub-daily (rainfall, ratios)	उप-दैनिक (sub-daily)
One-third rule	एक-तिहाई नियम

English	हिन्दी
Grid-to-point factor	ग्रिड-से-बिंदु गुणक (grid-to-point factor)
Subzone (CWC) / Flood Estimation Report (FER) / plate	उप-क्षेत्र (subzone) / बाढ़ आकलन रिपोर्ट (FER) / प्लेट
CWC subzones covering Jharkhand: 1(g) Lower Ganga Plains (hilly region) / 1(d) Sone / 3(d) Mahanadi / 1(f) †	उप-क्षेत्र 1(g) Lower Ganga Plains (चालू पाठ में 1(g) निचला गंगा मैदान; "which in Jharkhand is its hilly region of the Chota Nagpur plateau and foothills" → जो झारखंड में छोटानागपुर पठार और तलहटी का उसका पहाड़ी क्षेत्र है; उद्धरण "hilly region" → "पहाड़ी क्षेत्र"; "plain region" → मैदानी क्षेत्र — बिहार संस्करण का रूप) / उप-क्षेत्र 1(d) Sone (चालू पाठ में सोन) / उप-क्षेत्र 3(d) Mahanadi (चालू पाठ में महानदी) / उप-क्षेत्र 1(f) (Middle Ganga Plains; "in Bihar and Uttar Pradesh" → बिहार और उत्तर प्रदेश में) — तालिकाओं और संदर्भों में उप-क्षेत्र का नाम रोमन में; रिपोर्ट संख्याएँ वैसे ही (LG-1(g)/R-1/23/94; S/15/1987; M-3(d)/R-3/25/1996); "the 3(d)/1(g) line" → 3(d)/1(g) रेखा; "the 1(d)/1(g) boundary" → 1(d)/1(g) सीमा; "the plates ... scanned upside down" → प्लेटें ... उलटी स्कैन की गईं; "a closed low cell marked "<"" → "<" से चिह्नित एक बंद निम्न कोष्ठ; "CWC FER 1(g)" वैसा ही; "the one-third rule" → एक-तिहाई नियम; "the ratio floor" → अनुपात की न्यूनतम सीमा
Meteorological subdivision	मौसम विज्ञान उप-मंडल (meteorological subdivision)
Sensitivity run	संवेदनशीलता रन (sensitivity run)
Worked example	हल किया गया उदाहरण (worked example)
Template / model text / standard drawing	टेम्पलेट / आदर्श पाठ (model text) / मानक ड्रॉइंग
Inventory / checklist / schedule	सूची (inventory) / जाँच-सूची (checklist) / अनुसूची (schedule)
Layout (blank table to be filled)	ढाँचा (layout; भरी जाने वाली खाली तालिका)
Original drawing for this Manual / schematic, not to scale	इस मैनुअल के लिए मूल ड्रॉइंग / योजनाबद्ध, पैमाने पर नहीं
Section (of a form) / Part	भाग (Section) / भाग (Part)
Attachments / attach	संलग्नक / संलग्न करें
Confined space	सीमित स्थान (confined space)
Empanelled / empanelment / Empanelled Reviewer	सूचीबद्ध / सूचीबद्धता (empanelment) / सूचीबद्ध समीक्षक
Stormwater Design Professional	वर्षा जल डिजाइन पेशेवर (Stormwater Design Professional)
Enforcement	प्रवर्तन
Certify / certificate / certified	प्रमाणित करना / प्रमाण-पत्र / प्रमाणित
Verify / validate / confirm (verification, validation)	सत्यापित करना / वैधीकरण करना / पुष्टि करना (सत्यापन, वैधीकरण)
Threshold (size or value at which a rule applies)	सीमा-मान (threshold)

English	हिन्दी
Trigger (value that starts an action) / trigger (event or warning that starts a review or action)	प्रारंभक मान (trigger) / प्रारंभक घटना (trigger)
Floor (minimum value, e.g. CWC floor)	न्यूनतम सीमा (floor)
Exemption / exempt	छूट / छूट प्राप्त
Conservative (on the safe side) / cautious	सुरक्षित पक्ष का (conservative) / सतर्क
Evapotranspiration	वाष्पोत्सर्जन (evapotranspiration)
Covenant	प्रसंविदा (covenant)
Overflow / overflow route / overflow level / spill level / spill path	अतिप्रवाह (overflow) / अतिप्रवाह मार्ग / अतिप्रवाह स्तर / अतिप्रवाह स्तर (spill level) / अतिप्रवाह मार्ग (spill path)
Observation well / piezometer	प्रेक्षण कुआँ / पीजोमीटर
Load class / exposure class	भार वर्ग / अनावरण वर्ग
Compound wall / boundary wall	चारदीवारी / सीमा दीवार
Sheet (form name, e.g. Design Rainfall Sheet, Waterbody Sheet)	पत्रक (Sheet; डिजाइन वर्षा पत्रक, जलाशय पत्रक)
No. / Item / Field / Entry / Clause (form columns)	क्र. / मद / क्षेत्र (Field) / प्रविष्टि / खंड
Dam safety / specified dam	डैम सुरक्षा / विनिर्दिष्ट डैम (specified dam)
Manual scavenging	हाथ से मैला उठाना (manual scavenging)
Definitions (clause heading) / definition	परिभाषाएँ / परिभाषा
Disclosure / publication / declaration	प्रकटन / प्रकाशन / घोषणा
Level-pool routing (modified Puls)	स्तर-ताल रूटिंग (level-pool routing; modified Puls)
Head / head loss / static head / opening head	हेड / हेड हानि (head loss) / स्थैतिक हेड / खुलाव हेड
Head–discharge curve	हेड–प्रवाह दर वक्र
Headwall / wingwall	हेडवॉल / विंगवॉल
Conduit	वाहिका (conduit)
Junction / junction chamber / junction sump	संगम (junction) / संगम कक्ष / संगम संप
Plinth / plinth level / floor level	प्लिंथ (plinth; कुर्सी नहीं, परिशिष्ट H-1 के "around the plinth" में भी: प्लिंथ के चारों ओर) / प्लिंथ स्तर / फर्श स्तर

English	हिन्दी
Percentile (e.g. 90th percentile)	शततमक (percentile; जैसे 90वाँ शततमक)
Checker (independent) / reviewer	स्वतंत्र जाँचकर्ता / समीक्षक
Safety bench	सुरक्षा बेंच (safety bench)
Seepage / seepage collar / filter diaphragm	रिसाव (seepage) / रिसाव कॉलर / फिल्टर डायाफ्राम
Silt fence	गाद बाड़ (silt fence)
Training walls	प्रशिक्षण दीवारें (training walls)
Drawdown (lowering a tank or basin)	जल स्तर घटाना (drawdown)
Review (of a submittal, a chapter or the Manual) / post-event review	समीक्षा / घटना-पश्चात समीक्षा
Accept / accepted / acceptance criteria	स्वीकार करना / स्वीकार किया गया / स्वीकार्यता मानदंड (स्वीकृत नहीं)
Software acceptance	सॉफ्टवेयर स्वीकार्यता
Receiving water / receiving drain / receiving system / receiving zone (of a recharge well)	प्राप्तकर्ता जलाशय (receiving water; "the body that owns the receiving water" → वह निकाय जो प्राप्तकर्ता जलाशय का स्वामी है; नए वाक्यों में "प्राप्तकर्ता जल" नहीं — UP/बिहार से पुनः प्रयुक्त पंक्तियाँ "प्राप्तकर्ता जल स्तर" (अध्याय 4), "प्राप्तकर्ता जल निचला हो" (अध्याय 6) और "प्राप्तकर्ता का स्तर" (परिशिष्ट 6) जैसी हैं वैसी रहती हैं) / प्राप्तकर्ता ड्रेन / प्राप्तकर्ता प्रणाली / प्राप्तकर्ता क्षेत्र (receiving zone)
Equation	समीकरण
Specification	विनिर्देश
Layout (intended structure of an annex or its tables)	रूपरेखा (layout)
Crown (of a pipe) / soffit	पाइप का शीर्ष (crown) / सॉफिट (soffit)
Mosquito / mosquito breeding / dengue	मच्छर / मच्छरों का प्रजनन / डेंगू
As reported / press report(s) / (press) / as reported in the press / secondary, secondary source(s) / search summary	(प्रकाशित खबरों के अनुसार) / (समाचार रिपोर्ट) / (समाचार माध्यम) / समाचार माध्यमों में बताए अनुसार / (द्वितीयक स्रोत) / खोज सारांश (बिना हाइफन; "खोज-सारांश" नहीं) — चालू पाठ और अनुवादित संदर्भों में; जो संदर्भ-सूचियाँ दिल्ली की तरह अंग्रेजी में रखी गई हैं, उनमें अंग्रेजी शब्द वैसे ही
Pre-application meeting / public meeting / public hearing	आवेदन-पूर्व बैठक / सार्वजनिक बैठक / जन सुनवाई
Basin modelling endorsement	बेसिन मॉडलिंग योग्यता-मान्यता (basin modelling endorsement; समर्थन नहीं)
Environmental impact assessment (EIA)	पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA)
Hill slope / hill town / heritage area	पहाड़ी ढलान / पहाड़ी नगर / विरासत क्षेत्र

English	हिन्दी
Glossary of Hindi and Urdu waterbody terms and regional variants (Annex 7E) †	जलाशयों के हिन्दी और उर्दू शब्दों तथा क्षेत्रीय रूपों की शब्दावली (परिशिष्ट 7E; शीर्षक पुनः प्रयुक्त) — तालिकाओं के देवनागरी, उर्दू और रोमन रूप स्रोत के अनुसार हूबहू, नुक्ता, विशेषक और ’ (U+02BC) सहित (तालाब / تالاب (tālāb; talab) , पोखर, पोखरा / پوکھر (pokhar, pokhrā; pokhar) , आहर / آهر (āhar; ahar) , चुआन (cuān; chuan) , नाला / نالا (nālā; nala, nallah, nullah) , नाली / نالي (nālī; nali) , बाँध / باندھ (bāṅdh; bandh, bund) , दोन (don) , डोभा (ḍobhā; dobha) , दाड़ी, डाड़ी (dāṛī; dari) , जोर (jor) , टाँड़ (ṭāṅṛ; tanr) , बड़ा तालाब (Baṛā Tālāb)); शब्दसागर के अर्थ-क्रमांक जो स्रोत में देवनागरी अंकों में छपे हैं — आहर के बाद का अंक 3 (A07 पंक्ति 307) और दोन के बाद का अंक 1 (पंक्ति 317) — स्रोत की तरह देवनागरी अंक में; झारखंड की अंग्रेजी के केवल ये दो देवनागरी अंक; Platts का *doṅ* इटैलिक रोमन वैसा ही; "Nagpuri, Khortha, Santhali, Mundari or Kurukh" → ऊपर की झारखंड पंक्ति देखें; "Platts, p. 306" → प्लैट्स, पृ. 306; "Shabdasagara, p. 2071" → शब्दसागर, पृ. 2071
Terms not yet verified (Table 7E.4)	अभी असत्यापित शब्द (तालिका 7E.4)
Platts, *A Dictionary of Urdu, Classical Hindi, and English* / Hindi Shabdasagara / Digital South Asia Library	प्लैट्स (Platts), *A Dictionary of Urdu, Classical Hindi, and English* / श्यामसुंदर दास, *हिंदी शब्दसागर* (*Hindi Shabdasagara*) / डिजिटल साउथ एशिया लाइब्रेरी
Headword / sense (dictionary) / gloss	मुख्य शब्द (headword) / अर्थ (sense) / अर्थ-विवरण (gloss)
Not looked up / not found as a headword / modern usage not verified	देखा नहीं गया / मुख्य शब्द के रूप में नहीं मिला / आधुनिक प्रयोग सत्यापित नहीं
Table 7E.1 and 7E.2: talab, pokhar, ahar, chuan, nala, nali, bandh, don †	तालिका 7E.2 का शीर्षक "Channels, embankments, land and parts of the system" → चैनल, तटबंध, भूमि और प्रणाली के भाग; अंतिम स्तंभ: "Talab (tank or pond), see the definitions after Clause 7.2" → तालाब (tank या pond), खंड 7.2 के बाद की परिभाषाएँ देखें; "Ahar (tank)" → आहर (तालाब); "Chuan (spring or seepage pit; waterbody for Clause 7.3)" → चुआँ (झरना या रिसाव गड्ढा; खंड 7.3 के लिए जलाशय); "Natural drain or nala" → प्राकृतिक ड्रेन या नाला; "Drain (minor system); where it carries sewage or sullage into a storm drain, a cross-connection (Clause 8.9)" → ड्रेन (लघु प्रणाली); जहाँ वह सीवेज या सलेज को किसी वर्षा जल ड्रेन में ले जाए, वहाँ अवैध जुड़ाव (cross-connection) (खंड 8.9); "Tank bund or dam (Clause 7.14)" → तालाब का बाँध या डैम (खंड 7.14); "Lowland (don) paddy land of the valley floors: a natural detention area and first-order drainage path" → घाटी-तलों की निचली (दोन) धान भूमि: एक प्राकृतिक अस्थायी भंडारण क्षेत्र और प्रथम-क्रम जल निकासी मार्ग — Platts के अंग्रेजी अर्थ उद्धरण-चिह्नों में अंग्रेजी में; शब्दसागर का अंग्रेजी अनुवाद हिन्दी में, उद्धरण-चिह्नों में, अंग्रेजी कोष्ठक में ("a reservoir; a lake; a pond (pokhra)" → "जलाशय; झील; पोखरा"; शब्दसागर का अपना पाठ "जलाशय । सरोवर । पोखरा ।" है, पर अनुवाद अंग्रेजी से करें, शब्दसागर से नहीं)
Table 7E.3: public tank (Municipal Act) / drain (Municipal Act) / municipal drain / outer boundary of a river (JBBL 2016) / low lying area; flood prone areas (JBBL 2016) / natural nala (Ranchi Master Plan 2037) / Full Tank Level (Ranchi Master Plan 2037) / excavated void; water body (mine closure) †	शीर्षक "Statutory and official terms" → सांविधिक और आधिकारिक शब्द; पहले स्तंभ में हिन्दी शब्द के बाद अंग्रेजी शब्द कोष्ठक में: सार्वजनिक तालाब (public tank (Municipal Act)) / ड्रेन (drain (Municipal Act)) / नगरपालिका ड्रेन (municipal drain) / नदी की बाहरी सीमा (outer boundary of a river (JBBL 2016)) / निचला क्षेत्र; बाढ़-प्रवण क्षेत्र (low lying area; flood prone areas (JBBL 2016)) / प्राकृतिक नाला (natural nala (प्राकृतिक नाला; Ranchi Master Plan 2037)) — अंग्रेजी जो देवनागरी देती है वह हूबहू / पूर्ण जल स्तर (Full Tank Level (Ranchi Master Plan 2037)) ("condition 2.9, which uses the English term" → शर्त 2.9, जो अंग्रेजी शब्द का प्रयोग करती है) / उत्खनित रिक्ति; जलाशय (excavated void; water body (mine closure)) — उद्धरण ऊपर की नगरपालिका अधिनियम वाली पंक्तियों के अनुसार

English	हिन्दी
Table 7E.4: dobha, dari, jor, tanr, bandh as a village tank, chuan in Jharkhand usage, regional forms, Bada Talab †	शीर्षक "Terms not yet verified" (पुनः प्रयुक्त); स्थिति के वाक्यांश ज्यों के त्यों: "Not found in Platts or the Shabdasagara" → प्लैट्स या शब्दसागर में नहीं मिला; "an official programme word whose defining order was not read" → एक आधिकारिक कार्यक्रम का शब्द, जिसे परिभाषित करने वाला आदेश पढ़ा नहीं गया; "Not confirmed:" → पुष्टि नहीं हुई:; "no stream sense was found" → धारा का कोई अर्थ नहीं मिला; "no upland sense was found" → ऊपरी भूमि का कोई अर्थ नहीं मिला; "the Jharkhand sense was not confirmed" → झारखंड वाले अर्थ की पुष्टि नहीं हुई; "the regional form and use were not confirmed" → क्षेत्रीय रूप और प्रयोग की पुष्टि नहीं हुई; "Not checked in a regional dictionary" → किसी क्षेत्रीय शब्दकोश में जाँचा नहीं गया; "The official name was not confirmed" → आधिकारिक नाम की पुष्टि नहीं हुई; "They shall not be used in a record or a drawing as defined terms until verified" → सत्यापित होने तक इनका प्रयोग किसी अभिलेख या ड्रॉइंग में परिभाषित शब्दों के रूप में नहीं किया जाएगा
Catchment of a talab / dobha cascade / Figure 7.3 (a plateau talab or city reservoir with a dobha cascade and a mine pit lake) †	तालाब का जलग्रहण क्षेत्र (catchment) / डोभा शृंखला (dobha cascade) / चित्र 7.3 का शीर्षक: "A plateau talab or city reservoir with a dobha cascade and a mine pit lake" → डोभा शृंखला और खदान झील सहित पठार का तालाब या शहरी जलाशय (आकृति के लेबल: आकृति-विवरण देखें)
Plants with Hindi or Urdu names (Annex 8D) †	तालिका के देवनागरी, उर्दू और रोमन रूप स्रोत के अनुसार हूबहू, नुक्ता और असामान्य उर्दू अक्षरों सहित (ख़स / خس (k̲has); कदम्ब / کدمب (kadamb) — हल् "म्ब" स्रोत का रूप, बदलें नहीं; पलाश / پلاش (palāś); ढाक / ڈھاک (ḍhāk) — U+0690 और अरबी ك, ه स्रोत की तरह; साल / سال (sāl); महुआ / مہوا (mahu'ā); शीशम / شیشم (śīśam)); चालू पाठ में: वेटिवर (खस; vetiver), कदम (kadam — "the spoken form kadam was not checked" → बोलचाल का रूप कदम जाँचा नहीं गया), पलाश, साल ("sal forest" → साल वन), महुआ, शीशम, जलकुंभी (water hyacinth), *Prosopis juliflora*, लैंटाना (*Lantana camara*) — वानस्पतिक नाम रोमन इटैलिक; "Nagpuri, Santhali or other regional name" → नागपुरी, संथाली या अन्य क्षेत्रीय नाम; "the State Forest Department" → राज्य का वन विभाग
Plants without a confirmed Hindi name	*Canna indica*, *Typha* spp., *Eichhornia crassipes* (water hyacinth), *Prosopis juliflora*, *Ipomoea carnea* — लैटिन नाम इटैलिक में; तालिका में डैश (—) रखें, कोई प्रचलित नाम न जोड़ें
Native / naturalised / invasive / species / horticulturist	देशज (native) / प्राकृतिकीकृत (naturalised) / आक्रामक (invasive) / प्रजाति / उद्यान विशेषज्ञ (horticulturist)
Macrophyte zone / open water zone / windbreak / hedge	वृहत्पादप क्षेत्र (macrophyte zone) / खुला जल क्षेत्र / वायु-रोधक / बाड़
Edge structure (Clause 7.9.4)	किनारा संरचना (edge structure)
Adopt (technical: a designer, this Manual, a clause or a table adopts a value, factor, method or approach) / adopted value	लेना (मान, गुणक, स्तर, गहराई) / अपनाना (विधि, पद्धति, मार्ग) / लिया गया मान (अंगीकार नहीं)
Isopluvial / isopluvial plates	समवर्षा रेखा (isopluvial) / समवर्षा प्लेटें
Reanalysis (NIH-DHAARA, IMDAA) / gridded data	पुनर्विश्लेषण (reanalysis; NIH-DHAARA, IMDAA) / ग्रिड आँकड़े (gridded data)
Recording rain gauge / autographic (rainfall, records) / self-recording rain gauge (SRRG) / water-level gauge	स्व-अभिलेखी वर्षामापी (recording gauge) / स्व-अभिलेखी (autographic; "स्वलेखी" नहीं) / स्व-अभिलेखी वर्षामापी (SRRG) / जल स्तर गेज

English	हिन्दी
Benchmark (survey level mark) / benchmark (comparison) / benchmark points / benchmark test problems	बेंचमार्क (सर्वेक्षण स्तर चिह्न) / तुलना-मानक (benchmark) / बेंचमार्क बिंदु / बेंचमार्क परीक्षण समस्याएँ
Convolution	संवलन (convolution)
Tolerance	सहनसीमा (tolerance)
Uplift / uplift pressure	उत्थान (uplift) / उत्थान दाब
Factor of safety / safety factor	सुरक्षा गुणक
Proprietary device	स्वामित्वाधीन युक्ति (proprietary device)
Coordinates (latitude, longitude)	निर्देशांक (अक्षांश, देशांतर)
Utilities / utility crossing	उपयोगिता सेवाएँ (utilities) / उपयोगिता क्रॉसिंग
Habitable building / habitable floor / habitable room	आवास योग्य भवन / आवास योग्य तल / आवास योग्य कक्ष
Area-weighted	क्षेत्र-भारित (area-weighted)
Sediment trap / sediment basin (construction sites, Annex 8E; also below overburden dumps and mine sites)	तलछट जाल / तलछट बेसिन (अवसादन बेसिन नहीं; settling pond = अवसादन तालाब अलग शब्द)
Drafting note	प्रारूपण टिप्पणी (drafting note)
Model text for consideration by a competent authority. Not in force. (label at the start of a paragraph; keep the bold or italic of the English)	**सक्षम प्राधिकारी के विचार हेतु आदर्श पाठ। प्रवृत्त नहीं.** (एक ही रूप सर्वत्र; अंत में ASCII "."; बीच में दंड)
1 in N years / 1-in-N chance	N वर्ष में एक बार / N में 1 की संभावना
Variance / Waiver Request (Form 1-2)	विचलन / अधित्याग अनुरोध (प्रपत्र 1-2)
Applicability Determination (Form 1-1)	प्रयोज्यता निर्धारण (प्रपत्र 1-1)
Rainfall zones (Annex 2A)	वर्षा जोन (rainfall zones)
National Hydrographic Office	राष्ट्रीय जल सर्वेक्षण कार्यालय (NHO)
Annual maximum series / partial-duration series / series (data)	वार्षिक अधिकतम शृंखला / आंशिक-अवधि शृंखला / शृंखला
Interpolation / interpolated	अंतर्वेशन (interpolation) / अंतर्वेशित
Benchmark checks (Annex 2A)	बेंचमार्क जाँच
Huff curves / Gumbel / Hershfield	हफ वक्र (Huff curves) / गंबल (Gumbel) / हर्शफील्ड (Hershfield)
Chute	ढलवाँ चैनल (chute)

English	हिन्दी
Access opening / clear access opening	प्रवेश द्वार / स्पष्ट प्रवेश द्वार (clear access opening)
Silt sump	गाद संप (silt sump)
Hydraulic corridor	हाइड्रोलिक कॉरिडोर (hydraulic corridor; अध्याय 6 और 7 का कॉरिडोर — "हाइड्रोलिक गलियारा" नहीं)
Statutory status	सांविधिक स्थिति
Receive (storm water, a drain outfall) / receive (handed-over assets)	(पानी) प्राप्त करना / (परिसंपत्ति) ग्रहण करना
Implementation / annual implementation report	कार्यान्वयन / वार्षिक कार्यान्वयन रिपोर्ट
Downstream and Tailwater Analysis (Chapter 5) / Downstream and Tailwater Report (Form 5-1) / Simplified Downstream Statement (Form 5-2)	अनुप्रवाह और टेलवाटर विश्लेषण / अनुप्रवाह और टेलवाटर रिपोर्ट / सरलीकृत अनुप्रवाह विवरण
Site Runoff Control Report / Conveyance Design Report / Hydraulic Structures Report / Design Rainfall Sheet	साइट अपवाह नियंत्रण रिपोर्ट / वहन डिजाइन रिपोर्ट / हाइड्रोलिक संरचना रिपोर्ट / डिजाइन वर्षा पत्रक
Tier B Site Sheet / Fixed-coefficient Route Sheet / Water Quality Sheet / Infiltration Test Record	टियर B साइट पत्रक / नियत-गुणांक मार्ग पत्रक / जल गुणवत्ता पत्रक / अंतःस्यंदन परीक्षण अभिलेख
Hydrologic Calculation Summary / Pre- vs Post-Development Comparison	जलवैज्ञानिक गणना सारांश / विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना
Waterbody Sheet / Tank Storage Credit Sheet / Compensatory Storage Calculation	जलाशय पत्रक / तालाब भंडारण क्रेडिट पत्रक / प्रतिपूरक भंडारण गणना
Drainage Report Checklist / Compliance Calculator Summary / Professional Design Certificate / Hold-Point Inspection Record / As-built Certificate / Maintenance Declaration / Annual Maintenance Declaration and Inspection Report / Asset Handover Certificate	जल निकासी रिपोर्ट जाँच-सूची / अनुपालन कैलकुलेटर सारांश / पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र / रोक-बिंदु निरीक्षण अभिलेख / यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र / रखरखाव घोषणा-पत्र / वार्षिक रखरखाव घोषणा और निरीक्षण रिपोर्ट / परिसंपत्ति हस्तांतरण प्रमाण-पत्र

English	हिन्दी
CAG reports named in the Manual: Report No. 1 of 2023 (Ranchi sewerage and drainage; Harmu river) / Report No. 12 of 2019 (mining in Coal India) / Annual Technical Inspection Report on Local Bodies (2017) †	CAG की 2023 की रिपोर्ट संख्या 1, झारखंड सरकार ("(CAG, Report No. 1 of 2023)" → (CAG, 2023 की रिपोर्ट संख्या 1); "(CAG, 2023)" → (CAG, 2023); "Chapters 3 (sewerage and drainage in Ranchi) and 4 (Harmu river)" → अध्याय 3 (रांची में सीवरेज और जल निकासी) और 4 (हरमू नदी) — रिपोर्ट के अध्याय, इस मैनुअल के नहीं; पूरे शीर्षक संदर्भों में अंग्रेजी में) / CAG की 2019 की रिपोर्ट संख्या 12 ("environmental impact of mining in Coal India" → कोल इंडिया में खनन का पर्यावरणीय प्रभाव; "paras 5.7.2–5.7.3" → पैरा 5.7.2–5.7.3) / CAG की स्थानीय निकायों पर वार्षिक तकनीकी निरीक्षण रिपोर्ट, 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष (2017) ("Annual Technical Inspection Report on Local Bodies for the year ended 31 March 2016"; "(CAG, 2017)" → (CAG, 2017); "Chapter 4" → अध्याय 4) — "the standard the CAG applied, IS 12094" → CAG द्वारा लागू किया गया मानक, IS 12094; "no visible results" → "कोई दृश्य परिणाम नहीं"; "proved wasteful" → "निरर्थक सिद्ध हुआ"; "revise the estimation for storm water" → "वर्षा जल के आकलन को संशोधित करना"; "in a developed area" → "विकसित क्षेत्र में"; "based on the weighted average" → "भारित औसत के आधार पर"; "were not connected to any bigger drain network" → "किसी बड़े ड्रेन नेटवर्क से नहीं जुड़ी थीं"
Wetland inventory (ISRO National Wetland Inventory and Assessment, NWIA)	आर्द्रभूमि सूची (ISRO, NWIA)
India Flood Atlas / Flood Atlas of India (CWC)	इंडिया फ्लड एटलस (India Flood Atlas) / भारत का बाढ़ एटलस (CWC)

English	हिन्दी
Chapter titles (as in the contents table; title 7) †	1 नीति, प्रयोज्यता और अंगीकरण; 2 डिजाइन वर्षा और डिजाइन वर्षा घटनाएँ; 3 जलवैज्ञानिक विधियाँ; 4 साइट अपवाह नियंत्रण: प्रतिधारण और अस्थायी भंडारण; 5 अनुप्रवाह और टेलवाटर विश्लेषण; 6 लघु और प्रमुख जल निकासी प्रणालियाँ; 7 **जलाशय, तालाब (पोखर) और सेटबैक** ("Waterbodies, Talabs (Ponds) and Setbacks" — मध्य प्रदेश संस्करण का शीर्षक, जिसकी अंग्रेजी एक ही है; पुनः प्रयुक्त, बदलें नहीं; अध्याय शीर्षक, परिशिष्ट शीर्षक और विषय-सूची में एक ही रूप); 8 जल गुणवत्ता और पुनर्भरण; 9 संरचनाओं का हाइड्रोलिक डिजाइन; 10 प्रस्तुतियाँ, समीक्षा, प्रचालन और रखरखाव तथा प्रवर्तन; 11 बेसिन और शहर वर्षा जल मास्टर प्लान — झारखंड-विशिष्ट शीर्षक: "### 6.13 Jharkhand construction-practice requirements" → ### 6.13 झारखंड की निर्माण-पद्धति की अपेक्षाएँ; "Annex 6A — Standard inlet types for Jharkhand with capacity curves (on grade and sag)" → परिशिष्ट 6A — झारखंड के लिए मानक इनलेट प्रकार और उनके क्षमता वक्र (ढलान पर और निचले बिंदु पर); "Annex 2D — Jharkhand temporal patterns (Huff curves)" → परिशिष्ट 2D — झारखंड के वर्षा कालिक वितरण (हफ वक्र); "Annex 3A — Jharkhand soil series to HSG lookup; seasonal high water table map" → परिशिष्ट 3A — झारखंड की मृदा श्रृंखला से HSG की मिलान-सूची; मौसमी उच्चतम भूजल स्तर का मानचित्र (शीर्षक में भी पाठ का साझा "मौसमी उच्चतम भूजल स्तर" और "मिलान-सूची (lookup)"); "Annex 3E — CWC SUH parameters for subzones 1(d), 1(g) and 3(d), with worked example" → परिशिष्ट 3E — उप-क्षेत्र 1(d), 1(g) और 3(d) के लिए CWC SUH प्राचल, हल किए गए उदाहरण के साथ; परिशिष्ट 3B का शीर्षक नीचे "Supplementary land covers" की पंक्ति में; "Annex 8C — Jharkhand BMP performance calibration" → परिशिष्ट 8C — झारखंड में BMP के प्रदर्शन का अंशांकन; "Annex 11C — Depth–damage curves for Jharkhand building types" → परिशिष्ट 11C — झारखंड के भवन प्रकारों के लिए गहराई-क्षति वक्र; "Annex 5C — Worked example: outfall-closed check for a site on the Harmu river in Ranchi" → परिशिष्ट 5C — हल किया गया उदाहरण: रांची में हरमू नदी पर स्थित एक साइट के लिए आउटफॉल-बंद जाँच; "Annex 1A — List of Tier A authorities, with the boundaries of the Municipal Corporations and of the Ranchi Master Plan 2037 area" → परिशिष्ट 1A — टियर A प्राधिकारियों की सूची, नगर निगमों और रांची मास्टर प्लान 2037 के क्षेत्र की सीमाओं सहित; "Annex 1D — Model JBBL 2016 amendment and model ULB bye-law" → परिशिष्ट 1D — भवन उपविधि 2016 का आदर्श संशोधन और आदर्श ULB उपविधि (बिहार का रूप); "Part A — Model amendment to the Jharkhand Building Byelaws 2016" → भाग A — भवन उपविधि 2016 में आदर्श संशोधन; "**Table 9.5 — Minimum IS 456 exposure classes for Jharkhand locations**" → **तालिका 9.5 — झारखंड के स्थानों के लिए न्यूनतम IS 456 अनावरण वर्ग**; "**Table 8.3 — BMP Value Ratings and suitability in Jharkhand**" → **तालिका 8.3 — BMP की मूल्य श्रेणियाँ और झारखंड में उपयुक्तता** — परिशिष्ट शीर्षक, अध्यायों के अंत की परिशिष्ट-सूचियाँ और पाठ के संदर्भ एक ही रूप में
Bodies other than the Government (Authority, Corporation, Department, Committee)	प्राधिकरण, निगम, विभाग, समिति — लिंग हिन्दी संज्ञा के अनुसार (प्राधिकरण, निगम, विभाग पुल्लिंग; समिति, परिषद स्त्रीलिंग)
Sub-rule / bye-laws	उपनियम / उपविधियाँ
Station (rain gauge, IMD, weather) / pump station, pumping station	केंद्र (वर्षामापी केंद्र, मौसम केंद्र) / पंपिंग स्टेशन
Observatory (IMD)	वेधशाला (observatory)
Fixed-interval factor / correction	नियत-अंतराल गुणक / संशोधन (correction)
Loss rate	हानि दर (loss rate)
Time to peak / lag time	चरम तक समय (time to peak) / पश्चता समय
Cover (manhole, chamber, tank) / grating / cover slab	ढक्कन (cover) / जाली (grating) / ढकने की स्लैब (cover slab)

English	हिन्दी
Hydraulic radius	हाइड्रोलिक त्रिज्या
Overtopping (road, culvert, embankment) / not overtopped	ऊपर से बहना (overtopping) / ऊपर से न बहे
Oil-grit separator	तेल-ग्रिट पृथक्कारी (oil-grit separator)
Commissioning / commissioning record	चालू करना (commissioning) / चालू करने का अभिलेख
Open data / open licence	मुक्त आँकड़े (open data) / मुक्त लाइसेंस
Certifying professional / certifier	प्रमाणकर्ता पेशेवर / प्रमाणकर्ता
Document / documented / documentation	दस्तावेज / दस्तावेजित / प्रलेखन
Attribute (GIS field)	गुण (attribute)
Disclosure (front matter, interest of the author) / Disclosure (Chapter 7, statement of a gap in the law)	हित-प्रकटन (Disclosure) / प्रकटन (Disclosure)
Data / data gap / not found online / not obtained	आँकड़े / आँकड़ों की कमी / ऑनलाइन नहीं मिला / प्राप्त नहीं हुआ
Agency / agencies / jurisdiction / multi-agency coordination	एजेंसी / एजेंसियाँ / अधिकार क्षेत्र (jurisdiction) / बहु-एजेंसी समन्वय
Capacity / design capacity / full capacity	क्षमता / डिजाइन क्षमता / पूर्ण क्षमता
Congestion (drainage) / backing up	जल निकासी अवरोध (drainage congestion) / पानी का पीछे लौटना
Resurfacing / subgrade / base	पुनः सतह बिछाना (resurfacing) / सबग्रेड (subgrade) / आधार परत (base)
Paving / compacted gravel / deck / roof	पक्की सतह (paving) / संघनित बजरी / डेक / छत
Reuse	पुनः उपयोग (reuse)
Successors in title	हक-उत्तराधिकारी (successors in title)
Common plan of development	विकास की साझा योजना (common plan of development)
Signs and depth markers	संकेत-पट और गहराई चिह्न (हिन्दी और अंग्रेजी में)
Fence / guard rail	बाड़ / सुरक्षा रेलिंग

English	हिन्दी
Plinth (byelaw 42.1.1: at least 450 mm) / basement / cellar (byelaw 48) / multi-storeyed buildings †	प्लिंथ (plinth; साझा पंक्ति "Plinth" का रूप, कुर्सी नहीं; "the plinth must be at least 450 mm above the surrounding ground (42.1.1), with no maximum" → प्लिंथ आसपास की भूमि से कम से कम 450 mm ऊपर होना चाहिए (42.1.1), कोई अधिकतम सीमा नहीं) / **बेसमेंट** (basement; पुल्लिंग; झारखंड संस्करण में सर्वत्र बेसमेंट; तहखाना नहीं) / तलघर (cellar; केवल उद्धरण "Basements/cellars" → "बेसमेंट/तलघर") / "the crest of a basement ramp" → बेसमेंट रैंप का शिखर / बहुमंजिला भवन (multi-storeyed buildings; "multi-storied" भी वही) / **Basements are barred in flood-prone areas that no rule defines. → बेसमेंट उन बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में वर्जित हैं जिन्हें कोई नियम परिभाषित नहीं करता।**
Allowance (climate change, sediment, sea level)	अतिरिक्त प्रावधान (allowance; छूट नहीं)
Rainfall zones JH-Z1, JH-Z2, JH-Z3 (Annex 2A) †	वर्षा जोन JH-Z1, JH-Z2, JH-Z3 (कोड रोमन में; "zone JH-Z1" → जोन JH-Z1; "three rainfall zones and seven hydrologic sub-areas" → तीन वर्षा जोन और सात जलवैज्ञानिक उप-भाग; "catchments that cross a zone line take the higher zone value" → जोन रेखा को पार करने वाले जलग्रहण क्षेत्र ऊँचे जोन का मान लेते हैं; "All zones" → सभी जोन; "JH-Z1 and JH-Z2" → JH-Z1 और JH-Z2)
JH-Z1 Chota Nagpur plateau †	JH-Z1 छोटानागपुर पठार
JH-Z2 Lowlands and the coalfield †	JH-Z2 निचले क्षेत्र और कोयला क्षेत्र
JH-Z3 Palamu–Latehar–Garhwa †	JH-Z3 पलामू–लातेहार–गढ़वा
Sub-areas JH-A to JH-G (as in "JH-Z1 Chota Nagpur plateau: JH-A Ranchi plateau (Subarnarekha headwaters)") †	उप-भाग JH-A से JH-G (तालिकाओं में जोन और उप-भाग साथ: "JH-Z1 छोटानागपुर पठार: JH-A रांची पठार (स्वर्णरेखा का उद्गम क्षेत्र)"; "JH-Z2 (JH-D): Jamshedpur (A)" → JH-Z2 (JH-D): Jamshedpur (A) (तालिका 2B.1 में केंद्र का नाम रोमन); "JH-Z1 (JH-A, JH-B) and JH-Z2 (JH-C, JH-D, JH-E)" → JH-Z1 (JH-A, JH-B) और JH-Z2 (JH-C, JH-D, JH-E); "sub-area JH-F" → उप-भाग JH-F (उप-क्षेत्र केवल CWC का subzone); "in JH-C, JH-D and JH-E" → JH-C, JH-D और JH-E में); तालिकाओं में क्रम A, B, G, C, D, E, F अंग्रेजी जैसा; en dash वैसा ही ("Palamu–Latehar–Garhwa", "Subarnarekha–Kharkai", "Hazaribagh–Koderma–Giridih", "North Koel–Sone"); "boundaries [TBC]" → सीमाएँ [TBC]
JH-A Ranchi plateau (Subarnarekha headwaters) / JH-B Hazaribagh–Koderma–Giridih plateau and Parasnath / JH-G South-west plateau (Brahmani headwaters) †	JH-A रांची पठार (स्वर्णरेखा का उद्गम क्षेत्र) / JH-B हजारीबाग–कोडरमा–गिरिडीह पठार और पारसनाथ / JH-G दक्षिण-पश्चिमी पठार (ब्राह्मणी का उद्गम क्षेत्र) — headwaters = उद्गम क्षेत्र
JH-C Damodar coalfield belt / JH-D Subarnarekha–Kharkai lowland and Kolhan / JH-E Santhal Parganas and Ganga front †	JH-C दामोदर कोयला क्षेत्र पट्टी / JH-D स्वर्णरेखा–खरकई निचला क्षेत्र और कोल्हान / JH-E संथाल परगना और गंगा तटवर्ती क्षेत्र
JH-F Palamu–Latehar–Garhwa (North Koel–Sone) †	JH-F पलामू–लातेहार–गढ़वा (उत्तरी कोयल–सोन)
Zone-table area descriptions (the north of Khunti district, the south of Khunti district, the east of Chatra district on the Barakar side, the west of Chatra district, the Subarnarekha valley down to Muri and Silli, the 3(d) line about 0.15–0.3° west of Ranchi) †	खूंटी जिले का उत्तरी भाग / खूंटी जिले का दक्षिणी भाग / बराकर की ओर चतरा जिले का पूर्वी भाग / चतरा जिले का पश्चिमी भाग / मूरी और सिल्ली तक स्वर्णरेखा घाटी / रांची से लगभग 0.15–0.3° पश्चिम में 3(d) रेखा ("about 0.3° north-west of Hazaribagh" → हजारीबाग से लगभग 0.3° उत्तर-पश्चिम में; "near 85.05° E at Ranchi's latitude" → रांची के अक्षांश पर लगभग 85.05° E) — "Ranchi with Kanke, Namkum, Ratu and Ormanjhi" → कांके, नामकुम, रातू और ओरमांझी सहित रांची; "Koderma–Jhumri Telaiya" → कोडरमा–झुमरी तिलैया

English	हिन्दी
Sub-area (of a rainfall zone; of a catchment model) / all sub-areas	उप-भाग (sub-area) / सभी उप-भाग — उप-क्षेत्र केवल CWC subzone के लिए
Step (of a procedure, calculation, worked example or enforcement ladder) / Step 1 / steps / sub-step / step by step / time step	पद / पद 1 / पद / उप-पद / पद-दर-पद / समय पद (time step) — एक ही नियम सभी अध्यायों और परिशिष्टों में, आउटलेट चरण हो या न हो; चरण केवल stage (आउटलेट चरण, प्रस्तुति का चरण) के लिए; कदम केवल लाक्षणिक अर्थ में ("the first step toward encroachment" → अतिक्रमण की ओर पहला कदम)
Plan (drawing view): in plan / plan and section / plan area / plan size	प्लान: प्लान में / प्लान और काट / प्लान क्षेत्रफल (plan area) / प्लान आकार
Plan (a drawing sheet): site plan / building plan / service plan / catchment plan / drainage plan (in a submittal) / plan drawing / shown on plan	नक्शा: साइट नक्शा / भवन नक्शा / सेवा नक्शा / जलग्रहण क्षेत्र का नक्शा / जल निकासी नक्शा / नक्शा / नक्शे पर दर्शाया गया
Plan (a drainage plan document): master plan / basin plan / IUSWDMP / the plan (referring to these)	मास्टर प्लान / बेसिन प्लान / IUSWDMP / प्लान (पुल्लिंग: "बेसिन प्लान अधिसूचित किया गया हो")
Plan (a scheme): O&M plan / action plan / fee-in-lieu scheme / basin planning	योजना: O&M योजना / कार्य योजना / एवज शुल्क योजना / बेसिन-स्तरीय नियोजन (development plan, master plan के लिए † पंक्ति देखें; "district flood-control action plans" → जिला बाढ़ नियंत्रण कार्य योजनाएँ)
I state that … / I declare that … / I certify that … / I confirm that …	मैं कथन करता/करती हूँ कि … / मैं घोषणा करता/करती हूँ कि … / मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि … / मैं पुष्टि करता/करती हूँ कि …
Landlocked	भू-आबद्ध (स्थलरुद्ध नहीं)
Default (value, assumption) / in default (works in default)	डिफॉल्ट (default) / चूक की दशा में (works in default)
Parameter / water quality parameters	प्राचल / जल गुणवत्ता प्राचल (मापदंड नहीं; मानदंड = criterion)
Lookup (soil-series-to-HSG lookup)	मिलान-सूची (lookup)
Liner / lined / unlined (storage, tank, pond, bioretention or other BMP)	लाइनर (liner) / लाइनरयुक्त / बिना लाइनर का — चैनल के अस्तर (lining) से अलग
Compaction / compacted	संघनन (compaction) / संघनित (दबाई गई नहीं)
Backfill	पीछे भराई (backfill)
Developer	विकासकर्ता
Instrument (legal)	लिखत (विलेख नहीं; tool = साधन)
Right of way (ROW)	मार्गाधिकार (right of way)
Estuary	ज्वारनदमुख (estuary; झारखंड में लागू नहीं)
Polder	पोल्डर (polder)

English	हिन्दी
Breach (of a tank embankment) / breach analysis / breach area	तटबंध टूटना / तटबंध टूटने का विश्लेषण (breach analysis) / तटबंध टूटने से प्रभावित क्षेत्र; नाम वाले बाँध (S.M. Bund, L.M. Bund) के लिए बाँध का टूटना
Danger mark / record level / highest level recorded / high flood level (HFL)	खतरे का निशान / रिकॉर्ड स्तर / दर्ज सबसे ऊँचा स्तर / उच्चतम बाढ़ स्तर (HFL)
Floodplain zoning (URDPFI) / flood land	डूब क्षेत्र का जोनिंग (floodplain zoning; बाढ़ मैदान नहीं) / बाढ़ भूमि
Wherever feasible / wherever possible / recreational use	जहाँ भी व्यवहार्य हो / जहाँ भी संभव हो / मनोरंजक उपयोग (मनोरंजन उपयोग नहीं)
Soil survey bodies (Chapter 3, Annexes 3A and 4A) †	राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (NBSS&LUP); झारखंड का कृषि विभाग (मृदा सर्वेक्षण); बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (BAU), कांके — "NBSS&LUP and Jharkhand Department of Agriculture" → NBSS&LUP और झारखंड का कृषि विभाग; लेखकों के नाम रोमन में
Form titles (copy the form heading exactly wherever a form is named)	प्रपत्र 1-1 प्रयोज्यता निर्धारण; 1-2 विचलन / अधित्याग अनुरोध; 2-1 डिजाइन वर्षा पत्रक; 3-1 जलवैज्ञानिक गणना सारांश; 3-2 विकास-पूर्व बनाम विकास-पश्चात तुलना; 4-1 साइट अपवाह नियंत्रण रिपोर्ट; 4-2 टियर B साइट पत्रक; 4-3 नियत-गुणांक मार्ग पत्रक (खंड 4.14.3 से 4.14.7); 5-1 अनुप्रवाह और टेलवाटर रिपोर्ट; 5-2 सरलीकृत अनुप्रवाह विवरण (छोटी साइटें); 6-1 वहन डिजाइन रिपोर्ट जाँच-सूची; 7-1 जलाशय पत्रक; 7-2 तालाब भंडारण क्रेडिट पत्रक; 7-3 प्रतिपूरक भंडारण गणना (ऊँचाई पट्टी के अनुसार); 8-1 जल गुणवत्ता पत्रक; 8-2 अंतःस्यंदन परीक्षण अभिलेख; 9-1 हाइड्रोलिक संरचना रिपोर्ट जाँच-सूची; 10-1 जल निकासी रिपोर्ट जाँच-सूची; 10-2 अनुपालन कैलकुलेटर सारांश; 10-3 पेशेवर डिजाइन प्रमाण-पत्र; 10-4 रोक-बिंदु निरीक्षण अभिलेख; 10-5 यथा-निर्मित प्रमाण-पत्र; 10-6 रखरखाव घोषणा-पत्र; 10-7 वार्षिक रखरखाव घोषणा और निरीक्षण रिपोर्ट; 10-8 परिसंपत्ति हस्तांतरण प्रमाण-पत्र; 11-1 वार्षिक कार्यान्वयन रिपोर्ट
Annex and form lists at chapter ends	प्रत्येक पंक्ति का पाठ परिशिष्ट या प्रपत्र के शीर्षक की हूबहू प्रति (जहाँ अंग्रेजी में भी वही है)
The Manual is a draft; it is not adopted by any government or agency	यह मैनुअल एक प्रारूप है; यह किसी सरकार या एजेंसी द्वारा अंगीकृत नहीं किया गया है
Notification / order / resolution / memo number / circular of the Government of Jharkhand and its bodies †	**अधिसूचना** (notification; स्त्रीलिंग; संख्या: "notification No. ..." → अधिसूचना संख्या ...; UD&HD की अधिसूचनाएँ "सं0-" छापती हैं — इस मैनुअल में संख्या) / **ज्ञापांक** (memo number; सत्यापित — UD&HD का "ज्ञापांक-02/न0वि0/मास्टर प्लान-104/2008...4371"; केवल जहाँ अंग्रेजी Memo No. लिखे; हरियाणा का ज्ञापन क्रमांक नहीं) / **आदेश** (order; पुल्लिंग; "Order No. 33" (उच्च न्यायालय) → आदेश संख्या 33) / **संकल्प** (resolution; "Resolution No. _____" → संकल्प संख्या _____; "विभागीय संकल्प" UD&HD का रूप) / परिपत्र (circular) / निर्देश (direction) — सरकारी आदेश नहीं, शासनादेश नहीं; संख्या सदा "संख्या", क्रमांक नहीं
Jharkhand High Court / High Court of Jharkhand / NGT Eastern Zone bench (EZ) / W.P.(PIL) / PIL / O.A. / I.A. †	**झारखंड उच्च न्यायालय** ("the Jharkhand High Court", "High Court of Jharkhand", "the High Court", "the Court" → झारखंड उच्च न्यायालय / उच्च न्यायालय / न्यायालय) / **NGT की पूर्वी क्षेत्र पीठ** ("NGT (Eastern Zone)", "National Green Tribunal (Eastern Zone)" → NGT (पूर्वी क्षेत्र), राष्ट्रीय हरित अधिकरण (पूर्वी क्षेत्र); "(EZ)" वैसा ही; बिहार संस्करण का रूप; "the Tribunal" → अधिकरण) / W.P.(PIL), PIL, O.A., OA, I.A. — संख्याएँ हूबहू, बिंदु सहित या बिना, जैसा अंग्रेजी ("W.P.(PIL) 1325/2011" वैसे ही; "W.P.(PIL) 1325 of 2011" → W.P.(PIL) 1325 of 2011 — मामले की संख्या अंग्रेजी रूप में; "I.A. 56/2024 in O.A. 145/2023" → O.A. 145/2023 में I.A. 56/2024 (बाद वाली संख्या पहले, साझा नियम); "Interlocutory Application No. 56 of 2024" → अंतर्वर्ती आवेदन (Interlocutory Application) संख्या 56 of 2024; "PIL 2636/2024" वैसे ही)

English	हिन्दी
Affidavit / counter-affidavit / status report / quarterly progress report / joint committee / petition †	शपथ-पत्र (affidavit; "State affidavit" → राज्य का शपथ-पत्र) / प्रति-शपथपत्र (counter-affidavit) / स्थिति रिपोर्ट (status report) / तिमाही प्रगति रिपोर्ट ("Second and Third Quarterly Progress Reports" → दूसरी और तीसरी तिमाही प्रगति रिपोर्ट) / **संयुक्त समिति** (joint committee; "a joint committee of the NGT", "the NGT's Joint Committee" → NGT की संयुक्त समिति; "the joint committee report of 14 March 2024" → 14 मार्च 2024 की संयुक्त समिति रिपोर्ट) / याचिका / "as quoted in an intervention" → एक हस्तक्षेप-आवेदन में उद्धृत रूप में
Case names (Court on its own motion v. State of Jharkhand; Khushboo Kataruka v. State of Jharkhand; Tribunal on its own motion v. State of Jharkhand; M.C. Mehta v. Union of India; Sanjay Chauhan v. Central Coalfields Ltd.; Pratik Sharma v. State of Jharkhand) †	मामलों के नाम अंग्रेजी में, स्रोत की तरह इटैलिक; कोई हिन्दी टिप्पणी नहीं जोड़ी जाती — आसपास का वाक्य हिन्दी में बताता है कि न्यायालय ने क्या किया
Court and tribunal orders named in the Manual (High Court, Order No. 33 of 16 April 2013; 31 July 2025; 7 January 2026; NGT, 8 July 2024) †	16 अप्रैल 2013 का आदेश संख्या 33 (W.P.(PIL) 1325 of 2011, नदियाँ) — उद्धरण "nothing has been done ... except some paper orders" → "कुछ कागजी आदेशों के सिवाय ... कुछ नहीं किया गया है"; "reclamation of the area of the rivers which may have been damaged" → "नदियों के उस क्षेत्र को वापस प्राप्त करना जो क्षतिग्रस्त हुआ हो"; "rampant and indiscriminate construction of high-rise building on the river-bed of pristine Subernarekha river" → "निर्मल स्वर्णरेखा नदी के तल पर ऊँचे भवनों का अनियंत्रित और अंधाधुंध निर्माण" ("Subernarekha" अंग्रेजी कोष्ठक में वैसे ही) / 31 जुलाई 2025 का आदेश (W.P.(PIL) 1463 of 2020, रांची के जलाशय; "directed that encroachments be removed from Ranchi's water bodies and their surroundings be made "no-entry" zones, fenced with barbed wire" → निर्देश दिया कि रांची के जलाशयों से अतिक्रमण हटाए जाएँ और उनके आसपास के क्षेत्र को कँटीले तार से घेरकर "प्रवेश-निषिद्ध" ("no-entry") जोन बनाया जाए; "after "several acres" were found encroached" → "कई एकड़" ("several acres") अतिक्रमित पाए जाने के बाद) / 7 जनवरी 2026 का आदेश ("was not read" → पढ़ा नहीं गया; **The Court's orders of 2025 and 2026, including that of 7 January 2026, were not read for this Manual → न्यायालय के 2025 और 2026 के आदेश, 7 जनवरी 2026 के आदेश सहित, इस मैनुअल के लिए पढ़े नहीं गए**) / NGT का 8 जुलाई 2024 का आदेश (O.A. 145 of 2023 (EZ))
Division / sub-division / circle (offices of WRD, the Drinking Water and Sanitation Department and other Jharkhand departments; "WRD (division)"; Divisional Commissioner) †	**प्रमंडल** (Division; बिहार और झारखंड का आधिकारिक शब्द — "WRD (division)" → WRD (प्रमंडल); "[WRD division / ULB / Gram Panchayat / Other]" → [WRD प्रमंडल / ULB / ग्राम पंचायत / अन्य] — परिशिष्ट 7C की पंक्ति A07 151, जो मध्य प्रदेश से पुनः प्रयुक्त होकर "WRD संभाग" लिखती है, प्रमंडल में बदली जाएगी) / अवर प्रमंडल (sub-division) / अंचल (engineering circle) / प्रमंडलीय आयुक्त (Divisional Commissioner) — साझा मंडल (हरियाणा), संभाग (मध्य प्रदेश) नहीं; IMD का उप-मंडल (sub-division) साझा रूप में वैसा ही; खंड नहीं
Monsoon water line †	मानसून जल रेखा (monsoon water line: खंड 7.2 के बाद की परिभाषा — मानसून की दिनांकित इमेजरी से तालाब, बाँध, जलाशय या आर्द्रभूमि के पानी का बाहरी किनारा; इस मैनुअल की परिभाषा)
Over-exploited / critical / semi-critical / safe (groundwater units) / stage of extraction / fluoride / arsenic †	अति-दोहित (over-exploited) / गंभीर (critical) / अर्ध-गंभीर (semi-critical) / सुरक्षित (safe) — भूजल इकाइयाँ / दोहन का चरण (stage of extraction; "32.89% in 2025" वैसे ही; "draws only about a third of its extractable groundwater" → अपने दोहन योग्य भूजल का केवल लगभग एक-तिहाई निकालता है) / फ्लोराइड ("fluoride above 1.5 mg/l" → 1.5 mg/l से अधिक फ्लोराइड; mg/l और mg/L अंग्रेजी जैसा) / आर्सेनिक ("arsenic-affected" → आर्सेनिक-प्रभावित) — उद्धरण "Sporadic fluoride contamination in Ormanjhi, Ranchi sadar and Silli blocks" → "ओरमांझी, रांची सदर और सिल्ली प्रखंडों में छिटपुट फ्लोराइड संदूषण"

English	हिन्दी
Depth to water / weathered zone / recharge first where the aquifer is stressed / stressed units / hydrogeologist †	भूजल स्तर की गहराई (depth to water; "0.45–33 m ... May 2022" वैसे ही; "the water stood 33 m down before the monsoon of 2022" → 2022 के मानसून से पहले पानी 33 m नीचे था) / अपक्षयित क्षेत्र (weathered zone) / **Recharge first where the aquifer is stressed.** → **जहाँ जलभृत पर दबाव है, वहाँ पहले पुनर्भरण.** (बोल्ड लेबल, पूर्ण विराम ASCII) / "the stressed units" → दबावग्रस्त इकाइयाँ / "the recharge-first rule" → पहले-पुनर्भरण नियम / **No recharge credit on wet or disturbed ground.** → **गीली या विक्षुब्ध भूमि पर कोई पुनर्भरण क्रेडिट नहीं.** / **Fluoride and arsenic.** → **फ्लोराइड और आर्सेनिक.** / **The State therefore needs opposite rules in different places.** → **इसलिए राज्य को अलग-अलग स्थानों पर विपरीत नियमों की आवश्यकता है।** / जल-भूवैज्ञानिक (hydrogeologist) / उद्धरण "In lateritic terrain many dug wells dry up during summer months" → "लैटेराइटी भूभाग में अनेक खुदे कुएँ गर्मी के महीनों में सूख जाते हैं"
Lok Sabha / Rajya Sabha / unstarred question / question No. 267 †	लोक सभा / राज्य सभा / अतारांकित प्रश्न (AU1847, AU1419 वैसे ही) / "Reply to Question 267, 13 Feb 2025" → 13 Feb 2025 को प्रश्न 267 का उत्तर (संदर्भ में); "Rajya Sabha reply of 13 February 2025" → 13 फरवरी 2025 का राज्य सभा का उत्तर; "Lok Sabha reply of 18 December 2025" → 18 दिसंबर 2025 का लोक सभा का उत्तर; "reported to Parliament in 2014" → 2014 में संसद को बताया गया
Pre-monsoon desilting (by 31 May) / monsoon season from 10 June to 20 October / drain-cleaning by early June †	मानसून-पूर्व गाद-सफाई (31 मई तक; साझा) / **10 जून से 20 अक्तूबर तक एक पूरा मानसून मौसम** ("**one full monsoon season, from 10 June to 20 October,**" → **10 जून से 20 अक्तूबर तक एक पूरा मानसून मौसम,** — बोल्ड अंग्रेजी जैसा) / "by early June" (समाचार, उद्धरण) → "जून के आरंभ तक" / "The monsoon normally sets in over the State about 12 June" → मानसून सामान्यतः लगभग 12 जून को राज्य में प्रवेश करता है; "withdraws between 8 October at Daltonganj and 12 October at Jamshedpur" → डालटनगंज में 8 अक्तूबर और जमशेदपुर में 12 अक्तूबर के बीच लौटता है; "a monsoon that arrives in mid-June and lingers into October" → मध्य जून में आने वाला और अक्तूबर तक बना रहने वाला मानसून
Reach (of a river, drain, channel, pipe network or waterbody)	भाग (reach) — प्रत्येक अनुभाग में पहली बार "(reach)" के साथ; नदी का reach = नदी-भाग (river reach); "the same reach of the same waterbody" → उसी जलाशय का उसी भाग; pipe reach / drain reach → पाइप का भाग / ड्रेन का भाग; "riverine outfall reach" → नदी आउटफॉल वाला नदी-भाग; "tidal reaches of rivers and canals" → नदियों और नहरों के ज्वारीय भाग; "encroached reaches" → अतिक्रमित भाग। खंड नहीं (खंड इस मैनुअल के खंड के लिए आरक्षित है), पहुँच नहीं (पहुँच = access, "reach to orifices" → ऑरिफिस तक पहुँच)
Section (of a channel, drain or conduit) / change of section / clear section / circular sections	अनुप्रस्थ काट (section) / अनुप्रस्थ काट में परिवर्तन (change of section) / स्पष्ट अनुप्रस्थ काट (clear section) / वृत्ताकार अनुप्रस्थ काट (circular sections) — खंड नहीं। (दिल्ली संस्करण के 6 और 9 में अब भी "खंड" है; flow segment, gutter run, straight pipe run के "खंड" साझा चित्रों से जुड़े हैं और अभी वैसे ही रखे गए हैं)
Clause of another code or standard (PUB Code of Practice, cl. 7.1.5)	cl. 7.1.5 (रोमन में, जैसा अन्य PUB उद्धरणों में) — खंड नहीं
Interception / interception structure / interception weir / interceptor	अवरोधन (interception) / अवरोधन संरचना (interception structure) / अवरोधन वियर / इंटरसेप्टर (interceptor) — "interception (drain-tapping) structures" → अवरोधन (ड्रेन-टैपिंग) संरचनाएँ
Inundation / inundation analysis	जलमग्नता (inundation) / जलमग्नता विश्लेषण (inundation analysis) — जलप्लावन नहीं; जलजमाव नहीं
Urban flooding / urban flash floods	शहरी बाढ़ (urban flooding; "नगरीय बाढ़" नहीं) / शहरी आकस्मिक बाढ़ें (urban flash floods)
Outcrop (rock)	खुली चट्टान (outcrop) — "granite-gneiss outcrop" → ग्रेनाइट-नीस की खुली चट्टान
Pumping station / tide-locked / not closed by the tide	पंपिंग स्टेशन ("पंप स्टेशन" नहीं) / ज्वार से अवरुद्ध / ज्वार से अवरुद्ध नहीं

English	हिन्दी
Byelaw references (running text) †	सदा "झारखंड भवन उपविधि, 2016" (अध्याय में पहली बार) या "भवन उपविधि 2016" (वर्ष सहित; उपकरण के अर्थ में अकेला "उपविधि" नहीं) और उसके क्रमांकित प्रावधान के लिए सदा "उपविधि N" — खंड, कोड, नियम, विनियम, प्रस्तर, धारा या पैरा नहीं; "Byelaw" / "byelaw" / "bye-law" / "Bye-laws" — अंग्रेजी की सभी वर्तनियों के लिए उपविधि; "the river-front, basement or rainwater harvesting byelaws" → नदी-तट, बेसमेंट या वर्षा जल संचयन संबंधी उपविधियाँ (बहुवचन केवल जहाँ अनेक प्रावधानों का अर्थ हो); "the clauses on rivers, basements or rainwater harvesting" (उपविधि के) → नदियों, बेसमेंट या वर्षा जल संचयन संबंधी प्रावधान (खंड नहीं)
Talab bund / bandh / reservoir bund †	तालाब का बाँध / बाँध का बाँध नहीं — "a bandh's bund" → बाँध (bandh) का तटबंध (bund), ताकि शब्द दोहराया न जाए / जलाशय का बाँध (tank bund, खंड 7.14) — "a talab's, bandh's or reservoir's bund is a tank bund (Clause 7.14.2)" → किसी तालाब, बाँध (bandh) या जलाशय का तटबंध तालाब का बाँध (tank bund) है (खंड 7.14.2)
Full tank level (FTL) of a talab or city reservoir / full reservoir level (FRL) / maximum water level (MWL) / flood-management and conservation levels (DVC) / land-acquisition level †	पूर्ण जल स्तर (FTL) — किसी नाम वाले तालाब या जलाशय के साथ "तालाब का" न जोड़ें ("the FTL of the Kanke, Dhurwa and Rukka dams" → कांके, धुर्वा और रुक्का डैम का FTL; "full tank or reservoir level (FTL)" → तालाब या जलाशय का पूर्ण जल स्तर (FTL); "full-tank-level line" → पूर्ण जल स्तर रेखा) / **जलाशय का पूर्ण जल स्तर (FRL)** (full reservoir level; साझा रूप; "पूर्ण जलाशय स्तर" नहीं; CWC के quoted "full reservoir levels" → "जलाशय के पूर्ण जल स्तर") / अधिकतम जल स्तर (MWL) / "FTL plus the surcharge in its design flood" → FTL जमा उसकी डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज (surcharge) / "design-flood surcharge" → डिजाइन बाढ़ का सरचार्ज ("Surcharge" की साझा पंक्ति; अतिरिक्त भार-स्तर, अधिभार नहीं) / बाढ़ प्रबंधन स्तर (flood-management level; "maximum flood-management level" → अधिकतम बाढ़ प्रबंधन स्तर) / संरक्षण स्तर (conservation level) / अधिकतम बाढ़ स्तर (maximum flood level: "the level CWC lists as FRL is DVC's maximum flood level, not the conservation level" → CWC जिसे FRL के रूप में सूचीबद्ध करता है वह DVC का अधिकतम बाढ़ स्तर है, संरक्षण स्तर नहीं) / भू-अर्जन स्तर (land-acquisition level) / "FTL (full tank level) is the term of the Ranchi Master Plan 2037 for its reservoirs; FRL (full reservoir level) is CWC's" → FTL (तालाब का पूर्ण जल स्तर) रांची मास्टर प्लान 2037 का अपने जलाशयों के लिए शब्द है; FRL (जलाशय का पूर्ण जल स्तर) CWC का
Army †	सेना (army; "the army was called in" → सेना बुलाई गई)
Press and other sources named in the Manual (The Telegraph, Avenue Mail, Hindustan Times, The Week, ThePrint, Swarajya, LiveLaw, Deccan Herald, Press Trust of India, NewsDrum, Devdiscourse, Magzter, TeamLease RegTech, PRS, SANDRP) †	नाम अंग्रेजी में, संदर्भों में वैसे ही; चालू पाठ में "the Press Trust of India" → प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (PTI); "(press)" → (समाचार माध्यम); "as transcribed by SANDRP" → SANDRP द्वारा लिखित रूप में; "TeamLease renders the number as ..." → TeamLease संख्या को ... लिखता है
Peri-urban	उपनगरीय (peri-urban; एक शब्द, "उप-नगरीय" नहीं)
Notification, file, EC and project numbers (7/न0वि0/अधि0/स0सो0/102/2013-2006; J-11015/72/2016-IA.II(M); 34011/28/2019-CPAM; 6/Vanprani (wetland)-08/2016-2138; RL03102017031008PM; P158502; RMC-BP-...) †	संख्याएँ हूबहू — देवनागरी संक्षेप (न0वि0, अधि0, स0सो0, मा0) ASCII 0 सहित, रोमन अक्षर, अंक, कोष्ठक, बिंदु, स्लैश और हाइफन स्रोत की तरह; कभी लिप्यंतरण नहीं; "file" (संख्या के साथ) → फाइल; संचिका नहीं

English	हिन्दी
Square brackets inside a bracketed English original	उद्धरण के बाद कोष्ठक में दिए अंग्रेजी मूल के भीतर के गोल कोष्ठक वर्गाकार कोष्ठक बन जाते हैं, शब्द वही: ("within nine [9] meters of the highest water mark of a tank"), ("A watercourse; channel [for water], a ravine; ...") — UP के ("roads [paved/unpaved]") की तरह
Reference entries with Hindi connecting text	जिस संदर्भ-प्रविष्टि का अंतिम अंश हिन्दी में अनूदित है, वह URL से पहले दंड (।) से समाप्त होती है; अनुवादित अंश में पूरे महीने हिन्दी में (3 अगस्त 2025, 12 जनवरी 2026; "15 May 2020 की प्रेस विज्ञप्ति" नहीं, 15 मई 2020 की प्रेस विज्ञप्ति) और संस्थाओं के नाम देवनागरी में (NIH रुड़की); संक्षिप्त महीने (12 Jan 2026, "27 May, 11 and 22 Jul and 24 Nov 2014") और अंग्रेजी शीर्षकों के भीतर के महीने अंग्रेजी रूप में वैसे ही। मध्य प्रदेश संस्करण का नियम (बिहार संस्करण में अध्याय 1, 4 और 8 पूर्ण विराम, अन्य अध्याय दंड लिखते थे): URL से ठीक पहले का अंतिम वाक्य (संक्षेपों के बाद के "No.", "pp.", "Vol." वाक्य-सीमा नहीं) यदि हिन्दी शब्द रखता है — कोष्ठक में भी, जैसे "(प्रस्तुति)", "(PRS प्रति, ...)", "pp. 58–59 और Table 18" — तो दंड; यदि वह केवल अंग्रेजी शीर्षक है ("(अब MHFD) (2012). Full Spectrum Detention Release Rate Memorandum.") या पूरी प्रविष्टि अंग्रेजी है, तो पूर्ण विराम; यही नियम बिना URL वाली प्रविष्टि के अंत पर। अध्याय 10 और 11 की संदर्भ-सूचियाँ बिहार संस्करण की तरह पूर्णतः अंग्रेजी में रहती हैं। बाहरी रिपोर्ट की तालिका संदर्भ-प्रविष्टि में अंग्रेजी रूप में (Table 2, Table 18)
Vulnerability study / city vulnerability assessment / vulnerability and risk assessment	सुभेद्यता अध्ययन (vulnerability study) / शहरी सुभेद्यता आकलन (city vulnerability assessment) / सुभेद्यता और जोखिम आकलन — असुरक्षा, भेद्यता और संवेदनशीलता नहीं (संवेदनशीलता = sensitivity: संवेदनशीलता रन (sensitivity run)); अंग्रेजी शीर्षक (*Indore City Vulnerability Assessment*) संदर्भों में अंग्रेजी में। तालिका 6.4 का पुनः प्रयुक्त शीर्षक "संयुक्त बाढ़ जोखिम संवेदनशीलता वर्ग" (hazard vulnerability classes) UP/बिहार का साझा पाठ है और वैसा ही रहता है
Court case / "as the State told the NGT" / report to the Tribunal †	न्यायालय का मामला / "in 2024 the State told the National Green Tribunal (NGT) that ..." → 2024 में राज्य ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) को बताया कि ... / "report to the Tribunal" → अधिकरण को रिपोर्ट — न्यायालयीन नहीं
Statutory master plan (shared lines of Chapters 6 and 11 and Annex 11) / master plan †	सांविधिक मास्टर प्लान ("future land use from the statutory master plan" → सांविधिक मास्टर प्लान से भविष्य का भूमि उपयोग; पुनः प्रयुक्त पंक्तियों का रूप) / मास्टर प्लान (झारखंड की सांविधिक योजना: रांची मास्टर प्लान 2037, जमशेदपुर (UA) मास्टर प्लान 2027, धनबाद मास्टर प्लान 2041)
Platts's glosses in Annex 7E (translator's note)	"(उद्धरण-चिह्नों में अंग्रेजी में, उनके हिन्दी अनुवाद के साथ)" — परिशिष्ट 7E के परिचय में यह टिप्पणी अंग्रेजी में नहीं है, पर बिहार संस्करण की तरह रखी जाती है, क्योंकि तालिकाएँ प्लैट्स के अर्थ इसी रूप में देती हैं
Laterite / laterite caps	लैटेराइट / लैटेराइट आवरण (laterite caps; "on rock outcrop and laterite caps" → खुली चट्टान और लैटेराइट आवरणों पर) — लैटेराइट की परतें नहीं
"talab or pond (talab, pokhar...)" / "Talab (तालाब; pokhar)" (definitions after Clause 7.2) †	तालाब या पोखर (talab, pokhar...) / तालाब (talab; पोखर) — परिभाषा तालिका के शब्द-स्तंभ में अंग्रेजी जो देवनागरी देती है, वह मुख्य शब्द बनता है और रोमन कोष्ठक में जाता है
Gauge reading / gauge zero / gauge datum / Survey of India benchmark †	गेज पाठ्यांक (gauge reading) / गेज का शून्य (gauge zero) / गेज डेटम (gauge datum) / भारतीय सर्वेक्षण विभाग का बेंचमार्क (Survey of India benchmark) — "tie ... to the project datum ... by levelling" → समतलन द्वारा ... को परियोजना डेटम से जोड़ना
Design discharge / design flow / cusec, lakh cusecs †	डिजाइन प्रवाह (design discharge, design flow; डिजाइन निस्सरण या डिजाइन डिस्चार्ज नहीं; "a 25-year design flow at chainage 10.4 km of 64.11 m^3/s, against 177 m^3/s by JUIDCO's own figures" → चेनेज 10.4 km पर 64.11 m^3/s का 25-वर्ष का डिजाइन प्रवाह, जबकि JUIDCO के अपने आँकड़ों से 177 m^3/s) / क्यूसेक (cusec; "cubic feet a second; 1 cusec = 0.0283 m^3/s" → घन फुट प्रति सेकंड; 1 क्यूसेक = 0.0283 m^3/s) / लाख क्यूसेक (lakh cusecs; "100,000 cusecs" → 1,00,000 नहीं, 100,000 क्यूसेक — अंक वैसे ही; अंग्रेजी का "lakh cusec" भी लाख क्यूसेक; "4,23,163 cusec" वैसे ही) — "This Manual quotes them as given and adds the metric value where it matters for design" → यह मैनुअल उन्हें बताए गए रूप में उद्धृत करता है और जहाँ डिजाइन के लिए आवश्यक हो वहाँ मीट्रिक मान जोड़ता है

English	हिन्दी
Statutory and official (Table 7E.3 — Statutory and official terms) / statutory, master plan or court line †	सांविधिक और आधिकारिक ("Statutory and official terms" → सांविधिक और आधिकारिक शब्द) / "any statutory, master plan or court line" → कोई भी सांविधिक, मास्टर प्लान या न्यायालयी रेखा; "**Statutory and approval setbacks.**" → **सांविधिक और अनुमोदन सेटबैक.** — न्यायालयीन नहीं
Cross-references and titles (consistency pass)	अध्याय-शीर्षक, "अध्याय N के परिशिष्ट — ..." समूह-शीर्षक, विषय-सूची की तालिका और प्रत्येक अध्याय की "परिशिष्ट और प्रपत्र" सूची एक ही शीर्षक लिखते हैं: सूची की पंक्ति का विषय परिशिष्ट या प्रपत्र के शीर्षक से हूबहू लिया जाता है (जहाँ अंग्रेजी सूची शीर्षक से भिन्न है, जैसे "Design Rainfall Sheet (Chapter 2)", वहाँ अंग्रेजी के अनुसार); पाठ में शीर्षक सहित संदर्भ ("Form 4-2 (Tier B site sheet)" → प्रपत्र 4-2 (टियर B साइट पत्रक)) भी शीर्षक के शब्द लेते हैं; "Tables 7E.1 to 7E.3" → तालिका 7E.1 से 7E.3
Numbers of Jharkhand instruments (consistency) †	भवन उपविधि 2016 के प्रावधान सदा उपविधि N (परिशिष्ट 1D भाग A के आदर्श पाठ में अंग्रेजी के "rule" के लिए बिहार की तरह नियम); झारखंड के अधिनियम: "झारखंड अधिनियम संख्या , <वर्ष>"; अधिसूचना, आदेश, संकल्प, रिपोर्ट: संख्या; UD&HD के पत्र: ज्ञापांक; झारखंड राजपत्र (असाधारण); नगरपालिका अधिनियम की धारा; रांची मास्टर प्लान की शर्त; कोयला खान विनियम का विनियम — संगति जाँच में सभी फाइलों में एक ही रूप
Grey water / sullage †	ग्रे वाटर (grey water) / सलेज (sullage)
Underpass / national highway / jam †	अंडरपास (underpass) / राष्ट्रीय राजमार्ग (national highway) / जाम
Read status of instruments and sources (not read; as reported; titles only; first pages only; summaries only; third-party copy; as copied; as filed) †	(पढ़ा नहीं गया) / (प्रकाशित खबरों के अनुसार) / (केवल शीर्षक) / (केवल पहले पृष्ठ; "first pages only") / (केवल सारांश; पढ़े नहीं गए) / (तृतीय-पक्ष प्रति) / (प्रतिलिपि के अनुसार; "as copied") / (दाखिल रूप में; "as filed") / (पढ़े गए रूप में; "as read") / "seen only in summaries" → केवल सारांशों में देखे गए; "(summaries only; not read)" → (केवल सारांश; पढ़े नहीं गए); "whose outcome was not found" → जिसका परिणाम नहीं मिला; "the notification itself was not read" → अधिसूचना स्वयं पढ़ी नहीं गई; "seen in an unofficial copy" → एक अनौपचारिक प्रति में देखा गया; "by NEER's arithmetic" → NEER की गणना के अनुसार — हर स्थिति-वाक्यांश ज्यों का त्यों, कभी हटाया नहीं जाता
River lock / drain lock / single lock / 7-day lock / 72-hour lock / lock window	नदी अवरोध (river lock) / ड्रेन अवरोध (drain lock) / एकल अवरोध / 7 दिन का अवरोध / 72 घंटे का अवरोध / अवरोध अवधि (lock window) — "lock" सदा **अवरोध** (दिल्ली और UP संस्करणों के अध्याय 5 का साझा रूप); "लॉक" कभी नहीं ("locked out", पंप के लिए → लॉक-आउट, अलग अर्थ)
Corridor (rule) / hydraulic corridor / drain or river corridor / flood corridor / utility corridors / river corridors named by a court	**कॉरिडोर** — इस मैनुअल का कॉरिडोर और हर तकनीकी अर्थ: (हाइड्रोलिक) कॉरिडोर (hydraulic corridor) / ड्रेन या नदी कॉरिडोर / बाढ़ कॉरिडोर / उपयोगिता कॉरिडोर; "the larger of the corridor and any statutory, master plan or court line" → कॉरिडोर और किसी भी सांविधिक, मास्टर प्लान या न्यायालयी रेखा में से बड़ा / **नदी गलियारा** (river corridor) केवल वहाँ जहाँ कोई न्यायालय-आदेश "river corridors" नाम लेता है (राजस्थान संस्करण: "चिह्नित नदी गलियारे"); झारखंड की अंग्रेजी में ऐसा कोई आदेश नहीं, इसलिए झारखंड संस्करण में गलियारा नहीं आता — रांची मास्टर प्लान का "Light Rail Transit System के लिए कॉरिडोर" भी कॉरिडोर
Architect	वास्तुकार (architect; दिल्ली, UP, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान संस्करणों का रूप — वास्तुविद नहीं; "an architect or engineer" → कोई वास्तुकार या अभियंता)
Undertaking (by an owner or allottee) / State undertaking	वचन-पत्र (undertaking; "registered undertaking" → पंजीकृत वचन-पत्र; "asks its allottees for an undertaking" → अपने आवंटियों से वचन-पत्र माँगता है; "reaffirm by undertaking" → वचन-पत्र द्वारा पुनः पुष्टि — वचनपत्र, वचनबंध नहीं) / राज्य उपक्रम (State undertaking, एक निगम या कंपनी)
Monsoon burst / local burst	मानसून की तीव्र बौछार (monsoon burst; "a July or August monsoon burst" → जुलाई या अगस्त की मानसून की तीव्र बौछार — "मानसूनी तीव्र बौछार", "मानसून की तीव्र वर्षा" नहीं) / स्थानीय तीव्र बौछार (local burst) — ऊपर की पंक्ति "Burst (of rain)" के अनुसार burst सदा तीव्र बौछार
Office memorandum (of a Union ministry)	कार्यालय ज्ञापन (office memorandum; "O.M. No. 34011/28/2019-CPAM of 29 May 2020" (कोयला मंत्रालय) → 29 मई 2020 का कार्यालय ज्ञापन संख्या 34011/28/2019-CPAM) — † झारखंड सरकार के पत्रों की ज्ञापांक-संख्या (memo number) अलग शब्द है: ज्ञापांक (नीचे की † पंक्ति देखें)

English	हिन्दी
Boulders / boulder bed / cemented boulder bed / colluvial fans / perched soil	गोलाश्म (boulders; "sand, gravel and boulders" → रेत, बजरी और गोलाश्म — "बड़े पत्थर" नहीं) / गोलाश्म तल (boulder bed) / सीमेंटित गोलाश्म तल (cemented boulder bed) / कोलुवियल पंखे (colluvial fans) / निलंबित (perched) मिट्टी
Retardation dams (quoted policy)	मंदन डैम ("by ponding, retardation dams, grass waterways" → "पॉन्डिंग, मंदन डैमों और घास के जलमार्गों द्वारा")
Hydrogeologist / hydrogeological	जल-भूवैज्ञानिक (संज्ञा और विशेषण दोनों: "a hydrogeologist's check" → जल-भूवैज्ञानिक की जाँच; "hydrogeological report" → जल-भूवैज्ञानिक रिपोर्ट — जलभूविज्ञानी नहीं)
Backflow path	उलटे प्रवाह (backflow) का मार्ग (पश्चप्रवाह नहीं; ऊपर की पंक्ति "Backflow" देखें)
Urban drains / urban channels	शहरी ड्रेनें / शहरी चैनल ("नगरीय ड्रेन" नहीं; † UD&HD = नगर विकास एवं आवास विभाग, नगरीय नहीं)
Concurrent clearances (Clause 10.7.5)	समवर्ती अनापत्तियाँ (concurrent clearances; दिल्ली, UP, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा संस्करणों का शीर्षक; समवर्ती स्वीकृतियाँ नहीं) — "environmental clearance (EC)" अलग शब्द है: पर्यावरण स्वीकृति
Test-checked (CAG) †	नमूना-जाँच किए गए ("in nine test-checked ULBs" → नमूना-जाँच किए गए नौ ULB में; "in nine towns the CAG test-checked" → CAG द्वारा नमूना-जाँच किए गए नौ नगरों में)
Vetted / vetted report †	पुनरीक्षित (vetted; "its vetted report" → अपनी पुनरीक्षित (vetted) रिपोर्ट; "IIT Bombay's vetted report" → IIT बॉम्बे की पुनरीक्षित रिपोर्ट; "जाँची गई" नहीं)
Filing(s) (before a court or tribunal)	दाखिल दस्तावेज (filing; "read from filings" → दाखिल दस्तावेजों से पढ़ा गया; "the State's filing before the NGT" → NGT के समक्ष राज्य द्वारा दाखिल दस्तावेज; "as quoted in a filing before the Tribunal" → अधिकरण के समक्ष एक दाखिल दस्तावेज में उद्धृत रूप में; हरियाणा संस्करण का रूप — फाइलिंग, प्रस्तुति नहीं); "(as filed)" → (दाखिल रूप में)
Demolition / demolition orders / ordered the demolition of †	ध्वस्तीकरण (demolition; "before demolition" → ध्वस्तीकरण से पहले) / ध्वस्तीकरण आदेश (demolition orders) / "ordered the demolition of 56 structures" → 56 संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया (ढहाने, गिराने नहीं) / "the Subarnarekha demolitions" → स्वर्णरेखा के किनारे ध्वस्तीकरण / "notices and demolitions followed" → नोटिस और ध्वस्तीकरण की कार्रवाइयाँ हुईं
Fence / fencing / fenced / barbed-wire fencing †	बाड़ (fence, fencing; स्त्रीलिंग; "fencing around them" → उनके चारों ओर बाड़ लगाना; "fenced off" → बाड़ लगाकर अलग; "a fenced pit lake" → बाड़ से घिरी खदान झील) / "fenced with barbed wire", "with barbed-wire fencing" (उच्च न्यायालय के आदेश) → कँटीले तार से घेरकर; घेराबंदी नहीं
Building bye-laws (generic) / municipal bye-law / Model Building Bye-Laws †	भवन उपविधियाँ (building bye-laws, सामान्य अर्थ) / नगरपालिका उपविधि (municipal bye-law; परिशिष्ट 1D भाग B की आदर्श ULB उपविधि) / आदर्श भवन उपविधियाँ, 2016 (MBBL) — झारखंड का उपकरण: भवन उपविधि 2016 (ऊपर); "the building rules" (सामान्य वाक्यांश) → भवन नियम